UPSC 2026

संघ लोक सेवा आयोग

NODIA

प्रधानाचार्य एवं उप-प्रधानाचार्य

भाग - 1 (हिन्दी माध्यम)

शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन
Educational Measurement and Evaluation

अध्यायवार MCQs

Nodia

Scan QR for Demo PDF

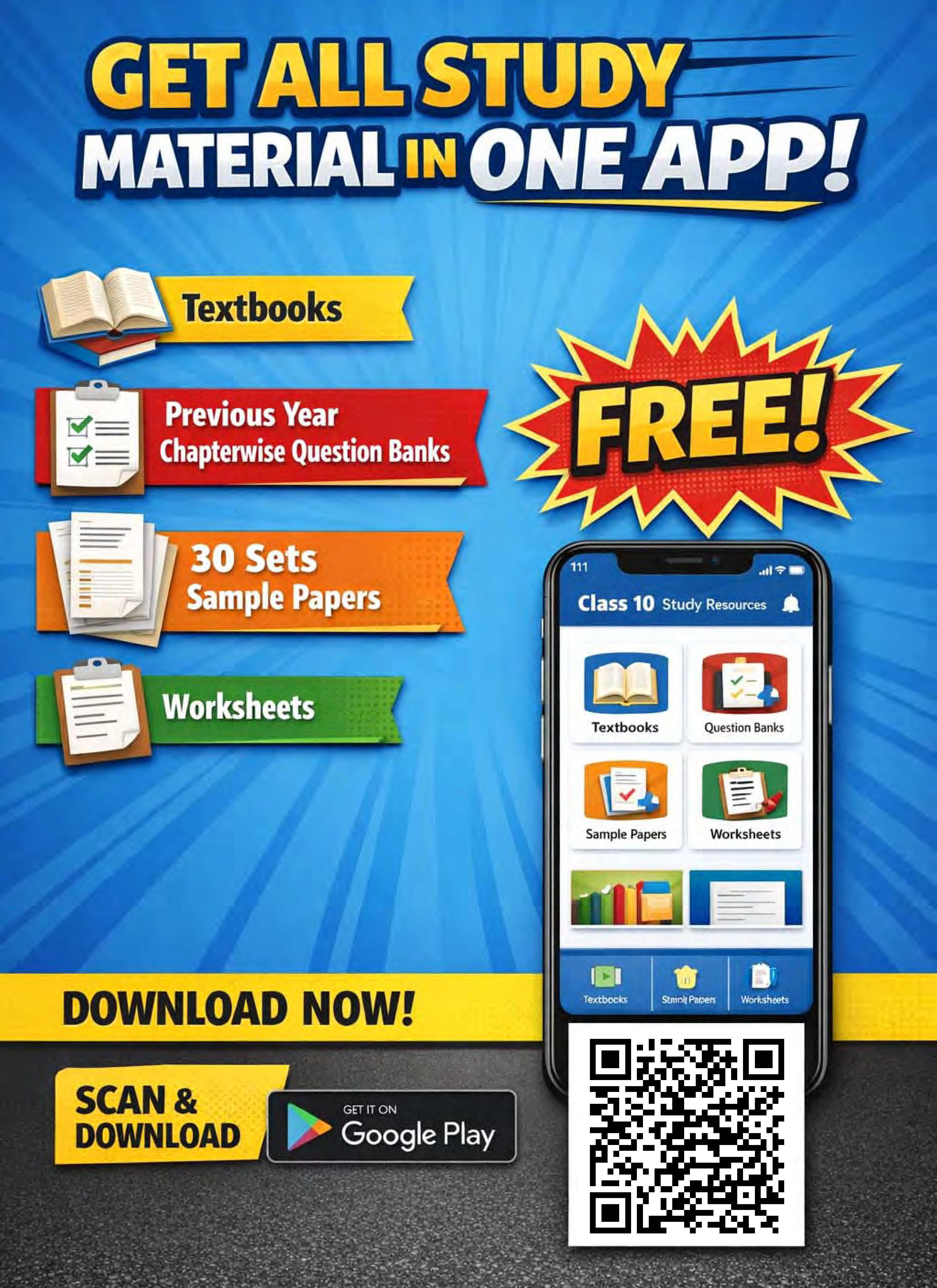
GET ALL STUDY
MATERIAL IN ONE APP!
Textbooks
Previous Year
Chapterwise Question Banks
30 Sets
Sample Papers
Worksheets
FREE!
Class 10 Study Resources
Textbooks
Question Banks
Sample Papers
Worksheets
DOWNLOAD NOW!
SCAN &
DOWNLOAD
GET IT ON
Google Play

UPSC 2026
संघ लोक सेवा आयोग

PRINCIPAL & VICE PRINCIPAL
प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्य

PART–1
Educational Measurement And Evaluation
शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन

अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक
नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार

Nodia

Downloaded from www.pdf.tube

UPSC प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्य शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन भाग 1
Edition July 2026
Published by :Nodia
An Imprint of NODIA EDITIONS LLP

इस पुस्तक में निहित जानकारी लेखक द्वारा ऐसे स्रोतों से प्राप्त की गई है जिन्हें विश्वसनीय माना गया है। तथापि, Nodia तथा इसके लेखक इस पुस्तक में दी गई किसी भी जानकारी की शुद्धता, पूर्णता अथवा अद्यतनता की कोई गारंटी नहीं देते हैं। इस पुस्तक में किसी प्रकार की त्रुटि, चूक अथवा इसमें निहित जानकारी के उपयोग से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हानि के लिए Nodia तथा इसके लेखक उत्तरदायी नहीं होंगे। यह पुस्तक इस समझ के साथ प्रकाशित की गई है कि Nodia तथा इसके लेखक केवल सामान्य जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। इसका उद्देश्य अभियांत्रिकी (Engineering) अथवा किसी अन्य व्यावसायिक या विशेषज्ञ सेवा अथवा परामर्श प्रदान करना नहीं है।

© NODIA EDITIONS LLP

MRP ₹390.00

NODIA EDITIONS LLP
125, Sector 6, Vidyadhar Nagar, Jaipur 302039
Phone :+91 9001005245
email : mail@nodia.in

विषय-सूची

अध्याय 1.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति	5
अध्याय 2.	दिल्ली शिक्षा अधिनियम 1973 और दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम 1973	48
अध्याय 3.	शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम 2009	90
अध्याय 4.	शिक्षा से संबंधित संवैधानिक प्रावधान	133
अध्याय 5.	शैक्षिक मापन: अवधारणाएँ, उपकरण और तकनीकें	175
अध्याय 6.	टेस्ट के प्रकार	214
अध्याय 7.	मूल्यांकन: रचनात्मक, योगात्मक और सीसीई	255
अध्याय 8.	शिक्षा में सांख्यिकी	296
अध्याय 9.	ग्रेडिंग सिस्टम और रिपोर्टिंग	335

****

Click Here to Buy book on Amazon

NODIA

अध्याय 01
राष्ट्रीय शिक्षा नीति

1. निम्नलिखित में से किस संकल्प ने 1968 की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Policy on Education - NPE) के लिए मूलभूत ढाँचा (Foundational Framework) तैयार किया?
   (A) सार्जेंट रिपोर्ट 1944 (Sargent Report 1944)
   (B) कोठारी आयोग (Kothari Commission) पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संकल्प (Resolution on National Policy on Education)
   (C) मुदालियर आयोग रिपोर्ट 1952-53 (Mudaliar Commission Report 1952-53)
   (D) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग रिपोर्ट 1948-49 (University Education Commission Report 1948-49)

2. कोठारी आयोग (Kothari Commission 1964-66) ने अपने विकासात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय आय (National Income) का कितना प्रतिशत शिक्षा के लिए आवंटित करने का प्रस्ताव रखा था?
   (A) 4 प्रतिशत
   (B) 5 प्रतिशत
   (C) 6 प्रतिशत
   (D) 8 प्रतिशत

3. आप दिल्ली के एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय के नवनियुक्त प्रधानाचार्य (Principal) हैं। आप देखते हैं कि घर से स्कूल की दूरी के कारण कक्षा IX की छात्राओं में ड्रॉपआउट दर (Dropout Rate) उच्च है। कोठारी आयोग (Kothari Commission) द्वारा सबसे पहले प्रतिपादित और बाद में राष्ट्रीय नीतियों में अपनाए गए मूलभूत सिद्धांतों से सीधे संकेत लेते हुए, व्यवस्थागत स्तर पर इस मुद्दे को हल करने के लिए नीति-अनुकूल संरचनात्मक सिफारिश (Policy-Aligned Structural Recommendation) क्या है?
   (A) पड़ोस के स्कूलों (Neighborhood Schools) द्वारा न्यायसंगत पहुँच प्रदान करने के लिए 'समान विद्यालय प्रणाली' (Common School System) की स्थापना करना
   (B) छात्राओं के लिए घर पर निजी ट्यूशन की व्यवस्था लागू करना
   (C) छात्राओं के लिए माध्यमिक पाठ्यक्रम (Secondary Curriculum) की अकादमिक जटिलता को कम करना
   (D) सभी माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य आवासीय शिक्षा का आदेश देना

4. कोठारी आयोग की रिपोर्ट का केंद्रीय दर्शन (Central Philosophy) क्या था, जिसे उपयुक्त रूप से "शिक्षा और राष्ट्रीय विकास" (Education and National Development) शीर्षक दिया गया था?
   (A) आर्थिक नियोजन से पृथक एक अलग अकादमिक प्रयास के रूप में शिक्षा
   (B) सांस्कृतिक विरासत (Cultural Heritage) को संरक्षित करने के विशेष साधन के रूप में शिक्षा
   (C) सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन (Social and Economic Transformation) के मुख्य साधन के रूप में शिक्षा
   (D) विदेशी निवेशकों की औद्योगिक आवश्यकताओं के साथ सख्ती से संरेखित शिक्षा

5. कोठारी आयोग (Kothari Commission 1964-66) की प्रमुख सिफारिशों के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
   (A) इसने माध्यमिक शिक्षा में त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) को समाप्त करने का सुझाव दिया।
   (B) इसने शैक्षणिक संरचना के 10+2+3 पैटर्न की सिफारिश की।
   (C) इसने समान विद्यालय प्रणाली (Common School System) की स्थापना की वकालत की।
   (D) इसने पाठ्यक्रम में कार्य अनुभव (Work Experience) और राष्ट्रीय सेवा के एकीकरण पर जोर दिया।

6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 (National Policy on Education 1968) का उद्देश्य मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस तंत्र के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण (National Integration) को बढ़ावा देना था?
   (A) प्रत्येक जिले में केंद्रीय विश्वविद्यालयों (Central Universities) की स्थापना
   (B) शिक्षा का अनिवार्य माध्यम केवल अंग्रेजी होना
   (C) राज्य स्तरीय शिक्षा बोर्डों का उन्मूलन
   (D) त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) को अपनाना

7. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
   अभिकथन (A) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 (NPE 1968) ने शैक्षिक अवसरों के समानिकरण (Equalisation of Educational Opportunities) की पुरजोर वकालत की।

Downloaded from www.pdf.tube

कारण (R) : नीति ने स्वीकार किया कि क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना और ग्रामीण एवं वंचित वर्गों पर ध्यान केंद्रित करना राष्ट्रीय एकजुटता के लिए आवश्यक है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

8. NPE 1968 के संदर्भ में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा (Science and Technology Education) पर बल देने का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?
(A) विकसित देशों में कुशल श्रमिकों के उत्प्रवास को सुगम बनाना
(B) पारंपरिक कला और मानविकी विषयों को पूरी तरह से प्रतिस्थापित करना
(C) आर्थिक विकास को गति देना और कृषि एवं उद्योग का आधुनिकीकरण करना
(D) विज्ञान शिक्षा का व्यवसायीकरण करके राज्य पर वित्तीय बोझ को कम करना

9. 1968 की नीति के बाद अपनाई गई संरचनात्मक दिशा-निर्देशों के अनुसार, आमतौर पर किस चरण में पहली सार्वजनिक परीक्षा (Public Examination) आयोजित करने की सिफारिश की गई थी?
(A) कक्षा V के अंत में
(B) कक्षा VIII के अंत में
(C) 12 वर्ष की स्कूली शिक्षा के अंत में
(D) 10 वर्ष की स्कूली शिक्षा के अंत में

10. NPE 1968 द्वारा औपचारिक रूप से समर्थित कौन सी मूलभूत अवधारणा विभिन्न सामाजिक स्तरों के बच्चों को एक ही स्कूल में एक साथ लाने के लिए बनाई गई थी?
(A) समान विद्यालय प्रणाली (Common School System)
(B) नवोदय विद्यालय प्रणाली (Navodaya Vidyalaya System)
(C) वैकल्पिक स्कूली शिक्षा मॉडल (Alternative Schooling Model)
(D) मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली (Open Distance Learning System)

11. NPE 1968 में व्यक्त त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. हिंदी भाषी क्षेत्रों में, इस सूत्र में हिंदी, अंग्रेजी और एक आधुनिक भारतीय भाषा (अधिमानतः दक्षिणी भाषा) शामिल थी।
II. गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में, इस सूत्र में क्षेत्रीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी शामिल थी।
III. इस सूत्र ने सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य भाषा के रूप में संस्कृत के अध्ययन को अनिवार्य बना दिया।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

12. निम्नलिखित में से किस कारक ने मुख्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (National Policy on Education 1986) के निर्माण को आवश्यक बनाया?
(A) 1968 की शिक्षा नीति द्वारा शुरू की गई 10+2+3 स्कूली संरचना की पूर्ण संरचनात्मक विफलता
(B) बदलती सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं, जनसांख्यिकीय वृद्धि और तकनीकी प्रवृत्तियों को संबोधित करने के लिए
(C) भारतीय उच्च शिक्षा को एकरूप बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय शासी निकायों का एक बाध्यकारी कानूनी निर्देश
(D) केंद्र सरकार को समय-समय पर शिक्षा नीति को संशोधित करने की आवश्यकता वाला स्पष्ट संवैधानिक जनादेश

13. NPE 1986 ने शैक्षिक प्रतिमान (Educational Paradigm) को केवल 'समान पहुँच' (Equal Access) प्रदान करने से बदलकर क्या प्रदान करने पर स्थानांतरित कर दिया?
(A) सफलता के लिए समान स्थितियाँ (Equal Conditions for Success)
(B) अभिजात वर्ग के लिए विशेष शिक्षा (Exclusive Education for Elite)
(C) सभी स्तरों पर एकसमान मानकीकृत परीक्षण (Uniform Standardized Testing)
(D) कक्षा I से सभी के लिए अनिवार्य व्यावसायिक शिक्षा (Mandatory Vocational Education)

14. प्राथमिक स्कूलों में भौतिक बुनियादी ढाँचे और शिक्षण सुविधाओं में अत्यधिक सुधार के लिए NPE 1986 के तहत कौन सी ऐतिहासिक केंद्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme) शुरू की गई थी?
(A) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
(B) मध्याह्न भोजन योजना (Mid-Day Meal Scheme)
(C) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड (Operation Blackboard)
(D) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan - RMSA)

15. NPE 1986 द्वारा शुरू किए गए निम्नलिखित प्रावधानों पर विचार कीजिए:
I. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (District Institute of Education and Training - DIETs) की स्थापना।
II. ग्रामीण प्रतिभाशाली बच्चों के लिए नवोदय विद्यालय योजना (Navodaya Vidyalaya Scheme) की शुरुआत।

NODIA

III. राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (National Literacy Mission - NLM) का शुभारंभ।
IV. स्कूली प्रणाली को 5+3+3+4 में पुनर्गठित करना।

उपरोक्त में से कौन से प्रावधान सख्ती से NPE 1986 के भाग थे?

(A) I, II और III
(B) II, III और IV
(C) I, III और IV
(D) I, II, III और IV

16. NPE 1986 के तहत जवाहर नवोदय विद्यालयों (JNVs) की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

(A) केवल आर्थिक रूप से वंचित शहरी विद्यार्थियों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा संस्थान (Higher Education Institutions) स्थापित करना
(B) विशेष रूप से शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए समर्पित विशेष आवासीय प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करना
(C) प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों को सांस्कृतिक मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा (Quality Modern Education) प्रदान करना
(D) राज्य द्वारा संचालित मौजूदा सार्वजनिक स्कूल प्रणालियों के नेटवर्क को धीरे-धीरे प्रतिस्थापित करना और समाप्त करना

17. NPE 1986 ने "महिलाओं की समानता के लिए शिक्षा" (Education for Women's Equality) पर स्पष्ट ध्यान दिया। इस प्रमुख क्षेत्र के तहत निम्नलिखित में से कौन सा एक मुख्य हस्तक्षेप (Intervention) था?

(A) विश्वविद्यालय स्तर के सभी संकाय पदों (Faculty Positions) का आरक्षण विशेष रूप से महिला शिक्षकों के लिए अनिवार्य करना
(B) महिलाओं के शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए महिला समाख्या कार्यक्रमों (Mahila Samakhya Programmes) का शुभारंभ
(C) सभी सार्वजनिक और निजी माध्यमिक विद्यालयों में लिंग के आधार पर पूर्ण संस्थागत पृथक्करण लागू करना
(D) सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में सभी छात्राओं के लिए पूरी तरह से ट्यूशन फीस माफ करना

18. अनुसूचित जातियों (SCs) और अनुसूचित जनजातियों (STs) के शैक्षिक विकास के संबंध में, NPE 1986 ने सिफारिश की:

(A) पूर्ण भागीदारी को सुगम बनाने के लिए स्कूल भवनों, बालवाड़ियों और प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों को स्थापित करना
(B) SC और ST के लिए अलग विश्वविद्यालय प्रणालियों की स्थापना करना
(C) सभी प्राथमिक स्कूल परीक्षाओं में केवल पासिंग मार्क्स के मानदंडों को कम करना
(D) क्षेत्रीय भाषाओं के लिए संक्रमणकालीन सहायता के बिना शिक्षा के माध्यम को पूरी तरह से जनजातीय बोलियों में स्थानांतरित करना

19. 1988 में एक दूरस्थ ग्रामीण स्कूल के प्रधानाचार्य (Principal) को 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' (Operation Blackboard) के तहत प्रदान की गई धनराशि का उपयोग करने का काम सौंपा गया है। NPE 1986 के दिशानिर्देशों के आधार पर, इस धनराशि का सबसे उपयुक्त प्रारंभिक उपयोग निम्नलिखित में से कौन सा है?

(A) उन्नत भौतिकी और रसायन विज्ञान के प्रयोगों के लिए विशेष वैज्ञानिक प्रयोगशाला उपकरण (Laboratory Equipment) खरीदना
(B) स्कूल के वार्षिक समारोहों के लिए बड़े बहुउद्देशीय सभागारों और प्रशासनिक भवनों का निर्माण करना
(C) मुफ्त छात्र परिवहन सेवाओं के लिए स्कूल बसों और वाहनों का बेड़ा प्राप्त करना
(D) कम से कम दो उपयोग योग्य कमरे, खिलौने और आवश्यक प्राथमिक शिक्षण सामग्री (Primary Learning Materials) प्रदान करना

20. कार्य योजना 1986 (Programme of Action - POA 1986) मुख्य रूप से निम्नलिखित के लिए तैयार की गई थी:

(A) NPE 1986 द्वारा निर्धारित सभी नीतिगत सिफारिशों को औपचारिक रूप से रद्द करना
(B) NPE 1986 के लिए एक परिचालन रणनीति और कार्यान्वयन रोडमैप (Operational Strategy and Implementation Roadmap) प्रदान करना
(C) सार्वजनिक शैक्षिक वित्तपोषण को मुख्य रूप से विशेष विश्वविद्यालय स्तर के शोध की ओर पुनः आवंटित करना
(D) सभी स्वतंत्र राज्य शिक्षा बोर्डों को एक एकल एकीकृत CBSE संरचना (CBSE Structure) के तहत विलय और केंद्रीकृत करना

21. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 को किस वर्ष महत्वपूर्ण रूप से संशोधित किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप एक अद्यतन कार्य योजना (Programme of Action - POA) सामने आई?

(A) 1989
(B) 1990
(C) 1992
(D) 1995

22. राममूर्ति समीक्षा समिति (1990) को NPE 1986 की समीक्षा के लिए नियुक्त किया गया था। बाद की समीक्षाओं के आधार पर POA 1992 में कौन सा बड़ा संशोधन लाया गया था?

(A) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड (Operation Blackboard) का उच्च प्राथमिक कक्षाओं (Upper Primary Classes) तक विस्तार करना
(B) देश भर में सभी जवाहर नवोदय विद्यालयों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना
(C) सभी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को पूर्ण निजी क्षेत्र के स्वामित्व में स्थानांतरित करना
(D) माध्यमिक स्कूल पाठ्यक्रम से व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) विषयों को पूरी तरह से

Click Here to Buy book on Flipkart

समाप्त करना

23. आप संशोधित POA 1992 को लागू करने वाले एक जिला शिक्षा अधिकारी (District Education Officer - DEO) हैं। आप अपने जिले में प्राथमिक शिक्षकों के लिए संरचित संस्थागत सहायता की गंभीर कमी देखते हैं। NPE 1986/92 द्वारा अनिवार्य किस संस्थागत ढाँचे के संचालन को आपको तुरंत प्राथमिकता देनी चाहिए?
(A) जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (District Institute of Education and Training - DIET)
(B) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (State Council of Educational Research and Training - SCERT)
(C) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (National Council for Teacher Education - NCTE)
(D) ब्लॉक संसाधन केंद्र (Block Resource Centre - BRC)

24. NPE 1986/92 का एक प्रमुख बल शिक्षा के व्यवसायीकरण (Vocationalization of Education) पर था। नीति ने किस शैक्षिक चरण में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्थित शुरुआत की परिकल्पना की थी?
(A) प्राथमिक चरण (कक्षा I-V)
(B) उच्च प्राथमिक चरण (कक्षा VI-VIII)
(C) स्नातक स्तर
(D) उच्चतर माध्यमिक चरण (+2 स्तर)

25. NPE 1986 ने वर्ष 1995 तक उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों को व्यावसायिक धाराओं (Vocational Streams) में मोड़ने का क्या लक्ष्य निर्धारित किया था?
(A) 10 प्रतिशत
(B) 25 प्रतिशत
(C) 50 प्रतिशत
(D) 75 प्रतिशत

26. स्कूली शिक्षा के लिए मुक्त शिक्षण प्रणालियों (Open Learning Systems) पर NPE 1986 के जोर के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में किस संस्थान की स्थापना की गई थी?
(A) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (Indira Gandhi National Open University - IGNOU)
(B) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT)
(C) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education - CBSE)
(D) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (National Institute of Open Schooling - NIOS)

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NPE 1986 ने विशेष रूप से प्राथमिक चरण में शिक्षा के लिए 'बाल-केंद्रित दृष्टिकोण' (Child-Centered Approach) पर जोर दिया।
कारण (R) : इसका उद्देश्य शारीरिक दंड को समाप्त करना और यह सुनिश्चित करना था कि आनंददायक अधिगम (Joyful Learning) के माध्यम से बच्चों को स्कूलों में बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

28. किस समिति की रिपोर्ट को आमतौर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020 - NEP 2020) के निर्माण की ओर ले जाने वाला शुरुआती ढांचा माना जाता है?
(A) टी.एस.आर. सुब्रमण्यम समिति (TSR Subramanian Committee)
(B) के. कस्तूरीरंगन समिति (K. Kasturirangan Committee)
(C) यशपाल समिति (Yash Pal Committee)
(D) जस्टिस वर्मा आयोग रिपोर्ट (Justice Verma Commission Report)

29. NEP 2020 के व्यापक दृष्टिकोण (Overarching Vision) का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को कैसा बनाकर भारत को एक न्यायसंगत और जीवंत ज्ञान समाज (Equitable and Vibrant Knowledge Society) में बदलना है?
(A) वैश्विक नागरिकों को बढ़ावा देते हुए भारतीय लोकाचार (Indian Ethos) में निहित
(B) विशेष रूप से पश्चिमी शैक्षिक दर्शन (Educational Philosophy) और प्रशासनिक प्रथाओं के साथ संरेखित
(C) पूरी तरह से निजी कॉर्पोरेट वित्तपोषण और गैर-सरकारी प्रबंधन पर निर्भर
(D) प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के लिए पूरी तरह से यांत्रिक रटने पर केंद्रित

30. स्कूली विषयों के बीच अंतरापृष्ठ (Interface) के संबंध में NEP 2020 में किस मूलभूत सिद्धांत पर बहुत जोर दिया गया है?
(A) वैज्ञानिक विषयों को मानविकी और कला से अलग करने वाला सख्त और कठोर संरचनात्मक विभाजन
(B) स्कूल की समय-सारणी से सभी सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों का पूर्ण उन्मूलन
(C) कक्षा VI से विद्यार्थियों को कठोर व्यावसायिक या अकादमिक ट्रैक्स में अनिवार्य प्रारंभिक विभाजन
(D) कला, विज्ञान, पाठ्यचर्या, पाठ्येतर और व्यावसायिक धाराओं के बीच कठोर सीमाओं को हटाना

31. NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित 5+3+3+4 पाठ्यचर्या और शिक्षण शास्त्र संरचना (Curricular and Pedagogical

Downloaded from www.pdf.tube

Structure) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. '5' का तात्पर्य बुनियादी चरण (Foundational Stage) से है जो 3 से 8 वर्ष की आयु को कवर करता है।

II. '3' का तात्पर्य प्रारंभिक चरण (Preparatory Stage) से है जो 8 से 11 वर्ष की आयु को कवर करता है।

III. दूसरे '3' का तात्पर्य मध्य चरण (Middle Stage) से है जो 11 से 14 वर्ष की आयु को कवर करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

32. NEP 2020 के अनुसार, बुनियादी चरण (Foundational Stage) के पहले भाग (3 वर्ष) में क्या शामिल है?

(A) कक्षा I, II और III
(B) आंगनवाड़ी / प्री-स्कूल / बालवाटिका (Anganwadi / Pre-School / Balvatika)
(C) कक्षा III, IV और V
(D) प्राथमिक प्रवेश के लिए तैयारी कोचिंग (Preparatory Coaching)

33. NEP 2020 ढांचे में कौन सा चरण विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) की शुरुआत की विशेषता रखता है?

(A) बुनियादी चरण (Foundational Stage)
(B) मध्य चरण (Middle Stage)
(C) प्रारंभिक चरण (Preparatory Stage)
(D) माध्यमिक चरण (Secondary Stage)

34. NEP 2020 द्वारा परिकल्पित माध्यमिक चरण (Secondary Stage - कक्षा 9-12) की गलत विशेषता की पहचान कीजिए।

(A) यह लचीलेपन के बिना विज्ञान, वाणिज्य या कला में कठोर विभाजन का आदेश देता है।
(B) इसमें विभिन्न विषय क्षेत्रों में बहु-विषयक अध्ययन (Multidisciplinary Study) के चार व्यापक वर्ष शामिल हैं।
(C) यह उच्च-स्तरीय गंभीर सोच कौशल (Critical Thinking Skills) को बढ़ावा देता है और विषय चयन में छात्र को लचीलापन देता है।
(D) यह माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विदेशी भाषाओं को सीखने के संरचित अवसर प्रदान करता है।

35. NEP 2020 के जवाब में राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान मिशन (National Mission on Foundational Literacy and Numeracy - FLN) की स्थापना की गई थी। सभी प्राथमिक स्कूलों में सार्वभौमिक FLN प्राप्त करने के लिए शिक्षा मंत्रालय (NIPUN Bharat दिशानिर्देशों के तहत) द्वारा निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा क्या है?

(A) 2025-26
(B) 2030-31
(C) 2023-24
(D) 2035-36

NODIA

36. निम्नलिखित में से कौन सा बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) ढांचे का मुख्य घटक नहीं है?

(A) मौखिक भाषा विकास (Oral Language Development)
(B) डिकोडिंग और पठन प्रवाह (Decoding and Reading Fluency)
(C) संख्या संक्रियाएं और स्थानिक समझ (Number Operations and Spatial Understanding)
(D) उन्नत कलन और त्रिकोणमिति (Advanced Calculus and Trigonometry)

37. पूरे देश में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, NEP 2020 किस राष्ट्रीय नीति को तैयार करने का प्रस्ताव करता है?

(A) राष्ट्रीय पुस्तकालय विस्तार नीति (National Library Expansion Policy)
(B) राष्ट्रीय डिजिटल रिपोजिटरी नीति (National Digital Repository Policy)
(C) राष्ट्रीय पुस्तक संवर्धन नीति (National Book Promotion Policy)
(D) राष्ट्रीय पठन आवास नीति (National Reading Habitation Policy)

38. NEP 2020 के अनुसार, जहाँ भी संभव हो, कम से कम ग्रेड 5 तक, लेकिन अधिमानतः ग्रेड 8 और उससे आगे तक शिक्षा का माध्यम (Medium of Instruction) क्या होगा?

(A) घर की भाषा या मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा (Home Language or Mother Tongue or Regional Language)
(B) सभी क्षेत्रों में एकसमान रूप से मानकीकृत अंग्रेजी भाषा निर्देश (Standardized English Medium Instruction)
(C) सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में अनिवार्य हिंदी भाषा निर्देश
(D) अधिगम के अनन्य माध्यम के रूप में लागू संस्कृत भाषा निर्देश

39. आप दिल्ली के एक भाषाई रूप से विविध स्कूल में प्रधानाचार्य (Principal) हैं। अभिभावकों का एक समूह अनुरोध करता है कि शिक्षण को कक्षा I से सख्ती से अंग्रेजी में बदल दिया जाए। बहुभाषावाद (Multilingualism) पर NEP 2020 के रुख के आधार पर, उन्हें नीति की स्थिति समझाने का आपका सबसे उपयुक्त शैक्षिक तर्क क्या है?

(A) वैधानिक केंद्रीय कानून ग्रेड I से अंग्रेजी को शिक्षा का अनिवार्य माध्यम बनाता है।
(B) प्राथमिक शिक्षा के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों से क्षेत्रीय भाषाओं को व्यवस्थित रूप से समाप्त किया जा रहा है।
(C) अंग्रेजी में प्रवाह भविष्य के पेशेवर रोजगार के लिए एकमात्र गारंटीकृत पूर्वापेक्षा के रूप में कार्य करता है।
(D) बच्चे अपनी घर की भाषा या मातृभाषा में जटिल अवधारणाओं को अधिक तेजी से समझते हैं।

40. त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) के प्रति NEP 2020 के संशोधित दृष्टिकोण के तहत, भाषाओं के चयन के संबंध में मुख्य शर्त क्या है?
(A) तीन में से दो भाषाएं भारत की मूल (Native to India) होनी चाहिए।
(B) सभी राज्यों में हिंदी अनिवार्य होनी चाहिए।
(C) अंग्रेजी तीन भाषाओं में से एक नहीं हो सकती।
(D) एक भाषा अनिवार्य रूप से विदेशी भाषा (Foreign Language) होनी चाहिए।

41. किस चरण में NEP 2020 मुख्यधारा की शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) के एकीकरण का आदेश देता है, जिसमें इंटर्नशिप के लिए 10-दिवसीय बस्ते के बिना (Bagless Days) अवधि भी शामिल है?
(A) बुनियादी चरण (Foundational Stage)
(B) मध्य चरण (Middle Stage - ग्रेड 6-8)
(C) प्रारंभिक चरण (Preparatory Stage)
(D) माध्यमिक चरण (Secondary Stage - ग्रेड 11-12)

42. NEP 2020 योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) से एक ऐसी मूल्यांकन प्रणाली की ओर बदलाव पर जोर देता है जो:
(A) पूरी तरह से मानक-संदर्भित (Norm-Referenced) हो
(B) केवल बहुविकल्पीय प्रश्नों पर निर्भर हो
(C) रचनात्मक और योग्यता-आधारित (Formative and Competency-Based) हो
(D) निजी परीक्षण एजेंसियों को पूरी तरह से आउटसोर्स की गई हो

43. किसी संस्थान के प्रमुख (Head of Institution) के रूप में, आप NEP 2020 द्वारा अनिवार्य नया समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) पेश कर रहे हैं। आपको इस कार्ड में निम्नलिखित में से कौन से तत्व शामिल करना सुनिश्चित करना चाहिए?
(A) केवल सत्र के अंत की योगात्मक परीक्षा के अंकों के माध्यम से मापी गई अकादमिक संज्ञानात्मक उपलब्धियां (Academic Cognitive Achievements)
(B) उच्चतम से निम्नतम कुल अंक तक सख्ती से संख्यात्मक क्रम में व्यवस्थित तुलनात्मक छात्र रैंकिंग
(C) संज्ञानात्मक या सामाजिक विकास का मूल्यांकन किए बिना शारीरिक और मनोप्रेरणा कौशलों का अनन्य मूल्यांकन
(D) स्व, सहपाठी और शिक्षक इनपुट को मिलाने वाली 360-डिग्री बहुआयामी रिपोर्ट (360-Degree Multidimensional Report)

44. NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र 'परख' (PARAKH) का पूर्ण रूप क्या है?
(A) समग्र विकास के लिए प्रदर्शन का आकलन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण
(B) बच्चों के समग्र विकास का प्राथमिक आकलन, शोध और विश्लेषण
(C) मानव विकास के लिए प्रगति का आकलन, समीक्षा और ज्ञान का अनुप्रयोग
(D) समग्र शिक्षा के लिए प्रदर्शन का विश्लेषण, शोध और ज्ञान का अनुप्रयोग

45. NEP 2020 के तहत स्थापित 'परख' (PARAKH) की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) सालाना राष्ट्रीय नागरिक सेवाओं की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं (Competitive Examinations) को सीधे आयोजित करना
(B) सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में आधिकारिक मानकीकृत पाठ्यपुस्तकों को प्रकाशित और वितरित करना
(C) सभी मान्यता प्राप्त भारतीय स्कूल बोर्डों के लिए मानदंड, मानक और मूल्यांकन दिशानिर्देश (Norms, Standards, and Assessment Guidelines) निर्धारित करना
(D) केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षण कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय भर्ती प्रक्रिया का संचालन करना

46. NEP 2020 के तहत, अध्यापन के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता (Minimum Degree Qualification) क्या है जो 2030 तक अनिवार्य हो जाएगी?
(A) 2-वर्षीय बी.एड.
(B) 1-वर्षीय बी.एड.
(C) प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा (Diploma in Elementary Education - D.El.Ed.)
(D) 4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. (4-Year Integrated B.Ed.)

47. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NEP 2020 सिफारिश करता है कि सभी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों (Teacher Education Programmes) को बहु-विषयक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित किया जाए।
कारण (R) : एकल शिक्षक शिक्षा संस्थान (Stand-alone Teacher Education Institutes) उच्च मानकों को बनाए रखने में काफी हद तक सफल रहे हैं, लेकिन उन्हें एकीकृत करने से प्रशासनिक लागत कम होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है

Click Here to Buy book on Amazon

(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

48. NEP 2020 शिक्षक मूल्यांकन और व्यावसायिक विकास के मार्गदर्शन के लिए NPST के निर्माण का प्रस्ताव करता है। NPST का पूर्ण रूप क्या है?
(A) स्कूल शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल
(B) शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पेशेवर मानक
(C) शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय शिक्षण-पद्धति और पाठ्यक्रम
(D) स्कूल प्रशिक्षण के लिए नोडल कार्यक्रम

49. NEP 2020 के अनुसार शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (National Professional Standards for Teachers - NPST) विकसित करने के लिए कौन सा संगठन जिम्मेदार है?
(A) शिक्षा मंत्रालय के तहत कार्यरत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (University Grants Commission - UGC)
(B) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education - CBSE) केंद्रीय पाठ्यक्रम निदेशालय
(C) NCERT के परामर्श से NCTE
(D) राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (National Testing Agency - NTA)

50. NEP 2020 लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों के लिए कम प्रतिनिधित्व वाले और वंचित समूहों को एक ही व्यापक श्रेणी में समूहित करता है। यह शब्द क्या है?
(A) सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह (Socio-Economically Disadvantaged Groups - SEDGs)
(B) सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग (Socially and Educationally Backward Classes - SEBCs)
(C) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (Economically Weaker Sections - EWS)
(D) सीमांत शिक्षा समुदाय (Marginalized Education Communities - MECs)

51. सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों (SEDGs) की न्यायसंगत शिक्षा के लिए NEP 2020 में उल्लिखित निम्नलिखित पहलों पर विचार कीजिए:
I. बड़ी SEDG आबादी वाले क्षेत्रों को विशेष शिक्षा क्षेत्र (Special Education Zones - SEZs) घोषित करना।
II. लिंग-समावेशन कोष (Gender-Inclusion Fund) की स्थापना।
III. कक्षा 12 तक SEDG विद्यार्थियों के लिए सभी परीक्षाओं से पूरी छूट।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

52. शिक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए, NEP 2020 प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विचारों के स्वतंत्र आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु एक स्वायत्त निकाय के निर्माण का प्रस्ताव करता है। इस निकाय का नाम बताइए।
(A) राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (National Educational Technology Forum - NETF)
(B) केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (Central Institute of Educational Technology - CIET)
(C) भारतीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी परिषद (Indian Council of Educational Technology - ICET)
(D) स्कूलों में प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय परिषद (National Council for Technology in Schools - NCTS)

NODIA

53. शिक्षकों और विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल शैक्षिक संसाधन प्रदान करने के लिए NEP 2020 किस मौजूदा राष्ट्रीय मंच का पुरजोर समर्थन करता है?
(A) स्वयं (SWAYAM)
(B) ई-पीजी पाठशाला (e-PG Pathshala)
(C) दीक्षा (DIKSHA)
(D) एनपीटीईएल (NPTEL)

54. पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) एक व्यापक पहल है जो NEP 2020 के लक्ष्यों के साथ अत्यधिक संरेखित है। इसका प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) सभी सार्वजनिक स्कूल शिक्षकों को मुफ्त उच्च प्रदर्शन वाले व्यक्तिगत लैपटॉप और इंटरनेट डेटा पैक वितरित करना
(B) भौतिक स्कूल के बुनियादी ढाँचे को पूरी तरह से स्वचालित वर्चुअल रियलिटी डिजिटल कक्षाओं से व्यवस्थित रूप से प्रतिस्थापित करना
(C) राज्य सरकार के शिक्षा विभागों में सभी प्रशासनिक और वित्तीय रिकॉर्डों को डिजिटल प्रारूपों में स्थानांतरित करना
(D) बहु-मोड पहुँच के लिए डिजिटल, ऑनलाइन और प्रसारण शैक्षिक पहलों को एकीकृत करना

55. NPE 1986 और NEP 2020 की तुलना करने वाले निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. NPE 1986 ने 10+2+3 संरचना स्थापित की, जबकि NEP 2020 एक 5+3+3+4 संरचना का प्रस्ताव करता है।
II. दोनों नीतियों ने प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा पर जोर दिया, लेकिन NEP 2020 इसे औपचारिक रूप से औपचारिक स्कूली शिक्षा संरचना में एकीकृत करता है।

III. NPE 1986 कक्षा 10 के बाद व्यावसायिक धाराओं पर अत्यधिक निर्भर था, जबकि NEP 2020 कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करता है।
IV. दोनों नीतियों का आदेश है कि माध्यमिक स्तर पर केवल अंग्रेजी ही शिक्षा का एकमात्र माध्यम होनी चाहिए।

उपरोक्त में से कौन से कथन नीतियों की तुलनात्मक स्थितियों को सटीक रूप से दर्शाते हैं?
(A) I, II और III
(B) I, III और IV
(C) II, III और IV
(D) I, II, III और IV

56. NPE 1986 और NEP 2020 के मूल्यांकन दर्शन (Assessment Philosophies) के बीच मुख्य अंतर क्या है?
(A) NPE 1986 ने बोर्ड परीक्षाओं (Board Examinations) के पूर्ण उन्मूलन की वकालत की, जबकि NEP 2020 ने उन्हें काफी कठिन बनाने के लिए नया रूप दिया।
(B) NPE 1986 लगभग पूरी तरह से सहपाठी मूल्यांकन विधियों पर निर्भर था, जबकि NEP 2020 बाहरी विशेष मूल्यांकनकर्ताओं को अनिवार्य करता है।
(C) NPE 1986 ने योगात्मक परीक्षण (Summative Testing) पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि NEP 2020 रचनात्मक, योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Formative, Competency-Based Evaluation) को बढ़ावा देता है।
(D) मूल्यांकन दर्शन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है; दोनों नीतियां सटीक रूप से एक ही परीक्षा प्रणाली की वकालत करती हैं।

57. किस नीति ने पूरे देश में पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाने के साधन के रूप में "राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा" (National Curriculum Framework - NCF) की अवधारणा को औपचारिक रूप से पेश किया?
(A) एनपीई 1968
(B) पीओए 1992
(C) एनईपी 2020
(D) एनपीई 1986

58. भारत में शिक्षा आयोगों की समय-सीमा की समीक्षा करते हुए, आयोग/समिति को उनकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के संबंधित वर्ष से मिलाएँ:
1. कोठारी आयोग (Kothari Commission)
2. राममूर्ति समिति (Ramamurti Committee)
3. कस्तूरीरंगन समिति (Kasturirangan Committee)
4. यशपाल समिति (Yash Pal Committee)

उनके गठन/रिपोर्टिंग का सही कालानुक्रमिक क्रम चुनें:
(A) 1, 4, 2, 3
(B) 1, 2, 4, 3
(C) 4, 1, 2, 3
(D) 1, 2, 3, 4

59. NPE 1968 के कार्यान्वयन की एक प्रमुख आलोचना थी:
(A) माध्यमिक शिक्षा की कीमत पर बुनियादी साक्षरता (Basic Literacy) पर अत्यधिक नीतिगत ध्यान
(B) भारतीय सामाजिक-आर्थिक संदर्भों के लिए अनुपयुक्त विदेशी शैक्षिक ढाँचों पर अत्यधिक निर्भरता
(C) कार्य कार्यक्रम (Action Program) का अभाव और वित्तीय बाधाएं
(D) बिना किसी विनियमन के संचालित होने वाले शुल्क लेने वाले निजी संस्थानों का अनियंत्रित प्रसार

60. NPE 1986 के व्यवसायीकरण लक्ष्य (Vocationalization Target) के कार्यान्वयन में पहचाची गई एक बड़ी चुनौती थी:
(A) पेश किए गए पाठ्यक्रमों और वास्तविक जॉब मार्केट की मांगों के बीच बेमेल (Mismatch)
(B) गैर-अकादमिक व्यावसायिक धाराओं (Non-Academic Vocational Streams) में दाखिला लेने के लिए विद्यार्थियों के बीच व्यापक अनिच्छा और इनकार
(C) विशेष रूप से योजना के लिए समर्पित केंद्र सरकार के बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण की गंभीर कमी
(D) व्यावसायिक प्रशिक्षकों की अत्यधिक प्रचुरता जिसके परिणामस्वरूप राज्यों में प्रशासनिक अकुशलता हुई

61. NEP 2020 के संदर्भ में, "बहु-विषयक" (Multidisciplinary) उच्च शिक्षा संस्थानों की ओर बदलाव का क्या अर्थ है?
(A) संस्थान विशेष रूप से खेल और प्रदर्शन कला जैसी गैर-अकादमिक पाठ्येतर गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
(B) विद्यार्थियों को कम से कम पांच अलग-अलग विषय क्षेत्रों में समवर्ती डिग्री आवश्यकताओं को पूरा करने की सख्ती से आवश्यकता होगी।
(C) मौजूदा सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों (Public and Private Universities) को संरचनात्मक रूप से पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा और प्राथमिक स्कूलों में परिवर्तित किया जाएगा।
(D) जीवंत बहु-विषयक विश्वविद्यालयों के पक्ष में एकल-धारा संस्थानों (Single-Stream Institutions) को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा।

62. NEP 2020 के तहत 5+3+3+4 संरचना के कार्यान्वयन में निम्नलिखित में से कौन सी एक केंद्रीय चुनौती प्रत्याशित है?
(A) यह अनिवार्य करना कि सभी प्राथमिक स्कूल के विद्यार्थी ग्रेड 1 से एक साथ चार अलग-अलग भाषाएं सीखें
(B) पर्याप्त बुनियादी ढाँचे और प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ आंगनवाड़ियों को स्कूली शिक्षा में एकीकृत करना
(C) एक सख्त एक वर्ष की समय-सीमा के भीतर सभी स्वतंत्र राज्य शिक्षा बोर्डों को तुरंत समाप्त करना
(D) कुल मानकीकरण लागू करने के लिए सभी निजी शैक्षणिक संस्थानों को व्यवस्थित रूप से बंद करना

Downloaded from www.pdf.tube

63. आप NEP 2020 के साथ संरेखित करने के लिए अपने स्कूल के लिए एक संस्थागत विकास योजना (Institutional Development Plan) तैयार कर रहे हैं। आप "कला-एकीकृत अधिगम" (Art-Integrated Learning) शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इस एकीकरण का प्राथमिक शिक्षण शास्त्रीय तर्क (Pedagogical Rationale) क्या है?
(A) हर स्कूल की कक्षा से प्रमाणित पेशेवर दृश्य और प्रदर्शन कलाकारों को प्रशिक्षित करना और तैयार करना
(B) जब भी नियमित विषय शिक्षक स्कूल से अनुपस्थित हों तो अस्थायी प्रतिस्थापन गतिविधियां प्रदान करना
(C) आनंदपूर्वक विषयों में अवधारणाओं को सीखने के लिए एक शिक्षण शास्त्रीय उपकरण के रूप में कला का उपयोग करना
(D) चयनित विद्यार्थियों को केवल जिला स्तर पर क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए कोचिंग देना और तैयार करना

64. विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा के माध्यम के संबंध में कोठारी आयोग की स्पष्ट सिफारिश क्या थी?
(A) अंग्रेजी में पूर्ण और तत्काल बदलाव
(B) हिंदी में पूर्ण और तत्काल बदलाव
(C) अंग्रेजी के अलावा किसी अंतर्राष्ट्रीय भाषा (International Language) को अपनाना
(D) क्षेत्रीय भाषाओं में क्रमिक संक्रमण (Gradual Transition)

65. शिक्षा में पृथक्करण को समाप्त करने के लिए "पड़ोस के स्कूल" (Neighbourhood Schools) की अवधारणा का निम्नलिखित में से किसके द्वारा पुरजोर समर्थन किया गया था?
(A) यशपाल समिति (Yash Pal Committee)
(B) कोठारी आयोग (Kothari Commission)
(C) NPE 1968
(D) (B) और (C) दोनों

66. NPE 1968 ने स्पष्ट रूप से कहा कि शैक्षिक प्रणाली को चरित्र और क्षमता वाले ऐसे युवाओं को तैयार करना चाहिए जो निम्नलिखित के प्रति प्रतिबद्ध हों:
(A) वैश्विक कॉर्पोरेट प्रभुत्व
(B) विशुद्ध अकादमिक अनुसंधान (Pure Academic Research)
(C) राष्ट्रीय सेवा और विकास (National Service and Development)
(D) पारंपरिक जाति संरचनाओं को बनाए रखना

67. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NPE 1986 ने "डिग्रियों को नौकरियों से अलग करने" (De-linking Degrees from Jobs) की आवश्यकता पर बल दिया।
कारण (R) : इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा पर अनुचित दबाव को कम करना और केवल औपचारिक डिग्रियों पर निर्भर रहने के बजाय कौशल-आधारित भर्ती को बढ़ावा देना था।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

68. प्राथमिक स्कूलों के प्रावधान के संबंध में NPE 1986 द्वारा निर्धारित विशिष्ट लक्ष्य क्या था?
(A) प्रत्येक ग्रामीण बसावट के 5 किलोमीटर के दायरे में एक पूरी तरह से सुसज्जित प्राथमिक स्कूल स्थापित करना
(B) नए प्राथमिक स्कूलों के निर्माण को केवल नामित ब्लॉक प्रशासनिक मुख्यालयों तक सीमित करना
(C) जिला केंद्रों पर स्थित विशाल समेकित परिसरों में प्राथमिक शिक्षा सुविधाओं को केंद्रीकृत करना
(D) 300 लोगों की आबादी वाली बसावटों के 1 किमी के भीतर प्राथमिक स्कूल

69. राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए NPE 1986 द्वारा पाठ्यक्रम में निम्नलिखित में से कौन सा घटक प्रमुखता से शामिल किया गया था?
(A) पूरी तरह से अलग राज्य पाठ्यक्रम डिजाइन करना जिसमें शून्य मानकीकृत राष्ट्रीय तत्व शामिल हों
(B) सभी माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा और शारीरिक प्रशिक्षण प्रोटोकॉल (Physical Training Protocols) लागू करना
(C) भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत (Shared Cultural Heritage) के तत्वों को शामिल करने वाला एक मूल पाठ्यक्रम (Core Curriculum)
(D) सभी माध्यमिक स्कूलों में विदेशी राजनीतिक संविधानों के अनिवार्य अकादमिक अध्ययन की शुरुआत करना

70. POA 1992 के संशोधनों के अनुसार, 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' (Operation Blackboard) का विस्तारित दायरा क्या था?
(A) योजना को पूरी तरह से प्रौढ़ साक्षरता और गैर-औपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पुनरुद्देशित किया गया था
(B) उच्च प्राथमिक स्कूलों तक विस्तार और तीसरा शिक्षक जोड़ना
(C) सभी सार्वजनिक माध्यमिक स्कूलों में डिजिटल स्मार्टबोर्ड और कंप्यूटर स्थापित करने के लिए योजना को व्यापक बनाया गया था
(D) अत्यधिक पिछड़े जनजातीय जिलों तक वित्तपोषण को सख्ती से सीमित करने के लिए दायरे को काफी कम कर दिया गया था

71. NPE 1986/92 के तहत स्थापित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (DIETs) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इन्हें प्रारंभिक स्कूल शिक्षकों को सेवा-पूर्व और सेवा-

NODIA

कालीन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बनाया गया था।

II. ये जिला स्तर पर अकादमिक सहायता के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करते हैं।

III. इन्हें सीधे संयुक्त राष्ट्र द्वारा पूरी तरह से नियंत्रित और वित्तपोषित किया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

72. गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए NPE 1986 ने उच्च शिक्षा के किस पहलू को विशेष रूप से विनियमित करने का प्रयास किया?

(A) किसी भी नए उच्च शिक्षा संस्थान की स्थापना पर एक सख्त, दीर्घकालिक वैधानिक प्रतिबंध लगाना
(B) सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों को निजी कॉर्पोरेट संस्थाओं में पूर्ण स्थानांतरण का आदेश देना
(C) राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (National Assessment and Accreditation Council - NAAC) की स्थापना करना
(D) सभी विश्वविद्यालय शिक्षण नियुक्तियों के लिए राष्ट्रीय NET/SLET पात्रता मानदंडों को स्थायी रूप से माफ करना

73. निम्नलिखित में से कौन सा NPE 1986 में परिकल्पित "राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली" (National System of Education) का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(A) एक कठोर आवश्यकता लागू करना जहाँ प्रत्येक स्कूल स्थानीय प्रासंगिक भिन्नताओं के बिना समान पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करता है
(B) केंद्र सरकार द्वारा सीधे प्रबंधित सभी सार्वजनिक स्कूल शिक्षकों की भर्ती का पूर्ण केंद्रीय नियंत्रण
(C) एक एकीकृत केंद्रीय प्रशासनिक मॉडल बनाने के लिए राज्य स्तरीय शिक्षा बोर्डों का पूर्ण वैधानिक विघटन
(D) पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना एक निश्चित स्तर तक सभी विद्यार्थियों के लिए तुलनीय गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच

74. बुनियादी चरण (Foundational Stage) में NEP 2020 द्वारा शिक्षण शास्त्र में किस बड़े प्रतिमान बदलाव (Paradigm Shift) की मांग की गई है?

(A) खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित शिक्षण (Play-Based, Activity-Based, and Discovery-Based Learning) की ओर बदलाव
(B) पारंपरिक, पाठ्यपुस्तक-केंद्रित निर्देशात्मक विधियों और व्याख्यान प्रारूपों (Lecture Formats) की ओर कठोरता से बढ़ना
(C) वर्णमाला, संख्याओं और बुनियादी तालिकाओं के यांत्रिक रटने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना
(D) प्रारंभिक बचपन के मूल्यांकन के लिए अनिवार्य, उच्च-जोखिम वाली औपचारिक लिखित परीक्षाएं लागू करना

75. NEP 2020 के तहत "प्रारंभिक चरण" (Preparatory Stage - कक्षा 3 से 5) किस पर ध्यान केंद्रित करता है?

(A) माध्यमिक बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को गहन अकादमिक अभ्यास सत्रों में संलग्न करना
(B) खेल-आधारित शिक्षण से इंटरैक्टिव कक्षा शिक्षण में परिवर्तन (Transitioning to Interactive Classroom Instruction)
(C) व्यावहारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण और तकनीकी कौशल विकास (Technical Skill Development) पर विशेष पाठ्यचर्या ध्यान केंद्रित करना
(D) भौतिक पाठ्यपुस्तकों को पूरी तरह से समाप्त करते हुए पाठ्यक्रम सामग्री का पूर्ण डिजिटलीकरण लागू करना

76. NEP 2020 में, "प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शिक्षण शास्त्रीय ढाँचा" (NCPFECCE) की क्या भूमिका है?

(A) राष्ट्रीय स्तर की उच्च शिक्षा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं का मानकीकरण और डिजाइनिंग
(B) सभी निजी प्री-स्कूल संस्थानों में ट्यूशन फीस संरचनाओं की निगरानी और विनियमन करना
(C) 8 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षण शास्त्र और पाठ्यक्रम का मार्गदर्शन करना
(D) राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षाओं के लिए व्यापक पाठ्यक्रम और परीक्षा दिशानिर्देश स्थापित करना

77. FLN के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, NEP 2020 सामुदायिक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। नीति निम्नलिखित में से किस समुदाय-आधारित पहल की सिफारिश करती है?

(A) अप्रशिक्षित स्थानीय सामुदायिक स्वयंसेवकों को कक्षा शिक्षण जिम्मेदारियां पूरी तरह से आउटसोर्स करना
(B) FLN शिक्षण सामग्री खरीदने के लिए सभी नामांकित अभिभावकों से अनिवार्य नकद योगदान की आवश्यकता होना
(C) औपचारिक प्राथमिक स्कूलों को व्यवस्थित रूप से बंद करना और कक्षाओं को स्थानीय सामुदायिक भवनों में स्थानांतरित करना
(D) छात्र अधिगम का समर्थन करने के लिए स्थानीय समुदाय के सदस्यों और सहपाठी ट्यूटरों (Peer Tutors) का उपयोग करना

78. कौन सी नीति स्पष्ट रूप से कहती है कि "'पाठ्यचर्या', 'पाठ्येतर', या 'सह-पाठ्यचर्या' क्षेत्रों के बीच कोई कठोर अलगाव नहीं होगा"?

(A) एनपीई 1968
(B) एनपीई 1986
(C) एनईपी 2020
(D) पावर ऑफ अटार्नी 1992

Click Here to Buy book on Flipkart

79. आप देखते हैं कि आपके स्कूल का वर्तमान मूल्यांकन पैटर्न रटने की प्रवृत्ति को अत्यधिक पुरस्कृत करता है। NEP 2020 के दिशानिर्देशों के तहत, आपको मूल्यांकन ढांचे को निम्नलिखित में से किसकी ओर स्थानांतरित करना चाहिए?
(A) गंभीर सोच और वैचारिक स्पष्टता पर केंद्रित योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Evaluation)
(B) नकारात्मक अंकन योजनाओं के साथ शामिल लगातार, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी मानकीकृत परीक्षाएं आयोजित करना
(C) कक्षा 10 पूरा होने तक सभी प्रकार के औपचारिक और अनौपचारिक छात्र मूल्यांकनों को पूरी तरह से समाप्त करना
(D) खुली पुस्तक परीक्षाएं (Open-Book Examinations) लागू करना जो विद्यार्थियों को सीधे पाठ्यपुस्तकों से उत्तर कॉपी करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं

80. NEP 2020 के अनुसार, ग्रेड 10 और 12 के लिए बोर्ड परीक्षाएं जारी रखी जाएंगी, लेकिन उन्हें निम्नलिखित के लिए पुनर्जीवित किया जाएगा:
(A) मुख्य रूप से पाठ्यपुस्तक सामग्री के यांत्रिक रटने का परीक्षण जारी रखना
(B) पास होने के लिए काफी कठिन और अधिक मांग वाला बनाने के लिए पुनर्डिजाइन किया जाना
(C) मोबाइल फोन के माध्यम से एक्सेस किए गए ऑनलाइन परीक्षण मंचों (Online Testing Platforms) के माध्यम से विशेष रूप से आयोजित किया जाना
(D) महीनों की कोचिंग और रटने के बजाय मुख्य योग्यताओं (Core Competencies) का परीक्षण करना

81. विद्यार्थियों के स्कूली वर्षों के दौरान उनकी प्रगति को ट्रैक करने के लिए, NEP 2020 आजीवन रिकॉर्ड बनाने का प्रस्ताव करता है। इस अवधारणा को किस नाम से जाना जाता है?
(A) राष्ट्रीय छात्र पहचानकर्ता प्रणाली (National Student Identifier System)
(B) अपार (APAAR) / एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (Academic Bank of Credits - ABC)
(C) सार्वभौमिक केंद्रीकृत परीक्षा पोर्टल (Universal Centralized Examination Portal)
(D) केंद्रीकृत छात्र योग्यता डेटाबेस (Centralized Student Merit Database)

82. स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (National Curriculum Framework for School Education - NCFSE) तैयार करने का काम NEP 2020 द्वारा निम्नलिखित में से किस निकाय को सौंपा गया है?
(A) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education - CBSE)
(B) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (National Council for Teacher Education - NCTE)
(C) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT)
(D) नीति आयोग (NITI Aayog)

NODIA

83. आपके स्कूल का एक शिक्षक शिकायत करता है कि पाठ्यक्रम पूरा करने से गंभीर सोच (Critical Thinking) संबंधी गतिविधियों के लिए समय नहीं बचता है। NEP 2020 को लागू करने वाले प्रधानाचार्य (Principal) के रूप में, आपको पाठ्यक्रम लेनदेन (Curriculum Transaction) को कैसे निर्देशित करना चाहिए?
(A) शिक्षक को निर्धारित पाठ्यपुस्तक सामग्री के प्रत्येक पृष्ठ को कवर करने के लिए शिक्षण गति को काफी तेज करने का निर्देश दें।
(B) पाठ्यक्रम को पूरा करने की ओर सभी स्कूल घंटों को पुनः आवंटित करने के लिए सभी सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर कार्यक्रमों को रद्द करें।
(C) शिक्षक को व्यवस्थित रूप से किसी भी शेष अधूरे पाठ्यक्रम अध्यायों को स्व-अध्ययन गृहकार्य (Self-Study Homework) के रूप में सौंपने की सलाह दें।
(D) मुख्य अनिवार्यताओं (Core Essentials) पर ध्यान केंद्रित करें, अनुभवात्मक अधिगम और गंभीर सोच को सक्षम करने के लिए पाठ्यक्रम के बोझ को कम करें।

84. विकलांग बच्चों (Children with Disabilities) की शिक्षा के संबंध में, NEP 2020 निम्नलिखित की पुरजोर वकालत करता है:
(A) सभी विकलांग बच्चों के लिए विशेष रूप से पूरी तरह से अलग, विशेष आवासीय संस्थान स्थापित करना।
(B) समावेशी शिक्षा (Inclusive Education), विकलांग बच्चों को बुनियादी से लेकर उच्च चरणों तक नियमित स्कूली शिक्षा में एकीकृत करना।
(C) विशेष रूप से होम-स्कूलिंग विकल्प (Home-Schooling Options) प्रदान करना, विकलांग बच्चों को भौतिक स्कूलों में भाग लेने से रोकना।
(D) विकलांग विद्यार्थियों को अकादमिक मूल्यांकनों और उपस्थिति आवश्यकताओं के सभी रुपों से स्थायी रूप से छूट देना।

85. NEP 2020 विशिष्ट छात्र प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने के महत्व को स्वीकार करता है। इसे हासिल करने के लिए, यह प्रोत्साहित करता है:
(A) सभी शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण सामग्री को एक एकल, एकसमान पाठ्यक्रम (Uniform Curriculum) में मानकीकृत करना
(B) विज्ञान, गणित और कविता मंडलियों जैसे विषय-आधारित क्लबों (Topic-Based Clubs) की स्थापना करना
(C) मुख्यधारा की कक्षाओं से दूर अलग कुलीन अकादमियों में अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अलग करना
(D) संस्थागत संसाधनों और ध्यान को विशेष रूप से उन

विद्यार्थियों की ओर मोड़ना जो अकादमिक रूप से संघर्ष करते हैं

86. 1986 की 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' योजना और NEP 2020 के तहत 'समग्र शिक्षा' (Samagra Shiksha) के संरेखण के बीच मूलभूत अंतर क्या है?
(A) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड विशेष रूप से माध्यमिक शिक्षा के लिए बनाया गया था, जबकि समग्र शिक्षा केवल प्राथमिक स्तर के संस्थानों पर ध्यान केंद्रित करती है।
(B) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड ने न्यूनतम प्राथमिक सुविधाएं प्रदान कीं; समग्र शिक्षा एक एकीकृत प्री-स्कूल से ग्रेड 12 दृष्टिकोण अपनाती है।
(C) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड पूरी तरह से निजी गैर-सरकारी संगठनों द्वारा वित्तपोषित और प्रबंधित था, जबकि समग्र शिक्षा केंद्र प्रायोजित है।
(D) कोई कार्यात्मक या वैचारिक अंतर नहीं है; दोनों पहल अलग-अलग नामों से संचालित सटीक समान योजना का प्रतिनिधित्व करती हैं।

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NPE 1986 ने मूल्य शिक्षा (Value Education) की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया।
कारण (R) : इसमें आवश्यक मूल्यों के क्षरण और समाज में बढ़ती सनक (cynicism) पर बढ़ती चिंता देखी गई।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

88. NPE 1986 के संदर्भ में, "पेस-सेटिंग स्कूल" (Pace-Setting Schools) की अवधारणा क्या थी?
(A) विशेष रूप से उपचारात्मक और संघर्षरत शिक्षार्थियों के लिए धीमी अकादमिक गति से संचालित करने के लिए डिज़ाइन किए गए विशेष संस्थान
(B) क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता के मॉडल के रूप में कार्य करने वाले नवोदय विद्यालय (Navodaya Vidyalayas)
(C) पेशेवर एथलीटों और खेल कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए विशेष रूप से स्थापित आवासीय खेल अकादमियां (Residential Sports Academies)
(D) राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे के पूरी तरह से बाहर संचालित होने वाले शुल्क लेने वाले निजी अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

89. स्कूल जवाबदेही (School Accountability) में सुधार के लिए POA 1992 द्वारा शैक्षिक प्रबंधन के किस पहलू की पुरजोर सिफारिश की गई थी?
(A) राष्ट्रीय स्तर पर सभी सार्वजनिक स्कूल प्रबंधन और परिचालन निर्णयों का पूर्ण केंद्रीकरण (Full Centralization) लागू करना
(B) प्रशासनिक विकेंद्रीकरण (Administrative Decentralization) और ग्राम शिक्षा समितियों (Village Education Committees - VECs) की स्थापना
(C) स्कूल प्रबंधन में पारंपरिक प्रधानाचार्य की प्रशासनिक और नेतृत्व भूमिका का पूर्ण वैधानिक उन्मूलन
(D) स्कूल के प्रशासनिक मामलों में भाग लेने से स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों और अभिभावकों को व्यवस्थित रूप से हटाना

90. NEP 2020 के अनुसार, "स्कूल कॉम्प्लेक्स" या "स्कूल क्लस्टर" (School Complex / Cluster) की परिकल्पित भूमिका क्या है?
(A) आक्रामक अंतर-स्कूल प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए पड़ोसी स्कूलों को एक-दूसरे से अलग करना
(B) छोटे स्कूलों को भौतिक रूप से ध्वस्त करना और उन्हें एक विशाल समेकित भवन (Consolidated Building) में विलय करना
(C) पास के स्कूलों में सुविधाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और शिक्षकों को साझा करना (Sharing Facilities and Teachers)
(D) स्थानीय शिक्षा करों को एकत्र करने के लिए एक केंद्रीय नगर निगम प्रशासनिक कार्यालय के रूप में कड़ाई से कार्य करना

NODIA

91. शिक्षक शिक्षा के लिए NEP 2020 के दृष्टिकोण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. 4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. एक दोहरी-मेजर समग्र स्नातक डिग्री होगी।
II. सभी शिक्षक शिक्षा अंततः बहु-विषयक उच्च शिक्षा संस्थानों के भीतर स्थित होगी।
III. मौजूदा 2-वर्षीय बी.एड. कार्यक्रमों को 2021 में तुरंत समाप्त कर दिया जाएगा।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

92. कोठारी आयोग ने पहली बार "स्कूल कॉम्प्लेक्स" (School Complexes) स्थापित करने की सिफारिश की थी। इस सिफारिश के पीछे प्राथमिक प्रेरणा क्या थी?
(A) क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मानकीकृत परीक्षण को सुगम बनाने के लिए केंद्रीकृत रसद प्रणाली (Logistics System) स्थापित करना
(B) संसाधन साझाकरण और अकादमिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल अलगाव (School Isolation) को समाप्त करना
(C) सार्वजनिक और निजी स्कूलों पर सरकारी और राजनीतिक प्रशासनिक नियंत्रण को केंद्रीकृत करना
(D) छात्र सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर शैक्षणिक

संस्थानों को व्यवस्थित रूप से अलग करना

93. 1968 के बाद लागू की गई 10+2+3 प्रणाली की एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक कमी क्या थी, जिसे NEP 2020 ने 5+3+3+4 प्रणाली के साथ सुधारने का प्रयास किया?
(A) प्रारंभिक बचपन (3-6 वर्ष की आयु) के लिए औपचारिक शैक्षिक संरचना का चूक जाना (Omission of Formal Educational Structure for ECCE)
(B) विशेष रूप से माध्यमिक शिक्षा के लिए अत्यधिक और असमान संख्या में अकादमिक वर्ष (Academic Years) आवंटित करना
(C) कक्षा 1 से शुरू होने वाले सभी नामांकित प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य व्यावसायिक व्यापार प्रशिक्षण लागू करना
(D) नीति से पहले अर्जित औपचारिक स्नातक विश्वविद्यालय डिग्रियों को कानूनी रूप से मान्यता देने से इनकार करना

94. NEP 2020 का एक मुख्य विषय "भारतीय ज्ञान प्रणालियों" (Indian Knowledge Systems - IKS) को बढ़ावा देना है। इसे स्कूल स्तर पर कैसे लागू किया जाना प्रस्तावित है?
(A) आधुनिक वैज्ञानिक पाठ्यपुस्तकों को प्राचीन ग्रंथों के शाब्दिक अनुवादों से पूरी तरह से हटाना और प्रतिस्थापित करना।
(B) वैज्ञानिक तरीके से विषयों में प्रासंगिक IKS तत्वों को निर्बाध रूप से एकीकृत करना (Seamlessly Integrating Relevant IKS Elements)।
(C) देश भर में सभी स्कूल ग्रेड स्तरों पर शिक्षा के अनिवार्य और अनन्य माध्यम के रूप में संस्कृत को लागू करना।
(D) IKS को एक स्टैंड-अलोन, वैकल्पिक माध्यमिक ऐच्छिक विषय के रूप में अलग करना जो मुख्य अकादमिक विषयों से पूरी तरह से अलग है।

95. निम्नलिखित नीतिगत पहलों पर विचार कीजिए:
I. सीखने के न्यूनतम स्तर (Minimum Levels of Learning - MLL)
II. मध्याह्न भोजन योजना (Mid-Day Meal Scheme)
III. जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (District Primary Education Programme - DPEP)
IV. सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan - SSA)
अपने लक्ष्यों को साकार करने के लिए NPE 1986 और POA 1992 को अपनाने के तुरंत बाद के दशक में इनमें से कौन से शुरू किए गए थे?
(A) I, II और III
(B) II, III और IV
(C) I, III और IV
(D) I, II, III और IV

96. POA 1992 ने सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) के महत्व पर बल दिया। इसका प्राथमिक उद्देश्य क्या था?
(A) शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक छात्र विकास का निरंतर मूल्यांकन (Continuous Assessment of Scholastic and Co-scholastic Growth)
(B) मानकीकृत बाहरी बोर्ड परीक्षाओं (External Board Examinations) के साथ आंतरिक स्कूल मूल्यांकनों को व्यवस्थित रूप से प्रतिस्थापित करना
(C) एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक स्कूलों की तुलना करने के लिए प्रतिस्पर्धी संख्यात्मक राष्ट्रीय रैंकिंग बनाना
(D) केवल छात्र परीक्षा उत्तीर्ण प्रतिशत पर व्यक्तिगत शिक्षक प्रदर्शन मेट्रिक्स का मूल्यांकन करना

97. NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित निम्नलिखित में से कौन सा मूल्यांकन सुधार (Assessment Reform) एकल उच्च-जोखिम वाली बोर्ड परीक्षाओं से जुड़ी चिंता को सीधे संबोधित करता है?
(A) सुधार के प्रयास सहित वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षाओं की अनुमति देना
(B) पूरी तरह से अघोषित आश्चर्यजनक तिथियों पर उच्च-जोखिम वाली बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करना
(C) पारंपरिक अकादमिक बोर्ड परीक्षाओं को अनिवार्य शारीरिक फिटनेस मूल्यांकनों से पूरी तरह प्रतिस्थापित करना
(D) न्यूनतम आवश्यक परीक्षा पास प्रतिशत सीमा को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना

98. NEP 2020 का लक्ष्य किस वर्ष तक प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर में 100% सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrolment Ratio - GER) प्राप्त करना है?
(A) 2025
(B) 2030
(C) 2035
(D) 2040

99. आप NEP 2020 के अनुसार अपने मिडिल स्कूल में नए अनिवार्य "बस्ते के बिना दिन" (Bagless Days) को लागू कर रहे हैं। इन दिनों के लिए कौन सी गतिविधि सबसे उपयुक्त है?
(A) विद्यार्थियों को जटिल गणित सूत्रों के गहन स्मरण और दोहराव के अभ्यासों में संलग्न करना
(B) पूरे स्कूल के दिन कई अनिवार्य रचनात्मक लिखित परीक्षणों को निर्धारित करना और आयोजित करना
(C) विद्यार्थियों को शांति से बैठने और स्कूल पुस्तकालय (School Library) के भीतर अपनी अकादमिक पाठ्यपुस्तकों को चुपचाप पढ़ने की आवश्यकता होना
(D) बढ़ई या कुम्हार जैसे स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों के माध्यम से व्यावहारिक जोखिम (Practical Exposure through Local Vocational Experts)

100. भारत की शिक्षा नीतियों के विकास में, किस नीति ने एक प्रमुख, विशेषज्ञ, स्वायत्त परीक्षण संगठन के रूप में कार्य

Downloaded from www.pdf.tube

करने के लिए "राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी" (National Testing Agency - NTA) की अवधारणा को स्पष्ट रूप से पेश किया?
(A) NEP 2020
(B) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 (NPE 1968)
(C) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (NPE 1986)
(D) कार्य योजना 1992 (POA 1992)

101. कौन सा पूर्व आयोग यह कहने के लिए सबसे प्रसिद्ध है, "भारत के भाग्य का निर्माण अब उसकी कक्षाओं में हो रहा है"?
(A) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (University Education Commission)
(B) मुदालियर आयोग (Mudaliar Commission)
(C) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (National Knowledge Commission)
(D) कोठारी आयोग (Kothari Commission)

102. शिक्षकों की स्थिति और वेतन पर NPE 1968 का क्या रुख था?
(A) गुणवत्तापूर्ण प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए शिक्षक वेतन और स्थितियां संतोषजनक होनी चाहिए
(B) निस्वार्थ समर्पण सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक मुआवजे को सिविल सेवा स्तरों से सख्ती से नीचे रखा जाना चाहिए
(C) सार्वजनिक स्कूल के शिक्षकों को बिना किसी लाभ के सख्ती से अस्थायी दैनिक वेतन अनुबंधों पर नियोजित किया जाना चाहिए
(D) निजी होम ट्यूशन को सार्वजनिक स्कूल शिक्षकों के लिए नियमित आय के प्राथमिक कानूनी स्रोत के रूप में कार्य करना चाहिए

103. 1968 और 1986 में प्रस्तावित "समान विद्यालय प्रणाली" (Common School System) के लिए एक मुख्य चुनौती थी:
(A) औपचारिक प्राथमिक स्कूली शिक्षा के बारे में अभिभावकों की जागरूकता और रुचि की व्यापक कमी
(B) समृद्ध समूहों द्वारा पसंद किए जाने वाले शुल्क लेने वाले निजी स्कूलों की तीव्र वृद्धि
(C) राज्य द्वारा वित्तपोषित सार्वजनिक सरकारी स्कूल के बुनियादी ढाँचे की लगभग पूर्ण भौतिक अनुपस्थिति
(D) अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक समूहों के मिश्रण को प्रतिबंधित करने वाले अंतर्निहित संवैधानिक निषेध

104. मूल्यांकन प्रक्रिया के संबंध में NPE 1986 की विशिष्ट सिफारिश निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) अंकों के स्थान पर ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) की शुरुआत
(B) निरपेक्ष अंकों के पक्ष में ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) का उन्मूलन
(C) सभी छात्र अंकों का सार्वजनिक प्रदर्शन
(D) आंतरिक मूल्यांकन पर प्रतिबंध

105. NEP 2020 के तहत, अतिरिक्त मदद की आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का समर्थन करने के लिए, यह निम्नलिखित के उपयोग का प्रस्ताव करता है:
(A) पूरी कक्षा के अकादमिक मानकों को कम करना
(B) कक्षा के निचले 10% विद्यार्थियों को स्वचालित रूप से रोकना
(C) पीयर-ट्यूटरिंग और वन-ऑन-वन उपचारात्मक शिक्षण (Peer-tutoring and One-on-one Remedial Instruction)
(D) अलग-अलग स्कूल शाखाओं में धीमी गति से सीखने वालों (Slow Learners) को अलग करना

106. NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा के नियामक ढांचे (Regulatory Framework) में मूलभूत बदलाव क्या है?
(A) कठोर अनुपालन लागू करने के लिए विशेष नौकरशाही नियामक निकायों (Regulatory Bodies) की संख्या बढ़ाना
(B) एक एकल छत्र निकाय, भारत उच्च शिक्षा आयोग (Higher Education Commission of India - HECI) का निर्माण करना
(C) सीधे व्यक्तिगत राज्य सरकारों को पूर्ण, अनसुलझा वैधानिक नियामक अधिकार सौंपना
(D) अनियंत्रित खुले बाजार की प्रतिस्पर्धी ताकतों को संचालित करने की अनुमति देने के लिए नियामक निगरानी को पूरी तरह से समाप्त करना

107. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NEP 2020 सख्ती से रटने की प्रणाली पर आधारित बोर्ड परीक्षा प्रणाली से दूर जाने का प्रस्ताव करता है।
कारण (R) : बोर्ड परीक्षाओं को केवल स्मरण के बजाय विश्लेषण, गंभीर सोच और वैचारिक स्पष्टता जैसी उच्च-स्तरीय क्षमताओं का मूल्यांकन करना चाहिए।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

108. शिक्षकों के निर्बाध व्यावसायिक विकास (Professional Development) को सुनिश्चित करने के लिए NEP 2020 द्वारा किस डिजिटल प्लेटफॉर्म को अत्यधिक बढ़ावा दिया गया है?
(A) प्रज्ञाता डिजिटल दिशानिर्देश (PRAGYATA Digital Guidelines)
(B) सरल शैक्षिक पोर्टल (SARAL Educational Portal)
(C) ई-पाठशाला संसाधन भंडार (e-Pathshala Resource Repository)
(D) निष्ठा (NISHTHA)

109. NPE 1986 की उसकी 'नवोदय विद्यालय' योजना के संबंध में एक महत्वपूर्ण आलोचना क्या थी?
(A) सार्वजनिक स्कूली शिक्षा के भीतर एक कुलीन उपवर्ग (Elite Subset) को बढ़ावा देना जबकि सामान्य स्कूल कम संसाधनों वाले बने रहे
(B) यह कई राज्यों में किसी भी प्रतिभाशाली ग्रामीण छात्र (Talented Rural Student) को आकर्षित करने या नामांकित करने में पूरी तरह से विफल रहा
(C) इसने कक्षा I से अनिवार्य अंग्रेजी-माध्यम निर्देश पर अत्यधिक, गलत स्थान पर जोर दिया
(D) इसने अपने संसाधनों और परिसर आवंटन को शहरी औद्योगिक केंद्रों पर बहुत अत्यधिक केंद्रित किया

110. NEP 2020 उच्च शिक्षा और पेशेवर पाठ्यक्रमों में "भाषा बाधा" (Language Barrier) के मुद्दे को कैसे संबोधित करता है?
(A) चिकित्सा और कानून सहित सभी पेशेवर डिग्री कार्यक्रमों को विशेष रूप से अंग्रेजी में पढ़ाए जाने का आदेश देना
(B) मूल भाषाओं और द्विभाषी मोड (Native Languages and Bilingual Modes) में इंजीनियरिंग और चिकित्सा सहित डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करना
(C) कक्षा के व्याख्यानों के दौरान विश्वविद्यालय के संकाय को क्षेत्रीय या मूल भारतीय भाषाओं का उपयोग करने से सख्ती से प्रतिबंधित करना
(D) सभी उच्च शिक्षा आवेदकों को प्रवेश से पहले एक उन्नत अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा (English Language Proficiency Test) पास करने की आवश्यकता होना

111. NEP 2020 में उल्लिखित "लिंग-समावेश कोष" (Gender-Inclusion Fund) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका उद्देश्य सभी लड़कियों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के लिए न्यायसंगत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की राष्ट्र की क्षमता का निर्माण करना है।
II. इसका उपयोग स्कूली शिक्षा प्रणाली में लड़कियों की 100% भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा।
III. यह सभी मौजूदा राज्य स्तरीय छात्रवृत्ति योजनाओं को प्रतिस्थापित करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

112. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 ने प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ECCE) पर जोर दिया। यह देखभाल प्रदान करने का कौन सा कार्यक्रम एक अभिन्न हिस्सा था?
(A) एकीकृत बाल विकास सेवाएं (Integrated Child Development Services - ICDS)
(B) निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (Right to Education Act - RTE)
(C) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
(D) पीएम पोषण (PM POSHAN)

113. NEP 2020 सिफारिश करता है कि राज्य स्तर पर स्कूली शिक्षा के लिए मानक-निर्धारण और नियामक कार्यों को संभाला जाना चाहिए:
(A) सीधे शिक्षा निदेशालय द्वारा
(B) एक स्वतंत्र राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण (राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण - एसएसएसए) द्वारा
(C) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड - सीबीएसई) द्वारा
(D) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद - एससीईआरटी) द्वारा

114. NEP 2020 ढांचे के तहत SCERT की क्या भूमिका है?
(A) राज्य भर में उच्चतर माध्यमिक सार्वजनिक बोर्ड परीक्षाओं का सीधे संचालन, प्रबंधन और मूल्यांकन करना
(B) राज्य के अकादमिक मामलों, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक निर्माण का नेतृत्व करना
(C) सभी सरकारी स्कूलों के वार्षिक वित्तीय बजट और वित्तीय आवंटन की देखरेख और प्रबंधन करना
(D) निजी स्कूलों द्वारा लगाए गए अधिकतम ट्यूशन फीस ढांचे की निगरानी और सख्ती से विनियमन करना

115. कोठारी आयोग से अपनाई गई NPE 1968 का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पाठ्यपुस्तक उत्पादन (Textbook Production) से संबंधित था। इसने क्या सिफारिश की थी?
(A) शैक्षणिक प्रकाशन, मुद्रण और पाठ्यपुस्तक वितरण अधिकारों का पूर्ण निजीकरण (Full Privatization)
(B) सभी के लिए सुलभ सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकों का राज्य उत्पादन (State Production of Affordable, High-Quality Textbooks)
(C) अनुकूलित शिक्षक-निर्मित व्याख्यान नोट्स के पक्ष में मानकीकृत मुद्रित पाठ्यपुस्तकों का वैधानिक उन्मूलन
(D) अकादमिक गुणवत्ता की गारंटी के लिए विकसित विदेशी राष्ट्रों से सीधे मुद्रित पाठ्यपुस्तकों का आयात करना

116. निम्नलिखित में से कौन सा NEP 2020 के मूलभूत सिद्धांतों (Fundamental Principles) में से एक नहीं है?
(A) प्रत्येक छात्र की अनूठी क्षमताओं को पहचानना, उनकी पहचान करना और उन्हें बढ़ावा देना
(B) शिक्षार्थियों के लिए अपने सीखने के प्रक्षेप पथ (Learning Trajectories) चुनने की लचक
(C) वैचारिक समझ (Conceptual Understanding) पर जोर
(D) अधिगम के सबसे कुशल रुप के रुप में रटने को बढ़ावा देना

Click Here to Buy book on Amazon

117. NEP 2020 बच्चों को स्कूल छोड़ने (Dropping out) से रोकने के लिए उनकी ट्रैकिंग सुनिश्चित करने के लिए किस तंत्र का प्रस्ताव करता है?
(A) जिन बच्चों के बच्चे स्कूल छोड़ते हैं, उनके माता-पिता पर भारी वित्तीय जुर्माना और कानूनी दंड (Legal Penalties) लगाना
(B) रजिस्ट्रियों और समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं (Dedicated Social Workers) के माध्यम से विद्यार्थियों और सीखने के स्तरों की ट्रैकिंग
(C) उन संवेदनशील परिवारों से रियायती खाद्य राशन और कल्याणकारी लाभ रद्द करना जिनके बच्चे स्कूल छोड़ते हैं
(D) स्कूल में उपस्थिति को भौतिक रूप से लागू करने के लिए स्थानीय कानून प्रवर्तन कर्मियों और पुलिस अधिकारियों को तैनात करना

118. किस नीति दस्तावेज ने पहली बार प्रत्येक ग्रेड के लिए विशिष्ट सीखने के परिणामों (Learning Outcomes) को परिभाषित करने की ओर बदलाव को व्यापक रूप से औपचारिक रूप दिया, एक अवधारणा जिसे NEP 2020 में अत्यधिक विस्तारित किया गया है?
(A) राष्ट्रीय शैक्षिक विकास पर व्यापक कोठारी आयोग रिपोर्ट
(B) ग्रेड-विशिष्ट सीखने के परिणामों को परिभाषित करने वाला RTE अधिनियम 2009 ढांचा
(C) POA 1992
(D) शिक्षा बिना बोझ के पर ऐतिहासिक यशपाल समिति रिपोर्ट

119. प्रारंभिक बचपन की शिक्षा पर NEP 2020 के रुख की समीक्षा करने वाले एक स्कूल प्रधानाचार्य (Principal) के रूप में, आप खेल-आधारित शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं। NCERT द्वारा जारी कौन सा शिक्षण शास्त्रीय ढांचा (Pedagogical Framework) विशेष रूप से इस बुनियादी चरण को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है?
(A) माध्यमिक शिक्षा के लिए NCF
(B) प्रौढ़ शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या
(C) बुनियादी चरण के लिए NCF (NCF-FS)
(D) शिक्षक शिक्षा के लिए NCF

120. NPE 1986 के संदर्भ में, 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' में "ब्लैकबोर्ड" शब्द किसका प्रतीक था?
(A) प्रत्येक कक्षा में एक लकड़ी के ब्लैकबोर्ड की भौतिक स्थापना और शाब्दिक प्रावधान
(B) केवल पारंपरिक, व्याख्यान-आधारित शिक्षण विधियों पर निर्भर रहने का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व
(C) प्राथमिक स्कूल के कार्य करने के लिए आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं (Minimum Essential Facilities)
(D) स्कूल बजट की निगरानी के लिए एक कठोर केंद्रीय प्रशासनिक वित्तीय लेखा परीक्षा (Financial Audit) तंत्र

121. भारी स्कूल बैग के मुद्दे से निपटने के लिए, किस समिति ने "शिक्षा बिना बोझ के" (Learning without Burden) की प्रसिद्ध सिफारिश की, जिसने NEP 2020 तक के बाद के पाठ्यक्रम ढाँचों को अत्यधिक प्रभावित किया?
(A) आचार्य राममूर्ति समीक्षा समिति
(B) ऐतिहासिक कोठारी आयोग रिपोर्ट
(C) यशपाल समिति (Yash Pal Committee)
(D) डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति (K. Kasturirangan Committee)

122. NEP 2020 के तहत, कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने का अपेक्षित परिणाम क्या है?
(A) कम उम्र में औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली से अकादमिक रूप से संघर्षरत विद्यार्थियों को व्यवस्थित रूप से बाहर करना
(B) अकादमिक विषय शिक्षकों के निर्देशात्मक बोझ और दैनिक शिक्षण कार्यभार को काफी कम करना
(C) तत्काल स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए कम लागत वाले, अर्ध-कुशल युवा श्रम की निरंतर आपूर्ति उत्पन्न करना
(D) 2025 तक सीखने के एक मुख्य पहलू के रूप में कम से कम 50% शिक्षार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का जोखिम देना

NODIA

123. आपके स्कूल के मध्य चरण (Middle Stage) का एक छात्र कोडिंग और कम्प्यूटेशनल सोच (Coding and Computational Thinking) में गहरी रुचि दिखाता है। NEP 2020 के अनुसार, किस चरण में कोडिंग की शुरुआत की स्पष्ट सिफारिश की गई है?
(A) बुनियादी चरण (Foundational Stage)
(B) प्रारंभिक चरण (Preparatory Stage)
(C) मध्य चरण (Middle Stage)
(D) माध्यमिक चरण (Secondary Stage)

124. NPE 1986 के बाद शुरू किए गए "राष्ट्रीय साक्षरता मिशन" (National Literacy Mission) का केंद्रीय ध्यान क्या था?
(A) 15-35 आयु वर्ग में प्रौढ़ निरक्षरता का उन्मूलन (Eradicating Adult Illiteracy)
(B) ग्रामीण बसावटों में सार्वभौमिक रूप से प्रारंभिक पूर्व-स्कूली शिक्षा सुविधाएं प्रदान करना
(C) सार्वजनिक स्कूल शिक्षकों के बीच बुनियादी डिजिटल और कंप्यूटर साक्षरता (Computer Literacy) को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देना
(D) शास्त्रीय विदेशी साहित्य का कई आधिकारिक क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में अनुवाद करना

125. अच्छा प्रदर्शन करने वाले कॉलेजों को अधिक स्वायत्तता (Autonomy) प्रदान करने के लिए उच्च शिक्षा शासन के किस पहलू को NPE 1986 ने संबोधित किया?
(A) स्वायत्त कॉलेजों की स्थापना (Establishment of Autonomous Colleges)

(B) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का उन्मूलन
(C) केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजों का सीधा नियंत्रण (Direct Control)
(D) छात्र संघों पर प्रतिबंध

126. NEP 2020 सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों (SEDGs) पर बहुत जोर देता है। नीति दस्तावेज में निम्नलिखित में से किसे आमतौर पर SEDGs के तहत वर्गीकृत नहीं किया गया है?
(A) महिला और ट्रांसजेंडर व्यक्ति
(B) उच्च आय वाले शहरी प्रवासी समुदाय (High-Income Urban Expatriate Communities)
(C) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक
(D) विकलांग बच्चे (Children with Disabilities)

127. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NPE 1986 ने शैक्षिक नियोजन और प्रबंधन के विकेंद्रीकरण (Decentralization of Educational Planning) को उच्च महत्व दिया।
कारण (R) : इसने ज़मीन स्तर पर शिक्षा के प्रबंधन के लिए जिला शिक्षा बोर्ड (DBE) और ग्राम शिक्षा समितियों (VECs) के निर्माण का प्रस्ताव रखा।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

128. NEP 2020 के अनुसार, बच्चों को कई भाषाएं सिखाने का अनुशंसित दृष्टिकोण क्या है?
(A) जब तक विद्यार्थी स्कूली शिक्षा के माध्यमिक चरण तक नहीं पहुँच जाते, तब तक सभी औपचारिक गैर-मूल भाषा अधिग्रहण को स्थगित करना
(B) यह अनिवार्य करना कि बच्चे केवल औपचारिक, कठोर व्याकरण-अनुवाद विधियों के माध्यम से गैर-मूल भाषाएं सीखें
(C) बच्चों को शुरुआत में ही कई भाषाओं के संपर्क में लाना जब सीखना सबसे तीव्र होता है (2-8 वर्ष की आयु)
(D) प्रारंभिक भाषा निर्देश को सख्ती से एक ही भाषा तक सीमित करना, कई वर्षों में क्रमिक रूप से अतिरिक्त भाषाएं पेश करना

129. शैक्षिक नीति इतिहास के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा गलत सुमेलित है?
(A) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड – NPE 1986
(B) समान विद्यालय प्रणाली – कोठारी आयोग
(C) 10+2+3 संरचना को अपनाना – NEP 2020
(D) बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान मिशन – NEP 2020

130. संसाधनों को अनुकूलित करने के लिए NEP 2020 द्वारा सुझाया गया स्कूल प्रशासन में एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार निम्नलिखित का निर्माण है:
(A) स्कूल कॉम्प्लेक्स / क्लस्टर (School Complexes / Clusters)
(B) अलग-थलग एकल-शिक्षक स्कूल
(C) 10,000 से अधिक विद्यार्थियों वाले मेगा-स्कूल (Mega-Schools)
(D) अलग-थलग लिंग-विशिष्ट परिसर

131. NEP 2020 में प्रौद्योगिकी की भूमिका के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन प्रक्रियाओं में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग की वकालत करता है।
II. यह प्रौद्योगिकी अपनाने पर सलाह देने के लिए NETF की स्थापना का प्रस्ताव करता है।
III. इसका उद्देश्य एक दशक के भीतर भौतिक शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से पूरी तरह प्रतिस्थापित करना है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

132. POA 1992 ढांचे के तहत "राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय प्रणाली" (बाद में NIOS) शुरु करने का एक प्राथमिक उद्देश्य क्या था?
(A) प्रतिस्पर्धी इंजीनियरिंग परीक्षाओं के लिए राज्य द्वारा वित्तपोषित विशेष तैयारी केंद्र के रूप में कार्य करना
(B) विदेशी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तुत मान्यता प्राप्त डिग्री कार्यक्रमों तक मुफ्त पहुँच की सुविधा प्रदान करना
(C) ड्रॉपआउट, कामकाजी वयस्कों और वंचित समूहों के लिए वैकल्पिक मुक्त स्कूली शिक्षा प्रदान करना
(D) कुलीन निजी माध्यमिक स्कूलों के दैनिक अकादमिक कामकाज की निगरानी, लाइसेंस और विनियमन करना

133. NEP 2020 के अनुसार, उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों का मूल्यांकन कैसे स्थानांतरित होना चाहिए?
(A) एकल उच्च-जोखिम वाली वर्ष के अंत की लिखित परीक्षा पर निर्भरता की ओर वापस लौटना
(B) सभी डिग्रियों में सभी औपचारिक छात्र अकादमिक मूल्यांकनों को पूरी तरह से समाप्त करना
(C) क्रेडिट ढांचे पर आधारित सतत मूल्यांकन (Continuous Evaluation Based on Credit Framework)
(D) केवल मानकीकृत बहुविकल्पीय परीक्षण प्रारुपों (Standardized Multiple-Choice Test Formats) तक सभी स्नातक डिग्री मूल्यांकनों को सीमित करना

Downloaded from www.pdf.tube

134. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के निर्माण का सही कालानुक्रमिक क्रम दर्शाता है?
(A) 1968, 1986, 1992 (पीओए), 2020
(B) 1986, 1968, 2020, 1992 (पीओए)
(C) 1968, 1992 (पीओए), 1986, 2020
(D) 1992 (पीओए), 1968, 1986, 2020

135. NEP 2020 के निम्नलिखित घटकों पर विचार कीजिए:
I. 360-डिग्री बहुआयामी समग्र प्रगति कार्ड की शुरुआत।
II. एक मानक-निर्धारण निकाय के रूप में परख (PARAKH) की स्थापना।
III. कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं का स्थायी उन्मूलन।
IV. योगात्मक से रचनात्मक और योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव।
उपरोक्त में से कौन से घटक मूल्यांकन पर NEP 2020 के रुख को सटीक रूप से दर्शाते हैं?
(A) I, II और IV
(B) II, III और IV
(C) I, III और IV
(D) I, II, III और IV

136. राष्ट्रीय विकास में शिक्षा की भूमिका के संबंध में NPE 1968 का केंद्रीय विचार (Central Premise) क्या था?
(A) शैक्षिक नीति को राज्य की नौकरशाही के लिए एक अनुशासित, प्रशासनिक कार्यबल को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
(B) अकादमिक पवित्रता को संरक्षित करने के लिए शैक्षिक नियोजन को राष्ट्रीय आर्थिक रणनीतियों से सख्ती से अलग किया जाना चाहिए।
(C) राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से प्रबंधित और संचालित करने के लिए विदेशी शैक्षणिक विश्वविद्यालयों और निजी प्रदाताओं को आमंत्रित किया जाना चाहिए।
(D) सामाजिक-आर्थिक विकास, सांस्कृतिक एकीकरण और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा का पुनर्गठन करना

137. किस नीति ने विशेष रूप से अखिल भारतीय सेवा के रूप में भारतीय शिक्षा सेवा (Indian Education Service - IES) के निर्माण का आदेश दिया, एक ऐसी सिफारिश जो ऐतिहासिक रूप से विवादित बनी हुई है?
(A) एनपीई 1968
(B) पावर ऑफ अटार्नी 1992
(C) एनईपी 2020
(D) एनपीई 1986

138. POA 1992 के तहत, 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' योजना के विस्तार का उद्देश्य प्राथमिक स्कूलों को कम से कम कितने शिक्षक प्रदान करना था, जो 1986 में सुझाये गये दो शिक्षकों से अधिक था?
(A) तीन शिक्षक
(B) चार शिक्षक
(C) पांच शिक्षक
(D) प्रति ग्रेड एक शिक्षक

139. आप NEP 2020 के दिशानिर्देशों के तहत अपने शिक्षकों के लिए एक सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development - CPD) योजना स्थापित कर रहे हैं। प्रत्येक शिक्षक से सालाना कितने न्यूनतम घंटों की CPD में भाग लेने की उम्मीद की जाती है?
(A) 20 घंटे
(B) 30 घंटे
(C) 50 घंटे
(D) 100 घंटे

140. निम्नलिखित में से कौन सा NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा के लिए "हल्का लेकिन सख्त" (Light but Tight) नियामक ढांचे का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) ढीले और अप्रभावी अकादमिक गुणवत्ता मानकों के साथ भारी, सूक्ष्म-प्रबंधन नौकरशाही प्रशासनिक हस्तक्षेप
(B) वित्तीय सत्यनिष्ठा और शासन पर ध्यान केंद्रित करने वाला विनियमन जबकि व्यापक अकादमिक स्वायत्तता प्रदान करना
(C) वित्तीय प्रथाओं पर शून्य प्रशासनिक जांच के साथ सभी निजी उच्च शिक्षा का पूर्ण वैधानिक विनियमन रद्द करना
(D) न्यूनतम और सतही संस्थागत वित्तीय लेखा परीक्षा के साथ संयुक्त सभी अकादमिक पाठ्यक्रमों की कठोर केंद्रीय तानाशाही

141. एनईपी 2020 "अनुभवात्मक अधिगम" (अनुभवात्मक शिक्षा) पर जोर देता है। शिक्षण शास्त्रीय संदर्भ में, इसका मुख्य रूप से अर्थ है:
(A) मुख्य रूप से प्रसिद्ध ऐतिहासिक हस्तियों की ऐतिहासिक जीवनियों को पढ़कर और यांत्रिक रूप से याद करके सीखना
(B) इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन पर पूर्व-रिकॉर्ड किए गए निर्देशात्मक शैक्षिक वीडियो (शैक्षिक वीडियो) देखकर सख्ती से और निष्क्रिय रूप से सीखना
(C) पूरी तरह से असंरचित, अनौपचारिक सेटिंग्स में भौतिक कक्षा के माहौल के बाहर विशेष रूप से सीखना
(D) व्यावहारिक कार्यों, कला, खेल और कहानी सुनाने (प्रैक्टिकल काम, कला, खेल और कहानी सुनाना) के माध्यम से सीखना

NODIA

142. NPE 1986 की एक महत्वपूर्ण विशेषता 'डिग्रियों को नौकरियों से अलग करना' पर इसका ध्यान केंद्रित करना था। इसे सुगम बनाने के लिए निम्नलिखित में से किस तंत्र का प्रस्ताव किया गया था?
(A) उम्मीदवार की नौकरी की उपयुक्तता का स्वेच्छा से मूल्यांकन करने के लिए एक राष्ट्रीय परीक्षण सेवा (राष्ट्रीय परीक्षण सेवा) की स्थापना करना
(B) देश भर में औपचारिक स्नातक और स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय डिग्रियां जारी करने पर पूर्ण वैधानिक

प्रतिबंध लागू करना
(C) सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की नौकरियों के अवसरों को यादृच्छिक रूप से वितरित करने की आवश्यकता वाले वैधानिक नियमों को लागू करना
(D) सभी कॉर्पोरेट संस्थाओं और निजी व्यवसायों को विश्वविद्यालय परिसरों के भीतर मानकीकृत भर्ती परीक्षाएं (Recruitment Examinations) आयोजित करने की आवश्यकता होना

143. आप भाषा पर NEP 2020 के जनादेश पर चर्चा करने के लिए एक स्कूल प्रबंधन समिति (स्कूल प्रबंधन समिति - एसएमसी) की बैठक का नेतृत्व कर रहे हैं। एक समुदाय का सदस्य तर्क देता है कि मातृभाषा में पढ़ाने से बच्चे अंग्रेजी सीखने से वंचित हो जाएंगे। NEP 2020 के अनुसार, सही दृष्टिकोण क्या है?
(A) अंग्रेजी भाषा के निर्देश को सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में पूरी तरह से समाप्त और त्याग दिया जाना चाहिए।
(B) अंग्रेजी और क्षेत्रीय मातृभाषाएं संरचनात्मक रूप से असंगत हैं और एक ही संस्थान में एक साथ नहीं सिखाई जा सकती हैं।
(C) घर की भाषा या मातृभाषा में निर्देश एक उपचारात्मक दृष्टिकोण है जो विशेष रूप से अकादमिक रूप से संघर्षरत विद्यार्थियों के लिए है।
(D) एक मजबूत मातृभाषा आधार अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं को सीखने को आसान बनाता है।

144. NEP 2020 ढांचे के अनुसार "बालवाटिका" (बालवाटिका) स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) 5 वर्ष की आयु में बच्चों के लिए औपचारिक, उच्च-जोखिम वाली लिखित अकादमिक परीक्षाएं और मानकीकृत परीक्षण (मानकीकृत परीक्षण) शुरू करना
(B) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा विकास को बढ़ावा देने वाला कक्षा 1 से पहले का प्रारंभिक वर्ष (प्री-क्लास 1 तैयारी वर्ष) प्रदान करना
(C) विकासात्मक देरी या विशेष शारीरिक जरूरतों वाले बच्चों को साथियों से व्यवस्थित रूप से अलग और पृथक करना
(D) छोटे शहरी बच्चों के लिए एक विशेष, शुल्क लेने वाले अंग्रेजी भाषा संभाषणात्मक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करना

145. शिक्षक तैनाती (शिक्षकों की तैनाती) के किस महत्वपूर्ण पहलू को NEP 2020 संबोधित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिक्षक अपने समुदायों में गहराई से निवेशित हों?
(A) स्थिर सामुदायिक तैनाती बनाए रखने के लिए लगातार शिक्षक तबादलों को कम करना (शिक्षकों के बार-बार होने वाले तबादलों को कम करना)
(B) विभिन्न प्रशासनिक ब्लॉक में दैनिक या साप्ताहिक घूर्णी शिक्षक तबादलों (शिक्षकों का रोटेशनल ट्रांसफर) की प्रणाली लागू करना
(C) कानूनी रूप से अनिवार्य करना कि सार्वजनिक स्कूल के शिक्षकों को उनके मूल गृह जिला सीमाओं के भीतर कभी तैनात नहीं किया जा सकता है
(D) प्रत्येक वर्ष छह महीने के लिए प्रशासनिक सिविल सेवा डेस्क कार्य के लिए सभी सक्रिय कक्षा शिक्षकों को समय-समय पर सौंपना

146. प्रौढ़ शिक्षा के संबंध में NPE 1986 का एक महत्वपूर्ण ध्यान था:
(A) प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता अभियानों (साक्षरता अभियान) को विशेष रूप से घनी आबादी वाले शहरी महानगरीय क्षेत्रों तक सीमित करना
(B) साक्षरता मॉड्यूल पूरा करने वाले सभी वयस्कों को स्वचालित रूप से मानद स्नातक विश्वविद्यालय डिग्रियां प्रदान करना
(C) साक्षरता को कार्यात्मक कौशलों और आजीविका के अवसरों (व्यावहारिक कौशल और आजीविका के अवसर) से जोड़ना
(D) कानूनी जनादेश और वित्तीय जुर्माने की धमकियों के माध्यम से सार्वभौमिक प्रौढ़ साक्षरता उपस्थिति को सख्ती से लागू करना

147. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NPE 1968 ने सिफारिश की कि खेल और शारीरिक शिक्षा (खेल और शारीरिक शिक्षा) शैक्षिक प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।
कारण (R) : इसका उद्देश्य प्रतिभा की जल्दी पहचान करना और अकादमिक विकास के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना था।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

148. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी ऐतिहासिक रूप से NPE 1986/92 द्वारा किस संगठन को सौंपी गई थी?
(A) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद - एनसीटीई)
(B) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - UGC)
(C) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT)
(D) नीति आयोग (NITI Aayog)

149. NEP 2020 के अनुसार, विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र या डिप्लोमा के साथ उच्च शिक्षा से जल्दी बाहर निकलने की अनुमति है। इस संरचनात्मक विशेषता को किस नाम से जाना जाता है?

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) बहुप्रविष्टि और निकास विकल्प (Multiple Entry and Exit Options)
(B) संस्थागत उच्च ड्रॉपआउट दर सहनशीलता ढांचा
(C) कठोर माध्यमिक अकादमिक ट्रैकिंग प्रणाली
(D) प्रारंभिक अनिवार्य व्यावसायिक स्ट्रीमिंग मार्ग (Vocational Streaming Pathways)

150. NEP 2020 से पहले की शिक्षा नीतियों की एक बड़ी आलोचना विभिन्न धाराओं के बीच अलगाव (Silos) थी। NEP 2020 निम्नलिखित को बढ़ावा देकर इसे संबोधित करता है:
(A) कला, वाणिज्य और विज्ञान संकायों के बीच एक कठिन, कानूनी रूप से अनिवार्य संरचनात्मक पृथक्करण (Structural Separation) लागू करना
(B) विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला और खेल में बहु-विषयक, समग्र शिक्षा (Multidisciplinary, Holistic Education)
(C) उच्च शिक्षा वित्तपोषण ढाँचों से मानविकी और कला धारा को स्थायी रूप से समाप्त करना
(D) स्नातक होने तक सभी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बुनियादी प्राकृतिक विज्ञान और उन्नत गणित पाठ्यक्रम अनिवार्य बनाना

151. NPE 1986 में अल्पसंख्यकों की शिक्षा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसने स्वीकार किया कि कुछ अल्पसंख्यक समूह शैक्षिक रूप से पिछड़े या वंचित थे।
II. इसने अपने स्वयं के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने की संवैधानिक गारंटियों के संरक्षण पर जोर दिया।
III. इसने राज्य सरकार के नियंत्रण में अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के जबरन समावेश का आदेश दिया।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

152. NPE 1986 के तहत, किस योजना ने विशेष रूप से स्कूलों में विज्ञान शिक्षा के सुधार को लक्षित किया?
(A) स्कूलों में विज्ञान शिक्षा का सुधार (Improvement of Science Education in Schools - ISES)
(B) स्कूलों में कंप्यूटर साक्षरता और अध्ययन (Computer Literacy and Studies in Schools - CLASS)
(C) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड केंद्रीय प्राथमिक बुनियादी ढांचा अनुदान योजना
(D) शिक्षकों के लिए दीक्षा (DIKSHA) राष्ट्रीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म

153. कोठारी आयोग पर आधारित शुरुआती शिक्षा नीतियों द्वारा समर्थित "ग्रामीण विश्वविद्यालयों" (Rural Universities) की अवधारणा का केंद्रीय दर्शन क्या था?
(A) अकादमिक पाठ्यक्रम को अनुकूलित किए बिना ग्रामीण जिलों में मौजूदा पारंपरिक शहरी विश्वविद्यालय संरचनाओं को सीधे दोहराना
(B) गांधीवादी विचारों में निहित कृषि और विकास-केंद्रित शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण परिवर्तन को बढ़ावा देना
(C) ग्रामीण भौगोलिक क्षेत्रों के भीतर केवल व्यावसायिक माध्यमिक स्तर की स्कूली शिक्षा प्रदान करके उच्च शैक्षणिक दायरे को सीमित करना
(D) ग्रामीण से शहरी जनसंख्या प्रवास को सुगम बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए अल्पकालिक तकनीकी व्यापार प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में विशेष रूप से कार्य करना

154. NEP 2020 के तहत, निपुण भारत (NIPUN Bharat) मिशन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा किस ग्रेड के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN) प्राप्त कर ले?
(A) ग्रेड 1
(B) ग्रेड 5
(C) ग्रेड 8
(D) ग्रेड 3

155. शैक्षिक प्रणाली के स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए आमतौर पर राष्ट्रीय स्तर पर निम्नलिखित में से कौन सा मूल्यांकन आयोजित किया जाता है, एक ऐसी प्रथा जिसका NEP 2020 द्वारा पुरजोर समर्थन किया गया है?
(A) राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (National Achievement Survey - NAS)
(B) केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (Central Teacher Eligibility Test - CTET)
(C) संयुक्त प्रवेश परीक्षा (Joint Entrance Examination - JEE)
(D) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (National Talent Search Examination - NTSE)

156. NPE 1986 ने मुख्य रूप से निम्नलिखित के लिए "शैक्षिक प्रौद्योगिकी" (Educational Technology) के उपयोग पर बल दिया:
(A) दूरस्थ ग्रामीण स्कूलों में स्वचालित शैक्षिक प्रौद्योगिकी के साथ मानव कक्षा शिक्षकों को व्यवस्थित रूप से प्रतिस्थापित करना
(B) शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाना, पहुँच को व्यापक बनाना और शिक्षक प्रशिक्षण का समर्थन करना
(C) मानव पर्यवेक्षण या हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह से स्वचालित, कंप्यूटर आधारित राष्ट्रीय परीक्षाएं संचालित करना
(D) केंद्रीकृत सीसीटीवी निगरानी उपकरणों का उपयोग करके छात्र व्यवहार और परिसर के अनुशासन की निरंतर निगरानी करना

157. निम्नलिखित में से कौन सा NEP 2020 के तहत पाठ्यक्रम डिजाइन में एक बड़े बदलाव की सही पहचान करता है?

Downloaded from www.pdf.tube

(A) अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यपुस्तक की जानकारी की मात्रा और आवश्यक पठन में काफी वृद्धि करना
(B) विविध राज्य शिक्षण सामग्री को एक एकल मानकीकृत राष्ट्रीय पाठ्यपुस्तक में समेकित करके सभी क्षेत्रीय विविधताओं को समाप्त करना
(C) गंभीर, पूछताछ-आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning) के लिए स्थान बनाने के लिए पाठ्यक्रम सामग्री को मुख्य अनिवार्यताओं तक कम करना
(D) STEM विषयों की ओर सभी निर्देशात्मक घंटों को पुनर्निर्देशित करने के लिए इतिहास, समाजशास्त्र और भूगोल जैसे मानविकी विषयों को हटाना

158. NEP 2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार, एक विशिष्ट सीखने की विकलांगता (Specific Learning Disability) वाले छात्र के मूल्यांकन को कैसे संभाला जाना चाहिए?
(A) उन्हें अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान किसी भी औपचारिक या अनौपचारिक अकादमिक मूल्यांकन से पूरी तरह छूट दी जानी चाहिए।
(B) अतिरिक्त समय, लेखक (scribes) और अनुकूलित मूल्यांकन मोड जैसे लचीले मूल्यांकन विकल्पों का उपयोग करना
(C) उन्हें बिना किसी शारीरिक या तार्किक संशोधन के सटीक समान मानकीकृत लिखित मूल्यांकनों का सामना करना होगा।
(D) लिखित परीक्षा घटकों को पूरी तरह से माफ करते हुए अनौपचारिक मौखिक पूछताछ के माध्यम से विशेष रूप से उनका मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

159. NEP 2020 के तहत "न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा" (Equitable and Inclusive Education) शब्द में क्या शामिल है?
(A) स्थानीय आवश्यकता की परवाह किए बिना प्रत्येक सार्वजनिक स्कूल में समान भौतिक बुनियादी ढाँचा और धन आवंटन वितरित करना
(B) सभी सार्वजनिक और निजी शैक्षणिक संस्थानों में एक सख्त मानकीकृत राष्ट्रीय छात्र ड्रेस कोड अनिवार्य करना
(C) सभी नागरिकों को राज्य द्वारा संचालित सरकारी स्कूलों में भाग लेने के लिए बाध्य करने के लिए सभी शुल्क लेने वाले निजी संस्थानों पर वैधानिक प्रतिबंध लगाना
(D) जन्म या सामाजिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सीखने का समान अवसर सुनिश्चित करना

160. नामांकन और प्रतिधारण (Enrollment and Retention) में सुधार के लिए स्कूल और समुदाय के बीच एक पुल के रूप में कार्य करने के लिए POA 1992 द्वारा निम्नलिखित में से किस निकाय की परिकल्पना की गई थी?
(A) ग्राम शिक्षा समिति (Village Education Committee - VEC)
(B) राज्य योजना बोर्ड (State Planning Board)
(C) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (University Grants Commission - UGC)
(D) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education - CBSE)

NODIA

161. उच्च शिक्षा को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए NPE 1986 की एक प्रमुख रणनीति थी:
(A) विशेष अकादमिक डिग्री कार्यक्रम शुरू करना जो विशेष रूप से सैद्धांतिक और अमूर्त प्रकृति (Theoretical and Abstract Nature) के थे
(B) कार्यस्थल की मांगों और अंतर-विषयक अध्ययन (Workplace Demands and Interdisciplinary Study) के साथ संरेखित करने के लिए पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन करना
(C) विश्वविद्यालय विभागों से सभी क्षेत्रीय भाषा डिग्री पाठ्यक्रमों और साहित्य कार्यक्रमों को व्यवस्थित रूप से समाप्त करना
(D) देश भर में केवल शीर्ष 5% हाई स्कूल स्नातकों के लिए विश्वविद्यालय प्रवेश और उच्च शिक्षा पहुँच को सख्ती से सीमित करना

162. NEP 2020 ग्रामीण क्षेत्रों में कला, शारीरिक शिक्षा और व्यावसायिक शिल्प जैसे विशिष्ट विषयों में शिक्षकों की गंभीर कमी को पूरा करने की योजना कैसे बनाता है?
(A) स्कूल परिसरों (School Complexes) में मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में स्थानीय विशेषज्ञों को काम पर रखना
(B) औपचारिक स्कूल पाठ्यक्रम से कला, शारीरिक शिक्षा और व्यावसायिक शिल्प (Vocational Crafts) को पूरी तरह से समाप्त करना
(C) यह अनिवार्य करना कि मौजूदा पूर्णकालिक गणित और प्राकृतिक विज्ञान संकाय इन विशेष विषयों को पढ़ाने का काम संभालें
(D) डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से दिए गए पूर्व-रिकॉर्ड किए गए वीडियो प्रसारणों पर निर्भर रहकर भौतिक प्रशिक्षकों को पूरी तरह प्रतिस्थापित करना

163. NEP 2020 नीति की समीक्षा करने वाला एक स्कूल प्रधानाचार्य (Principal) "प्रतिभाशाली शिक्षा" (Gifted Education) की शुरुआत पर ध्यान देता है। इसके लिए निम्नलिखित में से कौन सा एक अनुशंसित दृष्टिकोण है?
(A) 5 वर्ष की आयु से शुरू होकर विशेष, कुलीन आवासीय स्कूलों में अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली छोटे बच्चों को भौतिक रूप से अलग करना
(B) भावनात्मक परिपक्वता की परवाह किए बिना उन्नत शिक्षार्थियों को कई प्राथमिक और माध्यमिक ग्रेडों को तेजी से छोड़ने के लिए मजबूर करना
(C) मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा के भीतर विशेष संवर्धन, ओलंपियाड और परियोजना कार्य का समर्थन करना
(D) अन्य नामांकित सहपाठियों को हीन महसूस करने से रोकने के लिए जानबूझकर प्रदर्शित उच्च संज्ञानात्मक क्षमताओं की उपेक्षा करना

164. NEP 2020 में हाइलाइट की गई "राष्ट्रीय पुस्तक संवर्धन नीति" (National Book Promotion Policy) का मूलभूत लक्ष्य क्या है?
(A) देश भर में विदेशी लेखक पुस्तकों के आयात और वितरण पर प्रतिबंध लगाने वाले वैधानिक निषेध लागू करना
(B) भौतिक प्रिंट प्रतियों को बंद करने और नष्ट करने के साथ सभी मुद्रित साहित्य को व्यवस्थित रूप से डिजिटल बनाना
(C) प्रत्यक्ष राज्य सरकार के नियंत्रण में सभी वाणिज्यिक पुस्तक प्रकाशन और वितरण अधिकारों को केंद्रीकृत करना
(D) भाषाओं में पुस्तकों की उपलब्धता, पहुँच, गुणवत्ता और पाठक संख्या को बढ़ावा देना

165. कोठारी आयोग ने शिक्षा को लोगों के जीवन, आवश्यकताओं और आकांक्षाओं से जोड़ने की स्पष्ट सिफारिश की थी। इसे NPE 1968 में निम्नलिखित पर जोर देकर औपचारिक रूप से रूपांतरित किया गया था:
(A) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (Socially Useful Productive Work - SUPW) और कार्य अनुभव (Work Experience)
(B) शास्त्रीय ऐतिहासिक साहित्य के यांत्रिक रटने पर अत्यधिक निर्भर रहना
(C) प्रतिस्पर्धी विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं को पास करने पर एक अनन्य, उच्च-जोखिम वाला ध्यान (High-Stakes Focus) बनाए रखना
(D) सभी माध्यमिक ग्रेडों में विदेशी राजनीतिक इतिहास के अनिवार्य अकादमिक अध्ययन का आदेश देना

166. किस नीति ने अलग-अलग विभागों और स्वायत्त उत्कृष्टता केंद्रों (Autonomous Centers of Excellence) की स्थापना करके विश्वविद्यालय प्रबंधन के विकेंद्रीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया?
(A) NPE 1968 (B) NPE 1986
(C) POA 1992 (D) NEP 2020

167. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NEP 2020 स्कूल पाठ्यक्रम को 5+3+3+4 डिजाइन में पुनर्गठित करने की सिफारिश करता है।
कारण (R) : यह पुनर्गठन आधुनिक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार बच्चों के संज्ञानात्मक विकासात्मक चरणों (Cognitive Developmental Stages) के अनुसार पाठ्यक्रम को सटीक रूप से संरेखित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

168. NEP 2020 के अनुसार, राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण (State School Standards Authority - SSSA) की क्या भूमिका है?
(A) राज्य स्तरीय माध्यमिक स्कूल सार्वजनिक बोर्ड परीक्षाओं को सालाना सीधे आयोजित, प्रशासित और ग्रेड करना
(B) सभी स्कूलों के लिए बुनियादी परिचालन मानक (सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, सत्यनिष्ठा) स्थापित करना
(C) उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अकादमिक पाठ्यक्रम और डिग्री पाठ्यक्रमों को तैयार करना, विनियमित करना और निर्देशित करना
(D) सार्वजनिक सरकारी स्कूलों के दिन-प्रतिदिन के नियमित प्रशासनिक और कार्मिक प्रबंधन कार्यों की देखरेख और प्रबंधन करना

169. "10+2+3" संरचना की केंद्रीय आलोचना क्या थी जिसे NEP 2020 का उद्देश्य हल करना था?
(A) प्रारंभिक बचपन (3-6 वर्ष की आयु) के लिए औपचारिक शैक्षणिक योजना का चूक जाना
(B) यह विश्वविद्यालय स्तर की उच्च शिक्षा में पर्याप्त रणनीतिक जोर और वित्तीय निवेश प्रदान करने में विफल रहा।
(C) इसने व्यावहारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए अत्यधिक और असमान मात्रा में निर्देशात्मक समय आवंटित किया।
(D) यह प्रतिबंधात्मक भौगोलिक कार्यान्वयन से पीड़ित था, जो लगभग विशेष रूप से प्रमुख शहरी महानगरीय केंद्रों में काम करता था।

170. NPE 1986 के तहत, निरंतर शिक्षक सहायता के लिए ब्लॉक और क्लस्टर स्तरों पर संसाधन केंद्र स्थापित करने में कौन सी योजना महत्वपूर्ण थी?
(A) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड (Operation Blackboard) केंद्र प्रायोजित बुनियादी ढांचा सुधार पहल
(B) ब्लॉक/क्लस्टर संसाधन केंद्रों का समर्थन करने वाला DPEP और SSA ढांचा
(C) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्रौढ़ साक्षरता और गैर-औपचारिक शिक्षा कार्यक्रम
(D) प्रतिभाशाली ग्रामीण माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय योजना

171. NEP 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणालियों (IKS) के एकीकरण के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. IKS को गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन और वास्तुकला सहित पाठ्यक्रम में निर्बाध रूप से एकीकृत किया जाएगा।
II. जनजातीय एथनो-मेडिसिनल प्रथाओं और पारंपरिक कृषि प्रथाओं को IKS का हिस्सा माना जाता है।
III. IKS के एकीकरण का अर्थ आधुनिक वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्राचीन ग्रंथों से पूरी तरह से प्रतिस्थापित करना है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II (B) II और III

Click Here to Buy book on Amazon

(C) I और III (D) I, II और III

172. POA 1992 ने प्राथमिक चरण में "सीखने के न्यूनतम स्तर" (Minimum Levels of Learning - MLL) को पेश करने की सिफारिश की। इसका मुख्य उद्देश्य क्या था?
(A) एक कृत्रिम ऊपरी सीमा स्थापित करना जो यह सीमित करती है कि एक असाधारण छात्र कितनी उन्नत सामग्री (Advanced Content) सीख सकता है
(B) कृत्रिम रूप से 100% छात्र स्नातक परिणाम प्राप्त करने के लिए परीक्षा पासिंग सीमाओं को व्यवस्थित रूप से कम करना
(C) शैक्षिक समानता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्रेड के लिए आवश्यक योग्यताओं (Essential Competencies) को परिभाषित करना
(D) प्रशासनिक रूप से शारीरिक स्वास्थ्य मापदंडों को निर्धारित करना, स्कूल के बच्चों के लिए आवश्यक ऊंचाई और वजन सीमाओं का मानकीकरण करना

173. NEP 2020 के अनुसार, पारंपरिक "रटने की प्रणाली" छात्र के मानसिक स्वास्थ्य को अत्यधिक प्रभावित करती है। इससे निपटने के लिए, नीति निम्नलिखित को अत्यधिक बढ़ावा देती है:
(A) कक्षा 1 से आगे सभी अकादमिक विषयों में खुली पुस्तक लिखित परीक्षाएं अनिवार्य करना
(B) कक्षा 12 तक शिक्षकों को किसी भी प्रकार का गृहकार्य या गृह अध्ययन सौंपने से कानूनी रूप से प्रतिबंधित करना
(C) स्व-ग्रेडिंग मॉडल लागू करना जहाँ नामांकित विद्यार्थियों को अपने अंतिम अंक चुनने की अनुमति है
(D) समग्र, पूछताछ-आधारित अधिगम को बढ़ावा देते हुए मुख्य अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करना

174. कौन सा प्रमुख मूल्यांकन सुधार (Evaluation Reform) POA 1992 का एक प्रमुख ध्यान था लेकिन बाद में केवल RTE अधिनियम के तहत व्यापक वैधानिक समर्थन प्राप्त हुआ?
(A) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE)
(B) मानकीकृत कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन बोर्ड परीक्षाएं (Online Board Examinations)
(C) वस्तुनिष्ठ प्रकार का बहुविकल्पीय परीक्षण
(D) छात्र सहपाठी-ग्रेडिंग मूल्यांकन प्रणाली

175. शिक्षक शिक्षा के संबंध में निम्नलिखित नीतिगत पहलों पर विचार कीजिए:
I. कोठारी आयोग ने शिक्षकों की आर्थिक, सामाजिक और पेशेवर स्थिति को बढ़ाने की सिफारिश की।
II. NPE 1986 के कारण DIETs की स्थापना हुई।
III. NEP 2020, 2030 तक न्यूनतम डिग्री योग्यता के रूप में 4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. को अनिवार्य बनाता है।
IV. POA 1992 ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) को समाप्त कर दिया।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?
(A) I, II और III (B) II, III और IV
(C) I, III और IV (D) I, II, III और IV

NODIA

176. NEP 2020 में हाइलाइट किए गए 'अधिगम का मूल्यांकन' (Assessment OF Learning) और 'अधिगम के लिए मूल्यांकन' (Assessment FOR Learning) के बीच मूलभूत अंतर क्या है?
(A) अधिगम का मूल्यांकन प्रकृति में कड़ाई से रचनात्मक है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन कड़ाई से सत्र के अंत का योगात्मक परीक्षण (Summative Testing) है।
(B) अधिगम का मूल्यांकन घर पर विशेष रूप से माता-पिता द्वारा आयोजित किया जाता है, जबकि अधिगम के लिए मूल्यांकन छात्र साथियों द्वारा आयोजित किया जाता है।
(C) दोनों शब्दों के बीच कोई वैचारिक या व्यावहारिक अंतर नहीं है; वे शिक्षण शास्त्र में पूरी तरह से एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग किए जाते हैं।
(D) अधिगम का मूल्यांकन सत्र के अंत का योगात्मक मूल्यांकन है; अधिगम के लिए मूल्यांकन शिक्षण के दौरान रचनात्मक उपकरण (Formative Tool) है।

177. एक प्रधानाचार्य (Principal) देखता है कि शिक्षक अपनी शिक्षण शास्त्र में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। डिजिटल संसाधनों और शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल का एक व्यापक भंडार प्रदान करने के लिए विशेष रूप से कौन सी NEP 2020 पहल डिज़ाइन की गई है?
(A) दीक्षा (DIKSHA)
(B) पीएम पोषण (PM POSHAN)
(C) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
(D) परख (PARAKH)

178. "पेस-सेटिंग स्कूलों" (नवोदय विद्यालयों) के लिए NPE 1986 की सिफारिश के पीछे प्राथमिक तर्क क्या था?
(A) समृद्ध शहरी कुलीन वर्गों के लिए विशेष रूप से आरक्षित सब्सिडी वाले उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक संस्थान स्थापित करना
(B) सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों का पोषण करना
(C) परेशान युवाओं के लिए राज्य प्रबंधित किशोर सुधार गृह और सुधार सुविधाओं के रूप में मुख्य रूप से कार्य करना
(D) राष्ट्रीय सैन्य सेवा में अनिवार्य कैरियर प्रवेश के लिए विशेष रूप से माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों को तैयार और प्रशिक्षित करना

179. एक तुलनात्मक विश्लेषण में, जबकि NPE 1968 ने पृथक्करण को कम करने के लिए 'समान विद्यालय प्रणाली' पर अत्यधिक बल दिया, NEP 2020 मुख्य रूप से किसकी अवधारणा के माध्यम से समानता को संबोधित करता है:
(A) निजी शैक्षणिक संस्थानों में प्रणालीगत कुलीन पृथक्करण को प्रोत्साहित करना

(B) आय की परवाह किए बिना सभी बच्चों के लिए निजी स्कूल नामांकन को कानूनी रूप से अनिवार्य करना
(C) सार्वजनिक और निजी शैक्षणिक संस्थानों में सभी सकारात्मक कार्रवाई आरक्षणों को पूरी तरह से समाप्त करना
(D) विशेष शिक्षा क्षेत्र (SEZs) और SEDGs के लिए लक्षित सहायता

180. स्वतंत्रता के बाद के आयोगों में कोठारी आयोग की रिपोर्ट अद्वितीय थी क्योंकि इसमें:
(A) अपने विश्लेषणात्मक दायरे और नीतिगत सिफारिशों को विशेष रूप से प्राथमिक स्कूल शिक्षा (Primary School Education) पर रखा
(B) अपने सलाहकार ढांचे और अनुसंधान के दायरे को विशेष रूप से विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा तक सीमित कर दिया
(C) कड़ाई से विदेशी विशेषज्ञों से बनी एक अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा पूरी तरह से लिखा और तैयार किया गया था
(D) प्राथमिक से उच्च चरणों तक पूरी शिक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा (Comprehensively Reviewing the Entire Education System) की

181. NPE 1986 के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यान्वयन चुनौती 'शिक्षा का व्यवसायीकरण' (Vocationalization of Education) थी। यह 1995 तक अपने 25% मोड़ लक्ष्य से काफी कम क्यों रह गई?
(A) व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में डिग्रियों के लिए लंबवत गतिशीलता (Vertical Mobility) की कमी थी और नकारात्मक सामाजिक धारणा का सामना करना पड़ा।
(B) व्यावसायिक पाठ्यक्रम अत्यधिक जटिल और कठोर थे, जिसके कारण नामांकित विद्यार्थियों की विशाल बहुमत विफल (Failed) हो गई।
(C) उच्च शिक्षा विश्वविद्यालयों ने स्पष्ट रूप से किसी भी ऐसे आवेदक को प्रवेश देने से इनकार कर दिया जिसने अनिवार्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम नहीं लिए थे।
(D) असंगठित निजी उद्योग साझेदारियों के अत्यधिक प्रसार ने राज्य बोर्डों में प्रशासनिक अराजकता पैदा की।

182. निम्नलिखित में से कौन सा NEP 2020 की "बहुभाषावाद" (Multilingualism) रणनीति को सबसे अच्छी तरह से समाहित करता है?
(A) सभी भारतीय राज्यों और क्षेत्रों में सभी स्कूल निर्देशों को सख्ती से केवल अंग्रेजी और हिंदी तक सीमित करना
(B) एक सख्त वैधानिक नियम लागू करना जिसके लिए प्रत्येक छात्र को स्नातक होने से पहले ठीक पांच अलग-अलग भाषाओं में महारत हासिल करने की आवश्यकता हो
(C) सभी सरकारी स्कूलों के भीतर अंग्रेजी भाषा के उपयोग या शिक्षण पर प्रतिबंध लगाने वाला पूर्ण कानूनी प्रतिबंध लागू करना
(D) अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं को सीखते समय घर की भाषा का उपयोग एक पुल के रूप में करना

183. NEP 2020 के तहत, मौजूदा एकल बी.एड. कॉलेजों (स्वतंत्र B.Ed. कॉलेज) के लिए क्या संरचनात्मक बदलाव परिकल्पित है?
(A) सभी एकल शिक्षक शिक्षा कॉलेजों को स्थायी रूप से और तुरंत बंद कर दिया जाएगा।
(B) 2030 तक बहु-विषयक संस्थानों या क्लस्टरों में परिवर्तन (2030 तक मल्टीडिसिप्लिनरी संस्थानों या क्लस्टर्स में बदलना)
(C) एकल कॉलेजों को स्वचालित रूप से पूरी तरह से स्वतंत्र डिग्री-प्रदान करने वाले राज्य विश्वविद्यालयों (राज्य विश्वविद्यालय) में अपग्रेड किया जाएगा।
(D) एकल शिक्षक कॉलेजों को स्थानीय सरकारी माध्यमिक स्कूल परिसरों में भौतिक रूप से विलय कर दिया जाएगा।

184. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 ने "मीडिया और शैक्षिक प्रौद्योगिकी" पर दृढ़ता से बल दिया। इस अवधि के दौरान किस उपग्रह-आधारित शैक्षिक कार्यक्रम का बड़े पैमाने पर विस्तार किया गया था?
(A) एडुसेट (एडूसैट नेटवर्क)
(B) स्वयं प्रभा (स्वयं प्रभा DTH चैनल)
(C) साइट (SITE एक्सटेंशन और UGC का कंट्रीवाइड क्लासरुम)
(D) पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA Initiative)

185. आप NEP 2020 मूल्यांकन ढांचे में परिवर्तन की तैयारी कर रहे स्कूल के प्रधानाचार्य (Principal) हैं। एक शिक्षक पूछता है कि नया समग्र प्रगति कार्ड पुराने रिपोर्ट कार्ड से कैसे भिन्न है। आपका सही उत्तर क्या है?
(A) नया रिपोर्ट कार्ड प्रत्येक अकादमिक विषय में केवल निरपेक्ष संख्यात्मक अंक प्रदर्शित करने के लिए वर्णनात्मक ग्रेड को त्याग देता है।
(B) यह संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों में स्व, सहपाठी और शिक्षक मूल्यांकनों को कवर करता है।
(C) नया प्रगति कार्ड कार्यात्मक रूप से पारंपरिक रिपोर्ट कार्ड के समान है, सिवाय इसके कि इसे डिजिटल रूप से उत्पन्न और जारी किया जाता है।
(D) नया मूल्यांकन उपकरण अकादमिक विषयों को छोड़कर, विशेष रूप से सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है।

186. शिक्षा के वित्तपोषण (शिक्षा के लिए वित्त-पोषण) के संबंध में कोठारी आयोग और NEP 2020 दोनों के लिए निम्नलिखित में से कौन सी सिफारिश समान थी?
(A) शैक्षिक वित्तपोषण की निर्भरता को पूरी तरह से निजी कॉर्पोरेट परोपकार की ओर स्थानांतरित करना
(B) सार्वजनिक स्कूलों में उच्च ट्यूशन फीस (Tuition Fees) वसूलकर प्राथमिक परिचालन राजस्व उत्पन्न करना

Downloaded from www.pdf.tube

(C) सार्वजनिक शिक्षा व्यय को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 6% तक बढ़ाना
(D) उच्च शिक्षा के लिए सरकारी धन आवंटन को पूरी तरह से समाप्त करना और बंद करना

187. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : NPE 1986 के कारण 1986 में एक विस्तृत कार्य योजना (POA) का निर्माण हुआ, जिसे 1992 में आगे अद्यतन किया गया।
कारण (R) : एक स्पष्ट कार्यान्वयन ढांचे, जिम्मेदारियों के स्पष्ट असाइनमेंट और वित्तीय प्रतिबद्धताओं के बिना नीतिगत घोषणाएं आमतौर पर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहती हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

188. नीतिगत बदलावों की समय-सीमा का पता लगाने में, किस आयोग ने एक मुख्य स्तंभ के रूप में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा" के साथ "राष्ट्रीय विकास" की अवधारणा को स्पष्ट रूप से जोड़ा?
(A) मुदालियर आयोग (Mudaliar Commission)
(B) जस्टिस वर्मा आयोग (Justice Verma Commission)
(C) कोठारी आयोग (Kothari Commission)
(D) राधाकृष्णन आयोग (Radhakrishnan Commission)

189. प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ECCE) के संबंध में NEP 2020 में एक महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव क्या है?
(A) स्कूली शिक्षा के लिए किसी भी प्रशासनिक या शिक्षण शास्त्रीय संबंध के बिना महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत ECCE को सख्ती से बनाए रखना
(B) सभी आंगनवाड़ियों और सार्वजनिक ECCE केंद्रों का पूरी तरह से निजीकरण करना, प्रबंधन को निजी कॉर्पोरेट ऑपरेटरों को स्थानांतरित करना
(C) 6 वर्ष की आयु तक पहुँचने तक बच्चों के लिए किसी भी संरचित औपचारिक या अनौपचारिक ECCE कार्यक्रमों को कानूनी रूप से प्रतिबंधित करना
(D) शिक्षा मंत्रालय के तहत औपचारिक 5+3+3+4 संरचना में ECCE को एकीकृत करना

190. प्रौढ़ शिक्षा और आजीवन सीखने (वयस्क शिक्षा और आजीवन सीखना) के प्रति NEP 2020 का मूलभूत दृष्टिकोण क्या है?
(A) लागत-अप्रभावी होने के आधार पर राज्य द्वारा वित्तपोषित प्रौढ़ शिक्षा पहलों को व्यवस्थित रूप से समाप्त करना और त्यागना
(B) विशेष रूप से वयस्क शिक्षार्थियों के लिए समर्पित पूरी तरह से अलग, समानांतर देशव्यापी विश्वविद्यालय प्रणाली का निर्माण करना
(C) साझा संसाधनों और स्वयंसेवकों का उपयोग करके स्कूल परिसरों में प्रौढ़ शिक्षा को एकीकृत करना
(D) व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण को पूरी तरह से बाहर करते हुए, प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों को कड़ाई से बुनियादी साक्षरता तक सीमित करना

191. भारतीय शिक्षा में भाषा नीतियों के विकास के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. NPE 1968 ने त्रि-भाषा सूत्र (त्रि-भाषा सूत्र) को औपचारिक रूप दिया।
II. NPE 1986 ने त्रि-भाषा सूत्र के कार्यान्वयन को दोहराया।
III. NEP 2020 ने केवल-अंग्रेजी नीति के पक्ष में त्रि-भाषा सूत्र को समाप्त कर दिया।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

192. 1968 और 1986 में परिकल्पित 'समान विद्यालय प्रणाली' (समान स्कूली प्रणाली) के कार्यान्वयन की एक प्रमुख आलोचना रही है:
(A) शिक्षा तक पहुँच के संबंध में संवैधानिक प्रावधानों और कानूनी जनादेशों की कुल अनुपस्थिति
(B) राज्य शिक्षा बजट की ओर कर राजस्व आवंटित करने के लिए केंद्र सरकार का स्पष्ट इनकार
(C) ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक प्राथमिक शिक्षा के लिए सार्वजनिक हित और सामुदायिक मांग की लगभग पूर्ण अनुपस्थिति
(D) सरकारी स्कूलों में असमान गुणवत्ता जिसके कारण एक असमान निजी स्कूल का विस्तार हुआ

193. NEP 2020 एक नया राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, 'परख' (PARAKH) बनाने की परिकल्पना करता है। निम्नलिखित में से कौन सा इसका उल्लिखित कार्य नहीं है?
(A) बोर्डों में छात्र मूल्यांकन के लिए मानकीकृत मानदंडों, मानदंडों और दिशानिर्देशों को तैयार करना
(B) राज्य स्तरीय राज्य उपलब्धि सर्वेक्षणों (SAS) के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और देखरेख प्रदान करना
(C) छात्र सीखने के परिणामों की राष्ट्रव्यापी उपलब्धि को निरंतर ट्रैक और मॉनिटर करना
(D) स्कूल प्रशासकों के लिए नागरिक सेवा परीक्षाएं आयोजित करना

194. NEP 2020 के तहत "रटने की प्रणाली" से "वैचारिक समझ" की ओर बदलाव अत्यधिक निर्भर करता है:
(A) सत्र के अंत की अंतिम लिखित परीक्षाओं की अवधि और लंबाई (Duration and Length) में काफी वृद्धि करना
(B) छात्र मूल्यांकन प्रक्रियाओं में भाग लेने से कक्षा शिक्षकों

NODIA

को व्यवस्थित रूप से हटाना
(C) चौबीस घंटे पहले लिखित परीक्षा प्रश्नपत्रों को आधिकारिक रूप से प्रकाशित और वितरित करना
(D) रचनात्मक और योग्यता-आधारित मूल्यांकन (रचनात्मक और क्षमता-आधारित मूल्यांकन)

195. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों (विशेष ज़रूरतों वाले बच्चे) की शिक्षा के संबंध में विशेष रूप से POA 1992 द्वारा एक प्रमुख हस्तक्षेप क्या था?
(A) सार्वजनिक मुख्यधारा की स्कूल प्रणाली से विशेष जरूरतों वाले बच्चों को व्यवस्थित रूप से पूरी तरह से बाहर करना
(B) कानूनी रूप से अनिवार्य करना कि विकलांग बच्चे केवल विशेष निजी अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में भाग लें
(C) मानकीकृत माध्यमिक बोर्ड परीक्षाओं में भाग लेने या बैठने के उनके वैधानिक अधिकार को रद्द करना
(D) सामान्य स्कूलों में हल्की से मध्यम विकलांगता वाले बच्चों को एकीकृत करना

196. NEP 2020 के तहत, यह सुनिश्चित करने के लिए कि शिक्षा के माध्यम की नीति सफल हो, सरकार का लक्ष्य है:
(A) देश भर में सभी अंग्रेजी-माध्यम के निजी स्कूलों पर प्रतिबंध लगाने के लिए वैधानिक निषेध (Statutory Prohibition) लागू करना
(B) सभी सार्वजनिक स्कूल शिक्षकों को कम से कम पांच क्षेत्रीय भाषाओं में महारत हासिल करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य करना
(C) उच्च गुणवत्ता वाली द्विभाषी पाठ्यपुस्तकें और शिक्षण सामग्री विकसित करना (Developing High-Quality Bilingual Textbooks)
(D) यह अनिवार्य करना कि सभी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं सख्ती से संस्कृत में आयोजित की जाएं

197. मूल रूप से कोठारी आयोग द्वारा प्रस्तावित "स्कूल कॉम्प्लेक्स" (School Complexes) की अवधारणा NEP 2020 में मुख्य रूप से किस निरंतर समस्या को हल करने के लिए अपना आधुनिक दोहराव पाती है?
(A) छोटे, कम संसाधनों वाले, एकल-शिक्षक स्कूलों के प्रबंधन की प्रशासनिक चुनौतियां
(B) कुलीन स्कूलों के लिए निजी कॉर्पोरेट प्रायोजन और परोपकारी वित्तपोषण की व्यापक कमी
(C) नियमित स्कूल प्रबंधन में अत्यधिक अभिभावक हस्तक्षेप के कारण होने वाले निरंतर प्रशासनिक मुद्दे
(D) नामांकित विद्यार्थियों के पास अत्यधिक अनपेक्षित खाली समय होने से जुड़ी सामाजिक समस्याओं को संबोधित करना

198. निम्नलिखित में से कौन सा NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा डिग्रियों में एक बड़े प्रतिमान बदलाव (Paradigm Shift) का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) यह अनिवार्य करना कि सभी विश्वविद्यालय स्नातक डिग्री कार्यक्रमों को सख्ती से 2 वर्षों तक सीमित रखा जाए
(B) सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में सभी स्नातकोत्तर मास्टर डिग्री कार्यक्रमों को स्थायी रूप से समाप्त करना
(C) पीएचडी में नामांकन से पहले सभी शोध विद्वानों को एम.फिल. डिग्री पूरा करने की कानूनी रूप से आवश्यकता होना
(D) प्रवेश और निकास विकल्पों के साथ 4-वर्षीय बहु-विषयक स्नातक डिग्री (4-Year Multidisciplinary Bachelor's Degree) शुरू करना

199. NPE 1968, NPE 1986 और NEP 2020 में एक आवर्ती विषय शिक्षक की भूमिका है। कौन सा कथन शिक्षकों पर प्रगतिशील नीति सर्वसम्मति (Progressive Policy Consensus) को सबसे अच्छी तरह से संश्लेषित करता है?
(A) सार्वजनिक स्कूल के शिक्षकों को ऊपर से नीचे, केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य अकादमिक पाठ्यक्रमों के महज निष्क्रिय कार्यान्वयनकर्ता के रूप में देखा जाता है।
(B) कृत्रिम बुद्धिमत्ता में त्वरित तकनीकी प्रगति अनिवार्य रूप से और पूरी तरह से मानव कक्षा शिक्षकों की आवश्यकता को समाप्त कर देगी।
(C) पाठ्यक्रम विकास, पाठ्यपुस्तक प्रारूपण, या मूल्यांकन डिजाइन में भाग लेने से कक्षा शिक्षकों को स्पष्ट रूप से बाहर रखा जाना चाहिए।
(D) शिक्षक की स्थिति, प्रशिक्षण और काम करने की स्थितियाँ शैक्षिक गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

200. तीन प्रमुख नीतियों के व्यापक रणनीतिक ध्यान की तुलना करते हुए, कौन सा क्रम उनके ऐतिहासिक संदर्भों को सटीक रूप से दर्शाता है?
(A) 1968: पहुँच और संरचना → 1986: समानता, गुणवत्ता और तकनीक → 2020: समग्र 21वीं सदी के कौशल (1968: पहुँच और ढाँचा → 1986: समानता, गुणवत्ता और तकनीक → 2020: 21वीं सदी के लिए समग्र कौशल)
(B) 1968: डिजिटल और कंप्यूटर-आधारित शिक्षा का विस्तार → 1986: अंतर-विषयक विश्वविद्यालय अनुसंधान ढांचा → 2020: बुनियादी प्रौढ़ साक्षरता (Basic Adult Literacy)
(C) 1968: अनिवार्य माध्यमिक व्यवसायीकरण → 1986: प्राचीन ज्ञान प्रणालियों का एकीकरण → 2020: विशेष औद्योगिक तकनीकी प्रशिक्षण
(D) 1968: वैश्वीकृत अकादमिक पाठ्यक्रमों को अपनाना → 1986: स्थानीयकृत क्षेत्रीय पाठ्यक्रमों में संक्रमण → 2020: औपचारिक मानकीकृत पाठ्यक्रमों का उन्मूलन

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) कोठारी आयोग (Kothari Commission) पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संकल्प (Resolution on National Policy on Education)
भारत की प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Policy on Education) 1968 कोठारी आयोग (Kothari Commission 1964-66) की सिफारिशों पर आधारित थी। इस आयोग ने देश की राष्ट्रीय प्रगति और सामाजिक एकीकरण (Social Integration) को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा के पुनर्गठन का प्रस्ताव रखा था। इस संकल्प ने भारतीय शैक्षिक इतिहास में 10+2+3 संरचनात्मक पैटर्न और बजटीय आवंटन का मूलभूत ढाँचा तैयार किया।

2. (C) 6 प्रतिशत
कोठारी आयोग (Kothari Commission 1964-66) ने सिफारिश की थी कि भारत को अपनी राष्ट्रीय आय (National Income) का कम से कम 6 प्रतिशत शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित करना चाहिए। आयोग का मानना था कि पर्याप्त वित्तीय संसाधन (Financial Resources) प्रदान किए बिना शैक्षिक सुधार, सामाजिक आधुनिकीकरण और आर्थिक वृद्धि के विकासात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करना संभव नहीं है।

3. (A) पड़ोस के स्कूलों (Neighborhood Schools) द्वारा न्यायसंगत पहुँच प्रदान करने के लिए 'समान विद्यालय प्रणाली' (Common School System) की स्थापना करना
समान विद्यालय प्रणाली (Common School System) का मुख्य उद्देश्य सभी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों को उनके घर के पास स्थित पड़ोस के स्कूलों (Neighborhood Schools) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। यह प्रणाली दूर स्थित स्कूलों के कारण होने वाली ड्रॉपआउट दर (Dropout Rate) को कम करती है और लैंगिक समानता तथा सामाजिक न्यायसंगत पहुँच (Equitable Access) को बढ़ावा देती है।

4. (C) सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन (Social and Economic Transformation) के मुख्य साधन के रूप में शिक्षा
कोठारी आयोग (Kothari Commission) की रिपोर्ट का केंद्रीय दर्शन यह था कि शिक्षा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन (Social and Economic Transformation) का एक शक्तिशाली साधन है। आयोग ने शिक्षा को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखकर इसे राष्ट्रीय विकास, उत्पादकता वृद्धि, सामाजिक सामंजस्य और लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण से सीधे जोड़ा।

NODIA

5. (A) इसने माध्यमिक शिक्षा में त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) को समाप्त करने का सुझाव दिया।
कोठारी आयोग (Kothari Commission) ने त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) को समाप्त करने के बजाय माध्यमिक स्तर पर इसके सुचारु कार्यान्वयन का सुझाव दिया था। आयोग ने 10+2+3 शिक्षा संरचना, समान विद्यालय प्रणाली (Common School System) की स्थापना और पाठ्यक्रम में कार्य अनुभव (Work Experience) तथा राष्ट्रीय सेवा को शामिल करने की मजबूत सिफारिश की थी।

6. (D) त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) को अपनाना
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 ने त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) को राष्ट्रीय एकीकरण (National Integration) को बढ़ावा देने वाले एक प्रमुख साधन के रूप में अपनाया। इसके तहत गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी और हिंदी भाषी राज्यों में किसी दक्षिण भारतीय भाषा के अध्ययन को प्रोत्साहित किया गया, जिससे अंतर-राज्यीय संचार और भाषाई सौहार्द मजबूत हुआ।

7. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 ने शैक्षिक अवसरों के समानिकरण (Equalisation of Educational Opportunities) पर बल दिया। नीति का मानना था कि क्षेत्रीय असंतुलन (Regional Imbalance) को दूर करके तथा ग्रामीण और वंचित वर्गों पर ध्यान केंद्रित करके ही राष्ट्रीय एकजुटता हासिल की जा सकती है। अतः कारण, अभिकथन का सटीक और तार्किक औचित्य प्रस्तुत करता है।

8. (C) आर्थिक विकास को गति देना और कृषि एवं उद्योग का आधुनिकीकरण करना
NPE 1968 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा (Science and Technology Education) पर विशेष बल देने का मुख्य उद्देश्य देश के आर्थिक विकास को गति देना था। विज्ञान और तकनीकी अनुसंधान का उपयोग कृषि उत्पादन बढ़ाने और औद्योगिक क्षेत्र का आधुनिकीकरण (Modernization of Industry) करने के लिए एक आवश्यक आधार स्तंभ माना गया था।

9. (D) 10 वर्ष की स्कूली शिक्षा के अंत में
1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अपनाई गई 10+2+3 संरचना के अनुसार, पहली सार्वजनिक परीक्षा (Public Examination) 10 वर्ष की सामान्य स्कूली शिक्षा पूरी होने के अंत में आयोजित करने की सिफारिश की गई थी। इसके बाद दो वर्ष की उच्चतर माध्यमिक शिक्षा और तीन वर्ष का स्नातक पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया था।

10. (A) समान विद्यालय प्रणाली (Common School System)
NPE 1968 द्वारा समर्थित समान विद्यालय प्रणाली (Common School System) का उद्देश्य सामाजिक वर्ग भेद को समाप्त करना था। इस अवधारणा के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों को एक ही स्कूल में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जिससे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकीकरण (National Integration) को बढ़ावा मिलता है।

11. (A) I और II
NPE 1968 के अनुसार त्रि-भाषा सूत्र में हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी, अंग्रेजी और एक अन्य भारतीय भाषा तथा गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में क्षेत्रीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी का अध्ययन शामिल था। इसमें संस्कृत का अध्ययन अनिवार्य नहीं बल्कि एक ऐच्छिक या शास्त्रीय भाषा (Classical Language) के रूप में प्रस्तावित किया गया था।

12. (B) बदलती सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं, जनसांख्यिकीय वृद्धि और तकनीकी प्रवृत्तियों को संबोधित करने के लिए
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (NPE 1986) के निर्माण की आवश्यकता देश में तेजी से बदलती सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं, जनसांख्यिकीय वृद्धि (Demographic Growth) और नई तकनीकी प्रवृत्तियों के कारण हुई। 1968 की नीति के बाद उत्पन्न नई चुनौतियों से निपटने और शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाने के लिए यह नीति तैयार की गई थी।

13. (A) सफलता के लिए समान स्थितियाँ (Equal Conditions for Success)
NPE 1986 ने केवल स्कूलों तक 'समान पहुँच' (Equal Access) प्रदान करने की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़कर 'सफलता के लिए समान स्थितियाँ' (Equal Conditions for Success) निर्मित करने पर जोर दिया। इसका अर्थ था कि वंचित वर्गों के शिक्षार्थियों को समान अवसर के साथ-साथ आवश्यक संसाधन और सहयोग प्रणाली भी प्रदान की जाए।

14. (C) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड (Operation Blackboard)
NPE 1986 के तहत प्राथमिक स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं और शिक्षण सामग्री में सुधार हेतु केंद्र प्रायोजित योजना 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' (Operation Blackboard) शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम आवश्यक भौतिक सुविधाएं जैसे दो कमरे, दो शिक्षक और शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Material) सुनिश्चित करना था।

15. (A) I, II और III
NPE 1986 के अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (DIETs) की स्थापना, ग्रामीण मेधावी बच्चों के लिए नवोदय विद्यालय योजना और प्रौढ़ शिक्षा के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन शुरू किया गया। जबकि 5+3+3+4 स्कूली संरचना का प्रावधान इस नीति का भाग नहीं था, बल्कि यह NPE 2020 की प्रमुख सिफारिश है।

16. (C) प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों को सांस्कृतिक मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा (Quality Modern Education) प्रदान करना
जवाहर नवोदय विद्यालयों (JNVs) की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना और उन्हें उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सांस्कृतिक मूल्यों से युक्त गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा (Quality Modern Education) और मुफ्त आवासीय सुविधाएं प्रदान करना था ताकि वे अपनी पूर्ण क्षमता हासिल कर सकें।

17. (B) महिलाओं के शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए महिला समाख्या कार्यक्रमों (Mahila Samakhya Programmes) का शुभारंभ
NPE 1986 के तहत महिलाओं की समानता के लिए शिक्षा के क्षेत्र में महिला समाख्या कार्यक्रम (Mahila Samakhya Programme) शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और वंचित वर्गों की महिलाओं को अनौपचारिक शिक्षा, जागरूकता और समूह निर्माण के माध्यम से सामाजिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना था।

18. (A) पूर्ण भागीदारी को सुगम बनाने के लिए स्कूल भवनों, बालवाड़ियों और प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों को स्थापित करना
NPE 1986 ने अनुसूचित जातियों (SCs) और अनुसूचित जनजातियों (STs) के शैक्षिक विकास के लिए उनकी आबादी वाले क्षेत्रों में प्राथमिक स्कूल भवनों, बालवाड़ियों और प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर स्थापित करने की सिफारिश की थी, ताकि इन वर्गों की शिक्षा में पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

19. (D) कम से कम दो उपयोग योग्य कमरे, खिलौने और आवश्यक प्राथमिक शिक्षण सामग्री (Primary Learning Materials) प्रदान करना
'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' (Operation Blackboard) का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना था। इसके तहत कम से कम दो सर्व-मौसम अनुकूल कमरे, आवश्यक खिलौने, ब्लैकबोर्ड, नक्शे और प्राथमिक शिक्षण-अधिगम सामग्री (Primary Learning Materials) प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी ताकि अधिगम माहौल सुधर सके।

20. (B) NPE 1986 के लिए एक परिचालन रणनीति और कार्यान्वयन रोडमैप (Operational Strategy and Implementation Roadmap) प्रदान करना
कार्य योजना 1986 (Programme of Action - POA 1986) का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की सैद्धांतिक सिफारिशों को व्यावहारिक रूप में लागू करने के लिए एक विस्तृत परिचालन रणनीति और कार्यान्वयन रोडमैप

NODIA

(Implementation Roadmap) प्रदान करना था, जिसमें समय-सीमा और बजटीय जिम्मेदारियां तय की गई थीं।

21. (C) 1992
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की समीक्षा के लिए 1990 में गठित राममूर्ति समिति की सिफारिशों के आधार पर वर्ष 1992 में इस नीति में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन संशोधनों के परिणामस्वरूप एक अद्यतन दस्तावेज जारी किया गया जिसे कार्य योजना 1992 (Programme of Action 1992) कहा जाता है।

22. (A) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड (Operation Blackboard) का उच्च प्राथमिक कक्षाओं (Upper Primary Classes) तक विस्तार करना
राममूर्ति समीक्षा समिति (1990) की सिफारिशों के पश्चात संशोधित POA 1992 में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' योजना का विस्तार प्राथमिक स्तर से बढ़ाकर उच्च प्राथमिक कक्षाओं (Upper Primary Classes) तक किया जाए तथा तीन कमरे और तीन शिक्षक उपलब्ध कराने का प्रावधान जोड़ा जाए।

23. (A) जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (District Institute of Education and Training - DIET)
NPE 1986/92 के तहत प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए सतत संस्थागत अकादमिक सहायता और प्रशिक्षण हेतु जिला स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) की स्थापना की सिफारिश की गई थी। यह संस्थान सेवा-पूर्व और सेवा-कालीन शिक्षक प्रशिक्षण (Teacher Training) आयोजित करने वाली मुख्य नोडल एजेंसी है।

24. (D) उच्चतर माध्यमिक चरण (+2 स्तर)
NPE 1986/92 में शिक्षा के व्यवसायीकरण (Vocationalization of Education) को उच्चतर माध्यमिक चरण (+2 level) पर लागू करने की परिकल्पना की गई थी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक कौशलों में प्रशिक्षित करके उन्हें सीधे रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसरों के लिए तैयार करना था।

25. (B) 25 प्रतिशत
NPE 1986 ने यह लक्ष्य निर्धारित किया था कि वर्ष 1995 तक उच्चतर माध्यमिक स्तर (+2 चरण) पर अध्ययनरत लगभग 25 प्रतिशत विद्यार्थियों को सामान्य अकादमिक धारा से अलग करके विभिन्न सुव्यवस्थित व्यावसायिक धाराओं (Vocational Streams) में मोड़ा जाएगा ताकि देश में कुशल कार्यबल तैयार हो सके।

26. (D) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान - NIOS)
NPE 1986 द्वारा स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणालियों (Open Learning Systems) को बढ़ावा देने के बल के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (NOS) की स्थापना हुई, जिसे बाद में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (National Institute of Open Schooling - NIOS) का नाम दिया गया।

27. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NPE 1986 ने प्राथमिक स्तर पर बाल-केंद्रित दृष्टिकोण (Child-Centered Approach) अपनाने की सिफारिश की। नीति का स्पष्ट मानना था कि शारीरिक दंड को पूरी तरह से समाप्त करने और आनंददायक अधिगम (Joyful Learning) का वातावरण बनाने से बच्चों को स्कूल में रोके रखने में मदद मिलेगी। अतः कारण, अभिकथन का पूर्ण समर्थन करता है।

28. (B) के. कस्तूरीरंगन समिति (K. Kasturirangan Committee)
प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में गठित समिति ने मई 2019 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा प्रस्तुत किया था। इस समिति की रिपोर्ट ही वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020) का मुख्य शुरुआती आधार बनी।

29. (A) वैश्विक नागरिकों को बढ़ावा देते हुए भारतीय लोकाचार (Indian Ethos) में निहित
NEP 2020 का व्यापक दृष्टिकोण भारत की समृद्ध परंपराओं और भारतीय लोकाचार (Indian Ethos) में गहराई से निहित एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके भारत को एक जीवंत ज्ञान समाज में बदले तथा जिम्मेदार वैश्विक नागरिक तैयार करे।

30. (D) कला, विज्ञान, पाठ्यचर्या, पाठ्येतर और व्यावसायिक धाराओं के बीच कठोर सीमाओं को हटाना
NEP 2020 का एक प्रमुख मूलभूत सिद्धांत स्कूली विषयों और धाराओं के बीच के पारंपरिक विभाजन को समाप्त करना है। यह नीति कला और विज्ञान, पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों तथा अकादमिक और व्यावसायिक धाराओं (Vocational Streams) के बीच की कठोर सीमाओं को हटाकर बहु-विषयक अध्ययन को बढ़ावा देती है।

31. (D) I, II और III
NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित 5+3+3+4 संरचना में '5' बुनियादी चरण (आयु 3-8), पहला '3' प्रारंभिक चरण (आयु 8-11), दूसरा '3' मध्य चरण (आयु 11-14) और '4' माध्यमिक चरण (आयु 14-18) को दर्शाता है। अतः दिए गए तीनों कथन पूरी तरह सही हैं।

32. (B) आंगनवाड़ी / प्री-स्कूल / बालवाटिका (Anganwadi / Pre-School / Balvatika)
NEP 2020 के तहत बुनियादी चरण (Foundational Stage) के पहले 3 वर्षों में 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी, प्री-स्कूल या बालवाटिका (Balvatika) में मिलने वाली प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा शामिल है, जिसके बाद के दो वर्षों में कक्षा I और II शामिल हैं।

33. (B) मध्य चरण (Middle Stage)
NEP 2020 की संरचना के अनुसार, मध्य चरण (Middle Stage - कक्षा 6 से 8) में विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक

Downloaded from www.pdf.tube

विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में अमूर्त अवधारणाओं पर चर्चा की जाती है और अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) तथा विषय-आधारित एकीकृत शिक्षण की औपचारिक शुरुआत की जाती है।

34. (A) यह लचीलेपन के बिना विज्ञान, वाणिज्य या कला में कठोर विभाजन का आदेश देता है।
NEP 2020 का माध्यमिक चरण (Secondary Stage - कक्षा 9 से 12) विषयों में लचीलापन और बहु-विषयक अध्ययन प्रदान करता है। यह कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच के पारंपरिक कठोर विभाजन को पूरी तरह समाप्त करता है तथा विद्यार्थियों को अपनी पसंद के विषय चुनने की स्वतंत्रता देता है।

35. (A) 2025-26
NEP 2020 के तहत शिक्षा मंत्रालय द्वारा निपुण भारत मिशन के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN) प्राप्त करने के लिए 2025-26 की लक्षित समय-सीमा निर्धारित की गई है, ताकि प्रत्येक बच्चा ग्रेड 3 के अंत तक पढ़ने-लिखने और बुनियादी गणित में दक्षता प्राप्त कर सके।

36. (D) उन्नत कलन और त्रिकोणमिति (Advanced Calculus and Trigonometry)
बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN) का संबंध शुरुआती वर्षों में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन प्रवाह और बुनियादी संख्यात्मक संक्रियाओं से है। उन्नत कलन और त्रिकोणमिति (Advanced Calculus and Trigonometry) उच्च माध्यमिक गणित के विषय हैं, जो FLN के प्राथमिक दायरे के अंतर्गत नहीं आते हैं।

37. (C) राष्ट्रीय पुस्तक संवर्धन नीति (National Book Promotion Policy)
देश भर के बच्चों और युवाओं में पढ़ने की आदत को विकसित करने, सुलभ और सस्ती अध्ययन सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक व स्कूल पुस्तकालयों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से NEP 2020 के तहत एक राष्ट्रीय पुस्तक संवर्धन नीति (National Book Promotion Policy) तैयार करने का प्रस्ताव किया गया है।

38. (A) घर की भाषा या मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा (Home Language or Mother Tongue or Regional Language)
NEP 2020 यह सिफारिश करती है कि जहाँ भी संभव हो, कम से कम ग्रेड 5 तक लेकिन अधिमानतः ग्रेड 8 और उससे आगे तक शिक्षा का माध्यम बच्चे की घर की भाषा, मातृभाषा या स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा (Home Language/ Mother Tongue) होना चाहिए, क्योंकि बच्चे अपनी भाषा में अवधारणाएं आसानी से समझते हैं।

39. (D) बच्चे अपनी घर की भाषा या मातृभाषा में जटिल अवधारणाओं को अधिक तेजी से समझते हैं।
बहुभाषावाद (Multilingualism) और NEP 2020 का शैक्षणिक सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि छोटे बच्चे अपनी मातृभाषा या घर की भाषा में जटिल संज्ञानात्मक अवधारणाओं को बहुत तेजी से और सहजता से सीखते हैं। शुरुआती वर्षों में अपनी भाषा में समझना बच्चे के समग्र बौद्धिक विकास और भाषा संप्रेषण को सुदृढ़ करता है।

40. (A) तीन में से दो भाषाएं भारत की मूल (Native to India) होनी चाहिए।
NEP 2020 के तहत त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) में अधिक लचीलापन प्रदान किया गया है, किंतु यह मुख्य शर्त रखी गई है कि विद्यार्थियों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाओं में से कम से कम दो भाषाएं भारत की मूल या देशी भाषाएं (Native to India) होनी अनिवार्य हैं।

41. (B) मध्य चरण (Middle Stage - ग्रेड 6-8)
NEP 2020 में मध्य चरण (Middle Stage - ग्रेड 6 से 8) के दौरान मुख्यधारा की शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) को एकीकृत करने का आदेश दिया गया है। इसी चरण में विद्यार्थियों को स्थानीय कारीगरों के साथ व्यावहारिक अनुभव के लिए '10-दिवसीय बस्ते के बिना' (10-Bagless Days) की अवधि प्रदान की जाती है।

42. (C) रचनात्मक और योग्यता-आधारित (Formative and Competency-Based) हो
NEP 2020 पारंपरिक योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) की प्रणाली को बदलकर सतत, रचनात्मक और योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Formative and Competency-Based Evaluation) को अपनाने पर जोर देती है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों की उच्च-स्तरीय सोच, गंभीर विश्लेषण और वैचारिक स्पष्टता का निरंतर परीक्षण और समर्थन करना है।

NODIA

43. (D) स्व, सहपाठी और शिक्षक इनपुट को मिलाने वाली 360-डिग्री बहुआयामी रिपोर्ट (360-Degree Multidimensional Report)
NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित नया समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card) एक 360-डिग्री बहुआयामी रिपोर्ट कार्ड है। इसमें केवल अंकों का विवरण न होकर विद्यार्थी के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक विकास का स्व-मूल्यांकन, सहपाठी (Peer) मूल्यांकन तथा शिक्षक मूल्यांकन के माध्यम से समग्र लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाता है।

44. (A) Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development
NEP 2020 के तहत स्थापित राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र 'परख' का पूर्ण रूप 'Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development' है। यह मानक-निर्धारण निकाय भारत के सभी मान्यता प्राप्त

स्कूल बोर्डों के मूल्यांकन मापदंडों में एकरूपता और सामंजस्य स्थापित करने का कार्य करता है।

45. (C) सभी मान्यता प्राप्त भारतीय स्कूल बोर्डों के लिए मानदंड, मानक और मूल्यांकन दिशानिर्देश (Norms, Standards, and Assessment Guidelines) निर्धारित करना
NEP 2020 के अंतर्गत गठित 'परख' (PARAKH) का प्राथमिक कार्य देश के सभी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्डों के लिए छात्र मूल्यांकन हेतु मानकीकृत मानदंड, मानक और दिशानिर्देश (Norms, Standards, and Guidelines) निर्धारित करना है, ताकि विभिन्न राज्यों के मूल्यांकनों में समानता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

46. (D) 4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. (4-Year Integrated B.Ed.)
NEP 2020 के अनुसार, स्कूल स्तर पर शिक्षण कार्य के लिए वर्ष 2030 तक न्यूनतम डिग्री योग्यता अनिवार्य रूप से 4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. (4-Year Integrated B.Ed.) होगी। यह बहु-विषयक स्नातक डिग्री विषय ज्ञान और शिक्षण-शास्त्र का एक व्यापक एकीकृत प्रारूप प्रदान करेगी।

47. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
NEP 2020 यह सिफारिश करती है कि सभी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को एकल संस्थानों से हटाकर बहु-विषयक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित किया जाए। कथन R असत्य है क्योंकि नीति ने माना था कि कई एकल शिक्षक शिक्षा संस्थान (Standalone TEIs) गुणवत्ता मानकों का पालन करने में विफल रहे थे।

48. (B) National Professional Standards for Teachers
NEP 2020 के तहत शिक्षक मूल्यांकन, पदोन्नति और सतत व्यावसायिक विकास का मार्गदर्शन करने के लिए NPST का ढाँचा तैयार करने का प्रस्ताव है। NPST का पूर्ण अर्थ 'National Professional Standards for Teachers' (शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक) है।

49. (C) NCERT के परामर्श से NCTE
NEP 2020 के अनुसार शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST) विकसित करने की मुख्य जिम्मेदारी राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) की है, जो NCERT, NCERT के विशेषज्ञ निकायों, राज्यों और शिक्षक शिक्षा विशेषज्ञों के व्यापक परामर्श से इस मानक को अंतिम रूप प्रदान करेगी।

50. (A) सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह (Socio-Economically Disadvantaged Groups - SEDGs)
NEP 2020 ने ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले और वंचित समुदायों (जैसे SC, ST, OBC, अल्पसंख्यक, बालिकाएं, किन्नर और विकलांग) को लक्षित नीतिगत हस्तक्षेप और प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से एक व्यापक श्रेणी में समूहित किया है, जिसे 'सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह' (SEDGs) कहा गया है।

51. (A) I और II
NEP 2020 में SEDG बहुल क्षेत्रों को 'विशेष शिक्षा क्षेत्र' (Special Education Zones) घोषित करने और बालिकाओं एवं ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों की शिक्षा हेतु 'लिंग-समावेशन कोष' (Gender-Inclusion Fund) बनाने का प्रावधान है। हालाँकि, नीति में कक्षा 12 तक सभी परीक्षाओं से पूरी छूट देने का कोई प्रावधान नहीं है।

52. (A) राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (National Educational Technology Forum - NETF)
NEP 2020 के तहत शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग और विचारों के स्वतंत्र आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक स्वायत्त निकाय के रूप में 'राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच' (NETF) की स्थापना का प्रस्ताव है। यह मंच अधिगम, मूल्यांकन और प्रशासन में तकनीकी नवाचारों का मार्गदर्शन करेगा।

53. (C) दीक्षा (DIKSHA)
NEP 2020 शिक्षकों और विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल शैक्षिक संसाधन, ई-सामग्री और इंटरैक्टिव शिक्षण उपकरण प्रदान करने के लिए भारत सरकार के मौजूदा राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म 'दीक्षा' (DIKSHA - Digital Infrastructure for Knowledge Sharing) के उपयोग को सुदृढ़ और व्यापक बनाने का पुरजोर समर्थन करती है।

54. (D) बहु-मोड पहुँच के लिए डिजिटल, ऑनलाइन और प्रसारण शैक्षिक पहलों को एकीकृत करना
पीएम ई-विद्या (PM eVIDYA) पहल का मुख्य उद्देश्य डिजिटल, ऑनलाइन और टीवी/रेडियो प्रसारण आधारित शैक्षिक पहलों को एक एकीकृत मंच के तहत लाना है। यह बहु-मोड पहुँच (Multi-mode Access) तकनीक के माध्यम से देश भर के सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री बिना किसी रुकावट के उपलब्ध कराती है।

55. (A) I, II और III
कथन I, II और III दोनों नीतियों के तुलनात्मक अंतर और समानताओं को सही दर्शाते हैं। चौथा कथन गलत है क्योंकि न तो NPE 1986 और न ही NEP 2020 ने केवल अंग्रेजी को शिक्षा का एकमात्र अनिवार्य माध्यम माना है, बल्कि दोनों ने स्थानीय भाषाओं को महत्व दिया है।

56. (C) NPE 1986 ने योगात्मक परीक्षण (Summative Testing) पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि NEP 2020 रचनात्मक, योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Formative, Competency-Based Evaluation) को बढ़ावा देता है।
मूल्यांकन दर्शन के संदर्भ में, NPE 1986 का झुकाव मुख्य रूप से पारंपरिक योगात्मक परीक्षणों और ग्रेडिंग सुधारों पर था। इसके विपरीत, NEP 2020 का ध्यान रटने की प्रवृत्ति को खत्म करके शिक्षार्थी के समग्र विकास हेतु रचनात्मक, योग्यता-आधारित (Competency-Based) और सतत 360-डिग्री मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाने पर है।

Click Here to Buy book on Amazon

57. (D) NPE 1986
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (NPE 1986) ने पूरे देश में पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाने, एकसमान आधारभूत विषय-वस्तु शामिल करने और शैक्षिक मानकों को उन्नत करने के साधन के रूप में "राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा" (National Curriculum Framework - NCF) विकसित करने की अवधारणा को औपचारिक रूप से पेश किया था।

58. (B) 1, 2, 4, 3
ऐतिहासिक कालानुक्रम के अनुसार: कोठारी आयोग की रिपोर्ट 1966 में आई, राममूर्ति समिति का गठन 1990 में हुआ, यशपाल समिति ने अपनी रिपोर्ट 'शिक्षा बिना बोझ के' 1993 में प्रस्तुत की, तथा कस्तूरीरंगन समिति ने मई 2019 में अपनी रिपोर्ट सौंपी। अतः सही क्रम 1, 2, 4, 3 है।

59. (C) कार्य कार्यक्रम (Action Program) का अभाव और वित्तीय बाधाएं
NPE 1968 के कार्यान्वयन की सबसे बड़ी सीमा यह थी कि इसके साथ एक स्पष्ट, समयबद्ध कार्य कार्यक्रम (Programme of Action) और आवश्यक वित्तीय संसाधनों की ठोस प्रतिबद्धता का अभाव था। इसके अतिरिक्त, GDP के 6% आवंटन का लक्ष्य पूरा न होने से नीति के कई लक्ष्य अधूरे रहे।

60. (A) पेश किए गए पाठ्यक्रमों और वास्तविक जॉब मार्केट की मांगों के बीच बेमेल (Mismatch)
NPE 1986 के तहत शिक्षा के व्यवसायीकरण का मुख्य लक्ष्य 1995 तक 25% छात्रों को व्यावसायिक धाराओं में मोड़ना था। इसके कार्यान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती यह सामने आई कि प्रस्तुत किए गए व्यावसायिक पाठ्यक्रम स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं और वास्तविक जॉब मार्केट की मांगों से मेल नहीं खाते थे।

61. (D) जीवंत बहु-विषयक विश्वविद्यालयों के पक्ष में एकल-धारा संस्थानों (Single-Stream Institutions) को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा।
NEP 2020 में "बहु-विषयक" उच्च शिक्षा की ओर बदलाव का अर्थ यह है कि एकल-धारा संस्थानों (Single-Stream Institutions) को धीरे-धीरे समाप्त करके उन्हें व्यापक, बहु-विषयक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में परिवर्तित किया जाएगा, जहाँ कला, विज्ञान और व्यावसायिक विषयों का एकीकृत अध्ययन एक साथ कराया जा सकेगा।

62. (B) पर्याप्त बुनियादी ढाँचे और प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ आंगनवाड़ियों को स्कूली शिक्षा में एकीकृत करना
NEP 2020 की 5+3+3+4 संरचना को लागू करने में एक बड़ी चुनौती मौजूदा आंगनवाड़ियों को भौतिक बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षित कर्मचारियों और बाल-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों से लैस करके उन्हें औपचारिक स्कूली शिक्षा के बुनियादी चरण (Foundational Stage) में सुचारु रूप से एकीकृत करना है।

63. (C) आनंदपूर्वक विषयों में अवधारणाओं को सीखने के लिए एक शिक्षण शास्त्रीय उपकरण के रूप में कला का उपयोग करना
"कला-एकीकृत अधिगम" (Art-Integrated Learning) का मुख्य शिक्षण शास्त्रीय उद्देश्य कला के विभिन्न रुपों (संगीत, नाटक, चित्रकला) को विषयों की समझ बढ़ाने के लिए एक माध्यम के रूप में उपयोग करना है। इससे शिक्षण प्रक्रिया आनंददायक, बाल-केंद्रित और अवधारणात्मक रूप से गहरी तथा समावेशी बनती है।

NODIA

64. (D) क्षेत्रीय भाषाओं में क्रमिक संक्रमण (Gradual Transition)
कोठारी आयोग (1964-66) ने उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में क्रमिक और सुव्यवस्थित संक्रमण (Gradual Transition) की स्पष्ट सिफारिश की थी, ताकि ज्ञान आम जनमानस तक पहुँच सके।

65. (D) (B) और (C) दोनों
शिक्षा में सामाजिक पृथक्करण को समाप्त करने और समानता स्थापित करने के लिए 'पड़ोस के स्कूल' (Neighbourhood Schools) की अवधारणा का पुरजोर समर्थन कोठारी आयोग (1964-66) ने किया था, जिसे बाद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 (NPE 1968) में एक आधिकारिक नीतिगत संकल्प के रूप में अपनाया गया था।

66. (C) राष्ट्रीय सेवा और विकास (National Service and Development)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 ने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया था कि देश की शैक्षिक प्रणाली का मुख्य उद्देश्य उच्च चरित्र, क्षमता और नैतिक मूल्यों वाले ऐसे युवाओं का निर्माण करना होना चाहिए जो निष्ठापूर्वक राष्ट्रीय सेवा और विकास (National Service and Development) के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हों।

67. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NPE 1986 ने डिग्रियों को नौकरियों से अलग करने की पुरजोर वकालत की। इसका उद्देश्य स्नातकों पर अनावश्यक डिग्री प्राप्त करने के दबाव को कम करना था ताकि कौशल और दक्षता आधारित चयन प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा सके। अतः कारण (R), अभिकथन (A) की बिल्कुल सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

68. (D) 300 लोगों की आबादी वाली बसावटों के 1 किमी के भीतर प्राथमिक स्कूल
NPE 1986 ने प्राथमिक शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए यह विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किया था कि कम से कम 300 की जनसंख्या वाली सभी ग्रामीण बसावटों के 1 किलोमीटर के पैदल दायरे के भीतर एक सुसज्जित प्राथमिक स्कूल अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

69. (C) भारत की साझी सांस्कृतिक विरासत (Shared Cultural Heritage) के तत्वों को शामिल करने वाला एक मूल पाठ्यक्रम (Core Curriculum)
राष्ट्रीय एकजुटता को सुदृढ़ करने के लिए NPE 1986 ने एक राष्ट्रीय मूल पाठ्यक्रम (Core Curriculum) की सिफारिश की। इसमें भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास, संवैधानिक दायित्व, राष्ट्रीय पहचान और साझी सांस्कृतिक विरासत (Shared Cultural Heritage) जैसे आवश्यक घटकों को देश भर के पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया था।

70. (B) उच्च प्राथमिक स्कूलों तक विस्तार और तीसरा शिक्षक जोड़ना
POA 1992 के संशोधनों के अंतर्गत 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' योजना के दायरे को विस्तृत करते हुए इसे प्राथमिक से बढ़ाकर उच्च प्राथमिक स्कूलों (Upper Primary Schools) तक लागू किया गया। इसके तहत जहाँ भी छात्र संख्या अधिक हो, वहाँ तीसरे शिक्षक और अतिरिक्त कमरे की व्यवस्था का प्रावधान किया गया।

71. (A) I और II
कथन I और II सही हैं क्योंकि DIETs प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षण देने और जिला स्तर पर अकादमिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए थे। कथन III गलत है क्योंकि DIETs राज्य सरकारों द्वारा संचालित और केंद्रीय योजनाओं द्वारा वित्तपोषित होते हैं, न कि सीधे संयुक्त राष्ट्र द्वारा।

72. (C) राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (National Assessment and Accreditation Council - NAAC) की स्थापना करना
NPE 1986 की सिफारिशों के आधार पर उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता, प्रदर्शन और अकादमिक मानकों का मूल्यांकन तथा विनियमन करने के उद्देश्य से 1994 में स्वायत्त निकाय के रूप में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा की गई थी।

73. (D) पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना एक निश्चित स्तर तक सभी विद्यार्थियों के लिए तुलनीय गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच
NPE 1986 में परिकल्पित "राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली" (National System of Education) का मूल विचार यह था कि जाति, लिंग, स्थान या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना प्रत्येक विद्यार्थी को एक निश्चित स्तर (10+2) तक तुलनीय गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिले।

74. (A) खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित शिक्षण (खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित सीखना) की ओर बदलाव
NEP 2020 बुनियादी चरण (Foundational Stage - 3 से 8 वर्ष) में पारंपरिक रटने और व्याख्यान विधियों को पूरी तरह त्याग कर खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और खोज-आधारित शिक्षण (Play-Based, Activity-Based, and Discovery-Based Learning) की शिक्षण पद्धतियों को अपनाने का बड़ा प्रतिमान बदलाव प्रस्तावित करती है।

75. (B) खेल-आधारित शिक्षण से इंटरैक्टिव कक्षा शिक्षण में परिवर्तन (Transitioning to Interactive Classroom Instruction)
NEP 2020 के अंतर्गत "प्रारंभिक चरण" (Preparatory Stage - कक्षा 3 से 5) का मुख्य ध्यान बुनियादी खेल-आधारित गतिविधियों से धीरे-धीरे औपचारिक इंटरैक्टिव कक्षा शिक्षण (Interactive Classroom Instruction), पढ़ने, लिखने, गणितीय चिंतन और विषय-आधारित बुनियादी अधिगम की ओर सुचारु परिवर्तन लाने पर केंद्रित है।

76. (C) 8 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षण शास्त्र और पाठ्यक्रम का मार्गदर्शन करना
"प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शिक्षण शास्त्रीय ढाँचा" (NCPFECCE) को NCERT द्वारा विकसित किया गया है। इसका मुख्य कार्य 8 वर्ष तक की आयु के छोटे बच्चों के लिए आयु-अनुकूल पाठ्यक्रम, गतिविधियों और शिक्षण शास्त्र (Pedagogy) का राष्ट्रीय मार्गदर्शन करना है।

77. (D) छात्र अधिगम का समर्थन करने के लिए स्थानीय समुदाय के सदस्यों और सहपाठी ट्यूटरों (Peer Tutors) का उपयोग करना
NEP 2020 बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN) के लक्ष्यों को पाने के लिए समुदाय-आधारित स्वयंसेवकों और सहपाठी ट्यूटरों (Peer Tutors) की भागीदारी की वकालत करती है। इसके तहत साक्षर स्थानीय समुदाय के सदस्यों को बच्चों की पढ़ने-लिखने की क्षमताओं में सुधार हेतु मार्गदर्शन के लिए जोड़ा जाता है।

78. (C) NEP 2020
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) स्पष्ट रूप से यह घोषणा करती है कि 'पाठ्यचर्या', 'सह-पाठ्यचर्या' या 'पाठ्येतर' क्षेत्रों और अकादमिक तथा व्यावसायिक धाराओं के बीच कोई कठोर अलगाव नहीं होगा। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी का बहु-विषयक और समग्र विकास (Holistic Development) सुनिश्चित करना है।

79. (A) गंभीर सोच और वैचारिक स्पष्टता पर केंद्रित योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Evaluation)
NEP 2020 के दिशानिर्देशों के तहत स्कूल मूल्यांकन प्रणाली को रटने की परिपाटी से हटाकर योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Evaluation) की ओर ले जाना आवश्यक है, जो विद्यार्थियों की गंभीर सोच, समस्या-समाधान कौशल, वैचारिक स्पष्टता और वास्तविक जीवन में ज्ञान के अनुप्रयोग का मूल्यांकन करता है।

Downloaded from www.pdf.tube

80. (D) महीनों की कोचिंग और रटने के बजाय मुख्य योग्यताओं (Core Competencies) का परीक्षण करना
NEP 2020 के अनुसार ग्रेड 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं को इस तरह पुनर्गठित किया जाएगा कि वे कोचिंग और यांत्रिक स्मरण के बजाय विद्यार्थी की मुख्य योग्यताओं (Core Competencies), बुनियादी समझ और विश्लेषणात्मक कौशल का परीक्षण करें, जिससे परीक्षा संबंधी तनाव को कम किया जा सके।

81. (B) अपार (APAAR) / एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (Academic Bank of Credits - ABC)
NEP 2020 विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा, अर्जित क्रेडिट और प्रगति को डिजिटल रूप से ट्रैक करने के लिए अपार (APAAR ID) और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC) जैसी डिजिटल व्यवस्था का प्रस्ताव करती है। यह आजीवन डिजिटल रिकॉर्ड छात्र की शैक्षणिक गतिशीलता और क्रेडिट हस्तांतरण को सुगम बनाता है।

82. (C) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT)
NEP 2020 के अनिवार्य दिशानिर्देशों के अनुसार स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCFSE) तैयार करने और विकसित करने का दायित्व राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) को सौंपा गया है, जो इस प्रक्रिया में व्यापक राज्यस्तरीय परामर्श भी शामिल करता है।

83. (D) मुख्य अनिवार्यताओं (Core Essentials) पर ध्यान केंद्रित करें, अनुभवात्मक अधिगम और गंभीर सोच को सक्षम करने के लिए पाठ्यक्रम के बोझ को कम करें।
NEP 2020 लागू करने वाले प्रधानाचार्य को पाठ्यक्रम के भारी बोझ को कम करने और केवल मुख्य अनिवार्यताओं (Core Essentials) पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश देना चाहिए। इससे शिक्षकों और विद्यार्थियों को कक्षा में अनुभवात्मक अधिगम, प्रश्न पूछने और गंभीर सोच (Critical Thinking) विकसित करने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

84. (B) समावेशी शिक्षा (Inclusive Education), विकलांग बच्चों को बुनियादी से लेकर उच्च चरणों तक नियमित स्कूली शिक्षा में एकीकृत करना।
NEP 2020 विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) की पुरजोर वकालत करती है। इसके तहत उन्हें अलग करने के बजाय नियमित स्कूलों में उपयुक्त बुनियादी ढांचा, सहायक उपकरण, प्रशिक्षित शिक्षक और व्यक्तिगत शिक्षण सहायता प्रदान करके मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा में पूर्णतः एकीकृत किया जाता है।

85. (B) विज्ञान, गणित और कविता मंडलियों जैसे विषय-आधारित क्लबों (Topic-Based Clubs) की स्थापना करना
विद्यार्थियों की विशिष्ट प्रतिभाओं और रुचियों की पहचान कर उन्हें बढ़ावा देने के लिए NEP 2020 स्कूल स्तर पर विषय-आधारित क्लबों (Topic-Based Clubs) जैसे विज्ञान क्लब, गणित क्लब, कला व कविता मंडलियों की स्थापना करने और राष्ट्रीय स्तर पर ओलंपियाड तथा प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित करने का सुझाव देती है।

86. (B) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड ने न्यूनतम प्राथमिक सुविधाएं प्रदान कीं; समग्र शिक्षा एक एकीकृत प्री-स्कूल से ग्रेड 12 दृष्टिकोण अपनाती है।
1986 की 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' योजना का ध्यान केवल प्राथमिक स्कूलों को न्यूनतम भौतिक सामग्री प्रदान करने तक सीमित था। इसके विपरीत, NEP 2020 के तहत 'समग्र शिक्षा' योजना प्री-स्कूल से लेकर कक्षा 12 तक स्कूली शिक्षा को एक निरंतर और एकीकृत (Pre-school to Grade 12) दृष्टिकोण से देखती है।

87. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NPE 1986 ने मूल्य शिक्षा (Value Education) को पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाने पर बल दिया। नीति में माना गया था कि समाज में नैतिक मूल्यों के क्षरण और बढ़ती सनक को रोकने के लिए मानवीय, लोकतांत्रिक और सामाजिक मूल्यों का समावेश आवश्यक है। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या है।

NODIA

88. (B) क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता के मॉडल के रूप में कार्य करने वाले नवोदय विद्यालय (Navodaya Vidyalayas)
NPE 1986 में "पेस-सेटिंग स्कूलों" (Pace-Setting Schools) की अवधारणा जवाहर नवोदय विद्यालयों के संदर्भ में प्रस्तुत की गई थी। इन आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य न केवल प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना था, बल्कि अपने आसपास के क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार के मॉडल के रूप में कार्य करना भी था।

89. (B) प्रशासनिक विकेंद्रीकरण (Administrative Decentralization) और ग्राम शिक्षा समितियों (Village Education Committees - VECs) की स्थापना
POA 1992 ने स्कूल प्रबंधन और जवाबदेही में सुधार हेतु प्रशासनिक विकेंद्रीकरण (Administrative Decentralization) की पुरजोर सिफारिश की। इसके तहत ज़मीनी स्तर पर समुदाय की भागीदारी बढ़ाने, नामांकन सुनिश्चित करने और स्कूलों के पर्यवेक्षण के लिए ग्राम शिक्षा समितियों (VECs) के गठन को प्राथमिकता दी गई।

90. (C) पास के स्कूलों में facilities, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और शिक्षकों को साझा करना (Sharing Facilities and Teachers)
NEP 2020 में परिकल्पित "स्कूल कॉम्प्लेक्स" या "क्लस्टर" मॉडल का मुख्य उद्देश्य एक ही भौगोलिक क्षेत्र के आसपास स्थित स्कूलों के बीच संसाधनों, विज्ञान प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, खेल के मैदानों और कला व खेल के विशेषज्ञ शिक्षकों को आपस में साझा (Sharing Facilities and Teachers) करके दक्षता बढ़ाना है।

91. (A) I और II
NEP 2020 के तहत 4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. एक दोहरी-मेजर स्नातक डिग्री होगी और सभी शिक्षक शिक्षा अंततः बहु-विषयक उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थानांतरित होगी। कथन III असत्य है क्योंकि 2-वर्षीय बी.एड. को तुरंत समाप्त नहीं किया गया है बल्कि यह उपयुक्त स्नातकों के लिए उपलब्ध रहेगा।

92. (B) संसाधन साझाकरण और अकादमिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल अलगाव (School Isolation) को समाप्त करना
कोठारी आयोग (1964-66) द्वारा "स्कूल कॉम्प्लेक्स" स्थापित करने की सिफारिश का मुख्य उद्देश्य छोटे स्कूलों के अलगाव (School Isolation) को समाप्त करना था। इससे पास के स्कूलों को एक नेटवर्क में बाँधकर उनके बीच भौतिक संसाधनों, पुस्तकालयों और योग्य शिक्षकों का सहयोगात्मक साझाकरण संभव हो सका।

93. (A) प्रारंभिक बचपन (3-6 वर्ष की आयु) के लिए औपचारिक शैक्षिक संरचना का चूक जाना (Omission of Formal Educational Structure for ECCE)
10+2+3 प्रणाली की सबसे बड़ी संरचनात्मक कमी यह थी कि इसमें 3 से 6 वर्ष के महत्वपूर्ण आयु वर्ग (प्रारंभिक बचपन) को औपचारिक स्कूली शिक्षा के दायरे में शामिल नहीं किया गया था। NEP 2020 ने 5+3+3+4 ढाँचा लाकर इस अंतर को पाटा है।

94. (B) वैज्ञानिक तरीके से विषयों में प्रासंगिक IKS तत्वों को निर्बाध रुप से एकीकृत करना (Seamlessly Integrating Relevant IKS Elements)
NEP 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणालियों (IKS) को बढ़ावा देने का उद्देश्य प्राचीन भारतीय गणित, विज्ञान, खगोल विज्ञान और दर्शन के प्रासंगिक तत्वों को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम में निर्बाध और आकर्षक रुप से एकीकृत करना (Seamless Integration) है।

95. (A) I, II और III
NPE 1986 और POA 1992 की प्राथमिक शिक्षा संबंधी प्राथमिकताओं को लागू करने के लिए 1990 के दशक में सीखने के न्यूनतम स्तर (MLL), मध्याह्न भोजन योजना (1995) और जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (DPEP 1994) शुरू किए गए थे। जबकि सर्व शिक्षा अभियान (SSA) की शुरुआत 2001 में हुई थी।

96. (A) शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक छात्र विकास का निरंतर मूल्यांकन (Continuous Assessment of Scholastic and Co-scholastic Growth)
POA 1992 द्वारा समर्थित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) का प्राथमिक उद्देश्य केवल वर्ष के अंत की परीक्षा पर निर्भर न रहकर वर्ष भर शिक्षार्थी के शैक्षणिक (Scholastic) और सह-शैक्षणिक (Co-scholastic) दोनों क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास का निरंतर और व्यापक मूल्यांकन करना था।

97. (A) सुधार के प्रयास सहित वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षाओं की अनुमति देना
NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण बोर्ड परीक्षा सुधार विद्यार्थियों को एक ही वर्ष में दो बार परीक्षा (एक मुख्य परीक्षा और एक अंक सुधार परीक्षा) देने का अवसर प्रदान करना है। इससे एकल उच्च-जोखिम वाली परीक्षा (High-Stakes Examination) से उत्पन्न होने वाला अत्यधिक तनाव कम होता है।

98. (B) 2030
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) ने यह स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है कि वर्ष 2030 तक प्री-स्कूल से लेकर माध्यमिक स्तर तक की स्कूली शिक्षा में 100% सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrolment Ratio - GER) हासिल करके सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित की जाएगी।

99. (D) बढ़ई या कुम्हार जैसे स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों के माध्यम से व्यावहारिक जोखिम (Practical Exposure through Local Vocational Experts)
NEP 2020 के अनुसार मिडिल स्कूल (ग्रेड 6-8) में प्रस्तावित "बस्ते के बिना दिन" (Bagless Days) का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबों के बोझ से मुक्त कर स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों जैसे बढ़ई, कुम्हार, माली या धातुकर्मियों के साथ व्यावहारिक अनुभव और हस्तशिल्प का जोखिम (Practical Exposure) प्रदान करना है।

100. (A) NEP 2020
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) ने उच्च गुणवत्ता वाले मानकीकृत परीक्षण आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) को एक विशेषज्ञ, स्वायत्त और प्रमुख परीक्षण संगठन के रूप में सुदृढ़ करने तथा उच्च शिक्षा प्रवेश परीक्षाओं के भार को सुव्यवस्थित करने की अवधारणा प्रस्तुत की।

101. (D) कोठारी आयोग (Kothari Commission)
कोठारी आयोग (1964-66) की ऐतिहासिक रिपोर्ट का पहला वाक्य ही यह प्रसिद्ध कथन था कि "भारत के भाग्य का निर्माण अब उसकी कक्षाओं में हो रहा है"। आयोग का मानना था कि देश का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास सीधे तौर पर उसकी शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है।

102. (A) गुणवत्तापूर्ण प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए शिक्षक वेतन और स्थितियां संतोषजनक होनी चाहिए
NPE 1968 ने शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए यह स्पष्ट रुख अपनाया कि समाज में योग्य और गुणवत्तापूर्ण प्रतिभाओं को अध्यापन पेशे की ओर आकर्षित करने के लिए शिक्षकों के वेतन, सेवा शर्तों, कार्य वातावरण और अकादमिक स्वतंत्रता को संतोषजनक एवं गरिमापूर्ण बनाया जाना चाहिए।

103. (B) समृद्ध समूहों द्वारा पसंद किए जाने वाले शुल्क लेने वाले निजी स्कूलों की तीव्र वृद्धि
1968 और 1986 में परिकल्पित 'समान विद्यालय प्रणाली' (Common School System) के कार्यान्वयन में एक प्रमुख

Click Here to Buy book on Flipkart

व्यावहारिक बाधा समृद्ध और प्रभावशाली वर्गों द्वारा निजी, शुल्क लेने वाले अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का तेजी से प्रसार था, जिसने समाज में शैक्षिक विभाजन और असमानता को बढ़ावा दिया।

104. (A) अंकों के स्थान पर ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) की शुरुआत
NPE 1986 ने मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और कम तनावपूर्ण बनाने के लिए पारंपरिक निरपेक्ष अंकों (Absolute Marks) के स्थान पर प्रत्यक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) लागू करने की विशिष्ट सिफारिश की थी, ताकि विद्यार्थियों के बीच अस्वास्थ्यकर तुलना को रोका जा सके।

105. (C) पीयर-ट्यूटरिंग और वन-ऑन-वन उपचारात्मक शिक्षण (Peer-tutoring and One-on-one Remedial Instruction)
NEP 2020 उन विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने का सुझाव देती है जो अधिगम में पीछे छूट जाते हैं। इसके लिए नीति में साथियों द्वारा शिक्षण (Peer-tutoring), प्रशिक्षित वालंटियर्स और शिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से वन-ऑन-वन उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Instruction) रणनीतियों को अपनाने की सिफारिश की गई है।

106. (B) एक एकल छत्र निकाय, भारत उच्च शिक्षा आयोग (Higher Education Commission of India - HECI) का निर्माण करना
NEP 2020 द्वारा उच्च शिक्षा के नियामक ढांचे में लाया गया मूलभूत बदलाव चिकित्सा और कानूनी शिक्षा को छोड़कर संपूर्ण उच्च शिक्षा के लिए एक एकल छत्र निकाय 'भारत उच्च शिक्षा आयोग' (HECI) का गठन करना है, जिसके चार स्वतंत्र स्तंभ नियमन, मान्यता, वित्तपोषण और मानक-निर्धारण संभालेंगे।

107. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NEP 2020 रटने की परिपाटी पर आधारित पुरानी बोर्ड परीक्षा प्रणाली को बदलने का प्रस्ताव करती है। नीति का स्पष्ट मानना है कि परीक्षाओं का मुख्य उद्देश्य केवल जानकारी को याद करने की क्षमता का परीक्षण करना नहीं, बल्कि विश्लेषणात्मक क्षमता और वैचारिक स्पष्टता को मापना है। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या है।

108. (D) निष्ठा (NISHTHA)
शिक्षकों के निरंतर और निर्बाध पेशेवर विकास (Professional Development) के लिए NEP 2020 द्वारा 'निष्ठा' (NISHTHA - National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement) डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रशिक्षण कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया गया है, जो योग्यता-आधारित मॉड्यूल प्रदान करता है।

109. (A) सार्वजनिक स्कूली शिक्षा के भीतर एक कुलीन उपवर्ग (Elite Subset) को बढ़ावा देना जबकि सामान्य स्कूल कम संसाधनों वाले बने रहे
NPE 1986 की 'नवोदय विद्यालय' योजना की एक प्रमुख आलोचना यह थी कि इसने सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली के भीतर ही संसाधनों से सुसज्जित एक कुलीन उपवर्ग (Elite Subset) तैयार कर दिया, जबकि देश के बहुसंख्यक सामान्य सरकारी स्कूल आवश्यक बुनियादी सुविधाओं और वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझते रहे।

110. (B) मूल भाषाओं और द्विभाषी मोड (Native Languages and Bilingual Modes) में इंजीनियरिंग और चिकित्सा सहित डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करना
NEP 2020 उच्च शिक्षा में भाषा की बाधा को दूर करने के लिए भारतीय भाषाओं और द्विभाषी मोड (Bilingual Modes) में इंजीनियरिंग, चिकित्सा और अन्य व्यावसायिक डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करने की वकालत करती है, ताकि क्षेत्रीय पृष्ठभूमि के मेधावी छात्र अपनी भाषा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

111. (A) I और II
कथन I और II सही हैं क्योंकि 'लिंग-समावेशन कोष' का उद्देश्य बालिकाओं तथा ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना है। कथन III असत्य है क्योंकि यह कोष मौजूदा छात्रवृत्तियों को समाप्त नहीं करता बल्कि अतिरिक्त लक्षित सहायता प्रदान करता है।

112. (A) एकीकृत बाल विकास सेवाएं (Integrated Child Development Services - ICDS)
NPE 1986 में प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ECCE) के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए 'एकीकृत बाल विकास सेवाएं' (ICDS) कार्यक्रम को एक प्रमुख आधार स्तंभ के रूप में शामिल किया गया था, जिसके माध्यम से आंगनवाड़ियों द्वारा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और पूर्व-स्कूली शिक्षा का ध्यान रखा जाता था।

113. (B) एक स्वतंत्र राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण (State School Standards Authority - SSSA) द्वारा
NEP 2020 सिफारिश करती है कि हितों के टकराव को दूर करने के लिए प्रत्येक राज्य में मानक-निर्धारण और नियामक कार्यों को शिक्षा निदेशालय से अलग करके एक स्वतंत्र 'राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण' (State School Standards Authority - SSSA) द्वारा संचालित किया जाना चाहिए।

114. (B) राज्य के अकादमिक मामलों, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक निर्माण का नेतृत्व करना
NEP 2020 के नए संस्थागत ढांचे में, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT) की प्राथमिक भूमिका एक शीर्ष अकादमिक प्राधिकरण के रूप में राज्य के सभी अकादमिक मामलों, पाठ्यचर्या विकास, पाठ्यक्रम पुनरीक्षण, शिक्षण-शास्त्र और पाठ्यपुस्तकों के निर्माण का नेतृत्व करना है।

Downloaded from www.pdf.tube

115. (B) सभी के लिए सुलभ सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकों का राज्य उत्पादन (State Production of Affordable, High-Quality Textbooks)
कोठारी आयोग की सिफारिशों पर आधारित NPE 1968 ने पाठ्यपुस्तक उत्पादन के क्षेत्र में यह निर्देश दिया था कि राज्य स्तर पर सस्ती, त्रुटिहीन और उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तकों का उत्पादन और वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि सभी विद्यार्थियों को मानकीकृत पठन सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सके।

116. (D) अधिगम के सबसे कुशल रूप के रूप में रटने को बढ़ावा देना
NEP 2020 के मूल सिद्धांतों में प्रत्येक छात्र की अनूठी क्षमताओं की पहचान करना, सीखने के रास्तों में लचक प्रदान करना और वैचारिक समझ (Conceptual Understanding) पर बल देना शामिल है। रटने की प्रणाली का विरोध करना इस नीति का मुख्य उद्देश्य है, अतः विकल्प D इसका सिद्धांत नहीं है।

117. (B) रजिस्ट्रियों और समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं (Dedicated Social Workers) के माध्यम से विद्यार्थियों और सीखने के स्तरों की ट्रैकिंग
NEP 2020 ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान करने और उन्हें पुनः मुख्यधारा में लाने के लिए डिजिटल रजिस्ट्रियों, समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं (Social Workers) और काउंसलरों की तैनाती का प्रस्ताव करती है। यह तंत्र बच्चों के नामांकन, उपस्थिति और उनके सीखने के स्तर की निरंतर ट्रैकिंग सुनिश्चित करता है।

118. (B) ग्रेड-विशिष्ट सीखने के परिणामों को परिभाषित करने वाला RTE अधिनियम 2009 ढांचा
यद्यपि विभिन्न नीतियों ने गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया, किंतु निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम 2009 और इसके संशोधनों के तहत NCERT द्वारा प्रत्येक ग्रेड के लिए विशिष्ट सीखने के परिणामों (Learning Outcomes) को परिभाषित करने की प्रक्रिया को वैधानिक रूप से औपचारिक रूप दिया गया था।

119. (C) बुनियादी चरण के लिए NCF (NCF-FS)
प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ECCE) के अंतर्गत 3 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए NCERT द्वारा "बुनियादी चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा" (National Curriculum Framework for Foundational Stage - NCF-FS) जारी किया गया है, जो पूरी तरह से खेल और गतिविधि आधारित शिक्षण शास्त्र पर आधारित है।

120. (C) प्राथमिक स्कूल के कार्य करने के लिए आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं (Minimum Essential Facilities)
NPE 1986 के संदर्भ में, 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' में "ब्लैकबोर्ड" शब्द प्राथमिक स्कूल के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं (Minimum Essential Facilities) का प्रतीक था, जिसमें पक्के कमरे, कम से कम दो शिक्षक और बुनियादी शिक्षण-अधिगम उपकरण शामिल थे।

121. (C) यशपाल समिति (Yash Pal Committee)
वर्ष 1993 में प्रोफेसर यशपाल की अध्यक्षता में गठित समिति ने "शिक्षा बिना बोझ के" (Learning without Burden) शीर्षक से अपनी प्रसिद्ध रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट ने स्कूली बच्चों पर पाठ्यपुस्तकों के भारी बोझ को कम करने और वैचारिक समझ बढ़ाने की सिफारिश की, जिसने NCF 2005 और NEP 2020 को गहरा प्रभावित किया।

122. (D) 2025 तक सीखने के एक मुख्य पहलू के रूप में कम से कम 50% शिक्षार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का जोखिम देना
NEP 2020 के तहत कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने का मुख्य लक्ष्य यह निर्धारित किया गया है कि वर्ष 2025 तक स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली के कम से कम 50% शिक्षार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का व्यावहारिक जोखिम (Exposure to Vocational Education) प्रदान किया जाए।

123. (C) मध्य चरण (Middle Stage)
NEP 2020 के पाठ्यचर्या ढांचे के अनुसार, विद्यार्थियों में गणितीय और विश्लेषणात्मक चिंतन विकसित करने के उद्देश्य से मध्य चरण (Middle Stage - कक्षा 6 से 8) से ही कोडिंग और कम्प्यूटेशनल सोच (Coding and Computational Thinking) की शुरुआत करने की स्पष्ट सिफारिश की गई है।

124. (A) 15-35 आयु वर्ग में प्रौढ़ निरक्षरता का उन्मूलन (Eradicating Adult Illiteracy)
NPE 1986 के उपरांत 1988 में शुरू किए गए "राष्ट्रीय साक्षरता मिशन" (National Literacy Mission - NLM) का मुख्य लक्ष्य 15 से 35 वर्ष के आयु वर्ग के निरक्षर व्यक्तियों में कार्यात्मक साक्षरता को बढ़ावा देना और देश से प्रौढ़ निरक्षरता (Adult Illiteracy) का पूरी तरह उन्मूलन करना था।

125. (A) स्वायत्त कॉलेजों की स्थापना (Establishment of Autonomous Colleges)
NPE 1986 ने उच्च शिक्षा में अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाले कॉलेजों को अधिक अकादमिक और प्रशासनिक स्वायत्तता (Autonomy) प्रदान करने का सुझाव दिया, जिसके प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में देश भर में स्वायत्त कॉलेजों (Autonomous Colleges) की स्थापना की गई।

126. (B) उच्च आय वाले शहरी प्रवासी समुदाय (High-Income Urban Expatriate Communities)
NEP 2020 में सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों (SEDGs) के तहत महिला, ट्रांसजेंडर, SC, ST, OBC, धार्मिक एवं भाषाई अल्पसंख्यक, विकलांग बच्चे और भौगोलिक रूप से वंचित समूहों को शामिल किया गया है। उच्च आय वाले शहरी समुदाय (High-Income Groups) को इसमें वर्गीकृत नहीं किया गया है।

NODIA

127. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NPE 1986 ने शैक्षिक नियोजन के विकेंद्रीकरण पर विशेष बल दिया। नीति का मानना था कि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा के प्रभावी प्रबंधन के लिए जिला शिक्षा बोर्डों (DBEs) और ग्राम शिक्षा समितियों (VECs) का गठन आवश्यक है। अतः कारण (R), अभिकथन (A) का सही समर्थन करता है।

128. (C) बच्चों को शुरुआत में ही कई भाषाओं के संपर्क में लाना जब सीखना सबसे तीव्र होता है (2-8 वर्ष की आयु)
NEP 2020 के अनुसार, छोटे बच्चे 2 से 8 वर्ष की आयु के दौरान भाषाओं को बहुत तेजी से सीखते हैं। इसलिए नीति यह सिफारिश करती है कि बच्चों को कम उम्र में ही कई भाषाओं के मौखिक संपर्क में लाया जाए, जबकि प्राथमिक शिक्षा का माध्यम उनकी मातृभाषा ही रहे।

129. (C) 10+2+3 संरचना को अपनाना – NEP 2020
विकल्प C गलत सुमेलित है क्योंकि 10+2+3 संरचना को कोठारी आयोग की सिफारिश पर NPE 1968 और NPE 1986 द्वारा अपनाया गया था। NEP 2020 ने पुरानी 10+2 संरचना के स्थान पर एक नई 5+3+3+4 पाठ्यचर्या और शिक्षण शास्त्रीय संरचना का प्रस्ताव किया है।

130. (A) School Complexes / Clusters
संसाधनों को अनुकूलित करने, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और छोटे स्कूलों के अलगाव को समाप्त करने के लिए NEP 2020 द्वारा सुझाया गया एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार स्कूल कॉम्प्लेक्स या स्कूल क्लस्टर (School Complexes / Clusters) का निर्माण करना है, जहाँ भौतिक और मानवीय संसाधन साझा किए जा सकते हैं।

131. (A) I और II
कथन I और II सही हैं क्योंकि NEP 2020 शिक्षण व मूल्यांकन में तकनीक के प्रयोग और सलाह हेतु NETF के गठन का समर्थन करती है। कथन III गलत है क्योंकि नीति का उद्देश्य शिक्षकों को तकनीक से सशक्त बनाना है, न कि मानव शिक्षकों को AI से प्रतिस्थापित करना।

132. (C) ड्रॉपआउट, कामकाजी वयस्कों और वंचित समूहों के लिए वैकल्पिक मुक्त स्कूली शिक्षा प्रदान करना
POA 1992 के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय प्रणाली (अब NIOS) का प्राथमिक उद्देश्य ऐसे शिक्षार्थियों, स्कूल छोड़ने वाले (Dropouts) बच्चों, कामकाजी वयस्कों और वंचित समूहों को औपचारिक स्कूल गए बिना अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए एक लचीला और वैकल्पिक अवसर प्रदान करना था।

133. (C) क्रेडिट ढांचे पर आधारित सतत मूल्यांकन (Continuous Evaluation Based on Credit Framework)
NEP 2020 के अनुसार उच्च शिक्षा में केवल अंतिम वर्ष की लिखित परीक्षा पर निर्भर रहने के बजाय मूल्यांकन प्रक्रिया को क्रेडिट ढांचे पर आधारित सतत मूल्यांकन (Continuous Evaluation Based on Credit Framework) की ओर स्थानांतरित होना चाहिए, जिससे विद्यार्थी के सीखने का निरंतर मूल्यांकन हो सके।

134. (A) 1968, 1986, 1992 (POA), 2020
भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है: पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 में, दूसरी 1986 में, संशोधित कार्य योजना (POA) 1992 में, और नवीनतम तीसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) में लागू की गई।

135. (A) I, II और IV
NEP 2020 मूल्यांकन में 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड, परख (PARAKH) की स्थापना और योग्यता-आधारित मूल्यांकन की वकालत करती है। कथन III असत्य है क्योंकि नीति कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं का उन्मूलन नहीं करती, बल्कि उनके स्वरूप में सुधार का प्रस्ताव करती है।

136. (D) सामाजिक-आर्थिक विकास, सांस्कृतिक एकीकरण और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा का पुनर्गठन करना
NPE 1968 का केंद्रीय विचार यह था कि राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली को देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास, सांस्कृतिक एकीकरण और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए पुनर्गठित किया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा राष्ट्रीय जीवन की आवश्यकताओं से सीधे जुड़ सके।

137. (D) NPE 1986
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (NPE 1986) ने शैक्षिक प्रशासन में पेशेवर मानकों को लाने के लिए अखिल भारतीय आधार पर "भारतीय शिक्षा सेवा" (Indian Education Service - IES) के गठन की स्पष्ट सिफारिश की थी, ताकि केंद्र और राज्य स्तर पर कुशल प्रशासनिक कैडर तैयार किया जा सके।

138. (A) तीन शिक्षक
POA 1992 के तहत 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' योजना के विस्तारित स्वरूप में यह प्रावधान किया गया था कि उच्च प्राथमिक स्तर पर तथा जहाँ भी प्राथमिक स्कूलों में छात्र संख्या अधिक हो, वहाँ कम से कम तीन शिक्षक (Three Teachers) और तीन कमरे उपलब्ध कराए जाएं।

139. (C) 50 घंटे
NEP 2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक शिक्षक और स्कूल प्रमुख से अपने पेशेवर कौशल को अद्यतन करने के लिए प्रतिवर्ष कम से कम 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development - CPD) कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लेने की अपेक्षा की जाती है।

140. (B) वित्तीय सत्यनिष्ठा और शासन पर ध्यान केंद्रित करने वाला विनियमन जबकि व्यापक अकादमिक स्वायत्तता प्रदान करना
NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा का "हल्का लेकिन सख्त" (Light but Tight) नियामक ढाँचा यह स्पष्ट करता है कि शासन और वित्तीय सत्यनिष्ठा के मामलों में नियमन सख्त

Click Here to Buy book on Amazon

और पारदर्शी होगा, जबकि संस्थानों को पाठ्यक्रम डिजाइन, शिक्षण-शास्त्र और अकादमिक मामलों में व्यापक स्वायत्तता दी जाएगी।

141. (D) व्यावहारिक कार्यों, कला, खेल और कहानी सुनाने (Hands-On Tasks, Arts, Sports, and Storytelling) के माध्यम से सीखना
"अनुभवात्मक अधिगम" (Experiential Learning) का तात्पर्य विद्यार्थियों द्वारा केवल निष्क्रिय रुप से सुनने या रटने के बजाय व्यावहारिक गतिविधियों (Hands-On Tasks), कला-एकीकृत अधिगम, खेल-कूद, प्रयोगों और कहानी सुनाने के माध्यम से स्वयं अनुभव करके सीखने की प्रक्रिया से है।

142. (A) उम्मीदवार की नौकरी की उपयुक्तता का स्वेच्छा से मूल्यांकन करने के लिए एक राष्ट्रीय परीक्षण सेवा (National Testing Service) की स्थापना करना
NPE 1986 में 'डिग्रियों को नौकरियों से अलग करने' के उद्देश्य को लागू करने के लिए एक 'राष्ट्रीय परीक्षण सेवा' (National Testing Service) स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया था, जो औपचारिक विश्वविद्यालय डिग्रियों की अनिवार्यता के बिना उम्मीदवारों की कौशल और नौकरी-संबंधी उपयुक्तता का स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके।

143. (D) एक मजबूत मातृभाषा आधार अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं को सीखने को आसान बनाता है।
NEP 2020 और भाषाई अनुसंधानों का मानना है कि प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में प्राप्त मजबूत वैचारिक और भाषाई आधार अन्य भाषाओं (अंग्रेजी सहित) को सीखने में बाधक नहीं बनता, बल्कि एक सुगम पुल (Bridge) के रुप में कार्य करता है और भाषा सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाता है।

144. (B) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा विकास को बढ़ावा देने वाला कक्षा 1 से पहले का प्रारंभिक वर्ष (Pre-Class 1 Preparatory Year) प्रदान करना
NEP 2020 के तहत "बालवाटिका" (Balvatika) की स्थापना का मुख्य उद्देश्य 5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कक्षा 1 में प्रवेश से पूर्व खेल-आधारित और गतिविधि-केंद्रित एक प्रारंभिक वर्ष प्रदान करना है, जिससे उनका संज्ञानात्मक, भावात्मक और शारीरिक विकास सुचारु रुप से हो सके।

145. (A) स्थिर सामुदायिक तैनाती बनाए रखने के लिए लगातार शिक्षक तबादलों को कम करना (Minimizing Frequent Teacher Transfers)
NEP 2020 शिक्षक तैनाती के संबंध में यह निर्देश देती है कि शिक्षकों के लगातार और अनावश्यक तबादलों (Frequent Transfers) को रोका जाए, ताकि शिक्षक अपने स्कूल और स्थानीय समुदाय के साथ एक मजबूत संबंध स्थापित कर सकें तथा शिक्षण में निरंतरता बनी रहे।

146. (C) साक्षरता को कार्यात्मक कौशलों और आजीविका के अवसरों (Functional Skills and Livelihood Opportunities) से जोड़ना
NPE 1986 में प्रौढ़ शिक्षा का मुख्य ध्यान केवल निरक्षरता दूर करने तक सीमित नहीं था, बल्कि साक्षरता को कार्यात्मक कौशलों (Functional Skills), दैनिक जीवन की उपयोगिता, नागरिक अधिकारों के प्रति जागरुकता और आजीविका के अवसरों से जोड़ने पर केंद्रित था।

147. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NPE 1968 ने खेल और शारीरिक शिक्षा को शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न अंग बनाने की सिफारिश की। नीति का मानना था कि इससे कम उम्र में खेल प्रतिभाओं की पहचान करने तथा विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में मदद मिलती है। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या है।

148. (C) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT)
NPE 1986/92 के तहत देश भर में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता और पाठ्यक्रम मानकीकरण सुनिश्चित करने के लिए 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा' (NCF) तैयार करने की मुख्य जिम्मेदारी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) को सौंपी गई थी।

149. (A) बहुप्रविष्टि और निकास विकल्प (Multiple Entry and Exit Options)
NEP 2020 उच्च शिक्षा में लचीलापन लाने के लिए 'बहुप्रविष्टि और निकास विकल्प' (Multiple Entry and Exit Options) का प्रस्ताव करती है। इसके तहत छात्र 1 वर्ष पूरा करने पर सर्टिफिकेट, 2 वर्ष पर डिप्लोमा, 3 वर्ष पर डिग्री और 4 वर्ष पर शोध सहित ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

150. (B) विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला और खेल में बहु-विषयक, समग्र शिक्षा (Multidisciplinary, Holistic Education)
NEP 2020 से पूर्व की नीतियों की सीमाओं को दूर करते हुए यह नीति कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच के अलगाव (Silos) को समाप्त करती है। यह शिक्षार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार विज्ञान के साथ संगीत या अर्थशास्त्र के साथ भौतिकी जैसे विषय चुनने की बहु-विषयक स्वतंत्रता देती है।

151. (A) I और II
NPE 1986 के संदर्भ में कथन I और II पूरी तरह सही हैं क्योंकि नीति ने अल्पसंख्यकों के शैक्षिक पिछड़ेपन को दूर करने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा पर बल दिया। कथन III गलत है क्योंकि नीति ने अल्पसंख्यक संस्थानों के जबरन सरकारी नियंत्रण का कोई समर्थन नहीं किया था।

NODIA

152. (A) स्कूलों में विज्ञान शिक्षा का सुधार (Improvement of Science Education in Schools - ISES)
NPE 1986 के तहत स्कूलों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र प्रायोजित योजना 'स्कूलो में विज्ञान शिक्षा का सुधार' (ISES) शुरू की गई थी, जिसके माध्यम से स्कूलों को प्रयोगशाला उपकरण और विज्ञान किट प्रदान की जाती थीं।

153. (B) गांधीवादी विचारों में निहित कृषि और विकास-केंद्रित शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण परिवर्तन को बढ़ावा देना
शुरुआती शिक्षा नीतियों द्वारा समर्थित "ग्रामीण विश्वविद्यालयों" की अवधारणा महात्मा गांधी के बुनियादी शिक्षा दर्शन पर आधारित थी। इसका केंद्रीय उद्देश्य कृषि अनुसंधान, ग्रामीण शिल्प, स्थानीय संसाधनों और विकास-केंद्रित शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण भारत का सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान करना था।

154. (D) ग्रेड 3
NEP 2020 के तहत शुरू किए गए निपुण भारत (NIPUN Bharat) मिशन का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा प्राथमिक विद्यालय में ग्रेड 3 (Grade 3) के अंत तक अनिवार्य रूप से बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN) का कौशल हासिल कर ले।

155. (A) राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (National Achievement Survey - NAS)
देश में स्कूली शिक्षा प्रणाली के स्वास्थ्य, अधिगम स्तर और नीतिगत प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण' (NAS) आयोजित किया जाता है। NEP 2020 ने साक्ष्य-आधारित सुधारों के लिए NAS के नियमित संचालन का पुरजोर समर्थन किया है।

156. (B) शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाना, पहुँच को व्यापक बनाना और शिक्षक प्रशिक्षण का समर्थन करना
NPE 1986 में शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology) के उपयोग का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक शिक्षा की पहुँच बढ़ाना, कक्षा शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना और रेडियो व टीवी प्रसारण के माध्यम से बड़े पैमाने पर शिक्षक प्रशिक्षण का समर्थन करना था।

157. (C) गंभीर, पूछताछ-आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning) के लिए स्थान बनाने के लिए पाठ्यक्रम सामग्री को मुख्य अनिवार्यताओं तक कम करना
NEP 2020 के तहत पाठ्यक्रम डिजाइन का मुख्य बदलाव पाठ्यपुस्तक सामग्री के बोझ को घटाकर केवल मुख्य अनिवार्यताओं (Core Essentials) तक सीमित करना है, ताकि कक्षाओं में विश्लेषणात्मक चिंतन, प्रश्न पूछने, खोज-आधारित और गंभीर अधिगम (Inquiry-Based Learning) के लिए पर्याप्त स्थान मिल सके।

158. (B) अतिरिक्त समय, लेखक (scribes) और अनुकूलित मूल्यांकन मोड जैसे लचीले मूल्यांकन विकल्पों का उपयोग करना
NEP 2020 के अनुसार विशिष्ट सीखने की विकलांगता (Specific Learning Disability) वाले विद्यार्थियों के मूल्यांकन हेतु लचीले विकल्प जैसे अतिरिक्त समय, लेखक (Scribes) की सुविधा, सहायक तकनीक और अनुकूलित मूल्यांकन विधियां प्रदान की जानी चाहिए ताकि उनकी वास्तविक क्षमताओं का सटीक मूल्यांकन हो सके।

159. (D) जन्म या सामाजिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सीखने का समान अवसर सुनिश्चित करना
NEP 2020 में "न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा" का तात्पर्य यह है कि किसी भी बच्चे को उसके लिंग, जाति, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, भाषा या विकलांगता के आधार पर शिक्षा से वंचित न किया जाए और सभी को समान एवं गुणवत्तापूर्ण अधिगम के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

160. (A) ग्राम शिक्षा समिति (Village Education Committee - VEC)
POA 1992 में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण, बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन और स्कूल में ठहराव (Retention) को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समुदाय और स्कूल के बीच एक प्रशासनिक पुल के रूप में ग्राम शिक्षा समिति (VEC) की स्थापना की परिकल्पना की गई थी।

161. (B) कार्यस्थल की मांगों और अंतर-विषयक अध्ययन (Workplace Demands and Interdisciplinary Study) के साथ संरेखित करने के लिए पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन करना
उच्च शिक्षा को अधिक प्रासंगिक और व्यावहारिक बनाने के लिए NPE 1986 की रणनीति यह थी कि विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन करके उन्हें आधुनिक कार्यस्थल की मांगों, उद्योग की आवश्यकताओं और अंतर-विषयक अध्ययन (Interdisciplinary Study) के साथ सीधे जोड़ा जाए।

162. (A) स्कूल परिसरों (School Complexes) में मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में स्थानीय विशेषज्ञों को काम पर रखना
NEP 2020 ग्रामीण और दूरस्थ स्कूलों में कला, संगीत, शारीरिक शिक्षा और व्यावसायिक शिल्प के शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए स्कूल परिसरों (School Complexes) के स्तर पर स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और विशेषज्ञों को 'मास्टर प्रशिक्षक' के रूप में साझा करने की योजना बनाती है।

163. (C) मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा के भीतर विशेष संवर्धन, ओलंपियाड और परियोजना कार्य का समर्थन करना
NEP 2020 प्रतिभाशाली बच्चों (Gifted Students) की शिक्षा के लिए उन्हें अलग करने के बजाय मुख्यधारा की कक्षाओं में ही विशेष संवर्धन गतिविधियों, उन्नत परियोजना कार्य, विषय-आधारित क्लबों और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड के माध्यम से उनकी प्रतिभा को पोषित करने का दृष्टिकोण अपनाती है।

Downloaded from www.pdf.tube

164. (D) भाषाओं में पुस्तकों की उपलब्धता, पहुँच, गुणवत्ता और पाठक संख्या को बढ़ावा देना
NEP 2020 में उल्लिखित "राष्ट्रीय पुस्तक संवर्धन नीति" का मूलभूत लक्ष्य देश की विभिन्न भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों की उपलब्धता, उनकी सुलभ पहुँच, सस्ती दरों पर उपलब्धता और समाज के सभी वर्गों में पढ़ने की संस्कृति (Reading Culture) को व्यापक रूप से बढ़ावा देना है।

165. (A) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (Socially Useful Productive Work - SUPW) और कार्य अनुभव (Work Experience)
कोठारी आयोग की सिफारिशों पर अमल करते हुए NPE 1968 ने शिक्षा को सामाजिक आवश्यकताओं से जोड़ने के लिए पाठ्यक्रम में "कार्य अनुभव" (Work Experience) और "समाजोपयोगी उत्पादक कार्य" (SUPW) को अनिवार्य रूप से शामिल किया, ताकि विद्यार्थियों में श्रम के प्रति सम्मान विकसित हो सके।

166. (B) NPE 1986
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (NPE 1986) ने उच्च शिक्षा में प्रशासनिक दक्षता और अकादमिक उत्कृष्टता लाने के उद्देश्य से स्वायत्त विभागों की स्थापना और स्वायत्त केंद्रों को बढ़ावा देकर विश्वविद्यालय प्रबंधन के विकेंद्रीकरण की नीति को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया था।

167. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NEP 2020 ने पुरानी 10+2 संरचना को बदलकर 5+3+3+4 डिज़ाइन लागू किया है। यह पुनर्गठन आधुनिक बाल मनोविज्ञान और विकास संबंधी अनुसंधानों पर आधारित है, जो बच्चे के संज्ञानात्मक विकासात्मक चरणों (Cognitive Developmental Stages) से सटीक रूप से संरेखित होता है। अतः कारण, अभिकथन की सही व्याख्या है।

168. (B) सभी स्कूलों के लिए बुनियादी परिचालन मानक (सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, सत्यनिष्ठा) स्थापित करना
NEP 2020 के अनुसार 'राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण' (SSSA) एक स्वतंत्र निकाय होगा, जिसका मुख्य कार्य राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के लिए बुनियादी परिचालन मानक जैसे सुरक्षा, न्यूनतम भौतिक बुनियादी ढांचा, शासन और वित्तीय पारदर्शिता के नियम निर्धारित करना है।

169. (A) प्रारंभिक बचपन (3-6 वर्ष की आयु) के लिए औपचारिक शैक्षणिक योजना का चूक जाना
"10+2+3" संरचना की सबसे बड़ी कमी यह थी कि इसमें 3 से 6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों (प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा) को औपचारिक पाठ्यचर्या संरचना में शामिल नहीं किया गया था। NEP 2020 ने 5+3+3+4 मॉडल लाकर इस कमी को दूर किया है।

170. (B) ब्लॉक/क्लस्टर संसाधन केंद्रों का समर्थन करने वाला DPEP और SSA ढांचा
NPE 1986/92 के बाद शुरू किए गए DPEP और सर्व शिक्षा अभियान (SSA) ढांचे ने शिक्षकों को निरंतर अकादमिक सहायता, मार्गदर्शन और इन-सर्विस प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर BRCs और क्लस्टर स्तर पर CRCs की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

171. (A) I और II
कथन I और II सही हैं क्योंकि NEP 2020 गणित, खगोल विज्ञान, पारंपरिक कृषि और औषधि सहित IKS के एकीकरण की वकालत करती है। कथन III असत्य है क्योंकि इसका उद्देश्य प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ पूरक बनाना है, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करना।

172. (C) शैक्षिक समानता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्रेड के लिए आवश्यक योग्यताओं (Essential Competencies) को परिभाषित करना
POA 1992 द्वारा प्राथमिक स्तर पर पेश किए गए "सीखने के न्यूनतम स्तर" (MLL) का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि देश के सभी स्कूलों में प्रत्येक ग्रेड के अंत में बच्चे कम से कम एक परिभाषित न्यूनतम स्तर की आवश्यक दक्षताओं (Essential Competencies) को अवश्य हासिल करें।

NODIA

173. (D) समग्र, पूछताछ-आधारित अधिगम को बढ़ावा देते हुए मुख्य अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करना
रटने की परिपाटी से उत्पन्न मानसिक तनाव को दूर करने के लिए NEP 2020 पाठ्यक्रम के अनावश्यक बोझ को घटाकर मुख्य अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करने, पूछताछ-आधारित अधिगम, खेल-कूद और अनुभवात्मक पद्धतियों को बढ़ावा देने की पुरजोर सिफारिश करती है।

174. (A) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE)
POA 1992 ने सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) को लागू करने पर अत्यधिक बल दिया था, किंतु बाद में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम 2009 की धारा 29(2) के तहत इसे प्रारंभिक शिक्षा में कानूनी और वैधानिक समर्थन प्राप्त हुआ।

175. (A) I, II और III
कथन I, II और III पूरी तरह सत्य हैं। कथन IV गलत है क्योंकि POA 1992 ने NCTE को समाप्त नहीं किया था, बल्कि इसके विपरीत NCTE को एक वैधानिक निकाय (Statutory Body) के रूप में स्थापित करने की सिफारिश की थी, जो 1993 के अधिनियम द्वारा साकार हुआ।

176. (D) अधिगम का मूल्यांकन सत्र के अंत का योगात्मक मूल्यांकन है; अधिगम के लिए मूल्यांकन शिक्षण के दौरान रचनात्मक उपकरण (Formative Tool) है।
'अधिगम का मूल्यांकन' (Assessment OF Learning) सत्र के अंत में किया जाने वाला योगात्मक मूल्यांकन

(Summative) है जो ग्रेड प्रदान करता है। जबकि 'अधिगम के लिए मूल्यांकन' (Assessment FOR Learning) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर चलने वाला रचनात्मक उपकरण (Formative Tool) है जो सुधार में मदद करता है।

177. (A) दीक्षा (DIKSHA)
शिक्षकों को उनकी शिक्षण शास्त्र में प्रौद्योगिकी एकीकृत करने, डिजिटल पाठ्यसामग्री प्राप्त करने और व्यावसायिक विकास मॉड्यूल पूरा करने के लिए 'दीक्षा' (DIKSHA) प्लेटफॉर्म को विशेष रूप से NEP 2020 के तहत एक व्यापक राष्ट्रीय भंडार के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है।

178. (B) सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों का पोषण करना
NPE 1986 द्वारा "पेस-सेटिंग स्कूलों" (नवोदय विद्यालयों) की सिफारिश के पीछे मुख्य तर्क यह था कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना आधुनिक, उच्च गुणवत्ता वाली निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जा सके।

179. (D) विशेष शिक्षा क्षेत्र (SEZs) और SEDGs के लिए लक्षित सहायता
जबकि NPE 1968 ने समान विद्यालय प्रणाली पर जोर दिया, NEP 2020 सामाजिक समानता प्राप्त करने के लिए वंचित क्षेत्रों को 'विशेष शिक्षा क्षेत्र' (Special Education Zones) घोषित करने और SEDGs के लिए लक्षित वित्तीय, शैक्षिक और भौतिक सहायता प्रदान करने की रणनीति अपनाती है।

180. (D) प्राथमिक से उच्च चरणों तक पूरी शिक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा (Comprehensively Reviewing the Entire Education System) की
स्वतंत्रता के बाद के शिक्षा आयोगों में कोठारी आयोग (1964-66) इसलिए अद्वितीय था क्योंकि इसने शिक्षा के किसी एक हिस्से तक सीमित न रहकर प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और तकनीकी शिक्षा सहित पूरी शिक्षा प्रणाली की एक साथ व्यापक समीक्षा (Comprehensive Review) की थी।

181. (A) व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में डिग्रियों के लिए लंबवत गतिशीलता (Vertical Mobility) की कमी थी और नकारात्मक सामाजिक धारणा का सामना करना पड़ा।
NPE 1986 का व्यवसायीकरण लक्ष्य इसलिए पिछड़ गया क्योंकि व्यावसायिक धाराओं को समाज में हीन दृष्टि से देखा जाता था और इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद उच्च शिक्षा में लंबवत गतिशीलता (Vertical Mobility) या आगे की डिग्री के स्पष्ट अवसर उपलब्ध नहीं थे।

182. (D) अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं को सीखते समय घर की भाषा का उपयोग एक पुल के रूप में करना
NEP 2020 की "बहुभाषावाद" रणनीति का मूल सार यह है कि बच्चे की घर की भाषा या मातृभाषा का उपयोग एक मजबूत आधार और पुल (Bridge) के रूप में किया जाए, जिसके माध्यम से विद्यार्थी अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं को आसानी से सीख सकें।

183. (B) 2030 तक बहु-विषयक संस्थानों या क्लस्टरों में परिवर्तन (Transitioning into Multidisciplinary Institutions or Clusters by 2030)
NEP 2020 के तहत एकल बी.एड. कॉलेजों (Standalone Teacher Education Institutions) के लिए यह संरचनात्मक बदलाव तय किया गया है कि वर्ष 2030 तक उन्हें बहु-विषयक कॉलेजों/विश्वविद्यालयों या बड़े संस्थागत क्लस्टरों में अनिवार्य रूप से परिवर्तित होना होगा।

184. (C) साईट (SITE Extensions and UGC's Countrywide Classroom)
NPE 1986 के दौरान उपग्रह-आधारित शैक्षिक संचार का विस्तार करने के लिए SITE कार्यक्रमों के अनुभवों का उपयोग करते हुए दूरदर्शन के माध्यम से UGC के 'कंट्रीवाइड क्लासरुम' (Countrywide Classroom) और तकनीकी शैक्षिक प्रसारणों को देश भर में बड़े पैमाने पर विस्तारित किया गया था।

185. (B) यह संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों में स्व, सहपाठी और शिक्षक मूल्यांकनों को कवर करता है।
नया समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card) पुराने रिपोर्ट कार्ड से इस प्रकार भिन्न है कि यह केवल शैक्षणिक अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों में विद्यार्थी के स्व-मूल्यांकन, सहपाठी (Peer) मूल्यांकन और शिक्षक इनपुट को शामिल करता है।

186. (C) सार्वजनिक शिक्षा व्यय को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 6% तक बढ़ाना
कोठारी आयोग (1964-66) और NEP 2020 दोनों में यह महत्वपूर्ण समान सिफारिश की गई है कि भारत सरकार और राज्य सरकारों को मिलकर सार्वजनिक शिक्षा पर किया जाने वाला कुल व्यय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के कम से कम 6% तक बढ़ाना चाहिए।

187. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
NPE 1986 के व्यावहारिक कार्यान्वयन हेतु 1986 में कार्य योजना (POA) बनी जिसे 1992 में अद्यतन किया गया। कारण (R) बिल्कुल सही है क्योंकि बिना स्पष्ट रोडमैप, वित्तीय आवंटन और जवाबदेही के नीतिगत लक्ष्य कागजों तक सीमित रह जाते हैं। अतः R, A की सही व्याख्या है।

188. (C) कोठारी आयोग (Kothari Commission)
कोठारी आयोग (1964-66) ने अपनी रिपोर्ट के शीर्षक "शिक्षा और राष्ट्रीय विकास" के तहत "विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा" को देश के आर्थिक आधुनिकीकरण, कृषि उत्पादकता और राष्ट्रीय विकास की प्रक्रिया का मुख्य आधार स्तंभ घोषित किया था।

Click Here to Buy book on Flipkart

189. (D) शिक्षा मंत्रालय के तहत औपचारिक 5+3+3+4 संरचना में ECCE को एकीकृत करना
NEP 2020 में ECCE के संदर्भ में सबसे बड़ा नीतिगत बदलाव यह है कि 3 से 6 वर्ष की पूर्व-स्कूली शिक्षा को अब शिक्षा मंत्रालय के तहत औपचारिक 5+3+3+4 स्कूली शिक्षा संरचना के बुनियादी चरण (Foundational Stage) में पूरी तरह एकीकृत कर दिया गया है।

190. (C) साझा संसाधनों और स्वयंसेवकों का उपयोग करके स्कूल परिसरों में प्रौढ़ शिक्षा को एकीकृत करना
NEP 2020 प्रौढ़ शिक्षा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाती है। नीति में यह प्रस्ताव है कि स्कूल समय के बाद या सप्ताहांत में स्कूल परिसरों के भौतिक संसाधनों, ICT उपकरणों और सामुदायिक स्वयंसेवकों का उपयोग करके प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों का संचालन किया जाए।

191. (A) I और II
कथन I और II सही हैं क्योंकि NPE 1968 और NPE 1986 दोनों ने त्रि-भाषा सूत्र का समर्थन किया। कथन III गलत है क्योंकि NEP 2020 ने त्रि-भाषा सूत्र को समाप्त नहीं किया है, बल्कि इसमें अधिक लचीलापन प्रदान करते हुए इसे जारी रखा है।

192. (D) सरकारी स्कूलों में असमान गुणवत्ता जिसके कारण एक असमान निजी स्कूल का विस्तार हुआ
'समान विद्यालय प्रणाली' के कार्यान्वयन की सबसे बड़ी आलोचना यह रही है कि सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक गुणवत्ता में भारी असमानता रही, जिससे आर्थिक रूप से सक्षम वर्गों का झुकाव निजी स्कूलों की ओर बढ़ा और यह प्रणाली व्यावहारिक रूप से लागू न हो सकी।

193. (D) स्कूल प्रशासकों के लिए नागरिक सेवा परीक्षाएं आयोजित करना
राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र 'परख' (PARAKH) के कार्यों में मानकीकृत मूल्यांकन गाइडलाइंस तैयार करना, SAS/NAS का मार्गदर्शन करना और अधिगम परिणामों की निगरानी करना शामिल है। सिविल सेवा या प्रशासनिक परीक्षाएं आयोजित करना (विकल्प D) इसका कार्य क्षेत्र नहीं है।

194. (D) रचनात्मक और योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Formative and Competency-Based Assessment)
NEP 2020 में रटने की प्रणाली को खत्म करके वैचारिक समझ विकसित करने का पूरा ढांचा रचनात्मक और योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Formative and Competency-Based Assessment) पर निर्भर करता है, जो विद्यार्थी के व्यावहारिक ज्ञान और विश्लेषणात्मक कौशल को मापता है।

195. (D) सामान्य स्कूलों में हल्की से मध्यम विकलांगता वाले बच्चों को एकीकृत करना
विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के संदर्भ में POA 1992 का एक प्रमुख हस्तक्षेप यह था कि हल्की से मध्यम विकलांगता (Mild to Moderate Disabilities) वाले बच्चों को अलग-थलग करने के बजाय उन्हें सामान्य मुख्यधारा के स्कूलों में एकीकृत और नामांकित किया जाए।

196. (C) उच्च गुणवत्ता वाली द्विभाषी पाठ्यपुस्तकें और शिक्षण सामग्री विकसित करना (Developing High-Quality Bilingual Textbooks)
NEP 2020 के तहत मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा के माध्यम को सफल बनाने के लिए सरकार का मुख्य लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाली द्विभाषी पाठ्यपुस्तकें (Bilingual Textbooks) और शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करना है ताकि विज्ञान और गणित जैसे विषय भी सुलभ हो सकें।

NODIA

197. (A) छोटे, कम संसाधनों वाले, एकल-शिक्षक स्कूलों के प्रबंधन की प्रशासनिक चुनौतियां
NEP 2020 में "स्कूल कॉम्प्लेक्स" मॉडल को पुनर्जीवित करने का मुख्य उद्देश्य देश के हजारों छोटे, भौगोलिक रूप से अलग-थलग और एकल-शिक्षक स्कूलों की उन प्रशासनिक और अकादमिक चुनौतियों को हल करना है, जो संसाधनों की कमी से जूझते हैं।

198. (D) प्रवेश और निकास विकल्पों के साथ 4-वर्षीय बहु-विषयक स्नातक डिग्री (4-Year Multidisciplinary Bachelor's Degree) शुरु करना
NEP 2020 द्वारा उच्च शिक्षा में लाया गया एक बड़ा प्रतिमान बदलाव 4-वर्षीय बहु-विषयक स्नातक डिग्री कार्यक्रम की शुरुआत करना है, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न वर्षों में उपयुक्त प्रमाणपत्रों या डिग्रियों के साथ लचीले निकास और पुनः प्रवेश के अवसर मिलते हैं।

199. (D) शिक्षक की status, प्रशिक्षण और काम करने की स्थितियाँ शैक्षिक गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।
भारत की सभी प्रमुख शिक्षा नीतियों (1968, 1986, 2020) में यह प्रगतिशील आम सहमति रही है कि शिक्षा प्रणाली में शिक्षक का स्थान केंद्रीय है। शिक्षक की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और बेहतर कार्य वातावरण ही शैक्षिक गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास का निर्धारण करते हैं।

200. (A) 1968: पहुँच और संरचना → 1986: समानता, गुणवत्ता और तकनीक → 2020: समग्र 21वीं सदी के कौशल (1968: Access & Structure → 1986: Equity, Quality & Tech → 2020: Holistic 21st-Century Skills)
तीनों नीतियों का ऐतिहासिक विकास क्रम सही दर्शाया गया है: NPE 1968 ने मुख्य रूप से शिक्षा की पहुँच और 10+2+3 संरचना पर, NPE 1986 ने शैक्षिक समानता, गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी पर, तथा NEP 2020 ने समग्र शिक्षा, लचीलेपन और 21वीं सदी के कौशलों पर ध्यान केंद्रित किया।

अध्याय 02

दिल्ली शिक्षा अधिनियम 1973 और दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम 1973

1. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली में स्कूल शिक्षा के बेहतर संगठन और विकास का प्रावधान करने के लिए अधिनियमित किया गया था। इसे भारत के राष्ट्रपति की स्वीकृति किस वर्ष प्राप्त हुई थी?
(A) 1972
(B) 1973
(C) 1974
(D) 1975

2. शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education - DoE), GNCTD के प्रशासनिक ढांचे (Administrative Structure) के तहत, दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) के प्रावधान निम्नलिखित में से किस पर लागू होते हैं?
(A) दिल्ली के सभी कॉलेज और विश्वविद्यालय
(B) दिल्ली के केवल सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालय (Government and Aided Schools)
(C) केवल दिल्ली नगर निगम (Municipal Corporation of Delhi - MCD) द्वारा संचालित विद्यालय
(D) दिल्ली के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालय (Recognized Schools)

3. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) की धारा 2 "सहायता प्राप्त विद्यालय" (Aided School) को निम्नलिखित में से किस रूप में परिभाषित करती है?
(A) एक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय (Recognized Private School) जो केंद्र सरकार, प्रशासक या किसी स्थानीय प्राधिकरण से रखरखाव अनुदान (Maintenance Grant) के रूप में सहायता प्राप्त करता है
(B) दिल्ली विकास प्राधिकरण (Delhi Development Authority - DDA) द्वारा स्थापित विद्यालय
(C) कोई भी विद्यालय जो बुनियादी ढांचे के लिए विदेशी वित्तपोषण (Foreign Funding) प्राप्त करता है
(D) एक सरकारी विद्यालय जो शिक्षा निदेशालय द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित है

4. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) के तहत, "प्रशासक" (Administrator) शब्द निम्नलिखित में से किस प्राधिकरण (Authority) को संदर्भित करता है?
(A) शिक्षा निदेशक, दिल्ली (Director of Education, Delhi)
(B) दिल्ली के मुख्यमंत्री (Chief Minister of Delhi)
(C) दिल्ली के उपराज्यपाल (Lieutenant Governor of Delhi)
(D) दिल्ली के शिक्षा सचिव (Education Secretary of Delhi)

5. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) की धारा 3 प्रशासक (Administrator) को स्कूल शिक्षा को विनियमित करने का अधिकार देती है। इस शक्ति के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
(A) उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम (Academic Syllabi) को विनियमित करना
(B) दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के भीतर किसी भी विद्यालय की स्थापना और रखरखाव करना
(C) दिल्ली में संचालित किसी भी निजी विद्यालय को वैधानिक मान्यता (Statutory Recognition) प्रदान करना
(D) किसी निजी विद्यालय को पहले दी गई वैधानिक मान्यता वापस लेना

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) बिना किसी अपवाद के दिल्ली के सभी मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों (Recognized Minority Schools) पर समान रूप से लागू होता है।
कारण (R) : संविधान का अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने का अधिकार देता है, जिससे अधिनियम के तहत विशिष्ट छूट मिलती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या

NODIA

नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

7. DSEA, 1973 की धारा 4 के तहत, निजी विद्यालय की मान्यता (Recognition) के लिए आवेदन उपयुक्त प्राधिकरण (Competent Authority) के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। मान्यता के लिए विद्यालय को कौन सी न्यूनतम शर्त पूरी करनी होगी?
(A) इसके पास दस वर्षों के लिए स्वतंत्र संचालन बनाए रखने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन (Financial Resources) होने चाहिए
(B) इसे पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाओं के साथ सुरक्षित और स्वच्छ परिसर प्रदान करना होगा
(C) इसे तुलनीय सरकारी विद्यालयों की तुलना में व्यवस्थित रुप से उच्च शुल्क संरचना (Fee Structure) बनाए रखनी होगी
(D) इसे सभी कक्षाओं में दो हजार छात्रों का न्यूनतम नामांकन (Enrollment) बनाए रखना होगा

8. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) के तहत, दिल्ली के विद्यालयों को मुख्य रुप से वित्तपोषण और मान्यता के आधार पर कितनी विशिष्ट कार्यात्मक श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है?
(A) दो श्रेणियां: सरकारी और निजी
(B) तीन श्रेणियां: मान्यता प्राप्त, गैर-मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त (Recognized, Unrecognized, and Aided)
(C) चार श्रेणियां: सरकारी, स्थानीय निकाय, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त (Government, Local Body, Aided, and Unaided Recognized)
(D) पांच श्रेणियां: सरकारी, सहायता प्राप्त, गैर-सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक और गैर-मान्यता प्राप्त (Government, Aided, Unaided, Minority, and Unrecognized)

9. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) की कौन सी धारा विशेष रुप से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए "प्रबंधन की योजना" (Scheme of Management) से संबंधित है?
(A) धारा 3
(B) धारा 5
(C) धारा 8
(D) धारा 10

10. शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education - DoE) के पास मान्यता प्राप्त विद्यालयों को निर्देश जारी करने का अधिकार है। DSEA, 1973 के तहत निम्नलिखित में से कौन सा निदेशक (Director) की प्रत्यक्ष वैधानिक शक्तियों (Statutory Powers) के अंतर्गत नहीं है?
(A) गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालय के कर्मचारियों का वेतनमान (Pay Scale) आधिकारिक सरकारी दरों से नीचे तय करना
(B) किसी भी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय द्वारा प्रस्तुत प्रबंधन की वैधानिक योजना (Statutory Scheme of Management) को मंजूरी देना
(C) किसी भी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान के शैक्षणिक और भौतिक परिसर का निरीक्षण (Inspection) करना
(D) प्रति सेक्शन नामांकित छात्रों की अधिकतम अनुमेय संख्या को विनियमित और निर्धारित करना

11. दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 (Delhi School Education Rules, 1973) के तहत प्रबंध समिति (Managing Committee) के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. प्रत्येक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति में उस विद्यालय के दो शिक्षक शामिल होने चाहिए।
II. विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के दो माता-पिता प्रबंध समिति के सदस्य होने चाहिए।
III. विद्यालय प्रमुख (Head of School) प्रबंध समिति का एक अनिवार्य सदस्य होता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

12. दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 (Delhi School Education Rules, 1973) का नियम 59 प्रबंध समिति (Managing Committee) से संबंधित है। एक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति में सदस्यों की अधिकतम अनुमेय सीमा क्या है, जब तक कि विशेष रुप से छूट न दी गई हो?
(A) 11 सदस्य
(B) 15 सदस्य
(C) 21 सदस्य
(D) 25 सदस्य

13. DSER, 1973 के तहत नव-मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) की संरचना को निम्नलिखित में से किस प्राधिकरण (Authority) द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए?
(A) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(B) क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (Zonal Education Officer - ZEO)
(C) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal)
(D) उपराज्यपाल (Lieutenant Governor)

14. विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) के कार्यों के संदर्भ में, मान्यता प्राप्त विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) के

Downloaded from www.pdf.tube

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY
PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

लिए निम्नलिखित में से कौन सा कार्य स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है?

(A) योग्य शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती करना

(B) शिक्षा निदेशालय के मानदंडों के अनुसार विद्यालय का शैक्षणिक कैलेंडर (Academic Calendar) तैयार करना

(C) ट्रस्ट के सदस्य के व्यक्तिगत व्यवसाय के लिए विद्यालय के धन का उपयोग करना

(D) अनुशासनहीन कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Proceedings) करना

15. शिक्षा निदेशक अधिनियम की धारा 20 के तहत किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) को निलंबित कर सकता है। प्रबंधन को अपने हाथ में लेने (Takeover of Management) की प्रारंभिक अधिकतम अवधि क्या है?

(A) छह महीने (B) एक वर्ष

(C) तीन वर्ष (D) पांच वर्ष

16. एक मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालय बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अपने भवन में गंभीर संरचनात्मक क्षति को ठीक करने में विफल रहा है, जिससे छात्रों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। शिक्षा निदेशक के रूप में, DSEA, 1973 के तहत कौन सी तत्काल वैधानिक कार्रवाई (Statutory Action) उचित है?

(A) डिफॉल्ट करने वाले संस्थान के प्राचार्य पर सीधे एक लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाना

(B) सभी स्थायी शिक्षकों के पास के सरकारी विद्यालय में तत्काल प्रशासनिक स्थानांतरण (Administrative Transfer) का आदेश देना

(C) धारा 4 के तहत विद्यालय को बंद करने का आदेश देना और मान्यता (Recognition) वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करना

(D) विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षण कर्मचारियों के वेतन को तत्काल रोकने और फ्रीज करने का आदेश देना

17. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (Delhi School Education Act, 1973) की धारा 4(6) उपयुक्त प्राधिकरण को विद्यालय की मान्यता (Recognition) वापस लेने की शक्ति देती है। मान्यता वापस लेने से पहले किस अनिवार्य प्रक्रियात्मक चरण (Procedural Step) का पालन किया जाना चाहिए?

(A) दिल्ली उच्च न्यायालय से सीधे औपचारिक पूर्व स्वीकृति और अनुमोदन प्राप्त करना

(B) प्रबंध समिति (Managing Committee) को कारण बताने का उचित अवसर (Reasonable Opportunity of Showing Cause) देना

(C) अभिभावक-शिक्षक संघ (Parent-Teacher Association - PTA) को भंग करने का तत्काल प्रशासनिक आदेश जारी करना

(D) स्थानीय नगर निगम से एक आधिकारिक सहमति प्रस्ताव हासिल करना

18. किसी विद्यालय की मान्यता वापस लेने पर, छात्रों के संबंध में शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) की प्राथमिक जिम्मेदारी क्या है?

(A) प्रवेश के बाद से छात्रों से एकत्र किए गए सभी शिक्षण और प्रशासनिक शुल्क की पूर्ण वित्तीय वापसी को अनिवार्य करना

(B) संचालन को अपने हाथ में लेना और स्वचालित रूप से संस्थान को पूरी तरह से वित्त पोषित सरकारी विद्यालय में अपग्रेड करना

(C) सीधे निदेशालय से विशेष टर्मिनल शैक्षणिक डिग्री और स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate) जारी करना

(D) प्रभावित छात्रों को अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश दिलाने में सहायता करना

19. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 17 के अनुसार, शुल्क विनियमन (Fee Regulation) के संबंध में कौन सा कथन सही है?

(A) कोई भी सहायता प्राप्त विद्यालय (Aided School) निदेशक द्वारा निर्दिष्ट के अलावा कोई शुल्क या प्रभार नहीं लेगा

(B) गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय प्रशासक से पूर्व औपचारिक स्वीकृति प्राप्त किए बिना किसी भी श्रेणी का शुल्क नहीं लगा सकते हैं

(C) गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को DoE को शुल्क विवरण जमा करने से पूरी तरह छूट दी गई है

(D) सरकारी विद्यालयों को अपने विवेक से विशेष विकास शुल्क (Development Fee) वसूलने का पूर्ण अधिकार है

NODIA

20. DSER, 1973 के तहत, प्रत्येक मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय के प्रबंधक के लिए आगामी शैक्षणिक सत्र में लगाए जाने वाले शुल्क का पूरा विवरण दाखिल करने की आवश्यक समय-सीमा क्या है?

(A) शैक्षणिक सत्र शुरु होने से पहले

(B) शैक्षणिक सत्र शुरु होने के 30 दिनों के भीतर

(C) जारी शैक्षणिक सत्र के 31 दिसंबर तक

(D) अर्धवार्षिक परीक्षाओं से पहले

21. दिल्ली में गठित शुल्क विसंगति समिति (Fee Anomalies Committee) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों द्वारा अनुचित शुल्क वृद्धि के संबंध में शिकायतों की जांच करती है।

II. यह शिक्षा के व्यावसायीकरण (Commercialization of Education) के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन

(Compliance) सुनिश्चित करती है।
III. समिति के पास विद्यालयों के अंकेक्षित वित्तीय विवरणों (Audited Financial Statements) की जांच करने की शक्ति है।
IV. इसकी अध्यक्षता स्थानीय विधायक (MLA) करते हैं।
उपरोक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I, III, और IV

22. DSER, 1973 के नियम 175 के अनुसार, किस विशिष्ट कोष (Fund) को किसी मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय को चलाने वाली सोसाइटी या ट्रस्ट को स्थानांतरित करने पर सख्त प्रतिबंध है?
(A) ट्रस्ट कॉर्पस फंड (Trust Corpus Fund)
(B) पूर्व छात्र अंशदान कोष (Alumni Contribution Fund)
(C) प्रबंधन आरक्षित कोष (Management Reserve Fund)
(D) मान्यता प्राप्त विद्यालय कोष (Recognized School Fund)

23. यदि किसी सरकारी एजेंसी (जैसे DDA) द्वारा विशिष्ट लीज शर्त के साथ आवंटित भूमि पर चल रहा गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय अपने शुल्क में वृद्धि करना चाहता है, तो नियामक आवश्यकता (Regulatory Requirement) क्या है?
(A) इसे PTA को सूचित करना होगा और तुरंत वृद्धि लागू करनी होगी
(B) इसके लिए शिक्षा निदेशक (Director of Education) की पूर्व स्वीकृति/अनुमोदन की आवश्यकता होती है
(C) इसे बढ़ी हुई फीस का 10% DDA में जमा करना होगा
(D) इसे केवल अपनी प्रबंध समिति (Managing Committee) द्वारा साधारण बहुमत के प्रस्ताव की आवश्यकता है

24. गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों के संबंध में DSEA, 1973 के शुल्क नियमों की व्याख्या करने में न्यायिक मिसालों (Judicial Precedents) द्वारा स्थापित मौलिक सिद्धांत क्या है?
(A) विद्यालयों के पास वित्तीय लाभ को अधिकतम करने के लिए शुल्क संरचना (Fee Structure) तय करने, वसूलने और बढ़ाने की पूर्ण व्यावसायिक स्वायत्तता है
(B) विद्यालय वैधानिक रूप से अपने शुल्क तालिका को संबंधित सरकारी संस्थानों से ठीक मिलाने के लिए बाध्य हैं
(C) शिक्षा का व्यावसायीकरण (Commercialization of Education) किए बिना विकास के लिए उचित अधिशेष (Reasonable Surplus) उत्पन्न करना अनुमेय है
(D) नामांकित सभी अभिभावकों से औपचारिक जनमत संग्रह प्राप्त किए बिना विद्यालयों पर शुल्क बढ़ाने पर सख्त रोक है

25. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 8 के तहत, किसी सहायता प्राप्त विद्यालय (Aided School) के प्रमुख की नियुक्ति के लिए चयन समिति (Selection Committee) में किस प्राधिकरण का नामांकित व्यक्ति शामिल होना चाहिए?
(A) उपराज्यपाल (Lieutenant Governor)
(B) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)
(C) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT)
(D) शिक्षा निदेशक (Director of Education)

26. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : किसी सहायता प्राप्त विद्यालय की प्रबंध समिति शिक्षा निदेशक की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी पुष्टि किए गए शिक्षक को मनमाने ढंग से बर्खास्त नहीं कर सकती है।
कारण (R) : DSEA, 1973 की धारा 8(2) यह अनिवार्य करती है कि किसी भी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के कर्मचारी को निदेशक की पूर्व स्वीकृति के बिना बर्खास्त, हटाया या पद में अवनत (Reduced in Rank) नहीं किया जाएगा।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

27. दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का कौन सा नियम विज्ञापन और चयन समिति (Selection Committee) के गठन सहित सहायता प्राप्त विद्यालयों में रिक्तियों को भरने के लिए विशिष्ट प्रक्रिया की रुपरेखा तैयार करता है?
(A) नियम 43
(B) नियम 64
(C) नियम 96
(D) नियम 98

28. गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों में, हालांकि प्रबंधन को नियुक्तियों में स्वायत्तता है, DSEA, 1973 की धारा 10 वेतनमान के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रतिबंध लगाती है। यह प्रतिबंध क्या है?
(A) वेतनमान (Pay Scale) और भत्ते अनिवार्य रूप से संबंधित सरकारी विद्यालय के शिक्षकों के वेतन का कम से कम पचास प्रतिशत होने चाहिए
(B) वेतन और भत्ते सरकारी विद्यालयों में समकक्ष स्थिति (Corresponding Status) के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों से कम नहीं होने चाहिए
(C) वेतनमान अकुशल शारीरिक श्रम के लिए आधिकारिक तौर पर निर्धारित वैधानिक न्यूनतम मजदूरी दरों से थोड़ा

Click Here to Buy book on Amazon

अधिक होना चाहिए
(D) कर्मचारियों को देय कुल पारिश्रमिक पूरी तरह से विद्यालय द्वारा उत्पन्न वार्षिक शुल्क राजस्व पर निर्भर करता है

29. एक गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में एक स्थायी शिक्षिका का दावा है कि उसका मूल वेतन और महंगाई भत्ता दिल्ली सरकार के विद्यालय में उसके समकक्ष की तुलना में काफी कम है। वह प्रबंधन से अपील करती है, जो उसके वेतन में संशोधन करने से इनकार कर देता है। DSEA, 1973 की किस धारा के तहत वह वेतन समानता (Pay Parity) के लिए कानूनी हस्तक्षेप की मांग कर सकती है?
(A) धारा 4
(B) धारा 10
(C) धारा 15
(D) धारा 21

30. दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का कौन सा अध्याय विशेष रूप से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के कर्मचारियों की सेवा के नियमों और शर्तों (Terms and Conditions of Service) को नियंत्रित करता है?
(A) अध्याय IV
(B) अध्याय VIII
(C) अध्याय XI
(D) अध्याय XIII

31. दिल्ली में कई शाखाओं वाले ट्रस्ट के तहत चल रहे एक गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय में कर्मचारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग (Transfer and Posting) नियमों के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. यदि नियुक्ति की शर्तें इसकी अनुमति देती हैं, तो किसी कर्मचारी को उसकी सहमति के बिना एक शाखा से दूसरी शाखा में स्थानांतरित किया जा सकता है।
II. स्थानांतरण के परिणामस्वरूप वेतन या पद में कमी (Reduction in Rank) नहीं हो सकती है।
III. शिक्षा निदेशक को गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय के शिक्षकों के अंतर-शाखा स्थानांतरण को पूर्व-अनुमोदित करना होगा।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

32. DSER, 1973 के अनुसार, किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में स्थायी रिक्ति के विरुद्ध सीधे नियुक्त शिक्षक के लिए मानक परिक्षावधि (Probation Period) क्या है?
(A) छह महीने
(B) एक वर्ष
(C) दो वर्ष
(D) तीन वर्ष

33. DSER, 1973 के नियम 115 के तहत, किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के कर्मचारी को निलंबित किया जा सकता है। प्रबंध समिति (Managing Committee) को अनुमोदन के लिए किस समय-सीमा के भीतर शिक्षा निदेशक को इसकी सूचना देनी होगी?
(A) 7 दिन
(B) 15 दिन
(C) 30 दिन
(D) 45 दिन

34. यदि किसी सहायता प्राप्त विद्यालय का कर्मचारी विभागीय जांच (Departmental Inquiry) लंबित रहने तक निलंबित कर दिया जाता है, तो निर्वाह भत्ते (Subsistence Allowance) का कितना हिस्सा सरकार द्वारा देय होता है?
(A) सरकार सीधे कर्मचारी को निर्वाह भत्ते का पूरा सौ प्रतिशत हिस्सा वितरित करती है
(B) सरकार पर शून्य वित्तीय देनदारी होती है; विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) को पूरी लागत वहन करनी होगी
(C) सरकार कुल भत्ता राशि का पचास प्रतिशत भुगतान करती है जो सख्ती से शुरुआती तीन महीनों तक सीमित है
(D) सरकार सामान्य सहायता-अनुदान अनुपात (Grant-in-Aid Ratio) के आधार पर आनुपातिक सहायता का भुगतान करती है

NODIA

35. दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 117 के तहत निम्नलिखित में से किसे "लघु शास्ति" (Minor Penalty) के रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) परिनिंदा (Censure)
(B) अनिवार्य सेवानिवृत्ति (Compulsory Retirement)
(C) पद में अवनति (Reduction in Rank)
(D) सेवा से बर्खास्तगी (Dismissal from Service)

36. DSER, 1973 के नियम 120 के तहत, किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के कर्मचारी पर मुख्य शास्ति (Major Penalty) लगाने से पहले अनुशासनात्मक प्राधिकरण (Disciplinary Authority) को:
(A) कर्मचारी को सीधे औपचारिक लिखित प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी करना होगा
(B) कार्यकारी अभिभावक-शिक्षक संघ से स्पष्ट पूर्व वैधानिक अनुमोदन और सहमति प्राप्त करनी होगी
(C) एक औपचारिक जांच (Formal Inquiry) आयोजित करनी होगी जिसमें कर्मचारी को सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाए
(D) कथित कदाचार (Misconduct) के संबंध में आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज करनी होगी और स्थानीय क्षेत्राधिकार वाले पुलिस स्टेशन को सूचित करना होगा

37. अनुशासनात्मक जांच (Disciplinary Inquiry) के बाद सेवा से बर्खास्त किए गए किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय

के शिक्षक के लिए अपीलीय प्राधिकरण (Appellate Authority) के रूप में कौन सा प्राधिकरण कार्य करता है?
(A) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal)
(B) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(C) केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (Central Administrative Tribunal - CAT)
(D) उपराज्यपाल (Lieutenant Governor)

38. दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal) का गठन DSEA, 1973 की धारा 11 के तहत किया गया है। इस न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी (Presiding Officer) के रूप में नियुक्त होने के लिए कौन पात्र है?
(A) दिल्ली सरकार के विद्यालय में कम से कम दस वर्ष तक सेवा दे चुके एक अनुभवी सेवानिवृत्त प्राचार्य
(B) शिक्षा विभाग, GNCTD के कार्यरत या सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी
(C) कम से कम तीन पूर्ण वर्षों का कार्यकाल पूरा करने वाले पूर्व शिक्षा निदेशक
(D) एक व्यक्ति जो जिला न्यायाधीश के रैंक का न्यायिक अधिकारी रहा हो

39. मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक संघ (Parent-Teacher Association - PTA) के संबंध में, शिक्षा निदेशालय के दिशा-निर्देश इसके गठन के बारे में क्या अनिवार्य करते हैं?
(A) PTA का गठन गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए पूरी तरह से वैकल्पिक है लेकिन सभी सरकारी संस्थानों के लिए सख्त अनिवार्य है
(B) प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय को अभिभावक-विद्यालय साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक PTA का गठन करना होगा
(C) सदस्यता केवल उन अभिभावकों तक सीमित है जो विद्यालय के विकास कोष में सक्रिय रूप से वित्तीय दान योगदान करते हैं
(D) स्थानीय निर्वाचन क्षेत्र के निवर्तमान विधायक (MLA) को पदेन PTA अध्यक्ष के रूप में कार्य करना होगा

40. दिल्ली के विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक संघ (Parent-Teacher Association - PTA) का निम्नलिखित में से कौन सा निर्धारित उद्देश्य नहीं है?
(A) अभिभावकों और विद्यालय के शिक्षकों के बीच प्रभावी और निरंतर संचार चैनलों को सुगम बनाना
(B) वार्षिक सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों (Co-curricular Activities) और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में विद्यालय प्रबंधन की सक्रिय सहायता करना
(C) विद्यालय के वार्षिक बजट और शुल्क संरचना को अंतिम रूप देना और अनुमोदित करना
(D) परिसर में समग्र छात्र कल्याण, संस्थागत विकास और छात्र सुरक्षा को बढ़ावा देना

41. DSEA, 1973 की धारा 16 के अनुसार, मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश को सख्ती से विनियमित किया जाना चाहिए। प्राथमिक कक्षाओं की प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित में से किस मानदंड पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाया गया है?
(A) स्थापित पड़ोस मानदंडों (Neighbourhood Criteria) के तहत आवासीय निकटता का सत्यापन
(B) सहोदर कोटा (Sibling Quota) के तहत अंक आवंटन या तरजीही सीट आवंटन
(C) संस्थागत पूर्व छात्र कोटा (Alumni Quota) मापदंडों के तहत अंकों का आवंटन
(D) बच्चे और माता-पिता के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रियाएं या साक्षात्कार (Screening Procedures or Interviews)

42. DDA द्वारा रियायती दरों पर आवंटित भूमि पर स्थित एक मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय वित्तीय बाधाओं का हवाला देते हुए पड़ोस के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (Economically Weaker Section - EWS) के छात्रों को प्रवेश देने से मना कर देता है। DSEA, 1973 और भूमि आवंटन शर्तों के तहत कानूनी स्थिति क्या है?
(A) भूमि पट्टे की शर्तों के अनुसार 25% EWS छात्रों को प्रवेश देना अनिवार्य है
(B) विद्यालय पूर्ण परिचालन स्वायत्तता बनाए रखता है और किसी भी शर्त के तहत EWS छात्रों को प्रवेश देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं किया जा सकता है
(C) विद्यालय प्रशासनिक सुनवाई के बिना अपनी पूरी भूमि आवंटन को तुरंत DDA को वापस सौंपने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है
(D) विद्यालय द्वारा किसी भी EWS प्रवेश को संसाधित करने से पहले DoE को समकक्ष वित्तीय सब्सिडी जारी करने की कानूनी आवश्यकता है

43. शिक्षा निदेशालय भूमि आवंटन से जुड़े विशिष्ट मानदंडों का उपयोग करता है। यदि कोई निजी विद्यालय EWS छात्रों को मुफ्त सीटों के संबंध में भूमि आवंटन की शर्त का उल्लंघन करता है, तो DoE किस कार्रवाई की सिफारिश कर सकता है?
(A) केवल विद्यालय की CBSE संबद्धता (Affiliation) रद्द करना
(B) भूमि आवंटन प्राधिकरण से भूमि के लीज डीड (Lease Deed) को रद्द करने की सिफारिश करना
(C) विद्यालय को तुरंत पूरी तरह से सरकारी स्वामित्व वाली संस्था में बदलना
(D) सभी शिक्षकों के वेतन को फ्रीज करना

44. DSER, 1973 का नियम 49 विद्यालय परिसर के उपयोग से संबंधित है। मान्यता प्राप्त विद्यालय के परिसर के भीतर निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि सख्ती से प्रतिबंधित है?
(A) वार्षिक अंतर-विद्यालय एथलेटिक मीट और प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन
(B) किसी राजनीतिक दल का सदस्यता अभियान या चुनाव

Downloaded from www.pdf.tube

प्रचार कार्यालय चलाना
(C) शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास और शैक्षणिक कार्यशालाओं की मेजबानी करना
(D) विशेष रूप से छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक स्वच्छ विद्यालय कैंटीन सुविधा संचालित करना

45. DSEA, 1973 की धारा 24 के तहत, मान्यता प्राप्त विद्यालयों का निरीक्षण (Inspection) करने के लिए कौन अधिकृत है?
(A) शिक्षा निदेशक (Director of Education) या कोई अधिकृत अधिकारी
(B) स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाले नामांकित छात्र के माता-पिता या कानूनी अभिभावक
(C) विशेष रूप से दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के उपराज्यपाल (Lieutenant Governor)
(D) स्थानीय वार्ड क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित नगर पार्षद

46. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्रबंधक को निरीक्षण के दौरान निरीक्षण अधिकारी को सभी अभिलेखों, रजिस्टरों और दस्तावेजों तक पूर्ण पहुंच प्रदान करनी होगी।
कारण (R) : DSEA, 1973 की धारा 24 अधिनियम और नियमों के प्रावधानों का अनुपालन (Compliance) सुनिश्चित करने के लिए निदेशक को विद्यालयों का निरीक्षण करने की शक्ति देती है, जिससे सहयोग करना प्रबंधन का वैधानिक कर्तव्य बन जाता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

47. यदि किसी निरीक्षण से सहायता प्राप्त विद्यालय के प्रशासन में गंभीर त्रुटियों का पता चलता है, तो DSEA, 1973 के तहत शिक्षा निदेशक को क्या करने का अधिकार है?
(A) औपचारिक जांच किए बिना विद्यालय के प्राचार्य को तुरंत बर्खास्त करने का प्रशासनिक आदेश जारी करना
(B) उसी दिन विद्यालय के संपूर्ण प्रशासन को स्थायी रूप से अपने हाथ में लेने की वैधानिक आपातकालीन शक्तियों का प्रयोग करना
(C) संस्था के प्रशासनिक प्रबंधन को किसी प्रतिस्पर्धी शैक्षिक ट्रस्ट को तत्काल स्थानांतरित करने का आदेश देना
(D) एक निर्दिष्ट अवधि के भीतर त्रुटियों को दूर करने के निर्देश जारी करना

48. DSER, 1973 के तहत आंतरिक मूल्यांकन अंकों (Internal Assessment Marks) के संबंध में अनुचित व्यवहार महसूस करने वाले छात्र के लिए शिकायत निवारण तंत्र (Grievance Redressal Mechanism) क्या प्रदान किया गया है?
(A) छात्र या अभिभावक सीधे भारत के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर कर सकते हैं
(B) छात्र को पुलिस जांच का अनुरोध करते हुए एक औपचारिक आपराधिक शिकायत दर्ज करानी होगी
(C) प्राचार्य से अपील, और यदि समाधान न हो, तो क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (Zonal Education Officer - ZEO) से अपील
(D) विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee) का आंतरिक निर्णय अपील से पूर्ण मुक्ति के साथ कानूनी रूप से अंतिम है

NODIA

49. DSEA, 1973 की धारा 27 विशिष्ट अपराधों के लिए दंड का प्रावधान करती है। यदि किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय का प्रबंधक धारा 20 के तहत अधिग्रहण (Takeover) के आदेश का पालन करने से इनकार करता है, तो अधिकतम संभावित दंड क्या है?
(A) अधिकतम पांच सौ रुपये से अधिक न होने वाला प्रशासनिक जुर्माना
(B) कारावास जिसे छह महीने तक बढ़ाया जा सकता है, या जुर्माना, या दोनों
(C) एक पूर्ण कैलेंडर वर्ष की अवधि के लिए अनिवार्य सामुदायिक सेवा की सजा
(D) प्रबंधक की व्यक्तिगत संपत्ति की तत्काल कानूनी कुर्की और स्थायी जब्ती

50. मान्यता प्राप्त विद्यालय होने का झूठा दावा करते हुए बिना मान्यता प्राप्त किए विद्यालय चलाने पर DSEA, 1973 के तहत क्या दंड है?
(A) यह तीन साल तक के कठोर कारावास से दंडनीय एक बड़ा संज्ञेय गैर-जमानती अपराध है
(B) यह सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की तत्काल प्रशासनिक गिरफ्तारी और आपराधिक मुकदमे का कारण बनता है
(C) कोई विशिष्ट वैधानिक दंड मौजूद नहीं है; शिक्षा निदेशालय केवल एक प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी करता है
(D) तीन महीने तक का कारावास, या जुर्माना, या दोनों

51. DSEA, 1973 से संबंधित संशोधनों और कानूनी प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. 1973 में अपनी स्थापना के बाद से यह अधिनियम पूरी तरह से असंशोधित रहा है।
II. प्रवेश प्रक्रियाओं के संबंध में अधिनियम की धारा 16 शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (Right to Education Act - RTE) से प्रभावित थी।
III. शुल्क विनियमन पर अधिनियम के प्रावधानों को उच्च न्यायालय के कई फैसलों के माध्यम से व्याख्यायित और मजबूत किया गया है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III

(C) केवल I और III
(D) केवल III

52. दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का अध्याय IV मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस विषय को संबोधित करता है?
(A) मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के कर्मचारियों की सेवा के नियम और शर्तें (Terms and Conditions of Service)
(B) निजी विद्यालयों को सहायता अनुदान (Grant-in-Aid)
(C) प्रबंधन की योजना (Scheme of Management)
(D) छात्रों का प्रवेश (Admission of Students)

53. DSER, 1973 का कौन सा अध्याय छात्रों के प्रवेश (Admission), प्रवासन (Migration) और निष्कासन/वापसी (Withdrawal) के विस्तृत नियम प्रदान करता है?
(A) अध्याय V
(B) अध्याय VII
(C) अध्याय XI
(D) अध्याय XIII

54. DSER, 1973 के नियम 97 के अनुसार, मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षकों की न्यूनतम योग्यताएँ (Minimum Qualifications) कैसे निर्धारित की जाती हैं?
(A) वे प्रत्येक व्यक्तिगत निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) के विवेक पर पूरी तरह से तय किए जाते हैं
(B) वे विश्वविद्यालय और कॉलेज के व्याख्याताओं के लिए UGC द्वारा निर्धारित वैधानिक योग्यता मानदंडों के समान हैं
(C) वे अनिवार्य रूप से विद्यालय शिक्षण के सभी स्तरों के लिए केवल एक बुनियादी सीनियर सेकेंडरी उत्तीर्ण प्रमाण पत्र की मांग करते हैं
(D) बोर्ड के परामर्श से प्रशासक (Administrator) द्वारा निर्दिष्ट

55. एक नव-मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय उम्मीदवारों की कमी का दावा करते हुए एक स्नातकोत्तर शिक्षक (Post Graduate Teacher - PGT) की नियुक्ति करता है जिसके पास मास्टर डिग्री है लेकिन B.Ed. की डिग्री नहीं है। DSER, 1973 के तहत शिक्षा निदेशक को इस नियुक्ति के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
(A) यदि उम्मीदवार पांच वर्षों से अधिक के पूर्व शिक्षण अनुभव का प्रदर्शन करता है तो स्थायी वैधानिक स्वीकृति प्रदान करें
(B) न्यूनतम व्यावसायिक मानदंडों को पूरा न करने के कारण नियुक्ति को खारिज करना
(C) पूरे संस्थागत खर्च पर उम्मीदवार को अनिवार्य दूरस्थ शिक्षा डिग्री के लिए प्रायोजित करने के लिए विद्यालय प्रबंधन को औपचारिक रूप से निर्देशित करना
(D) अभिभावक-शिक्षक संघ द्वारा पारित सकारात्मक प्रस्ताव के तहत नियुक्ति के लिए सशर्त स्वीकृति जारी करना

56. DSER, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त निजी विद्यालय में कार्यरत शिक्षक की अधिवर्षिता/सेवानिवृत्ति (Superannuation / Retirement Age) की मानक आयु क्या है?
(A) 55 वर्ष
(B) 58 वर्ष
(C) 60 वर्ष
(D) 62 वर्ष

57. विशिष्ट परिस्थितियों में, राष्ट्रीय या राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय के शिक्षक को सेवा विस्तार (Extension of Service) दिया जा सकता है। DSER, 1973 के तहत इस विस्तार की अधिकतम अवधि क्या है?
(A) 1 वर्ष
(B) 2 वर्ष
(C) 5 वर्ष
(D) DSER के तहत कानूनी रूप से कोई सेवा विस्तार अनुमेय नहीं है

58. DSER, 1973 का नियम 181 विद्यालय के अभिलेखों के रखरखाव (Maintenance of Records) को अनिवार्य बनाता है। निम्नलिखित में से कौन सा अभिलेख मान्यता प्राप्त विद्यालय द्वारा बनाए रखा जाना वैधानिक रूप से आवश्यक नहीं है?
(A) अभिभावकों का धार्मिक संबद्धता रजिस्टर
(B) प्रवेश और निकासी रजिस्टर (Admission and Withdrawal Register)
(C) छात्रों और कर्मचारियों के लिए उपस्थिति रजिस्टर (Attendance Register)
(D) कर्मचारियों की एक्विटेंस रोल (Acquittance Roll) और सर्विस बुक (Service Books)

59. किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) की समय-समय पर बैठक होनी चाहिए। मानक नियमों के अनुसार इन बैठकों की न्यूनतम आवश्यक आवृत्ति क्या है?
(A) प्रत्येक कैलेंडर सप्ताह में एक बार अनिवार्य औपचारिक बैठकें आयोजित करना
(B) महीने में कम से कम एक बार वैधानिक कार्यकारी बैठकें आयोजित करना
(C) तीन महीने में कम से कम एक बार
(D) वर्ष में एक बार वार्षिक आम सभा की बैठक आयोजित करना

60. DSEA, 1973 के तहत, "कैपिटेशन शुल्क" (Capitation Fee) का क्या अर्थ है?
(A) शिक्षा निदेशालय द्वारा आधिकारिक रूप से मूल्यांकन और अनुमोदित मानक मासिक शिक्षण शुल्क संरचना

Click Here to Buy book on Flipkart

(B) प्रवेश के लिए लिया जाने वाला गैर-अनुमोदित दान या भुगतान
(C) समर्पित बस सेवाओं का उपयोग करने के लिए नामांकित छात्रों से एकत्र किया जाने वाला विशेष त्रैमासिक परिवहन शुल्क
(D) नियमित मासिक शिक्षण शुल्क के देर से भुगतान के लिए अभिभावकों पर लगाया जाने वाला प्रशासनिक विलंब दंड शुल्क

61. मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में शुल्क संग्रह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. किसी भी बच्चे के प्रवेश के लिए कोई कैपिटेशन शुल्क एकत्र नहीं किया जाएगा।
II. विद्यालयों को प्रवेश की पूर्व शर्त के रूप में अभिभावकों से भवन निर्माण निधि देने की मांग करने की अनुमति है।
III. एकत्र किए गए सभी शुल्कों की रसीद तुरंत जारी की जानी चाहिए।
IV. गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय DoE के अनुमोदन के बिना सत्र के मध्य में शिक्षण शुल्क (Tuition Fee) बढ़ा सकते हैं।
उपरोक्त कथनों में से कौन से गलत हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और IV
(C) केवल I, II, और IV
(D) केवल III और IV

62. शुल्क की वापसी (Refund of Fees) के संबंध में, यदि कोई छात्र शैक्षणिक सत्र शुरु होने से पहले मान्यता प्राप्त विद्यालय से प्रवेश वापस लेता है, तो शिक्षा निदेशालय के दिशानिर्देशों के तहत विद्यालय का क्या दायित्व है?
(A) विद्यालय प्रबंधन छात्र द्वारा भुगतान किए गए शुल्क की पूरी संचयी राशि को जब्त करने का पूर्ण हकदार है
(B) विद्यालय प्रबंधन केवल मूल शिक्षण शुल्क (Tuition Fee) के पचास प्रतिशत तक सीमित धनवापसी को संसाधित करने के लिए बाध्य है
(C) गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क (Registration Fee) को छोड़कर सभी शुल्क वापस करना
(D) यदि कोई अन्य उम्मीदवार बाद में खाली सीट पर कब्जा कर लेता है तो विद्यालय प्रबंधन शुल्क वापसी को संसाधित करने के लिए बाध्य है

63. दिल्ली में मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए कार्य दिवसों की कुल संख्या और विद्यालय के समय सहित शैक्षणिक कैलेंडर (Academic Calendar) तय करने के लिए कौन जिम्मेदार है?
(A) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)
(B) स्वायत्त रूप से विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)
(C) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
(D) शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education)

64. दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालय के लिए एक शैक्षणिक वर्ष में कार्य दिवसों (Working Days) की निर्धारित न्यूनतम संख्या क्या है?
(A) 200 दिन
(B) 210 दिन
(C) 220 दिन
(D) 240 दिन

65. DSEA, 1973 के तहत, यदि किसी सहायता प्राप्त विद्यालय के कर्मचारी को प्रबंधन द्वारा लगाए गए लघु दंड (Minor Penalty) के खिलाफ शिकायत है, तो अपील किसके समक्ष होती है?
(A) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal)
(B) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(C) दिल्ली उच्च न्यायालय (High Court of Delhi)
(D) केंद्रीय सतर्कता आयोग (Central Vigilance Commission)

66. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : सिविल न्यायालयों (Civil Courts) के क्षेत्राधिकार (Jurisdiction) को किसी भी ऐसे मामले के संबंध में किसी भी वाद या कार्यवाही को स्वीकार करने से स्पष्ट रूप से रोक दिया गया है जिसे निर्धारित करने के लिए दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण को अधिकार दिया गया है।
कारण (R) : DSEA, 1973 की धारा 25 न्यायाधिकरण के आदेशों को अंतिम रूप प्रदान करती है और सामान्य नागरिक न्यायालयों में समानांतर मुकदमेबाजी को रोकती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

67. दिल्ली में स्कूल शिक्षा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन "गैर-मान्यता प्राप्त विद्यालय" (Unrecognized School) को परिभाषित करता है?
(A) औपचारिक वैधानिक मान्यता के बिना काम करने वाला एक गैर-अनुमोदित विद्यालय
(B) दिल्ली के भीतर काम करने वाला एक शैक्षणिक संस्थान जो मान्यता प्राप्त विदेशी अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम का सख्ती से पालन करता है
(C) एक अलग राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त और संबद्ध संस्था
(D) मानक शैक्षणिक विषयों को प्रदान किए बिना खेल प्रशिक्षण के लिए समर्पित एक विशेष व्यावसायिक संस्थान

68. सहायता प्राप्त संस्थान में विद्यालय प्रमुख (Head of School) को एक शिकायत मिलती है कि एक वरिष्ठ शिक्षक

Downloaded from www.pdf.tube

निजी ट्यूशन (Private Tuition) में संलग्न है, जिससे उनके विद्यालय के कर्तव्य प्रभावित हो रहे हैं। DSER, 1973 के तहत उचित प्राथमिक कार्रवाई क्या है?
(A) औपचारिक शिकायत को पूरी तरह से नजरअंदाज करें, क्योंकि वाणिज्यिक निजी ट्यूशन में शामिल होना सेवा नियमों के तहत बिना शर्त अनुमेय है
(B) शिक्षक के मासिक वेतन से पचास प्रतिशत कटौती का निर्देश देते हुए एक तत्काल प्रशासनिक कार्यकारी आदेश जारी करना
(C) अनधिकृत ट्यूशन के लिए नियम 112 के तहत कारण बताओ नोटिस (Show Cause Notice) जारी करना
(D) कड़ी मेहनत की मान्यता में राज्य पुरस्कार के लिए शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) को शिक्षक की सिफारिश करना

69. DSER, 1973 का नियम 112 शिक्षकों के लिए आचार संहिता (Code of Conduct) की रूपरेखा तैयार करता है। निम्नलिखित में से कौन सा इस संहिता का उल्लंघन नहीं है?
(A) शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए विद्यालय परिसर के भीतर उपचारात्मक कक्षाओं (Remedial Classes) का आयोजन करना
(B) किसी हड़ताल (Strike) में भाग लेना या किसी राजनीतिक प्रदर्शन में भाग लेना
(C) ऐसे संगठन का सदस्य बनना जिसके उद्देश्य भारत की संप्रभुता के प्रतिकूल हैं
(D) विद्यालय के अलावा किसी अन्य स्रोत से लाभकारी प्रकृति का काम स्वीकार करना

70. DSEA, 1973 की धारा 13 के अनुसार, अधिनियम का कौन सा अध्याय गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालय (Unaided Minority School) पर लागू नहीं होता है?
(A) वैधानिक विद्यालय मान्यता मापदंडों से संबंधित अध्याय II
(B) नगर निगम और विद्यालय संपत्ति नियमों को नियंत्रित करने वाला अध्याय III
(C) अध्याय IV (सेवा के नियम और शर्तें)
(D) छात्र प्रवेश प्रक्रियाओं और शुल्क लेवी को नियंत्रित करने वाला अध्याय VI

71. DSEA, 1973 के तहत गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों (Unaided Minority Schools) से संबंधित निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. उन्हें अध्याय IV से छूट दी गई है, जिसका अर्थ है कि कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action) के लिए निदेशक की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।
II. उन्हें अपने कर्मचारियों की सेवा के नियमों और शर्तों के संबंध में अपने स्वयं के नियम बनाने होंगे।
III. उन्हें प्रशासक द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यता नियमों से पूरी तरह छूट दी गई है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

72. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की कौन सी धारा प्रशासक या निदेशक द्वारा सद्भावना पूर्वक (In Good Faith) की गई कार्रवाई को कानूनी अभियोजन से बचाती है?
(A) धारा 12
(B) धारा 20
(C) धारा 26
(D) धारा 28

NODIA

73. DSEA, 1973 के तहत प्राधिकरण और उसके प्राथमिक कार्य का सही युग्म निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण – गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों की फीस वृद्धि को मंजूरी देना
(B) शिक्षा निदेशक – गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों में शिक्षकों की सीधी नियुक्ति
(C) प्रबंध समिति – राज्य शिक्षा नीति तैयार करना
(D) प्रशासक (उपराज्यपाल) – अधिनियम के प्रावधानों को पूरा करने के लिए नियम बनाना

74. DSEA और नियम, 1973 के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा एक गलत युग्म है?
(A) नियम 43 – प्रवेश और निकासी (Admissions and Withdrawals)
(B) धारा 8 – कर्मचारियों की सेवा के नियम और शर्तें (Terms and Conditions of Service of Employees)
(C) धारा 10 – कर्मचारियों का वेतन (Salaries of Employees)
(D) धारा 24 – विद्यालयों का निरीक्षण (Inspection of Schools)

75. DSEA, 1973 के संदर्भ में "सहायता अनुदान" (Grant-in-Aid) और "रखरखाव अनुदान" (Maintenance Grant) के बीच क्या संबंध है?
(A) सहायता अनुदान केवल पूंजीगत भूमि खरीद पर लागू होता है, जबकि रखरखाव अनुदान सभी आवर्ती परिचालन व्ययों को कवर करता है
(B) कोई मौलिक अंतर मौजूद नहीं है क्योंकि अधिनियम उनका परस्पर उपयोग करता है
(C) सहायता अनुदान सीधे केंद्र सरकार द्वारा वितरित किया जाता है, जबकि रखरखाव अनुदान राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है
(D) सहायता अनुदान विशेष रूप से गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए नामित है, जबकि रखरखाव अनुदान सरकारी संस्थानों को कवर करता है

76. DSER, 1973 का नियम 64 सहायता अनुदान (Grant-in-Aid) के लिए शर्तों को निर्धारित करता है। निम्नलिखित में से

किसके कारण किसी सहायता प्राप्त विद्यालय को सहायता अनुदान रोका, घटाया या निलंबित किया जा सकता है?
(A) कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड की शुरुआत
(B) विद्यालय का उचित प्रबंधन करने और अनुशासन बनाए रखने में विफलता
(C) बोर्ड परीक्षाओं में उच्च उत्तीर्ण प्रतिशत
(D) स्वेच्छा से अत्यधिक अनुभवी सेवानिवृत्त शिक्षकों की भर्ती करना

77. यदि कोई मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय नामांकन की कमी के कारण किसी विशिष्ट संकाय (जैसे विज्ञान संकाय) को बंद करना चाहता है, तो नियमों के अनुसार किसकी पूर्व स्वीकृति आवश्यक है?
(A) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(B) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)
(C) कार्यकारी अभिभावक-शिक्षक संघ (PTA)
(D) संघ राज्य क्षेत्र के उपराज्यपाल (Lieutenant Governor)

78. DSER, 1973 के नियम 144 के अनुसार, शिक्षण शुल्क और अन्य प्रभारों की प्राप्ति को दर्ज करने के लिए किस रजिस्टर को बनाए रखा जाना चाहिए?
(A) सामान्य प्रशासनिक आकस्मिक रजिस्टर (General Administrative Contingent Register)
(B) स्थायी और उपभोज्य स्टॉक रजिस्टर (Permanent and Consumable Stock Register)
(C) कैश बुक और फीस संग्रह रजिस्टर (Cash Book and Fee Collection Register)
(D) आधिकारिक कर्मचारी सेवा पुस्तिका रजिस्टर (Official Employee Service Book Register)

79. DSER, 1973 के तहत विद्यालय के खातों और सहायता अनुदान (Grant-in-Aid) के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष (Financial Year) किस तारीख को शुरू होता है?
(A) 1 जनवरी
(B) 1 अप्रैल
(C) 1 जुलाई
(D) 1 सितंबर

80. प्रत्येक मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय को अपने खातों का प्रतिवर्ष अंकेक्षण (Audit) कराना होगा। यह अनिवार्य अंकेक्षण कौन करता है?
(A) अभिभावक-शिक्षक संघ द्वारा खुले प्रस्ताव के माध्यम से चुने गए स्वतंत्र प्रमाणित चार्टर्ड एकाउंटेंट (Chartered Accountant)
(B) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय से सीधे प्रतिनियुक्त वरिष्ठ संवैधानिक लेखा परीक्षा अधिकारी
(C) DoE या स्थानीय निधि लेखा परीक्षक (Local Fund Accounts Examiner) द्वारा नामित लेखा परीक्षक
(D) संस्थागत बहियों का ऑडिट करने के लिए प्राचार्य द्वारा स्वतंत्र रूप से नियुक्त एक योग्य आंतरिक लेखा परीक्षक

81. एक निजी गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षा निदेशालय से पूर्व अनुमति लिए बिना अपने वार्षिक प्रभारों में काफी वृद्धि करता है, यह दावा करते हुए कि भूमि निजी तौर पर खरीदी गई थी, न कि किसी सरकारी भूमि एजेंसी से। DSEA, 1973 के तहत, क्या यह कार्रवाई कानूनी रूप से अनुमेय है?
(A) नहीं, क्योंकि वैधानिक प्रावधान यह अनिवार्य करते हैं कि किसी भी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय द्वारा प्रस्तावित प्रत्येक शुल्क वृद्धि के लिए भूमि आवंटन की शर्तों की परवाह किए बिना शिक्षा निदेशालय से पूर्व स्वीकृति आवश्यक है
(B) हाँ, धारा 17(3) के तहत दाखिल करना पर्याप्त है जब तक कि अदालत के आदेश अन्यथा निर्देश न दें
(C) हाँ, शुल्क वृद्धि कानूनी रूप से वैध है बशर्ते अभिभावक-शिक्षक संघ की सामान्य सभा प्रस्तावित वार्षिक वित्तीय संशोधन को सर्वसम्मति से मंजूरी दे
(D) नहीं, क्योंकि दिल्ली क्षेत्र के भीतर संचालित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की सभी श्रेणियों में किसी भी शुल्क नामकरण के तहत वार्षिक शुल्क पूरी तरह से प्रतिबंधित है

82. DSER, 1973 के नियम 149 के तहत निम्नलिखित में से कौन मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय का "विद्यालय कोष" (School Fund) बनाता है?
(A) प्रशासक के कार्यालय से सीधे प्राप्त वार्षिक वैधानिक सहायता अनुदान वितरण
(B) विशेष रूप से वित्तीय योगदान, स्वैच्छिक दान और अभिभावक-शिक्षक संघ से एकत्र किए गए विकास कोष
(C) सभी शैक्षणिक स्तरों पर नामांकित छात्रों से सीधे एकत्र की जाने वाली नियमित मासिक शिक्षण फीस
(D) व्यक्तिगत निधियों को छोड़कर सहायता अनुदान, शुल्क आय और अन्य संग्रह

83. DSEA, 1973 की धारा 18 यह अनिवार्य करती है कि विद्यालय कोष (School Fund) रखा जाएगा:
(A) निदेशक द्वारा अनुमोदित किसी भी राष्ट्रीयकृत, अनुसूचित या सहकारी बैंक में
(B) वाणिज्यिक फिक्स्ड डिपॉजिट पर उच्च ब्याज दरों की पेशकश करने वाली किसी भी गैर-बैंकिंग निजी वित्त कंपनी में
(C) विद्यालय के प्रबंधक द्वारा स्वतंत्र रूप से बनाए गए व्यक्तिगत बचत या चालू बैंक खाते में
(D) विद्यालय प्रशासन कार्यालय के भीतर रखी गई तिजोरी या सेफ के अंदर सुरक्षित रखी गई नकदी में

84. "मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय कोष" (Recognized Unaided School Fund) में मुख्य रूप से निम्नलिखित में से क्या शामिल है?

Click Here to Buy book on Amazon

(A) संस्था को वितरित नियमित वार्षिक सरकारी रखरखाव अनुदान
(B) तत्काल विद्यालय क्षेत्र में गति उल्लंघनों से यातायात अधिकारियों द्वारा एकत्र किया गया जुर्माना
(C) शुल्क, प्रभार या बंदोबस्ती (Endowments) के माध्यम से विद्यालय को प्राप्त होने वाली आय
(D) स्थानीय विधायक द्वारा प्रतिवर्ष आवंटित विशेष निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि

85. DSER, 1973 के नियम 177 के अनुसार, मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय कोष (Recognized Unaided School Fund) से होने वाली बचत का उपयोग सख्ती से किस उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए?
(A) विद्यालय का शैक्षिक विस्तार और शिक्षा को बढ़ावा देना
(B) संस्थापक सोसाइटी या ट्रस्ट द्वारा संचालित असंबंधित व्यावसायिक उद्यमों का व्यावसायिक विस्तार
(C) व्यक्तिगत ट्रस्ट सदस्यों को वार्षिक वित्तीय लाभांश, लाभ या प्रदर्शन बोनस वितरित करना
(D) पंजीकृत राजनीतिक दलों को प्रत्यक्ष वित्तीय योगदान या राजनीतिक दान देना

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : किसी सहायता प्राप्त विद्यालय का प्राचार्य बिना किसी वित्तीय सीमा के विद्यालय कोष से व्यय करने का एकमात्र प्राधिकारी है।
कारण (R) : DSER, 1973 का नियम 180 विद्यालय प्रमुख को आहरण एवं संवितरण अधिकारी (Drawing and Disbursing Officer - DDO) के रूप में नामित करता है, जो पूर्ण वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

87. DSER, 1973 के तहत, किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय का कोई भी कर्मचारी जो निलंबन (Suspension) के आदेश से व्यथित है, निदेशक से अपील कर सकता है। आदेश के संचार की तारीख से किस समय सीमा के भीतर यह अपील दायर की जानी चाहिए?
(A) 15 दिन
(B) 30 दिन
(C) 45 दिन
(D) 60 दिन

88. स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC) जारी करने के संबंध में DSER, 1973 का नियम 134 क्या निर्धारित करता है?
(A) यदि छात्र वार्षिक अंतिम परीक्षा में असफल हो जाता है तो विद्यालय प्रबंधन प्रमाण पत्र देने से मना करने का पूर्ण अधिकार रखता है
(B) यदि छात्र पर कोई लघु अनुशासनात्मक दंड लगाया गया था तो प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र को स्थायी रूप से रोका जा सकता है
(C) यदि बकाया राशि का भुगतान कर दिया गया है तो आवेदन करने पर यह निःशुल्क जारी किया जाना चाहिए
(D) सभी मामलों में प्रमाण पत्र पर क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर और औपचारिक मुहर अनिवार्य रूप से आवश्यक है

89. DSER, 1973 में प्रवेश नियमों के अनुसार, प्राथमिक चरण में प्रवेश के लिए जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में मौलिक रूप से किस दस्तावेज की आवश्यकता होती है?
(A) एक नोटरी पब्लिक के समक्ष निष्पादित और स्थानीय विधायक द्वारा सत्यापित एक कानूनी शपथ पत्र
(B) किसी सरकारी अस्पताल में कार्यरत पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा जारी औपचारिक आयु सत्यापन प्रमाण पत्र
(C) एक ज्योतिषी द्वारा तैयार और प्रमाणित एक पारंपरिक जन्म कुंडली
(D) किसी नगर निगम प्राधिकरण या वैधानिक निकाय द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र

90. यदि कोई बच्चा पिछले विद्यालय से वैध स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC) के बिना किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में प्रवेश चाहता है, तो नियम 141 के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में विद्यालय प्रमुख से क्या करने की अपेक्षा की जाती है?
(A) प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का समय देते हुए अनंतिम प्रवेश (Provisional Admission) प्रदान करना
(B) किसी भी प्रशासनिक परिस्थिति के तहत कोई अपवाद न बनाते हुए पूर्ण अंतिम रूप से प्रवेश से सीधे मना करना
(C) बच्चे को उसकी आयु-उपयुक्त कक्षा से नीचे की कक्षा में प्रवेश देना
(D) विशेष प्राधिकरण के लिए दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal) के समक्ष अपील दायर करने के लिए माता-पिता को तुरंत निर्देशित करना

91. किसी कर्मचारी के खिलाफ जांच के लिए सहायता प्राप्त विद्यालय में गठित अनुशासनात्मक समिति (Disciplinary Committee) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसमें विद्यालय का प्रबंधक शामिल होना चाहिए।
II. इसमें शिक्षा निदेशक का एक नामांकित व्यक्ति शामिल होना चाहिए।
III. इसमें विद्यालय प्रमुख शामिल होना चाहिए (जब तक कि जांच प्रमुख के खिलाफ न हो)।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और III

NODIA

(C) केवल I और II
(D) I, II, और III

92. DSER, 1973 का नियम 44 उन शर्तों का उल्लेख करता है जिनके तहत किसी विद्यालय को अवनत (Downgraded) किया जा सकता है (उदा. सीनियर सेकेंडरी से सेकेंडरी)। अवनत करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा एक वैध आधार है?
(A) विद्यालय प्रबंधन ने एकतरफा छात्र वर्दी की निर्धारित रंग योजना को बदलने का निर्णय लिया
(B) आवश्यक छात्र संख्या या शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने में विफलता
(C) विद्यालय के सेवारत प्राचार्य छह महीने से अधिक की विस्तारित चिकित्सा छुट्टी पर चले गए
(D) विद्यालय के शासी निकाय ने अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक बोर्ड से संबद्ध होने के निमंत्रण को औपचारिक रूप से अस्वीकार कर दिया

93. DSEA, 1973 की धारा 7 मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संपत्ति (School Property) से संबंधित है। यह बताती है कि कोई भी प्रबंधक किसकी पूर्व अनुमति के बिना विद्यालय की संपत्ति को स्थानांतरित, गिरवी या पट्टे पर नहीं दे सकता है:
(A) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(B) जिला मजिस्ट्रेट (District Magistrate)
(C) नगर आयुक्त (Municipal Commissioner)
(D) उप-पंजीयक (Sub-Registrar)

94. एक मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधन नए साइंस ब्लॉक के निर्माण के लिए धन जुटाने हेतु विद्यालय के खेल के मैदान के एक हिस्से को बेचने का निर्णय लेता है। वे निदेशालय को सूचित किए बिना बिक्री निष्पादित करते हैं। DSEA, 1973 की धारा 7 के तहत इस लेनदेन की कानूनी स्थिति क्या है?
(A) लेन-देन पूरी तरह से वैध और कानूनी रूप से लागू करने योग्य है बशर्ते प्राप्त बिक्री आय का उपयोग केवल संस्थागत विस्तार के लिए किया जाए
(B) लेन-देन वैध है लेकिन प्रबंध समिति को DoE को दस प्रतिशत प्रशासनिक जुर्माना शुल्क देने के लिए बाध्य करता है
(C) निदेशक से पूर्व स्वीकृति न मिलने के कारण शून्य और अवैध (Void and Illegal)
(D) लेन-देन केवल तभी अमान्य रहता है जब अभिभावक-शिक्षक संघ (Parent-Teacher Association) की सामान्य सभा 30 दिनों के भीतर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराती है

95. DSER, 1973 के नियम 148 के अनुसार, मान्यता प्राप्त विद्यालय में निम्नलिखित में से किस शुल्क को स्पष्ट रूप से "निर्दिष्ट लेवी" (Earmarked Levy) के रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) नियमित मासिक शिक्षण शुल्क (Tuition Fee)
(B) एकमुश्त प्रारंभिक प्रवेश शुल्क (Admission Fee)
(C) गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क (Registration Fee)
(D) परिवहन/बस शुल्क (Transport/Bus Fee)

96. किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में "निर्दिष्ट लेवी" (Earmarked Levy) (जैसे पुस्तकालय शुल्क या खेल शुल्क) के उपयोग को नियंत्रित करने वाला मौलिक नियम क्या है?
(A) एकत्र की गई लेवी को मासिक कर्मचारियों के वेतन के भुगतान के लिए सामान्य शिक्षण शुल्क कोष खाते में विलय किया जा सकता है
(B) धन को शासी प्रबंधन सोसाइटी या ट्रस्ट द्वारा बनाए गए केंद्रीय पूंजी खाते में सीधे स्थानांतरित किया जा सकता है
(C) इसका उपयोग केवल उसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए करना जिसके लिए इसे एकत्र किया गया है
(D) एकत्र किए गए धन को खर्च करना विद्यालय प्रबंधन के लिए पूरी तरह से वैकल्पिक है, जिससे पूंजी को अनिश्चित काल के लिए जमा किया जा सकता है

97. DSER, 1973 का नियम 50 निजी विद्यालय की मान्यता की शर्तों को निर्दिष्ट करता है। शिक्षा के माध्यम (Medium of Instruction) के संबंध में कौन सी शर्त अनिवार्य है?
(A) सभी विषयों के लिए यह सख्ती से अंग्रेजी होना चाहिए
(B) इसे प्रशासक/बोर्ड द्वारा निर्धारित नीति के अनुरूप होना चाहिए
(C) यह विद्यालय के संस्थापक की मातृभाषा होनी चाहिए
(D) यह नियामक निगरानी के बिना पूरी तरह से माता-पिता की पसंद पर छोड़ दिया गया है

98. नियम 49 के तहत नए निजी विद्यालय की मान्यता के लिए आवेदन विशिष्ट दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उस शैक्षणिक सत्र से कितने समय पहले इस आवेदन को जमा करने की समय सीमा क्या है जिसमें विद्यालय शुरू करने का इरादा रखता है?
(A) 1 महीने पहले
(B) 3 महीने पहले
(C) 6 महीने पहले
(D) कम से कम 1 वर्ष पहले

99. दिल्ली में गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों की शुल्क संरचनाओं की जांच के लिए गठित किस समिति की सिफारिशों पर "शुल्क विसंगति समिति" (Fee Anomalies Committee) की स्थापना की गई थी?
(A) दुग्गल समिति (Duggal Committee)
(B) कोठारी आयोग (Kothari Commission)
(C) यशपाल समिति (Yashpal Committee)
(D) रंगनाथ मिश्रा आयोग (Ranganath Mishra Commission)

Downloaded from www.pdf.tube

100. व्यावसायीकरण को रोकने के निर्देशों के बाद गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा DSEA और नियम, 1973 के तहत निम्नलिखित में से किस मद को अलग शुल्क शीर्ष (Fee Head) के रूप में नहीं लिया जा सकता है?
(A) शिक्षण शुल्क (Tuition Fee)
(B) विकास शुल्क (सीमाओं के अधीन) (Development Fee)
(C) कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fee)
(D) गतिविधि शुल्क (Activity Fee)

101. दिल्ली में मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों द्वारा लिए जाने वाले विकास शुल्क (Development Fee) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे पूंजीगत प्राप्ति (Capital Receipt) के रूप में माना जाता है।
II. इसे एक अलग खाते में रखा जाना चाहिए।
III. यह कुल वार्षिक शिक्षण शुल्क के 15% से अधिक नहीं हो सकता।
IV. इसका उपयोग शिक्षकों के वेतन के बकाए का भुगतान करने के लिए किया जा सकता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I, III, और IV

102. DSEA, 1973 की धारा 9 के अनुसार, मान्यता प्राप्त विद्यालय का प्रत्येक कर्मचारी आचार संहिता (Code of Conduct) द्वारा शासित होगा। इस आचार संहिता को कौन निर्धारित करता है?
(A) न्यायिक मिसालों के माध्यम से भारत का सर्वोच्च न्यायालय
(B) केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
(C) व्यक्तिगत निजी विद्यालय शासी प्रबंधन ट्रस्ट
(D) नियमों के माध्यम से प्रशासक (उपराज्यपाल)

103. नियम 123 दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal) में अपील करने की प्रक्रिया का विवरण देता है। अपील जिस आदेश के खिलाफ की गई है, उसकी तारीख से किस अवधि के भीतर की जानी चाहिए?
(A) 15 दिन
(B) 30 दिन
(C) 90 दिन
(D) 120 दिन

104. शक्तियों के प्रत्यायोजन (Delegation of Powers) के संबंध में DSEA, 1973 की धारा 21 क्या कहती है?
(A) प्रशासक को कानून के तहत अधीनस्थ प्रशासनिक अधिकारियों को किसी भी वैधानिक शक्ति को प्रत्यायोजित करने से सख्त मना किया गया है
(B) शिक्षा निदेशक को वैधानिक रूप से सभी प्रशासनिक शक्तियों को सीधे क्षेत्रीय अधिकारियों को प्रत्यायोजित करने का जनादेश प्राप्त है
(C) प्रशासक अधीनस्थ अधिकारियों को शक्तियां प्रत्यायोजित कर सकता है
(D) प्रबंध समिति अपनी संपूर्ण अनुशासनात्मक शक्तियों को पूरी तरह से विद्यालय प्रमुख को प्रत्यायोजित करने का पूर्ण अधिकार रखती है

105. DSER, 1973 के नियम 34 के तहत, बिना छुट्टी के लगातार कितने दिनों तक अनुपस्थित रहने पर छात्र का नाम रोल से हटाया जा सकता है?
(A) 3 दिन
(B) 6 दिन
(C) 15 दिन
(D) 30 दिन

106. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्राचार्य को घोर कदाचार के लिए किसी अन्य विद्यालय से निष्कासित छात्र को प्रवेश देने से मना करने का पूर्ण अधिकार है।
कारण (R) : DSER, 1973 का नियम 138 बताता है कि किसी विद्यालय से निष्कासित छात्र को निदेशक के पूर्व अनुमोदन (Prior Approval) के बिना किसी अन्य विद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

107. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की कौन सी धारा प्रशासक को अधिनियम के प्रावधानों को पूरा करने के लिए नियम बनाने (Rule-making Power) का अधिकार देती है?
(A) धारा 15
(B) धारा 21
(C) धारा 24
(D) धारा 28

NODIA

108. एक मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधन वित्तीय दिवालियापन का हवाला देते हुए शैक्षणिक वर्ष के मध्य में विद्यालय को अचानक बंद करने का प्रयास करता है। DSEA, 1973 की धारा 6 के अनुसार, क्या वे ऐसा कर सकते हैं?
(A) हाँ, विद्यालय प्रबंधन के पास किसी भी समय किसी भी वित्तीय रूप से अलाभकारी उद्यम को बंद करने का पूर्ण संवैधानिक अधिकार है
(B) निदेशक के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी भी विद्यालय को बंद करने की अनुमति नहीं है
(C) हाँ, बशर्ते विद्यालय प्रबंधन बंद होने से पहले सभी सेवारत शिक्षकों को सीधे एक महीने का विच्छेद वेतन

और वेतन जारी करे
(D) नहीं, जब तक कि क्षेत्राधिकार वाला उच्च न्यायालय तत्काल विघटन का आदेश देने वाली विशिष्ट न्यायिक डिक्री जारी न करे

109. सहायता प्राप्त विद्यालय में कार्यरत एक स्थायी शिक्षक विधायक (MLA) के रूप में चुना जाता है। DSER, 1973 और संबंधित सेवा नियमों (Service Rules) के तहत, उसके रोजगार पर क्या परिणाम होगा?
(A) लाभ के दोहरे पदों से बचने के लिए त्यागपत्र देना या असाधारण अवकाश (Extraordinary Leave) लेना
(B) वह अपने नियमित शिक्षण कर्तव्यों को जारी रखने और एक साथ दोनों सार्वजनिक पदों से पूरा पारिश्रमिक प्राप्त करने का कानूनी रूप से हकदार है
(C) वह विद्यालय प्रमुख (Head of School) के स्थायी कार्यकारी पद पर तत्काल प्रशासनिक पदोन्नति प्राप्त करने का स्वतः ही हकदार है
(D) वह निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा सीधे वितरित विशेष मासिक भत्ता और वित्तीय वजीफा प्राप्त करने के लिए पात्र हो जाता है

110. DSER, 1973 के नियम 111 के तहत छुट्टी अधिकार नहीं है। विद्यालय प्रमुख (Head of School) को आकस्मिक अवकाश (Casual Leave) देने के लिए स्वीकृति प्राधिकारी (Sanctioning Authority) कौन है?
(A) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(B) क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (Zonal Education Officer)
(C) विद्यालय का प्रबंधक (Manager of the School)
(D) PTA अध्यक्ष (PTA Chairman)

111. DSER, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालयों में महिला कर्मचारियों के लिए मातृत्व अवकाश (Maternity Leave) के नियमों के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. मातृत्व अवकाश पूर्ण वेतन पर दिया जाता है।
II. मातृत्व अवकाश की अवधि दिल्ली सरकार की महिला कर्मचारियों पर लागू नियमों के अनुरुप है।
III. इसे किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी के साथ जोड़ा जा सकता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

112. DSER, 1973 के नियम 113 के अनुसार, मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के प्रत्येक कर्मचारी की चिकित्सीय जांच की जानी चाहिए। यह फिटनेस मेडिकल प्रमाण पत्र (Medical Fitness Certificate) कब जमा करना आवश्यक है?
(A) औपचारिक सेवा पुष्टि प्राप्त करने से पहले
(B) निरंतर सेवा के प्रत्येक पांच वर्ष में नियमित अंतराल पर
(C) प्रथम नियुक्ति के समय
(D) अधिवर्षिता सेवानिवृत्ति से ठीक पहले अनिवार्य प्रस्तुतीकरण

113. यदि किसी सहायता प्राप्त विद्यालय के कर्मचारी को लगता है कि उसकी गोपनीय रिपोर्ट (Annual Confidential Report - ACR) में प्रतिकूल टिप्पणियां (Adverse Remarks) शामिल हैं, तो नियमों के तहत उनके पास क्या अधिकार है?
(A) रिपोर्टिंग विद्यालय प्रमुख को तत्काल हटाने या स्थानांतरित करने की मांग करते हुए एक औपचारिक प्रशासनिक याचिका जमा करना
(B) प्रतिकूल टिप्पणियों का संचार और अभ्यावेदन (Representation) करने का अधिकार
(C) सामूहिक हड़ताल कार्रवाई में भाग लेना और दर्ज की गई प्रतिकूल टिप्पणियों को आधिकारिक रूप से हटाए जाने तक कार्य बंद रखना
(D) अपनी व्यक्तिगत सेवा पुस्तिका (Service Book) के भीतर दर्ज प्रतिकूल टिप्पणियों को एकतरफा हटाने, संशोधित करने या बदलने के लिए

114. DSER, 1973 के नियम 105 के अनुसार, सहायता प्राप्त विद्यालय में उच्च पद पर पदोन्नत कर्मचारी के लिए मानक परिक्षावधि (Probation Period) क्या है?
(A) पदोन्नति के लिए किसी परिक्षावधि की आवश्यकता नहीं है
(B) छह महीने
(C) एक वर्ष
(D) दो वर्ष

115. DSEA, 1973 की धारा 8(4) कर्मचारियों के निलंबन (Suspension) से संबंधित है। यदि निदेशक 15 दिनों के भीतर निलंबन की स्वीकृति या अस्वीकृति की सूचना नहीं देता है, तो निलंबन का क्या होता है?
(A) 15 दिन की समाप्ति पर निलंबन स्वतः समाप्त (Automatic Cessation) हो जाता है
(B) निलंबन आदेश आगे वैधानिक सत्यापन की आवश्यकता के बिना स्वचालित रूप से स्थायी रूप से वैध बन जाता है
(C) निलंबन फाइल स्वचालित रूप से स्वतंत्र न्यायिक समीक्षा के लिए दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal) को भेज दी जाती है
(D) औपचारिक समीक्षा लंबित रहने तक प्रारंभिक निलंबन अवधि स्वचालित रूप से पंद्रह दिनों की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ा दी जाती है

116. मान्यता प्राप्त विद्यालय की सभी संपत्तियों, फर्नीचर और प्रयोगशाला उपकरणों का रिकॉर्ड रखने के लिए नियम 181 के तहत निम्नलिखित में से कौन सा रजिस्टर बनाए रखा जाता है?
(A) एक्विटेंस रोल (Acquittance Roll)
(B) कैश बुक (Cash Book)
(C) स्टॉक रजिस्टर (Stock Register)

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) लॉग बुक (Log Book)

117. DSER, 1973 के तहत प्रबंधन की विशिष्ट योजना के अनुसार मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य-सचिव (Member-Secretary) के रूप में कौन कार्य करता है?
(A) विद्यालय प्रमुख (प्राचार्य) (Head of School - Principal)
(B) विद्यालय का नामित प्रबंधक (Manager)
(C) शिक्षा निदेशालय का आधिकारिक नामांकित व्यक्ति
(D) विद्यालय का एक नामित वरिष्ठ शिक्षक

118. DSEA, 1973 के संदर्भ में, "अल्पसंख्यक विद्यालय" (Minority School) शब्द विशेष रूप से किसे संदर्भित करता है?
(A) कोई भी शैक्षणिक संस्थान जो पांच सौ से कम छात्रों के नामांकन सीमा को बनाए रखता है
(B) दिल्ली में आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सेवाएं प्रदान करने वाले स्थानीय नगर निकाय द्वारा सीधे संचालित विद्यालय
(C) विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित एक विशेष शैक्षणिक संस्थान
(D) अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक द्वारा स्थापित और प्रशासित विद्यालय

119. प्रबंधन को अपने हाथ में लेने से संबंधित नियमों (धारा 20) के तहत, वह अधिकतम संचयी अवधि क्या है जिसके लिए प्रशासक अधिग्रहीत विद्यालय के प्रबंधन पर नियंत्रण बनाए रख सकता है?
(A) तीन वर्ष
(B) पांच वर्ष
(C) दस वर्ष
(D) अनिश्चित काल के लिए

120. एक सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय को अपने ट्रस्ट सदस्यों के बीच गंभीर आंतरिक कलह का सामना करना पड़ता है, जिससे छह महीने तक शिक्षकों के वेतन का भुगतान नहीं होता है और शैक्षणिक प्रशासन पूरी तरह से ठप हो जाता है। DSEA, 1973 की किस विशिष्ट धारा के तहत प्रशासक हस्तक्षेप कर सकता है और इस विद्यालय के प्रबंधन को अपने हाथ में लेने (Takeover of Management) का आदेश दे सकता है?
(A) धारा 4
(B) धारा 10
(C) धारा 20
(D) धारा 27

121. DSEA, 1973 के अनुसार, क्या परिणाम होगा यदि कोई गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अपने कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों के बराबर वेतन देने में विफल रहता है?
(A) शिक्षा निदेशालय सीधे राज्य के खजाने के धन से वेतन अंतर को वितरित करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है
(B) विद्यालय प्रबंधन समिति के व्यक्तिगत सदस्यों को तत्काल गिरफ्तारी और आजीवन कारावास की सजा भुगतनी होगी
(C) विद्यालय को DoE के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण के तहत पूरी तरह से सहायता प्राप्त सार्वजनिक संस्थान में स्वचालित रूप से परिवर्तित कर दिया जाता है
(D) धारा 10 का उल्लंघन करने पर धारा 4 के तहत मान्यता वापस लेना

NODIA

122. DSER, 1973 के तहत कौन सा नियम यह अनिवार्य करता है कि कोई भी शिक्षक किसी भी छात्र को किसी विशिष्ट दुकान से पुस्तकें, स्टेशनरी या वर्दी खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा?
(A) उपस्थिति नियमों को नियंत्रित करने वाला नियम 34
(B) मान्यता की शर्तों (Conditions of Recognition) को नियंत्रित करने वाला नियम 50
(C) नियम 112 (आचार संहिता) (Code of Conduct)
(D) लेखांकन प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने वाला नियम 145

123. किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्रबंधन की योजना (Scheme of Management) को यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यालय के धन का उपयोग निम्नलिखित में से किसके लिए न किया जाए:
(A) आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को मेधा-सह-साधन (Merit-cum-Means) वित्तीय छात्रवृत्तियां और शुल्क छूट प्रदान करना
(B) मूल सोसाइटी/ट्रस्ट के लिए कॉर्पस फंड बनाना
(C) भौतिक बुनियादी ढांचे का विस्तार करना, नई पुस्तकें खरीदना और संस्थागत विद्यालय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण करना
(D) विद्यालय भवन के बिजली और पानी के बिलों सहित मासिक आवर्ती उपयोगिता प्रभारों का भुगतान करना

124. DSER, 1973 के नियम 46 के तहत, किसी विद्यालय को माध्यमिक से उच्च माध्यमिक में अपग्रेड (Upgrade) करने के लिए, उसे किसके बारे में निदेशक को संतुष्ट करना होगा:
(A) परिसर में एक चालू ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल सुविधा का निर्माण और रखरखाव
(B) पर्याप्त आवास, प्रयोगशाला सुविधाओं और योग्य कर्मचारियों का प्रावधान
(C) DoE के आधिकारिक बैंक खाते में दस लाख रुपये की गैर-वापसी योग्य वैधानिक प्रसंस्करण फीस जमा करना
(D) बोर्ड परीक्षाओं में सौ प्रतिशत उत्तीर्ण परिणाम का वादा करने वाली कानूनी रूप से बाध्यकारी गारंटी जमा करना

125. दिल्ली के मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा I से VIII तक के लिए पाठ्यक्रम और अध्ययन के विषयों को निर्दिष्ट करने के लिए सक्षम प्राधिकारी (Competent Authority) कौन है?
(A) SCERT के परामर्श से शिक्षा निदेशक (Director of

Education)
(B) एकमात्र प्राधिकारी के रूप में कार्य करने वाला केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(C) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद सीधे
(D) स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली व्यक्तिगत विद्यालय प्रबंधन समिति

126. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों को नर्सरी प्रवेश के दौरान बच्चों और अभिभावकों के स्वतंत्र स्क्रीनिंग इंटरव्यू आयोजित करने का अधिकार है।
कारण (R) : न्यायिक फैसले और शिक्षा निदेशालय के परिपत्र भेदभाव को रोकने और निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं (Screening Procedures) पर सख्ती से रोक लगाते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

127. कौन सा रजिस्टर किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में शुल्क संग्रह और वेतन वितरण सहित दैनिक नकद लेनदेन को दर्ज करता है?
(A) उपस्थिति रजिस्टर (Attendance Register)
(B) एक्विटेंस रोल (Acquittance Roll)
(C) आकस्मिक रजिस्टर (Contingent Register)
(D) कैश बुक (Cash Book)

128. DSER, 1973 के अनुसार, "एक्विटेंस रोल" (Acquittance Roll) का उपयोग किस लिए किया जाता है?
(A) नए नामांकित छात्रों के व्यापक व्यक्तिगत और शैक्षणिक प्रवेश विवरण दर्ज करने के लिए
(B) प्रबंध समिति की कार्यकारी बैठकों के दौरान आधिकारिक कार्यवाही को औपचारिक रूप से दस्तावेज और रिकॉर्ड करने के लिए
(C) वेतन और भत्तों की प्राप्ति के प्रमाण के रूप में कर्मचारियों के हस्ताक्षर प्राप्त करना
(D) छात्रों और कर्मचारियों को पुस्तकालय की पुस्तकों के दैनिक प्रसार और निर्गम को ट्रैक और प्रबंधित करने के लिए

129. DSER, 1973 का नियम 191 गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए चयन समिति (Selection Committee) के गठन से संबंधित है। एक प्राचार्य (Principal) के चयन के लिए समिति में शामिल होना चाहिए:
(A) क्षेत्र के सेवारत विधायक
(B) निदेशक द्वारा नामांकित दो शिक्षाविद (Educationists)
(C) एक कार्यरत या सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
(D) अभिभावक-शिक्षक संघ (Parent-Teacher Association) के निर्वाचित अध्यक्ष

130. DSER, 1973 के तहत मानदंडों द्वारा निर्धारित अनुसार, एक मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय को प्रत्येक महीने की किस तारीख तक अपने कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करना होगा?
(A) अगले महीने की 7 तारीख
(B) अगले महीने की 15 तारीख
(C) उसी महीने का अंतिम दिन
(D) प्रबंधन का विवेक

131. नियम 59 (प्रबंधन की योजना) के तहत विद्यालय प्रमुख (Head of School) की भूमिका के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. विद्यालय प्रमुख विद्यालय के दैनिक प्रशासन का प्रबंधन करता है।
II. विद्यालय प्रमुख के पास प्रबंधन की योजना को संशोधित करने की एकतरफा शक्ति है।
III. विद्यालय प्रमुख हस्तांतरित बजट सीमाओं के भीतर सभी वित्तीय लेनदेन संभालता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) केवल I

NODIA

132. शैक्षणिक कैलेंडर नियमों के तहत शिक्षा निदेशक द्वारा निर्धारित दिल्ली में मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश (Summer Vacation) की मानक अवधि क्या है?
(A) लगभग चार पूरे कैलेंडर सप्ताह
(B) लगभग 6 से 8 सप्ताह
(C) लगभग दस पूरे कैलेंडर सप्ताह
(D) लगभग बारह पूरे कैलेंडर सप्ताह

133. एक सहायता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधक एक शिक्षक को निलंबित कर देता है और जनादेशित 15 दिनों के भीतर अनुमोदन के लिए शिक्षा निदेशक को निलंबन आदेश अग्रेषित नहीं करता है। 20वें दिन, प्रबंधन शिक्षक को विद्यालय से बाहर रहने के लिए मजबूर करता है। 20वें दिन निलंबन की कानूनी स्थिति क्या है?
(A) अमान्य (Void); शिक्षक को पूर्ण अधिकारों और वेतन के साथ सेवा में माना जाता है
(B) निलंबन पूरी तरह से वैध रहता है क्योंकि विद्यालय प्रबंधन के पास अंतर्निहित वैधानिक अनुशासनात्मक शक्तियां होती हैं
(C) निलंबन तत्काल वित्तीय प्रभाव के साथ सेवा से बर्खास्तगी के औपचारिक आदेश में स्वचालित रूप से परिवर्तित हो जाता है
(D) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण द्वारा औपचारिक न्यायिक

समीक्षा लंबित रहने तक निलंबन आदेश स्थगित रहता है

134. कौन सी धारा या प्रावधान स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यक समूहों को अपनी पसंद के विद्यालयों की स्थापना और प्रशासन करने का अधिकार प्रदान करता है, जैसा कि DSEA, 1973 के संदर्भ में मान्यता प्राप्त है?
(A) प्रशासक की शक्तियों से संबंधित दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 3
(B) वेतन और भत्तों से संबंधित दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 10
(C) यह वैधानिक अपवादों के माध्यम से मान्यता प्राप्त अनुच्छेद 30 के तहत एक संवैधानिक अधिकार है
(D) प्रबंधन को अपने हाथ में लेने से संबंधित दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 20

135. जब धारा 20 के तहत प्रशासक द्वारा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया जाता है, तो विद्यालय के मौजूदा कर्मचारियों का क्या होता है?
(A) सभी सेवारत कर्मचारियों को एक मानक वैधानिक विच्छेद पैकेज के साथ सेवा से तुरंत समाप्त कर दिया जाता है
(B) मौजूदा नियमों और शर्तों पर पद पर बने रहना
(C) सभी स्थायी कर्मचारियों का स्वचालित रूप से विभिन्न मौजूदा सरकारी संस्थानों में स्थानांतरण और पुनर्निमाण कर दिया जाता है
(D) उनके मासिक वेतन और संचित भत्तों को उनके मूल वेतन के पचास प्रतिशत तक स्थायी रूप से घटा दिया जाता है

136. DSEA, 1973 के तहत, यदि कोई गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय कक्षा XI में एक नया व्यावसायिक विषय शुरू करना चाहता है, तो उसे मुख्य रूप से किससे अनुमोदन/संबद्धता प्राप्त करनी होगी:
(A) केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
(B) DSEA ढांचे के तहत स्थापित दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal)
(C) शिक्षा निदेशालय और सम्बद्धता बोर्ड (Directorate of Education and Affiliating Board)
(D) क्षेत्र को नियंत्रित करने वाला क्षेत्राधिकार संबंधी स्थानीय नगर निगम

137. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के किस अध्याय का शीर्षक "विद्यालय संपत्ति" (School Property) है?
(A) अध्याय II (मान्यता)
(B) अध्याय III
(C) अध्याय IV (सेवा शर्तें)
(D) अध्याय V (विद्यालय कोष)

138. नियम 43 (निर्देश देने की शक्ति) के तहत, निदेशक निम्नलिखित में से किसके संबंध में निर्देश जारी कर सकता है?
(A) पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम (Curriculum and Syllabus)
(B) कक्षाओं में उपयोग की जाने वाली पुस्तकें
(C) शिक्षा के स्तर को बनाए रखा जाना
(D) उपरोक्त सभी

139. मानक शिक्षा निदेशालय के दिशानिर्देशों के तहत किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक संघ (Parent-Teacher Association - PTA) का अध्यक्ष कौन होता है?
(A) उच्चतम योगदान देने वाले माता-पिता
(B) विद्यालय प्रमुख (प्राचार्य) (Head of School - Principal)
(C) विद्यालय का प्रबंधक (Manager of the School)
(D) माता-पिता में से एक निर्वाचित प्रतिनिधि

140. विद्यालय के कर्मचारी द्वारा निम्नलिखित में से किस कार्य को DSER, 1973 के नियम 115 के तहत मुख्य शास्ति (Major Penalty) के लिए उत्तरदायी बड़ा कदाचार (Major Misconduct) माना जाता है?
(A) एक दिन का अननुमोदित आकस्मिक अवकाश (Casual Leave) लेना
(B) विद्यालय के धन का गबन (Embezzlement of School Funds)
(C) एक बार विद्यालय 10 मिनट देर से पहुंचना
(D) शैक्षणिक शिक्षणशास्त्र पर प्रबंधक से असहमत होना

141. दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह एक एकल सदस्यीय अधिकरण है।
II. इसके आदेशों को सीधे जिला न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है।
III. यह विद्यालय के कर्मचारियों की बर्खास्तगी, हटाने या पद में अवनति (Reduction in Rank) के खिलाफ अपीलों की सुनवाई करता है।
IV. यह DSEA, 1973 की धारा 11 के तहत स्थापित है।
उपरोक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, III, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I, II, और IV

142. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (Right to Education Act, 2009 - RTE) ने दिल्ली में गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश के संबंध में किस विशिष्ट प्रावधान के कार्यान्वयन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया?
(A) सभी निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में मुफ्त गरम पका हुआ दोपहर का भोजन अनिवार्य रूप से प्रदान करना
(B) पूरे भारत में सभी विद्यालय शिक्षकों के लिए समान राष्ट्रीय वेतनमान और सेवा शर्तों को लागू करना
(C) प्रवेश स्तर पर EWS/DG श्रेणी के छात्रों के लिए अनिवार्य 25% आरक्षण

Downloaded from www.pdf.tube

(D) निजी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समितियों का पूर्ण संरचनात्मक उन्मूलन और विघटन

143. DSER, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालयों में छात्रों से जुर्माना वसूलने के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?
(A) व्यक्तिगत कक्षा शिक्षकों के पास अधूरे गृहकार्य असाइनमेंट के लिए छात्रों पर मनमाना नकद जुर्माना लगाने का पूर्ण अधिकार है
(B) छात्रों से एकत्र किए गए सभी वित्तीय जुर्माने सीधे प्राचार्य के अन-ऑडिट किए गए विवेकाधीन कल्याण कोष में जमा किए जाते हैं
(C) नामांकित छात्रों पर मौद्रिक जुर्माना लगाना सभी संभावित परिस्थितियों में सख्त और बिना शर्त प्रतिबंधित है
(D) जुर्माना शुल्क में देरी या संपत्ति के नुकसान जैसे विशिष्ट कारणों तक सीमित है

144. DSER, 1973 के नियम 114 के तहत, मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के कर्मचारी को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होना होगा। हालाँकि, यदि जन्म तिथि महीने की 1 तारीख को पड़ती है, तो कर्मचारी कब सेवानिवृत्त होता है?
(A) उस विशिष्ट कैलेंडर महीने का अंतिम दिन
(B) पूर्ववर्ती महीने का अंतिम दिन
(C) जन्म की सटीक वर्षगांठ कैलेंडर तिथि
(D) शैक्षणिक सत्र की आधिकारिक समापन तिथि

145. नियम 145 (खातों का रखरखाव) के अनुसार विद्यालयों को अभिलेखों को अद्यतन रखना आवश्यक है। किसी सहायता प्राप्त विद्यालय में कैश बुक और वाउचर जैसे वित्तीय अभिलेखों (Financial Records) को नष्ट करने से पहले उनकी अनिवार्य अवधारण अवधि (Retention Period) क्या है?
(A) विनाश से पहले एक पूर्ण वित्तीय वर्ष की अनिवार्य न्यूनतम अवधारण अवधि
(B) विनाश से पहले तीन पूर्ण वित्तीय वर्षों की अनिवार्य न्यूनतम अवधारण अवधि
(C) विनाश से पहले पांच पूर्ण वित्तीय वर्षों की अनिवार्य न्यूनतम अवधारण अवधि
(D) 10 वर्षों के लिए या वित्तीय नियमों/DoE दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित अनुसार बनाए रखा गया

146. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : शिक्षा निदेशालय एक गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालय को किसी विशिष्ट धार्मिक समुदाय से शिक्षकों को नियुक्त करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है।
कारण (R) : अनुच्छेद 30(1) अल्पसंख्यकों को अपने विद्यालयों का प्रशासन करने की स्वायत्तता देता है, जिसमें शिक्षकों को चुनने का अधिकार शामिल है, बशर्ते वे निर्धारित न्यूनतम योग्यताओं को पूरा करते हों।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

147. एक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय अपना नाम बदलना चाहता है। DSER, 1973 के तहत क्या प्रक्रिया है?
(A) शिक्षा निदेशक का पूर्व अनुमोदन अनिवार्य है
(B) प्रबंधक विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर नए नाम की घोषणा कर सकता है
(C) पड़ोस में एक सार्वजनिक जनमत संग्रह की आवश्यकता है
(D) इसे केवल विद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट करने की आवश्यकता है

148. एक सहायता प्राप्त विद्यालय की छत गंभीर लापरवाही के कारण गिर जाती है, जिससे छात्र घायल हो जाते हैं। DoE मान्यता वापस लेने के लिए तत्काल कारण बताओ नोटिस (Show Cause Notice) जारी करता है। प्रबंधन का तर्क है कि उन्हें उत्तर देने के लिए 6 महीने का समय नहीं दिया गया था। DSEA, 1973 की धारा 4 कारण बताने के लिए दिए गए समय के बारे में क्या बताती है?
(A) अनिवार्य रूप से ठीक छह महीने की एक निश्चित वैधानिक समय सीमा प्रदान करना
(B) अनिवार्य रूप से ठीक एक कैलेंडर वर्ष की एक निश्चित वैधानिक समय सीमा प्रदान करना
(C) कारण बताने का एक "उचित अवसर" (Reasonable Opportunity)
(D) शून्य अवसर कानूनी रूप से आवश्यक है क्योंकि आपात स्थिति के दौरान मान्यता (Recognition) वापस लेना तात्कालिक होता है

149. दिल्ली में किसी विशिष्ट क्षेत्र में एक नया मान्यता प्राप्त विद्यालय स्थापित करने से पहले "अनिवार्यता प्रमाण पत्र" (Essentiality Certificate - EC) कौन जारी करता है?
(A) शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education)
(B) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)
(C) केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय (Ministry of Education), भारत सरकार
(D) क्षेत्र के सेवारत विधायक (MLA)

NODIA

150. दिल्ली स्कूल शिक्षा के संदर्भ में "अनिवार्यता प्रमाण पत्र" (Essentiality Certificate - EC) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) विद्यालय भवन की संरचनात्मक सुरक्षा को प्रमाणित करने वाले व्यापक इंजीनियरिंग ऑडिट का संचालन करना
(B) यह सत्यापित और प्रमाणित करना कि सभी भर्ती किए गए शिक्षण कर्मचारियों के पास आवश्यक वैधानिक योग्यताएं हैं
(C) यह अनिवार्य करना और सत्यापित करना कि विद्यालय लगातार आवश्यक चिकित्सा और आपातकालीन

स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है
(D) किसी विशिष्ट क्षेत्र में नए विद्यालय की वास्तविक आवश्यकता का आकलन और सत्यापन करना

151. किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के 'प्रबंधन की योजना' (Scheme of Management - Rule 59) के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. इसमें विद्यालय प्रमुख के कर्तव्यों, शक्तियों और जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।
II. इसमें प्रबंध समिति के गठन का प्रावधान होना चाहिए।
III. इसमें स्पष्ट रूप से कहा जाना चाहिए कि ट्रस्ट/सोसाइटी के पास गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए विद्यालय के धन तक असीमित पहुंच है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और III

152. DSEA, 1973 की धारा 24(2) के तहत, निदेशक किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्रबंधक को निरीक्षण के दौरान पाई गई किसी भी त्रुटि या कमी को दूर करने के लिए निर्देश दे सकता है। यदि प्रबंधक अनुपालन करने में विफल रहता है, तो निदेशक इसके बाद क्या कार्रवाई कर सकता है?
(A) क्षेत्राधिकार वाले सिविल न्यायालय में प्रबंधक के खिलाफ औपचारिक सिविल मानहानि का मुकदमा दायर करने की कानूनी कार्यवाही शुरू करना
(B) प्रबंधक के स्वामित्व वाले सभी व्यक्तिगत बैंक खातों को जब्त करने के लिए प्रशासनिक फ्रीज आदेश जारी करना
(C) मान्यता वापस लेने या टेकओवर सहित दंडात्मक कार्रवाई
(D) डिफॉल्ट करने वाले प्रबंधक की तत्काल प्रशासनिक गिरफ्तारी निष्पादित करने के लिए क्षेत्राधिकार वाले पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करना

153. DSER, 1973 के नियम 13 (शारीरिक दंड का निषेध) (Prohibition of Corporal Punishment) के अनुसार, किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में शिक्षक द्वारा निम्नलिखित में से कौन सी कार्रवाई सख्त वर्जित है?
(A) खराब प्रदर्शन के लिए अतिरिक्त गृहकार्य देना
(B) विघटनकारी व्यवहार के लिए मौखिक चेतावनी देना
(C) छात्र के खराब अंकों के बारे में माता-पिता को सूचित करना
(D) छात्र को छड़ी या हाथ से मारना

154. यदि कोई कर्मचारी प्रबंध समिति के किसी ऐसे आदेश से व्यथित है जिसमें लघु दंड (Minor Penalty) लगाया गया है, तो DSER, 1973 के नियम 120 के तहत, वह कितने समय के भीतर निदेशक को अपील कर सकता है:
(A) 10 दिन
(B) 15 दिन
(C) 30 दिन
(D) 45 दिन

155. मानक प्रबंधन योजना के नियमों के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) की बैठक के लिए आवश्यक कोरम (Quorum) क्या है?
(A) कुल सदस्यों का दसवां भाग
(B) कुल सदस्यों का एक-तिहाई
(C) कुल सदस्यों का आधा
(D) सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से उपस्थिति

156. किसी सहायता प्राप्त विद्यालय में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान निम्नलिखित में से किस तंत्र के माध्यम से सुगम बनाया जाता है?
(A) विद्यालय प्रबंधक द्वारा निष्पादित नकद हैंडओवर के माध्यम से सीधे मासिक वेतन भुगतान वितरित करना
(B) प्रबंधक और DoE नामांकित व्यक्ति / विद्यालय प्रमुख को शामिल करने वाला एक संयुक्त खाता (Joint Account)
(C) विद्यालय प्रमुख द्वारा स्वतंत्र रूप से बनाए गए व्यक्तिगत बैंक खाते के माध्यम से भुगतान वितरित करना
(D) पेरोल प्रबंधन (Payroll Management) और वेतन वितरण को किसी तीसरे पक्ष की निजी वित्त एजेंसी को आउटसोर्स करना

157. DSER, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय और उसके कर्मचारी के बीच सेवा के नियमों और शर्तों को रेखांकित करने वाले मौलिक रोजगार अनुबंध के रूप में कौन सा दस्तावेज कार्य करता है?
(A) नियुक्ति पत्र (Letter of Appointment)
(B) आचार संहिता (Code of Conduct)
(C) अनिवार्यता प्रमाण पत्र (Essentiality Certificate - EC)
(D) प्रबंधन की योजना (Scheme of Management)

158. DSER, 1973 का कौन सा अध्याय विशेष रूप से "शिक्षकों के निरीक्षण" (Inspection of Schools) के नियमों की रूपरेखा तैयार करता है?
(A) अध्याय XIV
(B) अध्याय XV
(C) अध्याय XII
(D) अध्याय XVI

159. एक अभिभावक शैक्षणिक सत्र के मध्य में अपने बच्चे के लिए स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC) का अनुरोध करता है। विद्यालय TC जारी करने से यह कहते हुए इनकार करता है कि अभिभावक ने स्वैच्छिक "भवन विकास कोष" दान का भुगतान नहीं किया है। क्या DSER, 1973 के तहत विद्यालय की कार्रवाई उचित है?
(A) हाँ, निजी विद्यालयों के पास किसी भी अनिवार्य या स्वैच्छिक विद्यालय निधि का भुगतान न करने पर

Click Here to Buy book on Amazon

स्थानांतरण प्रमाण पत्र रोकने का पूर्ण कानूनी अधिकार है
(B) हाँ, बशर्ते कि अभिभावक-शिक्षक संघ की कार्यकारी संस्था ने पहले लिखित रूप में भवन विकास कोष लेवी को मंजूरी दी हो
(C) नहीं, क्योंकि वैधानिक नियम यह अनिवार्य करते हैं कि शिक्षण शुल्क का भुगतान न किए जाने की परवाह किए बिना स्थानांतरण प्रमाण पत्र तुरंत जारी किए जाने चाहिए
(D) नहीं; भवन निर्माण निधि अनिवार्य नहीं है, और यदि शिक्षण शुल्क स्पष्ट है तो TC नहीं रोका जा सकता है

160. DSEA, 1973 की धारा 22 के अनुसार, मान्यता प्राप्त विद्यालय की प्रबंध समिति का क्या होता है जब धारा 20 के तहत प्रशासक द्वारा इसका अधिग्रहण कर लिया जाता है?
(A) मौजूदा प्रबंध समिति परिचालन व्यवधान के बिना प्रशासक के साथ-साथ कार्य करना जारी रखती है
(B) प्रबंध समिति को स्थायी रूप से भंग कर दिया जाता है और स्थायी आधार पर एक पदेन सरकारी समिति द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है
(C) समिति का निलंबन; प्रशासक या अधिकारी द्वारा शक्तियों का प्रयोग
(D) प्रबंध समिति प्रशासनिक निर्णयों के दौरान प्रशासक की सहायता करने वाली एक सलाहकार संस्था के रूप में सख्ती से कार्य करती है

161. निम्नलिखित में से कौन सा DSEA, 1973 की धारा को उसके शीर्षक के साथ सही ढंग से जोड़ता है?
(A) धारा 10 – प्रबंधन को अपने हाथ में लेना (Takeover of Management)
(B) धारा 4 – विद्यालयों की मान्यता (Recognition of Schools)
(C) धारा 17 – विद्यालय संपत्ति
(D) धारा 24 – कर्मचारियों का वेतन

162. यदि दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का कोई प्रावधान किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई का कारण बनता है, तो उसे शिथिल (Relax) करने का अधिकार किसके पास है?
(A) प्रशासनिक विवेक के तहत कार्य करने वाले शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(B) प्रबंधन के अनुमोदन से कार्य करने वाले विद्यालय प्रमुख
(C) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी
(D) प्रशासक (उपराज्यपाल) (Administrator - LG)

163. DSER, 1973 के नियम 50 के अनुसार, एक मान्यता प्राप्त विद्यालय को निम्नलिखित में से कौन सी अनिवार्य सुविधा प्रदान करने की आवश्यकता है?
(A) पर्याप्त पेयजल और स्वच्छता सुविधाएं (Adequate Drinking Water and Sanitary Facilities)
(B) पूरी तरह से वातानुकूलित परिसर सुविधा (Air-Conditioned Campus Facility)
(C) खेल मानकों को पूरा करने वाला एक चालू स्विमिंग पूल
(D) प्रत्येक नामांकित छात्र के लिए व्यक्तिगत पोर्टेबल लैपटॉप कंप्यूटर

164. DSEA, 1973 की धारा 27 के तहत उस व्यक्ति के लिए क्या निर्धारित दंड है जो किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय के निरीक्षण के दौरान निदेशक या निरीक्षण अधिकारी को जानबूझकर बाधित करता है?
(A) एक महीने तक का कठोर कारावास
(B) 10,000 रुपये का एकमुश्त मौद्रिक प्रशासनिक जुर्माना
(C) तीन महीने तक का कारावास, या जुर्माना, या दोनों
(D) विद्यालय संपत्ति की प्रत्यक्ष कुर्की और स्थायी कानूनी जब्ती

165. DSER, 1973 के नियम 14 के अनुसार, किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में चिकित्सा अधिकारी (Medical Officer) की क्या भूमिका है?
(A) छात्र चिकित्सा परीक्षा और स्वास्थ्य रिकॉर्ड का संचालन करना
(B) प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शैक्षणिक पाठ्यक्रम तैयार करना और निर्धारित करना
(C) शैक्षणिक संस्थान के वार्षिक वित्तीय बजट का मूल्यांकन, जांच और अनुमोदन करना
(D) माता-पिता के औपचारिक अनुरोध पर छात्र स्थानांतरण प्रमाण पत्र संसाधित करना और जारी करना

166. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : दिल्ली में गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालय मान्यता प्राप्त विद्यालय कोष (Recognized School Fund) से विद्यालय चलाने वाली सोसाइटी या ट्रस्ट को कोई भी धनराशि स्थानांतरित नहीं कर सकते हैं।
कारण (R) : DSER, 1973 और उसके बाद के न्यायिक फैसले यह अनिवार्य करते हैं कि विद्यालय की आय का उपयोग केवल विद्यालय के विकास और उसके छात्रों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए, जिससे व्यावसायीकरण को रोका जा सके।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

167. DSER, 1973 के नियम 125 के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालय के कर्मचारी के वेतन से निम्नलिखित में से कौन सी एक अनुमेय कटौती (Permissible Deduction) है?
(A) प्रश्न पूछने के लिए प्रबंधक द्वारा लगाया गया एकतरफा जुर्माना
(B) आयकर और भविष्य निधि अंशदान (Income Tax and Provident Fund Contributions)
(C) विद्यालय के ट्रस्ट फंड (Trust Fund) में अनिवार्य दान

NODIA

(D) स्टाफ रूम का उपयोग करने के लिए कटौती

168. यदि किसी सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय में विद्यालय प्रमुख का पद खाली हो जाता है, तो चयन समिति (Selection Committee) को अंतिम अनुमोदन के लिए अपनी सिफारिश किसके पास भेजनी होगी?
(A) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal)
(B) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)
(C) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
(D) क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (Zonal Education Officer)

169. वेतन समानता के संबंध में DSEA, 1973 की धारा 10 में "समकक्ष स्थिति" (Corresponding Status) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) निजी विद्यालय शिक्षक पारिश्रमिक की तुलना सीधे समकक्ष निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के वेतनमानों से करना
(B) एक निजी विद्यालय के प्राचार्य की वेतन संरचना की तुलना सीधे एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी से करना
(C) व्यक्तिगत शिक्षक वेतनमानों की तुलना सीधे प्रबंध समिति द्वारा एकत्र किए गए शुल्क राजस्व से करना
(D) समान पदों पर कार्यरत सरकारी शिक्षकों के साथ गैर-सहायता प्राप्त शिक्षक वेतन की तुलना करना

170. DSER, 1973 के नियम 47 के अनुसार, मौजूदा मान्यता प्राप्त विद्यालय में एक नई कक्षा या सेक्शन खोलने के लिए आवेदन किस उपयुक्त प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जाना चाहिए?
(A) शिक्षा निदेशक या अधिकृत अधिकारी (Director of Education or Authorized Officer)
(B) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी
(C) स्थानीय क्षेत्राधिकार वाले उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (SDM)
(D) स्वयं आंतरिक कार्यकारी विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee)

171. मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के कर्मचारियों के लिए अंशदायी भविष्य निधि (Contributory Provident Fund - CPF) के रखरखाव के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. प्रत्येक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय को अपने कर्मचारियों के लिए CPF स्थापित करना होगा।
II. कर्मचारी और प्रबंधन द्वारा अंशदान की दर अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों द्वारा शासित होती है।
III. नए विद्यालय भवनों का निर्माण करने के लिए प्रबंधन द्वारा CPF निधियों का स्वतंत्र रूप से उपयोग किया जा सकता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) केवल I

172. DSER, 1973 के नियम 112 (आचार संहिता) के तहत, मान्यता प्राप्त विद्यालय के एक कर्मचारी को प्रवेश हासिल करने के लिए अभिभावकों से रिश्वत स्वीकार करने के आरोपों का सामना करना पड़ता है। नियमों के अनुसार जांच लंबित रहने तक प्रबंधन कर्मचारी के खिलाफ क्या तत्काल एहतियाती उपाय कर सकता है?
(A) कर्मचारी के भविष्य निधि संचित शेष को स्थायी रूप से रोकने का प्रशासनिक आदेश जारी करना
(B) निदेशक के अनुमोदन की प्रत्याशा में कर्मचारी को निलंबित करना
(C) कर्मचारी को पास के किसी सरकारी विद्यालय में स्थानांतरित करने का तत्काल प्रशासनिक आदेश जारी करना
(D) बिना नोटिस के रिश्वत के आरोपों में शामिल सभी छात्रों का औपचारिक नामांकन रद्द करना

173. DSER, 1973 के तहत एकल अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Proceedings) के दौरान किसी कर्मचारी को अधिकतम कितनी बार निलंबित किया जा सकता है?
(A) कार्यवाही के दौरान केवल एक बार
(B) दो बार, बशर्ते कि प्रत्येक निलंबन आदेश छह महीने के अनिवार्य अंतर से अलग हो
(C) तीन बार, क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी से औपचारिक लिखित अनुमोदन प्राप्त करने के अधीन
(D) विवेकाधीन प्रशासनिक सुविधा के आधार पर प्रबंधक जितनी बार चाहे उतनी बार

174. एक गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय की प्रबंध समिति अतिरिक्त मुआवजे के बिना, शिक्षकों के कार्य घंटों को DoE द्वारा निर्धारित मानक मानदंडों से 3 घंटे बढ़ाने का एकतरफा संकल्प लेती है। DSEA और नियम, 1973 के तहत, शिक्षक औपचारिक रूप से इसे कैसे चुनौती दे सकते हैं?
(A) वे इस निर्णय को चुनौती नहीं दे सकते, क्योंकि गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालय कर्मचारियों के कर्तव्य के घंटों के संबंध में पूर्ण वैधानिक स्वायत्तता का आनंद लेते हैं
(B) उन्हें हस्तक्षेप के लिए दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी के समक्ष सीधे एक औपचारिक अपीलीय याचिका दायर करनी होगी
(C) निर्धारित मानदंडों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए DoE को अभ्यावेदन देना
(D) उनके पास अधिनियम के तहत शून्य प्रशासनिक उपचार हैं और वे केवल अपनी सेवा से स्वैच्छिक त्यागपत्र दे सकते हैं

175. DSEA, 1973 की कौन सी धारा विशेष रूप से छात्रों के प्रवेश और कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fee) के निषेध से संबंधित है?
(A) धारा 12 (B) धारा 16
(C) धारा 19 (D) धारा 22

Downloaded from www.pdf.tube

176. निम्नलिखित में से कौन शिक्षा निदेशालय के तहत स्थापित "शुल्क विसंगति समिति" (Fee Anomalies Committee) का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) सरकारी विद्यालय के शिक्षकों के लिए संशोधित वेतनमानों का मूल्यांकन और निर्धारण करने के लिए गठित एक विशेष सलाहकार समिति
(B) दिल्ली में शिक्षक अनुशासनात्मक अपील मामलों की सुनवाई और न्यायनिर्णयन के लिए विशेष रूप से स्थापित एक विशेष वैधानिक न्यायाधिकरण
(C) शुल्क के माध्यम से मुनाफाखोरी को रोकने के लिए विद्यालय के वित्त की जांच करने वाला एक निकाय
(D) निजी विद्यालय सोसाइटियों को रियायती DDA भूमि पार्सल आवंटित करने के लिए जिम्मेदार एक संयुक्त अंतर-विभागीय समिति

177. DSER, 1973 के नियम 59 के अनुसार, पदेन सदस्य के अलावा, मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य का कार्यकाल सामान्यतः होगा:
(A) 1 वर्ष
(B) 3 वर्ष
(C) 5 वर्ष
(D) जीवन भर

178. DSER, 1973 का नियम 181 एक "प्रवेश और निकासी रजिस्टर" (Admission and Withdrawal Register) के रखरखाव को अनिवार्य बनाता है। किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय द्वारा इस विशिष्ट रजिस्टर को कितने समय तक संरक्षित रखा जाना चाहिए?
(A) 5 वर्षों की अनिवार्य अवधि के लिए
(B) 10 वर्षों की अनिवार्य अवधि के लिए (10 Years)
(C) 20 वर्षों की अनिवार्य अवधि के लिए
(D) स्थायी रूप से (Permanently)

179. यदि कोई मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय भाषाई अल्पसंख्यक विद्यालय (Linguistic Minority School) के रूप में कार्य कर रहा है, तो उसे प्रवेश के संबंध में निम्नलिखित में से किस दायित्व से छूट प्राप्त है?
(A) RTE धारा 12(1)(c) के तहत 25% प्रवेश स्तर की सीटों को आरक्षित करना
(B) परिसर में स्वच्छ, शुद्ध सुरक्षित पेयजल सुविधाएं अनिवार्य रूप से प्रदान करना
(C) दैनिक छात्र उपस्थिति रजिस्टर और शैक्षणिक रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से बनाए रखना
(D) नियमित आवधिक मूल्यांकन और वार्षिक अंतिम शैक्षणिक परीक्षाएं आयोजित करना

180. प्रवेश शुल्क (Admission Fee) के संग्रह के संबंध में DSER, 1973 का नियम 142 क्या निर्धारित करता है?
(A) छात्र के उच्च कक्षा में पदोन्नत होने पर हर साल प्रवेश शुल्क अनिवार्य रूप से लिया जा सकता है
(B) शुरुआती विद्यालय प्रवेश के समय केवल एक बार प्रवेश शुल्क वसूलना
(C) एकत्र किया गया कुल प्रवेश शुल्क एक पूर्ण वर्ष के संचयी शिक्षण शुल्क के ठीक बराबर होना चाहिए
(D) प्रवेश शुल्क की छूट केवल शिक्षा निदेशक के एक विशेष आदेश के माध्यम से दी जा सकती है

181. DSER, 1973 के नियम 110 के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालय में किसी कर्मचारी की सर्विस बुक (Service Book) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. प्रत्येक कर्मचारी के लिए एक सर्विस बुक रखी जानी चाहिए।
II. सर्विस बुक में सभी प्रविष्टियों को विद्यालय प्रमुख या प्रबंधक द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए।
III. कर्मचारी को अपनी सर्विस बुक का निरीक्षण करने का कोई अधिकार नहीं है।
IV. यह नियुक्ति, पदोन्नति, छुट्टी और अनुशासनात्मक कार्यवाइयों का विवरण दर्ज करता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I, III, और IV

NODIA

182. DSER, 1973 के तहत अपने भवन के संबंध में एक निजी विद्यालय की मान्यता के लिए निम्नलिखित में से कौन सी एक वैधानिक आवश्यकता है?
(A) विद्यालय परिसर का भवन स्थायी रूप से ट्रस्ट के स्वामित्व में होना चाहिए, क्योंकि किराए के परिसर कानून के तहत सख्त वर्जित हैं
(B) विद्यालय भवन की भौतिक संरचना अनिवार्य रूप से न्यूनतम चार मंजिला ऊंचाई तक निर्मित होनी चाहिए
(C) विद्यालय भवन की ऊपरी छत पर एक परिचालन, प्रमाणित आपातकालीन हेलीपैड सुविधा होनी चाहिए
(D) विद्यालय के समय के दौरान विशेष शैक्षणिक उपयोग और संरचनात्मक सुरक्षा

183. DSEA, 1973 की धारा 8(3) के तहत, मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय का कोई भी कर्मचारी जिसे बर्खास्त, हटाया या पद में अवनत किया गया है, किस अवधि के भीतर न्यायाधिकरण (Tribunal) में अपील कर सकता है?
(A) 1 महीने
(B) 2 महीने
(C) 3 महीने
(D) 6 महीने

184. दिल्ली में शिक्षा से संबंधित नीतिगत मामलों पर प्रशासक को सलाह देने के लिए "दिल्ली स्कूल शिक्षा सलाहकार बोर्ड" (Delhi School Education Advisory Board) का गठन अधिनियम की किस धारा के तहत किया गया है?
(A) धारा 3
(B) धारा 11
(C) धारा 22
(D) धारा 28

185. कक्षा X के एक छात्र के माता-पिता DoE से शिकायत करते हैं कि एक मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय CBSE द्वारा निर्धारित वास्तविक परीक्षा शुल्क के ऊपर "विशेष CBSE बोर्ड शुल्क" वसूल रहा है। DSEA और नियम, 1973 के तहत इस पर नियामक स्थिति क्या है?
(A) यह पूरी तरह से कानूनी है, क्योंकि निजी विद्यालय प्रबंधन को प्रशासनिक परिचालन लागतों को कवर करने के लिए पूरक धन की आवश्यकता होती है
(B) यह कानूनी है बशर्ते उम्मीदवार अंतिम परीक्षाओं में नब्बे प्रतिशत से अधिक का कुल अंक सफलतापूर्वक प्राप्त करे
(C) यह एक निजी संविदात्मक मामला है जिस पर व्यक्तिगत माता-पिता और शासी विद्यालय प्रबंधन के बीच कड़ाई से बातचीत की जाती है
(D) अवैध; किसी भी अनधिकृत शुल्क या बोर्ड परीक्षा लाभ की अनुमति नहीं है

186. DSER, 1973 का कौन सा अध्याय विशेष रूप से "शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के लिए आचार संहिता" (Code of Conduct for Teachers and other Employees) से संबंधित है?
(A) अध्याय VIII
(B) अध्याय IX
(C) अध्याय XI
(D) अध्याय XIII

187. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के संदर्भ में "क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी" (Zonal Education Officer - ZEO) की क्या भूमिका है?
(A) निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा बर्खास्त या हटाए गए सभी शिक्षकों के लिए अंतिम वैधानिक अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करना
(B) क्षेत्रीय विद्यालयों पर प्रत्यायोजित पर्यवेक्षी नियंत्रण का प्रयोग करना
(C) क्षेत्र में सभी निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रबंधकों की समीक्षा और नियुक्ति के लिए प्रत्यक्ष जिम्मेदारी निभाना
(D) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण की वैधानिक पीठ में पदेन एकमात्र पीठासीन न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य करना

188. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : एक मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय DoE द्वारा अधिकृत ऑडिट टीम द्वारा अपने वित्तीय अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति देने से इनकार नहीं कर सकता है।
कारण (R) : DSEA, 1973 के तहत, शुल्क नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और व्यावसायीकरण को रोकने के लिए निदेशक के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय के सभी अभिलेखों का निरीक्षण करने की वैधानिक शक्ति है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

189. DSER, 1973 के नियम 145 के अनुसार, गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय के लिए प्रतिवर्ष निम्नलिखित में से कौन सा वित्तीय दस्तावेज तैयार करना अनिवार्य नहीं है?
(A) एक दैनिक शेयर बाजार निवेश पोर्टफोलियो रिपोर्ट
(B) आगामी वर्ष के लिए बजट अनुमान
(C) पिछले वर्ष की वास्तविक आय और व्यय का विवरण
(D) विद्यालय की परिसंपत्तियों और देनदारियों का एक बैलेंस शीट

190. DSEA, 1973 की धारा 6 किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय को बंद करने से संबंधित है। किसी विद्यालय को बंद करने का इरादा रखने वाले प्रबंधक को निदेशक को कम से कम कितने समय का नोटिस देना होगा:
(A) एक महीने
(B) तीन महीने
(C) छह महीने
(D) एक वर्ष

191. गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय चलाने वाली सोसाइटी/ट्रस्ट के 'सामान्य कोष' (General Fund) के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़ें:
I. सोसाइटी/ट्रस्ट को विद्यालय के वित्त में किसी भी घाटे को अपने सामान्य कोष से पूरा करना होगा।
II. विद्यालय के अधिशेष कोष को सोसाइटी के सामान्य कोष में स्वतंत्र रूप से स्थानांतरित किया जा सकता है।
III. सोसाइटी का सामान्य कोष और विद्यालय कोष अलग-अलग बैंक खातों में बनाए रखा जाना चाहिए।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

192. DSER, 1973 के नियम 117 के तहत निम्नलिखित में से किसे 'मुख्य शास्ति' (Major Penalty) माना जाता है?
(A) परिनिंदा (Censure)
(B) संचयी प्रभाव के बिना वेतन वृद्धि रोकना
(C) अनिवार्य सेवानिवृत्ति (Compulsory Retirement)
(D) वेतन से किसी भी मौद्रिक नुकसान की पूरी या आंशिक वसूली

193. DSER, 1973 के नियम 118 के तहत, अनुशासनात्मक प्राधिकरण किसी कर्मचारी को निलंबित कर सकता है जहां उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही पर विचार किया जाता है। आरोप पत्र (Charge Sheet) जारी किए बिना यह

Click Here to Buy book on Flipkart

प्रारंभिक निलंबन अधिकतम कितनी अवधि के लिए आदेशित किया जा सकता है?
(A) 30 दिन (B) 90 दिन
(C) 180 दिन (D) 1 वर्ष

194. DSEA, 1973 की धारा 2(m) के अनुसार "प्रबंधक" (Manager) शब्द को निम्नलिखित में से कौन सबसे अच्छी तरह से परिभाषित करता है?
(A) विद्यालय के दैनिक शैक्षणिक कार्यों का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त सेवारत प्रधानाध्यापक या प्राचार्य
(B) भूमि पार्सल का मूल कानूनी मालिक या पट्टेदार जिस पर भौतिक विद्यालय संरचना बनाई गई है
(C) संस्थागत खातों का ऑडिट करने के लिए आधिकारिक तौर पर नियुक्त प्रमाणित स्वतंत्र वित्तीय लेखा परीक्षक
(D) विद्यालय के मामलों के प्रबंधन का काम सौंपा गया व्यक्ति या निकाय

195. DSER, 1973 का नियम 145 बताता है कि छात्रों से सभी संग्रह और सभी भुगतानों को ठीक से प्रलेखित किया जाना चाहिए। कौन सी प्रणाली मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में इस पारदर्शिता को सुनिश्चित करती है?
(A) पहले से छपी रसीदें और क्रॉस किए गए चेक के माध्यम से भुगतान
(B) प्रशासनिक क्लर्क द्वारा सामान्य रूप से बनाए गए आंतरिक अन-ऑडिट किए गए आकस्मिक रजिस्टर को बनाए रखना
(C) चुने हुए PTA प्रतिनिधियों द्वारा समय-समय पर सत्यापित अनौपचारिक मौखिक नकद लेनदेन रिकॉर्ड बनाए रखना
(D) क्षेत्राधिकार वाले पुलिस स्टेशन को सीधे अनिवार्य दैनिक नकद प्रवाह और बहिर्वाह विवरण रिपोर्ट जमा करना

196. DSEA, 1973 यह अनिवार्य करता है कि मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के किसी भी कर्मचारी को किसके बाद ही बर्खास्त किया जाएगा:
(A) ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा व्यक्तिगत रूप से जारी किया गया तत्काल प्रत्यक्ष प्रशासनिक समाप्ति आदेश प्राप्त करना
(B) शिक्षण कर्मचारियों के सभी स्थायी सदस्यों द्वारा निष्पादित बहुमत से विश्वास मत प्राप्त करना
(C) आरोपों के नोटिस और सुनवाई के अवसर के साथ एक जांच
(D) प्रमुख क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में एक औपचारिक सार्वजनिक समाप्ति नोटिस प्रकाशित करना

197. DSEA, 1973 के तहत गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को नियंत्रित करने वाले वित्तीय नियमों के अनुसार, छात्रों से एकत्र की जाने वाली 'जमानत राशि' (Caution Money) क्या है?
(A) बकाये का समायोजन करने के बाद विद्यालय छोड़ने पर वापस की जाने वाली एक वापसी योग्य जमा राशि
(B) प्रवेश के दौरान एकत्र की गई और विशेष रूप से चल रहे विद्यालय भवन के रखरखाव के लिए उपयोग की जाने वाली एक गैर-वापसी योग्य पूंजीगत जमा राशि
(C) विज्ञान और कंप्यूटर लैब सुविधाओं का उपयोग करने के लिए माध्यमिक छात्रों से एकत्र किया जाने वाला एक अनिवार्य मासिक परिचालन शुल्क
(D) विद्यालय में देर से आने के पैटर्न का प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर स्वतः लगाया जाने वाला प्रशासनिक वित्तीय जुर्माना

198. एक मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय में एक नव नियुक्त शिक्षिका अपनी एक साल की परिक्षावधि (Probation) सफलतापूर्वक पूरी करती है, लेकिन प्रबंधन बिना कोई कारण बताए उसकी परिक्षावधि को दो साल के लिए और बढ़ा देता है। DSER, 1973 के नियम 105 के तहत, वह अधिकतम अनुमेय अवधि क्या है जिसके द्वारा परिक्षावधि को बढ़ाया जा सकता है?
(A) 6 महीने
(B) 1 वर्ष
(C) 2 वर्ष
(D) परिक्षावधि को बिल्कुल भी नहीं बढ़ाया जा सकता है

199. DSEA ढांचे के तहत माता-पिता के लिए क्या कानूनी उपाय उपलब्ध है यदि कोई गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय DoE के अनुमोदन के बिना सत्र के मध्य में शिक्षण शुल्क में 40% की मनमानी वृद्धि करता है?
(A) स्थानीय क्षेत्राधिकार वाले पुलिस स्टेशन में प्राचार्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) और आपराधिक मामला दर्ज करना
(B) रोलबैक के लिए शुल्क विसंगति समिति और DoE से संपर्क करना
(C) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी के समक्ष सीधे अपील याचिका दायर करना
(D) प्रशासनिक या न्यायिक अपील की मांग किए बिना छात्र का नामांकन तुरंत वापस लेना

200. दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 25 बताती है कि किसी भी ऐसे मामले के संबंध में किसी भी सिविल न्यायालय का क्षेत्राधिकार नहीं होगा जिसे निर्धारित करने के लिए न्यायाधिकरण या निदेशक को अधिकार दिया गया है। इस सिद्धांत को कानूनी रूप से किस रूप में जाना जाता है:
(A) विलंब का संवैधानिक सिद्धांत (Constitutional Doctrine of Laches and Delay)
(B) प्राकृतिक न्याय का मौलिक सिद्धांत (Fundamental Principle of Natural Justice)
(C) सिविल न्यायालयों के क्षेत्राधिकार का निषेध (Bar of Jurisdiction of Civil Courts)
(D) पूर्व न्याय का स्थापित सिद्धांत (Established Doctrine of Res Judicata)

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) 1973
दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में स्कूल शिक्षा के बेहतर संगठन तथा विकास को सुनिश्चित करने हेतु दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 निर्मित किया गया था। संसद द्वारा पारित किए जाने के उपरांत इसे वर्ष 1973 में भारत के राष्ट्रपति की औपचारिक स्वीकृति (Presidential Assent) प्राप्त हुई। यह अधिनियम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विद्यालयों को विनियमित करने के लिए एक महत्वपूर्ण वैधानिक आधार (Statutory Base) प्रदान करता है।

2. (D) दिल्ली के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालय (Recognized Schools)
शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) के प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 का क्षेत्राधिकार दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में स्थित सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों (Recognized Schools) पर लागू होता है। इसके अंतर्गत सरकारी, स्थानीय निकाय, सहायता प्राप्त तथा गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय शामिल हैं। गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों अथवा महाविद्यालयों पर इस अधिनियम के वैधानिक प्रावधान प्रभावी नहीं होते हैं।

3. (A) एक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय (Recognized Private School) जो केंद्र सरकार, प्रशासक या किसी स्थानीय प्राधिकरण से रखरखाव अनुदान (Maintenance Grant) के रूप में सहायता प्राप्त करता है
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 2 के तहत सहायता प्राप्त विद्यालय से तात्पर्य ऐसे मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय से है जो केंद्र सरकार, प्रशासक अथवा किसी स्थानीय प्राधिकरण से रखरखाव अनुदान (Maintenance Grant) के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त करता है। यह अनुदान संस्था के आवर्ती व्ययों तथा शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए वैधानिक नियमों के तहत प्रदान किया जाता है।

4. (C) दिल्ली के उपराज्यपाल (Lieutenant Governor of Delhi)
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 में निहित वैधानिक परिभाषाओं के अनुसार "प्रशासक" (Administrator) का तात्पर्य संविधान के अनुच्छेद 239 के तहत नियुक्त दिल्ली के उपराज्यपाल (Lieutenant Governor of Delhi) से है। अधिनियम के क्रियान्वयन, नियम बनाने, प्रशासनिक शक्तियों के प्रत्यायोजन तथा स्कूल शिक्षा के समग्र विनियमन की सर्वोच्च वैधानिक शक्ति उपराज्यपाल में ही निहित होती है।

5. (A) उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम (Academic Syllabi) को विनियमित करना
अधिनियम की धारा 3 प्रशासक को केवल दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र में स्कूल शिक्षा को विनियमित करने, विद्यालयों की स्थापना करने तथा मान्यता प्रदान करने या वापस लेने का अधिकार देती है। उच्च शिक्षा संस्थानों या विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का नियमन इस अधिनियम के वैधानिक दायरे से बाहर है, क्योंकि उनके लिए पृथक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा विश्वविद्यालय अधिनियम प्रभावी होते हैं।

NODIA

6. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 30 धार्मिक तथा भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित और प्रशासित करने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। इसी संवैधानिक प्रावधान के कारण दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के अध्याय IV जैसे कुछ विशिष्ट सेवा नियम और प्रशासनिक नियंत्रण गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों पर पूर्णतः लागू नहीं होते हैं, जिससे उन्हें विशेष छूट प्राप्त होती है।

7. (B) इसे पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाओं के साथ सुरक्षित और स्वच्छ परिसर प्रदान करना होगा
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 4 के तहत निजी विद्यालयों को वैधानिक मान्यता प्राप्त करने के लिए न्यूनतम अवसंरचनात्मक और शैक्षणिक मानकों को पूरा करना अनिवार्य है। इसके अंतर्गत छात्रों की सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा अधिगम वातावरण हेतु पर्याप्त शैक्षणिक सुविधाओं (Academic Facilities) के साथ सुरक्षित, स्वच्छ परिसर एवं उपयुक्त भौतिक अवसंरचना (Physical Infrastructure) का होना एक प्राथमिक वैधानिक शर्त है।

8. (C) चार श्रेणियां: सरकारी, स्थानीय निकाय, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त (Government, Local Body, Aided, and Unaided Recognized)
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के अंतर्गत दिल्ली के विद्यालयों को मुख्य रूप से चार विशिष्ट श्रेणियों में विभाजित किया गया है: सरकारी विद्यालय, स्थानीय निकायों द्वारा संचालित विद्यालय, सरकार द्वारा वित्तीय अनुदान प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय तथा निजी प्रबंधन द्वारा संचालित गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालय। यह वर्गीकरण वित्तीय पोषण, प्रशासनिक संरचना तथा नियामक नियंत्रण (Regulatory Control) पर आधारित है।

9. (B) धारा 5
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 5 विशेष रूप से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए प्रबंधन की योजना

(Scheme of Management) से संबंधित है। इसके अंतर्गत प्रत्येक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय के शासी निकाय (Governing Body) की संरचना, कर्तव्यों, शक्तियों तथा प्रशासनिक उत्तरदायित्वों को औपचारिक रूप से निर्धारित करके शिक्षा निदेशक से अनुमोदित कराना अनिवार्य होता है।

10. (A) गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालय के कर्मचारियों का वेतनमान (Pay Scale) आधिकारिक सरकारी दरों से नीचे तय करना
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम की धारा 10 यह स्पष्ट करती है कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कर्मचारियों का वेतन और भत्ते सरकारी विद्यालयों के समकक्ष कर्मचारियों से कम नहीं होने चाहिए। शिक्षा निदेशक के पास गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों के कर्मचारियों का वेतनमान सरकारी दरों से कम निर्धारित करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है, क्योंकि यह कर्मचारियों के वेतन समानता अधिकारों के विपरीत है।

11. (D) I, II, और III
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 59 के अनुसार प्रत्येक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति में समावेशी प्रतिनिधित्व होना अनिवार्य है। इस समिति में विद्यालय के दो सेवारत शिक्षक, नामांकित छात्रों के दो माता-पिता तथा विद्यालय प्रमुख (Head of School) अनिवार्य सदस्य के रूप में शामिल होते हैं ताकि विद्यालयी प्रशासन में सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

12. (C) 21 सदस्य
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 59 के तहत किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) में सदस्यों की अधिकतम अनुमेय संख्या 21 निर्धारित की गई है। जब तक कि शिक्षा निदेशक द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में विशिष्ट वैधानिक छूट प्रदान न की गई हो, प्रबंध समिति का गठन इसी सीमा के भीतर होना अनिवार्य है।

13. (A) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के प्रावधानों के अनुसार नव-मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति की संरचना तथा उसमें किए जाने वाले संशोधनों को शिक्षा निदेशक (Director of Education) द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है। शिक्षा निदेशक यह सुनिश्चित करता है कि प्रबंध समिति की संरचना में नियमानुसार शिक्षकों, अभिभावकों तथा विभागीय नामांकित व्यक्तियों का उचित प्रतिनिधित्व मौजूद हो।

14. (C) ट्रस्ट के सदस्य के व्यक्तिगत व्यवसाय के लिए विद्यालय के धन का उपयोग करना
मान्यता प्राप्त विद्यालयों की प्रबंध समिति के लिए विद्यालय कोष (School Fund) की निधियों का उपयोग किसी ट्रस्टी या प्रबंधन सदस्य के व्यक्तिगत व्यावसायिक कार्यों के लिए करना सख्त वर्जित है। DSER, 1973 के वित्तीय नियमों के अनुसार विद्यालय का कोष केवल संस्था के शैक्षणिक विकास, कर्मचारियों के वेतन तथा छात्रों के कल्याणकारी कार्यों पर ही व्यय किया जा सकता है।

15. (C) तीन वर्ष
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 20 के अंतर्गत यदि कोई प्रबंध समिति गंभीर अनियमितता करती है, तो शिक्षा निदेशक उसके प्रबंधन को निलंबित कर स्वयं नियंत्रण अपने हाथ में ले सकता है। इस प्रकार प्रबंधन को अपने हाथ में लेने की प्रारंभिक अवधि अधिकतम तीन वर्ष होती है, जिसे विशेष परिस्थितियों में बढ़ाकर कुल पांच वर्ष किया जा सकता है।

16. (C) धारा 4 के तहत विद्यालय को बंद करने का आदेश देना और मान्यता (Recognition) वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करना
यदि कोई मान्यता प्राप्त विद्यालय अपने परिसर में सुरक्षा और ढांचागत कमियों को दूर करने में विफल रहता है तथा छात्रों का जीवन खतरे में डालता है, तो अधिनियम की धारा 4 के तहत शिक्षा निदेशक को मान्यता वापस लेने (Withdrawal of Recognition) की प्रक्रिया शुरू करने तथा परिसर को बंद करने का वैधानिक अधिकार प्राप्त है ताकि छात्र सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

17. (B) प्रबंध समिति (Managing Committee) को कारण बताने का उचित अवसर (Reasonable Opportunity of Showing Cause) देना
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 4(6) के अनुसार किसी विद्यालय की वैधानिक मान्यता वापस लेने से पूर्व प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत (Principle of Natural Justice) का अनुपालन करना अनिवार्य है। इसके तहत उपयुक्त प्राधिकारी को संबंधित प्रबंध समिति को लिखित नोटिस देकर कारण बताने का उचित अवसर (Reasonable Opportunity) प्रदान करना वैधानिक रूप से आवश्यक होता है।

18. (D) प्रभावित छात्रों को अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश दिलाने में सहायता करना
किसी विद्यालय की मान्यता वापस लिए जाने या उसके बंद होने की स्थिति में शिक्षा निदेशालय (Directorates of Education) का प्राथमिक उत्तरदायित्व प्रभावित छात्रों के शैक्षणिक भविष्य की रक्षा करना है। निदेशालय निकटवर्ती अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों में उन छात्रों को समायोजित कराने तथा उनका प्रवेश सुगम बनाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक उपाय करता है ताकि उनकी शिक्षा बाधित न हो।

19. (A) कोई भी सहायता प्राप्त विद्यालय (Aided School) निदेशक द्वारा निर्दिष्ट के अलावा कोई शुल्क या प्रभार नहीं लेगा
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 17 के तहत सहायता प्राप्त विद्यालयों (Aided Schools) पर सख्त शुल्क नियंत्रण लागू होता है। ऐसे विद्यालय शिक्षा निदेशक द्वारा पूर्व-अनुमोदित शुल्क संरचना के अतिरिक्त अभिभावकों से कोई अन्य शुल्क, प्रभार या चंदा नहीं वसूल सकते हैं। इस प्रावधान

Click Here to Buy book on Amazon

का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक अनुदान प्राप्त संस्थानों में मुफ़्त और सस्ती शिक्षा बनाए रखना है।

20. (A) शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय के प्रबंधक के लिए यह अनिवार्य है कि वह आगामी शैक्षणिक सत्र में वसूले जाने वाले शुल्क की विस्तृत तालिका (Fee Schedule) सत्र प्रारंभ होने से पूर्व शिक्षा निदेशक के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत करे, ताकि अनधिकृत शुल्क वृद्धि पर रोक लगाई जा सके।

21. (A) केवल I, II, और III
शुल्क विसंगति समिति (Fee Anomalies Committee) का गठन गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में अनुचित शुल्क वृद्धि और शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने हेतु किया गया है। यह समिति अभिभावकों की शिकायतों की जांच करती है, ऑडिट वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करती है तथा उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करती है। इसकी अध्यक्षता आधिकारिक शिक्षा अधिकारियों द्वारा की जाती है, न कि स्थानीय विधायकों द्वारा।

22. (D) मान्यता प्राप्त विद्यालय कोष (Recognized School Fund)
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 175 के तहत 'मान्यता प्राप्त विद्यालय कोष' (Recognized School Fund) में जमा किसी भी राशि या आय को विद्यालय चलाने वाले मूल ट्रस्ट, सोसाइटी अथवा किसी अन्य संस्था को स्थानांतरित (Diversion of Funds) करने पर पूर्ण प्रतिबंध है। इस कोष का उपयोग केवल उसी विद्यालय के परिचालन तथा संस्थागत विकास के लिए किया जा सकता है।

23. (B) इसके लिए शिक्षा निदेशक (Director of Education) की पूर्व स्वीकृति/अनुमोदन की आवश्यकता होती है
दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) जैसी सरकारी एजेंसियों से रियायती दर पर भूमि प्राप्त करने वाले गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों के पट्टे की शर्तों (Lease Terms) के अनुसार शुल्क में किसी भी प्रकार की वृद्धि करने से पूर्व शिक्षा निदेशक की लिखित पूर्व स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य वैधानिक आवश्यकता है। बिना पूर्व अनुमोदन के की गई शुल्क वृद्धि अवैध मानी जाती है।

24. (C) शिक्षा का व्यावसायीकरण (Commercialization of Education) किए बिना विकास के लिए उचित अधिशेष (Reasonable Surplus) उत्पन्न करना अनुमेय है
विभिन्न न्यायिक निर्णयों द्वारा यह स्थापित किया गया है कि गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालय भविष्य के शैक्षणिक विस्तार और अवसंरचनात्मक विकास हेतु उचित अधिशेष (Reasonable Surplus) अर्जित कर सकते हैं। हालांकि, मुनाफाखोरी (Profiteering) तथा शिक्षा के व्यावसायीकरण (Commercialization) पर सख्त प्रतिबंध है, जिससे विद्यालयों को वित्तीय परिसंपत्तियों का दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं मिलती।

25. (D) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार किसी सहायता प्राप्त विद्यालय (Aided School) में विद्यालय प्रमुख (Head of School) अथवा शिक्षकों की नियुक्ति हेतु गठित चयन समिति (Selection Committee) में शिक्षा निदेशक (Director of Education) द्वारा मनोनीत एक अधिकृत प्रतिनिधि का शामिल होना वैधानिक रूप से अनिवार्य होता है।

26. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अधिनियम की धारा 8(2) के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालय के किसी भी कर्मचारी को शिक्षा निदेशक की पूर्व स्वीकृति के बिना बर्खास्त, हटाया या पद में अवनत नहीं किया जा सकता है। यह वैधानिक प्रावधान सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को प्रबंध समिति की मनमानी अनुशासनात्मक कार्रवाइयों से सुरक्षा कवच तथा सेवा की स्थायित्वता प्रदान करता है।

27. (D) नियम 98
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का नियम 98 सहायता प्राप्त विद्यालयों में रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया का विस्तृत विवरण देता है। इसके अंतर्गत पदों का सार्वजनिक विज्ञापन जारी करना, चयन समिति का गठन करना तथा चयन सूची को अंतिम स्वीकृति हेतु शिक्षा निदेशक के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य वैधानिक चरण शामिल हैं।

28. (B) वेतन और भत्ते सरकारी विद्यालयों में समकक्ष स्थिति (Corresponding Status) के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों से कम नहीं होने चाहिए
अधिनियम की धारा 10 के अनुसार गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कर्मचारियों के वेतन, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता तथा अन्य लाभ सरकारी विद्यालयों में कार्यरत समान पद और योग्यता वाले कर्मचारियों के समकक्ष स्थिति (Corresponding Status) से कम नहीं होने चाहिए। यह नियम निजी क्षेत्र के शिक्षकों के आर्थिक शोषण को रोकता है।

NODIA

29. (B) धारा 10
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 10 गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कर्मचारियों को सरकारी विद्यालयों के समकक्ष वेतन और भत्ते प्राप्त करने का कानूनी अधिकार देती है। वेतन विसंगति या कम भुगतान की स्थिति में शिक्षिका धारा 10 के प्रावधानों के तहत सक्षम न्यायिक अथवा प्रशासनिक मंचों से वेतन समानता हेतु कानूनी राहत मांग सकती है।

30. (B) अध्याय VIII
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का अध्याय VIII विशेष रूप से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के कर्मचारियों की भर्ती, परिक्षावधि, वरिष्ठता, वेतन, पदोन्नति तथा सेवामुक्ति से संबंधित सेवा के नियमों और शर्तों (Terms and Conditions

of Service) का विस्तृत वैधानिक निर्धारण करता है, जिसका पालन करना सभी प्रबंधन निकायों के लिए अनिवार्य है।

31. (A) केवल I और II
यदि नियुक्ति पत्र या सेवा अनुबंध में स्पष्ट उल्लेख हो, तो कर्मचारियों को समान प्रबंधन के अधीन संचालित अन्य शाखाओं में स्थानांतरित किया जा सकता है, बशर्ते उनके वेतन या पद में कोई अवनति न हो। गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों के आंतरिक स्थानांतरण के लिए शिक्षा निदेशक से पूर्व-अनुमोदन लेना वैधानिक रूप से आवश्यक नहीं होता है।

32. (B) एक वर्ष
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के तहत किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में स्थायी पद के विरुद्ध सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त कर्मचारियों के लिए मानक परिक्षावधि (Probation Period) एक वर्ष निर्धारित है। प्रबंध समिति यदि चाहे तो उपयुक्त पाए जाने पर इस अवधि को शिक्षा निदेशक की स्वीकृति के साथ अधिकतम एक अतिरिक्त वर्ष के लिए बढ़ा सकती है।

33. (B) 15 दिन
DSER, 1973 के नियम 115 के अंतर्गत यदि प्रबंध समिति किसी कर्मचारी को गंभीर कदाचार के आरोप में निलंबित करती है, तो उसे इस निलंबन आदेश की लिखित सूचना तथा संबंधित दस्तावेज 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से शिक्षा निदेशक को अनुमोदन हेतु प्रेषित करने होते हैं, अन्यथा निलंबन प्रभावहीन हो जाता है।

34. (D) सरकार सामान्य सहायता-अनुदान अनुपात (Grant-in-Aid Ratio) के आधार पर आनुपातिक सहायता का भुगतान करती है
सहायता प्राप्त विद्यालय के कर्मचारी के निलंबन के दौरान देय निर्वाह भत्ते (Subsistence Allowance) का भुगतान सरकार और प्रबंध समिति के बीच स्वीकृत सहायता-अनुदान अनुपात (95:5) के आधार पर किया जाता है। सरकार अपने निर्धारित प्रतिशत के अनुसार आनुपातिक वित्तीय सहायता जारी करती है जबकि शेष हिस्सा विद्यालय प्रबंधन वहन करता है।

35. (A) परिनिंदा (Censure)
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 117 के तहत अनुशासनहीनता के मामलों में कर्मचारियों पर लगाई जाने वाली शास्तियों को लघु और मुख्य श्रेणियों में बांटा गया है। 'परिनिंदा' (Censure) अर्थात औपचारिक लिखित चेतावनी को लघु शास्ति (Minor Penalty) के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जबकि बर्खास्तगी या पद-अवनति मुख्य शास्तियां हैं।

36. (C) एक औपचारिक जांच (Formal Inquiry) आयोजित करनी होगी जिसमें कर्मचारी को सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाए
नियम 120 के तहत किसी कर्मचारी पर मुख्य शास्ति (Major Penalty) जैसे सेवा से बर्खास्तगी या अवनति लगाने से पूर्व अनुशासनात्मक प्राधिकारी द्वारा औपचारिक जांच (Formal Inquiry) संचालित करना अनिवार्य है। इसमें कर्मचारी को आरोपों का उत्तर देने, साक्ष्य प्रस्तुत करने तथा प्राकृतिक न्याय के अनुरूप निष्पक्ष सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाना आवश्यक है।

37. (A) दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal)
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 8(3) और धारा 11 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त विद्यालयों के ऐसे कर्मचारी जिन्हें प्रबंध समिति द्वारा बर्खास्त, निष्कासित या पद में अवनत किया गया है, वे राहत हेतु अपीलीय प्राधिकारी के रूप में गठित 'दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण' (Delhi School Tribunal) के समक्ष अपनी याचिका प्रस्तुत कर सकते हैं।

38. (D) एक व्यक्ति जो जिला न्यायाधीश के रैंक का न्यायिक अधिकारी रहा हो
अधिनियम की धारा 11 के तहत गठित दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal) के पीठासीन अधिकारी (Presiding Officer) पद पर नियुक्ति हेतु केवल वही व्यक्ति पात्र होता है जो जिला न्यायाधीश (District Judge) के रैंक का न्यायिक अधिकारी रहा हो या उस पद पर कार्य करने की अर्हता रखता हो, ताकि न्यायिक निष्पक्षता बनी रहे।

39. (B) प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय को अभिभावक-विद्यालय साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक PTA का गठन करना होगा
शिक्षा निदेशालय के वैधानिक दिशा-निर्देशों के अनुसार दिल्ली के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों (सरकारी, सहायता प्राप्त तथा गैर-सहायता प्राप्त) में अभिभावक-शिक्षक संघ (Parent-Teacher Association) का गठन करना अनिवार्य है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास तथा संस्थागत सुधार हेतु अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद और सहकार्य को बढ़ाना है।

40. (C) विद्यालय के वार्षिक बजट और शुल्क संरचना को अंतिम रूप देना और अनुमोदित करना
अभिभावक-शिक्षक संघ (PTA) का प्राथमिक कार्य छात्र कल्याण, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों तथा विद्यालयीन वातावरण में सुधार हेतु सुझाव देना है। विद्यालय का वार्षिक वित्तीय बजट तैयार करना तथा शुल्क संरचना को अंतिम रूप देना प्रबंध समिति (Managing Committee) और शिक्षा निदेशालय की वैधानिक शक्तियों के अंतर्गत आता है, PTA के पास यह अधिकार नहीं है।

41. (D) बच्चे और माता-पिता के लिए screening प्रक्रियाएं या साक्षात्कार (Screening Procedures or Interviews)
अधिनियम की धारा 16 तथा शिक्षा के अधिकार के तहत प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश हेतु बच्चों या उनके माता-पिता का किसी भी प्रकार का साक्षात्कार, मौखिक परीक्षण या स्क्रीनिंग प्रक्रिया (Screening Procedures) आयोजित करना सख्त वर्जित है। प्रवेश प्रक्रिया केवल पारदर्शी, गैर-भेदभावपूर्ण तथा पूर्व-निर्धारित वस्तुनिष्ठ मापदंडों के आधार पर संचालित की जानी अनिवार्य है।

Downloaded from www.pdf.tube

42. (A) भूमि पट्टे की शर्तों के अनुसार 25% EWS छात्रों को प्रवेश देना अनिवार्य है
DDA जैसी एजेंसियों द्वारा रियायती दरों पर आवंटित भूमि पर स्थित गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए पट्टे की शर्तों के तहत प्रवेश स्तर की 25% सीटें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) तथा वंचित समूहों के छात्रों के लिए आरक्षित रखना और उन्हें निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

43. (B) भूमि आवंटन प्राधिकरण से भूमि के लीज डीड (Lease Deed) को रद्द करने की सिफारिश करना
यदि कोई निजी विद्यालय भूमि आवंटन की शर्तों का उल्लंघन करते हुए EWS/DG श्रेणी के बच्चों को निःशुल्क सीटों पर प्रवेश देने से मना करता है, तो शिक्षा निदेशालय संबंधित भूमि आवंटन एजेंसी (जैसे DDA) को उस विद्यालय की भूमि की लीज डीड (Lease Deed) को रद्द करने की सिफारिश कर सकता है।

44. (B) किसी राजनीतिक दल का सदस्यता अभियान या चुनाव प्रचार कार्यालय चलाना
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 49 के अनुसार मान्यता प्राप्त विद्यालय के परिसर और परिसंपत्तियों का उपयोग केवल शैक्षणिक, खेलकूद तथा छात्र कल्याण संबंधी गतिविधियों के लिए ही किया जा सकता है। विद्यालय परिसर में किसी राजनीतिक दल का प्रचार, कार्यालय या गैर-शैक्षणिक व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करना सख्त वर्जित है।

45. (A) शिक्षा निदेशक (Director of Education) या कोई अधिकृत अधिकारी
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 24 के तहत शिक्षा निदेशक (Director of Education) अथवा उनके द्वारा लिखित रूप में अधिकृत किसी भी निरीक्षण अधिकारी को मान्यता प्राप्त विद्यालयों की शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा वित्तीय व्यवस्थाओं का आवधिक निरीक्षण (Inspection) करने की पूर्ण वैधानिक शक्ति प्राप्त है।

46. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अधिनियम की धारा 24 के अंतर्गत शिक्षा निदेशक को विद्यालयों के निरीक्षण का अधिकार है ताकि वैधानिक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। इसलिए निरीक्षण के दौरान निरीक्षण अधिकारी को विद्यालय के सभी खातों, रजिस्टरों, अभिलेखों तथा भौतिक परिसरों की जांच करने हेतु पूर्ण सहयोग देना प्रबंध समिति का वैधानिक दायित्व है।

47. (D) एक निर्दिष्ट अवधि के भीतर त्रुटियों को दूर करने के निर्देश जारी करना
निरीक्षण के दौरान सहायता प्राप्त विद्यालय के प्रशासन या वित्तीय प्रबंधन में कमियां पाई जाने पर DSEA, 1973 की धारा 24(2) के तहत शिक्षा निदेशक प्रबंधक को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर उन त्रुटियों को दूर करने का औपचारिक निर्देश देता है। अनुपालन न होने पर ही दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाती है।

48. (C) प्राचार्य से अपील, और यदि समाधान न हो, तो क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (Zonal Education Officer - ZEO) से अपील
यदि किसी छात्र को आंतरिक मूल्यांकन अंकों (Internal Assessment Marks) या प्रयोगात्मक परीक्षाओं के संबंध में कोई शिकायत है, तो प्रथमतः विद्यालय के प्राचार्य के समक्ष अभ्यावेदन दिया जाता है। संतोषजनक समाधान न होने पर छात्र या अभिभावक क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (ZEO) के समक्ष अपीलीय शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

49. (B) कारावास जिसे छह महीने तक बढ़ाया जा सकता है, या जुर्माना, या दोनों
अधिनियम की धारा 27 के अंतर्गत दंडात्मक प्रावधानों का उल्लेख है। यदि किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधक धारा 20 के तहत दिए गए प्रबंधन अधिग्रहण (Takeover of Management) के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन करता है, तो उसे अधिकतम छह महीने की कारावास की सजा, या जुर्माना, अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है।

50. (D) तीन महीने तक का कारावास, या जुर्माना, या दोनों
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बिना वैधानिक मान्यता प्राप्त किए विद्यालय चलाना अथवा मान्यता प्राप्त होने का झूठा दावा करना धारा 27 के तहत एक दंडनीय अपराध है। ऐसा करने वाले व्यक्ति को तीन महीने तक के कारावास या जुर्माने अथवा दोनों की सजा दी जा सकती है।

NODIA

51. (B) केवल II और III
DSEA, 1973 में समय-समय पर महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के आगमन से इसकी धारा 16 में प्रवेश प्रक्रियाएं प्रभावित हुई हैं। इसके अतिरिक्त, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के निर्णयों ने गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में शुल्क विनियमन और पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है।

52. (C) प्रबंधन की योजना (Scheme of Management)
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का अध्याय IV मुख्य रूप से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के 'प्रबंधन की योजना' (Scheme of Management) से संबंधित है। इसमें प्रबंध समिति के गठन, सदस्यों की पात्रता, शक्तियों, कर्तव्यों तथा विद्यालय के दैनिक प्रशासनिक संचालन हेतु आवश्यक वैधानिक व्यवस्थाओं का विस्तृत ढांचा निर्धारित किया गया है।

53. (C) अध्याय XI
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का अध्याय XI विशेष रूप से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में छात्रों के प्रवेश (Admission), विद्यालय स्थानांतरण एवं प्रवासन (Migration), शुल्क भुगतान, उपस्थिति नियमों तथा निष्कासन अथवा नाम हटाए जाने से संबंधित विस्तृत प्रक्रियाओं एवं नियमों को विनियमित करता है।

54. (D) बोर्ड के परामर्श से प्रशासक (Administrator) द्वारा निर्दिष्ट
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 97 के अनुसार मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विभिन्न स्तरों के शिक्षकों की न्यूनतम शैक्षणिक तथा व्यावसायिक योग्यताएं संबंधित शिक्षा बोर्ड (जैसे CBSE) के परामर्श से प्रशासक (उपराज्यपाल) द्वारा आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से निर्धारित और निर्दिष्ट की जाती हैं।

55. (B) न्यूनतम व्यावसायिक मानदंडों को पूरा न करने के कारण नियुक्ति को खारिज करना
DSER, 1973 के तहत स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT) पद के लिए निर्धारित न्यूनतम योग्यताओं में संबंधित विषय में मास्टर डिग्री के साथ B.Ed. की व्यावसायिक डिग्री होना अनिवार्य है। यदि कोई विद्यालय बिना B.Ed. वाले उम्मीदवार की नियुक्ति करता है, तो शिक्षा निदेशक न्यूनतम व्यावसायिक मानदंडों का उल्लंघन होने के कारण ऐसी नियुक्ति को निरस्त कर देता है।

56. (C) 60 वर्ष
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियों की अधिवर्षिता सेवानिवृत्ति (Superannuation Age) की मानक आयु 60 वर्ष निर्धारित है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर कर्मचारी उस महीने के अंतिम दिन सेवानिवृत्त हो जाता है, जब तक कि कोई विशेष विस्तार न दिया गया हो।

57. (B) 2 वर्ष
नियम 110 के अनुसार राष्ट्रीय या राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले किसी उत्कृष्ट शिक्षक की सेवाओं को सेवानिवृत्ति के पश्चात विस्तारित किया जा सकता है। दिल्ली स्कूल शिक्षा नियमों के तहत दी जाने वाली इस सेवा विस्तार (Extension of Service) की कुल अधिकतम अवधि एक बार में एक वर्ष करते हुए कुल 2 वर्ष से अधिक नहीं हो सकती।

58. (A) अभिभावकों का धार्मिक संबद्धता रजिस्टर
नियम 181 के तहत विद्यालयों को प्रवेश-निकासी रजिस्टर, छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति रजिस्टर, कैश बुक, एक्विटेंस रोल तथा सर्विस बुक्स जैसे प्रशासनिक व वित्तीय अभिलेख बनाए रखना अनिवार्य है। अभिभावकों की धार्मिक संबद्धता का पृथक रजिस्टर रखना वैधानिक रूप से न तो आवश्यक है और न ही अनुमेय है।

59. (C) तीन महीने में कम से कम एक बार
मानक प्रबंधन योजना (Scheme of Management) के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) की नियमित बैठकें आयोजित होना अनिवार्य है। वैधानिक नियमों के तहत प्रबंध समिति की कम से कम एक बैठक प्रत्येक तीन महीने की अवधि में (वर्ष में चार बार) आयोजित होना आवश्यक है।

60. (B) प्रवेश के लिए लिया जाने वाला गैर-अनुमोदित दान या भुगतान
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के तहत "कैपिटेशन शुल्क" (Capitation Fee) से तात्पर्य छात्र को प्रवेश देने के बदले में अभिभावकों से एकत्र किए जाने वाले किसी भी प्रकार के गैर-अनुमोदित दान, प्रीमियम या संस्थागत प्रभार से है। अधिनियम की धारा 16 के तहत कैपिटेशन शुल्क वसूलना पूर्णतः अवैध और दंडनीय अपराध है।

61. (B) केवल II और IV
DSEA, 1973 के तहत प्रवेश हेतु भवन निर्माण कोष या कोई चंदा लेना सख्त वर्जित है। गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय भी बिना पूर्व-सूचना एवं वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए सत्र के मध्य में शिक्षण शुल्क में मनमानी वृद्धि नहीं कर सकते हैं। एकत्र किए गए प्रत्येक शुल्क की अधिकृत रसीद देना वैधानिक रूप से अनिवार्य है।

62. (C) गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क (Registration Fee) को छोड़कर सभी शुल्क वापस करना
शिक्षा निदेशालय के दिशानिर्देशों के अनुसार यदि कोई छात्र शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व प्रवेश वापस लेता है, तो विद्यालय प्रबंधन केवल निर्धारित गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क (Registration Fee) को काटकर छात्र द्वारा जमा किए गए शेष समस्त शुल्क और सुरक्षा जमा को वापस लौटाने के लिए वैधानिक रूप से बाध्य है।

63. (D) शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education)
दिल्ली के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर (Academic Calendar), कार्य दिवसों की न्यूनतम संख्या, छुट्टियों की सूची तथा विद्यालय के दैनिक संचालन समय का निर्धारण करने का अनन्य वैधानिक अधिकार शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) के पास निहित होता है, जिसका अनुपालन सभी विद्यालयों को करना होता है।

64. (B) 210 दिन
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के तहत किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय के लिए एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 210 प्रत्यक्ष शिक्षण एवं कार्य दिवस (Working Days) आयोजित करना अनिवार्य निर्धारित न्यूनतम मानक है, ताकि निर्धारित पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

65. (B) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
DSER, 1973 के तहत यदि किसी सहायता प्राप्त विद्यालय के कर्मचारी पर प्रबंध समिति द्वारा कोई लघु दंड (Minor Penalty) जैसे परिनिंदा या वेतन वृद्धि रोकना लगाया जाता है, तो उस आदेश के विरुद्ध प्रथम अपीलीय अधिकारी शिक्षा निदेशक (Director of Education) होता है, जो मामले की समीक्षा करता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

66. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अधिनियम की धारा 25 स्पष्ट रूप से यह प्रावधान करती है कि जिन मामलों का न्यायनिर्णयन करने का अधिकार दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण या निदेशक को दिया गया है (जैसे बर्खास्तगी या अवनति), उन मामलों में सामान्य सिविल न्यायालयों के क्षेत्राधिकार को वर्जित किया गया है ताकि समानांतर मुकदमों को रोका जा सके।

67. (A) औपचारिक वैधानिक मान्यता के बिना काम करने वाला एक गैर-अनुमोदित विद्यालय
दिल्ली में "गैर-मान्यता प्राप्त विद्यालय" (Unrecognized School) का तात्पर्य ऐसे शैक्षणिक संस्थान से है जो अधिनियम की धारा 4 के तहत सक्षम प्राधिकारी (शिक्षा निदेशालय) से औपचारिक वैधानिक मान्यता प्राप्त किए बिना अवैध रूप से संचालित हो रहा हो। ऐसे संस्थानों द्वारा जारी प्रमाणपत्र वैधानिक रूप से मान्य नहीं होते हैं।

68. (C) अनधिकृत ट्यूशन के लिए नियम 112 के तहत कारण बताओ नोटिस (Show Cause Notice) जारी करना
DSER, 1973 के नियम 112 (आचार संहिता) के तहत शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन करना सख्त वर्जित है। यदि कोई शिक्षक अनधिकृत ट्यूशन में लिप्त पाया जाता है, तो विद्यालय प्रमुख को अनुशासनात्मक प्रक्रिया के प्रथम चरण के रूप में नियम 112 के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस (Show Cause Notice) जारी करना चाहिए।

69. (A) शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए विद्यालय परिसर के भीतर उपचारात्मक कक्षाओं (Remedial Classes) का आयोजन करना
नियम 112 के अनुसार विद्यालय परिसर में शैक्षणिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं (Remedial Classes) चलाना शिक्षक का शैक्षणिक कर्तव्य है और यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है। जबकि राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेना, अनधिकृत व्यावसायिक कार्य करना या हड़ताल करना आचार संहिता का उल्लंघन माना जाता है।

70. (C) अध्याय IV (सेवा के नियम और शर्तें)
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 13 यह स्पष्ट करती है कि अधिनियम का अध्याय IV (जो कर्मचारियों की सेवा शर्तों और अनुशासनात्मक अनुमोदन से संबंधित है) गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों पर लागू नहीं होगा। यह छूट संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत उन्हें प्राप्त प्रशासनिक स्वायत्तता की रक्षा करती है।

71. (A) केवल I और II
गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों को अध्याय IV से छूट प्राप्त है, जिससे उन्हें कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु निदेशक की पूर्व-स्वीकृति लेने की आवश्यकता नहीं होती और वे अपने सेवा नियम स्वयं बना सकते हैं। किंतु वे प्रशासक द्वारा निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक अर्हताओं (Minimum Qualifications) के नियमों से छूट प्राप्त नहीं रखते हैं।

72. (C) धारा 26
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 26 सद्भावपूर्वक (In Good Faith) की गई कार्रवाई के लिए संरक्षण प्रदान करती है। इसके अनुसार प्रशासक, निदेशक या किसी भी सरकारी अधिकारी के विरुद्ध इस अधिनियम या नियमों के तहत निष्पादित किए गए किसी कार्य हेतु कोई कानूनी मुकदमा, अभियोजन या कार्यवाही दर्ज नहीं की जा सकती।

73. (D) प्रशासक (उपराज्यपाल) – अधिनियम के प्रावधानों को पूरा करने के लिए नियम बनाना
अधिनियम की धारा 28 प्रशासक (उपराज्यपाल) को इस अधिनियम के उद्देश्यों और प्रावधानों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु नियम बनाने की सर्वोच्च शक्ति प्रदान करती है। दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का निर्माण इसी वैधानिक शक्ति का प्रयोग करते हुए किया गया है, जो संपूर्ण स्कूल शिक्षा प्रणाली का आधार है।

74. (A) नियम 43 – प्रवेश और निकासी (Admissions and Withdrawals)
नियम 43 शिक्षा निदेशक की सामान्य निर्देश जारी करने की शक्ति से संबंधित है, न कि प्रवेश और निकासी से। छात्रों के प्रवेश, स्थानांतरण तथा प्रवासन से संबंधित प्रावधान DSER, 1973 के नियम 131 से 141 और अध्याय XI के अंतर्गत आते हैं। अतः विकल्प A एक गलत युग्म दर्शाती है।

75. (B) कोई मौलिक अंतर मौजूद नहीं है क्योंकि अधिनियम उनका परस्पर उपयोग करता है
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के वित्तीय प्रावधानों के संदर्भ में 'सहायता अनुदान' (Grant-in-Aid) और 'रखरखाव अनुदान' (Maintenance Grant) का प्रयोग सहायता प्राप्त विद्यालयों को आवर्ती परिचालन व्ययों जैसे कर्मचारियों के वेतन व भत्तों के भुगतान हेतु प्रदान की जाने वाली सरकारी सहायता के लिए परस्पर रूप से किया जाता है।

76. (B) विद्यालय का उचित प्रबंधन करने और अनुशासन बनाए रखने में विफलता
DSER, 1973 के नियम 64 के अनुसार यदि कोई सहायता प्राप्त विद्यालय अपने शैक्षणिक स्तर, वित्तीय अनुशासन या प्रशासनिक व्यवस्था को बनाए रखने में विफल रहता है अथवा नियमों का उल्लंघन करता है, तो शिक्षा निदेशक उस विद्यालय का सहायता अनुदान (Grant-in-Aid) रोकने, कम करने या निलंबित करने का आदेश दे सकता है।

77. (A) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
किसी मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय द्वारा स्वीकृत किसी संकाय (जैसे विज्ञान, वाणिज्य या कला) को बंद करने या कक्षाओं को समाप्त करने के लिए शिक्षा निदेशक (Director of Education) की पूर्व औपचारिक अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है, ताकि नामांकित छात्रों और कार्यरत शिक्षकों के हितों की रक्षा हो सके।

NODIA

78. (C) कैश बुक और फीस संग्रह रजिस्टर (Cash Book and Fee Collection Register)
DSER, 1973 के नियम 144 के तहत प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय के लिए कैश बुक (Cash Book) तथा फीस संग्रह रजिस्टर बनाए रखना अनिवार्य है। इसमें छात्रों से प्राप्त शिक्षण शुल्क, अन्य प्रभारों की प्राप्तियों तथा प्रतिदिन किए जाने वाले समस्त वित्तीय लेन-देन का अद्यतन एवं पारदर्शी ब्योरा दर्ज किया जाता है।

79. (B) 1 अप्रैल
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के अनुसार विद्यालयों के खातों के रखरखाव, वित्तीय प्रबंधन तथा सहायता अनुदान के आवंटन हेतु वित्तीय वर्ष (Financial Year) प्रतिवर्ष 1 अप्रैल से प्रारंभ होकर अगले वर्ष की 31 मार्च को समाप्त होता है, जो मानक सरकारी वित्तीय चक्र के अनुरूप है।

80. (C) DoE या स्थानीय निधि लेखा परीक्षक (Local Fund Accounts Examiner) द्वारा नामित लेखा परीक्षक
सहायता प्राप्त विद्यालयों को आवंटित सरकारी अनुदान तथा विद्यालय कोष के पारदर्शी उपयोग का सत्यापन करने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में अनिवार्य अंकेक्षण (Audit) कराया जाता है। यह ऑडिट शिक्षा निदेशालय या स्थानीय निधि लेखा परीक्षक (Local Fund Accounts Examiner) द्वारा विशेष रूप से नामित लेखा परीक्षकों द्वारा किया जाता है।

81. (B) हाँ, धारा 17(3) के तहत दाखिल करना पर्याप्त है जब तक कि अदालत के आदेश अन्यथा निर्देश न दें
जिन गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों ने रियायती सरकारी भूमि प्राप्त नहीं की है, उनके लिए धारा 17(3) के अंतर्गत आगामी सत्र से पूर्व अपनी शुल्क तालिका शिक्षा निदेशक के समक्ष प्रस्तुत (File) करना पर्याप्त होता है। जब तक पट्टे की विशिष्ट शर्त न हो या अदालत का विपरीत आदेश न हो, उन्हें पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती।

82. (D) व्यक्तिगत निधियों को छोड़कर सहायता अनुदान, शुल्क आय और अन्य संग्रह
नियम 149 के अनुसार सहायता प्राप्त विद्यालय का 'विद्यालय कोष' (School Fund) सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान, छात्रों से एकत्र शुल्क, विलंब शुल्क, क्रीड़ा शुल्क तथा अन्य अधिकृत आय के योग से निर्मित होता है। इसमें किसी व्यक्ति या प्रबंधन सदस्य की निजी संपत्ति या व्यक्तिगत निधियां शामिल नहीं होती हैं।

83. (A) निदेशक द्वारा अनुमोदित किसी भी राष्ट्रीयकृत, अनुसूचित या सहकारी बैंक में
DSEA, 1973 की धारा 18 यह अनिवार्य बनाती है कि प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय का विद्यालय कोष (School Fund) केवल शिक्षा निदेशक द्वारा अनुमोदित किसी राष्ट्रीयकृत बैंक, अनुसूचित बैंक या पंजीकृत सहकारी बैंक के अधिकृत खाते में ही रखा जाएगा, ताकि संस्थागत निधियों की सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहे।

84. (C) शुल्क, प्रभार या बंदोबस्ती (Endowments) के माध्यम से विद्यालय को प्राप्त होने वाली आय
'मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय कोष' का गठन मुख्य रूप से छात्रों से प्राप्त शिक्षण शुल्क, विकास शुल्क, अन्य प्रभारों तथा दान व बंदोबस्ती (Endowments) से प्राप्त आय द्वारा होता है। चूंकि ये विद्यालय सरकारी अनुदान प्राप्त नहीं करते, अतः उनकी समस्त परिचालन निधियां इन्हीं आंतरिक स्रोतों से आती हैं।

85. (A) विद्यालय का शैक्षिक विस्तार और शिक्षा को बढ़ावा देना
DSER, 1973 के नियम 177 के तहत गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय कोष में बची हुई किसी भी बचत राशि या अधिशेष का उपयोग केवल उसी विद्यालय के शैक्षणिक विस्तार, अवसंरचना में सुधार, अनुसंधान तथा छात्रों के कल्याण हेतु किया जाना चाहिए। इसका उपयोग व्यक्तिगत लाभ या किसी अन्य व्यावसायिक कार्य के लिए करना प्रतिबंधित है।

86. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
यद्यपि विद्यालय प्रमुख आहरण एवं संवितरण अधिकारी (DDO) के रूप में कार्य करता है, किंतु उसके पास बिना किसी वित्तीय सीमा के मनमाना व्यय करने की पूर्ण स्वायत्तता नहीं होती है। नियम 180 के तहत वित्तीय व्यय स्वीकृत बजट सीमाओं, वित्तीय नियमों तथा प्रबंध समिति/निदेशालय के अनुमोदन के अधीन ही किए जा सकते हैं।

87. (B) 30 दिन
DSER, 1973 के प्रावधानों के तहत यदि किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय का कोई कर्मचारी प्रबंध समिति द्वारा जारी निलंबन आदेश से असंतुष्ट है, तो वह उस निलंबन आदेश की प्राप्ति की तारीख से 30 दिनों के भीतर शिक्षा निदेशक के समक्ष अपनी अपीलीय याचिका प्रस्तुत कर सकता है।

88. (C) यदि बकाया राशि का भुगतान कर दिया गया है तो आवेदन करने पर यह निःशुल्क जारी किया जाना चाहिए
नियम 134 के अनुसार यदि छात्र या अभिभावक ने विद्यालय के सभी बकाया देयों (Dues) का निष्पादन कर दिया है, तो औपचारिक आवेदन प्राप्त होने पर विद्यालय प्रबंधन का यह दायित्व है कि वह बिना किसी अनुचित देरी या अतिरिक्त प्रभार के स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate) निःशुल्क जारी करे।

NODIA

89. (D) किसी नगर निगम प्राधिकरण या वैधानिक निकाय द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र
DSER, 1973 के तहत प्राथमिक कक्षाओं में बच्चे के प्रवेश के समय उसकी आयु के औपचारिक सत्यापन हेतु नगर निगम, नगर पालिका अथवा किसी सक्षम वैधानिक निकाय द्वारा जारी आधिकारिक जन्म प्रमाण पत्र (Birth Certificate) को प्राथमिक और सर्वमान्य वैधानिक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाता है।

90. (A) प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का समय देते हुए अनंतिम प्रवेश (Provisional Admission) प्रदान करना
यदि कोई छात्र पूर्व विद्यालय से स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है, तो नियम 141 के अनुसार विद्यालय प्रमुख को छात्र की शिक्षा को बाधित होने से बचाने के लिए उसे अनंतिम प्रवेश (Provisional Admission) देना चाहिए तथा अभिभावकों को TC जमा करने हेतु उचित समय सीमा प्रदान करनी चाहिए।

91. (D) I, II, और III
सहायता प्राप्त विद्यालय में किसी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु गठित अनुशासनात्मक समिति (Disciplinary Committee) में विद्यालय का प्रबंधक, शिक्षा निदेशक द्वारा मनोनीत एक प्रतिनिधि तथा विद्यालय प्रमुख (यदि जांच स्वयं उनके विरुद्ध न हो) अनिवार्य सदस्य के रूप में शामिल होते हैं ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके।

92. (B) आवश्यक छात्र संख्या या शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने में विफलता
नियम 44 के अंतर्गत किसी विद्यालय का स्तर घटाने (Downgrading) का मुख्य आधार न्यूनतम निर्धारित छात्र संख्या (Enrollment) का न होना, अनिवार्य भौतिक एवं शैक्षणिक सुविधाओं में गिरावट आना या शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने में लगातार विफल रहना है। ऐसी स्थिति में सक्षम प्राधिकारी विद्यालय का स्तर घटा सकता है।

93. (A) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 7 के अनुसार किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधक, शिक्षा निदेशक (Director of Education) की पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त किए बिना विद्यालय की किसी भी अचल संपत्ति, भूमि या भवन को हस्तांतरित, विक्रय, गिरवी (Mortgage) अथवा पट्टे पर नहीं दे सकता है।

94. (C) निदेशक से पूर्व स्वीकृति न मिलने के कारण शून्य और अवैध (Void and Illegal)
धारा 7 का उल्लंघन करते हुए यदि विद्यालय प्रबंधन शिक्षा निदेशक की पूर्व स्वीकृति के बिना विद्यालय संपत्ति या भूमि के किसी भाग को बेचने अथवा हस्तांतरित करने का प्रयास करता है, तो ऐसा समस्त लेन-देन कानून की दृष्टि में पूर्णतः शून्य और अवैध (Void and Illegal) माना जाता है।

95. (D) परिवहन/बस शुल्क (Transport/Bus Fee)
DSER, 1973 के नियम 148 के अनुसार ऐसे प्रभार जो किसी विशिष्ट सेवा को प्रदान करने हेतु वसूल किए जाते हैं, उन्हें 'निर्दिष्ट लेवी' (Earmarked Levy) कहा जाता है। परिवहन या बस शुल्क (Transport Fee) इसका एक स्पष्ट उदाहरण है, क्योंकि यह केवल बस सेवा का उपयोग करने वाले छात्रों से ही लिया जाता है।

96. (C) इसका उपयोग केवल उसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए करना जिसके लिए इसे एकत्र किया गया है
'निर्दिष्ट लेवी' (Earmarked Levy) जैसे खेल शुल्क, प्रयोगशाला शुल्क या परिवहन शुल्क के संदर्भ में मौलिक नियम यह है कि एकत्र की गई राशि का उपयोग केवल उसी विशिष्ट उद्देश्य हेतु किया जाएगा जिसके लिए वह ली गई है। इस राशि को सामान्य शिक्षण शुल्क खाते में मिलाना या अन्य कार्यों में व्यय करना वर्जित है।

97. (B) इसे प्रशासक/बोर्ड द्वारा निर्धारित नीति के अनुरूप होना चाहिए
नियम 50 के तहत निजी विद्यालय की मान्यता हेतु यह अनिवार्य शर्त है कि विद्यालय में शिक्षा का माध्यम (Medium of Instruction) प्रशासक (उपराज्यपाल) या संबद्ध बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित आधिकारिक शिक्षा नीति के अनुरूप होना चाहिए, ताकि भाषाई प्राथमिकताओं और राज्य नीति में सामंजस्य बना रहे।

98. (C) 6 महीने पहले
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 49 के अनुसार नया निजी विद्यालय शुरु करने हेतु वैधानिक मान्यता का आवेदन पत्र, उस शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने से कम से कम 6 महीने पूर्व निर्धारित प्रारुप तथा समस्त आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ शिक्षा निदेशक के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है।

99. (A) दुग्गल समिति (Duggal Committee)
दिल्ली में गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों द्वारा ली जाने वाली फीस की संरचना की जांच करने, मुनाफाखोरी रोकने तथा शुल्क विसंगतियों को दूर करने हेतु गठित न्यायमूर्ति दुग्गल समिति (Duggal Committee) की सिफारिशों के आधार पर ही 'शुल्क विसंगति समिति' (Fee Anomalies Committee) का गठन किया गया था।

100. (C) कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fee)
सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में केवल स्वीकृत शीर्षों (जैसे शिक्षण शुल्क, विकास शुल्क आदि) के तहत ही फीस ली जा सकती है। 'कैपिटेशन शुल्क' (Capitation Fee) या किसी भी गुप्त प्रभार को एक अलग शुल्क शीर्ष के रूप में लेना कानूनन सख्त वर्जित है।

101. (A) केवल I, II, और III
विकास शुल्क (Development Fee) केवल वे विद्यालय ले सकते हैं जिनके पास बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। इसे पूंजीगत प्राप्ति मानकर अलग बैंक खाते में रखा जाता है तथा यह शिक्षण शुल्क के 15% से अधिक नहीं हो सकता। इसका उपयोग केवल उपकरण व अवसंरचना विकास हेतु होता है, कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु नहीं।

102. (D) नियमों के माध्यम से प्रशासक (उपराज्यपाल)
DSEA, 1973 की धारा 9 यह अनिवार्य करती है कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों का प्रत्येक कर्मचारी निर्धारित आचार संहिता

Downloaded from www.pdf.tube

(Code of Conduct) का पालन करेगा। इस आचार संहिता का निर्माण अधिनियम की धारा 28 के तहत वैधानिक नियम बनाकर प्रशासक (उपराज्यपाल) द्वारा आधिकारिक रूप से किया जाता है।

103. (B) 30 दिन
नियम 123 के अनुसार यदि कोई कर्मचारी प्रबंध समिति द्वारा दिए गए किसी दंडात्मक आदेश (जैसे बर्खास्तगी या पद-अवनति) के विरुद्ध दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (Delhi School Tribunal) में अपील दायर करना चाहता है, तो उसे उस आदेश की प्राप्ति की तिथि से 30 दिनों के भीतर अपील दर्ज करनी होती है।

104. (C) प्रशासक अधीनस्थ अधिकारियों को शक्तियां प्रत्यायोजित कर सकता है
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 21 शक्तियों के प्रत्यायोजन (Delegation of Powers) से संबंधित है। यह प्रावधान प्रशासक को यह अधिकार देता है कि वह आधिकारिक अधिसूचना द्वारा अपनी किसी भी वैधानिक शक्ति या कार्य को अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी (जैसे शिक्षा निदेशक) को प्रत्यायोजित कर सकता है।

105. (B) 6 दिन
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 34 के अनुसार यदि कोई छात्र बिना किसी सक्षम पूर्व-स्वीकृति या औपचारिक अवकाश आवेदन के लगातार 6 कार्य दिवसों (Working Days) तक विद्यालय से अनुपस्थित रहता है, तो उसका नाम विद्यालय के रोल/उपस्थिति रजिस्टर से हटाया जा सकता है।

106. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
नियम 138 के तहत अनुशासनहीनता या घोर कदाचार के कारण किसी विद्यालय से निष्कासित (Expelled) छात्र को शिक्षा निदेशक के पूर्व लिखित अनुमोदन के बिना किसी भी अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जा सकता है, जिससे विद्यालयों को ऐसे आवेदनों को अस्वीकार करने का वैधानिक आधार मिलता है।

107. (D) धारा 28
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 28 प्रशासक (उपराज्यपाल) को अधिनियम के प्रावधानों, उद्देश्यों तथा शैक्षणिक संचालन को सुचारु रूप से लागू करने के लिए नियम बनाने की व्यापक शक्ति (Rule-making Power) प्रदान करती है। इसी धारा के अंतर्गत DSER, 1973 प्रख्यापित किए गए थे।

108. (B) निदेशक के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी भी विद्यालय को बंद करने की अनुमति नहीं है
अधिनियम की धारा 6 स्पष्ट रूप से यह प्रावधान करती है कि किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधन, शिक्षा निदेशक के पूर्व लिखित अनुमोदन प्राप्त किए बिना तथा निर्धारित अवधि का नोटिस दिए बिना विद्यालय को बंद नहीं कर सकता, ताकि छात्रों और कर्मचारियों के हित सुरक्षित रहें।

109. (A) लाभ के दोहरे पदों से बचने के लिए त्यागपत्र देना या असाधारण अवकाश (Extraordinary Leave) लेना
सहायता प्राप्त विद्यालय का शिक्षक लोक सेवक की श्रेणी में आता है। विधायक चुने जाने पर संवैधानिक और सेवा नियमों के तहत लाभ के दोहरे पद (Office of Profit) के उल्लंघन से बचने के लिए शिक्षक को अपने शिक्षण पद से त्यागपत्र देना होगा या आधिकारिक रूप से स्वीकृत असाधारण अवकाश (Extraordinary Leave) लेना होगा।

110. (C) विद्यालय का प्रबंधक (Manager of the School)
नियम 111 के अनुसार अवकाश अधिकार का मामला नहीं है। किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय के विद्यालय प्रमुख (Head of School / Principal) के आकस्मिक अवकाश (Casual Leave) या अन्य छुट्टियों को स्वीकृत करने वाला वैधानिक प्राधिकारी विद्यालय का अधिकृत प्रबंधक (Manager of the School) होता है।

111. (D) I, II, और III
DSER, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत महिला कर्मचारी पूर्ण वेतन पर मातृत्व अवकाश (Maternity Leave) पाने की हकदार हैं। यह सुविधा दिल्ली सरकार के कर्मचारियों पर लागू नियमों के समान दी जाती है और इसे नियमानुसार अन्य किसी भी देय अर्जित अवकाश के साथ संयोजित किया जा सकता है।

112. (C) प्रथम नियुक्ति के समय
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 113 के अनुसार मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में नियुक्त प्रत्येक नए कर्मचारी को अपनी प्रथम नियुक्ति (First Appointment) के समय किसी अधिकृत मेडिकल अधिकारी द्वारा जारी किया गया शारीरिक स्वास्थ्य/फिटनेस मेडिकल प्रमाण पत्र (Medical Fitness Certificate) प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

113. (B) प्रतिकूल टिप्पणियों का संचार और अभ्यावेदन (Representation) करने का अधिकार
यदि किसी सहायता प्राप्त विद्यालय के कर्मचारी की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (ACR) में कोई प्रतिकूल टिप्पणी (Adverse Remarks) दर्ज की जाती है, तो सेवा नियमों के तहत कर्मचारी को उस टिप्पणी की लिखित सूचना प्राप्त करने तथा उसके विरुद्ध सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना औपचारिक अभ्यावेदन (Representation) प्रस्तुत करने का अधिकार है।

114. (C) एक वर्ष
DSER, 1973 के नियम 105 के अनुसार जब किसी सेवारत कर्मचारी को विद्यालय में किसी उच्च पद पर पदोन्नत (Promoted) किया जाता है, तो उस नए पद पर उसकी मानक परिक्षावधि (Probation Period) एक वर्ष की होती है, जिसे असंतोषजनक कार्य प्रदर्शन पर केवल एक अतिरिक्त वर्ष बढ़ाया जा सकता है।

NODIA

115. (A) 15 दिन की समाप्ति पर निलंबन स्वतः समाप्त (Automatic Cessation) हो जाता है
धारा 8(4) के तहत यदि प्रबंधन किसी कर्मचारी को निलंबित करता है और शिक्षा निदेशक 15 दिनों के भीतर उस निलंबन की स्वीकृति या अस्वीकृति की सूचना नहीं देता है, तो 15 दिन पूरे होने पर वह निलंबन आदेश स्वतः ही समाप्त (Automatic Cessation) माना जाता है तथा कर्मचारी बहाल हो जाता है।

116. (C) स्टॉक रजिस्टर (Stock Register)
DSER, 1973 के नियम 181 के अनुसार प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय में स्टॉक रजिस्टर (Stock Register) बनाए रखना अनिवार्य है। इसमें विद्यालय की समस्त अचल एवं चल संपत्तियों, खेल सामग्री, प्रयोगशाला उपकरणों, फर्नीचर तथा अन्य भौतिक वस्तुओं का अद्यतन रिकॉर्ड दर्ज किया जाता है।

117. (A) विद्यालय प्रमुख (प्राचार्य) (Head of School - Principal)
स्वीकृत प्रबंधन की योजना (Scheme of Management) के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त सहायता प्राप्त विद्यालय की प्रबंध समिति में विद्यालय प्रमुख (प्राचार्य) पदेन सदस्य-सचिव (Ex-officio Member-Secretary) के रूप में कार्य करता है, जो समिति की बैठकों के संचालन तथा प्रशासनिक निर्णयों के निष्पादन के लिए उत्तरदायी होता है।

118. (D) अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक द्वारा स्थापित और प्रशासित विद्यालय
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के संदर्भ में "अल्पसंख्यक विद्यालय" से तात्पर्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30(1) के अंतर्गत किसी धर्म या भाषा पर आधारित अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा स्थापित और प्रशासित किए जाने वाले मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान से है, जिसे विशिष्ट वैधानिक संरक्षण प्राप्त होते हैं।

119. (B) पांच वर्ष
धारा 20 के तहत यदि प्रशासक किसी विद्यालय में कुप्रबंधन के कारण उसका नियंत्रण अपने हाथ में लेता है, तो प्रारंभिक अधिग्रहण अवधि तीन वर्ष होती है। यदि आवश्यक हो, तो इसे समय-समय पर बढ़ाया जा सकता है, किंतु कुल संचयी अवधि पांच वर्ष से अधिक नहीं हो सकती।

120. (C) धारा 20
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 20 प्रशासक को यह आपातकालीन शक्ति प्रदान करती है कि यदि कोई सहायता प्राप्त विद्यालय कुप्रबंधन, आंतरिक विवादों या वित्तीय विफलता के कारण ठप हो जाता है, तो प्रशासक उस विद्यालय के प्रबंधन को अपने हाथ में लेने (Takeover of Management) का आदेश जारी कर सकता है।

121. (D) धारा 10 का उल्लंघन करने पर धारा 4 के तहत मान्यता वापस लेना
यदि कोई गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय धारा 10 के वैधानिक प्रावधानों का बार-बार उल्लंघन करते हुए अपने कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों के समकक्ष वेतन नहीं देता है, तो शिक्षा निदेशक अधिनियम की धारा 4 के तहत दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उस विद्यालय की वैधानिक मान्यता (Recognition) वापस ले सकता है।

122. (C) नियम 112 (आचार संहिता) (Code of Conduct)
नियम 112 में वर्णित आचार संहिता (Code of Conduct) यह स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करती है कि विद्यालय का कोई भी शिक्षक या कर्मचारी किसी छात्र या अभिभावक को किसी विशेष विक्रेता, दुकान या एजेंसी से ही पुस्तकें, स्टेशनरी, कॉपी या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा।

123. (B) मूल सोसाइटी/ट्रस्ट के लिए कॉर्पस फंड बनाना
नियम 59 के तहत स्वीकृत 'प्रबंधन की योजना' यह अनिवार्य करती है कि विद्यालय के कोष या आय का उपयोग केवल उसी विद्यालय के शैक्षणिक और ढांचागत विकास के लिए होगा। विद्यालय के धन को मूल सोसाइटी या ट्रस्ट के कॉर्पस फंड में स्थानांतरित करना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

124. (B) पर्याप्त आवास, प्रयोगशाला सुविधाओं और योग्य कर्मचारियों का प्रावधान
DSER, 1973 के नियम 46 के तहत किसी विद्यालय को उच्च स्तर (जैसे माध्यमिक से उच्च माध्यमिक) में अपग्रेड करने हेतु प्रबंध समिति को शिक्षा निदेशक को यह संतुष्ट करना होगा कि उनके पास अतिरिक्त कक्षाओं हेतु पर्याप्त स्थान, सुसज्जित प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय तथा निर्धारित योग्यता वाले शिक्षक उपलब्ध हैं।

125. (A) SCERT के परामर्श से शिक्षा निदेशक (Director of Education)
दिल्ली के मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा I से VIII) के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम, विषयों तथा अध्ययन सामग्री का निर्धारण राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT) के परामर्श से शिक्षा निदेशक (Director of Education) द्वारा अधिकृत रूप से किया जाता है।

126. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
नर्सरी तथा प्रारंभिक प्रवेश स्तर पर बच्चों अथवा उनके माता-पिता का किसी भी प्रकार का साक्षात्कार, परीक्षा या स्क्रीनिंग इंटरव्यू लेना कानूनन प्रतिबंधित है। न्यायपालिकाओं के फैसलों और शिक्षा निदेशालय के निर्देशों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया केवल वस्तुनिष्ठ, पारदर्शी तथा गैर-भेदभावपूर्ण मापदंडों के आधार पर ही होनी चाहिए।

127. (D) कैश बुक (Cash Book)
DSER, 1973 के नियमों के अनुसार 'कैश बुक' (Cash Book) वह प्राथमिक वित्तीय अभिलेख है, जिसमें विद्यालय में होने वाले प्रत्येक दैनिक नकद लेन-देन, जैसे कि छात्रों से प्राप्त फीस, विभिन्न प्राप्तियां, वेतन भुगतान तथा आकस्मिक प्रशासनिक व्ययों को तिथिवार एवं प्रामाणिक रूप से प्रलेखित किया जाता है।

Click Here to Buy book on Amazon

128. (C) वेतन और भत्तों की प्राप्ति के प्रमाण के रूप में कर्मचारियों के हस्ताक्षर प्राप्त करना
'एक्विटेंस रोल' (Acquittance Roll) एक महत्वपूर्ण वित्तीय रजिस्टर है जिसका उपयोग विद्यालय में शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों को दिए जाने वाले मासिक वेतन, भत्तों एवं वित्तीय भुगतानों की प्राप्ति के विधिक प्रमाण के रूप में उनके हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान प्राप्त करने हेतु किया जाता है।

129. (B) निदेशक द्वारा नामांकित दो शिक्षाविद (Educationists)
DSER, 1973 के नियम 191 के अनुसार गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में प्राचार्य (Principal) के चयन हेतु गठित चयन समिति में प्रबंध समिति के प्रतिनिधियों के साथ-साथ शिक्षा निदेशक (Director of Education) द्वारा नामांकित कम से कम दो प्रख्यात शिक्षाविद (Educationists) का शामिल होना अनिवार्य वैधानिक शर्त है।

130. (A) अगले महीने की 7 तारीख
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के अंतर्गत वित्तीय और सेवा अनुशासन के तहत यह निर्धारित किया गया है कि प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय के प्रबंधन को अपने सभी कर्मचारियों के मासिक वेतन का भुगतान प्रत्येक आगामी महीने की 7 तारीख तक अनिवार्य रूप से कर देना चाहिए।

131. (B) केवल I और III
नियम 59 के तहत विद्यालय प्रमुख (Head of School) विद्यालय के दैनिक प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों को संचालित करता है तथा स्वीकृत वित्तीय सीमाओं के भीतर आहरण एवं संवितरण संभालता है। किंतु उसके पास स्वीकृत 'प्रबंधन की योजना' में एकतरफा संशोधन करने का अधिकार नहीं होता, यह शक्ति शिक्षा निदेशक में निहित है।

132. (B) लगभग 6 से 8 सप्ताह
शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार दिल्ली के मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश (Summer Vacation) की मानक अवधि सामान्यतः मई और जून माह के दौरान लगभग 6 से 8 सप्ताह (प्रायः 50 दिन) की निर्धारित की जाती है, ताकि छात्र ग्रीष्मकालीन राहत प्राप्त कर सकें।

133. (A) अमान्य (Void); शिक्षक को पूर्ण अधिकारों और वेतन के साथ सेवा में माना जाता है
धारा 8(4) के तहत यदि प्रबंधक निलंबन आदेश को 15 दिनों के भीतर निदेशक को प्रेषित नहीं करता, तो निलंबन आदेश कानूनन अमान्य (Void) हो जाता है। 20वें दिन शिक्षक को वैध रूप से सेवा में ही माना जाएगा तथा वह अपने पूरे वेतन और भत्ते पाने का हकदार होगा।

134. (C) यह वैधानिक अपवादों के माध्यम से मान्यता प्राप्त अनुच्छेद 30 के तहत एक संवैधानिक अधिकार है
धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों द्वारा अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रशासन करने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30(1) से उत्पन्न होता है। DSEA, 1973 इस संवैधानिक अधिकार को स्वीकार करते हुए अपनी कई प्रशासनिक धाराओं से इन संस्थानों को वैधानिक अपवाद और छूट प्रदान करता है।

135. (B) मौजूदा नियमों और शर्तों पर पद पर बने रहना
धारा 20 के तहत जब सरकार किसी विद्यालय का प्रबंधन अपने हाथ में लेती है, तो वहां कार्यरत कर्मचारियों को सेवा से नहीं हटाया जाता। सभी सेवारत शिक्षक और कर्मचारी अपनी पूर्व सेवा शर्तों, वेतनमान और नियमों के अधीन अपने पदों पर बने रहते हैं और उनका रोजगार सुरक्षित रहता है।

136. (C) शिक्षा निदेशालय और सम्बद्धता बोर्ड (Directorate of Education and Affiliating Board)
उच्च माध्यमिक स्तर पर कोई नया विषय या व्यावसायिक स्ट्रीम शुरु करने के लिए विद्यालय प्रबंधन को शिक्षा निदेशालय से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करनी होती है, साथ ही उस विषय के मूल्यांकन और प्रमाणन हेतु संबद्धता बोर्ड (जैसे CBSE) से औपचारिक संबद्धता (Affiliation) प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

137. (B) अध्याय III
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 का अध्याय III "विद्यालय संपत्ति" (School Property) शीर्षक से संबंधित है। इसमें मान्यता प्राप्त विद्यालयों की अचल एवं चल संपत्तियों के रखरखाव, हस्तांतरण पर प्रतिबंध, गिरवी रखने तथा संपत्तियों के संरक्षण से संबंधित वैधानिक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है।

138. (D) उपरोक्त सभी
DSER, 1973 के नियम 43 के तहत शिक्षा निदेशक के पास विद्यालयों को शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने हेतु व्यापक निर्देश जारी करने की शक्ति है। इसके अंतर्गत पाठ्यक्रमों के संचालन, पाठ्यपुस्तकों के चयन तथा शिक्षा के समग्र मानकों को नियंत्रित व बेहतर बनाने संबंधी निर्देश शामिल हैं।

139. (B) विद्यालय प्रमुख (प्राचार्य) (Head of School - Principal)
शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी मानक PTA दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय में गठित अभिभावक-शिक्षक संघ (PTA) का पदेन अध्यक्ष (Ex-officio Chairman) विद्यालय प्रमुख (प्राचार्य) होता है, जो संघ की गतिविधियों का मार्गदर्शन और समन्वय करता है।

140. (B) विद्यालय के धन का गबन (Embezzlement of School Funds)
नियम 115 के तहत विद्यालय निधियों या संपत्तियों का गबन (Embezzlement) करना एक गंभीर वित्तीय अपराध एवं घोर कदाचार (Major Misconduct) की श्रेणी में आता है। ऐसे कृत्यों के लिए कर्मचारी पर नियम 117 के तहत मुख्य शास्ति (Major Penalty) जैसे सेवा से बर्खास्तगी लागू की जा सकती है।

NODIA

141. (B) केवल I, III, और IV
दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण (DST) DSEA की धारा 11 के तहत गठित एक एकल सदस्यीय निकाय है, जो कर्मचारियों की बर्खास्तगी, हटाने या अवनति के खिलाफ अपीलों पर विचार करता है। इसके आदेशों को जिला न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती, केवल उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर की जा सकती है।

142. (C) प्रवेश स्तर पर EWS/DG श्रेणी के छात्रों के लिए अनिवार्य 25% आरक्षण
शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE) की धारा 12(1)(c) ने दिल्ली के सभी गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश स्तर की कक्षाओं (नर्सरी/केजी/कक्षा 1) में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) तथा वंचित समूहों (DG) के लिए 25% सीटें आरक्षित करने को वैधानिक रूप से अनिवार्य बनाया।

143. (D) जुर्माना शुल्क में देरी या संपत्ति के नुकसान जैसे विशिष्ट कारणों तक सीमित है
DSER, 1973 के नियमों के अनुसार छात्रों पर मनमाना मौद्रिक जुर्माना नहीं लगाया जा सकता। जुर्माना केवल निर्धारित नियमों के तहत शुल्क भुगतान में अत्यधिक विलंब या विद्यालय संपत्ति को पहुंचाए गए जानबूझकर नुकसान जैसी विशिष्ट परिस्थितियों तक ही सीमित और विनियमित होना चाहिए।

144. (B) पूर्ववर्ती महीने का अंतिम दिन
नियम 114 के अनुसार यदि किसी कर्मचारी की जन्म तिथि महीने की पहली तारीख (जैसे 1 मई) को पड़ती है, तो वह कर्मचारी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर पूर्ववर्ती महीने के अंतिम दिन (जैसे 30 अप्रैल) की अपराह्न में आधिकारिक रूप से सेवानिवृत्त माना जाता है।

145. (D) 10 वर्षों के लिए या वित्तीय नियमों/DoE दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित अनुसार बनाए रखा गया
नियम 145 के अंतर्गत विद्यालयों के वित्तीय अभिलेखों जैसे कैश बुक, वाउचर तथा फीस रसीदों को पारदर्शी लेखा परीक्षा हेतु न्यूनतम 10 वर्षों की अवधि तक या सामान्य वित्तीय नियमों (GFR) एवं शिक्षा निदेशालय द्वारा निर्धारित समयावधि तक सुरक्षित रखना वैधानिक रूप से अनिवार्य है।

146. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थानों को अपने प्रबंधन व शिक्षकों के चयन की स्वायत्तता प्राप्त है। शिक्षा निदेशालय उन्हें किसी विशिष्ट धर्म के व्यक्तियों को नियुक्त करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता, जब तक कि चयनित शिक्षक निर्धारित न्यूनतम योग्यताएं पूरी करते हों।

147. (A) शिक्षा निदेशक का पूर्व अनुमोदन अनिवार्य है
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के अनुसार यदि कोई मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय अपना पंजीकृत नाम बदलना चाहता है, तो उसे नाम परिवर्तन की प्रक्रिया लागू करने से पूर्व शिक्षा निदेशक (Director of Education) से औपचारिक लिखित पूर्व-स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

148. (C) कारण बताने का एक "उचित अवसर" (Reasonable Opportunity)
DSEA, 1973 की धारा 4(6) के अनुसार किसी विद्यालय की मान्यता वापस लेने से पूर्व प्रबंधक को अपनी सफाई पेश करने हेतु "कारण बताने का एक उचित अवसर" (Reasonable Opportunity of Showing Cause) दिया जाना आवश्यक है। आपातकालीन परिस्थितियों में इस अवधि का निर्धारण स्थिति की गंभीरता पर निर्भर करता है।

149. (A) शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education)
दिल्ली में किसी विशिष्ट क्षेत्र में नया विद्यालय स्थापित करने हेतु आवेदन करने से पूर्व शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) द्वारा 'अनिवार्यता प्रमाण पत्र' (Essentiality Certificate - EC) जारी किया जाता है। यह प्रमाण पत्र नए विद्यालय की स्थापना हेतु एक प्राथमिक वैधानिक आवश्यकता है।

150. (D) किसी विशिष्ट क्षेत्र में नए विद्यालय की वास्तविक आवश्यकता का आकलन और सत्यापन करना
'अनिवार्यता प्रमाण पत्र' (Essentiality Certificate) का मुख्य उद्देश्य यह सत्यापित और प्रमाणित करना है कि संबंधित क्षेत्र में एक नए विद्यालय की वास्तविक आवश्यकता (Actual Need) है तथा प्रस्तावित विद्यालय से उस क्षेत्र के पूर्व स्थापित विद्यालयों के अस्तित्व या शैक्षणिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

151. (C) केवल III
नियम 59 के तहत स्वीकृत 'प्रबंधन की योजना' में संस्था के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रबंधन का विवरण होना अनिवार्य है। किंतु इसमें किसी भी परिस्थिति में ट्रस्ट या सोसाइटी को विद्यालय के धन के गैर-शैक्षणिक या निजी उपयोग की अनुमति नहीं दी जा सकती, अतः तीसरा कथन पूर्णतः गलत है।

152. (C) मान्यता वापस लेने या टेकओवर सहित दंडात्मक कार्रवाई
यदि किसी विद्यालय का प्रबंधक निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने संबंधी निर्देशों का अनुपालन करने में विफल रहता है, तो धारा 24(2) के तहत निदेशक उस विद्यालय की वैधानिक मान्यता वापस लेने या अधिनियम की धारा 20 के तहत प्रबंधन का अधिग्रहण करने जैसी दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है।

153. (D) छात्र को छड़ी या हाथ से मारना
DSER, 1973 के नियम 13 के तहत विद्यालय में छात्रों को किसी भी प्रकार का शारीरिक दंड (Corporal Punishment) देना या उनका मानसिक उत्पीड़न करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। शिक्षक द्वारा छात्र को हाथ या छड़ी से मारना एक गंभीर वैधानिक अपराध एवं कदाचार माना जाता है।

Downloaded from www.pdf.tube

154. (C) 30 दिन
यदि प्रबंध समिति किसी कर्मचारी पर कोई लघु दंड (Minor Penalty) लगाती है और कर्मचारी उससे व्यथित है, तो नियम 120 के तहत वह दंडात्मक आदेश के संचार की तिथि से 30 दिनों के भीतर शिक्षा निदेशक के समक्ष अपनी अपीलीय याचिका दायर कर सकता है।

155. (B) कुल सदस्यों का एक-तिहाई
मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) की बैठकों के संचालन हेतु वैधानिक कोरम (Quorum) समिति के कुल सदस्यों का एक-तिहाई (One-third) निर्धारित किया गया है। बिना कोरम पूरा हुए ली गई बैठकों के निर्णय प्रशासनिक रूप से वैध नहीं माने जाते।

156. (B) प्रबंधक और DoE नामांकित व्यक्ति / विद्यालय प्रमुख को शामिल करने वाला एक संयुक्त खाता (Joint Account)
सहायता प्राप्त विद्यालयों में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान करने के लिए खातों का संचालन विद्यालय के प्रबंधक तथा शिक्षा निदेशालय के नामांकित अधिकारी अथवा विद्यालय प्रमुख के संयुक्त बैंक खाते (Joint Account) के माध्यम से किया जाता है।

157. (A) नियुक्ति पत्र (Letter of Appointment)
DSER, 1973 के तहत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय और उसके कर्मचारी के बीच का औपचारिक नियुक्ति पत्र (Letter of Appointment) प्राथमिक रोजगार संविदा के रूप में कार्य करता है। इसमें पद, वेतनमान, परिक्षावधि तथा सेवा के मुख्य नियमों का स्पष्ट उल्लेख होना वैधानिक रूप से अनिवार्य है।

158. (B) अध्याय XV
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का अध्याय XV विशेष रूप से "विद्यालयों के निरीक्षण" (Inspection of Schools) से संबंधित है। इसमें निरीक्षण अधिकारियों की शक्तियों, आवधिक निरीक्षणों की प्रक्रिया, निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करने तथा पाई गई कमियों को दूर करने के वैधानिक नियमों का उल्लेख किया गया है।

159. (D) नहीं; भवन निर्माण निधि अनिवार्य नहीं है, और यदि शिक्षण शुल्क स्पष्ट है तो TC नहीं रोका जा सकता है
भवन विकास कोष जैसे स्वैच्छिक दान का भुगतान न करने के आधार पर कोई भी विद्यालय स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) नहीं रोक सकता है। यदि छात्र के अनिवार्य शिक्षण शुल्क का पूर्ण भुगतान हो चुका है, तो विद्यालय को अविलंब स्थानांतरण प्रमाण पत्र जारी करना ही होगा।

160. (C) समिति का निलंबन; प्रशासक या अधिकारी द्वारा शक्तियों का प्रयोग
जब धारा 20 के तहत सरकार किसी विद्यालय का प्रबंधन अपने हाथ में लेती है, तो मौजूदा प्रबंध समिति की शक्तियां तुरंत निलंबित हो जाती हैं। प्रबंध समिति के समस्त अधिकार और कार्य प्रशासक या उनके द्वारा नियुक्त किसी अधिकृत अधिकारी द्वारा निष्पादित किए जाते हैं।

161. (B) धारा 4 – विद्यालयों की मान्यता (Recognition of Schools)
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 4 "विद्यालयों की मान्यता" (Recognition of Schools) से संबंधित है। इसमें मान्यता प्राप्त करने की शर्तों, आवेदनों के प्रसंस्करण तथा शर्तों का उल्लंघन होने पर मान्यता वापस लेने से संबंधित वैधानिक प्रावधानों का विस्तृत वर्णन किया गया है।

162. (D) प्रशासक (उपराज्यपाल) (Administrator - LG)
DSER, 1973 के नियमों में किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई उत्पन्न होने पर नियमों के किसी प्रावधान को शिथिल (Relax) करने की अनन्य वैधानिक शक्ति केवल प्रशासक (उपराज्यपाल) के पास निहित होती है। अन्य कोई प्रशासनिक अधिकारी अपने स्तर पर नियमों में शिथिलता नहीं दे सकता।

163. (A) पर्याप्त पेयजल और स्वच्छता सुविधाएं (Adequate Drinking Water and Sanitary Facilities)
DSER, 1973 के नियम 50 के तहत वैधानिक मान्यता हेतु प्रत्येक विद्यालय में छात्रों के लिए स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल (Drinking Water) तथा बालक-बालिकाओं के लिए पृथक, स्वच्छ स्वच्छता/शौचालय सुविधाएं (Sanitary Facilities) उपलब्ध होना एक अनिवार्य भौतिक आवश्यकता है।

164. (C) तीन महीने तक का कारावास, या जुर्माना, या दोनों
DSEA, 1973 की धारा 27 के तहत यदि कोई व्यक्ति या प्रबंधक निरीक्षण अधिकारी को विद्यालय परिसर में प्रवेश करने या अभिलेखों का निरीक्षण करने से जानबूझकर रोकता या बाधित करता है, तो उसे अधिकतम तीन महीने की सजा, या जुर्माना, अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है।

NODIA

165. (A) छात्र चिकित्सा परीक्षा और स्वास्थ्य रिकॉर्ड का संचालन करना
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 14 के अनुसार मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियुक्त चिकित्सा अधिकारी (Medical Officer) की प्राथमिक भूमिका छात्रों की आवधिक शारीरिक व स्वास्थ्य परीक्षा आयोजित करना तथा उनके व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (Health Records) को बनाए रखना है।

166. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
नियम 175 के तहत मान्यता प्राप्त विद्यालय कोष की निधियों को विद्यालय चलाने वाली सोसाइटी या ट्रस्ट को स्थानांतरित करना वर्जित है। न्यायपालिका ने भी यह बार-बार स्पष्ट किया है कि विद्यालय की आय केवल उसी संस्था के शैक्षणिक विकास व छात्र कल्याण हेतु ही प्रयोग की जानी चाहिए।

167. (B) आयकर और भविष्य निधि अंशदान (Income Tax and Provident Fund Contributions)
नियम 125 के तहत कर्मचारियों के वेतन से केवल वैधानिक और अनुमेय कटौतियां ही की जा सकती हैं। इसके अंतर्गत आयकर (Income Tax), कर्मचारी भविष्य निधि (CPF/EPF) अंशदान, समूह बीमा तथा सक्षम अदालतों द्वारा दिए गए

आदेशों के तहत की जाने वाली कटौतियां ही वैधानिक रूप से अनुमेय हैं।

168. (C) शिक्षा निदेशक (Director of Education)
किसी सहायता प्राप्त विद्यालय में चयन समिति द्वारा विद्यालय प्रमुख (प्राचार्य) के पद हेतु अनुशंसित नाम को अंतिम रूप से स्वीकृत करने का अधिकार शिक्षा निदेशक के पास होता है। चयन समिति की कार्यवाही और सिफारिशों को अनुमोदन के लिए अनिवार्य रूप से शिक्षा निदेशक के समक्ष भेजा जाता है।

169. (D) समान पदों पर कार्यरत सरकारी शिक्षकों के साथ गैर-सहायता प्राप्त शिक्षक वेतन की तुलना करना
धारा 10 में प्रयुक्त "समकक्ष स्थिति" (Corresponding Status) का तात्पर्य यह है कि गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के शिक्षकों का वेतन, पदनाम, कार्य अनुभव और योग्यताएं सरकारी विद्यालयों में उसी पद पर कार्य करने वाले शिक्षकों के समान मानी जाएंगी और उन्हें समान वेतन दिया जाएगा।

170. (A) शिक्षा निदेशक या अधिकृत अधिकारी (Director of Education or Authorized Officer)
DSER, 1973 के नियम 47 के अनुसार यदि कोई पूर्व मान्यता प्राप्त विद्यालय अपने यहां कोई नई कक्षा या अतिरिक्त सेक्शन खोलना चाहता है, तो उसे सत्र शुरू होने से पूर्व शिक्षा निदेशक या उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी के समक्ष औपचारिक आवेदन कर स्वीकृति प्राप्त करनी होती है।

171. (A) केवल I और II
प्रत्येक मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय को अपने कर्मचारियों के लिए अंशदायी भविष्य निधि (CPF) बनाना अनिवार्य है, जिसमें अंशदान की दरें वैधानिक नियमों द्वारा निर्धारित होती हैं। प्रबंधन द्वारा इस फंड का उपयोग विद्यालय निर्माण या किसी अन्य कार्य हेतु करना कानूनी रूप से सख्त मना है।

172. (B) निदेशक के अनुमोदन की प्रत्याशा में कर्मचारी को निलंबित करना
नियम 112 व 115 के अंतर्गत यदि किसी कर्मचारी पर भ्रष्टाचार या गंभीर कदाचार के आरोप लगते हैं, तो निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने हेतु प्रबंध समिति शिक्षा निदेशक की भावी स्वीकृति की प्रत्याशा में उस कर्मचारी को तुरंत निलंबित करने का एहतियाती उपाय कर सकती है।

173. (A) कार्यवाही के दौरान केवल एक बार
DSER, 1973 के अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार किसी कर्मचारी के विरुद्ध संचालित किसी विशिष्ट अनुशासनात्मक कार्यवाही के दौरान उसे केवल एक ही बार निलंबित किया जा सकता है। बार-बार या अनिश्चितकालीन निलंबन प्रशासनिक नियमों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत माना जाता है।

174. (C) निर्धारित मानदंडों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए DoE को अभ्यावेदन देना
यदि गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय प्रबंधन एकतरफा कार्य घंटों में मनमानी वृद्धि करता है, तो शिक्षक शिक्षा निदेशक (DoE) के समक्ष अपना औपचारिक अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं, क्योंकि निजी विद्यालयों में भी कार्य घंटे DoE द्वारा निर्धारित मानक मानदंडों के अनुरूप ही होने चाहिए।

175. (B) धारा 16
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 16 विशेष रूप से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में छात्रों के प्रवेश को विनियमित करने तथा किसी भी रूप में कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fee) या अप्रत्यक्ष दान लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का वैधानिक प्रावधान करती है।

176. (C) शुल्क के माध्यम से मुनाफाखोरी को रोकने के लिए विद्यालय के वित्त की जांच करने वाला एक निकाय
'शुल्क विसंगति समिति' (Fee Anomalies Committee) शिक्षा निदेशालय के अधीन एक नियामक निकाय है, जो निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों द्वारा की जाने वाली अनुचित फीस वृद्धि, वित्तीय अनियमितताओं तथा मुनाफाखोरी की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर सुधारात्मक कदम उठाता है।

177. (B) 3 वर्ष
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के नियम 59 के प्रावधानों के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय की प्रबंध समिति (Managing Committee) के मनोनीत एवं निर्वाचित सदस्यों (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का सामान्य कार्यकाल 3 वर्ष का निर्धारित होता है।

178. (D) स्थायी रूप से (Permanently)
नियम 181 के तहत 'प्रवेश और निकासी रजिस्टर' (Admission and Withdrawal Register) को विद्यालय का एक अति महत्वपूर्ण एवं स्थायी अभिलेख माना गया है। अतः इस रजिस्टर को विद्यालय प्रबंधन द्वारा कभी नष्ट नहीं किया जा सकता और इसे स्थायी रूप से (Permanently) सुरक्षित रखना अनिवार्य है।

179. (A) RTE धारा 12(1)(c) के तहत 25% प्रवेश स्तर की सीटों को आरक्षित करना
संवैधानिक अधिकारों तथा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक आदेशों के अनुसार गैर-सहायता प्राप्त भाषाई या धार्मिक अल्पसंख्यक विद्यालयों को RTE अधिनियम की धारा 12(1)(c) के तहत 25% EWS/DG सीटों को आरक्षित करने के बाध्यकारी दायित्व से वैधानिक छूट प्राप्त है।

180. (B) शुरुआती विद्यालय प्रवेश के समय केवल एक बार प्रवेश शुल्क वसूलना
DSER, 1973 के नियम 142 के अनुसार किसी छात्र से प्रवेश शुल्क (Admission Fee) केवल उस समय लिया जा सकता है जब वह विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेता है। प्रत्येक वर्ष

Click Here to Buy book on Flipkart

या अगली कक्षा में कक्षोन्नति (Promotion) के समय बार-बार प्रवेश शुल्क वसूलना पूर्णतः अवैध है।

181. (B) केवल I, II, और IV
नियम 110 के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी की सर्विस बुक रखी जाती है, जिसमें उसकी सेवा से जुड़े सभी विवरण दर्ज होते हैं तथा इसे विद्यालय प्रमुख द्वारा सत्यापित किया जाता है। कर्मचारी को अपनी सर्विस बुक देखने तथा प्रविष्टियों की जांच करने का पूर्ण वैधानिक अधिकार प्राप्त होता है।

182. (D) विद्यालय के समय के दौरान विशेष शैक्षणिक उपयोग और संरचनात्मक सुरक्षा
मान्यता के नियमों के तहत विद्यालय भवन की संरचनात्मक सुरक्षा (Structural Safety) प्रमाणित होनी चाहिए तथा विद्यालय के संचालन समय के दौरान परिसर का उपयोग केवल शैक्षणिक एवं छात्र संबंधी गतिविधियों के लिए ही किया जाना अनिवार्य है, गैर-शैक्षणिक उपयोग प्रतिबंधित है।

183. (C) 3 महीने
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 8(3) के अनुसार यदि किसी कर्मचारी को सेवा से हटा दिया गया है, बर्खास्त किया गया है या पद में अवनत किया गया है, तो वह दंडात्मक आदेश प्राप्त होने की तिथि से 3 महीने के भीतर दिल्ली स्कूल न्यायाधिकरण में अपील कर सकता है।

184. (C) धारा 22
दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 की धारा 22 के तहत "दिल्ली स्कूल शिक्षा सलाहकार बोर्ड" (Delhi School Education Advisory Board) के गठन का प्रावधान है। यह बोर्ड दिल्ली में स्कूल शिक्षा से संबंधित नीतिगत मामलों और प्रणालीगत सुधारों पर प्रशासक को सलाह देता है।

185. (D) अवैध; किसी भी अनधिकृत शुल्क या बोर्ड परीक्षा लाभ की अनुमति नहीं है
DSEA और नियमों के तहत विद्यालयों द्वारा केवल वास्तविक और अधिकृत शुल्क ही लिया जा सकता है। CBSE द्वारा निर्धारित आधिकारिक परीक्षा शुल्क के अतिरिक्त किसी भी नाम से "विशेष बोर्ड शुल्क" या अतिरिक्त प्रभार वसूलना पूरी तरह से गैर-कानूनी और मुनाफाखोरी की श्रेणी में आता है।

186. (C) अध्याय XI
दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 का अध्याय XI (तथा संबंधित नियम 112) मुख्य रूप से मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के लिए लागू "आचार संहिता" (Code of Conduct) का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है, जिसका अनुपालन सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य है।

187. (B) क्षेत्रीय विद्यालयों पर प्रत्यायोजित पर्यवेक्षी नियंत्रण का प्रयोग करना
क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी (ZEO) शिक्षा निदेशालय का एक मैदानी प्रशासनिक अधिकारी होता है, जो अपने निर्दिष्ट जोन/क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी, सहायता प्राप्त तथा निजी विद्यालयों के शैक्षणिक व प्रशासनिक कामकाज पर प्रत्यायोजित पर्यवेक्षी नियंत्रण (Supervisory Control) का प्रयोग करता है।

188. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अधिनियम की धारा 24 के तहत निदेशक या उनके अधिकृत अधिकारियों को विद्यालयों के वित्तीय व शैक्षणिक अभिलेखों की जांच करने का पूर्ण वैधानिक अधिकार है। अतः कोई भी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय ऑडिट टीम को अभिलेखों के निरीक्षण से रोकने से इनकार नहीं कर सकता है।

189. (A) एक दैनिक शेयर बाजार निवेश पोर्टफोलियो रिपोर्ट
नियम 145 के तहत विद्यालयों को बजट अनुमान, आय-व्यय विवरण तथा बैलेंस शीट जैसे आधिकारिक वित्तीय दस्तावेज तैयार करना अनिवार्य है। शेयर बाजार निवेश रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य नहीं है, क्योंकि विद्यालयी निधियों का शेयर बाजार में व्यावसायिक निवेश करना सख्त वर्जित है।

190. (D) एक वर्ष
DSEA, 1973 की धारा 6 के तहत यदि किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय का प्रबंधन विद्यालय को बंद करने का इरादा रखता है, तो उसे शिक्षा निदेशक को कम से कम एक वर्ष (One Year) पूर्व लिखित नोटिस देना अनिवार्य है, ताकि छात्रों के स्थानान्तरण की व्यवस्था की जा सके।

191. (B) केवल I और III
यदि विद्यालय संचालन में वित्तीय घाटा होता है, तो मूल सोसाइटी को अपने सामान्य कोष से उसकी भरपाई करनी होती है। सोसाइटी और विद्यालय के बैंक खाते अलग होने चाहिए। हालांकि, विद्यालय के अधिशेष धन को सोसाइटी के सामान्य कोष में स्थानांतरित करना सख्त वर्जित है।

192. (C) अनिवार्य सेवानिवृत्ति (Compulsory Retirement)
DSER, 1973 के नियम 117 के तहत 'अनिवार्य सेवानिवृत्ति' (Compulsory Retirement), सेवा से हटाना तथा बर्खास्तगी को मुख्य शास्ति (Major Penalty) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन्हें लगाने से पूर्व नियम 120 के तहत औपचारिक जांच प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य होता है।

193. (B) 90 दिन
नियम 118 के तहत यदि किसी कर्मचारी को अनुशासनात्मक जांच की संभावना में निलंबित किया जाता है, तो बिना औपचारिक आरोप पत्र (Charge Sheet) जारी किए यह प्रारंभिक निलंबन अधिकतम 90 दिनों तक ही प्रभावी रह सकता है। 90 दिनों के भीतर आरोप पत्र जारी न होने पर निलंबन की समीक्षा आवश्यक है।

194. (D) विद्यालय के मामलों के प्रबंधन का काम सौंपा गया व्यक्ति या निकाय
DSEA, 1973 की धारा 2(m) के अनुसार "प्रबंधक" (Manager) से तात्पर्य ऐसे किसी भी व्यक्ति या निकाय से है (चाहे उसे प्रबंधक, सचिव या किसी अन्य नाम से पुकारा जाए), जिसे उस समय विद्यालय के मामलों का संचालन और प्रबंधन करने का दायित्व सौंपा गया हो।

Downloaded from www.pdf.tube

195. (A) पहले से छपी रसीदें और क्रॉस किए गए चेक के माध्यम से भुगतान
नियम 145 वित्तीय पारदर्शिता अनिवार्य करता है। इसके अनुसार छात्रों से प्राप्त प्रत्येक शुल्क की पूर्व-मुद्रित क्रमिक रसीद जारी की जानी चाहिए तथा सभी संस्थागत भुगतान एवं वेतन वितरण प्राथमिकता के आधार पर क्रॉस किए गए चेक या डिजिटल बैंकिंग माध्यमों से ही होने चाहिए।

196. (C) आरोपों के नोटिस और सुनवाई के अवसर के साथ एक जांच
DSEA, 1973 के वैधानिक प्रावधानों के अनुसार किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय के कर्मचारी को केवल तब ही बर्खास्त किया जा सकता है, जब उसके विरुद्ध स्पष्ट आरोपों का नोटिस जारी कर निष्पक्ष अनुशासनात्मक जांच आयोजित की गई हो और उसे सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिया गया हो।

197. (A) बकाये का समायोजन करने के बाद विद्यालय छोड़ने पर वापस की जाने वाली एक वापसी योग्य जमा राशि
'जमानत राशि' (Caution Money) प्रवेश के समय छात्रों से ली जाने वाली एक वापसी योग्य सुरक्षा जमा राशि (Refundable Deposit) है। छात्र द्वारा विद्यालय छोड़ते समय, यदि कोई संस्थागत बकाया या नुकसान न हो, तो यह पूरी राशि छात्र को वापस लौटा दी जाती है।

198. (B) 1 वर्ष
DSER, 1973 के नियम 105 के तहत किसी कर्मचारी की प्रारंभिक परिक्षावधि (Probation Period) एक वर्ष होती है। यदि उसका कार्य पूरी तरह संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो प्रबंधन शिक्षा निदेशक के अनुमोदन से परिक्षावधि को अधिकतम 1 अतिरिक्त वर्ष तक ही बढ़ा सकता है।

199. (B) रोलबैक के लिए शुल्क विसंगति समिति और DoE से संपर्क करना
यदि कोई गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय सत्र के मध्य में मनमानी शुल्क वृद्धि करता है, तो अभिभावक इसके विरुद्ध शिक्षा निदेशालय (DoE) तथा जिला स्तर पर गठित 'शुल्क विसंगति समिति' (Fee Anomalies Committee) के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर अनुचित शुल्क वृद्धि को वापस लेने की मांग कर सकते हैं।

200. (C) सिविल न्यायालयों के क्षेत्राधिकार का निषेध (Bar of Jurisdiction of Civil Courts)
धारा 25 के तहत व्यक्त इस वैधानिक सिद्धांत को "सिविल न्यायालयों के क्षेत्राधिकार का निषेध" (Bar of Jurisdiction of Civil Courts) कहा जाता है। इसके अनुसार जिस विषय का निर्णय करने हेतु विशेष न्यायाधिकरण या निदेशक अधिकृत है, उसमें सामान्य दीवानी अदालतें हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं।

NODIA

अध्याय 03

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम 2009

1. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (Right of Children to Free and Compulsory Education - RTE) अधिनियम, 2009 अपना संवैधानिक जनादेश (Constitutional Mandate) मुख्य रूप से भारत के संविधान के निम्नलिखित में से किस संशोधन से प्राप्त करता है?
(A) 85वां संशोधन अधिनियम, 2001
(B) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002
(C) 92वां संशोधन अधिनियम, 2003
(D) 93वां संशोधन अधिनियम, 2005

2. अनुच्छेद 21A (Article 21A) के समावेश से पूर्व, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने किस ऐतिहासिक निर्णय में शिक्षा के अधिकार (Right to Education) की व्याख्या जीवन के अधिकार (Right to Life - Article 21) से निकलने वाले एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार (Fundamental Right) के रूप में की थी?
(A) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(B) टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य
(C) मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य
(D) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ

3. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009) आधिकारिक रूप से निम्नलिखित में से किस तिथि को लागू हुआ था?
(A) 26 अगस्त 2009
(B) 1 जनवरी 2010
(C) 1 अप्रैल 2010
(D) 1 अप्रैल 2011

4. 6-14 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के मौलिक अधिकार (Fundamental Right) को लागू करने के वित्तीय निहितार्थों (Financial Implications) का अनुमान लगाने के लिए निम्नलिखित में से किस समिति का गठन किया गया था?
(A) राममूर्ति समिति
(B) कोठारी आयोग
(C) यशपाल समिति
(D) तापस मजूमदार समिति

5. आरटीई अधिनियम, 2009 (RTE Act, 2009) को अनुच्छेद 21A को प्रभावी बनाने के लिए अधिनियमित किया गया था। अधिनियम की ढांचागत संरचना के अनुसार, मूल रूप से इसमें कितने अध्याय और धाराएं शामिल हैं?
(A) 5 अध्याय और 35 धाराएं
(B) 6 अध्याय और 39 धाराएं
(C) 7 अध्याय और 38 धाराएं
(D) 8 अध्याय और 42 धाराएं

6. आरटीई अधिनियम, 2009 के तहत, 'अनिवार्य शिक्षा' (Compulsory Education) शब्द प्रत्यक्ष रूप से निम्नलिखित में से किस संस्था/सत्त्व पर बाध्यता आरोपित करता है?
(A) माता-पिता और अभिभावक
(B) विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC)
(C) समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)
(D) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education - CBSE)

7. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 विद्यालय में उपस्थित न होने के लिए बच्चे या उनके माता-पिता को किसी कानूनी दंड के अधीन नहीं करता है।
कारण (R) : यह अधिनियम प्रारंभिक शिक्षा (Elementary Education) में प्रवेश, उपस्थिति और उसे पूरा करने को सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व पूरी तरह से समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) पर डालता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

8. आरटीई अधिनियम, 2009 के संदर्भ में, 'प्रारंभिक शिक्षा' (Elementary Education) को कहाँ से कहाँ तक की शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है?
(A) पूर्व-विद्यालय से कक्षा V तक
(B) कक्षा I से कक्षा VIII तक
(C) कक्षा I से कक्षा X तक
(D) पूर्व-विद्यालय से कक्षा VIII तक

Click Here to Buy book on Amazon

9. आरटीई अधिनियम, 2009 के प्रावधानों के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा अधिनियम का स्पष्ट उद्देश्य या मार्गदर्शक सिद्धांत नहीं है?
(A) प्रारंभिक शिक्षा तक पहुँच में समता और गैर-भेदभाव सुनिश्चित करना
(B) कक्षा VIII तक के सभी बच्चों को मध्याह्न भोजन प्रदान करना
(C) शारीरिक दंड (Physical Punishment) और मानसिक उत्पीड़न (Mental Harassment) को प्रतिबंधित करना
(D) पड़ोस का विद्यालय (Neighbourhood School) की उपलब्धता सुनिश्चित करना

10. विद्यालयों की निम्नलिखित श्रेणियों पर विचार कीजिए:
I. समुचित सरकार (Appropriate Government) द्वारा स्थापित, स्वामित्व वाले या नियंत्रित विद्यालय
II. अपने खर्चों को पूरा करने के लिए सहायता या अनुदान प्राप्त करने वाले सहायता प्राप्त विद्यालय (Aided Schools)
III. निर्दिष्ट श्रेणी के विद्यालय (Specified Category Schools) (जैसे, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय)
IV. किसी भी प्रकार की सहायता या अनुदान न प्राप्त करने वाले गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय (Unaided Schools)
विद्यालयों की उपर्युक्त श्रेणियों में से कौन सी कानूनी रूप से कमजोर वर्ग (Weaker Section) और वंचित समूह (Disadvantaged Group) के बच्चों को कक्षा I में उस कक्षा की कुल क्षमता के कम से कम 25% की सीमा तक प्रवेश देने के लिए बाध्य हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल III और IV
(D) I, II, III और IV

11. आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 3 के तहत एक बच्चे को निःशुल्क शिक्षा (Free Education) का अधिकार प्राप्त है। इस कानूनी ढांचे में 'निःशुल्क शिक्षा' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) केवल शिक्षण शुल्क की पूर्ण छूट, जबकि अन्य आकस्मिक प्रभार माता-पिता द्वारा वहन किए जाते हैं
(B) छात्र के अभिभावकों को सीधे आवधिक नकद हस्तांतरण के रूप में प्रदान की जाने वाली प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता
(C) अनिवार्य परीक्षा शुल्क छूट के साथ यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकों और परिवहन सुविधाओं का मुफ्त प्रावधान
(D) किसी भी ऐसे शुल्क, प्रभार या व्यय की अनुपस्थिति जो प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने और उसे पूरा करने से रोकती हो

12. आरटीई अधिनियम, 2009 के तहत शामिल आयु वर्ग से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा के लिए परिभाषित सामान्य आयु वर्ग 6 से 14 वर्ष है।
II. बेंचमार्क विकलांगता (Benchmark Disability) वाले बच्चे के लिए, निःशुल्क शिक्षा का अधिकार 18 वर्ष की आयु तक विस्तारित है।
III. प्रवेश के लिए बच्चे की आयु की गणना विशेष रूप से अस्पताल द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र द्वारा निर्धारित की जाती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

13. आरटीई अधिनियम, 2009 के अनुसार, यदि प्रवेश के समय किसी बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र (Birth Certificate) उपलब्ध नहीं है, तो प्राचार्या/प्रधानाचार्य को क्या करना चाहिए?
(A) प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने तक प्रवेश से इनकार करना चाहिए
(B) अनंतिम प्रवेश देना चाहिए जिसे छह महीने के भीतर प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करने पर रद्द कर दिया जाना चाहिए
(C) निर्धारित किसी भी अन्य दस्तावेज (Prescribed Document) के आधार पर आयु का निर्धारण करना चाहिए, और प्रवेश से इनकार नहीं करना चाहिए
(D) मेडिकल बोर्ड के माध्यम से आयु निर्धारण के लिए मामले को स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) को भेजना चाहिए

NODIA

14. विकलांग बच्चों (Children with Disabilities) को परिभाषित करने और 18 वर्ष की आयु तक उनकी शिक्षा की गारंटी देने के लिए शिक्षा के अधिकार के ढांचे के भीतर किस विशिष्ट अधिनियम का संदर्भ दिया गया है?
(A) मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 (Mental Healthcare Act, 2017)
(B) भारतीय पुनर्वास परिषद अधिनियम, 1992 (Rehabilitation Council of India Act, 1992)
(C) स्वलीनता, प्रमस्तिष्क घात, मानसिक मंदता और बहु-विकलांगताग्रस्त व्यक्तियों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999
(D) दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 - RPWD)

15. यदि आरटीई अधिनियम के तहत विद्यालय में प्रवेश लिया गया कोई बच्चा 14 वर्ष की आयु तक प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाता है, तो कौन सा प्रावधान लागू होता है?
(A) बच्चे को विद्यालय में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने तक निःशुल्क शिक्षा का अधिकार प्राप्त रहता है।
(B) बच्चे के लिए नियमित औपचारिक स्कूली शिक्षा छोड़ना और मुक्त दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों में नामांकन करना अनिवार्य है।

(C) बच्चे को 14 वर्ष की आयु से अधिक की किसी भी शैक्षणिक अवधि के लिए निर्धारित नियमित शिक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा।
(D) राज्य सरकार अनिवार्य रूप से बच्चे को राज्य संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान में स्थानांतरित करती है।

16. आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 11 पूर्व-विद्यालय शिक्षा (Pre-school Education) के प्रावधान से संबंधित है। इस धारा के तहत समुचित सरकार (Appropriate Government) को दिए गए जनादेश की प्रकृति क्या है?
(A) यह तीन से छह वर्ष की आयु के सभी छोटे बच्चों के लिए पूर्व-विद्यालय शिक्षा को एक प्रवर्तनीय मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित करता है।
(B) यह निर्दिष्ट करता है कि समुचित सरकार तीन वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क पूर्व-विद्यालय शिक्षा प्रदान करने के प्रावधान कर सकती है।
(C) यह सभी मान्यता प्राप्त औपचारिक प्रारंभिक विद्यालयों को अपने परिसरों के भीतर पूर्व-विद्यालय अनुभागों को तुरंत संलग्न करने और संचालित करने का कानूनी जनादेश देता है।
(D) यह पूर्व-विद्यालय शिक्षा की प्रशासनिक और वित्तीय जिम्मेदारी को प्रमाणित निजी क्षेत्र की संस्थाओं को पूरी तरह से स्थानांतरित करता है।

17. 'पड़ोस का विद्यालय' (Neighbourhood School) की अवधारणा आरटीई अधिनियम के तहत शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय है। जहाँ पड़ोस का विद्यालय मौजूद नहीं है, वहाँ उसे स्थापित करने के लिए कौन जिम्मेदार है?
(A) शिक्षा मंत्रालय (Ministry of Education) के माध्यम से केंद्र सरकार (Central Government)
(B) पंजीकृत गैर-सरकारी सामुदायिक संगठन
(C) नामांकित विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC)
(D) समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)

18. आरटीई नियमों के तहत पड़ोस का विद्यालय स्थापित करने के मानदण्डों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. एक प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I से V) पड़ोस के 1 किमी की पैदल दूरी के भीतर स्थापित किया जाना चाहिए।
II. एक उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा VI से VIII) 3 किमी की पैदल दूरी के भीतर स्थापित किया जाना चाहिए।
III. विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में, समुचित सरकार इन दूरी मानदण्डों में ढील दे सकती है।
IV. यदि इलाके/विषम इलाके के कारण पड़ोस का विद्यालय स्थापित नहीं किया जा सकता है, तो राज्य को मुफ्त परिवहन या आवासीय सुविधाएं प्रदान करनी होंगी।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

19. यदि किसी ऐसे बसावट (Habitation) में जहाँ विद्यालय नहीं है, नया औपचारिक विद्यालय खोलने के लिए आवश्यक जनसंख्या घनत्व की कमी है, तो पहुँच सुनिश्चित करने के लिए आरटीई दिशानिर्देशों के तहत क्या विकल्प निर्धारित है?
(A) रेडियो प्रसारण के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा
(B) बच्चों को शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित होने का निर्देश देना
(C) स्थानीय प्राधिकारी को शिक्षा प्रदान करने के दायित्व से छूट देना
(D) परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधाएं या आवासीय विद्यालय प्रदान करना

20. आरटीई अधिनियम की धारा 6 के तहत, अधिनियम के प्रारंभ होने से किस समय सीमा के भीतर समुचित सरकार को उन क्षेत्रों में पड़ोस का विद्यालय स्थापित करने का जनादेश दिया गया था जहाँ उनकी कमी थी?
(A) एक वर्ष (B) दो वर्ष
(C) तीन वर्ष (D) पाँच वर्ष

21. आरटीई अधिनियम, 2009 की कौन सी धारा निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने के लिए समुचित सरकार (Appropriate Government) के कर्तव्यों का वर्णन करती है?
(A) धारा 4 (B) धारा 6
(C) धारा 8 (D) धारा 10

22. एक सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय (Government-aided School) के प्राचार्य/प्रधानाचार्य के पास एक ऐसे बच्चे के माता-पिता आते हैं, जिसने तीन साल पहले कक्षा II में पढ़ाई छोड़ दी थी। बच्चा अब 11 साल का है। आरटीई अधिनियम के तहत प्राचार्य/प्रधानाचार्य द्वारा की जाने वाली कानूनी रूप से सही प्रशासनिक कार्रवाई क्या है?
(A) बच्चे को कक्षा III में प्रवेश देना और उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) प्रदान करना
(B) प्रवेश से इनकार करना क्योंकि बच्चे की पढ़ाई में तीन साल का अंतर है और उन्हें मुक्त विद्यालय में निर्देशित करना
(C) बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए बच्चे को कक्षा II में प्रवेश देना
(D) बच्चे की आयु के आधार पर कक्षा VI में प्रवेश देना और विशेष प्रशिक्षण (Special Training) की व्यवस्था करना

23. अनुसूची (Schedule) में निर्दिष्ट मानदण्डों और मानकों (Norms and Standards) के अनुरूप अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना एक वैधानिक कर्तव्य (Statutory Duty) है जो स्पष्ट रूप से किसे सौंपा गया है?
(A) केवल केंद्र सरकार को

Downloaded from www.pdf.tube

(B) माता-पिता को
(C) केवल संस्था के प्रमुख को
(D) समुचित सरकार को

24. आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 8 के तहत, यह सुनिश्चित करना समुचित सरकार का कर्तव्य है कि कमजोर वर्ग और वंचित समूह से संबंधित बच्चों के साथ भेदभाव न हो। अधिनियम के अनुसार निम्नलिखित में से किसे आमतौर पर 'वंचित समूह' (Disadvantaged Group) के तहत वर्गीकृत नहीं किया जाता है?
(A) एक बच्चा जिसके माता-पिता की वार्षिक आय निर्दिष्ट कर योग्य सीमा से अधिक है
(B) सामाजिक रूप से मान्यता प्राप्त अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित बच्चा
(C) आधिकारिक तौर पर अधिसूचित अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित बच्चा
(D) लागू कानूनों के तहत परिभाषित बेंचमार्क विकलांगता वाला बच्चा

25. आरटीई अधिनियम की धारा 9 द्वारा दिए गए जनादेश के अनुसार, अपने अधिकार क्षेत्र (Jurisdiction) में रहने वाले 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों का रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए कौन सी संस्था जिम्मेदार है?
(A) शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education)
(B) विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC)
(C) स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)
(D) राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (State Commission for Protection of Child Rights - SCPCR)

26. आरटीई अधिनियम के तहत, स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) को व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है जिसमें निम्नलिखित में से किसे छोड़कर सभी शामिल हैं?
(A) शहरी नगर निगम
(B) जिला परिषद
(C) वैधानिक छावनी बोर्ड
(D) राज्य विधानसभा

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : केंद्र सरकार आरटीई अधिनियम के तहत स्थापित विद्यालयों के दैनिक प्रशासन के लिए जिम्मेदार नहीं है।
कारण (R) : शिक्षा की समवर्ती सूची (Concurrent List) की प्रकृति के तहत, आरटीई अधिनियम का कार्यान्वयन और विद्यालयों का रखरखाव समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारियों (Local Authorities) की प्रशासनिक जिम्मेदारी है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

28. आरटीई अधिनियम, 2009 की कौन सी धारा स्पष्ट रूप से प्रत्येक माता-पिता या अभिभावक का यह कर्तव्य निर्धारित करती है कि वे अपने बच्चे या वार्ड को पड़ोस के विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा में प्रवेश दिलाएं?
(A) धारा 7
(B) धारा 10
(C) धारा 12
(D) धारा 14

29. जबकि आरटीई अधिनियम की धारा 10 माता-पिता पर अपने बच्चों को विद्यालय भेजने का कर्तव्य आरोपित करती है, ऐसा करने में विफल रहने वाले माता-पिता के लिए क्या दंडात्मक परिणाम (Penal Consequence) है?
(A) अनुपस्थिति के प्रति माह ₹500 का जुर्माना
(B) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभों को बंद करना
(C) एक महीने तक की कैद
(D) आरटीई अधिनियम में माता-पिता के लिए कोई दंडात्मक प्रावधान नहीं है

30. निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (Economically Weaker Section - EWS) और वंचित समूह (Disadvantaged Group - DG) के लिए 25% कोटा के संबंध में, आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(c) प्रवेश के बिंदु के बारे में क्या निर्दिष्ट करती है?
(A) प्रवेश केवल कक्षा I या पूर्व-विद्यालय में ही दिया जाना चाहिए
(B) प्रवेश कक्षा I से VIII तक की सभी कक्षाओं में आनुपातिक रूप से दिया जाना चाहिए
(C) उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए कक्षा VI में प्रवेश दिया जाना चाहिए
(D) प्रवेश किसी भी कक्षा में विद्यालय प्रबंधन के विवेक पर निर्भर है

NODIA

31. अधिनियम की धारा 12(2) के तहत 25% EWS/DG कोटा के तहत छात्रों को प्रवेश देने के लिए निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को राज्य द्वारा पुनर्भुगतान (Reimbursement) की गणना कैसे की जाती है?
(A) गैर-कोटा छात्रों से निजी विद्यालय द्वारा सीधे ली जाने वाली कुल वास्तविक वार्षिक फीस (Actual Annual Fee)
(B) सभी राज्यों में केंद्र सरकार द्वारा समान रूप से निर्धारित एक निश्चित एकमुश्त पुनर्भुगतान दर
(C) राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने वाले कुल प्रति-बच्चा परिचालन व्यय का पचास प्रतिशत
(D) राज्य द्वारा वहन किया गया प्रति-बच्चा व्यय (Per-child Expenditure) या वास्तविक विद्यालय शुल्क,

जो भी कम हो

32. आरटीई अधिनियम, 2009 में 25% आरक्षण खंड के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान (Minority Educational Institutions) (सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त दोनों) आरटीई अधिनियम के तहत 25% प्रवेश कोटा से पूरी तरह मुक्त हैं।

II. केंद्रीय विद्यालयों को EWS/DG के लिए 25% आरक्षण का पालन करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वे विशेष श्रेणी के विद्यालय हैं।

III. 25% प्रवेश के लिए पुनर्भुगतान उन विद्यालयों पर लागू नहीं होता है जो भूमि आवंटन रियायतों के कारण पहले से ही मुफ्त शिक्षा देने के दायित्व के तहत हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल I और III
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

33. निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में 25% आरक्षण से संबंधित आरटीई अधिनियम, 2009 की संवैधानिक वैधता को सर्वोच्च न्यायालय ने किस प्रमुख मामले में बरकरार रखा था?

(A) अशोक कुमार ठाकुर बनाम भारत संघ
(B) प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ
(C) सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स ऑफ राजस्थान बनाम भारत संघ
(D) मॉडर्न डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर बनाम मध्य प्रदेश राज्य

34. आरटीई अधिनियम की धारा 13 प्रवेश के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं (Screening Procedures) को सख्ती से प्रतिबंधित करती है। अधिनियम के तहत 'स्क्रीनिंग प्रक्रिया' का क्या अर्थ है?

(A) माता-पिता के आवासीय प्रमाण और आधिकारिक निवास दस्तावेजों का अनिवार्य सत्यापन
(B) बच्चे की आयु निर्धारण के लिए अस्पताल के जन्म प्रमाण पत्र का आधिकारिक सत्यापन
(C) अधिक आवेदन आने पर खुली यादृच्छिक लॉटरी प्रणाली (Random Lottery System) के माध्यम से उम्मीदवारों का चयन
(D) कोई भी चयन विधि (Selection Procedure) जिसमें बच्चे या माता-पिता को साक्षात्कार या लिखित परीक्षा से गुजरना पड़ता है

35. यदि कोई निजी विद्यालय प्रवेश साक्षात्कार आयोजित करके और ₹10,000 का कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fee) लेकर धारा 13 का उल्लंघन करता है, तो आरटीई अधिनियम के तहत विद्यालय पर अधिकतम कितना वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है?

(A) साक्षात्कार के लिए ₹25,000 + कैपिटेशन शुल्क के लिए ₹1,00,000
(B) साक्षात्कार के लिए ₹25,000 + कैपिटेशन शुल्क के लिए ₹50,000
(C) साक्षात्कार के लिए ₹50,000 + कैपिटेशन शुल्क के लिए ₹1,00,000
(D) साक्षात्कार के लिए ₹25,000 + कैपिटेशन शुल्क के लिए ₹10,000

36. निम्नलिखित में से कौन सा आरटीई अधिनियम के तहत परिभाषित 'प्रति व्यक्ति शुल्क/कैपिटेशन शुल्क' (Capitation Fee) का सटीक वर्णन करता है?

(A) प्रकाशित विद्यालय विवरणिका में आधिकारिक रूप से निर्धारित नियमित मासिक शिक्षण और गतिविधि शुल्क
(B) विद्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से अधिसूचित शुल्क के अलावा कोई भी दान, अंशदान या भुगतान
(C) विद्यालय माता-पिता-शिक्षक संघ द्वारा अनुमोदित वार्षिक बुनियादी ढांचा विकास शुल्क
(D) निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन प्रदान करने के लिए लगाया जाने वाला अनिवार्य परिचालन शुल्क

37. आरटीई अधिनियम की धारा 14 प्रवेश के लिए आयु के प्रमाण से संबंधित है। इस धारा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(A) माता-पिता द्वारा दिया गया हलफनामा (Affidavit) किसी भी परिस्थिति में आयु के प्रमाण के रूप में स्वीकार्य नहीं है।
(B) बच्चे की आयु का निर्धारण जन्म प्रमाण पत्र (Birth Certificate) के आधार पर किया जाएगा।
(C) जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में, निर्धारित किसी अन्य दस्तावेज के आधार पर आयु का निर्धारण किया जा सकता है।
(D) आयु के प्रमाण के अभाव में किसी भी बच्चे को प्रवेश से इनकार नहीं किया जाएगा।

38. एक प्राचार्य/प्रधानाचार्य यह कहते हुए सितम्बर में प्रवेश चाहने वाले एक छात्र को प्रवेश देने से मना कर देते हैं कि प्रवेश चक्र 30 अगस्त को समाप्त हो गया था। आरटीई अधिनियम की धारा 15 के तहत, क्या यह निर्णय कानूनी रूप से वैध है?

(A) नहीं, विस्तारित अवधि के दौरान या उसके बाद बच्चे को प्रवेश दिया जाएगा और प्रवेश से इनकार नहीं किया जा सकता है।
(B) हाँ, मान्यता प्राप्त विद्यालयों के पास प्रवेश के लिए सख्त कट-ऑफ तिथियां तय करने की पूर्ण प्रशासनिक स्वायत्तता है।
(C) हाँ, मध्य सत्र में प्रवेश स्वीकार करने से संरचित वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर और पाठ्यक्रम में बाधा आती है।
(D) नहीं, शैक्षणिक संस्थानों के लिए कानूनन पूरे वर्ष प्रवेश प्रक्रिया को लगातार खुला रखना आवश्यक है।

Click Here to Buy book on Flipkart

39. आरटीई अधिनियम की धारा 16 में मूल रुप से एक सख्त "नो-डिटेंशन पॉलिसी" (No-Detention Policy) शामिल थी। यह प्रावधान विशेष रुप से किस बात पर रोक लगाता था?
(A) कक्षा VIII पूरा करने से पहले किसी भी प्रकार का औपचारिक शैक्षणिक मूल्यांकन (Academic Evaluation) या नैदानिक परीक्षा आयोजित करना।
(B) कक्षा VIII तक के छात्रों को अनिवार्य लिखित गृहकार्य या प्रोजेक्ट कार्य सौंपना।
(C) प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी कक्षा में रोकना (Detain) या विद्यालय से निकालना (Expel)।
(D) अनुशासनात्मक कारणों से नियमित समय के बाद विद्यालय परिसर में बच्चे को रोकना।

40. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 [Right of Children to Free and Compulsory Education (Amendment) Act, 2019] ने नो-डिटेंशन पॉलिसी (No-Detention Policy) के संबंध में धारा 16 को संशोधित किया। निम्नलिखित में से कौन सा संशोधित प्रावधान को सही ढंग से दर्शाता है?
(A) शैक्षणिक वर्ष के अंत में कक्षा V और कक्षा VIII में नियमित परीक्षा आयोजित की जाएगी।
(B) खराब प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय कक्षा I से VIII तक किसी भी कक्षा में छात्रों को रोक सकते हैं।
(C) कक्षा X के लिए बोर्ड परीक्षाएं पुनः शुरु की गईं।
(D) केवल निजी विद्यालयों को छात्रों को रोकने की अनुमति थी; सरकारी विद्यालय सख्त नो-डिटेंशन पॉलिसी के तहत ही रहे।

41. आरटीई अधिनियम की धारा 16 के 2019 के संशोधन के तहत, यदि कोई बच्चा कक्षा V या कक्षा VIII की नियमित परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो विद्यालय को तुरंत क्या कदम उठाना चाहिए?
(A) बिना किसी विचार के बच्चे को विद्यालय के रोल से तुरंत निष्कासित (Expel) करना
(B) बुनियादी अवधारणाओं को सुदृढ़ करने के लिए बच्चे को पिछली प्रारंभिक कक्षा में अवनत करना
(C) अगले दो शैक्षणिक वर्षों की अवधि के लिए बच्चे को उसी कक्षा में बनाए रखना
(D) अतिरिक्त शिक्षण प्रदान करना और दो महीने के भीतर पुनः परीक्षा (Re-examination) का अवसर देना

42. एक सरकारी विद्यालय का कक्षा VIII का बच्चा मार्च में नियमित परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है और बाद में मई में पुनः परीक्षा में भी अनुत्तीर्ण हो जाता है। आरटीई संशोधन अधिनियम 2019 के आधार पर, प्राचार्या/प्रधानाचार्य को क्या निर्णय लेने का अधिकार है?
(A) प्राचार्या/प्रधानाचार्य बच्चे को कक्षा VIII में रोक (Detain) सकते हैं, जैसा कि समुचित सरकार द्वारा अनुमति दी गई हो।
(B) प्राचार्या/प्रधानाचार्य को अनिवार्य राज्य दिशानिर्देशों के तहत छात्र को स्वतः कक्षा IX में पदोन्नत (Promote) करना होगा।
(C) प्राचार्या/प्रधानाचार्य को तुरंत छात्र को विद्यालय से निष्कासित करना होगा और स्थानांतरण प्रमाण पत्र जारी करना होगा।
(D) प्राचार्या/प्रधानाचार्य को अनिवार्य रुप से छात्र को राज्य-मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा केंद्र में संदर्भित करना होगा।

43. क्या 2019 का संशोधित आरटीई अधिनियम किसी विद्यालय को कक्षा V या VIII की पुनः परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर किसी बच्चे को विद्यालय से निकालने (Expel) की अनुमति देता है?
(A) हाँ, बशर्ते पुनः परीक्षा (Re-examination) में शैक्षणिक विफलता लगातार दो वर्षों तक बनी रहे।
(B) नहीं, अधिनियम यह बनाए रखता है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को विद्यालय से नहीं निकाला जाएगा।
(C) हाँ, यदि विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के प्रशासनिक विवेक पर स्पष्ट रुप से सिफारिश की गई हो।
(D) नहीं, लेकिन विद्यालय प्रबंधन यह अनिवार्य कर सकता है कि बच्चा किसी मुक्त दूरस्थ विद्यालय में स्थानांतरण ले ले।

44. आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 17 शारीरिक दंड (Physical Punishment) और मानसिक उत्पीड़न (Mental Harassment) को सख्ती से प्रतिबंधित करती है। इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाले शिक्षक के लिए क्या परिणाम निर्धारित है?
(A) औपचारिक जांच किए बिना शैक्षणिक सेवा से तत्काल स्वचालित बर्खास्तगी (Dismissal)
(B) ऐसे व्यक्ति पर लागू सेवा नियमों (Service Rules) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action)
(C) पीड़ित बच्चे के परिवार को सीधे देय ₹50,000 का अनिवार्य नकद जुर्माना
(D) अपराधिक अभियोजन जिसके परिणामस्वरुप छह महीने तक की अवधि के लिए अनिवार्य कारावास हो

NODIA

45. आरटीई अधिनियम, 2009 की अनुसूची (Schedule) के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I से V) के लिए निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio - PTR) क्या है यदि कुल छात्र नामांकन 140 है?
(A) तीन शिक्षक
(B) चार शिक्षक
(C) पाँच शिक्षक (Five Teachers)
(D) पाँच शिक्षक और एक प्रधान शिक्षक (Head Teacher)

46. आरटीई अधिनियम की अनुसूची के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I से V) के लिए, किस नामांकन सीमा पर एक अलग प्रधान शिक्षक (Head Teacher) का होना अनिवार्य है?

(A) 100 बच्चों से अधिक
(B) 150 बच्चों से अधिक
(C) 200 बच्चों से अधिक
(D) 250 बच्चों से अधिक

47. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : यदि किसी प्राथमिक विद्यालय में नामांकन 200 बच्चों से अधिक हो जाता है, तो छात्र-शिक्षक अनुपात (प्रधान शिक्षक को छोड़कर) को 40:1 तक शिथिल किया जा सकता है।
कारण (R) : उच्च नामांकन संख्या बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं (Economies of Scale) की अनुमति देती है, जिसका अर्थ है कि शिक्षक समूह शिक्षण विधियों का उपयोग करके बड़ी कक्षाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

48. आरटीई अधिनियम के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा VI से VIII) के लिए निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio - PTR) क्या है?
(A) प्रत्येक 30 बच्चों के लिए कम से कम एक शिक्षक
(B) प्रत्येक 35 बच्चों के लिए कम से कम एक शिक्षक
(C) प्रत्येक 40 बच्चों के लिए कम से कम एक शिक्षक
(D) प्रत्येक 45 बच्चों के लिए कम से कम एक शिक्षक

49. एक उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा VI से VIII) में जहाँ बच्चों का प्रवेश 100 से ऊपर है, आरटीई अनुसूची निम्नलिखित में से किस क्षेत्र के लिए अंशकालिक अनुदेशकों (Part-time Instructors) की नियुक्ति का जनादेश देती है?
(A) कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा, दृश्य कला शिक्षा, और विदेशी भाषाएं
(B) संगीत, शास्त्रीय नृत्य और रंगमंच नाटक सहित प्रदर्शन कलाएं
(C) कला शिक्षा (Art Education), स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा (Health and Physical Education), और कार्य शिक्षा (Work Education)
(D) व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education), नैतिक विज्ञान शिक्षा, और स्वास्थ्य शिक्षा

50. आरटीई अधिनियम मानदण्डों के अनुसार, एक शैक्षणिक वर्ष में क्रमशः कक्षा I से V और कक्षा VI से VIII के लिए निर्धारित कार्य दिवसों (Working Days) की न्यूनतम संख्या क्या है?
(A) 200 दिन और 220 दिन
(B) 220 दिन और 250 दिन
(C) 180 दिन और 200 दिन
(D) 200 दिन और 240 दिन

51. आरटीई अधिनियम द्वारा कक्षा VI से VIII के लिए प्रति शैक्षणिक वर्ष में अनिवार्य शिक्षण घंटों (Instructional Hours) की न्यूनतम संख्या क्या है?
(A) 800 घंटे
(B) 900 घंटे
(C) 1000 घंटे
(D) 1200 घंटे

52. आरटीई अधिनियम के तहत एक शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह न्यूनतम कार्य घंटों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वैधानिक आवश्यकता प्रति सप्ताह 45 कार्य घंटे है।
II. 45 घंटों में शिक्षण घंटे (Instructional Hours) और तैयारी का समय (Preparation Time) दोनों शामिल हैं।
III. उच्च प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को प्रति सप्ताह 50 घंटे काम करने की आवश्यकता होती है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

53. विद्यालय के बुनियादी ढांचे के संबंध में आरटीई अधिनियम की अनुसूची के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा प्रत्येक विद्यालय के लिए अनिवार्य आवश्यकता नहीं है?
(A) बाधा-मुक्त पहुँच (Barrier-free Access)
(B) लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय
(C) सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल सुविधा
(D) एक वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशाला (Air-conditioned Computer Lab)

54. आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 18 के अनुसार, मान्यता प्रमाण पत्र (Certificate of Recognition) प्राप्त किए बिना विद्यालय स्थापित करने या चलाने पर कितना जुर्माना लगता है:
(A) प्रारंभ में ₹50,000, और उल्लंघन जारी रहने तक प्रतिदिन के लिए ₹5,000
(B) प्रारंभ में ₹1,00,000, और उल्लंघन जारी रहने तक प्रतिदिन के लिए ₹10,000
(C) प्रारंभ में ₹2,00,000, और उल्लंघन जारी रहने तक प्रतिदिन के लिए ₹20,000
(D) विद्यालय प्रबंधक का तत्काल कारावास

NODIA

55. यदि कोई विद्यालय आरटीई अधिनियम की धारा 18 के तहत दी गई अपनी मान्यता की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो निर्धारित प्राधिकारी क्या कार्रवाई करने के लिए सशक्त है?
(A) विद्यालय के प्रशासनिक प्रबंधन (Administrative Management) को सीधे सरकार को स्वचालित रूप

से स्थानांतरित करना
(B) सुनवाई का उचित अवसर देने के बाद लिखित रूप में मान्यता वापस लेना (Withdrawal of Recognition)
(C) विद्यालय प्राचार्या/प्रधानाचार्य के कारावास के लिए तत्काल आपराधिक कार्यवाही शुरु करना
(D) शैक्षणिक संस्थान को अनिवार्य रूप से अवनत करके प्राथमिक स्तर का विद्यालय बनाना

56. जब आरटीई अधिनियम के तहत किसी विद्यालय की मान्यता वापस ले ली जाती है, तो उस विद्यालय में नामांकित छात्रों के लिए इसका तात्कालिक परिणाम क्या होता है?
(A) उन्हें शिक्षा प्रणाली से तुरंत निष्कासित कर दिया जाता है।
(B) उन्हें कहीं और नया प्रवेश पाने के लिए अगले शैक्षणिक वर्ष का इंतजार करना होगा।
(C) वे प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने तक उसी विद्यालय में पढ़ते रहेंगे।
(D) उन्हें पड़ोस के विद्यालय में प्रवेश दिलाने का निर्देश दिया जाता है।

57. आरटीई अधिनियम की धारा 21 के तहत, विद्यालयों को एक विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) का गठन करना आवश्यक है। किस प्रकार के विद्यालय को इस आवश्यकता से छूट दी गई है?
(A) किसी भी प्रकार की सहायता या अनुदान न प्राप्त करने वाले गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय (Unaided Schools)
(B) समुचित सरकार द्वारा स्थापित और स्वामित्व वाले विद्यालय
(C) सरकारी अनुदान प्राप्त करने वाले सहायता प्राप्त विद्यालय (Aided Schools)
(D) केंद्रीय विद्यालय जैसी निर्दिष्ट श्रेणी के विद्यालय (Specified Category Schools)

58. आरटीई अधिनियम के तहत विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) की संरचना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. कम से कम तीन-चौथाई (75%) सदस्य माता-पिता या अभिभावक होने चाहिए।
II. वंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों के माता-पिता को आनुपातिक प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए।
III. समिति के कम से कम 50% सदस्य महिलाएं होंगी।
IV. स्थानीय विधायक और सांसद SMC के पदेन (Ex-officio) अध्यक्ष होते हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I और III
(D) I, II, III और IV

59. आरटीई अधिनियम की धारा 22 के अनुसार, विद्यालय के भविष्य के विकास के संबंध में विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) एक विद्यालय विकास योजना (School Development Plan - SDP) तैयार करना और सिफारिश करना
(B) अनिवार्य अर्धवार्षिक आंतरिक शैक्षणिक लेखापरीक्षा (Academic Audit) आयोजित करना
(C) शिक्षकों के प्रशासनिक स्थानांतरण और पदस्थापना को अंतिम रूप देना
(D) कक्षा I से VIII के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम डिजाइन और निर्धारित करना

60. SMC द्वारा तैयार की गई विद्यालय विकास योजना (School Development Plan - SDP) किस महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया का आधार बनती है?
(A) वरिष्ठ विद्यालय शिक्षकों को प्रशासनिक प्रधानाध्यापक पदों पर पदोन्नत करना
(B) समुचित सरकार या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा दिए जाने वाले अनुदान (Grants)
(C) गैर-निष्पादित विद्यालय कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Proceedings) शुरु करना
(D) आंतरिक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन मानदंड स्थापित करना

61. आरटीई अधिनियम की धारा 23 के तहत, किसी व्यक्ति को शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र होने के लिए न्यूनतम योग्यताएं (Minimum Qualifications) कौन निर्धारित करता है?
(A) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (State Council of Educational Research and Training - SCERT)
(B) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education - CBSE)
(C) संबंधित राज्य का शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education)
(D) केंद्र सरकार द्वारा अधिकृत एक शैक्षणिक प्राधिकारी (Academic Authority)

62. एक निजी विद्यालय प्रबंधन कक्षा VIII को पढ़ाने के लिए मास्टर डिग्री धारक लेकिन बिना किसी औपचारिक शिक्षक शिक्षा डिग्री वाले अत्यधिक अनुभवी पेशेवर को नियुक्त करने का निर्णय लेता है। आरटीई अधिनियम के तहत अनुपालन की समीक्षा करने वाले प्राचार्या/प्रधानाचार्य के रूप में, सही कानूनी स्थिति क्या है?
(A) यह स्वीकार्य है बशर्ते नियुक्त पेशेवर आंतरिक विद्यालय मूल्यांकन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ले।
(B) यह स्वीकार्य है क्योंकि गैर-सहायता प्राप्त निजी शैक्षणिक संस्थानों के पास शिक्षक चयन में पूर्ण स्वायत्तता है।

Downloaded from www.pdf.tube

(C) यह एक उल्लंघन है, क्योंकि उम्मीदवार के पास शैक्षणिक प्राधिकारी द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यताएं होनी चाहिए।
(D) यह स्वीकार्य है बशर्ते विद्यालय प्रबंधन समिति एक प्रस्ताव के माध्यम से औपचारिक रूप से नियुक्ति को मंजूरी दे दे।

63. आरटीई अधिनियम की धारा 24 के तहत शिक्षक के निम्नलिखित कर्तव्यों पर विचार कीजिए:
I. विद्यालय में उपस्थित होने में नियमितता और समयपालन बनाए रखना
II. निर्दिष्ट समय के भीतर पूरा पाठ्यक्रम पूरा करना
III. प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता का आकलन करना और पूरक शिक्षण (Supplementary Instruction) प्रदान करना
IV. स्थानीय समुदाय से शिक्षा उपकर एकत्र करना
उपर्युक्त में से कौन से स्पष्ट रूप से एक शिक्षक के वैधानिक कर्तव्यों (Statutory Duties) के रूप में सूचीबद्ध हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

64. यदि कोई शिक्षक आरटीई अधिनियम की धारा 24 के तहत निर्दिष्ट कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहता है, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई किसके अनुसार की जाएगी:
(A) शिक्षक पर लागू सेवा नियम (Service Rules)
(B) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (National Commission for Protection of Child Rights - NCPCR) के प्रत्यक्ष आदेश
(C) आपराधिक विश्वासघात के लिए दंड संहिता
(D) केंद्र सरकार का निर्णय

65. आरटीई अधिनियम की धारा 27 गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए शिक्षकों की तैनाती को प्रतिबंधित करती है। निम्नलिखित में से कौन सी इस धारा के तहत छूट प्राप्त कर्तव्य (Exempted Duty) नहीं है?
(A) दशकीय जनसंख्या जनगणना (Decennial Population Census)
(B) आपदा राहत कर्तव्य (Disaster Relief Duties)
(C) स्थानीय प्राधिकारी, राज्य विधानसभाओं और संसद के चुनावों से संबंधित कर्तव्य
(D) पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान

66. आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 28 में कहा गया है: "कोई भी शिक्षक स्वयं को निजी ट्यूशन (Private Tuition) या निजी शिक्षण गतिविधि में संलग्न नहीं करेगा।" यह प्रतिबंध किस पर लागू होता है?
(A) केवल राज्य संचालित संस्थानों में नियुक्त सरकारी विद्यालय के शिक्षकों पर
(B) केवल सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों पर
(C) केवल नियमित विद्यालय घंटों के दौरान निजी ट्यूशन कक्षाएं संचालित करने वाले शिक्षकों पर
(D) सभी विद्यालय श्रेणियों में अधिनियम के दायरे में आने वाले सभी शिक्षकों पर

67. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : आरटीई अधिनियम यह जनादेश देता है कि पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया जाना चाहिए जो बच्चे के ज्ञान, क्षमता और प्रतिभा का निर्माण करे।
कारण (R) : शैक्षणिक प्राधिकारी को स्थानीय संदर्भ की परवाह किए बिना पूरे देश में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए एक कठोर, केंद्रीकृत पाठ्यक्रम का पालन करना चाहिए।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

68. आरटीई अधिनियम की धारा 29 के तहत, पाठ्यक्रम (Curriculum) और मूल्यांकन प्रक्रिया (Evaluation Procedure) निर्धारित करते समय शैक्षणिक प्राधिकारी (Academic Authority) को निम्नलिखित में से किस सिद्धांत को ध्यान में रखना चाहिए?
(A) संविधान में निहित मूल्यों के अनुरुपता (Conformity with Constitutional Values)
(B) वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए शिक्षा का माध्यम सख्ती से अंग्रेजी होना चाहिए
(C) मूल्यांकन केवल योगात्मक बोर्ड परीक्षाओं (Summative Board Exams) के माध्यम से होना चाहिए
(D) मुख्य रूप से ऐतिहासिक तथ्यों को रटने पर ध्यान केंद्रित करना

NODIA

69. आरटीई अधिनियम बच्चे को भय, आघात और चिंता मुक्त बनाने की पुरजोर वकालत करता है। इसे हासिल करने के लिए अधिनियम स्पष्ट रूप से किस शैक्षणिक दृष्टिकोण (Pedagogical Approach) की सिफारिश करता है?
(A) बाल-अनुकूल तरीके से गतिविधियों, खोज और अन्वेषण के माध्यम से सीखना
(B) शारीरिक दिनचर्या अभ्यास और दंड के माध्यम से लागू सख्त संस्थागत अनुशासन
(C) मापी गई शैक्षणिक बुद्धिमत्ता के आधार पर बच्चों का व्यवस्थित संज्ञानात्मक पृथक्करण
(D) कक्षा I से कठोर शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग प्रणालियों का शीघ्र परिचय

70. बच्चे के ज्ञान की समझ और उसे लागू करने की उनकी क्षमता के 'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन' (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) का जनादेश आरटीई अधिनियम की किस धारा के तहत प्रदान किया गया है?

(A) धारा 16
(B) धारा 21
(C) धारा 29
(D) धारा 35

71. आरटीई अधिनियम की धारा 30 में स्पष्ट रुप से यह शर्त रखी गई है कि किसी भी बच्चे को कब तक कोई बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता नहीं होगी?

(A) कक्षा V की समाप्ति तक
(B) कक्षा VIII की समाप्ति तक
(C) कक्षा X की समाप्ति तक
(D) कक्षा XII की समाप्ति तक

72. आरटीई अधिनियम के तहत प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के प्रमाण पत्र (Certificate of Completion of Elementary Education) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने वाले प्रत्येक बच्चे को एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा।
II. प्रमाण पत्र में अंतिम केंद्रीकृत बोर्ड परीक्षा में बच्चे के प्रदर्शन की रुपरेखा होनी चाहिए।
III. प्रमाण पत्र जारी करने का प्रारुप और तरीका समुचित सरकार द्वारा बनाए गए नियमों द्वारा निर्धारित किया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल I
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

73. बच्चे के शिक्षा के अधिकार की निगरानी करने और निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार से संबंधित शिकायतों की जांच करने के लिए आरटीई अधिनियम की धारा 31 के तहत किस प्राधिकारी को नामित किया गया है?

(A) राज्य बोर्डों के माध्यम से कार्य करने वाला राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (National University of Educational Planning and Administration - NUEPA)
(B) राज्य शिक्षा विभागों के समन्वय से केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (Central Advisory Board of Education - CABE)
(C) नामित न्यायिक समितियों के माध्यम से सीधे कार्य करने वाला भारत का सर्वोच्च न्यायालय
(D) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (National Commission for Protection of Child Rights - NCPCR) और राज्य आयोग (State Commission for Protection of Child Rights - SCPCR)

74. यदि आरटीई अधिनियम के तहत बच्चे के अधिकार के संबंध में कोई शिकायत उत्पन्न होती है, तो अधिनियम द्वारा आमतौर पर नामित शिकायत निवारण का पहला मंच कौन सा है?

(A) संबंधित राज्य का उच्च न्यायालय
(B) अधिकार क्षेत्र वाला स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)
(C) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (Ministry of Education, Government of India)
(D) जिला मजिस्ट्रेट

75. आरटीई अधिनियम के तहत स्थानीय प्राधिकारी द्वारा किसी शिकायत पर निर्णय लेने के बाद, इस निर्णय के खिलाफ अपील कहाँ होती है?

(A) राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (State Commission for Protection of Child Rights - SCPCR)
(B) नामित कार्यकारी विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)
(C) राज्य का शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education)
(D) राज्य के राज्यपाल का कार्यालय

76. आरटीई अधिनियम की धारा 33 एक राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (National Advisory Council - NAC) के गठन का प्रावधान करती है। NAC का प्राथमिक कार्य क्या है?

(A) प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए वार्षिक बजटीय आवंटन को औपचारिक रुप से अनुमोदित और वितरित करना
(B) आरटीई अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन (Effective Implementation) पर केंद्र सरकार को सलाह देना
(C) स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) का मसौदा तैयार करना, आवधिक संशोधन करना और प्रकाशित करना
(D) राष्ट्रीय स्तर पर सभी केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षण कर्मचारियों के लिए सीधे भर्ती अभियान चलाना

77. आरटीई अधिनियम के तहत गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAC) में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य शामिल होते हैं। इस परिषद में सदस्यों की अधिकतम संख्या कितनी हो सकती है?

(A) 10 सदस्य
(B) 15 सदस्य
(C) 20 सदस्य
(D) 25 सदस्य

78. एक विद्यालय के प्राचार्या/प्रधानाचार्य को एक नए वैधानिक रजिस्टर के रखरखाव के संबंध में केंद्र सरकार से एक निर्देश प्राप्त होता है। आरटीई अधिनियम की किस धारा के तहत केंद्र सरकार के पास अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए ऐसे दिशानिर्देश और निर्देश जारी करने की शक्ति है?

Click Here to Buy book on Amazon

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

(A) धारा 12 (B) धारा 30
(C) धारा 35 (D) धारा 38

79. आरटीई अधिनियम की धारा 36 के तहत अधिनियम के तहत अपराधों (जैसे कैपिटेशन शुल्क लेना या गैर-मान्यता प्राप्त विद्यालय चलाना) के अभियोजन (Prosecution) के लिए पूर्व स्वीकृति (Prior Sanction) की आवश्यकता होती है। यह स्वीकृति देने के लिए सक्षम प्राधिकारी (Competent Authority) कौन है?
(A) समुचित सरकार द्वारा अधिकृत एक अधिकारी
(B) नामांकित विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)
(C) जिले के पुलिस आयुक्त
(D) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR)

80. आरटीई अधिनियम की धारा 37 'सद्भावपूर्वक की गई कार्रवाई का संरक्षण' (Protection of Action Taken in Good Faith) प्रदान करती है। यह धारा किसे मुकदमों या कानूनी कार्यवाहियों से बचाती है?
(A) केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्राधिकारी, या विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)
(B) केवल सरकारी विद्यालयों के शिक्षक
(C) केवल संस्था के प्रमुख
(D) शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action) करने वाले निजी विद्यालय प्रबंधन

81. आरटीई अधिनियम की धारा 38 के तहत, किस संस्था के पास अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए नियम बनाने की शक्ति है?
(A) केवल भारत की संसद
(B) केवल केंद्र सरकार
(C) समुचित सरकार (Appropriate Government)
(D) राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAC)

82. एक 12 वर्षीय बच्चा, जिसने कभी किसी विद्यालय में दाखिला नहीं लिया है, उसे आरटीई अधिनियम की धारा 4 के तहत आयु-उपयुक्तता (Age-appropriateness) के आधार पर कक्षा VI में प्रवेश दिया जाता है। प्राचार्या/प्रधानाचार्य के रूप में, आपको इस बच्चे के लिए किस महत्वपूर्ण शैक्षणिक हस्तक्षेप को सुनिश्चित करना चाहिए?
(A) मूल्यांकन प्रदर्शन की परवाह किए बिना बच्चे को स्वतः उत्तीर्ण ग्रेड दिया जाना चाहिए।
(B) बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए बच्चे को शुरु में मूलभूत वर्ष के लिए कक्षा I में बैठाया जाना चाहिए।
(C) बच्चे को कक्षा में अपने साथियों के बराबर लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण (Special Training) प्रदान किया जाना चाहिए।
(D) बच्चे के लिए पूरी तरह से विद्यालय के खर्च पर एक व्यक्तिगत समर्पित निजी ट्यूटर (Private Tutor) नियुक्त किया जाना चाहिए।

83. आयु-उपयुक्त नामांकित बच्चों के लिए 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training) के संबंध में, आरटीई नियम निर्दिष्ट करते हैं कि ऐसा प्रशिक्षण किस पर आधारित होगा:
(A) शैक्षणिक प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित विशेष रूप से डिज़ाइन की गई, आयु-उपयुक्त शिक्षण सामग्री
(B) वयस्क शिक्षार्थियों के लिए अनुमोदित मानकीकृत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी माध्यमिक पाठ्यक्रम
(C) मूलभूत प्रारंभिक बचपन देखभाल और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा निर्देशात्मक ढांचा
(D) सीधे विश्व बैंक द्वारा निर्मित एक समान अंतरराष्ट्रीय प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल

84. आयु-उपयुक्त कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यालय से बाहर रहे बच्चों (Out-of-school Children) को प्रदान किए जाने वाले 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training) के लिए निर्धारित न्यूनतम अवधि क्या है?
(A) एक महीना
(B) तीन महीने
(C) छह महीने
(D) एक वर्ष

85. यदि आयु-उपयुक्त कक्षा में प्रवेश पाने वाले बच्चे को विस्तारित विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, तो इस प्रशिक्षण को अधिकतम कितनी अवधि तक बढ़ाया जा सकता है?
(A) छह महीने
(B) एक वर्ष
(C) दो वर्ष
(D) प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक

NODIA

86. आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच धन का बंटवारा कैसे किया जाता है?
(A) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha) के तहत समय-समय पर संशोधित अनुपात के आधार पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझा किया जाता है।
(B) केंद्र सरकार कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कुल वित्तीय और परिचालन व्यय का 100% वहन करती है।
(C) राज्य सरकार केंद्रीय बजटीय सहायता अनुदान प्राप्त किए बिना वित्तीय दायित्व का 100% वहन करती है।
(D) वित्तीय संसाधन पूरी तरह से अनिवार्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) कोष योगदान के माध्यम से जुटाए जाते हैं।

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश सहित पूरे भारत पर लागू है।
कारण (R) : आरटीई अधिनियम ने मूल रूप से जम्मू और कश्मीर राज्य को बाहर कर दिया था, लेकिन जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के बाद, केंद्रीय कानून

यूटी पर लागू हो गए।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

88. आरटीई अधिनियम के वित्तीय प्रावधानों (धारा 7) के तहत, केंद्र सरकार का राज्य सरकारों को प्रदान करने का एक विशिष्ट कर्तव्य है:
(A) राज्य सरकार के परामर्श से निर्धारित राजस्व का सहायता अनुदान (Grants-in-aid)
(B) सभी निजी विद्यालय शिक्षकों के मासिक वेतन के लिए पूर्ण वित्तीय पुनर्भुगतान
(C) विद्यालय प्रबंधन समितियों (School Management Committees) को सीधे स्थानांतरित प्रत्यक्ष बजटीय आवंटन और धन
(D) नगर निगम विद्यालय के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए दीर्घकालिक ब्याज मुक्त विकासात्मक ऋण

89. आरटीई अधिनियम की धारा 7 के तहत निम्नलिखित में से कौन सा केंद्र सरकार का उत्तरदायित्व नहीं है?
(A) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा (National Curriculum Framework - NCF) विकसित करना
(B) शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मानकों को विकसित करना और लागू करना
(C) प्रत्येक गाँव में पड़ोस का विद्यालय स्थापित करना
(D) राज्य सरकार को तकनीकी सहायता (Technical Support) और संसाधन प्रदान करना

90. आरटीई अधिनियम के तहत राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (National Council for Teacher Education - NCTE) को शिक्षक योग्यताओं के लिए शैक्षणिक प्राधिकारी (Academic Authority) के रूप में नामित करने के लिए केंद्र सरकार ने किस कानूनी तंत्र का उपयोग किया?
(A) संसद द्वारा पारित एक औपचारिक संवैधानिक संशोधन
(B) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सीधे जारी एक कार्यकारी डिक्री
(C) आरटीई अधिनियम की धारा 23 के तहत एक राजपत्र अधिसूचना (Gazette Notification)
(D) कैब (Central Advisory Board of Education - CABE) सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित एक औपचारिक प्रस्ताव

91. शिक्षण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षक पात्रता परीक्षा (Teacher Eligibility Test - TET) उत्तीर्ण करना आरटीई दिशानिर्देशों के तहत एक अनिवार्य आवश्यकता बना दिया गया था। केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (Central Teacher Eligibility Test - CTET) कौन आयोजित करता है?
(A) एनसीटीई (NCTE)
(B) सीबीएसई (CBSE)
(C) एनसीईआरटी (NCERT)
(D) यूपीएससी (UPSC)

92. आरटीई अधिनियम में प्रावधानों से संबंधित निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:
I. धारा 13 - प्रति व्यक्ति शुल्क और स्क्रीनिंग प्रक्रिया पर रोक
II. धारा 17 - शारीरिक दंड पर रोक
III. धारा 28 - रोकने (Detention) और निष्कासन पर रोक
ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा/से सही सुमेलित है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

93. धारा 28 शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन (Private Tuition) को प्रतिबंधित करती है। हालांकि, यदि विद्यालय प्रबंधन शिक्षकों से बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के विद्यालय समय के बाद कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं (Remedial Classes) लेने की अपेक्षा करता है, तो क्या यह धारा 28 का उल्लंघन करता है?
(A) हाँ, अनिवार्य विद्यालय घंटों के बाहर संचालित कोई भी निर्देशात्मक या शिक्षण गतिविधि कानूनी रूप से निजी ट्यूशन है।
(B) नहीं, मौद्रिक लाभ के बिना विद्यालय द्वारा संस्थागत उपचारात्मक शिक्षण शिक्षक कर्तव्य का हिस्सा है, निजी ट्यूशन नहीं।
(C) हाँ, विद्यालय के बाद निर्देश देना सख्त वर्जित है जब तक कि माता-पिता स्पष्ट रुप से लिखित पूर्व सहमति न दें।
(D) नहीं, बशर्ते विद्यालय के शिक्षकों को भाग लेने वाले माता-पिता द्वारा सीधे अतिरिक्त प्रति घंटे ओवरटाइम मुआवजा दिया जाए।

94. आरटीई अधिनियम की अनुसूची में बुनियादी ढांचे के मानदण्डों के अनुसार, विद्यालय में पुस्तकालय (Library) के संबंध में क्या विनिर्देश है?
(A) प्रत्येक मान्यता प्राप्त विद्यालय को कम से कम दस इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटरों से सुसज्जित एक डिजिटल पुस्तकालय स्थापित करना अनिवार्य है।
(B) प्रत्येक विद्यालय में एक पुस्तकालय होगा जो कहानी-पुस्तकों सहित सभी विषयों पर समाचार पत्र, पत्रिकाओं और पुस्तकें प्रदान करेगा।
(C) केवल उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों (कक्षा VI से VIII) के लिए एक समर्पित पुस्तकालय कक्ष स्थापित करना कानूनन आवश्यक है।
(D) सप्ताह में एक बार शैक्षणिक संस्थान का दौरा करने वाली एक मोबाइल पुस्तकालय इकाई मानदण्डों का पूर्ण अनुपालन मान ली जाएगी।

Downloaded from www.pdf.tube

95. आरटीई अधिनियम की अनुसूची विद्यालय के लिए खेल उपकरण (Play Equipment) के संबंध में क्या जनादेश देती है?
(A) विद्यालय के पास परिसर में एक मानकीकृत सिंथेटिक मल्टी-लेन एथलेटिक रनिंग ट्रैक होना चाहिए।
(B) खेल सामग्री, खेल और खेल उपकरण आवश्यकतानुसार प्रत्येक कक्षा को प्रदान किए जाएंगे।
(C) नामित स्थानीय प्राधिकारी को किराये के शुल्क के आधार पर विद्यालयों को आवश्यक खेल उपकरण प्रदान करने होंगे।
(D) खेल उपकरण के लिए कोई वैधानिक जनादेश नहीं है; खुला खेल का मैदान बनाए रखना ही पर्याप्त है।

96. यदि आरटीई अधिनियम के प्रारंभ के समय कोई मौजूदा विद्यालय अनुसूची में निर्दिष्ट बुनियादी ढांचे के मानदण्डों और मानकों को पूरा नहीं करता था, तो ऐसे मानदण्डों को पूरा करने के लिए कदम उठाने हेतु कितनी समय सीमा दी गई थी?
(A) एक वर्ष
(B) तीन वर्ष
(C) पाँच वर्ष
(D) दस वर्ष

97. यदि कोई मान्यता प्राप्त विद्यालय निर्धारित तीन वर्षों के भीतर बुनियादी ढांचे के मानदण्डों को पूरा करने में विफल रहता है, तो धारा 19 के तहत वैधानिक परिणाम क्या था?
(A) स्थायी जुर्माना लगाना
(B) निर्धारित प्राधिकारी द्वारा मान्यता वापस लेना (Withdrawal of Recognition)
(C) सरकार द्वारा विद्यालय प्रबंधन का अधिग्रहण (Takeover)
(D) विद्यालय का गैर-औपचारिक शिक्षा केंद्र में परिवर्तन

98. आरटीई अधिनियम के अनुसार शिक्षक के कर्तव्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. शिक्षकों को प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता का आकलन करना चाहिए।
II. शिक्षकों को माता-पिता और अभिभावकों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करनी चाहिए।
III. शिक्षकों को माता-पिता को बच्चे की उपस्थिति, क्षमता और प्रगति के बारे में सूचित करना चाहिए।
IV. शिक्षकों को विद्यालय के रखरखाव के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने चाहिए।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II (B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV (D) I, II, III और IV

99. आरटीई अधिनियम यह प्रावधान करता है कि समुचित सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अनुसूची में निर्दिष्ट छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio - PTR) प्रत्येक विद्यालय में बनाए रखा जाए। अधिनियम के प्रारंभ से किस अवधि के भीतर इसे हासिल किया जाना था?
(A) छह महीने (B) एक वर्ष
(C) तीन वर्ष (D) पाँच वर्ष

100. शिक्षकों के असमान वितरण को रोकने के लिए, आरटीई अधिनियम की धारा 25(2) समुचित सरकार को स्पष्ट रुप से किस बात से रोकती है?
(A) दूरस्थ ग्रामीण प्रशासनिक क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में महिला शिक्षकों की नियुक्ति करना
(B) राष्ट्रीय संसदीय चुनाव कर्तव्यों के लिए योग्य स्थायी शिक्षण कर्मचारियों की तैनाती करना
(C) सभी सरकारी विद्यालयों में एक केंद्रीकृत डिजिटल शिक्षक स्थानांतरण नीति स्थापित करना
(D) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षकों की पदस्थापना में कोई ढांचागत असमानता बनाए रखना

101. आरटीई अधिनियम की धारा 26 के अनुसार, नियुक्ति प्राधिकारी (Appointing Authority) यह सुनिश्चित करेगा कि उसके नियंत्रण वाले विद्यालय में शिक्षकों की रिक्तियां (Teacher Vacancies) कुल स्वीकृत पद संख्या के एक निश्चित प्रतिशत से अधिक न हों। यह प्रतिशत क्या है?
(A) 5 प्रतिशत (B) 10 प्रतिशत
(C) 15 प्रतिशत (D) 20 प्रतिशत

NODIA

102. एक प्राचार्या/प्रधानाचार्य उच्च प्राथमिक विद्यालय के लिए समय-सारणी (Timetable) की योजना बना रहे हैं। आरटीई अधिनियम के अनुसार, एक शैक्षणिक वर्ष के लिए शिक्षण घंटे 220 कार्य दिवसों में 1000 घंटे हैं। इस वैधानिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्राचार्या/प्रधानाचार्य को प्रतिदिन लगभग कितने शिक्षण घंटे सुनिश्चित करने होंगे?
(A) 3.5 घंटे (B) 4.5 घंटे
(C) 5.5 घंटे (D) 6.5 घंटे

103. आरटीई अधिनियम की कौन सी धारा राज्य सलाहकार परिषद (State Advisory Council - SAC) के गठन और कार्यों से विशेष रुप से संबंधित है?
(A) धारा 30 (B) धारा 32
(C) धारा 34 (D) धारा 38

104. आरटीई अधिनियम की धारा 34 के तहत गठित राज्य सलाहकार परिषद (State Advisory Council - SAC) की अध्यक्षता किसके द्वारा की जाती है?
(A) राज्य के मुख्यमंत्री
(B) राज्य में स्कूली शिक्षा विभाग के प्रभारी मंत्री
(C) राज्य के मुख्य सचिव
(D) राज्य में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष

105. आरटीई नियमों के अनुसार, विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) की बैठक कम से कम कितनी बार होनी चाहिए:
(A) प्रत्येक सप्ताह में एक बार
(B) प्रत्येक पखवाड़े में एक बार

(C) प्रत्येक महीने में एक बार
(D) प्रत्येक तिमाही में एक बार

106. आरटीई नियमों के तहत SMC बैठकों के संदर्भ में, एक वैध बैठक आयोजित करने के लिए आमतौर पर कोरम (Quorum) क्या आवश्यक है?
(A) कुल सदस्यों का दसवां हिस्सा
(B) कुल सदस्यों का एक-तिहाई
(C) कुल सदस्यों का आधा
(D) कुल सदस्यों का दो-तिहाई

107. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : SMC द्वारा तैयार की गई विद्यालय विकास योजना (School Development Plan - SDP) एक रोलिंग योजना (Rolling Plan) है।
कारण (R) : आरटीई नियम यह जनादेश देते हैं कि SDP तीन वार्षिक उप-योजनाओं को मिलाकर तीन साल की योजना होगी।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

108. आरटीई नियमों के अनुसार विद्यालय विकास योजना (School Development Plan - SDP) में निम्नलिखित में से कौन सा विवरण शामिल होना अनिवार्य नहीं है?
(A) प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए अनुमानित व्यापक कक्षा-वार छात्र नामांकन अनुमान
(B) आवश्यक अतिरिक्त विषय शिक्षकों की संख्या के संबंध में सटीक आवश्यकता का अनुमान
(C) अतिरिक्त कक्षा बुनियादी ढांचे और शिक्षण उपकरणों के लिए विस्तृत भौतिक आवश्यकताएं (Physical Requirements)
(D) शिक्षकों के व्यक्तिगत सेवा रिकॉर्ड (Service Records) और गोपनीय प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (Confidential Performance Appraisal Reports)

109. आरटीई अधिनियम एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने वाले बच्चे की शिक्षा के संबंध में क्या तंत्र प्रदान करता है?
(A) बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के लिए किसी अन्य विद्यालय में स्थानांतरण (Transfer) मांगने का निरपेक्ष अधिकार है।
(B) बच्चे के लिए प्राप्तकर्ता राज्य में राज्य स्तरीय शैक्षणिक प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
(C) बच्चे या माता-पिता को लक्षित विद्यालय को गैर-वापसी योग्य प्रशासनिक स्थानांतरण शुल्क का भुगतान करना होगा।
(D) आरटीई प्रावधानों के तहत अंतर-राज्यीय छात्र स्थानांतरण केवल केंद्रीय विद्यालयों तक सीमित हैं।

110. जब कोई बच्चा एक विद्यालय से दूसरे विद्यालय में स्थानांतरण का अनुरोध करता है, तो जिस विद्यालय में बच्चे को अंतिम बार प्रवेश दिया गया था, उसके प्रधान शिक्षक या प्रभारी तुरंत जारी करेंगे:
(A) चरित्र प्रमाण पत्र (Character Certificate)
(B) स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC)
(C) प्रवजन प्रमाण पत्र (Migration Certificate)
(D) पात्रता प्रमाण पत्र (Eligibility Certificate)

111. यदि कोई प्रधानाध्यापक स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC) जारी करने में देरी करता है, तो आरटीई अधिनियम की धारा 5 इसके बारे में क्या कहती है?
(A) माता-पिता को राज्य के उच्च न्यायालय में तत्काल याचिका और प्रशासनिक अपील दायर करनी चाहिए।
(B) देरी नए विद्यालय में प्रवेश में देरी करने या इनकार करने का आधार नहीं होगी।
(C) जब तक मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र भौतिक रूप से प्रस्तुत न किया जाए, तब तक बच्चे को अनिवार्य रूप से विद्यालय से बाहर रहना होगा।
(D) प्राप्तकर्ता विद्यालय प्रबंधन प्रतिदिन विलंब शुल्क लगाने के लिए सशक्त है।

112. आरटीई अधिनियम की धारा 13 के तहत Screening Procedures के निषेध के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. बच्चों के लिए लिखित परीक्षाएं प्रतिबंधित हैं।
II. माता-पिता के लिए साक्षात्कार प्रतिबंधित हैं।
III. आयु दस्तावेजों का सत्यापन एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया माना जाता है और प्रतिबंधित है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

113. 25% कोटे के तहत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश के लिए आरटीई दिशानिर्देशों के तहत, यदि आवेदकों की संख्या उपलब्ध सीटों से अधिक है, तो चयन की निर्धारित पद्धति क्या है?
(A) पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर (First-come, First-served Basis)
(B) बुनियादी साक्षरता परीक्षा पर आधारित योग्यता
(C) निवास की दूरी की मीटर में सटीक गणना
(D) याद्दच्छिक चयन विधि (जैसे, लॉटरी) (Random Selection Method - Lottery)

114. 25% कोटे के तहत प्रवेश के उद्देश्य से, 'कमजोर वर्ग' (Weaker Section) के बच्चे को कौन परिभाषित करता है?
(A) एक बच्चा जिसके माता-पिता आधिकारिक तौर पर

Click Here to Buy book on Flipkart

अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की सामाजिक श्रेणी से संबंधित हैं
(B) एक बच्चा जिसके माता-पिता या अभिभावक की आय समुचित सरकार द्वारा निर्दिष्ट सीमा से कम है
(C) एक अधिकृत सरकारी मेडिकल बोर्ड द्वारा शारीरिक या मानसिक विकलांगता के साथ प्रमाणित बच्चा
(D) राज्य-मान्यता प्राप्त बाल देखभाल गृह में रहने वाले अनाथ के रूप में आधिकारिक रूप से प्रलेखित बच्चा

115. 'वंचित समूह' (Disadvantaged Group - DG) से संबंधित बच्चे में अनुसूचित जाति (Scheduled Caste - SC), अनुसूचित जनजाति (Scheduled Tribe - ST) से संबंधित बच्चे शामिल हैं, और:
(A) विशेष शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित शारीरिक, मानसिक या संवेदी विकलांगता वाले बच्चे
(B) सामाजिक, सांस्कृतिक, या आर्थिक कारणों से पिछड़े सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या समूह
(C) अस्थायी अनुबंधों पर काम करने वाले कम आय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के सरकारी कर्मचारियों के परिवारों के बच्चे
(D) संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत संरक्षित धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चे

116. आरटीई अधिनियम की धारा 29 का अनुपालन करने के लिए सीबीएसई (CBSE) से संबद्ध विद्यालयों के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रम कौन निर्धारित करता है?
(A) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT)
(B) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (National Council for Teacher Education - NCTE)
(C) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT)
(D) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA)

117. आरटीई अधिनियम की धारा 29(2)(f) शिक्षा के माध्यम (Medium of Instruction) पर जोर देती है। इसके संबंध में स्पष्ट निर्देश क्या है?
(A) वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सभी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम अनिवार्य रूप से अंग्रेजी होना चाहिए।
(B) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए सभी सरकारी और निजी संस्थानों में शिक्षा का माध्यम हिंदी होना चाहिए।
(C) शिक्षा का माध्यम, जहाँ तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा (Mother Tongue) में होना चाहिए।
(D) शैक्षणिक संस्थानों के पास शिक्षा का कोई भी माध्यम (Medium of Instruction) चुनने का पूर्ण प्रशासनिक विवेक है।

118. एक प्राचार्या/प्रधानाचार्य देखते हैं कि एक शिक्षक नियमित रूप से गाइड बुक से नोट्स बोलकर लिखाता है, गतिविधियों का शायद ही कभी उपयोग करता है, और परीक्षाओं के लिए रटने पर ध्यान केंद्रित करता है। शिक्षक मुख्य रूप से आरटीई अधिनियम की धारा 29(2) के किस सिद्धांत का उल्लंघन कर रहा है?
(A) बाल-अनुकूल और बाल-केंद्रित तरीके से गतिविधियों, खोज और अन्वेषण के माध्यम से सीखना
(B) यह सुनिश्चित करना कि प्रारंभिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम सख्ती से बच्चे की मातृभाषा में दिया जाए
(C) बच्चे को आघात, चिंता और भय से पूरी तरह मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक सहानुभूतिपूर्ण वातावरण बनाना
(D) समग्र बाल विकास का नियमित रूप से आकलन करने के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन प्रणाली को लागू करना

119. आरटीई द्वारा अनिवार्य सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) ढांचे के तहत, 'व्यापक' (Comprehensive) से तात्पर्य है:
(A) केवल वार्षिक शैक्षणिक सत्र के अंत में औपचारिक शैक्षणिक मूल्यांकन (Academic Evaluation) आयोजित करना
(B) बच्चे की समग्र वृद्धि और विकास के शैक्षणिक (Scholastic) और सह-शैक्षणिक (Co-scholastic) दोनों क्षेत्रों का आकलन करना
(C) यह सुनिश्चित करना कि परीक्षा प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय को कवर करें
(D) छात्र शैक्षणिक परीक्षा अंकों के साथ शिक्षक कक्षा प्रदर्शन का मूल्यांकन करना

120. आरटीई अधिनियम की भावना के तहत प्राथमिक विद्यालय के बच्चे का मूल्यांकन करने का कौन सा अमान्य तरीका माना जाता है?
(A) समूह कार्य के दौरान बच्चे का अवलोकन
(B) बच्चे के चित्र और शिल्प के पोर्टफोलियो का विश्लेषण करना
(C) तीन घंटे की लंबी, उच्च जोखिम वाली लिखित परीक्षा (Written Examination)
(D) शिक्षक द्वारा बनाए गए उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड (Anecdotal Records)

121. मूल रूप से कक्षा VIII तक 'नो-डिटेंशन पॉलिसी' और समग्र विकास जनादेश को संचालित करने के लिए, विद्यालय अंकों के आधार वाली प्रणाली से किस प्रणाली में स्थानांतरित हो गए?
(A) रैंकिंग प्रणाली
(B) ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System)
(C) पर्सेंटाइल प्रणाली
(D) क्रेडिट-आधारित पसंद प्रणाली (Choice-Based Credit System - CBCS)

122. एक अभिभावक प्राचार्या/प्रधानाचार्य से शिकायत करता है कि विद्यालय कक्षा IV के लिए रैंक वाली औपचारिक

Downloaded from www.pdf.tube

अंकतालिका जारी नहीं कर रहा है, जिससे बच्चे की शैक्षणिक स्थिति जानने के उनके अधिकार का उल्लंघन हो रहा है। आरटीई सिद्धांतों के अनुसार, प्राचार्या/प्रधानाचार्य को क्या प्रतिक्रिया देनी चाहिए?
(A) अभिभावक को संतुष्ट करने के लिए रैंक और संख्यात्मक प्रतिशत वाली अनुकूलित अंकतालिका तैयार करें।
(B) समझाएं कि आरटीई प्रतिस्पर्धी रैंकिंग के बजाय निरंतर प्रगति पर केंद्रित भय-मुक्त मूल्यांकन ढांचे का जनादेश देता है।
(C) इस आधार पर अभिभावक की शिकायत को औपचारिक रूप से खारिज कर दें कि अभिभावकों को शिक्षाशास्त्र पर सवाल उठाने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है।
(D) अभिभावक के दुर्व्यवहार के कारण छात्र को विद्यालय के रोल से निलंबित करने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरु करें।

123. आरटीई अधिनियम, 2009 के तहत समुचित सरकार के लिए बुनियादी ढांचा प्रदान करना आवश्यक है। आरटीई मानकों को पूरा करने में राज्यों की सहायता के लिए केंद्र सरकार द्वारा मुख्य रूप से किस वित्तीय तंत्र का उपयोग किया जाता है?
(A) पीएम पोषण (PM POSHAN)
(B) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
(C) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan - RMSA)
(D) रुसा (Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan - RUSA)

124. आरटीई अनुसूची में 'रसोईघर जहाँ विद्यालय में मध्याह्न भोजन पकाया जाता है' प्रदान करने की आवश्यकता सूचीबद्ध है। वर्तमान में किस केंद्र प्रायोजित योजना के तहत यह भोजन प्रदान किया जाता है?
(A) पीएम किसान
(B) पीएम पोषण (PM POSHAN - पूर्व में मध्याह्न भोजन योजना)
(C) एकीकृत बाल विकास सेवाएं (ICDS)
(D) अन्नपूर्णा योजना

125. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012 [Right of Children to Free and Compulsory Education (Amendment) Act, 2012] के द्वारा विकलांग बच्चों (Children with Disabilities) के संबंध में क्या प्रमुख समावेश किया गया था?
(A) इसने विकलांग बच्चों को मुख्यधारा के सरकारी विद्यालयों (Mainstream Government Schools) से पूरी तरह से बाहर कर दिया और विशेष संस्थानों में रखने का जनादेश दिया।
(B) इसमें 'वंचित समूह' के तहत गंभीर रूप से विकलांग बच्चों को शामिल किया गया और गृह-आधारित शिक्षा (Home-based Education) का विकल्प प्रदान किया गया।
(C) इसने सभी ग्रेडों में विशेष आवश्यकता वाले सभी बच्चों के लिए पूरी तरह से अलग, गैर-शैक्षणिक व्यावहारिक पाठ्यक्रम का जनादेश दिया।
(D) इसने 18 वर्ष की आयु तक के विस्तारित मुफ्त शिक्षा प्रावधानों को हटा दिया, जिससे उन्हें सामान्य 6-14 आयु वर्ग के बराबर कर दिया गया।

NODIA

126. 2012 के आरटीई संशोधन के तहत मान्यता प्राप्त गंभीर और बहु-विकलांगता वाले बच्चों के लिए गृह-आधारित शिक्षा (Home-based Education) का उद्देश्य बच्चे के शिक्षा के अधिकार को बनाए रखना है जब:
(A) बच्चे के माता-पिता या कानूनी अभिभावक बुनियादी गैर-शिक्षण संस्थागत खर्च वहन नहीं कर सकते
(B) निकटतम कार्यात्मक प्राथमिक विद्यालय तीन किलोमीटर से अधिक की भौगोलिक दूरी पर स्थित है
(C) बच्चे की शारीरिक या मानसिक स्थिति पड़ोस के विद्यालय में भाग लेना व्यावहारिक रूप से असंभव बनाती है
(D) स्थानीय पड़ोस का विद्यालय प्रबंधन प्रवेश चाहने वाले बच्चे को अवैध रूप से प्रवेश देने से मना करता है

127. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : मदरसे, वैदिक पाठशालाएं और मुख्य रूप से धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले शैक्षणिक संस्थान आरटीई अधिनियम के प्रावधानों से मुक्त हैं।
कारण (R) : अधिनियम की धारा 1(4) और धारा 2, न्यायिक व्याख्याओं के साथ स्पष्ट करती हैं कि अधिनियम विशुद्ध रूप से धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों पर लागू नहीं होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

128. आरटीई अधिनियम के अनुसार, किसी बच्चे का 'मानसिक उत्पीड़न' (Mental Harassment) क्या माना जाता है?
(A) निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार नियमित आयु-उपयुक्त गृह शिक्षण गतिविधियाँ सौंपना
(B) बच्चे को निर्धारित समय सीमा के भीतर नियमित कक्षा शैक्षणिक अभ्यासों को पूरा करने की आवश्यकता
(C) बच्चे की सामाजिक पृष्ठभूमि या संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करना
(D) कक्षा में सीखने की प्रगति की निगरानी के लिए आवधिक रचनात्मक शैक्षणिक मूल्यांकन परीक्षण आयोजित करना

129. यदि बच्चे के अधिकार के उल्लंघन (जैसे शारीरिक दंड) के संबंध में शिकायत राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग

(NCPCR) के पास दर्ज की जाती है, तो आयोग किसकी शक्तियों का प्रयोग करता है:
(A) अपीलीय क्षेत्राधिकार के तहत उच्च न्यायालय
(B) सिविल प्रक्रिया संहिता (Code of Civil Procedure - CPC) के तहत मुकदमे की सुनवाई करने वाली सिविल अदालत (Civil Court)
(C) दंड प्रक्रिया संहिता (Code of Criminal Procedure - CrPC) के तहत आपराधिक अदालत
(D) प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम के तहत स्थापित न्यायाधिकरण

130. प्रमति एजुकेशनल एंड Cultural ट्रस्ट बनाम भारत संघ (2014) [Pramati Educational and Cultural Trust v. Union of India (2014)] मामले में सर्वोच्च न्यायालय के एक महत्वपूर्ण फैसले ने यह स्थापित किया कि:
(A) आरटीई अधिनियम मूल संरचना सिद्धांत का उल्लंघन करता है और अपने पूरे दायरे में पूरी तरह से असंवैधानिक है।
(B) 25% EWS आरक्षण का जनादेश अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों (सहायता प्राप्त या गैर-सहायता प्राप्त) पर लागू नहीं होता है।
(C) राज्य संचालित सरकारी विद्यालयों को अनुसूची में बुनियादी ढांचे के मानदंडों को पूरा करने से स्थायी वैधानिक छूट दी गई है।
(D) निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों के पास गैर-कोटा प्रवेशों के लिए मनमाना कैपिटेशन शुल्क लेने का पूर्ण संवैधानिक अधिकार है।

131. प्रमति फैसले ने अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीई अधिनियम के जनादेश से मुक्त करने के लिए संविधान के किस अनुच्छेद पर भरोसा किया था?
(A) अनुच्छेद 14
(B) अनुच्छेद 19(1)(g)
(C) अनुच्छेद 21A
(D) अनुच्छेद 30(1)

132. आरटीई अधिनियम के तहत वित्तीय जिम्मेदारियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राज्य सरकारें धन की कमी का हवाला देकर आरटीई अधिनियम को लागू करने से मना नहीं कर सकती हैं।
II. केंद्र सरकार राज्य सरकारों को प्रदान किए जाने वाले अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता की जांच के लिए वित्त आयोग का संदर्भ लेने के लिए बाध्य है।
III. विद्यालय के बुनियादी ढांचे के लिए पूंजी जुटाने के लिए पूरी तरह से राज्य सरकार जिम्मेदार है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II (B) केवल II और III
(C) केवल I और III (D) I, II और III

133. धारा 12(2) में कहा गया है कि निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को EWS प्रवेशों के लिए पुनर्भुगतान किया जाएगा। विद्यालय पूर्ण पुनर्भुगतान का हकदार कब नहीं होता है?
(A) यदि निजी विद्यालय आधिकारिक रूप से नियमित शिक्षण शुल्क लेता है जो राज्य द्वारा वहन किए जाने वाले प्रति-बच्चा व्यय से कम है।
(B) यदि रियायती दरों पर सार्वजनिक भूमि प्राप्त करने के कारण विद्यालय पहले से ही मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के दायित्व के तहत है।
(C) यदि नामांकित बच्चा राज्य के अधिकार क्षेत्र में अस्थायी रूप से रहने वाले मान्यता प्राप्त भाषाई अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित है।
(D) यदि नामांकित छात्र उच्च प्राथमिक कक्षा V की शिक्षा पूरी करने से पहले स्वेच्छा से शैक्षणिक संस्थान छोड़ देता है।

134. दिल्ली आरटीई नियमों के अनुसार, EWS प्रवेश के लिए निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को पुनर्भुगतान (Reimbursement) किस प्राधिकारी द्वारा संसाधित किया जाता है?
(A) शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार (Directorate of Education, GNCTD)
(B) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (Ministry of Education, GoI)
(C) दिल्ली नगर निगम (Municipal Corporation of Delhi - MCD)
(D) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)

135. आरटीई मानकों के अनुसार, विद्यालय शैक्षणिक वर्ष में 'कार्य दिवसों' (Working Days) में शामिल हैं:
(A) केवल शिक्षण गतिविधियां, परीक्षाएं और संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम
(B) वर्ष भर मानक सप्ताहांत रविवार और राजपत्रित सार्वजनिक अवकाश
(C) अनुसूचित वार्षिक ग्रीष्मकालीन अवकाश और मध्य-अवधि शीतकालीन अवकाश अवधि
(D) दशकीय जनसंख्या जनगणना संचालन जैसे गैर-शैक्षणिक कर्तव्य

136. यदि छात्रों का नामांकन 110 है तो उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा VI-VIII) के लिए निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio - PTR) क्या है?
(A) 3 शिक्षक
(B) 4 शिक्षक
(C) 3 शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक
(D) 4 शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक

137. आरटीई के लिए अनुकूलित दिल्ली स्कूल शिक्षा नियमों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा "वंचित समूह से संबंधित बच्चा" (Child Belonging to Disadvantaged Group) को सही ढंग से परिभाषित करता है?
(A) कोई भी बच्चा जिसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक

Click Here to Buy book on Amazon

प्रति वर्ष ₹1,00,000 से कम कमाते हैं

(B) दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचित अनाथ, ट्रांसजेंडर बच्चा, या विशेष आवश्यकता वाला बच्चा

(C) अधिसूचित शहरी झुग्गी बस्तियों में स्थायी रूप से रहने वाला कोई भी बच्चा

(D) दिल्ली क्षेत्र के भीतर आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों से संबंधित बच्चा

138. प्रवेश के संबंध में विद्यालय द्वारा की गई निम्नलिखित कार्रवाइयों पर विचार कीजिए:

I. कक्षा 1 के लिए लिखित प्रवेश परीक्षा आयोजित करना।

II. नर्सरी प्रवेश के दौरान माता-पिता से उनकी शैक्षणिक योग्यता जमा करने के लिए कहना।

III. प्रवेश के लिए बच्चे के साथ बातचीत/साक्षात्कार आयोजित करना।

IV. आवेदन सीटों से अधिक होने पर यादृच्छिक लॉटरी निकालना।

आरटीई अधिनियम के तहत उपर्युक्त में से कौन सी कार्रवाई प्रतिबंधित है?

(A) केवल I और III

(B) केवल I, II और III

(C) केवल II, III और IV

(D) I, II, III और IV

139. यदि कोई निजी विद्यालय प्रवेश के दौरान माता-पिता के लिए साक्षात्कार आयोजित करता है, तो यह एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया (Screening Procedure) है। पहले उल्लंघन के लिए जुर्माना क्या है?

(A) ₹10,000

(B) ₹25,000

(C) ₹50,000

(D) ₹1,00,000

140. यदि वही निजी विद्यालय दूसरी बार माता-पिता के साक्षात्कार आयोजित करते हुए पकड़ा जाता है, तो आरटीई अधिनियम की धारा 13(2) के तहत क्या जुर्माना है?

(A) ₹25,000

(B) प्रत्येक बाद के उल्लंघन के लिए ₹50,000

(C) विद्यालय की मान्यता तुरंत रद्द करना

(D) प्रबंधक का 6 महीने के लिए कारावास

141. आरटीई अधिनियम यह सुनिश्चित करता है कि आयु के प्रमाण की कमी के लिए किसी भी बच्चे को प्रवेश से वंचित न किया जाए। अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार आयु के प्रमाण के रूप में निम्नलिखित में से कौन सा दस्तावेज औपचारिक रूप से वैध है?

(A) एएनएम (Auxiliary Nurse Midwife - ANM) रजिस्टर रिकॉर्ड

(B) आंगनवाड़ी रिकॉर्ड

(C) माता-पिता या अभिभावक द्वारा बच्चे की आयु की घोषणा (Declaration of Age)

(D) उपर्युक्त सभी

142. नवंबर के दौरान (सत्र के मध्य में) कक्षा V में प्रवेश पाने वाला बच्चा एक सरकारी विद्यालय में जाता है। प्राचार्या/प्रधानाचार्य यह कहते हुए मना कर देते हैं कि पाठ्यक्रम आधा पूरा हो चुका है और बच्चा अनुत्तीर्ण हो जाएगा। क्या आरटीई अधिनियम के तहत प्राचार्या/प्रधानाचार्य की कार्रवाई उचित है?

(A) नहीं, किसी बच्चे को प्रवेश देने से मना नहीं किया जा सकता, भले ही प्रवेश विस्तारित अवधि के बाद मांगा गया हो।

(B) हाँ, मध्य सत्र में प्रवेश स्वीकार करने से संस्थागत शैक्षणिक मानकों से गंभीर समझौता होता है।

(C) हाँ, लेकिन छूटे हुए सत्र के पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए बच्चे को अनिवार्य रूप से निचली कक्षा IV में प्रवेश दिया जाना चाहिए।

(D) नहीं, लेकिन प्राचार्या/प्रधानाचार्य नामांकन से पहले प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए कानूनी रूप से सशक्त हैं।

NODIA

143. यह सुनिश्चित करने के लिए कौन जिम्मेदार है कि विद्यालय से बाहर रहे बच्चों को प्रदान किया जाने वाला 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training) प्रभावी है और उन्हें नियमित कक्षा में एकीकृत करता है?

(A) विद्यालय के प्रधान शिक्षक (Head Teacher)

(B) नामित जिला मजिस्ट्रेट

(C) पंजीकृत स्थानीय शैक्षणिक गैर-सरकारी संगठन

(D) बच्चे के जैविक माता-पिता

144. आरटीई अधिनियम की धारा 24 शिक्षक का यह कर्तव्य बनाती है कि वह "प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता का आकलन करे और तदनुसार अतिरिक्त निर्देशों को पूरा करे"। यह वैधानिक कर्तव्य (Statutory Duty) सीधे तौर पर किस शैक्षणिक अवधारणा का समर्थन करता है?

(A) मानकीकृत निरंतर परीक्षा और परीक्षण (Standardized Testing)

(B) औपचारिक शारीरिक दंड और शारीरिक अनुशासन

(C) विभेदित निर्देश और उपचारात्मक शिक्षण (Differentiated Instruction and Remedial Teaching)

(D) पारंपरिक यांत्रिक शिक्षण और रटना

145. धारा 24(1)(e) के तहत, शिक्षकों को माता-पिता के साथ नियमित बैठकें आयोजित करने का जनादेश दिया गया है। अधिनियम में यथा उल्लिखित इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य है:

(A) माता-पिता को बच्चे की उपस्थिति, क्षमता और सीखने में प्रगति के बारे में सूचित करना

(B) अनिवार्य विद्यालय विकास कोष के संग्रह पर चर्चा करना और अनिवार्य करना

(C) बच्चे को निजी कोचिंग सेंटरों में नामांकित करने के लिए

माता-पिता को राजी करना
(D) स्थानीय प्राधिकारी के सदस्यों को चुनने के लिए लोकतांत्रिक चुनाव आयोजित करना

146. आरटीई अधिनियम के संचालन को सुगम बनाने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने 2018 में स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना शुरु की। इस योजना का नाम क्या है?
(A) सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan - SSA)
(B) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
(C) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan - RMSA)
(D) नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (New India Literacy Programme - NILP)

147. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : आरटीई अधिनियम स्पष्ट रूप से शिक्षकों को निजी ट्यूशन में संलग्न होने से रोकता है।
कारण (R) : विद्यालय के शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन हितों का टकराव पैदा करता है, जिससे अक्सर कक्षा में उनके वैधानिक कर्तव्यों की उपेक्षा होती है और शिक्षा का व्यावसायीकरण होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

148. आरटीई अधिनियम, 2009 की किस अनुसूची (Schedule) में विद्यालय के लिए मानदण्ड और मानक (Norms and Standards) शामिल हैं?
(A) अनुसूची I
(B) अनुसूची II
(C) अधिनियम से केवल एक ही अनुसूची संलग्न है
(D) मानदण्ड मुख्य भाग में स्थित हैं, अनुसूची में नहीं

149. आरटीई अनुसूची में निर्धारित कार्यक्षेत्र (Workspace) के संबंध में बुनियादी ढांचे की क्या आवश्यकता है?
(A) एक वातानुकूलित प्रशासनिक कार्यालय केबिन
(B) एक कार्यालय-सह-भंडार-सह-प्रधान शिक्षक का कमरा
(C) प्रशासन के लिए एक पूरी तरह से अलग इमारत
(D) स्टाफ रुम के भीतर एक समर्पित निजी क्युबिकल

150. आरटीई मानदण्डों के अनुसार, बारहमासी भवन निर्माण (All-weather building construction) के लिए क्या आवश्यकता है?
(A) प्रत्येक शिक्षक के लिए कम से कम एक कक्षा
(B) संयुक्त सभी कक्षाओं के लिए एक बड़ा हॉल
(C) कक्षाएं खुले में हो सकती हैं बशर्ते पेड़ की छाया हो
(D) प्रत्येक दो शिक्षकों के लिए कम से कम एक कक्षा

151. आरटीई अधिनियम 'बाधा-मुक्त पहुँच' (Barrier-free Access) का जनादेश देता है। विद्यालय के बुनियादी ढांचे के संदर्भ में, इसका मुख्य रूप से अर्थ है:
(A) परिसर परिधि प्रवेश द्वारों या भौतिक सुरक्षा गार्डों को पूरी तरह से हटाना
(B) विकलांग बच्चों के लिए रैंप, हैंडरेल और सुलभ शौचालय
(C) पूरे विद्यालय परिसर में अप्रतिबंधित उच्च गति इंटरनेट पहुँच
(D) किसी भी भौतिक सुरक्षा परिधि दीवारों के बिना पूरी तरह से खुली विद्यालय सीमाएं

152. आरटीई अधिनियम की धारा 21 के तहत विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. SMC को विद्यालय के कामकाज की निगरानी करनी चाहिए।
II. SMC को प्राप्त अनुदानों के उपयोग की निगरानी करनी चाहिए।
III. SMC विद्यालय के प्रधान शिक्षक की नियुक्ति करती है।
आरटीई अधिनियम की धारा 21 के अनुसार उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

153. राज्य नियमों के तहत आमतौर पर तैयार की गई विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) का निर्धारित कार्यकाल (Tenure) क्या है?
(A) एक वर्ष
(B) दो वर्ष
(C) तीन वर्ष
(D) पाँच वर्ष

154. आरटीई नियमों के तहत, यदि SMC का कोई अभिभावक सदस्य अपने कार्यकाल के दौरान विद्यालय में पढ़ने वाला अपना बच्चा नहीं रखता है (बच्चा पढ़ाई पूरी कर लेता है), तो उनकी सदस्यता का क्या होता है?
(A) वे अपने कार्यकाल की समाप्ति तक बने रहते हैं।
(B) उन्हें स्वतः अध्यक्ष पद पर उन्नत किया जाता है।
(C) वे SMC के सदस्य नहीं रहते हैं।
(D) वे बिना मतदान अधिकार के एक सलाहकार सदस्य के रूप में बने रहते हैं।

155. यदि कोई निजी विद्यालय प्रवेश के लिए प्रति व्यक्ति शुल्क (Capitation Fee) के रूप में ₹5,000 वसूलता है, तो आरटीई अधिनियम के तहत अधिकतम कितना जुर्माना लगाया जा सकता है?
(A) वसूले गए सटीक कैपिटेशन शुल्क के बराबर जुर्माना

Downloaded from www.pdf.tube

(यानी ₹5,000)
(B) शुल्क का पांच गुना निर्धारित वैधानिक प्रशासनिक जुर्माना (यानी ₹25,000)
(C) राज्य नियमों द्वारा अनिवार्य एकमुश्त जुर्माना (यानी ₹50,000)
(D) वसूले गए कैपिटेशन शुल्क का दस गुना तक (यानी ₹50,000)

156. धारा 22 में SMC से विद्यालय विकास योजना (School Development Plan - SDP) तैयार करने की अपेक्षा की गई है। यह योजना सरकार से अनुदान का आधार बनती है। इस योजना पर कौन हस्ताक्षर और सत्यापन करता है?
(A) SMC के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष और संयोजक (प्रधान शिक्षक)
(B) स्थानीय प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र रखने वाले नामित जिला शिक्षा अधिकारी
(C) स्थानीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित विधायक
(D) विद्यालय के प्राथमिक शैक्षणिक पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत वरिष्ठतम संकाय सदस्य

157. आरटीई अधिनियम की धारा 31 के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के अधिकार के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए कौन सी संस्था जिम्मेदार है?
(A) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (National Human Rights Commission - NHRC)
(B) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT)
(C) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (National Commission for Protection of Child Rights - NCPCR)
(D) केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (Central Bureau of Investigation - CBI)

158. एक अभिभावक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (SCPCR) में शिकायत करता है कि उनके बच्चे को एक शिक्षक द्वारा पीटा गया था। क्या SCPCR को आरटीई अधिनियम के तहत इस शिकायत की जांच करने का अधिकार क्षेत्र प्राप्त है?
(A) नहीं, शारीरिक हमले के मामलों की जांच करना पूरी तरह से स्थानीय पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है।
(B) नहीं, SCPCR का वैधानिक जनादेश केवल शुल्क विनियमन जैसे वित्तीय प्रशासनिक मुद्दों तक सीमित है।
(C) हाँ, धारा 31 SCPCR को शारीरिक दंड और उत्पीड़न सहित बाल अधिकारों के उल्लंघन की जांच करने का अधिकार देती है।
(D) हाँ, बशर्ते शारीरिक दंड की घटना किसी निजी गैर-सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान में हुई हो।

159. आरटीई अधिनियम 'अनिवार्य शिक्षा' (Compulsory Education) पर जोर देता है। अनिवार्य प्रवेश, उपस्थिति और समापन सुनिश्चित करने का कानूनी दायित्व किस पर है:
(A) बच्चे पर
(B) केवल माता-पिता पर
(C) नागरिक समाज संगठनों (Civil Society Organizations) पर
(D) समुचित सरकार (Appropriate Government) पर

160. पाठ्यक्रम के आधार के रूप में आरटीई अधिनियम की धारा 29 में निम्नलिखित में से किस संवैधानिक आदर्श का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है?
(A) संविधान में निहित मूल्यों के अनुरुपता (Conformity with Constitutional Values)
(B) धर्मनिरपेक्षता और समाजवादी सिद्धांतों का सख्त पालन (Secular Principles)
(C) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी कार्यबल का त्वरित विकास
(D) शिक्षा में उन्नत तकनीकी सर्वोच्चता को बढ़ावा देना

161. आरटीई अधिनियम के तहत, 'बालक/बालिका' (Child) शब्द का अर्थ किस आयु का बालक या बालिका है:
(A) 3 से 6 वर्ष
(B) 6 से 14 वर्ष
(C) 6 से 18 वर्ष
(D) 5 से 15 वर्ष

162. एक विद्यालय प्राचार्या/प्रधानाचार्य देखते हैं कि पास के निर्माण स्थल पर काम करने वाले 10-12 आयु वर्ग के 15 बच्चे कभी विद्यालय नहीं गए हैं। आरटीई अधिनियम के अनुसार, प्राचार्या/प्रधानाचार्य की तत्काल जिम्मेदारी क्या है?
(A) स्थिति को पूरी तरह से अनदेखा करें क्योंकि बच्चे तत्काल विद्यालय क्षेत्र से बाहर रहते हैं।
(B) अवैध बाल श्रम के लिए माता-पिता और नियोक्ताओं की स्थानीय पुलिस में औपचारिक रिपोर्ट करें।
(C) उन्हें केवल बुनियादी कक्षा I में प्रवेश दें क्योंकि उनके पास कोई पूर्व औपचारिक शिक्षा (Formal Education) नहीं है।
(D) सुनिश्चित करें कि उन्हें आयु-उपयुक्त कक्षाओं में प्रवेश दिया जाए और अनिवार्य विशेष प्रशिक्षण (Special Training) प्रदान किया जाए।

163. आरटीई अनुसूची में निर्धारित कार्य दिवसों की न्यूनतम संख्या के संबंध में, उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा VI-VIII) के लिए कितने दिन निर्धारित हैं?
(A) 200 दिन
(B) 210 दिन
(C) 220 दिन
(D) 240 दिन

NODIA

164. विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) में महिला प्रतिनिधित्व के लिए वैधानिक अनुपात क्या है?
(A) 25% (B) 33%
(C) 50% (D) 75%

165. राज्य सरकारों और स्थानीय प्राधिकारियों को आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए निर्देश जारी करने की शक्ति किसमें निहित है:
(A) केंद्र सरकार (Central Government)
(B) भारत के राष्ट्रपति (President of India)
(C) सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court)
(D) राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAC)

166. आरटीई अधिनियम के 2019 के संशोधन के तहत, यदि कोई राज्य सरकार पुनः परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर भी कक्षा V और VIII में किसी भी छात्र को न रोकने का निर्णय लेती है, तो क्या यह कानूनी रूप से अनुमेय है?
(A) नहीं, पुनः परीक्षा प्रक्रिया में अनुत्तीर्ण होने पर सभी राज्यों में छात्र को रोकना कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया गया है।
(B) हाँ, संशोधन निर्दिष्ट करता है कि समुचित सरकार रोकने (Detention) की अनुमति 'दे सकती है', जिससे विकल्प राज्य पर छोड़ दिया जाता है।
(C) नहीं, केंद्रीय वैधानिक प्रावधान सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में समान निरोध नीतियों को सख्ती से अनिवार्य करते हैं।
(D) हाँ, बशर्ते रोकने से छूट केवल वंचित समूहों से आने वाले छात्रों पर लागू हो।

167. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : आरटीई अधिनियम यह जनादेश देता है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को विद्यालय से निष्कासित (Expel) नहीं किया जाएगा।
कारण (R) : निष्कासन प्रारंभिक शिक्षा के मौलिक अधिकार को बाधित करता है और सार्वभौमिक ठहराव (Universal Retention) के प्राथमिक उद्देश्य का खंडन करता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

168. यदि किसी शिक्षक को शैक्षणिक प्राधिकारी (Academic Authority) द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यताएं (Minimum Qualifications) रखे बिना आरटीई अधिनियम के तहत नियुक्त किया जाता है, तो उन्हें किस शर्त को पूरा करना होगा?
(A) उन्हें पांच साल की अवधि के भीतर न्यूनतम योग्यताएं हासिल करनी होंगी।
(B) उन्हें सीधे विद्यालय प्रबंधन को वार्षिक जुर्माना राशि का भुगतान करना होगा।
(C) उन्हें हर साल अनिवार्य विभागीय मूल्यांकन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करनी होगी।
(D) यदि उनके पास दस साल का अनुभव है तो उन्हें योग्यताओं से स्थायी रूप से छूट दी गई है।

169. आरटीई (संशोधन) अधिनियम, 2017 द्वारा अप्रशिक्षित सेवारत शिक्षकों (Untrained In-service Teachers) के लिए न्यूनतम आवश्यक योग्यताएं प्राप्त करने के लिए क्या समय सीमा निर्धारित की गई थी?
(A) 31 मार्च 2015
(B) 31 मार्च 2019
(C) 31 मार्च 2020
(D) 31 मार्च 2022

170. आरटीई संशोधन के तहत 31 मार्च 2019 की समय सीमा को पूरा करने के लिए अप्रशिक्षित शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए भारत सरकार द्वारा किस विशिष्ट मंच का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया था?
(A) इग्नू (IGNOU) ऑफ़लाइन कक्षाएं
(B) स्वयं (SWAYAM) पोर्टल (एनआईओएस D.El.Ed. कार्यक्रम) [SWAYAM Portal - NIOS D.El.Ed. Programme]
(C) दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल
(D) केवल एससीईआरटी (SCERT) भौतिक कार्यशालाएं

171. आरटीई अधिनियम के प्रारंभ से पहले स्थापित विद्यालय छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio - PTR) मानदण्डों को पूरा नहीं करता है। धारा 25 के तहत आवश्यक PTR प्राप्त करने के लिए कितना समय दिया गया था?
(A) छह महीने (B) एक वर्ष
(C) तीन वर्ष (D) पाँच वर्ष

172. आरटीई अधिनियम की धारा 9 के तहत स्थानीय प्राधिकारियों (Local Authorities) के कर्तव्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. प्रवासी परिवारों के बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करना।
II. कक्षा I से VIII के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का निर्णय करना।
III. विद्यालय भवन, शिक्षण कर्मचारी और सीखने के उपकरण सहित बुनियादी ढांचा प्रदान करना।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

173. निम्नलिखित में से कौन सा आरटीई अधिनियम की धारा 33 के तहत स्थापित 'राष्ट्रीय सलाहकार परिषद' (National Advisory Council - NAC) का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) केंद्रीय विद्यालय संस्थानों को चलाने और संचालित करने के लिए जिम्मेदार एक कार्यकारी प्रशासनिक परिषद
(B) अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन पर केंद्र सरकार को सलाह देने वाला विशेषज्ञों का एक वैधानिक निकाय
(C) शैक्षिक नीति से संबंधित अंतर-राज्यीय कानूनी विवादों का निर्णय करने के लिए सशक्त एक विशेष न्यायिक न्यायाधिकरण
(D) राज्य सरकारों को वार्षिक केंद्रीय बजटीय अनुदान वितरित करने का काम करने वाली एक उच्च स्तरीय वित्तीय समिति

174. आरटीई अधिनियम की धारा 3 'निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा' (Free and Compulsory Education) प्रदान करती है। इस संदर्भ में 'निःशुल्क' (Free) का विशेष रुप से क्या अर्थ है?
(A) किसी भी ऐसे वित्तीय अवरोध को हटाना जो किसी बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने से रोकता है
(B) शून्य शुल्क पर गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विशेष रुप से प्रदान किया जाने वाला शैक्षणिक निर्देश
(C) सभी छात्रों को व्यक्तिगत कंप्यूटिंग लैपटॉप और डिजिटल कनेक्टिविटी का बिना शर्त वितरण
(D) एक निरपेक्ष वैधानिक अधिकार जो नागरिकों को राज्य द्वारा वित्त पोषित उच्च विश्वविद्यालय शिक्षा का दावा करने में सक्षम बनाता है

175. आरटीई अधिनियम की धारा 4 किस मुद्दे को संबोधित करती है:
(A) गंभीर शारीरिक विकलांगता से पीड़ित बच्चों के लिए शैक्षणिक गारंटी
(B) आयु-उपयुक्त कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यालय से बाहर रहे बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण (Special Training)
(C) निजी विद्यालयों में शिक्षण शुल्क संरचनाओं का व्यापक वैधानिक विनियमन और कैपिंग
(D) विद्यालय प्रबंधन समितियों (School Management Committees) का ढांचागत गठन, संरचना और प्रशासनिक कर्तव्य

176. निम्नलिखित में से कौन सा आरटीई अधिनियम की धारा 24 के तहत शिक्षक का निर्धारित कर्तव्य नहीं है?
(A) समयपालन और नियमित उपस्थिति (Regular Attendance)
(B) निर्दिष्ट समय में पाठ्यक्रम पूरा करना
(C) छात्रों की सीखने की क्षमताओं का आकलन करना
(D) विद्यालय की वित्तीय कैश बुक (Cash Book) का रखरखाव करना

177. एक शिक्षक प्राचार्या/प्रधानाचार्य से विद्यालय के समय के बाद अपनी ही कक्षा के कमजोर छात्रों को सशुल्क निजी ट्यूशन देने की अनुमति मांगता है। आरटीई अधिनियम के अनुसार, प्राचार्या/प्रधानाचार्य को क्या करना चाहिए:
(A) इस आधार पर औपचारिक प्रशासनिक अनुमति दें कि विद्यालय के बाद कोचिंग से शैक्षणिक रुप से कमजोर छात्रों को मदद मिलती है।
(B) अनुमति दें बशर्ते भाग लेने वाले छात्रों पर लगाया गया ट्यूशन शुल्क पूरी तरह से नाममात्र और गैर-व्यावसायिक हो।
(C) अनुमति देने से मना करें, क्योंकि धारा 28 स्पष्ट रुप से विद्यालय के शिक्षकों को निजी ट्यूशन गतिविधि में संलग्न होने से रोकती है।
(D) कार्यकारी विचार-विमर्श और मतदान के लिए शिक्षक के औपचारिक अनुरोध को सीधे विद्यालय प्रबंधन समिति को भेजें।

178. आरटीई अधिनियम की अनुसूची में निर्दिष्ट निम्नलिखित बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं पर विचार कीजिए:
I. लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय।
II. सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल सुविधा।
III. एक रसोईघर जहाँ विद्यालय में मध्याह्न भोजन पकाया जाता है।
IV. कम से कम 500 बैठने की क्षमता वाला एक सभागार।
आरटीई अधिनियम के तहत उपर्युक्त में से कौन सी अनिवार्य बुनियादी ढांचा आवश्यकताएं हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

179. 180 छात्रों के नामांकन वाले प्राथमिक विद्यालय में, आरटीई अधिनियम की अनुसूची के अनुसार शिक्षकों की अनिवार्य आवश्यकता क्या है?
(A) 5 शिक्षक
(B) 6 शिक्षक
(C) 5 शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक (Head Teacher)
(D) 6 शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक (Head Teacher)

180. यदि किसी उच्च प्राथमिक विद्यालय में 105 बच्चों का नामांकन है, तो आरटीई अनुसूची के अनुसार आवश्यक न्यूनतम शिक्षण कर्मचारी क्या हैं?
(A) 3 शिक्षक
(B) 3 शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक
(C) 4 शिक्षक
(D) 4 शिक्षक और 1 अंशकालिक अनुदेशक

NODIA

181. शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत, यह सुनिश्चित करने के लिए कानूनी रुप से किसे नामित किया गया है कि कमजोर वर्ग से संबंधित बच्चा प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने में वंचित न रहे?
(A) बच्चे के माता-पिता
(B) गैर-सरकारी संगठन
(C) समुचित सरकार (Appropriate Government)
(D) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

182. एक मान्यता प्राप्त निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय दावा करता है कि उसे धारा 12(1)(c) के तहत 25% EWS आरक्षण से छूट दी गई है क्योंकि उसे सरकार से कोई अनुदान नहीं मिलता है। क्या विद्यालय का दावा कानूनी रूप से वैध है?
(A) हाँ, गैर-सहायता प्राप्त निजी शैक्षणिक संस्थानों के पास छात्र प्रवेश के संबंध में पूर्ण प्रशासनिक स्वायत्तता है।
(B) नहीं, धारा 12(1)(c) गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों को कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के 25% बच्चों को प्रवेश देने का जनादेश देती है।
(C) हाँ, धारा 12(1)(c) के तहत वैधानिक आरक्षण जनादेश केवल सरकारी और राज्य सहायता प्राप्त संस्थानों पर लागू होते हैं।
(D) नहीं, निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को वंचित समूहों के लिए उच्च पचास प्रतिशत कोटा आरक्षित करना कानूनन आवश्यक है।

183. राज्य स्तर पर बच्चे के निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों की जांच करने का काम किस प्राधिकारी को सौंपा गया है?
(A) राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण (State Administrative Tribunal)
(B) उच्च न्यायालय
(C) लोकायुक्त
(D) राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (SCPCR)

184. आरटीई अधिनियम की धारा 15 के तहत, किसी बच्चे को विद्यालय में प्रवेश दिया जा सकता है:
(A) शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ में या विस्तारित अवधि के भीतर, और उसके बाद भी, प्रवेश से इनकार नहीं किया जा सकता है।
(B) चालू शैक्षणिक सत्र के 30 सितंबर की निश्चित वैधानिक समय सीमा तक विशेष रूप से, जिसके बाद प्रवेश वर्जित है।
(C) सख्ती से वार्षिक शैक्षणिक सत्र की औपचारिक शुरुआत में, किसी भी मध्य वर्ष या विलंबित नामांकन अनुरोधों को प्रतिबंधित करते हुए।
(D) शैक्षणिक वर्ष के दौरान किसी भी बिंदु पर, बशर्ते छात्र के माता-पिता एक निर्धारित विलंब प्रशासनिक प्रवेश शुल्क का भुगतान करें।

185. एक अभिभावक शिकायत दर्ज कराता है कि पड़ोस का सरकारी विद्यालय कक्षा III में उनके बच्चे को प्रवेश देने से पहले 'भवन कोष' दान की मांग कर रहा है। आरटीई अधिनियम की किस धारा का उल्लंघन किया जा रहा है?
(A) धारा 10
(B) धारा 13
(C) धारा 16
(D) धारा 21

186. आरटीई अधिनियम की धारा 32 के अनुसार, अधिनियम के तहत बच्चे के अधिकार से संबंधित कोई भी शिकायत रखने वाला कोई भी व्यक्ति लिखित शिकायत किसे दे सकता है:
(A) अधिकार क्षेत्र रखने वाले स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) को
(B) राज्य के मुख्यमंत्री कार्यालय को
(C) नामांकित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAC) को
(D) नई दिल्ली स्थित भारत के सर्वोच्च न्यायालय को

187. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : शिक्षा का अधिकार अधिनियम 3 से 6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों पर लागू नहीं होता है, क्योंकि वे प्राथमिक 6-14 आयु वर्ग के अंतर्गत नहीं आते हैं।
कारण (R) : आरटीई अधिनियम की धारा 11 केवल यह बताती है कि समुचित सरकार पूर्व-विद्यालय शिक्षा के लिए व्यवस्था 'कर सकती है', जिससे यह एक न्यायसंगत मौलिक अधिकार के बजाय एक निर्देश बन जाता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

188. आरटीई अधिनियम के तहत विद्यालय में प्रवेश के लिए कौन सा दस्तावेज स्पष्ट रूप से पूर्व शर्त नहीं होने के रूप में कहा गया है?
(A) माता-पिता की पहचान का प्रमाण
(B) स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC)
(C) आधार कार्ड
(D) आयु का प्रमाण (Proof of Age)

NODIA

189. आरटीई अधिनियम की धारा 5 के अनुसार, यदि कोई बच्चा एक विद्यालय में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने में असमर्थ है, तो उसे कहाँ स्थानांतरण मांगने का अधिकार है:
(A) उसी राज्य के भीतर विशेष रूप से किसी अन्य सरकार के स्वामित्व वाले या राज्य संचालित सार्वजनिक प्राथमिक विद्यालय में
(B) विदेशी शैक्षणिक बोर्ड संबद्धता के तहत संचालित कोई भी मान्यता प्राप्त निजी अंतरराष्ट्रीय विद्यालय
(C) निर्दिष्ट श्रेणी और गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों (25% कोटा के तहत छोड़कर) को छोड़कर कोई भी अन्य विद्यालय
(D) स्थानीय प्राधिकारी द्वारा गारंटीकृत अनिवार्य पूर्ण शुल्क छूट वाला कोई भी निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय

190. आरटीई अधिनियम उस प्रधान शिक्षक के लिए क्या सजा निर्धारित करता है जो जानबूझकर छात्र को स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC) जारी करने में देरी करता है?

(A) ₹10,000 का अनिवार्य नकद जुर्माना लगाना
(B) लागू सेवा नियमों (Service Rules) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action)
(C) एक महीने की अवधि के लिए संक्षिप्त आपराधिक कारावास
(D) रोजगार सेवा की तत्काल प्रशासनिक समाप्ति (Administrative Termination)

191. आयु-उपयुक्त कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यालय से बाहर रहे बच्चों को 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training) कौन प्रदान करता है?
(A) विशेष रुप से तैनात शिक्षक या विद्यालय के शिक्षक
(B) उच्च कक्षाओं से संबंधित वरिष्ठ छात्र मेंटर्स
(C) घर पर जैविक माता-पिता या कानूनी अभिभावक
(D) माता-पिता द्वारा काम पर रखे गए और भुगतान किए गए बाहरी निजी ट्यूटर

192. आरटीई अधिनियम की धारा 29 के तहत पाठ्यक्रम (Curriculum) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका उद्देश्य बच्चे का सर्वांगीण विकास (All-round Development) होना चाहिए।
II. इसे बच्चे के ज्ञान, क्षमता और प्रतिभा के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
III. बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए इसे कठोर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं का जनादेश देना चाहिए।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

193. आरटीई अधिनियम केंद्र सरकार द्वारा स्थापित, स्वामित्व वाले या नियंत्रित विद्यालय (जैसे केंद्रीय विद्यालय - KV) के संबंध में 'समुचित सरकार' (Appropriate Government) को इस रुप में परिभाषित करता है:
(A) राज्य सरकार जहाँ विद्यालय स्थित है
(B) केंद्र सरकार (Central Government)
(C) स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)
(D) केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन

194. दिल्ली के क्षेत्र के भीतर स्थापित विद्यालयों के संबंध में, आरटीई अधिनियम के तहत 'समुचित सरकार' (Appropriate Government) है:
(A) शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से कार्य करने वाली केंद्र सरकार (Central Government)
(B) स्थानीय प्रशासन की सेवा करने वाला दिल्ली नगर निगम
(C) केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक (उपराज्यपाल / Lieutenant Governor)
(D) स्थानीय शहरी शासन की अध्यक्षता करने वाली नई दिल्ली नगर पालिका परिषद

195. धारा 2(n) विद्यालयों की चार श्रेणियों को परिभाषित करती है। निम्नलिखित में से कौन सी परिभाषित श्रेणियों में से एक नहीं है?
(A) समुचित सरकार द्वारा स्थापित विद्यालय
(B) अनुदान प्राप्त करने वाला सहायता प्राप्त विद्यालय (Aided School)
(C) एक निर्दिष्ट श्रेणी का विद्यालय (जैसे, KV, JNV)
(D) एक धार्मिक सेमीनरी (जैसे, गुरुकुल, मदरसा)

196. एक बच्चा सरकारी विद्यालय में कक्षा VIII पूरी करता है। बच्चा प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के प्रमाण पत्र की मांग करता है। आरटीई अधिनियम के अनुसार, प्राचार्या/प्रधानाचार्य को क्या करना चाहिए:
(A) बच्चे से कहें कि प्रमाण पत्र केवल कक्षा X बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद जारी किए जाते हैं।
(B) समुचित सरकार द्वारा निर्धारित प्रारुप और तरीके से प्रमाण पत्र जारी करें।
(C) पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने से पहले नाममात्र प्रशासनिक शुल्क वसूलें और लें।
(D) बच्चे को सीबीएसई क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय में आवेदन जमा करने के लिए निर्देशित करें।

197. आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन (Implementation) की आम आलोचनाओं में से एक इसका अत्यधिक ध्यान केंद्रित होना है:
(A) आधारभूत विद्यालय के बुनियादी ढांचे की उपेक्षा करते हुए छात्र सीखने के परिणामों पर अत्यधिक बल देना
(B) गुणवत्तापूर्ण शिक्षण परिणामों को सख्ती से सुनिश्चित करने के बजाय इनपुट मानदण्डों (बुनियादी ढांचा, PTR) पर
(C) मुख्य बुनियादी शैक्षणिक विषयों पर व्यावहारिक व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण को प्राथमिकता देना
(D) प्राथमिक स्तर पर गंभीर, उच्च जोखिम वाले औपचारिक परीक्षण और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं को अनिवार्य बनाना

198. एक निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय 25% EWS कोटे के तहत प्रवेश पाने वाले बच्चों के लिए राज्य सरकार से पुनर्भुगतान (Reimbursement) की मांग कर रहा है। विद्यालय सालाना प्रति बच्चा ₹20,000 शुल्क लेता है, जबकि सरकारी विद्यालयों में राज्य सरकार का प्रति-बच्चा व्यय (Per-child Expenditure) ₹15,000 है। धारा 12(2) के तहत विद्यालय प्रति बच्चा कितने पुनर्भुगतान का हकदार है?
(A) ₹20,000
(B) ₹15,000
(C) ₹17,500 (दोनों का औसत)
(D) शून्य, निजी विद्यालयों का पुनर्भुगतान नहीं किया जाता है।

Downloaded from www.pdf.tube

199. आरटीई अधिनियम की धारा 25 छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio - PTR) को अनिवार्य बनाती है। यह यह भी बताती है कि इस अनुपात को बनाए रखने के लिए, किसी विद्यालय में तैनात किसी भी शिक्षक को किसी अन्य विद्यालय या कार्यालय में सेवा करने या किसी गैर-शैक्षणिक उद्देश्य के लिए तैनात नहीं किया जाएगा (कुछ अपवादों के साथ)। यह खंड मुख्य रूप से किस प्रथा को रोकने के लिए शामिल किया गया था?

(A) पुरानी शिक्षक अनुपस्थिति और अनधिकृत अनुपस्थिति
(B) प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शिक्षकों की मनमानी संबद्धता और प्रतिनियुक्ति (Deputation)
(C) सरकारी विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संचालित व्यावसायिक निजी ट्यूशन कक्षाएं
(D) शारीरिक दंड और छात्रों का प्रशासनिक उत्पीड़न

200. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy - NEP) 2020 ने किस आयु वर्ग को कवर करने के लिए शिक्षा के अधिकार के ढांचे के विस्तार की सिफारिश की?

(A) 3 से 18 वर्ष
(B) 6 से 14 वर्ष (यथास्थिति बनाए रखना)
(C) 0 से 18 वर्ष
(D) 6 से 16 वर्ष

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002
भारतीय संविधान के 86वें संशोधन अधिनियम (86th Amendment Act), 2002 द्वारा अनुच्छेद 21A (Article 21A) जोड़ा गया। इसके माध्यम से 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा को मौलिक अधिकार (Fundamental Right) बनाया गया। इसी संवैधानिक जनादेश (Constitutional Mandate) को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए संसद द्वारा निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (Right to Education Act), 2009 निर्मित किया गया।

2. (C) मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य
वर्ष 1992 के मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court of India) ने ऐतिहासिक निर्णय दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का अधिकार (Right to Education) सीधे तौर पर अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार (Right to Life) से जुड़ा हुआ है। इस निर्णय ने यह स्थापित किया कि गरिमापूर्ण मानव जीवन जीने के लिए शिक्षा एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार (Fundamental Right) है।

3. (C) 1 अप्रैल 2010
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 को भारत की संसद द्वारा अगस्त 2009 में पारित किया गया था। राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद यह ऐतिहासिक विधान आधिकारिक रूप से 1 अप्रैल 2010 से पूरे देश में लागू हुआ। इसके लागू होते ही भारत शिक्षा को मौलिक अधिकार (Fundamental Right) के रूप में कानूनी गारंटी देने वाले देशों की सूची में शामिल हो गया।

4. (D) तापस मजूमदार समिति
वर्ष 1999 में केंद्र सरकार द्वारा गठित तापस मजूमदार समिति (Tapas Majumdar Committee) का मुख्य कार्य 6-14 वर्ष के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों का आकलन करना था। समिति ने अनुमान लगाया था कि अगले दस वर्षों में सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा (Universal Elementary Education) का मौलिक अधिकार लागू करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय आवंटन (Financial Allocation) की आवश्यकता होगी।

5. (C) 7 अध्याय और 38 धाराएं
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की वैधानिक संरचना व्यवस्थित रूप से विभाजित है। इस अधिनियम के मूल ढांचे में कुल 7 अध्याय (Chapters) और 38 धाराएं (Sections) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों में भौतिक बुनियादी ढांचे, मानदण्डों और छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio) को स्पष्ट रूप से निर्धारित करने के लिए अधिनियम के अंत में एक विस्तृत अनुसूची (Schedule) संलग्न है।

6. (C) समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)
आरटीई अधिनियम, 2009 में 'अनिवार्य शिक्षा' (Compulsory Education) शब्द का स्पष्ट कानूनी अर्थ है। यह कानूनी रूप से समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) पर अनिवार्य दायित्व डालता है। इसका उद्देश्य 6 से 14 आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे का निःशुल्क प्रवेश, नियमित उपस्थिति और प्रारंभिक शिक्षा (Elementary Education) का सफलतापूर्वक समापन सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

7. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आरटीई अधिनियम, 2009 बच्चों या उनके अभिभावकों पर विद्यालय न जाने की स्थिति में कोई कानूनी दंड या दंडात्मक प्रावधान (Penal Provision) लागू नहीं करता है। इसके बजाय, यह अधिनियम बच्चे को विद्यालय में नामांकित करने, नियमित उपस्थिति बनाए रखने और प्रारंभिक शिक्षा पूरी कराने का सम्पूर्ण विधिक दायित्व समुचित सरकार और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) पर सौंपता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों पूर्णतः सत्य हैं।

8. (B) कक्षा I से कक्षा VIII तक
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 2(f) के अंतर्गत 'प्रारंभिक शिक्षा' (Elementary Education) को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। इसके तहत कक्षा I से लेकर कक्षा VIII तक की जाने वाली प्रथम आठ वर्षों की औपचारिक स्कूली शिक्षा शामिल है। इस आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण में आठ वर्षीय प्राथमिक शिक्षा पूरी करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

9. (B) कक्षा VIII तक के सभी बच्चों को मध्याह्न भोजन प्रदान करना
आरटीई अधिनियम, 2009 का प्राथमिक ध्यान समता, गैर-भेदभाव, शारीरिक दंड पर प्रतिबंध और पड़ोस के विद्यालय (Neighbourhood School) की उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे वैधानिक अधिकारों पर केंद्रित है। यद्यपि मध्याह्न भोजन योजना (Mid-Day Meal Scheme) विद्यालयों में बच्चों के पोषण और उपस्थिति को सहयोग देती है, परंतु यह इस अधिनियम का मूल मार्गदर्शक सिद्धांत या प्राथमिक कानूनी उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक पृथक कल्याणकारी कार्यक्रम है।

Click Here to Buy book on Amazon

10. (B) केवल II, III और IV
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(c) के अनुसार सहायता प्राप्त विद्यालयों, निर्दिष्ट श्रेणी के विद्यालयों (जैसे केंद्रीय विद्यालय) और निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों (Unaided Schools) के लिए यह अनिवार्य है। इन संस्थानों को अपने विद्यालय की प्रवेश कक्षा (कक्षा I या पूर्व-विद्यालय) में कुल क्षमता का कम से कम 25% स्थान कमजोर वर्ग (Weaker Section) और वंचित समूह के बच्चों के लिए आरक्षित करना होगा।

11. (D) किसी भी ऐसे शुल्क, प्रभार या व्यय की अनुपस्थिति जो प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने और उसे पूरा करने से रोकती हो
आरटीई अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत 'निःशुल्क शिक्षा' (Free Education) का कानूनी अर्थ यह है कि कोई भी बच्चा ऐसे किसी शुल्क, प्रभार या व्यय का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा, जो उसे प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने और उसे पूरा करने से रोकता हो। इसमें शिक्षण शुल्क की समाप्ति के साथ पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म और शिक्षण सामग्री जैसी आवश्यक बाधाओं का निवारण शामिल है।

12. (B) केवल I और II
आरटीई अधिनियम के तहत सामान्य बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार 6 से 14 वर्ष की आयु तक निर्धारित है। हालांकि, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत बेंचमार्क विकलांगता (Benchmark Disability) वाले बच्चों के लिए यह सीमा 18 वर्ष तक विस्तारित है। प्रवेश के लिए केवल अस्पताल का जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य नहीं है, बल्कि आंगनवाड़ी रिकॉर्ड या स्व-घोषणा पत्र भी कानूनी रूप से पूर्णतः मान्य हैं।

13. (C) निर्धारित किसी भी अन्य दस्तावेज (Prescribed Document) के आधार पर आयु का निर्धारण करना चाहिए, और प्रवेश से इनकार नहीं करना चाहिए
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 14 यह स्पष्ट करती है कि किसी भी बच्चे को जन्म प्रमाण पत्र (Birth Certificate) या आयु के आधिकारिक प्रमाण के अभाव में विद्यालय में प्रवेश देने से मना नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में अस्पताल या एएनएम रिकॉर्ड, आंगनवाड़ी रिकॉर्ड या माता-पिता द्वारा दी गई लिखित घोषणा (Declaration) के आधार पर बच्चे की आयु का निर्धारण करके तुरंत प्रवेश दिया जाता है।

14. (D) दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 - RPWD)
आरटीई अधिनियम के तहत विकलांग बच्चों की निःशुल्क शिक्षा के अधिकारों का विस्तार करने के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPWD Act) का संदर्भ लिया जाता है। इसके माध्यम से बेंचमार्क विकलांगता से ग्रसित बच्चों को 6 से 18 वर्ष की आयु तक समावेशी वातावरण में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार (Statutory Right) प्रदान किया गया है, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

15. (A) बच्चे को विद्यालय में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने तक निःशुल्क शिक्षा का अधिकार प्राप्त रहता है।
आरटीई अधिनियम की धारा 3(2) के अनुसार, यदि कोई बच्चा 14 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद भी अपनी प्रारंभिक शिक्षा (Elementary Education) पूरी नहीं कर पाता है, तो उसका निःशुल्क शिक्षा का अधिकार समाप्त नहीं होता। ऐसा बच्चा 14 वर्ष की आयु पार करने के बावजूद अपनी कक्षा VIII तक की प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का पूर्ण वैधानिक हकदार बना रहता है।

16. (B) यह निर्दिष्ट करता है कि समुचित सरकार तीन वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क पूर्व-विद्यालय शिक्षा प्रदान करने के प्रावधान कर सकती है।
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 11 पूर्व-विद्यालय शिक्षा (Pre-school Education) के संबंध में एक दिशानिर्देश प्रस्तुत करती है। इसके अंतर्गत यह अनिवार्य मौलिक अधिकार न होकर समुचित सरकार (Appropriate Government) के लिए एक विवेकाधीन प्रावधान है। इसके तहत सरकार तीन वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए तैयार करने हेतु निःशुल्क पूर्व-विद्यालय शिक्षा का प्रबंध कर सकती है।

17. (D) समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 6 के तहत 'पड़ोस का विद्यालय' (Neighbourhood School) स्थापित करने का स्पष्ट कानूनी उत्तरदायित्व समुचित सरकार (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) पर आयोजित किया गया है। जिन क्षेत्रों या बसावटों में कोई विद्यालय उपलब्ध नहीं है, वहाँ निर्धारित समय सीमा के भीतर बाल-अनुकूल पहुँच सुनिश्चित करने हेतु नए शासकीय विद्यालयों की स्थापना करना इनका वैधानिक दायित्व है।

18. (D) I, II, III और IV
आरटीई नियमों के मानदण्डों के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I-V) 1 किमी और उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा VI-VIII) 3 किमी की दूरी के भीतर स्थापित किए जाने चाहिए। दुर्गम या विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में राज्य सरकार मुफ्त परिवहन सुविधा (Transport Facility) या आवासीय विद्यालय प्रदान करती है। अतः उपर्युक्त सभी कथन भौगोलिक पहुँच और सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में पूरी तरह सही हैं।

NODIA

19. (D) परिवहन/एस्कॉर्ट सुविधाएं या आवासीय विद्यालय प्रदान करना
यदि किसी दुर्गम या कम जनसंख्या वाली बसावट में नया विद्यालय खोलना अव्यावहारिक होता है, तो आरटीई दिशानिर्देश राज्य को वैकल्पिक व्यवस्था का निर्देश देते हैं। ऐसे मामलों में स्थानीय प्राधिकारी को बच्चों को निकटतम पड़ोस के विद्यालय तक पहुँच सुनिश्चित कराने हेतु मुफ्त परिवहन सेवा (Transport Facility), एस्कॉर्ट सुविधा या निःशुल्क

आवासीय विद्यालय (Residential School) स्थापित करने का वैधानिक दायित्व पूरा करना होता है।

20. (C) तीन वर्ष
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 6 के प्रावधानों के अनुसार, इस कानून के प्रभावी होने की तिथि (1 अप्रैल 2010) से तीन वर्ष की निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर समुचित सरकार को उन सभी क्षेत्रों या बसावटों में पड़ोस का विद्यालय (Neighbourhood School) स्थापित करने का कड़ा निर्देश दिया गया था, जहाँ पहले से कोई विद्यालय की सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

21. (C) धारा 8
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 8 समुचित सरकार (Appropriate Government) के प्रमुख कर्तव्यों को विस्तार से सूचीबद्ध करती है। इसमें प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क एवं अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करना, पड़ोस के विद्यालय की उपलब्धता सुनिश्चित करना, कमजोर व वंचित वर्गों के बच्चों के साथ भेदभाव रोकना, बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना और गुणवत्तापूर्ण मानक बनाए रखना जैसे अनिवार्य वैधानिक दायित्व सम्मिलित हैं।

22. (D) बच्चे की आयु के आधार पर कक्षा VI में प्रवेश देना और विशेष प्रशिक्षण (Special Training) की व्यवस्था करना
आरटीई अधिनियम की धारा 4 के अनुसार, यदि कोई बच्चा विद्यालय से बाहर (Out-of-school) रहा है, तो उसे उसकी आयु के अनुसार उचित कक्षा (Age-appropriate Class) में प्रवेश दिया जाएगा। 11 वर्ष के बच्चे को उसकी आयु के अनुरूप कक्षा VI में नामांकित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उसे अपने सहपाठियों के शैक्षणिक स्तर के समकक्ष लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण (Special Training) प्रदान किया जाएगा।

23. (D) समुचित सरकार को
आरटीई अधिनियम, 2009 की अनुसूची (Schedule) में उल्लिखित मानदण्डों और मानकों (Norms and Standards) के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण सुनिश्चित करना समुचित सरकार (Appropriate Government) का वैधानिक कर्तव्य है। इसमें योग्य शिक्षकों की नियुक्ति, उचित छात्र-शिक्षक अनुपात, पर्याप्त शिक्षण सामग्री, सुरक्षित विद्यालय भवन और खेल के मैदान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है।

24. (A) एक बच्चा जिसके माता-पिता की वार्षिक आय निर्दिष्ट कर योग्य सीमा से अधिक है
आरटीई अधिनियम की धारा 2(d) के तहत 'वंचित समूह' (Disadvantaged Group) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामाजिक व शैक्षणिक रुप से पिछड़े वर्ग और विकलांग बच्चों को शामिल किया जाता है। जिन बच्चों के अभिभावकों की आय अधिक होती है या जो उच्च करदाता सीमा में आते हैं, उन्हें वंचित समूह में वर्गीकृत नहीं किया जाता, बल्कि वे कमजोर वर्ग (Weaker Section) के दायरे से भी बाहर रहते हैं।

25. (C) स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 9(e) के अंतर्गत यह स्पष्ट प्रावधान है कि अपने अधिकार क्षेत्र (Jurisdiction) में रहने वाले 14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों का एक अद्यतन रिकॉर्ड बनाए रखने की जिम्मेदारी स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) की है। इस रिकॉर्ड के माध्यम से बच्चों के प्रवेश, उपस्थिति और प्रारंभिक शिक्षा के समापन का सतत अनुश्रवण और मूल्यांकन किया जाता है।

26. (D) राज्य विधानसभा
आरटीई अधिनियम की धारा 2(h) के अनुसार 'स्थानीय प्राधिकारी' (Local Authority) में नगर निगम, नगर पालिका, जिला परिषद, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत और छावनी बोर्ड (Cantonment Board) जैसे निकाय शामिल हैं, जिनके पास स्थानीय क्षेत्रों का प्रशासनिक नियंत्रण होता है। राज्य विधानसभा (State Legislative Assembly) एक राज्य-स्तरीय विधायिका है, अतः इसे स्थानीय प्रशासनिक निकाय के रुप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है।

27. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
भारतीय संविधान में शिक्षा समवर्ती सूची (Concurrent List) का विषय है। आरटीई अधिनियम के तहत केंद्र सरकार नीति निर्माण, मानक निर्धारण और वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जबकि विद्यालयों का प्रत्यक्ष दैनिक प्रशासन, रखरखाव और कार्यान्वयन समुचित राज्य सरकार तथा स्थानीय प्राधिकारियों (Local Authorities) का वैधानिक उत्तरदायित्व है। अतः दिया गया अभिकथन और कारण दोनों सत्य और सुसंगत हैं।

28. (B) धारा 10
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 10 प्रत्येक माता-पिता या अभिभावक पर यह वैधानिक कर्तव्य (Statutory Duty) आरोपित करती है कि वे अपने 6 से 14 वर्ष के बच्चे या वार्ड को प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु पड़ोस के विद्यालय में प्रवेश दिलाएं। यह प्रावधान अभिभावकों को बाल शिक्षा के प्रति जागरुक और उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से अधिनियम में जोड़ा गया है।

29. (D) आरटीई अधिनियम में माता-पिता के लिए कोई दंडात्मक प्रावधान नहीं है
यद्यपि आरटीई अधिनियम की धारा 10 माता-पिता को अपने बच्चों को विद्यालय भेजने का कर्तव्य सौंपती है, परंतु इस दायित्व का पालन न करने पर उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार के दंडात्मक परिणाम (Penal Consequence), अर्थदंड या जेल का प्रावधान नहीं है। अधिनियम की मूल भावना अभिभावकों को दंडित करने के बजाय सरकार और समाज द्वारा सकारात्मक अवसर उपलब्ध कराने पर बल देती है।

30. (A) प्रवेश केवल कक्षा I या पूर्व-विद्यालय में ही दिया जाना चाहिए
आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(c) के अनुसार गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों को कमजोर वर्ग (EWS) और वंचित समूह (DG) के बच्चों को प्रवेश स्तर (Entry Level) पर 25% सीटें

Downloaded from www.pdf.tube

आरक्षित कर प्रवेश देना होता है। यह प्रवेश कक्षा I या यदि विद्यालय में पूर्व-विद्यालय (Pre-school) शिक्षा उपलब्ध है, तो उसी प्रारंभिक स्तर पर अनिवार्य रूप से दिया जाता है।

31. (D) राज्य द्वारा वहन किया गया प्रति-बच्चा व्यय (Per-child Expenditure) या वास्तविक विद्यालय शुल्क, जो भी कम हो
आरटीई अधिनियम की धारा 12(2) के अनुसार, 25% कोटे के तहत नामांकित छात्रों के लिए निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को राज्य सरकार द्वारा पुनर्भुगतान किया जाता है। इस पुनर्भुगतान (Reimbursement) की राशि राज्य द्वारा अपने सरकारी विद्यालयों में वहन किए जाने वाले प्रति-बच्चा व्यय (Per-child Expenditure) अथवा निजी विद्यालय द्वारा वसूली जाने वाली वास्तविक फीस में से जो भी कम हो, उसके आधार पर तय होती है।

32. (C) केवल I और III
सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार अनुच्छेद 30(1) के तहत स्थापित अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आरटीई के 25% कोटे से मुक्त हैं। केंद्रीय विद्यालय 'निर्दिष्ट श्रेणी' के अंतर्गत आते हैं और उन पर 25% आरक्षण लागू होता है। जिन निजी विद्यालयों को पहले ही रियायती भूमि मिलने के कारण मुफ्त शिक्षा का दायित्व मिला हुआ है, वे वित्तीय पुनर्भुगतान (Reimbursement) के हकदार नहीं होते हैं।

33. (C) सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स ऑफ राजस्थान बनाम भारत संघ
वर्ष 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने 'सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स ऑफ राजस्थान बनाम भारत संघ' के ऐतिहासिक मामले में आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(c) की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। अदालत ने निर्णय दिया कि निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में कमजोर व वंचित वर्गों के लिए 25% आरक्षण का प्रावधान पूरी तरह संवैधानिक, न्यायसंगत और बाल अधिकारों के अनुकूल है।

34. (D) कोई भी चयन विधि (Selection Procedure) जिसमें बच्चे या माता-पिता को साक्षात्कार या लिखित परीक्षा से गुजरना पड़ता है
आरटीई अधिनियम की धारा 2(o) और धारा 13 के तहत 'स्क्रीनिंग प्रक्रिया' (Screening Procedure) का तात्पर्य किसी भी ऐसी चयन पद्धति से है, जहाँ बच्चे या उसके माता-पिता का कोई साक्षात्कार, मौखिक या लिखित परीक्षा अथवा योग्यता परीक्षण लिया जाता है। अधिनियम ऐसी किसी भी प्रक्रिया को प्रवेश के समय पूरी तरह से प्रतिबंधित और गैर-कानूनी घोषित करता है।

35. (A) साक्षात्कार के लिए ₹25,000 + कैपिटेशन शुल्क के लिए ₹1,00,000
धारा 13 के अनुसार, यदि कोई विद्यालय स्क्रीनिंग प्रक्रिया (साक्षात्कार) आयोजित करता है, तो प्रथम उल्लंघन पर ₹25,000 का जुर्माना लगता है। वहीं, यदि विद्यालय कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fee) वसूलता है, तो उस पर प्राप्त शुल्क के दस गुना तक (इस मामले में ₹10,000 का 10 गुना अर्थात ₹1,00,000) का भारी वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है।

36. (B) विद्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से अधिसूचित शुल्क के अलावा कोई भी दान, अंशदान या भुगतान
आरटीई अधिनियम की धारा 2(b) के अनुसार 'प्रति व्यक्ति शुल्क' या कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fee) का अर्थ किसी भी ऐसे भुगतान, दान (Donation) या अंशदान से है, जो विद्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से अधिसूचित और स्वीकृत नियमित शिक्षण शुल्क से अधिक वसूल किया जाता है। प्रवेश के बदले ऐसा कोई भी अतिरिक्त मौद्रिक लाभ लेना कानूनन संज्ञेय अपराध है।

37. (A) माता-पिता द्वारा दिया गया हलफनामा (Affidavit) किसी भी परिस्थिति में आयु के प्रमाण के रूप में स्वीकार्य नहीं है।
आरटीई अधिनियम की धारा 14 का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी बच्चे को आयु का प्रमाण न होने पर प्रवेश से वंचित न किया जाए। जन्म प्रमाण पत्र न होने पर आंगनवाड़ी रिकॉर्ड, अस्पताल रजिस्टर या माता-पिता द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा पत्र/हलफनामा (Affidavit) कानूनी रूप से स्वीकार्य है। अतः हलफनामे को अस्वीकार्य बताना कथन के रूप में असत्य है।

38. (A) नहीं, विस्तारित अवधि के दौरान या उसके बाद बच्चे को प्रवेश दिया जाएगा और प्रवेश से इनकार नहीं किया जा सकता है।
आरटीई अधिनियम की धारा 15 के अनुसार, किसी बच्चे को निर्धारित शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में या विस्तारित अवधि के भीतर प्रवेश दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, विस्तारित अवधि समाप्त होने के बाद भी किसी भी बच्चे को प्रवेश देने से मना नहीं किया जा सकता है। ऐसे बच्चे को बाद में अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए विशेष सहायता दी जाती है।

39. (C) प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी कक्षा में रोकना (Detain) या विद्यालय से निकालना (Expel)।
आरटीई अधिनियम, 2009 की मूल धारा 16 में निहित "नो-डिटेंशन पॉलिसी" (No-Detention Policy) का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कक्षा I से VIII तक की प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को अनुत्तीर्ण करके उसी कक्षा में रोका नहीं जाएगा और न ही उसे विद्यालय से निष्कासित (Expel) किया जाएगा, ताकि ड्रॉप-आउट दर घट सके।

40. (A) शैक्षणिक वर्ष के अंत में कक्षा V और कक्षा VIII में नियमित परीक्षा आयोजित की जाएगी।
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 ने धारा 16 में महत्वपूर्ण बदलाव किए। इसके तहत प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के अंत में कक्षा V और कक्षा VIII के छात्रों के लिए नियमित परीक्षा (Regular Examination) आयोजित करने का प्रावधान किया गया, जबकि कक्षा I से IV और VI-VII में नो-डिटेंशन व्यवस्था पूर्ववत लागू रखी गई।

NODIA

41. (D) अतिरिक्त शिक्षण प्रदान करना और दो महीने के भीतर पुनः परीक्षा (Re-examination) का अवसर देना
आरटीई संशोधन अधिनियम, 2019 के अनुसार, यदि कोई बच्चा कक्षा V या VIII की नियमित परीक्षा में अनुत्तीर्ण होता है, तो उसे तुरंत अनुत्तीर्ण या निष्कासित नहीं किया जाता। विद्यालय का कर्तव्य है कि वह बच्चे को अतिरिक्त शिक्षण (Additional Instruction) और उपचारात्मक सहायता प्रदान करे तथा परीक्षा परिणाम घोषित होने के दो महीने के भीतर पुनः परीक्षा (Re-examination) का अवसर दे।

42. (A) प्राचार्या/प्रधानाचार्य बच्चे को कक्षा VIII में रोक (Detain) सकते हैं, जैसा कि समुचित सरकार द्वारा अनुमति दी गई हो।
आरटीई संशोधन अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत यदि छात्र पुनः परीक्षा (Re-examination) में भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाता है, तो समुचित सरकार (समुचित सरकार) विद्यालय को उस बच्चे को कक्षा V या VIII में रोकने (Detain) की अनुमति दे सकती है। हालांकि, किसी भी परिस्थिति में बच्चे को विद्यालय से बाहर निकालने का अधिकार नहीं दिया गया है।

43. (B) नहीं, अधिनियम यह बनाए रखता है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को विद्यालय से नहीं निकाला जाएगा।
2019 का आरटीई संशोधन राज्यों को कक्षा V और VIII में पुनः परीक्षा में अनुत्तीर्ण छात्रों को रोकने (Detain) का अधिकार तो देता है, परंतु यह स्पष्ट करता है कि प्रारंभिक शिक्षा (Elementary Education) पूरी होने तक किसी भी बच्चे को विद्यालय से निष्कासित (Expel) नहीं किया जाएगा। शिक्षा का मौलिक अधिकार निष्कासन की अनुमति बिल्कुल नहीं देता है।

44. (B) ऐसे व्यक्ति पर लागू सेवा नियमों (Service Rules) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 17 बच्चों के खिलाफ किसी भी प्रकार के शारीरिक दंड (Physical Punishment) और मानसिक उत्पीड़न (Mental Harassment) को पूरी तरह प्रतिबंधित करती है। इस कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करने वाले दोषी शिक्षक के विरुद्ध संबंधित संस्थान या सरकार के लागू सेवा नियमों (Service Rules) के तहत तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action) करने का स्पष्ट नियम है।

45. (C) पाँच शिक्षक (Five Teachers)
आरटीई अधिनियम की अनुसूची (Schedule) के मानदण्डों के अनुसार, प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा I-V) में 121 से 150 छात्रों के नामांकन पर 5 शिक्षकों का प्रावधान है। चूँकि छात्र संख्या 140 है (जो 121-150 के दायरे में है), इसलिए कानूनन न्यूनतम 5 शिक्षक होना अनिवार्य है। 150 से अधिक छात्र होने पर ही प्रधान शिक्षक का पद स्वीकृत होता है।

46. (B) 150 बच्चों से अधिक
आरटीई अधिनियम, 2009 की अनुसूची में निर्धारित मानकों के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय (कक्षा I से V) में जब कुल नामांकित बच्चों की संख्या 150 से अधिक (Above 150 Children) हो जाती है, तो 5 नियमित शिक्षकों के अलावा एक अलग पूर्णकालिक प्रधान शिक्षक (Head Teacher) की नियुक्ति करना वैधानिक रूप से अनिवार्य हो जाता है।

47. (C) A सही है लेकिन R गलत है
आरटीई अधिनियम की अनुसूची के तहत प्राथमिक स्तर पर सामान्य छात्र-शिक्षक अनुपात 30:1 है। परंतु यदि कुल नामांकन 200 से अधिक हो जाता है, तो यह अनुपात (प्रधान शिक्षक को छोड़कर) 40:1 तक शिथिल किया जा सकता है। यह छूट केवल संसाधनों के व्यावहारिक प्रबंधन के लिए है, न कि बड़ी कक्षाओं में समूह शिक्षण की वकालत करने के लिए। अतः कथन A सही और कारण R असत्य है।

48. (B) प्रत्येक 35 बच्चों के लिए कम से कम एक शिक्षक
आरटीई अधिनियम, 2009 की अनुसूची के अनुसार उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा VI से VIII) के लिए निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात (Pupil-Teacher Ratio) 35:1 है। इसका तात्पर्य है कि उच्च प्राथमिक कक्षाओं में प्रत्येक 35 नामांकित बच्चों के अनुपात पर कम से कम एक शिक्षक का होना कानूनी रूप से आवश्यक है, ताकि विषयवार गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित हो सके।

49. (C) कला शिक्षा (Art Education), स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा (Health and Physical Education), और कार्य शिक्षा (Work Education)
आरटीई अधिनियम की अनुसूची के मानदण्डों के अनुसार, यदि किसी उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा VI-VIII) में छात्रों का प्रवेश 100 से अधिक होता है, तो वहाँ एक पूर्णकालिक प्रधान शिक्षक के साथ-साथ तीन क्षेत्रों—कला शिक्षा (Art Education), स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा, तथा कार्य शिक्षा (Work Education) के लिए अंशकालिक अनुदेशकों (Part-time Instructors) की नियुक्ति अनिवार्य है।

50. (A) 200 दिन और 220 दिन
आरटीई अधिनियम की अनुसूची में एक शैक्षणिक वर्ष के लिए न्यूनतम कार्य दिवस (Working Days) स्पष्ट रूप से निर्धारित किए गए हैं। इसके अंतर्गत प्राथमिक स्तर (कक्षा I से V) के विद्यालयों के लिए न्यूनतम 200 कार्य दिवस तथा उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा VI से VIII) के विद्यालयों के लिए कम से कम 220 कार्य दिवस होना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

51. (C) 1000 घंटे
आरटीई अधिनियम, 2009 की अनुसूची के मानदण्डों के अनुसार, उच्च प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा VI से VIII) के लिए प्रति शैक्षणिक वर्ष (Academic Year) में कम से कम 1000 अनिवार्य शिक्षण घंटों (Instructional Hours) का संपादन होना आवश्यक है। (जबकि प्राथमिक स्तर कक्षा I से V के लिए यह न्यूनतम सीमा 800 शिक्षण घंटे प्रति वर्ष निर्धारित है)।

Click Here to Buy book on Flipkart

52. (B) केवल I और II
आरटीई अधिनियम की अनुसूची के अनुसार, एक शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह न्यूनतम 45 कार्य घंटे (Working Hours) निर्धारित किए गए हैं। इन 45 घंटों के भीतर कक्षा शिक्षण के घंटे (Instructional Hours) और पाठ योजना व शिक्षण की तैयारी का समय (Preparation Time) दोनों अनिवार्य रूप से शामिल हैं। यह नियम प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दोनों स्तर के शिक्षकों पर समान रूप से लागू होता है।

53. (D) एक वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशाला (एयर-कंडीशंड कंप्यूटर लैब)
आरटीई अधिनियम की अनुसूची में विद्यालयों के भौतिक बुनियादी ढांचे के लिए न्यूनतम मानदण्ड तय किए गए हैं। इनमें बाधा-मुक्त पहुँच (Ramp), पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय और खेल का मैदान शामिल हैं। परंतु, एक वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशाला (एयर-कंडीशंड कंप्यूटर लैब) का निर्माण अनिवार्य मानदण्डों की वैधानिक सूची में शामिल नहीं है, यह एक ऐच्छिक सुविधा है।

54. (B) प्रारंभ में ₹1,00,000, और उल्लंघन जारी रहने तक प्रतिदिन के लिए ₹10,000
आरटीई अधिनियम की धारा 18(1) के तहत, कोई भी विद्यालय मान्यता प्रमाण पत्र (Certificate of Recognition) प्राप्त किए बिना स्थापित या संचालित नहीं किया जा सकता। धारा 19(5) के अनुसार, इसका उल्लंघन करने पर संबंधित संस्था पर प्रारंभिक रूप से ₹1,00,000 तक का जुर्माना और उल्लंघन जारी रहने की स्थिति में ₹10,000 प्रति दिन का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जा सकता है।

55. (B) सुनवाई का उचित अवसर देने के बाद लिखित रूप में मान्यता वापस लेना (Withdrawal of Recognition)
यदि कोई विद्यालय आरटीई अधिनियम की अनुसूची में निर्दिष्ट मानदण्डों या मान्यता की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो धारा 18(4) और 19 के तहत निर्धारित प्राधिकारी विद्यालय प्रबंधन को सुनवाई का उचित अवसर देने के पश्चात लिखित आदेश द्वारा उसकी मान्यता वापस (Withdrawal of Recognition) ले सकता है। इसके बाद विद्यालय का संचालन अवैध माना जाता है।

56. (D) उन्हें पड़ोस के विद्यालय में प्रवेश दिलाने का निर्देश दिया जाता है।
यदि आरटीई अधिनियम की धारा 18 या 19 के तहत किसी विद्यालय की मान्यता वापस ले ली जाती है, तो उस विद्यालय का संचालन तुरंत बंद कर दिया जाता है। ऐसी स्थिति में वहाँ नामांकित बच्चों की शिक्षा निरंतर बनाए रखने के उद्देश्य से स्थानीय प्राधिकारी उन्हें तुरंत निकटतम पड़ोस के विद्यालय (पड़ोस का स्कूल) में स्थानांतरित और नामांकित करता है।

57. (A) किसी भी प्रकार की सहायता या अनुदान न प्राप्त करने वाले गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय (बिना सरकारी सहायता वाले स्कूल)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 21 के तहत सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) का गठन अनिवार्य है। हालांकि, धारा 21(1) के अंतर्गत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों (Unaided Private Schools) को एसएमसी गठित करने की इस वैधानिक बाध्यता से स्पष्ट छूट प्रदान की गई है, बशर्ते वे अन्य भर्ती व प्रवेश शर्तों का अनुपालन करें।

58. (A) केवल I, II और III
आरटीई की धारा 21 के अनुसार SMC में कम से कम 75% सदस्य माता-पिता/अभिभावक होने चाहिए, 50% सदस्य महिलाएं होनी चाहिए तथा कमजोर/वंचित वर्गों के अभिभावकों को आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। स्थानीय विधायक या सांसद इसके पदेन अध्यक्ष नहीं होते, बल्कि समिति का अध्यक्ष अभिभावक सदस्यों में से ही लोकतांत्रिक रूप से चुना जाता है।

59. (A) एक विद्यालय विकास योजना (School Development Plan - SDP) तैयार करना और सिफारिश करना
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 22(1) स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करती है कि विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) का प्राथमिक वैधानिक कार्य विद्यालय के समग्र भौतिक, शैक्षणिक और मूलभूत सुधार हेतु एक व्यवस्थित 'विद्यालय विकास योजना' (School Development Plan - SDP) तैयार करना और उसे संबंधित प्राधिकारी के समक्ष सिफारिश करना है।

60. (B) समुचित सरकार या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा दिए जाने वाले अनुदान (Grants)
आरटीई अधिनियम की धारा 22(2) के अनुसार, विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) द्वारा तैयार की गई 'विद्यालय विकास योजना' (School Development Plan) अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह योजना समुचित सरकार या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा विद्यालय के बुनियादी ढांचे, शिक्षण सामग्री और दैनिक संचालन के लिए जारी किए जाने वाले वित्तीय अनुदानों (Financial Grants) का मुख्य आधार बनती है।

61. (D) केंद्र सरकार द्वारा अधिकृत एक शैक्षणिक प्राधिकारी (Academic Authority)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 23(1) के अनुसार, प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यताएं (Minimum Qualifications) तय करने का अधिकार केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित एक केंद्रीय शैक्षणिक प्राधिकारी में निहित है। केंद्र सरकार ने इस कार्य हेतु राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) को आधिकारिक शैक्षणिक प्राधिकारी के रूप में अधिकृत किया हुआ है।

Downloaded from www.pdf.tube

62. (C) यह एक उल्लंघन है, क्योंकि उम्मीदवार के पास शैक्षणिक प्राधिकारी द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यताएं होनी चाहिए।
आरटीई अधिनियम की धारा 23(1) के अनुसार, किसी भी विद्यालय (सहायता प्राप्त या गैर-सहायता प्राप्त) में शिक्षक पद पर नियुक्त होने के लिए उम्मीदवार के पास केंद्रीय शैक्षणिक प्राधिकारी (NCTE) द्वारा निर्धारित न्यूनतम व्यावसायिक योग्यता (जैसे D.El.Ed./B.Ed. और TET) होना अनिवार्य है। केवल उच्च शैक्षणिक डिग्री होना या निजी प्रबंधन का निर्णय होना कानूनन पर्याप्त नहीं है।

63. (B) केवल I, II और III
आरटीई अधिनियम की धारा 24(1) के तहत शिक्षकों के प्रमुख कर्तव्यों में समयपालन, समय पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करना, प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता का आकलन करना और अभिभावक बैठकें आयोजित करना शामिल है। स्थानीय समुदाय से शिक्षा उपकर (Education Cess) एकत्र करना शिक्षकों का वैधानिक कर्तव्य नहीं है, यह सरकार का वित्तीय कार्य है।

64. (A) शिक्षक पर लागू सेवा नियम (Service Rules)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 24(2) यह निर्धारित करती है कि यदि कोई शिक्षक समयबद्ध उपस्थिति या पाठ्यक्रम पूरा करने जैसे अपने निर्दिष्ट वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहता है, तो उसके विरुद्ध उस व्यक्ति/संस्थान पर लागू संबंधित सेवा नियमों (Service Rules) के प्रावधानों के अनुसार नियमानुपूर्वक अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action) की जाएगी।

65. (D) पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान
आरटीई अधिनियम की धारा 27 गैर-शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों की तैनाती को प्रतिबंधित करती है। इस धारा के अंतर्गत केवल तीन अपवादों को कानूनी छूट प्राप्त है: दशकीय जनसंख्या जनगणना (Decennial Census), आपदा राहत कार्य (Disaster Relief), और स्थानीय/विधानसभा/संसदीय चुनाव। पल्स पोलियो अभियानों या अन्य नियमित प्रशासनिक कार्यों में शिक्षकों को तैनात करना कानूनन वर्जित है।

66. (D) सभी विद्यालय श्रेणियों में अधिनियम के दायरे में आने वाले सभी शिक्षकों पर
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 28 स्पष्ट रूप से घोषणा करती है कि कोई भी शिक्षक स्वयं को निजी ट्यूशन (Private Tuition) या निजी शिक्षण गतिविधि में संलग्न नहीं करेगा। यह वैधानिक प्रतिबंध अधिनियम के अंतर्गत आने वाले सभी प्रकार के विद्यालयों (सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों) के सभी शिक्षकों पर समान रूप से लागू होता है।

67. (C) A सही है लेकिन R गलत है
आरटीई अधिनियम की धारा 29(2) के अनुसार पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए जो बच्चे के ज्ञान, क्षमता, सर्वांगीण विकास और प्रतिभा का निर्माण करे। अधिनियम कठोर या केंद्रीकृत पाठ्यक्रम का समर्थन करने के बजाय बाल-केंद्रित, लचीली और स्थानीय संदर्भों के अनुकूल शिक्षा प्रणाली की वकालत करता है। अतः कथन A सही है परंतु कारण R असत्य है।

68. (A) संविधान में निहित मूल्यों के अनुरुपता (संवैधानिक मूल्यों के अनुरुप)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 29(2)(a) यह अनिवार्य करती है कि शैक्षणिक प्राधिकारी द्वारा पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया निर्धारित करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि वह भारत के संविधान में निहित मूल्यों (Constitutional Values) के पूरी तरह अनुकूल हो, जिससे बच्चों में लोकतंत्र, समानता, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के प्रति निष्ठा विकसित हो सके।

69. (A) बाल-अनुकूल तरीके से गतिविधियों, खोज और अन्वेषण के माध्यम से सीखना
आरटीई अधिनियम की धारा 29(2)(e) स्पष्ट रूप से यह सिफारिश करती है कि शिक्षा प्रणाली को भय, आघात और चिंता से मुक्त बनाने के लिए बाल-अनुकूल और बाल-केंद्रित (Child-centered) दृष्टिकोण अपनाया जाए। इसके अंतर्गत रटने के बजाय गतिविधियों (Activities), खेल, खोज (Discovery) और अन्वेषण के माध्यम से ज्ञान निर्माण पर विशेष बल दिया गया है।

70. (C) धारा 29
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 29(2)(h) के तहत यह वैधानिक प्रावधान किया गया है कि बच्चे के ज्ञान, समझ और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग की क्षमता का निरंतर आकलन करने हेतु 'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन' (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) प्रणाली को पाठ्यक्रम और शिक्षण प्रक्रिया के अभिन्न अंग के रूप में लागू किया जाएगा।

71. (B) कक्षा VIII की समाप्ति तक
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 30(1) में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि किसी भी बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा (Elementary Education) पूरी करने अर्थात कक्षा VIII की समाप्ति तक किसी भी प्रकार की बोर्ड परीक्षा (Board Examination) में बैठने या उसे उत्तीर्ण करने की वैधानिक आवश्यकता नहीं होगी, ताकि परीक्षा के मानसिक दबाव को समाप्त किया जा सके।

72. (B) केवल I और III
आरटीई अधिनियम की धारा 30(2) के अनुसार प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा VIII) सफलतापूर्वक पूरी करने वाले प्रत्येक बच्चे को एक पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। यह प्रमाण पत्र समुचित सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में जारी होता है। इसमें किसी केंद्रीकृत बोर्ड परीक्षा के अंक नहीं लिखे जाते, क्योंकि कक्षा VIII तक बोर्ड परीक्षा आयोजित करना कानूनन वर्जित है।

73. (D) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (National Commission for Protection of Child Rights -

NODIA

NCPCR) और राज्य आयोग (State Commission for Protection of Child Rights - SCPCR)
आरटीई अधिनियम की धारा 31 के तहत बाल अधिकारों की सुरक्षा और अधिनियम के कार्यान्वयन का सतत अनुश्रवण (Monitoring) करने के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) तथा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोगों (SCPCR) को कानूनी रूप से अधिकृत किया गया है। ये निकाय बच्चों के मुफ्त शिक्षा के अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों की जांच भी करते हैं।

74. (B) अधिकार क्षेत्र वाला स्थानीय प्राधिकारी (स्थानीय प्राधिकारी)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 32(1) के अनुसार, यदि किसी बच्चे के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के संबंध में कोई समस्या या शिकायत उत्पन्न होती है, तो शिकायत निवारण का प्राथमिक और पहला वैधानिक मंच संबंधित अधिकार क्षेत्र वाला 'स्थानीय प्राधिकारी' (स्थानीय प्राधिकारी- जैसे नगर निगम या ग्राम पंचायत) होता है।

75. (A) राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (बाल अधिकार संरक्षण राज्य आयोग - SCPCR)
आरटीई अधिनियम की धारा 32(3) के प्रावधानों के तहत, यदि कोई व्यक्ति या अभिभावक धारा 32 के अंतर्गत स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) द्वारा दिए गए शिकायत निवारण के निर्णय से असंतुष्ट या व्यथित है, तो वह उस निर्णय के विरुद्ध सीधे 'राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग' (SCPCR) के समक्ष अपील दायर कर सकता है।

76. (B) आरटीई अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन (प्रभावी कार्यान्वयन) पर केंद्र सरकार को सलाह देना
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 33 के तहत गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (राष्ट्रीय सलाहकार परिषद - NAC) का प्राथमिक कानूनी कार्य केंद्र सरकार को अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन, नीतिगत सुधारों और बाल अधिकारों के संरक्षण के संबंध में विशेषज्ञ सलाह (अनुभवी सलाह) प्रदान करना है।

77. (B) 15 सदस्य
आरटीई अधिनियम की धारा 33(2) के अनुसार, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAC) में प्रारंभिक शिक्षा और बाल विकास के क्षेत्र में ज्ञान व व्यावहारिक अनुभव रखने वाले सदस्य शामिल होते हैं। इस परिषद में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सदस्यों की अधिकतम संख्या 15 (पंद्रह सदस्य) निर्धारित की गई है।

78. (C) धारा 35
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 35(1) केंद्र सरकार को यह विशेष कानूनी शक्ति प्रदान करती है कि वह अधिनियम के प्रावधानों को सुचारु रूप से लागू करने के उद्देश्य से समुचित सरकार, स्थानीय प्राधिकारियों या विद्यालय प्रबंधन समितियों को आवश्यक मार्गदर्शन, आधिकारिक निर्देश और प्रशासनिक दिशानिर्देश (दिशा-निर्देश) जारी कर सकती है।

79. (A) समुचित सरकार द्वारा अधिकृत एक अधिकारी
आरटीई अधिनियम की धारा 36 के अनुसार, धारा 13 (कैपिटेशन शुल्क/स्क्रीनिंग) और धारा 18 (बिना मान्यता विद्यालय चलाना) के तहत दंडनीय अपराधों के अभियोजन (अभियोग पक्ष) के लिए कानूनी कार्यवाही शुरु करने से पूर्व समुचित सरकार (समुचित सरकार) द्वारा अधिकृत किसी सक्षम अधिकारी की पूर्व मंजूरी या स्वीकृति (पूर्व मंज़ूरी) प्राप्त करना अनिवार्य है।

80. (A) केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्राधिकारी, या विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 37 'सद्भावपूर्वक की गई कार्रवाई का संरक्षण' (नेक नीयत से की गई कार्रवाई का संरक्षण) प्रदान करती है। यह धारा केंद्र सरकार, राज्य सरकार, राष्ट्रीय/राज्य बाल आयोग, स्थानीय प्राधिकारी या SMC के सदस्यों को इस अधिनियम के तहत सद्भावना से किए गए किसी भी कार्य के लिए कानूनी मुकदमों से सुरक्षा प्रदान करती है।

81. (C) समुचित सरकार (समुचित सरकार)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 38 के तहत अपने-अपने क्षेत्रों में अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए नियम बनाने की वैधानिक शक्ति 'समुचित सरकार' (समुचित सरकार - केंद्र या राज्य सरकार) में निहित है। इसके अंतर्गत सरकारें गजट अधिसूचना के माध्यम से विस्तृत आरटीई नियमावली (RTE Rules) प्रख्यापित करती हैं।

82. (C) बच्चे को कक्षा में अपने साथियों के बराबर लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण (Special Training) प्रदान किया जाना चाहिए।
आरटीई अधिनियम की धारा 4 के अनुसार, जब किसी पूर्व में न नामांकित 12 वर्षीय बच्चे को उसकी आयु के अनुरूप कक्षा VI में प्रवेश दिया जाता है, तो उसे अपने सहपाठियों के शैक्षणिक स्तर के बराबर लाने के लिए विद्यालय को अनिवार्य रूप से 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training) आयोजित करना होता है, ताकि वह कक्षा के साथ तालमेल बिठा सके।

83. (A) शैक्षणिक प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित विशेष रूप से डिज़ाइन की गई, आयु-उपयुक्त शिक्षण सामग्री
आरटीई नियमों के अंतर्गत आयु-उपयुक्त कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले बच्चों के लिए 'विशेष प्रशिक्षण' का संचालन केंद्र या राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित 'शैक्षणिक प्राधिकारी' (जैसे NCERT या SCERT) द्वारा विशेष रूप से तैयार और अनुमोदित आयु-उपयुक्त शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM) के आधार पर किया जाना अनिवार्य है।

84. (B) तीन महीने
आरटीई नियमों के मानदण्डों के अनुसार, आयु-उपयुक्त कक्षाओं में नामांकित विद्यालय से बाहर रहे (Out-of-school) बच्चों को उनके सहपाठियों के शैक्षणिक स्तर के समकक्ष लाने हेतु प्रदान किए जाने वाले 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training)

Click Here to Buy book on Amazon

की न्यूनतम निर्धारित अवधि तीन महीने (Three Months) होती है।

85. (B) दो वर्ष
आरटीई नियमावली के प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी बच्चे की व्यक्तिगत अधिगम क्षमता को देखते हुए विशेष प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाना आवश्यक प्रतीत होता है, तो प्रधान शिक्षक के मूल्यांकन के आधार पर इस 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training) की कुल अवधि को अधिकतम दो वर्ष (Two Years) तक विस्तारित किया जा सकता है।

86. (A) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha) के तहत समय-समय पर संशोधित अनुपात के आधार पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझा किया जाता है।
आरटीई अधिनियम की धारा 7 के अनुसार, अधिनियम को लागू करने का वित्तीय उत्तरदायित्व केंद्र और राज्य सरकारों का संयुक्त दायित्व है। वर्तमान में 'समग्र शिक्षा' (Samagra Shiksha) योजना के तहत सामान्य राज्यों के लिए 60:40 तथा पूर्वोत्तर व हिमाचली राज्यों के लिए 90:10 के संशोधित वित्तीय अनुपात के आधार पर निधि का बंटवारा होता है।

87. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
वर्ष 2009 में जब आरटीई अधिनियम बना था, तब अनुच्छेद 370 के कारण यह जम्मू और कश्मीर राज्य पर लागू नहीं होता था। परंतु जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 पारित होने के पश्चात, 31 अक्टूबर 2019 से आरटीई अधिनियम सहित सभी केंद्रीय कानून जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश पर भी पूरी तरह लागू हैं।

88. (A) राज्य सरकार के परामर्श से निर्धारित राजस्व का सहायता अनुदान (Grants-in-aid)
आरटीई अधिनियम की धारा 7(2) के तहत केंद्र सरकार का यह वैधानिक दायित्व है कि वह अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु आवश्यक वित्तीय संसाधनों का आकलन करे और राज्य सरकारों के परामर्श से अपने राजस्व में से समय-समय पर राज्यों को आवश्यक सहायता अनुदान (Grants-in-aid) प्रदान करे, ताकि वित्तीय बाधाएं न आएं।

89. (C) प्रत्येक गाँव में पड़ोस का विद्यालय स्थापित करना
आरटीई अधिनियम की धारा 7 एवं 8 के तहत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा बनाना, शिक्षक मानकों को तय करना और राज्यों को तकनीकी सहायता देना केंद्र सरकार का दायित्व है। परंतु प्रत्येक गाँव या बसावट में 'पड़ोस का विद्यालय' (पड़ोस का स्कूल) स्थापित करना और उसे संचालित करना मुख्य रूप से समुचित राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकारी का उत्तरदायित्व है।

90. (C) आरटीई अधिनियम की धारा 23 के तहत एक राजपत्र अधिसूचना (गजट अधिसूचना)
केंद्र सरकार ने आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 23(1) में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना (गजट अधिसूचना) जारी करके राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) को देश भर के प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की न्यूनतम योग्यताओं को निर्धारित करने वाले आधिकारिक 'शैक्षणिक प्राधिकारी' के रूप में नियुक्त किया था।

91. (B) सीबीएसई (CBSE)
आरटीई अधिनियम के अंतर्गत शिक्षकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु एनसीटीई (NCTE) द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) के दिशानिर्देश तय किए गए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत केंद्र सरकार के विद्यालयों (जैसे KV, JNV) के लिए केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा - CTET) का आयोजन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा किया जाता है।

92. (B) केवल I और II
आरटीई अधिनियम की धारा 13 प्रति व्यक्ति शुल्क और स्क्रीनिंग प्रक्रिया पर रोक लगाती है तथा धारा 17 शारीरिक दंड पर प्रतिबंध लगाती है। हालांकि, रोकने (Detention) और निष्कासन पर रोक संबंधी प्रावधान धारा 16 में वर्णित हैं, न कि धारा 28 में (धारा 28 निजी ट्यूशन से संबंधित है)। अतः केवल युग्म I और II सही सुमेलित हैं।

93. (B) नहीं, मौद्रिक लाभ के बिना विद्यालय द्वारा संस्थागत उपचारात्मक शिक्षण शिक्षक कर्तव्य का हिस्सा है, निजी ट्यूशन नहीं।
आरटीई की धारा 28 शिक्षकों द्वारा व्यावसायिक या व्यक्तिगत लाभ के लिए 'निजी ट्यूशन' को प्रतिबंधित करती है। यदि विद्यालय प्रबंधन किसी मौद्रिक शुल्क के बिना संस्थागत स्तर पर कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं (Remedial Classes) आयोजित करता है, तो यह शिक्षक के धारा 24 में उल्लिखित शैक्षणिक कर्तव्यों का हिस्सा है, धारा 28 का उल्लंघन नहीं।

94. (B) प्रत्येक विद्यालय में एक पुस्तकालय होगा जो कहानी-पुस्तकों सहित सभी विषयों पर समाचार पत्र, पत्रिकाओं और पुस्तकें प्रदान करेगा।
आरटीई अधिनियम की अनुसूची में बुनियादी ढांचे के मानदण्डों के तहत यह स्पष्ट रूप से अनिवार्य किया गया है कि प्रत्येक विद्यालय में एक सुसज्जित पुस्तकालय (Library) होना चाहिए। इस पुस्तकालय में छात्रों के पढ़ने के लिए समाचार पत्र, पत्रिकाएं तथा कहानी-पुस्तकों सहित विभिन्न विषयों पर उपयुक्त पुस्तकें उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

95. (B) खेल सामग्री, खेल और खेल उपकरण आवश्यकतानुसार प्रत्येक कक्षा को प्रदान किए जाएंगे।
आरटीई अधिनियम की अनुसूची (Schedule) में निहित मानदण्डों के अनुसार प्रत्येक विद्यालय के लिए खेल के मैदान के साथ-साथ आवश्यक खेल सामग्री, खेल और खेल उपकरण (Play Equipment) प्रत्येक कक्षा या समूह की आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराया जाना एक अनिवार्य बुनियादी ढांचागत मानक है, जिससे बच्चों का शारीरिक विकास हो सके।

NODIA

96. (B) तीन वर्ष
आरटीई अधिनियम की धारा 19(2) के अनुसार, यदि अधिनियम के प्रारंभ होने की तिथि पर कोई पूर्व स्थापित विद्यालय अनुसूची में उल्लिखित बुनियादी ढांचे के मानदण्डों और मानकों को पूरा नहीं करता था, तो उस विद्यालय प्रबंधन को तीन वर्ष (Three Years) की समय सीमा के भीतर उन सभी मानकों को पूरा करने का निर्देश दिया गया था।

97. (B) निर्धारित प्राधिकारी द्वारा मान्यता वापस लेना (मान्यता वापस लेना)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 19(3) के अनुसार, यदि कोई मान्यता प्राप्त विद्यालय अधिनियम लागू होने के तीन वर्ष के भीतर अनुसूची में निर्दिष्ट बुनियादी ढांचे के मानदण्डों को पूरा करने में विफल रहता है, तो निर्धारित प्राधिकारी लिखित आदेश द्वारा उस विद्यालय की मान्यता वापस (मान्यता वापस लेना) ले लेता है।

98. (B) केवल I, II और III
आरटीई अधिनियम की धारा 24 के अनुसार, शिक्षकों का वैधानिक कर्तव्य बच्चों की सीखने की क्षमता का आकलन करना, पाठ्यक्रम पूरा करना और अभिभावकों के साथ नियमित बैठकें कर बच्चे की प्रगति से अवगत कराना है। विद्यालय के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना (Fundraising) शिक्षकों का कर्तव्य नहीं है, यह सरकार व SMC का कार्य है।

99. (C) तीन वर्ष
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 25(1) के तहत यह वैधानिक प्रावधान किया गया था कि अधिनियम लागू होने की तिथि से तीन वर्ष (Three Years) की अवधि के भीतर समुचित सरकार और स्थानीय प्राधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि अनुसूची में निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात (PTR) प्रत्येक विद्यालय में पूरी तरह स्थापित और बनाए रखा जाए।

100. (D) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षकों की पदस्थापना में कोई ढांचागत असमानता बनाए रखना
आरटीई अधिनियम की धारा 25(2) शिक्षकों के असमान वितरण को रोकने का कड़ा निर्देश देती है। यह धारा समुचित सरकार को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों के बीच शिक्षकों की पदस्थापना (Posting) या तैनाती में किसी भी प्रकार का असंतुलन या ढांचागत असमानता बनाए रखने से स्पष्ट रूप से रोकती है, ताकि सभी बच्चों को समान शिक्षक सेवा मिले।

101. (B) 10 प्रतिशत
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 26 यह अनिवार्य करती है कि किसी भी नियुक्ति प्राधिकारी (Appointing Authority) के नियंत्रण वाले विद्यालय में शिक्षकों की कुल रिक्तियां (Teacher Vacancies) उस विद्यालय में स्वीकृत कुल पदों की संख्या (Total Sanctioned Strength) के 10 प्रतिशत (10 Percent) से अधिक नहीं होनी चाहिए।

102. (B) 4.5 घंटे
उच्च प्राथमिक स्तर के लिए आरटीई मानदण्डों के अनुसार प्रति वर्ष 220 कार्य दिवसों में 1000 शिक्षण घंटे अनिवार्य हैं। यदि हम 1000 घंटों को 220 कार्य दिवसों से विभाजित करते हैं, तो प्राचार्य/प्रधानाचार्य को यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यालय की दैनिक समय-सारणी में प्रतिदिन लगभग 4.5 घंटे (4.5 Hours) का प्रत्यक्ष शिक्षण समय आवंटित हो।

103. (C) धारा 34
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 34 विशेष रूप से राज्य सलाहकार परिषद (State Advisory Council - SAC) के गठन, संरचना और कार्यों से संबंधित है। यह परिषद राज्य स्तर पर अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार को आवश्यक परामर्श और सिफारिशें देने का कार्य करती है।

104. (B) राज्य में स्कूली शिक्षा विभाग के प्रभारी मंत्री
आरटीई अधिनियम की धारा 34(2) के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा गठित राज्य सलाहकार परिषद (State Advisory Council - SAC) का अध्यक्ष पदेन (Ex-officio) रूप से संबंधित राज्य में स्कूली शिक्षा विभाग के प्रभारी मंत्री (Minister-in-charge of School Education) होते हैं, जो परिषद की बैठकों और विचार-विमर्श की अध्यक्षता करते हैं।

105. (C) प्रत्येक महीने में एक बार
आरटीई नियमों के अंतर्गत विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) के सुचारु संचालन हेतु यह निर्धारित किया गया है कि SMC की नियमित बैठक कम से कम प्रत्येक महीने में एक बार (Once Every Month) अवश्य आयोजित होनी चाहिए, ताकि विद्यालय की दैनिक गतिविधियों, उपस्थिति और विकास कार्यों का सतत अनुश्रवण हो सके।

106. (B) कुल सदस्यों का एक-तिहाई
आरटीई नियमावली के अनुसार, विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) की किसी भी औपचारिक या आधिकारिक बैठक को वैध रूप से आयोजित करने और उसमें निर्णय पारित करने के लिए आवश्यक न्यूनतम उपस्थिति अर्थात कोरम (Quorum) समिति के कुल सदस्यों का कम से कम एक-तिहाई (One-third) होना वैधानिक रूप से अनिवार्य है।

107. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आरटीई नियमावली के अनुसार SMC द्वारा तैयार की जाने वाली विद्यालय विकास योजना (SDP) तीन वर्ष की अवधि के लिए बनाई जाने वाली एक रोलिंग योजना (Rolling Plan) होती है, जिसमें तीन अलग-अलग वार्षिक उप-योजनाएं सम्मिलित होती हैं। यह योजना प्रत्येक वर्ष समीक्षा और अद्यतन के अधीन होती है। अतः अभिकथन A और कारण R दोनों सही और सुसंगत हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

108. (D) शिक्षकों के व्यक्तिगत सेवा रिकॉर्ड (सेवा रिकॉर्ड) और गोपनीय प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (गोपनीय कार्य-निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट)
विद्यालय विकास योजना (SDP) में कक्षा-वार नामांकन अनुमान, अतिरिक्त शिक्षकों की आवश्यकता और भौतिक बुनियादी ढांचे का ब्यौरा शामिल होता है। परंतु शिक्षकों के व्यक्तिगत सेवा रिकॉर्ड या उनकी गोपनीय प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (CR) प्रशासनिक गोपनीय दस्तावेज होते हैं, जिन्हें SDP के प्रारूप में शामिल करना अनिवार्य नहीं है।

109. (A) बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के लिए किसी अन्य विद्यालय में स्थानांतरण (Transfer) मांगने का निरपेक्ष अधिकार है।
आरटीई अधिनियम की धारा 5(1) के तहत, यदि किसी बच्चे को एक राज्य से दूसरे राज्य में जाना पड़ता है या किसी कारणवश विद्यालय बदलना पड़ता है, तो उसे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के लिए किसी अन्य विद्यालय में स्थानांतरण (Transfer) मांगने का निरपेक्ष और अबाध अधिकार प्राप्त है।

110. (B) स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 5(2) के अनुसार, जब कोई बच्चा किसी अन्य विद्यालय में जाने के लिए स्थानांतरण का अनुरोध करता है, तो जिस विद्यालय में वह पढ़ रहा था, उसका प्रधान शिक्षक या प्रभारी अधिकारी बिना किसी विलंब के तुरंत आधिकारिक 'स्थानांतरण प्रमाण पत्र' (Transfer Certificate - TC) जारी करेगा।

111. (B) देरी नए विद्यालय में प्रवेश में देरी करने या इनकार करने का आधार नहीं होगी।
आरटीई अधिनियम की धारा 5(3) में यह स्पष्ट प्रावधान है कि यदि मूल विद्यालय का प्रधानाध्यापक स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) जारी करने में विलंब करता है, तो इस देरी के आधार पर नए विद्यालय में बच्चे को प्रवेश देने से इनकार नहीं किया जाएगा और न ही उसके प्रवेश में कोई देरी की जाएगी।

112. (A) केवल I और II
आरटीई अधिनियम की धारा 13 प्रवेश के समय बच्चों की लिखित/मौखिक परीक्षाओं और अभिभावकों के साक्षात्कारों (Screening Procedures) को सख्ती से प्रतिबंधित करती है। परंतु आयु निर्धारित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या अन्य दस्तावेजों का आधिकारिक सत्यापन एक वैध प्रशासनिक प्रक्रिया है, इसे स्क्रीनिंग प्रक्रिया नहीं माना जाता। अतः कथन I और II सही हैं।

113. (D) यादृच्छिक चयन विधि (जैसे, लॉटरी) (Random Selection Method - Lottery)
आरटीई दिशानिर्देशों के अनुसार, निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में 25% EWS/DG कोटे की सीटों पर यदि प्राप्त आवेदनों की संख्या उपलब्ध सीटों से अधिक होती है, तो किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकने के लिए निष्पक्ष पारदर्शी 'यादृच्छिक चयन विधि' अर्थात खुली लॉटरी प्रणाली (Random Lottery System) का उपयोग अनिवार्य है।

114. (B) एक बच्चा जिसके माता-पिता या अभिभावक की आय समुचित सरकार द्वारा निर्दिष्ट सीमा से कम है
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 2(e) के अनुसार 'कमजोर वर्ग' (Weaker Section) के बच्चे का तात्पर्य ऐसे बच्चे से है, जिसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक की वार्षिक आय समुचित सरकार (Appropriate Government) द्वारा अधिसूचना के माध्यम से निर्दिष्ट की गई न्यूनतम आय सीमा से कम होती है।

115. (B) सामाजिक, सांस्कृतिक, या आर्थिक कारणों से पिछड़े सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या समूह
आरटीई अधिनियम की धारा 2(d) के अनुसार 'वंचित समूह' (Disadvantaged Group) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के बच्चों के अलावा सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, भाषाई या आर्थिक कारणों से पिछड़े सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों (OBC) या समूहों के बच्चों को शामिल किया जाता है।

116. (A) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council of Educational Research and Training - NCERT)
आरटीई अधिनियम की धारा 29 के तहत केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) को केंद्रीय शैक्षणिक प्राधिकारी के रूप में अधिसूचित किया है। इसलिए, सीबीएसई (CBSE) से सम्बद्ध विद्यालयों के लिए प्रारंभिक स्तर पर शैक्षणिक पाठ्यक्रम और मूल्यांकन नीतियां निर्धारित करने की जिम्मेदारी NCERT की है।

117. (C) शिक्षा का माध्यम, जहाँ तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा (Mother Tongue) में होना चाहिए।
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 29(2)(f) स्पष्ट रूप से यह निर्देश देती है कि प्रारंभिक स्तर पर शिक्षा का माध्यम (Medium of Instruction), जहाँ तक व्यावहारिक रूप से संभव हो, बच्चे की अपनी 'मातृभाषा' (Mother Tongue) या क्षेत्रीय भाषा में होना चाहिए, ताकि बच्चा सहजता से अवधारणाओं को समझ सके।

118. (A) बाल-अनुकूल और बाल-केंद्रित तरीके से गतिविधियों, खोज और अन्वेषण के माध्यम से सीखना
जब कोई शिक्षक गतिविधियों या अन्वेषण के बजाय केवल नोट्स बोलकर लिखाता है और रटने पर बल देता है, तो वह आरटीई की धारा 29(2)(e) के मूल सिद्धांत का उल्लंघन करता है। यह धारा गतिविधियों (Activities), खोज (Discovery) और अन्वेषण के माध्यम से बाल-केंद्रित शिक्षण प्रक्रिया को अनिवार्य मानती है।

NODIA

119. (B) बच्चे की समग्र वृद्धि और विकास के शैक्षणिक (Scholastic) और सह-शैक्षणिक (Co-scholastic) दोनों क्षेत्रों का आकलन करना
आरटीई द्वारा अनिवार्य सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) में 'व्यापक' (Comprehensive) शब्द का तात्पर्य बच्चे के केवल किताबी ज्ञान का परीक्षण करना नहीं है, बल्कि उसके

व्यक्तित्व के विकास से जुड़े शैक्षणिक (Scholastic) और सह-शैक्षणिक (Co-scholastic) दोनों क्षेत्रों की वृद्धि और दक्षताओं का समग्र आकलन करना है।

120. (C) तीन घंटे की लंबी, उच्च जोखिम वाली लिखित परीक्षा (Written Examination)
आरटीई अधिनियम बाल-अनुकूल और तनावमुक्त मूल्यांकन की वकालत करता है। CCE के अंतर्गत अवलोकन, पोर्टफोलियो और उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड जैसे तरीके मान्य हैं। परंतु प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए तीन घंटे की औपचारिक, तनावपूर्ण एवं उच्च जोखिम वाली लिखित परीक्षा (Written Exam) आयोजित करना आरटीई के सिद्धांतों के पूरी तरह प्रतिकूल और अमान्य है।

121. (B) ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System)
आरटीई अधिनियम के तहत बच्चों को अंकों की अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा, भय और हीन भावना से बचाने के लिए पारंपरिक अंक-आधारित प्रणाली के स्थान पर प्रत्यक्ष 'ग्रेडिंग प्रणाली' (Grading System) को अपनाया गया। इसके माध्यम से सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के आधार पर छात्रों की प्रगति को ग्रेड्स के रूप में दर्शाया जाता है।

122. (B) समझाएं कि आरटीई प्रतिस्पर्धी रैंकिंग के बजाय निरंतर प्रगति पर केंद्रित भय-मुक्त मूल्यांकन ढांचे का जनादेश देता है।
आरटीई अधिनियम, 2009 प्रतिस्पर्धात्मक रैंकिंग और सार्वजनिक अंकों के प्रदर्शन को हतोत्साहित करता है। अभिभावक द्वारा अंकतालिका और रैंक मांगने पर प्राचार्या/प्रधानाचार्य का कर्तव्य है कि वे समझाएं कि कानून के अनुसार CCE ढांचा बच्चों को भयभीत किए बिना उनकी व्यक्तिगत सीखने की प्रगति और ग्रेड्स पर ध्यान केंद्रित करता है।

123. (B) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
आरटीई अधिनियम के मानदण्डों और बुनियादी ढांचे को पूरा करने हेतु राज्यों को वित्तीय व ढांचागत सहायता प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में 'समग्र शिक्षा' (Samagra Shiksha) की शुरुआत की। इसमें पूर्ववर्ती सर्व शिक्षा अभियान (SSA), RMSA और शिक्षक शिक्षा योजनाओं को एकीकृत किया गया है।

124. (B) पीएम पोषण (PM POSHAN - पूर्व में मध्याह्न भोजन योजना)
आरटीई अधिनियम की अनुसूची में उल्लिखित रसोईघर और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था वर्तमान में केंद्र प्रायोजित 'पीएम पोषण' (PM POSHAN - प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण) योजना के तहत संचालित की जाती है। पूर्व में इसे मध्याह्न भोजन योजना (Mid-Day Meal Scheme) के नाम से जाना जाता था।

125. (B) इसमें 'वंचित समूह' के तहत गंभीर रूप से विकलांग बच्चों को शामिल किया गया और गृह-आधारित शिक्षा (Home-based Education) का विकल्प प्रदान किया गया।
आरटीई (संशोधन) अधिनियम, 2012 के माध्यम से विकलांग बच्चों के अधिकारों को मजबूती दी गई। इसमें गंभीर या बहु-विकलांगता (Severe Disabilities) से ग्रसित बच्चों को वंचित समूह के तहत शामिल किया गया और ऐसे बच्चों के लिए मुख्यधारा विद्यालय के साथ-साथ 'गृह-आधारित शिक्षा' (Home-based Education) का कानूनी विकल्प प्रदान किया गया।

126. (C) बच्चे की शारीरिक या मानसिक स्थिति पड़ोस के विद्यालय में भाग लेना व्यावहारिक रूप से असंभव बनाती है
2012 के आरटीई संशोधन के तहत गंभीर या बहु-विकलांगता से ग्रसित बच्चों के लिए 'गृह-आधारित शिक्षा' का विकल्प केवल तब लागू होता है, जब बच्चे की गंभीर शारीरिक या मानसिक स्थिति ऐसी हो कि उसके लिए पड़ोस के नियमित विद्यालय में जाकर कक्षा में उपस्थित होना व्यावहारिक रूप से असंभव हो।

127. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आरटीई अधिनियम की धारा 1(4) और 1(5) (2012 संशोधन द्वारा स्पष्ट) के अनुसार मदरसे, वैदिक पाठशालाएं और मुख्य रूप से धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान इस अधिनियम के दायरे से बाहर हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने निर्णयों में इसे सही ठहराया है। अतः दिए गए अभिकथन A और कारण R दोनों पूरी तरह सत्य हैं।

128. (C) बच्चे की सामाजिक पृष्ठभूमि या संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करना
आरटीई अधिनियम की धारा 17 के तहत 'मानसिक उत्पीड़न' (Mental Harassment) में किसी बच्चे की सामाजिक पृष्ठभूमि, जाति, आर्थिक स्थिति या उसकी सीखने की क्षमता पर शिक्षक या प्रबंधन द्वारा कोई भी अपमानजनक, भेदभावपूर्ण, उपहासपूर्ण या हतोत्साहित करने वाली टिप्पणी करना शामिल है, जिससे बच्चे के स्वाभिमान को चोट पहुँचे।

129. (B) सिविल प्रक्रिया संहिता (Code of Civil Procedure - CPC) के तहत मुकदमे की सुनवाई करने वाली सिविल अदालत (Civil Court)
राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) अधिनियम, 2005 और आरटीई अधिनियम की धारा 31 के तहत, बाल अधिकारों के उल्लंघन की जांच करते समय आयोग को सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत किसी सिविल अदालत (Civil Court) की सभी शक्तियां (जैसे समन भेजना, साक्ष्य मांगना) प्राप्त होती हैं।

130. (B) 25% EWS आरक्षण का जनादेश अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों (सहायता प्राप्त या गैर-सहायता प्राप्त) पर लागू नहीं होता है।
वर्ष 2014 के प्रमति एजुकेशनल ट्रस्ट मामले में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने फैसला दिया कि आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(c) के तहत 25% EWS आरक्षण का नियम संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत संरक्षित अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों (सहायता प्राप्त व गैर-सहायता प्राप्त) पर लागू नहीं किया जा सकता।

Click Here to Buy book on Flipkart

131. (D) अनुच्छेद 30(1)
प्रमति एजुकेशनल ट्रस्ट मामले (2014) में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30(1) का हवाला दिया। यह अनुच्छेद धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रशासन करने का मौलिक अधिकार देता है। इसी के आधार पर उन्हें आरटीई के 25% कोटा से छूट दी गई।

132. (A) केवल I और II
आरटीई लागू करने के लिए राज्य धन की कमी का बहाना नहीं बना सकते। धारा 7 के तहत केंद्र सरकार अतिरिक्त संसाधनों के लिए वित्त आयोग को मामला संदर्भित करने के लिए बाध्य है। बुनियादी ढांचे के विकास का वित्तीय दायित्व केवल राज्यों का नहीं है, बल्कि केंद्र और राज्य दोनों का साझा दायित्व है। अतः केवल कथन I और II सही हैं।

133. (B) यदि रियायती दरों पर सार्वजनिक भूमि प्राप्त करने के कारण विद्यालय पहले से ही मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के दायित्व के तहत है।
आरटीई अधिनियम की धारा 12(2) के परंतुक (Proviso) के अनुसार, यदि किसी निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालय को सरकार से रियायती दरों पर भूमि या भवन प्राप्त हुआ है और वह उस शर्त के तहत मुफ्त शिक्षा देने के लिए पहले से बाध्य है, तो वह 25% EWS प्रवेशों के लिए अतिरिक्त पुनर्भुगतान का हकदार नहीं होगा।

134. (A) शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार (Directorate of Education, GNCTD)
दिल्ली आरटीई नियमों के अंतर्गत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में 25% EWS/DG कोटे के तहत नामांकित छात्रों के लिए वित्तीय पुनर्भुगतान (Reimbursement) के दावों का सत्यापन, प्रसंस्करण और कोष जारी करने का कार्य सीधे शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार (Directorate of Education, GNCTD) द्वारा किया जाता है।

135. (A) केवल शिक्षण गतिविधियां, परीक्षाएं और संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम
आरटीई मानदण्डों के अनुसार, अनुसूची में निर्धारित न्यूनतम 'कार्य दिवसों' (Working Days - प्राथमिक के लिए 200 दिन, उच्च प्राथमिक के लिए 220 दिन) का तात्पर्य उन दिनों से है जिन दिनों प्रत्यक्ष शिक्षण गतिविधियां, शैक्षणिक मूल्यांकन, परीक्षाएं और अनिवार्य विद्यालयी कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

136. (D) 4 शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक
आरटीई अनुसूची के अनुसार, उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा VI-VIII) में 35:1 का PTR होता है। 110 छात्रों के लिए कम से कम 4 विषय शिक्षकों का होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, कानून यह प्रावधान करता है कि 100 से अधिक छात्र नामांकन होने पर एक पूर्णकालिक प्रधान शिक्षक (Head Teacher) का होना अनिवार्य है।

137. (B) दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचित अनाथ, transgender बच्चा, या विशेष आवश्यकता वाला बच्चा
दिल्ली आरटीई नियमावली के विशेष प्रावधानों के अनुसार, अनुसूचित जाति/जनजाति के अलावा दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचित अनाथ बच्चे (Orphans), ट्रांसजेंडर बच्चे और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) को स्पष्ट रूप से 'वंचित समूह' (Disadvantaged Group - DG) की श्रेणी के तहत नामांकित और वर्गीकृत किया गया है।

138. (B) केवल I, II और III
आरटीई अधिनियम की धारा 13 प्रवेश के समय बच्चों की परीक्षा (I), अभिभावकों की योग्यता मांगना (II) और साक्षात्कार (III) जैसी सभी स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं को सख्त मना करती है। हालांकि, सीटें अधिक होने पर पारदर्शी यादृच्छिक लॉटरी निकालना (IV) कानूनन अनिवार्य और अनुमत विधि है। अतः कथन I, II और III प्रतिबंधित हैं।

139. (B) ₹25,000
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 13(2)(b) के प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई विद्यालय प्रवेश देते समय किसी बच्चे या उसके माता-पिता का साक्षात्कार लेता है या कोई स्क्रीनिंग प्रक्रिया अपनाता है, तो प्रथम उल्लंघन (First Contravention) के लिए उस विद्यालय पर ₹25,000 का वित्तीय जुर्माना लगाया जाता है।

140. (B) प्रत्येक बाद के उल्लंघन के लिए ₹50,000
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 13(2)(b) के अनुसार, यदि कोई विद्यालय प्रथम बार जुर्माना लगने के बावजूद दोबारा (बाद के उल्लंघनों में) बच्चों या माता-पिता का साक्षात्कार या स्क्रीनिंग प्रक्रिया आयोजित करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर प्रत्येक बाद के उल्लंघन के लिए ₹50,000 का जुर्माना लगाया जाता है।

141. (D) उपर्युक्त सभी
आरटीई अधिनियम की धारा 14 और उससे सम्बद्ध राज्य नियमों के अनुसार, बच्चे में प्रवेश के समय जन्म प्रमाण पत्र न होने पर एएनएम (ANM) रजिस्टर का ब्यौरा, आंगनवाड़ी का आधिकारिक रिकॉर्ड या माता-पिता द्वारा दी गई लिखित स्व-घोषणा (Declaration) ये सभी कानूनी रूप से पूर्णतः मान्य दस्तावेज माने जाते हैं।

142. (A) नहीं, किसी बच्चे को प्रवेश देने से मना नहीं किया जा सकता, भले ही प्रवेश विस्तारित अवधि के बाद मांगा गया हो।
आरटीई अधिनियम की धारा 15 के अनुसार, सत्र के मध्य में या विस्तारित प्रवेश तिथि बीत जाने के बाद भी किसी भी बच्चे को विद्यालय में प्रवेश देने से मना नहीं किया जा सकता है। प्राचार्या/प्रधानाचार्य का यह वैधानिक दायित्व है कि वे बच्चे को प्रवेश दें और छूटे हुए पाठ्यक्रम हेतु विशेष सहायता दें।

143. (A) विद्यालय के प्रधान शिक्षक (Head Teacher)
आरटीई नियमावली के अनुसार, आयु-उपयुक्त कक्षाओं में नामांकित विद्यालय से बाहर रहे (Out-of-school) बच्चों को

NODIA

दिए जाने वाले विशेष प्रशिक्षण की प्रभावशीलता की निगरानी करने तथा प्रशिक्षण पूरा होने के पश्चात बच्चे को नियमित कक्षा में सफलतापूर्वक एकीकृत करने की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी विद्यालय के प्रधान शिक्षक (Head Teacher) की होती है।

144. (C) विभेदित निर्देश और उपचारात्मक शिक्षण (Differentiated Instruction and Remedial Teaching)
आरटीई अधिनियम की धारा 24 में शिक्षक द्वारा प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत सीखने की क्षमता का आकलन करने और तदनुसार निर्देश देने का दायित्व आधुनिक शिक्षणशास्त्र के 'विभेदित निर्देश' (Differentiated Instruction) और आवश्यकतानुसार पूरक 'उपचारात्मक शिक्षण' (Remedial Teaching) की अवधारणा का प्रत्यक्ष समर्थन करता है।

145. (A) माता-पिता को बच्चे की उपस्थिति, क्षमता और सीखने में प्रगति के बारे में सूचित करना
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 24(1)(e) के अंतर्गत शिक्षकों और अभिभावकों के बीच नियमित बैठकों (PTM) का प्राथमिक वैधानिक उद्देश्य माता-पिता को बच्चे की विद्यालय में उपस्थिति, उसकी व्यक्तिगत अधिगम क्षमता, रुचि तथा शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक प्रगति के विषय में निरंतर सूचित और जागरूक रखना है।

146. (B) समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha)
आरटीई अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने और पूर्व-प्राथमिक से 12वीं कक्षा तक स्कूली शिक्षा को एकीकृत करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 में 'समग्र शिक्षा' (Samagra Shiksha) योजना की शुरुआत की गई, जिसने सर्व शिक्षा अभियान का स्थान लिया।

147. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आरटीई की धारा 28 शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है। इसका मुख्य कारण यह है कि निजी ट्यूशन से शिक्षकों के वैधानिक कर्तव्यों में उपेक्षा आती है, हितों का टकराव पैदा होता है और औपचारिक शिक्षा का अनैतिक व्यावसायीकरण होता है। अतः दिए गए अभिकथन A और कारण R दोनों पूर्णतः सही और तर्कसंगत हैं।

148. (C) अधिनियम से केवल एक ही अनुसूची संलग्न है
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के मुख्य पाठ के अंत में पृथक रूप से केवल एक ही अनुसूची (Schedule) संलग्न की गई है। इस एकमात्र अनुसूची में विद्यालयों के संचालन हेतु आवश्यक मानदण्डों और मानकों (Norms and Standards) का विस्तृत उल्लेख किया गया है।

149. (B) एक कार्यालय-सह-भंडार-सह-प्रधान शिक्षक का कमरा
आरटीई अधिनियम की अनुसूची में निर्दिष्ट बुनियादी ढांचे के मानकों के अनुसार, प्रत्येक प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के लिए अनिवार्य रूप से एक सर्व-मौसम भवन में 'एक कार्यालय-सह-भंडार-सह-प्रधान शिक्षक का कमरा' (Office-cum-Store-cum-Head Teacher's Room) होना वैधानिक रूप से आवश्यक है।

150. (A) प्रत्येक शिक्षक के लिए कम से कम एक कक्षा
आरटीई अधिनियम की अनुसूची में विद्यालय भवन के भौतिक मानदण्डों के अंतर्गत यह स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है कि एक बारहमासी (All-weather) भवन में प्रत्येक पदस्थ शिक्षक के लिए कम से कम एक अलग कक्षा (At least one classroom for every teacher) का होना अनिवार्य है।

151. (B) विकलांग बच्चों के लिए रैंप, हैंडरेल और सुलभ शौचालय
आरटीई अधिनियम के अंतर्गत 'बाधा-मुक्त पहुँच' (Barrier-free Access) का प्राथमिक बुनियादी ढांचागत अर्थ यह है कि विद्यालय भवन में विशेष आवश्यकता वाले या विकलांग बच्चों (CWSN) के आवागमन के लिए रैंप (Ramp), हैंडरेल, बाधा-रहित प्रवेश द्वार तथा उनके अनुकूल सुलभ शौचालयों का अनिवार्य निर्माण किया जाए।

NODIA

152. (B) केवल I और II
आरटीई अधिनियम की धारा 21 के अनुसार, SMC के प्राथमिक कार्यों में विद्यालय के संचालन का अनुश्रवण (Monitoring) करना और सरकार से प्राप्त अनुदानों के उपयोग की देखरेख करना शामिल है। हालांकि, प्रधान शिक्षक या शिक्षकों की नियुक्ति करना SMC का कार्य नहीं है, यह कार्य राज्य के नियुक्ति प्राधिकारी का है। अतः केवल कथन I और II सही हैं।

153. (B) दो वर्ष
आरटीई अधिनियम के तहत निर्मित विभिन्न राज्य आरटीई नियमावलियों (RTE Rules) के प्रावधानों के अनुसार, विद्यालयों में गठित की जाने वाली 'विद्यालय प्रबंधन समिति' (School Management Committee - SMC) का सामान्य निर्धारित कार्यकाल (Tenure) दो वर्ष (Two Years) होता है, जिसके पश्चात पुनर्गठन किया जाता है।

154. (C) वे SMC के सदस्य नहीं रहते हैं।
आरटीई नियमों के अनुसार, SMC में 75% सदस्य अभिभावक होते हैं। यदि किसी अभिभावक सदस्य का बच्चा अपनी पढ़ाई पूरी करके या किसी अन्य कारण से विद्यालय छोड़ देता है, तो वह अभिभावक विद्यालय से सम्बद्ध न रहने के कारण तत्काल प्रभाव से SMC का सदस्य नहीं रहता है और उसका पद रिक्त मान लिया जाता है।

155. (D) वसूले गए कैपिटेशन शुल्क का दस गुना तक (यानी ₹50,000)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 13(2)(a) के अनुसार, यदि कोई विद्यालय प्रवेश के बदले कोई कैपिटेशन शुल्क वसूल करता है, तो उस पर वसूले गए कैपिटेशन शुल्क के दस गुना तक (Up to 10 times) का जुर्माना लगाया जा सकता है। ₹5,000 शुल्क की स्थिति में अधिकतम जुर्माना ₹50,000 होगा।

156. (A) SMC के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष और संयोजक (प्रधान शिक्षक)
आरटीई अधिनियम की धारा 22 के तहत SMC द्वारा तैयार की गई 'विद्यालय विकास योजना' (SDP) एक वैधानिक प्रशासनिक दस्तावेज है। इस योजना को अंतिम रूप देकर सत्यापित करने हेतु SMC के निर्वाचित अध्यक्ष या उपाध्यक्ष और समिति के सदस्य-संयोजक (जो विद्यालय के प्रधान शिक्षक होते हैं) के आधिकारिक हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।

157. (C) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (National Commission for Protection of Child Rights - NCPCR)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 31 के प्रावधानों के तहत राष्ट्रीय स्तर पर बाल अधिकारों की सुरक्षा, अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी और शिकायतों के निवारण की सर्वोच्च वैधानिक जिम्मेदारी 'राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग' (NCPCR) को सौंपी गई है।

158. (C) हाँ, धारा 31 SCPCR को शारीरिक दंड और उत्पीड़न सहित बाल अधिकारों के उल्लंघन की जांच करने का अधिकार देती है।
आरटीई अधिनियम की धारा 31 राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (SCPCR) को किसी भी विद्यालय (सरकारी या निजी) में बच्चे के अधिकारों के हनन, शारीरिक दंड (Physical Punishment) या मानसिक उत्पीड़न की शिकायतों पर स्वतः संज्ञान लेने या प्राप्त याचिका की जांच करने का पूर्ण वैधानिक क्षेत्राधिकार प्रदान करती है।

159. (D) समुचित सरकार (Appropriate Government) पर
आरटीई अधिनियम की धारा 8 के अनुसार 'अनिवार्य शिक्षा' के तहत प्रत्येक 6-14 वर्ष के बच्चे का विद्यालय में अनिवार्य प्रवेश, नियमित उपस्थिति और प्राथमिक शिक्षा को पूरा कराना किसी दंड या दबाव के बिना 'समुचित सरकार' (Appropriate Government) और स्थानीय प्राधिकारी का प्रत्यक्ष कानूनी उत्तरदायित्व है।

160. (A) संविधान में निहित मूल्यों के अनुरूपता (Conformity with Constitutional Values)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 29(2)(a) स्पष्ट रूप से यह अनिवार्य करती है कि प्राथमिक शिक्षा का पाठ्यक्रम निर्धारित करते समय भारत के 'संविधान में निहित मूल्यों की अनुरूपता' (Conformity with Constitutional Values) को सर्वोपरि मार्गदर्शक आधार बनाया जाएगा।

161. (B) 6 से 14 वर्ष
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 2(c) के अंतर्गत 'बालक/बालिका' (Child) शब्द का तात्पर्य 6 से 14 वर्ष की आयु के ऐसे किसी भी बालक या बालिका से है, जो प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने का वैधानिक हकदार है।

162. (D) सुनिश्चित करें कि उन्हें आयु-उपयुक्त कक्षाओं में प्रवेश दिया जाए और अनिवार्य विशेष प्रशिक्षण (Special Training) प्रदान किया जाए।
आरटीई अधिनियम की धारा 4 के अनुसार, कभी विद्यालय न गए 10-12 वर्ष के बच्चों को सीधे उनकी आयु के अनुरूप कक्षाओं में नामांकित करना प्राचार्या/प्रधानाचार्य का कर्तव्य है। इसके साथ ही, उन्हें कक्षा के स्तर के समकक्ष लाने हेतु विद्यालय में अनिवार्य विशेष प्रशिक्षण (Special Training) की व्यवस्था की जानी चाहिए।

163. (C) 220 दिन
आरटीई अधिनियम, 2009 की अनुसूची में निर्धारित मानदण्डों के अनुसार उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा VI से VIII) के विद्यालयों के लिए एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 220 कार्य दिवस (220 Working Days) का संचालन होना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

164. (C) 50%
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 21(1) के परंतुक (Proviso) के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कुल सदस्यों में से कम से कम 50 प्रतिशत (50%) सदस्य महिलाएं होना वैधानिक रूप से अनिवार्य है।

165. (A) केंद्र सरकार (Central Government)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 35(1) के तहत केंद्र सरकार (Central Government) के पास यह वैधानिक अधिकार निहित है कि वह इस अधिनियम के प्रावधानों के समुचित कार्यान्वयन हेतु राज्य सरकारों और स्थानीय प्राधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश और बाध्यकारी निर्देश जारी कर सकती है।

166. (B) हाँ, संशोधन निर्दिष्ट करता है कि समुचित सरकार रोकने (Detention) की अनुमति 'दे सकती है', जिससे विकल्प राज्य पर छोड़ दिया जाता है।
2019 का आरटीई संशोधन कानून में यह उल्लेख करता है कि समुचित सरकार पुनः परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर छात्र को रोकने (Detain) की अनुमति 'दे सकती है' (May allow)। यह प्रावधान राज्यों को अधिकार देता है, परंतु रोकने को अनिवार्य नहीं बनाता, जिससे राज्य नो-डिटेंशन जारी रखने का निर्णय ले सकते हैं।

167. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आरटीई अधिनियम की धारा 16 स्पष्ट करती है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी बच्चे को विद्यालय से निष्कासित (Expel) नहीं किया जाएगा। निष्कासन से बच्चा शिक्षा से वंचित हो जाएगा, जो कि 6-14 वर्ष के बच्चों के सार्वभौमिक नामांकन और ठहराव के मौलिक अधिकार के विपरीत है। अतः अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

168. (A) उन्हें पांच साल की अवधि के भीतर न्यूनतम योग्यताएं हासिल करनी होंगी।
आरटीई अधिनियम की मूल धारा 23(2) के परंतुक के अनुसार, यदि अधिनियम के प्रारंभ में किसी शिक्षक के पास NCTE द्वारा निर्धारित न्यूनतम व्यावसायिक योग्यता नहीं थी, तो उसके लिए यह अनिवार्य किया गया था कि वह पांच वर्ष की अवधि के भीतर आवश्यक न्यूनतम योग्यताएं अवश्य प्राप्त कर ले।

169. (B) 31 मार्च 2019
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2017 द्वारा धारा 23(2) में संशोधन करके देश भर के सभी अप्रशिक्षित सेवारत शिक्षकों (Untrained In-service Teachers) के लिए न्यूनतम व्यावसायिक योग्यताएं (जैसे D.El.Ed.) प्राप्त करने की अंतिम समय सीमा 31 मार्च 2019 निर्धारित की गई थी।

170. (B) स्वयं (SWAYAM) पोर्टल (एनआईओएस D.El. Ed. कार्यक्रम) [SWAYAM Portal - NIOS D.El.Ed. Programme]
आरटीई 2017 संशोधन के तहत 31 मार्च 2019 की समय सीमा तक लगभग 15 लाख अप्रशिक्षित सेवारत शिक्षकों को प्रशिक्षित करने हेतु केंद्र सरकार ने स्वयं (SWAYAM) डिजिटल पोर्टल और एनआईओएस (NIOS) के माध्यम से एक विशेष D.El.Ed. दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम संचालित किया था।

171. (C) तीन वर्ष
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 25(1) के अनुसार, अधिनियम लागू होने के समय यदि कोई पूर्व स्थापित विद्यालय अनुसूची में उल्लिखित छात्र-शिक्षक अनुपात (PTR) को पूरा नहीं करता था, तो सरकार व विद्यालय को तीन वर्ष (Three Years) के भीतर इस अनुपात को हासिल करने की समय सीमा दी गई थी।

172. (B) केवल I और III
आरटीई अधिनियम की धारा 9 के तहत स्थानीय प्राधिकारी के कर्तव्यों में प्रवासी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना तथा विद्यालय भवन व बुनियादी ढांचा प्रदान करना शामिल है। हालांकि, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण करना 'शैक्षणिक प्राधिकारी' (जैसे NCERT/SCERT) का कार्य है, न कि स्थानीय प्राधिकारी का। अतः केवल I और III सही हैं।

173. (B) अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन पर केंद्र सरकार को सलाह देने वाला विशेषज्ञों का एक वैधानिक निकाय
आरटीई अधिनियम की धारा 33 के तहत गठित 'राष्ट्रीय सलाहकार परिषद' (National Advisory Council - NAC) शिक्षाविदों और विशेषज्ञों का एक वैधानिक निकाय है, जिसका मुख्य कार्य केंद्र सरकार को अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में समय-समय पर परामर्श और सलाह देना है।

174. (A) किसी भी ऐसे वित्तीय अवरोध को हटाना जो किसी बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने से रोकता है
आरटीई अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत 'निःशुल्क' (Free) का तात्पर्य किसी भी ऐसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष वित्तीय प्रभार, शुल्क या व्यय को समाप्त करना है जो किसी बच्चे को प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश लेने, नियमित पढ़ने और प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने में बाधा पहुँचाता हो।

175. (B) आयु-उपयुक्त कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यालय से बाहर रहे बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण (Special Training)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 4 मुख्य रूप से उन बच्चों के अधिकारों को संबोधित करती है जो कभी विद्यालय नहीं गए या जिन्होंने बीच में पढ़ाई छोड़ दी थी। यह प्रावधान ऐसे बच्चों को उनकी आयु के अनुसार उचित कक्षा में प्रवेश देने और उनके लिए 'विशेष प्रशिक्षण' (Special Training) आयोजित करने का निर्देश देता है।

NODIA

176. (D) विद्यालय की वित्तीय कैश बुक (Cash Book) का रखरखाव करना
आरटीई अधिनियम की धारा 24(1) के तहत शिक्षकों के वैधानिक कर्तव्यों में समयपालन, पाठ्यक्रम पूरा करना और सीखने का आकलन शामिल है। विद्यालय की वित्तीय कैश बुक (Cash Book) का रखरखाव करना प्रशासनिक व वित्तीय कार्य है, जो शिक्षक का निर्धारित वैधानिक कर्तव्य नहीं है।

177. (C) अनुमति देने से मना करें, क्योंकि धारा 28 स्पष्ट रूप से विद्यालय के शिक्षकों को निजी ट्यूशन गतिविधि में संलग्न होने से रोकती है।
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 28 स्पष्ट रूप से घोषणा करती है कि कोई भी शिक्षक निजी ट्यूशन या निजी शिक्षण गतिविधि में संलग्न नहीं होगा। इसलिए, प्राचार्या/प्रधानाचार्य को विद्यालय के बाद किसी भी प्रकार की सशुल्क निजी ट्यूशन की अनुमति देने से तुरंत मना कर देना चाहिए।

178. (B) केवल I, II और III
आरटीई अधिनियम की अनुसूची के अनुसार पृथक शौचालय, पेयजल और रसोईघर अनिवार्य बुनियादी ढांचागत आवश्यकताएं हैं। परंतु 500 क्षमता वाला सभागार (Auditorium) प्राथमिक विद्यालयों के लिए अनिवार्य मानदण्ड नहीं है। अतः केवल I, II और III वैधानिक रूप से अनिवार्य आवश्यकताएं हैं।

179. (C) पाँच शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक (Head Teacher)
आरटीई अनुसूची के अनुसार प्राथमिक विद्यालय में 121-150 नामांकन पर 5 शिक्षक होते हैं। परंतु यदि कुल नामांकन 150 से अधिक हो जाता है (यहाँ 180 है), तो 5 शिक्षकों के साथ एक अलग पूर्णकालिक प्रधान शिक्षक (Head Teacher) का होना वैधानिक रूप से अनिवार्य हो जाता है।

180. (B) 3 शिक्षक और 1 प्रधान शिक्षक
उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा VI-VIII) में आरटीई मानदण्डों के अनुसार 105 बच्चों के लिए 35:1 के PTR के आधार पर कम

से कम 3 विषय शिक्षक अनिवार्य हैं। इसके अतिरिक्त, चूँकि नामांकन 100 से अधिक है, इसलिए 1 पूर्णकालिक प्रधान शिक्षक (Head Teacher) का होना भी अनिवार्य है।

181. (C) समुचित सरकार (Appropriate Government)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 8(c) के अनुसार, यह सुनिश्चित करने का कानूनी दायित्व 'समुचित सरकार' (Appropriate Government) पर है कि कमजोर वर्ग और वंचित समूह से संबंधित किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव न हो और वह सफलता पूर्वक अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी कर सके।

182. (B) नहीं, धारा 12(1)(c) गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों को कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के 25% बच्चों को प्रवेश देने का जनादेश देती है।
गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालय का दावा पूरी तरह अमान्य है। आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(c) स्पष्ट रूप से यह जनादेश देती है कि गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों को भी प्रवेश स्तर की कक्षा में कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए कम से कम 25% सीटें आरक्षित करनी होंगी।

183. (D) राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (SCPCR)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 31 और 32 के तहत राज्य स्तर पर निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के उल्लंघन, बाल अधिकारों के हनन और शिकायतों की जांच व अनुश्रवण का कार्य 'राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग' (SCPCR) को कानूनी रूप से सौंपा गया है।

184. (A) शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ में या विस्तारित अवधि के भीतर, और उसके बाद भी, प्रवेश से इनकार नहीं किया जा सकता है।
आरटीई अधिनियम की धारा 15 में यह स्पष्ट कानूनी प्रावधान है कि किसी बच्चे को शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में या विस्तारित अवधि में प्रवेश दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, विस्तारित अवधि बीत जाने के बाद भी किसी भी बच्चे को विद्यालय में प्रवेश देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

185. (B) धारा 13
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 13 प्रवेश के समय किसी भी प्रकार के प्रति व्यक्ति शुल्क (Capitation Fee), दान या डोनेशन मांगने को सख्त अपराध मानती है। अतः विद्यालय द्वारा 'भवन कोष' के नाम पर दान मांगना धारा 13 का सीधा उल्लंघन है, जो दंडनीय है।

186. (A) अधिकार क्षेत्र रखने वाले स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority) को
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 32(1) के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति या बच्चे को अधिनियम के तहत अपने अधिकारों के संबंध में कोई शिकायत है, तो वह संबंधित क्षेत्र का प्रशासनिक नियंत्रण रखने वाले 'स्थानीय प्राधिकारी' (Local Authority) के समक्ष अपनी लिखित शिकायत दर्ज करा सकता है।

187. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आरटीई अधिनियम का अनिवार्य मौलिक अधिकार केवल 6-14 वर्ष के बच्चों पर लागू होता है। धारा 11 के तहत 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए पूर्व-विद्यालय शिक्षा का प्रावधान एक गैर-न्यायसंगत मार्गदर्शक निर्देश है, जिसे लागू करना सरकार के विवेक पर निर्भर है। अतः दिए गए अभिकथन A और कारण R दोनों सही हैं।

188. (B) स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate - TC)
आरटीई अधिनियम की धारा 5(3) स्पष्ट रूप से यह प्रावधान करती है कि स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) न होने या उसे प्रस्तुत करने में देरी होने के आधार पर किसी भी बच्चे को नए विद्यालय में प्रवेश देने से मना नहीं किया जाएगा। अतः TC प्रवेश के लिए पूर्व शर्त नहीं हो सकता।

189. (C) निर्दिष्ट श्रेणी और गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों (25% कोटा के तहत छोड़कर) को छोड़कर कोई भी अन्य विद्यालय
आरटीई अधिनियम की धारा 5(1) के तहत यदि कोई बच्चा अपने वर्तमान विद्यालय में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने में असमर्थ है, तो उसे गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों तथा निर्दिष्ट श्रेणी (जैसे KV/JNV) को छोड़कर किसी भी अन्य सरकारी या सहायता प्राप्त विद्यालय में स्थानांतरण मांगने का निरपेक्ष कानूनी अधिकार है।

190. (B) लागू सेवा नियमों (Service Rules) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई (Disciplinary Action)
आरटीई अधिनियम की धारा 5(2) के अनुसार, यदि कोई प्रधानाध्यापक किसी बच्चे को स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) तुरंत जारी करने में जानबूझकर विलंब करता है, तो इसे कर्तव्य का उल्लंघन माना जाएगा और उस प्रधानाध्यापक पर लागू सेवा नियमों (Service Rules) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

191. (A) विशेष रूप से तैनात शिक्षक या विद्यालय के शिक्षक
आरटीई नियमों के मानदण्डों के अनुसार, आयु-उपयुक्त कक्षाओं में नामांकित विद्यालय से बाहर रहे (Out-of-school) बच्चों को उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए दिया जाने वाला 'विशेष प्रशिक्षण' विद्यालय में पहले से कार्यरत शिक्षकों या सरकार द्वारा विशेष रूप से तैनात किए गए योग्य शिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाता है।

192. (A) केवल I और II
आरटीई अधिनियम की धारा 29(2) के अनुसार पाठ्यक्रम का उद्देश्य बच्चे का सर्वांगीण विकास करना और उसके ज्ञान व क्षमता का निर्माण करना है। धारा 30(1) के तहत कक्षा VIII तक कठोर प्रतिस्पर्धी या बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करना कानूनन वर्जित है। अतः केवल कथन I और II सही हैं।

193. (B) केंद्र सरकार (Central Government)
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 2(a)(i) के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा स्थापित, स्वामित्व वाले या नियंत्रित विद्यालयों (जैसे केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय) के मामले में

Click Here to Buy book on Amazon

'समुचित सरकार' (Appropriate Government) का कानूनी अर्थ केवल केंद्र सरकार (Central Government) से है।

194. (C) केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक (उपराज्यपाल / Lieutenant Governor)
आरटीई अधिनियम की धारा 2(a)(ii) के अनुसार, बिना विधानसभा वाले या दिल्ली जैसे केंद्र शासित प्रदेशों के क्षेत्र में स्थापित विद्यालयों के संदर्भ में 'समुचित सरकार' (Appropriate Government) का तात्पर्य उस केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक (Administrator) या उपराज्यपाल (Lieutenant Governor) से होता है।

195. (D) एक धार्मिक सेमीनरी (जैसे, गुरुकुल, मदरसा)
आरटीई अधिनियम की धारा 2(n) में विद्यालयों की चार श्रेणियां वर्णित हैं: सरकारी विद्यालय, सहायता प्राप्त विद्यालय, निर्दिष्ट श्रेणी विद्यालय (KV/JNV) और गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालय। धारा 1(4) के तहत धार्मिक सेमीनारियों (गुरुकुल/मदरसा) को इस वर्गीकरण और अधिनियम से स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है।

196. (B) समुचित सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप और तरीके से प्रमाण पत्र जारी करें।
आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 30(2) के अनुसार, जब कोई बच्चा कक्षा VIII (प्रारंभिक शिक्षा) सफलतापूर्वक पूरी कर लेता है, तो विद्यालय के प्राचार्या/प्रधानाचार्य का यह कानूनी कर्तव्य है कि वे समुचित सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करें।

197. (B) गुणवत्तापूर्ण शिक्षण परिणामों को सख्ती से सुनिश्चित करने के बजाय इनपुट मानदण्डों (बुनियादी ढांचा, PTR) पर
शिक्षाविदों द्वारा आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन की एक प्रमुख आलोचना यह की जाती है कि यह कानून भौतिक इनपुट मानदण्डों (जैसे भवन, शौचालय, PTR) पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करता है, जबकि बच्चों के वास्तविक शिक्षण परिणामों (Learning Outcomes) और शिक्षा की गुणवत्ता पर आनुपातिक बल नहीं दे पाता है।

198. (B) ₹15,000
आरटीई अधिनियम की धारा 12(2) के अनुसार, 25% EWS कोटे के तहत निजी विद्यालय को राज्य द्वारा वहन किए गए प्रति-बच्चा व्यय (Per-child Expenditure) या वास्तविक विद्यालय शुल्क में से जो भी कम हो, वही राशि पुनर्भुगतान के रूप में दी जाती है। अतः यहाँ कम राशि होने के कारण ₹15,000 का पुनर्भुगतान किया जाएगा।

199. (B) प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शिक्षकों की मनमानी संबद्धता और प्रतिनियुक्ति (Deputation)
आरटीई की धारा 25(2) शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों या अन्य कार्यालयों में अटैच करने से रोकती है। यह खंड मुख्य रूप से प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शिक्षकों की मनमानी प्रतिनियुक्ति (Deputation) या गैर-शिक्षण कार्यों में संबद्धता को रोकने के लिए शामिल किया गया था, जिससे कक्षाओं में शिक्षक की उपस्थिति बनी रहे।

200. (A) 3 से 18 वर्ष
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने वर्तमान आरटीई अधिनियम के 6-14 वर्ष के दायरे का विस्तार करते हुए संपूर्ण स्कूली शिक्षा प्रणाली को 3 से 18 वर्ष के आयु वर्ग (पूर्व-प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक) के सभी बच्चों को कवर करने के लिए कानूनी रुप से विस्तारित करने की सिफारिश की है।

www.nodia.in

NODIA

अध्याय 04
शिक्षा से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

1. भारत के उच्चतम न्यायालय (Supreme Court of India) ने यह व्याख्या करते हुए कि शिक्षा के बिना गरिमापूर्ण जीवन नहीं जिया जा सकता, शिक्षा के अधिकार (Right to Education) और जीवन के अधिकार (Right to Life) के बीच अंतर्निहित संबंध स्थापित किया। निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद (Article) इस मौलिक व्याख्या का प्राथमिक आधार बनता है?
   (A) अनुच्छेद 21 (Article 21)
   (B) अनुच्छेद 14 (Article 14)
   (C) अनुच्छेद 19 (Article 19)
   (D) अनुच्छेद 22 (Article 22)

2. अनुच्छेद 21A (Article 21A) के समावेश से पहले, शिक्षा के अधिकार (Right to Education) को मुख्य रूप से अनुच्छेद 21 (Article 21) के किस विशिष्ट वाक्यांश से निकाले गए एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार (Implicit Fundamental Right) के रूप में माना जाता था?
   (A) विधि के समक्ष समता (Equality before the law)
   (B) गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण (Protection against arrest and detention)
   (C) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (Protection of life and personal liberty)
   (D) वाक्-स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (Freedom of speech and expression)

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:
   अभिकथन (A) : शिक्षा के अधिकार (Right to Education) को अनुच्छेद 21 (Article 21) के तहत जीवन के अधिकार (Right to Life) का एक अंतर्निहित हिस्सा माना जाता है।
   कारण (R) : उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने लगातार यह माना है कि जीवन के अधिकार में केवल पशुवत अस्तित्व से अधिक शामिल है और इसमें मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार शामिल है, जिसके लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है।
   (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
   (B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
   (C) A सही है लेकिन R गलत है
   (D) A गलत है लेकिन R सही है

4. निम्नलिखित में से कौन सा ऐतिहासिक निर्णय (Landmark Judgment) पहला था जिसने स्पष्ट रूप से घोषित किया कि शिक्षा का अधिकार (Right to Education) अनुच्छेद 21 (Article 21) के तहत सीधे जीवन के अधिकार से निकलता है?
   (A) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (Kesavananda Bharati v. State of Kerala)
   (B) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ (Minerva Mills v. Union of India)
   (C) टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य (T.M.A. Pai Foundation v. State of Karnataka)
   (D) मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य (Mohini Jain v. State of Karnataka)

5. 2002 से पहले शैक्षिक अधिकारों (Educational Rights) को शामिल करने के लिए अनुच्छेद 21 (Article 21) के विस्तार के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
   (A) उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने अनुच्छेद 21 के दायरे का विस्तार करने के लिए राज्य के नीति निदेशक तत्वों (Directive Principles) को मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) में पढ़ा।
   (B) इस अधिकार की व्याख्या सभी नागरिकों के लिए उनकी आयु की परवाह किए बिना निरपेक्ष (Absolute) होने के रूप में की गई थी।
   (C) इसने राज्य (State) को अपनी आर्थिक क्षमता की सीमाओं के भीतर शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए बाध्य किया।
   (D) इस व्याख्या ने विशेष रूप से शिक्षा को लक्षित करने वाले आगामी संवैधानिक संशोधनों (Constitutional Amendments) का मार्ग प्रशस्त किया।

6. शिक्षा को अनुच्छेद 21 (Article 21) से जोड़ने के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   I. यह राज्य (State) को एक गरिमापूर्ण जीवन की पूर्व शर्त के रूप में शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बाध्य करता है।
   II. यह बिना किसी आयु सीमा के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर समान रूप से लागू होता है।
   III. इसने उन्नी कृष्णन निर्णय (Unni Krishnan Judgment) का दार्शनिक आधार बनाया।
   ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
   (A) केवल I और II

Downloaded from www.pdf.tube

(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

7. अनुच्छेद 21 (Article 21) के तहत शिक्षा का एक अंतर्निहित अधिकार से एक स्पष्ट मौलिक अधिकार (Explicit Fundamental Right) में परिवर्तन मुख्य रूप से किस कारण से आवश्यक हुआ था?
(A) राज्य के नीति निदेशक तत्वों (Directive Principles of State Policy) में सार्वभौमिक वैधानिक अधिनियमन को बाध्य करने के लिए न्यायिक प्रवर्तनीयता (Judicial Enforceability) का अभाव है।
(B) अनुच्छेद 21 को सभी उच्च शिक्षा शैक्षणिक स्तरों को शामिल करने वाले एक निरपेक्ष अधिकार प्रदान करने के रूप में माना जाता था।
(C) राज्य सरकारों ने समवर्ती सूची (Concurrent List) के तहत सूचीबद्ध सार्वजनिक शिक्षा परियोजनाओं को वित्तपोषित करने से लगातार इनकार कर दिया।
(D) कानून के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा (Primary Education) की गारंटी देने के लिए राज्य को बाध्य करने हेतु एक संवैधानिक जनादेश (Constitutional Mandate) की आवश्यकता थी।

8. 86वें संशोधन (86th Amendment) से पहले जब शिक्षा के अधिकार (Right to Education) को पूरी तरह से अनुच्छेद 21 (Article 21) के तहत पढ़ा जाता था, तो निम्नलिखित में से कौन सी सीमाएं मौजूद थीं?
(A) इसमें राज्य को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए बाध्य करने वाले आयु-विशिष्ट संवैधानिक जनादेश (Age-specific Constitutional Mandate) का अभाव था।
(B) इसके वैधानिक संरक्षण न्यायिक रूप से विशेष रूप से अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों (Minority Educational Institutions) तक सीमित थे।
(C) इसने गैर-सरकारी निजी संस्थानों (Non-governmental Private Institutions) को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने से कड़ाई से प्रतिबंधित किया।
(D) इसने राज्य अधिकारियों को स्थानीय स्कूल पाठ्यक्रम (Local School Curriculum) को विनियमित या मानकीकृत करने से स्पष्ट रूप से रोका।

9. एक अभिभावक अपने 10 वर्षीय बच्चे, जो कभी स्कूल नहीं गया है, के प्रवेश के लिए मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) के ऐतिहासिक उदाहरणों का हवाला देते हुए एक सरकारी स्कूल के प्राचार्य से संपर्क करता है। प्राचार्य आदेश देता है कि बच्चे को आयु-अनुरुप कक्षा (Age-appropriate class) में प्रवेश दिया जाए। यह प्रशासनिक कार्रवाई (Administrative Action) मुख्य रूप से किस संवैधानिक प्रावधान के विधायी परिणाम द्वारा समर्थित है?
(A) अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4))
(B) अनुच्छेद 21A (Article 21A)
(C) अनुच्छेद 28 (Article 28)
(D) अनुच्छेद 51A (Article 51A)

10. अनुच्छेद 21A (Article 21A) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि विभिन्न समितियों की सिफारिशों से जुड़ी है। किस समिति ने 86वें संशोधन (86th Amendment) से पहले मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार (Fundamental Right) बनाने की स्पष्ट सिफारिश की थी?
(A) राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (कोठारी आयोग) (National Education Commission - Kothari Commission)
(B) तपस मजूमदार समिति (Tapas Majumdar Committee)
(C) माध्यमिक शिक्षा आयोग (मुदालियर आयोग) (Secondary Education Commission - Mudaliar Commission)
(D) राष्ट्रीय सलाहकार समिति (यशपाल समिति) (National Advisory Committee - Yashpal Committee)

11. शिक्षा के अधिकार (Right to Education) की ओर ले जाने वाले निम्नलिखित ऐतिहासिक घटनाक्रमों पर विचार कीजिए:
I. उन्नी कृष्णन निर्णय (Unni Krishnan Judgment)
II. 86वां संविधान संशोधन अधिनियम (86th Constitutional Amendment Act)
III. मोहिनी जैन निर्णय (Mohini Jain Judgment)
IV. आरटीई अधिनियम का अधिनियमन (Enactment of the RTE Act)
निम्नलिखित में से कौन सा सही कालानुक्रमिक क्रम (Chronological Order) दर्शाता है?
(A) III, I, II, IV
(B) I, III, II, IV
(C) III, II, I, IV
(D) I, II, III, IV

12. निम्नलिखित में से कौन सा तत्काल संवैधानिक पूर्ववर्ती (Constitutional Precursor) था जिसने संसद को 86वां संविधान संशोधन प्रारुपित करने के लिए मजबूर किया?
(A) 1976 में संवैधानिक संशोधन के माध्यम से शिक्षा का राज्य सूची से समवर्ती सूची (Concurrent List) में संरचनात्मक स्थानांतरण।
(B) 1986 में व्यापक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Policy on Education - NPE) का औपचारिक परिचय और विधायी अंगीकरण।
(C) उन्नी कृष्णन मामले में 14 वर्ष की आयु तक शिक्षा के मौलिक अधिकार की स्थापना करने वाला निर्णय।
(D) 1973 के दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम (Delhi School Education Act) का वैधानिक अधिनियमन और परिचालन कार्यान्वयन।

NODIA

13. अनुच्छेद 21A (Article 21A) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. संविधान के निर्माताओं ने मूल रूप से मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के जनादेश को भाग IV (Part IV) के तहत रखा था।
II. उन्नी कृष्णन मामले में स्पष्ट रूप से घोषित किया गया कि 14 वर्ष की आयु तक शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकार है।
III. तपस मजूमदार समिति ने शिक्षा के मौलिक अधिकार को लागू करने के लिए आवश्यक वित्तीय अनुमान प्रदान किए।
IV. 83वां संविधान संशोधन विधेयक शिक्षा के अधिकार के लिए एक विशिष्ट अनुच्छेद पेश करने का पहला विधायी प्रयास था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, III और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

14. शिक्षा के अधिकार (Right to Education) के विकास के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) मूल रूप से, अनुच्छेद 45 ने राज्य को चौदह वर्ष की आयु पूरी करने तक सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था।
(B) 86वें संशोधन अधिनियम ने संविधान के भाग III, भाग IV और भाग IVA को एक साथ संशोधित किया।
(C) उन्नी कृष्णन निर्णय में कहा गया कि शिक्षा का अधिकार विश्वविद्यालय स्तर तक सभी नागरिकों के लिए एक मौलिक अधिकार है।
(D) अनुच्छेद 21A के कार्यान्वयन के लिए बाद में सक्षम विधायन (Enabling Legislation) की आवश्यकता थी, जिसके परिणामस्वरुप आरटीई अधिनियम, 2009 (Right to Education Act, 2009 - RTE Act, 2009) बना।

15. तपस मजूमदार समिति (1999) का गठन मुख्य रूप से अनुच्छेद 21A (Article 21A) के समावेश से संबंधित किस पहलू का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था?
(A) प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण (Universalizing Elementary Education) के लिए आवश्यक शैक्षणिक ढांचा और पाठ्यक्रम दिशानिर्देश।
(B) सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा को लागू करने के लिए आवश्यक वित्तीय व्यय और संसाधन जुटाना (Resource Mobilization)I
(C) मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थानों के लिए प्रशासनिक अधिकारों का संरक्षण और भाषाई सुरक्षा उपाय।
(D) औपचारिक माध्यमिक स्कूल पाठ्यक्रम में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रणालीगत एकीकरण।

16. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : अनुच्छेद 21A (Article 21A) के समावेश ने तुरंत स्कूलों में शिक्षा के अधिकार को क्रियान्वित नहीं किया।
कारण (R) : अनुच्छेद 21A निर्दिष्ट करता है कि राज्य "ऐसे तरीके से, जैसा कि राज्य कानून द्वारा निर्धारित करे," मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा, जिसके लिए सक्षम विधायन (Enabling Legislation) की आवश्यकता थी।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

17. 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 ने अनुच्छेद 21A (Article 21A) को शामिल किया। इस अनुच्छेद के तहत किस विशिष्ट आयु वर्ग को स्पष्ट रूप से कवर किया गया है?
(A) 0 से 6 वर्ष
(B) 6 से 14 वर्ष
(C) 6 से 18 वर्ष
(D) 5 से 15 वर्ष

18. अनुच्छेद 21A (Article 21A) के समावेश के साथ, 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 ने भारतीय संविधान के किन अन्य भागों में परिवर्तन किए?
(A) केवल भाग III (मौलिक अधिकार) (Part III - Fundamental Rights)
(B) भाग III और भाग IV (नीति निदेशक तत्व) (Part III and Part IV - Directive Principles)
(C) भाग III, भाग IV, और भाग IVA (मौलिक कर्तव्य) (Part III, Part IV, and Part IVA - Fundamental Duties)
(D) भाग III और भाग IX (पंचायतें) (Part III and Part IX - Panchayats)

19. अनुच्छेद 21A (Article 21A) के तहत, 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के प्रति राज्य के दायित्व की सटीक प्रकृति क्या है?
(A) मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना (To provide free and compulsory education)
(B) न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना (To provide equitable and quality education)
(C) प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा प्रदान करना (To provide early childhood care and education)
(D) मुफ्त दोपहर का भोजन और पाठ्यपुस्तकें प्रदान करना (To provide free mid-day meals and textbooks)

Click Here to Buy book on Flipkart

20. निम्नलिखित में से कौन सा कथन शैक्षणिक प्रशासन (Educational Administration) के संबंध में अनुच्छेद 21A (Article 21A) में अंतर्निहित अपवाद का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) यह सभी निजी गैर-सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों के लिए समान राज्य अनुदान-इन-एड धन आवंटन को अनिवार्य करता है।
(B) यह अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यक संस्थानों के संवैधानिक अधिकारों को स्पष्ट रूप से ओवरराइड और रद्द करता है।
(C) इसके लिए राज्य को देश भर के सभी प्राथमिक स्कूलों का राष्ट्रीयकरण और केंद्रीय रूप से प्रशासन करने की आवश्यकता है।
(D) यह वैधानिक कानून को कार्यान्वयन विवरण सौंपता है, जिससे लचीला राज्य-स्तरीय विनियमन सक्षम होता है।

21. एक सरकारी स्कूल के प्राचार्य को 13 वर्ष के बच्चे के लिए कक्षा VIII में प्रवेश हेतु एक आवेदन प्राप्त होता है। माता-पिता पूर्व स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ हैं। अनुच्छेद 21A (Article 21A) और इसके सक्षम विधायन का हवाला देते हुए, प्राचार्य बच्चे को प्रवेश देने का निर्णय लेते हैं। यह निर्णय इस धारणा पर आधारित है कि:
(A) अनुच्छेद 21A, 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए बाधा-मुक्त, आयु-अनुरूप प्रवेश (Barrier-free, age-appropriate admission) की गारंटी देता है।
(B) बच्चे को कानूनी रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग से संबंधित के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
(C) शिक्षा का मौलिक अधिकार सभी वैधानिक स्कूल पंजीकरण मानदंडों को पूरी तरह से सुपरसीड करता है।
(D) सरकारी स्कूल समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha) के तहत परिचालन निधि का एक अनारक्षित अधिशेष बनाए रखता है।

22. कौन सा महत्वपूर्ण शब्द अनुच्छेद 21A (Article 21A) की भाषा को अनुच्छेद 45 (Article 45) की मूल भाषा से अलग करता है?
(A) वैधानिक पाठ में 'शिक्षा प्रदान कर सकेगा' के बजाय 'शिक्षा प्रदान करेगा'।
(B) प्राथमिक स्कूलों में 'स्वैच्छिक अभिभावक भागीदारी' के बजाय 'अनिवार्य नामांकन'।
(C) जनादेश में 'राज्य प्रयास करेगा' के बजाय 'राज्य प्रदान करेगा'।
(D) राज्यों में 'सभी पात्र स्कूली बच्चों' के बजाय 'सभी निवासी नागरिक'।

23. 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के प्रभाव के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) अनुच्छेद 21A — संविधान के भाग III में मौलिक अधिकार के रूप में जोड़ा गया
(B) अनुच्छेद 45 — प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख पर पूरी तरह से नए विषय के साथ प्रतिस्थापित
(C) अनुच्छेद 51A — माता-पिता/अभिभावकों के लिए मौलिक कर्तव्यों को अनिवार्य करने के लिए खंड (k) जोड़ा गया
(D) अनुच्छेद 29 — अल्पसंख्यक स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा कोटा अनिवार्य करने के लिए संशोधित

24. वह प्रभावी तिथि क्या थी जिस दिन अनुच्छेद 21A (Article 21A) अपने सक्षम विधायन, आरटीई अधिनियम (RTE Act) के साथ लागू हुआ?
(A) 12 दिसंबर 2002
(B) 26 अगस्त 2009
(C) 1 अप्रैल 2010
(D) 1 जनवरी 2011

25. अनुच्छेद 21A (Article 21A) में "ऐसे तरीके से जैसा कि राज्य, कानून द्वारा, निर्धारित करे" वाक्यांश किस संस्था को इसके संचालन के लिए नियम बनाने का अधिकार देता है?
(A) न्यायपालिका (Judiciary)
(B) विधायिका (Legislature)
(C) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT)
(D) स्थानीय स्कूल प्रबंधन समितियां (School Management Committees - SMCs)

26. संविधान के अनुच्छेद 28 (Article 28) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राज्य निधि से पूरी तरह से पोषित किसी भी शैक्षणिक संस्थान में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी।
II. किसी बंदोबस्त (Endowment) के तहत स्थापित लेकिन राज्य द्वारा प्रशासित संस्थानों को धार्मिक शिक्षा के निषेध से छूट प्राप्त है।
III. राज्य से सहायता प्राप्त करने वाले निजी संस्थान छात्रों को सहमति के बिना धार्मिक शिक्षा में भाग लेने के लिए बाध्य कर सकते हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

27. अनुच्छेद 28 (Article 28) के तहत, राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त या राज्य निधि से सहायता प्राप्त करने वाले किसी शैक्षणिक संस्थान में, एक नाबालिग छात्र केवल तभी धार्मिक शिक्षा में भाग ले सकता है जब:
(A) स्कूल प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) औपचारिक रूप से एक सकारात्मक प्रशासनिक प्रस्ताव पारित करती है।
(B) छात्र के माता-पिता या कानूनी अभिभावक ने स्पष्ट लिखित सहमति प्रदान की है।
(C) नाबालिग छात्र एक औपचारिक लिखित अनुरोध जमा करके भाग लेने के लिए स्वेच्छा से सहमत होता है।

Downloaded from www.pdf.tube

(D) शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) स्पष्ट रुप से एक विशेष प्रशासनिक छूट परमिट जारी करता है।

28. निम्नलिखित में से किस प्रकार के शैक्षणिक संस्थान को अनुच्छेद 28(1) (Article 28(1)) के तहत धार्मिक शिक्षा प्रदान करने से पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है?
(A) राज्य द्वारा प्रशासित लेकिन एक ट्रस्ट के तहत स्थापित संस्थान
(B) राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त लेकिन निजी तौर पर वित्तपोषित संस्थान
(C) राज्य निधि से आंशिक सहायता प्राप्त करने वाले संस्थान
(D) पूरी तरह से राज्य निधि से पोषित संस्थान

29. अनुच्छेद 28 (Article 28) शिक्षा के क्षेत्र में धर्मनिरपेक्षता सुनिश्चित करता है। इस अनुच्छेद के संदर्भ में "धार्मिक शिक्षा" (Religious Instruction) का मुख्य रुप से क्या अर्थ है?
(A) विशिष्ट धार्मिक सिद्धांतों, हठधर्मिता और अनुष्ठानिक प्रथाओं को पढ़ाना।
(B) तुलनात्मक धार्मिक दर्शन और ऐतिहासिक ग्रंथों का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करना।
(C) सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों, नैतिक सिद्धांतों और नागरिक कर्तव्यों को व्यवस्थित रुप से प्रदान करना।
(D) स्कूल प्रार्थना सभाओं के दौरान राष्ट्रगान और देशभक्ति के गीतों का अनिवार्य गायन।

30. कौन सा संवैधानिक प्रावधान राज्य द्वारा प्रशासित लेकिन किसी बंदोबस्त या ट्रस्ट के तहत स्थापित शैक्षणिक संस्थान को धार्मिक शिक्षा प्रदान करने के प्रतिबंध से छूट देता है?
(A) अनुच्छेद 28(2) (Article 28(2))
(B) अनुच्छेद 28(1) (Article 28(1))
(C) अनुच्छेद 28(3) (Article 28(3))
(D) अनुच्छेद 29(1) (Article 29(1))

31. एक सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूल के प्राचार्य एक विशिष्ट धर्म के मूलभूत सिद्धांतों पर एक वैकल्पिक कक्षा शुरु करते हैं। एक अलग धर्म का छात्र इसमें शामिल होना चाहता है। अनुच्छेद 28 (Article 28) के अनुसार, इस छात्र की भागीदारी के लिए क्या पूर्व शर्त है?
(A) छात्र को औपचारिक रुप से अल्पसंख्यक स्कूल के धार्मिक पंथ में परिवर्तित होना होगा।
(B) स्कूल के प्राचार्य के पास रुचि के आधार पर छात्र की उपस्थिति को अधिकृत करने का विवेकाधिकार है।
(C) नाबालिग छात्र के माता-पिता या अभिभावक से स्पष्ट सहमति प्राप्त की जानी चाहिए।
(D) स्कूल को कक्षा की पेशकश करने से कड़ाई से प्रतिबंधित किया गया है क्योंकि इसे राज्य से वित्तीय सहायता मिलती है।

32. अनुच्छेद 28 (Article 28) के संदर्भ में, गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) यह पूरी तरह से राज्य निधि द्वारा पोषित संस्थानों पर लागू होता है।
(B) यह राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में व्यक्तियों की धार्मिक पूजा में भाग न लेने की स्वतंत्रता की रक्षा करता है।
(C) यह राज्य द्वारा वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में धर्मों के शैक्षणिक अध्ययन को प्रतिबंधित करता है।
(D) यह राज्य द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित, सहायता प्राप्त और ट्रस्ट के तहत प्रशासित संस्थानों के बीच अंतर करता है।

33. अनुच्छेद 28(3) (Article 28(3)) में प्रदान किया गया संवैधानिक संरक्षण छात्र को संस्थान में आयोजित किसी भी धार्मिक पूजा में भाग लेने के लिए बाध्य होने से बचाता है। यह उन संस्थानों पर लागू होता है जो:
(A) राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त हैं या राज्य निधि से सहायता प्राप्त कर रहे हैं
(B) राज्य की मान्यता के बिना पूरी तरह से निजी ट्रस्टों द्वारा बनाए रखे जाते हैं
(C) पूरी तरह से राज्य द्वारा पोषित हैं
(D) विशेष रुप से अल्पसंख्यक भाषा को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किए गए हैं

NODIA

34. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 29(1) (Article 29(1)) भाषा, लिपि या संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार प्रदान करता है:
(A) केवल मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित नागरिकों को।
(B) भारत के राज्यक्षेत्र के किसी भी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को।
(C) कानूनी रुप से केवल भाषाई अल्पसंख्यक समूहों के रुप में वर्गीकृत समुदायों को।
(D) विशेष रुप से सामाजिक और शैक्षणिक रुप से पिछड़े वर्गों के रुप में नामित श्रेणियों को।

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रुप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2)) राज्य को केवल धर्म, मूलवंश, जाति या भाषा के आधार पर राज्य द्वारा पोषित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश देने से रोकने से मना करता है।
कारण (R) : यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि अनुच्छेद 29(1) के तहत सांस्कृतिक संरक्षण अधिकारों के परिणामस्वरुप सार्वजनिक संस्थानों में भेदभावपूर्ण प्रवेश प्रथाएं न हों।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

36. किस ऐतिहासिक निर्णय (Landmark Judgment) ने यह स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 29(1) के तहत भाषा को संरक्षित करने के अधिकार में उस भाषा के संरक्षण के लिए आंदोलन करने का अधिकार शामिल है, जिससे यह भ्रष्ट चुनावी प्रथाओं से अलग हो जाता है?
(A) डी.ए.वी. कॉलेज बनाम पंजाब राज्य (D.A.V. College v. State of Punjab)
(B) जगदेव सिंह सिद्धंती बनाम प्रताप सिंह दौलता (Jagdev Singh Sidhanti v. Pratap Singh Daulta)
(C) बॉम्बे राज्य बनाम बॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी (State of Bombay v. Bombay Education Society)
(D) अहमदाबाद सेंट जेवियर्स कॉलेज बनाम गुजरात राज्य (Ahmedabad St. Xavier's College v. State of Gujarat)

37. राज्य द्वारा पोषित किसी भी शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश से इनकार करने के संबंध में अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2)) से कौन सा आधार स्पष्ट रूप से गायब है?
(A) धर्म (Religion)
(B) मूलवंश (Race)
(C) भाषा (Language)
(D) लिंग (Sex)

38. अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2)) के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए:
(A) इसके संवैधानिक संरक्षण विशेष रूप से अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होते हैं।
(B) यह राज्य द्वारा पोषित या राज्य की वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले संस्थानों पर लागू होता है।
(C) यह 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिक मौलिक अधिकार की गारंटी देता है।
(D) यह राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में क्षेत्रीय भाषा के आधार पर प्रशासनिक भेदभाव की स्पष्ट रूप से अनुमति देता है।

39. बॉम्बे राज्य बनाम बॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी मामले में, अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में केवल आंग्ल-भारतीयों (Anglo-Indians) के लिए प्रवेश सीमित करने वाले राज्य के आदेश को मुख्य रूप से किस अनुच्छेद का उल्लंघन करने के लिए रद्द कर दिया गया था?
(A) अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2))
(B) अनुच्छेद 14 (Article 14)
(C) अनुच्छेद 15(1) (Article 15(1))
(D) अनुच्छेद 30(1) (Article 30(1))

40. क्या अनुच्छेद 29(1) (Article 29(1)) भाषा या संस्कृति को संरक्षित करने के लिए शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का अधिकार अंतर्निहित रूप से प्रदान करता है?
(A) हां, संरक्षण अधिकारों में उस उद्देश्य के लिए संस्थान स्थापित करना अंतर्निहित रूप से शामिल है।
(B) हां, लेकिन यह अंतर्निहित अधिकार केवल मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों तक ही सीमित है।
(C) नहीं, शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का अधिकार विशेष रूप से अनुच्छेद 30 में निहित है।
(D) नहीं, शैक्षणिक संस्थान केवल विशिष्ट राज्य वैधानिक कानूनों के तहत ही वैध रूप से स्थापित किए जा सकते हैं।

41. एक राज्य सरकार एक परिपत्र जारी करती है कि एक प्रमुख राज्य-वित्तपोषित कॉलेज में प्रवेश केवल उन निवासियों तक सीमित होगा जो राज्य की प्रमुख भाषा बोलते हैं। एक नागरिकइसे अदालत में चुनौती देता है। प्राथमिक संवैधानिक प्रावधान की पहचान कीजिए जो इस परिपत्र को अमान्य करता है।
(A) अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4))
(B) अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4))
(C) अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2))
(D) अनुच्छेद 46 (Article 46)

42. अनुच्छेद 30(1) (Article 30(1)) अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने का अधिकार किसे प्रदान करता है?
(A) किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों के सभी वर्गों को।
(B) भारत के पूरे राज्यक्षेत्र में सभी धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक समूहों को।
(C) केंद्र सरकार द्वारा कड़ाई से भाषाई अल्पसंख्यकों के रूप में वर्गीकृत समूहों को।
(D) विशिष्ट राज्य क्षेत्रों में रहने वाले मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों को।

43. अनुच्छेद 30(2) (Article 30(2)) के तहत, शैक्षणिक संस्थानों को सहायता देते समय राज्य पर क्या प्रतिबंध लगाया गया है?
(A) आकार की परवाह किए बिना सभी शैक्षणिक संस्थानों को समान वित्तीय सहायता देने के लिए राज्य संवैधानिक रूप से बाध्य है।
(B) राज्य सहायता देने में इस आधार पर भेदभाव नहीं करेगा कि कोई संस्थान अल्पसंख्यक के प्रबंधन में है।
(C) राज्य धार्मिक अल्पसंख्यक संस्थानों को सार्वजनिक धन या अनुदान-इन-एड आवंटित करने से पूरी तरह से प्रतिबंधित है।
(D) राज्य को कड़ाई से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अल्पसंख्यक संस्थान राज्य के स्कूलों की सटीक प्रशासनिक संरचना को अपनाएं।

44. अनुच्छेद 29(1) और अनुच्छेद 30(1) के बीच लाभार्थियों के दायरे में मूलभूत अंतर क्या है?
(A) अनुच्छेद 29(1) केवल धार्मिक अल्पसंख्यकों पर लागू होता है, जबकि अनुच्छेद 30(1) भारत में नागरिकों के सभी वर्गों की रक्षा करता है।
(B) अनुच्छेद 29(1) नागरिकों के किसी भी वर्ग की रक्षा करता है, जबकि अनुच्छेद 30(1) केवल धार्मिक और

Click Here to Buy book on Amazon

भाषाई अल्पसंख्यकों पर लागू होता है।
(C) दोनों प्रावधान सभी राज्यों में संघीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों पर कड़ाई और विशेष रुप से लागू होते हैं।
(D) दोनों प्रावधान बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक के बीच अंतर किए बिना भारत के सभी नागरिकों को समान मौलिक अधिकार प्रदान करते हैं।

45. अनुच्छेद 30(1) (Article 30(1)) के संदर्भ में, किसी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान को "प्रशासित करने के अधिकार" (Right to Administer) में निम्नलिखित में से कौन सा अधिकार शामिल नहीं है?
(A) अपनी प्रबंधकीय या शासी निकाय का चयन करना
(B) संस्थान का कुप्रबंधन करना या बुनियादी शैक्षणिक मानकों की उपेक्षा करना
(C) नियामक योग्यताओं के अधीन, अपनी पसंद के शिक्षण कर्मचारियों को नियुक्त करना
(D) उचित नियमों के अधीन अपनी पसंद के पात्र छात्रों को प्रवेश देना

46. अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. उनके पास शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय मानकों से कम योग्यताएं निर्धारित करने का निरपेक्ष अधिकार है।
II. राज्य शैक्षणिक उत्कृष्टता और उचित प्रशासन के लिए उचित नियम लागू कर सकता है।
III. कोई अल्पसंख्यक संस्थान केवल राज्य सहायता प्राप्त करने के कारण अपना अल्पसंख्यक चरित्र नहीं खोता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

47. किसी संस्थान के लिए अनुच्छेद 30(1) (Article 30(1)) के तहत संरक्षण का दावा करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी शर्त पूरी होनी चाहिए?
(A) इसे किसी अल्पसंख्यक द्वारा स्थापित और प्रशासित किया जाना चाहिए।
(B) इसे राज्य द्वारा स्थापित और किसी अल्पसंख्यक द्वारा प्रशासित किया जाना चाहिए।
(C) इसे केवल अल्पसंख्यक छात्रों को प्रवेश देना चाहिए।
(D) इसे राज्य से कोई वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं होनी चाहिए।

48. अल्पसंख्यक संस्थानों पर राज्य की नियामक शक्तियों के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) न्यूनतम शैक्षणिक मानक और पाठ्यक्रम ढांचा निर्धारित करना — राज्य प्रभावी ढंग से विनियमित कर सकता है।
(B) शिक्षकों के लिए अनिवार्य योग्यताएं और पात्रता मानदंड तय करना — राज्य प्रभावी ढंग से विनियमित कर सकता है।
(C) प्रबंध समिति को भंग करना और उसका अधिग्रहण करना — राज्य पूरी तरह से अधिग्रहण कर सकता है।
(D) प्रशासनिक कुप्रबंधन और वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए हस्तक्षेप करना — राज्य प्रभावी ढंग से विनियमित कर सकता है।

49. सेंट स्टीफेंस कॉलेज मामले में उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने माना कि अल्पसंख्यक सहायता प्राप्त संस्थान अपने समुदाय के छात्रों के लिए सीटें आरक्षित कर सकते हैं। बाद के स्पष्टीकरणों से पहले उस विशिष्ट निर्णय में अनुमति दी गई इस तरह के आरक्षण का अधिकतम प्रतिशत क्या था?
(A) 25%
(B) 50%
(C) 75%
(D) 100%

50. अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के संपत्ति अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान में अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) जोड़ा गया था। किस संविधान संशोधन अधिनियम ने इस खंड को शामिल किया?
(A) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976 (42nd Amendment Act, 1976)
(B) 44वां संशोधन अधिनियम, 1978 (44th Amendment Act, 1978)
(C) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002 (86th Amendment Act, 2002)
(D) 93वां संशोधन अधिनियम, 2005 (93rd Amendment Act, 2005)

51. किसी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान की संपत्ति के अधिग्रहण के संबंध में अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) राज्य को अल्पसंख्यक स्कूल की संपत्ति का अधिग्रहण करने से रोकने के लिए एक निरपेक्ष संवैधानिक निषेध लागू करना।
(B) यह सुनिश्चित करना कि अधिग्रहण मुआवजा अनुच्छेद 30(1) के तहत गारंटीकृत अधिकारों को प्रतिबंधित या निरस्त न करे।
(C) मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थानों को राज्य से मुफ्त में सार्वजनिक भूमि के अनिवार्य हस्तांतरण का दावा करने में सक्षम बनाना।
(D) केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक संस्थानों के अंतर्निहित स्वामित्व और संपत्ति के अधिकारों को स्वचालित रुप से निहित करना।

52. अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) के शामिल होने से पहले, संपत्ति का अधिकार किस निरसित अनुच्छेद (Repealed Article) के तहत एक मौलिक अधिकार (Fundamental Right) था?
(A) अनुच्छेद 19(1)(f) और अनुच्छेद 31 (Article 19(1)(f)

NODIA

and Article 31)
(B) अनुच्छेद 19(1)(e) (Article 19(1)(e))
(C) अनुच्छेद 21A (Article 21A)
(D) अनुच्छेद 32 (Article 32)

53. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : भले ही संपत्ति का अधिकार एक मौलिक अधिकार नहीं रहा, फिर भी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के संपत्ति अधिकार विशिष्ट रूप से संरक्षित हैं।
कारण (R) : अनुच्छेद 30(1A) गारंटी देता है कि राज्य को किसी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान की संपत्ति के अधिग्रहण के लिए ऐसा मुआवजा देना होगा जो यह सुनिश्चित करे कि अनुच्छेद 30(1) के तहत उनका अधिकार निरस्त न हो।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

54. यदि कोई राज्य सरकार किसी राजमार्ग को चौड़ा करने का निर्णय लेती है और उसे किसी सहायता प्राप्त भाषाई अल्पसंख्यक स्कूल की भूमि का अधिग्रहण करने की आवश्यकता होती है, तो अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) सरकार पर क्या बाधा डालता है?
(A) सरकार को पास में ही मूल भौतिक क्षेत्र के दोगुने क्षेत्र की वैकल्पिक भूमि प्रदान करने का संवैधानिक जनादेश प्राप्त है।
(B) मुआवजा ऐसा होना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि शैक्षणिक संस्थान बनाए रखने का अधिकार प्रतिबंधित या निरस्त न हो।
(C) राज्य सरकार को अधिग्रहण से पहले राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग से औपचारिक पूर्व प्राधिकरण प्राप्त करना होगा।
(D) अनिवार्य भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को अनुच्छेद 30 की निरपेक्ष गारंटी के तहत पूरी तरह से असंवैधानिक बना दिया जाता है।

55. अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) संपत्ति के अधिकारों पर सामान्य संवैधानिक स्थिति के अपवाद के रूप में कार्य करता है। संपत्ति का सामान्य अधिकार वर्तमान में किस अनुच्छेद के अंतर्गत रखा गया है?
(A) अनुच्छेद 300A (Article 300A)
(B) अनुच्छेद 31A (Article 31A)
(C) अनुच्छेद 31C (Article 31C)
(D) अनुच्छेद 35A (Article 35A)

56. अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) के तहत किस विशिष्ट प्रकार का शैक्षणिक संस्थान क्षतिपूर्णात्मक संरक्षण (Compensatory Protection) से लाभान्वित होता है?
(A) विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित सभी निजी गैर-सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान।
(B) धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यकों द्वारा स्थापित और प्रशासित शैक्षणिक संस्थान।
(C) आरटीई अधिनियम के प्रावधानों के तहत औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त और विनियमित प्राथमिक शैक्षणिक संस्थान।
(D) केवल अल्पसंख्यक ट्रस्टों द्वारा विशेष रूप से प्रबंधित उच्च और व्यावसायिक शैक्षणिक संस्थान।

57. एक स्कूल चलाने वाले अल्पसंख्यक ट्रस्ट को मेट्रो रेल परियोजना के लिए अपने खेल के मैदान के एक हिस्से के अनिवार्य अधिग्रहण के लिए एक नोटिस प्राप्त होता है। दिया जाने वाला मुआवजा कड़ाई से मानक सर्किल दर के अनुसार है, जो पास में प्रतिस्थापन भूमि खरीदने के लिए अपर्याप्त है, जिससे स्कूल के कामकाज को खतरा है। प्राचार्य ट्रस्ट को अनुच्छेद 30(1A) के तहत मुआवजे को चुनौती देने की सलाह देते हैं। क्या यह प्रशासनिक सलाह संवैधानिक रूप से सही है?
(A) नहीं, क्योंकि सरकारी सर्किल दरें पूरे राज्य में सभी संपत्ति मालिकों पर समान और तटस्थ रूप से लागू होती हैं।
(B) हां, क्योंकि मुआवजा ऐसा होना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि संस्थान चलाने का संवैधानिक अधिकार निरस्त न हो।
(C) नहीं, क्योंकि मनोरंजक सुविधाओं और स्कूल के खेल के मैदानों को कानूनी रूप से संरक्षित शैक्षणिक संपत्ति से बाहर रखा गया है।
(D) हां, क्योंकि अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को सभी राज्य भूमि अधिग्रहण कानूनों से पूर्ण छूट प्राप्त है।

58. 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के बाद, अनुच्छेद 45 (Article 45) का विषय बदल दिया गया था। वर्तमान अनुच्छेद 45 राज्य को क्या प्रदान करने का निर्देश देता है?
(A) सभी बच्चों के लिए छह वर्ष की आयु पूरी करने तक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (Early Childhood Care and Education - ECCE)।
(B) सभी राज्यों में चौदह वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य बुनियादी प्राथमिक शिक्षा (Basic Primary Education)।
(C) अठारह वर्ष की आयु तक के सभी युवा नागरिकों के लिए व्यापक व्यावसायिक और तकनीकी कौशल शिक्षा (Vocational and Technical Skill Education)।
(D) सरकारी प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के लिए मुफ्त दोपहर का भोजन और पोषण संबंधी सहायता का सार्वभौमिक प्रावधान।

59. 2002 के संशोधन से पहले, मूल अनुच्छेद 45 (Article 45) द्वारा मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का निर्धारित लक्ष्य संविधान के प्रारंभ से कितने वर्षों के भीतर हासिल किया जाना था?
(A) 5 वर्ष
(B) 10 वर्ष

Downloaded from www.pdf.tube

(C) 15 वर्ष
(D) 20 वर्ष

60. अनुच्छेद 45 के संशोधन ने वैचारिक रूप से शैक्षणिक आयु समूहों को विभाजित कर दिया। कौन सा आयु समूह अब भाग III (मौलिक अधिकार) के बजाय विशेष रूप से भाग IV (नीति निदेशक तत्व) का क्षेत्र है?
(A) 0 से 6 वर्ष
(B) 6 से 14 वर्ष
(C) 14 से 18 वर्ष
(D) 18 से 21 वर्ष

61. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy - NEP) 2020 के ढांचे के तहत, मूलभूत चरण (5 वर्ष) सीधे किस अनुच्छेद के संवैधानिक जनादेश के साथ संरेखित होता है?
(A) अनुच्छेद 21A और अनुच्छेद 45 दोनों (Both Article 21A and Article 45)
(B) अनुच्छेद 21A (Article 21A)
(C) अनुच्छेद 45 (Article 45)
(D) अनुच्छेद 46 (Article 46)

62. अनुच्छेद 45 (Article 45) की वर्तमान स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह पूर्व-प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य पर न्यायिक रूप से प्रवर्तनीय दायित्व डालता है।
II. यह प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (Early Childhood Care and Education - ECCE) को लक्षित करता है।
III. यह आईसीडीएस (Integrated Child Development Services - ICDS) योजना के तहत आंगनवाड़ी प्रणाली के लिए संवैधानिक आधार के रूप में कार्य करता है।
IV. इसे 93वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया था।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I, II और III
(D) केवल II, III और IV

63. अनुच्छेद 45 (Article 45) के परिवर्तन के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) अनुच्छेद 45 के मूल पाठ ने शिक्षा के अधिकार के उन्नी कृष्णन निर्णय के दावे का आधार बनाया।
(B) 86वें संशोधन ने संविधान से अनुच्छेद 45 को हटा दिया।
(C) अनुच्छेद 45 के नए पाठ ने छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया।
(D) अनुच्छेद 45 राज्य का एक गैर-न्यायिक नीति निदेशक तत्व (Non-justiciable Directive Principle) बना हुआ है।

64. अनुच्छेद 45 (Article 45) के पाठ को बदलने का दार्शनिक औचित्य क्या था?
(A) प्राथमिक शिक्षा अनुच्छेद 21A के तहत एक मौलिक अधिकार बन गई, जिससे अनुच्छेद 45 का ध्यान प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख पर केंद्रित हो गया।
(B) राज्य के पास सार्वभौमिक माध्यमिक शिक्षा कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए आवश्यक पर्याप्त सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों का अभाव था।
(C) निजी स्कूल प्रबंधन संघों ने अनुच्छेद 45 के मूल संवैधानिक पाठ का कड़ा विरोध किया।
(D) संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक सम्मेलनों ने कानूनी रूप से सभी सदस्य देशों को 2000 तक अपने संविधान को संशोधित करने का आदेश दिया।

65. एनईपी 2020 (NEP 2020) द्वारा औपचारिक स्कूली शिक्षा संरचना (5+3+3+4) में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (ECCE) का एकीकरण किस विशिष्ट संवैधानिक प्रावधान के निर्देश को पूरा करता है?
(A) अनुच्छेद 45 (Article 45)
(B) अनुच्छेद 21 (Article 21)
(C) अनुच्छेद 29 (Article 29)
(D) अनुच्छेद 51A (Article 51A)

NODIA

66. कौन सा संवैधानिक सिद्धांत यह बताता है कि माता-पिता अनुच्छेद 45 के तहत अपने गांव में प्री-स्कूल खोलने के लिए सरकार को मजबूर करने हेतु अनुच्छेद 32 के माध्यम से सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों नहीं खटखटा सकते?
(A) अनुच्छेद 37 निदेशक तत्वों (Directive Principles) को अदालतों द्वारा गैर-प्रवर्तनीय बनाता है।
(B) पृथक्करणीयता का सिद्धांत (Doctrine of Severability) जो असंवैधानिक वैधानिक प्रावधानों को अलग करता है।
(C) अनुच्छेद 13 जो मौलिक अधिकारों की गारंटी के साथ असंगत कानूनों को अमान्य करता है।
(D) विधायी क्षमता निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला सार और तत्व का सिद्धांत (Doctrine of Pith and Substance)।

67. संविधान का अनुच्छेद 46 (Article 46) राज्य को विशेष देखरेख के साथ किनके शैक्षणिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने का निर्देश देता है?
(A) जनता के कमजोर वर्गों, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों (Scheduled Castes) और अनुसूचित जनजातियों (Scheduled Tribes) के।
(B) विभिन्न भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मान्यता प्राप्त धार्मिक रूप से परिभाषित अल्पसंख्यक समुदायों (Religious Minorities) के।
(C) विशिष्ट राज्य क्षेत्रों में रहने वाले भाषाई रूप से विशिष्ट अल्पसंख्यक समुदायों (Linguistic Minorities) के।
(D) विशेष सुरक्षात्मक सामाजिक कल्याण विधायन की आवश्यकता वाली सभी महिलाओं और छोटे बच्चों के।

68. अनुच्छेद 46 (Article 46) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह राज्य को कमजोर वर्गों को सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से बचाने के लिए बाध्य करता है।

II. यह एससी/एसटी (SC/ST) छात्रों के लिए विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए संवैधानिक आधार प्रदान करता है।

III. यह संविधान के भाग III (Part III) के तहत एक प्रवर्तनीय मौलिक अधिकार है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

69. जब शिक्षा निदेशालय विशेष उपचारात्मक कक्षाएं (Remedial Classes) लागू करता है और विशेष रूप से एससी, एसटी और कमजोर वर्गों के छात्रों को लक्षित करते हुए मुफ्त अध्ययन सामग्री प्रदान करता है, तो यह किस प्रावधान के जनादेश को पूरा कर रहा होता है?

(A) अनुच्छेद 46 (Article 46)
(B) अनुच्छेद 14 (Article 14)
(C) अनुच्छेद 28 (Article 28)
(D) अनुच्छेद 30 (Article 30)

70. मद्रास राज्य बनाम चंपकम दोराइराजन के ऐतिहासिक मामले में, मौलिक अधिकारों और नीति निदेशक तत्वों के बीच टकराव में अनुच्छेद 29(2) और कमजोर वर्गों के शैक्षिणिक हितों से संबंधित कौन सा अन्य अनुच्छेद शामिल था?

(A) अनुच्छेद 41 (Article 41)
(B) अनुच्छेद 46 (Article 46)
(C) अनुच्छेद 45 (Article 45)
(D) अनुच्छेद 47 (Article 47)

71. चंपकम दोराइराजन मामले में अनुच्छेद 29(2) और अनुच्छेद 46 के बीच टकराव के संबंध में उच्चतम न्यायालय के फैसले के परिणामस्वरूप सीधे तौर पर कौन सा संविधान संशोधन आवश्यक हुआ था?

(A) पहला संशोधन अधिनियम, 1951 (1st Amendment Act, 1951)
(B) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976 (42nd Amendment Act, 1976)
(C) 44वां संशोधन अधिनियम, 1978 (44th Amendment Act, 1978)
(D) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002 (86th Amendment Act, 2002)

72. एक प्राचार्य सामान्य बुनियादी ढांचे के उन्नयन की तुलना में अत्यधिक हाशिए पर रहने वाले समुदायों के छात्रों के लिए सहायक उपकरण और विशेष शैक्षणिक किट खरीदने के लिए स्कूल के कल्याण कोष का एक विशिष्ट अनुपात आवंटित करते हैं। यह प्रशासनिक प्राथमिकता किसके दर्शन के सबसे करीब से संरेखित होती है?

(A) अनुच्छेद 46 (Article 46)
(B) अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4))
(C) अनुच्छेद 28 (Article 28)
(D) अनुच्छेद 51A (Article 51A)

73. संवैधानिक प्रावधान को उसके लक्षित समूह से मिलाने वाले सही युग्म की पहचान कीजिए:

(A) अनुच्छेद 46 — एससी/एसटी सहित कमजोर वर्ग (Weaker sections including SC/ST)
(B) अनुच्छेद 45 — अनुसूचित जातियां और जनजातियां (Scheduled Castes and Tribes)
(C) अनुच्छेद 21A — 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चे (Children below 6 years)
(D) अनुच्छेद 30 — सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग (Socially and educationally backward classes)

74. अनुच्छेद 46 का उद्देश्य कमजोर वर्गों के शैक्षणिक और आर्थिक संवर्धन से है। समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha) जैसी शिक्षा नीतियों के संदर्भ में, इस सिद्धांत को व्यावहारिक रूप से कैसे लागू किया जाता है?

(A) केवल कमजोर वर्गों के बच्चों तक सीमित अलग, समर्पित सार्वजनिक स्कूल (Special Public Schools) स्थापित करके।
(B) लक्षित वित्तीय सहायता, समावेशी शिक्षणशास्त्र (Inclusive Pedagogy) और ड्रॉपआउट रोकथाम रणनीतियों को लागू करके।
(C) कमजोर वर्गों के छात्रों को सभी अनिवार्य औपचारिक स्कूली परीक्षाओं को देने से पूरी तरह छूट देकर।
(D) इन विशिष्ट वर्गों के लिए नियत शिक्षकों के लिए न्यूनतम व्यावसायिक योग्यता आवश्यकताओं (Minimum Qualifications) को कम करके।

75. शिक्षा के संबंध में मौलिक कर्तव्य (Fundamental Duty) लागू करने के लिए संविधान में अनुच्छेद 51A(k) (Article 51A(k)) जोड़ा गया था। यह कर्तव्य किस पर लगाया गया है?

(A) माता-पिता या अभिभावक (The parent or guardian)
(B) राज्य सरकार (The State Government)
(C) केंद्र सरकार (The Central Government)
(D) स्कूल प्रबंधन समिति (The School Management Committee - SMC)

76. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:

अभिकथन (A) : अनुच्छेद 51A(k) यदि माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने में विफल रहते हैं तो इसे एक दंडनीय अपराध बनाता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

कारण (R) : संविधान के भाग IVA के तहत मौलिक कर्तव्य (Fundamental Duties) अंतर्निहित रूप से गैर-न्यायिक हैं और विशिष्ट संसदीय विधायन द्वारा समर्थित न होने तक कानूनी दंड के माध्यम से सीधे लागू नहीं किए जा सकते।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

77. अनुच्छेद 51A(k) (Article 51A(k)) के तहत मौलिक कर्तव्य किस आयु वर्ग के बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करने पर लागू होता है?
(A) 0 से 6 वर्ष
(B) 6 से 14 वर्ष
(C) 14 से 18 वर्ष
(D) 6 से 18 वर्ष

78. किस संविधान संशोधन अधिनियम ने अनुच्छेद 51A(k) (Article 51A(k)) की शुरुआत की?
(A) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976 (42nd Amendment Act, 1976)
(B) 44वां संशोधन अधिनियम, 1978 (44th Amendment Act, 1978)
(C) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002 (86th Amendment Act, 2002)
(D) 93वां संशोधन अधिनियम, 2005 (93rd Amendment Act, 2005)

79. अनुच्छेद 51A(k) के समावेश ने शिक्षा के अधिकार के संबंध में एक संवैधानिक त्रयी (Constitutional Triad) को पूरा किया। 86वें संशोधन द्वारा स्थापित इस त्रयी में कौन से दो अन्य अनुच्छेद शामिल हैं?
(A) अनुच्छेद 21A और अनुच्छेद 45 (Article 21A and Article 45)
(B) अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 21 (Article 14 and Article 21)
(C) अनुच्छेद 29 और अनुच्छेद 30 (Article 29 and Article 30)
(D) अनुच्छेद 15(4) और अनुच्छेद 16(4) (Article 15(4) and Article 16(4))

80. माता-पिता या अभिभावक द्वारा आवश्यक कार्रवाई को परिभाषित करने वाले अनुच्छेद 51A(k) (Article 51A(k)) में प्रयुक्त सटीक भाषा क्या है?
(A) "मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना"
(B) "अपने बच्चे या, जैसी भी स्थिति हो, प्रतिपाल्य (ward) को शिक्षा के अवसर प्रदान करना"
(C) "स्कूल में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना"
(D) "राष्ट्र के शैक्षणिक विकास के लिए करों का भुगतान करना"

81. सामुदायिक भागीदारी और स्कूल प्रबंधन समितियों (School Management Committees - SMCs) के संदर्भ में, अनुच्छेद 51A(k) एक दार्शनिक आधार कैसे प्रदान करता है?
(A) यह स्कूल प्रबंधन समितियों को गैर-अनुपालन वाले माता-पिता पर मौद्रिक जुर्माना लगाने का कानूनी अधिकार देता है।
(B) यह शिक्षा को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है, जो माता-पिता की भागीदारी और प्रतिबद्धता को मान्य करता है।
(C) यह कानूनी रूप से अनिवार्य करता है कि सभी माता-पिता को अपने स्थानीय सरकारी स्कूल में भौतिक रूप से शिक्षण सत्र आयोजित करने होंगे।
(D) यह प्राथमिक शिक्षा का समग्र वित्तीय और प्रशासनिक बोझ पूरी तरह से माता-पिता पर स्थानांतरित करता है।

82. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे अच्छा बताता है कि अनुच्छेद 51A(k) "या, जैसी भी स्थिति हो, प्रतिपाल्य (ward)" वाक्यांश का उपयोग क्यों करता है?
(A) जैविक माता-पिता की अनुपस्थिति में कानूनी अभिभावकता वाले या अनाथालयों में रहने वाले बच्चों को कवर करने के लिए।
(B) स्थानीय राजनीतिक और प्रशासनिक नेताओं तक मूलभूत संवैधानिक कर्तव्यों का स्पष्ट रूप से विस्तार करने के लिए।
(C) स्कूल के प्राचार्यों को सभी नामांकित छात्रों के लिए कानूनी रूप से डिफ़ॉल्ट अभिभावक के रूप में कार्य करने का आदेश देने के लिए।
(D) वयस्कों के अनौपचारिक शिक्षार्थियों को शामिल करने के लिए शैक्षणिक कल्याण कार्यक्रमों के दायरे को व्यापक बनाने के लिए।

NODIA

83. मूल रूप से, भारत के संविधान में 'शिक्षा' (विश्वविद्यालयों सहित) विषय को सातवीं अनुसूची (Seventh Schedule) की किस सूची में रखा गया था?
(A) राज्य सूची (State List)
(B) संघ सूची (Union List)
(C) समवर्ती सूची (Concurrent List)
(D) अवशिष्ट सूची (Residuary List)

84. स्कूल पाठ्यक्रम के संबंध में राज्य विधानसभा द्वारा पारित कानून और उसी मामले पर केंद्र सरकार द्वारा जारी नियम के बीच एक टकराव पैदा होता है। सातवीं अनुसूची को ध्यान में रखते हुए यह कैसे निर्धारित किया जाता है कि कौन सा कानून प्रभावी होगा?
(A) राज्य कानून बिना शर्त प्रभावी होता है क्योंकि स्कूली शिक्षा विशेष राज्य क्षेत्राधिकार का मामला बनी हुई है।
(B) अनुच्छेद 254 संगति नियमों के तहत केंद्रीय कानून प्रभावी होता है क्योंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है।
(C) जब तक उच्चतम न्यायालय अंतिम संवैधानिक फैसला जारी नहीं करता, तब तक दोनों विधायी कानून स्वचालित रूप से निलंबित रहते हैं।

(D) स्थानीय स्कूल प्रबंधन बोर्ड के पास स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए किस विनियमन का चयन करने का विवेकाधिकार है।

85. शिक्षा का राज्य सूची से समवर्ती सूची में ऐतिहासिक स्थानांतरण की सिफारिश किस प्रमुख शिक्षा आयोग ने की थी?
(A) राधाकृष्णन आयोग (Radhakrishnan Commission)
(B) कोठारी आयोग (1964-66) (Kothari Commission - 1964-66)
(C) मुदालियर आयोग (Mudaliar Commission)
(D) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (National Knowledge Commission)

86. समवर्ती सूची (सूची III) की कौन सी प्रविष्टि (Entry) वर्तमान में तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और विश्वविद्यालयों सहित शिक्षा से संबंधित है?
(A) प्रविष्टि 11 (Entry 11)
(B) प्रविष्टि 25 (Entry 25)
(C) प्रविष्टि 63 (Entry 63)
(D) प्रविष्टि 66 (Entry 66)

87. भले ही शिक्षा समवर्ती सूची में है, उच्च शिक्षा या अनुसंधान और वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में मानकों का समन्वय और निर्धारण विशेष रूप से किस सूची के अंतर्गत बना हुआ है?
(A) राज्य सूची - प्रविष्टि 11 (State List - Entry 11)
(B) समवर्ती सूची - प्रविष्टि 25 (Concurrent List - Entry 25)
(C) संघ सूची - प्रविष्टि 66 (Union List - Entry 66)
(D) संघ सूची - प्रविष्टि 63 (Union List - Entry 63)

88. शिक्षा को समवर्ती सूची में स्थानांतरित करने का प्राथमिक शासन प्रभाव (Governance Implication) क्या था?
(A) इसने साझा जिम्मेदारी स्थापित की, जिससे राज्य के कानूनों के साथ-साथ राष्ट्रीय विधायन की अनुमति मिली।
(B) इसने शैक्षणिक योजना और नीति निष्पादन में भाग लेने से राज्य सरकारों को पूरी तरह से समाप्त कर दिया।
(C) इसने निजी गैर-सरकारी संस्थाओं को वैधानिक अनुमोदन के बिना डिग्री देने वाले विश्वविद्यालय स्थापित करने की अनुमति दी।
(D) इसने अनिवार्य किया कि राज्य के स्कूली शैक्षणिक बजट का संपूर्ण हिस्सा सीधे केंद्र द्वारा वित्तपोषित किया जाना चाहिए।

89. सातवीं अनुसूची में शिक्षा के स्थान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. 1976 से पहले, केंद्र सरकार के पास स्कूली शिक्षा पर कोई विधायी शक्ति नहीं थी।
II. समवर्ती सूची की प्रविष्टि 25 संघ सूची की कुछ प्रविष्टियों के प्रावधानों के अधीन, शिक्षा के सभी स्तरों को कवर करती है।
III. आरटीई अधिनियम, 2009 समवर्ती सूची के तहत शक्तियों का उपयोग करके संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

90. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE) 1986 में परिकल्पित "राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली" (National System of Education) की अवधारणा संरचनात्मक रूप से मुख्य रूप से किस कारण से संभव हुई थी?
(A) समवर्ती सूची में शिक्षा का विधायी स्थानांतरण।
(B) सभी भारतीय राज्यों में स्वतंत्र राज्य शिक्षा बोर्डों का पूर्ण संरचनात्मक उन्मूलन।
(C) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम का औपचारिक अधिनियमन और वैधानिक प्रवर्तन।
(D) मानक 10+2+3 शैक्षणिक प्रणाली की राष्ट्रव्यापी संरचनात्मक शुरुआत और कार्यान्वयन।

91. किस संविधान संशोधन अधिनियम ने शिक्षा विषय को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया?
(A) 24वां संशोधन अधिनियम, 1971 (24th Amendment Act, 1971)
(B) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976 (42nd Amendment Act, 1976)
(C) 44वां संशोधन अधिनियम, 1978 (44th Amendment Act, 1978)
(D) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002 (86th Amendment Act, 2002)

92. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 ने राज्य सूची से समवर्ती सूची में पांच विषयों को स्थानांतरित कर दिया। शिक्षा के साथ, निम्नलिखित में से किसे भी स्थानांतरित किया गया था?
(A) लोक स्वास्थ्य (Public Health)
(B) वन (Forests)
(C) पुलिस (Police)
(D) स्थानीय सरकार (Local Government)

NODIA

93. 42वें संशोधन से पहले, शिक्षा को राज्य सूची की किस प्रविष्टि के अंतर्गत रखा गया था?
(A) प्रविष्टि 11 (Entry 11)
(B) प्रविष्टि 20 (Entry 20)
(C) प्रविष्टि 25 (Entry 25)
(D) प्रविष्टि 32 (Entry 32)

94. शिक्षा पर 42वें संविधान संशोधन के प्रभाव के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) इसने शिक्षा पर कानून बनाने की राज्यों की शक्तियों को पूरी तरह से समाप्त कर दिया।
(B) इसने संसद को देश भर में लागू समान शैक्षणिक कानून अधिनियमित करने में सक्षम बनाया।
(C) इसने राज्य सूची की प्रविष्टि 11 को समवर्ती सूची की प्रविष्टि 25 में स्थानांतरित कर दिया।
(D) इसने केंद्र सरकार को स्कूली शिक्षा के लिए धन और नीति-निर्माण में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की अनुमति दी।

95. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : 42वें संशोधन ने भारत में शैक्षणिक प्रशासन के संघीय ढांचे को मौलिक रूप से बदल दिया।
कारण (R) : शिक्षा को समवर्ती सूची में स्थानांतरित करके, इसने यह सुनिश्चित किया कि शिक्षा पर केंद्रीय और राज्य कानूनों के बीच टकराव के मामले में, सामान्यतः केंद्रीय कानून प्रभावी होगा।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

96. स्कूली शिक्षा में कौन सा प्रमुख केंद्रीय हस्तक्षेप संरचनात्मक रूप से संभव और राज्यों में कानूनी रूप से समान हो गया, जो कि शिक्षा को समवर्ती सूची में स्थानांतरित करने वाले 42वें संशोधन के कारण हुआ?
(A) सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan - SSA)
(B) राज्य बोर्डों की स्थापना (Establishment of State Boards)
(C) ग्राम शिक्षा समितियों की नियुक्ति (Appointment of Village Education Committees)
(D) दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम 1973 (The Delhi School Education Act 1973)

97. स्वर्ण सिंह समिति (Swaran Singh Committee) की सिफारिशों के कारण मुख्य रूप से किस संविधान संशोधन का अधिनियमन हुआ जिसने शैक्षणिक शासन (Educational Governance) को प्रभावित किया?
(A) 42वां संशोधन (42nd Amendment)
(B) पहला संशोधन (1st Amendment)
(C) 73वां संशोधन (73rd Amendment)
(D) 86वां संशोधन (86th Amendment)

98. 42वें संशोधन के बाद, समग्र शिक्षा (Samagra Shiksha) जैसी केंद्र प्रायोजित योजनाओं (Centrally Sponsored Schemes) में शिक्षा के लिए वित्तीय जिम्मेदारी कैसे साझा की जाती है?
(A) केंद्र और राज्यों के बीच साझा की जाती है (जैसे, अधिकांश राज्यों के लिए 60:40 अनुपात)।
(B) संघीय आवंटन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा 100% सीधे वित्तपोषित।
(C) राज्य के राजस्व से व्यक्तिगत राज्य सरकारों द्वारा 100% सीधे वित्तपोषित।
(D) पूरी तरह से नगरपालिका और स्थानीय स्वशासन निकाय कराधान के माध्यम से वित्तपोषित।

99. अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4)) राज्य को किनकी उन्नति के लिए विशेष प्रावधान बनाने का अधिकार देता है?
(A) सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के।
(B) विभिन्न भारतीय राज्यों में मान्यता प्राप्त धार्मिक और भाषाई रूप से परिभाषित अल्पसंख्यक समुदायों के।
(C) घरेलू आय सीमा के आधार पर कड़ाई से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के रूप में नामित श्रेणियों के।
(D) लक्षित सुरक्षात्मक सामाजिक और शैक्षणिक विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता वाली महिलाओं और छोटे बच्चों के।

100. चंपकम दोराइराजन मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले से उबरने के लिए किस संविधान संशोधन अधिनियम ने संविधान में अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4)) जोड़ा?
(A) 1ला संशोधन अधिनियम, 1951 (1st Amendment Act, 1951)
(B) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976 (42nd Amendment Act, 1976)
(C) 77वां संशोधन अधिनियम, 1995 (77th Amendment Act, 1995)
(D) 93वां संशोधन अधिनियम, 2005 (93rd Amendment Act, 2005)

101. अनुच्छेद 15(5) (Article 15(5)) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे 93वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2005 द्वारा जोड़ा गया था।
II. यह राज्य को निजी शैक्षणिक संस्थानों सहित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश से संबंधित विशेष प्रावधान बनाने में सक्षम बनाता है।
III. यह अनुच्छेद 30(1) में संदर्भित अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता है।
IV. यह सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त दोनों निजी शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

Downloaded from www.pdf.tube

102. प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ मामले में, उच्चतम न्यायालय ने निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण से संबंधित किस अनुच्छेद की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा?
(A) अनुच्छेद 15(5) (Article 15(5))
(B) अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4))
(C) अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4))
(D) अनुच्छेद 21A (Article 21A)

103. अनुच्छेद 15(5) (Article 15(5)) शैक्षणिक संस्थानों की किस श्रेणी को प्रवेश में एससी/एसटी और ओबीसी के लिए राज्य-अनिवार्य आरक्षण के दायरे से स्पष्ट रूप से छूट देता है?
(A) राज्य के क्षेत्राधिकार के तहत संचालित निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान।
(B) अनुच्छेद 30(1) के अंतर्गत आने वाले अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान।
(C) संसद के अधिनियमों के तहत स्थापित और सीधे प्रशासित केंद्रीय विश्वविद्यालय।
(D) सार्वजनिक रखरखाव अनुदान प्राप्त करने वाले राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त उच्च शैक्षणिक संस्थान।

104. 103वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ने अनुच्छेद 15(6) (Article 15(6)) जोड़ा। शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित इसका प्राथमिक ध्यान क्या है?
(A) आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (Economically Weaker Sections - EWS) के लिए 10% तक सीटें आरक्षित करना।
(B) सभी राज्य विश्वविद्यालयों में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए सकारात्मक कार्रवाई कोटा (Affirmative Action Quota) का विस्तार करना।
(C) ट्रांसजेंडर छात्रों के लिए समान शैक्षणिक पहुंच और विशेष सुविधाओं को सुरक्षित करने वाले अनिवार्य प्रशासनिक प्रावधान।
(D) देश भर में सक्रिय सशस्त्र बलों और रक्षा कर्मियों के बच्चों के लिए समर्पित शैक्षणिक आरक्षण कोटा (Dedicated Educational Reservation Quota) स्थापित करना।

105. एक निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूल वंचित वर्गों के बच्चों के लिए 25% आरक्षण अनिवार्य करने वाली राज्य की अधिसूचना को लागू करने से इनकार करता है, यह दावा करते हुए कि एक गैर-सहायता प्राप्त संस्थान के रूप में, अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत किसी भी पेशे का अभ्यास करने के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन होता है। कौन सा प्रावधान उनके तर्क का निश्चित रूप से मुकाबला करता है?
(A) अनुच्छेद 15(5) (Article 15(5))
(B) अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4))
(C) अनुच्छेद 28 (Article 28)
(D) अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2))

106. शिक्षा में आरक्षण प्रावधानों के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) अनुच्छेद 15(3) — विकलांग व्यक्तियों के लिए कोटा
(B) अनुच्छेद 15(4) — 1ले संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा जोड़ा गया
(C) अनुच्छेद 15(5) — 93वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2005 द्वारा जोड़ा गया
(D) अनुच्छेद 15(6) — 103वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 द्वारा जोड़ा गया

107. केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006, जो केंद्रीय संस्थानों में ओबीसी के लिए 27% आरक्षण प्रदान करता है, अपना संवैधानिक अधिकार कहां से प्राप्त करता है?
(A) अनुच्छेद 15(4) और 15(5) (Articles 15(4) and 15(5))
(B) अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4))
(C) अनुच्छेद 21A (Article 21A)
(D) अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2))

NODIA

108. शैक्षणिक प्रशासन (Educational Administration) के संदर्भ में अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4)) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह राज्य को नागरिकों के किसी भी पिछड़े वर्ग के पक्ष में नियुक्तियों या पदों के आरक्षण के लिए प्रावधान करने का अधिकार देता है।
II. यह शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के प्रवेश पर सीधे लागू होता है।
III. यह सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और प्राचार्यों की भर्ती पर लागू होता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

109. अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4)) सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के लिए एक सक्षम प्रावधान (Enabling Provision) है। नागरिकों के किसी वर्ग के लिए इस आरक्षण के पात्र होने के लिए संवैधानिक पूर्व शर्त क्या है?
(A) उन्हें विशेष रूप से कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक समूह से संबंधित होना चाहिए।
(B) उन्हें नामित ग्रामीण या पिछड़े प्रशासनिक क्षेत्रों में स्थायी रूप से रहना चाहिए।
(C) उनका राज्य की सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है।
(D) उनके पास सार्वजनिक संस्थानों में कड़ाई से स्नातक स्तर से नीचे की शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए।

110. राज्य चयन बोर्डों द्वारा शिक्षक भर्ती के संदर्भ में, एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए रोस्टर प्रणाली का कार्यान्वयन कानूनी रूप से किसमें निहित है?

(A) अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4))
(B) अनुच्छेद 14 (Article 14)
(C) अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4))
(D) अनुच्छेद 46 (Article 46)

111. किस ऐतिहासिक उच्चतम न्यायालय के निर्णय ने अनुच्छेद 16(4) के तहत आरक्षण पर 50% की ऊपरी सीमा (50% Ceiling Limit) स्थापित की, जो शिक्षकों और शैक्षणिक प्रशासकों की भर्ती नीतियों को प्रभावित करती है?
(A) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (Kesavananda Bharati v. State of Kerala)
(B) इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ (Indra Sawhney v. Union of India)
(C) एम. नागराज बनाम भारत संघ (M. Nagaraj v. Union of India)
(D) अशोक कुमार ठाकुर बनाम भारत संघ (Ashok Kumar Thakur v. Union of India)

112. 77वें संशोधन अधिनियम, 1995 द्वारा शामिल अनुच्छेद 16(4A) (Article 16(4A)), विशेष रूप से किसके लिए प्रावधान करता है?
(A) एससी और एसटी के लिए परिणामी वरिष्ठता (Consequential Seniority) के साथ पदोन्नति में आरक्षण।
(B) सार्वजनिक भर्ती में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए विशेष सकारात्मक कार्रवाई कोटा (Affirmative Action Quota)।
(C) बिना किसी सीमा के बाद के भर्ती वर्षों में बिना भरे आरक्षित बैकलाग (Backlog Vacancies) को आगे बढ़ाना।
(D) सार्वजनिक शैक्षणिक प्रशासन में महिला उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य प्रतिशत आरक्षण।

113. जबकि अनुच्छेद 15(4) पिछड़े वर्गों की शैक्षणिक उन्नति के लिए विशेष प्रावधानों से संबंधित है, अनुच्छेद 16(4) विशेष रूप से किस पर ध्यान केंद्रित करता है?
(A) सार्वजनिक रोजगार में समान अवसर सुरक्षित करना।
(B) कॉलेजों में पिछड़े वर्ग के छात्रों को प्रत्यक्ष नकद छात्रवृत्ति हस्तांतरण का प्रशासन करना।
(C) देश भर में निजी गैर-सहायता प्राप्त पेशेवर संस्थानों में छात्र प्रवेश कोटा को विनियमित करना।
(D) प्राथमिक स्कूलों को मुफ्त मानकीकृत पाठ्यपुस्तकें, वर्दी और शिक्षण सामग्री प्रदान करना।

114. शैक्षणिक भर्ती में अनुच्छेद 16 लागू करने के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) यह पूरी तरह से राज्य द्वारा पोषित स्कूलों में कर्मचारियों की भर्ती पर लागू होता है।
(B) यह आदेश देता है कि केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, उद्भव, जन्मस्थान या निवास के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा।
(C) यह निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को शिक्षकों को काम पर रखने के लिए सरकारी आरक्षण रोस्टर का पालन करने के लिए मजबूर करता है।
(D) यह राज्य को अनुच्छेद 16(3) के तहत विशिष्ट पदों के लिए आवासीय योग्यता निर्धारित करने की अनुमति देता है।

115. 81वें संशोधन अधिनियम, 2000 द्वारा जोड़ा गया अनुच्छेद 16(4B) (Article 16(4B)) यह सुनिश्चित करता है कि:
(A) कुल आरक्षण पर सख्त 50% की ऊपरी सीमा सभी वार्षिक बैकलाग रिक्तियों पर लागू होती है।
(B) बिना भरी आरक्षित बैकलाग रिक्तियां बाद के वर्षों की 50% की सीमा में नहीं गिनी जाती हैं।
(C) सार्वजनिक रोजगार में सभी पदोन्नति आरक्षण कोटा लागू किए बिना कड़ाई से योग्यता के आधार पर होनी चाहिए।
(D) शिक्षक भर्ती में आरक्षण प्रावधान स्वतः ही अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों तक विस्तारित हो जाते हैं।

116. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : अनुच्छेद 350A (Article 350A) प्रत्येक राज्य को भाषाई अल्पसंख्यक समूहों से संबंधित बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश देता है।
कारण (R) : एनईपी 2020 (NEP 2020) इस संवैधानिक निर्देश के साथ संरेखित करते हुए कम से कम कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम घर की भाषा/मातृभाषा/स्थानीय भाषा होने की वकालत करता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

117. किस संविधान संशोधन अधिनियम ने संविधान में अनुच्छेद 350A (Article 350A) को शामिल किया?
(A) 1ला संशोधन अधिनियम, 1951 (1st Amendment Act, 1951)
(B) 7वां संशोधन अधिनियम, 1956 (7th Amendment Act, 1956)
(C) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976 (42nd Amendment Act, 1976)
(D) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002 (86th Amendment Act, 2002)

118. अनुच्छेद 350A (Article 350A) मातृभाषा में शिक्षा के अपने निर्देश को विशेष रूप से शिक्षा के किस स्तर तक सीमित करता है?
(A) पूर्व-प्राथमिक स्तर (Pre-primary stage)

Click Here to Buy book on Amazon

(B) प्राथमिक स्तर (Primary stage)
(C) माध्यमिक स्तर (Secondary stage)
(D) उच्च शिक्षा स्तर (Higher education stage)

119. अनुच्छेद 350A के तहत, मातृभाषा शिक्षा सुविधाएं प्रदान करना सुरक्षित करने के लिए किसी भी राज्य को ऐसे निर्देश जारी करने का संवैधानिक अधिकार किसे प्राप्त है जो वह आवश्यक या उचित समझता है?
(A) भारत के राष्ट्रपति (The President of India)
(B) प्रधानमंत्री (The Prime Minister)
(C) शिक्षा मंत्री (The Minister of Education)
(D) राज्य के राज्यपाल (The Governor of the State)

120. सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित एक प्राथमिक स्कूल में ऐसे छात्रों की महत्वपूर्ण संख्या है जिनकी मातृभाषा प्रमुख क्षेत्रीय भाषा से भिन्न है। स्थानीय समुदाय शिक्षा विभाग से एक ऐसा शिक्षक प्रदान करने का अनुरोध करता है जो उनकी मातृभाषा में पढ़ा सके। प्राचार्य इस अनुरोध को अनुकूल रूप से आगे बढ़ाते हैं। यह प्रशासनिक कार्रवाई किस संवैधानिक प्रावधान की मंशा को पूरा करती है?
(A) अनुच्छेद 21A (Article 21A)
(B) अनुच्छेद 350A (Article 350A)
(C) अनुच्छेद 45 (Article 45)
(D) अनुच्छेद 51A (Article 51A)

121. अनुच्छेद 350A का समावेश किस आयोग की सिफारिशों पर आधारित था?
(A) राज्य पुनर्गठन आयोग (1955) (State Reorganization Commission - 1955)
(B) कोठारी आयोग (1964) (Kothari Commission - 1964)
(C) मंडल आयोग (1980) (Mandal Commission - 1980)
(D) सरकारीया आयोग (1983) (Sarkaria Commission - 1983)

122. अनुच्छेद 350A के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) यह भाषाई अल्पसंख्यक समूहों से संबंधित बच्चों को लक्षित करता है।
(B) यह विश्वविद्यालय स्तर तक मातृभाषा में शिक्षा अनिवार्य करता है।
(C) यह राज्य के भीतर प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकरण पर एक दायित्व डालता है।
(D) यह अल्पसंख्यकों की सांस्कृतिक और भाषाई पहचान की रक्षा करना चाहता है।

123. भाषाई अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए अनुच्छेद 350B के तहत कौन सा संबंधित तंत्र स्थापित किया गया था?
(A) भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी (Special Officer for Linguistic Minorities)
(B) राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (National Commission for Minorities)
(C) केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (Central Institute of Indian Languages)
(D) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (National Council for Teacher Education - NCTE)

NODIA

124. अनुच्छेद 29(1) और अनुच्छेद 350A के बीच मूलभूत अंतर क्या है?
(A) अनुच्छेद 29(1) लिपि और संस्कृति की रक्षा करता है; अनुच्छेद 350A प्राथमिक शिक्षा सुविधाओं को अनिवार्य बनाता है।
(B) अनुच्छेद 29(1) केवल धार्मिक अल्पसंख्यकों पर लागू होता है, जबकि अनुच्छेद 350A सार्वभौमिक रूप से सभी नागरिकों पर लागू होता है।
(C) अनुच्छेद 350A एक प्रवर्तनीय मौलिक अधिकार है, जबकि अनुच्छेद 29(1) को नीति निदेशक तत्व के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
(D) दोनों प्रावधानों के बीच कोई मूलभूत अंतर नहीं है क्योंकि दोनों कानूनी दायरे में पूरी तरह समान हैं।

125. मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य (1992) (Mohini Jain v. State of Karnataka - 1992) के ऐतिहासिक निर्णय में मुख्य रूप से किसकी असंवैधानिकता से निपटा गया था?
(A) शैक्षणिक संस्थानों द्वारा कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fees) वसूलना।
(B) स्कूलों में छात्रों पर शारीरिक दंड (Corporal Punishment) और मानसिक उत्पीड़न लगाना।
(C) अल्पसंख्यक संचालित शैक्षणिक संस्थानों में अनुचित राज्य नियामक हस्तक्षेप।
(D) माध्यमिक स्कूलों में त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula) का संरचनात्मक कार्यान्वयन।

126. मोहिनी जैन मामले में, उच्चतम न्यायालय ने घोषित किया कि शिक्षा का अधिकार (Right to Education) एक मौलिक अधिकार है जो सीधे किससे निकलता है:
(A) अनुच्छेद 21 (Article 21)
(B) अनुच्छेद 14 (Article 14)
(C) अनुच्छेद 19(1)(a) (Article 19(1)(a))
(D) अनुच्छेद 30 (Article 30)

127. मोहिनी जैन निर्णय में प्रतिपादित शिक्षा के अधिकार का व्यापक (और बाद में संशोधित) दायरा क्या था?
(A) शिक्षा का मौलिक अधिकार कानूनी रूप से केवल 14 वर्ष तक के छोटे बच्चों के लिए उपलब्ध है।
(B) यह उच्च शिक्षा सहित सभी शैक्षणिक स्तरों पर सभी नागरिकों के लिए एक मौलिक अधिकार है।
(C) शिक्षा का मौलिक अधिकार सभी राज्यों में कड़ाई से बुनियादी प्राथमिक शिक्षा तक सीमित है।
(D) शिक्षा का अधिकार विशेष रूप से राज्य-वित्तपोषित और सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता

(A) यह सुनिश्चित करता है कि माता-पिता राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी भी भाषा में शिकायतें जमा कर सकते हैं।
(B) यह आदेश देता है कि सभी स्कूल पाठ्यपुस्तकों का सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में अनुवाद किया जाना चाहिए।
(C) यह स्कूलों को विशेष रूप से स्थानीय क्षेत्रीय बोली में सभी शैक्षणिक विषयों को पढ़ाने के लिए मजबूर करता है।
(D) यह सभी आधिकारिक स्कूल प्रशासनिक पत्राचार में अंग्रेजी के उपयोग को कड़ाई से प्रतिबंधित करता है।

194. संविधान में भाषाई सुरक्षा उपायों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अनुच्छेद 350 राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी भी भाषा में व्यथा निवारण के लिए अभ्यावेदन की अनुमति देता है।
II. अनुच्छेद 350A भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा सुविधाओं को अनिवार्य बनाता है।
III. अनुच्छेद 350B भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए एक विशेष अधिकारी का प्रावधान करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

195. यदि कोई अभिभावक शिक्षा निदेशालय को राज्य में प्रयुक्त अल्पसंख्यक भाषा में अपने बच्चे की सुरक्षा से संबंधित लिखित शिकायत जमा करता है, तो अनुच्छेद 350 इस दस्तावेज की प्राप्ति के संबंध में क्या निर्धारित करता है?
(A) निदेशालय को राज्य में प्रयुक्त किसी भी भाषा में अभ्यावेदन स्वीकार करना होगा।
(B) निदेशालय अभ्यावेदन को अस्वीकार कर सकता है और प्रमाणित हिंदी अनुवाद की मांग कर सकता है।
(C) निदेशालय को तुरंत सभी अल्पसंख्यक भाषा दस्तावेजों को केंद्र को भेजना चाहिए।
(D) माता-पिता को सीधे स्कूल अधिकारियों को अनुवाद शुल्क देना होगा।

196. अनुच्छेद 350 के तहत अधिकार किसे उपलब्ध है:
(A) प्रत्येक व्यक्ति को (Every person)
(B) केवल भारत के नागरिकों को (Only citizens of India)
(C) केवल भाषाई अल्पसंख्यकों को (Only linguistic minorities)
(D) केवल सरकारी कर्मचारियों को (Only government employees)

197. भारतीय संविधान के किस भाग में अनुच्छेद 350, 350A, और 350B शामिल हैं, जो शिक्षा में भाषाई अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण हैं?
(A) भाग XVII (राजभाषा) (Part XVII - Official Language)
(B) भाग III (मौलिक अधिकार) (Part III - Fundamental Rights)
(C) भाग IV (नीति निदेशक तत्व) (Part IV - Directive Principles)
(D) भाग XX (संविधान का संशोधन) (Part XX - Amendment of the Constitution)

198. एक प्रवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाला एक स्थानीय गैर-सरकारी संगठन एक विशिष्ट जिले में मातृभाषा के शिक्षकों की कमी से संबंधित एक विस्तृत अभ्यावेदन जमा करता है। अभ्यावेदन उनकी मूल भाषा में लिखा गया है, जो उस क्षेत्र में एक बड़ी आबादी द्वारा बोली जाती है। जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं, यह कहते हुए कि यह आधिकारिक राज्य की भाषा में होना चाहिए। अनुच्छेद 350 के आधार पर, डीईओ की कार्रवाई का सही प्रशासनिक मूल्यांकन क्या है?
(A) डीईओ की कार्रवाई किसी भी राज्य भाषा में शिकायत जमा करने के अधिकार का उल्लंघन करती है।
(B) डीईओ सही हैं, क्योंकि हिंदी को राष्ट्रीय आधिकारिक भाषा के रूप में नामित किया गया है।
(C) डीईओ सही हैं क्योंकि आधिकारिक पत्राचार अंग्रेजी या हिंदी में किया जाना चाहिए।
(D) गैर-सरकारी संगठन को पहले भाषा को आठवीं अनुसूची में औपचारिक रुप से मान्यता दिलानी होगी।

199. अनुच्छेद 350 का दायरा अनुच्छेद 350A से कैसे भिन्न है?
(A) अनुच्छेद 350 शिकायत निवारण को कवर करता है; 350A प्राथमिक शिक्षा सुविधाओं को अनिवार्य बनाता है।
(B) अनुच्छेद 350 शिक्षा के माध्यम से संबंधित है, जबकि 350A आधिकारिक राज्य भाषाओं को नियंत्रित करता है।
(C) दोनों प्रावधान समान हैं और विशेष रूप से सार्वजनिक प्राथमिक स्कूल प्रशासन पर लागू होते हैं।
(D) अनुच्छेद 350 केवल उच्चतम न्यायालय की कार्यवाही पर लागू होता है, जबकि 350A स्थानीय स्कूलों पर लागू होता है।

200. अनुच्छेद 347, 350, 350A और 350B के पीछे मूलभूत उद्देश्य क्या है:
(A) भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए समावेशिता की रक्षा करना और उसे बढ़ावा देना।
(B) पूरे भारत में हिंदी का पूर्ण प्रभुत्व और अनिवार्य अंगीकरण सुनिश्चित करना।
(C) भारतीय स्कूल संस्थानों में छात्रों को विदेशी भाषाएं सीखने से रोकना।
(D) राज्य सरकारों को अंग्रेजी में आधिकारिक प्रशासनिक कार्य करने के लिए मजबूर करना।

Downloaded from www.pdf.tube

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

(C) सार्वभौमिक सार्वजनिक छात्रवृत्ति योजना (Universal Public Scholarship Scheme)
(D) केंद्रीकृत विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा योजना (Centralised University Entry Test Scheme)

136. उन्नी कृष्णन निर्णय ने अनुच्छेद 21 के साथ किस अनुच्छेद को पढ़कर संविधान के भाग III और भाग IV में सामंजस्य स्थापित किया?
(A) अनुच्छेद 45 (Article 45)
(B) अनुच्छेद 44 (Article 44)
(C) अनुच्छेद 47 (Article 47)
(D) अनुच्छेद 50 (Article 50)

137. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : उन्नी कृष्णन निर्णय 86वें संविधान संशोधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।
कारण (R) : शिक्षा के मौलिक अधिकार को 14 वर्ष की आयु तक लागू होने के रूप में कानूनी रूप से परिभाषित करके, इसने सटीक पैरामीटर प्रदान किया जिसे संसद ने बाद में अनुच्छेद 21A में संहिताबद्ध किया।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

138. उन्नी कृष्णन मामले में, उच्चतम न्यायालय ने शुल्क संरचनाओं को विनियमित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया। निम्नलिखित में से कौन सा निर्धारित सिद्धांतों में से एक नहीं था?
(A) संवैधानिक सिद्धांतों के तहत शिक्षा में व्यावसायीकरण और मुनाफाखोरी कड़ाई से प्रतिबंधित है।
(B) निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों को कोई भी कैपिटेशन शुल्क लेने का अधिकार है।
(C) राज्य के पास निजी पेशेवर कॉलेजों की शुल्क संरचनाओं पर पूर्ण नियामक अधिकार है।
(D) यदि कैपिटेशन शुल्क की मांग की जाती है तो शैक्षणिक संस्थानों की संबद्धता या मान्यता रद्द की जा सकती है।

139. उच्चतम न्यायालय के निर्णयों में शिक्षा के अधिकार के विकास के सही क्रम की पहचान कीजिए:
(A) उन्नी कृष्णन → मोहिनी जैन → टीएमए पाई
(B) मोहिनी जैन → उन्नी कृष्णन → टीएमए पाई
(C) टीएमए पाई → मोहिनी जैन → उन्नी कृष्णन
(D) मोहिनी जैन → टीएमए पाई → उन्नी कृष्णन

140. उन्नी कृष्णन मामले में न्यायालय द्वारा निजी शैक्षणिक संस्थानों के किस विशिष्ट तर्क को खारिज कर दिया गया था?
(A) कि निजी संस्थाओं के पास शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का एक सामान्य अधिकार (General Right) है।
(B) कि शिक्षा प्रदान करना अनुच्छेद 19(1)(g) (Article 19(1)(g)) के तहत एक 'व्यापार या व्यवसाय' है।
(C) कि निजी कॉलेजों के पास राज्य विश्वविद्यालयों के साथ संबद्ध होने का पूर्ण कानूनी अधिकार है।
(D) कि निजी स्कूल प्रबंधन योग्य शिक्षकों को नियुक्त करने के लिए पूर्ण स्वायत्तता बनाए रखता है।

NODIA

141. टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य (2002) (T.M.A. Pai Foundation v. State of Karnataka - 2002) में 11-न्यायाधीशों की पीठ के ऐतिहासिक फैसले ने मुख्य रूप से किसके अधिकारों से निपटा?
(A) शैक्षणिक केंद्र स्थापित करने और प्रशासित करने के निजी संस्थानों के अधिकार।
(B) प्राथमिक स्कूल शिक्षा का पूरी तरह से राष्ट्रीयकरण करने और नियंत्रित करने की राज्य की शक्ति।
(C) ट्रेड यूनियन बनाने और सामूहिक हड़ताल आयोजित करने के लिए स्कूल शिक्षकों के अधिकार।
(D) मुफ्त पेशेवर निर्देश की मांग करने के लिए उच्च शिक्षा के छात्रों की पात्रता।

142. उन्नी कृष्णन मामले में तैयार की गई भुगतान सीटों और मुफ्त सीटों को तय करने की "योजना" के संबंध में टीएमए पाई निर्णय का क्या फैसला था?
(A) इसने उन्नी कृष्णन प्रवेश योजना को एक वैध नियामक ढांचे के रूप में पूरी तरह से बरकरार रखा।
(B) इसने भुगतान-सीट योजना को शिक्षा के सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों तक विस्तारित किया।
(C) उसने इस योजना को निजी स्कूल स्वायत्तता पर एक अनुचित प्रतिबंध के रूप में रद्द कर दिया।
(D) इसने योजना चलाने का संपूर्ण प्रशासनिक अधिकार राज्य सरकारों को स्थानांतरित कर दिया।

143. टीएमए पाई फाउंडेशन निर्णय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसने स्वीकार किया कि एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत किसी भी पेशे को करने के मौलिक अधिकार के अंतर्गत आती है।
II. इसने निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों को कैपिटेशन शुल्क लेने की पूर्ण स्वतंत्रता दी।
III. इसमें कहा गया है कि राज्य अल्पसंख्यक और गैर-अल्पसंख्यक निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों पर अपनी आरक्षण नीति नहीं थोप सकता है।
IV. इसने पुष्टि की कि प्रशासन और प्रवेश में निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों को अधिकतम स्वायत्तता दी जानी चाहिए।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, III और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

160. नागरिक समाज संगठनों और व्यक्तियों ने सरकार को शिक्षा नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मजबूर करने हेतु उच्चतम न्यायालय में बार-बार किस प्रमुख उपकरण का उपयोग किया?
(A) जनहित याचिका (Public Interest Litigation - PIL)
(B) अधिकार पृच्छा (Quo Warranto)
(C) विशेष अनुमति याचिकाएं विशेष रुप से (Special Leave Petitions exclusively)
(D) परामर्शदात्री क्षेत्राधिकार (Advisory Jurisdiction)

161. अविनाश मेहरोत्रा बनाम भारत संघ (2009) (Avinash Mehrotra v. Union of India - 2009) में, उच्चतम न्यायालय ने मुख्य रुप से क्या सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों के लिए बुनियादी ढांचे के मानकों को अनिवार्य किया:
(A) सरकारी स्कूलों में हाई-स्पीड डिजिटल इंटरनेट कनेक्शन प्रदान करना।
(B) कुंभकोणम त्रासदी के बाद स्कूल में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करना।
(C) स्कूल की कक्षाओं में केंद्रीय वातानुकूलन का अनिवार्य संस्थापन।
(D) प्राथमिक स्कूलों में इंटरैक्टिव मल्टी-मीडिया स्मार्ट क्लासरुम स्थापित करना।

162. न्यायपालिका ने पीने के पानी और लड़कों और लड़कियों के लिए अलग शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान के संबंध में आरटीई अधिनियम की व्याख्या कैसे की है?
(A) अनुच्छेद 21A (Article 21A) के अभिन्न अंग, अनुपस्थिति को मौलिक अधिकार का उल्लंघन मानते हुए।
(B) वैकल्पिक भौतिक सुविधाएं कड़ाई से राज्य कोष (State Funds) की उपलब्धता पर निर्भर हैं।
(C) संवैधानिक कानून से बाहर, विशेष रुप से नगरपालिका के दायरे (Municipal Domain) के तहत मामले।
(D) केवल निजी संस्थानों के लिए अनिवार्य बुनियादी ढांचा सुविधाएं।

163. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रुप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : न्यायपालिका ने दृढ़ता से फैसला सुनाया है कि वित्तीय संसाधनों की कमी को राज्य द्वारा शिक्षा के अधिकार को लागू करने में विफल रहने के लिए एक वैध बहाने के रुप में उद्धृत नहीं किया जा सकता है।
कारण (R) : अनुच्छेद 21A, 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के लिए एक निरपेक्ष जनादेश प्रदान करता है, जिससे यह आर्थिक क्षमता की सीमाओं से स्वतंत्र एक प्रवर्तनीय मौलिक अधिकार बन जाता है।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

164. एनवायरनमेंटल एंड इकोलॉजिकल प्रोटेक्शन समिति बनाम कार्यकारी अभियंता में, न्यायपालिका ने इस बात पर जोर दिया कि जीवन के अधिकार की रक्षा के लिए स्कूलों को किसके पास स्थित नहीं होना चाहिए:
(A) खतरनाक उद्योग (Hazardous industries)
(B) घनी आबादी वाले आवासीय पड़ोस (Residential Neighborhoods) और उपनगरीय आवास कॉलोनियां
(C) केंद्रीय नगरपालिका प्रशासनिक कार्यालय और सरकारी सचिवालय (Government Secretariats)
(D) सार्वजनिक पार्क, मनोरंजक क्षेत्र और नामित नगर निगम के खुले स्थान

165. आरटीई में न्यायपालिका की भूमिका केवल अधिकारों की घोषणा करने से बदलकर किसमें स्थानांतरित हो गई है:
(A) समय-सीमा की निगरानी करना और परमादेश (Mandamus) के माध्यम से शिक्षक रिक्ति भरने का निर्देश देना।
(B) स्कूल शिक्षकों के लिए दैनिक कक्षा पाठ योजनाएं (Classroom Lesson Plans) तैयार करना और प्रारुपित करना।
(C) राज्य के स्कूलों में वार्षिक औपचारिक सत्र परीक्षाएं सीधे आयोजित करना।
(D) कार्यकारी मंत्रालयों (Executive Ministries) और शिक्षा विभागों को पूरी तरह से समाप्त करना।

166. बसों में ले जाए जाने वाले स्कूली बच्चों की सुरक्षा के संबंध में न्यायपालिका द्वारा एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के कारण दिशानिर्देशों के किस सेट का निर्माण हुआ?
(A) स्कूल बस सुरक्षा पर उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश (Supreme Court Guidelines on School Bus Safety)।
(B) कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकने पर विशाखा दिशानिर्देश (Vishaka Guidelines)।
(C) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड स्कूल संबद्धता उप-नियम (CBSE School Affiliation Bye-Laws)।
(D) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्कूल सुरक्षा दिशानिर्देश (NDMA School Safety Guidelines)।

167. शिक्षा के संदर्भ में मौलिक अधिकारों (भाग III) और राज्य के नीति निदेशक तत्वों (भाग IV) के बीच संबंध स्पष्ट टकराव से बदलकर किसमें विकसित हुआ है:
(A) सामंजस्यपूर्ण निर्माण और एकीकरण (Harmonious construction and integration)
(B) पूर्ण पृथक्करण (Complete separation)
(C) सभी मामलों में भाग III पर भाग IV की प्रभुता
(D) भाग IV का उन्मूलन

168. एक राज्य सरकार कृषि से संबंधित नीति निदेशक तत्व को पूरा करने के लिए प्राथमिक शिक्षा के वित्तपोषण को

Click Here to Buy book on Flipkart

152. इस निर्णय में उच्चतम न्यायालय द्वारा (और बाद में प्रमति ट्रस्ट में प्रबलित) स्कूलों की किस श्रेणी को आरटीई अधिनियम (और 25% जनादेश) के दायरे से स्पष्ट रूप से छूट दी गई थी?
(A) निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूल
(B) केंद्रीय विद्यालय जैसे निर्दिष्ट श्रेणी के स्कूल
(C) गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान
(D) राज्य सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूल

153. सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स मामले में 25% आरटीई कोटे के खिलाफ निजी स्कूलों द्वारा उठाया गया प्राथमिक संवैधानिक तर्क क्या था?
(A) इसने अनुच्छेद 19(1)(g) (Article 19(1)(g)) के तहत पेशे के अधिकारों को अनुचित रूप से प्रतिबंधित किया।
(B) इसने अनुच्छेद 25 (Article 25) के तहत अंतःकरण की स्वतंत्रता और धार्मिक प्रबंधन का उल्लंघन किया।
(C) इसने अनुच्छेद 21 (Article 21) के तहत व्यक्तिगत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी के अधिकार का सीधे उल्लंघन किया।
(D) उसने समवर्ती सूची की प्रविष्टियों के तहत राज्य की विधायी शक्तियों का असंवैधानिक रूप से उल्लंघन किया।

154. उच्चतम न्यायालय ने निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों पर 25% कोटा लागू करने का औचित्य कैसे साबित किया?
(A) अनुच्छेद 21A को पूरा करने वाले अनुच्छेद 19(6) (Article 19(6)) के तहत एक उचित प्रतिबंध के रूप में।
(B) राष्ट्रीय सुरक्षा प्रावधानों के तहत आपातकालीन प्रशासनिक शक्तियों (Emergency Administrative Powers) का आह्वान करके।
(C) यह घोषित करके कि निजी शैक्षणिक संपत्ति राज्य के स्वामित्व (State Ownership) के अधीन है।
(D) टीएमए पाई निर्णय ढांचे को पूरी तरह से खारिज और दरकिनार करके।

155. एक निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूल के नए नियुक्त प्राचार्य टीएमए पाई मामले में स्थापित स्कूल की प्रशासनिक स्वायत्तता का हवाला देते हुए, ईडब्ल्यूएस (EWS) कोटे के तहत आवेदन करने वाले छात्रों को प्रवेश देने से इनकार करना चाहते हैं। कानूनी रूप से इस निर्णय का मूल्यांकन कैसे किया जाता है?
(A) यह आरटीई कोटे को बरकरार रखने वाले सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स के फैसले का उल्लंघन करता है।
(B) निर्णय अनुच्छेद 30 (Article 30) के तहत अल्पसंख्यक सुरक्षा गारंटी के आधार पर संवैधानिक रूप से वैध है।
(C) निर्णय कानूनी रूप से सही है क्योंकि आरटीई (RTE) प्रावधान शहरी क्षेत्रों के निजी स्कूलों पर लागू नहीं होते हैं।
(D) निर्णय कानूनी रूप से वैध है बशर्ते इसे स्थानीय अभिभावक-शिक्षक संघ से औपचारिक अनुमोदन प्राप्त हो।

156. सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स के निर्णय में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि अनुच्छेद 21A के तहत मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का दायित्व मुख्य रूप से किस पर है:
(A) राज्य पर, निजी संस्थाओं द्वारा बोझ को पूरा करने और साझा करने के साथ।
(B) राज्य की सीमाओं के भीतर संचालित निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों (Unaided Non-minority Institutions) पर।
(C) स्कूल जिलों में माता-पिता, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय (Local Community) प्रबंधन समितियों पर।
(D) प्राथमिक क्षेत्र में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक गैर-सरकारी संगठनों पर।

157. आरटीई की वैधता पर 2012 के निर्णय के निष्कर्षों के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) आरटीई (RTE) अधिनियम संवैधानिक रूप से वैध है।
(B) 25% आरक्षण निजी गैर-सहायता प्राप्त गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों पर लागू होता है।
(C) राज्य को निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को 25% कोटे के लिए राज्य के प्रति-बच्चा व्यय दर या वास्तविक स्कूल शुल्क, जो भी कम हो, पर प्रतिपूर्ति करनी होगी।
(D) सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूलों को 50% ईडब्ल्यूएस (EWS) छात्रों को पूरी तरह से अपनी लागत पर प्रवेश देना होगा।

158. निर्णय के बाद, निजी गैर-सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण नीतियों के आवेदन को मजबूत करने के लिए प्रमति एजुकेशनल ट्रस्ट मामले (2014) में बाद में किस संविधान संशोधन को मान्य किया गया था?
(A) 93वां संशोधन (93rd Amendment)
(B) 86वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 (86th Constitutional Amendment Act, 2002)
(C) 97वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2011 (97th Constitutional Amendment Act, 2011)
(D) 103वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 (103rd Constitutional Amendment Act, 2019)

159. आरटीई कार्यान्वयन को आकार देने में भारतीय न्यायपालिका (Indian Judiciary) की सक्रिय भूमिका को किसके उदाहरण के रूप में सबसे अच्छा वर्णित किया गया है:
(A) न्यायिक सक्रियता और जनहित याचिका (Judicial Activism and Public Interest Litigation)।
(B) नीतिगत मामलों में न्यायिक संयम (Judicial Restraint) का सख्त सिद्धांत।
(C) सैन्य न्यायाधिकरणों से संबंधित कार्यकारी आदेशों की न्यायिक समीक्षा (Judicial Review)।
(D) अंतर-राज्यीय सीमा विवादों पर मूल क्षेत्राधिकार का प्रयोग।

Downloaded from www.pdf.tube

(B) भारत में उपाधियों के संवैधानिक उन्मूलन से संबंधित अनुच्छेद 18 (Article 18)।
(C) कारखानों और खतरनाक काम में बाल श्रम को प्रतिबंधित करने वाला अनुच्छेद 24 (Article 24)।
(D) अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के राज्य संवर्धन को निर्देशित करने वाला अनुच्छेद 51 (Article 51)।

176. कौन सा विशिष्ट संवैधानिक अनुच्छेद राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने का अधिकार देता है, जिससे विकलांग बालिकाओं के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योजनाएं सक्षम होती हैं?
(A) अनुच्छेद 15(3) (Article 15(3))
(B) अनुच्छेद 15(1) (Article 15(1))
(C) अनुच्छेद 16(2) (Article 16(2))
(D) अनुच्छेद 17 (Article 17)

177. एक स्कूल एक लोकोमोटर विकलांगता वाले बच्चे को प्रवेश देने से मना करता है, यह हवाला देते हुए कि उनकी इमारत में रैंप नहीं हैं और वे उन्हें बनाने का खर्च नहीं उठा सकते। संवैधानिक ढांचे (अनुच्छेद 14, 21A) और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत कानूनी स्थिति क्या है?
(A) अपने बुनियादी ढांचे (Basic Infrastructure) को संरक्षित करने के लिए स्कूल के पास प्रवेश से इनकार करने का पूरा अधिकार है।
(B) इनकार अनुच्छेद 21A का उल्लंघन करता है; स्कूल को उचित आवास (Reasonable Accommodation) प्रदान करना चाहिए।
(C) विकलांग बच्चे को अनिवार्य रूप से केवल विशिष्ट विशेष स्कूलों (Special Schools) में ही नामांकित किया जाना चाहिए।
(D) स्कूल प्रशासन कानूनी रूप से मांग कर सकता है कि माता-पिता रैंप निर्माण का वित्तपोषण करें।

178. अवसरों की समानता के संवैधानिक लक्ष्य को महसूस करते हुए, आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के तहत बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए उच्च शैक्षणिक संस्थानों में कितने प्रतिशत आरक्षण का आदेश दिया गया है?
(A) 3%
(B) 4%
(C) 5%
(D) 10%

179. संवैधानिक प्रावधानों से प्रेरणा लेते हुए, आरटीई अधिनियम को 2012 में विशेष रूप से विकलांग बच्चों को किसकी परिभाषा में शामिल करने के लिए संशोधित किया गया था:
(A) वंचित समूह से संबंधित बच्चा (Child belonging to disadvantaged group)
(B) निर्दिष्ट श्रेणी के बच्चे (Specified category children)
(C) क्रीमी लेयर (Creamy layer)
(D) अल्पसंख्यक (Minorities)

NODIA

180. संवैधानिक प्रावधानों और सीडब्ल्यूएसएन (Children with Special Needs - CWSN) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अनुच्छेद 41 राज्य को विकलांगता के मामलों में शिक्षा और सार्वजनिक सहायता का अधिकार सुरक्षित करने के लिए प्रभावी प्रावधान करने का निर्देश देता है।
II. आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 18 वर्ष की आयु तक बेंचमार्क विकलांगता वाले बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है।
III. समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) को अनुच्छेद 21A को पूरा करने के लिए एक वैधानिक जनादेश के रूप में मान्यता प्राप्त है।
IV. अल्पसंख्यक संस्थानों को बाधा मुक्त पहुंच प्रदान करने से छूट दी गई है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, III और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) I, II, III और IV

181. संवैधानिक व्यवस्था के तहत, विकलांग छात्र के लिए "उचित आवास" (Reasonable Accommodation) का अर्थ है:
(A) यह सुनिश्चित करने के लिए समायोजन कि विकलांग व्यक्ति समान रूप से अधिकारों का आनंद लें।
(B) सभी नामांकित विकलांग छात्रों को मुफ्त बोर्डिंग और लॉजिंग हॉस्टल आवास प्रदान करना।
(C) विकलांग छात्रों के लिए सभी औपचारिक शैक्षणिक परीक्षाओं में पासिंग मार्क्स घटाकर 10% करना।
(D) विकलांग छात्रों को किसी भी भौतिक कक्षा में भाग लेने से पूरी छूट देना।

182. कौन सा अनुच्छेद धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है, और शैक्षणिक पहुंच में विकलांगता के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करने के लिए अदालतों द्वारा व्यापक रूप से व्याख्यायित किया जाता है?
(A) अनुच्छेद 15 (Article 15)
(B) अनुच्छेद 14 (Article 14)
(C) अनुच्छेद 19 (Article 19)
(D) अनुच्छेद 20 (Article 20)

183. शिक्षा में समग्र आरक्षण नीति ढांचा अपना संवैधानिक आधार मुख्य रूप से किस सिद्धांत से प्राप्त करता है:
(A) तात्विक समानता सिद्धांत (Substantive Equality principles)।
(B) सार्वजनिक क्षेत्रों में औपचारिक समानता सिद्धांत।
(C) कानून प्रवर्तन में निरपेक्ष समानता सिद्धांत।
(D) अहस्तक्षेपवादी (Laissez-faire) आर्थिक और नियामक दृष्टिकोण।

घटाकर शून्य करने का कानून पारित करती है। एक नागरिक इसे चुनौती देता है। वर्तमान संवैधानिक ढांचे के आधार पर अदालतें इसका मूल्यांकन कैसे करेंगी?
(A) कानून को रद्द कर देंगी क्योंकि नीति निदेशक तत्व मौलिक अधिकारों को निरस्त नहीं कर सकते।
(B) इस सिद्धांत पर राज्य के कानून को बरकरार रखेंगे कि नीति निदेशक तत्व मौलिक अधिकारों को ओवरराइड करते हैं।
(C) इस आधार पर याचिका को पूरी तरह से खारिज कर देंगी कि शिक्षा नीतियां न्यायिक समीक्षा से परे हैं।
(D) अंतिम बाध्यकारी निर्णय के लिए संवैधानिक विवाद को भारत के राष्ट्रपति के पास भेजेंगी।

169. मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ में, उच्चतम न्यायालय ने स्थापित किया कि भारतीय संविधान भाग III और भाग IV के बीच संतुलन की शिला पर आधारित है। यह शिक्षा पर कैसे लागू होता है?
(A) कमजोर वर्गों के लिए पहुंच के साथ संस्थान चलाने के व्यक्तिगत अधिकारों को संतुलित करना।
(B) शिक्षा के मौलिक अधिकार केवल अमीर नागरिकों पर लागू होते हैं, जबकि डीपीएसपी गरीबों की सेवा करते हैं।
(C) निजी शैक्षणिक संस्थान भाग III का पालन करते हैं, जबकि सरकारी स्कूल भाग IV का पालन करते हैं।
(D) भाग III विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा पर लागू होता है, जबकि भाग IV उच्च शिक्षा को नियंत्रित करता है।

170. अदालतों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए अक्सर किस सिद्धांत का उपयोग किया जाता है कि भाग IV के तहत शैक्षणिक निर्देशों को लागू करने वाले कानून भाग III के तहत मौलिक अधिकारों को अनावश्यक रूप से न कुचलें?
(A) सामंजस्यपूर्ण निर्माण का सिद्धांत (Doctrine of Harmonious Construction)।
(B) पूर्व-संवैधानिक कानूनों पर लागू आच्छादन का सिद्धांत (Doctrine of Eclipse)।
(C) विधायी शक्ति पर छद्म विधान का सिद्धांत (Doctrine of Colorable Legislation)।
(D) याचिकाओं में देरी से संबंधित विलंब का कानूनी सिद्धांत (Legal Doctrine of Laches)।

171. प्रारंभ में, चंपकम दोराइराजन मामले में मौलिक अधिकारों और नीति निदेशक तत्वों के बीच टकराव पर उच्चतम न्यायालय का क्या रुख था?
(A) टकराव के मामले में नीति निदेशक तत्व पूरी तरह से मौलिक अधिकारों को ओवरराइड और सुपरसीड करते हैं।
(B) मौलिक अधिकारों और नीति निदेशक तत्वों का समान कानूनी भार और संवैधानिक स्थिति है।
(C) नीति निदेशक तत्वों को मौलिक अधिकारों के अनुरूप होना चाहिए और उनके सहायक के रूप में चलना चाहिए।
(D) मौलिक अधिकार और नीति निदेशक तत्व दोनों ही राज्य की अदालतों में पूरी तरह से गैर-प्रवर्तनीय हैं।

172. शिक्षा में मौलिक अधिकारों और नीति निदेशक तत्वों के एकीकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. शिक्षा का अधिकार अनुच्छेद 21A के तहत मौलिक अधिकार बनाए जाने से पहले अनुच्छेद 45 के तहत एक नीति निदेशक तत्व था।
II. अदालतें अनुच्छेद 15(4) (मौलिक अधिकार) के तहत आरक्षण की वैधता को बनाए रखने के लिए अनुच्छेद 46 (नीति निदेशक तत्व) का उपयोग करती हैं।
III. अनुच्छेद 37 स्पष्ट रूप से कहता है कि नीति निदेशक तत्व उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

173. उन्नी कृष्णन निर्णय ने भाग III और भाग IV के संबंध में विशेष रूप से किस व्याख्यात्मक तकनीक का उपयोग किया?
(A) इसने संविधान के भाग IV को स्पष्ट रूप से असंवैधानिक घोषित किया।
(B) इसने अनुच्छेद 45 को अनुच्छेद 21 में पढ़ा, जिससे निर्देश प्रवर्तनीय हो गया।
(C) उसने दृढ़ता से स्थापित किया कि अनुच्छेद 21 भाग IV के प्रावधानों से कोई कानूनी संबंध नहीं रखता है।
(D) इसने समवर्ती सूची की प्रविष्टि 25 से शिक्षा विषय को पूरी तरह से हटा दिया।

174. समानता और गैर-भेदभाव सुनिश्चित करने वाले संवैधानिक प्रावधान (अनुच्छेद 14 और 15) आज शिक्षा नीति में किस विशिष्ट जनसांख्यिकीय के लिए आधार तैयार करते हैं?
(A) विकलांग व्यक्ति / विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (Persons with Disabilities / Children with Special Needs - CWSN)।
(B) असाधारण भाषाई प्रतिभा वाले अकादमिक रूप से उन्नत छात्र (Academically Advanced Students)।
(C) सांस्कृतिक आदान-प्रदान कोटे के तहत नामांकित अंतर्राष्ट्रीय अनिवासी छात्र (Non-Resident Students)।
(D) राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रमों में प्रतिस्पर्धा करने वाले विशिष्ट छात्र-एथलीट।

175. विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (Rights of Persons with Disabilities - RPwD) अधिनियम, 2016, जो समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) को अनिवार्य बनाता है, अपना मौलिक संवैधानिक समर्थन कहां से प्राप्त करता है:
(A) अनुच्छेद 21 (गरिमा) और अनुच्छेद 14 (समानता) (Article 21 (Dignity) and Article 14 (Equality))।

Click Here to Buy book on Amazon

144. टीएमए पाई मामले में, उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 30 के तहत धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक की स्थिति निर्धारित करने के लिए इकाई को कैसे परिभाषित किया?
(A) वह राज्य जहां संस्थान स्थापित है।
(B) एकल देशव्यापी जनसांख्यिकीय इकाई के रूप में माना जाने वाला संपूर्ण भारत का राज्यक्षेत्र।
(C) विशिष्ट जिला या नगरपालिका प्रशासनिक प्रभाग जनसंख्या मेट्रिक्स।
(D) स्थानीय नगर निगम क्षेत्र की सीमाएं जहां स्कूल संचालित होता है।

145. टीएमए पाई निर्णय के अनुसार, क्या राज्य की सहायता प्राप्त करने वाले किसी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान को गैर-अल्पसंख्यक छात्रों को प्रवेश देने के लिए मजबूर किया जा सकता है?
(A) नहीं, अल्पसंख्यक संस्थानों के पास विशेष रूप से अपने समुदाय के छात्रों को प्रवेश देने का निरपेक्ष अधिकार है।
(B) हां, राज्य एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए गैर-अल्पसंख्यक छात्रों का एक उचित प्रतिशत निर्धारित कर सकता है।
(C) हां, वे बहुसंख्यक समुदाय के लिए कड़ाई से 50% सीटें आरक्षित करने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य हैं।
(D) नहीं, अल्पसंख्यक संस्थानों को गैर-अल्पसंख्यक कोटा से पूरी तरह छूट दी गई है जब तक कि वे भाषाई प्रकृति के न हों।

146. टीएमए पाई निर्णय द्वारा निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की प्रशासनिक स्वायत्तता का कौन सा पहलू भारी रूप से संरक्षित था?
(A) बिना मुनाफाखोरी या कैपिटेशन शुल्क के शुल्क संरचनाएं निर्धारित करने का अधिकार।
(B) विश्वविद्यालय संबद्धता प्राप्त किए बिना स्वतंत्र शैक्षणिक डिग्री देने का अधिकार।
(C) आरटीई अधिनियम के सभी वैधानिक प्रावधानों से पूरी तरह बाहर निकलने और उपेक्षा करने का अधिकार।
(D) राज्य की शैक्षणिक योग्यताओं का पालन किए बिना शिक्षण कर्मियों को नियुक्त करने का अधिकार।

147. टीएमए पाई निर्णय के निहितार्थों के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) इसने शिक्षा क्षेत्र में निजी उद्यम की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।
(B) इसने राज्य नियंत्रण की डिग्री के संबंध में सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों के बीच अंतर किया।
(C) उसने सरकार को अपने विवेकाधिकार पर निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के प्रबंधन को संभालने की अनुमति दी।
(D) इसने माना कि शैक्षणिक मानकों को सुनिश्चित करने और कुप्रबंधन को रोकने वाले नियमों को राज्य द्वारा लागू किया जा सकता है।

148. अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत "पेशे" (Occupation) शब्द की व्याख्या टीएमए पाई मामले में शैक्षणिक संस्थानों को चलाने को शामिल करने के लिए की गई थी। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि शिक्षा को किसके रूप में नहीं माना जा सकता है:
(A) लाभ-संचालित व्यापार या व्यवसाय।
(B) मान्यता प्राप्त महान करियर या पेशेवर पेशा।
(C) परोपकारी सामाजिक सेवा या धर्मार्थ गतिविधि।
(D) भाग III के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकार।

149. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. मोहिनी जैन ने शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया।
II. उन्नी कृष्णन ने इसे 14 वर्ष की आयु तक सीमित कर दिया।
III. टीएमए पाई ने निजी गैर-सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता स्थापित की।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

150. सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स ऑफ राजस्थान बनाम भारत संघ (2012) (Society for Unaided Private Schools of Rajasthan v. Union of India - 2012) में उच्चतम न्यायालय के निर्णय ने मुख्य रूप से किसकी संवैधानिक वैधता की जांच की:
(A) बच्चों का मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (The Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009 - RTE Act, 2009)।
(B) 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Policy on Education - NPE 1986) का व्यापक ढांचा।
(C) 1973 के दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम (Delhi School Education Act, 1973) के वैधानिक प्रावधान।
(D) 1976 के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के प्रावधान।

151. सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स मामले में, उच्चतम न्यायालय ने आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(c) (Section 12(1)(c)) को बरकरार रखा। यह धारा क्या अनिवार्य करती है?
(A) निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में वंचित समूहों के लिए कक्षा 1 में 25% आरक्षण।
(B) सरकारी स्कूल के शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन पर पूर्ण विधायी प्रतिबंध।
(C) कक्षाओं में शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न का पूर्ण निषेध।
(D) सभी निजी स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समितियों की अनिवार्य स्थापना।

NODIA

184. शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के संदर्भ में, "क्रीमी लेयर" (Creamy Layer) अवधारणा का क्या अर्थ है?
(A) आरक्षण लाभों से बाहर रखे गए सामाजिक रूप से उन्नत ओबीसी (Socially advanced OBCs)।
(B) राज्य विश्वविद्यालयों में योग्यता छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले शीर्ष शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता (Top Academic Performers)।
(C) निजी गैर-सहायता प्राप्त पेशेवर कॉलेजों में प्रवेश पाने वाले प्रबंधन कोटा (Management Quota) के छात्र।
(D) अनारक्षित योग्यता कोटा पर कड़ाई से प्रतिस्पर्धा करने वाले सामान्य श्रेणी के छात्र।

185. किस ऐतिहासिक उच्चतम न्यायालय के फैसले ने सरकार को ओबीसी आरक्षण से "क्रीमी लेयर" को बाहर करने का निर्देश दिया, एक ऐसा सिद्धांत जो अनुच्छेद 15 के तहत शैक्षणिक आरक्षण पर भी लागू होता है?
(A) इंदिरा साहनी मामला (Indra Sawhney Case)
(B) मिनर्वा मिल्स मामला (Minerva Mills Case)
(C) विशाखा मामला (Vishaka Case)
(D) एस.आर. बोम्मई मामला (S.R. Bommai Case)

186. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (Assertion - A) और दूसरे को कारण (Reason - R) के रूप में लेबल किया गया है:
अभिकथन (A) : संविधान राज्य को शैक्षणिक संस्थानों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) के लिए 10% तक आरक्षण प्रदान करने की अनुमति देता है।
कारण (R) : अनुच्छेद 15(6) को 103वें संविधान संशोधन द्वारा विशेष रूप से नागरिकों के किसी भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की उन्नति के लिए विशेष प्रावधानों को सक्षम करने के लिए पेश किया गया था।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

187. सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों और रोजगार में आरक्षण की कुल मात्रा (ईडब्ल्यूएस को छोड़कर) आम तौर पर उच्चतम न्यायालय द्वारा किस पर सीमित की गई है:
(A) 27%
(B) 49.5% (सामान्यत: 50% की सीमा के रूप में संदर्भित)
(C) 60%
(D) 69%

188. संविधान की कौन सी अनुसूची कुछ राज्य कानूनों (जैसे तमिलनाडु आरक्षण अधिनियम जो 69% आरक्षण प्रदान करता है) को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर अदालतों में चुनौती दिए जाने से बचाती है?
(A) नौवीं अनुसूची (Ninth Schedule)
(B) पांचवीं अनुसूची (Fifth Schedule)
(C) सातवीं अनुसूची (Seventh Schedule)
(D) दसवीं अनुसूची (Tenth Schedule)

189. एक सरकारी स्कूल के प्राचार्य को अनुच्छेद 15(6) के तहत स्थापित ईडब्ल्यूएस (EWS) कोटे के तहत प्रवेश के लिए एक आवेदन प्राप्त होता है। आवेदक का परिवार ओबीसी श्रेणी से संबंधित है और पहले से ही ओबीसी आरक्षण लाभ प्राप्त कर रहा है। क्या प्राचार्य को ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत इस आवेदन पर विचार करना चाहिए?
(A) नहीं, अनुच्छेद 15(6) खंड (4) और (5) के तहत कवर किए गए वर्गों को बाहर करता है।
(B) हां, क्योंकि आवेदक परिवार राज्य के आर्थिक पिछड़ेपन के मानदंडों को पूरा करता है।
(C) हां, पात्र छात्र ओबीसी और ईडब्ल्यूएस दोनों आरक्षण कोटा को एक साथ जोड़ सकते हैं।
(D) नहीं, क्योंकि ईडब्ल्यूएस (EWS) वैधानिक कोटा कड़ाई से निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों पर लागू होता है।

190. 103वें संशोधन (ईडब्ल्यूएस आरक्षण) की संवैधानिक वैधता को हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने किस मामले में बरकरार रखा था?
(A) जनहित अभियान बनाम भारत संघ (Janhit Abhiyan v. Union of India)
(B) नील ऑरेलियो नुनेस बनाम भारत संघ (Neil Aurelio Nunes v. Union of India)
(C) मुकेश कुमार बनाम उत्तराखंड राज्य (Mukesh Kumar v. State of Uttarakhand)
(D) जरनैल सिंह बनाम एल.एन. गुप्ता (Jarnail Singh v. L.N. Gupta)

191. संवैधानिक ढांचा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के साथ कैसा व्यवहार करता है?
(A) उन्हें अनुच्छेद 15(5) के तहत स्पष्ट रूप से छूट दी गई है।
(B) वे एससी/एसटी/ओबीसी छात्रों के लिए राज्य आरक्षण नीतियों को लागू करने के लिए बाध्य हैं।
(C) उन्हें बहुसंख्यक समुदाय के उम्मीदवारों के लिए 50% सीटें आरक्षित करनी होंगी।
(D) उन्हें प्रवेश में कड़ाई से ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करने की आवश्यकता है।

192. संविधान का अनुच्छेद 350 प्रत्येक व्यक्ति को किसी भी व्यथा के निवारण के लिए अभ्यावेदन जमा करने का अधिकार देता है। यह अभ्यावेदन किस भाषा में किया जा सकता है?
(A) संघ या राज्य में प्रयोग होने वाली किसी भी भाषा में।
(B) कड़ाई से हिंदी या अंग्रेजी आधिकारिक भाषाओं में।
(C) विशेष रूप से राज्य की नामित आधिकारिक भाषा में।
(D) विशेष रूप से आठवीं अनुसूची के तहत सूचीबद्ध भाषाओं में।

193. अनुच्छेद 350 व्यावहारिक रूप से स्कूल स्तर पर शैक्षणिक प्रशासन को कैसे प्रभावित करता है?

Downloaded from www.pdf.tube

है।

128. मोहिनी जैन निर्णय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. इसने अनुच्छेद 21 के तहत मानवीय गरिमा को सीधे शिक्षा तक पहुंच से जोड़ा।

II. इसने माना कि नागरिकों के लाभ के लिए सभी स्तरों पर शैक्षणिक संस्थान प्रदान करने के लिए राज्य एक संवैधानिक जनादेश के तहत है।

III. इसने मेडिकल कॉलेजों में योग्यता कोटा पर प्रवेश न पाने वाले छात्रों से अधिक शुल्क वसूलने का औचित्य साबित किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

129. मोहिनी जैन मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि शिक्षा से संबंधित राज्य के नीति निदेशक तत्वों (अनुच्छेद 41 और 45) को होना चाहिए:

(A) प्रवर्तनीयता सुनिश्चित करने के लिए मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) में पढ़ा जाना चाहिए।
(B) जब भी राज्य के पास पर्याप्त वित्तीय और प्रशासनिक संसाधनों का अभाव हो, तो उपेक्षा की जानी चाहिए।
(C) गैर-बाध्यकारी प्रशासनिक दिशानिर्देशों (Administrative Guidelines) के रूप में व्याख्या की जानी चाहिए जिनका कोई सीधा कानूनी बल नहीं है।
(D) केंद्रीय और राज्य विधानमंडलों द्वारा पारित वैधानिक अधिनियमों (Statutory Acts) द्वारा पूरी तरह से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

130. याचिकाकर्ता, मोहिनी जैन ने किस राज्य में एक निजी मेडिकल कॉलेज की प्रवेश अधिसूचना को चुनौती दी थी?

(A) कर्नाटक (Karnataka)
(B) महाराष्ट्र (Maharashtra)
(C) तमिलनाडु (Tamil Nadu)
(D) उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh)

131. मोहिनी जैन निर्णय के प्रभाव के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:

(A) इसने स्थापित किया कि शिक्षा एक पवित्र अधिकार है और इसे बिक्री के लिए व्यावसायिक वस्तु नहीं माना जा सकता।
(B) इसने भारत में शिक्षा के अधिकार के लिए मूलभूत न्यायिक ढांचे को सफलतापूर्वक रखा।
(C) सभी स्तरों पर एक निरपेक्ष अधिकार के इसके व्यापक निर्णय को बिना किसी संशोधन के स्थायी रूप से बरकरार रखा गया था।
(D) इसने पेशेवर शिक्षा में व्यावसायीकरण और मुनाफाखोरी प्रथाओं की कड़ी निंदा की।

132. एक गैर-सहायता प्राप्त स्कूल चलाने वाला एक निजी प्रबंधन प्रवेश के समय माता-पिता से गैर-वापसी योग्य "भवन दान कोष" की मांग करता है। मोहिनी जैन में स्थापित और बाद में आरटीई अधिनियम में संहिताबद्ध कानूनी सिद्धांत का हवाला देते हुए, शिक्षा विभाग स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी करता है। यह प्रशासनिक कार्रवाई इस धारणा पर आधारित है कि:

(A) निजी शैक्षणिक संस्थानों को सभी छात्रों के लिए पूरी तरह से मुफ्त में संचालित किया जाना चाहिए।
(B) कैपिटेशन शुल्क या जबरन दान शिक्षा का व्यावसायीकरण करते हैं और असंवैधानिक हैं।
(C) गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूल केवल केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित शुल्क लेने तक सीमित हैं।
(D) निजी स्कूल प्रबंधन संवैधानिक रूप से अलग पूंजीगत बुनियादी ढांचा निर्माण कोष बनाए रखने से प्रतिबंधित हैं।

NODIA

133. उन्नी कृष्णन, जे.पी. बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (1993) (Unni Krishnan, J.P. v. State of Andhra Pradesh - 1993) निर्णय ने मोहिनी जैन मामले के व्यापक निर्णय को संशोधित किया। इसने शिक्षा के अधिकार को कैसे सीमित किया?

(A) इसने शिक्षा के मौलिक अधिकार को कड़ाई से 14 वर्ष की आयु तक के बच्चों तक सीमित कर दिया।
(B) इसने यह घोषित करके पिछले मिसालों को उलट दिया कि शिक्षा का अधिकार बिल्कुल भी मौलिक अधिकार नहीं है।
(C) उसने शिक्षा के मौलिक संवैधानिक अधिकार को विशेष रूप से मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यकों तक सीमित कर दिया।
(D) इसने फैसला सुनाया कि केवल पूरी तरह से राज्य द्वारा वित्तपोषित सरकारी स्कूल ही मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं।

134. उन्नी कृष्णन निर्णय के अनुसार, नागरिकों के 14 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद उन्हें शिक्षा प्रदान करने का राज्य का दायित्व किसके अधीन है?

(A) निजी शैक्षणिक संस्थानों की औपचारिक लिखित सहमति और सहमति के।
(B) राज्य की आर्थिक क्षमता और विकास की सीमाओं के।
(C) भारत के उच्चतम न्यायालय से पूर्व अनुमोदन और स्पष्ट अधिकार के।
(D) उच्च शैक्षणिक करों का भुगतान करने के लिए माता-पिता की इच्छा और वित्तीय क्षमता के।

135. उन्नी कृष्णन मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा पेशेवर कॉलेजों में प्रवेश के संबंध में कौन सी विशिष्ट योजना तैयार की गई थी (जिसे बाद में टीएमए पाई में रद्द कर दिया गया था)?

(A) फ्री-सीट / पेमेंट-सीट योजना (Free-Seat / Payment-Seat Scheme)
(B) 100% प्रबंधन कोटा प्रवेश योजना (100% Management Quota Admission Scheme)

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) अनुच्छेद 21 (Article 21)
भारतीय संविधान (Indian Constitution) का अनुच्छेद 21 (Article 21) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (Protection of Life) प्रदान करता है। उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) के अनुसार गरिमापूर्ण जीवन (Dignified Life) व्यतीत करने के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा के बिना मानवीय गरिमा संभव नहीं है, अतः इसे जीवन के अधिकार में अंतर्निहित माना गया है।

2. (C) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (Protection of life and personal liberty)
भारतीय संविधान (Indian Constitution) के अनुच्छेद 21 (Article 21) में शामिल प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (Protection of Life and Personal Liberty) संबंधी वाक्यांश अत्यंत व्यापक है। 86वें संविधान संशोधन से पूर्व न्यायपालिका ने इसी वाक्यांश की विस्तृत व्याख्या करके शिक्षा के अधिकार (Right to Education) को एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी थी।

3. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
भारतीय संविधान (Indian Constitution) के तहत जीवन का अधिकार (Right to Life) केवल जैविक या पशुवत अस्तित्व (Animal Existence) तक सीमित नहीं है। उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने स्पष्ट किया कि गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करने के लिए शिक्षा अनिवार्य है। इसी दार्शनिक आधार पर शिक्षा के अधिकार को अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार का एक अभिन्न अंग स्वीकार किया गया।

4. (D) मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य (Mohini Jain v. State of Karnataka)
वर्ष 1992 के मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य (Mohini Jain v. State of Karnataka) मामले में उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने ऐतिहासिक निर्णय सुनाया था। अदालत ने पहली बार स्पष्ट रूप से यह घोषित किया कि शिक्षा का अधिकार (Right to Education) सीधे अनुच्छेद 21 (Article 21) के अंतर्गत जीवन के अधिकार से ही उत्पन्न और विकसित होता है।

5. (B) इस अधिकार की व्याख्या सभी नागरिकों के लिए उनकी आयु की परवाह किए बिना निरपेक्ष (Absolute) होने के रूप में की गई थी।
2002 से पूर्व न्यायिक व्याख्याओं (Judicial Interpretations) में शिक्षा के अधिकार को सभी नागरिकों के लिए किसी भी आयु में निरपेक्ष अधिकार नहीं माना गया था। उन्नी कृष्णन मामले में स्पष्ट किया गया कि 14 वर्ष की आयु के पश्चात यह अधिकार राज्य की आर्थिक क्षमता और विकास की सीमाओं (Economic Capacity of State) के अधीन रहता है।

6. (B) केवल I और III
अनुच्छेद 21 (Article 21) से शिक्षा को जोड़ना राज्य को गरिमापूर्ण जीवन हेतु शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाध्य करता है। इसी दार्शनिक आधार ने उन्नी कृष्णन निर्णय (Unni Krishnan Judgment) की नींव रखी। हालांकि यह अधिकार बिना आयु सीमा के सभी शैक्षणिक स्तरों पर समान रूप से लागू नहीं होता, बल्कि मुख्य रूप से प्राथमिक स्तर पर केंद्रित है।

7. (D) कानून के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा (Primary Education) की गारंटी देने के लिए राज्य को बाध्य करने हेतु एक संवैधानिक जनादेश (Constitutional Mandate) की आवश्यकता थी।
केवल न्यायिक व्याख्याओं (Judicial Interpretations) द्वारा शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करना पर्याप्त नहीं था। सभी बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा (Primary Education) को कानूनी गारंटी के रूप में लागू करने हेतु एक स्पष्ट संवैधानिक जनादेश (Constitutional Mandate) की आवश्यकता थी। इसी कारण संसद द्वारा 86वें संशोधन के माध्यम से अनुच्छेद 21A को भाग III में प्रत्यक्षतः शामिल किया गया।

8. (A) इसमें राज्य को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए बाध्य करने वाले आयु-विशिष्ट संवैधानिक जनादेश (Age-specific Constitutional Mandate) का अभाव था।
86वें संविधान संशोधन से पूर्व शिक्षा का अधिकार केवल न्यायिक व्याख्याओं (Judicial Decisions) पर आधारित था। इसमें 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने हेतु राज्य पर कोई स्पष्ट और आयु-विशिष्ट संवैधानिक जनादेश (Age-specific Constitutional Mandate) मौजूद नहीं था, जिसे बाद में अनुच्छेद 21A द्वारा पूरा किया गया।

9. (B) अनुच्छेद 21A (Article 21A)
भारतीय संविधान (Indian Constitution) का अनुच्छेद 21A (Article 21A) 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाता है। इसका विधायी परिणाम यह है कि विद्यालय में स्थानांतरण प्रमाण पत्र के अभाव के बावजूद बच्चे को उसकी आयु के अनुरूप कक्षा (Age-appropriate Class) में प्रवेश दिया जाना अनिवार्य प्रशासनिक दायित्व है।

10. (B) तपस मजूमदार समिति (Tapas Majumdar Committee)
वर्ष 1999 में गठित तपस मजूमदार समिति (Tapas Majumdar Committee) ने 86वें संविधान संशोधन से

Click Here to Buy book on Flipkart

अपने बच्चों के सीखने और नामांकन की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनते हैं।

82. (A) जैविक माता-पिता की अनुपस्थिति में कानूनी अभिभावकता वाले या अनाथालयों में रहने वाले बच्चों को कवर करने के लिए।
अनुच्छेद 51A(k) में "प्रतिपाल्य" (Ward) शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया है ताकि उन बच्चों को भी संवैधानिक सुरक्षा मिले जिनके जैविक माता-पिता जीवित या उपलब्ध नहीं हैं। इसमें अनाथ, दत्तक या कानूनी संरक्षकों (Legal Guardians) के अधीन रहने वाले बच्चों को शिक्षा के अवसरों से जोड़ने का कानूनी दायित्व शामिल हो जाता है।

83. (A) राज्य सूची (State List)
26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के समय 'शिक्षा' (विश्वविद्यालयों सहित) विषय को मूल रूप से भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची (Seventh Schedule) के अंतर्गत राज्य सूची (State List) की प्रविष्टि 11 में रखा गया था, जिस पर कानून बनाने का विशेष अधिकार राज्यों के पास था।

84. (B) अनुच्छेद 254 संगति नियमों के तहत केंद्रीय कानून प्रभावी होता है क्योंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है।
शिक्षा समवर्ती सूची (Concurrent List) का विषय होने के कारण यदि राज्य और केंद्र के कानूनों में विरोधाभास होता है, तो संविधान के अनुच्छेद 254 (Article 254) के तहत संगति और प्रतिकूलता के नियमों के अनुसार केंद्रीय कानून (Central Law) को राज्य विधान पर प्राथमिकता मिलती है और वही प्रभावी होता है।

85. (B) कोठारी आयोग (1964-66) (Kothari Commission - 1964-66)
कोठारी आयोग (1964-66) ने अपनी दूरदर्शी रिपोर्ट में यह सिफारिश की थी कि राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक मानकों में सुधार, नीतियों में सामंजस्य और समानता लाने के लिए शिक्षा को केवल राज्य का विषय न मानकर केंद्र और राज्यों की साझा जिम्मेदारी के रूप में समवर्ती सूची में लाया जाना चाहिए।

86. (B) प्रविष्टि 25 (Entry 25)
भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की समवर्ती सूची (सूची III) की प्रविष्टि 25 (Entry 25) वर्तमान में तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और विश्वविद्यालयों सहित शिक्षा के सभी सामान्य एवं व्यावसायिक स्तरों से संबंधित है। इसके तहत संसद और राज्य विधानमंडल दोनों को कानून बनाने का समवर्ती अधिकार प्राप्त है।

87. (C) संघ सूची - प्रविष्टि 66 (Union List - Entry 66)
यद्यपि शिक्षा समवर्ती सूची में है, परंतु उच्च शिक्षा, अनुसंधान संस्थाओं तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में मानकों का समन्वय और निर्धारण (Coordination and Determination of Standards) करने का विशेष अधिकार संघ सूची की प्रविष्टि 66 (Entry 66) के तहत विशेष रूप से केंद्र सरकार के क्षेत्राधिकार में ही सुरक्षित है।

88. (A) इसने साझा जिम्मेदारी स्थापित की, जिससे राज्य के कानूनों के साथ-साथ राष्ट्रीय विधायन की अनुमति मिली।
शिक्षा को समवर्ती सूची में स्थानांतरित करने का प्राथमिक प्रभाव यह हुआ कि इसने केंद्र और राज्यों के बीच एक साझा शासन संरचना स्थापित की। इसके माध्यम से संसद को पूरे देश में समान राष्ट्रीय शिक्षा कानून (जैसे RTE अधिनियम) बनाने का अधिकार मिला, जबकि राज्य अपने स्थानीय नियम लागू रखने हेतु स्वतंत्र रहे।

89. (D) I, II और III
1976 से पूर्व स्कूली शिक्षा राज्य सूची का विषय थी। समवर्ती सूची की प्रविष्टि 25 संघ सूची की प्रविष्टि 66 के अधीन रहते हुए शिक्षा के सभी स्तरों को शामिल करती है। इसी समवर्ती शक्ति का प्रयोग करते हुए संसद ने आरटीई अधिनियम, 2009 को अधिनियमित किया था। अतः तीनों कथन पूरी तरह सही हैं।

90. (A) समवर्ती सूची में शिक्षा का विधायी स्थानांतरण।
1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE 1986) में परिकल्पित "राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली" (National System of Education) का ढांचा मुख्य रूप से 42वें संशोधन द्वारा शिक्षा को समवर्ती सूची में स्थानांतरित करने से संभव हुआ। इससे केंद्र सरकार को पूरे देश के लिए एक एकीकृत और मानकीकृत शैक्षणिक ढांचा प्रारुपित करने की विधायी शक्ति मिली।

91. (B) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976 (42nd Amendment Act, 1976)
42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में एक बड़ा बदलाव किया गया। इसके माध्यम से 'शिक्षा' विषय को राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची (Concurrent List) में स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे केंद्र और राज्य दोनों को इस पर कानून बनाने की शक्ति मिली।

92. (B) वन (Forests)
42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 के माध्यम से राज्य सूची से समवर्ती सूची में पांच प्रमुख विषय स्थानांतरित किए गए थे। इनमें शिक्षा के साथ-साथ 'वन' (Forests), जंगली जानवरों और पक्षियों का संरक्षण, नाप-तौल, तथा न्याय का प्रशासन एवं अधीनस्थ अदालतों का गठन शामिल था।

93. (A) प्रविष्टि 11 (Entry 11)
1976 के 42वें संविधान संशोधन से पूर्व, शिक्षा विषय भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत 'राज्य सूची' (State List) की प्रविष्टि 11 (Entry 11) में दर्ज था। इस प्रविष्टि के तहत राज्यों के पास अपने क्षेत्राधिकार में शैक्षणिक नीतियां बनाने और प्रबंधित करने का अनन्य अधिकार प्राप्त था।

94. (A) इसने शिक्षा पर कानून बनाने की राज्यों की शक्तियों को पूरी तरह से समाप्त कर दिया।
42वें संशोधन ने राज्यों की कानून बनाने की शक्ति को समाप्त नहीं किया। समवर्ती सूची में जाने के बाद भी राज्यों के पास शिक्षा पर कानून बनाने का पूर्ण अधिकार बना रहा। हालांकि, यह परिवर्तन

NODIA

(Age-appropriate Admission) की संवैधानिक गारंटी प्राप्त है। पूर्व स्कूल की कमी या स्थानांतरण प्रमाण पत्र न होना जैसे प्रशासनिक आधार किसी भी बालक को विद्यालय में प्रवेश देने से रोकने का कारण नहीं बन सकते।

22. (C) जनादेश में 'राज्य प्रयास करेगा' के बजाय 'राज्य प्रदान करेगा'।
मूल अनुच्छेद 45 एक नीति निदेशक तत्व था जिसमें प्रयुक्त शब्द थे 'राज्य प्रयास करेगा', जो गैर-न्यायिक प्रकृति के थे। इसके विपरीत अनुच्छेद 21A की भाषा में 'राज्य प्रदान करेगा' (State shall provide) का प्रयोग किया गया है, जो राज्य के लिए एक कानूनी रुप से बाध्यकारी संवैधानिक जनादेश (Mandatory Constitutional Mandate) स्थापित करता है।

23. (D) अनुच्छेद 29 — अल्पसंख्यक स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा कोटा अनिवार्य करने के लिए संशोधित
86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा अनुच्छेद 21A जोड़ा गया, अनुच्छेद 45 के विषय को बदला गया और अनुच्छेद 51A(k) शामिल किया गया। इस ऐतिहासिक संशोधन द्वारा संविधान के अनुच्छेद 29 (Article 29) में कोई परिवर्तन या संशोधन नहीं किया गया था, अतः यह कथन गलत है।

24. (C) 1 अप्रैल 2010
हालांकि 86वां संविधान संशोधन 2002 में पारित हुआ था, परंतु अनुच्छेद 21A और इसके सक्षम विधायन, बच्चों का मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act) को पूरे देश में आधिकारिक रूप से 1 अप्रैल 2010 से प्रभावी (Effective) और लागू किया गया।

25. (B) विधायिका (Legislature)
अनुच्छेद 21A में वर्णित "ऐसे तरीके से जैसा कि राज्य, कानून द्वारा, निर्धारित करे" वाक्यांश का सीधा तात्पर्य सक्षम विधायिका (Legislature) से है। संसद और राज्य विधानमंडलों को यह संवैधानिक अधिकार दिया गया है कि वे कानून बनाकर मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के संचालन हेतु आवश्यक नियम एवं विनियम तैयार करें।

26. (B) केवल I और II
अनुच्छेद 28(1) के अनुसार पूरी तरह से राज्य निधि से पोषित संस्थान में धार्मिक शिक्षा निषिद्ध है। हालांकि अनुच्छेद 28(2) के तहत राज्य द्वारा प्रशासित लेकिन ट्रस्ट या बंदोबस्त के तहत स्थापित संस्थानों को छूट प्राप्त है। राज्य सहायता प्राप्त निजी संस्थान किसी छात्र को सहमति के बिना बाध्य नहीं कर सकते।

27. (B) छात्र के माता-पिता या कानूनी अभिभावक ने स्पष्ट लिखित सहमति प्रदान की है।
अनुच्छेद 28(3) (Article 28(3)) यह प्रावधान करता है कि राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त या सहायता प्राप्त किसी शैक्षणिक संस्थान में पढ़ रहे नाबालिग छात्र को धार्मिक शिक्षा या पूजा में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। ऐसा करने के लिए छात्र के माता-पिता या कानूनी अभिभावक की स्पष्ट सहमति होना अनिवार्य है।

28. (D) पूरी तरह से राज्य निधि से पोषित संस्थान
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 28(1) (Article 28(1)) स्पष्ट रुप से यह निर्देश देता है कि ऐसे किसी भी शैक्षणिक संस्थान में कोई धार्मिक शिक्षा (Religious Instruction) प्रदान नहीं की जाएगी जो पूरी तरह से राज्य निधि (State Funds) द्वारा संचालित या पोषित होता है। यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को सुनिश्चित करता है।

29. (A) विशिष्ट धार्मिक सिद्धांतों, हठधर्मिता और अनुष्ठानिक प्रथाओं को पढ़ाना।
अनुच्छेद 28 के संदर्भ में "धार्मिक शिक्षा" (Religious Instruction) से अभिप्राय किसी विशेष धर्म के संप्रदायवादी सिद्धांतों, अनुष्ठानों, पूजा पद्धतियों और हठधर्मिता के प्रत्यक्ष शिक्षण से है। यह सामान्य नैतिक शिक्षा, धर्मों के ऐतिहासिक अध्ययन या सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के शिक्षण से सर्वथा भिन्न और पृथक मानी जाती है।

30. (A) अनुच्छेद 28(2) (Article 28(2))
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 28(2) (Article 28(2)) अनुच्छेद 28(1) के सामान्य प्रतिबंध से एक स्पष्ट छूट प्रदान करता है। इसके तहत यदि कोई शैक्षणिक संस्थान किसी धर्मार्थ या धार्मिक बंदोबस्त (Endowment) या ट्रस्ट के तहत स्थापित हुआ है, तो राज्य द्वारा प्रशासित होने के बावजूद वहां धार्मिक शिक्षा दी जा सकती है।

NODIA

31. (C) नाबालिग छात्र के माता-पिता या अभिभावक से स्पष्ट सहमति प्राप्त की जानी चाहिए।
अनुच्छेद 28(3) के अनुसार, राज्य से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले किसी भी स्कूल में यदि धार्मिक शिक्षा या पूजा आयोजित की जाती है, तो किसी भी नाबालिग छात्र को उसमें उपस्थित होने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। छात्र की भागीदारी केवल उसके माता-पिता या अभिभावक की स्पष्ट लिखित अनुमति पर निर्भर करती है।

32. (C) यह राज्य द्वारा वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में धर्मों के शैक्षणिक अध्ययन को प्रतिबंधित करता है।
अनुच्छेद 28 धार्मिक शिक्षा (Religious Instruction) और अनुष्ठानों पर रोक लगाता है, परंतु यह विश्वविद्यालयों या शैक्षणिक संस्थानों में धर्मों के वस्तुनिष्ठ, ऐतिहासिक या तुलनात्मक अध्ययन (Academic Study of Religions) को प्रतिबंधित नहीं करता है। धर्मों का दार्शनिक और शैक्षणिक अध्ययन इस संवैधानिक प्रतिबंध के दायरे में नहीं आता है।

33. (A) राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त हैं या राज्य निधि से सहायता प्राप्त कर रहे हैं
संविधान का अनुच्छेद 28(3) (Article 28(3)) उन शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता है जिन्हें राज्य द्वारा मान्यता दी गई है या जो राज्य निधि से सहायता प्राप्त कर रहे हैं। यह प्रावधान छात्रों को किसी भी धार्मिक शिक्षा में भाग लेने या धार्मिक पूजा में शामिल होने के लिए बाध्य होने से सुरक्षा प्रदान करता है।

अन्य पिछड़े वर्गों (OBC) के लिए 27% आरक्षण प्रदान करता है, अपना सीधा संवैधानिक अधिकार अनुच्छेद 15(4) और 93वें संशोधन द्वारा जोड़े गए अनुच्छेद 15(5) से ही प्राप्त करता है।

108. (B) केवल I और III
अनुच्छेद 16(4) राज्य को अपनी सेवाओं में पिछड़े वर्गों के लिए पदों के आरक्षण की अनुमति देता है, जो सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और प्राचार्यों की भर्ती पर पूरी तरह लागू होता है। यह सार्वजनिक रोजगार (Public Employment) से संबंधित है, न कि छात्रों के शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश से, अतः कथन II गलत है।

109. (C) उनका राज्य की सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है।
संविधान के अनुच्छेद 16(4) के अंतर्गत सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण का लाभ पाने के लिए अनिवार्य पूर्व शर्त यह है कि राज्य की राय में नागरिकों के उस पिछड़े वर्ग का राज्य के अधीन सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व (Not adequately represented) नहीं होना चाहिए। इस स्थिति का आकलन करके ही आरक्षण लागू होता है।

110. (A) अनुच्छेद 16(4) (Article 16(4))
राज्य चयन बोर्डों द्वारा सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की सीधी भर्ती के दौरान एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए प्रयुक्त रोस्टर प्रणाली (Roster System) का वैधानिक और संवैधानिक आधार अनुच्छेद 16(4) में निहित है, जो सार्वजनिक रोजगार में अवसरों की समता सुनिश्चित करता है।

111. (B) इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ (Indra Sawhney v. Union of India)
इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ (1992) के ऐतिहासिक मामले में उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 16(4) की व्याख्या करते हुए यह महत्वपूर्ण कानूनी सीमा तय की कि असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर कुल आरक्षण 50% की ऊपरी सीमा (50% Ceiling Limit) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह नियम शिक्षक भर्ती को भी प्रभावित करता है।

112. (A) एससी और एसटी के लिए परिणामी वरिष्ठता (Consequential Seniority) के साथ पदोन्नति में आरक्षण।
77वें संविधान संशोधन 1995 द्वारा अनुच्छेद 16 में खंड (4A) जोड़ा गया (तथा बाद में 85वें संशोधन द्वारा संशोधित किया गया)। यह प्रावधान राज्य के अधीन कार्यरत अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के कर्मचारियों को परिणामी वरिष्ठता (Consequential Seniority) के साथ पदोन्नति में आरक्षण (Reservation in Promotion) देने में सक्षम बनाता है।

113. (A) सार्वजनिक रोजगार में समान अवसर सुरक्षित करना।
अनुच्छेद 15(4) और अनुच्छेद 16(4) में मुख्य अंतर यह है कि अनुच्छेद 15(4) मुख्य रूप से शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और सामाजिक उत्थान से संबंधित है, जबकि अनुच्छेद 16(4) विशेष रूप से राज्य के अधीन सार्वजनिक रोजगार और सरकारी नौकरियों (Public Employment) में पर्याप्त प्रतिनिधित्व और समान अवसर सुरक्षित करने पर केंद्रित है।

114. (C) यह निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को शिक्षकों को काम पर रखने के लिए सरकारी आरक्षण रोस्टर का पालन करने के लिए मजबूर करता है।
अनुच्छेद 16(4) का दायरा केवल राज्य द्वारा संचालित या राज्य के अधीन सार्वजनिक रोजगार तक सीमित है। यह निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू नहीं होता और न ही उन्हें अपने निजी शिक्षकों की भर्ती में सरकारी आरक्षण रोस्टर लागू करने के लिए बाध्य कर सकता है, अतः यह कथन असत्य है।

115. (B) बिना भरी आरक्षित बैकलाग रिक्तियां बाद के वर्षों की 50% की सीमा में नहीं गिनी जाती हैं।
81वें संविधान संशोधन अधिनियम 2000 द्वारा शामिल अनुच्छेद 16(4B) यह स्पष्ट करता है कि किसी वर्ष बिना भरी गई आरक्षित बैकलाग रिक्तियों (Backlog Vacancies) को बाद के वर्षों में भरते समय अलग वर्ग माना जाएगा। इन बैकलाग रिक्तियों को उस वर्ष की कुल 50% आरक्षण सीमा की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा।

116. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
अनुच्छेद 350A राज्यों को प्राथमिक स्तर पर भाषाई अल्पसंख्यकों की मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाएं देने का निर्देश देता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) कम से कम कक्षा 5 तक मातृभाषा या स्थानीय भाषा में शिक्षण की वकालत करके इसी संवैधानिक निर्देश को व्यावहारिक रूप से संरेखित और मजबूत करती है।

117. (B) 7वां संशोधन अधिनियम, 1956 (7th Amendment Act, 1956)
राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के आधार पर पारित 7वें संविधान संशोधन अधिनियम 1956 द्वारा भारतीय संविधान में अनुच्छेद 350A (Article 350A) जोड़ा गया था। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य राज्यों के भाषाई पुनर्गठन के बाद भाषाई अल्पसंख्यकों के शैक्षणिक और भाषाई अधिकारों की रक्षा करना था।

118. (B) प्राथमिक स्तर (Primary stage)
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 350A (Article 350A) भाषाई अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को उनकी मातृभाषा (Mother Tongue) में शिक्षा की सुविधाएं प्रदान करने के राज्य के दायित्व को स्पष्ट रूप से केवल शिक्षा के "प्राथमिक स्तर" (Primary Stage) तक ही सीमित और लागू रखता है।

119. (A) भारत के राष्ट्रपति (The President of India)
संविधान के अनुच्छेद 350A के अंतर्गत, यदि भारत के राष्ट्रपति (President of India) यह आवश्यक या उचित समझते हैं कि किसी राज्य में भाषाई अल्पसंख्यकों के बच्चों को प्राथमिक स्तर पर उनकी मातृभाषा में पर्याप्त शिक्षा सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, तो वे उस राज्य को उचित निर्देश जारी कर सकते हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

46. (B) केवल II और III
राज्य अल्पसंख्यक संस्थानों में शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए उचित नियम और शिक्षक योग्यताएं लागू कर सकता है। केवल राज्य सहायता प्राप्त करने से किसी संस्थान का अल्पसंख्यक चरित्र (Minority Character) समाप्त नहीं होता। हालांकि, अल्पसंख्यक संस्थानों को राष्ट्रीय मानकों से कम शिक्षक योग्यता निर्धारित करने का कोई निरपेक्ष अधिकार प्राप्त नहीं है।

47. (A) इसे किसी अल्पसंख्यक द्वारा स्थापित और प्रशासित किया जाना चाहिए।
किसी शैक्षणिक संस्थान को अनुच्छेद 30(1) (Article 30(1)) के तहत सुरक्षा का दावा करने के लिए यह अनिवार्य शर्त पूरी करनी होती है कि वह संस्थान किसी धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक द्वारा ही स्थापित (Established) और उसी के द्वारा प्रशासित (Administered) किया गया हो। दोनों शर्तों का एक साथ पूरा होना आवश्यक है।

48. (C) प्रबंध समिति को भंग करना और उसका अधिग्रहण करना — राज्य पूरी तरह से अधिग्रहण कर सकता है।
राज्य को अल्पसंख्यक संस्थानों में शैक्षणिक मानक निर्धारित करने और कुप्रबंधन रोकने का नियामक अधिकार प्राप्त है। परंतु राज्य किसी अल्पसंख्यक संस्थान की प्रबंध समिति को पूरी तरह भंग करके उसका स्थायी अधिग्रहण (Takeover) नहीं कर सकता, क्योंकि यह अनुच्छेद 30(1) द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार के मूल प्रशासनिक ढांचे का सीधा उल्लंघन होगा।

49. (B) 50%
सेंट स्टीफेंस कॉलेज बनाम दिल्ली विश्वविद्यालय मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि राज्य से सहायता प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान अपने स्वयं के समुदाय के पात्र छात्रों के लिए अधिकतम 50% सीटें आरक्षित कर सकते हैं, जबकि शेष 50% सीटें खुली प्रतियोगिता हेतु उपलब्ध होनी चाहिए।

50. (B) 44वां संशोधन अधिनियम, 1978 (44th Amendment Act, 1978)
44वें संविधान संशोधन अधिनियम 1978 द्वारा संपत्ति के मौलिक अधिकार को समाप्त किया गया था। इसी संशोधन के माध्यम से संविधान के अनुच्छेद 30 में खंड (1A) जोड़ा गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण के समय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के अधिकारों और संपत्ति का उचित मुआवजा देकर संरक्षण किया जा सके।

51. (B) यह सुनिश्चित करना कि अधिग्रहण मुआवजा अनुच्छेद 30(1) के तहत गारंटीकृत अधिकारों को प्रतिबंधित या निरस्त न करे।
अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि राज्य किसी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान की संपत्ति का अनिवार्य अधिग्रहण करता है, तो तय की गई मुआवजे की राशि ऐसी होनी चाहिए जो अनुच्छेद 30(1) के तहत गारंटीकृत उनके शैक्षणिक अधिकार को प्रतिबंधित या निरस्त (Restrict or Annul) न करे।

52. (A) अनुच्छेद 19(1)(f) और अनुच्छेद 31 (Article 19(1)(f) and Article 31)
44वें संविधान संशोधन अधिनियम 1978 द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया था। इससे पूर्व संपत्ति का अधिकार अनुच्छेद 19(1)(f) और अनुच्छेद 31 के तहत एक मौलिक अधिकार (Fundamental Right) के रूप में संरक्षित था, जिसे बाद में अनुच्छेद 300A के तहत एक कानूनी अधिकार बना दिया गया।

NODIA

53. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
संपत्ति का अधिकार सामान्यतः मौलिक अधिकार नहीं रहा, परंतु अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों की संपत्ति को विशेष संवैधानिक संरक्षण दिया गया है। अनुच्छेद 30(1A) राज्य पर यह बाध्यता डालता है कि भूमि अधिग्रहण के बदले ऐसा उचित मुआवजा दिया जाए जिससे संस्थान का संचालन और अस्तित्व प्रभावित न हो तथा अनुच्छेद 30(1) का अधिकार सुरक्षित रहे।

54. (B) मुआवजा ऐसा होना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि शैक्षणिक संस्थान बनाए रखने का अधिकार प्रतिबंधित या निरस्त न हो।
यदि राज्य सरकार सार्वजनिक हित में किसी अल्पसंख्यक स्कूल की भूमि का अनिवार्य अधिग्रहण करती है, तो अनुच्छेद 30(1A) के तहत राज्य को ऐसा निर्धारित मुआवजा देना होगा जो यह सुनिश्चित करे कि संस्थान का शैक्षणिक संचालन बाधित न हो और अनुच्छेद 30(1) के तहत उनका अधिकार प्रभावित या निरस्त न हो।

55. (A) अनुच्छेद 300A (Article 300A)
44वें संविधान संशोधन 1978 के पश्चात संपत्ति के अधिकार को भाग III से हटाकर संविधान के भाग XII में अनुच्छेद 300A (Article 300A) के अंतर्गत रखा गया है। वर्तमान में यह एक संवैधानिक या कानूनी अधिकार (Constitutional or Legal Right) है, जबकि मौलिक अधिकार के रूप में यह समाप्त हो चुका है।

56. (B) धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यकों द्वारा स्थापित और प्रशासित शैक्षणिक संस्थान।
अनुच्छेद 30(1A) (Article 30(1A)) के अंतर्गत मिलने वाला विशेष क्षतिपूर्णात्मक संरक्षण (Compensatory Protection) केवल उन्हीं शैक्षणिक संस्थानों को प्राप्त होता है जो संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यकों (Religious or Linguistic Minorities) द्वारा स्थापित और प्रशासित किए जाते हैं। अन्य सामान्य निजी संस्थानों पर यह लागू नहीं होता।

57. (B) हां, क्योंकि मुआवजा ऐसा होना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि संस्थान चलाने का संवैधानिक अधिकार निरस्त न हो।
अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान के खेल के मैदान या संपत्ति का अधिग्रहण करते समय यदि मुआवजा केवल मानक दर

पर दिया जाता है जो संस्थान के पुनरुद्धार हेतु अपर्याप्त है, तो अनुच्छेद 30(1A) के तहत इसे चुनौती दी जा सकती है। मुआवजा ऐसा होना आवश्यक है जो संस्था चलाने के मौलिक अधिकार को निष्प्रभावी न बनाए।

58. (A) सभी बच्चों के लिए छह वर्ष की आयु पूरी करने तक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (Early Childhood Care and Education - ECCE)।
86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा संशोधित अनुच्छेद 45 राज्य को यह निर्देश देता है कि वह सभी बच्चों को छह वर्ष की आयु पूरी करने तक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (Early Childhood Care and Education - ECCE) प्रदान करने के लिए प्रयास करेगा। यह प्रावधान पूर्व-प्राथमिक विकास पर केंद्रित है।

59. (B) 10 वर्ष
मूल संविधान के अनुच्छेद 45 में यह प्रावधान किया गया था कि राज्य संविधान के लागू होने (26 जनवरी 1950) से 10 वर्षों की अवधि के भीतर सभी बच्चों के लिए चौदह वर्ष की आयु पूरी करने तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करेगा। यह लक्ष्य निर्धारित समयावधि में पूरा नहीं हो सका था।

60. (A) 0 से 6 वर्ष
86वें संविधान संशोधन 2002 के माध्यम से 6 से 14 वर्ष का आयु वर्ग अनुच्छेद 21A के तहत मौलिक अधिकारों (Part III) में शामिल कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप, 0 से 6 वर्ष का आयु वर्ग विशेष रूप से अनुच्छेद 45 के अंतर्गत संविधान के भाग IV (नीति निदेशक तत्व) का विषय बना रहा।

61. (A) अनुच्छेद 21A और अनुच्छेद 45 दोनों (Both Article 21A and Article 45)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) का मूलभूत चरण (Foundational Stage) 3 से 8 वर्ष के बच्चों को कवर करता है। इसमें 3 से 6 वर्ष की अवधि अनुच्छेद 45 (ECCE) के निर्देशों का पालन करती है तथा 6 से 8 वर्ष की अवधि अनुच्छेद 21A के तहत प्राथमिक मौलिक अधिकार के ढांचे से पूरी तरह संरेखित होती है।

62. (B) केवल II और III
वर्तमान अनुच्छेद 45 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (ECCE) पर केंद्रित है और आईसीडीएस (ICDS) की आंगनवाड़ी प्रणाली का संवैधानिक आधार बनता है। नीति निदेशक तत्व होने के कारण यह अदालतों द्वारा न्यायिक रूप से प्रवर्तनीय (Non-justiciable) नहीं है तथा इसे 86वें (न कि 93वें) संविधान संशोधन द्वारा संशोधित किया गया था।

63. (B) 86वें संशोधन ने संविधान से अनुच्छेद 45 को हटा दिया।
86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 ने अनुच्छेद 45 को संविधान से हटाया या निरसित नहीं किया था, बल्कि केवल इसके विषय और पाठ्य-संरचना (Text Structure) को बदला था। इसमें 14 वर्ष तक की शिक्षा के स्थान पर 0 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा का नया निर्देश शामिल किया गया।

64. (A) प्राथमिक शिक्षा अनुच्छेद 21A के तहत एक मौलिक अधिकार बन गई, जिससे अनुच्छेद 45 का ध्यान प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख पर केंद्रित हो गया।
86वें संशोधन द्वारा 6 से 14 वर्ष तक की प्राथमिक शिक्षा को अनुच्छेद 21A के माध्यम से एक प्रवर्तनीय मौलिक अधिकार का कानूनी दर्जा दिया गया। अतः अनुच्छेद 45 के पाठ को परिवर्तित कर इसका ध्यान मुख्य रूप से 6 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख पर केंद्रित किया गया।

65. (A) अनुच्छेद 45 (Article 45)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की नई स्कूली संरचना (5+3+3+4) में शामिल शुरुआती 3 वर्ष का पूर्व-प्राथमिक ढांचा सीधे अनुच्छेद 45 के जनादेश से प्रेरित है। यह संवैधानिक प्रावधान राज्य को 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के शारीरिक, मानसिक और संज्ञानात्मक विकास हेतु प्रारंभिक शिक्षा एवं देखरेख का निर्देश देता है।

66. (A) अनुच्छेद 37 निदेशक तत्वों (Directive Principles) को अदालतों द्वारा गैर-प्रवर्तनीय बनाता है।
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 37 स्पष्ट रूप से यह घोषित करता है कि भाग IV में निहित नीति निदेशक तत्व (Directive Principles) किसी भी अदालत द्वारा कानूनी रूप से प्रवर्तनीय नहीं होंगे। इसी कारण नागरिक अनुच्छेद 45 के तहत पूर्व-प्राथमिक स्कूल या आंगनवाड़ी केंद्र खोलने के लिए राज्य के विरुद्ध अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर नहीं कर सकते।

67. (A) जनता के कमजोर वर्गों, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों (Scheduled Castes) और अनुसूचित जनजातियों (Scheduled Tribes) के।
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 46 (Article 46) राज्य को यह स्पष्ट निर्देश देता है कि वह जनता के कमजोर वर्गों, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों (Scheduled Castes) और अनुसूचित जनजातियों (Scheduled Tribes) के शैक्षणिक और आर्थिक हितों की विशेष सावधानी से अभिवृद्धि करेगा तथा उन्हें सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से बचाएगा।

68. (B) केवल I और II
अनुच्छेद 46 राज्य को कमजोर वर्गों को सामाजिक अन्याय से बचाने का निर्देश देता है तथा एससी/एसटी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति एवं विशेष योजनाओं का संवैधानिक आधार प्रदान करता है। हालांकि यह भाग IV के अंतर्गत एक नीति निदेशक तत्व है, इसलिए यह भाग III के तहत अदालतों द्वारा सीधे प्रवर्तनीय मौलिक अधिकार नहीं है।

69. (A) अनुच्छेद 46 (Article 46)
जब शिक्षा विभाग द्वारा विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य सामाजिक रूप से पिछड़े व

Click Here to Buy book on Amazon

कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए मुफ्त अध्ययन सामग्री और उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित की जाती हैं, तो यह सीधे अनुच्छेद 46 के संवैधानिक जनादेश का क्रियान्वयन होता है, जो कमजोर वर्गों के शैक्षणिक संवर्धन पर बल देता है।

70. (B) अनुच्छेद 46 (Article 46)
मद्रास राज्य बनाम चंपकम दोराइराजन (1951) के ऐतिहासिक मामले में अनुच्छेद 29(2) के तहत गैर-भेदभाव के मौलिक अधिकार और अनुच्छेद 46 के तहत कमजोर वर्गों के शैक्षणिक हितों को बढ़ावा देने से संबंधित राज्य के नीति निदेशक तत्व के बीच सीधा कानूनी टकराव और विरोधाभास पैदा हुआ था।

71. (A) पहला संशोधन अधिनियम, 1951 (1st Amendment Act, 1951)
चंपकम दोराइराजन मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के प्रभाव को निरस्त करने और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के शैक्षणिक हितों की रक्षा के लिए संसद ने पहला संविधान संशोधन अधिनियम 1951 पारित किया। इसके माध्यम से अनुच्छेद 15 में खंड (4) जोड़कर शैक्षणिक संस्थानों में विशेष प्रावधान और आरक्षण को वैधता दी गई।

72. (A) अनुच्छेद 46 (Article 46)
अत्यंत हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के छात्रों के विकास हेतु विशेष शैक्षणिक किट, उपकरण और संसाधन आवंटित करने का प्रशासनिक निर्णय अनुच्छेद 46 के दर्शन पर आधारित है। यह संवैधानिक प्रावधान राज्य को कमजोर वर्गों के सामाजिक-शैक्षणिक उत्थान और समतामूलक अवसर प्रदान करने का स्पष्ट निर्देश देता है।

73. (A) अनुच्छेद 46 — एससी/एसटी सहित कमजोर वर्ग (Weaker sections including SC/ST)
अनुच्छेद 46 का संबंध विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षणिक और आर्थिक हितों से है। अनुच्छेद 21A का संबंध 6-14 वर्ष के बच्चों से है, जबकि अनुच्छेद 45 का संबंध 6 वर्ष से कम आयु के बालकों की प्रारंभिक देखरेख (ECCE) से है।

74. (B) लक्षित वित्तीय सहायता, समावेशी शिक्षणशास्त्र (Inclusive Pedagogy) और ड्रॉपआउट रोकथाम रणनीतियों को लागू करके।
समग्र शिक्षा अभियान जैसी नीतियों में अनुच्छेद 46 को लागू करने के लिए कमजोर वर्गों के छात्रों को लक्षित वित्तीय सहायता, छात्रवृत्तियां, मुफ्त पाठ्यपुस्तकें, समावेशी शिक्षणशास्त्र (Inclusive Pedagogy) और ड्रॉपआउट रोकने हेतु विशेष सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य पृथक्करण के बिना उन्हें मुख्यधारा की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में जोड़े रखना है।

75. (A) माता-पिता या अभिभावक (The parent or guardian)
86वें संविधान संशोधन 2002 द्वारा संविधान में शामिल किया गया अनुच्छेद 51A(k) (Article 51A(k)) स्पष्ट रूप से माता-पिता या कानूनी अभिभावक (Parent or Guardian) पर यह मौलिक कर्तव्य डालता है कि वे अपने 6 से 14 वर्ष तक के बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करें।

76. (D) A गलत है लेकिन R सही है
अनुच्छेद 51A(k) अपने आप में कोई सीधा दंडात्मक कानून नहीं है जो माता-पिता द्वारा बच्चे को स्कूल न भेजने पर तुरंत सजा दे सके। संविधान के भाग IVA के तहत मौलिक कर्तव्य गैर-न्यायिक हैं और जब तक संसद विशिष्ट दंडात्मक अधिनियम न बनाए, इन्हें अदालत के माध्यम से सीधे दंडनीय नहीं बनाया जा सकता।

NODIA

77. (B) 6 से 14 वर्ष
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A(k) (Article 51A(k)) के तहत माता-पिता या कानूनी अभिभावकों का मौलिक कर्तव्य विशेष रूप से 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों पर लागू होता है। इस आयु वर्ग के बच्चों को स्कूली शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना अभिभावकों की नैतिक एवं संवैधानिक जिम्मेदारी घोषित की गई है।

78. (C) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002 (86th Amendment Act, 2002)
86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 के द्वारा संविधान के भाग IVA में अनुच्छेद 51A के तहत (k) खंड जोड़ा गया। यह भारत का 11वां मौलिक कर्तव्य (Fundamental Duty) बना, जिसने 6 से 14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का अवसर देना माता-पिता और अभिभावकों का संवैधानिक दायित्व घोषित किया।

79. (A) अनुच्छेद 21A और अनुच्छेद 45 (Article 21A and Article 45)
86वें संविधान संशोधन 2002 ने शिक्षा का एक व्यापक संवैधानिक ढांचा तैयार किया, जिसे त्रयी कहा जाता है। इस त्रयी में भाग III के तहत मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21A), भाग IV के तहत नीति निदेशक तत्व (अनुच्छेद 45), और भाग IVA के तहत नागरिकों का मौलिक कर्तव्य (अनुच्छेद 51A(k)) एक साथ शामिल हैं।

80. (B) "अपने बच्चे या, जैसी भी स्थिति हो, प्रतिपाल्य (ward) को शिक्षा के अवसर प्रदान करना"
अनुच्छेद 51A(k) में प्रयुक्त सटीक संवैधानिक शब्दावली यह निर्धारित करती है कि माता-पिता या अभिभावक का यह कर्तव्य होगा कि वह "अपने बच्चे या, जैसी भी स्थिति हो, प्रतिपाल्य (ward) को शिक्षा के अवसर प्रदान करे"। यह वाक्य संरचना अभिभावक के कानूनी और व्यावहारिक दायित्व को पूरी तरह स्पष्ट करती है।

81. (B) यह शिक्षा को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है, जो माता-पिता की भागीदारी और प्रतिबद्धता को मान्य करता है।
अनुच्छेद 51A(k) शिक्षा को केवल सरकार का काम न मानकर राज्य और नागरिक की एक साझा सामाजिक जिम्मेदारी बनाता है। यह दार्शनिक आधार स्कूल प्रबंधन समितियों (SMCs) और सामुदायिक भागीदारी को सशक्त करता है, जहां माता-पिता

34. (B) भारत के राज्यक्षेत्र के किसी भी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को।
अनुच्छेद 29(1) (Article 29(1)) भारत के राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग (Any section of citizens) को अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार देता है। यह अधिकार केवल मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यकों तक सीमित न होकर सभी नागरिकों पर व्यापक रूप से लागू होता है।

35. (B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
अनुच्छेद 29(2) राज्य द्वारा पोषित या सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में धर्म, मूलवंश, जाति या भाषा के आधार पर प्रवेश देने से मना करने पर रोक लगाता है। यह व्यक्तिगत नागरिक के अधिकार की रक्षा करता है, परंतु यह अनुच्छेद 29(1) के सांस्कृतिक संरक्षण अधिकारों की व्याख्यात्मक प्रतिक्रिया के रूप में कार्य नहीं करता।

36. (B) जगदेव सिंह सिद्धंती बनाम प्रताप सिंह दौलता (Jagdev Singh Sidhanti v. Pratap Singh Daulta)
जगदेव सिंह सिद्धंती बनाम प्रताप सिंह दौलता मामले में उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने निर्णय दिया कि अनुच्छेद 29(1) के तहत अपनी भाषा के संरक्षण का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। अदालत ने माना कि भाषा के संरक्षण हेतु राजनीतिक आंदोलन या मांग करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत भ्रष्ट चुनावी आचरण नहीं माना जा सकता।

37. (D) लिंग (Sex)
अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2)) के तहत राज्य द्वारा पोषित या सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश से इनकार करने के लिए चार विशिष्ट आधारों — धर्म, मूलवंश, जाति और भाषा — का उल्लेख किया गया है। इस संवैधानिक प्रावधान की भाषा में 'लिंग' (Sex) शब्द का उल्लेख स्पष्ट रूप से शामिल नहीं है।

38. (B) यह राज्य द्वारा पोषित या राज्य की वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले संस्थानों पर लागू होता है।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2)) का मुख्य उद्देश्य गैर-भेदभाव सुनिश्चित करना है। यह संवैधानिक अधिकार उन सभी शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता है जो राज्य द्वारा पूरी तरह से पोषित हैं या राज्य से वित्तीय सहायता या अनुदान (Financial Aid) प्राप्त करते हैं, जिससे समान प्रवेश अवसर सुनिश्चित होते हैं।

39. (A) अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2))
बॉम्बे राज्य बनाम बॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी मामले में राज्य सरकार ने अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में केवल आंग्ल-भारतीयों को प्रवेश देने का आदेश जारी किया था। उच्चतम न्यायालय ने इस आदेश को असंवैधानिक घोषित करते हुए रद्द कर दिया क्योंकि यह केवल भाषा के आधार पर नागरिकों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर अनुच्छेद 29(2) का उल्लंघन करता था।

40. (A) हां, संरक्षण अधिकारों में उस उद्देश्य के लिए संस्थान स्थापित करना अंतर्निहित रूप से शामिल है।
उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) ने यह प्रतिपादित किया है कि अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति को संरक्षित करने के अधिकार (Article 29(1)) में उस संरक्षण के उद्देश्य से शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का अधिकार अंतर्निहित रूप से शामिल है, क्योंकि संस्थानों के बिना भाषा और संस्कृति का वास्तविक संरक्षण संभव नहीं हो सकता।

41. (C) अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2))
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 29(2) (Article 29(2)) स्पष्ट रूप से यह व्यवस्था देता है कि राज्य द्वारा पोषित या सहायता प्राप्त किसी भी शैक्षणिक संस्थान में केवल भाषा के आधार पर किसी नागरिक को प्रवेश देने से वंचित नहीं किया जा सकता। अतः केवल विशिष्ट भाषा बोलने वालों तक प्रवेश सीमित करने वाला परिपत्र असंवैधानिक है।

42. (B) भारत के पूरे राज्यक्षेत्र में सभी धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक समूहों को।
संविधान का अनुच्छेद 30(1) (Article 30(1)) भारत के पूरे राज्यक्षेत्र में रहने वाले सभी धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रशासन करने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। यह अधिकार विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक हितों की रक्षा के लिए निर्मित किया गया है।

43. (B) राज्य सहायता देने में इस आधार पर भेदभाव नहीं करेगा कि कोई संस्थान अल्पसंख्यक के प्रबंधन में है।
अनुच्छेद 30(2) (Article 30(2)) राज्य पर यह संवैधानिक प्रतिबंध लगाता है कि वह शैक्षणिक संस्थानों को वित्तीय सहायता या अनुदान (Grant-in-aid) प्रदान करते समय इस आधार पर भेदभाव नहीं करेगा कि वह संस्थान किसी धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक के प्रबंधन के अंतर्गत संचालित हो रहा है।

44. (B) अनुच्छेद 29(1) नागरिकों के किसी भी वर्ग की रक्षा करता है, जबकि अनुच्छेद 30(1) केवल धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों पर लागू होता है।
अनुच्छेद 29(1) का दायरा व्यापक है और यह भारत के किसी भी भाग में रहने वाले 'नागरिकों के किसी भी वर्ग' (Any section of citizens) पर लागू होता है। इसके विपरीत, अनुच्छेद 30(1) के तहत विशेष अधिकार केवल 'धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों' (Religious and Linguistic Minorities) को ही अपनी पसंद के संस्थान हेतु प्रदान किए गए हैं।

45. (B) संस्थान का कुप्रबंधन करना या बुनियादी शैक्षणिक मानकों की उपेक्षा करना
अनुच्छेद 30(1) के तहत प्राप्त "प्रशासन करने के अधिकार" का अर्थ केवल कुशल एवं उचित प्रबंधन है। इसमें संस्थान का कुप्रबंधन (Maladministration) करने, भ्रष्टाचार करने या राज्य द्वारा निर्धारित बुनियादी शैक्षणिक मानकों की उपेक्षा करने का अधिकार बिल्कुल शामिल नहीं है। राज्य कुप्रबंधन को रोकने के लिए उचित नियामक कानून लागू कर सकता है।

Downloaded from www.pdf.tube

संसद को भी शिक्षा पर व्यापक राष्ट्रीय कानून बनाने और केंद्र को अधिक सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाता है।

95. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
42वें संशोधन ने शिक्षा को समवर्ती सूची में लाकर भारत के शैक्षणिक शासन के संघीय ढांचे को नया आयाम दिया। इसके तहत यदि किसी विषय पर केंद्रीय कानून और राज्य कानून के बीच प्रत्यक्ष विरोधाभास उत्पन्न होता है, तो संवैधानिक संगति नियमों के अनुसार संसद द्वारा निर्मित केंद्रीय कानून को ही वरीयता मिलती है।

96. (A) सर्व शिक्षा अभियान (Sarva Shiksha Abhiyan - SSA)
42वें संशोधन द्वारा शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल करने के कारण ही 'सर्व शिक्षा अभियान' (SSA) जैसी विशाल केंद्र प्रायोजित योजना पूरे देश में एक समान कानूनी और प्रशासनिक ढांचे के साथ लागू होना संभव हो सकी। इसने केंद्र को प्राथमिक शिक्षा के विकास में सीधी वित्तीय और नीतिगत भागीदारी दी।

97. (A) 42वां संशोधन (42nd Amendment)
1976 में गठित सरदार स्वर्ण सिंह समिति (Swaran Singh Committee) की सिफारिशों के आधार पर ही संसद द्वारा 42वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया गया था। इसी संशोधन ने शिक्षा को समवर्ती सूची में डालकर देश के संपूर्ण शैक्षणिक शासन और नीति निर्माण प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रभावित और पुनर्गठित किया।

98. (A) केंद्र और राज्यों के बीच साझा की जाती है (जैसे, अधिकांश राज्यों के लिए 60:40 अनुपात)।
समवर्ती सूची में शिक्षा के होने के कारण 'समग्र शिक्षा अभियान' जैसी केंद्र प्रायोजित योजनाओं (Centrally Sponsored Schemes) में वित्तीय बोझ केंद्र और राज्यों द्वारा मिलकर उठाया जाता है। सामान्यतः यह अनुपात केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 का होता है, जबकि पूर्वोत्तर और हिमाचली राज्यों के लिए यह 90:10 होता है।

99. (A) सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के।
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15(4) (Article 15(4)) राज्य को यह विशेष शक्ति प्रदान करता है कि वह सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों (SEBCs), अनुसूचित जातियों (SCs) और अनुसूचित जनजातियों (STs) की उन्नति के लिए शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश सहित कोई भी विशेष प्रावधान या आरक्षण व्यवस्था लागू कर सकता है।

100. (A) 1ला संशोधन अधिनियम, 1951 (1st Amendment Act, 1951)
चंपकम दोराइराजन मामले में आए उच्चतम न्यायालय के निर्णय के उपरांत, संसद ने वर्ष 1951 में पहला संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया। इसके माध्यम से संविधान के अनुच्छेद 15 में खंड (4) जोड़ा गया, जिसने शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़े वर्गों और एससी/एसटी हेतु आरक्षण के विशेष प्रावधानों को संवैधानिक वैधता दी।

101. (B) केवल I, II और IV
93वें संशोधन 2005 द्वारा जोड़ा गया अनुच्छेद 15(5) राज्य को निजी (सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त) शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश हेतु पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है। हालांकि, यह अनुच्छेद 30(1) के तहत आने वाले अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू नहीं होता, अतः कथन III गलत है।

102. (A) अनुच्छेद 15(5) (Article 15(5))
प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ (2014) के ऐतिहासिक मामले में उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने 93वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़े गए अनुच्छेद 15(5) की पूर्ण संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, जो निजी गैर-सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश आरक्षण की अनुमति देता है।

103. (B) अनुच्छेद 30(1) के अंतर्गत आने वाले अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान।
संविधान का अनुच्छेद 15(5) (Article 15(5)) स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करता है कि इसके तहत शैक्षणिक संस्थानों (निजी गैर-सहायता प्राप्त सहित) में सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों हेतु लागू राज्य-अनिवार्य आरक्षण के नियम अनुच्छेद 30(1) के अंतर्गत स्थापित अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होंगे।

NODIA

104. (A) आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (Economically Weaker Sections - EWS) के लिए 10% तक सीटें आरक्षित करना।
103वें संविधान संशोधन अधिनियम 2019 द्वारा शामिल किया गया अनुच्छेद 15(6) नागरिकों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान करता है। इसके तहत राज्य और निजी (सहायता प्राप्त एवं गैर-सहायता प्राप्त) दोनों प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों में ईडब्ल्यूएस हेतु 10% तक सीटें आरक्षित की जाती हैं।

105. (A) अनुच्छेद 15(5) (Article 15(5))
93वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया अनुच्छेद 15(5) स्पष्ट करता है कि राज्य निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों में भी वंचित वर्गों के लिए प्रवेश कोटा लागू कर सकता है। यह प्रावधान निजी संस्थाओं के अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत व्यापार या पेशा करने के अधिकार पर एक संवैधानिक और उचित प्रतिबंध लगाता है।

106. (A) अनुच्छेद 15(3) — विकलांग व्यक्तियों के लिए कोटा
अनुच्छेद 15(3) राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान करने का अधिकार देता है, न कि विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के आरक्षण के लिए। विकलांगों का आरक्षण समानता के सामान्य सिद्धांत (अनुच्छेद 14) से संचालित होता है। अतः यह युग्म संवैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में असंगत और गलत है।

107. (A) अनुच्छेद 15(4) और 15(5) (Articles 15(4) and 15(5))
केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006, जो आईआईटी और आईआईएम जैसे केंद्रीय संस्थानों में

पूर्व स्पष्ट सिफारिश की थी कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया जाए। समिति ने इसके कार्यान्वयन हेतु आवश्यक वित्तीय संसाधनों (Financial Resources) का आकलन और विस्तृत बजटीय ढांचा प्रस्तुत किया था।

11. (A) III, I, II, IV
शिक्षा के अधिकार का ऐतिहासिक क्रम मोहिनी जैन निर्णय (1992) से प्रारंभ हुआ, जिसके बाद उन्नी कृष्णन निर्णय (1993) आया। तत्पश्चात 86वां संविधान संशोधन अधिनियम (2002) पारित किया गया और अंत में आरटीई अधिनियम (2009) का अधिनियमन हुआ। यह कालानुक्रमिक क्रम (Chronological Order) भारत में शैक्षिक अधिकारों के क्रमिक कानूनी विकास को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

12. (C) उन्नी कृष्णन मामले में 14 वर्ष की आयु तक शिक्षा के मौलिक अधिकार की स्थापना करने वाला निर्णय।
वर्ष 1993 का उन्नी कृष्णन निर्णय (Unni Krishnan Judgment) वह मुख्य संवैधानिक पूर्ववर्ती था जिसने संसद को बाध्य किया। अदालत ने निर्धारित किया कि 14 वर्ष की आयु पूरी होने तक प्राथमिक शिक्षा पाना एक मौलिक अधिकार है। इस न्यायिक जनादेश को संवैधानिक रूप देने के लिए ही 86वां संविधान संशोधन प्रारूपित और अधिनियमित किया गया था।

13. (D) I, II, III और IV
मूल संविधान निर्माताओं ने शिक्षा को नीति निदेशक तत्वों (Directive Principles) के तहत रखा था। उन्नी कृष्णन मामले में इसे 14 वर्ष तक मौलिक अधिकार घोषित किया गया। तपस मजूमदार समिति ने वित्तीय अनुमान दिए तथा 83वां संशोधन विधेयक पहला विधायी प्रयास था। अतः ये सभी ऐतिहासिक घटनाक्रम (Historical Developments) संवैधानिक विकास के तथ्य हैं।

14. (C) उन्नी कृष्णन निर्णय में कहा गया कि शिक्षा का अधिकार विश्वविद्यालय स्तर तक सभी नागरिकों के लिए एक मौलिक अधिकार है।
उन्नी कृष्णन निर्णय में न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि शिक्षा का मौलिक अधिकार केवल 14 वर्ष की आयु पूरी करने तक ही सीमित है। उच्च शिक्षा या विश्वविद्यालय स्तर पर यह अधिकार राज्य की आर्थिक क्षमता (Economic Capacity of State) और विकास की सीमाओं के अधीन है, न कि एक निरपेक्ष मौलिक अधिकार।

15. (B) सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा को लागू करने के लिए आवश्यक वित्तीय व्यय और संसाधन जुटाना (Resource Mobilization)।
वर्ष 1999 में भारत सरकार द्वारा गठित तपस मजूमदार समिति (Tapas Majumdar Committee) का प्राथमिक कार्य वित्तीय व्यय (Financial Expenditure) का अनुमान लगाना था। समिति ने 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा (Universal Elementary Education) को मौलिक अधिकार बनाने हेतु आवश्यक संसाधन जुटाने की विस्तृत वित्तीय योजना तैयार की थी।

16. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
अनुच्छेद 21A को संविधान में शामिल करने के साथ ही यह स्वतः लागू नहीं हुआ। इस अनुच्छेद में स्पष्ट लिखा गया था कि राज्य विधि द्वारा निर्धारित रीति से शिक्षा प्रदान करेगा। अतः इस मौलिक अधिकार को व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए सक्षम विधायन (Enabling Legislation) की आवश्यकता थी, जो आरटीई अधिनियम 2009 के रूप में बना।

17. (B) 6 से 14 वर्ष
86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा शामिल किए गए अनुच्छेद 21A (Article 21A) में स्पष्ट रूप से 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को शामिल किया गया है। इस आयु सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी बच्चों को राज्य द्वारा मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का संवैधानिक अधिकार (Constitutional Right) प्रदान किया गया है।

18. (C) भाग III, भाग IV, और भाग IVA (मौलिक कर्तव्य) (Part III, Part IV, and Part IVA - Fundamental Duties)
86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 ने भारतीय संविधान के तीन भागों को प्रभावित किया। भाग III में अनुच्छेद 21A जोड़ा गया, भाग IV के अनुच्छेद 45 के विषय में परिवर्तन किया गया तथा भाग IVA में अनुच्छेद 51A(k) शामिल करके माता-पिता के लिए एक नया मौलिक कर्तव्य (Fundamental Duty) निर्धारित किया गया।

19. (A) मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना (To provide free and compulsory education)
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21A (Article 21A) 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का स्पष्ट कानूनी निर्देश देता है। यह प्रावधान राज्य पर दायित्व डालता है कि वह प्रारंभिक शिक्षा (Elementary Education) की पहुंच और सार्वभौमिकता बिना किसी वित्तीय बाधा के सुनिश्चित करे।

20. (D) यह वैधानिक कानून को कार्यान्वयन विवरण सौंपता है, जिससे लचीला राज्य-स्तरीय विनियमन सक्षम होता है।
अनुच्छेद 21A (Article 21A) में प्रयुक्त शब्दावली राज्य को यह अधिकार देती है कि वह अपने वैधानिक कानूनों (Statutory Laws) के माध्यम से कार्यान्वयन की प्रक्रिया निर्धारित करे। यह व्यवस्था प्रशासनिक लचीलापन प्रदान करती है, जिससे विभिन्न राज्य अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त नियम एवं विनियमन (Rules and Regulations) बना सकते हैं।

21. (A) अनुच्छेद 21A, 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए बाधा-मुक्त, आयु-अनुरूप प्रवेश (Barrier-free, age-appropriate admission) की गारंटी देता है।
अनुच्छेद 21A और इसके सक्षम अधिनियम के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को बाधा-मुक्त और आयु-अनुरूप प्रवेश

Click Here to Buy book on Flipkart

120. (B) अनुच्छेद 350A (Article 350A)
सीमावर्ती क्षेत्रों के प्राथमिक स्कूलों में भाषाई अल्पसंख्यक बच्चों की उपस्थिति को देखते हुए उनकी मातृभाषा में शिक्षण हेतु शिक्षक की व्यवस्था करना सीधे अनुच्छेद 350A के संवैधानिक निर्देश को पूरा करता है। यह प्रावधान राज्य और स्थानीय अधिकारियों पर प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाएं देने का दायित्व डालता है।

121. (A) राज्य पुनर्गठन आयोग (1955) (State Reorganization Commission - 1955)
1955 के राज्य पुनर्गठन आयोग (State Reorganization Commission) की सिफारिशों के आधार पर ही संविधान में संशोधन करके अनुच्छेद 350A को शामिल किया गया था। आयोग ने भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के दौरान अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुरक्षित रखने हेतु प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने की विशेष वकालत की थी।

122. (B) यह विश्वविद्यालय स्तर तक मातृभाषा में शिक्षा अनिवार्य करता है।
अनुच्छेद 350A का निर्देश केवल प्राथमिक स्तर (Primary Stage) की शिक्षा तक सीमित है। यह विश्वविद्यालय या उच्च शिक्षा के स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा को अनिवार्य या लागू नहीं करता है। अतः इसे उच्च शिक्षा से जोड़ने वाला कथन संवैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में पूरी तरह गलत है।

123. (A) भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी (Special Officer for Linguistic Minorities)
7वें संविधान संशोधन 1956 द्वारा अनुच्छेद 350B भी जोड़ा गया था, जिसके तहत "भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी" (Special Officer for Linguistic Minorities) के पद का प्रावधान किया गया। राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त यह अधिकारी भाषाई अल्पसंख्यकों से संबंधित सभी संवैधानिक सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की जांच और रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।

124. (A) अनुच्छेद 29(1) लिपि और संस्कृति की रक्षा करता है; अनुच्छेद 350A प्राथमिक शिक्षा सुविधाओं को अनिवार्य बनाता है।
अनुच्छेद 29(1) नागरिकों के किसी भी वर्ग को अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति को संरक्षित करने का मौलिक अधिकार देता है। इसके विपरीत, अनुच्छेद 350A एक विशिष्ट प्रशासनिक निर्देश है जो राज्य और स्थानीय निकायों पर भाषाई अल्पसंख्यक बालकों को प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा सुविधाएं देने की सकारात्मक संवैधानिक बाध्यता डालता है।

125. (A) शैक्षणिक संस्थानों द्वारा कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fees) वसूलना।
वर्ष 1992 के मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में मुख्य रूप से निजी मेडिकल और व्यावसायिक कॉलेजों द्वारा ली जाने वाली अत्यधिक कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fees) की असंवैधानिकता को चुनौती दी गई थी। उच्चतम न्यायालय ने माना कि अत्यधिक शुल्क वसूलना शिक्षा के व्यावसायीकरण और मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है।

126. (A) अनुच्छेद 21 (Article 21)
मोहिनी जैन मामले (1992) में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट रूप से यह घोषित किया कि शिक्षा का अधिकार (Right to Education) सीधे संविधान के अनुच्छेद 21 (Article 21) के तहत गारंटीकृत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार से ही उत्पन्न होता है, क्योंकि शिक्षा के बिना गरिमापूर्ण जीवन संभव नहीं है।

127. (B) यह उच्च शिक्षा सहित सभी शैक्षणिक स्तरों पर सभी नागरिकों के लिए एक मौलिक अधिकार है।
मोहिनी जैन निर्णय में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित प्रारंभिक दायरा अत्यधिक व्यापक था। अदालत ने माना था कि शिक्षा का मौलिक अधिकार केवल प्राथमिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च, व्यावसायिक और मेडिकल शिक्षा सहित सभी शैक्षणिक स्तरों पर देश के सभी नागरिकों के लिए समान रूप से उपलब्ध है।

128. (B) केवल I और II
मोहिनी जैन मामले में अदालत ने मानवीय गरिमा को शिक्षा से जोड़ा और राज्य पर सभी स्तरों पर संस्थान प्रदान करने का दायरा माना। हालांकि, इसने मेडिकल कॉलेजों में अत्यधिक शुल्क वसूलने को खारिज किया था और इसे असंवैधानिक ठहराया था, इसलिए कथन III पूरी तरह गलत और असंगत है।

129. (A) प्रवर्तनीयता सुनिश्चित करने के लिए मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) में पढ़ा जाना चाहिए।
मोहिनी जैन मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह महत्वपूर्ण सिद्धांत स्थापित किया कि शिक्षा से संबंधित राज्य के नीति निदेशक तत्वों (जैसे अनुच्छेद 41 और 45) को निरर्थक नहीं छोड़ा जा सकता, बल्कि उन्हें वास्तविक और व्यावहारिक प्रवर्तनीयता प्रदान करने के लिए भाग III के मौलिक अधिकारों के साथ मिलाकर पढ़ा जाना चाहिए।

130. (A) कर्नाटक (Karnataka)
याचिकाकर्ता मोहिनी जैन ने कर्नाटक राज्य (State of Karnataka) में स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज की उस प्रवेश अधिसूचना को अदालत में चुनौती दी थी, जिसमें कर्नाटक के बाहर के छात्रों से अत्यधिक कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fees) की मांग की गई थी, जिसने इस ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई को जन्म दिया।

131. (C) सभी स्तरों पर एक निरपेक्ष अधिकार के इसके व्यापक निर्णय को बिना किसी संशोधन के स्थायी रूप से बरकरार रखा गया था।
मोहिनी जैन निर्णय के उस व्यापक फैसले को, जिसमें शिक्षा को सभी स्तरों (उच्च शिक्षा सहित) पर निरपेक्ष मौलिक अधिकार माना गया था, स्थायी रूप से बरकरार नहीं रखा गया। अगले ही वर्ष 1993 में 'उन्नी कृष्णन मामले' में न्यायालय ने इसे संशोधित कर मौलिक अधिकार को केवल 14 वर्ष की आयु तक सीमित कर दिया।

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 05
शैक्षिक मापन: अवधारणाएँ, उपकरण और तकनीकें

1. शिक्षा के संदर्भ में मापन (Measurement) की अवधारणा को निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
   (A) किसी छात्र के समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन पर मूल्य निर्णय (Value Judgments) निर्दिष्ट करना
   (B) विशिष्ट नियमों के अनुसार गुणों या विशेषताओं को संख्याएँ (Numerals) प्रदान करना
   (C) किसी शिक्षण रणनीति (Instructional Strategy) की प्रभावशीलता का निर्धारण करना
   (D) छात्र की विशिष्ट अधिगम कठिनाइयों (Learning Difficulties) का निदान करना

2. निम्नलिखित में से कौन सा कथन शैक्षिक मापन (Educational Measurement) की प्रकृति का सबसे सटीक वर्णन करता है?
   (A) यह निरपेक्ष (Absolute) है और इसमें एक वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) होता है
   (B) यह आत्मनिष्ठ (Subjective) है और पूरी तरह से गुणात्मक विवरणों पर निर्भर करता है
   (C) यह ग्रेडिंग (Grading) और अंतिम मूल्यांकन (Final Evaluation) का पर्याय है
   (D) यह सापेक्ष (Relative) है और अप्रत्यक्ष रूप से अदर्शनीय मनोवैज्ञानिक संरचनाओं (Psychological Constructs) को मापता है

3. शैक्षिक मापन (Educational Measurement) के क्षेत्र में, 'दायरा' (Scope) उन गुणों की सीमा को संदर्भित करता है जिन्हें परिमाणित किया जा सकता है। निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षिक मापन के प्रत्यक्ष दायरे से पूरी तरह बाहर है?
   (A) छात्र का अंतर्निहित नैतिक मूल्य (Inherent Moral Worth)
   (B) गणित में शैक्षणिक उपलब्धि (Academic Achievement)
   (C) शैक्षणिक योग्यता (Scholastic Aptitude) और बुद्धिमत्ता (Intelligence)
   (D) व्यावसायिक रुचियां (Vocational Interests) और मनोवृत्तियां (Attitudes)

4. उस कथन की पहचान करें जो शैक्षिक मापन (Educational Measurement) की सीमा को सही ढंग से रेखांकित करता है।
   (A) यह केवल विद्यालय पर्यावरण के भौतिक गुणों को माप सकता है
   (B) यह सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Analysis) के लिए उपयोग किए जाने में असमर्थ है
   (C) यह पूरी संरचना के बजाय व्यवहार के केवल एक नमूने (Sample of Behaviour) को मापता है
   (D) यह मानकीकृत परीक्षण (Standardized Testing) की संभावना को समाप्त करता है

5. आप एक विद्यालय के प्राचार्य हैं। एक शिक्षक आपके पास मध्य-अवधि की गणित की उत्तर पुस्तिकाएं लाता है, जिससे पता चलता है कि छात्र X ने 45/100 और छात्र Y ने 90/100 अंक प्राप्त किए हैं। शिक्षक का दावा है कि गणित में छात्र Y, छात्र X की तुलना में बिल्कुल दोगुना ज्ञान रखता है। आपको शिक्षक के दावे का शैक्षणिक रूप से कैसे मूल्यांकन करना चाहिए?
   (A) इसे अस्वीकार करें, क्योंकि शैक्षिक मापन (Educational Measurement) में वास्तविक शून्य (True Zero) वाले अनुपात मापनी (Ratio Scale) डेटा का अभाव होता है
   (B) इसे स्वीकार करें, क्योंकि 90 संख्यात्मक रूप से 45 का दोगुना है, जो दोहरी विषय-वस्तु महारत को प्रदर्शित करता है
   (C) इसे स्वीकार करें, शर्त यह है कि परीक्षण पत्र ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) का सख्ती से पालन करते हुए तैयार किया गया था
   (D) इसे अस्वीकार करें, क्योंकि गणित के परीक्षा अंकों का मूल्यांकन केवल गुणात्मक साधनों के माध्यम से ही ठीक से किया जा सकता है

NODIA

6. मापन (Measurement) डेटा/आंकड़े प्रदान करता है, जबकि मूल्यांकन (Evaluation) प्रदान करता है:
   (A) मात्रात्मक कच्चे अंक (Quantitative Raw Scores)
   (B) मानकीकृत आकलन उपकरण (Standardized Assessment Tools)
   (C) प्रणालीगत अधिगम निदान (Systemic Learning Diagnostics)
   (D) गुणात्मक मूल्य निर्णय (Qualitative Value Judgments)

7. निम्नलिखित में से कौन सा क्रम शैक्षिक प्रक्रिया में सही तार्किक प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है?
   I. मापन (Measurement)
   II. मूल्यांकन (Evaluation)
   III. परीक्षण (Test)

or Religious Minority) घोषित करने के लिए पूरे देश को एक इकाई न मानकर विशेष रूप से उस 'राज्य' (State) को ही प्राथमिक इकाई माना जाएगा जहां संस्थान स्थित है।

145. (B) हां, राज्य एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए गैर-अल्पसंख्यक छात्रों का एक उचित प्रतिशत निर्धारित कर सकता है।
टीएमए पाई निर्णय के अनुसार, यदि कोई अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान राज्य से वित्तीय सहायता (Grant-in-aid) प्राप्त करता है, तो वह केवल अपने समुदाय तक सीमित नहीं रह सकता। राज्य राष्ट्रीय एकीकरण और गैर-भेदभाव (अनुच्छेद 29(2)) को बढ़ावा देने हेतु गैर-अल्पसंख्यक छात्रों के प्रवेश के लिए एक उचित अनुपात तय कर सकता है।

146. (A) बिना मुनाफाखोरी या कैपिटेशन शुल्क के शुल्क संरचनाएं निर्धारित करने का अधिकार।
टीएमए पाई निर्णय द्वारा निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की इस स्वायत्तता को भारी संरक्षण मिला कि वे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उचित शुल्क संरचना (Fee Structure) स्वयं निर्धारित कर सकते हैं। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस अधिकार का उपयोग मुनाफाखोरी (Profiteering) या कैपिटेशन शुल्क वसूलने के लिए नहीं किया जा सकता।

147. (C) उसने सरकार को अपने विवेकाधिकार पर निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के प्रबंधन को संभालने की अनुमति दी।
टीएमए पाई निर्णय ने निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों की स्वायत्तता पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि सरकार अपने मनमाने विवेकाधिकार से उनके प्रबंधन का अधिग्रहण (Management Takeover) नहीं कर सकती। राज्य केवल शैक्षणिक मानक और कुप्रबंधन रोकने संबंधी तर्कसंगत नियम ही लागू कर सकता है, अतः यह कथन गलत है।

148. (A) लाभ-संचालित व्यापार या व्यवसाय।
यद्यपि टीएमए पाई मामले में शिक्षा संस्थान चलाने को अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत एक "पेशा" (Occupation) स्वीकार किया गया, परंतु सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट चेतावनी दी कि शिक्षा को किसी भी परिस्थिति में लाभ कमाने वाले व्यापार, वाणिज्य या व्यवसाय (Trade or Business) के रूप में नहीं माना जा सकता है।

149. (D) I, II और III
मोहिंनी जैन निर्णय ने पहली बार शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया। उन्नी कृष्णन निर्णय ने इसके दायरे को कड़ाई से 14 वर्ष की आयु तक सीमित किया। तत्पश्चात टीएमए पाई निर्णय ने निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों की प्रशासनिक स्वायत्तता स्थापित की। अतः ये तीनों ही कथन पूरी तरह सत्य हैं।

150. (A) बच्चों का मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (The Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009 - RTE Act, 2009)।
सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स ऑफ राजस्थान बनाम भारत संघ (2012) के प्रमुख मामले में उच्चतम न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने मुख्य रूप से 'बच्चों का मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009' (RTE Act, 2009) की संपूर्ण संवैधानिक वैधता (Constitutional Validity) की गहन जांच की थी।

151. (A) निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में वंचित समूहों के लिए कक्षा 1 में 25% आरक्षण।
2012 के निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(c) को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया। यह धारा सभी पड़ोसी निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को अपने प्रवेश स्तर की कक्षा (कक्षा 1 या प्री-स्कूल) में आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25% सीटें आरक्षित करने का आदेश देती है।

152. (C) गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान
सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स मामले (और बाद में प्रमति ट्रस्ट मामले 2014) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि गैर-सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान (Unaided Minority Educational Institutions) अनुच्छेद 30(1) के तहत प्राप्त विशेष अधिकारों के कारण आरटीई अधिनियम और इसकी 25% आरक्षण बाध्यता के दायरे से पूरी तरह बाहर हैं।

153. (A) इसने अनुच्छेद 19(1)(g) (Article 19(1)(g)) के तहत पेशे के अधिकारों को अनुचित रूप से प्रतिबंधित किया।
निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों ने आरटीई अधिनियम के 25% प्रवेश जनादेश को चुनौती देते हुए मुख्य तर्क यह दिया था कि यह प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 19(1)(g) के अंतर्गत बिना किसी राज्य वित्तीय सहायता के स्वतंत्र रूप से स्कूल (पेशा) चलाने के उनके मौलिक अधिकार का असंवैधानिक रूप से उल्लंघन करता है।

154. (A) अनुच्छेद 21A को पूरा करने वाले अनुच्छेद 19(6) (Article 19(6)) के तहत एक उचित प्रतिबंध के रूप में।
उच्चतम न्यायालय ने 25% कोटे को यह कहते हुए तर्कसंगत ठहराया कि यह अनुच्छेद 21A के तहत बच्चों के मौलिक अधिकार को साकार करने हेतु बनाया गया है। अदालत ने इसे अनुच्छेद 19(6) के अंतर्गत निजी स्कूलों के पेशा चलाने के अधिकार पर एक जनहित में लगाया गया "उचित प्रतिबंध" (Reasonable Restriction) माना।

155. (A) यह आरटीई कोटे को बरकरार रखने वाले सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स के फैसले का उल्लंघन करता है।
गैर-अल्पसंख्यक निजी स्कूल का प्राचार्य टीएमए पाई निर्णय का हवाला देकर ईडब्ल्यूएस कोटे के प्रवेश से इनकार नहीं कर सकता। 2012 के सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स निर्णय ने स्पष्ट कर दिया है कि 25% आरटीई कोटा सभी गैर-अल्पसंख्यक निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है, अतः इनकार अवैध है।

Click Here to Buy book on Amazon

180. (A) केवल I, II और III
अनुच्छेद 41 विकलांगता में शिक्षा का निर्देश देता है, आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 18 वर्ष तक मुफ्त शिक्षा देता है तथा समावेशी शिक्षा अनुच्छेद 21A से जुड़ी है। हालांकि, अल्पसंख्यक संस्थानों को विकलांगों हेतु बाधा मुक्त पहुंच (Accessibility) प्रदान करने से कोई छूट नहीं है, अतः कथन IV पूरी तरह गलत है।

181. (A) यह सुनिश्चित करने के लिए समायोजन कि विकलांग व्यक्ति समान रूप से अधिकारों का आनंद लें।
"उचित आवास" (Reasonable Accommodation) से तात्पर्य ऐसे आवश्यक और उपयुक्त बदलावों, समायोजनों या संशोधनों से है जो किसी विकलांग छात्र की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार किए जाते हैं, ताकि वह अन्य छात्रों के समान ही अपने सभी शैक्षणिक अधिकारों का पूर्ण उपयोग कर सके।

182. (A) अनुच्छेद 15 (Article 15)
संविधान का अनुच्छेद 15 धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है। अदालतों ने समानता के सिद्धांत को व्यापक बनाते हुए यह व्याख्या की है कि शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी छात्र के साथ विकलांगता (Disability) के आधार पर भेदभाव करना भी अनुच्छेद 15 और 14 की मूल भावना का सीधा उल्लंघन है।

183. (A) तात्विक समानता सिद्धांत (Substantive Equality principles)।
शिक्षा में आरक्षण का संपूर्ण कानूनी ढांचा केवल औपचारिक समानता पर आधारित न होकर "तात्विक समानता के सिद्धांत" (Substantive Equality Principles) पर टिका है। इसका मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से वंचित वर्गों को केवल कागजी अवसर न देकर वास्तव में प्रतिस्पर्धी और समान धरातल उपलब्ध कराना है।

184. (A) आरक्षण लाभों से बाहर रखे गए सामाजिक रूप से उन्नत ओबीसी (Socially advanced OBCs)।
शैक्षणिक संस्थानों में ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में "क्रीमी लेयर" (Creamy Layer) से तात्पर्य अन्य पिछड़े वर्गों के उन व्यक्तियों से है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से अत्यधिक उन्नत और समृद्ध हो चुके हैं। इस श्रेणी के व्यक्तियों को आरक्षण के सकारात्मक लाभों से बाहर रखा जाता है ताकि जरूरतमंदों को लाभ मिले।

185. (A) इंदिरा साहनी मामला (Indra Sawhney Case)
वर्ष 1992 के प्रसिद्ध इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ (Indra Sawhney Case) मामले में उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला दिया। न्यायालय ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया कि अन्य पिछड़े वर्गों (OBC) को दिए जाने वाले आरक्षण से सामाजिक एवं आर्थिक रूप से संपन्न "क्रीमी लेयर" को अनिवार्य रूप से बाहर रखा जाना चाहिए।

186. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
103वें संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 15(6) को जोड़ा गया, जो राज्य को नागरिकों के किसी भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान करने की शक्ति देता है। इसी संवैधानिक प्रावधान के आधार पर शैक्षणिक संस्थानों में ईडब्ल्यूएस हेतु 10% तक सीटों का आरक्षण लागू किया गया है।

NODIA

187. (B) 49.5% (सामान्यतः 50% की सीमा के रूप में संदर्भित)
इंदिरा साहनी मामले में स्थापित संवैधानिक सिद्धांतों के अनुसार, सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों और नौकरियों में सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों (SC, ST, OBC) के लिए कुल आरक्षण की सीमा 50% (व्यावहारिक रूप से 49.5%) से अधिक नहीं हो सकती। (103वें संशोधन द्वारा ईडब्ल्यूएस को इस 50% सीमा से अलग रखा गया है)।

188. (A) नौवीं अनुसूची (Ninth Schedule)
भारतीय संविधान की "नौवीं अनुसूची" (Ninth Schedule) में शामिल किए गए कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर सामान्यतः अदालती चुनौती से सुरक्षा मिलती थी। उदाहरण के लिए तमिलनाडु सरकार का 69% आरक्षण अधिनियम इसी अनुसूची में शामिल करके संरक्षित किया गया था।

189. (A) नहीं, अनुच्छेद 15(6) खंड (4) और (5) के तहत कवर किए गए वर्गों को बाहर करता है।
अनुच्छेद 15(6) के तहत ईडब्ल्यूएस (EWS) कोटा केवल उन नागरिकों के लिए है जो अनुच्छेद 15(4) और 15(5) के अंतर्गत एससी, एसटी या ओबीसी आरक्षण के दायरे में नहीं आते हैं। चूंकि आवेदक पहले से ही ओबीसी श्रेणी में शामिल है, इसलिए वह ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत आवेदन करने हेतु पात्र नहीं है।

190. (A) जनहित अभियान बनाम भारत संघ (Janhit Abhiyan v. Union of India)
जनहित अभियान बनाम भारत संघ (2022) के प्रमुख मामले में उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 3:2 के बहुमत से 103वें संविधान संशोधन (ईडब्ल्यूएस हेतु 10% आरक्षण) की पूर्ण संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा और माना कि यह संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता।

191. (A) उन्हें अनुच्छेद 15(5) के तहत स्पष्ट रूप से छूट दी गई है।
भारतीय संविधान का ढांचा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों (Minority Educational Institutions) को विशेष संरक्षण देता है। अनुच्छेद 15(5) के तहत राज्य द्वारा अनिवार्य एससी, एसटी, ओबीसी प्रवेश आरक्षण नियमों से अनुच्छेद 30(1) के अंतर्गत आने वाले सभी अल्पसंख्यक संस्थानों को स्पष्ट रूप से छूट (Exempted) प्रदान की गई है।

192. (A) संघ या राज्य में प्रयोग होने वाली किसी भी भाषा में।
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 350 (Article 350) यह स्पष्ट अधिकार देता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी किसी भी शिकायत

168. (A) कानून को रद्द कर देंगी क्योंकि नीति निदेशक तत्व मौलिक अधिकारों को निरस्त नहीं कर सकते।
यदि राज्य सरकार किसी नीति निदेशक तत्व को पूरा करने के लिए प्राथमिक शिक्षा का बजट शून्य कर दे, तो अदालतें उस कानून को तुरंत असंवैधानिक घोषित करके रद्द कर देंगी। नीति निदेशक तत्वों को लागू करने के नाम पर अनुच्छेद 21A के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकार को समाप्त या निरस्त नहीं किया जा सकता।

169. (A) कमजोर वर्गों के लिए पहुंच के साथ संस्थान चलाने के व्यक्तिगत अधिकारों को संतुलित करना।
मिनर्वा मिल्स मामले (1980) में स्थापित भाग III और भाग IV के बीच संतुलन का सिद्धांत शिक्षा क्षेत्र में लागू होता है। इसके तहत एक ओर जहां नागरिकों और निजी संस्थाओं के संस्थान चलाने के मौलिक अधिकारों की रक्षा होती है, वहीं दूसरी ओर कमजोर वर्गों को सामाजिक न्याय एवं शिक्षा देने का राज्य का दायित्व पूरा होता है।

170. (A) सामंजस्यपूर्ण निर्माण का सिद्धांत (Doctrine of Harmonious Construction)।
अदालतों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए "सामंजस्यपूर्ण निर्माण का सिद्धांत" (Doctrine of Harmonious Construction) अपनाया जाता है कि भाग IV (जैसे अनुच्छेद 45 या 46) के तहत सामाजिक एवं शैक्षणिक निर्देशों को लागू करते समय भाग III के तहत नागरिकों को प्राप्त मौलिक अधिकारों (जैसे समानता या स्वतंत्रता) का अनावश्यक हनन न हो।

171. (C) नीति निदेशक तत्वों को मौलिक अधिकारों के अनुरुप होना चाहिए और उनके सहायक के रूप में चलना चाहिए।
1951 के चंपकम दोराइराजन मामले में उच्चतम न्यायालय का प्रारंभिक रुख यह था कि मौलिक अधिकार सर्वोच्च हैं। यदि मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निदेशक तत्वों के बीच कोई विरोधाभास होता है, तो निदेशक तत्वों को मौलिक अधिकारों का अधीनस्थ और सहायक (Subsidiary) बनकर चलना होगा, न कि उनके विपरीत।

172. (B) केवल I और II
शिक्षा का अधिकार अनुच्छेद 21A से पहले अनुच्छेद 45 में एक निदेशक तत्व था तथा अदालतें अनुच्छेद 15(4) के आरक्षण को सही ठहराने के लिए अनुच्छेद 46 का सहारा लेती हैं। परंतु अनुच्छेद 37 स्पष्ट कहता है कि निदेशक तत्व अदालतों द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं, इसलिए तीसरा कथन पूरी तरह गलत है।

173. (B) इसने अनुच्छेद 45 को अनुच्छेद 21 में पढ़ा, जिससे निर्देश प्रवर्तनीय हो गया।
उन्नी कृष्णन निर्णय (1993) में उच्चतम न्यायालय ने एक विशेष व्याख्यात्मक तकनीक का प्रयोग किया। न्यायालय ने भाग IV के गैर-प्रवर्तनीय अनुच्छेद 45 को भाग III के प्रवर्तनीय मौलिक अधिकार अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के साथ मिलाकर पढ़ा, जिससे 14 वर्ष तक मुफ्त शिक्षा की संवैधानिक गारंटी का रास्ता साफ हुआ।

174. (A) विकलांग व्यक्ति / विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (Persons with Disabilities / Children with Special Needs - CWSN)।
भारतीय संविधान में अवसरों की समानता (अनुच्छेद 14) और गैर-भेदभाव (अनुच्छेद 15) के प्रावधान वर्तमान शिक्षा नीति में विकलांग व्यक्तियों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) के लिए बाधा-मुक्त वातावरण, समावेशी शिक्षा और समान अवसर सुनिश्चित करने का मुख्य संवैधानिक आधार बनते हैं।

175. (A) अनुच्छेद 21 (गरिमा) और अनुच्छेद 14 (समानता) (Article 21 (Dignity) and Article 14 (Equality))।
विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (RPwD) अधिनियम, 2016, जो देश भर में समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाता है, अपना मुख्य संवैधानिक समर्थन अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 21 (मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार) से ही प्राप्त करता है।

176. (A) अनुच्छेद 15(3) (Article 15(3))
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15(3) (Article 15(3)) राज्य को यह विशेष संवैधानिक अधिकार देता है कि वह सामान्य गैर-भेदभाव नियमों के बावजूद महिलाओं और बच्चों (Women and Children) के कल्याण एवं विकास के लिए विशेष प्रावधान या योजनाएं बना सकता है, जिसमें विकलांग बालिका शिक्षा योजनाएं शामिल हैं।

177. (B) इनकार अनुच्छेद 21A का उल्लंघन करता है; स्कूल को उचित आवास (Reasonable Accommodation) प्रदान करना चाहिए।
अनुच्छेद 21A, 14 और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के तहत रैंप न होने के आधार पर लोकोमोटर विकलांग बच्चे को प्रवेश देने से मना करना अवैध है। कानून के अनुसार स्कूल का यह कर्तव्य है कि वह "उचित आवास" (Reasonable Accommodation) प्रदान करे और बच्चे के लिए रैंप व सुगम बुनियादी ढांचा तैयार करे।

178. (C) 5%
विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (RPwD) अधिनियम, 2016 की धारा 32 के तहत, सभी सरकारी और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों (Higher Educational Institutions) में बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए कम से कम 5% सीटें आरक्षित करने का कानूनी जनादेश प्रदान किया गया है।

179. (A) वंचित समूह से संबंधित बच्चा (Child belonging to disadvantaged group)
आरटीई अधिनियम, 2009 में वर्ष 2012 में एक महत्वपूर्ण संशोधन किया गया। इस संशोधन के द्वारा विशेष आवश्यकता वाले और विकलांग बच्चों को अधिनियम की धारा 2(d) के अंतर्गत "वंचित समूह से संबंधित बच्चा" (Child belonging to disadvantaged group) की कानूनी परिभाषा में शामिल किया गया ताकि उन्हें 25% आरक्षण का लाभ मिले।

Downloaded from www.pdf.tube

156. (A) राज्य पर, निजी संस्थाओं द्वारा बोझ को पूरा करने और साझा करने के साथ।
सोसाइटी फॉर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स के निर्णय में न्यायालय ने रेखांकित किया कि अनुच्छेद 21A के तहत 6-14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त प्राथमिक शिक्षा देने का प्राथमिक और अंतिम दायित्व 'राज्य' पर है। निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूल 25% कोटा प्रणाली के माध्यम से राज्य के इस कल्याणकारी दायित्व में केवल सहभागी बनते हैं।

157. (D) सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूलों को 50% ईडब्ल्यूएस (EWS) छात्रों को पूरी तरह से अपनी लागत पर प्रवेश देना होगा।
2012 के फैसले में ऐसा कोई निर्देश नहीं था कि सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूल 50% ईडब्ल्यूएस छात्रों को अपनी लागत पर प्रवेश दें। अल्पसंख्यक संस्थानों को अनुच्छेद 30(1) के तहत विशेष दर्जा प्राप्त है। इसके अलावा राज्य गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को प्रवेशित 25% ईडब्ल्यूएस बालकों के लिए प्रति-बच्चा व्यय की प्रतिपूर्ति करता है।

158. (A) 93वां संशोधन (93rd Amendment)
2012 के आरटीई निर्णय के बाद, प्रमति एजुकेशनल ट्रस्ट मामले (2014) में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने 93वें संविधान संशोधन अधिनियम 2005 (अनुच्छेद 15(5)) की वैधता को पूरी तरह बरकरार रखा। इसी संशोधन ने निजी शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़े एवं वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की संवैधानिक राह आसान की थी।

159. (A) न्यायिक सक्रियता और जनहित याचिका (Judicial Activism and Public Interest Litigation)।
भारत में शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा दिलाने और आरटीई अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में न्यायपालिका की भूमिका "न्यायिक सक्रियता और जनहित याचिका" (Judicial Activism and Public Interest Litigation - PIL) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसने विधायी नीतियों को दिशा प्रदान की।

160. (A) जनहित याचिका (Public Interest Litigation - PIL)
नागरिक समाज संगठनों, बाल अधिकार कार्यकर्ताओं और जागरूक नागरिकों ने सरकार को शिक्षा नीतियों, स्कूल बुनियादी ढांचे और आरटीई प्रावधानों को सख्ती से लागू करने के लिए बाध्य करने हेतु उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में मुख्य रुप से "जनहित याचिका" (Public Interest Litigation - PIL) के कानूनी तंत्र का व्यापक प्रयोग किया है।

161. (B) कुंभकोणम त्रासदी के बाद स्कूल में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करना।
अविनाश मेहरोत्रा बनाम भारत संघ (2009) के मामले में तमिलनाडु के कुंभकोणम स्कूल में हुई भयानक अग्निकांड त्रासदी के बाद उच्चतम न्यायालय ने कड़ा संज्ञान लिया। न्यायालय ने देश के सभी स्कूलों में अग्नि सुरक्षा (Fire Safety), संरचनात्मक सुरक्षा और बुनियादी सुरक्षा मानकों को अनिवार्य रूप से लागू करने के विस्तृत निर्देश दिए।

162. (A) अनुच्छेद 21A (Article 21A) के अभिन्न अंग, अनुपस्थिति को मौलिक अधिकार का उल्लंघन मानते हुए।
न्यायपालिका ने यह स्पष्ट माना है कि सुरक्षित पेयजल और लड़कों व लड़कियों के लिए पृथक शौचालयों जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव शिक्षा प्राप्त करने में बाधा बनता है। अतः अदालतों ने इन सुविधाओं को अनुच्छेद 21A के तहत शिक्षा के अधिकार का एक अभिन्न और अनिवार्य हिस्सा घोषित किया है।

163. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
उच्चतम न्यायालय ने कई निर्णयों में स्पष्ट किया है कि राज्य वित्तीय या बजटीय संसाधनों की कमी (Lack of Financial Resources) का बहाना बनाकर शिक्षा के अधिकार को टाल नहीं सकता। अनुच्छेद 21A 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए एक निरपेक्ष मौलिक अधिकार है, जिसे पूरा करना राज्य की संवैधानिक बाध्यता है।

164. (A) खतरनाक उद्योग (Hazardous industries)
एनवायरनमेंटल एंड इकोलॉजिकल प्रोटेक्शन समिति मामले में न्यायपालिका ने यह प्रतिपादित किया कि बच्चों के जीवन के अधिकार और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों को खतरनाक उद्योगों (Hazardous Industries), प्रदूषणकारी इकाइयों या उच्च तनाव वाले बिजली तारों के पास स्थित या निर्मित नहीं किया जाना चाहिए।

165. (A) समय-सीमा की निगरानी करना और परमादेश (Mandamus) के माध्यम से शिक्षक रिक्ति भरने का निर्देश देना।
शिक्षा के अधिकार के संदर्भ में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका केवल सिद्धांतों की घोषणा तक सीमित नहीं रही। अदालतों ने लगातार परमादेश रिट (Writs of Mandamus) जारी करके, समय-सीमा की निगरानी करके और राज्य सरकारों को प्राथमिक स्कूलों में रिक्त पड़े शिक्षकों के लाखों पदों को तुरंत भरने का प्रशासनिक निर्देश दिया है।

166. (A) स्कूल बस सुरक्षा पर उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश (Supreme Court Guidelines on School Bus Safety)।
स्कूली छात्रों की यात्रा सुरक्षा और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने विस्तृत सुरक्षा नियम तय किए। इन नियमों को "स्कूल बस सुरक्षा पर उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश" (Supreme Court Guidelines on School Bus Safety) कहा जाता है, जिनका पालन सभी स्कूलों हेतु अनिवार्य है।

167. (A) सामंजस्यपूर्ण निर्माण और एकीकरण (Harmonious construction and integration)
शिक्षा के मामले में भाग III (मौलिक अधिकार) और भाग IV (नीति निदेशक तत्व) के बीच का संबंध शुरुआती कानूनी टकरावों से आगे बढ़ते हुए अब "सामंजस्यपूर्ण निर्माण और एकीकरण" (Harmonious Construction and Integration) के रूप में विकसित हुआ है, जहां निदेशक तत्वों को मौलिक अधिकारों को अर्थ देने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

NODIA

या व्यथा के निवारण हेतु संघ (Union) या राज्य में प्रयोग होने वाली किसी भी भाषा (Any language) में सरकार या अधिकारी को अभ्यावेदन या आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

193. (A) यह सुनिश्चित करता है कि माता-पिता राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी भी भाषा में शिकायतें जमा कर सकते हैं। स्कूल स्तर के शैक्षणिक प्रशासन में अनुच्छेद 350 का व्यावहारिक प्रभाव यह है कि अधिकारियों या प्राचार्यों द्वारा किसी अभिभावक की शिकायत या आवेदन को केवल इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि वह राज्य की आधिकारिक भाषा में नहीं है। अभिभावक क्षेत्र में प्रयुक्त किसी भी भाषा में अपनी बात रख सकते हैं।

194. (D) I, II और III
अनुच्छेद 350 किसी भी भाषा में शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है, अनुच्छेद 350A प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाएं अनिवार्य करता है तथा अनुच्छेद 350B भाषाई अल्पसंख्यकों के विशेष अधिकारी का प्रावधान करता है। अतः भाषाई सुरक्षा उपायों से संबंधित ये तीनों कथन पूरी तरह सही हैं।

195. (A) निदेशालय को राज्य में प्रयुक्त किसी भी भाषा में अभ्यावेदन स्वीकार करना होगा।
संविधान के अनुच्छेद 350 के स्पष्ट निर्देशों के अनुसार, यदि कोई अभिभावक राज्य में बोली जाने वाली किसी अल्पसंख्यक भाषा में बाल सुरक्षा या शिक्षा संबंधी लिखित शिकायत जमा करता है, तो शिक्षा निदेशालय को उस अभ्यावेदन को स्वीकार करना ही होगा। भाषा के आधार पर आवेदन पत्र को अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

196. (A) प्रत्येक व्यक्ति को (Every person)
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350 में प्रयुक्त शब्दावली यह निर्दिष्ट करती है कि व्यथा निवारण के लिए किसी भी भाषा में अभ्यावेदन जमा करने का अधिकार "प्रत्येक व्यक्ति" (Every person) को उपलब्ध है। यह अधिकार केवल भारतीय नागरिकों या सरकारी कर्मचारियों तक कड़ाई से सीमित नहीं है।

197. (A) भाग XVII (राजभाषा) (Part XVII - Official Language)
अनुच्छेद 350, 350A, और 350B भारतीय संविधान के भाग XVII (राजभाषा - Official Language) के अध्याय IV (विशेष निर्देश) के अंतर्गत शामिल किए गए हैं। ये प्रावधान शिक्षा और प्रशासनिक शिकायतों में भाषाई अधिकारों और अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

198. (A) डीईओ की कार्रवाई किसी भी राज्य भाषा में शिकायत जमा करने के अधिकार का उल्लंघन करती है।
डीईओ का आवेदन स्वीकार करने से मना करना असंवैधानिक है। संविधान का अनुच्छेद 350 स्पष्ट आदेश देता है कि कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत का निवारण करने के लिए राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी भी भाषा में अभ्यावेदन दे सकता है। अधिकारी का आधिकारिक भाषा का आग्रह अनुच्छेद 350 की मूल भावना के विपरीत है।

199. (A) अनुच्छेद 350 शिकायत निवारण को कवर करता है; 350A प्राथमिक शिक्षा सुविधाओं को अनिवार्य बनाता है।
अनुच्छेद 350 का दायरा व्यापक है और यह सरकार के किसी भी स्तर पर शिकायतों के निवारण हेतु किसी भी प्रयुक्त भाषा में अभ्यावेदन देने से संबंधित है। इसके विपरीत, अनुच्छेद 350A एक विशिष्ट प्रावधान है जो विशेष रुप से प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर भाषाई अल्पसंख्यकों को मातृभाषा में शिक्षण सुविधाएं देने पर केंद्रित है।

200. (A) भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए समावेशिता की रक्षा करना और उसे बढ़ावा देना।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 347, 350, 350A, और 350B का मूलभूत उद्देश्य भारत की बहुभाषी विविधता को बनाए रखना तथा भाषाई अल्पसंख्यकों (Linguistic Minorities) के अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें शैक्षणिक और प्रशासनिक मुख्यधारा में समावेशिता (Inclusivity) प्रदान करना है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

132. (B) कैपिटेशन शुल्क या जबरन दान शिक्षा का व्यावसायीकरण करते हैं और असंवैधानिक हैं।
मोहिनी जैन मामले में न्यायपालिका ने स्पष्ट स्थापित किया कि शिक्षा कोई बिक्री योग्य वस्तु नहीं है। प्रवेश के नाम पर जबरन भवन दान या कैपिटेशन शुल्क (Capitation Fees) वसूलना शिक्षा का असंवैधानिक व्यावसायीकरण (Commercialization of Education) करता है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 21 का सीधा उल्लंघन है।

133. (A) इसने शिक्षा के मौलिक अधिकार को कड़ाई से 14 वर्ष की आयु तक के बच्चों तक सीमित कर दिया।
वर्ष 1993 के उन्नी कृष्णन बनाम आंध्र प्रदेश राज्य निर्णय में पांच न्यायाधीशों की पीठ ने मोहिनी जैन के व्यापक फैसले को सीमित किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का मौलिक अधिकार निरपेक्ष रूप से केवल 14 वर्ष की आयु पूरी करने तक ही उपलब्ध है, जिसके बाद यह राज्य की आर्थिक क्षमता के अधीन है।

134. (B) राज्य की आर्थिक क्षमता और विकास की सीमाओं के।
उन्नी कृष्णन निर्णय (1993) के अनुसार, नागरिकों द्वारा 14 वर्ष की आयु पूरी कर लेने के पश्चात उच्च या व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने का राज्य का दायित्व संविधान के अनुच्छेद 41 के तहत राज्य की आर्थिक क्षमता और विकास की सीमाओं (Economic Capacity and Limits of Development) के कड़ाई से अधीन है।

135. (A) फ्री-सीट / पेमेंट-सीट योजना (Free-Seat / Payment-Seat Scheme)
उन्नी कृष्णन मामले में उच्चतम न्यायालय ने निजी व्यावसायिक कॉलेजों में प्रवेश और शुल्क को विनियमित करने हेतु एक विस्तृत "फ्री-सीट और पेमेंट-सीट योजना" (Free-Seat / Payment-Seat Scheme) तैयार की थी। इसके तहत 50% सीटें मेरिट (फ्री) तथा शेष 50% सीटें निर्धारित उच्च शुल्क (पेमेंट) पर तय की गई थीं।

136. (A) अनुच्छेद 45 (Article 45)
उन्नी कृष्णन निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने संविधान के भाग III (मौलिक अधिकार) और भाग IV (निदेशक तत्व) में सामंजस्य स्थापित करने के लिए अनुच्छेद 21 को नीति निदेशक तत्व के अनुच्छेद 45 (Article 45) के साथ मिलाकर पढ़ा। इसी संयोजन के आधार पर 14 वर्ष तक मुफ्त शिक्षा को मौलिक अधिकार माना गया।

137. (A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
उन्नी कृष्णन निर्णय 86वें संशोधन का मुख्य दार्शनिक आधार बना। अदालत ने कानूनी रूप से यह स्पष्ट सीमा तय की कि 14 वर्ष तक की प्राथमिक शिक्षा पाना जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है। इसी सटीक मानदंड और आयु सीमा को संसद ने 2002 में अनुच्छेद 21A के रूप में संहिताबद्ध किया।

138. (B) निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों को कोई भी कैपिटेशन शुल्क लेने का अधिकार है।
उन्नी कृष्णन मामले में न्यायालय ने स्पष्ट रूप से निर्णय दिया था कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान (निजी गैर-सहायता प्राप्त सहित) को कैपिटेशन शुल्क लेने या मुनाफाखोरी करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। यदि कोई संस्थान ऐसा करता है, तो उसकी संबद्धता या मान्यता तुरंत रद्द की जा सकती है।

139. (B) मोहिनी जैन → उन्नी कृष्णन → टीएमए पाई
भारतीय न्यायपालिका में शिक्षा के अधिकार के कानूनी विकास का सही कालानुक्रमिक क्रम मोहिनी जैन मामला (1992) से शुरु हुआ, जिसके बाद उन्नी कृष्णन मामला (1993) आया, और तत्पश्चात 11 न्यायाधीशों की पीठ का टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन मामला (2002) आया जिसने निजी संस्थानों की स्वायत्तता तय की।

140. (B) कि शिक्षा प्रदान करना अनुच्छेद 19(1)(g) (Article 19(1)(g)) के तहत एक 'व्यापार या व्यवसाय' है।
उन्नी कृष्णन मामले में निजी कॉलेजों द्वारा दिए गए इस तर्क को न्यायालय ने पूरी तरह खारिज कर दिया कि शिक्षा प्रदान करना अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत एक 'व्यापार या व्यवसाय' (Trade or Business) है। न्यायालय ने माना कि शिक्षा एक धर्मार्थ और महान सामाजिक कार्य है, न कि व्यावसायिक गतिविधि।

141. (A) शैक्षणिक केंद्र स्थापित करने और प्रशासित करने के निजी संस्थानों के अधिकार।
वर्ष 2002 के टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में 11 न्यायाधीशों की विशाल पीठ ने मुख्य रूप से निजी शैक्षणिक संस्थानों (अल्पसंख्यक और गैर-अल्पसंख्यक दोनों) द्वारा स्कूल एवं कॉलेज स्थापित करने, उन्हें संचालित करने, शुल्क तय करने तथा उनके प्रशासनिक अधिकारों के विस्तार का निपटारा किया था।

142. (C) उसने इस योजना को निजी स्कूल स्वायत्तता पर एक अनुचित प्रतिबंध के रूप में रद्द कर दिया।
टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन निर्णय ने उन्नी कृष्णन मामले में बनाई गई 'पेमेंट-सीट और फ्री-सीट योजना' को निरस्त कर दिया। 11 न्यायाधीशों की पीठ ने माना कि यह योजना निजी गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों की प्रशासनिक स्वायत्तता (Administrative Autonomy) पर एक अनुचित और अत्यधिक सरकारी नियंत्रण लगाती है।

143. (B) केवल I, III और IV
टीएमए पाई मामले में माना गया कि संस्थान चलाना अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत एक पेशा है, गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों को प्रशासनिक स्वायत्तता है तथा राज्य उन पर अपनी आरक्षण नीति नहीं थोप सकता। परंतु कोर्ट ने कैपिटेशन शुल्क लेने की पूर्ण छूट कभी नहीं दी, अतः कथन II गलत है।

144. (A) वह राज्य जहां संस्थान स्थापित है।
टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह महत्वपूर्ण सिद्धांत स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 30 के तहत किसी समुदाय को धार्मिक या भाषाई अल्पसंख्यक (Linguistic

NODIA

IV. आकलन (Assessment)
(A) III, I, IV, II
(B) I, III, II, IV
(C) III, IV, I, II
(D) I, II, III, IV

8. जबकि मापन (Measurement) मुख्य रूप से 'कितना' (How much) से संबंधित है, मूल्यांकन (Evaluation) केंद्रित है:
(A) 'कितना तेज' (How fast) पर
(B) 'कितनी बार' (How often) पर
(C) 'कितना अच्छा' (How good) पर
(D) 'कितना वस्तुनिष्ठ' (How objective) पर

9. मापन (Measurement) और मूल्यांकन (Evaluation) के बीच गलत अंतर की पहचान करें।
(A) मापन सख्ती से मात्रात्मक (Quantitative) होता है, जबकि मूल्यांकन में मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों डेटा शामिल होते हैं
(B) मापन व्यवस्थित रूप से "कितना" का उत्तर देता है, जबकि मूल्यांकन "क्या समग्र मूल्य" का निर्धारण करता है
(C) मापन लक्ष्य प्राप्ति के व्यावहारिक साधन के रूप में कार्य करता है, जबकि मूल्यांकन अंतिम प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है
(D) मापन निरंतर होता है, जबकि मूल्यांकन केवल उपकरण प्रशासन (Tool Administration) तक सीमित है

10. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : मूल्यांकन (Evaluation) मापन (Measurement) की तुलना में एक व्यापक अवधारणा है और इसे अपने भीतर समाहित करता है।
कारण (R) : मूल्यांकन (Evaluation) गुणात्मक निर्णय लेने के लिए मानकों के एक सेट के खिलाफ मापन (Measurement) द्वारा प्रदान किए गए मात्रात्मक डेटा की व्याख्या करता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

11. कौन सा शब्द विशेष रूप से यह निर्धारित करने के लिए जानकारी एकत्र करने, विश्लेषण करने और व्याख्या करने की व्यवस्थित प्रक्रिया को संदर्भित करता है कि छात्र शिक्षण उद्देश्यों (Instructional Objectives) को कितनी अच्छी तरह प्राप्त कर रहे हैं?
(A) मापन (Measurement)
(B) आकलन (Assessment)
(C) परीक्षण (Testing)
(D) मापन निर्धारण (Scaling)

12. शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development - CPD) की समीक्षा करने वाले एक प्राचार्य के रूप में, आप देखते हैं कि एक शिक्षक प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान किए बिना केवल अंतिम ग्रेड देने के लिए साप्ताहिक क्विज़ का उपयोग करता है। शिक्षक आकलन (Assessment) के किस सिद्धांत का उल्लंघन कर रहा है?
(A) निरपेक्ष वस्तुनिष्ठ स्कोरिंग को बनाए रखने के लिए आकलन पद्धतियों को प्रकृति में सख्ती से योगात्मक (Summative) होना चाहिए
(B) सीखने के लिए आकलन (Assessment for Learning) में शिक्षण को सूचित करने और सुधारने के लिए डेटा का उपयोग आवश्यक है
(C) मापन की प्रक्रियात्मक चरणों को हमेशा किसी भी प्रकार के गुणात्मक मूल्यांकन से पहले होना चाहिए
(D) छात्र के अंतिम ग्रेड की गणना करते समय साप्ताहिक अमानकीकृत कक्षा क्विज़ पूरी तरह से अमान्य हैं

13. कक्षा के संदर्भ में आकलन (Assessment) मुख्य रूप से मूल्यांकन (Evaluation) से किस प्रकार भिन्न है?
(A) आकलन सीखने में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि मूल्यांकन समग्र उपलब्धि के न्याय पर केंद्रित होता है
(B) आकलन प्रदर्शन का एक अत्यधिक संरचित अंतिम निर्णय है, जबकि मूल्यांकन एक सतत अनौपचारिक जांच है
(C) आकलन के लिए सख्ती से औपचारिक मानकीकृत परीक्षणों की आवश्यकता होती है, जबकि मूल्यांकन पूरी तरह से अवलोकन पर निर्भर करता है
(D) आकलन केवल बाहरी परीक्षा बोर्डों द्वारा आयोजित किया जाता है, जबकि मूल्यांकन कक्षा शिक्षकों द्वारा संभाला जाता है

14. निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि मापन (Measurement) के बजाय आकलन (Assessment) का एक उदाहरण है?
(A) यह सटीक रूप से दर्ज करना कि एक छात्र ने 100 मीटर की दौड़ ठीक 14 सेकंड में पूरी की
(B) यह औपचारिक रूप से नोट करना कि एक छात्र ने साप्ताहिक कक्षा वर्तनी परीक्षण में 85% अंक (Scores) प्राप्त किए
(C) अधिगम में सुधार करने में मदद करने के लिए छात्र के निबंध प्रारूप पर विस्तृत प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करना
(D) छात्र के इमला (Dictation) में मौजूद वर्तनी की त्रुटियों की कुल संख्या को व्यवस्थित रूप से गिनना

NODIA

15. मापन (Measurement) और मूल्यांकन (Evaluation) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
I. मापन केवल गुणों को संख्याएं निर्दिष्ट करने तक सीमित है।
II. मूल्यांकन में मापन के साथ-साथ गैर-मापन डेटा भी शामिल होता है।

III. मापन में हमेशा एक मूल्य निर्णय (Value Judgment) शामिल होता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) केवल I

16. "आकलन बनाम मूल्यांकन" के संदर्भ में, कौन सा प्रतिमान "सीखने के रूप में आकलन" (Assessment as Learning) के साथ सबसे सटीक रूप से मेल खाता है?

(A) कक्षा शिक्षक द्वारा सीधे प्रदान की जाने वाली अंतिम योगात्मक ग्रेडिंग
(B) निर्दिष्ट केंद्रों पर आयोजित उच्च-जोखिम वाली (High-Stakes) बाहरी बोर्ड परीक्षाएं
(C) छात्र द्वारा निरंतर स्व-निगरानी (Self-Monitoring) और आलोचनात्मक स्व-चिंतन (Self-Reflection)
(D) मानकीकृत संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता परीक्षण उपकरणों का प्रशासन

17. एक परीक्षण को वैध (Valid) माना जाता है यदि वह:

(A) कई प्रशासनों में सुसंगत परिणाम (Consistent Results) देता है
(B) सटीक रूप से वही मापता है जिसे मापने के लिए इसे तैयार किया गया है
(C) संचालित करने और अंक देने में आसान है
(D) सभी प्रश्नों के लिए उच्च विभेदन सूचकांक (Discrimination Index) रखता है

18. मापन उपकरण की कौन सी विशेषता यह दर्शाती है कि प्राप्त अंक परीक्षक के व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों (Subjective Biases) से मुक्त हैं?

(A) वैधता (Validity)
(B) विश्वसनीयता (Reliability)
(C) उपयोगिता (Usability)
(D) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)

19. बीजगणित का एक शिक्षक परीक्षण तैयार करता है लेकिन उसमें उन्नत पठन बोध (Reading Comprehension) पर अत्यधिक निर्भर कई प्रश्न शामिल कर देता है। अंततः परीक्षण अंक छात्रों के बीजगणितीय कौशल के साथ-साथ उनके भाषा कौशल को भी दर्शाते हैं। इस परीक्षण में कमी है:

(A) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) की
(B) संरचनात्मक विश्वसनीयता (Construct Reliability) की
(C) आंतरिक निरंतरता (Internal Consistency) की
(D) प्रशासनिक उपयोगिता (Administrative Usability) की

20. एक शैक्षिक प्रशासक के रूप में, आप अपने विद्यालय के लिए एक मानकीकृत पठन परीक्षण (Standardized Reading Test) का चयन कर रहे हैं। परीक्षण A में 0.95 का विश्वसनीयता गुणांक (Reliability Coefficient) और उच्च वैधता है। हालांकि, इसे संचालित करने में 4 घंटे लगते हैं और प्रति छात्र महत्वपूर्ण लागत आती है। परीक्षण B में 0.85 की विश्वसनीयता, स्वीकार्य वैधता है, 45 मिनट लगते हैं, और प्रति छात्र बहुत कम लागत आती है। यदि आप परीक्षण B चुनते हैं, तो आप एक अच्छे मापन उपकरण की किस विशेषता को प्राथमिकता दे रहे हैं?

(A) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
(B) मापदंड वैधता (Criterion Validity)
(C) उपयोगिता/व्यावहारिकता (Usability / Practicability)
(D) संरचनात्मक वैधता (Construct Validity)

21. विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) किस प्रकार के शैक्षिक परीक्षण के लिए सबसे महत्वपूर्ण है?

(A) उपलब्धि परीक्षण (Achievement Tests)
(B) बुद्धिमत्ता परीक्षण (Intelligence Tests)
(C) व्यक्तित्व सूचियां (Personality Inventories)
(D) अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Tests)

22. संरचनात्मक वैधता (Construct Validity) को उस सीमा के रूप में सबसे अच्छे से वर्णित किया गया है जिस सीमा तक एक परीक्षण:

(A) शैक्षणिक वर्ष के लिए निर्धारित पूरे पाठ्यक्रम को कवर करता है
(B) किसी विशिष्ट कार्य में भविष्य के प्रदर्शन के साथ सह-संबंधित होता है
(C) इसे देने वाले छात्रों को वैध प्रतीत होता है
(D) एक सैद्धांतिक मनोवैज्ञानिक गुण या विशेषता को मापता है

23. भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity) और समवर्ती वैधता (Concurrent Validity) किसके दो अलग-अलग रूप हैं?

(A) सामान्य विषय-वस्तु वैधता उपाय
(B) मापदंड-संबंधित वैधता (Criterion-Related Validity)
(C) सैद्धांतिक संरचनात्मक वैधता
(D) सतही प्रत्यक्ष वैधता (Face Validity)

24. एक विद्यालय प्रवेश परीक्षा (Entrance Examination) आयोजित करता है। यदि इस परीक्षा के अंक छात्रों के प्रथम शैक्षणिक वर्ष के अंत में उनके GPA के साथ अत्यधिक सह-संबंधित हैं, तो प्रवेश परीक्षा में उच्च:

(A) प्रत्यक्ष वैधता (Face Validity) है
(B) समवर्ती वैधता (Concurrent Validity) है
(C) भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity) है
(D) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) है

25. निम्नलिखित प्रकार की वैधताओं पर विचार करें:

Downloaded from www.pdf.tube

I. विषय-वस्तु वैधता (Content Validity)
II. संरचनात्मक वैधता (Construct Validity)
III. प्रत्यक्ष वैधता (Face Validity)
IV. भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity)

इनमें से किसे सख्ती से मापदंड-संबंधित वैधता (Criterion-Related Validity) के रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) I और II
(B) III और IV
(C) केवल IV
(D) II और IV

26. विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) स्थापित करने के लिए आमतौर पर निम्नलिखित में से किस प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है?
(A) विशिष्टता सारणी (Table of Specifications / Blueprint) का उपयोग करके विशेषज्ञ समिति समीक्षा
(B) बाहरी भविष्य के मापदंड के साथ समग्र परीक्षण अंकों को सांख्यिकीय रूप से सह-संबंधित करना
(C) सभी व्यक्तिगत परीक्षण प्रश्नों पर अन्वेषणात्मक कारक विश्लेषण (Exploratory Factor Analysis) करना
(D) परीक्षण के स्प्लिट-हाफ विश्वसनीयता सहसंबंध गुणांक (Split-Half Reliability Correlation Coefficient) की गणना करना

27. किसी शैक्षिक परीक्षण की विश्वसनीयता (Reliability) उसके निम्नलिखित गुण को संदर्भित करती है:
(A) पाठ्यक्रम से प्रासंगिकता
(B) अंकों की संगति और स्थिरता (Consistency and Stability of Scores)
(C) लागत और समय के संदर्भ में व्यावहारिकता (Practicability)
(D) परीक्षक के पूर्वाग्रह से मुक्ति

28. यदि कोई छात्र आज बुद्धिमत्ता परीक्षण लेता है और 110 अंक प्राप्त करता है, और एक महीने बाद वही परीक्षण लेता है और 112 अंक प्राप्त करता है, तो परीक्षण उच्च प्रदर्शन करता है:
(A) स्प्लिट-हाफ विश्वसनीयता (Split-Half Reliability) में
(B) परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता (Test-Retest Reliability) में
(C) अंतर-मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Inter-Rater Reliability) में
(D) समानांतर-रूप विश्वसनीयता (Parallel-Forms Reliability) में

29. विश्वसनीयता का आकलन करने की किस विधि में केवल एक बार परीक्षण आयोजित करने की आवश्यकता होती है?
(A) स्प्लिट-हाफ विधि (Split-Half Method)
(B) परीक्षण-पुनर्परीक्षण विधि (Test-Retest Method)
(C) वैकल्पिक-रूप विधि (Alternate-Forms Method)
(D) समतुल्य-रूप विधि (Equivalent-Forms Method)

NODIA

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : विश्वसनीयता की स्प्लिट-हाफ विधि (Split-Half Method) मुख्य रूप से परीक्षण की आंतरिक सुसंगतता (Internal Consistency) का एक माप है।
कारण (R) : इसमें परीक्षण के प्रश्नों को दो समतुल्य हिस्सों (जैसे, विषम और सम प्रश्न) में विभाजित करना और दोनों हिस्सों के अंकों को सह-संबंधित करना शामिल है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

31. स्प्लिट-हाफ विधि का उपयोग करके विश्वसनीयता की गणना करते समय, प्राप्त प्रारंभिक सहसंबंध केवल आधे परीक्षण के लिए होता है। पूरे परीक्षण की विश्वसनीयता का अनुमान लगाने के लिए किस सूत्र का उपयोग किया जाता है?
(A) मानकीकृत कुडर-रिचर्डसन सूत्र 20 विधि (Kuder-Richardson Formula 20 - KR-20)
(B) पियर्सन गुणन-आघूर्ण सहसंबंध सूत्र (Pearson Product-Moment Correlation Formula)
(C) क्रॉनबैक अल्फा आंतरिक संगति गुणांक (Cronbach's Alpha)
(D) स्पियरमैन-ब्राउन भविष्यवाणी सूत्र (Spearman-Brown Prophecy Formula)

32. समानांतर-रूप विश्वसनीयता (Parallel-Forms Reliability) किसके द्वारा स्थापित की जाती है?
(A) समय के अंतर के साथ छात्रों के समान समूह को बार-बार सटीक समान परीक्षण देना
(B) एकल परीक्षण पर दो अलग-अलग छात्र समूहों के समग्र प्रदर्शन अंकों की सीधे तुलना करना
(C) एक ही समूह को निकट अंतराल में एक परीक्षण के दो समानांतर रूप (Parallel Forms) देना
(D) दो स्वतंत्र योग्य परीक्षकों से एक ही उत्तर पुस्तिकाओं का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन (Evaluation) और अंकन करवाना

33. कुडर-रिचर्डसन सूत्र (Kuder-Richardson Formula 20 - KR-20) का उपयोग मापने के लिए किया जाता है:
(A) विस्तारित समय अवधि में अनुदैर्ध्य (Longitudinal) परीक्षण अंक स्थिरता
(B) द्विभाजित रूप से अंकीकृत प्रश्नों (Dichotomously Scored Items) की आंतरिक निरंतरता
(C) स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं के बीच अंतर-अंकनकर्ता वस्तुनिष्ठता (Inter-Rater Objectivity) की मात्रा
(D) विशिष्ट पाठ्यक्रम क्षेत्रों में समग्र विषय-वस्तु वैधता

34. निम्नलिखित में से कौन सा कारक आमतौर पर परीक्षण की विश्वसनीयता (Reliability) को कम करता है?

113. एक टाइपिंग टेस्ट में कहा गया है कि छात्र को पास होने के लिए 95% सटीकता के साथ प्रति मिनट कम से कम 40 शब्द टाइप करने होंगे। यह निम्नलिखित का एक उत्कृष्ट उदाहरण है:
(A) मानकीकृत मानक-संदर्भित मापन (Norm-Referenced Measurement)
(B) निकष-संदर्भित मापन (Criterion-Referenced Measurement)
(C) व्यक्तिगत इप्सेटिव मापन
(D) सतत रचनात्मक मापन

114. एक प्रतियोगी परीक्षा छात्रों को ऊपर से नीचे तक रैंक देती है और प्रवेश के लिए शीर्ष प्रतिशतक (Percentile) का चयन करती है। यह परीक्षण प्रतिनिधित्व करता है:
(A) निकष-संदर्भित मूल्यांकन (Criterion-Referenced Evaluation)
(B) मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation)
(C) इप्सेटिव मूल्यांकन (Ipsative Evaluation)
(D) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation)

115. मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) और निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) के बीच निम्नलिखित अंतरों पर विचार करें:
I. NRT छात्रों की तुलना करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि CRT विशिष्ट कौशलों की महारत पर ध्यान केंद्रित करता है।
II. NRT प्रश्नों को विभेदन को अधिकतम करने के लिए चुना जाता है, जबकि CRT प्रश्नों को पाठ्यक्रम के मेल के लिए चुना जाता है।
III. CRT के लिए प्रतिशतक (Percentiles) स्थापित करने की आवश्यकता होती है, जबकि NRT में ऐसा नहीं है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) केवल I

116. एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) उपलब्धि परीक्षण से इस मायने में अलग है कि इसका प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) अर्जित कुल संचयी ज्ञान को व्यापक रूप से मापना (Cumulative Knowledge)
(B) अंतिम सत्रांत पाठ्यक्रम ग्रेड औपचारिक रूप से निर्दिष्ट करना
(C) सीखने के अंतराल और गलत अवधारणाओं (Learning Gaps and Misconceptions) की पहचान करना
(D) भविष्य की व्यावसायिक या करियर की सफलता का सटीक अनुमान लगाना

117. एक अच्छे नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) की एक अनिवार्य विशेषता यह है कि इसमें होना चाहिए:
(A) छात्रों को चुनौती देने के लिए बहुत उच्च कठिनाई स्तर
(B) शीर्ष और निचले छात्रों के बीच उच्च विभेदन शक्ति (Discrimination Power)
(C) विशिष्ट कौशलों से जुड़े विस्तृत उप-अंक (Detailed Sub-Scores)
(D) सख्त समय सीमा

118. किस प्रकार का मूल्यांकन शिक्षण शुरू होने से पहले शिक्षार्थियों की तत्परता (Readiness) का निर्धारण करता है?
(A) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)
(B) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(C) स्थानन मूल्यांकन (Placement Evaluation)
(D) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation)

119. एक शिक्षक पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों की मनोवृत्ति का आकलन करने के लिए लिकर्ट स्केल का उपयोग करता है। लिकर्ट स्केल निम्नलिखित का एक उदाहरण है:
(A) नाममात्र पैमाने का उपकरण
(B) निर्धारण मापनी / रेटिंग स्केल (Rating Scale)
(C) जांच-सूची / चेकलिस्ट (Checklist)
(D) सोशियोग्राम (Sociogram)

120. एक प्राचार्य नई खेल एकीकरण नीति का मूल्यांकन करने के लिए एक शारीरिक शिक्षा कक्षा का अवलोकन करता है। प्राचार्य 10 वांछित व्यवहारों की सूची वाले एक पूर्व-मुद्रित प्रपत्र का उपयोग करता है। प्रत्येक व्यवहार के बगल में दो बॉक्स हैं: "हाँ" और "नहीं"। प्राचार्य निम्नलिखित में से किसका उपयोग कर रहे हैं?
(A) रेटिंग स्केल (Rating Scale)
(B) प्रश्नावली (Questionnaire)
(C) चेकलिस्ट (Checklist)
(D) उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record)

121. रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण (Rorschach Inkblot Test) और विषय आत्म-बोध परीक्षण (Thematic Apperception Test - TAT) किसके उदाहरण हैं?
(A) वस्तुनिष्ठ व्यक्तित्व परीक्षण (Objective Personality Tests)
(B) प्रक्षेपी तकनीकें (Projective Techniques)
(C) बुद्धि लब्धि परीक्षण
(D) उपलब्धि परीक्षण

122. प्रक्षेपी तकनीकों (Projective Techniques) का उपयोग मुख्य रूप से शैक्षिक परिवेश में मापने के लिए किया जाता है:
(A) विषयों में संचयी शैक्षणिक उपलब्धि (Academic Achievement)
(B) सामान्य संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता और तर्कशक्ति
(C) अचेतन व्यक्तित्व गुण और भावनाएं (Unconscious Personality Traits and Emotions)

Click Here to Buy book on Amazon

(B) एक वास्तविक निरपेक्ष शून्य बिंदु (True Absolute Zero Point) की
(C) सख्ती से समान मापन अंतरालों की
(D) स्पष्ट वर्गीय वर्गीकरण की

45. एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक छात्रों की ऊंचाई सेंटीमीटर में और उनकी जर्सी संख्या दर्ज करता है। ऊंचाई मापन और जर्सी संख्या क्रमशः मापन के किन पैमानों का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(A) अनुपात (Ratio) और नाममात्र (Nominal)
(B) अंतराल (Interval) और नाममात्र (Nominal)
(C) अनुपात (Ratio) और क्रमसूचक (Ordinal)
(D) अंतराल (Interval) और क्रमसूचक (Ordinal)

46. सेल्सियस में मापा गया तापमान अंतराल पैमाने (Interval Scale) का एक उदाहरण है क्योंकि:
(A) 0°C का तापमान तापीय ऊर्जा और गर्मी की पूर्ण अनुपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है
(B) 40°C की तापमान रीडिंग 20°C की तुलना में ठीक दोगुनी भौतिक गर्मी का प्रतिनिधित्व करती है
(C) तापमान में समान अंतर समान भौतिक अंतरालों का प्रतिनिधित्व करते हैं
(D) संख्यात्मक पैमाने का उपयोग केवल सापेक्ष उष्णता के क्रम में वस्तुओं को व्यवस्थित करने के लिए किया जा सकता है

47. मानकीकृत परीक्षण अंक (जैसे आईक्यू अंक) को आमतौर पर मापन के किस पैमाने के अंतर्गत माना जाता है?
(A) नाममात्र (Nominal)
(B) क्रमसूचक (Ordinal)
(C) अनुपात (Ratio)
(D) अंतराल (Interval)

48. नाममात्र डेटा (Nominal Data) के साथ निम्नलिखित में से कौन सी गणितीय प्रक्रिया अनुमेय है?
(A) जोड़ और घटाव
(B) गुणा और भाग
(C) आवृतियों की गणना (Counting Frequencies)
(D) माध्य की गणना (Calculating the Mean)

49. एक लिकर्ट स्केल (Likert Scale) में जो उत्तरदाताओं से "पूर्णतः असहमत" से "पूर्णतः सहमत" तक उनकी सहमति का मूल्यांकन करने के लिए कहता है, उत्पन्न डेटा को अधिकांश सांख्यिकीविदों द्वारा सख्ती से माना जाता है:
(A) नाममात्र (Nominal)
(B) क्रमसूचक (Ordinal)
(C) अनुपात (Ratio)
(D) निरपेक्ष (Absolute)

50. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : यह कहना तकनीकी रूप से गलत है कि जिस छात्र ने गणित उपलब्धि परीक्षण में 0 अंक प्राप्त किए हैं, उसमें शून्य गणितीय क्षमता है।
कारण (R) : शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण एक अंतराल पैमाने (Interval Scale) पर काम करते हैं, जिसमें वास्तविक निरपेक्ष शून्य बिंदु का अभाव होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

51. मापन का कौन सा उपकरण दूरस्थ रूप से डेटा एकत्र करने के लिए बड़ी संख्या में व्यक्तियों को भेजी गई प्रश्नों की सूची पर निर्भर करता है?
(A) साक्षात्कार अनुसूची (Interview Schedule)
(B) प्रश्नावली (Questionnaire)
(C) अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule)
(D) उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record)

52. शैक्षिक आकलन में बंद-अंत (Closed-Ended) प्रश्नावली का उपयोग करने की प्राथमिक सीमा क्या है?
(A) यह एकत्र किए गए डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण करते समय गंभीर तकनीकी कठिनाइयां पैदा करता है
(B) इसे बड़े समूहों को संचालित करने में अत्यधिक समय लगता है
(C) यह स्कोरिंग प्रक्रिया के दौरान अत्यंत कम परीक्षक वस्तुनिष्ठता से ग्रस्त है
(D) यह उत्तरदाताओं को सूक्ष्म या विस्तृत उत्तर देने से रोकता है

NODIA

53. निर्धारण मापनी / रेटिंग स्केल (Rating Scale) किसके मापन के लिए सबसे उपयुक्त है?
(A) जटिल द्विघात समीकरणों को हल करने की छात्र की संज्ञानात्मक क्षमता का सटीक परीक्षण
(B) उस सीमा को मापना जिस तक छात्र नेतृत्व गुण प्रदर्शित करता है
(C) एक विशिष्ट व्याकरणिक लेखन त्रुटि की सटीक आवृत्ति को व्यवस्थित रूप से सारणीबद्ध करना
(D) आधिकारिक अभिलेखों से छात्र की सटीक कालानुक्रमिक आयु का सत्यापन और रिकॉर्डिंग

54. 'हेलो प्रभाव' (Halo Effect) मापन के किस उपकरण में त्रुटि का एक सामान्य स्रोत है?
(A) बहुविकल्पी उपलब्धि परीक्षण
(B) मानकीकृत पठन बोध
(C) समाजमिति (Sociometry)
(D) निर्धारण मापनी / रेटिंग स्केल (Rating Scales)

55. जांच-सूची / चेकलिस्ट (Checklists) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

73. प्रश्न कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index - P) के संदर्भ में, P = 0.95 वाले प्रश्न को माना जाता है:
(A) बहुत कठिन
(B) बहुत आसान (Very Easy)
(C) आदर्श कठिनाई का
(D) अत्यधिक विभेदनकारी (Discriminative)

74. मानक-संदर्भित मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण (Norm-Referenced Standardized Achievement Test) के लिए, बहुविकल्पी प्रश्न के लिए आदर्श कठिनाई सूचकांक आमतौर पर इसके आसपास होता है:
(A) 0.10 से 0.20
(B) 0.40 से 0.60
(C) 0.80 से 0.95
(D) 1.0

75. परीक्षण प्रश्न के विभेदन क्षमता सूचकांक (Discrimination Index - D) के संबंध में निम्नलिखित पर विचार करें:
I. यह मापता है कि प्रश्न उच्च अंक प्राप्त करने वालों और कम अंक प्राप्त करने वालों के बीच कितनी अच्छी तरह अंतर करता है।
II. इसका मान 0 से अनंत तक होता है।
III. ऋणात्मक विभेदन सूचकांक का अर्थ है कि निम्न समूह ने उच्च समूह की तुलना में अधिक बार इसका सही उत्तर दिया।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) I और III
(C) II और III
(D) केवल I

76. ऊपरी (R_U) और निचले (R_L) समूहों का उपयोग करके विभेदन सूचकांक (Discrimination Index - D) की गणना करने का सूत्र, जहां R सही उत्तरों की संख्या है और N दोनों समूहों में छात्रों की कुल संख्या है:
(A) $D = \frac{R_U + R_L}{N}$
(B) $D = \frac{R_U - R_L}{N/2}$
(C) $D = \frac{R_U \times R_L}{N}$
(D) $D = \frac{R_L - R_U}{N}$

77. एक प्रश्न का विभेदन सूचकांक -0.25 है। एक परीक्षण निर्माता के रूप में, आपको इस प्रश्न के साथ क्या करना चाहिए?
(A) इसे बनाए रखें क्योंकि यह एक उत्कृष्ट विभेदक है
(B) इसे बनाए रखें लेकिन इसके भारांक (Weightage) को कम करें
(C) इसे रखें क्योंकि यह कमजोर छात्रों की मदद करता है
(D) इसे अस्वीकार करें (Reject) या इसमें भारी संशोधन करें

78. एक प्रश्न विश्लेषण (Item Analysis) में, उच्च और निम्न समूह बनाने के लिए छात्रों के शीर्ष 27% और निचले 27% को चुना जाता है। यह मापदंड (27%) किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया था?
(A) क्रॉनबैक (Cronbach)
(B) केली (Kelley)
(C) बीनेट (Binet)
(D) स्पियरमैन (Spearman)

79. बहुविकल्पी प्रश्न में एक विकर्षक (Distractor) को प्रभावी माना जाता है यदि वह:
(A) किसी भी छात्र द्वारा नहीं चुना जाता है
(B) निचले समूह की तुलना में ऊपरी समूह से अधिक छात्रों को आकर्षित करता है
(C) सभी छात्रों के लिए स्पष्ट रूप से गलत है
(D) ऊपरी समूह की तुलना में निचले समूह के अधिक छात्रों को आकर्षित करता है

80. प्राचार्य के रूप में, आप एक नए शिक्षक द्वारा तैयार किए गए परीक्षण पत्र की समीक्षा कर रहे हैं। आप देखते हैं कि बहुविकल्पी प्रश्न में सही उत्तर को छोड़कर सभी विकल्प व्याकरण की दृष्टि से गलत हैं। यह दोष प्राथमिक रूप से पेश करता है:
(A) अप्रत्याशित यादृच्छिक त्रुटि जो सीधे विश्वसनीयता को प्रभावित करती है
(B) मापन वैधता को प्रभावित करने वाली व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error)
(C) प्रश्न विभेदन शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि
(D) संरचना-असंगत विविधता (Construct-Irrelevant Variance) की अनपेक्षित उपस्थिति

81. मापन में होने वाली त्रुटियाँ जो संयोग से होती हैं, परिमाण और दिशा में अप्रत्याशित रूप से भिन्न होती हैं, कहलाती हैं:
(A) व्यवस्थित त्रुटियां (Systematic Errors)
(B) यादृच्छिक त्रुटियां (Random Errors)
(C) स्थिर त्रुटियां (Constant Errors)
(D) सैद्धांतिक त्रुटियां (Theoretical Errors)

82. निम्नलिखित में से कौन सा प्राथमिक रूप से शैक्षिक मापन में व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error) का परिचय देता है?
(A) बहुविकल्पी उपलब्धि परीक्षण पर विभिन्न प्रश्नों पर एक छात्र द्वारा यादृच्छिक अनुमान लगाना
(B) परीक्षा के निर्धारित दिन छात्र को अचानक तीव्र बीमारी या शारीरिक परेशानी का अनुभव होना
(C) संपूर्ण परीक्षण के दौरान कक्षा के वातावरण के बाहर लगातार श्रव्य विकर्षण होना
(D) एक क्लीनिक स्केल जो हर रीडिंग में लगातार दो किलोग्राम जोड़ता है

83. व्यवस्थित त्रुटियां (Systematic Errors) सीधे तौर पर परीक्षण की निम्नलिखित विशेषता को खतरे में डालती हैं:

Downloaded from www.pdf.tube

64. संचयी अभिलेख कार्ड (Cumulative Record Card - CRC) को बनाए रखने का प्राथमिक प्रशासनिक और शैक्षणिक उद्देश्य है:
(A) लगातार शैक्षणिक रूप से कमजोर प्रदर्शन करने वालों को दंडित करने के लिए एक आधिकारिक प्रशासनिक अभिलेख स्थापित करना
(B) वर्षों में छात्र की अनुदैर्ध्य (Longitudinal) विकासात्मक तस्वीर पेश करना
(C) संपूर्ण शिक्षण संस्थान के समग्र वार्षिक उत्तीर्ण प्रतिशत (Pass Percentage) की व्यवस्थित रूप से गणना करना
(D) नियमित कक्षा रचनात्मक आकलनों को स्थायी रूप से बदलने के लिए एक तंत्र के रूप में कार्य करना

65. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार करें:
I. संख्यात्मक डेटा और सांख्यिकीय विश्लेषण का उपयोग करता है।
II. आख्यानात्मक विवरणों और संदर्भ पर जोर देता है।
III. मानकीकृत परीक्षणों जैसे संरचित उपकरणों का उपयोग करता है।
IV. असंरचित साक्षात्कार और प्रतिभागी अवलोकन शामिल हैं।
कौन सा संयोजन पूरी तरह से गुणात्मक मापन (Qualitative Measurement) दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) I और III
(B) II और IV
(C) I और IV
(D) II और III

66. गुणात्मक उपकरणों की तुलना में मात्रात्मक मापन (Quantitative Measurement) उपकरणों का एक प्रमुख लाभ उनका:
(A) व्यक्तिगत भावनात्मक स्थितियों की गहरी खोज है
(B) प्रशासन के दौरान प्रश्नों को बदलने की लचीलापन है
(C) उच्च स्तर की वस्तुनिष्ठता और मानकीकरण की आसानी है
(D) सामाजिक अंतःक्रियाओं के समृद्ध संदर्भ को पकड़ने की क्षमता है

67. मापन उपकरण के मानकीकरण (Standardization) की प्रक्रिया में निर्धारण शामिल है:
(A) इसकी विश्वसनीयता, वैधता और मानकों/मानदंडों (Norms) का
(B) केवल इसकी प्रत्यक्ष वैधता (Face Validity) का
(C) इसके आत्मनिष्ठ ग्रेडिंग मानदंडों का
(D) केवल एक विशिष्ट कक्षा के लिए इसकी उपयुक्तता का

68. मानकीकृत परीक्षण के लिए "मानकों/मानदंडों" (Norms) की स्थापना एक शिक्षक को अनुमति देती है:
(A) आकलन पर प्रत्येक व्यक्तिगत प्रश्न के लिए कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index) की व्यवस्थित रूप से गणना करने की
(B) आनुभविक रूप से यह निर्धारित करने की कि क्या मापन उपकरण वास्तव में वही मापता है जो वह मापने का दावा करता है
(C) यह सुनिश्चित करने की कि परीक्षण के व्यावहारिक प्रशासन के लिए न्यूनतम समय और शिक्षण प्रयास की आवश्यकता हो
(D) एक प्रतिनिधि संदर्भ समूह (Reference Group) के साथ एक व्यक्तिगत अंक की तुलना करने की

NODIA

69. निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षिक परीक्षण के मानकीकरण का एक विशिष्ट चरण नहीं है?
(A) प्रश्नों की योजना बनाना और लिखना
(B) प्रारंभिक परीक्षण (Try-out) और प्रश्न विश्लेषण (Item Analysis)
(C) विश्वसनीयता और वैधता डेटा के साथ मैनुअल तैयार करना
(D) अनुत्तीर्ण छात्रों को पास करने के लिए अंकों का तदर्थ (Ad-hoc) समायोजन

70. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : प्रश्न विश्लेषण (Item Analysis) परीक्षण को मानकीकृत करने का एक महत्वपूर्ण चरण है।
कारण (R) : यह उन खराब प्रश्नों की पहचान करने और उन्हें समाप्त करने में मदद करता है जो बहुत आसान, बहुत कठिन हैं, या उच्च और निम्न उपलब्धि हासिल करने वालों के बीच अंतर करने में विफल रहते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

71. किसी परीक्षण प्रश्न का "कठिनाई सूचकांक" (Difficulty Index / Facility Value) दर्शाता है:
(A) उन छात्रों का प्रतिशत (Percentage) जिन्होंने प्रश्न का सही उत्तर दिया
(B) उच्च और निम्न समूहों के बीच प्रदर्शन में अंतर
(C) प्रश्न और कुल परीक्षण अंक के बीच सहसंबंध
(D) प्रभावी ढंग से काम करने वाले विकर्षकों (Distractors) की संख्या

72. यदि 100 में से 80 छात्र किसी प्रश्न का सही उत्तर देते हैं, तो प्रश्न का कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index - P) है:
(A) 0.20
(B) 0.80
(C) 1.25
(D) 8.0

I. एक चेकलिस्ट केवल किसी गुण की उपस्थिति या अनुपस्थिति को दर्शाती है।
II. एक चेकलिस्ट किसी गुण की मात्रा या तीव्रता को मापती है।
III. व्यावहारिक परीक्षाओं में प्रक्रियात्मक चरणों का मूल्यांकन करने के लिए चेकलिस्ट अत्यधिक उपयोगी होती हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) केवल III

56. निम्नलिखित में से कौन सा कक्षा में अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule) का एक उदाहरण है?
(A) छात्रों के पसंदीदा शैक्षणिक विषयों के संबंध में विस्तृत सर्वेक्षण प्रश्नावली वितरित करता हुआ शिक्षक
(B) दैनिक गृहकार्य कार्यों की व्यक्तिगत चिंतनशील पत्रिका या डायरी को स्वतंत्र रूप से बनाए रखता हुआ छात्र
(C) आधिकारिक अभिलेखों में छात्र के पिछले संचयी शैक्षणिक ग्रेड की पूरी तरह से समीक्षा करता हुआ विद्यालय का प्राचार्य
(D) छात्रों द्वारा हाथ उठाने की आवृत्तियों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करता हुआ शिक्षक

57. एक संरचित साक्षात्कार अनुसूची (Structured Interview Schedule) में, साक्षात्कारकर्ता:
(A) पूर्व निर्धारित क्रम में प्रश्नों के एक निश्चित सेट का पालन करता है
(B) गतिशील बातचीत के प्रवाह के आधार पर पूरी तरह से खुले प्रश्नों को सहजता से तैयार करता है
(C) बिना कोई मौखिक प्रश्न पूछे साक्षात्कारकर्ता के गैर-मौखिक व्यवहारों का निष्क्रिय रूप से अवलोकन करता है
(D) साक्षात्कारकर्ता को मौन में मुद्रित लिखित प्रश्नावली को स्वतंत्र रूप से भरने का निर्देश देता है

58. एक उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record) को सबसे अच्छे रूप में परिभाषित किया गया है:
(A) पूरे शैक्षणिक वर्ष में छात्र द्वारा अर्जित सभी ग्रेड का एक व्यापक सांख्यिकीय सारांश
(B) परीक्षण प्रश्न विश्लेषण की गणना के लिए विशेष रूप से उपयोग किया जाने वाला एक जटिल मनोमितीय सांख्यिकीय उपकरण
(C) किसी महत्वपूर्ण छात्र घटना का संक्षिप्त, तथ्यात्मक अभिलेख
(D) शिक्षक-छात्र कक्षा मौखिक बातचीत के पैटर्न का वर्णन करने वाला एक सामान्य सैद्धांतिक ढांचा

59. उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record) की वैधता बनाए रखने के लिए निम्नलिखित में से क्या आवश्यक है?
(A) कच्चे तथ्यात्मक विवरण में शिक्षक की व्यक्तिगत व्याख्या को जानबूझकर मिलाना
(B) भावनात्मक अलगाव को बढ़ावा देने के लिए कई हफ्तों तक घटना की रिकॉर्डिंग में जानबूझकर देरी करना
(C) केवल नकारात्मक या विघटनकारी छात्र व्यवहारों को रिकॉर्ड करना जो स्पष्ट रूप से अनुशासनात्मक कार्रवाई का औचित्य साबित करते हैं
(D) वस्तुनिष्ठ घटना विवरणों को शिक्षक की व्याख्याओं से अलग रखना

60. एक विद्यालय परामर्शदाता (Counselor) गंभीर धमकाने (Bullying) और गुटबाजी प्रदर्शित करने वाली कक्षा से निपट रहा है। प्राचार्य सामाजिक गतिशीलता और अलग-थलग पड़े छात्रों की पहचान करने का सुझाव देते हैं। इस कार्य के लिए कौन सा मापन उपकरण वैज्ञानिक रूप से सबसे उपयुक्त है?
(A) संचयी अभिलेख कार्ड (Cumulative Record Card - CRC)
(B) समाजमिति (Sociometry)
(C) उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Records)
(D) मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण (Standardized Achievement Tests)

61. समाजमिति (Sociometry) किसके द्वारा विकसित की गई थी?
(A) बी.एफ. स्किनर (B.F. Skinner)
(B) बेंजामिन ब्लूम (Benjamin Bloom)
(C) ली क्रॉनबैक (Lee Cronbach)
(D) जे.एल. मोरेनो (J.L. Moreno)

62. एक सोशियोग्राम (Sociogram) में, जिस छात्र को किसी गतिविधि के लिए पसंदीदा साथी के रूप में कई साथियों द्वारा चुना जाता है, उसे कहा जाता है:
(A) स्टार (Star)
(B) परस्पर (Mutual)
(C) पृथक (Isolate)
(D) गुट (Clique)

63. संचयी अभिलेख कार्ड (Cumulative Record Card - CRC) में आमतौर पर शामिल हैं:
I. शैक्षणिक प्रगति अभिलेख
II. स्वास्थ्य और चिकित्सा इतिहास
III. सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियां
IV. उपस्थिति अभिलेख

उपरोक्त में से कौन सा आमतौर पर CRC में शामिल किया जाता है?
(A) केवल I और IV
(B) केवल I, II, और III
(C) केवल I, III, और IV
(D) I, II, III, और IV

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) विश्वसनीयता (Reliability)
(B) वैधता (Validity)
(C) आंतरिक निरंतरता (Internal Consistency)
(D) उपयोगिता (Usability)

84. यादृच्छिक त्रुटियां (Random Errors) सीधे तौर पर परीक्षण की निम्नलिखित विशेषता को खतरे में डालती हैं:
(A) विश्वसनीयता (Reliability)
(B) वैधता (Validity)
(C) उपयोगिता (Usability)
(D) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)

85. एक विद्यालय प्राथमिक छात्रों की पठन गति का आकलन करने का निर्णय लेता है। शिक्षक द्वारा उपयोग की जाने वाली स्टॉपवॉच में एक विलंबित स्टार्ट बटन होता है, जिससे प्रत्येक छात्र के पढ़ने के समय के पहले 2 सेकंड लगातार छूट जाते हैं। यह स्थिति निम्नलिखित का एक उदाहरण है:
(A) व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error) के कारण उच्च विश्वसनीयता लेकिन कम वैधता
(B) यादृच्छिक मापन त्रुटि (Measurement Error) के कारण कम विश्वसनीयता के साथ आश्चर्यजनक रूप से उच्च वैधता
(C) सभी परीक्षण स्थितियों में बिल्कुल सही प्रक्रियात्मक वस्तुनिष्ठता
(D) प्रशासन और छात्रों दोनों द्वारा अनुभव की गई सतही प्रत्यक्ष वैधता की पूर्ण विफलता

86. निम्नलिखित में से कौन सा विद्यालय परिवेश में शैक्षिक मापन का अनुप्रयोग नहीं है?
(A) अधिगम कठिनाइयों का निदान करना
(B) भविष्य की शैक्षणिक सफलता की भविष्यवाणी करना
(C) सामुदायिक भागीदारी को दबाना
(D) शिक्षण की एक नई विधि की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना

87. स्थानन (Placement) उद्देश्यों के लिए मापन डेटा का उपयोग करते समय, एक विद्यालय आमतौर पर यह तय कर रहा होता है:
(A) कौन सा कक्षा स्तर या संकाय छात्र के लिए उपयुक्त है
(B) यह तय करना कि क्या कक्षा शिक्षक को प्रशासनिक नेतृत्व पद पर पदोन्नत किया जाना चाहिए
(C) विद्यालय पुस्तकालय संसाधनों के विस्तार के लिए वार्षिक वित्तीय बजट आवंटन का निर्धारण करना
(D) व्यापक सत्रांत अंतिम परीक्षा में शामिल करने के लिए विशिष्ट प्रश्न प्रकारों का चयन करना

88. रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) निरंतर मापन पर अत्यधिक निर्भर करता है, मुख्य रूप से:
(A) औपचारिक रूप से अंतिम आधिकारिक सत्रांत शैक्षणिक ग्रेड (Academic Grade) निर्दिष्ट करने के लिए
(B) किसी जिले में विद्यालयों के प्रदर्शन को व्यवस्थित रूप से रैंक करने के लिए
(C) शिक्षण को मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करने के लिए
(D) डिप्लोमा जारी करने के लिए स्नातक छात्रों को आधिकारिक रूप से प्रमाणित करने के लिए

89. छात्रों में "भावात्मक क्षेत्र" (Affective Domain) के चरों (जैसे मनोवृत्तियां और मूल्य) का मापन किसके माध्यम से सबसे प्रभावी ढंग से किया जाता है?
(A) मानकीकृत बहुविकल्पी उपलब्धि परीक्षण बैटरी
(B) जटिल गणितीय समस्या-समाधान कार्य और आकलन
(C) निर्धारण मापनी (Rating Scales) और स्व-रिपोर्ट सूचियां (Self-Report Inventories)
(D) भाषा सीखने में गति आधारित समयबद्ध इमला अभ्यास

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : प्रारंभिक बचपन शिक्षा (Early Childhood Education) मापन में अवलोकन और साक्षात्कार जैसे गुणात्मक उपकरण अपरिहार्य हैं।
कारण (R) : छोटे बच्चों में अक्सर मानक मात्रात्मक कागज-और-पेंसिल परीक्षणों के लिए आवश्यक साक्षरता कौशल का अभाव होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

91. शास्त्रीय परीक्षण सिद्धांत (Classical Test Theory - CTT) में "वास्तविक अंक" (True Score) की अवधारणा यह मानती है कि एक प्रेक्षित परीक्षण अंक (Observed Test Score) इसके बराबर है:
(A) वास्तविक अंक - मापन त्रुटि (True Score - Measurement Error)
(B) वास्तविक अंक + मापन त्रुटि (True Score + Measurement Error)
(C) वास्तविक अंक × विश्वसनीयता गुणांक
(D) वास्तविक अंक / वैधता सूचकांक

92. मापन की मानक त्रुटि (Standard Error of Measurement - SEM) एक ऐसा सांख्यिकीय माप है जो यह निर्धारित करने में मदद करता है:
(A) किसी व्यक्तिगत छात्र का सटीक, अदर्शनीय वास्तविक अंक
(B) वह अंक अंतराल जिसमें वास्तविक अंक होने की संभावना है
(C) परीक्षण के पास मौजूद सतही प्रत्यक्ष वैधता की मात्रा
(D) परीक्षण प्रशासन की समग्र व्यावहारिक लागत-प्रभावशीलता

Downloaded from www.pdf.tube

93. यदि कोई परीक्षण अत्यधिक विश्वसनीय है, तो मापन की मानक त्रुटि (Standard Error of Measurement - SEM) होगी:
(A) बड़ी
(B) छोटी
(C) माध्य के ठीक बराबर
(D) अप्रत्याशित

94. एक "ब्लूप्रिंट" (Blueprint) या "विशिष्टता सारणी" (Table of Specifications) मूल रूप से एक दो-तरफा ग्रिड है जो निम्नलिखित का मिलान करता है:
(A) विषय-वस्तु क्षेत्रों के साथ शिक्षण उद्देश्य (Instructional Objectives)
(B) कच्चे परीक्षण अंकों के साथ व्यक्तिगत छात्रों के नाम
(C) परीक्षण वैधता के साथ परिकलित समग्र परीक्षण विश्वसनीयता (Test Reliability)
(D) विभेदन के साथ परिकलित प्रश्न कठिनाई सूचकांक

95. विशिष्टता सारणी (ब्लूप्रिंट) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
I. यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण में पर्याप्त विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) है।
II. यह विभिन्न विषयों को उपयुक्त भारांक (Weightage) देने में मदद करता है।
III. यह गारंटी देता है कि परीक्षण अत्यधिक विश्वसनीय होगा।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) केवल I

96. "ब्लूप्रिंट के बिना परीक्षण का निर्माण करना बिना योजना के घर बनाने जैसा है।" यह कथन निम्नलिखित को सुनिश्चित करने के लिए ब्लूप्रिंट के महत्व पर जोर देता है:
(A) उपयोगिता (Usability)
(B) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
(C) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity)
(D) भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity)

97. विशिष्टता सारणी (Table of Specifications) में, यदि 'ज्ञान' को 30% भारांक, 'समझ' को 50% और 'अनुप्रयोग' को 20% भारांक दिया जाता है, तो ये श्रेणियां संदर्भित करती हैं:
(A) विशिष्ट विषय-वस्तु क्षेत्रों (Content Areas) को
(B) शिक्षण उद्देश्यों (Instructional Objectives) को
(C) परीक्षण प्रश्नों के वर्गीय प्रकारों को
(D) मानकीकृत कठिनाई स्तरों को

98. निम्नलिखित में से किस प्रकार का प्रश्न अनुमान लगाने (Guessing) के लिए सबसे अधिक संवेदनशील है?
(A) पूर्ति प्रकार (Fill in the Blanks)
(B) सत्य/असत्य (True / False - Alternate Response)
(C) लघु उत्तरीय प्रश्न
(D) विस्तृत निबंध

99. सत्य/असत्य परीक्षण में अनुमान लगाने को सही करने के लिए, जहाँ S संशोधित अंक है, R सही उत्तर हैं, W गलत उत्तर हैं, और n विकल्पों की संख्या है, अनुमान लगाने का संशोधन सूत्र (Correction for Guessing Formula) है:
(A) S = R - W
(B) S = R + W
(C) S = R - (W / (n-1))
(D) S = R / n

100. एक छात्र 50 प्रश्नों वाला बहुविकल्पी परीक्षण (Multiple Choice Test) देता है, जिनमें से प्रत्येक में 4 विकल्प हैं। छात्र को 35 सही और 15 गलत मिलते हैं। अनुमान लगाने के संशोधन सूत्र $S = R - \frac{W}{n-1}$ का उपयोग करते हुए, छात्र का संशोधित अंक क्या है?
(A) 35
(B) 30
(C) 20
(D) 15

101. वस्तुनिष्ठ-प्रकार (Objective-Type) के परीक्षण मुख्य रूप से निम्नलिखित के संदर्भ में निबंध-प्रकार के परीक्षणों से बेहतर हैं:
(A) उच्च-स्तरीय संश्लेषण और मूल्यांकन कौशलों (Evaluation Skills) को मापना
(B) विश्वसनीयता और विषय-वस्तु का व्यापक समावेश (Content Sampling)
(C) शिक्षक के लिए तैयारी में आसानी
(D) छात्र के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

102. निम्नलिखित में से कौन सी वस्तुनिष्ठ प्रकार (Objective-Type) के परीक्षणों की एक प्रमुख सीमा है?
(A) जब उन्हें वस्तुनिष्ठ रूप से स्कोर करने का प्रयास किया जाता है तो वे गंभीर तकनीकी कठिनाइयां पेश करते हैं
(B) मूल्यांकन और ग्रेड देने के लिए उन्हें शिक्षक के अत्यधिक समय की आवश्यकता होती है
(C) वे रचनात्मकता या मौलिक सोच को नहीं माप सकते
(D) वे स्वाभाविक रूप से विषय-वस्तु क्षेत्रों में अत्यधिक खराब विषय-वस्तु वैधता प्रदर्शित करते हैं

103. बहुविकल्पी परीक्षण में "मुख्य प्रश्न" (Stem) शब्द संदर्भित करता है:
(A) एकल कुंजी या निर्दिष्ट सही उत्तर को
(B) गलत विकल्प विकल्पों या विकर्षकों (Distractors) को
(C) प्रारंभिक प्रश्न कथन या मुख्य प्रश्न (Initial Prompt / Question Statement) को

NODIA

(D) प्रश्न कठिनाई के मात्रात्मक सूचकांक को

104. बहुविकल्पी प्रश्न के लिए विकर्षक (Distractors) लिखते समय, एक परीक्षण डेवलपर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि:
(A) वे परीक्षा देने वाले सभी लोगों के लिए पूरी तरह और स्पष्ट रूप से गलत हों
(B) वे छात्रों की सामान्य त्रुटियों या गलत धारणाओं को प्रतिबिंबित करते हों
(C) वे सही उत्तर की तुलना में ध्यान देने योग्य रूप से छोटे होने के लिए तैयार किए गए हों
(D) वे नियमित रूप से "हमेशा" या "कभी नहीं" जैसे निरपेक्ष शब्दों को शामिल करते हों

105. बहुविकल्पी प्रश्नों के निर्माण के निम्नलिखित सिद्धांतों पर विचार करें:
I. यदि संभव हो तो मुख्य प्रश्न (Stem) में नकारात्मक शब्दों से बचें।
II. सुनिश्चित करें कि सभी विकल्प मुख्य प्रश्न के साथ व्याकरण की दृष्टि से सुसंगत हों।
III. सही उत्तर को व्यवस्थित रूप से 'C' स्थिति में रखें।
IV. एक विकल्प के रूप में अक्सर "उपरोक्त सभी" का उपयोग करने से बचें।
उपरोक्त में से कौन सा संयोजन अच्छी पद्धतियों का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) I, II, और III
(B) I, II, और IV
(C) II, III, और IV
(D) I, III, और IV

106. निबंध परीक्षण में, "हेलो प्रभाव" (Halo Effect) तब होता है जब परीक्षक:
(A) छात्र के खराब लेखन या प्रारुपण के कारण अनुचित रूप से पर्याप्त अंक काटता है
(B) छात्र की सकारात्मक सामान्य छाप (Halo Effect) के कारण उच्च अंक देता है
(C) परीक्षा पत्रों के बहुत बड़े ढेर का मूल्यांकन करते समय धीरे-धीरे मानसिक एकाग्रता खो देता है
(D) निर्धारित आधिकारिक अंकन रुब्रिक (Scoring Rubric) का बहुत सख्ती से पालन करता है

107. रेटिंग स्केल या अवलोकन अनुसूचियों में "तार्किक त्रुटि" (Logical Error) तब होती है जब एक मूल्यांकनकर्ता:
(A) किसी संबंधित गुण के कारण किसी व्यक्ति को किसी अन्य गुण पर उच्च रेटिंग देता है
(B) अत्यधिक अंकों से जानबूझकर बचने के लिए सभी छात्रों को व्यवस्थित रूप से मध्य-सीमा की औसत रेटिंग देता है
(C) गलती से कंप्यूटर स्प्रेडशीट के गलत कॉलम में मूल्यांकन डेटा दर्ज करता है
(D) केवल हाल के दृश्यमान घटनाओं के आधार पर व्यक्ति की कुल क्षमता का मूल्यांकन और निर्णय करता है

108. मूल्यांकनकर्ताओं की चरम सीमाओं से बचने और रेटिंग स्केल के मध्य में अधिकांश व्यक्तियों को आंकने की प्रवृत्ति को कहा जाता है:
(A) अचेतन हेलो प्रभाव पूर्वाग्रह
(B) व्यवस्थित मूल्यांकनात्मक उदारता त्रुटि (Leniency Error)
(C) केंद्रीय प्रवृत्ति की त्रुटि (Error of Central Tendency)
(D) व्यवस्थित मूल्यांकनात्मक कठोरता त्रुटि

109. निम्नलिखित में से कौन सी तकनीक निबंध उत्तरों का मूल्यांकन करने में आत्मनिष्ठता (Subjectivity) और परीक्षक के पूर्वाग्रह को कम करती है?
(A) उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के दौरान छात्रों की पहचान (नाम) छिपाना
(B) अगले छात्र की उत्तर पुस्तिका पर जाने से पहले उसी छात्र के पूरे पेपर का मूल्यांकन करना
(C) छात्र के पिछले प्रदर्शन को जानना
(D) किसी सहपाठी छात्र को उत्तर पुस्तिका जांचने के लिए कहना

110. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) सख्ती से नैदानिक और गैर-मूल्यांकन योग्य होता है।
कारण (R) : जोखिम बढ़ाने के लिए रचनात्मक आकलन के परिणामों को हमेशा अंतिम योगात्मक ग्रेड में जोड़ा जाता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

111. कौन सा शब्द उस आकलन का वर्णन करता है जो मानक या बेंचमार्क के खिलाफ छात्र के सीखने का मूल्यांकन करने के लिए एक शिक्षण इकाई के अंत में होता है?
(A) रचनात्मक आकलन (Formative Assessment)
(B) नैदानिक आकलन (Diagnostic Assessment)
(C) योगात्मक आकलन (Summative Assessment)
(D) इप्सेटिव / स्व-संदर्भित आकलन (Ipsative Assessment)

112. कौन सा मूल्यांकन मॉडल किसी छात्र के वर्तमान प्रदर्शन की तुलना साथियों या बाहरी मापदंडों के बजाय उनके अपने पिछले प्रदर्शन से करता है?
(A) मानक-संदर्भित आकलन (Norm-Referenced Assessment)
(B) निकष-संदर्भित आकलन (Criterion-Referenced Assessment)
(C) इप्सेटिव / स्व-संदर्भित आकलन (Ipsative Assessment)
(D) रचनात्मक आकलन (Formative Assessment)

Click Here to Buy book on Amazon

(A) परीक्षण की कुल लंबाई और प्रश्नों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि करना
(B) विविध छात्रों के अत्यधिक विषम (Heterogeneous) समूह पर परीक्षण आयोजित करना
(C) परीक्षकों के बीच वस्तुनिष्ठ और मानकीकृत उत्तर कुंजियों को सख्ती से सुनिश्चित करना
(D) अस्पष्ट और खराब संरचना वाले प्रश्नों (Ambiguous Items) को शामिल करना

35. विश्वसनीयता (Reliability) और वैधता (Validity) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
I. अत्यधिक विश्वसनीय परीक्षण हमेशा अत्यधिक वैध होता है।
II. एक अत्यधिक वैध परीक्षण स्वभावतः विश्वसनीय होना चाहिए।
III. विश्वसनीयता वैधता के लिए एक आवश्यक लेकिन पर्याप्त शर्त नहीं है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) केवल III

36. निबंध-प्रकार (Essay-Type) के परीक्षण की शैक्षिक मापन में अक्सर आलोचना की जाती है, मुख्य रूप से क्योंकि इसमें कमी होती है:
(A) व्यापक विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) की
(B) सैद्धांतिक संरचनात्मक वैधता (Construct Validity) की
(C) अंतर-मूल्यांकनकर्ता वस्तुनिष्ठता (Inter-Rater Objectivity) की
(D) प्रशासनिक व्यावहारिकता (Administrative Practicability) की

37. निबंध-प्रकार के प्रश्नों के मूल्यांकन की वस्तुनिष्ठता में सुधार करने के लिए, एक शिक्षक को आदर्श रूप से उपयोग करना चाहिए:
(A) एक विस्तृत अंकन रुब्रिक (Scoring Rubric) या अंकन योजना
(B) एक मुक्त-अंत आख्यानात्मक गुणात्मक ग्रेडिंग प्रणाली
(C) एक मात्रात्मक समाजमितीय मैट्रिक्स (Sociometric Matrix) मूल्यांकन उपकरण
(D) मानकीकृत मानक-संदर्भित (Norm-Referenced) मापन प्रक्रियाएं

38. मापन उपकरण की उपयोगिता (Usability), जिसे व्यावहारिकता भी कहा जाता है, में निम्नलिखित सभी विचार शामिल हैं, शिवाय:
(A) कक्षाओं में परीक्षण प्रशासन में परिचालन आसानी (Operational Ease)
(B) मुद्रण और परीक्षण सामग्री की वित्तीय लागत
(C) व्यक्तिगत उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए आवश्यक कुल समय
(D) लक्षित संरचना का सैद्धांतिक ढांचा (Theoretical Framework)

39. एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण छात्र की बुद्धिमत्ता के बजाय लगातार उस कागज के वजन को मापता है जिस पर वह मुद्रित होता है। बुद्धिमत्ता के इसके मापन के संबंध में, परीक्षण है:
(A) वैध लेकिन विश्वसनीय नहीं
(B) विश्वसनीय लेकिन वैध नहीं
(C) विश्वसनीय और वैध दोनों
(D) न तो विश्वसनीय और न ही वैध

40. एक प्राचार्य को पता चलता है कि एक व्यावसायिक रूप से उपलब्ध अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) विभिन्न शिक्षकों द्वारा संचालित किए जाने पर अत्यधिक भिन्न अंक देता है, भले ही छात्रों की वास्तविक क्षमता स्थिर रहे। इस परीक्षण में स्पष्ट रूप से कमी है:
(A) क्षेत्रों में सैद्धांतिक संरचनात्मक वैधता की
(B) आंतरिक स्प्लिट-हाफ संगति विश्वसनीयता की
(C) प्रशासन और अंकन में वस्तुनिष्ठता (Objectivity) की
(D) विद्यालयों में प्रशासनिक व्यावहारिक उपयोगिता की

41. मापन के पैमानों (Scales of Measurement) के संदर्भ में, छात्र आईडी संख्याएं (जैसे, 101, 102, 103) निर्दिष्ट करना किस पैमाने का एक उदाहरण है?
(A) क्रमसूचक (Ordinal)
(B) अंतराल (Interval)
(C) अनुपात (Ratio)
(D) नाममात्र (Nominal)

42. मापन के किस पैमाने में वर्गीकरण और क्रम की विशेषताएं होती हैं, लेकिन समान अंतराल और निरपेक्ष शून्य (Absolute Zero) का अभाव होता है?
(A) क्रमसूचक (Ordinal)
(B) नाममात्र (Nominal)
(C) अंतराल (Interval)
(D) अनुपात (Ratio)

NODIA

43. किसी कक्षा में छात्रों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर रैंक देना (प्रथम, द्वितीय, तृतीय) मापन के किस पैमाने का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) नाममात्र (Nominal)
(B) क्रमसूचक (Ordinal)
(C) अंतराल (Interval)
(D) अनुपात (Ratio)

44. अंतराल पैमाने (Interval Scale) को अनुपात पैमाने (Ratio Scale) से अलग करने वाली मुख्य विशेषता निम्नलिखित में से किसकी अनुपस्थिति है?
(A) मापन परिमाण या क्रम (Magnitude or Order) की

(D) गत्यात्मक कौशल और शारीरिक चपलता

123. प्रक्षेपी तकनीकों की वैधता को सामान्यतः माना जाता है:
(A) आनुभविक (Empirical) तरीकों से अत्यधिक उच्च, स्थिर और आसानी से स्थापित
(B) मानकीकृत वस्तुनिष्ठ उपलब्धि परीक्षणों की तुलना में काफी अधिक
(C) आत्मनिष्ठ स्कोरिंग के कारण स्थापित करना कठिन
(D) बिल्कुल सही, क्योंकि वे सचेत छात्र छल को पूरी तरह से बायपास करते हैं

124. अवलोकन अनुसूचियों के संदर्भ में, "सहभागी अवलोकन" (Participant Observation) तब होता है जब प्रेक्षक:
(A) एक छिपे हुए एक-तरफा देखने वाले शीशे (One-Way Mirror) के माध्यम से छात्रों को निष्क्रिय रूप से देखता है
(B) प्रेक्षित विषयों के साथ गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होता है
(C) शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना घटनाओं को रिकॉर्ड करने के लिए एक रिमोट वीडियो कैमरा स्थापित करता है
(D) कक्षा के छात्रों को एक-दूसरे का लगातार अवलोकन करने और रेट करने का औपचारिक निर्देश देता है

125. आप अनुपस्थिति को कम करने पर क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) कर रहे हैं। आप अभिभावकों का साक्षात्कार लेने का निर्णय लेते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप विशिष्ट विषयों को कवर करते हैं और अभिभावकों को विस्तार से बताने की स्वतंत्रता भी देते हैं, आपको उपयोग करना चाहिए:
(A) पूरी तरह से खुला असंरचित साक्षात्कार
(B) एक अर्ध-संरचित साक्षात्कार अनुसूची (Semi-Structured Interview Schedule)
(C) एक मानकीकृत बहुविकल्पी सर्वेक्षण प्रश्नावली (Survey Questionnaire)
(D) एक अत्यधिक प्रतिबंधात्मक हाँ या ना अवलोकन चेकलिस्ट

126. निम्नलिखित में से कौन सा विद्यालय के अनुशासनात्मक माहौल का मूल्यांकन करने के मात्रात्मक दृष्टिकोण (Quantitative Approach) का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) छात्र उपाख्यानात्मक अभिलेखों में पाए जाने वाले गुणात्मक आख्यानात्मक विवरणों का व्यवस्थित रूप से विश्लेषण करना
(B) निर्वाचित छात्र परिषद नेताओं के साथ संरचित फोकस समूह (Focus Group) गुणात्मक चर्चा आयोजित करना
(C) प्रति सत्र निलंबित छात्रों के प्रतिशत (Percentage) की गणना करना
(D) विद्यालय कैफेटेरिया में दोपहर के भोजन के दौरान अनौपचारिक सहपाठी अंतःक्रियाओं का गुणात्मक अवलोकन करना

127. एक उपलब्धि परीक्षण को मुख्य रूप से किसके लिए मानकीकृत (Standardized) किया जाता है?
(A) यह सुनिश्चित करने के लिए कि लगभग सभी परीक्षण किए गए छात्र अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करें
(B) जनसंख्या और समय के पार अंकों को तुलनीय (Comparable) बनाने के लिए
(C) परीक्षण पत्र पुस्तिकाओं के मुद्रण की कुल वित्तीय लागत (Financial Cost) को काफी कम करने के लिए
(D) उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए कक्षा शिक्षकों की आवश्यकता को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए

128. प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks) परीक्षण मानक (Norm) का एक सामान्य प्रकार है। यदि कोई छात्र मानकीकृत गणित परीक्षण में 85वें प्रतिशतक पर अंक प्राप्त करता है, तो इसका अर्थ है:
(A) छात्र ने कुल प्रश्नों के ठीक 85% का सही उत्तर दिया
(B) छात्र ने मानक समूह के 85% से अधिक अंक प्राप्त किए
(C) छात्र ने परीक्षण में 100 में से 85 का निरपेक्ष अंक प्राप्त किया
(D) परीक्षण किए गए सभी छात्रों में से ठीक 85% ने इस छात्र से अधिक अंक प्राप्त किए

129. जेड-स्कोर (Z-Scores) और टी-स्कोर (T-Scores) निम्नलिखित के उदाहरण हैं:
(A) कच्चे अंक (Raw Scores)
(B) मानकीकृत अंक (Standard Scores)
(C) प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks)
(D) आयु मानक (Age Norms)

130. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : जेड-स्कोर (Z-Scores) शिक्षकों को विभिन्न विषयों में छात्र के प्रदर्शन की सीधे तुलना करने की अनुमति देते हैं।
कारण (R) : जेड-स्कोर कच्चे अंकों को 0 के माध्य (Mean) और 1 के मानक विचलन (Standard Deviation - SD) वाले एक सामान्य पैमाने में परिवर्तित करते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

131. जहाँ X कच्चा अंक है, M माध्य (Mean) है, और SD मानक विचलन (Standard Deviation) है, जेड-स्कोर (Z-Score) की गणना करने का सूत्र है:
(A) $z = \frac{X - M}{SD}$

Downloaded from www.pdf.tube

(B) $Z = \frac{M - X}{SD}$

(C) $Z = \frac{X \times M}{SD}$

(D) $Z = \frac{SD}{X - M}$

132. एक टी-स्कोर (T-Score) पैमाना ऋणात्मक संख्याओं और दशमलव को समाप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया जेड-स्कोर पैमाने का रूपांतरण है। टी-स्कोर वितरण में एक पूर्व-परिभाषित होता है:
(A) 0 का माध्य और 1 का SD
(B) 50 का माध्य और 10 का SD
(C) 100 का माध्य और 15 का SD
(D) 10 का माध्य और 5 का SD

133. यदि किसी छात्र का जेड-स्कोर +1.5 है, तो उनका संगत टी-स्कोर (T-Score) क्या है?
(A) 15
(B) 51.5
(C) 65
(D) 150

134. स्टेनाइन अंक (Stanine Scores) एक सामान्य वितरण (Normal Distribution) को निम्नलिखित में विभाजित करते हैं:
(A) 4 बराबर भाग
(B) 9 व्यापक बैंड (Broad Bands)
(C) 10 दशमक (Deciles)
(D) 100 प्रतिशतक (Percentiles)

135. परीक्षण मानकों/मानदंडों (Test Norms) के निम्नलिखित प्रकारों पर विचार करें:
I. आयु मानक (Age Norms)
II. ग्रेड मानक (Grade Norms)
III. प्रतिशतक मानक (Percentile Norms)
IV. मानक अंक मानक (Standard Score Norms)
इनमें से कौन सा मानक छात्र के प्रदर्शन की तुलना समान कालानुक्रमिक आयु के साथियों के साथ करता है?
(A) I और II
(B) केवल I
(C) III और IV
(D) I और IV

136. "परीक्षण बैटरी" (Test Battery) शब्द संदर्भित करता है:
(A) विशेष रूप से कंप्यूटर आधारित परीक्षण के संचालन के लिए उपयोग किया जाने वाला इलेक्ट्रॉनिक उपकरण
(B) समान जनसंख्या पर मानकीकृत परीक्षणों का एक सेट (Test Battery)
(C) शिक्षकों द्वारा संकलित आत्मनिष्ठ विस्तृत निबंध प्रश्नों का एक व्यापक संग्रह
(D) प्रश्न विश्लेषण के लिए मनोमितिज्ञों (Psychometricians) द्वारा उपयोग किया जाने वाला विशेष सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेज

137. निम्नलिखित में से कौन सी "गति परीक्षण" (Speed Test) की विशेषता नहीं है?
(A) परीक्षण प्रश्न पूरे समय समान रूप से बहुत कम कठिनाई के बनाए जाते हैं
(B) प्रशासन के दौरान अत्यधिक कठोर और सख्त समय सीमा लागू की जाती है
(C) शायद ही कोई परीक्षण लेने वाला समय सीमा के भीतर सभी दिए गए प्रश्नों को पूरा कर सके
(D) प्रश्न अंत की ओर उत्तरोत्तर कठिन होते जाते हैं

138. एक "शक्ति परीक्षण" (Power Test) को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है:
(A) छात्र आसान कार्यों की एक श्रृंखला को कितनी तेज़ी से और सटीक रूप से पूरा कर सकता है (Speed Task)
(B) छात्र द्वारा प्रदर्शित समग्र शारीरिक सहनशक्ति और एथलेटिक धीरज
(C) पर्याप्त समय दिए जाने पर महारत हासिल की गई अधिकतम प्रश्न कठिनाई (Maximum Item Difficulty Mastered)
(D) अज्ञात उत्तरों का सटीक अनुमान लगाने की छात्र की मनोवैज्ञानिक क्षमता

139. विद्यालयों में उपयोग किए जाने वाले अधिकांश मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण (Standardized Achievement Tests) हैं:
(A) आसान प्रश्नों वाले विशुद्ध गति परीक्षण (Speed Tests)
(B) बिना किसी समय सीमा वाले विशुद्ध शक्ति परीक्षण
(C) गति और शक्ति का एक संयोजन (Speed and Power)
(D) असंरचित प्रक्षेपी तकनीकें

NODIA

140. एक प्राचार्य के रूप में, आप एक नए अनिवार्य मानकीकृत परीक्षण पर पूरे विद्यालय में छात्रों के अंकों में भारी गिरावट देखते हैं। शिक्षक शिकायत करते हैं कि परीक्षण में पाठ्यक्रम (Syllabus) में न पढ़ाए गए विषयों पर आधारित प्रश्न पूछे गए थे। यहाँ मापन की कौन सी अवधारणा सबसे गंभीर रूप से प्रभावित हुई है?
(A) आंतरिक विश्वसनीयता (Internal Reliability)
(B) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
(C) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity)
(D) प्रत्यक्ष वैधता (Face Validity)

141. शैक्षिक मापन में "वाशबैक प्रभाव" (Washback Effect) या "बैकवाश प्रभाव" (Backwash Effect) संदर्भित करता है:
(A) परीक्षा के बाद छात्रों द्वारा सीखी गई बातों को भूलने की प्रवृत्ति

(B) शिक्षण और अधिगम विधियों पर परीक्षण का प्रभाव
(C) परीक्षण अंकों का सांख्यिकीय सामान्यीकरण
(D) लंबे परीक्षण के दौरान शारीरिक थकान के कारण होने वाली त्रुटि

142. एक परीक्षण निर्माता पाता है कि पुरुष छात्र एक विशिष्ट गणित प्रश्न पर महिला छात्रों की तुलना में लगातार उच्च अंक प्राप्त करते हैं, जबकि दोनों समूहों का समग्र गणित क्षमता अंक समान है। यह प्रश्न संभवतः किससे ग्रस्त है?
(A) असामान्य रूप से उच्च प्रश्न कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index) से
(B) प्रश्न पूर्वाग्रह या विभेदक प्रश्न कार्यप्रणाली (Differential Item Functioning - DIF) से
(C) लगातार कम समग्र परीक्षण विश्वसनीयता से
(D) गंभीर प्रशासनिक उपयोगिता बाधाओं से

143. यह सांख्यिकीय रूप से पता लगाने के लिए किस तकनीक का उपयोग किया जाता है कि क्या कोई प्रश्न समान क्षमता स्तर रखने वाले विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों के लिए अलग-अलग कार्य करता है?
(A) आंतरिक स्प्लिट-हाफ सहसंबंध विधि
(B) विभेदक प्रश्न कार्यप्रणाली (Differential Item Functioning - DIF) विश्लेषण
(C) मानकीकृत कुडर-रिचर्डसन 20 सूत्र (KR-20 Formula)
(D) स्पियरमैन-ब्राउन विश्वसनीयता भविष्यवाणी गणना

144. शैक्षिक आकलन में "त्रिभुजीकरण" (Triangulation) को सबसे अच्छे रूप में परिभाषित किया गया है:
(A) छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए तीन पूरी तरह से अलग ग्रेडिंग पैमानों को व्यवस्थित रूप से लागू करना
(B) प्रति वर्ष ठीक तीन अलग-अलग समय पर छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि का औपचारिक रूप से आकलन और रिकॉर्डिंग करना
(C) सीखने का मूल्यांकन करने के लिए कई तरीकों और स्रोतों का उपयोग करना
(D) परीक्षण प्रश्न निर्माण शुरु करने से पहले एक त्रि-आयामी त्रिकोणीय ब्लूप्रिंट लेआउट तैयार करना

145. निम्नलिखित आकलन पद्धतियों पर विचार करें:
I. सहपाठी आकलन (Peer Assessment)
II. स्व-आकलन (Self-Assessment)
III. शिक्षक अवलोकन (Teacher Observation)
IV. मानकीकृत बाहरी परीक्षण (Standardized External Testing)
कौन सा संयोजन आकलन प्रक्रिया में शिक्षार्थी की सक्रिय भूमिका पर जोर देता है?
(A) I और II
(B) III और IV
(C) I, II, और III
(D) II और IV

146. रुब्रिक (Rubric) एक ऐसा आकलन उपकरण है जो सबसे निकटता से जुड़ा हुआ है:
(A) निबंध परीक्षण के दौरान यादृच्छिक मापन त्रुटि को अनजाने में बढ़ाना
(B) आत्मनिष्ठ मूल्यांकनों को अधिक वस्तुनिष्ठ और सुसंगत बनाना
(C) गणितीय रूप से आकलन के सटीक विश्वसनीयता गुणांक की गणना करना
(D) विशिष्टता सारणी (ब्लूप्रिंट) बनाने की आवश्यकता को स्थायी रूप से बदलना

147. एक समग्र/समग्रवादी रुब्रिक (Holistic Rubric) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) से इस मायने में भिन्न है कि समग्र रुब्रिक:
(A) विभिन्न मानदंडों (जैसे, व्याकरण, विषय-वस्तु, शैली) के लिए अलग-अलग अंक (Analytical Scores) प्रदान करता है
(B) कार्य की समग्र छाप के आधार पर एक एकल समग्र अंक (Single Overall Score) प्रदान करता है
(C) केवल वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के लिए उपयोग किया जाता है
(D) विशेष रूप से समाजमिति में उपयोग किया जाता है

148. किसी निबंध पर छात्र को विस्तृत रचनात्मक प्रतिक्रिया (Formative Feedback) प्रदान करने के लिए, किस प्रकार का रुब्रिक सबसे उपयुक्त है?
(A) समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric)
(B) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric)
(C) सामान्य विकासात्मक रुब्रिक
(D) संख्यात्मक रेटिंग स्केल

149. पोर्टफोलियो आकलन (Portfolio Assessment) एक ऐसी विधि है जिसमें शामिल है:
(A) एक संक्षिप्त गति आधारित बहुविकल्पी कक्षा परीक्षण औपचारिक रूप से संचालित करना
(B) वृद्धि और प्रगति दिखाने के लिए समय के साथ छात्र के काम को एकत्र करना
(C) छात्र के समग्र शारीरिक फिटनेस स्तर का व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन करना
(D) विद्यालय प्रणाली की समग्र वित्तीय स्थिति को मात्रात्मक रूप से मापना

150. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : पोर्टफोलियो आकलन (Portfolio Assessment) एकल मानकीकृत परीक्षण की तुलना में छात्र की क्षमताओं की अधिक व्यापक तस्वीर प्रदान करता है।
कारण (R) : यह प्रगति और विविध कौशलों को दर्शाते हुए, निरंतर अवधि में छात्र के काम के प्रामाणिक नमूनों को कैप्चर करता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

151. निम्नलिखित में से कौन सा बड़े पैमाने पर पोर्टफोलियो आकलन को लागू करने में एक प्रमुख चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) यह समग्र छात्र की आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) और कक्षा में सक्रिय जुड़ाव को काफी कम करता है
(B) इसके लिए व्यापक मूल्यांकन समय की आवश्यकता होती है और इसमें अंतर-मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Inter-Rater Reliability) कम होती है
(C) इसमें निरंतर रचनात्मक उद्देश्यों के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग किए जाने की किसी भी संरचनात्मक क्षमता का पूरी तरह से अभाव है
(D) यह विविध छात्रों को व्यक्तिगत कलात्मक या शैक्षणिक रचनात्मकता प्रदर्शित करने से गंभीर रूप से रोकता है

152. शैक्षिक संदर्भ में, 'प्रश्न बैंक' (Question Bank) क्या है?
(A) परीक्षण पत्रों के मुद्रण के लिए विशेष रूप से आवंटित एक समर्पित संस्थागत वित्तीय कोष (Financial Fund)
(B) पूर्व-परीक्षण किए गए, कैलिब्रेटेड (Calibrated) प्रश्नों का एक निक्षेपागार/भंडार (Repository)
(C) पिछले वर्षों के हल किए गए परीक्षा प्रश्न पत्रों को शामिल करने वाली एक व्यावसायिक पुस्तक
(D) मुख्य रूप से क्लासिकल टेस्ट थ्योरी मॉडल के भीतर उपयोग की जाने वाली एक अमूर्त सैद्धांतिक संरचना

153. आंतरिक परीक्षाओं के निर्माण के लिए प्रश्न बैंक (Question Bank) का उपयोग करने का प्राथमिक लाभ क्या है?
(A) यह प्रारंभिक परीक्षण ब्लूप्रिंट (Blueprint) बनाने की किसी भी आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है
(B) यह कक्षा शिक्षकों को आधिकारिक निर्धारित पाठ्यक्रम को पूरी तरह से बायपास करने की अनुमति देता है
(C) यह सुनिश्चित करता है कि प्रश्नों की कठिनाई और विश्वसनीयता कैलिब्रेटेड (Calibrated) हो
(D) यह गणितीय रूप से गारंटी देता है कि सभी परीक्षण किए गए छात्र औसत अंकों से काफी ऊपर अंक प्राप्त करेंगे

154. कंप्यूटर एडेप्टिव टेस्टिंग (Computer Adaptive Testing - CAT) पारंपरिक कंप्यूटर आधारित परीक्षण से भिन्न है क्योंकि CAT में:
(A) आकलन पारंपरिक भौतिक कागज के बजाय केवल कंप्यूटर मॉनिटर (Computer Monitor) पर संचालित होता है
(B) कंप्यूटर सिस्टम पूरा होने पर स्वचालित रूप से कुल अंतिम परीक्षण अंकों की गणना और रिकॉर्डिंग करता है
(C) पूर्व छात्र उत्तरों के आधार पर प्रश्न कठिनाई अनुकूलित (Adapt) होती है
(D) परीक्षा देने वाले सभी लोग पूरी तरह से यादृच्छिक अनुक्रम में व्यवस्थित समान प्रश्नों का सेट प्राप्त करते हैं

155. कंप्यूटर एडेप्टिव टेस्टिंग (Computer Adaptive Testing - CAT) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
I. यह परीक्षण को व्यक्ति की क्षमता स्तर के अनुसार ढालता है।
II. समान सटीकता प्राप्त करने के लिए आम तौर पर एक निश्चित-रूप (Fixed-Form Test) परीक्षण की तुलना में अधिक प्रश्नों की आवश्यकता होती है।
III. यह बहुत अधिक अत्यधिक कठिन या आसान प्रश्नों से बचकर छात्र की हताशा को कम करता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) केवल I

156. क्लासिकल टेस्ट थ्योरी (Classical Test Theory - CTT) में, यदि समान प्रश्नों को जोड़कर किसी परीक्षण को लंबा किया जाता है, तो इसकी विश्वसनीयता आम तौर पर:
(A) आनुपातिक रूप से घटेगी
(B) बढ़ेगी
(C) बिल्कुल समान रहेगी
(D) यादृच्छिक रूप से बदलेगी

157. अंतराल पैमाने पर परीक्षण-पुनर्परीक्षण डेटा का उपयोग करके किसी परीक्षण की विश्वसनीयता की गणना करने के लिए आमतौर पर किस सहसंबंध गुणांक सूत्र का उपयोग किया जाता है?
(A) मानकीकृत बिंदु-द्विपरिमानी सहसंबंध सूत्र (Point-Biserial Correlation)
(B) गैर-पैरामीट्रिक स्पियरमैन रैंक-ऑर्डर सहसंबंध (Spearman Rank-Order Correlation)
(C) पियर्सन गुणन-आघूर्ण सहसंबंध (Pearson Product-Moment Correlation)
(D) बाइनरी चर फाई गुणांक सहसंबंध

NODIA

158. यदि विश्वसनीयता गुणांक +1.00 है, तो यह दर्शाता है:
(A) किसी भी वास्तविक अंक घटक (True Score Component) की पूर्ण और कुल संरचनात्मक अनुपस्थिति
(B) पूर्ण संगति और मापन त्रुटि की अनुपस्थिति (Perfect Consistency and Absence of Measurement Error)
(C) निश्चित प्रमाण कि परीक्षण उपकरण पूरी तरह से और सटीक रूप से वैध है

(D) सांख्यिकीय प्रमाण कि परीक्षण अंक वितरण का परिकलित शून्य माध्य है

159. एक शिक्षक-निर्मित (Teacher-Made) कक्षा उपलब्धि परीक्षण के लिए, 0.75 का विश्वसनीयता गुणांक सामान्यतः माना जाता है:
(A) अस्वीकार्य और पूर्ण पुनर्निर्माण की आवश्यकता वाला
(B) नियमित कक्षा उपयोग के लिए स्वीकार्य
(C) पूर्ण / आदर्श
(D) उच्च व्यवस्थित त्रुटि का सूचक

160. एक छात्र अपने ग्रेड का विरोध करता है, यह तर्क देते हुए कि भौतिकी के परीक्षण में रसायन विज्ञान के तीन प्रश्न शामिल थे। मध्यस्थता करने वाले प्राचार्य के रूप में, आप पहचानते हैं कि छात्र मूल रूप से परीक्षण की निम्नलिखित विशेषता की आलोचना कर रहा है:
(A) विश्वसनीयता (Reliability)
(B) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity)
(C) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
(D) प्रश्न विभेदन (Item Discrimination)

161. एक निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test) की गुणवत्ता का मूल्यांकन विभेदन सूचकांक द्वारा नहीं, बल्कि इसके निम्नलिखित गुण द्वारा किया जाता है:
(A) एक आदर्श घंटी के आकार के सामान्य वितरण वक्र (Normal Curve) को प्राप्त करने की सांख्यिकीय क्षमता
(B) पूर्व-परीक्षण और पश्च-परीक्षण के बीच शिक्षण के प्रति संवेदनशीलता (Sensitivity to Instruction)
(C) प्रतिस्पर्धी विश्वविद्यालय कॉलेज प्रवेश के लिए उच्च आनुभविक भविष्यसूचक वैधता
(D) स्प्लिट-हाफ विश्वसनीयता के माध्यम से परिकलित असाधारण उच्च आंतरिक निरंतरता

162. निकष-संदर्भित परीक्षण में शिक्षण के प्रति संवेदनशीलता (Sensitivity to Instruction) का अर्थ है:
(A) सभी व्यक्तिगत परीक्षण प्रश्न सरलता से तैयार किए गए हैं (Simple Items) और पढ़ने में असाधारण रूप से आसान हैं
(B) पढ़ाए गए छात्र न पढ़ाए गए छात्रों की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन करते हैं
(C) परीक्षण देने से छात्रों में भावनात्मक संकट या परीक्षण संबंधी चिंता पैदा नहीं होती है
(D) कक्षा शिक्षक परीक्षण परिणामों के प्रति सकारात्मक आत्मनिष्ठ रवैया बनाए रखता है

163. समग्र छात्र विकास के लिए आधुनिक शैक्षिक ढांचों में किस प्रकार के आकलन पर सबसे अधिक जोर दिया गया है?
(A) उच्च-जोखिम वाली एकमुश्त बाहरी परीक्षाएं
(B) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE)
(C) मानक-संदर्भित मानकीकृत बुद्धिमत्ता परीक्षण
(D) केवल गति-आधारित बहुविकल्पी परीक्षण

164. रचनात्मक आकलन डेटा का उपयोग आदर्श रूप से शिक्षक द्वारा किया जाना चाहिए:
(A) विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर व्यक्तिगत छात्रों को सार्वजनिक रूप से रैंक (Rank) और तुलना करने के लिए
(B) भविष्य के कक्षा शिक्षण को अनुकूलित और विभेदित (Adapt and Differentiate) करने के लिए
(C) कक्षा के शैक्षणिक सर्वश्रेष्ठ छात्र का आधिकारिक रूप से निर्धारण और चयन करने के लिए
(D) राष्ट्रीय आकलन डेटाबेस में वार्षिक छात्र डेटा आधिकारिक रूप से जमा करने के लिए

NODIA

165. एक विद्यालय एक विशेष त्वरित गणित कार्यक्रम के लिए उपयुक्त छात्रों की पहचान करने के लिए एक मापन उपकरण का चयन कर रहा है। विद्यालय को निम्नलिखित का उपयोग करने को प्राथमिकता देनी चाहिए:
(A) मनोवृत्ति मापनी (Attitude Scale)
(B) अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test)
(C) उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record)
(D) अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule)

166. एक अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) मुख्य रूप से मापता है:
(A) किसी विशिष्ट क्षेत्र या विषय क्षेत्र में प्रदर्शित अतीत की शैक्षणिक उपलब्धि (Past Achievement)
(B) भविष्य के प्रशिक्षण के साथ विशिष्ट कौशल हासिल करने की क्षमता (Potential)
(C) अंतर-व्यक्तिगत भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामाजिक अनुकूलनशीलता का वर्तमान स्तर
(D) दैनिक जीवन में समग्र नैतिक चरित्र और व्यक्तिगत नैतिक मूल्य अभिविन्यास

167. निम्नलिखित में से कौन सा एक अनुसूची/सूची (Inventory) (जैसे, रुचि अनुसूची या व्यक्तित्व अनुसूची) का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) विषय-वस्तु महारत को मापने वाला सही और गलत उत्तरों वाला एक वस्तुनिष्ठ संज्ञानात्मक परीक्षण (Cognitive Test)
(B) प्राथमिकताओं या विशिष्ट व्यवहारों को दर्शाने वाला एक स्व-रिपोर्ट उपकरण (Self-Report Tool)
(C) शारीरिक जैविक लक्षणों को रिकॉर्ड करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक कैलिब्रेटेड भौतिक मापन पैमाना
(D) पाठों के दौरान कक्षा शिक्षक द्वारा सीधे उपयोग किया जाने वाला एक संरचित अवलोकन उपकरण

168. "होथॉर्न प्रभाव" (Hawthorne Effect) मापन में एक संभावित त्रुटि है जहाँ:
(A) प्रदर्शन का मूल्यांकन करने वाला व्यक्ति स्कोरिंग में अत्यधिक और लगातार उदारता प्रदर्शित करता है

187. बंद-अंत की तुलना में खुली प्रश्नावली (Open-Ended Questionnaire) का उपयोग करने का उद्देश्य है:
(A) प्रशासनिक डेटा प्रविष्टि प्रक्रिया को काफी तेज और सुव्यवस्थित करना
(B) गुणात्मक अंतर्दृष्टि और खुले उत्तर प्राप्त करना
(C) उपकरण के समग्र गणितीय विश्वसनीयता गुणांक में उल्लेखनीय वृद्धि करना
(D) सर्वेक्षण प्रारूप को प्राथमिक स्तर के छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त और सरल बनाना

188. एक रेटिंग स्केल के संदर्भ में, "ग्राफिक रेटिंग स्केल" (Graphic Rating Scale) की विशेषता है:
(A) केवल वर्णनात्मक गुणात्मक विशेषणों से युक्त एक सरल चेकलिस्ट
(B) एक निरंतर रेखा जहाँ मूल्यांकनकर्ता गुण की तीव्रता को चिह्नित करते हैं
(C) मुद्रित चित्रों की एक श्रृंखला जिसे उत्तरदाताओं को क्रमिक रूप से व्यवस्थित करना होता है
(D) बहु-अक्षीय डेटा बिंदुओं को प्रदर्शित करने वाले जटिल निर्देशांक गणितीय ग्राफ

189. एक शिक्षक छात्र के व्यवहार का मूल्यांकन करने के लिए "बलपूर्वक-चयनित रेटिंग स्केल" (Forced-Choice Rating Scale) का उपयोग करता है। इस प्रारूप का प्राथमिक लाभ क्या है?
(A) यह व्यस्त कक्षाओं में शिक्षकों के लिए लिकर्ट स्केल की तुलना में पूरा करने में काफी तेज और आसान है
(B) यह विकल्पों को बाध्य करके उदारता और केंद्रीय प्रवृत्ति के पूर्वाग्रहों को कम करता है
(C) यह कक्षा शिक्षकों को विस्तृत गुणात्मक आख्यानात्मक प्रतिक्रिया लिखने का संरचित अवसर प्रदान करता है
(D) यह सभी मूल्यांकित व्यवहार क्षेत्रों में सही संरचनात्मक विषय-वस्तु वैधता की गारंटी देता है

190. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : परीक्षण में विश्वसनीयता के लिए वस्तुनिष्ठता (Objectivity) एक पूर्व शर्त है।
कारण (R) : यदि किसी परीक्षण को विभिन्न परीक्षकों द्वारा सुसंगत रूप से अंक नहीं दिए जा सकते हैं, तो अंक स्वयं सुसंगत या स्थिर नहीं हो सकते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

191. 0.15 के कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index - P) वाला एक परीक्षण प्रश्न:
(A) असामान्य रूप से आसान है और इसे अंतिम प्रश्न बैंक में निश्चित रूप से बनाए रखा जाना चाहिए
(B) असामान्य रूप से आसान है और इसे परीक्षण पत्र से तुरंत हटा दिया जाना चाहिए
(C) बहुत कठिन है और इसमें संशोधन या हटाने की आवश्यकता है
(D) आदर्श औसत कठिनाई का है और उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों (High Achievers) के चयन के लिए अनुकूल है

192. खेल के मैदान में किसी बच्चे के अचानक आक्रामक व्यवहार को रिकॉर्ड करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा उपकरण सबसे उपयुक्त है?
(A) लिकर्ट स्केल (Likert Scale)
(B) समाजमितीय परीक्षण (Sociometric Test)
(C) उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record)
(D) उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test)

193. संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive Domain) कौशलों (जैसे अनुप्रयोग और संश्लेषण) का मापन सबसे सामान्यतः किसके उपयोग से हासिल किया जाता है?
(A) संरचित गुणात्मक रेटिंग स्केल
(B) उपलब्धि परीक्षण (Achievement Tests)
(C) व्यवस्थित अवलोकन अनुसूचियां
(D) विस्तृत व्यवहार संबंधी चेकलिस्ट

194. निम्नलिखित में से कौन सा अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule) और जांच-सूची (Checklist) के बीच सबसे अच्छा अंतर करता है?
(A) अवलोकन अनुसूचियां केवल मात्रात्मक संख्याएं दर्ज करती हैं, जबकि चेकलिस्ट केवल आख्यानात्मक विवरण दर्ज करती हैं
(B) चेकलिस्ट उपस्थिति/अनुपस्थिति दर्ज करती हैं, जबकि अवलोकन आवृत्ति और संदर्भ दर्ज करता है
(C) चेकलिस्ट का उपयोग विशेष रूप से भावात्मक गुणों के लिए किया जाता है, जबकि अवलोकन संज्ञानात्मक गुणों को मापता है
(D) अवलोकन में स्वाभाविक रूप से छात्र की स्व-रिपोर्ट की आवश्यकता होती है, जबकि चेकलिस्ट के लिए बाहरी पर्यवेक्षक मूल्यांकन की आवश्यकता होती है

195. परीक्षण मानकों/मानदंडों (Test Norms) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
I. मानक लक्षित जनसंख्या के एक प्रतिनिधि नमूने पर स्थापित किए जाते हैं।
II. मानक किसी व्यक्ति के कच्चे अंक की व्याख्या करने के लिए एक ढांचा प्रदान करते हैं।
III. मानक यह दर्शाते हैं कि किसी व्यक्ति को आदर्श रूप से क्या अंक प्राप्त करने चाहिए।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II (B) II और III
(C) I और III (D) केवल I

Downloaded from www.pdf.tube

(D) केंद्रीय प्रवृत्ति के माप (माध्य, मध्यिका और बहुलक) सभी गणितीय रूप से बराबर हैं

178. ऋणात्मक रूप से विषम (Negatively Skewed) वितरण में, माध्य (Mean), मध्यिका (Median), और बहुलक (Mode) के बीच संबंध सामान्यतः होता है:
(A) माध्य > मध्यिका > बहुलक
(B) माध्य < मध्यिका < बहुलक
(C) माध्य = मध्यिका = बहुलक
(D) मध्यिका > माध्य > बहुलक

179. एक शिक्षक देखता है कि परीक्षण अंक वितरण द्वि-बहुलकीय (Bimodal) है। यह सबसे अधिक संभावना दर्शाता है:
(A) मूल्यांकन उपकरण एक प्रतिनिधि राष्ट्रीय समूह पर पूरी तरह से मानकीकृत (Standardized) किया गया था
(B) भिन्न क्षमता स्तरों वाले दो अलग-अलग उपसमूह मौजूद हैं
(C) परीक्षण उपकरण का परिकलित आंतरिक विश्वसनीयता गुणांक ठीक शून्य है
(D) परीक्षण देने वाले प्रत्येक छात्र ने कुल मिलाकर समान कच्चे संख्यात्मक अंक प्राप्त किए

180. एक अभिभावक आपके (प्राचार्य) पास भ्रमित होकर आता है क्योंकि उनके बच्चे को एक परीक्षण में 60% अंक मिले लेकिन 'C' ग्रेड दिया गया, जबकि एक अन्य बच्चे को दूसरे परीक्षण में 50% अंक मिले और 'B' ग्रेड मिला। आप बताते हैं कि निरपेक्ष प्रतिशत के बजाय एक विशिष्ट समूह के भीतर सापेक्ष स्थिति के आधार पर ग्रेडिंग को कहा जाता है:
(A) निकष-संदर्भित निरपेक्ष ग्रेडिंग
(B) सापेक्ष वक्र ग्रेडिंग (Relative Curve Grading)
(C) स्व-संदर्भित इप्सेटिव ग्रेडिंग
(D) गुणात्मक समग्र ग्रेडिंग

181. सख्त सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading) का मुख्य नुकसान क्या है?
(A) यह प्रतिस्पर्धा करने वाले कक्षा छात्रों के बीच अत्यधिक अनौपचारिक सहयोग को कृत्रिम रूप से प्रोत्साहित करता है
(B) यह छात्रों के एक निश्चित प्रतिशत को अनुत्तीर्ण होने के लिए मजबूर करता है
(C) यह मानक विचलन और प्रसरण की सटीक सांख्यिकीय गणना को पूरी तरह से असंभव बनाता है
(D) यह पूरे वर्ष महंगे सतत रचनात्मक आकलन उपकरणों के कार्यान्वयन को अनिवार्य करता है

182. एक 9-बिंदु निरपेक्ष ग्रेडिंग स्केल (Absolute Grading Scale) (जैसे, A1, A2, B1... E2) निम्नलिखित पर निर्भर करता है:
(A) छात्रों को निश्चित प्रतिशत कोष्ठकों (Percentage Brackets) द्वारा विभाजित करना
(B) साथियों की सामाजिक स्वीकृति स्तरों का मूल्यांकन करने के लिए व्यवस्थित रूप से समाजमितीय मैट्रिक्स का उपयोग करना
(C) राष्ट्रव्यापी मानकीकृत मानदंडों (Standardized Norms) का उपयोग करके शिक्षण संस्थानों की सीधे एक-दूसरे से रैंकिंग करना
(D) छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन का न्याय करने के लिए गुणात्मक प्रक्षेपी परीक्षण व्याख्याओं को लागू करना

183. निम्नलिखित में से कौन सी त्रुटि उपकरण या परीक्षक के बजाय उत्तरदाता (Respondent) से संबंधित है?
(A) उदारता त्रुटि (Generosity Error)
(B) सामाजिक वांछनीयता पूर्वाग्रह (Social Desirability Bias)
(C) अस्पष्ट परीक्षण प्रश्न
(D) पेपर में मुद्रण संबंधी त्रुटियां

184. "सामाजिक वांछनीयता पूर्वाग्रह" (Social Desirability Bias) छात्र की किस प्रवृत्ति को संदर्भित करता है?
(A) सच्चाई के बजाय अनुकूल रूप से उत्तर देना
(B) परीक्षा के दौरान साथियों के साथ अक्सर अनौपचारिक सामाजिक बातचीत (Social Interaction) में संलग्न होना
(C) उत्तर पुस्तिका पर पहचाने गए दृश्य पैटर्न के आधार पर विकल्पों का व्यवस्थित रूप से अनुमान लगाना
(D) मानकीकृत आकलन पत्र देने या उसमें भाग लेने से पूरी तरह इंकार करना

NODIA

185. मापन त्रुटियों (Measurement Errors) को कम करने की निम्नलिखित विधियों पर विचार करें:
I. स्पष्ट और मानकीकृत निर्देश प्रदान करना।
II. समान परीक्षण स्थितियां (प्रकाश, शोर नियंत्रण) सुनिश्चित करना।
III. वस्तुनिष्ठ स्कोरिंग कुंजियों का उपयोग करना।
IV. परीक्षण को अत्यधिक छोटा बनाना।
परीक्षण की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए उपरोक्त में से कौन सा संयोजन प्रभावी तरीका है?
(A) I, II, और III
(B) II, III, और IV
(C) I, III, और IV
(D) I, II, और IV

186. रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) नैदानिक मापन का उपयोग करता है जबकि योगात्मक आकलन (Summative Assessment) उपयोग करता है:
(A) पूर्वसूचक मापन (Prognostic Measurement)
(B) मूल्यांकनात्मक मापन (Evaluative Measurement)
(C) इप्सेटिव मापन (Ipsative Measurement)
(D) गैर-संज्ञानात्मक मापन (Non-Cognitive Measurement)

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) विशिष्ट नियमों के अनुसार गुणों या विशेषताओं को संख्याएँ (Numerals) प्रदान करना
शिक्षा में मापन (Measurement) एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत शिक्षार्थियों की विशेषताओं या निष्पादन को सुसंगत नियमों के आधार पर आंकिक मान (Numerical Values) प्रदान किए जाते हैं। यह प्रक्रिया केवल मात्रात्मक डेटा (Quantitative Data) प्रदान करती है। इसमें किसी भी प्रकार का गुणात्मक विवरण (Qualitative Description) या मूल्य निर्णय (Value Judgment) शामिल नहीं होता है।

2. (D) यह सापेक्ष (Relative) है और अप्रत्यक्ष रूप से अदर्शनीय मनोवैज्ञानिक संरचनाओं (Psychological Constructs) को मापता है
शैक्षिक मापन (Educational Measurement) की प्रकृति सापेक्ष (Relative) होती है, क्योंकि यह प्रत्यक्ष रूप से दृश्य भौतिक वस्तुओं के बजाय अदर्शनीय मनोवैज्ञानिक संरचनाओं (Psychological Constructs) जैसे बुद्धिमत्ता, मनोवृत्ति और उपलब्धि का मापन करती है। इसमें वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) का अभाव होता है, इसलिए यह निरपेक्ष (Absolute) न होकर केवल अप्रत्यक्ष और सापेक्ष आंकिक निष्कर्ष प्रदान करती है।

3. (A) छात्र का अंतर्निहित नैतिक मूल्य (Inherent Moral Worth)
शैक्षिक मापन (Educational Measurement) का दायरा केवल उन्हीं गुणों और व्यवहारों तक सीमित है जिन्हें वस्तुनिष्ठ रूप से परिमाणित (Quantified) किया जा सकता है। इसमें शैक्षणिक उपलब्धि (Academic Achievement), अभिक्षमता (Aptitude) और व्यावसायिक रुचियां (Vocational Interests) शामिल हैं। किसी छात्र का अंतर्निहित नैतिक मूल्य (Inherent Moral Worth) एक दार्शनिक अवधारणा है, जो प्रत्यक्ष मापन के दायरे से पूरी तरह बाहर मानी जाती है।

4. (C) यह पूरी संरचना के बजाय व्यवहार के केवल एक नमूने (Sample of Behaviour) को मापता है
शैक्षिक मापन (Educational Measurement) की एक प्रमुख सीमा यह है कि यह किसी छात्र की संपूर्ण मनोवैज्ञानिक संरचना को मापने के बजाय केवल व्यवहार के एक नमूने (Sample of Behaviour) का आकलन करता है। परीक्षण द्वारा प्राप्त परिणाम छात्र के कुल ज्ञान का प्रत्यक्ष प्रदर्शन न होकर सीमित प्रश्नों के आधार पर लगाया गया एक आंशिक अनुमान होते हैं।

5. (A) इसे अस्वीकार करें, क्योंकि शैक्षिक मापन (Educational Measurement) में वास्तविक शून्य (True Zero) वाले अनुपात मापनी (Ratio Scale) डेटा का अभाव होता है
शैक्षिक मापन (Educational Measurement) में वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) अनुपस्थित होता है, इसलिए इसमें अनुपात मापनी (Ratio Scale) लागू नहीं होती है। शून्य अंक पाने का अर्थ ज्ञान का पूर्ण अभाव नहीं होता है। परिणाम स्वरूप 90 अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 45 अंक वाले छात्र से ठीक दोगुना ज्ञानी कहना वैज्ञानिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से पूरी तरह अनुचित है।

6. (D) गुणात्मक मूल्य निर्णय (Qualitative Value Judgments)
मापन (Measurement) केवल मात्रात्मक डेटा (Quantitative Data) और कच्चे अंक प्रदान करता है, जबकि मूल्यांकन (Evaluation) उस डेटा का विश्लेषण करके गुणात्मक मूल्य निर्णय (Qualitative Value Judgments) प्रदान करता है। मापन यह बताता है कि किसी छात्र ने कितना प्राप्त किया, जबकि मूल्यांकन निर्धारित मापदंडों के आधार पर उस उपलब्धि के अंतिम शैक्षणिक मूल्य और गुणवत्ता का निर्धारण करता है।

7. (A) III, I, IV, II
शैक्षिक प्रक्रिया में तार्किक अनुक्रम परीक्षण (Test) से प्रारंभ होता है, जो आंकड़े एकत्र करने का साधन है। इसके बाद मापन (Measurement) द्वारा अंक प्रदान किए जाते हैं। तत्पश्चात आकलन (Assessment) के माध्यम से अधिगम का निरंतर विश्लेषण होता है और अंत में मूल्यांकन (Evaluation) द्वारा समग्र निष्पादन पर अंतिम मूल्य निर्णय दिया जाता है। अतः सही क्रम परीक्षण, मापन, आकलन और मूल्यांकन है।

8. (C) 'कितना अच्छा' (How good) पर
मापन (Measurement) का मुख्य ध्यान इस बात पर केंद्रित रहता है कि छात्र ने 'कितना' (How much) सीखा है, जो केवल मात्रात्मक अंकों को दर्शाता है। इसके विपरीत, मूल्यांकन (Evaluation) इस बात का निर्धारण करता है कि छात्र का निष्पादन 'कितना अच्छा' (How good) है। यह पूर्व-निर्धारित मानकों के संदर्भ में मूल्य और गुणवत्ता का आकलन करता है।

9. (D) मापन निरंतर होता है, जबकि मूल्यांकन केवल उपकरण प्रशासन (Tool Administration) तक सीमित है
मापन (Measurement) एक विशिष्ट समय पर किए जाने वाला सीमित कार्य है जो केवल अंक प्रदान करता है, जबकि मूल्यांकन (Evaluation) एक निरंतर चलने वाली व्यापक प्रक्रिया है। मूल्यांकन केवल उपकरणों के प्रशासन तक सीमित

Click Here to Buy book on Amazon

196. "सीखने का आकलन" (Assessment OF Learning) और "सीखने के लिए आकलन" (Assessment FOR Learning) के बीच का अंतर मुख्य रूप से निम्नलिखित में अंतर है:
(A) मापन के लिए उपयोग किए जाने वाले विशिष्ट भौतिक या डिजिटल उपकरण
(B) आकलन विकसित करने और संचालित करने की कुल वित्तीय लागत
(C) मापन डेटा का उद्देश्य और उपयोग
(D) परीक्षणों के सांख्यिकीय विश्वसनीयता गुणांक

197. विद्यालय के प्रति छात्र के दृष्टिकोण को मापने के लिए, एक शोधकर्ता 20 कथनों वाली एक प्रश्नावली तैयार करता है। छात्र 'सहमत' या 'असहमत' चिह्नित करते हैं। यह उपकरण किस प्रकार का डेटा उत्पन्न करता है?
(A) नाममात्र (Nominal)
(B) क्रमसूचक (Ordinal)
(C) अंतराल (Interval)
(D) अनुपात (Ratio)

198. शिक्षा में पूरी तरह से मात्रात्मक मापन (Quantitative Measurement) पर निर्भर रहने की सबसे महत्वपूर्ण सीमा यह है कि:
(A) इसका मानक मात्रात्मक सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके आसानी से या सटीक रूप से विश्लेषण नहीं किया जा सकता है
(B) यह स्वभावतः अत्यधिक आत्मनिष्ठ है और व्यवस्थित परीक्षक पूर्वाग्रहों के प्रति संवेदनशील है
(C) यह सीखने के जटिल, अपरिमाण्य मानवीय पहलुओं को नजरअंदाज कर सकता है
(D) इसका उपयोग कक्षा के छात्रों को अंतिम अक्षर ग्रेड आवंटित करने के लिए सीधे नहीं किया जा सकता है

199. एक शिक्षक समस्या-समाधान कौशलों को मापने के लिए एक परीक्षण विकसित करता है लेकिन अनजाने में अत्यधिक जटिल शब्दावली का उपयोग करता है। परिणामस्वरूप, गैर-मूल भाषी अपनी वास्तविक समस्या-समाधान क्षमता की परवाह किए बिना खराब अंक प्राप्त करते हैं। यह परिदृश्य निम्नलिखित का एक उत्कृष्ट उदाहरण है:
(A) परीक्षण में मौजूद अप्रत्याशित यादृच्छिक मापन त्रुटि
(B) संरचना-असंगत विविधता (Construct-Irrelevant Variance) जो वैधता को कम करती है
(C) रूपों में उच्च आनुभविक मापदंड-संबंधित वैधता
(D) गुणात्मक मूल्यांकन में परीक्षक हेलो प्रभाव (Halo Effect) पूर्वाग्रह

200. एक विद्यालय-व्यापी मूल्यांकन नीति तैयार करने वाले प्राचार्य के रूप में, निम्नलिखित में से कौन सा दृष्टिकोण मापन और मूल्यांकन सिद्धांतों का सबसे सटीक अनुप्रयोग प्रस्तुत करता है?
(A) सभी ग्रेड पदोन्नति निर्णयों को पूरी तरह से एकल, उच्च-जोखिम वाले वस्तुनिष्ठ परीक्षण (Objective Test) पर प्रदर्शन पर आधारित करना
(B) सभी अनौपचारिक शिक्षक-निर्मित परीक्षणों को औपचारिक, मानकीकृत बाहरी बोर्ड परीक्षाओं से पूरी तरह से बदलना
(C) निर्णय लेने के लिए रचनात्मक (Formative), प्रदर्शन (Performance) और योगात्मक (Summative) आकलनों का त्रिभुजीकरण (Triangulation) करना
(D) आत्मनिष्ठ, असंरचित उपाख्यानात्मक अवलोकन के पक्ष में मात्रात्मक मापन को पूरी तरह से समाप्त करना

www.nodia.in

NODIA

(B) विषय/छात्र व्यवहार बदलते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि उनका अवलोकन किया जा रहा है
(C) परिकलित परीक्षण अंक समय के साथ स्वाभाविक रूप से जनसंख्या सांख्यिकीय माध्य की ओर घटते हैं
(D) आकलन उपकरण में शामिल परीक्षण प्रश्न छात्रों के लिए बहुत कठिन होते हैं

169. मापन शब्दावली में, "माध्य की ओर प्रतिगमन" (Regression to the Mean) का क्या अर्थ है?
(A) औसत प्रदर्शन करने वाले छात्र परीक्षण को फिर से देने पर व्यवस्थित रूप से हमेशा समान अंक प्राप्त करेंगे
(B) अत्यधिक प्रारंभिक अंक पुन: परीक्षण पर माध्य के करीब जाने की प्रवृत्ति रखते हैं
(C) केंद्रीय प्रवृत्ति का अनुमान लगाते समय गणितीय माध्य स्वभावतः एक अमान्य माप है
(D) परीक्षण सत्रों के बीच समय बीतने के साथ समग्र परीक्षण संरचनात्मक वैधता व्यवस्थित रूप से गिरती है

170. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A) : शैक्षिक मापन में सही वैधता प्राप्त करना असंभव है।
कारण (R) : शैक्षिक मापन बुद्धिमत्ता और उपलब्धि जैसे अमूर्त मनोवैज्ञानिक संरचनाओं से निपटता है, जिन्हें केवल अप्रत्यक्ष रूप से मापा जा सकता है और जो मापन त्रुटि के अधीन हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

171. किसी परीक्षण में "सीलिंग प्रभाव" (Ceiling Effect) तब होता है जब:
(A) परीक्षण बहुत कठिन होता है, जिसके परिणामस्वरूप शून्य या निकट-शून्य अंकों का घना समूह बनता है
(B) परीक्षण बहुत आसान होता है, जिससे मुख्य रूप से अधिकतम अंक प्राप्त होते हैं
(C) भौतिक परीक्षण वातावरण में डेस्क और लाइट जैसे बुनियादी ढांचागत सुविधाओं का अभाव होता है
(D) परीक्षण उपकरण में स्वभावतः गणितीय रूप से असंभव ऋणात्मक विश्वसनीयता होती है

172. किसी परीक्षण में "फ्लोर प्रभाव" (Floor Effect) तब होता है जब:
(A) परीक्षण बहुत कठिन होता है, जिससे अंक सबसे निचले स्तर पर जमा हो जाते हैं
(B) परीक्षण के प्रश्न अत्यधिक आसान होते हैं, जिससे परीक्षा देने वाले लगभग सभी लोग सही अंक प्राप्त करते हैं
(C) परीक्षण उपकरण अनजाने में पूरी तरह से संरचना-असंगत चरों को मापता है
(D) छात्र अक्सर कक्षा के फर्श की ओर नीचे देखकर परीक्षा के दौरान नकल करने का प्रयास करते हैं

173. परीक्षण की विभेदन शक्ति पर सीलिंग प्रभाव (Ceiling Effect) का क्या प्रभाव पड़ता है?
(A) यह शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों के बीच प्रश्न विभेदन दक्षता को काफी बढ़ाता है
(B) यह उच्च और बहुत उच्च प्रदर्शन करने वालों के बीच अंतर करने से रोकता है
(C) यह आकलन पर केवल कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रभावित करता है
(D) यह परीक्षण पत्र की समग्र आनुभविक संरचनात्मक वैधता में काफी सुधार करता है

174. मानकीकृत परीक्षण अंकों का विश्लेषण करते समय माध्य (Mean) के साथ आमतौर पर विचलन (Dispersion) का कौन सा सांख्यिकीय माप उपयोग किया जाता है?
(A) प्रसार / परास (Range)
(B) माध्य विचलन (Mean Deviation)
(C) मानक विचलन (Standard Deviation)
(D) चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation)

175. मानक विचलन (Standard Deviation - SD) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
I. एक बड़ा SD दर्शाता है कि अंक माध्य से अधिक फैले हुए हैं।
II. एक छोटा SD समूह के प्रदर्शन में उच्च समरूपता (Homogeneity) को दर्शाता है।
III. SD एक ऋणात्मक मान हो सकता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) केवल I

176. सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) में, लगभग कितने प्रतिशत अंक माध्य के ±1 मानक विचलन (Standard Deviation) के भीतर आते हैं?
(A) 34%
(B) 50%
(C) 68%
(D) 95%

177. यदि परीक्षण अंकों का वितरण धनात्मक रूप से विषम (Positively Skewed) है, तो इसका तात्पर्य है कि:
(A) अधिकांश छात्रों ने आकलन में बहुत उच्च अंक प्राप्त किए, जिससे संकेत मिलता है कि परीक्षण आसान था
(B) अधिकांश छात्रों ने कम अंक प्राप्त किए, जो एक कठिन परीक्षण की ओर इशारा करता है
(C) छात्र अंकों का परिणामी वितरण एक सही सममित घंटी वक्र बनाता है

Downloaded from www.pdf.tube

न होकर संपूर्ण शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सुधार और निर्णय लेने का कार्य करता है। अतः यह कथन दोनों के बीच का गलत अंतर दर्शाता है।

10. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
मूल्यांकन (Evaluation) एक व्यापक अवधारणा (Comprehensive Concept) है, जिसके अंतर्गत मापन (Measurement) समाहित होता है। मापन केवल मात्रात्मक आंकड़े प्रदान करता है, जबकि मूल्यांकन उन आंकड़ों की व्याख्या मानकों के आधार पर करके गुणात्मक निर्णय लेता है। इस प्रकार कारण अभिकथन की पुष्टि करता है, क्योंकि मापन के बिना मूल्यांकन अधूरा है और मूल्यांकन मापन को सार्थकता प्रदान करता है।

11. (B) आकलन (Assessment)
शिक्षण उद्देश्यों (Instructional Objectives) की प्राप्ति का निर्धारण करने के लिए जानकारी एकत्र करने, विश्लेषण करने तथा व्याख्या करने की व्यवस्थित और निरंतर प्रक्रिया को आकलन (Assessment) कहा जाता है। यह प्रक्रिया शिक्षकों और छात्रों को शिक्षण-अधिगम स्थिति में सुधार करने हेतु निरंतर प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करती है तथा केवल अंतिम निर्णय या ग्रेड देने तक सीमित नहीं होती है।

12. (B) सीखने के लिए आकलन (Assessment for Learning) में शिक्षण को सूचित करने और सुधारने के लिए डेटा का उपयोग आवश्यक है
सीखने के लिए आकलन (Assessment for Learning) का मूल सिद्धांत यह है कि आकलन से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग शिक्षण रणनीति को सुधारने तथा छात्रों को सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करने के लिए होना चाहिए। बिना किसी गुणात्मक प्रतिक्रिया के केवल अंतिम अंक देना रचनात्मक आकलन के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है और अधिगम प्रगति को बाधित करता है।

13. (A) आकलन सीखने में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि मूल्यांकन समग्र उपलब्धि के न्याय पर केंद्रित होता है
कक्षा के संदर्भ में आकलन (Assessment) एक नैदानिक एवं विकासात्मक प्रक्रिया है जिसका प्राथमिक उद्देश्य सीखने की प्रक्रिया में सुधार करना है। इसके विपरीत, मूल्यांकन (Evaluation) एक योगात्मक प्रक्रिया है जो निर्धारित मानकों के आधार पर छात्र की समग्र उपलब्धि पर अंतिम निर्णय या मूल्य प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

14. (C) अधिगम में सुधार करने में मदद करने के लिए छात्र के निबंध प्रारूप पर विस्तृत प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करना
मापन (Measurement) केवल अंकों या समय के रूप में मात्रात्मक आंकड़े (Quantitative Data) प्रदान करता है, जबकि आकलन (Assessment) अधिगम सुधार हेतु सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Feedback) देने पर बल देता है। निबंध प्रारूप पर विस्तृत गुणात्मक टिप्पणियां देना छात्र के सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध बनाता है, जो सीधे तौर पर आकलन का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करता है।

15. (A) I और II
मापन (Measurement) केवल सुसंगत नियमों के आधार पर गुणों को संख्याएँ प्रदान करने तक सीमित मात्रात्मक प्रक्रिया है, जिसमें मूल्य निर्णय शामिल नहीं होता। दूसरी ओर, मूल्यांकन (Evaluation) में मापन डेटा के साथ-साथ अवलोकन जैसे गैर-मापन डेटा (Non-Measurement Data) भी शामिल होते हैं। अतः पहला और दूसरा कथन सही हैं, जबकि तीसरा कथन पूरी तरह गलत है।

16. (C) छात्र द्वारा निरंतर स्व-निगरानी (Self-Monitoring) और आलोचनात्मक स्व-चिंतन (Self-Reflection)
सीखने के रुप में आकलन (Assessment as Learning) शिक्षार्थी को अपने स्वयं के अधिगम का प्रमुख नियंत्रक बनाता है। इसमें छात्र अपनी प्रगति की निरंतर स्व-निगरानी (Self-Monitoring) करते हैं, लक्ष्य निर्धारित करते हैं और आलोचनात्मक स्व-चिंतन (Self-Reflection) के माध्यम से अपनी समझ को गहरा करते हैं। यह प्रक्रिया स्वायत्तता और मेटाकॉग्निटिव कौशलों के विकास को बढ़ावा देती है।

17. (B) सटीक रुप से वही मापता है जिसे मापने के लिए इसे तैयार किया गया है
मापन सिद्धांत में वैधता (Validity) किसी परीक्षण का वह सबसे महत्त्वपूर्ण गुण है, जो यह दर्शाता है कि परीक्षण सटीक रूप से उसी विशिष्ट संरचना या उद्देश्य का मापन कर रहा है, जिसके लिए उसका निर्माण किया गया है। यदि कोई परीक्षण अप्रासंगिक चरों को मापता है, तो उसे वैध नहीं माना जा सकता है।

18. (D) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
मापन उपकरण में वस्तुनिष्ठता (Objectivity) उस स्थिति को दर्शाती है जहाँ प्राप्त अंक परीक्षक के व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों (Subjective Biases), मनोवृत्तियों या प्राथमिकताओं से पूरी तरह मुक्त होते हैं। यदि समान उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन अलग-अलग परीक्षकों द्वारा करने पर भी एक समान अंक प्राप्त होते हैं, तो उपकरण में उच्च वस्तुनिष्ठता विद्यमान होती है।

19. (A) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) की
विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) यह सुनिश्चित करती है कि परीक्षण के प्रश्न केवल निर्धारित पाठ्यक्रम या विषय-क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करें। जब बीजगणित के परीक्षण में अत्यधिक पठन बोध शामिल किया जाता है, तो यह गणितीय क्षमता के स्थान पर भाषा कौशल को मापने लगता है। इस स्थिति में परीक्षण अपनी विषय-वस्तु वैधता को पूरी तरह खो देता है।

20. (C) उपयोगिता/व्यावहारिकता (Usability / Practicability)
परीक्षण की उपयोगिता या व्यावहारिकता (Usability / Practicability) व्यावहारिक और परिचालन पहलुओं से संबंधित होती है, जैसे परीक्षा संचालन की सुगमता, मुद्रण की वित्तीय लागत, और अंकन में लगने वाला समय। इसके विपरीत, लक्षित संरचना का सैद्धांतिक ढांचा (Theoretical Framework) परीक्षण की वैधता से संबंधित होता है, न कि उसकी व्यावहारिक उपयोगिता से।

NODIA

करने के बजाय विशिष्ट कौशलों से संबंधित विस्तृत उप-अंक (Detailed Sub-Scores) प्रदान करता है। ये उप-अंक शिक्षक को यह सटीक जानकारी देते हैं कि शिक्षार्थी किस विशिष्ट क्षेत्र या उप-कौशल में कठिनाई का सामना कर रहा है।

118. (C) स्थानन मूल्यांकन (Placement Evaluation)
नवीन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व शिक्षार्थियों के पूर्व-ज्ञान, प्रविष्ट व्यवहार और अधिगम तत्परता (Readiness) का निर्धारण करने वाले मूल्यांकन को स्थानन मूल्यांकन (Placement Evaluation) कहा जाता है। यह मूल्यांकन शिक्षक को यह तय करने में सहायता करता है कि छात्र नए पाठ्यक्रम को सीखने के लिए तैयार है या नहीं।

119. (B) निर्धारण मापनी / Rating Scale (Rating Scale)
लिकर्ट स्केल (Likert Scale) निर्धारण मापनी या रेटिंग स्केल का एक सुप्रसिद्ध रूप है जिसका उपयोग मनोवृत्तियों, विश्वासों और विचारों की तीव्रता को मापने हेतु किया जाता है। इसमें उत्तरदाता 'पूर्णतः सहमत' से 'पूर्णतः असहमत' के पांच या सात-बिंदु पैमाने पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करते हैं, जो गुणात्मक अभिवृद्धि को दर्शाता है।

120. (C) चेकलिस्ट (Checklist)
जब किसी मूल्यांकन प्रपत्र में पूर्व-निर्धारित व्यवहारों या लक्षणों की सूची दी गई हो और उनके सामने केवल द्विभाजित विकल्प जैसे "हाँ" या "ना" (उपस्थित या अनुपस्थित) अंकित करने का प्रावधान हो, तो वह उपकरण चेकलिस्ट (Checklist) कहलाता है। प्राचार्य यहाँ विशिष्ट व्यवहारों की केवल उपस्थिति की जाँच कर रहे हैं।

121. (B) प्रक्षेपी तकनीकें (Projective Techniques)
रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण और विषय आत्म-बोध परीक्षण (TAT) व्यक्तित्व मापन की प्रमुख प्रक्षेपी तकनीकें (Projective Techniques) हैं। इन परीक्षणों में उत्तरदाताओं के समक्ष अस्पष्ट एवं असंरचित उद्दीपक प्रस्तुत किए जाते हैं, जिन पर वे अनुक्रिया करते हुए अपने अचेतन मन की इच्छाओं, ग्रंथियों और व्यक्तित्व गुणों को अनजाने में प्रकट कर देते हैं।

122. (C) अचेतन व्यक्तित्व गुण और भावनाएं (Unconscious Personality Traits and Emotions)
प्रक्षेपी तकनीकों (Projective Techniques) का मुख्य शैक्षणिक और मनोवैज्ञानिक उद्देश्य व्यक्ति की अचेतन भावनाओं, आंतरिक संघर्षों, छिपी हुई इच्छाओं तथा व्यक्तित्व के गहरे अप्रकट पहलुओं (Unconscious Personality Traits) का मापन करना है। ये तकनीकें चेतना के सामाजिक आवरण को पार करके व्यक्ति की वास्तविक मनोदशा को उजागर करने में सक्षम होती हैं।

123. (C) आत्मनिष्ठ स्कोरिंग के कारण स्थापित करना कठिन
प्रक्षेपी तकनीकों (Projective Techniques) की मनोमितीय वैधता को स्थापित करना काफी कठिन माना जाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि इनमें उत्तरदाताओं की अनुक्रियाएँ खुली और असंरचित होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप उत्तरों की स्कोरिंग और व्याख्या अत्यधिक आत्मनिष्ठ (Subjective) हो जाती है और परीक्षकों के बीच एकरूपता व संगति बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है।

124. (B) प्रेक्षित विषयों के साथ गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होता है
सहभागी अवलोकन (Participant Observation) में प्रेक्षक केवल दूर से मूकदर्शक बनकर अवलोकन नहीं करता, बल्कि वह प्रेक्षित किए जाने वाले समूह या छात्रों की गतिविधियों में स्वयं एक सक्रिय सदस्य के रूप में शामिल हो जाता है। इससे प्रेक्षक को स्वाभाविक संदर्भ में व्यवहारों की गहराई से समझ और वास्तविक गुणात्मक डेटा प्राप्त होता है।

125. (B) एक अर्ध-संरचित साक्षात्कार अनुसूची (Semi-Structured Interview Schedule)
एक अर्ध-संरचित साक्षात्कार अनुसूची (Semi-Structured Interview Schedule) शोधकर्ता को मुख्य विषयों को कवर करने के लिए पूर्व-निर्धारित प्रश्नों का ढांचा प्रदान करती है, और साथ ही उत्तरदाताओं को अपने विचारों को विस्तार से स्पष्ट करने का लचीलापन भी देती है। यह संरचनात्मक नियंत्रण और गुणात्मक गहराई का एक आदर्श संतुलन स्थापित करती है।

126. (C) प्रति सत्र निलंबित छात्रों के प्रतिशत (Percentage) की गणना करना
मात्रात्मक दृष्टिकोण (Quantitative Approach) हमेशा संख्यात्मक आंकड़ों, आवृतियों और सांख्यिकीय अनुपातों के मापन पर आधारित होता है। प्रति सत्र निलंबित छात्रों के प्रतिशत की गणना करना पूरी तरह से परिमाणात्मक डेटा प्रदान करता है, जिसे वस्तुनिष्ठ रूप से मापा और विश्लेषित किया जा सकता है, जो मात्रात्मक विधि का एक सटीक उदाहरण है।

127. (B) जनसंख्या और समय के पार अंकों को तुलनीय (Comparable) बनाने के लिए
एक उपलब्धि परीक्षण का मानकीकरण (Standardization) मुख्य रूप से इसलिए किया जाता है ताकि उसकी परीक्षा संचालन प्रक्रिया, अंकन योजना तथा व्याख्या मानदंड पूरी तरह एकसमान हो सकें। इससे विभिन्न समय-अंतरालों और विविध छात्र जनसांख्यिकी के पार प्राप्त अंकों को आपस में वैज्ञानिक रूप से तुलनीय (Comparable) तथा निष्पक्ष बनाया जा सकता है।

128. (B) छात्र ने मानक समूह के 85% से अधिक अंक प्राप्त किए
प्रतिशतक रैंक (Percentile Rank) एक मानक-संदर्भित अंक है जो तुलनात्मक समूह में किसी छात्र की सापेक्षिक स्थिति को दर्शाता है। 85वें प्रतिशतक प्राप्तांक का सीधा अर्थ यह है कि संबंधित छात्र ने मानक संदर्भ समूह (Norm Group) के 85% छात्रों की तुलना में अधिक या उनके बराबर अंक अर्जित किए हैं।

129. (B) मानकीकृत अंक (Standard Scores)
जेड-स्कोर (Z-Scores) और टी-स्कोर (T-Scores) मानकीकृत अंकों (Standard Scores) के प्रमुख उदाहरण हैं। ये अंक कच्चे प्राप्तांकों को उनके माध्य और मानक विचलन के आधार पर एक समान पैमाने में परिवर्तित करते हैं, जिससे

Click Here to Buy book on Flipkart

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

33. (B) द्विभाजित रूप से अंकीकृत प्रश्नों (Dichotomously Scored Items) की आंतरिक निरंतरता
कुडर-रिचर्डसन सूत्र 20 (KR-20) का उपयोग विशेष रूप से ऐसे परीक्षणों की आंतरिक निरंतरता (Internal Consistency) मापने के लिए किया जाता है जिनके प्रश्नों का अंकन द्विभाजित (Dichotomously Scored) होता है, अर्थात जहाँ उत्तर केवल सही (1) या गलत (0) के रूप में मूल्यांकित किए जाते हैं, जैसे वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

34. (D) अस्पष्ट और खराब संरचना वाले प्रश्नों (Ambiguous Items) को शामिल करना
जब परीक्षण में अस्पष्ट, द्व्यर्थी और खराब संरचना वाले प्रश्न शामिल किए जाते हैं, तो छात्र अनुमान लगाने पर मजबूर होते हैं। इससे मापन में यादृच्छिक त्रुटि (Random Error) बढ़ती है, जिसके परिणामस्वरुप परीक्षण की विश्वसनीयता (Reliability) में भारी कमी आती है। अतः स्पष्ट प्रश्न बनाना विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है।

35. (B) II और III
मापन सिद्धांतों के अनुसार, विश्वसनीयता वैधता के लिए एक आवश्यक शर्त (Necessary Condition) है, किंतु पर्याप्त शर्त नहीं है। एक वैध परीक्षण का विश्वसनीय होना अनिवार्य है, परंतु यह आवश्यक नहीं कि प्रत्येक अत्यधिक विश्वसनीय परीक्षण वैध भी हो। अतः कथन II और III सही हैं, जबकि प्रथम कथन पूरी तरह से गलत है।

36. (C) अंतर-मूल्यांकनकर्ता वस्तुनिष्ठता (Inter-Rater Objectivity) की
निबंध-प्रकार परीक्षणों (Essay-Type Tests) की सबसे बड़ी सीमा यह है कि इनमें अंतर-मूल्यांकनकर्ता वस्तुनिष्ठता (Inter-Rater Objectivity) की कमी होती है। अलग-अलग परीक्षकों द्वारा या एक ही परीक्षक द्वारा अलग समय पर एक ही उत्तर पुस्तिका को आंके जाने पर व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों के कारण प्राप्तांकों में काफी भिन्नता और आत्मनिष्ठता आ जाती है।

37. (A) एक विस्तृत अंकन रुब्रिक (Scoring Rubric) या अंकन योजना
निबंध-प्रकार प्रश्नों के मूल्यांकन में आत्मनिष्ठता को समाप्त करने और वस्तुनिष्ठता (Objectivity) बढ़ाने के लिए एक सुस्पष्ट अंकन रुब्रिक (Scoring Rubric) का उपयोग किया जाना चाहिए। रुब्रिक विशिष्ट मानकों और उत्तर के आवश्यक घटकों के लिए निश्चित अंक निर्धारित करता है, जिससे सभी परीक्षकों के अंकन में सुसंगतता बनी रहती है।

38. (D) लक्षित संरचना का सैद्धांतिक ढांचा (Theoretical Framework)
परीक्षण की उपयोगिता या व्यावहारिकता (Usability / Practicability) व्यावहारिक और परिचालन पहलुओं से संबंधित होती है, जैसे परीक्षा संचालन की सुगमता, मुद्रण की वित्तीय लागत, और अंकन में लगने वाला समय। इसके विपरीत, लक्षित संरचना का सैद्धांतिक ढांचा (Theoretical Framework) परीक्षण की वैधता से संबंधित होता है, न कि उसकी व्यावहारिक उपयोगिता से।

39. (B) विश्वसनीय लेकिन वैध नहीं
यदि कोई परीक्षण बार-बार समान परिणाम देता है, तो वह विश्वसनीय है। लेकिन जब वह बुद्धिमत्ता के बजाय कागज के वजन जैसी अप्रासंगिक वस्तु को मापता है, तो उसमें वैधता का पूरी तरह से अभाव होता है। अतः यह उपकरण मापन सिद्धांतों के अनुसार विश्वसनीय तो है, परंतु बिल्कुल भी वैध नहीं है।

40. (C) प्रशासन और अंकन में वस्तुनिष्ठता (Objectivity) की
जब कोई मानकीकृत परीक्षण विभिन्न शिक्षकों द्वारा संचालित और मूल्यांकित किए जाने पर अत्यधिक भिन्न अंक प्रदान करता है, तो इसका स्पष्ट अर्थ है कि परीक्षण के प्रशासन और अंकन में वस्तुनिष्ठता (Objectivity) का अभाव है। मानकीकृत निर्देशों एवं स्पष्ट उत्तर कुंजियों के बिना परीक्षण के परिणाम परीक्षकों के पूर्वाग्रहों से प्रभावित हो जाते हैं।

41. (D) नाममात्र (Nominal)
नाममात्र पैमाना (Nominal Scale) मापन का सबसे बुनियादी स्तर है, जिसका उपयोग केवल व्यक्तियों, वस्तुओं या श्रेणियों को परस्पर अलग वर्गीकृत करने के लिए किया जाता है। छात्र आईडी संख्याएँ (जैसे 101, 102) केवल विशिष्ट पहचानकर्ता के रूप में कार्य करती हैं; इनमें कोई परिमाण, गणितीय क्रम या मात्रात्मक संबंध निहित नहीं होता है।

42. (A) क्रमसूचक (Ordinal)
क्रमसूचक पैमाना (Ordinal Scale) मापन की वह व्यवस्था है जिसमें आंकड़ों को श्रेणियों में वर्गीकृत करने के साथ-साथ उनके परिमाण के आधार पर एक निश्चित क्रम या रैंक में व्यवस्थित किया जाता है। हालांकि, इसमें विभिन्न श्रेणियों के बीच समान अंतराल और निरपेक्ष शून्य (Absolute Zero) का पूरी तरह से अभाव होता है।

43. (B) क्रमसूचक (Ordinal)
किसी कक्षा में शिक्षार्थियों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय या तृतीय श्रेणी में रैंक प्रदान करना क्रमसूचक पैमाने (Ordinal Scale) को दर्शाता है। यह पैमाना केवल निष्पादन के सापेक्षिक क्रम या स्थान को प्रदर्शित करता है, परंतु यह नहीं बताता कि दो लगातार रैंक्स के बीच का अंतर समान है।

44. (B) एक वास्तविक निरपेक्ष शून्य बिंदु (True Absolute Zero Point) की
अंतराल पैमाने (Interval Scale) में समान अंतर और क्रम की विशेषताएँ होती हैं, किंतु इसमें वास्तविक निरपेक्ष शून्य बिंदु (True Absolute Zero Point) नहीं होता है। यही विशेषता इसे अनुपात पैमाने (Ratio Scale) से अलग करती है, क्योंकि अनुपात पैमाने में निरपेक्ष शून्य मौजूद होता है, जिससे अनुपातिक तुलना संभव हो पाती है।

Downloaded from www.pdf.tube

21. (A) उपलब्धि परीक्षण (Achievement Tests)
उपलब्धि परीक्षण (Achievement Tests) का मुख्य उद्देश्य यह मापना होता है कि छात्रों ने निर्धारित पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु को किस सीमा तक सीखा है। इसलिए इन परीक्षणों के लिए विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) अत्यंत आवश्यक है, ताकि परीक्षण के प्रश्न पढ़ाए गए पाठ्यक्रम और शिक्षण उद्देश्यों का सटीक तथा निष्पक्ष प्रतिनिधित्व कर सकें।

22. (D) एक सैद्धांतिक मनोवैज्ञानिक गुण या विशेषता को मापता है
संरचनात्मक वैधता (Construct Validity) यह दर्शाती है कि कोई परीक्षण किस सीमा तक किसी सैद्धांतिक मनोवैज्ञानिक गुण या अदर्शनीय संरचना (Psychological Construct) जैसे बुद्धिमत्ता, चिंता या अभिक्षमता का मापन करता है। यह वैधता परीक्षण के अंकों और अंतर्निहित मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के बीच तार्किक एवं आनुभविक संगति स्थापित करने का कार्य करती है।

23. (B) मापदंड-संबंधित वैधता (Criterion-Related Validity)
मापदंड-संबंधित वैधता (Criterion-Related Validity) यह जांचती है कि परीक्षण के अंक किसी बाहरी मानक या मापदंड के साथ कितने सुसंगत हैं। इसके दो मुख्य प्रकार होते हैं: भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity), जो भावी प्रदर्शन का अनुमान लगाती है, और समवर्ती वैधता (Concurrent Validity), जो वर्तमान में उपलब्ध मापदंड अंकों के साथ सहसंबंध मापती है।

24. (C) भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity) है
जब किसी प्रवेश परीक्षा के अंक भविष्य में प्राप्त शैक्षणिक निष्पादन या GPA के साथ उच्च सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं, तो यह भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity) को दर्शाता है। यह मापदंड-संबंधित वैधता का एक रूप है, जो यह प्रमाणित करता है कि परीक्षण भावी सफलता की सटीक और वैज्ञानिक भविष्यवाणी करने में सक्षम है।

25. (C) केवल IV
मापदंड-संबंधित वैधता (Criterion-Related Validity) के अंतर्गत केवल वे विधियां आती हैं जो परीक्षण अंकों की तुलना किसी बाहरी मापदंड से करती हैं। दिए गए विकल्पों में भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity) इसका प्रत्यक्ष रूप है। विषय-वस्तु वैधता और संरचनात्मक वैधता इसके अंतर्गत नहीं आतीं, जबकि प्रत्यक्ष वैधता को औपचारिक मनोमितीय वैधता नहीं माना जाता।

26. (A) विशिष्टता सारणी (Table of Specifications / Blueprint) का उपयोग करके विशेषज्ञ समिति समीक्षा
विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) स्थापित करने के लिए विषय विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाती है। यह समिति ब्लूप्रिंट या विशिष्टता सारणी (Table of Specifications) का व्यवस्थित विश्लेषण करके यह जांचती है कि परीक्षण के प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम के सभी अध्यायों और शिक्षण उद्देश्यों का आनुपातिक एवं सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं या नहीं।

27. (B) अंकों की संगति और स्थिरता (Consistency and Stability of Scores)
शैक्षिक मापन में विश्वसनीयता (Reliability) से तात्पर्य परीक्षण द्वारा प्रदान किए जाने वाले अंकों की संगति और स्थिरता (Consistency and Stability of Scores) से है। यदि एक ही परीक्षण को समान परिस्थितियों में बार-बार प्रशासित करने पर समान परिणाम प्राप्त होते हैं, तो उस मापन उपकरण को उच्च रूप से विश्वसनीय माना जाता है।

28. (B) परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता (Test-Retest Reliability) में
जब एक ही मापन उपकरण को एक ही समूह पर समय के अंतर के साथ दो बार प्रशासित किया जाता है और दोनों बार लगभग समान अंक प्राप्त होते हैं, तो यह परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता (Test-Retest Reliability) को दर्शाता है। यह विधि समय के साथ मापन अंकों की स्थिरता और संगति का सटीक मूल्यांकन करती है।

29. (A) स्प्लिट-हाफ विधि (Split-Half Method)
स्प्लिट-हाफ विधि (Split-Half Method) की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें विश्वसनीयता मापने के लिए परीक्षण को केवल एक बार प्रशासित करना होता है। इसके बाद संपूर्ण परीक्षण को दो समतुल्य भागों (जैसे विषम और सम प्रश्न) में विभाजित करके दोनों भागों के अंकों के बीच सहसंबंध की गणना की जाती है।

NODIA

30. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
स्प्लिट-हाफ विधि (Split-Half Method) किसी परीक्षण की आंतरिक सुसंगतता (Internal Consistency) को मापने का एक प्रमुख तरीका है। इसमें परीक्षण को विषम और सम प्रश्नों के आधार पर दो बराबर हिस्सों में बाँटकर उनके प्राप्तांकों का सहसंबंध निकाला जाता है। अतः कारण पूरी तरह से सही है और यह अभिकथन की सटीक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

31. (D) स्पियरमैन-ब्राउन भविष्यवाणी सूत्र (Spearman-Brown Prophecy Formula)
स्प्लिट-हाफ विधि में निकाला गया प्रारंभिक सहसंबंध केवल आधे परीक्षण का प्रतिनिधित्व करता है। संपूर्ण परीक्षण की विश्वसनीयता का अनुमान लगाने के लिए स्पियरमैन-ब्राउन भविष्यवाणी सूत्र (Spearman-Brown Prophecy Formula) का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाता है। यह सूत्र परीक्षण की लंबाई में संशोधन के आधार पर पूरी विश्वसनीयता की गणना करता है।

32. (C) एक ही समूह को निकट अंतराल में एक परीक्षण के दो समानांतर रूप (Parallel Forms) देना
समानांतर-रूप विश्वसनीयता (Parallel-Forms Reliability) मापने के लिए एक ही छात्र समूह को समान विषय-वस्तु, कठिनाई स्तर और संरचना वाले दो अलग-अलग किंतु समतुल्य परीक्षण रूप (Parallel Forms) कम समय के अंतराल में दिए जाते हैं। तत्पश्चात दोनों रूपों से प्राप्त अंकों के बीच सहसंबंध गुणांक की सांख्यिकीय गणना की जाती है।

57. (A) पूर्व निर्धारित क्रम में प्रश्नों के एक निश्चित सेट का पालन करता है
एक संरचित साक्षात्कार अनुसूची (Structured Interview Schedule) में साक्षात्कारकर्ता पूर्व-नियोजित और क्रमबद्ध प्रश्नों की एक निश्चित सूची का सख्ती से पालन करता है। सभी उत्तरदाताओं से समान परिस्थितियों में एक ही क्रम में प्रश्न पूछे जाते हैं, जिससे प्राप्त डेटा का वस्तुनिष्ठ और मानकीकृत सांख्यिकीय तुलनात्मक विश्लेषण संभव हो पाता है।

58. (C) किसी महत्वपूर्ण छात्र घटना का संक्षिप्त, तथ्यात्मक अभिलेख
उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record) किसी छात्र के जीवन में घटी किसी विशिष्ट और महत्वपूर्ण घटना या व्यवहार का शिक्षक द्वारा लिखा गया संक्षिप्त, वस्तुनिष्ठ और तथ्यात्मक विवरण होता है। यह अभिलेख छात्र के सामाजिक, संवेगात्मक और व्यवहारगत विकास के पैटर्न को समझने के लिए एक उपयोगी गुणात्मक साधन का कार्य करता है।

59. (D) वस्तुनिष्ठ घटना विवरणों को शिक्षक की व्याख्याओं से अलग रखना
उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record) की वैधता बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि घटना का प्रत्यक्ष तथ्यात्मक विवरण पूरी तरह वस्तुनिष्ठ हो और उसमें शिक्षक की अपनी व्यक्तिगत व्याख्याएँ या पूर्वाग्रह शामिल न हों। घटना के वास्तविक विवरण और उसकी व्याख्यात्मक टिप्पणियों को हमेशा अलग-अलग खानों में दर्ज किया जाना चाहिए।

60. (B) समाजमिति (Sociometry)
समाजमिति (Sociometry) एक ऐसी मनोमितीय विधि है जिसका उपयोग किसी समूह के भीतर सामाजिक संबंधों, सहपाठी प्राथमिकताओं, गुटबाज़ी और अलग-थलग पड़े व्यक्तियों (Isolates) की संरचना का मानचित्रण करने के लिए किया जाता है। धमकाने और सामाजिक अलगाव से निपटने के लिए कक्षा की सामाजिक गतिशीलता को समझने में यह वैज्ञानिक रूप से सर्वश्रेष्ठ है।

61. (D) जे.एल. मोरेनो (J.L. Moreno)
समाजमिति (Sociometry) तकनीक का विकास प्रसिद्ध सामाजिक मनोवैज्ञानिक जे.एल. मोरेनो (J.L. Moreno) द्वारा किया गया था। इस मापन तकनीक का प्राथमिक उद्देश्य किसी समूह के सदस्यों के बीच विद्यमान अंतर-व्यक्तिगत संबंधों, सामाजिक आकर्षण, विकर्षण तथा सामाजिक स्थिति के विशिष्ट पैटर्न का वैज्ञानिक अध्ययन और आरेखीय निरूपण करना है।

62. (A) स्टार (Star)
समाजमिति (Sociometry) के अंतर्गत निर्मित सोशियोग्राम आरेख में, जिस छात्र को समूह के अत्यधिक सदस्यों द्वारा गतिविधि के लिए पसंदीदा साथी के रूप में चुना जाता है, उसे 'स्टार' (Star) कहा जाता है। यह स्थिति उस छात्र की उच्च सामाजिक स्वीकृति, लोकप्रियता और समूह के भीतर प्रभावशाली नेतृत्व स्थिति को दर्शाती है।

63. (D) I, II, III, और IV
संचयी अभिलेख कार्ड (Cumulative Record Card - CRC) एक स्थायी और व्यापक संस्थागत दस्तावेज होता है जिसमें छात्र के संपूर्ण विद्यालयी जीवन की क्रमिक जानकारी दर्ज होती है। इसमें शैक्षणिक प्रगति अभिलेख, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा इतिहास, सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियाँ तथा उपस्थिति अभिलेख इन सभी चारों घटकों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाता है।

64. (B) वर्षों में छात्र की अनुदैर्ध्य (Longitudinal) विकासात्मक तस्वीर पेश करना
संचयी अभिलेख कार्ड (Cumulative Record Card) का प्राथमिक उद्देश्य छात्र के सर्वांगीण विकास का वर्षों के दौरान एक अनुदैर्ध्य (Longitudinal) अभिलेख प्रस्तुत करना है। यह दस्तावेज शिक्षकों को छात्र की निरंतर शैक्षणिक, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रगति को गहराई से समझने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित शैक्षिक मार्गदर्शन प्रदान करने में मदद करता है।

65. (B) II और IV
गुणात्मक मापन (Qualitative Measurement) दृष्टिकोण की मुख्य विशेषता आख्यानात्मक विवरणों, प्रासंगिक संदर्भों, असंरचित साक्षात्कारों और प्रतिभागी अवलोकनों का उपयोग करना है। यह दृष्टिकोण संख्यात्मक आंकड़ों के स्थान पर गहन अर्थ और संवेगात्मक पहलुओं को समझने पर केंद्रित होता है। अतः द्वितीय (II) और चतुर्थ (IV) का संयोजन पूरी तरह से सही है।

66. (C) उच्च स्तर की वस्तुनिष्ठता और मानकीकरण की आसानी है
मात्रात्मक मापन (Quantitative Measurement) उपकरणों का गुणात्मक उपकरणों की तुलना में सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनमें उच्च स्तर की वस्तुनिष्ठता (Objectivity) होती है। इनके डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण, मानकीकरण और प्रशासन अत्यंत सुगम होता है, जिससे व्यक्तिगत मूल्यांकनात्मक पूर्वाग्रहों की संभावना न्यूनतम हो जाती है और परिणामों की तुलना की जा सकती है।

67. (A) इसकी विश्वसनीयता, वैधता और मानकों/मानदंडों (Norms) का
किसी मापन उपकरण के मानकीकरण (Standardization) की प्रक्रिया में उसकी सामग्री और प्रशासन का एकरूप निर्धारण किया जाता है। इसमें आनुभविक विधियों द्वारा उपकरण की विश्वसनीयता (Reliability), वैधता (Validity) तथा प्राप्तांकों की व्याख्या के लिए प्रतिनिधि जनसंख्या पर मानकों या मानदंडों (Norms) की वैज्ञानिक स्थापना करना अनिवार्य रूप से शामिल होता है।

68. (D) एक प्रतिनिधि संदर्भ समूह (Reference Group) के साथ एक व्यक्तिगत अंक की तुलना करने की
मानकीकृत परीक्षण में स्थापित मानक या मानदंड (Norms) किसी प्रतिनिधि संदर्भ समूह (Reference Group) के औसत निष्पादन का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये मानक किसी शिक्षक या परीक्षक को यह मूल्यांकन करने की सुविधा प्रदान करते हैं

Click Here to Buy book on Amazon

NODIA

45. (A) अनुपात (Ratio) और नाममात्र (Nominal)
सेंटीमीटर में मापी गई शारीरिक ऊंचाई अनुपात पैमाने (Ratio Scale) का प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि इसमें निरपेक्ष शून्य बिंदु और अनुपातिक तुलना संभव होती है। दूसरी ओर, खिलाड़ियों की जर्सी संख्याएँ केवल पहचान और वर्गीकरण के लिए उपयोग की जाती हैं, जो नाममात्र पैमाने (Nominal Scale) का एक सटीक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

46. (C) तापमान में समान अंतर समान भौतिक अंतरालों का प्रतिनिधित्व करते हैं
सेल्सियस पैमाना अंतराल पैमाने (Interval Scale) का उदाहरण है क्योंकि इसके प्रत्येक डिग्री के बीच का अंतर समान भौतिक ताप परिवर्तन को निरुपित करता है। 0°C का अर्थ तापीय ऊर्जा का पूर्ण अभाव नहीं है, क्योंकि इसमें निरपेक्ष शून्य बिंदु का अभाव होता है; अतः यह केवल एक स्वेच्छाचारी (Arbitrary) शून्य बिंदु है।

47. (D) अंतराल (Interval)
मानकीकृत परीक्षण अंक, जैसे बुद्धि लब्धि अंक (IQ Scores), शैक्षिक मापन में अंतराल पैमाने (Interval Scale) के अंतर्गत आते हैं। इस पैमाने पर अंकों के बीच समान दूरी तो पाई जाती है, परंतु वास्तविक निरपेक्ष शून्य (True Zero) का अभाव होता है। शून्य अंक का अर्थ क्षमता का पूर्ण अभाव नहीं माना जा सकता।

48. (C) आवृतियों की गणना (Counting Frequencies)
नाममात्र डेटा (Nominal Data) केवल भिन्न श्रेणियों और पहचान चिह्नों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें संख्यात्मक परिमाण न होने के कारण जोड़, घटाव या माध्य निकालने जैसी गणितीय क्रियाएँ संभव नहीं हैं। इस पैमाने पर की जाने वाली एकमात्र अनुमेय गणितीय और सांख्यिकीय प्रक्रिया प्रत्येक श्रेणी में आवृतियों की गणना करना (Counting Frequencies) है।

49. (B) क्रमसूचक (Ordinal)
लिकर्ट स्केल (Likert Scale) पर प्राप्त डेटा उत्तरदाताओं की प्राथमिकताओं और मनोवृत्ति के क्रमिक स्तरों को प्रदर्शित करता है। यद्यपि विकल्पों में स्पष्ट क्रम होता है, किंतु प्रतिक्रिया विकल्पों के बीच का अंतर गणितीय रूप से समान नहीं होता। इसीलिए अधिकांश सांख्यिकीविद इस डेटा को सख्ती से क्रमसूचक (Ordinal Data) मानते हैं।

50. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
शैक्षिक मापन परीक्षण अंतराल पैमाने (Interval Scale) पर कार्य करते हैं, जहाँ वास्तविक निरपेक्ष शून्य बिंदु (True Absolute Zero) अनुपस्थित होता है। गणित परीक्षा में 0 अंक पाने का अर्थ यह नहीं है कि छात्र में गणितीय क्षमता पूरी तरह शून्य है। अतः कारण पूरी तरह सत्य है और यह अभिकथन की वैज्ञानिक व्याख्या करता है।

51. (B) प्रश्नावली (Questionnaire)
प्रश्नावली (Questionnaire) शैक्षिक और सामाजिक अनुसंधान में दूरस्थ या व्यापक भौगोलिक क्षेत्रों में फैले उत्तरदाताओं से डेटा एकत्र करने का एक प्रमुख उपकरण है। इसमें पूर्व-निर्धारित प्रश्नों की एक संरचित सूची होती है, जिसे व्यक्तियों को स्वयं भरकर वापस लौटाने हेतु भेजा जाता है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है।

52. (D) यह उत्तरदाताओं को सूक्ष्म या विस्तृत उत्तर देने से रोकता है
बंद-अंत प्रश्नावली (Closed-Ended Questionnaire) का प्रमुख लाभ इसका सरल सांख्यिकीय विश्लेषण और उच्च वस्तुनिष्ठता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह उत्तरदाताओं को दिए गए विकल्पों तक ही सीमित रखती है, जिससे वे अपनी भावनाओं, विचारों और सूक्ष्म दृष्टिकोणों को विस्तार से व्यक्त करने से वंचित रह जाते हैं।

53. (B) उस सीमा को मापना जिस तक छात्र नेतृत्व गुण प्रदर्शित करता है
निर्धारण मापनी या रेटिंग स्केल (Rating Scale) का उपयोग उन गुणात्मक व्यवहारों, मनोवृत्तियों और कौशलों के मापन हेतु किया जाता है जो केवल उपस्थिति/अनुपस्थिति तक सीमित न होकर विभिन्न मात्रात्मक स्तरों पर विद्यमान होते हैं। नेतृत्व गुणों जैसी जटिल अंतर्वैयक्तिक विशेषताओं की तीव्रता और सीमा मापने के लिए यह उपकरण सर्वाधिक उपयुक्त है।

54. (D) निर्धारण मापनी / रेटिंग स्केल (Rating Scales)
हेलो प्रभाव (Halo Effect) निर्धारण मापनी या रेटिंग स्केल (Rating Scales) में पाया जाने वाला एक प्रमुख मूल्यांकनात्मक पूर्वाग्रह है। इसमें मूल्यांकनकर्ता किसी व्यक्ति की एक प्रमुख सकारात्मक या नकारात्मक विशेषता से प्रभावित होकर उसकी अन्य सभी पृथक विशेषताओं और व्यवहारों का उसी सामान्य छाप के आधार पर अनुचित मूल्यांकन कर देता है।

55. (C) I और III
जांच-सूची या चेकलिस्ट (Checklist) एक ऐसा मापन उपकरण है जो केवल किसी विशिष्ट गुण या व्यवहार की उपस्थिति (Yes) या अनुपस्थिति (No) को दर्ज करता है। यह गुण की तीव्रता या मात्रा नहीं मापता। प्रयोगशाला परीक्षाओं में प्रक्रियात्मक चरणों के निष्पादन की जाँच हेतु यह अत्यंत उपयोगी साधन है। अतः I और III सही हैं।

56. (D) छात्रों द्वारा हाथ उठाने की आवृत्तियों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करता हुआ शिक्षक
अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule) एक ऐसा संरचित उपकरण है जिसका उपयोग कक्षा में शिक्षार्थियों के विशिष्ट लक्षित व्यवहारों की आवृत्ति, अवधि और संदर्भ को प्रत्यक्ष रुप से रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है। छात्र द्वारा प्रश्न पूछने के लिए हाथ उठाने की संख्या को गिनना इसका एक सटीक प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत करता है।

81. (B) यादृच्छिक त्रुटियां (Random Errors)
शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक मापन में जो त्रुटियाँ संयोगवश उत्पन्न होती हैं तथा जिनकी दिशा और परिमाण अप्रत्याशित रूप से बदलते रहते हैं, उन्हें यादृच्छिक त्रुटियाँ (Random Errors) कहा जाता है। ये त्रुटियाँ छात्र की थकान, ध्यान में भटकाव या अनुमान लगाने जैसे क्षणिक कारकों से उत्पन्न होती हैं और परीक्षण की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं।

82. (D) एक क्लीनिक स्केल जो हर रीडिंग में लगातार दो किलोग्राम जोड़ता है
व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error) वह त्रुटि है जो मापन की दिशा और परिमाण में हमेशा स्थिर और एकसमान रूप से बनी रहती है। हर रीडिंग में लगातार दो किलोग्राम जोड़ने वाला स्केल इसका सटीक उदाहरण है। यह त्रुटि मापन के औसत को विस्थापित कर देती है और सीधे तौर पर वैधता को प्रभावित करती है।

83. (B) वैधता (Validity)
व्यवस्थित त्रुटियाँ (Systematic Errors) मापन में एक निरंतर पूर्वाग्रह (Constant Bias) पैदा करती हैं, जिसके कारण परीक्षण उस वास्तविक गुण का मापन नहीं कर पाता जिसे मापने का वह दावा करता है। यद्यपि इससे प्राप्तांकों की संगति बनी रह सकती है, किंतु यह सीधे तौर पर परीक्षण की वैधता (Validity) को गंभीर रूप से खतरे में डालती है।

84. (A) विश्वसनीयता (Reliability)
यादृच्छिक त्रुटियाँ (Random Errors) अप्रत्याशित और असंगत कारक होती हैं जो मापन के प्राप्तांकों में अस्थिरता उत्पन्न करती हैं। चूँकि विश्वसनीयता प्राप्तांकों की संगति और स्थिरता पर आधारित होती है, इसलिए यादृच्छिक त्रुटियाँ सीधे तौर पर मापन उपकरण की विश्वसनीयता (Reliability) को कम कर देती हैं और मापन की मानक त्रुटि को बढ़ा देती हैं।

85. (A) व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error) के कारण उच्च विश्वसनीयता लेकिन कम वैधता
स्टॉपवॉच द्वारा प्रत्येक माप में लगातार 2 सेकंड कम रिकॉर्ड किया जाना एक व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error) को निरूपित करता है। चूँकि यह मापन त्रुटि हर बार समान रूप से दोहराई जाती है, प्राप्तांकों की आंतरिक सुसंगतता या विश्वसनीयता तो बनी रहेगी, किंतु वास्तविक पठन समय का सटीक मापन न होने से वैधता घट जाएगी।

86. (C) सामुदायिक भागीदारी को दबाना
शैक्षिक मापन का उपयोग विद्यार्थियों की अधिगम कठिनाइयों के नैदानिक पहचान, भावी शैक्षणिक सफलता का अनुमान लगाने तथा नवीन शिक्षण विधियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने हेतु किया जाता है। सामुदायिक भागीदारी को दबाना शैक्षिक मापन का अनुप्रयोग नहीं है, क्योंकि शिक्षा का लक्ष्य समुदाय के सहयोग एवं सहभागिता को निरंतर बढ़ाना होता है।

87. (A) कौन सा कक्षा स्तर या संकाय छात्र के लिए उपयुक्त है
स्थानन उद्देश्यों (Placement Purposes) के लिए मापन डेटा का उपयोग यह निर्धारित करने हेतु किया जाता है कि किसी छात्र को उसकी वर्तमान योग्यताओं और पूर्व-ज्ञान के आधार पर किस विशिष्ट कक्षा स्तर, शैक्षणिक संकाय या शिक्षण समूह में रखा जाए। इसका मुख्य लक्ष्य शिक्षार्थी को उसके अनुकूल अधिगम वातावरण में स्थापित करना है।

88. (C) शिक्षण को मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करने के लिए
रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) का मुख्य कार्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर मापन करना है। इसका प्राथमिक उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों दोनों को तत्काल सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करना है, ताकि शिक्षण रणनीतियों को अनुकूलित किया जा सके और छात्रों की अधिगम त्रुटियों का ससमय निवारण करके सीखने में सुधार लाया जा सके।

89. (C) निर्धारण मापनी (Rating Scales) और स्व-रिपोर्ट सूचियां (Self-Report Inventories)
भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain) के अंतर्गत छात्र की मनोवृत्तियाँ, मूल्य, रुचियाँ और संवेग शामिल होते हैं। इन गैर-संज्ञानात्मक चरों का मापन पारंपरिक उपलब्धि परीक्षणों से संभव नहीं है। इनके मूल्यांकन हेतु निर्धारण मापनी (Rating Scales), लिकर्ट स्केल और स्व-रिपोर्ट सूचियों (Self-Report Inventories) का उपयोग सर्वाधिक प्रभावी एवं प्रामाणिक माना जाता है।

90. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
प्रारंभिक बचपन शिक्षा में छोटे बच्चों के पास औपचारिक कागज-और-पेंसिल परीक्षणों हेतु आवश्यक साक्षरता और लेखन कौशल विकसित नहीं होते हैं। इसलिए उनके विकास और अधिगम का मूल्यांकन करने हेतु अवलोकन तथा साक्षात्कार जैसे गुणात्मक उपकरण ही अपरिहार्य साधन बनते हैं। अतः कारण पूरी तरह सत्य है और अभिकथन की व्याख्या करता है।

91. (B) वास्तविक अंक + मापन त्रुटि (True Score + Measurement Error)
शास्त्रीय परीक्षण सिद्धांत (Classical Test Theory - CTT) का मूलभूत समीकरण यह स्थापित करता है कि किसी व्यक्ति का प्रेक्षित प्राप्तांक (X) उसके अदर्शनीय वास्तविक अंक (T) और यादृच्छिक मापन त्रुटि (E) का योगफल होता है ($X = T + E$)। इस प्रकार प्रेक्षित अंक वास्तविक अंक और मापन त्रुटि का योग होता है।

92. (B) वह अंक अंतराल जिसमें वास्तविक अंक होने की संभावना है
मापन की मानक त्रुटि (Standard Error of Measurement - SEM) एक सांख्यिकीय सूचकांक है जो यह अनुमान लगाने में मदद करता है कि किसी छात्र का वास्तविक अंक (True Score) उसके प्रेक्षित अंक के आसपास किस अंक अंतराल

Downloaded from www.pdf.tube

कि एक व्यक्तिगत छात्र का कच्चा प्राप्तांक अपने साथियों के तुलनात्मक समूह में कहाँ स्थान रखता है।

69. (D) अनुत्तीर्ण छात्रों को पास करने के लिए अंकों का तदर्थ (Ad-hoc) समायोजन
मापन उपकरण के मानकीकरण में परीक्षण की योजना बनाना, प्रारंभिक परीक्षण (Try-out), प्रश्न विश्लेषण, और विश्वसनीयता व वैधता स्थापित करके मैनुअल तैयार करना शामिल है। अनुत्तीर्ण छात्रों को पास करने के लिए तदर्थ (Ad-hoc) अंक समायोजित करना एक अमान्य और गैर-वैज्ञानिक अभ्यास है, जो मानकीकरण प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हो सकता।

70. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
प्रश्न विश्लेषण (Item Analysis) मानकीकरण प्रक्रिया का अत्यंत महत्त्वपूर्ण चरण है। इसके माध्यम से प्रत्येक प्रश्न का कठिनाई सूचकांक और विभेदन क्षमता मापी जाती है, जिससे बहुत आसान, अत्यधिक कठिन या विभेदन में विफल रहने वाले निष्प्रभावी प्रश्नों को संशोधित या समाप्त किया जा सके। अतः कारण अभिकथन की सटीक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

71. (A) उन छात्रों का प्रतिशत (Percentage) जिन्होंने प्रश्न का सही उत्तर दिया
किसी परीक्षण प्रश्न का कठिनाई सूचकांक या सुविधा मान (Difficulty Index / Facility Value) यह दर्शाता है कि कुल परीक्षण देने वाले शिक्षार्थियों में से कितने प्रतिशत (Percentage) छात्रों ने उस विशिष्ट प्रश्न का सही उत्तर दिया है। यह मान 0.00 से 1.00 के मध्य होता है, जहाँ उच्च मान आसान प्रश्न को सूचित करता है।

72. (B) 0.80
प्रश्न के कठिनाई सूचकांक (P) की गणना सही उत्तर देने वाले छात्रों की संख्या को कुल छात्रों की संख्या से विभाजित करके की जाती है। यहाँ 80 छात्रों ने सही उत्तर दिया और कुल छात्र 100 हैं। अतः कठिनाई सूचकांक P = 80 / 100 = 0.80 प्राप्त होता है, जो प्रश्न को काफी सरल दर्शाता है।

73. (B) बहुत आसान (Very Easy)
जब किसी परीक्षण प्रश्न का कठिनाई सूचकांक P = 0.95 होता है, तो इसका तात्पर्य यह है कि 95% शिक्षार्थियों ने उस प्रश्न का बिल्कुल सही उत्तर दिया है। मापन सिद्धांतों के अनुसार, ऐसा उच्च सुविधा मान रखने वाला प्रश्न बहुत आसान (Very Easy) श्रेणी में माना जाता है और इसमें विभेदन क्षमता बहुत कम होती है।

74. (B) 0.40 से 0.60
मानक-संदर्भित मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों (Norm-Referenced Tests) में बहुविकल्पी प्रश्नों के लिए आदर्श कठिनाई सूचकांक सामान्यतः 0.40 से 0.60 (लगभग 0.50) के मध्य माना जाता है। यह सीमा परीक्षण की विभेदन क्षमता को अधिकतम करती है और छात्रों के प्राप्तांकों में एक सामान्य वितरण वक्र (Normal Curve) प्राप्त करने में सहायता करती है।

75. (B) I और III
विभेदन क्षमता सूचकांक (Discrimination Index) यह मापता है कि कोई प्रश्न उच्च और निम्न अंक प्राप्तकर्ताओं में कितना विभेद करता है। इसका मान -1.00 से +1.00 के बीच होता है। ऋणात्मक मान दर्शाता है कि निम्न समूह ने इसे उच्च समूह से अधिक सही किया है। अतः कथन I और III सही हैं, जबकि II गलत है।

76. (B) $D = \frac{R_U - R_L}{N/2}$
विभेदन सूचकांक (D) की गणना का मानक सूत्र $D = \frac{R_U - R_L}{N/2}$ है, जहाँ R_U उच्च समूह में सही उत्तर देने वालों की संख्या है, R_L निम्न समूह में सही उत्तर देने वालों की संख्या है, और $\frac{N}{2}$ किसी एक समूह के छात्रों की कुल संख्या को प्रदर्शित करता है। यह मान प्रश्न की विभेदन शक्ति को दर्शाता है।

NODIA

77. (D) इसे अस्वीकार करें (Reject) या इसमें भारी संशोधन करें
ऋणात्मक विभेदन सूचकांक (-0.25) का अर्थ है कि निम्न उपलब्धि वाले छात्रों ने उच्च उपलब्धि वाले छात्रों की तुलना में प्रश्न का सही उत्तर अधिक दिया है। यह स्थिति उत्तर कुंजी की त्रुटि या प्रश्न की भ्रामक संरचना को दर्शाती है। इसलिए ऐसे प्रश्न को परीक्षण से तुरंत अस्वीकार (Reject) या संशोधित करना चाहिए।

78. (B) केली (Kelley)
प्रश्न विश्लेषण (Item Analysis) प्रक्रिया के दौरान विभेदन सूचकांक की गणना के लिए कुल परीक्षणार्थियों के शीर्ष 27% (उच्च समूह) और निचले 27% (निम्न समूह) को चुनने का मापदंड मनोवैज्ञानिक टी.एल. केली (T.L. Kelley) द्वारा वर्ष 1939 में प्रस्तावित किया गया था। यह अनुपात सांख्यिकीय रूप से विभेदन क्षमता को अधिकतम करता है।

79. (D) ऊपरी समूह की तुलना में निचले समूह के अधिक छात्रों को आकर्षित करता है
बहुविकल्पी प्रश्न में विकर्षक (Distractor) का प्राथमिक कार्य उन छात्रों को आकर्षित करना होता है जिन्हें विषय-वस्तु की स्पष्ट महारत नहीं है। एक विकर्षक तभी प्रभावी माना जाता है जब वह उच्च प्राप्तांक वाले ऊपरी समूह की तुलना में कम प्राप्तांक वाले निचले समूह के अधिक छात्रों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

80. (B) मापन वैधता को प्रभावित करने वाली व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error)
जब सही उत्तर के अलावा अन्य सभी विकल्प व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध होते हैं, तो छात्र बिना विषय-वस्तु ज्ञान के भी सही उत्तर पहचान लेते हैं। यह स्थिति मापन में व्यवस्थित त्रुटि (Systematic Error) उत्पन्न करती है, जो सीधे तौर पर परीक्षण की मापन वैधता (Validity) को दूषित करती है और भ्रामक प्राप्तांक प्रदान करती है।

और "उपरोक्त सभी" जैसे विकल्पों का अत्यधिक प्रयोग न करना सर्वोत्तम अभ्यास हैं। सही उत्तर को हमेशा 'C' स्थिति में रखना एक पूर्वाग्रहग्रस्त अभ्यास है जिसे खारिज किया जाता है। अतः I, II और IV सही हैं।

106. (B) छात्र की सकारात्मक सामान्य छाप (Halo Effect) के कारण उच्च अंक देता है
निबंध परीक्षण के मूल्यांकन में "हेलो प्रभाव" (Halo Effect) तब होता है जब परीक्षक छात्र के पिछले उत्कृष्ट प्रदर्शन या सकारात्मक सामान्य छाप से प्रभावित होकर उसके उत्तर में कमियाँ होने के बावजूद उसे अनपेक्षित रुप से उच्च अंक प्रदान कर देता है। यह स्थिति मूल्यांकन में आत्मनिष्ठता और पूर्वाग्रह को बढ़ाती है।

107. (A) किसी संबंधित गुण के कारण किसी व्यक्ति को किसी अन्य गुण पर उच्च रेटिंग देता है
रेटिंग स्केल में "तार्किक त्रुटि" (Logical Error) तब उत्पन्न होती है जब मूल्यांकनकर्ता दो अलग-अलग किंतु तार्किक रुप से संबंधित प्रतीत होने वाले गुणों को एक ही मान लेता है। उदाहरण के लिए, यह मान लेना कि जो छात्र धाराप्रवाह बोलता है, वह अवश्य ही उच्च चिंतन कौशल और लेखन क्षमता रखता होगा।

108. (C) केंद्रीय प्रवृत्ति की त्रुटि (Error of Central Tendency)
जब मूल्यांकनकर्ता रेटिंग स्केल पर व्यक्तियों को अत्यधिक उच्च या अत्यधिक निम्न चरम अंक प्रदान करने से हिचकिचाते हैं और लगभग सभी व्यक्तियों को पैमाने के मध्य भाग अथवा औसत श्रेणी में आंकने की प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं, तो इस मूल्यांकनात्मक पूर्वाग्रह को "केंद्रीय प्रवृत्ति की त्रुटि" (Error of Central Tendency) कहा जाता है।

109. (A) उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के दौरान छात्रों की पहचान (नाम) छिपाना
निबंध उत्तरों के मूल्यांकन में आत्मनिष्ठता (Subjectivity) और परीक्षक के व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को कम करने हेतु उत्तर पुस्तिकाओं से छात्रों के नाम व रोल नंबर छिपा दिए जाते हैं (अज्ञात अंकन)। यह प्रक्रिया परीक्षक को छात्र की सामाजिक पृष्ठभूमि या पूर्व प्रदर्शन से प्रभावित हुए बिना केवल उत्तर सामग्री का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने देती है।

110. (C) A सही है लेकिन R गलत है
रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) का प्राथमिक स्वरुप नैदानिक होता है, जिसका उद्देश्य सीखने में सुधार करना है, ग्रेड देना नहीं। इसके परिणामों को अंतिम योगात्मक ग्रेड में नहीं जोड़ा जाता ताकि छात्र बिना किसी डर के सीख सकें। अतः अभिकथन (A) सही है, किंतु कारण (R) पूरी तरह से गलत कथन है।

111. (C) योगात्मक आकलन (Summative Assessment)
शिक्षण इकाई या शैक्षणिक सत्र के अंत में पूर्व-निर्धारित मानकों के संदर्भ में छात्र के अधिगम और समग्र उपलब्धि का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया को योगात्मक आकलन (Summative Assessment) कहा जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को ग्रेड प्रदान करना, प्रमाणीकरण करना और उनकी अंतिम उपलब्धि स्तर का आधिकारिक न्याय करना होता है।

112. (C) इप्सेटिव / स्व-संदर्भित आकलन (Ipsative Assessment)
इप्सेटिव या स्व-संदर्भित आकलन (Ipsative Assessment) एक ऐसा मूल्यांकन मॉडल है जिसमें किसी छात्र के वर्तमान प्रदर्शन की तुलना अन्य सहपाठियों या बाहरी मानकों से न करके केवल उसके अपने पिछले निष्पादन के साथ की जाती है। यह दृष्टिकोण छात्र की व्यक्तिगत वृद्धि और आत्म-सुधार को मापने पर विशेष बल देता है।

113. (B) निकष-संदर्भित मापन (Criterion-Referenced Measurement)
जब किसी मापन प्रक्रिया में सफलता का निर्धारण किसी पूर्व-निर्धारित बाहरी मानक या निकष (जैसे 95% सटीकता से 40 शब्द/मिनट) के आधार पर किया जाता है, तो उसे निकष-संदर्भित मापन (Criterion-Referenced Measurement) कहते हैं। इसमें छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन सहपाठियों के निष्पादन से स्वतंत्र होकर केवल मानक की प्राप्ति पर निर्भर करता है।

114. (B) मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation)
जब किसी प्रतियोगी परीक्षा में छात्रों को उनके प्राप्तांकों के आधार पर एक-दूसरे की तुलना में रैंक या प्रतिशतक प्रदान किया जाता है और शीर्ष निष्पादनकर्ताओं का चयन होता है, तो यह मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation) कहलाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों के बीच तुलना करके उनकी सापेक्ष स्थिति निर्धारित करना है।

115. (A) I और II
मानक-संदर्भित परीक्षण (NRT) छात्रों के बीच सापेक्ष तुलना और विभेदन को अधिकतम करने पर केंद्रित होते हैं, जबकि निकष-संदर्भित परीक्षण (CRT) विशिष्ट पाठ्यक्रम कौशलों की महारत मापने हेतु बनाए जाते हैं। NRT के लिए प्रतिशतक निर्धारित होते हैं, CRT के लिए नहीं। अतः प्रथम और द्वितीय कथन पूरी तरह से सही हैं।

116. (C) सीखने के अंतराल और गलत अवधारणाओं (Learning Gaps and Misconceptions) की पहचान करना
नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) सामान्य उपलब्धि परीक्षणों से इस अर्थ में भिन्न है कि इसका प्राथमिक उद्देश्य केवल प्राप्तांक या ग्रेड देना नहीं है, बल्कि शिक्षार्थी की विशिष्ट अधिगम कठिनाइयों, सीखने के अंतरालों (Learning Gaps) और भ्रामक अवधारणाओं के मूल कारणों की सटीक पहचान करना है ताकि उपचारात्मक शिक्षण दिया जा सके।

117. (C) विशिष्ट कौशलों से जुड़े विस्तृत उप-अंक (Detailed Sub-Scores)
एक प्रभावी नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) की मुख्य विशेषता यह है कि यह केवल एक समग्र प्राप्तांक प्रदान

Click Here to Buy book on Flipkart

(Confidence Interval) में स्थित होने की संभावना है। यह मापन में मौजूद अनिश्चितता की मात्रा को दर्शाती है।

93. (B) छोटी
मापन की मानक त्रुटि (SEM) का परीक्षण की विश्वसनीयता गुणांक (r_{tt}) के साथ व्युत्क्रमानुपाती संबंध होता है ($SEM = SD\sqrt{1 - r_{tt}}$)।
यदि कोई परीक्षण अत्यधिक विश्वसनीय होता है, तो उसमें यादृच्छिक मापन त्रुटि न्यूनतम होती है, जिसके परिणामस्वरुप मापन की मानक त्रुटि का मान काफी छोटा प्राप्त होता है।

94. (A) विषय-वस्तु क्षेत्रों के साथ शिक्षण उद्देश्य (Instructional Objectives)
ब्लूप्रिंट या विशिष्टता सारणी (Table of Specifications) एक दो-तरफा ग्रिड तालिका होती है जो पाठ्यक्रम के विषय-वस्तु क्षेत्रों को संज्ञानात्मक स्तर के शिक्षण उद्देश्यों (Instructional Objectives) के साथ सुसंगत रूप से मिलाती है। यह तालिका परीक्षण पत्र में प्रत्येक विषय और उद्देश्य के आनुपातिक भारांक एवं प्रश्नों की संख्या निर्धारित करती है।

95. (A) I और II
विशिष्टता सारणी (Table of Specifications) यह सुनिश्चित करती है कि परीक्षण पाठ्यक्रम की सभी विषय-वस्तुओं और शिक्षण उद्देश्यों को आनुपातिक भारांक प्रदान करे, जिससे उच्च विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) प्राप्त होती है। हालाँकि, यह परीक्षण की उच्च विश्वसनीयता की पूर्ण गारंटी नहीं देती। अतः केवल पहला और दूसरा कथन सही हैं।

96. (C) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity)
ब्लूप्रिंट के बिना परीक्षण निर्माण करने से कुछ अध्यायों का अत्यधिक समावेशन या उपेक्षा हो सकती है, जिससे परीक्षण असंतुलित हो जाता है। ब्लूप्रिंट यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण पत्र में संपूर्ण निर्धारित पाठ्यक्रम और शिक्षण उद्देश्यों का प्रतिनिधि नमूना शामिल हो, जो सीधे तौर पर विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) को मजबूत करता है।

97. (B) शिक्षण उद्देश्यों (Instructional Objectives) को
ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) के अनुसार ज्ञान, समझ और अनुप्रयोग संज्ञानात्मक क्षेत्र के प्रमुख शिक्षण उद्देश्य (Instructional Objectives) हैं। विशिष्टता सारणी में इन्हें दिया गया प्रतिशत भारांक यह दर्शाता है कि परीक्षण पत्र में इन विशिष्ट बौद्धिक क्षमताओं के मूल्यांकन हेतु कितने प्रतिशत अंक या प्रश्न आवंटित किए गए हैं।

98. (B) सत्य/असत्य (True / False - Alternate Response)
सत्य/असत्य (True/False) प्रकार के प्रश्नों में केवल दो विकल्प उपलब्ध होते हैं। इस संरचना के कारण शिक्षार्थियों के पास यादृच्छिक अनुमान लगाने (Guessing) की 50% संभावना होती है, जो अन्य सभी प्रश्न प्रारूपों की तुलना में सर्वाधिक है। इसलिए यह प्रारूप अनुमान लगाने की त्रुटि के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील माना जाता है।

99. (A) S = R - W
सत्य/असत्य परीक्षण में विकल्पों की संख्या $n = 2$ होती है। मानक अनुमान संशोधन सूत्र $S = R - \frac{W}{n-1}$ में $n = 2$ रखने पर सूत्र $S = R - W$ प्राप्त होता है, जहाँ S संशोधित प्राप्तांक, R सही उत्तरों की संख्या तथा W गलत उत्तरों की संख्या है। यह सूत्र तुक्केबाजी के प्रभाव को निष्प्रभावी करता है।

100. (B) 30
चार विकल्पों वाले परीक्षण हेतु $n = 4$ है। छात्र के सही उत्तर $R = 35$ तथा गलत उत्तर $W = 15$ हैं। अनुमान संशोधन सूत्र $S = R - \frac{W}{n-1}$ का उपयोग करने पर $S = 35 - \frac{15}{4-1} = 35 - \frac{15}{3} = 35 - 5 = 30$ प्राप्त होता है। अतः छात्र का संशोधित प्राप्तांक 30 है।

NODIA

101. (B) विश्वसनीयता और विषय-वस्तु का व्यापक समावेश (Content Sampling)
वस्तुनिष्ठ-प्रकार के परीक्षणों में प्रश्नों की संख्या अधिक होने के कारण वे संपूर्ण निर्धारित पाठ्यक्रम का व्यापक समावेशन (Content Sampling) करते हैं। इसके अतिरिक्त, निश्चित उत्तर कुंजी होने के कारण इनमें उच्च परीक्षक वस्तुनिष्ठता और प्राप्तांक विश्वसनीयता पाई जाती है, जो इन्हें निबंध-प्रकार के परीक्षणों की तुलना में अत्यधिक श्रेष्ठ बनाती है।

102. (C) वे रचनात्मकता या मौलिक सोच को नहीं माप सकते
वस्तुनिष्ठ-प्रकार प्रश्नों की एक प्रमुख सीमा यह है कि इनमें उत्तर पूर्व-निर्धारित विकल्पों तक सीमित होते हैं। इसके कारण ये परीक्षण छात्र की रचनात्मकता, मौलिक सोच, विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा उच्च-स्तरीय संश्लेषण कौशलों का मापन करने में असमर्थ रहते हैं, क्योंकि शिक्षार्थी को केवल सही विकल्प का चयन करना होता है।

103. (C) प्रारंभिक प्रश्न कथन या मुख्य प्रश्न (Initial Prompt / Question Statement) को
बहुविकल्पी प्रश्न में 'मुख्य प्रश्न' (Stem) उस प्रारंभिक प्रश्न, कथन या समस्या-स्थिति को संदर्भित करता है जो छात्र के समक्ष प्रस्तुत की जाती है। यह कथन ही समस्या को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है, जिसके आधार पर शिक्षार्थी को नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर या उत्तर विकल्प का चयन करना होता है।

104. (B) वे छात्रों की सामान्य त्रुटियों या गलत धारणाओं को प्रतिबिंबित करते हों
बहुविकल्पी प्रश्नों में विकर्षक (Distractors) गलत विकल्प होते हैं। एक कुशल परीक्षण डेवलपर को विकर्षक इस प्रकार तैयार करने चाहिए कि वे छात्रों की आम भ्रांतियों, सामान्य गणितीय त्रुटियों और गलत धारणाओं को प्रतिबिंबित करें, ताकि केवल वही छात्र सही उत्तर चुन सकें जिन्होंने विषय-वस्तु पर वास्तविक महारत हासिल की है।

105. (B) I, II, और IV
अच्छे बहुविकल्पी प्रश्नों के निर्माण में मुख्य प्रश्न में नकारात्मकता से बचना, विकल्पों की व्याकरणिक सुसंगतता बनाए रखना

विभिन्न परीक्षणों या विषयों में छात्र के निष्पादन की प्रत्यक्ष और वैज्ञानिक तुलना संभव हो पाती है।

130. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
जेड-स्कोर कच्चे प्राप्तांकों को एक मानकीकृत पैमाने में बदलते हैं जिसका माध्य हमेशा 0 और मानक विचलन 1 होता है। इस रूपांतरण के कारण विभिन्न विषय परीक्षणों के प्राप्तांकों की एक-दूसरे से सीधे निष्पक्ष तुलना की जा सकती है। अतः कारण (R) पूरी तरह सही है और यह अभिकथन (A) की सटीक व्याख्या करता है।

131. (A) $Z = \frac{X-M}{SD}$
जेड-स्कोर (Z) की गणना का मानक सूत्र $Z = \frac{X-M}{SD}$ है, जहाँ X छात्र का कच्चा प्राप्तांक है, M वितरण का गणितीय माध्य (Mean) है, और SD मानक विचलन (Standard Deviation) है। यह सूत्र दर्शाता है कि कोई प्राप्तांक माध्य से कितने मानक विचलन दूरी पर स्थित है।

132. (B) 50 का माध्य और 10 का SD
टी-स्कोर (T-Score) एक रूपांतरित मानक अंक पैमाना है जिसे जेड-स्कोर में आने वाले ऋणात्मक मानों और दशमलव वाली जटिलताओं को समाप्त करने हेतु बनाया गया है। टी-स्कोर वितरण का पूर्व-परिभाषित गणितीय माध्य (Mean) हमेशा 50 और मानक विचलन (Standard Deviation) हमेशा 10 निर्धारित रहता है ($T = 50 + 10Z$)।

133. (C) 65
टी-स्कोर की गणना का रूपांतरण सूत्र $T = 50 + 10(Z)$ होता है। यदि छात्र का जेड-स्कोर $Z = +1.5$ है, तो सूत्र में मान रखने पर $T = 50 + 10(1.5) = 50 + 15 = 65$ प्राप्त होता है। अतः $+1.5$ जेड-स्कोर के संगत टी-स्कोर 65 होगा।

134. (B) 9 व्यापक बैंड (Broad Bands)
स्टेनाइन अंक (Stanine Scores - Standard Nine) एक मानक अंक प्रणाली है जो सामान्य वितरण वक्र (Normal Distribution) को 1 से 9 तक के नौ व्यापक बैंडों (Nine Broad Bands) में विभाजित करती है। इस पैमाने का माध्य 5 और मानक विचलन 2 होता है, जिसका उपयोग सरल श्रेणीबद्ध तुलना हेतु होता है।

135. (B) केवल I
आयु मानक (Age Norms) किसी शिक्षार्थी के कच्चे प्राप्तांक की तुलना उसी विशिष्ट कालानुक्रमिक आयु वाले सामान्य बच्चों के औसत निष्पादन के साथ करते हैं। इन मानकों का उपयोग मुख्य रूप से मानसिक आयु और विकासात्मक परीक्षणों की व्याख्या में किया जाता है। अतः केवल पहला विकल्प (I) इस विशिष्ट संदर्भ को निरूपित करता है।

136. (B) समान जनसंख्या पर मानकीकृत परीक्षणों का एक सेट (Test Battery)
परीक्षण बैटरी (Test Battery) का तात्पर्य एक ही प्रतिनिधि जनसंख्या पर मानकीकृत किए गए कई अलग-अलग परीक्षणों के एक समन्वित समूह से होता है। इसका उपयोग किसी व्यक्ति के विभिन्न मनोवैज्ञानिक या शैक्षणिक पहलुओं (जैसे अभिक्षमता, बुद्धि और उपलब्धि) का एक साथ समग्र मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

137. (D) प्रश्न अंत की ओर उत्तरोत्तर कठिन होते जाते हैं
गति परीक्षण (Speed Test) की मुख्य विशेषता यह है कि इसके सभी प्रश्न समान रूप से सरल होते हैं और अत्यंत कठोर समय सीमा लागू होती है। प्रश्नों का अंत की ओर कठिन होना 'शक्ति परीक्षण' (Power Test) का लक्षण है, गति परीक्षण का नहीं। अतः यह कथन गति परीक्षण की विशेषता नहीं है।

138. (C) पर्याप्त समय दिए जाने पर महारत हासिल की गई अधिकतम प्रश्न कठिनाई (Maximum Item Difficulty Mastered)
शक्ति परीक्षण (Power Test) का उद्देश्य यह मापना होता है कि शिक्षार्थी के पास ज्ञान या क्षमता की कितनी गहराई है। इसमें प्रश्नों का कठिनाई स्तर उत्तरोत्तर बढ़ता जाता है और पर्याप्त समय दिया जाता है, ताकि छात्र बिना समय के दबाव के अपनी अधिकतम कठिनाई सीमा (Maximum Item Difficulty Mastered) प्रदर्शित कर सके।

NODIA

139. (C) गति और शक्ति का एक संयोजन (Speed and Power)
विद्यालयों में उपयोग किए जाने वाले अधिकांश मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण (Standardized Achievement Tests) विशुद्ध रूप से केवल गति या केवल शक्ति परीक्षण न होकर दोनों का एक व्यावहारिक संयोजन (Speed and Power) होते हैं। इनमें विभिन्न कठिनाई स्तरों के प्रश्न होते हैं और उन्हें हल करने हेतु एक निश्चित व्यावहारिक समय सीमा दी जाती है।

140. (C) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity)
यदि किसी मानकीकृत परीक्षण में ऐसे प्रश्न शामिल किए जाते हैं जो निर्धारित पाठ्यक्रम (Syllabus) में पढ़ाए ही नहीं गए थे, तो वह परीक्षण उस पाठ्यक्रम का निष्पक्ष प्रतिनिधित्व करने में विफल रहता है। यह स्थिति परीक्षण की विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) को गंभीर रूप से दूषित करती है, जिससे परिणाम अमान्य हो जाते हैं।

141. (B) शिक्षण और अधिगम विधियों पर परीक्षण का प्रभाव
शैक्षिक मापन में "वाशबैक प्रभाव" या "बैकवाश प्रभाव" (Washback Effect) उस प्रभाव को संदर्भित करता है जो किसी परीक्षा का स्वरूप और संरचना कक्षा में शिक्षकों के पढ़ाने के तरीकों और छात्रों के सीखने की शैलियों पर डालती है। यह प्रभाव धनात्मक (सुधारात्मक) या ऋणात्मक (केवल परीक्षा-उन्मुख) दोनों हो सकता है।

142. (B) प्रश्न पूर्वाग्रह या विभेदक प्रश्न कार्यप्रणाली (Differential Item Functioning - DIF) से
जब समान समग्र क्षमता रखने वाले दो अलग-अलग जनसांख्यिकीय समूहों (जैसे पुरुष और महिला छात्र) के परीक्षार्थी किसी विशिष्ट प्रश्न पर असंगत रूप से भिन्न निष्पादन करते हैं, तो वह प्रश्न विभेदक प्रश्न कार्यप्रणाली (DIF) या प्रश्न

166. (B) भविष्य के प्रशिक्षण के साथ विशिष्ट कौशल हासिल करने की क्षमता (Potential)
अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) का प्राथमिक उद्देश्य व्यक्ति की वर्तमान उपलब्धि को मापना नहीं, बल्कि उपयुक्त अवसर और प्रशिक्षण मिलने पर किसी विशिष्ट कौशल, ज्ञान या व्यवसाय को सीखने की उसकी भावी क्षमता (Potential) की भविष्यवाणी करना है। यह भविष्य की सफलता की संभावना को मापने का एक वैज्ञानिक साधन है।

167. (B) प्राथमिकताओं या विशिष्ट व्यवहारों को दर्शाने वाला एक स्व-रिपोर्ट उपकरण (Self-Report Tool)
एक अनुसूची या तालिका (Inventory), जैसे रुचि या व्यक्तित्व अनुसूची, एक स्व-रिपोर्ट उपकरण (Self-Report Tool) होती है। इसमें व्यक्ति स्वयं अपने व्यवहारों, प्राथमिकताओं, मनोवृत्तियों और भावनाओं से संबंधित कथनों पर प्रतिक्रिया देता है। इसमें उत्तर सही या गलत में न होकर व्यक्ति की आत्म-धारणा और प्राथमिकताओं को निरूपित करते हैं।

168. (B) विषय/छात्र व्यवहार बदलते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि उनका अवलोकन किया जा रहा है
मापन में "होथॉर्न प्रभाव" (Hawthorne Effect) एक मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियात्मक त्रुटि है। यह तब घटित होती है जब शोध या मूल्यांकन का हिस्सा बने शिक्षार्थी या व्यक्ति अपने स्वाभाविक व्यवहार को केवल इसलिए बदल लेते हैं क्योंकि वे इस बात से सचेत होते हैं कि कोई पर्यवेक्षक उनका प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन कर रहा है।

169. (B) अत्यधिक प्रारंभिक अंक पुन: परीक्षण पर माध्य के करीब जाने की प्रवृत्ति रखते हैं
मापन शब्दावली में "माध्य की ओर प्रतिगमन" (Regression to the Mean) एक सांख्यिकीय परिघटना है। इसका तात्पर्य यह है कि यदि किसी छात्र ने पहले परीक्षण में यादृच्छिक त्रुटि या संयोग के कारण अत्यधिक उच्च या अत्यधिक निम्न अंक प्राप्त किए हैं, तो पुनः परीक्षण करने पर उसके प्राप्तांक समूह के औसत माध्य के अधिक निकट आ जाते हैं।

170. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
भौतिक मापन की तुलना में शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक मापन में निरपेक्ष या शत-प्रतिशत सही वैधता प्राप्त करना असंभव होता है। इसका कारण यह है कि शिक्षा में बुद्धिमत्ता और उपलब्धि जैसी अमूर्त संरचनाओं का केवल अप्रत्यक्ष मापन ही संभव है, जो हमेशा यादृच्छिक या व्यवस्थित त्रुटियों से प्रभावित होती हैं। अतः कारण सही व्याख्या है।

171. (B) परीक्षण बहुत आसान होता है, जिससे मुख्य रूप से अधिकतम अंक प्राप्त होते हैं
किसी परीक्षण में "सीलिंग प्रभाव" (Ceiling Effect) तब उत्पन्न होता है जब परीक्षण पत्र लक्षित शिक्षार्थियों के क्षमता स्तर की तुलना में बहुत आसान होता है। इसके परिणामस्वरूप अधिकांश छात्र अधिकतम या पूर्ण अंक प्राप्त कर लेते हैं, जिससे उच्च क्षमता वाले छात्रों के निष्पादन के बीच अंतर कर पाना असंभव हो जाता है।

172. (A) परीक्षण बहुत कठिन होता है, जिससे अंक सबसे निचले स्तर पर जमा हो जाते हैं
किसी परीक्षण में "फ्लोर प्रभाव" (Floor Effect) तब देखा जाता है जब परीक्षण के प्रश्न शिक्षार्थियों के स्तर से अत्यधिक कठिन होते हैं। इसके कारण अधिकांश छात्रों के प्राप्तांक न्यूनतम या शून्य के आसपास सबसे निचले स्तर पर जमा हो जाते हैं, जिससे कम क्षमता वाले छात्रों के बीच विभेदन करना संभव नहीं रह जाता।

173. (B) यह उच्च और बहुत उच्च प्रदर्शन करने वालों के बीच अंतर करने से रोकता है
सीलिंग प्रभाव (Ceiling Effect) का परीक्षण की विभेदन क्षमता पर यह नकारात्मक प्रभाव पड़ता है कि लगभग सभी छात्र उच्चतम प्राप्तांक प्राप्त कर लेते हैं। इसके कारण मापन उपकरण उच्च निष्पादन करने वाले और अत्यधिक उच्च निष्पादन करने वाले प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के बीच सूक्ष्म अंतर करने की अपनी विभेदन शक्ति पूरी तरह से खो देता है।

174. (C) मानक विचलन (Standard Deviation)
मानकीकृत परीक्षण अंकों तथा सामान्य वितरण वक्र का विश्लेषण करते समय गणितीय माध्य (Mean) के साथ विचलन के सबसे विश्वसनीय माप के रूप में मानक विचलन (Standard Deviation) का उपयोग किया जाता है। यह सांख्यिकीय माप यह दर्शाता है कि शिक्षार्थियों के प्राप्तांक माध्य से औसतन कितनी दूरी पर फैले हुए हैं।

175. (A) I और II
मानक विचलन (SD) प्राप्तांकों के बिखराव को मापता है। एक बड़ा SD अंकों का माध्य से अधिक फैलाव दर्शाता है, जबकि एक छोटा SD समूह के निष्पादन में उच्च समरूपता (Homogeneity) को सूचित करता है। चूँकि यह वर्गों का वर्गमूल होता है, SD कभी ऋणात्मक नहीं हो सकता। अतः I और II सही हैं।

176. (C) 68%
एक आदर्श सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) के गणितीय और मनोमितीय गुणों के अनुसार, संपूर्ण प्राप्तांक वितरण का लगभग 68.26% (लगभग 68%) हिस्सा माध्य के दोनों ओर ± 1 मानक विचलन ($\pm 1SD$) के क्षेत्र के भीतर आता है। यह सामान्य वितरण की एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण सांख्यिकीय विशेषता है।

177. (B) अधिकांश छात्रों ने कम अंक प्राप्त किए, जो एक कठिन परीक्षण की ओर इशारा करता है
जब प्राप्तांकों का वितरण धनात्मक रूप से विषम (Positively Skewed) होता है, तो वक्र की पूंछ दाईं ओर (उच्च अंकों की ओर) लंबी होती है। इसका सीधा तात्पर्य यह है कि अधिकांश छात्रों ने कम अंक प्राप्त किए हैं और बहुत कम छात्र उच्च अंक पा सके हैं, जो एक कठिन परीक्षण को दर्शाता है।

178. (B) माध्य < मध्यिका < बहुलक
ऋणात्मक रूप से विषम (ऋणात्मक रूप से विषम) प्राप्तांक वितरण में, वक्र की पूंछ बाईं ओर (निम्न अंकों की ओर) लंबी

Downloaded from www.pdf.tube

154. (C) पूर्व छात्र उत्तरों के आधार पर प्रश्न कठिनाई अनुकूलित (Adapt) होती है
कंप्यूटर एडेप्टिव टेस्टिंग (CAT) की मुख्य विशेषता यह है कि यह परीक्षा के दौरान छात्र के प्रत्येक उत्तर के आधार पर अगले प्रस्तुत होने वाले प्रश्न के कठिनाई स्तर को स्वचालित रूप से अनुकूलित (Adapt) करती है। यदि छात्र सही उत्तर देता है तो कठिन प्रश्न आता है, और गलत उत्तर देने पर सरल प्रश्न प्रस्तुत होता है।

155. (C) I और III
कंप्यूटर एडेप्टिव टेस्टिंग (CAT) परीक्षण को शिक्षार्थी की वास्तविक क्षमता स्तर के अनुकूल बनाती है और अत्यधिक कठिन या बहुत आसान प्रश्नों को हटाकर छात्र की हताशा को कम करती है। इसके माध्यम से एक निश्चित-रूप परीक्षण की तुलना में कम प्रश्नों में ही सटीक मापन संभव होता है। अतः कथन I और III सही हैं।

156. (B) बढ़ेगी
शास्त्रीय परीक्षण सिद्धांत (Classical Test Theory) और स्पियरमैन-ब्राउन भविष्यवाणी सूत्र के अनुसार, जब किसी परीक्षण में उसी प्रकार के समतुल्य और विश्वसनीय प्रश्नों को जोड़कर उसकी लंबाई बढ़ाई जाती है, तो परीक्षण की समग्र विश्वसनीयता (Reliability) सामान्यतः बढ़ती है, क्योंकि इससे मापन में याहच्छिक त्रुटि का प्रभाव कम हो जाता है।

157. (C) पियर्सन गुणन-आघूर्ण सहसंबंध (Pearson Product-Moment Correlation)
अंतराल पैमाने पर मापे गए परीक्षण-पुनर्परीक्षण डेटा से प्राप्त प्राप्तांकों की संगति और विश्वसनीयता ज्ञात करने के लिए पियर्सन गुणन-आघूर्ण सहसंबंध (Pearson Product-Moment Correlation) सूत्र का उपयोग किया जाता है। यह सूत्र दो परीक्षण सत्रों के प्राप्तांकों के बीच रेखीय सहसंबंध की मात्रा का सटीक सांख्यिकीय मापन प्रदान करता है।

158. (B) पूर्ण संगति और मापन त्रुटि की अनुपस्थिति (Perfect Consistency and Absence of Measurement Error)
यदि किसी मापन उपकरण का विश्वसनीयता गुणांक $+1.00$ प्राप्त होता है, तो यह प्राप्तांकों की पूर्ण संगति और स्थिरता को निरूपित करता है। इसका सांख्यिकीय अर्थ यह है कि मापन में याहच्छिक मापन त्रुटि (Measurement Error) की पूरी तरह से अनुपस्थिति है और प्रेक्षित अंक वास्तविक अंक के शत-प्रतिशत बराबर है।

159. (B) नियमित कक्षा उपयोग के लिए स्वीकार्य
शिक्षक-निर्मित (Teacher-Made) कक्षा उपलब्धि परीक्षणों में मानकीकृत व्यावसायिक परीक्षणों की तुलना में थोड़ा अधिक याहच्छिक त्रुटि हो सकती है। मनोमितीय मानकों के अनुसार, किसी शिक्षक-निर्मित कक्षा परीक्षण के लिए 0.75 का विश्वसनीयता गुणांक नियमित कक्षा आकलन और नैदानिक उपयोग हेतु पर्याप्त रूप से उच्च तथा पूरी तरह स्वीकार्य माना जाता है।

160. (B) विषय-वस्तु वैधता (Content Validity)
भौतिकी के परीक्षण में रसायन विज्ञान के प्रश्नों का शामिल होना यह दर्शाता है कि परीक्षण पत्र निर्धारित विषय-क्षेत्र का सही प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा है। छात्र द्वारा किया गया विरोध सीधे तौर पर परीक्षण की विषय-वस्तु वैधता (Content Validity) की कमी को उजागर करता है, क्योंकि परीक्षण अप्रासंगिक विषय सामग्री का मापन कर रहा है।

161. (B) पूर्व-परीक्षण और पश्च-परीक्षण के बीच शिक्षण के प्रति संवेदनशीलता (Sensitivity to Instruction)
एक निकष-संदर्भित परीक्षण (CRT) का प्राथमिक उद्देश्य यह मापना होता है कि छात्रों ने विशिष्ट शिक्षण उद्देश्यों को सीखा है या नहीं। इसलिए इसकी गुणवत्ता का मूल्यांकन विभेदन शक्ति से न होकर शिक्षण के प्रति उसकी संवेदनशीलता (Sensitivity to Instruction) द्वारा किया जाता है, अर्थात पूर्व-परीक्षण और पश्च-परीक्षण के प्राप्तांकों में सार्थक अंतर दिखना चाहिए।

NODIA

162. (B) पढ़ाए गए छात्र न पढ़ाए गए छात्रों की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन करते हैं
निकष-संदर्भित परीक्षण में शिक्षण के प्रति संवेदनशीलता (Sensitivity to Instruction) का अर्थ यह है कि परीक्षण पत्र उन छात्रों के बीच स्पष्ट अंतर करने में सक्षम है जिन्होंने विशिष्ट विषय-वस्तु का अध्ययन किया है और जिन्होंने नहीं किया है। पढ़ाए गए छात्रों का पश्च-परीक्षण में काफी बेहतर प्रदर्शन करना परीक्षण की संवेदनशीलता को सिद्ध करता है।

163. (B) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE)
आधुनिक शैक्षिक ढाँचों में शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पर सर्वाधिक बल दिया गया है। यह ढाँचा केवल अंतिम लिखित परीक्षाओं तक सीमित न रहकर संपूर्ण शैक्षणिक सत्र के दौरान संज्ञानात्मक तथा सह-संज्ञानात्मक दोनों क्षेत्रों का निरंतर, विविध और बाल-केंद्रित तरीकों से मूल्यांकन करने की वकालत करता है।

164. (B) भविष्य के कक्षा शिक्षण को अनुकूलित और विभेदित (Adapt and Differentiate) करने के लिए
रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) से प्राप्त डेटा का मुख्य उद्देश्य तुलना करना या रैंक देना नहीं है। शिक्षक को इस डेटा का उपयोग अपनी कक्षा शिक्षण रणनीतियों को अनुकूलित और विभेदित (Adapt and Differentiate) करने के लिए करना चाहिए, ताकि प्रत्येक शिक्षार्थी की विशिष्ट अधिगम आवश्यकताओं और कठिनाइयों का प्रभावी समाधान किया जा सके।

165. (B) अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test)
किसी विशेष त्वरित कार्यक्रम या उन्नत विषय (जैसे गणित) में सफलता की संभावना का अनुमान लगाने के लिए अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) का उपयोग करना चाहिए। यह उपकरण शिक्षार्थी की विशिष्ट क्षेत्र में भावी अधिगम क्षमता और कौशल अर्जित करने की अंतर्निहित तत्परता का मापन करने हेतु वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किया जाता है।

पूर्वाग्रह (Item Bias) से ग्रस्त माना जाता है। यह स्थिति मापन की निष्पक्षता को प्रभावित करती है।

143. (B) विभेदक प्रश्न कार्यप्रणाली (Differential Item Functioning - DIF) विश्लेषण
विभेदक प्रश्न कार्यप्रणाली (Differential Item Functioning - DIF) विश्लेषण एक उन्नत मनोमितीय सांख्यिकीय तकनीक है। इसका उपयोग यह जांचने के लिए किया जाता है कि क्या कोई परीक्षण प्रश्न समान योग्यता स्तर वाले विभिन्न सामाजिक, लैंगिक या सांस्कृतिक समूहों के छात्रों के लिए भिन्न रूप से कार्य करता है, ताकि परीक्षण पूर्वाग्रह को हटाया जा सके।

144. (C) सीखने का मूल्यांकन करने के लिए कई तरीकों और स्रोतों का उपयोग करना
शैक्षिक आकलन में "त्रिभुजीकरण" (Triangulation) का अर्थ किसी छात्र के सीखने और प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए साक्ष्य के कई भिन्न तरीकों, डेटा स्रोतों और मापन उपकरणों (जैसे परीक्षण, अवलोकन और पोर्टफोलियो) का एक साथ उपयोग करना है, जिससे आकलन की विश्वसनीयता और वैधता में वृद्धि होती है।

145. (A) I और II
सहपाठी आकलन (Peer Assessment) और स्व-आकलन (Self-Assessment) दोनों ऐसी तकनीकें हैं जो शिक्षार्थी को अपनी तथा अपने साथियों की अधिगम प्रक्रिया का मूल्यांकन करने में सीधे संलग्न करती हैं। ये विधियाँ छात्र में मेटाकॉग्निटिव सोच और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देती हैं। अतः प्रथम और द्वितीय का संयोजन सही उत्तर है।

146. (B) आत्मनिष्ठ मूल्यांकनों को अधिक वस्तुनिष्ठ और सुसंगत बनाना
रुब्रिक (Rubric) एक पूर्व-निर्धारित मापदंडों तथा प्रदर्शन स्तरों वाली अंकन निर्देशिका होती है। इसका प्राथमिक उपयोग निबंध, जटिल परियोजनाओं तथा प्रदर्शन-आधारित कार्यों जैसे आत्मनिष्ठ (Subjective) मूल्यांकनों में परीक्षकों के व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को समाप्त करके अंकन प्रक्रिया को अत्यधिक वस्तुनिष्ठ, सुसंगत तथा पारदर्शी बनाना होता है।

147. (B) कार्य की समग्र छाप के आधार पर एक एकल समग्र अंक (Single Overall Score) प्रदान करता है
एक समग्रवादी या समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric) छात्र के कार्य का मूल्यांकन उसके व्यक्तिगत घटकों को अलग-अलग आंके बिना, पूरे कार्य की एक सामान्य समग्र छाप के आधार पर करता है। यह मूल्यांकन प्रक्रिया के अंत में छात्र को एक एकल समग्र अंक (Single Overall Score) प्रदान करता है, जिससे अंकन त्वरित होता है।

148. (B) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric)
निबंध पर विस्तृत रचनात्मक प्रतिक्रिया (Formative Feedback) देने के लिए विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) सर्वाधिक उपयुक्त होता है। यह रुब्रिक कार्य को अलग-अलग मानदंडों (जैसे सामग्री, व्याकरण, संरचना) में विभाजित करता है और प्रत्येक मानदंड पर पृथक अंक व टिप्पणियाँ प्रदान करता है, जिससे छात्र को अपनी विशिष्ट कमियाँ समझने में मदद मिलती है।

149. (B) वृद्धि और प्रगति दिखाने के लिए समय के साथ छात्र के काम को एकत्र करना
पोर्टफोलियो आकलन (Portfolio Assessment) एक ऐसी प्रामाणिक मूल्यांकन विधि है जिसमें किसी निश्चित समयावधि के दौरान छात्र द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों, परियोजनाओं और निबंधों का एक उद्देश्यपूर्ण संग्रह किया जाता है। यह संग्रह छात्र की क्रमिक वृद्धि, प्रयास और शैक्षणिक प्रगति का प्रत्यक्ष और जीवंत साक्ष्य प्रस्तुत करता है।

150. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
पोर्टफोलियो आकलन एकल मानकीकृत परीक्षण की तुलना में शिक्षार्थी की योग्यताओं की अधिक व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करता है, क्योंकि यह केवल एक दिन के प्रदर्शन पर निर्भर न होकर एक लंबी समयावधि में एकत्र किए गए प्रामाणिक कार्य-नमूनों पर आधारित होता है। अतः कारण अभिकथन की वैज्ञानिक और तार्किक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

151. (B) इसके लिए व्यापक मूल्यांकन समय की आवश्यकता होती है और इसमें अंतर-मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Inter-Rater Reliability) कम होती है
बड़े पैमाने पर पोर्टफोलियो आकलन को लागू करने की मुख्य व्यावहारिक चुनौती यह है कि इसके मूल्यांकन में शिक्षकों का अत्यधिक समय और श्रम लगता है। इसके अतिरिक्त, विविध सामग्रियों का गुणात्मक मूल्यांकन होने के कारण परीक्षकों के बीच अंतर-मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Inter-Rater Reliability) बनाए रखना काफी कठिन और आत्मनिष्ठ हो जाता है।

152. (B) पूर्व-परीक्षण किए गए, कैलिब्रेटेड (Calibrated) प्रश्नों का एक निक्षेपागार/भंडार (Repository)
शैक्षिक संदर्भ में, 'प्रश्न बैंक' (Question Bank) पूर्व-परीक्षण किए गए, विश्लेषित और कैलिब्रेटेड (Calibrated) प्रश्नों का एक सुव्यवस्थित संग्रह या निक्षेपागार (Repository) होता है। प्रत्येक प्रश्न के साथ उसका कठिनाई स्तर, विभेदन क्षमता और विषय-वस्तु कोड दर्ज होता है, जिससे संतुलित और वैध परीक्षण पत्रों का निर्माण सुगमता से किया जा सकता है।

153. (C) यह सुनिश्चित करता है कि प्रश्नों की कठिनाई और विश्वसनीयता कैलिब्रेटेड (Calibrated) हो
आंतरिक परीक्षाओं हेतु कैलिब्रेटेड प्रश्न बैंक (Question Bank) का उपयोग करने का मुख्य लाभ यह है कि इसमें शामिल प्रश्नों के मनोमितीय गुण जैसे कठिनाई सूचकांक और विभेदन क्षमता पहले से ज्ञात होते हैं। इससे शिक्षक बिना समय गंवाए उच्च विश्वसनीयता और विषय-वस्तु वैधता से परिपूर्ण संतुलित परीक्षा पत्र तैयार कर सकते हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

होती है, क्योंकि अधिकांश छात्रों को उच्च अंक मिलते हैं। इस स्थिति में केंद्रीय प्रवृत्ति के मापों के बीच गणितीय संबंध हमेशा $(\text{Mean} < \text{Median} < \text{Mode})$ का होता है।

179. (B) भिन्न क्षमता स्तरों वाले दो अलग-अलग उपसमूह मौजूद हैं
जब परीक्षण प्राप्तांकों का वितरण द्वि-बहुलकीय (Bimodal) होता है, अर्थात वितरण में दो स्पष्ट उच्च शिखर या बहुलक दिखाई देते हैं, तो यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि परीक्षण दिए जाने वाले छात्रों के समूह में दो अलग-अलग क्षमता स्तरों वाले उपसमूह (जैसे अत्यधिक कमजोर और अत्यधिक प्रतिभाशाली छात्र) मौजूद हैं।

180. (B) सापेक्ष वक्र ग्रेडिंग (Relative Curve Grading)
जब छात्रों को निरपेक्ष अंकों (जैसे प्रतिशत) के स्थान पर अपने सहपाठी समूह के भीतर सापेक्ष स्थान और प्राप्तांक वितरण (सामान्य वक्र) के आधार पर ग्रेड दिए जाते हैं, तो इसे सापेक्ष वक्र ग्रेडिंग (Relative Curve Grading) कहा जाता है। इसमें ग्रेड इस बात से तय होता है कि छात्र ने अपने समूह की तुलना में कैसा प्रदर्शन किया।

181. (B) यह छात्रों के एक निश्चित प्रतिशत को अनुत्तीर्ण होने के लिए मजबूर करता है
सख्त सापेक्ष वक्र ग्रेडिंग (Relative Grading) का सबसे बड़ा शैक्षणिक नुकसान यह है कि यह प्राप्तांकों के सामान्य वितरण के नियमों का सख्ती से पालन करती है। इसके कारण, भले ही पूरी कक्षा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो, फिर भी छात्रों के एक निश्चित पूर्व-निर्धारित प्रतिशत को निम्न ग्रेड या अनुत्तीर्ण श्रेणी में रखना अनिवार्य हो जाता है।

182. (A) छात्रों को निश्चित प्रतिशत कोष्ठकों (Percentage Brackets) द्वारा विभाजित करना
एक 9-बिंदु निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (जैसे A1, A2, B1...) शिक्षार्थियों के प्राप्तांकों को पूर्व-निर्धारित निश्चित प्रतिशत कोष्ठकों (Percentage Brackets) के आधार पर सीधे ग्रेड में विभाजित करती है। इस प्रणाली में किसी छात्र का ग्रेड उसके अपने अर्जित अंकों पर निर्भर करता है, न कि सहपाठियों के सापेक्षिक निष्पादन या तुलनात्मक वक्र पर।

183. (B) सामाजिक वांछनीयता पूर्वाग्रह (Social Desirability Bias)
मूल्यांकनात्मक उदारता त्रुटि तथा अस्पष्ट प्रश्न परीक्षण उपकरण या परीक्षक से संबंधित होते हैं। इसके विपरीत, सामाजिक वांछनीयता पूर्वाग्रह (Social Desirability Bias) सीधे तौर पर उत्तरदाता (Respondent) की अपनी व्यक्तिगत प्रवृत्ति से संबंधित त्रुटि है, जिसमें वह अपनी वास्तविक स्थिति छिपाकर समाज द्वारा स्वीकृत उत्तर देने का सचेत प्रयास करता है।

184. (A) सच्चाई के बजाय अनुकूल रूप से उत्तर देना
सामाजिक वांछनीयता पूर्वाग्रह (Social Desirability Bias) शिक्षार्थी या उत्तरदाता की उस प्रवृत्ति को संदर्भित करता है जिसके तहत वह आत्म-रिपोर्ट सर्वेक्षणों में अपनी वास्तविक आदतों को व्यक्त करने के स्थान पर ऐसे उत्तर चुनता है जो समाज, शिक्षक या शोधकर्ता की दृष्टि में अत्यधिक अनुकूल, आदर्श तथा प्रशंसनीय माने जाते हैं।

185. (A) I, II, और III
स्पष्ट निर्देश देना, एकसमान भौतिक वातावरण बनाए रखना और वस्तुनिष्ठ अंकन कुंजियों का प्रयोग करना मापन की यादृच्छिक त्रुटियों को घटाकर परीक्षण की विश्वसनीयता को बढ़ाता है। इसके विपरीत, परीक्षण को अत्यधिक छोटा करने से विश्वसनीयता घटती है। अतः I, II और III का संयोजन ही सही और प्रभावी उपाय है।

186. (B) मूल्यांकनात्मक मापन (Evaluative Measurement)
रचनात्मक आकलन शिक्षण के दौरान अधिगम कमियों को पहचानने के लिए नैदानिक मापन का उपयोग करता है। इसके विपरीत, योगात्मक आकलन (Summative Assessment) शिक्षण अवधि के अंत में यह निर्णय लेने के लिए कि छात्र ने निर्धारित मानकों को किस सीमा तक हासिल किया है, मूल्यांकनात्मक मापन (Evaluative Measurement) का उपयोग करता है।

187. (B) गुणात्मक अंतर्दृष्टि और खुले उत्तर प्राप्त करना
खुली प्रश्नावली (Open-Ended Questionnaire) का उपयोग करने का मुख्य उद्देश्य उत्तरदाताओं को बिना किसी पूर्व-निर्धारित सीमा के अपने विचारों, दृष्टिकोणों और अनुभवों को विस्तार से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देना है। इससे शोधकर्ता को विषय के संबंध में समृद्ध गुणात्मक अंतर्दृष्टि (Qualitative Insights) और नए दृष्टिकोण प्राप्त होते हैं।

188. (B) एक निरंतर रेखा जहाँ मूल्यांकनकर्ता गुण की तीव्रता को चिह्नित करते हैं
ग्राफिक रेटिंग स्केल (Graphic Rating Scale) की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें किसी गुण या व्यवहार के विभिन्न स्तरों को एक निरंतर सीधी रेखा (Continuous Line) पर प्रदर्शित किया जाता है। मूल्यांकनकर्ता उस रेखा पर किसी उपयुक्त स्थान पर चिन्ह लगाकर संबंधित व्यक्ति के गुण की तीव्रता और मात्रा को निरुपित करता है।

NODIA

189. (B) यह विकल्पों को बाध्य करके उदारता और केंद्रीय प्रवृत्ति के पूर्वाग्रहों को कम करता है
बलपूर्वक-चयनित रेटिंग स्केल (Forced-Choice Rating Scale) का प्राथमिक लाभ यह है कि यह मूल्यांकनकर्ता को समान रूप से वांछनीय या अवांछनीय विकल्पों में से चुनने के लिए बाध्य करता है। यह संरचना मूल्यांकनकर्ता की व्यक्तिगत उदारता त्रुटि (Leniency Error) और केंद्रीय प्रवृत्ति के पूर्वाग्रहों को काफी हद तक समाप्त कर देती है।

190. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
मापन उपकरण की विश्वसनीयता के लिए उसकी वस्तुनिष्ठता (Objectivity) एक अनिवार्य पूर्व शर्त है। यदि भिन्न-भिन्न मूल्यांकनकर्ता एक ही उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करने पर असंगत अंक प्रदान करते हैं, तो प्राप्तांकों की स्थिरता (विश्वसनीयता) संभव ही नहीं है। अतः कारण पूरी तरह सत्य है और अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, III, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) I, II, III, और IV

23. एक विद्यालय परामर्शदाता (School Counselor) कक्षा X के छात्र को सलाह दे रहा है कि कक्षा XI में विज्ञान या मानविकी संकाय में से किसका चयन करें। किस प्रकार का परीक्षण इस निर्णय के लिए सबसे प्रासंगिक डेटा प्रदान करेगा?
(A) नैदानिक उपलब्धि परीक्षण (Diagnostic Achievement Test)
(B) रचनात्मक आकलन परीक्षण (Formative Assessment Test)
(C) मानक-संदर्भित पठन परीक्षण (Norm-Referenced Reading Test)
(D) विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (Differential Aptitude Test)

24. यांत्रिक अभिक्षमता परीक्षण (Mechanical Aptitude Test) में एक उच्च अंक आमतौर पर दर्शाता है कि छात्र:
(A) यांत्रिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सफल होने की उच्च क्षमता रखता है
(B) जटिल यांत्रिक इंजीनियरिंग अवधारणाओं पर पहले से ही पूरी तरह से महारत हासिल कर चुका है
(C) हाई स्कूल भौतिकी की एक मजबूत मूलभूत समझ विकसित की है
(D) कार्यालय के कर्तव्यों की तुलना में व्यावहारिक यांत्रिक कार्यों के लिए एक स्पष्ट प्राथमिकता व्यक्त करता है

25. अभिक्षमता परीक्षणों (Aptitude Tests) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वे भविष्य के प्रति उन्मुख हैं और भविष्य की क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
(B) वे किसी व्यक्ति के पिछले सामान्य अनुभवों से अप्रभावित रहते हैं।
(C) वे अक्सर लिपिकीय, स्थानिक या संख्यात्मक जैसे विशिष्ट क्षेत्रों के लिए विशेषीकृत होते हैं।
(D) वे स्थानन और चयन प्रक्रियाओं में सहायता करते हैं।

26. उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) और अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) के बीच प्राथमिक सैद्धांतिक अंतर निहित है:
(A) परीक्षण उपकरण की सटीक कुल लंबाई, प्रश्न प्रारूप और आवंटित समय सीमा की सख्ती में
(B) अंक उपयोग के प्राथमिक उद्देश्य में (अतीत के अधिगम का आकलन बनाम भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान)
(C) पूरे परीक्षण में उपयोग किए जाने वाले प्रश्नों के विशिष्ट संरचनात्मक प्रारूप में (वस्तुनिष्ठ बनाम विस्तृत निबंध)
(D) प्रश्न कठिनाई और विभेदन विश्लेषण के लिए उपयोग किए जाने वाले विशिष्ट सांख्यिकीय उपायों और साइकोमेट्रिक सूत्रों में

27. उपलब्धि और अभिक्षमता परीक्षणों में अंतर करने वाले गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) उपलब्धि परीक्षण – जन्मजात लक्षणों का आकलन करता है / अभिक्षमता परीक्षण – सीखी गई सामग्री का आकलन करता है
(B) उपलब्धि परीक्षण – भूतव्यापी मूल्यांकन / अभिक्षमता परीक्षण – भविष्यव्यापी मापन
(C) उपलब्धि परीक्षण – अतीत के अनुदेशात्मक परिणामों का मूल्यांकन करता है / अभिक्षमता परीक्षण – भावी अधिगम क्षमता का पूर्वानुमान लगाता है
(D) उपलब्धि परीक्षण – विषय वस्तु वैधता पर अत्यधिक निर्भर करता है / अभिक्षमता परीक्षण – भविष्यसूचक वैधता पर अत्यधिक निर्भर करता है

28. उपलब्धि और अभिक्षमता परीक्षणों की तुलना करने वाले निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. दोनों प्रकार के परीक्षण अतीत के अधिगम और अनुभव के आधार पर वर्तमान प्रदर्शन को मापते हैं।
II. उपलब्धि परीक्षण विशिष्ट पढ़ाई गई सामग्री पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि अभिक्षमता परीक्षण व्यापक, संचयी अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
III. एक अच्छी तरह से निर्मित उपलब्धि परीक्षण का उपयोग कभी भी भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान लगाने के लिए नहीं किया जा सकता है।
इनमें से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I
(D) I, II, और III

29. निम्नलिखित में से कौन सा कथन उपलब्धि और अभिक्षमता परीक्षणों के बीच कार्यात्मक ओवरलैप (Functional Overlap) का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) शैक्षणिक परिवेश में उपलब्धि परीक्षण दीर्घकालिक भविष्यसूचक या पूर्वानुमानिक मूल्य से पूरी तरह से रहित होते हैं
(B) अभिक्षमता परीक्षण पूर्व अधिगम या पर्यावरणीय जोखिम के किसी भी प्रभाव के बिना शुद्ध आनुवंशिक संज्ञानात्मक क्षमता को मापते हैं
(C) निर्माण के लिए दोनों आकलन प्रकारों को विनिर्देशों की सटीक समान कठोर तालिका और अनुदेशात्मक खाके की आवश्यकता होती है
(D) किसी क्षेत्र में अतीत की उपलब्धि अक्सर उसी विषय क्षेत्र में भावी अभिक्षमता के सबसे मजबूत भविष्यसूचकों में से एक होती है

30. एक प्राचार्य देखता है कि एक नए रोबोटिक्स क्लब के लिए छात्रों की क्षमता का आकलन करने के लिए बनाए गए एक

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 06

टेस्ट के प्रकार

1. निम्नलिखित में से कौन सा विद्यालय शिक्षा के संदर्भ में एक शैक्षिक परीक्षण (Educational Test) के प्राथमिक उद्देश्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
   (A) छात्र अधिगम (Student Learning) और अनुदेशात्मक प्रभावशीलता (Instructional Effectiveness) का आकलन करने के लिए व्यवहार के एक नमूने को मापने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया प्रदान करना
   (B) प्रशासनिक सुविधा के लिए छात्रों को सख्ती से उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण श्रेणियों में वर्गीकृत करना
   (C) किसी छात्र के पर्यावरणीय जोखिम से स्वतंत्र रूप से उसकी जन्मजात जैविक बुद्धिमत्ता को मापना
   (D) अनुदेशात्मक डिजाइन (Instructional Design) को प्रभावित किए बिना वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करना

2. शैक्षिक परीक्षण (Educational Test) की अवधारणा में आमतौर पर किसी विशिष्ट गुण को संख्याएं या अंक प्रदान करना शामिल होता है। यह प्रक्रिया मौलिक रूप से किस व्यापक शैक्षिक कार्य के साथ संरेखित है?
   (A) निरीक्षण (Inspection)
   (B) मेंटरिंग (Mentoring)
   (C) मापन (Measurement)
   (D) प्रमाणन (Certification)

3. निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षिक परीक्षण (Educational Test) आयोजित करने का एक वैध उद्देश्य नहीं है?
   (A) कक्षा में अनुशासन की कमी के लिए छात्रों को दंडित करना
   (B) छात्रों में विशिष्ट अधिगम कठिनाइयों (Learning Difficulties) का निदान करना
   (C) किसी विशिष्ट विषय क्षेत्र में भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान लगाना
   (D) किसी विशिष्ट शिक्षण पद्धति (Teaching Method) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना

4. शैक्षिक मूल्यांकन (Educational Evaluation) में, एक परीक्षण (Test) को मूल रूप से किसके साधन के रूप में माना जाता है:
   (A) केवल छात्र व्यवहार का गुणात्मक विवरण
   (B) अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) से स्वतंत्र रूप से प्रशासनिक नीतियों को तैयार करना
   (C) समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card) को पूरी तरह से बदलना
   (D) शिक्षार्थियों में व्यवहारात्मक परिवर्तनों की सीमा के संबंध में वस्तुनिष्ठ डेटा एकत्र करना

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
   अभिकथन (A) : शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं (Teaching-Learning Processes) में गुणवत्ता आश्वासन (Quality Assurance) सुनिश्चित करने के लिए एक विद्यालय प्राचार्य के लिए शैक्षिक परीक्षण (Educational Tests) अनिवार्य उपकरण हैं।
   कारण (R) : परीक्षण मात्रात्मक डेटा (Quantitative Data) प्रदान करते हैं जो अनुदेशात्मक अंतरालों (Instructional Gaps) की पहचान करने में मदद करते हैं, जिससे साक्ष्य-आधारित शैक्षणिक पर्यवेक्षण (Academic Supervision) में सुविधा होती है।
   (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
   (B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
   (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
   (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

6. निम्नलिखित में से कौन सा कथन शैक्षिक संदर्भों में 'परीक्षण' (Test) और 'आकलन' (Assessment) के बीच सबसे सटीक रूप से अंतर करता है?
   (A) आकलन (Assessment) एक एकल विशिष्ट उपकरण है, जबकि परीक्षण (Test) एक सतत प्रक्रिया है।
   (B) एक परीक्षण संख्यात्मक डेटा नहीं देता है, जबकि एक आकलन हमेशा देता है।
   (C) एक परीक्षण (Test) एक विशिष्ट मापन उपकरण या साधन है, जबकि आकलन (Assessment) छात्र अधिगम के बारे में जानकारी एकत्र करने की व्यापक प्रक्रिया है।
   (D) आकलन केवल वर्ष के अंत में आयोजित किया जाता है, जबकि परीक्षण प्रतिदिन आयोजित किए जाते हैं।

NODIA

7. एक उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) मौलिक रूप से किसे मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है:
   (A) भविष्य में नई जटिल कलाओं को प्राप्त करने के लिए छात्र की प्राकृतिक क्षमता या सामर्थ्य
   (B) छात्र की सामान्य संज्ञानात्मक क्षमता (Cognitive Ability), अधिगम अभिक्षमता (Learning Aptitude) और समस्या-समाधान की गति

(C) एक शिक्षार्थी के मूलभूत व्यक्तित्व लक्षण (Personality Traits), भावनात्मक स्थिरता (Emotional Stability) और सामाजिक-भावात्मक परिपक्वता (Socio-Emotional Maturity)
(D) अनुदेशन (Instruction) के बाद किसी विशिष्ट विषय में छात्र द्वारा प्राप्त ज्ञान या कौशल की सीमा

8. उपलब्धि परीक्षणों (Achievement Tests) के उद्देश्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इनका उपयोग कक्षा में छात्रों की सापेक्ष रैंक (Relative Rank) निर्धारित करने के लिए किया जाता है।
II. वे पाठ्यचर्या (Curriculum) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में मदद करते हैं।
III. इनका उपयोग पूर्व प्रशिक्षण की परवाह किए बिना जन्मजात संगीतमय प्रतिभा का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

9. निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा परीक्षण के प्रकार को उसके प्राथमिक ध्यान के साथ सही ढंग से मिलाता है?
(A) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test) - गणित में वर्तमान उपलब्धि और कौशल स्तरों को मापता है
(B) उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) - पिछली अधिगम गतिविधियों में सफलता की डिग्री को मापता है
(C) अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) - पढ़ाए गए पाठ्यक्रम पर पूर्ण प्रभुत्व की सीमा को मापता है
(D) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) - सामान्य बुद्धिमत्ता लब्धि और मानसिक क्षमता को मापता है

10. निम्नलिखित में से कौन सा एक अच्छे उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) की विशेषता नहीं है?
(A) अनुदेशात्मक उद्देश्यों के साथ संरेखित उच्च विषय वस्तु वैधता (Content Validity)
(B) अस्पष्ट प्रश्न जो छात्रों की अनुमान लगाने की क्षमता का परीक्षण करते हैं
(C) उच्च विश्वसनीयता (Reliability) जो पुनः प्रशासन पर सुसंगत अंक प्रदान करती है
(D) स्पष्ट अंकन रुब्रिक्स (Scoring Rubrics) या वस्तुनिष्ठ उत्तर कुंजियाँ

11. एक प्राचार्य विषय शिक्षकों को पदोन्नति का निर्णय लेने के लिए सत्र I के अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) के साथ सख्ती से मैप किया गया एक परीक्षण डिज़ाइन करने का निर्देश देता है। इस परीक्षण को सबसे अच्छी तरह से वर्गीकृत किया गया है:
(A) योगात्मक उपलब्धि परीक्षण (Summative Achievement Test)
(B) रचनात्मक नैदानिक परीक्षण उपकरण (Formative Diagnostic Test Instrument)
(C) स्थानन अभिक्षमता परीक्षण आकलन (Placement Aptitude Test Assessment)
(D) बुद्धि आकलन परीक्षण (Intelligence Assessment Test)

12. एक विद्यालय की प्राचार्या अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणामों की समीक्षा कर रही हैं। वह देखती हैं कि नौवीं कक्षा के छात्रों ने विज्ञान में बहुत खराब प्रदर्शन किया है। वह अगले सत्र के लिए अनुदेशात्मक रणनीति (Instructional Strategy) में बदलाव अनिवार्य करने के लिए इस परीक्षण डेटा का उपयोग करने का निर्णय लेती हैं। इस परिदृश्य में, उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) का मुख्य रूप से उपयोग किया जा रहा है:
(A) बोर्ड पंजीकरण के लिए छात्रों को प्रमाणित करने के लिए
(B) छात्रों की जन्मजात वैज्ञानिक अभिक्षमता परीक्षण के लिए
(C) अनुदेशात्मक प्रभावशीलता (Instructional Effectiveness) का मूल्यांकन और संशोधन करने के लिए
(D) शिक्षकों के नैदानिक पर्यवेक्षण (Clinical Supervision) का संचालन करने के लिए

13. एक सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test) मुख्य रूप से एक नैदानिक उपलब्धि परीक्षण (Diagnostic Achievement Test) से भिन्न होता है:
(A) अतीत में सीखी गई सामग्री को मापने बनाम भविष्य की अकादमिक सफलता का पूर्वानुमान लगाने पर ध्यान केंद्रित करने में
(B) वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रारुपों बनाम निबंध-प्रकार के प्रश्नों पर अनन्य निर्भरता में
(C) बड़े समूह के कक्षा प्रशासन बनाम एक विशेषज्ञ द्वारा व्यक्तिगत प्रशासन में
(D) विशिष्ट अधिगम त्रुटियों को इंगित करने बनाम किसी विषय क्षेत्र के व्यापक कवरेज का आकलन करने में

14. निम्नलिखित में से कौन सा परीक्षण उप-कौशलों के विस्तृत विवरण के बजाय किसी विषय में सामान्य योग्यता का प्रतिनिधित्व करने वाला एक एकल समग्र अंक प्रदान करता है?
(A) व्यक्तिगत नैदानिक परीक्षण (Individual Diagnostic Test)
(B) मानकीकृत पूर्वानुमानिक परीक्षण (Standardized Prognostic Test)
(C) सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test)
(D) छात्र स्थानन परीक्षण (Student Placement Test)

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

Click Here to Buy book on Flipkart

अभिकथन (A) : सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Tests) बीजीय विभाजन में एक छात्र द्वारा की जाने वाली विशिष्ट प्रक्रियात्मक त्रुटियों की पहचान करने के लिए अत्यधिक प्रभावी हैं।

कारण (R) : सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Tests) गहराई की तुलना में चौड़ाई को प्राथमिकता देते हुए, प्रति विषय कुछ प्रश्नों के साथ विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

16. उपलब्धि परीक्षणों (Achievement Tests) के प्रकारों के संबंध में सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test) – छोटे बच्चों में पठन विकलांगता और अधिगम की त्रुटियों के निदान पर ध्यान केंद्रित करता है
(B) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) – राष्ट्रीय शैक्षणिक आकलन में स्कूलों और जिलों को रैंकिंग देने पर ध्यान केंद्रित करता है
(C) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) – मुख्य रूप से दीर्घकालिक करियर की सफलता और व्यावसायिक उपयुक्तता का पूर्वानुमान लगाने के लिए उपयोग किया जाता है
(D) सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test) – एक व्यापक शैक्षणिक क्षेत्र में छात्र की उपलब्धि का एक सामान्य अनुमान देता है

17. यदि राज्य भर में दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए एक मानकीकृत परीक्षण (Standardized Test) आयोजित किया जाता है ताकि एक मानक समूह (Norm Group) के संदर्भ में अंग्रेजी में उनके सामान्य दक्षता स्तर का पता लगाया जा सके, तो इस परीक्षण को सबसे अच्छी तरह से वर्णित किया गया है:
(A) सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test)
(B) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)
(C) अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test)
(D) निष्पादन परीक्षण (Performance Test)

18. निम्नलिखित में से कौन सा एक नैदानिक उपलब्धि परीक्षण (Diagnostic Achievement Test) का विशिष्ट उपयोग नहीं है?
(A) मूलभूत अंकगणितीय संचालन में लगातार अधिगम के अंतरालों और विशिष्ट प्रक्रियात्मक त्रुटियों की पहचान करना
(B) छात्र की लगातार खराब वर्तनी के विशिष्ट अंतर्निहित संज्ञानात्मक कारणों का पता लगाना
(C) अंतिम प्रमाणन और पदोन्नति के लिए एक व्यापक वर्ष के अंत का पत्र ग्रेड प्रदान करना
(D) लक्षित, व्यक्तिगत उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) कार्यक्रमों के लिए नैदानिक आधार तैयार करना

19. एक शिक्षक यह जानना चाहता है कि क्या उसकी कक्षा ने प्रत्येक छात्र की विशिष्ट गलतफहमियों के गहन विश्लेषण की आवश्यकता के बिना, अगली इकाई में जाने से पहले एक ऐतिहासिक काल के व्यापक विषयों को सामान्य रूप से समझ लिया है। उपयोग करने के लिए सबसे उपयुक्त परीक्षण है:
(A) सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test)
(B) नैदानिक उपलब्धि परीक्षण (Diagnostic Achievement Test)
(C) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test)
(D) बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test)

20. अभिक्षमता परीक्षणों (Aptitude Tests) को मुख्य रूप से ऐसे उपकरणों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो निम्न के लिए डिज़ाइन किए गए हैं:
(A) प्रत्यक्ष अनुदेशन अवधि के बाद अर्जित विशिष्ट ज्ञान और शैक्षणिक सामग्री को मापना
(B) समग्र मनोवैज्ञानिक स्थिरता, व्यक्तित्व लक्षणों और सामाजिक-भावात्मक बुद्धिमत्ता का आकलन करना
(C) प्रारंभिक बचपन में विशिष्ट अधिगम विकलांगताओं, संवेदी हानि और संज्ञानात्मक कमियों की पहचान करना
(D) भविष्य में उपयुक्त प्रशिक्षण दिए जाने पर किसी व्यक्ति की विशिष्ट कौशल सीखने की क्षमता का पूर्वानुमान लगाना

21. निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षिक परिवेश में व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) का एक क्लासिक उदाहरण है?
(A) थीमेटिक एपरसेप्शन टेस्ट (Thematic Apperception Test - TAT) प्रक्षेपी माप
(B) विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (Differential Aptitude Test - DAT) बैटरी
(C) रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण (Rorschach Inkblot Test) मनोवैज्ञानिक पैमाने
(D) स्टैनफोर्ड उपलब्धि परीक्षण (Stanford Achievement Test - SAT) बैटरी

22. अभिक्षमता परीक्षणों (Aptitude Tests) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे जन्मजात लक्षणों और संचयी सामान्य अधिगम के संयोजन को मापते हैं।
II. वे विशुद्ध रूप से हाल के, विशिष्ट कक्षा अनुदेशन पर निर्भर हैं।
III. इनका उपयोग अक्सर शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन के लिए किया जाता है।
IV. उनकी प्राथमिक वैधता भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity) है।

Downloaded from www.pdf.tube

191. (C) बहुत कठिन है और इसमें संशोधन या हटाने की आवश्यकता है
किसी परीक्षण प्रश्न का 0.15 का कठिनाई सूचकांक ($P = 0.15$) यह दर्शाता है कि केवल 15% परीक्षार्थी ही उसका सही उत्तर दे सके हैं। मापन सिद्धांतों के अनुसार यह प्रश्न असामान्य रूप से बहुत कठिन माना जाएगा। सामान्य उपलब्धि परीक्षणों के लिए ऐसे प्रश्न को संशोधित करना या हटा देना आवश्यक होता है।

192. (C) उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record)
खेल के मैदान जैसी अनौपचारिक परिस्थिति में किसी बच्चे के अचानक घटित आक्रामक व्यवहार का वस्तुनिष्ठ विवरण दर्ज करने के लिए उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record) ही सर्वाधिक उपयुक्त मापन उपकरण है। यह उपकरण घटना के तथ्यात्मक संदर्भ, वास्तविक परिस्थिति और छात्र की प्रतिक्रिया का संक्षिप्त गुणात्मक विवरण प्रदान करता है।

193. (B) उपलब्धि परीक्षण (Achievement Tests)
संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive Domain) के उच्च-स्तरीय कौशलों जैसे अनुप्रयोग, विश्लेषण, और संश्लेषण का मापन मुख्य रूप से सुनिर्मित उपलब्धि परीक्षणों (Achievement Tests) के उपयोग द्वारा किया जाता है। ये परीक्षण शिक्षार्थी की बौद्धिक क्षमताओं और विषय-वस्तु ज्ञान के प्रयोगात्मक निष्पादन का सटीक मात्रात्मक मूल्यांकन प्रदान करते हैं।

194. (B) चेकलिस्ट उपस्थिति/अनुपस्थिति दर्ज करती हैं, जबकि अवलोकन आवृत्ति और संदर्भ दर्ज करता है
जांच-सूची या चेकलिस्ट (Checklist) केवल किसी विशिष्ट व्यवहार की उपस्थिति या अनुपस्थिति (हाँ/ना) को रिकॉर्ड करती है। इसके विपरीत, एक विस्तृत अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule) लक्षित व्यवहार की आवृत्ति, उसकी अवधि और जिस सामाजिक संदर्भ में वह व्यवहार घटित होता है, उस संपूर्ण प्रक्रिया को दर्ज करती है।

195. (A) I और II
परीक्षण मानक (Norms) प्रतिनिधि जनसंख्या के नमूने पर आनुभविक रूप से स्थापित किए जाते हैं और वे किसी व्यक्ति के कच्चे प्राप्तांकों की तुलनात्मक व्याख्या करने हेतु एक ढाँचा प्रदान करते हैं। मानक यह नहीं बताते कि क्या अंक होने चाहिए, बल्कि वास्तविक प्रदर्शन दर्शाते हैं। अतः I और II सही हैं।

196. (C) मापन डेटा का उद्देश्य और उपयोग
"सीखने का आकलन" (Assessment OF Learning) का मुख्य उद्देश्य योगात्मक होता है, जिसका उपयोग अंतिम उपलब्धि का मूल्यांकन और ग्रेडिंग करने हेतु होता है। इसके विपरीत, "सीखने के लिए आकलन" (Assessment FOR Learning) का उद्देश्य रचनात्मक होता है, जो शिक्षण में सुधार हेतु किया जाता है। अतः मुख्य अंतर डेटा के उपयोग और उद्देश्य का है।

197. (B) क्रमसूचक (Ordinal)
'सहमत' या 'असहमत' जैसे विकल्पों वाली प्रश्नावली से प्राप्त डेटा उत्तरदाताओं के दृष्टिकोण और मनोवृत्ति के एक निश्चित क्रम को निरूपित करता है। यद्यपि इन श्रेणियों के बीच का अंतर गणितीय रूप से समान नहीं होता है, फिर भी इसमें स्पष्ट क्रमिक संबंध होने के कारण इसे क्रमसूचक डेटा (Ordinal Data) माना जाता है।

198. (C) यह सीखने के जटिल, अपरिमाण्य मानवीय पहलुओं को नजरअंदाज कर सकता है
शिक्षा में केवल मात्रात्मक मापन (Quantitative Measurement) पर अत्यधिक निर्भर रहने की सबसे बड़ी सीमा यह है कि यह शिक्षार्थी के जटिल, अमूर्त और अपरिमाण्य मानवीय पहलुओं (जैसे रचनात्मकता, नैतिक मूल्य, संवेगात्मक विकास और सामाजिक संवेदनशीलता) का सटीक मूल्यांकन करने में पूरी तरह असमर्थ रहता है।

199. (B) संरचना-असंगत विविधता (Construct-Irrelevant Variance) जो वैधता को कम करती है
जब गणितीय समस्या-समाधान परीक्षण में अत्यधिक जटिल भाषा का प्रयोग किया जाता है, तो परीक्षण गणितीय क्षमता के साथ-साथ भाषा ज्ञान को भी मापने लगता है। यह परिदृश्य मापन में संरचना-असंगत विविधता (Construct-Irrelevant Variance) का परिचय देता है, जो परीक्षण की मूल मापन वैधता को गंभीर रूप से कम कर देता है।

200. (C) निर्णय लेने के लिए रचनात्मक (Formative), प्रदर्शन (Performance) और योगात्मक (Summative) आकलनों का त्रिभुजीकरण (Triangulation) करना
एक वैज्ञानिक और संतुलित विद्यालय-व्यापी मूल्यांकन नीति तैयार करने के लिए विविध मापन विधियों का उपयोग आवश्यक है। रचनात्मक, प्रदर्शन-आधारित और योगात्मक आकलनों का त्रिभुजीकरण (Triangulation) शिक्षार्थी की समग्र क्षमताओं और प्रगति का निष्पक्ष, वैध और बहुआयामी मूल्यांकन सुनिश्चित करता है, जो मापन सिद्धांतों का सर्वोत्तम अनुप्रयोग प्रस्तुत करता है।

www.nodia.in

NODIA

परीक्षण में कक्षा XII में पढ़ाई जाने वाली उन्नत भौतिकी के सूत्रों के बारे में प्रश्न अत्यधिक शामिल हैं। अभिक्षमता (Aptitude) माप के रूप में इस परीक्षण का उपयोग करने में प्राथमिक खामी यह है कि यह:

(A) प्रशासनों के दौरान सांख्यिकीय रूप से विश्वसनीय और सुसंगत परीक्षण अंक देने के लिए कुल लंबाई में बहुत छोटा है

(B) क्षेत्र-विशिष्ट यांत्रिक और व्यावहारिक तकनीकी अभिक्षमता के बजाय सामान्य अमूर्त बुद्धिमत्ता को मापता है

(C) एक उपलब्धि परीक्षण की तरह कार्य करता है, उन छात्रों को दंडित करता है जिनमें भौतिकी के सूत्रों में विशिष्ट पूर्व अनुदेशन का अभाव है

(D) असाधारण रूप से कम प्रत्यक्ष वैधता प्रदर्शित करते हुए अप्रत्याशित रूप से उच्च भविष्यसूचक वैधता प्रदर्शित करता है

31. यदि एक अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) उसी क्षेत्र में उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) के साथ अत्यधिक सह-संबंधित है, तो एक मापन विशेषज्ञ तार्किक रूप से यह निष्कर्ष निकालेगा कि:

(A) अभिक्षमता परीक्षण में किसी भी सार्थक सांख्यिकीय विश्वसनीयता या आंतरिक स्थिरता का अभाव है

(B) भावी अधिगम के कौशल पहले से सीखे गए विषय ज्ञान पर अत्यधिक निर्भर करते हैं

(C) कक्षा के अधिगम परिणामों को मापने के लिए उपलब्धि परीक्षण मौलिक रूप से अमान्य है

(D) साइकोमेट्रिशियन या परीक्षण निर्माता ने डिजाइन के दौरान एक अनुचित खाके का उपयोग किया

32. एक विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) प्राथमिक कक्षाओं में बौद्धिक रूप से प्रतिभाशाली छात्रों को संवर्धन कार्यक्रम प्रदान करने के लिए उनकी पहचान करने की योजना बना रही है। परामर्शदाता बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test) का उपयोग करने का सुझाव देता है। प्राचार्य का तर्क है कि यद्यपि बुद्धि परीक्षण उपयोगी हैं, फिर भी उनकी सावधानी से व्याख्या की जानी चाहिए। इस संदर्भ में, प्राचार्य की सावधानी सबसे अधिक उचित है क्योंकि बुद्धि परीक्षण:

(A) विशिष्ट शैक्षणिक अंतरालों का पता लगाने के लिए उपयोग किए जाने वाले नैदानिक उपलब्धि परीक्षणों के समान होते हैं

(B) उच्च संज्ञानात्मक क्षमताओं के बजाय विशेष रूप से शारीरिक मोटर समन्वय और संवेदी प्रदर्शन को मापते हैं

(C) विभिन्न परिवेशों में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों का मूल्यांकन करने के लिए उपयुक्त मानकीकृत विकासात्मक मानदंडों का अभाव रखते हैं

(D) जन्मजात संज्ञानात्मक क्षमता के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक वातावरण और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को भी प्रतिबिंबित कर सकते हैं

33. बुद्धि परीक्षण (Intelligence Testing) में मानसिक आयु (Mental Age - MA) की अवधारणा मूल रूप से किसके द्वारा शुरु की गई थी?

(A) अल्फ्रेड बिने (Alfred Binet)

(B) डेविड वेक्सलर (David Wechsler)

(C) चार्ल्स स्पीयरमैन (Charles Spearman)

(D) एल.एल. थर्स्टन (L.L. Thurstone)

34. मनोवैज्ञानिक मापन में, एक बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test) मौलिक रूप से किसका आकलन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है:

(A) निर्धारित स्कूल पाठ्यक्रम की इकाइयों और पढ़ाए गए शैक्षणिक अधिगम परिणामों का विशिष्ट स्वामित्व

(B) विशेष शैक्षणिक विषयों में वर्तमान रुचि के स्तर, व्यक्तिगत प्रेरणा और कार्य प्रतिबद्धता

(C) सामान्य संज्ञानात्मक क्षमता, अमूर्त तर्क और व्यापक समस्या-समाधान क्षमता

(D) एक विशिष्ट कुशल व्यावसायिक व्यापार में भावी व्यावसायिक सफलता और व्यावहारिक प्रदर्शन

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A) : बुद्धि परीक्षण और अभिक्षमता परीक्षण आपस में निकटता से संबंधित हैं और अक्सर सामग्री में ओवरलैप होते हैं।

कारण (R) : बुद्धि और अभिक्षमता परीक्षण दोनों ही केवल स्पष्ट रूप से सिखाए गए ज्ञान के बजाय छात्र की सीखने की क्षमता को मापने का प्रयास करते हैं।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है

(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है

(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है

(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

36. निम्नलिखित में से कौन सा कथन एक बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test) को एक विशिष्ट अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) से अलग करता है?

(A) बुद्धि परीक्षण हमेशा शाब्दिक भाषा के प्रश्नों पर निर्भर करते हैं, जबकि अभिक्षमता परीक्षण विशेष रूप से अशाब्दिक कार्यों पर निर्भर करते हैं।

(B) बुद्धि परीक्षण अतीत के संचयी अधिगम अनुभवों का आकलन करते हैं, जबकि अभिक्षमता परीक्षण तत्काल वर्तमान अधिगम का आकलन करते हैं।

(C) बुद्धि परीक्षण हमेशा कठोरता से मानकीकृत होते हैं, जबकि अभिक्षमता परीक्षण विशेष रूप से अनौपचारिक, शिक्षक-निर्मित उपकरण होते हैं।

(D) बुद्धि परीक्षण सामान्य संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करते हैं, जबकि अभिक्षमता परीक्षण स्थानिक कौशल जैसे विशिष्ट क्षेत्रों को लक्षित करते हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

(A) परीक्षण अंक सीधे किसी निर्दिष्ट कौशल की महारत या गैर-महारत को दर्शाता है।
(B) अंक की तुलना व्यवस्थित रूप से एक निरपेक्ष प्रदर्शन मानक से की जाती है।
(C) अंक सीधे विशिष्ट लक्षित अनुदेशात्मक उपचार को सूचित और निर्देशित करता है।
(D) अंक इस बात पर निर्भर करता है कि अन्य छात्र कैसा प्रदर्शन करते हैं।

101. एक वस्तुनिष्ठ-प्रकार के परीक्षण प्रश्न (Objective-Type Test Item) को मौलिक रूप से किसके द्वारा परिभाषित किया गया है?
(A) पूरे परीक्षा पत्र में बहुविकल्पीय और मिलान वाले प्रश्न प्रारूपों का अनन्य उपयोग
(B) परीक्षक के निर्णय या पूर्वाग्रह से मुक्त अंकन
(C) प्रत्येक प्रश्न के लिए छात्रों द्वारा विस्तृत लिखित उत्तर तैयार करने की अनिवार्य आवश्यकता
(D) कक्षा प्रशासन के दौरान लागू की गई एक कठोर, मानकीकृत समय सीमा की उपस्थिति

102. वस्तुनिष्ठ-प्रकार के परीक्षणों (Objective-Type Tests) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे पाठ्यक्रम की सामग्री के व्यापक नमूने की अनुमति देते हैं।
II. वे अंकन में अत्यधिक विश्वसनीय होते हैं।
III. वे विचारों को व्यवस्थित और संश्लेषित करने की छात्र की क्षमता को मापने के लिए उत्कृष्ट हैं।
IV. वे आमतौर पर निबंध परीक्षणों की तुलना में निर्माण करने में अधिक समय लेने वाले होते हैं।
उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I, III, और IV

103. निम्नलिखित में से कौन सा वस्तुनिष्ठ परीक्षण प्रश्न (Objective Test Item) का एक प्रकार नहीं है?
(A) बहुविकल्पीय एकल-चयन प्रश्न (Multiple-Choice Single-Select Item)
(B) वैकल्पिक-प्रतिक्रिया सत्य/असत्य प्रश्न (Alternate-Response True/False Item)
(C) कॉलम-मिलान प्रारूप वाले प्रश्न (Column-Matching Format Item)
(D) विस्तृत उत्तर वाले निबंध प्रश्न (Extended-Response Essay Item)

104. वस्तुनिष्ठ परीक्षणों (Objective Tests) की उच्च विश्वसनीयता (Reliability) मुख्य रूप से किसके कारण होती है?
(A) मूल्यांकनकर्ता की परिवर्तनशीलता का उन्मूलन
(B) परीक्षण प्रश्नों का उच्च कठिनाई स्तर
(C) छात्रों द्वारा सही उत्तरों का अनुमान लगाने की उच्च संभावना
(D) स्पष्ट और मानकीकृत परीक्षण निर्देशों का अभाव

105. वस्तुनिष्ठ परीक्षणों (Objective Tests) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वे परीक्षण अंकन प्रक्रियाओं में असाधारण रूप से उच्च वस्तुनिष्ठता और स्थिरता सुनिश्चित करते हैं।
(B) वे प्रभावी ढंग से हस्तलेखन गुणवत्ता और अभिव्यंजक लेखन कौशल का मूल्यांकन करते हैं।
(C) वे स्वाभाविक रूप से छात्र के अनुमान लगाने और विकल्प उन्मूलन रणनीतियों के प्रति संवेदनशील रहते हैं।
(D) स्वचालित ऑप्टिकल स्कैनर का उपयोग करके उन्हें बहुत तेजी से और कुशलता से जांचा जा सकता है।

106. सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) आपूर्ति-प्रकार का प्रश्न (Supply-Type Item) – बहुविकल्पीय एकल-चयन प्रश्न प्रारूप
(B) आपूर्ति-प्रकार का प्रश्न (Supply-Type Item) – वाक्य पूर्ति लघु उत्तर
(C) चयन-प्रकार का प्रश्न (Selection-Type Item) – रिक्त स्थान भरें तथ्यात्मक प्रश्न
(D) चयन-प्रकार का प्रश्न (Selection-Type Item) – विस्तृत उत्तर विश्लेषणात्मक निबंध

107. एक बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple-Choice Question - MCQ) में, समस्या या प्रश्न वाले मुख्य भाग को किस रूप में जाना जाता है?
(A) स्टेम (Stem)
(B) डिस्ट्रेक्टर (Distractor)
(C) की / उत्तर (Key)
(D) फॉयल (Foil)

NODIA

108. बहुविकल्पीय प्रश्नों (Multiple-Choice Questions - MCQs) के निर्माण के लिए निम्नलिखित नियमों पर विचार कीजिए:
I. स्टेम को एक स्पष्ट, केंद्रीय समस्या प्रस्तुत करनी चाहिए।
II. सभी भ्रामक विकल्प (Distractors) प्रशंसनीय और तार्किक रूप से स्टेम से संबंधित होने चाहिए।
III. सही उत्तर की स्थिति को एक अनुमानित पैटर्न का पालन करना चाहिए (जैसे, ज्यादातर विकल्प C)।
उपरोक्त में से कौन सा/से नियम सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

109. बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple-Choice Question) में गलत विकल्पों को तकनीकी रूप से कहा जाता है:
(A) स्टेम (Stem) या केंद्रीय प्रश्न संकेत
(B) की (Keys) या सही प्रतिक्रिया विकल्प

(B) कई विषय क्षेत्रों में सामान्य पाठ्यक्रम उद्देश्यों के एक व्यापक नमूने का चयन करना
(C) अनुदैर्ध्य शैक्षणिक डेटा का उपयोग करके भविष्यसूचक वैधता गुणांक की गणना करना
(D) मापे जाने वाले कौशल या अवधारणा का एक विस्तृत कार्य विश्लेषण (Task Analysis) करना

46. निम्नलिखित में से कौन सा नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) के निर्माण में एक अनिवार्य सिद्धांत नहीं है?
(A) निर्दिष्ट अधिगम बिंदुओं को सख्ती से पदानुक्रमित और क्रमिक तार्किक क्रम में कवर करना
(B) मूल्यांकन के तहत प्रत्येक विशिष्ट उप-अवधारणा या सूक्ष्म अधिगम बिंदु के लिए कई प्रश्नों को शामिल करना
(C) शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को अलग करने के लिए परीक्षण का बहुत उच्च समग्र कठिनाई स्तर सुनिश्चित करना
(D) आम छात्र त्रुटियों और गलतफहमियों को पकड़ने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए प्रश्नों को तैयार करना

47. नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Tests) आमतौर पर एक कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index) के साथ बनाए जाते हैं जो:
(A) बहुत उच्च स्तर पर सेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रश्न औसत छात्रों के लिए बेहद कठिन बनाए गए हैं
(B) मानक प्रश्न कठिनाई के बजाय विशिष्ट अधिगम त्रुटियों को प्रकट करने पर आधारित होता है
(C) न्यूनतम योग्यता का परीक्षण करने और मूलभूत अंतरालों की पहचान करने के लिए बहुत निम्न स्तर पर बनाए रखा जाता है
(D) सांख्यिकीय भिन्नता को अधिकतम करने के लिए सभी शामिल परीक्षण प्रश्नों के लिए ठीक 0.50 के रूप में मानकीकृत होता है

48. नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) के निर्माण में निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. अवलोकन या सामान्य परीक्षणों के माध्यम से समस्या क्षेत्रों की पहचान।
II. शामिल विशिष्ट कौशलों और उप-कौशलों का विस्तृत विश्लेषण।
III. ऐसे प्रश्न विकसित करना जो सामान्य गलतफहमियों और प्रक्रियात्मक त्रुटियों को लक्षित करते हैं।
उपरोक्त में से कौन सा/से चरण सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

49. नैदानिक परीक्षण के निर्माण और उपयोग के निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. विशिष्ट त्रुटि पैटर्न की पहचान करने के लिए परीक्षण प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करना।
2. कार्य विश्लेषण के आधार पर एक परीक्षण विनिर्देश सारणी (Blueprint) तैयार करना।
3. उप-कौशलों को लक्षित करने वाले परीक्षण प्रश्नों को लिखना।
4. पहचाने गए अंतरालों के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) डिज़ाइन करना।
(A) 2, 3, 1, 4
(B) 1, 2, 3, 4
(C) 3, 2, 4, 1
(D) 2, 1, 3, 4

50. एक परीक्षण निर्माता एक बहुविकल्पीय नैदानिक परीक्षण में ऐसे विकल्प शामिल करता है जो छात्रों द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं (जैसे, भिन्नों में अंश और हर को जोड़ना)। तार्किक रूप से, ये भ्रामक विकल्प (Distractors) किसके लिए डिज़ाइन किए गए हैं:
(A) नैदानिक परीक्षण उपकरण के समग्र साइकोमेट्रिक कठिनाई स्तर को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना
(B) समयबद्ध परिस्थितियों में आकलन में असफल होने के लिए कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को जानबूझकर छलना
(C) छात्रों की गलतफहमियों की सटीक प्रकृति के बारे में विशिष्ट अंतर्दृष्टि प्रदान करना
(D) पूरे समूह में छात्र परीक्षण अंकों का एक पूरी तरह से सममित सामान्य वितरण सुनिश्चित करना

51. नैदानिक परीक्षण के अनुवर्ती के रूप में उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) को सबसे अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है:
(A) पहचानी गई अधिगम की कमियों को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया लक्षित अनुदेशन
(B) शैक्षणिक विद्यालय वर्ष की शुरुआत से पूरे निर्धारित पाठ्यक्रम को फिर से पढ़ाना
(C) अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए समान प्रकार के अतिरिक्त गृहकार्य अभ्यास कार्य सौंपना
(D) नियमित स्कूल समय के बाद छात्रों को रोककर शैक्षणिक कमियों के लिए दंडित करना

52. अंग्रेजी व्याकरण में एक नैदानिक परीक्षण के बाद, यह पाया गया कि कक्षा VI के छात्रों का एक समूह जटिल वाक्यों में कर्ता-क्रिया संगति (Subject-Verb Agreement) में लगातार भ्रमित होता है, हालांकि वे सरल वाक्यों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। प्राचार्य अगले चरणों पर शिक्षक को सलाह देते हैं। सबसे उपयुक्त उपचारात्मक कार्रवाई (Remedial Action) होगी:
(A) संघर्ष कर रहे छात्रों को कक्षा V की अंग्रेजी कक्षाओं में तब तक डिमोट करना जब तक वे बुनियादी व्याकरण नियमों में महारत हासिल न कर लें
(B) छात्रों को 100 अनियमित क्रियाओं और संगति नियमों की एक व्यापक सूची याद करने का निर्देश देना

Downloaded from www.pdf.tube

(D) छात्र ने मानक नमूना समूह के 85% से अधिक अंक प्राप्त किए।

85. मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Tests) आमतौर पर प्रश्न कठिनाइयों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए बनाए जाते हैं। इसका मुख्य कारण है:
(A) यह सुनिश्चित करना कि लगभग सभी नामांकित छात्र आकलन में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हों
(B) सामान्य वितरण प्राप्त करने के लिए परीक्षार्थियों के बीच विभेदन को अधिकतम करना
(C) शिक्षार्थियों में विशिष्ट अधिगम विकलांगताओं और स्थानीय संज्ञानात्मक कमियों का सटीक पता लगाना
(D) यह गारंटी देना कि कोई भी व्यक्तिगत छात्र 100 प्रतिशत का सही अंक प्राप्त न करे

86. सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) – सामान्य संभाव्यता वक्र (Normal Probability Curve)
(B) मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) – महारत अधिगम (Mastery Learning)
(C) मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) – प्रतिशतक रैंक (Percentile Rank)
(D) निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) – Z-अंक तुलना (Z-Score Comparison)

87. मानक-संदर्भित परीक्षणों (Norm-Referenced Tests) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वे चयनात्मक प्रवेश और छात्रवृत्ति निर्णयों के लिए अत्यधिक प्रभावी हैं जहाँ उपलब्ध सीटें सीमित हैं।
(B) वे विशेष रूप से एक निरंतरता में छात्र अंकों के व्यापक सांख्यिकीय प्रसार को बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
(C) वे नियमित रूप से उन परीक्षण प्रश्नों को समाप्त कर देते हैं जो ट्राइ-आउट में लगभग सभी भाग लेने वाले छात्रों द्वारा सही उत्तर दिए जाते हैं।
(D) वे स्पष्ट रूप से उन विशिष्ट कौशलों को इंगित करते हैं जिन्हें एक छात्र ने महारत हासिल की है या नहीं की है।

88. एक निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. यह पूर्व निर्धारित मानक या निरपेक्ष निकष (Absolute Criterion) के विरुद्ध छात्र के प्रदर्शन को मापता है।
II. यह महारत अधिगम (Mastery Learning) पर अत्यधिक केंद्रित है।
III. इसका उद्देश्य छात्रों को योग्यता के क्रम में रैंक करना है।
उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

89. एक निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) को सबसे अच्छी तरह से ऐसे आकलन के रूप में परिभाषित किया गया है जो:
(A) किसी व्यक्तिगत छात्र के परीक्षण अंक की तुलना राष्ट्रीय या क्षेत्रीय सहकर्मी समूह के औसत अंक से करता है
(B) दूसरों के प्रदर्शन की परवाह किए बिना प्रदर्शित विशिष्ट ज्ञान और कौशल का वर्णन करता है
(C) सामान्य अमूर्त बुद्धिमत्ता को मापने के लिए नैदानिक मनोवैज्ञानिक परिवेश में विशेष रूप से उपयोग किया जाता है
(D) गुणात्मक प्रक्षेपी व्यक्तित्व तकनीकों और असंरचित अवलोकनात्मक उपकरणों पर पूरी तरह से निर्भर करता है

90. एक ड्राइविंग परीक्षण जहाँ उम्मीदवार को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए सही ढंग से समानांतर पार्क करना, लाल बत्तियों पर रुकना और मोड़ के संकेत देना अनिवार्य है, किसका एक उदाहरण है?
(A) निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test)
(B) मानकीकृत मानक-संदर्भित परीक्षण (Standardized Norm-Referenced Test)
(C) पूर्वानुमानिक अभिक्षमता परीक्षण (Prognostic Aptitude Test)
(D) सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test)

NODIA

91. मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) के संदर्भ में, यह आकलन करना कि क्या कक्षा III का बच्चा प्रति मिनट 35 शब्दों की गति से पाठ को सही ढंग से पढ़ सकता है, किसका एक अनुप्रयोग है:
(A) निकष-संदर्भित आकलन (Criterion-Referenced Assessment)
(B) मानकीकृत मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Standardized Norm-Referenced Evaluation)
(C) सामान्य संज्ञानात्मक बुद्धि परीक्षण (General Cognitive Intelligence Testing)
(D) नैदानिक स्थानन आकलन (Diagnostic Placement Assessment)

92. एक स्कूल एक नया योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम (Competency-Based Curriculum) लागू करता है। प्राचार्य यह अनिवार्य करता है कि आकलन को अब यह निर्धारित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि क्या छात्र ने कक्षा में प्रथम कौन आया यह घोषित करने के बजाय विशिष्ट अधिगम परिणाम (जैसे, "हासिल के साथ दो अंकों का जोड़ हल कर सकता है") प्राप्त कर लिया है। प्राचार्य किसकी ओर बदलाव की वकालत कर रहे हैं?
(A) मानक-संदर्भित शैक्षणिक मूल्यांकन (Norm-Referenced Academic Evaluation)

(C) प्रशासन, अंकन कुंजी, मानदंडों और तकनीकी डेटा के लिए व्यापक दिशानिर्देश
(D) पिछले समूह के परीक्षार्थियों की प्रमाणित नमूना उत्तर पुस्तिकाएं और अंकन मानदंड

61. मानकीकृत परीक्षणों (Standardized Tests) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वे साइकोमेट्रिक विशेषज्ञों द्वारा कठोर अनुभवजन्य प्रश्न विश्लेषण प्रक्रियाओं का उपयोग करके बनाए जाते हैं।
(B) वे एक व्यापक संदर्भ मानक समूह के साथ व्यक्तिगत अंकों की तुलना करने के लिए एक मानकीकृत आधार प्रदान करते हैं।
(C) उनके पास उच्च सांख्यिकीय विश्वसनीयता गुणांक और पूरी तरह से स्थापित संरचनात्मक वैधता (Construct Validity) होती है।
(D) उन्हें प्रशासन के दौरान कक्षा शिक्षकों द्वारा लचीले ढंग से संशोधित किया जा सकता है।

62. मानकीकृत परीक्षणों (Standardized Tests) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इनमें व्यापक पूर्व-परीक्षण या ट्राइ-आउट शामिल हैं।
II. परीक्षण प्रश्नों का चयन कठिनाई और विभेदन सूचकांकों (Discrimination Indices) के आधार पर किया जाता है।
III. वे आमतौर पर शिक्षक-निर्मित परीक्षणों की तुलना में स्थानीय, विशिष्ट कक्षा उद्देश्यों के लिए अधिक मान्य होते हैं।
IV. वे वस्तुनिष्ठ अंकन प्रक्रियाएं प्रदान करते हैं।
उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I, III, और IV

63. मानकीकरण (Standardization) की प्रक्रिया में, परीक्षण प्रश्नों के प्रारंभिक प्रारूप के ठीक बाद कौन सा चरण आता है?
(A) मानदंड (Norms) स्थापित करना
(B) प्रश्नों का ट्राइ-आउट (Try-Out) या पायलट परीक्षण
(C) परीक्षण का अंतिम मुद्रण
(D) अंतिम प्रारूप के विश्वसनीयता गुणांक की गणना करना

64. किसी परीक्षण के मानकीकरण (Standardization) के सामान्य चरणों को सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. प्रारंभिक प्रारूप तैयार करना
2. परीक्षण की योजना बनाना (उद्देश्य, विनिर्देश सारणी)
3. मानदंड स्थापित करना और नियमावली तैयार करना
4. ट्राइ-आउट और प्रश्न विश्लेषण (Item Analysis)
5. अंतिम प्रारूप तैयार करना
(A) 2, 1, 4, 5, 3 (B) 1, 2, 4, 3, 5
(C) 2, 4, 1, 5, 3 (D) 4, 2, 1, 3, 5

65. मानकीकरण प्रक्रिया के दौरान 'ट्राइ-आउट' (Try-Out) आयोजित करने का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) प्रश्नों के कठिनाई स्तर और विभेदन शक्ति (Discriminating Power) का निर्धारण करना
(B) अंतिम परीक्षा से पहले छात्रों को पर्याप्त अभ्यास के अवसर प्रदान करना
(C) शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र उम्मीदवारों को औपचारिक समापन प्रमाण पत्र वितरित करना
(D) परीक्षण पुस्तिकाओं के लिए प्रशासनिक बजट (Administrative Budget) और मुद्रण व्यय को अंतिम रूप देना

66. मानकीकरण के प्रश्न विश्लेषण (Item Analysis) चरण के दौरान, एक नकारात्मक विभेदन सूचकांक (Negative Discrimination Index) वाले प्रश्न को आमतौर पर:
(A) परीक्षण पूल में रखा जाता है क्योंकि यह बौद्धिक रूप से प्रतिभाशाली छात्रों की प्रभावी ढंग से पहचान करता है
(B) परीक्षण डेवलपर्स द्वारा इसकी समग्र कठिनाई को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए संरचनात्मक रूप से संशोधित किया जाता है
(C) खारिज कर दिया जाता है क्योंकि कम प्रदर्शन करने वाले छात्र उच्च प्रदर्शन करने वालों की तुलना में इसका उत्तर अधिक बार सही देते हैं
(D) बिना किसी संशोधन के रखा जाता है क्योंकि यह एक संतुलित सामान्य अंक वितरण सुनिश्चित करने में मदद करता है

67. एक साइकोमेट्रिशियन एक नए विकसित पठन परीक्षण के लिए 'मानदंड' (Norms) निर्धारित कर रहा है। इसमें अनिवार्य रूप से शामिल है:
(A) एक प्रतिनिधि नमूने से संदर्भ प्रदर्शन डेटा स्थापित करना
(B) खुले निबंध प्रश्नों के लिए विस्तृत विश्लेषणात्मक अंकन रुब्रिक्स और उत्तर गाइड लिखना
(C) वितरित परीक्षण पुस्तिकाओं की भौतिक मुद्रण गुणवत्ता और मुद्रण संबंधी सटीकता का निरीक्षण करना
(D) यह सुनिश्चित करने के लिए अनुभवजन्य वैधता जांच संचालित करना कि परीक्षण अपने इच्छित निर्माण को मापता है

68. परीक्षण मानकीकरण में शामिल निम्नलिखित प्रक्रियाओं पर विचार कीजिए:
I. परीक्षण-पुनर्परीक्षण या विभाजन-आधा विधियों के माध्यम से विश्वसनीयता का आकलन करना।
II. विषय वस्तु और संरचनात्मक वैधता (Construct Validity) स्थापित करना।
III. बाहरी चर को खत्म करने के लिए एक कठोर परीक्षण वातावरण तय करना।
उपरोक्त में से कौन सा/से परीक्षण के मानकीकरण के आवश्यक घटक हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) उनकी समग्र शाब्दिक बुद्धिमत्ता और प्रदर्शन की पुष्टि करने के लिए एक सामान्यीकृत सर्वेक्षण परीक्षण आयोजित करना
(D) सरल से जटिल कर्ता-क्रिया संरचनाओं में परिवर्तन को अलग करने वाले अभ्यासों को डिज़ाइन करना

53. नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) और उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) के बीच प्राथमिक कार्य-कारण संबंध क्या है?
(A) नैदानिक परीक्षण छात्र के परीक्षण की चिंता को बढ़ाता है, जिससे उपचारात्मक शिक्षण की तत्काल आवश्यकता पैदा होती है।
(B) नैदानिक परीक्षण विशिष्ट त्रुटियों को इंगित करता है, जो सटीक सुधारात्मक शिक्षण का मार्गदर्शन करता है।
(C) उपचारात्मक शिक्षण व्यापक छात्र विफलता का कारण बनता है, जिससे आगे के परीक्षण की आवश्यकता पैदा होती है।
(D) नैदानिक परीक्षण इसके बाद के उपचारात्मक शिक्षण हस्तक्षेपों की आवश्यकता को पूरी तरह से बदल देता है।

54. नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) के परिणामों के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) लागू करते समय, एक शिक्षक को आदर्श रूप से करना चाहिए:
(A) सख्ती से उसी अनुदेशात्मक पद्धति पर निर्भर रहना जो नियमित कक्षा शिक्षण के दौरान शुरू में विफल रही थी
(B) उन्नत महारत हासिल करने के लिए केवल सबसे बुद्धिमान छात्रों का समर्थन करने पर अनुदेशात्मक समय केंद्रित करना
(C) पहचाने गए अंतरालों के अनुकूल विभिन्न दृष्टिकोणों और व्यक्तिगत ध्यान का उपयोग करना
(D) छात्रों को बिना सहायता वाले स्व-अध्ययन मॉड्यूल के माध्यम से न सीखी गई अवधारणाओं पर स्वतंत्र रूप से महारत हासिल करने की आवश्यकता होना

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) एक पूरी कक्षा के सामान्य व्याख्यान के बजाय एक अत्यधिक व्यक्तिगत या छोटे समूह की प्रक्रिया है।
कारण (R) : नैदानिक परीक्षणों (Diagnostic Tests) से पता चलता है कि विभिन्न छात्रों में अलग-अलग विशिष्ट अधिगम अंतराल और गलतफहमियां होती हैं जिनके लिए कस्टमाइज्ड हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

56. निम्नलिखित में से कौन सा उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) में एक प्रभावी अभ्यास नहीं है?
(A) पूरा पाठ्यक्रम पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ना
(B) शिक्षार्थियों को तत्काल, रचनात्मक और सुधारात्मक प्रदर्शन प्रतिक्रिया प्रदान करना
(C) जटिल अधिगम कार्यों को व्यवस्थित रूप से छोटे, प्रबंधनीय अनुदेशात्मक चरणों में तोड़ना
(D) विभिन्न वैकल्पिक शिक्षण सामग्रियों, ठोस जोड़-तोड़ वाली वस्तुओं (Manipulatives) और दृश्य साधनों का उपयोग करना

57. एक मानकीकृत परीक्षण (Standardized Test) को सबसे अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है:
(A) नियमित साप्ताहिक शैक्षणिक आकलनों के लिए एक व्यक्तिगत कक्षा शिक्षक द्वारा तेजी से तैयार किया गया
(B) जिसमें समान प्रशासन, अंकन और मानक व्याख्या प्रक्रियाएं हों
(C) गुणात्मक विश्लेषण की आवश्यकता वाले खुले उत्तर वाले विश्लेषणात्मक निबंध प्रश्नों से मिलकर बना हुआ
(D) औपचारिक साइकोमेट्रिक विश्वसनीयता या वैधता सत्यापन से पूरी तरह से मुक्त

58. निम्नलिखित में से कौन सा एक मानकीकृत परीक्षण (Standardized Test) की प्राथमिक विशेषता है?
(A) इसे विशेष रूप से कक्षा परिवेश में सतत रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) के लिए डिज़ाइन और उपयोग किया जाता है
(B) मानदंड (Norms) एक बड़े, प्रतिनिधि नमूने का उपयोग करके स्थापित किए जाते हैं
(C) व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ता के निर्णय के आधार पर विषयनिष्ठ अंकन मानदंड महत्वपूर्ण रूप से भिन्न होते हैं
(D) इसमें मानकीकृत प्रशासन नियमावली का अभाव होता है, जो परीक्षण केंद्रों में लचीले समय की अनुमति देता है

59. राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (National Achievement Survey - NAS) किसका एक उदाहरण है?
(A) मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण (Standardized Achievement Test) उपकरण
(B) व्यापक शिक्षक-निर्मित नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)
(C) व्यक्तिगत अशाब्दिक निष्पादन परीक्षण
(D) असंरचित प्रक्षेपी व्यक्तित्व परीक्षण

60. मानकीकृत परीक्षण (Standardized Tests) आमतौर पर एक नियमावली (Manual) के साथ आते हैं। यह नियमावली मुख्य रूप से प्रदान करती है:
(A) आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए संपूर्ण रूपरेखा और अनुशंसित अनुदेशात्मक सामग्री
(B) परीक्षण सामग्री खरीदने और वितरित करने के लिए विस्तृत वित्तीय और प्रशासनिक दिशानिर्देश

NODIA

77. मानकीकृत और शिक्षक-निर्मित परीक्षणों में अंतर करने वाले गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) मानकीकृत – व्यापक सामग्री कवरेज / शिक्षक-निर्मित – विशिष्ट, संकीर्ण सामग्री कवरेज
(B) मानकीकृत – औपचारिक प्रश्न विश्लेषण / शिक्षक-निर्मित – आमतौर पर औपचारिक प्रश्न विश्लेषण का अभाव
(C) मानकीकृत – मानदंड स्थापित करता है / शिक्षक-निर्मित – स्थानीय कक्षा के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है
(D) मानकीकृत – लचीला प्रशासन / शिक्षक-निर्मित – कठोर प्रशासन

78. एक प्राचार्य अपने स्कूल के कक्षा X के छात्रों की गणित उपलब्धि की तुलना राज्य भर के छात्रों के औसत प्रदर्शन से करना चाहती है। उसे किस प्रकार के परीक्षण का उपयोग करना चाहिए?
(A) एक व्यापक शिक्षक-निर्मित नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) उपकरण
(B) एक अनौपचारिक शिक्षक-निर्मित रचनात्मक आकलन कार्य
(C) एक मानकीकृत सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Standardized Survey Achievement Test)
(D) एक विस्तृत गुणात्मक आख्यानात्मक रिकॉर्ड लॉग

79. परीक्षण वैधता (Test Validity) के संदर्भ में, शिक्षक-निर्मित परीक्षण (Teacher-Made Tests) मानकीकृत परीक्षणों (Standardized Tests) की तुलना में आमतौर पर किस विशिष्ट प्रकार की वैधता में उत्कृष्ट होते हैं?
(A) भावी शैक्षणिक सफलता के लिए दीर्घकालिक भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity)
(B) दिए गए विशिष्ट अनुदेशन के सापेक्ष विषय वस्तु वैधता (Content Validity)
(C) विविध छात्र समूहों में सैद्धांतिक संरचनात्मक वैधता
(D) स्थापित अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के साथ समवर्ती वैधता

80. तार्किक रूप से, एक मानकीकृत परीक्षण (Standardized Test) साप्ताहिक क्विज़ के लिए शिक्षक-निर्मित परीक्षण (Teacher-Made Test) को आसानी से नहीं बदल सकता क्योंकि:
(A) विस्तृत कक्षा सामग्री को पर्याप्त रूप से कवर करने के लिए मानकीकृत परीक्षण पुस्तिकाएं बहुत छोटी होती हैं
(B) मानकीकृत परीक्षण अंतर्निहित रूप से कक्षा क्विज़ की तुलना में कम सांख्यिकीय विश्वसनीयता प्रदर्शित करते हैं
(C) राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के तहत साप्ताहिक अंतराल पर मानकीकृत परीक्षण स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है
(D) साप्ताहिक रचनात्मक प्रतिक्रिया के लिए प्रशासन बहुत बोझिल है और सामग्री बहुत सामान्य है

NODIA

81. निम्नलिखित में से कौन सा एक स्कूल में मानकीकृत और शिक्षक-निर्मित दोनों परीक्षणों का सबसे अच्छा एकीकृत उपयोग है?
(A) सतत रचनात्मक आकलन (Continuous Formative Assessment) के लिए शिक्षक-निर्मित परीक्षणों का उपयोग करना और आवधिक बेंचमार्किंग के लिए मानकीकृत परीक्षणों (Standardized Tests) का उपयोग करना
(B) दिन-प्रतिदिन के साप्ताहिक ग्रेडिंग के लिए मानकीकृत परीक्षणों (Standardized Tests) का उपयोग करना जबकि वर्ष के अंत की राज्य रिपोर्टिंग के लिए शिक्षक-निर्मित परीक्षणों को आरक्षित रखना
(C) पूर्ण अनुदेशात्मक समानता सुनिश्चित करने के लिए मानकीकृत परीक्षण के पक्ष में अनौपचारिक शिक्षक-निर्मित परीक्षणों को पूरी तरह से त्याग देना
(D) दैनिक शिक्षण अंतरालों के निदान के लिए मानकीकृत परीक्षणों का उपयोग करना और विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रियाओं के लिए शिक्षक-निर्मित परीक्षणों को तैनात करना

82. एक मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) मौलिक रूप से किसके लिए डिज़ाइन किया गया है:
(A) यह निर्धारित करना कि क्या किसी छात्र ने निर्धारित अनुदेशात्मक उद्देश्यों के एक विशिष्ट सेट में सफलतापूर्वक महारत हासिल की है
(B) पूरी तरह से स्वतंत्र रूप से एक जटिल तकनीकी कौशल करने के लिए छात्र की व्यावहारिक क्षमता का आकलन करना
(C) पूर्व-परिभाषित संदर्भ समूह के साथ छात्र के प्रदर्शन की तुलना करना
(D) उस सटीक गति और सटीकता को मापना जिसके साथ एक छात्र मानकीकृत संदर्भ पाठ को पढ़ सकता है

83. एक मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) में रुचि का प्राथमिक मीट्रिक है:
(A) एक समूह में सापेक्ष स्थिति या रैंक
(B) सही उत्तर दिए गए परीक्षण प्रश्नों का सटीक कुल प्रतिशत
(C) एक विशिष्ट उप-कौशल में की गई प्रक्रियात्मक त्रुटियों की कुल संख्या
(D) पूरी परीक्षा पत्र को पूरा करने में लगा कुल समय

84. यदि कोई छात्र मानक-संदर्भित पठन परीक्षण (Norm-Referenced Reading Test) में 85वें प्रतिशतक (85th Percentile) में अंक प्राप्त करता है, तो यह दर्शाता है कि:
(A) छात्र ने परीक्षण के ठीक 85 प्रतिशत प्रश्नों का सही उत्तर दिया।
(B) महारत के स्तर तक पहुँचने के लिए छात्र को अतिरिक्त 15 प्रतिशत अंकों की आवश्यकता है।
(C) छात्र ने आकलन पत्र में 85 व्यक्तिगत प्रश्नों का सही उत्तर दिया।

37. जब एक विद्यालय मनोवैज्ञानिक WISC (Wechsler Intelligence Scale for Children) का उपयोग करता है, तो वे मुख्य रूप से डेटा एकत्र कर रहे होते हैं:
(A) कक्षा V के गणित पाठ्यक्रम पर छात्र के पूर्ण स्वामित्व और प्रदर्शन को निर्धारित करने के लिए
(B) सामान्य बौद्धिक कामकाज और विस्तृत संज्ञानात्मक प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन करने के लिए
(C) बच्चे के भविष्य में एक अत्यधिक सफल दृश्य कलाकार या डिज़ाइनर बनने की संभावना का पूर्वानुमान लगाने के लिए
(D) विशिष्ट ध्वन्यात्मक पठन त्रुटियों और अंतर्निहित भाषा प्रसंस्करण अंतरालों का निदान करने के लिए

38. शिक्षा में एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) विषयों में समग्र शैक्षणिक उपलब्धि में छात्रों को उच्चतम से निम्नतम तक व्यवस्थित रूप से रैंक करना
(B) विद्यालय के संचालन पाठ्यक्रम की सामान्य प्रभावशीलता और समग्र अनुदेशात्मक सफलता का निर्धारण करना
(C) छात्र की अधिगम कठिनाइयों के विशिष्ट अंतर्निहित कारणों की पहचान करना
(D) आगामी मानकीकृत विश्वविद्यालय परीक्षाओं में छात्र के संभावित प्रदर्शन स्तर का पूर्वानुमान लगाना

39. एक योगात्मक उपलब्धि परीक्षण (Summative Achievement Test) के विपरीत, एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) की विशेषता क्या है?
(A) उच्च प्रदर्शन करने वाले और प्रतिभाशाली छात्रों को चुनौती देने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया उच्च कठिनाई स्तर
(B) दबाव में सूचना प्रसंस्करण की गति को मापने के लिए डिज़ाइन की गई अत्यधिक कठोर समय सीमा
(C) हस्तलेखन और वाक्य निर्माण का मूल्यांकन करने के लिए विस्तृत निबंध-प्रकार के प्रश्नों पर अनन्य निर्भरता
(D) अधिगम की कमजोरियों का सटीक पता लगाने के लिए एक विशिष्ट उप-कौशल को लक्षित करने वाले कई प्रश्न

40. सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) – सीधे लक्षित उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) की ओर ले जाता है
(B) योगात्मक परीक्षण (Summative Test) – अनुदेशन के दौरान तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करता है
(C) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test) – बुद्धिमत्ता लब्धि को मापता है
(D) स्थानन परीक्षण (Placement Test) – पदोन्नति के लिए शैक्षणिक वर्ष के अंत में दिया जाता है

41. एक गणित शिक्षक देखता है कि कई छात्र भिन्नों को सही ढंग से हल करने में लगातार असफल होते हैं। यह समझने के लिए कि वे बिल्कुल कहाँ गलतियाँ कर रहे हैं (जैसे, लघुत्तम समापवर्त्य निकालना, अंशों को जोड़ना), शिक्षक को निम्नलिखित में से किसका निर्माण और प्रशासन करना चाहिए?
(A) मानकीकृत बुद्धि परीक्षण (Standardized Intelligence Test)
(B) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)
(C) सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test)
(D) निष्पादन गति परीक्षण (Performance Speed Test)

42. नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) के लिए निम्नलिखित में से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है?
(A) इसे पूरे समूह में छात्र अंकों का एक पूरी तरह से संतुलित सामान्य संभाव्यता वक्र (Normal Probability Curve) तैयार करना चाहिए।
(B) इसमें लक्षित अधिगम कार्य के विस्तृत, क्रमिक चरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रश्न होने चाहिए।
(C) यह पूरी तरह से मानकीकृत होना चाहिए और छात्रों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि नमूने पर आधारित होना चाहिए।
(D) तेजी से और स्पष्ट अंकन सुनिश्चित करने के लिए इसमें पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ सत्य/असत्य प्रश्न होने चाहिए।

43. नैदानिक परीक्षणों (Diagnostic Tests) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वे आमतौर पर एक एकल कुल अंक देते हैं जिसका उपयोग अंतिम ग्रेडिंग के लिए किया जाता है।
(B) वे सर्वेक्षण परीक्षणों की तुलना में अधिक गुणात्मक और विश्लेषणात्मक होते हैं।
(C) छात्रों को अपनी प्रक्रिया प्रदर्शित करने की अनुमति देने के लिए वे अक्सर समयबद्ध नहीं होते हैं।
(D) वे अधिगम के उत्पाद और उसमें शामिल प्रक्रिया/त्रुटियों दोनों का विश्लेषण करते हैं।

44. एक प्राचार्य एक नव नियुक्त शिक्षक को सलाह देता है कि छात्रों की त्रुटियों का निदान करना एक डॉक्टर द्वारा मरीज का निदान करने के समान है। नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) के प्रशासन के बाद, अनिवार्य अगला कदम है:
(A) संचयी रिकॉर्ड (Cumulative Record) में अंकों को दर्ज करना और अगली इकाई पर जाना
(B) राष्ट्रीय मानक के साथ छात्र के अंक की तुलना करना
(C) एक व्यक्तिगत उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) कार्यक्रम की योजना बनाना और उसे निष्पादित करना
(D) माता-पिता के साथ अनुशासनात्मक बैठक बुलाना

45. एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) का निर्माण करते समय, एक शिक्षक को सबसे पहले करना चाहिए:
(A) परीक्षण के लिए राष्ट्रीय मानदंड (National Norms) और मानकीकृत प्रदर्शन मानक स्थापित करना

Downloaded from www.pdf.tube

(B) मानकीकृत शैक्षणिक अभिक्षमता मूल्यांकन (Standardized Scholastic Aptitude Evaluation)
(C) निकष-संदर्भित मूल्यांकन (Criterion-Referenced Evaluation)
(D) दीर्घकालिक पूर्वानुमानिक मूल्यांकन (Long-term Prognostic Evaluation)

93. तार्किक रूप से, एक निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) में प्रश्न की कठिनाई:
(A) छात्रों के बीच सांख्यिकीय विभेदन को अधिकतम करने के लिए सभी प्रश्नों के लिए ठीक 0.50 होने के लिए हेरफेर की जाती है
(B) कठोर और चुनौतीपूर्ण शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने के लिए हमेशा एक अत्यंत उच्च स्तर पर सेट की जाती है
(C) पूरी तरह से अप्रासंगिक मानी जाती है और परीक्षण निर्माण चरण के दौरान पूरी तरह से छोड़ दी जाती है
(D) कार्य की प्रकृति द्वारा निर्धारित होती है; यदि कार्य आसान है, तो प्रश्न आसान होता है

94. मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) और निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) के बीच प्राथमिक अंतर किस पर आधारित है?
(A) परीक्षण प्रश्नों का विशिष्ट भौतिक प्रारूप और लेआउट
(B) परीक्षण प्रशासन के दौरान उपयोग की जाने वाली अनुदेशन का प्राथमिक माध्यम
(C) परीक्षण अंकों की व्याख्या करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधि
(D) परीक्षा पत्र की कुल आवंटित अवधि और समय सीमा

95. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : रचनात्मक नैदानिक उद्देश्यों के लिए मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test) की तुलना में निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test) अधिक उपयुक्त है।
कारण (R) : निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test) सटीक रूप से निर्दिष्ट करते हैं कि छात्र ने किन अनुदेशात्मक उद्देश्यों पर महारत हासिल की है या महारत हासिल करने में विफल रहा है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

96. NRT (Norm-Referenced Test) और CRT (Criterion-Referenced Test) की तुलना करने वाले गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) NRT – सापेक्ष स्थिति पर जोर देता है / CRT – निरपेक्ष उपलब्धि पर जोर देता है
(B) NRT – अधिगम का व्यापक क्षेत्र / CRT – अधिगम का विशिष्ट क्षेत्र
(C) NRT – सफलता का अर्थ है उच्च रैंकिंग प्राप्त करना / CRT – सफलता का अर्थ है एक निर्धारित मानक प्राप्त करना
(D) NRT – सभी प्रश्न बहुत आसान होने चाहिए / CRT – सभी प्रश्न बहुत कठिन होने चाहिए

97. एक विशेष छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए 10,000 आवेदकों में से 50 छात्रों का चयन करने के लिए, सबसे उपयुक्त परीक्षण दृष्टिकोण है:
(A) मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Testing)
(B) निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Testing)
(C) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Testing)
(D) रचनात्मक निकष परीक्षण (Formative Criterion Testing)

98. यदि एक शिक्षक वर्तनी परीक्षण आयोजित करता है और छात्र को "प्रवीन" के रूप में ग्रेड देता है क्योंकि उन्होंने 90% के पूर्व-निर्धारित मानक के आधार पर 20 में से 18 शब्दों की सही वर्तनी लिखी है, तो शिक्षक उपयोग कर रहा है:
(A) मानकीकृत मानक-संदर्भित अंक व्याख्या (Standardized Norm-Referenced Score Interpretation)
(B) व्यक्तिगत छात्र अभिक्षमता प्रोफ़ाइलिंग (Individual Student Aptitude Profiling)
(C) निकष-संदर्भित व्याख्या (Criterion-Referenced Interpretation)
(D) सापेक्ष स्व-आकलन (Relative Ipsative Self-Assessment)

NODIA

99. निम्नलिखित में से कौन सा आधुनिक शैक्षिक ढांचे में आकलन के संबंध में अनुशंसित बदलाव का सबसे अच्छा सार प्रस्तुत करता है?
(A) रटने वाले योगात्मक NRTs (Norm-Referenced Tests) से दक्षता CRTs (Criterion-Referenced Tests) में बदलना
(B) सतत रचनात्मक आकलन से वर्ष के अंत के योगात्मक मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test) में बदलना
(C) स्थानीय शिक्षक-निर्मित आकलनों से विशेष रूप से राष्ट्रीय मानकीकृत मानक-संदर्भित परीक्षाओं में बदलना
(D) वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय परीक्षणों से पूरी तरह से विषयनिष्ठ, विस्तृत निबंध-आधारित मूल्यांकन में बदलना

100. निम्नलिखित में से कौन सा CRT (Criterion-Referenced Test) अंकों की व्याख्या के संबंध में सत्य नहीं है?

(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

69. एक शिक्षक-निर्मित परीक्षण (Teacher-Made Test) की मूलभूत विशेषता है:
(A) व्यापक, राष्ट्रीय स्तर के तुलनात्मक अंक मूल्यांकनों को सुविधाजनक बनाने के लिए इसका विशिष्ट विकास
(B) एक विशिष्ट कक्षा के तत्काल अनुदेशात्मक उद्देश्यों के साथ संरेखण
(C) कठोर अनुभवजन्य प्रश्न विश्लेषण का अनुप्रयोग और राष्ट्रीय मानदंडों की औपचारिक स्थापना
(D) परीक्षण प्रश्न निर्माण के दौरान बहु-स्तरीय स्तरीकृत नमूनाकरण तकनीकों पर इसकी अनिवार्य निर्भरता

70. मानकीकृत परीक्षण (Standardized Test) की तुलना में शिक्षक-निर्मित परीक्षण (Teacher-Made Test) का प्राथमिक लाभ है:
(A) विविध छात्र आबादी में लगातार उच्च सांख्यिकीय विश्वसनीयता गुणांक
(B) राज्य स्तर पर मानकीकृत प्रतिशतक रैंक और स्टेनाइन अंक प्रदान करने की क्षमता
(C) स्थानीय कक्षा की जरूरतों और कवर की गई विशिष्ट सामग्री के लिए अनुकूलन क्षमता
(D) ग्रेडिंग के लिए आधिकारिक अंकन कुंजी या उत्तर कुंजी की आवश्यकता से पूरी छूट

71. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षक-निर्मित परीक्षणों (Teacher-Made Tests) की विशिष्ट विशेषता नहीं है?
(A) वे लगातार रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) के लिए उपयोग किए जाते हैं।
(B) उनमें शायद ही कभी वैधता और विश्वसनीयता गुणांक का औपचारिक निर्धारण शामिल होता है।
(C) हाल के पाठों को प्रतिबिंबित करने के लिए उन्हें आसानी से अद्यतन या संशोधित किया जा सकता है।
(D) वे एक व्यापक तकनीकी नियमावली और मानदंडों के साथ होते हैं।

72. श्री शर्मा, एक टीजीटी विज्ञान शिक्षक, पिछले सप्ताह पढ़ाए गए 'धातु और अधातु' विषय की अपनी समझ की जांच करने के लिए अपने कक्षा VIII के छात्रों के लिए एक इकाई परीक्षण तैयार करते हैं। वह एमसीक्यू और लघु-स्तरीय प्रश्नों का मिश्रण तैयार करते हैं। इस आकलन उपकरण को सबसे अच्छी तरह वर्गीकृत किया गया है:
(A) शिक्षक-निर्मित उपलब्धि परीक्षण (Teacher-Made Achievement Test)
(B) मानकीकृत बुद्धि परीक्षण (Standardized Intelligence Test)
(C) पूर्वानुमानिक अभिक्षमता परीक्षण (Prognostic Aptitude Test)
(D) मानक-संदर्भित स्थानन परीक्षण (Norm-Referenced Placement Test)

73. शिक्षक-निर्मित परीक्षणों (Teacher-Made Tests) की गुणवत्ता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(A) वे सार्वभौमिक रूप से निर्दोष हैं क्योंकि कक्षा शिक्षकों को छात्रों का गहरा ज्ञान होता है।
(B) गुणवत्ता परीक्षण निर्माण और मूल्यांकन सिद्धांतों में शिक्षक के कौशल पर निर्भर करती है।
(C) जब भी वे वस्तुनिष्ठ प्रकार के बहुविकल्पीय प्रश्नों को शामिल करते हैं तो वे पद्धतिगत रूप से त्रुटिपूर्ण होते हैं।
(D) आधिकारिक छात्र शैक्षणिक अंक या ग्रेड निर्दिष्ट करने के लिए वे पूरी तरह से अमान्य और अविश्वसनीय हैं।

74. तार्किक रूप से, शिक्षक-निर्मित परीक्षणों (Teacher-Made Tests) में अक्सर औपचारिक मानदंडों (Norms) का अभाव क्यों होता है?
(A) आंतरिक स्कूल परीक्षणों के लिए शैक्षणिक अधिकारियों द्वारा औपचारिक मानदंड (Formal Norms) स्थापित करना प्रतिबंधित है।
(B) वे एक एकल कक्षा को लक्षित करते हैं, जिससे व्यापक मानक तुलना अनावश्यक हो जाती है।
(C) मानकीकृत परीक्षण प्रश्नों को अंक देने के लिए आवश्यक बुनियादी तकनीकी प्रशिक्षण का कक्षा शिक्षकों में अभाव होता है।
(D) मानक अंकन मानकों को शामिल करने से परीक्षण अधिकांश छात्रों के लिए अत्यधिक आसान हो जाएंगे।

75. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : मानकीकृत परीक्षण (Standardized Tests) आमतौर पर शिक्षक-निर्मित परीक्षणों (Teacher-Made Tests) की तुलना में एक विशिष्ट 4-सप्ताह की पाठ योजना की महारत निर्धारित करने के लिए कम उपयुक्त होते हैं।
कारण (R) : मानकीकृत परीक्षण एक विस्तृत आबादी के अनुकूल होने के लिए सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं, जबकि शिक्षक-निर्मित परीक्षण सटीक स्थानीय अनुदेशन के लिए बनाए जाते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

76. मानकीकृत और शिक्षक-निर्मित परीक्षणों के बीच मुख्य अंतर निहित है:
(A) कागज और पेंसिल के उपयोग में
(B) इस तथ्य में कि मानकीकृत परीक्षण कभी भी बहुविकल्पीय प्रश्नों का उपयोग नहीं करते हैं
(C) निर्माण की कठोरता, सामग्री के दायरे और मानदंडों की उपस्थिति में
(D) बुद्धिमत्ता को मापने के लिए शिक्षक-निर्मित परीक्षणों की क्षमता में

Click Here to Buy book on Amazon

(C) प्रॉम्प्ट या संदर्भ कथन
(D) डिस्ट्रेक्टर (Distractors) या फॉयल

110. MCQs (Multiple-Choice Questions) लिखते समय निम्नलिखित में से किस आम खामी से बचना चाहिए?
(A) यह सुनिश्चित करना कि सभी भ्रामक विकल्प (Distractors) लगभग समान लंबाई और संरचना के साथ निर्मित हों
(B) प्रश्न के भीतर सभी प्रतिक्रिया विकल्पों में व्याकरणिक रूप से समानांतर वाक्यांशों का उपयोग करना
(C) 'हमेशा' या 'कभी नहीं' जैसे निरपेक्ष शब्दों को शामिल करना जो सुराग के रूप में कार्य करते हैं
(D) मुख्य प्रश्न स्टेम के भीतर मुख्य समस्या को स्पष्ट और संक्षेप में बताना

111. तार्किक रूप से, एक बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple-Choice Question) में एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया भ्रामक विकल्प (Distractor):
(A) लगभग सभी परीक्षार्थियों के लिए उनकी तैयारी के स्तर की परवाह किए बिना स्पष्ट रूप से गलत होना चाहिए
(B) अज्ञानी छात्रों को आकर्षित करना चाहिए जबकि महारत हासिल करने वालों को गुमराह नहीं करना चाहिए
(C) एक चालाकी भरे प्रश्न के रूप में कार्य करना चाहिए जो विशेष रूप से शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी भ्रमित करने के लिए डिज़ाइन किया गया हो
(D) इसमें सूक्ष्म व्याकरणिक सुराग होने चाहिए जो चौकस पाठकों के सामने सही उत्तर को सीधे उजागर करते हों

112. एक इतिहास शिक्षक एक MCQ (Multiple-Choice Question) बनाता है: "भारत की राजधानी है... (A) दिल्ली (B) मुंबई (C) क्योंकि यह ऐतिहासिक है (D) 1947।" प्राचार्य इस प्रश्न की समीक्षा करते हैं और एक प्रमुख संशोधन का सुझाव देते हैं। इस प्रश्न में प्राथमिक खामी है:
(A) प्रश्न का स्टेम (Stem) स्वयं मध्य विद्यालय के छात्रों के लिए अत्यधिक विस्तृत और जटिल है
(B) यह स्मरण-आधारित तथ्यों का उपयोग करके उच्च-स्तरीय सोच कौशलों का अनुचित रूप से मूल्यांकन करता है
(C) यह एक आपूर्ति-प्रकार के प्रश्न प्रारूप का प्रतिनिधित्व करता है जिसे गलत तरीके से MCQ में परिवर्तित किया गया है
(D) भ्रामक विकल्पों (Distractors) में सजातीयता और व्याकरणिक स्थिरता का अभाव है

113. सत्य/असत्य प्रश्नों (True/False Items) को परीक्षण प्रश्नों की किस श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है?
(A) वैकल्पिक-प्रतिक्रिया प्रश्न (Alternate-Response Items)
(B) मुक्त-प्रतिक्रिया लघु-उत्तर आपूर्ति प्रश्न
(C) कॉलम-मिलान जुड़ाव प्रश्न
(D) विस्तृत उत्तर विश्लेषणात्मक निबंध प्रश्न (Extended-Response Essay Items)

114. आकलन के लिए सत्य/असत्य प्रश्नों (True/False Items) का उपयोग करने की सबसे महत्वपूर्ण सीमा है:
(A) शिक्षकों के लिए वस्तुनिष्ठ (Objective) रूप से अंक देना बेहद कठिन और समय लेने वाला है
(B) उन्हें मुद्रित परीक्षा पत्रों पर अत्यधिक भौतिक स्थान की आवश्यकता होती है
(C) वे 50 प्रतिशत की उच्च अनुमान संभावना (Guessing Probability) रखते हैं
(D) मानक साइकोमेट्रिक सांख्यिकीय सूत्रों का उपयोग करके उनका विश्लेषण करना पूरी तरह से असंभव है

115. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : सत्य/असत्य प्रश्न (True/False Items) बनाते समय, शिक्षण सामग्री से सीधे उठाए गए सटीक कथनों का उपयोग करने से बचने की सलाह दी जाती है।
कारण (R) : कथनों को शब्दशः उठाना वैचारिक समझ के बजाय रटने को बढ़ावा देता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

116. एक संशोधित सत्य/असत्य प्रश्न (Modified True/False Item) के लिए आमतौर पर छात्र को क्या करना पड़ता है?
(A) जब भी वे यह निर्धारित करते हैं कि दिया गया कथन सत्य है, तो एक छोटा व्याख्यात्मक निबंध लिखें
(B) केवल दो विकल्पों के बजाय तीन या चार वैकल्पिक प्रतिक्रिया विकल्पों के बीच चयन करें
(C) एक समानांतर कॉलम में प्रत्येक सत्य कथन को उसके संबंधित असत्य कथन के साथ मिलाएँ
(D) सत्य या असत्य बताएं, और यदि असत्य है, तो लक्षित शब्द को सही करें

117. सत्य/असत्य प्रश्न (True/False Items) लिखते समय निम्नलिखित में से किसे छोड़कर सभी अच्छे अभ्यास हैं?
(A) दोहरे नकारात्मक शब्दों (Double Negatives) से बचना
(B) एक ही कथन में कई जटिल विचारों को शामिल करना
(C) यह सुनिश्चित करना कि कथन स्पष्ट रूप से सत्य या असत्य हैं
(D) सत्य और असत्य कथनों की संख्या को संतुलित करना

118. सत्य/असत्य प्रश्न (True/False Items) किसको मापने के लिए सबसे उपयुक्त हैं?
(A) उन्नत संगठनात्मक कौशल और सुसंगत तर्कपूर्ण लेखन क्षमता
(B) मौलिक रचनात्मक लेखन प्रतिभा और साहित्यिक शैली अभिव्यक्ति

NODIA

190. जब एक नए छात्र को पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड के बिना सत्र के मध्य में एक स्कूल में प्रवेश दिया जाता है, तो स्कूल यह तय करने के लिए बुनियादी विषयों में एक परीक्षण आयोजित करता है कि बच्चे को कक्षा VI या VII में प्रवेश दिया जाए या नहीं। यह आकलन है:
(A) रचनात्मक परीक्षण (Formative Test)
(B) योगात्मक परीक्षण (Summative Test)
(C) स्थानन परीक्षण (Placement Test)
(D) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test)

191. निम्नलिखित में से कौन सा एक अच्छी तरह से प्रशासित स्थानन परीक्षण (Placement Test) का अपेक्षित परिणाम है?
(A) छात्र के समग्र संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता लब्धि (IQ) अंक की पहचान
(B) कौशल स्तरों से मेल खाने वाले अनुदेशात्मक समूहों में छात्रों को सौंपना
(C) शैक्षणिक सेमेस्टर के लिए अंतिम योगात्मक ग्रेड और रैंक का निर्धारण
(D) शारीरिक सहनशक्ति और मोटर समन्वय विकास का मापन

192. विदेशी भाषाओं के लिए एक कोचिंग संस्थान कक्षाएं शुरू होने से पहले सभी आवेदकों के लिए एक परीक्षा आयोजित करता है। अंकों के आधार पर, आवेदकों को या तो शुरुआती, मध्यवर्ती, या उन्नत फ्रेंच कक्षाओं में दाखिला लेने का निर्देश दिया जाता है। यह परीक्षण किसके कार्य के रूप में काम कर रहा है?
(A) योगात्मक परीक्षण (Summative Test)
(B) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)
(C) बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test)
(D) स्थानन परीक्षण (Placement Test)

193. एक स्थानन परीक्षण (Placement Test) और एक रचनात्मक परीक्षण (Formative Test) के बीच अंतर यह है कि:
(A) स्थानन परीक्षण अनुदेशन से पहले होते हैं, रचनात्मक परीक्षण अनुदेशन के दौरान होते हैं।
(B) स्थानन परीक्षण स्कूल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हैं, जबकि रचनात्मक परीक्षण छात्र की प्रगति का मूल्यांकन करते हैं।
(C) स्थानन परीक्षण मानकीकृत उपकरण हैं, जबकि रचनात्मक परीक्षण विशेष रूप से अनौपचारिक मौखिक क्विज़ हैं।
(D) स्थानन परीक्षण आधिकारिक अंतिम ग्रेड प्रदान करते हैं, जबकि रचनात्मक परीक्षण का कोई शैक्षणिक महत्व नहीं होता है।

194. निम्नलिखित में से कौन सा एक अच्छे शिक्षक-निर्मित परीक्षण (Teacher-Made Test) के निर्माण में चरणों के सही क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) परीक्षण प्रश्न लिखना → परीक्षण विनिर्देश सारणी (Blueprint) तैयार करना → परीक्षण आयोजित करना → प्रतिक्रियाओं का अंकन करना
(B) योजना बनाना (Blueprint) → प्रश्नों का प्रारूप तैयार करना → समीक्षा करना → प्रशासन
(C) प्रारूप प्रश्नों की समीक्षा करना → परीक्षण प्रश्न लिखना → विनिर्देश सारणी (Blueprint) तैयार करना → प्रशासन
(D) परीक्षण का प्रशासन → प्रतिक्रियाओं का अंकन करना → विनिर्देश सारणी (Blueprint) की तैयारी → प्रश्नों का प्रारूप तैयार करना

195. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : विनिर्देश सारणी (Blueprint) तैयार करना एक मान्य उपलब्धि परीक्षण का निर्माण करने में एक अनिवार्य पहला कदम है।
कारण (R) : ब्लूप्रिंट यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण प्रश्न आनुपातिक रुप से अनुदेशात्मक उद्देश्यों और कवर की गई सामग्री का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे विषय वस्तु वैधता (Content Validity) सुनिश्चित होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

196. परीक्षण निर्माण के नियोजन चरण में, एक 'विनिर्देश सारणी' (Table of Specifications / Blueprint) दो-तरफा ग्रिड के रुप में कार्य करती है जो मुख्य रुप से संबंधित होती है:
(A) उनके अपेक्षित शैक्षणिक अंक परिणामों के साथ छात्र सूची के नाम
(B) अनुदेशात्मक उद्देश्यों के साथ सामग्री क्षेत्र
(C) प्रश्न विभेदन गुणांकों के साथ साइकोमेट्रिक प्रश्न कठिनाई सूचकांक
(D) समग्र प्रशासनिक वित्तीय लागतों के साथ आवंटित परीक्षण अवधि समय

197. नए लिखे गए परीक्षण प्रश्नों की समीक्षा करते समय, एक शिक्षक को एहसास होता है कि कई प्रश्नों के सही उत्तर केवल स्टेम में व्याकरणिक संकेतों को देखकर दिए जा सकते हैं। समीक्षा चरण में उचित कार्रवाई है:
(A) छात्र के आत्मविश्वास और समग्र परीक्षण मनोबल को बढ़ाने में मदद करने के लिए लिखे गए प्रश्नों को बनाए रखना
(B) बाहरी संकेतों को हटाने और वास्तविक ज्ञान का परीक्षण करने के लिए प्रश्नों को संशोधित करना
(C) सभी त्रुटिपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नों को सीधे विस्तृत निबंध प्रश्नों में परिवर्तित करना
(D) भरपाई के लिए परीक्षा पत्र की समग्र आवंटित समय सीमा को कम करना

198. परीक्षण निर्माण के समीक्षा चरण में शामिल निम्नलिखित गतिविधियों पर विचार कीजिए:

Downloaded from www.pdf.tube

II. रिक्त स्थान से पहले 'a' या 'an' जैसे व्याकरणिक संकेतों से बचना चाहिए।
III. सटीकता बनाए रखने के लिए शिक्षण सामग्री से वाक्यों को बिल्कुल वैसा ही उठाना सबसे अच्छा है।

उपरोक्त में से कौन से दिशानिर्देश सही हैं?
(A) केवल I और II (B) केवल II और III
(C) केवल I और III (D) I, II, और III

129. तार्किक रूप से, पूर्ति प्रश्नों (Completion Items) का अंकन बहुविकल्पीय प्रश्नों (Multiple-Choice Questions) की तुलना में थोड़ा कम वस्तुनिष्ठ होता है क्योंकि:
(A) छात्र ऐसे वैध पर्यायवाची शब्द प्रदान कर सकते हैं जो उत्तर कुंजी में सूचीबद्ध नहीं हैं
(B) मूल्यांकनकर्ता व्यवस्थित रूप से विशिष्ट छात्रों के प्रति व्यक्तिगत पूर्वाग्रह और पक्षपात प्रदर्शित करते हैं
(C) आवश्यक छात्र उत्तर त्वरित दृश्य मूल्यांकन के लिए बहुत लंबे और जटिल हैं
(D) पूर्ति प्रश्न सख्ती से महंगी स्वचालित मशीन अंकन प्रणालियों के उपयोग को अनिवार्य करते हैं

130. एक शिक्षक प्रश्न का प्रारूप तैयार करता है: "_______ पर _______ में हस्ताक्षर किए गए थे।" यह प्रश्न मुख्य रूप से इसलिए त्रुटिपूर्ण है क्योंकि यह:
(A) सरल तथ्यात्मक स्मरण (Factual Recall) के बजाय उच्च-स्तरीय महत्वपूर्ण सोच कौशलों का अनुचित रूप से मूल्यांकन करता है
(B) एक ऐसी प्रश्न संरचना प्रस्तुत करता है जहाँ केवल एक ही सही तथ्यात्मक उत्तर दिया जा सकता है
(C) अत्यधिक विकृत (Mutilated) है और इसमें पर्याप्त संदर्भ का अभाव है
(D) वाक्य संरचना के अंत की ओर उत्तर के रिक्त स्थानों को गलत तरीके से रखता है

131. एक निबंध-प्रकार के परीक्षण (Essay-Type Test) को सबसे अच्छी तरह से एक ऐसे आकलन के रूप में परिभाषित किया गया है जहाँ:
(A) छात्र किसी प्रश्न के लिए एक संरचनात्मक लिखित उत्तर लिखता है
(B) छात्र कई प्रदान किए गए वैकल्पिक विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनता है
(C) अंकन प्रक्रिया पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ, मात्रात्मक और मूल्यांकनकर्ता के पूर्वाग्रह से मुक्त होती है
(D) छात्र प्रत्यक्ष अवलोकन के तहत एक शारीरिक या मोटर प्रदर्शन करता है

132. एक स्कूल विभिन्न ऐतिहासिक स्रोतों से जानकारी को संश्लेषित करने, एक तार्किक तर्क प्रस्तुत करने और 1857 के विद्रोह के कारणों के बारे में एक मूल निष्कर्ष निकालने की छात्रों की क्षमता का मूल्यांकन करना चाहता है। इस विशिष्ट उद्देश्य के लिए सबसे मान्य आकलन उपकरण है:
(A) एक 50-प्रश्न बहुविकल्पीय परीक्षण (Multiple-Choice Test)
(B) एक मिलान परीक्षण
(C) एक सत्य/असत्य परीक्षण
(D) एक विस्तृत उत्तर निबंध परीक्षण (Extended Response Essay Test)

133. एक निबंध परीक्षण (Essay Test) की सबसे परिभाषित विशेषता जो इसे वस्तुनिष्ठ परीक्षणों से अलग करती है, वह छात्र की स्वतंत्रता है:
(A) अंतर्निहित ज्ञान के बिना सही उत्तरों का अनुमान लगाना
(B) अपने विचारों का निर्माण, संगठन और अभिव्यक्ति करना
(C) पूरे परीक्षा पत्र को तेजी से और कुशलता से पूरा करना
(D) आसानी से 100 प्रतिशत का सही संख्यात्मक अंक प्राप्त करना

134. निबंध-प्रकार के परीक्षण (Essay-Type Test) का एक प्रमुख नुकसान "हलो प्रभाव" (Halo Effect) है। शैक्षिक मूल्यांकन में, यह संदर्भित करता है:
(A) परीक्षाओं के दौरान पड़ोसी साथियों से बेईमानी से उत्तरों की नकल करने की छात्रों की प्रवृत्ति
(B) परीक्षा हॉल के अंदर मौजूद पर्यावरणीय प्रकाश की भौतिक तीव्रता और गुणवत्ता
(C) परीक्षक के मूल्यांकन पर अतीत के प्रदर्शन या हस्तलेखन का प्रभाव
(D) परीक्षण द्वारा प्रदर्शित उच्च सांख्यिकीय विश्वसनीयता गुणांक और आंतरिक स्थिरता

135. निबंध परीक्षणों (Essay Tests) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(A) उनकी बहुत उच्च विषय वस्तु वैधता (Content Validity) होती है क्योंकि वे पूरे पाठ्यक्रम को कवर करते हैं।
(B) वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की तुलना में उनके पास कम मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Evaluator Reliability) होती है।
(C) वे छात्र की भाषा दक्षता से पूरी तरह से अप्रभावित रहते हैं।
(D) वे तिथियों के रटने को मापने के लिए सबसे अच्छे उपकरण हैं।

NODIA

136. निम्नलिखित में से किसे छोड़कर निबंध परीक्षणों (Essay Tests) के अंकन की विश्वसनीयता (Reliability) में सुधार करने के तरीके हैं?
(A) उस छात्र की पहचान जानना जिसकी उत्तर पुस्तिका जांची जा रही है
(B) पहले से ही एक विस्तृत अंकन रुब्रिक (Scoring Rubric) या मॉडल उत्तर तैयार करना
(C) अगले प्रश्न पर जाने से पहले सभी छात्रों के लिए एक प्रश्न का मूल्यांकन करना
(D) अनाम अंकन (छात्रों के नाम छिपाना) का उपयोग करना

172. व्यावसायिक शिक्षा पहलों के तहत, कक्षा IX के छात्रों को बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रशिक्षित किया जा रहा है। उनके सीखने का मूल्यांकन करने के लिए, शिक्षक उन्हें एक बुनियादी सर्किट बोर्ड को भौतिक रूप से असेंबल करने के लिए कहता है जो एक LED लाइट को शक्ति प्रदान करता है। मूल्यांकन की इस पद्धति को वर्गीकृत किया गया है:
(A) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test)
(B) सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test)
(C) निष्पादन परीक्षण (Performance Test)
(D) मानकीकृत शाब्दिक परीक्षण (Standardized Verbal Test)

173. तार्किक रूप से, शारीरिक शिक्षा या ललित कला का आकलन अत्यधिक किस पर निर्भर करता है?
(A) मानक वस्तुनिष्ठ कागज-और-पेंसिल नैदानिक परीक्षण बैटरी (Diagnostic Test Battery)
(B) वैकल्पिक-प्रतिक्रिया सत्य/असत्य कक्षा आकलन प्रश्न
(C) विशेष नैदानिक गणित और तार्किक तर्क परीक्षण
(D) निष्पादन कार्य (Performance Tasks) और व्यावहारिक पोर्टफोलियो मूल्यांकन

174. बड़े पैमाने पर निष्पादन परीक्षणों (Performance Tests) का उपयोग करने की प्राथमिक सीमा यह है कि वे:
(A) व्यावहारिक, वास्तविक दुनिया के कौशल निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए संरचनात्मक और विषय वस्तु वैधता का अभाव रखते हैं
(B) अनुप्रयोगिक निष्पादन के बजाय सैद्धांतिक अमूर्त ज्ञान को मापने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं
(C) समय लेने वाले, महंगे और वस्तुनिष्ठ रूप से अंक देने में कठिन होते हैं
(D) दस वर्ष से कम उम्र के छोटे बच्चों को सुरक्षित या प्रभावी ढंग से प्रशासित नहीं किए जा सकते हैं

175. एक छात्र वास्तविक दुनिया के कार्यों में ज्ञान को कितनी अच्छी तरह लागू कर सकता है, इसका आकलन करने के लिए किस प्रकार का परीक्षण सबसे प्रामाणिक माना जाता है?
(A) सत्य/असत्य परीक्षण
(B) निष्पादन परीक्षण (Performance Test)
(C) गति परीक्षण
(D) सामूहिक शाब्दिक परीक्षण (Group Verbal Test)

176. एक मौखिक परीक्षण (Oral Test) लिखित परीक्षण से इस मामले में भिन्न होता है कि:
(A) इसमें छात्र को शिक्षक के इमला के आधार पर लंबे उत्तर देने की आवश्यकता होती है
(B) इसे मानकीकृत हॉल परिवेश में परीक्षार्थियों के बड़े समूहों को एक साथ प्रशासित किया जाता है
(C) यह विशेष रूप से शारीरिक मोटर प्रदर्शन और संवेदी-मोटर समन्वय कौशलों को मापता है
(D) प्रश्न और छात्र उत्तर मौखिक रूप से बोले जाते हैं

177. मौखिक परीक्षण (Oral Test) का एक प्रमुख लाभ यह है कि यह परीक्षक को इसकी अनुमति देता है:
(A) तत्काल अनुवर्ती प्रश्नों के साथ गहराई से जांच करना
(B) एक ही सत्र में 100 तक छात्रों के बड़े समूहों का एक साथ मूल्यांकन और अंकन करना
(C) मूल्यांकनकर्ता विषयनिष्ठता और व्यक्तिगत अंकन पूर्वाग्रह के सभी संभावित रूपों को पूरी तरह से समाप्त करना
(D) बाहरी साइकोमेट्रिक ऑडिटिंग के लिए उपयुक्त एक आधिकारिक, अनाम लिखित रिकॉर्ड तैयार करना

178. निम्नलिखित में से किस विषय/कौशल का आकलन करने के लिए मौखिक परीक्षण (Oral Tests) विशेष रूप से अनिवार्य हैं?
(A) उन्नत गणितीय कलन और अमूर्त बीजीय समस्या समाधान
(B) औपचारिक लिखित व्याकरण, विराम चिन्ह नियम और निबंध रचना कौशल
(C) भाषा प्रवाह, उच्चारण और संवादात्मक कौशल
(D) ऐतिहासिक कालक्रम स्मरण और विशिष्ट घटना तिथियों का स्मरण

179. मौखिक परीक्षणों (Oral Tests) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वे बड़ी कक्षाओं का मूल्यांकन करते समय समय बचाते हैं
(B) वे संवेदनशील या शर्मीले परीक्षार्थियों में चिंता और तनाव की महत्वपूर्ण भावनाएँ पैदा कर सकते हैं
(C) जब तक ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग आधिकारिक रूप से कैप्चर नहीं की जाती हैं, तब तक उनके पास एक स्थायी रिकॉर्ड का अभाव होता है
(D) मूल्यांकनकर्ता अंकन व्यक्तिगत पूर्वाग्रह और हलो प्रभाव (Halo Effect) से प्रभावित हो सकता है

180. विद्यालयी शिक्षा में मौखिक परीक्षा (Viva Voce / Oral Examination) का निम्नलिखित में से कौन सा एक विशिष्ट उपयोग नहीं है?
(A) लिखित या व्यावहारिक परीक्षा का अनुपूरक होना
(B) किसी प्रोजेक्ट कार्य या शोध निबंध का बचाव करना
(C) प्रारंभिक मूलभूत वर्षों में पठन प्रवाह का परीक्षण करना
(D) शारीरिक फिटनेस के लिए राष्ट्रीय मानदंडों को मानकीकृत करना

181. एक प्राचार्य देखता है कि एक भाषा शिक्षक पूरे सत्र के ग्रेड को एक मौखिक परीक्षा पर आधारित करता है। प्राचार्य मुख्य रूप से इस अभ्यास के खिलाफ सलाह देते हैं क्योंकि मौखिक परीक्षाएं (Oral Examinations):
(A) राष्ट्रीय शिक्षा अधिकार कानून के तहत मौखिक परीक्षाएं पूरी तरह से गैरकानूनी हैं
(B) वे विश्वसनीयता को कम करती हैं और मानकीकृत वस्तुनिष्ठ साक्ष्य का अभाव रखती हैं

Click Here to Buy book on Flipkart

कारण (R) : वस्तुनिष्ठ परीक्षण बड़ी आबादी में त्वरित, लागत प्रभावी और अत्यधिक विश्वसनीय अंकन सुनिश्चित करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

146. वस्तुनिष्ठ और निबंध परीक्षणों (Objective and Essay Tests) में अंतर करने वाले सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) वस्तुनिष्ठ परीक्षण – निर्माण में आसान, वस्तुनिष्ठ रूप से अंक देना कठिन
(B) निबंध परीक्षण – निर्माण में बेहद कठिन, अंक देना असाधारण रूप से आसान
(C) वस्तुनिष्ठ परीक्षण – निर्माण में कठिन, अंक देना आसान
(D) निबंध परीक्षण – उच्च सामग्री नमूनाकरण, कम सांख्यिकीय मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता

147. तार्किक रूप से, एक शिक्षक को एक वस्तुनिष्ठ परीक्षण (Objective Test) के बजाय एक निबंध परीक्षण (Essay Test) चुनना चाहिए जब प्राथमिक लक्ष्य हो:
(A) जटिल विचारों को व्यवस्थित और व्यक्त करने की क्षमता को मापना
(B) परीक्षार्थियों के एक बड़े समूह में तथ्यात्मक सामग्री ज्ञान का तेजी से और वस्तुनिष्ठ रूप से आकलन करना
(C) एक संक्षिप्त एक घंटे की परीक्षा अवधि के भीतर निर्धारित पाठ्यक्रम सामग्री के 100% प्रश्नों को कवर करना
(D) विकल्प उन्मूलन तकनीकों के माध्यम से छात्रों को सही उत्तरों का अनुमान लगाने से रोकना

148. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. उच्च मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Evaluator Reliability)
II. उच्च सामग्री कवरेज
III. लेखन कौशल के विकास को प्रोत्साहित करता है
IV. अनुमान लगाने के प्रति संवेदनशील
विशेषताओं का कौन सा संयोजन एक वस्तुनिष्ठ परीक्षण का सही वर्णन करता है?
(A) I, II, और III
(B) I, II, और IV
(C) II, III, और IV
(D) I, III, और IV

149. निबंध और वस्तुनिष्ठ परीक्षणों (Essay and Objective Tests) की तुलना करने वाले गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की तुलना में निबंध परीक्षणों में छात्रों द्वारा चकमा देने (Bluffing) की अधिक संभावना होती है।
(B) वस्तुनिष्ठ परीक्षण निबंध परीक्षणों की तुलना में पहचान और स्मरण को बेहतर मापते हैं।
(C) निबंध परीक्षण छात्र की अभिवृत्ति और मूल्यों का बेहतर माप प्रदान करते हैं।
(D) वस्तुनिष्ठ परीक्षण छात्रों के लिए प्रति प्रश्न उत्तर देने में कम समय लेने वाले होते हैं।

150. एक प्राचार्य विनिर्देश सारणी (Blueprint) निर्माण पर एक नए शिक्षक का मार्गदर्शन कर रहे हैं। शिक्षक तथ्यात्मक स्मरण के लिए पूरे सत्र के विशाल पाठ्यक्रम का आकलन करना चाहता है लेकिन परीक्षण के लिए उसके पास केवल 45 मिनट हैं। प्राचार्य को सिफारिश करनी चाहिए:
(A) 4 विस्तृत उत्तर गुणात्मक निबंध प्रश्न (Extended Response Essay Questions) आयोजित करना
(B) 10 सीमित उत्तर विश्लेषणात्मक निबंध प्रश्न सौंपना
(C) 40 बहुविकल्पीय और मिलान वाले प्रश्नों (Multiple-Choice and Matching Items) का उपयोग करना
(D) एक व्यापक व्यक्तिगत मौखिक परीक्षा आयोजित करना

151. एक 'गति परीक्षण' (Speed Test) एक 'शक्ति परीक्षण' (Power Test) से मुख्य रूप से किस आधार पर भिन्न होता है?
(A) परीक्षण कार्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक शारीरिक मांसपेशियों की शक्ति
(B) उपयोग किए जाने वाले प्रश्नों का संरचनात्मक प्रारूप (वस्तुनिष्ठ बनाम विस्तृत निबंध)
(C) अशाब्दिक दृश्य संकेतों के बजाय शाब्दिक भाषा निर्देशों पर निर्भरता
(D) समय सीमा और प्रश्न कठिनाई स्तर

152. एक स्कूल एक लिपिकीय अभिक्षमता आकलन आयोजित करता है जहाँ छात्रों को 100 सरल जोड़ समस्याएं दी जाती हैं और 5 मिनट के भीतर सटीक रूप से जितने संभव हो उतने हल करने के लिए कहा जाता है। किसी भी छात्र से सभी प्रश्नों को पूरा करने की उम्मीद नहीं की जाती है। यह आकलन किसका एक क्लासिक उदाहरण है?
(A) गति परीक्षण (Speed Test)
(B) शक्ति परीक्षण (Power Test)
(C) नैदानिक उपलब्धि परीक्षण (Diagnostic Achievement Test)
(D) निष्पादन परीक्षण (Performance Test)

153. एक शुद्ध शक्ति परीक्षण (Pure Power Test) में:
(A) परीक्षण प्रश्नों में एक समान, कम कठिनाई स्तर होते हैं जबकि प्रशासन का समय अत्यधिक प्रतिबंधित होता है
(B) पर्याप्त समय दिए जाने के साथ प्रश्नों की कठिनाई बढ़ती जाती है
(C) परीक्षण उपकरण का प्राथमिक उद्देश्य शारीरिक सहनशक्ति और सहनशीलता को मापना है
(D) आवंटित समय सीमा इतनी अत्यधिक कम कर दी जाती है कि केवल 10% परीक्षार्थी ही समाप्त कर पाते हैं

Downloaded from www.pdf.tube

154. निम्नलिखित में से कौन सा एक शक्ति परीक्षण (Power Test) की विशेषता नहीं है?
(A) समय छात्र के अंक को सीमित करने वाला प्राथमिक कारक है।
(B) यह छात्र के ज्ञान या तर्क क्षमता की गहराई का आकलन करता है।
(C) प्रश्न आसान से लेकर बहुत कठिन तक होते हैं।
(D) लगभग सभी छात्रों के पास प्रत्येक प्रश्न का प्रयास करने के लिए पर्याप्त समय होता है।

155. यदि एक गणित ओलंपियाड में 15 अत्यधिक जटिल समस्याएं हैं और छात्रों को उन्हें हल करने के लिए 3 घंटे दिए जाते हैं, तो यह मुख्य रूप से किस रूप में कार्य कर रहा है?
(A) शक्ति परीक्षण (Power Test)
(B) गति परीक्षण (Speed Test)
(C) स्थानन परीक्षण (Placement Test)
(D) मानक गति परीक्षण (Normative Speed Test)

156. व्यावहारिक रूप से, स्कूलों में आयोजित अधिकांश शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण (Educational Achievement Tests) होते हैं:
(A) विशुद्ध गति परीक्षण (Speed Tests) जो विशेष रूप से तीव्र यांत्रिक प्रतिक्रिया समय पर ध्यान केंद्रित करते हैं
(B) विशुद्ध शक्ति परीक्षण (Power Tests) जिनमें असीमित समय और बढ़ती हुई प्रश्न कठिनाई होती है
(C) उचित समय सीमा के साथ शक्ति परीक्षण के मिश्रण
(D) विशेष करियर स्थानन के लिए डिज़ाइन किए गए दीर्घकालिक पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Tests)

157. एक व्यक्तिगत परीक्षण (Individual Test) और एक सामूहिक परीक्षण (Group Test) के बीच प्राथमिक अंतर किस पर आधारित है?
(A) क्या आकलन उपकरण मूल रूप से शैक्षणिक उपलब्धि या जन्मजात अभिक्षमता को मापता है
(B) अंक रिपोर्टिंग के दौरान उपयोग की जाने वाली सटीक अंकन कार्यप्रणाली और सांख्यिकीय तकनीकें
(C) लक्षित परीक्षार्थियों की विकासात्मक आयु सीमा और शैक्षणिक पृष्ठभूमि
(D) एक परीक्षक द्वारा एक बार में परीक्षण किए गए परीक्षार्थियों की संख्या

158. सामूहिक परीक्षण (Group Test) की तुलना में व्यक्तिगत परीक्षण (Individual Test) का एक प्रमुख लाभ निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह स्कूलों के लिए काफी अधिक लागत प्रभावी, समय बचाने वाला और प्रशासनिक रूप से कुशल है
(B) इसे एक ही कक्षा में 50 या अधिक छात्रों के समूहों को एक साथ प्रशासित किया जा सकता है
(C) मूल्यांकनकर्ता तालमेल स्थापित कर सकते हैं और व्यवहार का सीधे अवलोकन कर सकते हैं
(D) इसे ठीक से प्रशासित करने के लिए किसी विशेष पेशेवर प्रशिक्षण या नैदानिक विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती है

159. परीक्षण प्रशासन के संबंध में सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) सामूहिक परीक्षण (Group Test) – रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण (Rorschach Inkblot Test)
(B) व्यक्तिगत परीक्षण (Individual Test) – स्टैनफोर्ड-बिने बुद्धिमत्ता पैमाना (Stanford-Binet Intelligence Scale)
(C) व्यक्तिगत परीक्षण (Individual Test) – सेना अल्फा परीक्षण (Army Alpha Test)
(D) सामूहिक परीक्षण (Group Test) – वेक्सलर वयस्क बुद्धिमत्ता पैमाना (Wechsler Adult Intelligence Scale - WAIS)

160. निम्नलिखित में से किसे छोड़कर सभी सामूहिक परीक्षणों (Group Tests) के लाभ हैं?
(A) प्रशासन के समय, वित्तीय लागत और भौतिक परीक्षण संसाधनों की असाधारण बचत
(B) परीक्षण स्थितियों की उच्च एकरूपता और केंद्रों में मानकीकृत प्रशासनिक प्रक्रियाएं
(C) सरलीकृत, अत्यधिक मानकीकृत और पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ स्वचालित अंकन प्रक्रियाएं
(D) भावनात्मक अवस्थाओं में गहरी नैदानिक अंतर्दृष्टि

161. एक स्कूल मनोवैज्ञानिक को विशिष्ट स्थानन का निर्धारण करने के लिए एक गंभीर अधिगम विकलांगता के संदिग्ध बच्चे का आकलन करने की आवश्यकता है। उपयोग करने के लिए सबसे उपयुक्त प्रारूप है:
(A) एक व्यक्तिगत बुद्धिमत्ता और नैदानिक बैटरी (Individual Intelligence and Diagnostic Battery)
(B) एक मानकीकृत, समूह-प्रशासित वस्तुनिष्ठ उपलब्धि परीक्षण (Standardized Group-Administered Objective Achievement Test)
(C) एक बड़े पैमाने पर बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण उपकरण (Large-Scale Survey Achievement Test Instrument)
(D) एक अनौपचारिक सहकर्मी-आकलन रेटिंग स्केल

162. बुनियादी गणित और भाषा में सामान्य शैक्षणिक दक्षता का आकलन करने के लिए एक प्राचार्य को कक्षा VI के प्रवेश के लिए 500 नए आवेदकों की जांच करने की आवश्यकता है। समय और संसाधन सीमित हैं। सबसे उपयुक्त परीक्षण रणनीति है:
(A) एक व्यक्तिगत मौखिक परीक्षण (Individual Oral Test)
(B) एक व्यक्तिगत निष्पादन कार्य
(C) एक सामूहिक परीक्षण (Group Test)
(D) एक प्रक्षेपी व्यक्तिगत परीक्षण

NODIA

163. शाब्दिक परीक्षण (Verbal Tests) वे आकलन हैं जहाँ:
(A) शब्द और भाषा प्राथमिक परीक्षण माध्यम बनते हैं
(B) परीक्षक सभी प्रश्नों को जोर से बोलता है जबकि छात्र पूरा उत्तर लिखते हैं
(C) परीक्षण पुस्तिका में विशेष रूप से सचित्र चित्र, स्थानिक पैटर्न और आकृतियाँ होती हैं
(D) आकलन के लिए उपकरण में भौतिक रूप से हेरफेर करने या यांत्रिक घटकों को जोड़ने की आवश्यकता होती है

164. अशाब्दिक परीक्षण (Non-Verbal Tests) उपयोग करते हैं:
(A) अत्यधिक जटिल शैक्षणिक शब्दावली और लंबे विश्लेषणात्मक निबंध प्रश्न
(B) मानक लिखित उत्तरों के बजाय परीक्षार्थियों से बोले गए मौखिक उत्तर
(C) विशेष रूप से अपरिचित विदेशी भाषा की बोलियों में अनुवादित प्रश्न
(D) शब्दों के बजाय आकृतियाँ, प्रतीक और स्थानिक पैटर्न

165. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों (Non-Verbal Intelligence Tests) को अक्सर 'संस्कृति-निरपेक्ष' (Culture-Fair) परीक्षण कहा जाता है।
कारण (R) : अशाब्दिक परीक्षण भाषा दक्षता, सांस्कृतिक जोखिम और औपचारिक स्कूली शिक्षा में अंतर के कारण होने वाले पक्षपात को कम करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

166. शाब्दिक और अशाब्दिक परीक्षणों (Verbal and Non-Verbal Tests) के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) शाब्दिक परीक्षण – पठन बोध पर अत्यधिक निर्भर
(B) अशाब्दिक परीक्षण (Non-Verbal Test) – रेवेन का प्रोग्रेसिव मैट्रिसेस (Raven's Progressive Matrices)
(C) शाब्दिक परीक्षण – निरक्षर या गैर-मातृभाषा भाषी आबादी के लिए उपयुक्त
(D) अशाब्दिक परीक्षण – निर्देश मूक अभिनय या सरल अनुवाद के माध्यम से दिए जा सकते हैं

167. एक 8 वर्षीय प्रवासी बच्चे की संज्ञानात्मक क्षमता का आकलन करने के लिए जो अनुदेशन की स्थानीय भाषा नहीं बोलता है, स्कूल मनोवैज्ञानिक को निम्नलिखित का उपयोग करना चाहिए:
(A) शाब्दिक सामूहिक परीक्षण (Verbal Group Test)
(B) स्थानीय भाषा में नैदानिक पठन परीक्षण (Diagnostic Reading Test)
(C) मानकीकृत निबंध परीक्षण (Standardized Essay Test)
(D) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Non-Verbal Intelligence Test)

168. अशाब्दिक परीक्षणों (Non-Verbal Tests) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे श्रवण हानि वाले व्यक्तियों के परीक्षण के लिए उपयोगी हैं।
II. वे सांस्कृतिक पक्षपात के सभी रूपों को पूरी तरह से समाप्त कर देते हैं।
III. वे आमतौर पर स्थानिक तर्क, पैटर्न पहचान और अमूर्त तर्क को मापते हैं।
इनमें से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

169. एक निष्पादन परीक्षण (Performance Test) के लिए मुख्य रूप से परीक्षार्थी को क्या करने की आवश्यकता होती है?
(A) मानकीकृत बहुविकल्पीय प्रतिक्रिया सूची में से एक सही शब्द का चयन करना
(B) भौतिक सामग्रियों का हेरफेर करना या मोटर कार्य करना
(C) एक तकनीकी व्यावहारिक प्रक्रिया का वर्णन करते हुए एक विस्तृत, अत्यधिक संरचनात्मक व्याख्यात्मक निबंध लिखना
(D) समयबद्ध परिस्थितियों में तेजी से और सटीक रूप से परीक्षक द्वारा पूछे गए जटिल मौखिक प्रश्नों का उत्तर देना

170. मनोवैज्ञानिक संदर्भ में निष्पादन परीक्षण (Performance Test) का एक क्लासिक उदाहरण निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) कोह का ब्लॉक डिजाइन परीक्षण (Kohs Block Design Test)
(B) वाइड रेंज अचीवमेंट टेस्ट (Wide Range Achievement Test)
(C) थीमेटिक एपरसेप्शन टेस्ट (Thematic Apperception Test)
(D) मिनेसोटा मल्टीफैसिक पर्सनालिटी इन्वेंटरी (Minnesota Multiphasic Personality Inventory)

171. स्कूलों में निष्पादन आकलन (Performance Assessment) के संबंध में सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) टाइपिंग गति परीक्षण – निष्पादन परीक्षण (Performance Test)
(B) रसायन विज्ञान व्यावहारिक परीक्षा – लिखित शाब्दिक परीक्षण (Written Verbal Test)
(C) इतिहास निबंध – अशाब्दिक परीक्षण (Non-Verbal Test)
(D) बहुविकल्पीय क्विज़ – मोटर कौशल परीक्षण

Click Here to Buy book on Amazon

137. एक सीमित उत्तर निबंध (Restricted Response Essay) और एक विस्तृत उत्तर निबंध (Extended Response Essay) के बीच प्राथमिक अंतर निहित है:
(A) प्रशासन के दौरान परीक्षार्थियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले भौतिक लेखन माध्यम में (कागज और पेंसिल बनाम डिजिटल)
(B) उत्तर की लंबाई और दायरे के संबंध में छात्र की स्वतंत्रता की डिग्री में
(C) अंतिम अंकन और ग्रेडिंग चरण के दौरान शामिल मूल्यांकनकर्ता की विषयनिष्ठता की अंतर्निहित डिग्री में
(D) मूल्यांकन के तहत शैक्षणिक विषय क्षेत्र में (प्राकृतिक विज्ञान बनाम सामाजिक विज्ञान/मानविकी)

138. "समसूत्री और अर्धसूत्री कोशिका विभाजन के बीच तीन अंतर बताइए।" यह प्रश्न किसका एक उदाहरण है?
(A) विस्तृत उत्तर गुणात्मक निबंध प्रश्न प्रारूप (Extended Response Essay Item Format)
(B) सीमित उत्तर निबंध प्रश्न (Restricted Response Essay Item)
(C) आपूर्ति-प्रकार पूर्ति वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रारूप
(D) प्रत्यक्ष शारीरिक कौशल निष्पादन कार्य आकलन

139. विस्तृत उत्तर निबंध प्रश्न (Extended Response Essay Items) विशेष रूप से ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) के किन स्तरों का आकलन करने के लिए उपयुक्त हैं?
(A) सृजन (संश्लेषण) और मूल्यांकन
(B) मूलभूत ज्ञान और बुनियादी समझ
(C) व्यावहारिक अनुप्रयोग और विश्लेषणात्मक तर्क
(D) प्रत्यक्ष सूचना स्मरण और पहचान

140. गलत जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) सीमित उत्तर (Restricted Response) – उत्तर की सामग्री और रुप को सीमित करता है
(B) विस्तृत उत्तर (Extended Response) – रचनात्मकता और व्यापक तर्क की अनुमति देता है
(C) सीमित उत्तर – अत्यधिक विषयनिष्ठ, असंरचित ग्रेडिंग
(D) विस्तृत उत्तर – उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक कौशलों का आकलन करता है

141. तार्किक रूप से, एक निबंध प्रश्न (Essay Item) में उत्तर को सीमित करना (जैसे, "आर्थिक कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 50 शब्दों में उत्तर दें") किसके द्वारा परीक्षण में सुधार करता है:
(A) सभी छात्रों के लिए निबंध प्रश्न के समग्र संज्ञानात्मक कठिनाई स्तर (Cognitive Difficulty Level) को महत्वपूर्ण रूप से कम करना
(B) एक विस्तृत विश्लेषणात्मक अंकन रुब्रिक विकसित करने की प्रशासनिक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करना
(C) लिखित विस्तृत निबंध प्रश्न को एक मानक बहुविकल्पीय प्रश्न में यांत्रिक रूप से परिवर्तित करना
(D) मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Evaluator Reliability) बढ़ाना और अधिगम उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना

NODIA

142. विस्तृत उत्तर निबंधों (Extended Response Essays) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे छात्र की तर्क प्रक्रियाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।
II. उनका उत्तर देने के लिए आवश्यक समय के कारण उनका सामग्री नमूनाकरण बहुत सीमित है।
III. वे आमतौर पर वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की तुलना में आसान और तेजी से अंक देने वाले होते हैं।
IV. वे विचारों को एकीकृत करने की क्षमता का मूल्यांकन करते हैं।
उपरोक्त में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II, और IV
(B) केवल I, III, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I और IV

143. निम्नलिखित में से कौन सा प्रश्न विस्तृत उत्तर निबंध (Extended Response Essay) का सबसे अच्छा उदाहरण है?
(A) "भारत के संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों की सूची बनाइए।"
(B) "प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।"
(C) "पौधों में प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को परिभाषित कीजिए और इसका संतुलित रासायनिक समीकरण लिखिए।"
(D) "भारत सरकार के मंत्रिमंडल में वर्तमान शिक्षा मंत्री का नाम बताइए।"

144. वस्तुनिष्ठ परीक्षणों (Objective Tests) और निबंध परीक्षणों (Essay Tests) की तुलना करने में, एक वस्तुनिष्ठ परीक्षण में कौन सा कारक आमतौर पर अधिक होता है?
(A) उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक विश्लेषण और महत्वपूर्ण मूल्यांकन कौशलों का मापन
(B) छात्र की रचनात्मकता, मौलिकता और आत्म-अभिव्यक्ति का प्रदर्शन करने के अवसर
(C) उत्तर पुस्तिका अंकन के दौरान मौजूद मूल्यांकनकर्ता की विषयनिष्ठता और व्यक्तिगत पूर्वाग्रह (Personal Bias) की डिग्री
(D) व्यापक पाठ्यक्रम कवरेज के कारण विषय वस्तु वैधता (Content Validity)

145. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : बड़े पैमाने पर मानकीकृत परीक्षाओं के लिए निबंध-प्रकार के परीक्षणों (Essay-Type Tests) के बजाय वस्तुनिष्ठ-प्रकार के परीक्षणों (Objective-Type Tests) का उपयोग करने की आमतौर पर सिफारिश की जाती है।

(C) आधुनिक विदेशी भाषा कक्षाओं में मौखिक मूल्यांकन आयोजित करना पद्धतिगत रूप से असंभव है
(D) मौखिक आकलन उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक विश्लेषण कौशलों के मूल्यांकन पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं

182. पूर्वानुमानिक परीक्षणों (Prognostic Tests) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे किसी विशिष्ट विषय या अध्ययन के पाठ्यक्रम में छात्र की भावी सफलता का पूर्वानुमान लगाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
II. इनका उपयोग छात्रों की मेडिकल परीक्षाओं में बहुतायत में किया जाता है।
III. वे भूतव्यापी होते हैं, केवल अतीत के अधिगम को ग्रेड देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
IV. वे अभिक्षमता और उपलब्धि परीक्षण दोनों की विशेषताओं को साझा करते हैं।
उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) केवल I, III, और IV

183. एक पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test) का प्राथमिक कार्य है:
(A) विशिष्ट वर्तमान अधिगम त्रुटियों का निदान
(B) सामान्य बुद्धिमत्ता का मापन
(C) डिग्री पूरा करने का प्रमाणन
(D) भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान

184. एक नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) और एक पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test) के बीच मुख्य अंतर यह है कि:
(A) नैदानिक विफलता के कारणों को ढूंढता है; पूर्वानुमानिक सफलता का पूर्वानुमान लगाता है
(B) नैदानिक परीक्षण समूहों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं; पूर्वानुमानिक परीक्षण सख्ती से व्यक्तियों के लिए बनाए गए हैं
(C) नैदानिक आकलन शाब्दिक संकेतों पर निर्भर करते हैं; पूर्वानुमानिक आकलन अशाब्दिक कार्यों का उपयोग करते हैं
(D) नैदानिक परीक्षण भावी अधिगम क्षमता का पूर्वानुमान लगाते हैं; पूर्वानुमानिक परीक्षण अतीत की शैक्षणिक उपलब्धि को रैंक करते हैं

185. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : किंडरगार्टन में प्रशासित एक पठन तत्परता परीक्षण (Reading Readiness Test) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test) का एक रूप है।
कारण (R) : इसका उद्देश्य यह पूर्वानुमान लगाना है कि क्या बच्चे के पास कक्षा I में सफलतापूर्वक पढ़ना सीखने के लिए आवश्यक मूलभूत कौशल हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

186. तार्किक रूप से, एक पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test) के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रकार की वैधता (Validity) है:
(A) सैद्धांतिक समवर्ती वैधता (Concurrent Validity)
(B) भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity)
(C) प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष वैधता
(D) अंतर्निहित संरचनात्मक वैधता

187. एक स्कूल कक्षा VIII के अंत में एक विशेष गणित परीक्षण का उपयोग करता है यह निर्धारित करने के लिए कि कौन से छात्रों के कक्षा IX में उन्नत गणित वर्ग में सफल होने की संभावना है। यह परीक्षण किस रूप में कार्य कर रहा है?
(A) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test)
(B) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)
(C) गति परीक्षण (Speed Test)
(D) निष्पादन परीक्षण (Performance Test)

188. स्थानन परीक्षणों (Placement Tests) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे अनुदेशन का पाठ्यक्रम शुरू होने से पहले प्रशासित किए जाते हैं।
II. उनका उद्देश्य छात्र के प्रवेश-स्तर के कौशल और उपयुक्त शुरुआती बिंदु का निर्धारण करना है।
III. इनका उपयोग वर्ष के अंत में अंतिम ग्रेड देने के लिए किया जाता है।
इनमें से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

189. एक स्थानन परीक्षण (Placement Test) का उपयोग मुख्य रूप से शैक्षणिक परिवेश में किसके लिए किया जाता है:
(A) छोटे बच्चों में एक विशिष्ट पठन विकलांगता या अधिगम की कमी के मूल कारण का निदान करना
(B) उपयुक्त अनुदेशन के लिए महारत के स्तर के आधार पर छात्रों का समूहन करना
(C) माध्यमिक विद्यालय स्नातक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधिकारिक रूप से छात्रों को प्रमाणित करना
(D) समयबद्ध परिस्थितियों में हस्तलेखन की यांत्रिक गति और शारीरिक सहनशक्ति को मापना

Downloaded from www.pdf.tube

(C) तथ्यात्मक स्मरण और सरल सिद्धांतों की बुनियादी पहचान
(D) गहरा विश्लेषणात्मक तर्क और जटिल महत्वपूर्ण सोच कौशल

119. एक मिलान-प्रकार (Matching-Type) के परीक्षण प्रश्न में आमतौर पर दो कॉलम होते हैं। पहले कॉलम के प्रश्न जिनके लिए मिलान खोजा जाता है, कहलाते हैं:
(A) प्रतिक्रियाएं (Responses)
(B) डिस्ट्रेक्टर (Distractors)
(C) उत्तर कुंजियाँ (Keys)
(D) स्तम्भ-आधार / प्रेमाइस (Premises)

120. मिलान परीक्षण (Matching Test) में विकल्प उन्मूलन द्वारा अनुमान लगाने के प्रभाव को कम करने के लिए, एक परीक्षण निर्माता को चाहिए:
(A) प्रेमाइस (Premises) की तुलना में अधिक प्रतिक्रियाएं (Responses) प्रदान करना (अपूर्ण मिलान)
(B) प्रेमाइस (Premises) और प्रतिक्रियाओं की समान संख्या रखना
(C) यह सुनिश्चित करना कि सूचियाँ बहुत लंबी हों (20 से अधिक प्रश्न)
(D) प्रतिक्रिया कॉलम में तिथियों, नामों और अवधारणाओं को यादृच्छिक रूप से मिलाना

121. मिलान प्रश्न (Matching Item) में कॉलम बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण नियम यह है कि:
(A) विभिन्न श्रेणियों में प्रेमाइस (Premises) पूरी तरह से विषम (Heterogeneous) होने चाहिए
(B) एक अभ्यास के भीतर सामग्री सजातीय (Homogeneous) होनी चाहिए
(C) प्रतिक्रिया कॉलम में विशेष रूप से लंबे, विस्तृत व्याख्यात्मक वाक्य शामिल होने चाहिए
(D) प्रेमाइस को हमेशा प्रतिक्रियाओं के बजाय सख्ती से वर्णमाला के क्रम में व्यवस्थित किया जाना चाहिए

122. परीक्षण समीक्षा के दौरान, एक प्राचार्य एक मिलान प्रश्न (Matching Item) देखता है जहाँ कॉलम A में 5 ऐतिहासिक घटनाएं हैं और कॉलम B में 5 सटीक संबंधित वर्ष हैं। एक छात्र जो उनमें से 4 को जानता है, वह स्वतः ही 5वां सही उत्तर पा लेगा। इस प्रश्न की तकनीकी गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, प्राचार्य को शिक्षक को सलाह देनी चाहिए:
(A) कॉलम B में 2 या 3 अतिरिक्त तर्कसंगत वर्ष जोड़ें
(B) इसे निबंध प्रश्न में बदलें
(C) सूची को घटाकर 3 प्रश्न करें
(D) कॉलम B में देशों की राजधानियाँ जोड़कर प्रश्नों को विषम बनाएं

123. मिलान वाले प्रश्नों (Matching-Type Items) के संबंध में सही जोड़े की पहचान कीजिए:
(A) सजातीयता (Homogeneity) – सूची के सभी प्रश्नों को एक ही श्रेणी के भीतर रखना
(B) प्रेमाइस (Premise) – प्रतिक्रिया विकल्पों की सूची जिससे अंतिम चयन किया जाता है
(C) पूर्ण मिलान (Perfect Match) – प्रेमाइस प्रश्नों की तुलना में काफी अधिक प्रतिक्रिया विकल्प प्रदान करना
(D) प्रतिक्रिया (Response) – बाईं ओर सूचीबद्ध प्राथमिक प्रश्न या समस्या कथन

124. मिलान-प्रकार के प्रश्नों (Matching-Type Items) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) वे स्थान की बचत करने वाले और वस्तुनिष्ठ होते हैं।
(B) वे "कौन, क्या, कब और कहाँ" के जुड़ाव के लिए उपयुक्त हैं।
(C) वे जटिल समस्या-समाधान और संश्लेषण को मापने के लिए अत्यधिक प्रभावी हैं।
(D) पढ़ने के समय को बचाने के लिए प्रतिक्रियाओं की सूची को तार्किक रूप से (उदा. कालानुक्रमिक या वर्णानुक्रम में) व्यवस्थित किया जाना चाहिए।

125. "रिक्त स्थानों की पूर्ति करें" वाले प्रश्नों (Fill-in-the-Blanks Items) को किस रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) मानक चयन-प्रकार के वस्तुनिष्ठ परीक्षण प्रश्न (Selection-Type Objective Test Items)
(B) विस्तृत प्रतिक्रिया वाले गुणात्मक आकलन प्रश्न
(C) प्रत्यक्ष शारीरिक निष्पादन आकलन प्रश्न
(D) आपूर्ति-प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Supply-Type Objective Items)

126. पूर्ति (रिक्त स्थान भरें) प्रश्न (Completion / Fill-in-the-Blanks Item) का निर्माण करते समय, रिक्त स्थान आदर्श रूप से कहाँ रखा जाना चाहिए?
(A) वाक्य के बिल्कुल शुरुआत में
(B) वाक्य के बीच में
(C) वाक्य के अंत के पास
(D) पूरे वाक्य में यादृच्छिक रूप से

127. रिक्त स्थान भरने वाले प्रश्नों (Fill-in-the-Blanks Items) का निर्माण करते समय निम्नलिखित में से किससे बचना चाहिए?
(A) यह सुनिश्चित करना कि प्रश्न के लिए केवल एक ही स्पष्ट सही उत्तर संभव हो
(B) एक ही वाक्य में बहुत अधिक रिक्त स्थान छोड़ना
(C) परीक्षण पत्र पर सभी रिक्त स्थानों को मानकीकृत करना ताकि वे भौतिक लंबाई में समान दिखाई दें
(D) किसी गौण विवरण के बजाय एक विशिष्ट, अत्यधिक महत्वपूर्ण शैक्षणिक मुख्य शब्द की आवश्यकता होना

128. रिक्त स्थान पूर्ति वाले प्रश्नों (Completion Items) के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देशों पर विचार कीजिए:
I. छोड़ा गया शब्द एक मुख्य अवधारणा होना चाहिए, न कि कोई तुच्छ विवरण।

NODIA

I. उत्तर कुंजी की सटीकता की जांच करना।
II. यह सुनिश्चित करना कि पठन का स्तर छात्रों के लिए उपयुक्त है।
III. यह सत्यापित करना कि प्रश्नों के बीच कोई ओवरलैप नहीं है जहाँ एक प्रश्न दूसरे का उत्तर देता है।

उपरोक्त में से कौन से मानक समीक्षा अभ्यास हैं?

(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

199. किसी परीक्षण को अंतिम रुप देने से पहले स्पष्ट निर्देश प्रदान करना महत्वपूर्ण है। अच्छे परीक्षण निर्देशों (Test Instructions) में निम्नलिखित में से किसे छोड़कर सभी निर्दिष्ट होने चाहिए?

(A) परीक्षण के लिए अनुमति दिया गया समय
(B) अंकन योजना (उदा. यदि कोई हो तो नकारात्मक अंकन)
(C) पहले पांच प्रश्नों के सटीक उत्तर
(D) उत्तरों को कैसे और कहाँ दर्ज करें (उदा. विकल्प पर गोला लगाएं, OMR शीट का उपयोग करें)

200. एक विभागाध्यक्ष (HoD) एक जूनियर शिक्षक द्वारा प्रस्तुत किए गए मध्य-अवधि गणित के प्रारूप पत्र की समीक्षा करता है। विभागाध्यक्ष नोट करता है कि 80% प्रश्न सूत्रों के 'ज्ञान/स्मरण' का आकलन करते हैं, जबकि केवल 20% 'अनुप्रयोग' का आकलन करते हैं। अनिवार्य आकलन योजना में दोनों को समान भार दिया गया था। विभागाध्यक्ष शिक्षक को पत्र में संशोधन करने की सलाह देने की सबसे अधिक संभावना रखता है क्योंकि यह निम्नलिखित का उल्लंघन करता है:

(A) आधिकारिक परीक्षण नियमावली (Test Manual) में विस्तृत लिखित निर्देश
(B) स्वीकृत विनिर्देश सारणी (Blueprint)
(C) व्यक्तिगत प्रश्न कठिनाई को नियंत्रित करने वाले साइकोमेट्रिक सिद्धांत
(D) शैक्षणिक गति परीक्षण के लिए स्थापित मानकीकृत मानदंड

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

NODIA

1. (A) छात्र अधिगम (Student Learning) और अनुदेशात्मक प्रभावशीलता (Instructional Effectiveness) का आकलन करने के लिए व्यवहार के एक नमूने को मापने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया प्रदान करना
विद्यालय शिक्षा में शैक्षिक परीक्षण (Educational Testing) का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों के अधिगम और अनुदेशात्मक प्रभावशीलता (Instructional Effectiveness) का व्यवस्थित आकलन करना है। यह प्रक्रिया छात्रों के व्यवहार के नमूनों को मापकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process) की गुणवत्ता निर्धारित करती है। इसके माध्यम से शिक्षक साक्ष्य-आधारित निर्णय (Evidence-Based Decisions) लेकर शैक्षणिक सुधार सुनिश्चित करते हैं।

2. (C) मापन (Measurement)
शैक्षणिक संदर्भ में परीक्षण के माध्यम से किसी विशिष्ट गुण अथवा विशेषता को संख्यात्मक मान या अंक प्रदान करना मापन (Measurement) कहलाता है। मापन एक वस्तुनिष्ठ प्रक्रिया है, जो छात्रों की उपलब्धियों को परिमाणात्मक रुप में व्यक्त करती है। यह मूल्यांकन प्रक्रिया (Evaluation Process) के लिए आधारभूत डेटा प्रदान करती है, जिससे प्रदर्शन का सटीक आकलन संभव होता है।

3. (A) कक्षा में अनुशासन की कमी के लिए छात्रों को दंडित करना
शैक्षिक परीक्षण (Educational Test) का उद्देश्य अधिगम कठिनाइयों (Learning Difficulties) का निदान करना, भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान लगाना तथा शिक्षण पद्धतियों (Teaching Methods) की प्रभावशीलता का मापन करना होता है। परीक्षणों का उपयोग छात्रों को दंडित करने के लिए नहीं किया जा सकता। यह एक विकासात्मक साधन (Developmental Tool) के रूप में कार्य करता है।

4. (D) शिक्षार्थियों में व्यवहारात्मक परिवर्तनों की सीमा के संबंध में वस्तुनिष्ठ डेटा एकत्र करना
शैक्षिक मूल्यांकन (Educational Evaluation) में परीक्षण का मुख्य कार्य शिक्षार्थियों में हुए व्यवहारात्मक परिवर्तनों की सीमा को मापने के लिए वस्तुनिष्ठ डेटा एकत्र करना है। यह डेटा छात्रों की शैक्षणिक प्रगति का सटीक साक्ष्य प्रदान करता है। इससे शिक्षण विधियों में सुधार लाने तथा अधिगम संप्राप्ति (Learning Outcomes) को सुदृढ़ करने में सहायता मिलती है।

5. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (Teaching-Learning Process) में गुणवत्ता आश्वासन सुनिश्चित करने हेतु शैक्षणिक परीक्षण आवश्यक उपकरण हैं। ये परीक्षण मात्रात्मक डेटा (Quantitative Data) प्रदान करते हैं, जिससे अनुदेशात्मक अंतरालों (Instructional Gaps) की पहचान संभव होती है। इस साक्ष्य-आधारित जानकारी के माध्यम से शैक्षणिक पर्यवेक्षण (Academic Supervision) को प्रभावी बनाकर आवश्यक शिक्षण सुधार लागू किए जाते हैं।

6. (C) एक परीक्षण (Test) एक विशिष्ट मापन उपकरण या साधन है, जबकि आकलन (Assessment) छात्र अधिगम के बारे में जानकारी एकत्र करने की व्यापक प्रक्रिया है।
शैक्षिक मापन में परीक्षण (Test) एक विशिष्ट माप उपकरण या साधन होता है, जिसका उपयोग किसी निश्चित समय पर व्यवहार को मापने के लिए किया जाता है। इसके विपरीत, आकलन (Assessment) एक व्यापक और सतत प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत छात्र के समग्र अधिगम के बारे में विविध स्रोतों से डेटा एकत्र और विश्लेषित किया जाता है।

7. (D) अनुदेशन (Instruction) के बाद किसी विशिष्ट विषय में छात्र द्वारा प्राप्त ज्ञान या कौशल की सीमा
उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) का प्राथमिक उद्देश्य औपचारिक अनुदेशन (Instruction) के पश्चात किसी विशिष्ट विषय क्षेत्र में छात्र द्वारा अर्जित ज्ञान, समझ और कौशल की सीमा का मापन करना होता है। यह परीक्षण यह मूल्यांकन करता है कि छात्र ने निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों को किस सीमा तक प्राप्त किया है, जिससे शैक्षणिक प्रगति स्पष्ट होती है।

8. (A) केवल I और II
उपलब्धि परीक्षणों का उपयोग कक्षा में छात्रों की सापेक्ष स्थिति या रैंक निर्धारित करने और पाठ्यचर्या की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। हालाँकि, ये परीक्षण जन्मजात क्षमताओं या पूर्व-प्रशिक्षण रहित प्रतिभाओं का पूर्वानुमान लगाने के लिए डिज़ाइन नहीं किए जाते हैं। इनका मुख्य ध्यान हमेशा अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) के मापन पर रहता है।

9. (B) उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) - पिछली अधिगम गतिविधियों में सफलता की डिग्री को मापता है
उपलब्धि परीक्षण (Achievement Test) का मुख्य कार्य पूर्व में संचालित अधिगम गतिविधियों के परिणामस्वरूप प्राप्त सफलता का मापन करना है। यह मापता है कि छात्रों ने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम की सामग्री को कितना सीखा है। अन्य प्रकार के परीक्षण जैसे अभिक्षमता या नैदानिक परीक्षण भविष्य की संभावनाओं अथवा विशिष्ट अधिगम त्रुटियों पर केंद्रित होते हैं।

10. (B) अस्पष्ट प्रश्न जो छात्रों की अनुमान लगाने की क्षमता का परीक्षण करते हैं
एक अच्छे उपलब्धि परीक्षण में विषय वस्तु वैधता (Content Validity), उच्च विश्वसनीयता (Reliability) और स्पष्ट अंकन रुब्रिक्स (Scoring Rubrics) होने चाहिए। अस्पष्ट प्रश्न जो अनुमान लगाने को बढ़ावा देते हैं, वे परीक्षण की वस्तुनिष्ठता

और विश्वसनीयता को समाप्त कर देते हैं। प्रश्नों को स्पष्ट, सुसंगत और मापने योग्य उद्देश्यों के साथ संरेखित होना अनिवार्य है।

11. (A) योगात्मक उपलब्धि परीक्षण (Summative Achievement Test)
सत्र के अंत में पदोन्नति या प्रमाणन के निर्णय लेने के लिए अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) के आधार पर आयोजित किया जाने वाला परीक्षण योगात्मक उपलब्धि परीक्षण (Summative Achievement Test) कहलाता है। यह परीक्षण अनुदेशात्मक अवधि के अंत में छात्र की समग्र उपलब्धि का मूल्यांकन करता है तथा उसकी शैक्षणिक स्थिति का औपचारिक निर्धारण करने में सहायता करता है।

12. (C) अनुदेशात्मक प्रभावशीलता (Instructional Effectiveness) का मूल्यांकन और संशोधन करने के लिए
जब उपलब्धि परीक्षण के परिणामों का उपयोग अगले सत्र के लिए अनुदेशात्मक रणनीतियों (Instructional Strategies) में बदलाव करने हेतु किया जाता है, तो यह अनुदेशात्मक प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने का कार्य करता है। परीक्षण डेटा शिक्षकों और प्रशासकों को यह समझने में मदद करता है कि शिक्षण विधियों में कहाँ संशोधन की आवश्यकता है।

13. (D) विशिष्ट अधिगम त्रुटियों को इंगित करने बनाम किसी विषय क्षेत्र के व्यापक कवरेज का आकलन करने में
सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test) किसी विषय क्षेत्र के व्यापक कवरेज और सामान्य योग्यता का आकलन करता है। इसके विपरीत, नैदानिक उपलब्धि परीक्षण (Diagnostic Achievement Test) छात्र द्वारा की जाने वाली विशिष्ट अधिगम त्रुटियों, गलतफहमियों और प्रक्रियात्मक अंतरालों को गहराई से इंगित करने पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि उपचारात्मक शिक्षण दिया जा सके।

14. (C) सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test)
सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test) का उपयोग किसी विषय क्षेत्र में छात्र की सामान्य योग्यता का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह परीक्षण व्यापक पाठ्यक्रम सामग्री को कवर करता है और उप-कौशलों के विस्तृत विश्लेषणात्मक विवरण के बजाय एक एकल समग्र अंक प्रदान करता है, जिससे छात्रों के सामान्य प्रदर्शन का ज्ञान होता है।

15. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण विषयों की विस्तृत श्रृंखला को व्यापक रूप से कवर करते हैं, परंतु वे विशिष्ट प्रक्रियात्मक त्रुटियों की गहराई से पहचान करने में असमर्थ होते हैं। विशिष्ट त्रुटियों और अधिगम अंतरालों का पता लगाने के लिए नैदानिक परीक्षणों (Diagnostic Tests) का उपयोग किया जाता है। इसलिए सर्वेक्षण परीक्षण केवल सामान्य उपलब्धि का अनुमान प्रदान करते हैं।

16. (D) सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test) – एक व्यापक शैक्षणिक क्षेत्र में छात्र की उपलब्धि का एक सामान्य अनुमान देता है
सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test) का मुख्य कार्य किसी व्यापक शैक्षणिक क्षेत्र में छात्र की सामान्य उपलब्धि का एक समग्र अनुमान प्रदान करना है। यह व्यापक पाठ्यक्रम विषयों को सम्मिलित करता है। इसके विपरीत, नैदानिक परीक्षण अधिगम की कमियों की पहचान करने और उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) का मार्गदर्शन करने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

17. (A) सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test)
किसी बड़े मानक समूह के संदर्भ में छात्रों के सामान्य दक्षता स्तर का पता लगाने के लिए आयोजित मानकीकृत परीक्षण को सर्वेक्षण परीक्षण (Survey Test) कहा जाता है। यह परीक्षण राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पाठ्यक्रम कवरेज के आधार पर छात्रों की सामान्य उपलब्धि की तुलना करने के लिए सबसे उपयुक्त माध्यम माना जाता है।

18. (C) अंतिम प्रमाणन और पदोन्नति के लिए एक व्यापक वर्ष के अंत का पत्र ग्रेड प्रदान करना
नैदानिक उपलब्धि परीक्षण (Diagnostic Achievement Test) का उपयोग अधिगम अंतरालों, प्रक्रियात्मक त्रुटियों और उनके संज्ञानात्मक कारणों की पहचान करने हेतु किया जाता है ताकि उपचारात्मक शिक्षण प्रदान किया जा सके। इसका उपयोग वर्ष के अंत में अंतिम ग्रेड देने या पदोन्नति के लिए नहीं किया जाता; यह कार्य योगात्मक मूल्यांकन का होता है।

19. (A) सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test)
जब किसी शिक्षक को किसी विषय के व्यापक क्षेत्र की सामान्य समझ का मूल्यांकन करना होता है और गहन व्यक्तिगत त्रुटि विश्लेषण की आवश्यकता नहीं होती, तब सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Survey Achievement Test) सबसे उपयुक्त होता है। यह कम समय में पाठ्यक्रम सामग्री के व्यापक प्रसार का प्रभावी ढंग से आकलन करता है।

20. (D) भविष्य में उपयुक्त प्रशिक्षण दिए जाने पर किसी व्यक्ति की विशिष्ट कौशल सीखने की क्षमता का पूर्वानुमान लगाना
अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test) का मुख्य कार्य यह अनुमान लगाना है कि भविष्य में उपयुक्त प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर कोई व्यक्ति किसी विशिष्ट कौशल या विषय को कितनी सफलता के साथ सीख सकता है। यह परीक्षण क्षमता, प्राकृतिक रुझान और भावी प्रदर्शन की संभावना का वैज्ञानिक मापन करता है।

21. (B) विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (Differential Aptitude Test - DAT) बैटरी
विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (Differential Aptitude Test - DAT) बैटरी शैक्षणिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन में व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला मानकीकृत अभिक्षमता परीक्षण है। यह परीक्षण विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों

NODIA

71. (D) वे एक व्यापक तकनीकी नियमावली और मानदंडों के साथ होते हैं।
शिक्षक-निर्मित परीक्षणों में कोई व्यापक तकनीकी नियमावली या राष्ट्रीय मानदंड शामिल नहीं होते, क्योंकि ये केवल स्थानीय कक्षा के उपयोग के लिए बनाए जाते हैं। वे लचीले, निर्माण में आसान और कक्षा के निरंतर आकलन के लिए अत्यधिक उपयोगी होते हैं।

72. (A) शिक्षक-निर्मित उपलब्धि परीक्षण (Teacher-Made Achievement Test)
किसी कक्षा शिक्षक द्वारा अपने छात्रों के लिए हाल ही में पढ़ाए गए विशिष्ट पाठ्य विषय ('धातु और अधातु') पर आधारित इकाई परीक्षण तैयार करना एक 'शिक्षक-निर्मित उपलब्धि परीक्षण' का उदाहरण है। यह परीक्षण विशिष्ट अनुदेशात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति का मूल्यांकन करता है।

73. (B) गुणवत्ता परीक्षण निर्माण और मूल्यांकन सिद्धांतों में शिक्षक के कौशल पर निर्भर करती है।
शिक्षक-निर्मित परीक्षणों की गुणवत्ता पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक को परीक्षण निर्माण, विनिर्देश सारणी (Blueprint) के उपयोग और मूल्यांकन के साइकोमेट्रिक सिद्धांतों का कितना ज्ञान और अनुभव है। अतः उनकी गुणवत्ता में विभिन्न शिक्षकों के अनुसार भिन्नता पाई जाती है।

74. (B) वे एक एकल कक्षा को लक्षित करते हैं, जिससे व्यापक मानक तुलना अनावश्यक हो जाती है।
शिक्षक-निर्मित परीक्षणों में औपचारिक मानदंडों (Norms) की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि वे किसी एक विशिष्ट कक्षा या समूह के छात्रों की प्रगति मापने हेतु बनाए जाते हैं। उनका उद्देश्य छात्रों की तुलना किसी बाह्य राष्ट्रीय या क्षेत्रीय समूह से करना नहीं होता है।

75. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
मानकीकृत परीक्षण एक व्यापक जनसंख्या के लिए बनाए जाते हैं, इसलिए वे किसी विशिष्ट 4-सप्ताह की स्थानीय पाठ योजना के आकलन हेतु कम उपयुक्त होते हैं। इसके विपरीत, शिक्षक-निर्मित परीक्षण सटीक स्थानीय अनुदेशात्मक सामग्री पर केंद्रित होते हैं, जिससे वे अल्पकालिक अधिगम मापन के लिए अधिक मान्य होते हैं।

76. (C) निर्माण की कठोरता, सामग्री के दायरे और मानदंडों की उपस्थिति में
मानकीकृत और शिक्षक-निर्मित परीक्षणों के बीच मुख्य अंतर उनके निर्माण की तकनीकी कठोरता, सामग्री के कवरेज के दायरे और औपचारिक मानदंडों की उपस्थिति में निहित है। मानकीकृत परीक्षणों में व्यापक साइकोमेट्रिक प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं, जबकि शिक्षक-निर्मित परीक्षण स्थानीय आवश्यकताओं पर केंद्रित होते हैं।

77. (D) मानकीकृत – लचीला प्रशासन / शिक्षक-निर्मित – कठोर प्रशासन
मानकीकृत परीक्षणों का प्रशासन अत्यंत कठोर और एकसमान होता है, जबकि शिक्षक-निर्मित परीक्षणों का प्रशासन कक्षा की परिस्थितियों के अनुसार लचीला हो सकता है। विकल्प D इन दोनों की प्रशासनिक विशेषताओं को उल्टा प्रस्तुत करता है, इसलिए यह एक गलत जोड़ा है।

78. (C) एक मानकीकृत सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण (Standardized Survey Achievement Test)
अपने स्कूल के छात्रों के प्रदर्शन की तुलना राज्य स्तर के बड़े छात्र समूह से करने के लिए मानकीकृत सर्वेक्षण उपलब्धि परीक्षण का उपयोग किया जाना चाहिए। इस प्रकार का परीक्षण एकसमान स्थितियाँ और मानदंड प्रदान करता है, जिससे सांख्यिकीय रूप से वैध तुलना संभव हो पाती है।

79. (B) दिए गए विशिष्ट अनुदेशन के सापेक्ष विषय वस्तु वैधता (Content Validity)
शिक्षक-निर्मित परीक्षणों की विषय वस्तु वैधता (Content Validity) स्थानीय कक्षा में पढ़ाए गए विशिष्ट अनुदेशन के सापेक्ष बहुत उच्च होती है। वे सीधे उस सामग्री का मापन करते हैं जो शिक्षक ने वास्तव में कक्षा में पढ़ाई है, जबकि मानकीकृत परीक्षण अधिक सामान्य सामग्री को कवर करते हैं।

80. (D) साप्ताहिक रचनात्मक प्रतिक्रिया के लिए प्रशासन बहुत बोझिल है और सामग्री बहुत सामान्य है
मानकीकृत परीक्षणों को साप्ताहिक क्विज़ के रूप में उपयोग करना व्यावहारिक नहीं है क्योंकि उनका प्रशासन अत्यंत जटिल, समय लेने वाला और खर्चीला होता है। इसके अलावा, उनकी सामग्री बहुत सामान्यीकृत होती है, जो दैनिक कक्षा अनुदेशन की तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए उपयुक्त नहीं है।

81. (A) सतत रचनात्मक आकलन (Continuous Formative Assessment) के लिए शिक्षक-निर्मित परीक्षणों का उपयोग करना और आवधिक बेंचमार्किंग के लिए मानकीकृत परीक्षणों (Standardized Tests) का उपयोग करना
विद्यालयों में आकलनों का सबसे प्रभावी एकीकृत उपयोग यह है कि दैनिक शिक्षण-अधिगम प्रगति के सतत रचनात्मक आकलन हेतु शिक्षक-निर्मित परीक्षणों का प्रयोग किया जाए, जबकि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर आवधिक शैक्षणिक बेंचमार्किंग के लिए मानकीकृत परीक्षणों का उपयोग किया जाए।

82. (C) पूर्व-परिभाषित संदर्भ समूह के साथ छात्र के प्रदर्शन की तुलना करना
मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) का प्राथमिक उद्देश्य किसी छात्र के प्राप्तांकों की तुलना एक पूर्व-परिभाषित मानक संदर्भ समूह (Norm Group) के प्रदर्शन से करना है। यह परीक्षण यह बताता है कि छात्र ने अपने साथियों की तुलना में कितना बेहतर या निम्न प्रदर्शन किया है।

83. (A) एक समूह में सापेक्ष स्थिति या रैंक
मानक-संदर्भित परीक्षण (NRT) में रुचि का प्राथमिक मीट्रिक छात्र की किसी संदर्भित समूह में सापेक्ष स्थिति, प्रतिशतक रैंक (Percentile Rank) या रैंक होती है। यह केवल इस बात पर जोर देता है कि छात्र अन्य परीक्षार्थियों की तुलना में कहाँ ठहरता है।

Downloaded from www.pdf.tube

33. (A) अल्फ्रेड बिने (Alfred Binet)
बुद्धि परीक्षण के इतिहास में 'मानसिक आयु' (Mental Age - MA) की अवधारणा का प्रतिपादन अल्फ्रेड बिने (Alfred Binet) द्वारा 1905 के बिने-सिमन पैमाने के विकास के दौरान किया गया था। इस अवधारणा का उद्देश्य बच्चों के बौद्धिक विकास के स्तर को उनकी वास्तविक कालानुक्रमिक आयु के संदर्भ में मापना था।

34. (C) सामान्य संज्ञानात्मक क्षमता, अमूर्त तर्क और व्यापक समस्या-समाधान क्षमता
मनोविज्ञान में बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test) का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति की सामान्य संज्ञानात्मक क्षमता (General Cognitive Ability), अमूर्त चिंतन और नवीन परिस्थितियों में समस्या-समाधान करने की समग्र क्षमता का मापन करना है। यह केवल विशिष्ट पढ़ाए गए पाठ्यक्रम तक सीमित न होकर व्यापक मानसिक योग्यताओं का मूल्यांकन करता है।

35. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
बुद्धि परीक्षण और अभिक्षमता परीक्षण आपस में निकटता से संबंधित हैं क्योंकि दोनों ही मापन उपकरण व्यक्ति की अधिगम क्षमता और मानसिक योग्यताओं का आकलन करते हैं। ये केवल विशिष्ट रूप से सिखाए गए तथ्यात्मक ज्ञान तक सीमित न रहकर नवीन कौशलों को अर्जित करने की अंतर्निहित क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

36. (D) बुद्धि परीक्षण सामान्य संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करते हैं, जबकि अभिक्षमता परीक्षण स्थानिक कौशल जैसे विशिष्ट क्षेत्रों को लक्षित करते हैं।
बुद्धि परीक्षण व्यक्ति की समग्र और सामान्य संज्ञानात्मक क्षमता (General Intelligence) का मापन करते हैं, जो विभिन्न परिस्थितियों में लागू होती है। इसके विपरीत, अभिक्षमता परीक्षण किसी विशिष्ट क्षेत्र (जैसे यांत्रिक, स्थानिक, या संख्यात्मक कौशल) में व्यक्ति की विशेष क्षमता और भावी सफलता की संभावना पर केंद्रित होते हैं।

37. (B) सामान्य बौद्धिक कामकाज और विस्तृत संज्ञानात्मक प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन करने के लिए
बच्चों के लिए वेक्सलर बुद्धिमत्ता पैमाना (WISC) एक व्यापक मानकीकृत बुद्धि परीक्षण है। इसका उपयोग बच्चे के सामान्य बौद्धिक कामकाज (Full Scale IQ) और शाब्दिक बोध, कार्यशील स्मृति तथा प्रसंस्करण गति जैसे विभिन्न संज्ञानात्मक क्षेत्रों का विस्तृत मूल्यांकन और प्रोफ़ाइलिंग करने हेतु किया जाता है।

38. (C) छात्र की अधिगम कठिनाइयों के विशिष्ट अंतर्निहित कारणों की पहचान करना
शिक्षा में नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) का मुख्य उद्देश्य किसी विषय क्षेत्र में छात्र को आ रही अधिगम कठिनाइयों, गलतफहमियों और प्रक्रियात्मक अंतरालों के विशिष्ट अंतर्निहित कारणों की पहचान करना है। यह जानकारी शिक्षक को प्रभावी उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) योजना तैयार करने में सहायता प्रदान करती है।

39. (D) अधिगम की कमजोरियों का सटीक पता लगाने के लिए एक विशिष्ट उप-कौशल को लक्षित करने वाले कई प्रश्न
नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) में किसी विशिष्ट उप-कौशल या अवधारणा पर केंद्रित कई प्रश्न होते हैं ताकि छात्र की सटीक त्रुटि और अधिगम रुकावट का विश्लेषण किया जा सके। इसके विपरीत, योगात्मक परीक्षण व्यापक पाठ्यक्रम का सामान्य आकलन करते हैं और ग्रेडिंग प्रदान करने पर केंद्रित होते हैं।

40. (A) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) – सीधे लक्षित उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) की ओर ले जाता है
नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) का प्रत्यक्ष संबंध उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) से है। यह परीक्षण पहले अधिगम अंतरालों और त्रुटियों के कारणों का सटीक निदान करता है, जिसके आधार पर शिक्षक लक्षित सुधारात्मक अनुदेशन योजना तैयार करते हैं। अन्य विकल्प अपने वर्णित कार्यों के साथ सही मेल नहीं खाते।

41. (B) नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)
जब छात्र किसी विशिष्ट विषय अवधारणा (जैसे भिन्न) में बार-बार गलतियाँ करते हैं, तो उनकी त्रुटि के सटीक बिंदु का पता लगाने के लिए नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) का उपयोग किया जाता है। यह परीक्षण प्रक्रियात्मक गलतियों की पहचान करता है, जिससे शिक्षक को लक्षित सुधारात्मक निर्देश देने में मदद मिलती है।

42. (B) इसमें लक्षित अधिगम कार्य के विस्तृत, क्रमिक चरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रश्न होने चाहिए।
नैदानिक परीक्षण के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि इसमें अधिगम कार्य के सूक्ष्म और क्रमिक चरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रश्न शामिल हों। यह संरचना शिक्षक को यह pinpoint करने में सक्षम बनाती है कि छात्र किस विशिष्ट प्रक्रियात्मक चरण में भ्रमित हो रहा है।

NODIA

43. (A) वे आमतौर पर एक एकल कुल अंक देते हैं जिसका उपयोग अंतिम ग्रेडिंग के लिए किया जाता है।
नैदानिक परीक्षणों का उपयोग अंतिम ग्रेडिंग या रैंकिंग के लिए नहीं किया जाता है और न ही वे केवल एक समग्र अंक देते हैं। इनका उद्देश्य अधिगम प्रक्रियाओं का विश्लेषणात्मक विवरण प्रदान करना है ताकि कमजोरियों की पहचान की जा सके। अतः ग्रेडिंग संबंधी कथन नैदानिक परीक्षण के संबंध में असत्य है।

44. (C) एक व्यक्तिगत उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) कार्यक्रम की योजना बनाना और उसे निष्पादित करना
नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) के प्रशासन का मुख्य उद्देश्य अधिगम कमियों को उजागर करना है। अतः परीक्षण के तुरंत बाद सबसे अनिवार्य कदम एक अनुकूलित एवं लक्षित उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) कार्यक्रम की योजना बनाना और उसे निष्पादित करना है ताकि छात्र की अधिगम त्रुटियों को दूर किया जा सके।

45. (D) मापे जाने वाले कौशल या अवधारणा का एक विस्तृत कार्य विश्लेषण (Task Analysis) करना
एक प्रभावी नैदानिक परीक्षण का निर्माण करते समय शिक्षक को सबसे पहले लक्षित कौशल या अवधारणा का विस्तृत कार्य विश्लेषण (Task Analysis) करना चाहिए। इसमें विषय को छोटे, क्रमिक उप-कौशलों में तोड़ा जाता है ताकि परीक्षण का प्रत्येक प्रश्न किसी विशिष्ट उप-कौशल की कमी को माप सके।

46. (C) शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को अलग करने के लिए परीक्षण का बहुत उच्च समग्र कठिनाई स्तर सुनिश्चित करना
नैदानिक परीक्षण का उद्देश्य छात्रों में विभेदन करना या उच्च प्रदर्शन करने वालों को अलग करना नहीं होता, बल्कि सभी छात्रों की विशिष्ट अधिगम कमियों को खोजना होता है। इसलिए, परीक्षण में अत्यधिक कठिन प्रश्नों को शामिल करना अनिवार्य नहीं है; ध्यान केवल त्रुटि पहचान पर केंद्रित रहता है।

47. (B) मानक प्रश्न कठिनाई के बजाय विशिष्ट अधिगम त्रुटियों को प्रकट करने पर आधारित होता है
नैदानिक परीक्षणों में प्रश्नों का कठिनाई सूचकांक पारंपरिक सांख्यिकीय मानकों के बजाय इस बात से निर्धारित होता है कि वे प्रश्न छात्रों की विशिष्ट अधिगम गलतफहमियों और प्रक्रियात्मक त्रुटियों को कितनी सटीकता से उजागर करते हैं। इनका ध्यान सामान्य सांख्यिकीय वितरण के बजाय नैदानिक उपयोगिता पर होता है।

48. (D) I, II, और III
नैदानिक परीक्षण के निर्माण में समस्या क्षेत्रों की पहचान करना, कौशलों और उप-कौशलों का विस्तृत विश्लेषण करना तथा आम गलतफहमियों को लक्षित करने वाले प्रश्नों का विकास करना शामिल है। ये सभी चरण एक सटीक और प्रभावी नैदानिक परीक्षण तैयार करने के लिए अत्यंत आवश्यक माने जाते हैं।

49. (A) 2, 3, 1, 4
नैदानिक प्रक्रिया का सही क्रम है: सर्वप्रथम कार्य विश्लेषण के आधार पर परीक्षण विनिर्देश सारणी तैयार करना (2), फिर उप-कौशलों को लक्षित करने वाले प्रश्न लिखना (3), इसके बाद प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण कर त्रुटियाँ खोजना (1), और अंत में पहचाने गए अंतरालों हेतु उपचारात्मक शिक्षण डिजाइन करना (4)।

50. (C) छात्रों की गलतफहमियों की सटीक प्रकृति के बारे में विशिष्ट अंतर्दृष्टि प्रदान करना
नैदानिक परीक्षण में भ्रामक विकल्पों (Distractors) को छात्रों की सामान्य प्रक्रियात्मक त्रुटियों और गलतफहमियों को दर्शाने के लिए जानबूझकर डिज़ाइन किया जाता है। जब कोई छात्र किसी विशिष्ट गलत विकल्प को चुनता है, तो शिक्षक को उसकी सोच और अधिगम में अंतर्निहित भ्रम की सटीक प्रकृति का पता चलता है।

51. (A) पहचानी गई अधिगम की कमियों को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया लक्षित अनुदेशन
उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) वह लक्षित और सुधारात्मक अनुदेशन है जो नैदानिक परीक्षण द्वारा पहचानी गई विशिष्ट अधिगम कमियों, गलतफहमियों और अंतरालों को दूर करने के लिए प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य छात्र को पाठ्यक्रम के अपेक्षित अधिगम स्तर तक पहुँचाना होता है।

52. (D) सरल से जटिल कर्ता-क्रिया संरचनाओं में परिवर्तन को अलग करने वाले अभ्यासों को डिज़ाइन करना
जब छात्रों को जटिल वाक्यों में विशिष्ट अधिगम कठिनाई होती है, तो सबसे उपयुक्त उपचारात्मक कार्रवाई उस विशिष्ट बिंदु को लक्षित करना है। सरल से जटिल संरचनाओं में परिवर्तन को स्पष्ट करने वाले सुधारात्मक अभ्यास छात्रों के भ्रम को दूर करने और सही अवधारणात्मक समझ विकसित करने में अत्यंत प्रभावी होते हैं।

53. (B) नैदानिक परीक्षण विशिष्ट त्रुटियों को इंगित करता है, जो सटीक सुधारात्मक शिक्षण का मार्गदर्शन करता है
नैदानिक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण में प्रत्यक्ष कार्य-कारण संबंध है। नैदानिक परीक्षण अधिगम प्रक्रिया में मौजूद विशिष्ट त्रुटियों और अंतरालों को इंगित करने का कार्य करता है, जो आगे चलकर शिक्षक के लिए सटीक और अनुकूलित उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) की योजना बनाने का मार्गदर्शन करता है।

54. (C) पहचाने गए अंतरालों के अनुकूल विभिन्न दृष्टिकोणों और व्यक्तिगत ध्यान का उपयोग करना
उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करते समय शिक्षक को पारंपरिक शिक्षण विधियों के स्थान पर विविध अनुदेशात्मक दृष्टिकोणों, व्यावहारिक गतिविधियों और व्यक्तिगत ध्यान का उपयोग करना चाहिए। ऐसा करने से शिक्षार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं और अधिगम अंतरालों का समाधान प्रभावी रूप से संभव हो पाता है।

55. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
उपचारात्मक शिक्षण एक व्यक्तिगत या छोटे समूह की प्रक्रिया है क्योंकि नैदानिक परीक्षणों से स्पष्ट होता है कि प्रत्येक छात्र की अधिगम कमियाँ और गलतफहमियाँ भिन्न होती हैं। अतः सभी छात्रों के लिए एक सामान्य व्याख्यान के स्थान पर अनुकूलित एवं लक्षित हस्तक्षेप आवश्यक होता है।

56. (A) पूरा पाठ्यक्रम पूरा करने सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ना
उपचारात्मक शिक्षण का उद्देश्य अधिगम अंतरालों को दूर करना है, न कि जल्दबाज़ी में पाठ्यक्रम समाप्त करना। पाठ्यक्रम के माध्यम से तेज़ी से आगे बढ़ने से संघर्ष कर रहे शिक्षार्थियों का भ्रम और बढ़ सकता है। अतः धीमी गति, स्पष्टीकरण और बारंबार प्रतिक्रिया ही प्रभावी उपचारात्मक अभ्यास हैं।

57. (B) जिसमें समान प्रशासन, अंकन और मानक व्याख्या प्रक्रियाएं हों
मानकीकृत परीक्षण (Standardized Test) वह मापन उपकरण है जो सभी परीक्षार्थियों के लिए एकसमान प्रशासनिक स्थितियों, वस्तुनिष्ठ अंकन कुंजियों तथा मानक व्याख्या प्रक्रियाओं (जैसे मानदंडों) का पालन करता है। यह परीक्षण

Click Here to Buy book on Amazon

विभिन्न समूहों के बीच अंकों की विश्वसनीय और वैध तुलना करने के लिए डिज़ाइन किया जाता है।

58. (B) मानदंड (Norms) एक बड़े, प्रतिनिधि नमूने का उपयोग करके स्थापित किए जाते हैं
मानकीकृत परीक्षण की मुख्य विशेषता यह है कि इसके मानदंड (Norms) एक बड़े और प्रतिनिधि जनसंख्या नमूने पर परीक्षण का प्रशासन करके स्थापित किए जाते हैं। ये मानदंड व्यक्तिगत छात्र अंकों की तुलना एक मानक संदर्भ समूह के साथ करने का आधार प्रदान करते हैं।

59. (A) मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण (Standardized Achievement Test) उपकरण
राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) एक मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण का प्रमुख उदाहरण है। यह देश भर में विभिन्न ग्रेड स्तरों पर छात्रों के अधिगम परिणामों और शैक्षणिक उपलब्धि के स्तर का आकलन करने के लिए एकसमान प्रशासनिक एवं मूल्यांकन प्रक्रियाओं का उपयोग करके आयोजित किया जाता है।

60. (C) प्रशासन, अंकन कुंजी, मानदंडों और तकनीकी डेटा के लिए व्यापक दिशानिर्देश
मानकीकृत परीक्षण के साथ मिलने वाली तकनीकी नियमावली (Manual) में परीक्षण प्रशासन की सटीक विधियों, अंकन कुंजियों, स्थापित मानदंडों तथा विश्वसनीयता व वैधता संबंधी तकनीकी डेटा का विस्तृत विवरण होता है। यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण का उपयोग सभी केंद्रों पर पूरी तरह एकसमान हो।

61. (D) उन्हें प्रशासन के दौरान कक्षा शिक्षकों द्वारा लचीले ढंग से संशोधित किया जा सकता है।
मानकीकृत परीक्षणों को प्रशासन के दौरान शिक्षकों द्वारा अपनी इच्छा से संशोधित नहीं किया जा सकता, क्योंकि ऐसा करने से उनकी मानकीकृत प्रकृति और सांख्यिकीय विश्वसनीयता नष्ट हो जाती है। इन परीक्षणों की शर्तें और समय सीमा सभी परीक्षार्थियों के लिए कठोरता से एकसमान रहती हैं।

62. (B) केवल I, II, और IV
मानकीकृत परीक्षणों में व्यापक ट्राइ-आउट, कठिन प्रश्न विश्लेषण और वस्तुनिष्ठ अंकन शामिल होता है। हालाँकि, ये स्थानीय कक्षा के विशिष्ट अनुदेशात्मक उद्देश्यों के लिए हमेशा शिक्षक-निर्मित परीक्षणों जितने उपयुक्त नहीं होते, क्योंकि इनका दायरा बहुत व्यापक और सामान्यीकृत होता है।

63. (B) प्रश्नों का ट्राइ-आउट (Try-Out) या पायलट परीक्षण
परीक्षण के मानकीकरण की प्रक्रिया में, प्रश्नों के प्रारंभिक प्रारूप को तैयार करने के तुरंत बाद उनका ट्राइ-आउट (Try-Out) या पायलट परीक्षण किया जाता है। इस चरण का उद्देश्य प्रश्नों की व्यावहारिक उपयोगिता, कठिनाई स्तर और विभेदन क्षमता से संबंधित सांख्यिकीय डेटा एकत्र करना होता है।

64. (A) 2, 1, 4, 5, 3
परीक्षण मानकीकरण के चरणों का सही कालानुक्रमिक क्रम है: सर्वप्रथम परीक्षण की योजना बनाना (2), फिर प्रारंभिक प्रारूप तैयार करना (1), उसके बाद ट्राइ-आउट एवं प्रश्न विश्लेषण (4), तत्पश्चात अंतिम प्रारूप तैयार करना (5), तथा अंत में मानदंड स्थापित कर नियमावली तैयार करना (3)।

65. (A) प्रश्नों के कठिनाई स्तर और विभेदन शक्ति (Discriminating Power) का निर्धारण करना
मानकीकरण प्रक्रिया के दौरान ट्राइ-आउट (Try-Out) आयोजित करने का प्राथमिक उद्देश्य प्रत्येक प्रश्न के कठिनाई सूचकांक और विभेदन क्षमता का अनुभवजन्य मूल्यांकन करना है। इसके डेटा के आधार पर घटिया या अस्पष्ट प्रश्नों को हटाया अथवा संशोधित किया जाता है।

66. (C) खारिज कर दिया जाता है क्योंकि कम प्रदर्शन करने वाले छात्र उच्च प्रदर्शन करने वालों की तुलना में इसका उत्तर अधिक बार सही देते हैं
एक ऋणात्मक विभेदन सूचकांक वाला प्रश्न यह दर्शाता है कि कम योग्यता वाले छात्रों ने उच्च योग्यता वाले छात्रों की तुलना में उसे अधिक सही हल किया है। ऐसा प्रश्न अमान्य या भ्रामक माना जाता है, इसलिए परीक्षण के मानकीकरण के दौरान उसे निरस्त कर दिया जाता है।

67. (A) एक प्रतिनिधि नमूने से संदर्भ प्रदर्शन डेटा स्थापित करना
किसी मानकीकृत परीक्षण हेतु 'मानदंड' (Norms) निर्धारित करने का अर्थ एक विशाल और प्रतिनिधि जनसंख्या नमूने पर परीक्षण लागू करके संदर्भ प्रदर्शन डेटा एकत्र करना है। ये मानदंड किसी भी छात्र के व्यक्तिगत प्राप्तांक की सहकर्मी समूह के सापेक्ष व्याख्या करने में सहायता करते हैं।

68. (D) I, II, और III
परीक्षण मानकीकरण में सांख्यिकीय विश्वसनीयता का आकलन, विषय वस्तु व संरचनात्मक वैधता की स्थापना, और बाह्य चरों को नियंत्रित करने हेतु मानकीकृत परीक्षण वातावरण तय करना—ये तीनों ही अत्यंत आवश्यक और मौलिक घटक माने जाते हैं।

69. (B) एक विशिष्ट कक्षा के तत्काल अनुदेशात्मक उद्देश्यों के साथ संरेखण
शिक्षक-निर्मित परीक्षण (Teacher-Made Test) की मुख्य विशेषता यह है कि यह किसी विशिष्ट कक्षा में हाल ही में पढ़ाए गए पाठों और तत्काल अनुदेशात्मक उद्देश्यों का आकलन करने हेतु तैयार किया जाता है। इसमें व्यापक राष्ट्रीय मानदंडों या औपचारिक साइकोमेट्रिक विश्लेषण की आवश्यकता नहीं होती।

NODIA

70. (C) स्थानीय कक्षा की जरूरतों और कवर की गई विशिष्ट सामग्री के लिए अनुकूलन क्षमता
मानकीकृत परीक्षणों की तुलना में शिक्षक-निर्मित परीक्षणों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि वे स्थानीय कक्षा की विशिष्ट आवश्यकताओं, पठन गति और हाल ही में पढ़ाई गई पाठ्य सामग्री के अनुसार आसानी से अनुकूलित किए जा सकते हैं। वे शिक्षक को तत्काल अनुदेशात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं।

जैसे शाब्दिक तर्क, संख्यात्मक क्षमता, और स्थानिक संबंधों में व्यक्ति की सम्भाव्य क्षमता और भावी प्रदर्शन का आकलन करने हेतु निर्मित किया गया है।

22. (B) केवल I, III, और IV
अभिक्षमता परीक्षण आनुवंशिक क्षमताओं और संचयी अनुभवों का मापन करते हैं तथा इनका प्राथमिक उपयोग शैक्षणिक व व्यावसायिक मार्गदर्शन में होता है। इनकी मुख्य वैधता भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity) है। ये केवल हाल ही में पढ़ाए गए कक्षा अनुदेशन पर निर्भर नहीं होते, बल्कि व्यक्ति के व्यापक अनुभवजन्य विकास को दर्शाते हैं।

23. (D) विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (Differential Aptitude Test)
छात्रों को शैक्षणिक धाराओं (जैसे विज्ञान या मानविकी) के चयन में मार्गदर्शन देने हेतु विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (Differential Aptitude Test) सर्वाधिक प्रासंगिक डेटा प्रदान करता है। यह विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में छात्र की भावी अधिगम क्षमता का मूल्यांकन करता है, जिससे परामर्शदाता को साक्ष्य-आधारित शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करने में सुगमता होती है।

24. (A) यांत्रिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सफल होने की उच्च क्षमता रखता है
यांत्रिक अभिक्षमता परीक्षण (Mechanical Aptitude Test) में उच्च अंक यह दर्शाता है कि छात्र में यांत्रिक अवधारणाओं को समझने तथा संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सफल होने की उच्च सम्भाव्य क्षमता है। यह परीक्षण यांत्रिक क्षेत्र में भविष्य की सफलता का पूर्वानुमान लगाता है, न कि केवल पूर्व अर्जित ज्ञान को।

25. (B) वे किसी व्यक्ति के पिछले सामान्य अनुभवों से अप्रभावित रहते हैं।
अभिक्षमता परीक्षण भविष्य-उन्मुख होते हैं और विशिष्ट क्षेत्रों में सम्भाव्य क्षमता का मापन करते हैं। हालाँकि, यह कहना गलत है कि वे पिछले अनुभवों से पूरी तरह अप्रभावित रहते हैं। व्यक्ति का संचयी वातावरण और सामान्य अधिगम अनुभव उसकी अभिक्षमता विकास एवं प्रदर्शन को अनिवार्य रूप से प्रभावित करते हैं।

26. (B) अंक उपयोग के प्राथमिक उद्देश्य में (अतीत के अधिगम का आकलन बनाम भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान)
उपलब्धि परीक्षण और अभिक्षमता परीक्षण के बीच प्राथमिक अंतर उनके उपयोग के उद्देश्य में है। उपलब्धि परीक्षण पूर्व अनुदेशन के माध्यम से अर्जित ज्ञान (अतीत) का आकलन करता है, जबकि अभिक्षमता परीक्षण उचित प्रशिक्षण मिलने पर किसी व्यक्ति के भावी प्रदर्शन और सीखने की क्षमता (भविष्य) का पूर्वानुमान लगाता है।

27. (A) उपलब्धि परीक्षण – जन्मजात लक्षणों का आकलन करता है / अभिक्षमता परीक्षण – सीखी गई सामग्री का आकलन करता है
उपलब्धि परीक्षण सीखी गई सामग्री और अनुदेशात्मक परिणामों का मूल्यांकन करता है, जबकि अभिक्षमता परीक्षण भावी अधिगम क्षमता और संचयी लक्षणों का मापन करता है। कथन A इन दोनों की परिभाषाओं को विपरीत रूप से प्रस्तुत करता है, जिससे यह अंतर के रूप में गलत जोड़ा सिद्ध होता है।

28. (A) केवल I और II
उपलब्धि और अभिक्षमता परीक्षण दोनों व्यक्ति के वर्तमान प्रदर्शन के आधार पर क्षमता को मापते हैं। उपलब्धि परीक्षण विशिष्ट पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि अभिक्षमता परीक्षण व्यापक अनुभवों पर। यह मानना गलत है कि उपलब्धि परीक्षण का उपयोग भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान लगाने के लिए कभी नहीं किया जा सकता।

29. (D) किसी क्षेत्र में अतीत की उपलब्धि अक्सर उसी विषय क्षेत्र में भावी अभिक्षमता के सबसे मजबूत भविष्यसूचकों में से एक होती है
उपलब्धि और अभिक्षमता परीक्षणों के बीच कार्यात्मक ओवरलैप यह है कि किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतीत में अर्जित उपलब्धि, उसी क्षेत्र में भावी सफलता या अभिक्षमता का एक सशक्त सूचक होती है। दोनों ही परीक्षण व्यक्ति के पूर्व अनुभवों और अधिगम क्षमताओं से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होते हैं।

30. (C) एक उपलब्धि परीक्षण की तरह कार्य करता है, उन छात्रों को दंडित करता है जिनमें भौतिकी के सूत्रों में विशिष्ट पूर्व अनुदेशन का अभाव है
जब किसी अभिक्षमता परीक्षण में विशिष्ट पूर्व अनुदेशन पर आधारित उन्नत प्रश्न शामिल होते हैं, तो वह अभिक्षमता के बजाय उपलब्धि का मापन करने लगता है। यह उन छात्रों के प्रति अन्यायपूर्ण है जिनमें स्वाभाविक क्षमता तो है, परंतु जिन्हें संबंधित विषय का पूर्व औपचारिक अनुदेशन नहीं मिला है।

31. (B) भावी अधिगम के कौशल पहले से सीखे गए विषय ज्ञान पर अत्यधिक निर्भर करते हैं
यदि एक अभिक्षमता परीक्षण और उपलब्धि परीक्षण में उच्च सह-संबंध पाया जाता है, तो इसका तात्पर्य यह है कि उस क्षेत्र में नवीन कौशल सीखने की क्षमता पूर्व में अर्जित ज्ञान और अनुभवों पर गहराई से निर्भर करती है। पूर्व अधिगम भावी क्षमता के विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करता है।

32. (D) जन्मजात संज्ञानात्मक क्षमता के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक वातावरण और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को भी प्रतिबिंबित कर सकते हैं
बुद्धि परीक्षण (Intelligence Tests) अमूर्त चिंतन और समस्या-समाधान को मापते हैं, परंतु इनके प्राप्तांक केवल आनुवंशिक क्षमता से नहीं बल्कि छात्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और शैक्षणिक अवसरों से भी प्रभावित होते हैं। इसलिए इन परीक्षणों के परिणामों की व्याख्या अत्यंत सावधानीपूर्वक और व्यापक संदर्भ में की जानी चाहिए।

Downloaded from www.pdf.tube

84. (D) छात्र ने मानक नमूना समूह के 85% से अधिक अंक प्राप्त किए।
मानक-संदर्भित परीक्षण में 85वें प्रतिशतक अंक प्राप्त करने का अर्थ यह है कि परीक्षार्थी ने संदर्भ समूह के 85 प्रतिशत छात्रों से बेहतर या उनके बराबर प्रदर्शन किया है। यह अंक छात्र की सापेक्ष योग्यता स्थिति को दर्शाता है, न कि उसके द्वारा हल किए गए प्रश्नों के प्रतिशत को।

85. (B) सामान्य वितरण प्राप्त करने के लिए परीक्षार्थियों के बीच विभेदन को अधिकतम करना
मानक-संदर्भित परीक्षणों में विभिन्न कठिनाई स्तरों के प्रश्न शामिल किए जाते हैं ताकि परीक्षार्थियों के प्राप्तांकों में अधिक से अधिक भिन्नता और विभेदन उत्पन्न किया जा सके। इससे एक संतुलित सामान्य संभाव्यता वक्र प्राप्त होता है और छात्रों की सापेक्ष रैंकिंग करना सरल हो जाता है।

86. (C) मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test - NRT) – प्रतिशतक रैंक (Percentile Rank)
मानक-संदर्भित परीक्षण (NRT) का मुख्य उद्देश्य सापेक्ष स्थिति का निर्धारण करना है, जिसके लिए प्रतिशतक रैंक (Percentile Rank) का प्रयोग किया जाता है। अतः यह एक सही जोड़ा है। निकष-संदर्भित परीक्षण निरपेक्ष मानकों पर आधारित होते हैं, न कि सामान्य संभाव्यता वक्र या Z-अंक तुलनाओं पर।

87. (D) वे स्पष्ट रूप से उन विशिष्ट कौशलों को इंगित करते हैं जिन्हें एक छात्र ने महारत हासिल की है या नहीं की है।
मानक-संदर्भित परीक्षण यह इंगित नहीं करते कि छात्र ने किसी विशिष्ट कौशल पर महारत हासिल की है या नहीं; यह कार्य निकष-संदर्भित परीक्षण (CRT) का होता है। NRT केवल संदर्भ समूह के सापेक्ष छात्र के सामान्य प्रदर्शन और रैंकिंग को स्पष्ट करने हेतु निर्मित किए जाते हैं।

88. (A) केवल I और II
निकष-संदर्भित परीक्षण (CRT) पूर्व-निर्धारित निरपेक्ष मानकों के विरुद्ध प्रदर्शन को मापते हैं और महारत अधिगम (Mastery Learning) पर केंद्रित होते हैं। इनका उद्देश्य छात्रों को एक-दूसरे के सापेक्ष रैंक देना नहीं होता; रैंकिंग का कार्य मानक-संदर्भित परीक्षणों (NRT) द्वारा किया जाता है।

89. (B) दूसरों के प्रदर्शन की परवाह किए बिना प्रदर्शित विशिष्ट ज्ञान और कौशल का वर्णन करता है
निकष-संदर्भित परीक्षण (CRT) किसी छात्र द्वारा प्रदर्शित विशिष्ट ज्ञान और कौशलों का निरपेक्ष वर्णन करता है। यह मूल्यांकन इस बात से पूरी तरह स्वतंत्र होता है कि अन्य सहपाठी छात्रों ने परीक्षण में कैसा प्रदर्शन किया है। इसका मुख्य ध्यान महारत के स्तर पर रहता है।

90. (A) निकष-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test)
ड्राइविंग परीक्षण एक निकष-संदर्भित परीक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है क्योंकि इसमें उम्मीदवार को लाइसेंस प्राप्त करने हेतु पूर्व-निर्धारित सुरक्षा मानकों और कौशलों को पूरा करना होता है। इसमें सफलता अन्य उम्मीदवारों के प्रदर्शन पर निर्भर न होकर केवल व्यक्तिगत कौशल महारत पर निर्भर करती है।

91. (A) निकष-संदर्भित आकलन (Criterion-Referenced Assessment)
मूलभूत साक्षरता में किसी पूर्व-निर्धारित मानक (जैसे 35 शब्द प्रति मिनट) के आधार पर बच्चे के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना निकष-संदर्भित आकलन का अनुप्रयोग है। यहाँ उद्देश्य यह देखना है कि बच्चा निश्चित दक्षता मानक तक पहुँचा है या नहीं, न कि साथियों से तुलना करना।

92. (C) निकष-संदर्भित मूल्यांकन (Criterion-Referenced Evaluation)
योग्यता-आधारित शिक्षा में छात्रों की तुलना करने के स्थान पर विशिष्ट अधिगम परिणामों (जैसे गणितीय संक्रियाओं) की प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह दृष्टिकोण पूरी तरह से 'निकष-संदर्भित मूल्यांकन' से संरेखित है, जो प्रत्येक छात्र की व्यक्तिगत महारत को मापने पर जोर देता है।

NODIA

93. (D) कार्य की प्रकृति द्वारा निर्धारित होती है; यदि कार्य आसान है, तो प्रश्न आसान होता है
निकष-संदर्भित परीक्षणों में प्रश्नों का कठिनाई स्तर सांख्यिकीय हेरफेर के बजाय मापे जा रहे अनुदेशात्मक कार्य की प्रकृति द्वारा तय होता है। यदि लक्षित कौशल या उद्देश्य सरल है, तो परीक्षण का प्रश्न भी सरल होगा ताकि केवल महारत की जाँच की जा सके।

94. (C) परीक्षण अंकों की व्याख्या करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधि
NRT और CRT के बीच प्राथमिक अंतर प्राप्तांकों की व्याख्या करने के तरीके में है। NRT में अंकों की व्याख्या संदर्भ समूह के सापेक्ष स्थिति (रैंक) के रूप में की जाती है, जबकि CRT में अंकों की व्याख्या पूर्व-निर्धारित निरपेक्ष मापदंडों (महारत) के आधार पर की जाती है।

95. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
रचनात्मक और नैदानिक आकलनों के लिए निकष-संदर्भित परीक्षण अधिक उपयुक्त होते हैं क्योंकि वे स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि छात्र ने किन विशिष्ट अनुदेशात्मक उद्देश्यों पर महारत हासिल की है और कहाँ सुधारात्मक शिक्षण की आवश्यकता है। यह जानकारी सीधे शिक्षण रणनीतियों का मार्गदर्शन करती है।

96. (D) NRT – सभी प्रश्न बहुत आसान होने चाहिए / CRT – सभी प्रश्न बहुत कठिन होने चाहिए
विकल्प D का कथन पूरी तरह से गलत है। NRT में प्रश्नों का कठिनाई स्तर विस्तृत प्रसार प्राप्त करने हेतु मध्यम रखा जाता है, जबकि CRT में कठिनाई का स्तर मापे जाने वाले विशिष्ट अनुदेशात्मक उद्देश्य की जटिलता पर निर्भर करता है, न कि उनके बहुत कठिन होने पर।

97. (A) मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Testing)
सीमित सीटों (जैसे 50 छात्रवृत्तियों) हेतु अत्यधिक आवेदकों में से चयन करने के लिए मानक-संदर्भित परीक्षण सर्वाधिक उपयुक्त है। यह परीक्षण परीक्षार्थियों के बीच विभेदन पैदा करके उनके प्राप्तांकों के आधार पर एक स्पष्ट योग्यता सूची या रैंक क्रम तैयार करने में सक्षम होता है।

98. (C) निकष-संदर्भित व्याख्या (Criterion-Referenced Interpretation)
जब किसी छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन 90% के पूर्व-निर्धारित निरपेक्ष मानक के आधार पर किया जाता है, तो यह निकष-संदर्भित व्याख्या कहलाती है। यहाँ छात्र की सफलता का निर्धारण केवल उसके द्वारा अर्जित महारत के स्तर से होता है, न कि अन्य सहपाठियों के प्राप्तांकों से।

99. (A) रटने वाले योगात्मक NRTs (Norm-Referenced Tests) से दक्षता CRTs (Criterion-Referenced Tests) में बदलना
आधुनिक शिक्षा नीतियाँ रटने पर आधारित, तुलनात्मक योगात्मक NRTs के स्थान पर योग्यता एवं दक्षता-आधारित निकष-संदर्भित परीक्षणों (CRTs) को अपनाने पर जोर देती हैं। यह बदलाव प्रत्येक शिक्षार्थी की वास्तविक अवधारणात्मक समझ और व्यावहारिक कौशल महारत को सुनिश्चित करने के लिए अनुशंसित है।

100. (D) अंक इस बात पर निर्भर करता है कि अन्य छात्र कैसा प्रदर्शन करते हैं।
निकष-संदर्भित परीक्षण (CRT) में छात्र का अंक पूरी तरह से निरपेक्ष मानक के विरुद्ध मापा जाता है और यह इस बात से प्रभावित नहीं होता कि अन्य परीक्षार्थियों ने कैसा प्रदर्शन किया है। अन्य छात्रों के प्रदर्शन पर निर्भरता केवल मानक-संदर्भित परीक्षणों (NRT) की विशेषता है।

101. (B) परीक्षक के निर्णय या पूर्वाग्रह से मुक्त अंकन
वस्तुनिष्ठ-प्रकार के परीक्षण (Objective-Type Test) की सबसे मौलिक परिभाषा यह है कि इसकी अंकन प्रक्रिया पूरी तरह से परीक्षक की व्यक्तिगत राय, मनोदशा या पूर्वाग्रह से मुक्त होती है। कोई भी मूल्यांकनकर्ता जाँच करे, उत्तर कुंजी के आधार पर प्राप्तांक हमेशा एकसमान और स्थिर रहता है।

102. (B) केवल I, II, और IV
वस्तुनिष्ठ परीक्षण पाठ्यक्रम सामग्री का व्यापक कवरेज देते हैं, अंकन में अत्यधिक विश्वसनीय होते हैं, और इनका निर्माण निबंध प्रश्नों की तुलना में अधिक समय लेने वाला होता है। हालाँकि, ये विचारों को संगठित और संश्लेषित करने की क्षमता मापने के लिए उपयुक्त नहीं माने जाते।

103. (D) विस्तृत उत्तर वाले निबंध प्रश्न (Extended-Response Essay Item)
विस्तृत उत्तर वाले निबंध प्रश्न वस्तुनिष्ठ परीक्षण श्रेणी के अंतर्गत नहीं आते; वे विषयनिष्ठ या आपूर्ति-प्रकार के आकलनों का हिस्सा हैं। बहुविकल्पीय, सत्य/असत्य और मिलान-प्रकार के प्रश्न ही मानक वस्तुनिष्ठ परीक्षण प्रारूपों के अंतर्गत वर्गीकृत किए जाते हैं।

104. (A) मूल्यांकनकर्ता की परिवर्तनशीलता का उन्मूलन
वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की उच्च सांख्यिकीय विश्वसनीयता मुख्य रूप से इस बात से उत्पन्न होती है कि वे मूल्यांकनकर्ता की व्यक्तिगत परिवर्तनशीलता और विषयनिष्ठता को पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। एक पूर्व-निर्धारित उत्तर कुंजी का उपयोग होने के कारण अंकों में भिन्नता की संभावना शून्य हो जाती है।

105. (B) वे प्रभावी ढंग से हस्तलेखन गुणवत्ता और अभिव्यंजक लेखन कौशल का मूल्यांकन करते हैं।
वस्तुनिष्ठ परीक्षण हस्तलेखन गुणवत्ता या अभिव्यंजक लेखन कौशलों का मूल्यांकन करने में पूरी तरह असमर्थ होते हैं। ये परीक्षण केवल पहचान या संक्षिप्त स्मरण का मापन करते हैं। लेखन और अभिव्यक्ति शैली के मूल्यांकन के लिए केवल निबंध-प्रकार के परीक्षण ही उपयोगी होते हैं।

106. (B) आपूर्ति-प्रकार का प्रश्न (Supply-Type Item) – वाक्य पूर्ति लघु उत्तर
वाक्य पूर्ति वाले प्रश्न 'आपूर्ति-प्रकार' (Supply-Type) के अंतर्गत आते हैं क्योंकि इनमें छात्र को स्वयं उत्तर लिखकर आपूर्ति करनी होती है। बहुविकल्पीय प्रश्न 'चयन-प्रकार' (Selection-Type) के उदाहरण हैं। अतः विकल्प B एक सही और सटीक जोड़ा है।

107. (A) स्टेम (Stem)
बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) में मुख्य समस्या, प्रश्न या कथन वाले प्रारंभिक भाग को 'स्टेम' (Stem) कहा जाता है। यह परीक्षार्थी के सामने एक स्पष्ट और प्रत्यक्ष प्रश्न या अधूरी समस्या प्रस्तुत करता है, जिसका समाधान नीचे दिए गए विकल्पों में से चुनना होता है।

108. (B) केवल I और II
अच्छे MCQs के निर्माण में स्टेम को एक स्पष्ट केंद्रीय समस्या प्रस्तुत करनी चाहिए और सभी भ्रामक विकल्पों (Distractors) को तर्कसंगत व विश्वसनीय होना चाहिए। सही उत्तरों की स्थिति में कोई पूर्व-अनुमानित पैटर्न या पूर्वाग्रह शामिल नहीं होना चाहिए।

109. (D) डिस्ट्रेक्टर (Distractors) या फॉयल
बहुविकल्पीय प्रश्न में शामिल गलत या असत्य प्रतिक्रिया विकल्पों को तकनीकी रूप से 'भ्रामक विकल्प' (Distractors) या फॉयल कहा जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को आकर्षित करना होता है जिनकी अवधारणात्मक समझ अधूरी या अस्पष्ट होती है।

110. (C) 'हमेशा' या 'कभी नहीं' जैसे निरपेक्ष शब्दों को शामिल करना जो सुराग के रूप में कार्य करते हैं
MCQs का निर्माण करते समय 'हमेशा', 'कभी नहीं' या 'सभी' जैसे निरपेक्ष शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए। ऐसे शब्द परीक्षार्थियों को बिना विषय ज्ञान के भी सही या गलत विकल्प

Click Here to Buy book on Flipkart

का अनुमान लगाने का अप्रत्यक्ष सुराग प्रदान कर देते हैं, जिससे परीक्षण की वैधता प्रभावित होती है।

111. (B) अज्ञानी छात्रों को आकर्षित करना चाहिए जबकि महारत हासिल करने वालों को गुमराह नहीं करना चाहिए
एक प्रभावी और अच्छी तरह से निर्मित डिस्ट्रेक्टर (Distractor) वह है जो उन छात्रों के लिए तर्कसंगत और आकर्षक प्रतीत हो जिनकी तैयारी अधूरी है, परंतु जो छात्र विषय पर पूर्ण महारत रखते हैं उन्हें भ्रमित न करे। यह परीक्षण की विभेदन क्षमता को बढ़ाता है।

112. (D) भ्रामक विकल्पों (Distractors) में सजातीयता और व्याकरणिक स्थिरता का अभाव है
दिए गए प्रश्न में विकल्प (A, B) शहरों के नाम हैं, जबकि (C) एक कारण और (D) एक वर्ष है। भ्रामक विकल्पों में इस प्रकार की विषमता और व्याकरणिक असंगति होने से प्रश्न अत्यंत घटिया बन जाता है; सभी विकल्पों को एक ही श्रेणी का होना चाहिए।

113. (A) वैकल्पिक-प्रतिक्रिया प्रश्न (Alternate-Response Items)
सत्य/असत्य प्रश्नों को 'वैकल्पिक-प्रतिक्रिया प्रश्न' (Alternate-Response Items) श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है क्योंकि परीक्षार्थी के पास केवल दो परस्पर विरोधी विकल्पों (हाँ/ना, सत्य/असत्य) में से किसी एक को चुनने का विकल्प होता है। यह एक सरल वस्तुनिष्ठ स्वरूप है।

114. (C) वे 50 प्रतिशत की उच्च अनुमान संभावना (Guessing Probability) रखते हैं
सत्य/असत्य प्रकार के प्रश्नों की सबसे बड़ी सीमा यह है कि इनमें केवल दो विकल्प होने के कारण तुक्का या अनुमान लगाने (Guessing) से 50% अंक प्राप्त होने की संभावना रहती है। इससे छात्र के वास्तविक ज्ञान का सटीक मापन प्रभावित हो सकता है।

115. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
सत्य/असत्य प्रश्नों का निर्माण करते समय पाठ्यपुस्तक की पंक्तियों को शब्दशः उठाने से बचना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से छात्र केवल रटने की प्रवृत्ति को अपनाते हैं। कथनों का पुनर्गठन करने से छात्रों की वास्तविक वैचारिक समझ का सही मूल्यांकन संभव हो पाता है।

116. (D) सत्य या असत्य बताएं, और यदि असत्य है, तो लक्षित शब्द को सही करें
एक संशोधित सत्य/असत्य प्रश्न (Modified True/False Item) में छात्र को न केवल यह बताना होता है कि कथन सत्य है या असत्य, बल्कि कथन के असत्य होने पर रेखांकित शब्द को बदलकर सही उत्तर भी लिखना होता है, जिससे अनुमान लगाने की संभावना कम होती है।

117. (B) एक ही कथन में कई जटिल विचारों को शामिल करना
सत्य/असत्य प्रश्न बनाते समय एक ही वाक्य में कई जटिल या परस्पर विरोधी विचारों को शामिल करने से बचना चाहिए। ऐसे कथन परीक्षार्थियों के लिए अनावश्यक भ्रम उत्पन्न करते हैं। प्रत्येक कथन को केवल एक ही स्पष्ट और मुख्य विचार पर केंद्रित होना चाहिए।

118. (C) तथ्यात्मक स्मरण और सरल सिद्धांतों की बुनियादी पहचान
सत्य/असत्य प्रकार के प्रश्न मुख्य रूप से तथ्यात्मक ज्ञान के स्मरण, परिभाषाओं की पहचान और सरल सिद्धांतों के सत्यापन को मापने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होते हैं। ये उच्च-स्तरीय विश्लेषणात्मक या रचनात्मक चिंतन कौशलों के मापन हेतु उपयुक्त नहीं माने जाते।

119. (D) स्तम्भ-आधार / प्रेमाइस (Premises)
मिलान-प्रकार (Matching-Type) के प्रश्न में बाएँ कॉलम में सूचीबद्ध प्रश्नों या समस्याओं की श्रृंखला को तकनीकी रूप से 'प्रेमाइस' (Premises) कहा जाता है। परीक्षार्थी को इन प्रेमाइस के लिए दाएँ कॉलम में दी गई 'प्रतिक्रियाओं' (Responses) में से सही उत्तर का चयन करना होता है।

120. (A) प्रेमाइस (Premises) की तुलना में अधिक प्रतिक्रियाएं (Responses) प्रदान करना (अपूर्ण मिलान)
मिलान वाले प्रश्नों में अंतिम प्रश्नों हेतु विकल्प उन्मूलन द्वारा तुक्का लगाने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए प्रतिक्रियाओं (Responses) की संख्या को प्रेमाइस (Premises) की संख्या से अधिक रखा जाना चाहिए। इसे अपूर्ण मिलान प्रारूप कहा जाता है, जिससे वस्तुनिष्ठता में सुधार होता है।

121. (B) एक अभ्यास के भीतर सामग्री सजातीय (Homogeneous) होनी चाहिए
मिलान प्रश्न का निर्माण करते समय सबसे महत्वपूर्ण नियम यह है कि एक ही सेट के अंतर्गत शामिल सभी प्रेमाइस और प्रतिक्रियाएँ एक ही विषय श्रेणी (सजातीय/ Homogeneous) से संबंधित होनी चाहिए, जैसे केवल ऐतिहासिक तिथियाँ या केवल वैज्ञानिक उपकरण।

122. (A) कॉलम B में 2 या 3 अतिरिक्त तर्कसंगत वर्ष जोड़ें
यदि दोनों कॉलमों में प्रश्नों की संख्या बराबर है, तो अंतिम उत्तर स्वतः ही बिना ज्ञान के हल हो जाता है। इस तकनीकी दोष को सुधारने के लिए प्रतिक्रिया कॉलम (कॉलम B) में 2 या 3 अतिरिक्त तर्कसंगत विकल्प जोड़े जाने चाहिए ताकि अनुमान की गुंजाइश न रहे।

123. (A) सजातीयता (Homogeneity) – सूची के सभी प्रश्नों को एक ही श्रेणी के भीतर रखना
मिलान-प्रकार के प्रश्नों में 'सजातीयता' (Homogeneity) का अर्थ है कि एक प्रश्न सेट के सभी घटक एक ही प्रासंगिक विषय क्षेत्र से जुड़े हों। यह एक सही जोड़ा है, जबकि अन्य विकल्प प्रेमाइस और प्रतिक्रियाओं की परिभाषाओं को अनुचित रूप से प्रस्तुत करते हैं।

124. (C) वे जटिल समस्या-समाधान और संश्लेषण को मापने के लिए अत्यधिक प्रभावी हैं।
मिलान-प्रकार के प्रश्न मुख्य रूप से तथ्यों के संबंध, तिथियों, परिभाषाओं और शब्दावली के जुड़ाव को मापने हेतु उपयोगी

Downloaded from www.pdf.tube

होते हैं। ये जटिल समस्या-समाधान, उच्च-स्तरीय तर्क या संश्लेषण कौशलों के मापन के लिए प्रभावी नहीं माने जाते; अतः विकल्प C असत्य है।

125. (D) आपूर्ति-प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Supply-Type Objective Items)
रिक्त स्थान पूर्ति (Fill-in-the-Blanks) वाले प्रश्नों को 'आपूर्ति-प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इनमें परीक्षार्थी को दिए गए विकल्पों में से चयन करने के बजाय अपनी स्मृति से सही शब्द या संख्या को स्वयं लिखकर प्रस्तुत करना होता है।

126. (C) वाक्य के अंत के पास
पूर्ति-प्रकार के प्रश्नों का निर्माण करते समय रिक्त स्थान को आदर्श रूप से वाक्य के अंत के पास रखा जाना चाहिए। ऐसा करने से छात्र को उत्तर देने से पहले प्रश्न का पूरा संदर्भ और अर्थ स्पष्ट रूप से समझ में आ जाता है।

127. (B) एक ही वाक्य में बहुत अधिक रिक्त स्थान छोड़ना
एक ही वाक्य में बहुत अधिक रिक्त स्थान छोड़ने से कथन का मूल संदर्भ और अर्थ पूरी तरह नष्ट हो जाता है, जिससे प्रश्न विकृत (Mutilated) हो जाता है। अतः अच्छे पूर्ति प्रश्नों में केवल एक या दो मुख्य शब्दों के लिए ही स्थान छोड़ा जाना चाहिए।

128. (A) केवल I और II
पूर्ति प्रश्नों में छोड़ा गया शब्द मुख्य अवधारणा होना चाहिए तथा व्याकरणिक संकेतों से बचना चाहिए। हालाँकि, पाठ्यपुस्तक के वाक्यों को शब्दशः उठाना अनुचित है क्योंकि यह वैचारिक समझ के स्थान पर केवल रटने की आदत को बढ़ावा देता है।

129. (A) छात्र ऐसे वैध पर्यायवाची शब्द प्रदान कर सकते हैं जो उत्तर कुंजी में सूचीबद्ध नहीं हैं
पूर्ति प्रश्नों का अंकन MCQs की तुलना में थोड़ा कम वस्तुनिष्ठ होता है क्योंकि छात्र कभी-कभी ऐसे प्रासंगिक और सही पर्यायवाची शब्द लिख देते हैं जो मानक उत्तर कुंजी में शामिल नहीं होते। ऐसे मामलों में परीक्षक को अपने विवेक का उपयोग करना पड़ता है।

130. (C) अत्यधिक विकृत (Mutilated) है और इसमें पर्याप्त संदर्भ का अभाव है
दिए गए प्रश्न में अत्यधिक रिक्त स्थान छोड़े गए हैं, जिससे वाक्य का अर्थ और संदर्भ पूरी तरह से अस्पष्ट हो गया है। ऐसा प्रश्न छात्रों के लिए अनुमान लगाना असंभव बना देता है और यह परीक्षण निर्माण के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।

131. (A) छात्र किसी प्रश्न के लिए एक संरचनात्मक लिखित उत्तर लिखता है
निबंध-प्रकार के परीक्षण (Essay-Type Test) में छात्र को दिए गए प्रश्न के उत्तर में अपने विचारों को संगठित करके एक विस्तृत एवं संरचनात्मक लिखित उत्तर लिखना होता है। यह परीक्षण परीक्षार्थी की मौलिक अभिव्यक्ति और उच्च-स्तरीय चिंतन क्षमता का मापन करता है।

132. (D) एक विस्तृत उत्तर निबंध परीक्षण (Extended Response Essay Test)
जानकारी को संश्लेषित करने, तर्क निर्मित करने तथा स्वतंत्र निष्कर्ष निकालने की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए विस्तृत उत्तर निबंध परीक्षण (Extended Response Essay Test) सर्वाधिक मान्य उपकरण है। यह छात्रों को अपने विचारों को गहराई से व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करता है।

133. (B) अपने विचारों का निर्माण, संगठन और अभिव्यक्ति करना
निबंध परीक्षणों की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि यह छात्र को अपने ज्ञान का उपयोग करके विचारों को स्वयं निर्मित करने, उन्हें तार्किक क्रम में संगठित करने और अपनी व्यक्तिगत शैली में व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करता है, जो वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में संभव नहीं है।

134. (C) परीक्षक के मूल्यांकन पर अतीत के प्रदर्शन या हस्तलेखन का प्रभाव
निबंध आकलनों में 'हलो प्रभाव' (Halo Effect) का तात्पर्य परीक्षक के मूल्यांकन पर छात्र की सुंदर हस्तलेखन, आकर्षक प्रस्तुतीकरण या उसकी पूर्व शैक्षणिक छवि के पड़ने वाले प्रभाव से है। इसके कारण परीक्षक वास्तविक उत्तर सामग्री के बजाय बाह्य कारकों से प्रभावित होकर अंक दे देता है।

135. (B) वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की तुलना में उनके पास कम मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Evaluator Reliability) होती है।
निबंध परीक्षणों में विभिन्न परीक्षकों के मूल्यांकन में भिन्नता आने की संभावना अधिक रहती है, जिसके कारण इनकी मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Evaluator Reliability) वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की तुलना में काफी कम होती है। अंकों पर परीक्षक की व्यक्तिगत विषयनिष्ठता का प्रभाव पड़ता है।

136. (A) उस छात्र की पहचान जानना जिसकी उत्तर पुस्तिका जांची जा रही है
छात्र की पहचान जानने से मूल्यांकनकर्ता में व्यक्तिगत पूर्वाग्रह या 'हलो प्रभाव' उत्पन्न हो सकता है, जिससे अंकन की विश्वसनीयता घटती है। विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए अनाम अंकन (Anonymity) और मॉडल उत्तर रुब्रिक्स का उपयोग करना ही सर्वोत्तम उपाय माना जाता है।

137. (B) उत्तर की लंबाई और दायरे के संबंध में छात्र की स्वतंत्रता की डिग्री में
सीमित उत्तर निबंधों में उत्तर की शब्द सीमा, सामग्री और संरचना पर कड़े प्रतिबंध होते हैं। इसके विपरीत, विस्तृत उत्तर निबंधों में छात्रों को विषय वस्तु के विस्तार, उत्तर की लंबाई और तार्किक प्रस्तुतीकरण के संदर्भ में व्यापक स्वतंत्रता प्राप्त होती है।

138. (B) सीमित उत्तर निबंध प्रश्न (Restricted Response Essay Item)
जब प्रश्न में स्पष्ट रूप से "तीन अंतर बताइए" जैसी शर्त लगा दी जाती है, तो उत्तर का दायरा और सामग्री सीमित हो जाती है। ऐसे प्रश्नों को 'सीमित उत्तर निबंध प्रश्न' (Restricted Response

NODIA

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY
PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

Essay Item) कहा जाता है, जिससे अंकन अधिक वस्तुनिष्ठ बनता है।

139. (A) सृजन (संश्लेषण) और मूल्यांकन
विस्तृत उत्तर निबंध प्रश्न विशेष रूप से ब्लूम के संज्ञानात्मक पदानुक्रम के उच्च-स्तरीय स्तरों—सृजन (संश्लेषण) और मूल्यांकन—का मापन करने हेतु उपयुक्त हैं। इनके माध्यम से छात्रों की नवीन विचारों को एकीकृत करने और तार्किक निर्णय देने की क्षमता का सटीक मापन होता है।

140. (C) सीमित उत्तर – अत्यधिक विषयनिष्ठ, असंरचित ग्रेडिंग
सीमित उत्तर निबंधों में उत्तर का दायरा और लंबाई पूर्व-निर्धारित होती है, जिससे उनका अंकन विस्तृत निबंधों की तुलना में अधिक वस्तुनिष्ठ और संरचनात्मक होता है। अतः विकल्प C में दी गई विशेषता असत्य और गलत जोड़ा दर्शाती है।

141. (D) मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Evaluator Reliability) बढ़ाना और अधिगम उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना
निबंध प्रश्नों में उत्तर के दायरे को सीमित करने (जैसे शब्द सीमा लागू करना) से मूल्यांकनकर्ता की विषयनिष्ठता कम होती है, जिससे मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता (Evaluator Reliability) में सुधार होता है। इसके साथ ही प्रश्न सीधे लक्षित अनुदेशात्मक उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करता है।

142. (A) केवल I, II, और IV
विस्तृत उत्तर निबंध छात्रों की तर्क प्रक्रिया और विचारों के एकीकरण को दर्शाते हैं, परंतु समय अधिक लगने के कारण इनका सामग्री कवरेज सीमित होता है। ये प्रश्न वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की तुलना में अंक देने में काफी कठिन और अधिक समय लेने वाले होते हैं।

143. (B) "प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।"
विकल्प B का प्रश्न छात्र से प्रभाव का विस्तृत विश्लेषण और मूल्यांकन करने की मांग करता है, जिसके लिए व्यापक चिंतन, तर्क और स्वतंत्र लेखन की आवश्यकता है। यह विस्तृत उत्तर निबंध प्रश्न (Extended Response Essay) का एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है।

144. (D) व्यापक पाठ्यक्रम कवरेज के कारण विषय वस्तु वैधता (Content Validity)
वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में प्रश्नों की संख्या अधिक होती है, जिससे वे निर्धारित पाठ्यक्रम के विशाल भाग का प्रतिनिधित्व कर पाते हैं। इसके परिणामस्वरूप, निबंध परीक्षणों की तुलना में वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में विषय वस्तु वैधता (Content Validity) का स्तर काफी उच्च होता है।

145. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
बड़े पैमाने पर आयोजित मानकीकृत परीक्षाओं के लिए वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का उपयोग किया जाता है क्योंकि वे त्वरित, मशीनीकृत और पूरी तरह से पक्षपात-रहित अंकन सुनिश्चित करते हैं। इससे विशाल छात्र आबादी के प्राप्तांकों की विश्वसनीयता और लागत-प्रभावशीलता बनी रहती है।

146. (C) वस्तुनिष्ठ परीक्षण – निर्माण में कठिन, अंक देना आसान
वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का निर्माण (प्रश्नों और डिस्ट्रेक्टर्स का चयन) अत्यंत जटिल और समय लेने वाला होता है, परंतु उनका अंकन बेहद आसान और त्वरित होता है। इसके विपरीत निबंध परीक्षण लिखना आसान होता है पर जाँचना कठिन। अतः C सही जोड़ा है।

147. (A) जटिल विचारों को व्यवस्थित और व्यक्त करने की क्षमता को मापना
जब शिक्षक का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति, विचारों के तार्किक संगठन और लिखित भाषा प्रवाह का मापन करना हो, तो निबंध परीक्षण ही सबसे उपयुक्त विकल्प होता है। वस्तुनिष्ठ परीक्षण इन अभिव्यंजक कौशलों का मूल्यांकन नहीं कर सकते।

148. (B) I, II, और IV
वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की विशेषताओं में उच्च मूल्यांकनकर्ता विश्वसनीयता, व्यापक सामग्री कवरेज और अनुमान लगाने (Guessing) के प्रति संवेदनशीलता शामिल हैं। ये परीक्षण लेखन कौशलों का विकास नहीं करते, क्योंकि इनमें उत्तर का चयन करना होता है, लिखना नहीं।

149. (B) वस्तुनिष्ठ परीक्षण निबंध परीक्षणों की तुलना में पहचान और स्मरण को बेहतर मापते हैं।
विकल्प B में दिया गया कथन सही है, परंतु प्रश्न के संदर्भ में अन्य विकल्पों की तुलना में C या असत्य कथनों का विश्लेषण महत्वपूर्ण है। वस्तुनिष्ठ परीक्षण पहचान (Recognition) को बेहतर मापते हैं, जबकि निबंध परीक्षण मौलिक स्मरण और विचार संगठन को।

150. (C) 40 बहुविकल्पीय और मिलान वाले प्रश्नों (Multiple-Choice and Matching Items) का उपयोग करना
45 मिनट की सीमित अवधि में संपूर्ण पाठ्यक्रम का तथ्यात्मक मापन करने के लिए बहुविकल्पीय और मिलान वाले वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का प्रयोग करना ही सर्वोत्तम रणनीति है। इससे कम समय में व्यापक सामग्री का वस्तुनिष्ठता से परीक्षण संभव हो पाता है।

151. (D) समय सीमा और प्रश्न कठिनाई स्तर
'गति परीक्षण' (Speed Test) और 'शक्ति परीक्षण' (Power Test) में मुख्य अंतर समय सीमा की कठोरता और प्रश्नों के कठिनाई स्तर में होता है। गति परीक्षण में प्रश्न आसान होते हैं पर समय सीमित होता है, जबकि शक्ति परीक्षण में पर्याप्त समय के साथ कठिन प्रश्न होते हैं।

152. (A) गति परीक्षण (Speed Test)
जब किसी परीक्षण में समान और सरल प्रश्न शामिल हों तथा अत्यधिक सीमित समय (जैसे 5 मिनट में 100 प्रश्न) में छात्रों की त्वरित प्रतिक्रिया गति और सटीकता को मापा जाता है, तो वह 'गति परीक्षण' (Speed Test) का क्लासिक उदाहरण होता है।

Click Here to Buy book on Amazon

(C) यह शिक्षकों और छात्रों दोनों को तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
(D) इसे सामान्यतः कम जोखिम वाला आकलन (Low-stakes Assessment) माना जाता है।

18. रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) में प्रतिक्रिया (Feedback) की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) व्यक्तिगत छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन की उसके साथियों के साथ व्यापक तुलना (Comparison) करना।
(B) आधिकारिक सत्र रिपोर्ट कार्ड के लिए अंतिम संचयी प्रतिशत को सटीक रूप से निर्धारित करना।
(C) स्कूल के प्राचार्य के समग्र प्रशासनिक प्रदर्शन का गंभीर रूप से मूल्यांकन करना।
(D) वर्तमान समझ और वांछित शिक्षण लक्ष्यों के बीच के अंतर (Gap) की पहचान करना।

19. रचनात्मक मूल्यांकन के संबंध में निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान आयोजित किया जाता है
II. शिक्षण की प्रभावशीलता की जांच करने के उद्देश्य से किया जाता है
III. मुख्य रूप से शिक्षार्थियों के प्रमाणन (Certification) के लिए उपयोग किया जाता है
IV. सामग्री के छोटे खंडों की महारत पर ध्यान केंद्रित करता है
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) I, II, और III (B) II, III, और IV
(C) I, II, और IV (D) I, III, और IV

20. प्राथमिक कक्षा में रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा उपकरण सबसे उपयुक्त है?
(A) वार्षिक मानकीकृत राज्य-स्तरीय उपलब्धि परीक्षण
(B) औपचारिक सत्र-अंत मानकीकृत बोर्ड परीक्षा
(C) मौखिक प्रश्न पूछना और संवादात्मक चर्चाएं
(D) उच्च-जोखिम वाली प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा

21. अवलोकन अनुसूचियों (Observation Schedules) और उपाख्यानात्मक अभिलेखों (Anecdotal Records) का प्रभावी ढंग से रचनात्मक मूल्यांकन में उपयोग मुख्य रूप से किसलिए किया जाता है?
(A) एक लिखित नैदानिक परीक्षण की औपचारिक सांख्यिकीय विश्वसनीयता की गणना और सत्यापन करने के लिए।
(B) कक्षा के माहौल में निरंतर व्यवहारात्मक और शैक्षणिक परिवर्तनों को दस्तावेजित (Document) करने के लिए।
(C) पूरे स्कूल जिले में छात्रों की सटीक पर्सेंटाइल रैंक निर्धारित करने के लिए।
(D) वर्ष के अंत में कम प्रदर्शन करने वाले छात्र को रोकने (Detain) के कानूनी औचित्य के लिए।

22. रचनात्मक मूल्यांकन उपकरणों के संदर्भ में, अवधारणा मानचित्र (Concept Maps) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में कैसे सहायता करते हैं?
(A) वे मुख्य रूप से अंतिम पाठ्यक्रम प्रमाणन के लिए एक औपचारिक योगात्मक ग्रेडिंग उपकरण के रूप में कार्य करते हैं।
(B) वे विशेष रूप से जटिल मनोप्रेरणा कौशलों (Psychomotor Skills) के मूल्यांकन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
(C) वे निरंतर मौखिक शिक्षक प्रतिक्रिया की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त और प्रतिस्थापित करते हैं।
(D) वे अवधारणाओं के बीच संबंधों की समझ और भ्रांतियों को दृश्य रूप से मानचित्रित (Visually Map) करते हैं।

23. एक शिक्षक यह जांचने के लिए कि छात्रों ने क्या समझा है, अक्सर कालांश के अंत में 'एग्जिट स्लिप्स (Exit Slips)' का उपयोग करता है। यह उपकरण किसकी एक विधि है?
(A) रचनात्मक आकलन (Formative Assessment)
(B) योगात्मक आकलन (Summative Assessment)
(C) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation)
(D) स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation)

NODIA

24. एक नव नियुक्त शिक्षक प्राचार्य से पूछता है कि रचनात्मक आकलन कितनी बार आयोजित किए जाने चाहिए। प्राचार्य द्वारा दी जाने वाली सबसे शैक्षणिक रूप से उपयुक्त सलाह क्या है?
(A) "इसे एक पूर्व-निर्धारित तिथि पर महीने में केवल एक बार व्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाना चाहिए।"
(B) "इसे केवल तभी आयोजित किया जाना चाहिए जब कोई छात्र गंभीर अधिगम अक्षमता दिखाता है।"
(C) "इसे प्रत्येक सत्र के अंत में किया जाना चाहिए।"
(D) "इसे दैनिक शिक्षण और अधिगम गतिविधियों में लगातार एकीकृत किया जाना चाहिए।"

25. निम्नलिखित में से कौन सा कथन रचनात्मक मूल्यांकन के ढांचे के भीतर "जस्ट-इन-टाइम टीचिंग (Just-in-Time Teaching)" का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) वार्षिक परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले शेष पाठ्यक्रम को व्यवस्थित रूप से पढ़ाना।
(B) तत्काल छात्र प्रतिक्रिया के आधार पर शिक्षण को गतिशील रूप से समायोजित करना।
(C) सख्त प्रशासनिक समय सीमा को पूरा करने के लिए शेष पाठ्यक्रम को तेजी से समाप्त करना।
(D) ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान संघर्षरत छात्रों के लिए अनिवार्य उपचारात्मक सहायता कक्षाएं आयोजित करना।

167. (D) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Non-Verbal Intelligence Test)
स्थानीय भाषा न बोलने वाले प्रवासी बच्चे की बौद्धिक क्षमता का निष्पक्ष मूल्यांकन करने के लिए 'अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण' का उपयोग किया जाना अनिवार्य है। यह परीक्षण भाषा संबंधी रुकावटों को दूर करके छात्र की तर्क क्षमता का सही आकलन करता है।

168. (B) केवल I और III
अशाब्दिक परीक्षण श्रवण हानि वाले व्यक्तियों के लिए अत्यधिक उपयोगी हैं और ये स्थानिक तर्क का मापन करते हैं। हालाँकि, यह दावा करना गलत है कि वे सांस्कृतिक पक्षपात के सभी रूपों को 'पूरी तरह' समाप्त कर देते हैं, क्योंकि आकृतियों के अनुभव भी कुछ हद तक सांस्कृतिक हो सकते हैं।

169. (B) भौतिक सामग्रियों का हेरफेर करना या मोटर कार्य करना
निष्पादन परीक्षण (Performance Test) में परीक्षार्थी को केवल कागजी उत्तर देने के बजाय भौतिक वस्तुओं (जैसे ब्लॉक, पहेलियाँ या उपकरण) में हेरफेर करने, कोई व्यावहारिक कार्य करने या शारीरिक मोटर कौशल प्रदर्शित करने की आवश्यकता होती है।

170. (A) कोह का ब्लॉक डिजाइन परीक्षण (Kohs Block Design Test)
'कोह का ब्लॉक डिजाइन परीक्षण' (Kohs Block Design Test) मनोवैज्ञानिक संदर्भ में एक प्रसिद्ध और क्लासिक निष्पादन परीक्षण है। इसमें परीक्षार्थी को रंगीन लकड़ी के ब्लॉकों को भौतिक रूप से मिलाकर दिए गए कार्डों के पैटर्नों को बनाना होता है।

171. (A) टाइपिंग गति परीक्षण – निष्पादन परीक्षण (Performance Test)
टाइपिंग गति परीक्षण एक निष्पादन परीक्षण का प्रत्यक्ष और सटीक उदाहरण है, क्योंकि इसमें परीक्षार्थी की व्यावहारिक क्षमता और शारीरिक गत्यात्मक कौशल का मूल्यांकन किया जाता है। अतः विकल्प A एक सही जोड़ा प्रस्तुत करता है।

172. (C) निष्पादन परीक्षण (Performance Test)
जब छात्रों को सैद्धांतिक उत्तर लिखने के बजाय व्यावहारिक रूप से एक सर्किट बोर्ड को असेंबल करके LED लाइट जलाने जैसा कार्य करने को कहा जाता है, तो इसे 'निष्पादन परीक्षण' (Performance Test) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह लागू ज्ञान को मापता है।

173. (D) निष्पादन कार्य (Performance Tasks) और व्यावहारिक पोर्टफोलियो मूल्यांकन
शारीरिक शिक्षा या ललित कला जैसे व्यावहारिक विषयों के अधिगम का सही आकलन केवल कागजी परीक्षणों से संभव नहीं है। इनके लिए निष्पादन कार्यों (Performance Tasks), प्रत्यक्ष कौशल प्रदर्शन और पोर्टफोलियो मूल्यांकन पर ही मुख्य रूप से निर्भर रहना पड़ता है।

174. (C) समय लेने वाले, महंगे और वस्तुनिष्ठ रूप से अंक देने में कठिन होते हैं
निष्पादन परीक्षणों को बड़े पैमाने पर लागू करने की मुख्य व्यावहारिक सीमा यह है कि इनका व्यक्तिगत प्रशासन बहुत अधिक समय लेने वाला, खर्चीला होता है और इनके अंकन में परीक्षक की विषयनिष्ठता के कारण पूर्ण वस्तुनिष्ठता बनाए रखना कठिन होता है।

175. (B) निष्पादन परीक्षण (Performance Test)
छात्र अपने ज्ञान को वास्तविक दुनिया की व्यावहारिक परिस्थितियों में कितनी कुशलता से लागू कर सकता है, इसका आकलन करने के लिए 'निष्पादन परीक्षण' को ही सर्वाधिक प्रामाणिक (Authentic) मापन उपकरण माना जाता है।

176. (D) प्रश्न और छात्र उत्तर मौखिक रूप से बोले जाते हैं
मौखिक परीक्षण (Oral Test) और लिखित परीक्षण में मुख्य अंतर यह है कि मौखिक परीक्षण में प्रश्न परीक्षक द्वारा आमने-सामने बोलकर पूछे जाते हैं और छात्र भी अपने उत्तर मौखिक रूप से प्रस्तुत करते हैं, जिससे कोई लिखित साक्ष्य तुरंत निर्मित नहीं होता।

177. (A) तत्काल अनुवर्ती प्रश्नों के साथ गहराई से जांच करना
मौखिक परीक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें परीक्षक छात्र की प्रतिक्रिया के आधार पर तुरंत अनुवर्ती प्रश्न (Probing Questions) पूछकर उसकी समझ की गहराई, स्पष्टता और सोचने की प्रक्रिया का गहन विश्लेषण कर सकता है।

178. (C) भाषा प्रवाह, उच्चारण और संवादात्मक कौशल
किसी भाषा में छात्र के मौखिक उच्चारण, बोलने के प्रवाह, सुनने की समझ और संवादात्मक कौशलों का सटीक आकलन करने के लिए मौखिक परीक्षणों का आयोजन करना अत्यंत अनिवार्य और अद्वितीय साधन माना जाता है।

179. (A) वे बड़ी कक्षाओं का मूल्यांकन करते समय समय बचाते हैं
मौखिक परीक्षण बड़ी कक्षाओं का मूल्यांकन करते समय समय की बचत नहीं करते; बल्कि प्रत्येक छात्र का व्यक्तिगत रूप से मौखिक साक्षात्कार लेने में बहुत अधिक समय व्यतीत होता है। अतः कथन A एक गलत और असत्य दावा है।

180. (D) शारीरिक फिटनेस के लिए राष्ट्रीय मानदंडों को मानकीकृत करना
मौखिक परीक्षा का उपयोग प्रोजेक्ट कार्य के बचाव, भाषा प्रवाह परीक्षण या लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होता है। इसका उपयोग शारीरिक फिटनेस के राष्ट्रीय मानदंडों को मानकीकृत करने के लिए नहीं किया जा सकता; वह निष्पादन मापन का क्षेत्र है।

181. (B) वे विश्वसनीयता को कम करती हैं और मानकीकृत वस्तुनिष्ठ साक्ष्य का अभाव रखती हैं
केवल मौखिक परीक्षा के आधार पर पूरे सत्र का ग्रेड तय करना अनुचित है क्योंकि इसमें मानकीकृत लिखित साक्ष्य का अभाव होता है, परीक्षक का व्यक्तिगत पूर्वाग्रह शामिल हो सकता है

Downloaded from www.pdf.tube

153. (B) पर्याप्त समय दिए जाने के साथ प्रश्नों की कठिनाई बढ़ती जाती है
एक शुद्ध शक्ति परीक्षण (Pure Power Test) में प्रश्नों का कठिनाई स्तर क्रमिक रूप से बढ़ता जाता है और परीक्षार्थियों को अपनी पूर्ण क्षमता प्रदर्शित करने हेतु पर्याप्त या असीमित समय दिया जाता है। यहाँ समय कारक अंकों को सीमित नहीं करता।

154. (A) समय छात्र के अंक को सीमित करने वाला प्राथमिक कारक है।
शक्ति परीक्षणों में समय छात्र के प्राप्तांकों को सीमित करने वाला मुख्य घटक नहीं होता है; यहाँ मुख्य कारक प्रश्नों की कठिनाई का स्तर होता है। सीमित समय द्वारा अंक नियंत्रित होना केवल 'गति परीक्षणों' की मुख्य विशेषता होती है।

155. (A) शक्ति परीक्षण (Power Test)
गणित ओलंपियाड में अत्यंत जटिल और उच्च कठिनाई वाले प्रश्नों को हल करने के लिए पर्याप्त समय (3 घंटे) दिया जाना यह दर्शाता है कि यह एक 'शक्ति परीक्षण' (Power Test) है। यह परीक्षण समय के बजाय छात्र की चिंतन क्षमता की गहराई को मापता है।

156. (C) उचित समय सीमा के साथ शक्ति परीक्षण के मिश्रण
व्यावहारिक रूप से विद्यालयों में आयोजित अधिकांश उपलब्धि परीक्षण न तो पूरी तरह गति परीक्षण होते हैं और न ही विशुद्ध शक्ति परीक्षण। वे उचित समय सीमा के साथ बढ़ती कठिनाई वाले प्रश्नों का एक व्यावहारिक मिश्रण होते हैं, जिससे क्षमता और गति दोनों का संतुलन मापा जाता है।

157. (D) एक परीक्षक द्वारा एक बार में परीक्षण किए गए परीक्षार्थियों की संख्या
व्यक्तिगत परीक्षण और सामूहिक परीक्षण में मौलिक अंतर यह है कि एक समय में कितने परीक्षार्थियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। व्यक्तिगत परीक्षण में परीक्षक एक बार में केवल एक छात्र का आकलन करता है, जबकि सामूहिक परीक्षण में एक साथ कई छात्रों का परीक्षण होता है।

158. (C) मूल्यांकनकर्ता तालमेल स्थापित कर सकते हैं और व्यवहार का सीधे अवलोकन कर सकते हैं
व्यक्तिगत परीक्षणों का मुख्य लाभ यह है कि इसमें परीक्षक छात्र के साथ सौहार्दपूर्ण तालमेल (Rapport) स्थापित कर सकता है और परीक्षण के दौरान छात्र के गैर-मौखिक व्यवहार, चिंता स्तर तथा प्रतिक्रिया शैलियों का प्रत्यक्ष और गहन अवलोकन कर सकता है।

159. (B) व्यक्तिगत परीक्षण (Individual Test) – स्टैनफोर्ड-बिने बुद्धिमत्ता पैमाना (Stanford-Binet Intelligence Scale)
स्टैनफोर्ड-बिने बुद्धिमत्ता पैमाना एक प्रसिद्ध मानकीकृत 'व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण' है, जिसे एक समय में केवल एक ही परीक्षार्थी पर लागू किया जाता है। अतः विकल्प B एक सही और सटीक जोड़ा है। सेना अल्फा परीक्षण एक सामूहिक परीक्षण है।

160. (D) भावनात्मक अवस्थाओं में गहरी नैदानिक अंतर्दृष्टि
सामूहिक परीक्षण समय और धन की बचत करते हैं तथा एकसमान स्थितियाँ प्रदान करते हैं, परंतु वे परीक्षार्थी की व्यक्तिगत भावनात्मक अवस्थाओं या सूक्ष्म व्यवहारों में गहरी नैदानिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने में असमर्थ होते हैं; यह केवल व्यक्तिगत परीक्षणों द्वारा सम्भव है।

161. (A) एक व्यक्तिगत बुद्धिमत्ता और नैदानिक बैटरी (Individual Intelligence and Diagnostic Battery)
गंभीर अधिगम विकलांगता के संदिग्ध बच्चे का सटीक आकलन करने हेतु 'व्यक्तिगत बुद्धिमत्ता और नैदानिक बैटरी' का उपयोग किया जाना चाहिए। यह परीक्षक को छात्र की विशिष्ट कमजोरियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करने और अनुकूलित नैदानिक वातावरण प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

162. (C) एक सामूहिक परीक्षण (Group Test)
जब आवेदकों की संख्या अत्यधिक (500 छात्र) हो और समय व संसाधन सीमित हों, तो प्रवेश प्रक्रिया हेतु 'सामूहिक परीक्षण' (Group Test) ही सर्वाधिक उपयुक्त और प्रशासनिक रूप से कुशल रणनीति होती है। इससे कम समय में वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन संभव होता है।

163. (A) शब्द और भाषा प्राथमिक परीक्षण माध्यम बनते हैं
शाब्दिक परीक्षण (Verbal Tests) वे आकलन उपकरण हैं जिनमें प्रश्नों को प्रस्तुत करने और प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करने के लिए मुख्य माध्यम के रूप में शब्दों और लिखित या मौखिक भाषा का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाता है। इन परीक्षणों हेतु भाषा ज्ञान आवश्यक है।

164. (D) शब्दों के बजाय आकृतियाँ, प्रतीक और स्थानिक पैटर्न
अशाब्दिक परीक्षण (Non-Verbal Tests) में भाषा या शब्दों के प्रयोग से बचा जाता है। इनके स्थान पर आकृतियों, रेखाचित्रों, प्रतीकों और स्थानिक पैटर्नों का उपयोग किया जाता है, जिससे भाषा संबंधी बाधाओं के बिना मानसिक क्षमताओं का मापन किया जा सके।

165. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों को 'संस्कृति-निरपेक्ष' (Culture-Fair) माना जाता है क्योंकि वे भाषा दक्षता और औपचारिक स्कूली शिक्षा के प्रभाव को समाप्त कर देते हैं। इससे विभिन्न सांस्कृतिक या भाषाई पृष्ठभूमि वाले छात्रों के बौद्धिक स्तर का निष्पक्ष मूल्यांकन संभव हो पाता है।

166. (C) शाब्दिक परीक्षण – निरक्षर या गैर-मातृभाषा भाषी आबादी के लिए उपयुक्त
शाब्दिक परीक्षणों में भाषा का ज्ञान और पठन क्षमता अनिवार्य होती है, इसलिए वे निरक्षर या विदेशी भाषा बोलने वाली आबादी के लिए उपयुक्त नहीं होते। निरक्षर आबादी के लिए केवल अशाब्दिक परीक्षण ही उपयोगी होते हैं। अतः C एक गलत जोड़ा है।

NODIA

उद्देश्यों (Instructional Objectives) के बीच संबंध और आनुपातिक भार को दर्शाती है।

197. (B) बाहरी संकेतों को हटाने और वास्तविक ज्ञान का परीक्षण करने के लिए प्रश्नों को संशोधित करना
यदि समीक्षा में पाया जाए कि प्रश्नों के उत्तर व्याकरणिक संकेतों से मिल रहे हैं, तो परीक्षण निर्माता को तुरंत उन प्रश्नों को संशोधित करना चाहिए। बाह्य सुरागों को हटाने से ही छात्रों के वास्तविक ज्ञान और समझ का सही मूल्यांकन संभव हो पाता है।

198. (D) I, II, और III
परीक्षण समीक्षा चरण के दौरान उत्तर कुंजी की सटीकता की जाँच करना, भाषा स्तर को छात्रों के अनुकूल बनाना, और यह सुनिश्चित करना कि कोई प्रश्न किसी अन्य प्रश्न का उत्तर उजागर न करे—ये तीनों ही मानक और अनिवार्य समीक्षा अभ्यास हैं।

199. (C) पहले पांच प्रश्नों के सटीक उत्तर
परीक्षण के निर्देशों में कुल समय, अंकन योजना तथा उत्तर दर्ज करने के तरीकों का स्पष्ट विवरण होना चाहिए। इसमें प्रश्नों के सटीक उत्तर शामिल करना पूरी तरह अनुचित है, क्योंकि यह परीक्षण के उद्देश्य और गोपनीयता को ही समाप्त कर देगा।

200. (B) स्वीकृत विनिर्देश सारणी (Blueprint)
जब कोई परीक्षा पत्र निर्धारित भार के विपरीत केवल ज्ञान/स्मरण के प्रश्नों पर बल देता है और अनुप्रयोग का उपेक्षा करता है, तो वह स्वीकृत 'विनिर्देश सारणी' (Blueprint) का सीधा उल्लंघन करता है। ब्लूप्रिंट सभी संज्ञानात्मक स्तरों का आनुपातिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 07
मूल्यांकन: रचनात्मक, योगात्मक और सीसीई

1. शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन (Educational Measurement and Evaluation) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन "मूल्यांकन (Evaluation)" को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) नियमों के अनुसार वस्तुओं या घटनाओं को संख्याएँ प्रदान करना
(B) वह सीमा निर्धारित करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया जिस तक अनुदेशात्मक उद्देश्यों को प्राप्त किया गया है
(C) अकादमिक रैंकिंग निर्धारित करने के लिए मानकीकृत परीक्षणों का प्रशासन
(D) पर्सेंटाइल उत्पन्न करने के लिए छात्र अंकों का सांख्यिकीय विश्लेषण

2. निम्नलिखित में से कौन सा कथन मापन (Measurement) और मूल्यांकन (Evaluation) के बीच सही अंतर स्पष्ट करता है?
(A) मापन गुणात्मक है, जबकि मूल्यांकन पूरी तरह से मात्रात्मक है।
(B) मापन में मूल्य निर्णय शामिल होता है, जबकि मूल्यांकन संख्यात्मक डेटा तक सीमित होता है।
(C) मापन एक सतत प्रक्रिया है, जबकि मूल्यांकन केवल एक शैक्षणिक वर्ष के अंत में होता है।
(D) मापन चरों को परिमाणित करने की प्रक्रिया है, जबकि मूल्यांकन उन मात्रात्मक और गुणात्मक विवरणों को मान या मूल्य प्रदान करता है।

3. मूल्यांकन (Evaluation) की अवधारणा को इस प्रकार समझा गया है:
(A) शिक्षा की संपूर्ण प्रणाली का एक अभिन्न अंग बनने वाली एक सतत प्रक्रिया (Continuous Process)
(B) शैक्षणिक विषयों तक सीमित एक रुक-रुक कर होने वाली प्रक्रिया (Intermittent Process)
(C) स्कूल के प्रदर्शन को सत्यापित करने के लिए एक पूरी तरह से बाहरी तंत्र
(D) उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को छांटने का एक प्रशासनिक उपकरण

4. एक स्कूल के प्राचार्य (Principal) एक नए लागू किए गए बुनियादी साक्षरता कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करना चाहते हैं। इस आकलन का उद्देश्य यह तय करना है कि कार्यक्रम का विस्तार किया जाए या इसे बंद कर दिया जाए। इस प्रकार का मूल्यांकन मुख्य रूप से है:
(A) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)
(B) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation)
(C) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(D) स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation)

5. शैक्षिक मूल्यांकन (Educational Evaluation) की प्रकृति के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह विशेष रूप से मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों (Standardized Achievement Tests) पर निर्भर करता है।
(B) इसमें छात्र विकास के शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक दोनों क्षेत्र शामिल हैं।
(C) यह मापन और आकलन की तुलना में एक व्यापक अवधारणा है।
(D) यह अनुदेशात्मक संशोधन के लिए प्रतिक्रिया (Feedback) प्रदान करता है।

NODIA

6. शैक्षिक परिवेश में मूल्यांकन प्रक्रिया (Evaluation Process) का सही तार्किक क्रम क्या है?
(A) उपकरणों का चयन → उद्देश्यों का निर्धारण → सीखने के अनुभवों का आयोजन → मूल्य निर्णय
(B) सीखने के अनुभवों का आयोजन → उद्देश्यों का निर्धारण → उपकरणों का चयन → मूल्य निर्णय
(C) उद्देश्यों का निर्धारण → सीखने के अनुभवों का आयोजन → उपकरणों का चयन → मूल्य निर्णय
(D) मूल्य निर्णय → उद्देश्यों का निर्धारण → सीखने के अनुभवों का आयोजन → उपकरणों का चयन

7. एक स्कूल प्रणाली में मूल्यांकन (Evaluation) का प्राथमिक प्रशासनिक कार्य है:
(A) व्यक्तिगत छात्रों की विशिष्ट अधिगम कठिनाइयों का निदान करना
(B) छात्रों को वर्गीकृत करना और अगली कक्षा में पदोन्नत करना
(C) शिक्षक की शिक्षण रणनीतियों में संशोधन करना
(D) खराब प्रदर्शन करने वाले छात्रों को आंतरिक प्रेरणा प्रदान करना

8. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : मूल्यांकन एक पूर्वानुमानित कार्य करता है, जो शिक्षकों को विशिष्ट विषयों या व्यवसायों में छात्र की भविष्य की सफलता का पूर्वानुमान लगाने में मदद करता है।

कारण (R) : नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Tests) मुख्य रुप से संपूर्ण पाठ्यक्रम पर छात्र के पूर्ण स्वामित्व को मापने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

9. शिक्षार्थियों के प्रारंभिक व्यवहार और पूर्व ज्ञान का पता लगाने के लिए शिक्षण शुरु करने से पहले किए जाने वाले मूल्यांकन को क्या कहा जाता है?
(A) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)
(B) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(C) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation)
(D) स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation)

10. निम्नलिखित में से कौन सा मूल्यांकन (Evaluation) का एक अनुदेशात्मक कार्य (Instructional Function) है?
(A) अधिगम की कठिनाइयों की पहचान करना और शिक्षण की गति निर्धारित करना
(B) शिक्षा के एक चरण के पूरा होने का प्रमाणन
(C) स्कूल रैंकिंग के संबंध में अभिभावकों को प्रतिक्रिया प्रदान करना
(D) संसाधनों के लिए स्कूल के वित्तीय बजट के आवंटन को निर्धारित करना

11. मूल्यांकन के प्रकार और उसके प्राथमिक उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने वाले सही जोड़े की पहचान कीजिए।
(A) स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation) - अंतिम ग्रेड प्रदान करना
(B) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) - शिक्षण के दौरान अधिगम की प्रगति की निगरानी करना
(C) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation) - पाठ्यक्रम के अंत में शिक्षार्थी की उपलब्धि को प्रमाणित करना
(D) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) - निरंतर अधिगम कठिनाइयों के अंतर्निहित कारणों की पहचान करना

12. मूल्यांकन मुख्य रुप से छात्रों के लिए एक प्रेरक उपकरण के रुप में कार्य करता है क्योंकि:
(A) यह असफलता का एक संरचित डर पैदा करता है जो छात्रों को नियमित रुप से पढ़ने के लिए मजबूर करता है।
(B) प्रगति का ज्ञान और रचनात्मक प्रतिक्रिया सकारात्मक अधिगम को सुदृढ़ करती है।
(C) यह साथियों के बीच गहन शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता को व्यवस्थित रुप से बढ़ावा देता है।
(D) यह कम प्रदर्शन करने वालों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने के लिए छात्र रैंकिंग को सार्वजनिक रुप से प्रदर्शित करता है।

13. मूल्यांकन के कार्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने में मदद करता है।
II. इसका उपयोग माता-पिता को छात्र की प्रगति की रिपोर्ट करके जनसंपर्क बनाए रखने के लिए किया जाता है।
III. यह उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Instruction) की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II (B) केवल II और III
(C) केवल I और III (D) I, II, और III

14. "रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)" की अवधारणा को सबसे पहले औपचारिक रुप से किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया था?
(A) बेंजामिन ब्लूम (Benjamin Bloom)
(B) राल्फ टायलर (Ralph Tyler)
(C) माइकल स्क्रिवेन (Michael Scriven)
(D) लेव वाइगोत्स्की (Lev Vygotsky)

15. प्राथमिक विशेषता जो रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) को मूल्यांकन के अन्य रुपों से अलग करती है, वह यह है कि यह:
(A) प्रकृति में पूरी तरह से निर्णयात्मक है और अंतिम परिणामों पर केंद्रित है।
(B) छात्र की समग्र दक्षता को प्रमाणित करने के लिए औपचारिक रुप से डिज़ाइन और संरचित है।
(C) पूरी तरह और विशेष रुप से बाहरी मानकीकृत परीक्षा बोर्डों द्वारा आयोजित किया जाता है।
(D) विकासात्मक है और दैनिक शिक्षण-अधिगम में सुधार के लिए है।

16. एक विज्ञान शिक्षिका इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म पर एक कठिन पाठ के अंत में एक लघु प्रश्नोत्तरी (Quiz) लेती है। वह देखती है कि कक्षा के 60% छात्रों ने दाएं हाथ के अंगूठे के नियम को गलत समझा। वह अगले दिन एक अलग शिक्षण दृष्टिकोण का उपयोग करके इस अवधारणा को फिर से पढ़ाने का फैसला करती है। यह परिदृश्य सबसे अच्छी तरह से दर्शाता है:
(A) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(B) स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation)
(C) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)
(D) मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation)

17. निम्नलिखित में से कौन सी रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) की विशेषता नहीं है?
(A) यह संपूर्ण शिक्षण प्रक्रिया के दौरान निरंतर चलता रहता है।
(B) यह अत्यधिक संरचित (Highly Structured) है और अंतिम पाठ्यक्रम ग्रेड प्रदान करने के लिए उपयोग किया जाता है।

NODIA

और इसकी सांख्यिकीय विश्वसनीयता लिखित परीक्षणों की तुलना में कम होती है।

182. (B) केवल I और IV
पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Tests) भावी शैक्षणिक सफलता का अनुमान लगाते हैं और इनमें अभिक्षमता व उपलब्धि परीक्षणों की संयुक्त विशेषताएँ होती हैं। ये परीक्षण मेडिकल जाँच हेतु नहीं बनाए जाते और न ही ये भूतव्यापी होते हैं।

183. (D) भावी प्रदर्शन का पूर्वानुमान
एक पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test) का प्राथमिक और सबसे मुख्य कार्य किसी विशिष्ट विषय या प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्र के भावी प्रदर्शन और सफलता की संभावना का वैज्ञानिक पूर्वानुमान लगाना होता है।

184. (A) नैदानिक विफलता के कारणों को ढूंढता है; पूर्वानुमानिक सफलता का पूर्वानुमान लगाता है
नैदानिक और पूर्वानुमानिक परीक्षण में मुख्य अंतर यह है कि नैदानिक परीक्षण छात्र की वर्तमान अधिगम असफलताओं और प्रक्रियात्मक त्रुटियों के कारणों का पता लगाता है, जबकि पूर्वानुमानिक परीक्षण भविष्य के पाठ्यक्रम में उसकी सफलता की संभावना का अनुमान लगाता है।

185. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
किंडरगार्टन में दिया जाने वाला पठन तत्परता परीक्षण एक पूर्वानुमानिक परीक्षण है क्योंकि यह यह मापने का प्रयास करता है कि क्या बच्चे में भविष्य की औपचारिक कक्षा में सफलतापूर्वक पढ़ना सीखने के लिए आवश्यक मूलभूत क्षमताएँ मौजूद हैं।

186. (B) भविष्यसूचक वैधता (Predictive Validity)
पूर्वानुमानिक परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य भावी सफलता का अनुमान लगाना होता है, इसलिए इनके लिए 'भविष्यसूचक वैधता' (Predictive Validity) का होना सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यह वैधता दर्शाती है कि परीक्षण का प्राप्तांक भावी प्रदर्शन से कितना सटीक रूप से संरेखित है।

187. (A) पूर्वानुमानिक परीक्षण (Prognostic Test)
जब कक्षा VIII के अंत में किसी विशेष गणित परीक्षण का उपयोग यह तय करने के लिए किया जाता है कि कौन से छात्र कक्षा IX में उन्नत गणित में सफल होंगे, तो यह परीक्षण एक 'पूर्वानुमानिक परीक्षण' के रूप में कार्य कर रहा होता है।

188. (A) केवल I और II
स्थानन परीक्षण अनुदेशन प्रारंभ होने से पूर्व प्रशासित किए जाते हैं ताकि छात्र के प्रवेश-स्तरीय कौशल का पता लगाकर उसे उपयुक्त समूह में रखा जा सके। इनका उपयोग वर्ष के अंत में अंतिम ग्रेड देने के लिए कभी नहीं किया जाता।

189. (B) उपयुक्त अनुदेशन के लिए महारत के स्तर के आधार पर छात्रों का समूहन करना
स्थानन परीक्षण (Placement Test) का प्राथमिक उपयोग शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश के समय छात्रों के मौजूदा ज्ञान स्तर को मापकर उन्हें उनकी क्षमता के अनुसार उपयुक्त अनुदेशात्मक समूहों, वर्गों या स्तरों में विभाजित करने हेतु किया जाता है।

190. (C) स्थानन परीक्षण (Placement Test)
नए छात्र के प्रवेश के समय यह निर्धारित करने के लिए कि उसे किस कक्षा (VI या VII) में प्रवेश दिया जाए, आयोजित किया जाने वाला परीक्षण 'स्थानन परीक्षण' (Placement Test) कहलाता है। यह छात्र के प्रवेश-स्तरीय कौशलों का सटीक मूल्यांकन करता है।

191. (B) कौशल स्तरों से मेल खाने वाले अनुदेशनात्मक समूहों में छात्रों को सौंपना
एक सुव्यवस्थित स्थानन परीक्षण का सबसे अपेक्षित परिणाम यह होता है कि छात्रों को उनके वास्तविक कौशल और ज्ञान के स्तर के अनुरूप सही अनुदेशात्मक समूहों या पाठ्यक्रमों में वर्गीकृत किया जाता है, जिससे शिक्षण अधिक प्रभावी होता है।

192. (D) स्थानन परीक्षण (Placement Test)
कोचिंग संस्थानों में छात्रों की पूर्व क्षमता के आधार पर उन्हें शुरुआती, मध्यवर्ती या उन्नत स्तर के बैचों में वर्गीकृत करने के लिए ली जाने वाली प्रवेश परीक्षा 'स्थानन परीक्षण' (Placement Test) का एक व्यावहारिक और स्पष्ट उदाहरण है।

193. (A) स्थानन परीक्षण अनुदेशन से पहले होते हैं, रचनात्मक परीक्षण अनुदेशन के दौरान होते हैं।
स्थानन परीक्षण और रचनात्मक परीक्षण में मुख्य अंतर समय का है: स्थानन परीक्षण अनुदेशनात्मक प्रक्रिया शुरु होने से पहले छात्र का स्तर जानने हेतु आयोजित होता है, जबकि रचनात्मक परीक्षण शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर प्रगति मापने हेतु होता है।

194. (B) योजना बनाना (Blueprint) → प्रश्नों का प्रारुप तैयार करना → समीक्षा करना → प्रशासन
एक अच्छे शिक्षक-निर्मित परीक्षण के निर्माण का सही क्रम है: सर्वप्रथम विनिर्देश सारणी (Blueprint) के माध्यम से योजना बनाना, फिर प्रश्नों का प्रारुप तैयार करना, तत्पश्चात उनकी समीक्षा व संशोधन करना और अंत में परीक्षण का प्रशासन करना।

195. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
विनिर्देश सारणी (Blueprint) तैयार करना परीक्षण निर्माण का अनिवार्य पहला कदम है क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षण में प्रत्येक पाठ्य विषय और अनुदेशात्मक उद्देश्य को आनुपातिक भार मिला है। इससे परीक्षण की विषय वस्तु वैधता (Content Validity) स्थापित होती है।

196. (B) अनुदेशात्मक उद्देश्यों के साथ सामग्री क्षेत्र
विनिर्देश सारणी (Blueprint / Table of Specifications) एक दो-तरफा ग्रिड होती है, जो मुख्य रूप से पाठ्यक्रम के सामग्री क्षेत्रों (Content Areas) और ब्लूम के अनुदेशात्मक

Downloaded from www.pdf.tube

26. सूक्ष्म-मूल्यांकन (Micro-Evaluation) (जो पाठों के दौरान होता है) की तुलना में व्यापक-मूल्यांकन (Macro-Evaluation) आमतौर पर कब आयोजित किया जाता है?
(A) मानक कक्षा व्याख्यान के दौरान व्यापक-मूल्यांकन हर पांच मिनट में व्यवस्थित रूप से किया जाता है।
(B) व्यापक-मूल्यांकन एक शैक्षिक कार्यक्रम या नीति कार्यान्वयन के अंत में होता है।
(C) व्यापक-मूल्यांकन को शिक्षण शुरू होने से पहले प्रशासित पूर्व-आकलन उपकरण के रूप में परिभाषित किया जाता है।
(D) व्यापक-मूल्यांकन का उपयोग विशेष रूप से व्यक्तिगत दैनिक पाठ योजनाओं को मापने और मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

27. रचनात्मक मूल्यांकन की अवधारणा का तात्पर्य है कि समयबद्धता (Timing) होनी चाहिए:
(A) पश्चव्यापी (Retrospective), अतीत की विफलताओं पर केंद्रित
(B) अंतस्थ (Terminal), अंतिम परिणामों पर केंद्रित
(C) पूर्वसूचक (Predictive), विश्वविद्यालय के प्रवेश पर केंद्रित
(D) समवर्ती (Concurrent), शिक्षण के समानांतर चलने वाली

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : दैनिक कक्षा शिक्षण में रचनात्मक मूल्यांकन के लिए मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण सबसे प्रभावी उपकरण हैं।
कारण (R) : रचनात्मक मूल्यांकन के लिए लचीले, संदर्भ-विशिष्ट उपकरणों की आवश्यकता होती है जो चल रहे शिक्षण पर तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

29. योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) को सर्वोत्तम रूप से एक ऐसे आकलन के रूप में परिभाषित किया गया है जो:
(A) एक अनुदेशात्मक इकाई के दौरान विशिष्ट संज्ञानात्मक अधिगम बाधाओं और कठिनाइयों की लगातार पहचान करता है।
(B) शिक्षण के समापन पर ग्रेड आवंटित करता है और उपलब्धि को प्रमाणित करता है।
(C) छात्रों के शुरुआती आधारभूत ज्ञान को निर्धारित करने के लिए शिक्षण से पहले उनका औपचारिक परीक्षण करता है।
(D) छात्र अधिगम के सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का मूल्यांकन करने पर पूरी तरह से केंद्रित है।

30. निम्नलिखित में से कौन सा कथन योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) की मुख्य विशेषता का वर्णन करता है?
(A) यह उत्पाद की तुलना में अधिगम की प्रक्रिया (Process) पर अत्यधिक केंद्रित है।
(B) यह प्रकृति में अंतस्थ (Terminal) है और आमतौर पर उच्च-जोखिम (High-Stakes) वाला होता है।
(C) इसे अगले दिन के पाठ के लिए तत्काल सुधारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
(D) यह अनौपचारिक अवलोकन को अपने प्राथमिक डेटा संग्रह विधि के रूप में उपयोग करता है।

31. स्कूल प्रशासन के संदर्भ में, योगात्मक मूल्यांकन परिणामों का उपयोग सबसे अधिक किसलिए किया जाता है?
(A) दैनिक पाठ योजना को संशोधित करने के लिए
(B) एक संक्षिप्त सहयोगात्मक कक्षा गतिविधि के लिए छात्रों को समूहित करने के लिए
(C) डिस्लेक्सिया के मूल कारणों की पहचान करने के लिए
(D) छात्रों को उच्च कक्षाओं में पदोन्नत करने और प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए

NODIA

32. निम्नलिखित में से किसे सामान्यतः योगात्मक मूल्यांकन का उत्पाद माना जाता है?
(A) शिक्षक की डायरी में एक उपाख्यानात्मक प्रविष्टि (Anecdotal Entry)
(B) कक्षा में एक मौखिक प्रश्न के लिए छात्र की प्रतिक्रिया
(C) अंतिम वर्ष के अंत का रिपोर्ट कार्ड (Report Card)
(D) छात्र के निबंध का एक रफ ड्राफ्ट

33. मूल्यांकन के निम्नलिखित उपकरणों पर विचार कीजिए:
I. सत्र-अंत की लिखित परीक्षाएं
II. अंतिम शोध टर्म पेपर्स
III. दैनिक सरप्राइज क्विज़ (Pop Quizzes)
योगात्मक मूल्यांकन से आमतौर पर जुड़े उपकरणों के संबंध में उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

34. मूल्यांकन उपकरणों और उनके प्राथमिक वर्गीकरण के संबंध में गलत जोड़े की पहचान कीजिए।
(A) भौतिकी में अंतिम व्यावहारिक परीक्षा - योगात्मक (Summative)
(B) वार्षिक बोर्ड परीक्षा - योगात्मक (Summative)
(C) हाई-स्कूल स्नातक प्रमाण पत्र - नैदानिक (Diagnostic)
(D) कक्षा में विचार-मंथन सत्र (Brainstorming Sessions) - रचनात्मक (Formative)

35. एक योगात्मक मूल्यांकन उपकरण के न्यायसंगत होने के लिए, उसमें उच्च स्तर की क्या होनी चाहिए?

III. सत्र-अंत की लिखित परीक्षाएं

CCE ढांचे के तहत शैक्षणिक क्षेत्र का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के संबंध में उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल I और III
(B) केवल II और III
(C) केवल I और II
(D) I, II, और III

54. शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए उपयोग किया जाने वाला मानक नौ-बिंदु ग्रेडिंग स्केल (Nine-point grading scale) किस सीमा में होता है?

(A) A+ से E
(B) A1 से E2
(C) O से F
(D) 10 से 1

55. A1 से E2 तक फैले मानक नौ-बिंदु पैमाने के तहत शैक्षणिक विषयों के लिए न्यूनतम अर्हता ग्रेड (Qualifying Grade) क्या था?

(A) C1
(B) C2
(C) D
(D) E1

56. निम्नलिखित में से कौन सा CCE के "सह-शैक्षणिक (Co-scholastic)" क्षेत्र के अंतर्गत आता है?

(A) कोर गणित
(B) प्रथम भाषा (अंग्रेजी/हिंदी)
(C) जीवन कौशल, मनोवृत्तियां और मूल्य (Life Skills, Attitudes, and Values)
(D) पर्यावरण अध्ययन (EVS) सिद्धांत

57. CCE ढांचे में सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आकलन आमतौर पर किस पैमाने पर किया जाता था?

(A) 3-बिंदु पैमाना (3-point scale)
(B) 5-बिंदु पैमाना (5-point scale)
(C) 7-बिंदु पैमाना (7-point scale)
(D) 9-बिंदु पैमाना (9-point scale)

58. CCE के सह-शैक्षणिक क्षेत्र में "जीवन कौशल (Life Skills)" के आकलन में मुख्य रूप से शामिल थे:

(A) रटने की तकनीक और मौखिक पाठ
(B) सुंदर सुलेख लेखन और वर्तनी की सटीकता
(C) व्यावहारिक प्रयोगशाला पुस्तिकाओं और नोटबुक का रखरखाव (Maintenance)
(D) चिंतनशील, सामाजिक और भावनात्मक कौशल (Thinking, Social, and Emotional Skills)

59. निम्नलिखित क्षेत्रों पर विचार कीजिए:

I. दृश्य और प्रदर्शन कला (Visual and Performing Arts)
II. कार्य शिक्षा (Work Education)
III. शिक्षकों और साथियों के प्रति मनोवृत्ति (Attitudes)
IV. स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा (Health and Physical Education)

समग्र मूल्यांकन में सह-शैक्षणिक क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत क्षेत्रों के संबंध में उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) I, II, और IV
(B) II, III, और IV
(C) I, III, और IV
(D) I, II, III, और IV

60. समय के साथ छात्र की मनोवृत्ति और मूल्यों का व्यवस्थित रूप से आकलन करने के लिए एक शिक्षक के लिए सबसे उपयुक्त उपकरण है:

(A) एक मानकीकृत व्यक्तिगत या समूह बुद्धि परीक्षण
(B) उपाख्यानात्मक अभिलेख और अवलोकन अनुसूचियां (Anecdotal Records and Observation Schedules)
(C) एक व्यापक बहुविकल्पीय लिखित परीक्षा
(D) एक ओपन-बुक विश्लेषणात्मक परीक्षा (Open-Book Analytical Examination)

61. CCE प्रणाली में, शैक्षणिक विषयों में ग्रेडिंग मुख्य रूप से किस पर आधारित थी?

(A) पूर्व-निर्धारित अंकों की सीमाओं पर आधारित निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading)
(B) सामान्य प्रायिकता वक्र (Normal Probability Curve - NPC) पर आधारित सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading)
(C) शिक्षक के हस्तक्षेप के बिना सहकर्मी ग्रेडिंग
(D) पूरी तरह से स्व-आकलन

62. एक मानक नौ-बिंदु शैक्षणिक ग्रेडिंग पैमाने (A1 से E2) पर, ग्रेड A1 आमतौर पर किस अंक प्रतिशत सीमा से मेल खाता है?

(A) 81 - 90
(B) 85 - 100
(C) 91 - 100
(D) 95 - 100

63. समग्र मूल्यांकन योजनाओं में ग्रेडिंग पैटर्न की एक महत्वपूर्ण विशेषता किस आधार पर शैक्षणिक ग्रेड के अपग्रेडेशन का प्रावधान थी?

(A) छात्र के परिवार की आर्थिक और वित्तीय स्थिति
(B) सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उच्च उपलब्धि
(C) स्थानीय राजनीतिक प्राधिकरण द्वारा जारी आधिकारिक सिफारिश
(D) स्कूल प्रबंधन द्वारा आयोजित एक यादृच्छिक लॉटरी प्रणाली

64. मानक भारतीय माध्यमिक शिक्षा मूल्यांकन प्रणालियों में संचयी ग्रेड बिंदु औसत (Cumulative Grade Point Average - CGPA) को सांकेतिक प्रतिशत में बदलने के लिए, CGPA को किससे गुणा किया जाता है?

Click Here to Buy book on Amazon

44. एक शिक्षक देखता है कि नियमित रचनात्मक प्रतिक्रिया के बावजूद, कक्षा 6 का एक छात्र दो महीने की अवधि में भिन्नों की अवधारणा से लगातार संघर्ष करता है। सटीक संज्ञानात्मक रुकावट की पहचान करने के लिए, शिक्षक को किसका उपयोग करना चाहिए?
(A) एक व्यापक योगात्मक गणित परीक्षा
(B) कक्षा 7 के लिए एक मानकीकृत शैक्षणिक स्थान निर्धारण परीक्षण
(C) बुनियादी संख्यात्मक कमियों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक नैदानिक परीक्षण
(D) एक पेशेवर रूप से मानकीकृत बुद्धि परीक्षण

45. राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों में, शिक्षार्थी की प्रगति की निरंतर ट्रैकिंग सुनिश्चित करने के लिए कौन सा प्रमुख मूल्यांकन सुधार पेश किया गया था?
(A) कक्षा 12 तक की सभी औपचारिक लिखित परीक्षाओं को पूरी तरह से समाप्त करना
(B) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) लागू करना
(C) केवल एकल, पारंपरिक वर्ष-अंत बोर्ड परीक्षाओं (Board Examinations) पर निर्भर रहना
(D) सभी क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्कूल परीक्षा प्रशासन बोर्डों का निजीकरण करना

46. किस वैधानिक ढांचे ने भारत के प्रारंभिक विद्यालयों में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) को लागू करना स्पष्ट रूप से अनिवार्य किया है?
(A) दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम और नियम, 1973
(B) विकलांग व्यक्ति (समान अवसर) अधिनियम, 1995
(C) शिक्षा का अधिकार अधिनियम (Right to Education Act - RTE), 2009
(D) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) अधिनियम, 1956

47. पाठ्यक्रम ढांचों में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए औपचारिक लिखित परीक्षाओं की आवृत्ति बढ़ाना
(B) राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन प्रक्रिया का केंद्रीयकरण करना
(C) आंतरिक आकलन के सभी रूपों को समाप्त करना
(D) रटने की प्रवृत्ति को कम करना और विकास का समग्र रूप से आकलन करना

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : शिक्षा का अधिकार (Right to Education Act - RTE) अधिनियम प्रारंभिक कक्षाओं के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन को अनिवार्य करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भय या चिंता पैदा किए बिना अधिगम का समग्र मूल्यांकन किया जाए।
कारण (R) : वैधानिक प्रावधान शैक्षणिक अधिकारियों को बच्चे की ज्ञान की समझ और इसे लागू करने की क्षमता का लगातार मूल्यांकन करने का निर्देश देते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

49. संक्षिप्त नाम CCE में, "सतत (Continuous)" शब्द का तात्पर्य है:
(A) आकलन, निदान और निरंतर प्रतिक्रिया की नियमितता
(B) पूरे 24 घंटे के चक्र में बिना रुके छात्रों का आकलन और परीक्षण करना
(C) शैक्षणिक सत्रों के बीच बिना कोई ब्रेक लिए कक्षा शिक्षण आयोजित करना
(D) कक्षा में उपस्थिति की परवाह किए बिना छात्रों की बिना शर्त निरंतर पदोन्नति

NODIA

50. संक्षिप्त नाम CCE में, "व्यापक (Comprehensive)" शब्द का अर्थ है:
(A) केवल लिखित परीक्षाओं के माध्यम से सभी शैक्षणिक विषयों का कठोर आकलन
(B) छात्र के विकास के शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों को कवर करने वाला आकलन
(C) एकल अंतिम परीक्षा में पूरे निर्धारित पाठ्यक्रम का औपचारिक आकलन
(D) बाहरी परीक्षकों के एक पैनल द्वारा विशेष रूप से किया गया व्यापक मूल्यांकन

51. पारंपरिक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) ढांचे के तहत, एक शैक्षणिक वर्ष में रचनात्मक आकलन (FA) और योगात्मक आकलन (SA) के बीच भारित वितरण (Weightage Distribution) था:
(A) FA = 20%, SA = 80%
(B) FA = 40%, SA = 60%
(C) FA = 50%, SA = 50%
(D) FA = 60%, SA = 40%

52. CCE में शैक्षणिक (Scholastic) क्षेत्रों में मुख्य रूप से शामिल हैं:
(A) भाषा, विज्ञान और गणित जैसे मुख्य अकादमिक विषय
(B) केवल एथलेटिक खेल, जिमनास्टिक और शारीरिक शिक्षा गतिविधियां
(C) विशुद्ध रूप से व्यावहारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण मॉड्यूल और कौशल कार्यशालाएं
(D) पाठ्येतर रुचि क्लब, समितियां और शौक समूह

53. मूल्यांकन के निम्नलिखित उपकरणों पर विचार कीजिए:
I. असाइनमेंट और प्रोजेक्ट्स
II. प्रश्नोत्तरी (Quizzes) और वाद-विवाद (Debates)

(A) विषयपरकता और लचीलापन (Subjectivity and Flexibility)
(B) अस्पष्टता और जटिलता (Ambiguity and Complexity)
(C) अनौपचारिकता और संक्षिप्तता (Informality and Brevity)
(D) विश्वसनीयता और वैधता (Reliability and Validity)

36. एक स्कूल प्राचार्य देखता है कि शिक्षक छात्रों द्वारा की गई त्रुटियों का विश्लेषण किए बिना केवल ग्रेडबुक में अंक दर्ज करने के लिए अध्याय-अंत परीक्षणों का उपयोग कर रहे हैं। प्राचार्य कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण बदलने की सलाह देते हैं। प्राचार्य चाहते हैं कि शिक्षक इन परीक्षणों के उपयोग को बदलें:
(A) रचनात्मक से नैदानिक में
(B) नैदानिक से योगात्मक में
(C) योगात्मक से रचनात्मक में
(D) स्थान निर्धारण से योगात्मक में

37. रचनात्मक (Formative) और योगात्मक (Summative) मूल्यांकन के बीच मौलिक अंतर किसमें निहित है?
(A) संरचनात्मक प्रारूप और उपयोग किए गए प्रश्नों के प्रकार (MCQ बनाम निबंध परीक्षण)
(B) अनुदेश का आधिकारिक माध्यम और शिक्षण में प्रयुक्त भाषा
(C) वह अंतिम उद्देश्य (Ultimate Objective) जिसके लिए आकलन डेटा का उपयोग किया जाता है
(D) आकलित किए जा रहे छात्रों की विकासात्मक आयु और कक्षा का स्तर

38. सामग्री के दायरे (Scope of Content) के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(A) रचनात्मक मूल्यांकन, योगात्मक मूल्यांकन की तुलना में व्यापक सामग्री को कवर करता है।
(B) दोनों हर समय सामग्री के समान दायरे को कवर करते हैं।
(C) सामग्री का दायरा मूल्यांकन के दोनों रूपों के लिए अप्रासंगिक है।
(D) योगात्मक मूल्यांकन, रचनात्मक मूल्यांकन की तुलना में व्यापक सामग्री को कवर करता है।

39. क्या एक ही आकलन उपकरण का उपयोग रचनात्मक और योगात्मक दोनों मूल्यांकन के लिए किया जा सकता है?
(A) नहीं, परीक्षण डिजाइन के मौलिक सिद्धांत आकलन उपकरणों के किसी भी दोहरे उपयोग को सख्ती से प्रतिबंधित करते हैं।
(B) हाँ, यह इस बात पर निर्भर करता है कि परिणामों का उपयोग प्रतिक्रिया (Feedback) के लिए किया जाता है या ग्रेडिंग के लिए।
(C) हाँ, लेकिन यह दोहरा अनुप्रयोग केवल तभी स्वीकार्य है जब यह एक मानकीकृत राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा हो।
(D) नहीं, क्योंकि रचनात्मक उपकरण हमेशा मौखिक होने चाहिए जबकि योगात्मक उपकरण हमेशा लिखित (Written) होने चाहिए।

40. पारंपरिक शैक्षिक संरचनाओं में, मानक-संदर्भित व्याख्या (Norm-Referenced Interpretation) पर सबसे अधिक निर्भरता किसमें होती है?
(A) चल रहे दैनिक रचनात्मक कक्षा आकलनों में
(B) विस्तृत व्यक्तिगत नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation) में
(C) संरचित सहकर्मी और स्व-आकलन में
(D) उच्च-जोखिम वाले अंतस्थ मूल्यांकन (High-Stakes Terminal Evaluation) में

41. निम्नलिखित में से कौन सा कथन नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation) को रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) से सबसे अच्छे से अलग करता है?
(A) नैदानिक मूल्यांकन मुख्य रुप से अंतिम आधिकारिक ग्रेड आवंटित करता है, जबकि रचनात्मक मूल्यांकन कोई प्रमाणन नहीं देता है।
(B) नैदानिक मूल्यांकन केवल शैक्षणिक वर्ष के अंत में किया जाता है, जबकि रचनात्मक मूल्यांकन दैनिक आधार पर किया जाता है।
(C) रचनात्मक मूल्यांकन प्रगति की जांच करता है, जबकि नैदानिक मूल्यांकन निरंतर अधिगम कठिनाइयों और अंतर्निहित कारणों को सटीक रूप से रेखांकित करता है।
(D) दोनों शब्दों के बीच कोई मौलिक अंतर नहीं है; उन्हें शैक्षणिक अभ्यास में पूरी तरह से समानार्थी माना जाता है।

42. एक नैदानिक मूल्यांकन के बाद जो पठन प्रवाह में विशिष्ट कमियों को प्रकट करता है, सबसे उपयुक्त शैक्षणिक कार्यवाई क्या है?
(A) तुरंत एक उच्च-जोखिम वाला योगात्मक परीक्षण प्रशासित करना
(B) कम प्रदर्शन करने वाले छात्र को उसी कक्षा में रोके रखना (Detain करना)
(C) समग्र शैक्षणिक कक्षा मानक को महत्वपूर्ण रूप से कम करना
(D) लक्षित उपचारात्मक सहायता (Targeted Remedial Support) लागू करना

43. नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Tests) आमतौर पर मानक रचनात्मक परीक्षणों की तुलना में अधिक ________ होते हैं।
(A) सामान्यीकृत, अत्यधिक संक्षिप्त और सतही
(B) विस्तृत, विश्लेषणात्मक और नैदानिक
(C) अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और मानक-संदर्भित
(D) अंतस्थ, योगात्मक और उच्च-जोखिम वाले

Downloaded from www.pdf.tube

(A) 9.0 (B) 9.5
(C) 10.0 (D) 100.0

65. संख्यात्मक अंकों के स्थान पर ग्रेडिंग प्रणाली शुरु करने का प्राथमिक तर्क था:
(A) छात्रों के तनाव और अस्वास्थ्यकर शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को कम करना
(B) माता-पिता से छात्रों के वास्तविक शैक्षणिक प्रदर्शन को छिपाना
(C) मूल्यांकन और परीक्षा प्रक्रिया को सभी के लिए अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाना
(D) अंतिम परिणामों की जटिल प्रशासनिक गणना और रिकॉर्डिंग को सरल बनाना

66. सतत मूल्यांकन के कार्यान्वयन दिशानिर्देशों के तहत, स्कूल में सतत आकलन प्रभावी ढंग से होने को सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक शैक्षणिक नेता (Pedagogical Leader) की भूमिका कौन निभाता है?
(A) जिला मजिस्ट्रेट
(B) स्कूल प्राचार्य / संस्था प्रमुख (School Principal / Head of Institution)
(C) विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) के अध्यक्ष
(D) क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी

67. कर्मचारियों की एक नियमित बैठक के दौरान, एक शिक्षक शिकायत करता है कि सतत मूल्यांकन के लिए 'छात्र पोर्टफोलियो (Student Portfolio)' बनाए रखना बेकार कागजी कार्रवाई है। एक प्राचार्य के रूप में, आपको इस गलतफहमी को कैसे दूर करना चाहिए?
(A) शिकायत से पूरी तरह सहमत हों और शिक्षक को तुरंत पोर्टफोलियो बनाए रखना बंद करने की स्पष्ट अनुमति दें।
(B) समझाएं कि पोर्टफोलियो जानबूझकर छात्र के काम को उसके प्रयासों, प्रगति और उपलब्धियों को दिखाने के लिए एकत्र करता है।
(C) शिक्षक को पोर्टफोलियो की कागजी कार्रवाई को संभालने के लिए स्वतंत्र रूप से एक प्रशासनिक सहायक नियुक्त करने का निर्देश दें।
(D) शिक्षक को स्पष्ट करें कि पोर्टफोलियो का रखरखाव केवल दौरों के दौरान बाहरी स्कूल निरीक्षकों को संतुष्ट करने के लिए आवश्यक है।

68. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : सतत मूल्यांकन में, अंकों/ग्रेडों का मॉडरेशन (Moderation) कभी-कभी आवश्यक होता है जब एक ही कक्षा के कई अनुभागों को अलग-अलग शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है।
कारण (R) : मॉडरेशन विभिन्न मूल्यांकनकर्ताओं के बीच आकलन मानकों में समानता, निष्पक्षता और एकरूपता सुनिश्चित करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

NODIA

69. मानक समावेशी मूल्यांकन दिशानिर्देशों के अनुसार, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) के लिए क्या प्रावधान किया गया है?
(A) अन्य सभी नियमित सामान्य छात्रों की तरह समान मानक स्कोरिंग रुब्रिक्स (Scoring Rubrics) का उपयोग करके उनका व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन किया जाता है।
(B) उन्हें पूरे वर्ष किसी भी औपचारिक या अनौपचारिक आकलन गतिविधियों में भाग लेने से पूरी तरह छूट दी गई है।
(C) उन्हें अतिरिक्त समय, लेखक (Scribe) और अनुकूलित उपकरण जैसे विशिष्ट समायोजन (Accommodations) प्राप्त होते हैं।
(D) शैक्षणिक विषयों से छूट दिए जाने के साथ उनका मूल्यांकन पूरी तरह और विशेष रूप से सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में किया जाता है।

70. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का एक बड़ा लाभ यह है कि यह किसमें मदद करता है?
(A) विशेष रूप से शैक्षणिक रूप से मेधावी और प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान करना
(B) गैर-संज्ञानात्मक क्षेत्रों में अव्यक्त (Latent) छात्र प्रतिभाओं की पहचान करना
(C) केवल उन विशिष्ट छात्रों को अलग करना जिन्हें सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Proceedings) की आवश्यकता है
(D) छात्रों की सटीक सामाजिक-आर्थिक और वित्तीय पृष्ठभूमि का निर्धारण करना

71. छात्रों का लगातार आकलन करके, मूल्यांकन अधिगम के फोकस को किससे स्थानांतरित करता है?
(A) गहरी संकल्पनात्मक समझ से निष्क्रिय रटने की ओर
(B) रटकर सीखने से योग्यता-आधारित समझ (Competency-Based Understanding) की ओर
(C) व्यावहारिक अनुप्रयोग से विशुद्ध रूप से सैद्धांतिक ज्ञान की ओर
(D) चिंतनशील स्व-आकलन से पारंपरिक शिक्षक-केंद्रित आकलन (Teacher-Centered Assessment) की ओर

72. स्कूलों में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजनाओं के कार्यान्वयन की एक लगातार आलोचना निम्नलिखित में से कौन सी थी?
(A) इसने छात्रों को सौंपे गए सार्थक व्यावहारिक प्रोजेक्ट कार्य की कुल मात्रा को अत्यधिक कम कर दिया।

(B) इसने शिक्षण की कीमत पर शिक्षक के कार्यभार और कागजी कार्रवाई को बढ़ा दिया।
(C) इसने पूरी तरह से केवल एकल वर्ष-अंत वार्षिक परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता रखी।
(D) इसने छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य और खेल शिक्षा की पूरी तरह से उपेक्षा की।

73. सतत मूल्यांकन के कार्यान्वयन के दौरान आने वाली निम्नलिखित चुनौतियों पर विचार कीजिए:
I. रचनात्मक आकलन उपकरणों पर पर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण का अभाव
II. अत्यधिक विषम शिक्षक-छात्र अनुपात जिससे व्यक्तिगत अवलोकन कठिन हो जाता है
III. प्रोजेक्ट कार्य का अत्यधिक व्यावसायीकरण जहाँ छात्रों ने रेडीमेड प्रोजेक्ट खरीदे
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

74. आधुनिक राष्ट्रीय शिक्षा नीतियां आकलन प्रणालियों के लिए निम्नलिखित में से किस दिशा पर जोर देती हैं?
(A) एक कठोर वार्षिक सत्र-अंत परीक्षा प्रणाली (Examination System) की ओर पूर्ण वापसी।
(B) आधिकारिक बोर्ड परीक्षाओं के सभी रूपों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना।
(C) नियमित, रचनात्मक और योग्यता-आधारित आकलन (Competency-Based Assessment)।
(D) छात्र मूल्यांकन को पूरी तरह से निजी कोचिंग सेंटरों को आउटसोर्स करना।

75. अधिगम के परिणामों (Learning Outcomes) की छात्र उपलब्धि की निगरानी के लिए एक मानक-निर्धारण निकाय के रूप में भारत में स्थापित राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र का नाम क्या है?
(A) निपुण (NIPUN)
(B) परख (PARAKH)
(C) दीक्षा (DIKSHA)
(D) निष्ठा (NISHTHA)

76. एक प्राचार्य प्रगतिशील शैक्षिक दिशानिर्देशों के संरेखण में स्कूल के रिपोर्ट कार्ड को फिर से डिजाइन कर रहे हैं। नया रिपोर्ट कार्ड मुख्य रूप से होना चाहिए:
(A) एक समग्र, 360-डिग्री प्रगति कार्ड (Holistic, 360-degree Progress Card - HPC)
(B) एक मानक पारंपरिक विषय-वार आधिकारिक मार्कशीट (Official Marksheet)
(C) एक मानक बाइनरी पास या फेल पूर्णता प्रमाण पत्र
(D) एक दीर्घकालिक संचयी प्रतिशत उपलब्धि ट्रैकर

77. समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) किन क्षेत्रों में छात्र की प्रगति को शामिल करता है?
(A) केवल संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive Domain)
(B) विशेष रूप से संज्ञानात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्र
(C) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्र (Cognitive, Affective, and Psychomotor Domains)
(D) विशेष रूप से भावनात्मक और भावात्मक क्षेत्र

78. छात्र मूल्यांकन के संदर्भ में, "360-डिग्री आकलन (360-degree Assessment)" शब्द में स्पष्ट रूप से क्या शामिल है?
(A) शैक्षणिक वर्ष के सभी 360 दिनों में औपचारिक आकलन आयोजित करना
(B) स्व, सहकर्मी और शिक्षक आकलन (Self, Peer, and Teacher Assessment) का समावेश
(C) 360 मानकीकृत बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से आकलन प्रशासित करना
(D) आमंत्रित बाहरी परीक्षकों (External Examiners) द्वारा विशेष रूप से किया गया व्यापक मूल्यांकन

79. समग्र प्रगति कार्ड (HPC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह घर और स्कूल के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाता है।
II. इसे समय के साथ समग्र रूप से छात्र की प्रगति को ट्रैक करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
III. यह माता-पिता को आकलन प्रक्रिया से बाहर रखता है।
IV. यह केवल अंतस्थ परीक्षाओं (Terminal Examinations) पर केंद्रित है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) II, III, और IV
(C) I, II, और III
(D) केवल III और IV

80. 360-डिग्री प्रतिक्रिया (360-degree Feedback) की अवधारणा, जिसे शैक्षिक प्रगति कार्डों में अपनाया गया है, मूल रूप से किस क्षेत्र से उभरी है?
(A) विशिष्ट चिकित्सा और नैदानिक विज्ञान
(B) कॉर्पोरेट मानव संसाधन (Corporate Human Resources)
(C) राष्ट्रीय रक्षा और सैन्य रणनीति (Military Strategy)
(D) उन्नत सैद्धांतिक क्वांटम भौतिकी

81. स्कूल के माहौल में सच्चे 360-डिग्री आकलन को लागू करने में एक महत्वपूर्ण चुनौती है:
(A) इसके लिए छात्रों को शिक्षकों का मूल्यांकन करने की आवश्यकता होती है, जो कानून द्वारा सख्ती से प्रतिबंधित है।
(B) यह सुनिश्चित करना कि सहकर्मी और स्व-आकलन वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष हों।

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) यह पूरी तरह से उच्च-जोखिम वाली बाहरी बोर्ड परीक्षाओं पर निर्भर करता है।
(D) यह माता-पिता को रिपोर्ट कार्ड देखने से रोकता है।

82. सहकर्मी आकलन (Peer Assessment) एक ऐसी प्रक्रिया है जहाँ:
(A) विषय शिक्षक एक-दूसरे की दैनिक लिखित पाठ योजनाओं का औपचारिक रूप से आकलन करते हैं।
(B) छात्र स्पष्ट मानदंडों के आधार पर सहपाठियों के काम का मूल्यांकन करते हैं।
(C) प्राचार्य शिक्षण कर्मचारियों के शैक्षणिक प्रदर्शन का व्यवस्थित रूप से आकलन करते हैं।
(D) बाहरी सरकारी निरीक्षक समग्र भौतिक स्कूल बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन करते हैं।

83. कक्षा में सहकर्मी आकलन (Peer Assessment) को एकीकृत करने का एक महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक लाभ निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) यह व्यक्तिगत कक्षा शिक्षक के ग्रेडिंग समय को पूरी तरह से शून्य कर देता है।
(B) यह महत्वपूर्ण सोच का निर्माण करता है और आकलन मानदंडों की समझ को गहरा करता है।
(C) यह लगभग गारंटी देता है कि सभी भाग लेने वाले छात्रों को स्वचालित रूप से उच्च अंक मिलेंगे।
(D) यह शिक्षक के नेतृत्व वाले रचनात्मक मूल्यांकन की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।

84. मिडिल स्कूल का एक शिक्षक देखता है कि सहकर्मी आकलन के दौरान, छात्र गुणवत्ता की परवाह किए बिना अपने दोस्तों को लगातार पूरे अंक देते हैं। एक शैक्षणिक नेता के रूप में, प्राचार्य को शिक्षक को क्या करने की सलाह देनी चाहिए?
(A) सहकर्मी आकलन को पूरी तरह से बंद कर दें क्योंकि यह त्रुटिपूर्ण है।
(B) अपने दोस्तों को उच्च अंक देने वाले छात्रों को दंडित करें।
(C) आकलन से पहले छात्रों के साथ स्पष्ट, वस्तुनिष्ठ स्कोरिंग रुब्रिक्स (Scoring Rubrics) का सह-निर्माण करें।
(D) सहकर्मी आकलन के अंकों को योगात्मक ग्रेड (Summative Grade) का 100% हिस्सा बनाएं।

85. अधिगम में स्व-आकलन (Self-Assessment) सबसे अधिक किसके विकास से जुड़ा है?
(A) रटने की प्रवृत्ति (Rote Memorization)
(B) परासंज्ञान (Metacognition)
(C) बाह्य प्रेरणा (Extrinsic Motivation)
(D) शिक्षक पर निर्भरता (Teacher Dependency)

86. स्व-आकलन (Self-Assessment) मुख्य रूप से किस मूल्यांकन प्रतिमान का हिस्सा है?
(A) अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)
(B) अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning)
(C) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
(D) नैदानिक आकलन (Diagnostic Assessment)

87. छात्र स्व-आकलन की सुविधा के लिए आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले उपकरणों में शामिल हैं:
(A) मानकीकृत व्यक्तिगत और समूह बुद्धि परीक्षण (Intelligence Tests)
(B) चिंतनशील पत्रिकाएं (Reflective Journals), चेकलिस्ट और स्व-रेटिंग
(C) औपचारिक बाहरी मानकीकृत बोर्ड परीक्षाएं
(D) गोपनीय प्रशासनिक शिक्षक रिकॉर्ड डायरियां

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : स्व-आकलन के लिए शिक्षक द्वारा पूर्व प्रशिक्षण और स्कैफोल्डिंग (Scaffolding) की आवश्यकता होती है।
कारण (R) : छात्रों के पास स्वाभाविक रूप से अपने स्वयं के अधिगम का सटीक मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक वस्तुनिष्ठ मानदंड और स्व-विनियमन कौशल नहीं होते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

89. पोर्टफोलियो आकलन (Portfolio Assessment) में शामिल हैं:
(A) विशुद्ध रूप से सेमेस्टर के अंत में दी जाने वाली एक व्यापक एकल लिखित परीक्षा।
(B) स्कूल के वार्षिक प्रशासनिक बजट का विवरण देने वाला एक लेखापरीक्षित आधिकारिक वित्तीय दस्तावेज।
(C) शिक्षक की पेशेवर योग्यताओं का विवरण देने वाली एक आधिकारिक प्रशासनिक सूची।
(D) छात्र के काम का एक लक्षित संग्रह जो प्रयासों, प्रगति और उपलब्धि को प्रदर्शित करता है।

90. निम्नलिखित में से किसे एक सफल छात्र पोर्टफोलियो का एक अनिवार्य घटक माना जाता है, जो इसे एकत्र किए गए काम के एक साधारण फ़ोल्डर से अलग करता है?
(A) शामिल किए गए कार्यों पर छात्र का चिंतन (Student Reflection)
(B) असाइनमेंट के केवल अंतिम, सही ड्राफ्ट (Final Drafts)
(C) कम से कम 500 पृष्ठों की पाठ्य सामग्री
(D) एक पेशेवर प्रिंटर द्वारा बाइंडिंग

91. शैक्षिक आकलन में उपयोग किए जाने वाले पोर्टफोलियो के तीन सामान्य प्रकारों की पहचान कीजिए:
(A) संज्ञानात्मक, भावात्मक, मनोप्रेरणा (Cognitive, Affective, Psychomotor)

Downloaded from www.pdf.tube

(B) रचनात्मक, नैदानिक, योगात्मक (Formative, Diagnostic, Summative)
(C) कार्यशील, प्रदर्शन, मूल्यांकन (Working, Showcase, Evaluation)
(D) आंतरिक, बाहरी, मॉडरेट (Internal, External, Moderated)

92. आकलन ढांचे में, "अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)" को सामान्यतः किसके बराबर माना जाता है?
(A) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)
(B) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(C) स्व-आकलन (Self-Assessment)
(D) सहकर्मी आकलन (Peer Assessment)

93. आकलन प्रतिमानों (Assessment Paradigms) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अधिगम के लिए आकलन अधिगम प्रक्रिया के दौरान होता है।
II. अधिगम के रुप में आकलन छात्र की परासंज्ञानात्मक (Metacognitive) प्रक्रियाओं पर केंद्रित है।
III. अधिगम का आकलन मुख्य रूप से ग्रेडिंग और रिपोर्टिंग के लिए उपयोग किया जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

94. आकलन प्रतिमानों (Assessment Paradigms) के संबंध में गलत जोड़ी की पहचान कीजिए।
(A) अधिगम का आकलन - वर्ष-अंत की अंतिम मानकीकृत बोर्ड परीक्षा
(B) अधिगम के लिए आकलन - संवादात्मक कक्षा प्रश्नोत्तर और प्रतिक्रिया
(C) अधिगम के रूप में आकलन - छात्र की दैनिक चिंतनशील डायरी
(D) अधिगम का आकलन - पाठ योजना के दौरान रचनात्मक समायोजन

95. एक शिक्षिका स्पष्ट रूप से अपने छात्रों को सिखाती है कि अधिगम के लक्ष्य कैसे निर्धारित करें, अपनी प्रगति की निगरानी कैसे करें, और अपनी अध्ययन रणनीतियों को कैसे समायोजित करें। वह किसे बढ़ावा दे रही है?
(A) अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)
(B) अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning)
(C) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
(D) मानक-संदर्भित आकलन (Norm-Referenced Assessment)

NODIA

96. आकलन का कौन सा रूप शिक्षक के पूर्वाग्रह (Teacher Bias), हेलो प्रभाव (Halo Effect) और उदारता की त्रुटियों (Leniency Errors) के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है?
(A) मानकीकृत कंप्यूटरीकृत स्वचालित परीक्षण
(B) केंद्रीकृत बाहरी बोर्ड परीक्षाएं
(C) आंतरिक शिक्षक-नेतृत्व वाला आकलन (Internal Teacher-led Assessment)
(D) OMR-आधारित मानकीकृत बहुविकल्पीय परीक्षाएं (Multiple Choice Exams)

97. बाहरी आकलन की तुलना में आंतरिक (स्कूल-आधारित) आकलन का प्राथमिक लाभ यह है कि यह:
(A) व्यक्तिगत विषयपरकता या मूल्यांकनकर्ता के पूर्वाग्रह से पूरी तरह मुक्त है।
(B) परिचित माहौल में लगातार कौशलों की एक विस्तृत श्रृंखला का मूल्यांकन करता है।
(C) सभी भाग लेने वाले छात्रों के लिए एक पूरी तरह से एकसमान राष्ट्रीय रैंकिंग मीट्रिक प्रदान करता है।
(D) विस्तृत दीर्घकालिक स्कूल रिकॉर्ड बनाए रखने की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करता है।

98. आंतरिक आकलनों में बढ़ाकर दिए गए अंकों (Inflated Grades) की समस्या का मुकाबला करने के लिए, परीक्षा निकाय अक्सर किस प्रक्रिया का उपयोग करते हैं?
(A) विलोपन (Elimination)
(B) मॉडरेशन (Moderation)
(C) यादृच्छिकीकरण (Randomization)
(D) बाह्यवेशण (Extrapolation)

99. विशुद्ध रूप से बाहरी परीक्षा प्रणाली की कमियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह केवल परीक्षा के लिए पढ़ाने (Teaching to the test) को बढ़ावा देती है।
II. यह छात्रों के बीच उच्च स्तर की चिंता और तनाव का कारण बनती है।
III. यह सभी सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का व्यापक मूल्यांकन करती है।
IV. यह निरंतर अधिगम के बजाय एक ही दिन के प्रदर्शन की तस्वीर प्रदान करती है।
वैध कमियों के संबंध में उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) I, II, और III
(B) I, II, और IV
(C) II, III, और IV
(D) I, III, और IV

100. मानक माध्यमिक विद्यालय बोर्ड मूल्यांकन पैटर्न में, वार्षिक बोर्ड परीक्षा (सैद्धांतिक) और आंतरिक आकलन के बीच सामान्य भारित वितरण (Weightage Distribution) क्या है?
(A) 70 अंक सिद्धांत - 30 अंक आंतरिक

(B) 80 अंक सिद्धांत - 20 अंक आंतरिक
(C) 60 अंक सिद्धांत - 40 अंक आंतरिक
(D) 50 अंक सिद्धांत - 50 अंक आंतरिक

101. मानक 20-अंकों के आंतरिक आकलन ढांचे में, निम्नलिखित में से कौन सा आमतौर पर एक अलग घटक नहीं है?
(A) आवधिक आकलन / पेन पेपर टेस्ट (Periodic Assessments)
(B) बहुविध आकलन (प्रश्नोत्तरी, मौखिक परीक्षण, आदि)
(C) पोर्टफोलियो (Portfolio)
(D) ओपन बुक बोर्ड परीक्षा (Open Book Board Examination)

102. योग्यता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Evaluation) की ओर बढ़ते हुए, परीक्षा बोर्डों ने अंतिम परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्नों के भार (Weightage) को लगातार बढ़ाया है?
(A) पारंपरिक रटने की स्मृति पर आधारित लंबे सैद्धांतिक निबंध प्रश्न (Theoretical Essay Questions)
(B) योग्यता-आधारित एकीकृत प्रश्न (MCQ और केस स्टडीज़)
(C) सीधे परिभाषा-याद करने वाले और तथ्यात्मक स्मरण प्रश्न
(D) बिना लिखित औचित्य के पूछे गए सरल सही/गलत प्रश्न

103. आधुनिक योग्यता-केंद्रित माध्यमिक परीक्षा ढांचों में, योग्यता-आधारित आकलनों के लिए प्रश्नों का लगभग कितना लक्ष्य भारित (Target Weightage) निर्धारित किया गया है?
(A) 10% (B) 20%
(C) 50% (D) 100%

104. सहायक आकलन नीतियों के अनुरूप अद्यतन शैक्षिक शब्दावली के तहत, अनुत्तीर्ण विषयों को पास करने के लिए छात्रों द्वारा दी जाने वाली परीक्षाओं को आधिकारिक तौर पर क्या कहा जाता है?
(A) कंपार्टमेंट परीक्षा (Compartment Examination)
(B) पूरक परीक्षा (Supplementary Examination)
(C) उपचारात्मक परीक्षा (Remedial Examination)
(D) दंड परीक्षा (Punishment Examination)

105. ओपन टेक्स्ट बेस्ड असेसमेंट (OTBA) पहलों को शुरु करने के पीछे मुख्य शैक्षणिक उद्देश्य क्या है?
(A) कच्ची तथ्यात्मक स्मरण क्षमता और प्रतिधारण गति का परीक्षण करना।
(B) पाठ्यपुस्तक के तथ्यों को पारंपरिक रूप से रटने और दोहराने को बढ़ावा देना।
(C) तथ्यात्मक स्मरण के बजाय विश्लेषण और अनुप्रयोग जैसी उच्च-स्तरीय सोच का आकलन करना।
(D) छात्रों के समग्र उत्तीर्ण प्रतिशत को जानबूझकर कम करना।

106. ओपन बुक परीक्षा में, प्रश्नों को आदर्श रूप से किसका परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए?
(A) सटीक तिथियों और परिभाषाओं का स्मरण (Recall)
(B) अनुप्रयोग, संश्लेषण और महत्वपूर्ण सोच (Application, Synthesis, and Critical Thinking)
(C) पाठ्यपुस्तक से शब्दशः नकल करने की क्षमता
(D) पाठ्यपुस्तक पढ़ने की गति

107. ओपन बुक परीक्षा डिजाइन करने में निम्नलिखित में से कौन सी एक बड़ी चुनौती है?
(A) स्मरण वाले प्रश्नों के बजाय जटिल, नए परिदृश्य-आधारित प्रश्नों का निर्माण करना।
(B) यह छात्रों को मानक क्लोज्ड बुक परीक्षा की तुलना में बहुत अधिक सामग्री याद रखने के लिए मजबूर करता है।
(C) इसे पारंपरिक कक्षा के माहौल में भौतिक रूप से प्रशासित नहीं किया जा सकता है।
(D) इसके लिए महंगे तकनीकी उपकरणों का अनिवार्य अधिग्रहण आवश्यक है।

108. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : क्लोज्ड बुक परीक्षाओं की तुलना में ओपन बुक परीक्षाओं के परिणामस्वरुप स्वचालित रूप से सभी छात्रों के लिए उच्च अंक प्राप्त होते हैं।
कारण (R) : ओपन बुक परीक्षाओं में सरल जानकारी प्राप्त करने के बजाय गहरी संकल्पनात्मक समझ और अनुप्रयोग की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

109. योग्यता-आधारित आकलन (Competency-Based Assessment) मुख्य रूप से किस पर ध्यान केंद्रित करता है?
(A) छात्र द्वारा कक्षा के भीतर सक्रिय रूप से बिताए गए कुल समय पर।
(B) वास्तविक दुनिया के संदर्भों में अर्जित ज्ञान, कौशल और मनोवृत्तियों को लागू करने पर।
(C) राष्ट्रीय औसत की तुलना में व्यक्तिगत छात्रों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धी रैंकिंग पर।
(D) निर्धारित पाठ्यपुस्तक सामग्री के सटीक शब्दशः स्मरण और पाठ पर।

110. शिक्षा मंत्रालय की कौन सी पहल बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) के लिए एक आकलन ढांचे के रूप में कार्य करती है?
(A) निपुण भारत (NIPUN Bharat)

Click Here to Buy book on Amazon

(B) पीएम पोषण (PM POSHAN)
(C) यूडीआईएसई+ (UDISE+)
(D) स्वयं (SWAYAM)

111. सफल (SAFAL), जो योग्यता-आधारित आकलन लागू करने की एक पहल है, का पूरा नाम है:
(A) एडवांस्ड लर्निंग के लिए मूल्यांकन प्रणाली
(B) सीखने का विश्लेषण करने के लिए संरचित मूल्यांकन
(C) शैक्षणिक शिक्षा के लिए मानकीकृत आवेदन
(D) योग्यता और तर्कशक्ति के लिए स्कूली मूल्यांकन

112. SAFAL जैसे मुख्य चरण आकलन (Key Stage Assessments) किन कक्षाओं के अंत में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है?
(A) कक्षा 1, 2, और 3
(B) कक्षा 3, 5, और 8
(C) कक्षा 9, 10, और 12
(D) केवल कक्षा 10 और 12

113. योग्यता-आधारित आकलन (Competency-Based Assessment - CBA) की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. यह अत्यधिक मानदंड-संदर्भित (Criterion-Referenced) है।
II. यह प्रामाणिक कार्यों और वास्तविक जीवन की समस्या समाधान पर जोर देता है।
III. यह रचनात्मक प्रतिक्रिया (Formative Feedback) की पूरी तरह से उपेक्षा करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II (B) केवल II और III
(C) केवल I और III (D) I, II, और III

114. मूल्यांकन में, "रुब्रिक (Rubric)" को सर्वोत्तम रूप से इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
(A) पर्सेंटाइल और रैंकिंग की गणना के लिए उपयोग किया जाने वाला एक जटिल गणितीय सूत्र (Mathematical Formula)।
(B) आकलन के लिए मानदंडों और गुणवत्ता स्तरों का विवरण देने वाली एक स्कोरिंग गाइड (Scoring Guide)।
(C) वर्ष की शुरुआत में नियमित रूप से दिया जाने वाला एक नैदानिक मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण।
(D) दैनिक उपस्थिति दर्ज करने के लिए कक्षा अध्यापक द्वारा व्यवस्थित रूप से रखा जाने वाला एक आधिकारिक रजिस्टर।

115. एक विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) एक समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric) से इस अर्थ में भिन्न है कि यह:
(A) पूरे असाइनमेंट के लिए एक एकल समग्र स्कोर प्रदान करने के लिए कुल मिलाकर काम का मूल्यांकन करता है।
(B) एक कुल स्कोर प्रदान करने के बजाय अलग-अलग मानदंडों का अलग से मूल्यांकन करता है।
(C) छात्रों द्वारा स्वतंत्र रूप से किए गए अनौपचारिक स्व-आकलन अभ्यासों तक सीमित है।
(D) आकलन कार्यक्रम से पहले किसी भी परिस्थिति में छात्रों के साथ साझा नहीं किया जा सकता है।

116. एक विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे प्राचार्य देखते हैं कि एक निर्णायक (Judge) एक ऐसे रुब्रिक का उपयोग कर रहा है जो 'परिकल्पना', 'प्रस्तुति' और 'डेटा विश्लेषण' जैसे विशिष्ट मानदंडों में विभाजित किए बिना, एक समग्र प्रभाव के आधार पर एक प्रोजेक्ट के लिए '4' का एकल समग्र स्कोर प्रदान करता है। निर्णायक किसका उपयोग कर रहा है?
(A) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric)
(B) समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric)
(C) नैदानिक पैमाना (Diagnostic Scale)
(D) समाजमिति (Sociogram)

117. रचनात्मक आकलन के लिए समग्र रुब्रिक के स्थान पर विश्लेषणात्मक रुब्रिक का उपयोग करने का प्राथमिक लाभ क्या है?
(A) शिक्षकों के लिए कुल ग्रेड की गणना करना बहुत आसान और तेज़ है।
(B) यह प्रदर्शन के विशिष्ट आयामों में विस्तृत नैदानिक प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
(C) इसके लिए शिक्षक से बहुत कम प्रारंभिक प्रयास और डिज़ाइन समय की आवश्यकता होती है।
(D) यह आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए छात्र से विशिष्ट शैक्षणिक कमजोरियों को जानबूझकर छिपाता है।

118. निम्नलिखित में से कौन से एक स्कोरिंग रुब्रिक के मानक घटक हैं?
(A) वैज्ञानिक परिकल्पना, नियंत्रित चर, और प्रयोगात्मक स्थिरांक
(B) मानदंड, प्रदर्शन स्तर, और वर्णनकर्ता (Criteria, Performance Levels, and Descriptors)
(C) सांख्यिकीय मानक विचलन, जनसंख्या माध्य, और वितरण बहुलक
(D) अनुदेशात्मक उद्देश्य, शैक्षणिक रणनीतियां, और परिणाम मूल्यांकन (Outcome Evaluation)

119. एक प्रोजेक्ट पर छात्रों का आकलन करने वाला शिक्षक प्रोजेक्ट शुरु करने से पहले छात्रों के साथ ग्रेडिंग रुब्रिक साझा करता है। यह अभ्यास:
(A) गलत है, क्योंकि रुब्रिक्स साझा करने से आंतरिक परीक्षा रणनीति छात्रों के सामने लीक हो जाती है।
(B) अत्यधिक अनुशंसित है, क्योंकि यह प्रदर्शन की अपेक्षाओं को स्पष्ट करता है।
(C) आधिकारिक मानकीकृत परीक्षा दिशानिर्देशों का एक प्रत्यक्ष प्रशासनिक उल्लंघन है।
(D) केवल विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए उपयोगी माना जाता है, स्कूली बच्चों के लिए नहीं।

NODIA

120. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए रुब्रिक्स का उपयोग निबंध और प्रोजेक्ट जैसे विषयनिष्ठ असाइनमेंट का मूल्यांकन करने की वस्तुनिष्ठता और विश्वसनीयता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है।
कारण (R) : रुब्रिक्स स्पष्ट मानदंड और वर्णनकर्ता प्रदान करते हैं जो मूल्यांकनकर्ता के पूर्वाग्रह और असंगति को कम करते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

121. एक स्कूल के माहौल में, आंतरिक परीक्षाओं की अखंडता और मानक को बनाए रखने की अंतिम जिम्मेदारी किसकी होती है?
(A) विषय शिक्षक (Subject Teacher)
(B) विद्यालय प्रमुख / प्राचार्य (Head of the School / Principal)
(C) अभिभावक संघ
(D) जिला शिक्षा निरीक्षक

122. निम्नलिखित में से कौन सा "अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)" का सबसे अच्छा उदाहरण है?
(A) एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का छात्र उच्च-जोखिम वाली अंतिम मानकीकृत बोर्ड परीक्षा में बैठ रहा है।
(B) एक छात्र ड्राफ्ट कार्य का स्व-मूल्यांकन करने और सुधारों की योजना बनाने के लिए एक रुब्रिक (Rubric) का उपयोग कर रहा है।
(C) एक विषय शिक्षक संचयी मध्यअवधि लिखित परीक्षा को औपचारिक रूप से ग्रेडिंग और अंक दे रहा है।
(D) एक आमंत्रित बाहरी परीक्षक स्वतंत्र रूप से मौखिक परीक्षा (Viva Voce) का संचालन कर रहा है।

123. रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) किसके सिद्धांतों के सबसे करीब है?
(A) रचनावाद (Constructivism)
(B) व्यवहारवादी शास्त्रीय अनुबंधन
(C) रटकर सीखना (Rote Learning)
(D) निष्क्रिय ग्रहण अधिगम

124. एक नव नियुक्त स्कूल प्राचार्य देखते हैं कि शिक्षक साप्ताहिक इकाई परीक्षण आयोजित करते हैं लेकिन कोई टिप्पणी दिए बिना या कक्षा में पेपर पर चर्चा किए बिना केवल अंकों को रिकॉर्ड करते हैं। रचनात्मक आकलन का कौन सा महत्वपूर्ण तत्व गायब है?
(A) योगात्मक सत्यापन (Summative Verification)
(B) मानकीकृत नॉर्मिंग
(C) सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Corrective Feedback)
(D) सांख्यिकीय सहसंबंध

125. आधुनिक शैक्षिक आकलन दर्शन में मुख्य बदलाव को किस रूप में संक्षेपित किया जा सकता है?
(A) निरंतर रचनात्मक आकलन से पारंपरिक अंतस्थ योगात्मक आकलन की ओर।
(B) योगात्मक, रटने-आधारित से रचनात्मक, योग्यता-आधारित आकलन की ओर।
(C) सतत आंतरिक स्कूल आकलन से पूरी तरह से केंद्रीकृत बाहरी आकलन की ओर।
(D) खुले विषयनिष्ठ निबंध-आधारित आकलन से पूरी तरह से मानकीकृत वस्तुनिष्ठ परीक्षण की ओर।

126. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs - CWSN) से निपटने के दौरान, मूल्यांकन रणनीतियां होनी चाहिए:
(A) कठोर (Rigid) और बिना किसी अपवाद के सभी छात्रों पर समान रूप से लागू।
(B) व्यक्तिगत छात्र क्षमताओं के अनुकूल और विभेदित (Differentiated)।
(C) बच्चे पर तनाव डालने से रोकने के लिए पूरी तरह से माफ की गई।
(D) केवल प्रतिस्पर्धी प्रत्यक्ष सहकर्मी रैंकिंग के आधार पर निर्धारित।

127. यदि कोई नैदानिक परीक्षण प्रकट करता है कि कक्षा के अधिकांश छात्र एक मुख्य अवधारणा को समझने में विफल रहे हैं, तो शिक्षक के मूल्यांकन परिणाम किसकी आवश्यकता दर्शाते हैं?
(A) छात्रों को दंडित करने की
(B) शिक्षण पद्धति को बदलने की या अवधारणा को फिर से पढ़ाने की
(C) पाठ्यक्रम समाप्त करने के लिए तुरंत अगले अध्याय पर जाने की
(D) प्राचार्य को सूचित करने की कि पाठ्यक्रम बहुत कठिन है

128. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) जैसा कि मूल रूप से लागू किया गया था, कई स्कूल बोर्डों में इसके सटीक मूल प्रारूप में संशोधित या बंद कर दिया गया था।
कारण (R) : अनिवार्य बोर्ड परीक्षाओं को बहाल कर दिया गया क्योंकि स्कूलों ने बिना किसी विषयपरकता के समान रूप से सतत आकलन लागू किया।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

Downloaded from www.pdf.tube

(A) कक्षा 1 (B) कक्षा 3
(C) कक्षा 5 (D) कक्षा 8

166. ओपन बुक एग्जामिनेशन (Open Book Examination - OBE) की एक परिभाषित विशेषता यह है कि वे:
(A) अनुमति प्राप्त संदर्भ सामग्रियों को खोजने, संश्लेषित करने और लागू करने की क्षमता का परीक्षण करते हैं।
(B) स्पष्ट रूप से छात्रों को परीक्षा के दौरान साथियों के साथ चैट करने के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट का उपयोग करने की अनुमति देते हैं।
(C) अनिवार्य करते हैं कि छात्र कक्षा के बजाय खुले बाहरी वातावरण में पुस्तक पढ़ें।
(D) व्यक्तिगत हस्तलिखित अध्ययन नोट्स की अनुमति देते हुए मुद्रित संदर्भ सामग्रियों को सख्ती से प्रतिबंधित करते हैं।

167. निम्नलिखित में से कौन सा विषय आमतौर पर ओपन बुक परीक्षा प्रारूप के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है?
(A) बुनियादी गुणा तालिकाओं का रटकर स्मरण
(B) पारंपरिक ध्वन्यात्मक वर्तनी और मौखिक इमला परीक्षण
(C) साहित्य विश्लेषण और कानून/अर्थशास्त्र में केस स्टडीज
(D) सामान्य शब्दावली शब्दों का बुनियादी तथ्यात्मक स्मरण

168. निम्नलिखित प्रकार के आकलन पर विचार कीजिए:
I. पूर्व-आकलन (Pre-assessment)
II. रचनात्मक आकलन (Formative Assessment)
III. योगात्मक आकलन (Summative Assessment)
पूरी तरह से कार्य करने वाली सतत एवं व्यापक मूल्यांकन प्रणाली के अभिन्न घटकों के संबंध में उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

169. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) का उद्देश्य उन पारंपरिक मार्कशीटों को प्रतिस्थापित करना है जो केवल शैक्षणिक अंकों की रिपोर्ट करती थीं।
कारण (R) : संज्ञानात्मक विकास ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जिसे स्कूल के माहौल में वस्तुनिष्ठ रूप से परिमाणित किया जा सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

170. कौन सा मूल्यांकन प्रतिमान इस बात पर जोर देता है कि अधिगम केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं है बल्कि एक ऐसी प्रक्रिया है जहाँ छात्र अपने स्वयं के अधिगम की सक्रिय रूप से निगरानी करते हैं?
(A) अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)
(B) अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning)
(C) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
(D) मानकीकृत परीक्षण

171. बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन के संदर्भ में, "मार्किंग स्कीम (Marking Scheme)" क्या है?
(A) शिक्षकों के बीच उत्तर पुस्तिकाओं को वितरित करने के लिए डिज़ाइन की गई एक आधिकारिक प्रशासनिक योजना।
(B) विशिष्ट अंक प्रदान करने के लिए आवश्यक बिंदुओं को निर्दिष्ट करने वाली एक मानकीकृत गाइड।
(C) नकारात्मक अंकन के लिए सख्ती से लागू की गई एक मानकीकृत संस्थागत दंड प्रणाली।
(D) दैनिक छात्र उपस्थिति अंकों की गणना के लिए उपयोग की जाने वाली एक औपचारिक प्रशासनिक योजना।

172. मूल्यांकन में "रचना वैधता (Construct Validity)" शब्द का अर्थ है:
(A) जिस हद तक एक परीक्षण सतही तौर पर वह मापता हुआ प्रतीत होता है जिसका वह दावा करता है।
(B) वह सीमा जिस तक एक परीक्षण एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक गुण या रचना को मापता है।
(C) मुद्रित परीक्षण पत्र की भौतिक कागज की गुणवत्ता, स्वरूपण और संरचनात्मक निर्माण।
(D) वह सांख्यिकीय डिग्री जिस तक प्रारंभिक परीक्षण अंक भविष्य के कैरियर वेतन के साथ सहसंबंध रखते हैं।

173. छात्र पोर्टफोलियो के निम्नलिखित घटकों पर विचार कीजिए:
I. कलाकृतियां (Artifacts - छात्र कार्य के नमूने)
II. प्रस्तुतियां (Reproductions - परियोजनाओं की तस्वीरें, रिकॉर्डिंग)
III. साक्ष्य/प्रमाणन (Attestations - शिक्षक/अभिभावक टिप्पणियां)
IV. उत्पादन (Productions - पोर्टफोलियो के लिए विशेष रूप से लिखे गए लक्ष्य कथन, चिंतन)
एक शैक्षिक पोर्टफोलियो के वैध घटकों के संबंध में उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल I, III, और IV
(D) I, II, III, और IV

174. पोर्टफोलियो आकलन की सबसे महत्वपूर्ण सीमा निम्नलिखित में से कौन सी है?

NODIA

(D) क्रियाप्रसूत अनुबंधन के सिद्धांत - हॉवर्ड गार्डनर (Howard Gardner)

138. यदि कोई आकलन उपकरण ठीक वही मापता है जिसे मापने का उसका उद्देश्य है, तो उसमें उच्च क्या माना जाता है?
(A) विश्वसनीयता (Reliability)
(B) वैधता (Validity)
(C) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
(D) उपयोगिता (Usability)

139. निम्नलिखित आकलन शर्तों पर विचार कीजिए:
I. रुब्रिक (Rubric)
II. पोर्टफोलियो (Portfolio)
III. उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record)
IV. ब्लूप्रिंट (Blueprint)
उपर्युक्त में से किसका उपयोग सतत मूल्यांकन में छात्र के प्रदर्शन को रिकॉर्ड करने के लिए उपकरणों या तरीकों के रूप में सीधे किया जाता है?
(A) I, II, और III (B) II, III, और IV
(C) I, III, और IV (D) I, II, III, और IV

140. मूल्यांकन के संदर्भ में "ब्लूप्रिंट (Blueprint)" क्या है?
(A) मुख्य स्कूल भवन का एक विस्तृत संरचनात्मक खाका।
(B) उद्देश्यों, सामग्री और प्रश्न प्रकारों के लिए भारित विवरण देने वाली एक परीक्षण विनिर्देश तालिका (Test Specification Table)।
(C) एक आधिकारिक संचयी वार्षिक अकादमिक प्रदर्शन रिपोर्ट कार्ड (Report Card)।
(D) परीक्षाओं के लिए एक अंतिम रूप दिया गया संरचनात्मक बैठने की व्यवस्था का खाका।

141. योगात्मक परीक्षण का निर्माण करने से पहले ब्लूप्रिंट का उपयोग करने का प्राथमिक उद्देश्य क्या सुनिश्चित करना है?
(A) सामग्री की वैधता (Content Validity)
(B) पूर्ण विषयपरकता (Complete Subjectivity)
(C) कि सभी छात्र 100% अंक प्राप्त करें
(D) कि दिए गए समय में परीक्षा पूरी न की जा सके

142. एक शिक्षक अंक देते समय अपने स्वयं के पूर्वाग्रह को खत्म करने के लिए वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षण का उपयोग करता है। यह परीक्षण की किस विशेषता को बढ़ाता है?
(A) वैधता (Validity)
(B) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
(C) जटिलता (Complexity)
(D) विषयपरकता (Subjectivity)

143. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : जबकि सतत एवं व्यापक मूल्यांकन नियमित आकलन पर जोर देता है, इसका मतलब हर दिन औपचारिक लिखित परीक्षण आयोजित करना नहीं है।
कारण (R) : सतत आकलन को अवलोकन, चर्चा और गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में निर्बाध रूप से बुना जा सकता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

144. एक अभिभावक यह जानना चाहता है कि उनके बच्चे के "कला शिक्षा (Art Education)" के ग्रेड की गणना अकादमिक स्ट्रीम आवंटन के लिए उपयोग किए जाने वाले अंतिम शैक्षणिक प्रतिशत में क्यों नहीं की जाती है। मानक समग्र मूल्यांकन दिशानिर्देशों के अनुसार, प्राचार्य को क्या समझाना चाहिए?
(A) कला शिक्षा को आधिकारिक तौर पर एक मुख्य शैक्षणिक विषय के रूप में परिभाषित किया गया है और इसे अंतिम प्रतिशत में शामिल किया जाना चाहिए।
(B) सह-शैक्षणिक ग्रेड अलग से योग्यता दर्शाते हैं और स्ट्रीम आवंटन के लिए मुख्य विषयों के साथ नहीं जोड़े जाते हैं।
(C) विषय शिक्षक ने केवल एक प्रशासनिक गलती की है और मुख्य बहीखाते में अंक जोड़ना भूल गया है।
(D) कला शिक्षा को एक वैकल्पिक विषय के रूप में माना जाता है जिसका स्कूल स्ट्रीम आवंटन में कोई औपचारिक मूल्य नहीं है।

145. "अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)" ज्यादातर किस प्रकार की ग्रेडिंग से जुड़ा है?
(A) विशेष रूप से मानदंड-संदर्भित कौशल मूल्यांकन ढांचे (Skill Assessment Frameworks)
(B) मानक-संदर्भित (Norm-Referenced) या निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) के माध्यम से प्रमाणन
(C) निरंतर गुणात्मक और अनौपचारिक अन-ग्रेड विवरण
(D) आवधिक गुणात्मक उपाख्यानात्मक वर्णनात्मक शिक्षक टिप्पणी

146. एक अच्छे परीक्षण की कौन सी विशेषता समान परीक्षण के साथ पुनः जांच किए जाने पर उन्हीं व्यक्तियों द्वारा प्राप्त अंकों की निरंतरता/संगति को संदर्भित करती है?
(A) वैधता (Validity)
(B) उपयोगिता (Usability)
(C) विश्वसनीयता (Reliability)
(D) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)

147. शिक्षा में "नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)" किसी अन्य क्षेत्र की किस प्रक्रिया के सबसे समान है?
(A) अदालत में औपचारिक अंतिम फैसला सुनाने वाला एक पीठासीन कानूनी न्यायाधीश।
(B) बीमारी के मूल कारण का पता लगाने के लिए लैब टेस्ट चलाने वाला डॉक्टर।
(C) एक इमारत के लिए संरचनात्मक इंजीनियरिंग ब्लूप्रिंट तैयार करने वाला एक वास्तुकार।

Click Here to Buy book on Flipkart

129. 'कार्यान्वयन के समय (Time of Implementation)' के संबंध में रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन के बीच मौलिक अंतर क्या है?
(A) रचनात्मक पूरी तरह से शिक्षण के बाद होता है, जबकि योगात्मक शिक्षण से पहले होता है।
(B) रचनात्मक शिक्षण के दौरान होता है; योगात्मक अंत में होता है।
(C) रचनात्मक का उपयोग केवल उच्च शिक्षा में किया जाता है, जबकि योगात्मक प्राथमिक स्कूलों के लिए है।
(D) रचनात्मक केवल वर्ष के अंत में प्रशासित किया जाता है, जबकि योगात्मक निरंतर होता है।

130. कौन सा पाठ्यचर्या ढांचा दस्तावेज शिक्षा के 5+3+3+4 संरचनात्मक चरणों के साथ संरेखित बहुआयामी मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देशों की रूपरेखा तैयार करता है?
(A) एनसीएफ-एसई 2023
(B) एनपीई 1986
(C) अधिनियम कार्य 2009
(D) डी.एस.ई.आर 1973

131. NCF-SE 2023 इस बात पर जोर देता है कि बुनियादी चरण / फाउंडेशनल स्टेज (आयु 3-8 वर्ष) में आकलन मुख्य रूप से होना चाहिए:
(A) औपचारिक संरचित पेन और पेपर लिखित परीक्षाएं (Written Examinations)
(B) खेल-आधारित, गतिविधि-उन्मुख अवलोकन (Play-based, activity-oriented observation)
(C) उच्च-जोखिम वाली अंतस्थ केंद्रीकृत परीक्षाएं
(D) मानकीकृत राज्य-स्तरीय प्रतिस्पर्धी उपलब्धि परीक्षण

132. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचों के अनुसार मध्य चरण / मिडल स्टेज (कक्षा 6-8) के दौरान आकलन में क्या शामिल होना शुरू होना चाहिए?
(A) रचनात्मक आकलनों के साथ अमूर्त अवधारणाओं पर औपचारिक लिखित परीक्षाएं।
(B) विशेष रूप से अनौपचारिक और औपचारिक मौखिक कक्षा परीक्षाएं।
(C) पूरी तरह से खेल-आधारित अवलोकनात्मक उपकरणों के माध्यम से किया गया आकलन।
(D) उच्च-जोखिम वाले विश्वविद्यालय प्रवेश स्तर की मानकीकृत परीक्षण बैटरियां।

133. परख (PARAKH) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका अर्थ 'समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण' है।
II. यह छात्र आकलन के लिए मानदंड, मानक और दिशानिर्देश निर्धारित करने के लिए एक राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र के रूप में कार्य करता है।
III. यह भारत में सभी विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

134. जीवन कौशल के रूप में "सहयोग और टीम वर्क" का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी आकलन रणनीति सबसे उपयुक्त है?
(A) टीम वर्क के सिद्धांतों पर एक सैद्धांतिक बहुविकल्पीय लिखित परीक्षा।
(B) एक औपचारिक रूप से स्वतंत्र रूप से लिखा गया व्यक्तिगत टर्म रिसर्च पेपर।
(C) समूह परियोजनाओं के दौरान रुब्रिक-आधारित अवलोकन।
(D) प्राचार्य द्वारा आयोजित एक मौखिक आमने-सामने की परीक्षा।

135. किसका मूल्यांकन करने के लिए समग्र आकलन में कभी-कभी "समाजमिति (Sociogram)" का उपयोग किया जाता है?
(A) छात्र की संख्यात्मक दक्षता और उन्नत गणितीय क्षमता।
(B) सामाजिक संबंध, सहकर्मी स्वीकृति, और कक्षा समूह गतिशीलता (Group Dynamics)।
(C) बच्चे का समग्र शारीरिक स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल और बॉडी मास इंडेक्स (Body Mass Index)।
(D) छात्र की भाषाई दक्षता और ग्रहणशील शब्दावली स्तर।

136. एक स्कूल प्राचार्य देखता है कि एक सामाजिक विज्ञान शिक्षक के आकलनों में केवल छात्रों को तिथियां और नाम याद करने की आवश्यकता होती है। योग्यता-आधारित आकलन की ओर बढ़ने के लिए, प्राचार्य को शिक्षक को क्या सलाह देनी चाहिए?
(A) याद की जाने वाली ऐतिहासिक तिथियों की कुल संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि करना।
(B) विश्लेषण और अनुमान की आवश्यकता वाले स्रोत-आधारित प्रश्नों (Source-based questions) को शामिल करना।
(C) औपचारिक लिखित परीक्षा को मौखिक स्पेलिंग बी प्रतियोगिता (Spelling Bee Competition) से प्रतिस्थापित करना।
(D) सामाजिक विज्ञान में औपचारिक आकलन करना पूरी तरह से बंद कर देना।

137. निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा एक मूल्यांकन अवधारणा को उसके प्रवर्तक/प्रतिपादक के साथ सही ढंग से जोड़ता है?
(A) रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन - माइकल स्क्रिवेन (Michael Scriven)
(B) शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण - लेव वाइगोत्स्की (Lev Vygotsky)
(C) बहु-बुद्धि का सिद्धांत - बेंजामिन ब्लूम (Benjamin Bloom)

NODIA

(C) एकल-बिंदु रुब्रिक (Single-point Rubric)
(D) चेकलिस्ट (Checklist)

156. 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) में, निम्नलिखित में से कौन सा गैर-पारंपरिक हितधारक आकलन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल है?
(A) जिला शिक्षा अधिकारी
(B) छात्र का सहकर्मी समूह (Peer Group)
(C) स्थानीय सार्वजनिक अधिकारी
(D) परीक्षा बोर्ड अध्यक्ष (Board Chairman)

157. किस प्रकार का आकलन छात्रों को इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है, "मैं कैसा कर रहा हूँ, और मुझे आगे क्या करने की आवश्यकता है?"
(A) अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)
(B) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
(C) स्थान निर्धारण आकलन (Placement Assessment)
(D) मानक-संदर्भित आकलन (Norm-Referenced Assessment)

158. योगात्मक मूल्यांकन में बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQs) का निम्नलिखित में से कौन सा लाभ नहीं है?
(A) निर्धारित पाठ्यक्रम की व्यापक और विस्तृत कवरेज प्रदान करना
(B) टेस्ट स्कोरिंग में उच्च वस्तुनिष्ठता और निरंतरता सुनिश्चित करना
(C) गहरे रचनात्मक लेखन और संश्लेषण कौशलों का आकलन करना
(D) आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से त्वरित स्वचालित ग्रेडिंग को सक्षम करना

159. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : MCQs की लोकप्रियता के बावजूद मूल्यांकन में लघु-उत्तरीय और निबंध-प्रकार के प्रश्न आवश्यक हैं।
कारण (R) : निबंध-प्रकार के प्रश्न संश्लेषण, मौलिक सोच और लिखित अभिव्यक्ति जैसे उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक कौशलों को प्रभावी ढंग से मापते हैं, जिनका MCQs आसानी से आकलन नहीं कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

160. निबंध-प्रकार के प्रश्न को उसकी ग्रेडिंग में अधिक विश्वसनीय और वस्तुनिष्ठ बनाने के लिए, मूल्यांकनकर्ता को क्या करना चाहिए?
(A) हस्तलेखन के आधार पर पेपरों को ग्रेड देना चाहिए
(B) ग्रेडिंग से पहले छात्र का नाम देखना चाहिए
(C) पूर्व-निर्धारित विश्लेषणात्मक स्कोरिंग रुब्रिक का उपयोग करना चाहिए
(D) बिना विस्तार से पढ़े सभी पेपरों को जितनी जल्दी हो सके ग्रेड देना चाहिए

NODIA

161. एक परीक्षण प्रश्न का आइटम विश्लेषण "कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index)" प्रदान करता है। 0.90 का p-मान इंगित करता है कि प्रश्न:
(A) बहुत कठिन है (केवल 10% ने सही उत्तर दिया)
(B) बहुत आसान है (90% ने सही उत्तर दिया)
(C) मध्यम रूप से कठिन है
(D) त्रुटिपूर्ण है और इसे हटा दिया जाना चाहिए

162. परीक्षण निर्माण में, "विभेदीकरण सूचकांक (Discrimination Index)" किसे मापता है?
(A) एक परीक्षण में उच्च अंक प्राप्त करने वाले और कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के बीच अंतर करना।
(B) विशिष्ट सामाजिक समूहों के प्रति शिक्षक के व्यवस्थित विषयनिष्ठ पूर्वाग्रह को मापना।
(C) विशिष्ट आइटम को पढ़ने और उत्तर देने में परीक्षार्थियों द्वारा लिया गया सटीक औसत कुल समय।
(D) भौतिक परीक्षण पत्र को मुद्रित और वितरित करने में शामिल कुल आर्थिक लागत।

163. यदि किसी परीक्षण आइटम में ऋणात्मक विभेदीकरण सूचकांक (Negative Discrimination Index) है, तो इसका अर्थ है कि:
(A) उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों की तुलना में इसे अधिक बार गलत किया
(B) उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों की तुलना में इसे अधिक बार सही किया
(C) सभी ने प्रश्न का उत्तर गलत दिया
(D) सभी ने प्रश्न का उत्तर सही दिया

164. गणित के प्रश्न पत्र की समीक्षा करने वाले एक प्राचार्य को पता चलता है कि 20 में से 15 प्रश्नों का कठिनाई सूचकांक 0.95 है और विभेदीकरण सूचकांक 0 के करीब है। विभाग को क्या प्रतिक्रिया दी जानी चाहिए?
(A) परीक्षण अत्यधिक संतुलित, पूरी तरह से निर्मित और अकादमिक रूप से उत्कृष्ट है।
(B) परीक्षण कुल मिलाकर बहुत कठिन है और तत्काल आसान प्रश्नों की आवश्यकता है।
(C) परीक्षण बहुत आसान है और छात्र के प्रदर्शन में अंतर करने में विफल रहता है।
(D) परीक्षण पत्र अत्यधिक लंबा है और अधिकांश छात्रों के पास समय समाप्त हो गया था।

165. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) मूल्यांकन किस कक्षा तक उपलब्धि का लक्ष्य रखता है?

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) वह सीमा निर्धारित करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया जिस तक अनुदेशात्मक उद्देश्यों को प्राप्त किया गया है
मूल्यांकन (Evaluation) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका मुख्य उद्देश्य निर्धारित अनुदेशात्मक उद्देश्यों (Instructional Objectives) की प्राप्ति का स्तर मापना होता है। यह एक व्यवस्थित प्रक्रिया (Systematic Process) है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, ज्ञान के अधिग्रहण और व्यवहारगत परिवर्तन (Behavioral Change) का मूल्य निर्धारण करके शैक्षिक निर्णयों को गुणवत्ता प्रदान की जाती है।

2. (D) मापन चरों को परिमाणित करने की प्रक्रिया है, जबकि मूल्यांकन उन मात्रात्मक और गुणात्मक विवरणों को मान या मूल्य प्रदान करता है।
मापन (Measurement) केवल चरों (Variables) को मात्रात्मक मान (Quantitative Value) प्रदान करने तक सीमित एक सीमित प्रक्रिया है। इसके विपरीत, मूल्यांकन (Evaluation) एक व्यापक अवधारणा है जो मात्रात्मक आंकड़ों के साथ-साथ गुणात्मक विवरणों (Qualitative Descriptors) का समाकलन करके मूल्य निर्धारण (Value Judgment) करती है। इस प्रकार, मापन का विस्तार केवल आंकड़े एकत्र करने तक सीमित है, जबकि मूल्यांकन निष्कर्ष प्रदान करता है।

3. (A) शिक्षा की संपूर्ण प्रणाली का एक अभिन्न अंग बनने वाली एक सतत प्रक्रिया (Continuous Process)
मूल्यांकन (Evaluation) को केवल एक आवधिक या अंतस्थ परीक्षा के रूप में न देखकर संपूर्ण शैक्षणिक प्रणाली (Educational System) का अनिवार्य अंग माना जाता है। यह एक सतत प्रक्रिया (Continuous Process) है जो शिक्षण-अधिगम के साथ निरंतर चलती है। इसके माध्यम से उद्देश्यों की स्पष्टता, पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता और शिक्षार्थी की सतत प्रगति (Continuous Progress) का नियमित रूप से आकलन किया जाता है।

4. (C) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) किसी शैक्षणिक कार्यक्रम (Educational Program) या निर्देश की समाप्ति पर उसकी समग्र प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए आयोजित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य कार्यक्रम के मूल्य का अंतिम निर्णय करना होता है। इसके आधार पर किसी नवीन योजना अथवा कार्यक्रम का विस्तार करने, उसमें संशोधन करने या उसे पूरी तरह समाप्त करने संबंधी प्रशासनिक निर्णय लिए जाते हैं।

5. (A) यह विशेष रूप से मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों (Standardized Achievement Tests) पर निर्भर करता है।
शैक्षिक मूल्यांकन (Educational Evaluation) एक अत्यंत व्यापक और समावेशी अवधारणा है जो केवल मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों (Standardized Achievement Tests) तक सीमित नहीं हो सकती। इसमें अनौपचारिक तकनीकों (Informal Techniques), अवलोकनों, पोर्टफोलियो और सह-शैक्षणिक गतिविधियों का भी समाकलन होता है। यह शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास का आकलन करने के लिए विविध उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करती है, न कि केवल औपचारिक परीक्षणों का।

6. (C) उद्देश्यों का निर्धारण → सीखने के अनुभवों का आयोजन → उपकरणों का चयन → मूल्य निर्णय
मूल्यांकन प्रक्रिया (Evaluation Process) एक क्रमिक और तार्किक अनुक्रम का पालन करती है। सर्वप्रथम शैक्षिक उद्देश्यों का निर्धारण (Formulation of Objectives) किया जाता है। इसके पश्चात उपयुक्त अधिगम अनुभवों का आयोजन (Organization of Learning Experiences) होता है। तत्पश्चात डेटा एकत्र करने हेतु मूल्यांकन उपकरणों का चयन (Selection of Tools) किया जाता है और अंत में साक्ष्यों के आधार पर मूल्य निर्णय लिया जाता है।

7. (B) छात्रों को वर्गीकृत करना और अगली कक्षा में पदोन्नत करना
शैक्षिक संस्थाओं में मूल्यांकन का प्रशासनिक कार्य (Administrative Function) मुख्य रूप से प्रमाणीकरण और वर्गीकरण से संबंधित होता है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के निष्पादन का लेखा-जोखा रखकर उन्हें अगली कक्षा में पदोन्नत (Promotion) करने, विभिन्न श्रेणियों या अनुभागों में वर्गीकृत करने तथा आधिकारिक रिकॉर्ड बनाए रखने का कार्य किया जाता है। यह निर्णय प्रक्रिया संस्थागत प्रबंधन को सुचारु रूप से चलाने में सहायक होती है।

8. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण कार्य पूर्वानुमान (Prediction) करना है, जो शिक्षार्थियों के पिछले प्रदर्शन के आधार पर उनकी भावी शैक्षिक क्षमता और व्यावसायिक सफलता का आकलन करने में मदद करता है। हालांकि, नैदानिक परीक्षणों (Diagnostic Tests) का उद्देश्य पाठ्यक्रम पर स्वामित्व मापना नहीं, बल्कि विशिष्ट अधिगम कठिनाइयों (Learning Difficulties) और ज्ञान में अंतरालों का सटीक पता लगाना होता है।

Downloaded from www.pdf.tube

(A) यह छात्र अधिगम प्रगति का एक अत्यधिक सीमित और बहुत संकीर्ण दृश्य प्रदान करता है।
(B) यह समय लेने वाला है और अक्सर इसमें मूल्यांकनकर्ताओं के बीच विश्वसनीयता (Inter-rater Reliability) की कमी होती है।
(C) यह सीधे तौर पर छात्रों के बीच गंभीर भावनात्मक संकट और अत्यधिक परीक्षा चिंता का कारण बनता है।
(D) यह छात्र के स्व-चिंतन (Self-Reflection) के लिए कोई अवसर प्रदान करने में पूरी तरह से विफल रहता है।

175. योग्यता-आधारित आकलन में "योग्यता (Competency)" की अवधारणा को किसके संयोजन के रूप में सर्वोत्तम रूप से परिभाषित किया गया है?
(A) ज्ञान, कौशल और मूल्य (Knowledge, Skills, and Values)
(B) बुनियादी पठन, लेखन और गणित कौशल
(C) संज्ञानात्मक गति, सटीकता और स्मृति क्षमता (Memory Capacity)
(D) छात्र की आयु, कक्षा का स्तर और कक्षा में उपस्थिति

176. एक प्राचार्य को पता चलता है कि एक शिक्षक स्कूल के लिए 100% पास परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सभी छात्रों को "आंतरिक आकलन" में पूरे अंक दे रहा है। प्राचार्य के लिए सबसे उपयुक्त कार्रवाई क्या है?
(A) 100% स्कूल पास परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक रूप से शिक्षक की औपचारिक प्रशंसा करें।
(B) स्थिति को पूरी तरह से नजरअंदाज करें क्योंकि आंतरिक अंक शिक्षक के विशेषाधिकार (Prerogative) के अंतर्गत आते हैं।
(C) अंक वृद्धि (Grade Inflation) के खिलाफ चेतावनी देते हुए वस्तुनिष्ठ रुब्रिक्स और पोर्टफोलियो साक्ष्य अनिवार्य करें।
(D) औसत बढ़ाने के लिए अन्य सभी शिक्षकों को समान प्रथाओं को अपनाने का निर्देश दें।

177. शिक्षा में बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षणों (National Achievement Surveys - NAS) का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य और पोषण विकास की स्थिति का व्यवस्थित रूप से आकलन करना।
(B) राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख कक्षाओं में अधिगम के परिणामों का आकलन करके प्रणाली के स्वास्थ्य का मूल्यांकन करना।
(C) प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वित्तीय छात्रवृत्तियों के लिए मेधावी छात्रों का चयन करना।
(D) आधिकारिक कैरियर पदोन्नति निर्धारित करने के लिए व्यक्तिगत कक्षा शिक्षकों का मूल्यांकन, ग्रेडिंग और रैंकिंग करना।

NODIA

178. शैक्षणिक विषयों के लिए पारंपरिक CCE योजनाओं के तहत माध्यमिक शिक्षा में उपयोग किया जाने वाला मानक ग्रेडिंग पैमाना क्या था?
(A) 5-बिंदु पैमाना (B) 7-बिंदु पैमाना
(C) 9-बिंदु पैमाना (D) 10-बिंदु पैमाना

179. सह-शैक्षणिक क्षेत्रों के मूल्यांकन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. कोई औपचारिक लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की जाती है।
II. आकलन काफी हद तक अवलोकनात्मक और निरंतर होता है।
III. पारंपरिक मूल्यांकन ढांचों में 5-बिंदु पैमाने पर ग्रेड प्रदान किए जाते हैं।
IV. इसमें जीवन कौशल, कार्य शिक्षा और दृश्य/प्रदर्शन कला का आकलन शामिल है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल II, III, और IV
(C) केवल I, II, और IV
(D) I, II, III, और IV

180. "जीवन कौशल (Life Skills)" क्षेत्र के तहत कौशलों के निम्नलिखित में से किस सेट का मूल्यांकन किया जाता है?
(A) चिंतनशील, सामाजिक और भावनात्मक कौशल (Thinking, Social, and Emotional Skills)
(B) एथलेटिक दौड़ने, कूदने और फेंकने के कौशल
(C) मूलभूत पठन, लेखन और टाइपिंग कौशल (Typing Skills)
(D) कलात्मक गायन, नृत्य और अभिनय कौशल

181. आधुनिक शैक्षिक नीति सिफारिशों के तहत, प्रगति रिपोर्ट कार्डों को फिर से डिज़ाइन किया जाएगा ताकि वे बन सकें:
(A) एक एक-आयामी संख्यात्मक स्कोरकार्ड (Scorecard)
(B) एक समग्र, 360-डिग्री, बहुआयामी रिपोर्ट (Holistic, 360-degree, Multidimensional Report)
(C) एक बाइनरी पास/फेल प्रमाण पत्र
(D) केवल शिक्षकों के लिए सुलभ एक गोपनीय दस्तावेज

182. सत्र-अंत योगात्मक मूल्यांकन प्रणाली (Term-end Summative Evaluation System) की एक बड़ी आलोचना यह है कि यह:
(A) तैयार करने, प्रशासित करने और ग्रेड देने में अत्यधिक कम समय लेती है।
(B) जटिल व्यावहारिक और अनुप्रयोग कौशलों की एक विस्तृत श्रृंखला का कुशलतापूर्वक मूल्यांकन करती है।
(C) वर्ष के दौरान अधिगम में सुधार के लिए समय पर प्रतिक्रिया प्रदान करने में विफल रहती है।
(D) सतत रचनात्मक आकलन प्रथाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा देती है और प्रोत्साहित करती है।

183. अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह सतत और निरंतर चलने वाला है।
(B) इसमें स्पष्ट लक्ष्य और वर्णनात्मक प्रतिक्रिया शामिल है।
(C) यह योगात्मक आकलन का पर्याय है।
(D) यह शिक्षकों को अपनी अनुदेशात्मक रणनीतियों को समायोजित करने में मदद करता है।

184. एक शिक्षक एक इकाई के प्रारंभ, मध्य और अंत में "KWL चार्ट" (मैं क्या जानता हूँ, मैं क्या जानना चाहता हूँ, मैंने क्या सीखा) का उपयोग करता है। यह किसका एक क्लासिक उपकरण है?
(A) औपचारिक सत्र-अंत योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(B) मानकीकृत मानक-संदर्भित उपलब्धि परीक्षण
(C) रचनात्मक और स्व-आकलन (Formative and Self-Assessment)
(D) औपचारिक बाहरी प्रशासनिक लेखापरीक्षा

185. सहकर्मी आकलन (Peer Assessment) काफी हद तक एक सहयोगी कक्षा के माहौल पर निर्भर करता है क्योंकि:
(A) छात्रों को आहत महसूस किए बिना रचनात्मक प्रतिक्रिया देनी और प्राप्त करनी चाहिए।
(B) छात्रों को अपने शैक्षणिक ग्रेड के लिए आक्रामक रूप से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए।
(C) आकलन के दौरान विषय शिक्षक कक्षा से पूरी तरह अनुपस्थित रहते हैं।
(D) इसे आधिकारिक तौर पर एक अवैध अनुदेशात्मक अभ्यास माना जाता है जिसके लिए गोपनीयता की आवश्यकता होती है।

186. गणित में अंतिम परीक्षा के लिए किस प्रकार की वैधता (Validity) सबसे महत्वपूर्ण है?
(A) मुख वैधता (Face Validity)
(B) भविष्यवाणी वैधता (Predictive Validity)
(C) सामग्री वैधता (Content Validity)
(D) पारिस्थितिक वैधता (Ecological Validity)

187. "अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)" शब्द का अर्थ है कि आकलन:
(A) चल रही शैक्षणिक प्रगति की निगरानी और ट्रैकिंग के लिए मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है।
(B) प्रमाणन या रिपोर्टिंग के लिए एक विशिष्ट समय पर उपलब्धि को मापता है।
(C) अपनी परासंज्ञानात्मक रणनीतियों पर विचार करने के लिए छात्र द्वारा सीधे उपयोग किया जाता है।
(D) सत्र की शुरुआत में छात्रों को विभिन्न अनुभागों में स्क्रीन और रखने के लिए उपयोग किया जाता है।

188. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A) : समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) शिक्षक आकलन के साथ-साथ स्व-आकलन और सहकर्मी-आकलन को प्रस्तुत करता है।
कारण (R) : स्वयं का और अपने साथियों का मूल्यांकन करने से शिक्षार्थियों में महत्वपूर्ण सोच, आत्म-जागरुकता और जवाबदेही विकसित होती है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

189. आधुनिक शैक्षिक दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रारंभिक बचपन से स्कूली शिक्षा तक छात्र की प्रगति को ट्रैक करने के लिए, आकलन डेटा को किसमें एकीकृत करने का प्रस्ताव है?
(A) स्थानीय पुलिस स्टेशन में संग्रहीत एक स्थायी भौतिक फ़ाइल।
(B) प्रगति को ट्रैक करने और व्यक्तिगत अधिगम के रास्ते प्रदान करने वाला एक एआई-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म।
(C) जनसांख्यिकीय राष्ट्रीय जनगणना के लिए बनाए रखा गया आधिकारिक केंद्रीय डेटाबेस।
(D) सभी नागरिकों को वितरित एक आवधिक सार्वजनिक समाचार पत्र प्रकाशन।

190. एक स्कूल की आकलन प्रणाली को रटने-आधारित से योग्यता-आधारित में स्थानांतरित करने के लिए मौलिक आवश्यकता क्या है?
(A) कक्षाओं से सभी पारंपरिक स्कूल पाठ्यपुस्तकों को पूरी तरह से प्रतिबंधित और जब्त करना।
(B) शिक्षकों को योग्यता-आधारित शिक्षाशास्त्र और आकलन आइटम डिज़ाइन में प्रशिक्षित करना।
(C) अंतिम परीक्षा की अनिवार्य अवधि को बढ़ाकर 5 घंटे करना।
(D) सतत आंतरिक आकलनों के सभी रूपों को पूरी तरह से समाप्त करना।

191. मूल्यांकन अंकों के सामान्य प्रायिकता वक्र (Normal Probability Curve - NPC) में, लगभग कितने प्रतिशत अंक माध्य (Mean) के एक मानक विचलन (+1 से -1 SD) के भीतर आते हैं?
(A) 34% (B) 50%
(C) 68% (D) 95%

192. निम्नलिखित में से किसे आमतौर पर रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) का क्षेत्र नहीं माना जाता है?
(A) दैनिक कक्षा कार्य और गृहकार्य असाइनमेंट (Homework Assignments) की नियमित जांच
(B) निरंतर कक्षा में मौखिक प्रश्न पूछना और चर्चाएं
(C) उच्च-जोखिम वाली प्रवेश परीक्षाएं (High-stakes Entrance Exams)

Click Here to Buy book on Amazon

(D) सहयोगात्मक समूह गतिविधियों का व्यवस्थित अवलोकन

193. मूल्यांकन प्रक्रिया में प्राचार्य की भूमिका के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. अधिगम के परिणामों के साथ आकलनों के संरेखण को सुनिश्चित करना।

II. रचनात्मक और योगात्मक परीक्षणों के समय पर और निष्पक्ष निष्पादन की निगरानी करना।

III. स्कूल-व्यापी अकादमिक प्रवृत्तियों की पहचान करने के लिए आकलन डेटा का विश्लेषण करना।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

194. प्रश्नों का कौन सा प्रारुप मूल्यांकन में उच्चतम स्तर की विषयपरकता (Subjectivity) की अनुमति देता है?

(A) मानकीकृत बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)
(B) वाक्य पूर्ति रिक्त स्थान भरें
(C) द्वि-विकल्प सही या गलत प्रश्न
(D) विस्तृत निबंध प्रश्न (Extended Essay Questions)

195. विस्तृत उत्तर वाले निबंध प्रश्नों का मूल्यांकन करने में विषयपरकता को कम करने के लिए, एक शिक्षक को किसका उपयोग करना चाहिए?

(A) एक विस्तृत अंकन योजना या रुब्रिक (Marking Scheme or Rubric)
(B) सिक्का उछालना
(C) छात्र के पिछले सत्र के ग्रेड
(D) प्राथमिक मानदंड के रूप में छात्र का हस्तलेखन (Handwriting)

196. एक प्राचार्य देखती हैं कि छात्र अपनी आगामी परीक्षाओं के बारे में अत्यधिक तनाव में हैं। सतत मूल्यांकन के अनुरूप एक स्वस्थ आकलन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, उन्हें किसे बढ़ावा देना चाहिए?

(A) अधिक लगातार, उच्च-जोखिम वाली औपचारिक योगात्मक परीक्षाएं आयोजित करना।
(B) स्कूल नोटिस बोर्ड पर छात्र की रैंक और अंकों का सार्वजनिक प्रदर्शन।
(C) कम-जोखिम वाले रचनात्मक आकलन और नियमित रचनात्मक प्रतिक्रिया।
(D) कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को लगातार प्रशासनिक हिरासत (Detention) की धमकी देना।

197. निम्नलिखित में से कौन सा "अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)" मूल्यांकन की अवधारणा के साथ संरेखित है?

(A) इस बात का आकलन करना कि एक छात्र कितनी सटीकता और जल्दी से ब्लैकबोर्ड से लिखित नोट्स कॉपी कर सकता है।
(B) चिंतनशील कार्य (प्रोजेक्ट, लैब वर्क, फील्ड ट्रिप) के माध्यम से अधिगम का आकलन करना।
(C) पारंपरिक रटने की स्मृति और बुनियादी गुणा तालिकाओं की तीव्र याद का आकलन करना।
(D) व्याख्यान के दौरान चुपचाप बैठने की व्यक्तिगत छात्र की व्यवहारात्मक क्षमता का आकलन करना।

198. मानदंड-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) की प्राथमिक विशेषता यह है कि यह:

(A) एक व्यक्तिगत छात्र के कुल परीक्षण प्रदर्शन की सीधे राष्ट्रीय मानक समूह से तुलना करता है।
(B) निश्चित, पूर्व-निर्धारित शिक्षण मानकों या मानदंडों के विरुद्ध प्रदर्शन को मापता है।
(C) कक्षा में 1 ला स्थान से अंतिम स्थान तक सभी भाग लेने वाले छात्रों को सख्ती से रैंक करता है।
(D) हमेशा अनौपचारिक ओपन-बुक परीक्षा परीक्षण प्रारूप में आयोजित किया जाता है।

199. एक ड्राइविंग टेस्ट जहाँ पास होने के लिए विशिष्ट कार्य (पार्किंग करना, लाल बत्ती पर रुकना) करने होते हैं, चाहे दूसरे कितना भी अच्छा प्रदर्शन करें, किसका एक उदाहरण है?

(A) मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation)
(B) मानदंड-संदर्भित मूल्यांकन (Criterion-Referenced Evaluation)
(C) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation)
(D) स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation)

NODIA

200. वर्ष-अंत डेटा का विश्लेषण करने वाली एक स्कूल प्राचार्य को पता चलता है कि हालांकि छात्र वस्तुनिष्ठ पेन-एंड-पेपर परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, लेकिन वे व्यावहारिक अनुप्रयोग कार्यों में कम अंक प्राप्त करते हैं। समग्र मूल्यांकन सिद्धांतों के आधार पर, उनका सबसे उपयुक्त निर्णय क्या होगा?

(A) स्कूल पाठ्यक्रम से व्यावहारिक कार्यों और अनुप्रयोग गतिविधियों को पूरी तरह से समाप्त करना।
(B) शिक्षकों को अनुभवात्मक अधिगम और योग्यता-आधारित आकलनों पर जोर देने की सलाह देना।
(C) सभी व्यावहारिक परीक्षाओं के लिए आवश्यक आधिकारिक न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों को महत्वपूर्ण रूप से कम करना।
(D) आधिकारिक पाठ्यक्रम को संशोधित करने और सरल बनाने के लिए परीक्षा बोर्ड से औपचारिक रूप से अनुरोध करना।

(D) रेस्तरां के संरक्षकों को परोसने से पहले सूप का स्वाद चखने वाला एक कार्यकारी शेफ।

148. रचनात्मक मूल्यांकन की तुलना किससे की जा सकती है?
(A) एक विस्तृत औपचारिक शव परीक्षा आयोजित करने वाला फोरेंसिक डॉक्टर।
(B) एक शेफ जो खाना बनाते समय सूप का स्वाद चखता है ताकि मसाले को समायोजित किया जा सके।
(C) भोजन पूरा करने के बाद विस्तृत समीक्षा लिखने वाला एक पेशेवर खाद्य समीक्षक।
(D) अपना रात का खाना खत्म करने के बाद अंतिम बिल का भुगतान करने वाला रेस्तरां ग्राहक।

149. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : योग्यता-आधारित आकलन में, पाठ्यपुस्तक की परिभाषाओं को रटना उच्च अंकों की गारंटी देता है।
कारण (R) : योग्यता-आधारित आकलन पूरी तरह से वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए ज्ञान के अनुप्रयोग के आकलन पर निर्भर करता है।
(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है

150. मानक परीक्षा बोर्ड के निर्देशों के अनुसार, स्कूलों को एक विशिष्ट अवधि के लिए आंतरिक आकलन रिकॉर्ड बनाए रखना अनिवार्य है क्योंकि:
(A) भौतिक मूल्यांकन रिकॉर्ड नियमित रूप से बाहरी प्रकाशकों को बेचे जाते हैं।
(B) परीक्षा बोर्ड सत्यापन और मॉडरेशन (Moderation) के लिए रिकॉर्ड का अनुरोध कर सकते हैं।
(C) शिक्षक के वेतन की गणना के लिए विस्तृत आकलन रिकॉर्ड (Assessment Records) कानूनी रूप से आवश्यक हैं।
(D) यह कागज संग्रह के संबंध में एक वैधानिक पर्यावरणीय आवश्यकता को पूरा करता है।

151. निम्नलिखित में से कौन सा मूल्यांकन अभ्यास प्रगतिशील प्राथमिक शिक्षा ढांचों की भावना का खंडन करता है?
(A) नियमित अनौपचारिक निरंतर कक्षा अवलोकन आयोजित करना
(B) व्यक्तिगत अनुदैर्ध्य (Longitudinal) बाल पोर्टफोलियो को व्यवस्थित रूप से बनाए रखना
(C) प्राथमिक कक्षाओं में अनिवार्य पास/फेल बोर्ड परीक्षाएं (Board Examinations)
(D) प्राथमिक ग्रेड में एक सहायक आकलन नीति लागू करना

152. मूल्यांकन और निरोध (Detention) के संबंध में संशोधित शिक्षा के अधिकार के प्रावधानों के तहत:
(A) कक्षा 10 तक सभी प्राथमिक कक्षाओं में एक सख्त वैधानिक नो-डिटेंशन नीति को दृढ़ता से बनाए रखा गया है।
(B) राज्य कक्षा 5 और 8 में परीक्षाएं आयोजित कर सकते हैं और रोके जाने के निर्णयों से पहले पुन: परीक्षा के अवसर प्रदान कर सकते हैं।
(C) आधारभूत परीक्षणों में विफल रहने वाले सभी प्राथमिक छात्रों को कक्षा 5 में स्वचालित रूप से रोका जाना चाहिए।
(D) कक्षा 3 के सभी प्राथमिक छात्रों के लिए केंद्रीकृत राज्य बोर्ड परीक्षाएं सख्ती से अनिवार्य हैं।

153. कक्षा 8 में नियमित परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्र के संबंध में एक स्कूल द्वारा की गई निम्नलिखित कार्रवाइयों पर विचार कीजिए:
I. छात्र को तुरंत स्कूल से निष्कासित कर दिया जाता है।
II. स्कूल छात्र को दो महीने के भीतर पुन: परीक्षा का अवसर प्रदान करता है।
III. स्कूल पुन: परीक्षा से पहले अतिरिक्त अनुदेश/उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करता है।
कानूनी रूप से अनुपालन और शैक्षणिक रूप से उपयुक्त कार्रवाइयों के संबंध में उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

154. मूल्यांकन के सिद्धांतों के तहत, निम्नलिखित में से कौन सा "हेलो प्रभाव (Halo Effect)" का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) एक सकारात्मक समग्र प्रभाव के कारण किसी एक क्षेत्र में छात्र को उच्च रेटिंग देने की मूल्यांकनकर्ता की प्रवृत्ति।
(B) संघर्षरत छात्र की सभी बहुविकल्पीय उत्तरों का समान रूप से विकल्प 'C' के रूप में अनुमान लगाने की व्यवस्थित आदत।
(C) परीक्षण अंकों के सांख्यिकीय सामान्यीकरण के लिए परीक्षा बोर्डों द्वारा उपयोग की जाने वाली गणितीय प्रक्रिया।
(D) रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन अंकों के बीच एक पूर्ण सकारात्मक सांख्यिकीय सहसंबंध की सैद्धांतिक धारणा।

155. एक रुब्रिक जो चार अलग-अलग मानदंडों (व्याकरण, सामग्री, संगठन और रचनात्मकता) के आधार पर एक छात्र के निबंध का मूल्यांकन करता है, प्रत्येक के लिए 1 से 4 तक अंक निर्दिष्ट करता है, विशिष्ट रूप से किसका एक उदाहरण है?
(A) समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric)
(B) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric)

Downloaded from www.pdf.tube

9. (D) स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation)
स्थान निर्धारण मूल्यांकन (Placement Evaluation) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया शुरु होने से पूर्व आयोजित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों के पूर्व ज्ञान (Prior Knowledge), प्रविष्टि व्यवहार (Entry Behavior) और व्यक्तिगत क्षमताओं का आकलन करना है। इसके माध्यम से यह निर्धारित किया जाता है कि छात्र किसी विशिष्ट पाठ्यक्रम या निर्देश स्तर के लिए योग्य है या नहीं, जिससे उपयुक्त अनुदेशात्मक रणनीति बनाई जा सके।

10. (A) अधिगम की कठिनाइयों की पहचान करना और शिक्षण की गति निर्धारित करना
मूल्यांकन का अनुदेशात्मक कार्य (Instructional Function) प्रत्यक्ष रूप से कक्षा शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया को अनुकूलित करने से संबंधित होता है। यह विद्यार्थियों की अधिगम बाधाओं की पहचान करने, पाठ्य सामग्री की जटिलता को समझने और शिक्षकों को अपनी शिक्षण गति (Pacing of Instruction) तथा रणनीतियों में समायोजन करने के लिए आवश्यक साक्ष्य और सुधारात्मक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

11. (B) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) - शिक्षण के दौरान अधिगम की प्रगति की निगरानी करना
रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) का मुख्य उद्देश्य अनुदेशात्मक अवधि के दौरान विद्यार्थियों की निरंतर अधिगम प्रगति की निगरानी (Monitoring Learning Progress) करना होता है। यह प्रक्रिया शिक्षकों और छात्रों को तत्काल सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Corrective Feedback) प्रदान करती है। इसके विपरीत, योगात्मक मूल्यांकन अंत में प्रमाणीकरण करता है, जबकि स्थान निर्धारण मूल्यांकन पूर्व ज्ञान मापता है और नैदानिक मूल्यांकन कठिनाइयों के कारणों को खोजता है।

12. (B) प्रगति का ज्ञान और रचनात्मक प्रतिक्रिया सकारात्मक अधिगम को सुदृढ़ करती है।
मूल्यांकन विद्यार्थियों के लिए एक सशक्त प्रेरक उपकरण (Motivational Tool) के रूप में कार्य करता है जब यह उन्हें उनकी प्रगति का ज्ञान (Knowledge of Results) कराता है। रचनात्मक प्रतिक्रिया विद्यार्थियों में अपनी शक्तियों और कमजोरियों की समझ विकसित करती है। यह आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation) को बढ़ावा देती है और सकारात्मक पुनर्बलन द्वारा वांछित अधिगम व्यवहारों को मजबूत करने में सहायता करती है।

13. (A) केवल I और II
मूल्यांकन पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता का परीक्षण करने और अभिभावकों को छात्र प्रगति की रिपोर्ट देकर संस्थागत पारदर्शिता बनाए रखने का कार्य करता है। हालांकि, यह उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Instruction) की आवश्यकता को समाप्त नहीं करता, बल्कि नैदानिक अंतर्दृष्टि प्रदान करके उपचारात्मक शिक्षण की आवश्यकता और उसकी दिशा को और अधिक स्पष्ट तथा प्रभावी बनाने का आधार तैयार करता है।

14. (C) माइकल स्क्रिवेन (Michael Scriven)
रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) और योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) के बीच औपचारिक अंतर सबसे पहले माइकल स्क्रिवेन (Michael Scriven) द्वारा 1967 में प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने पाठ्यक्रम मूल्यांकन के संदर्भ में इन अवधारणाओं को प्रतिपादित किया। बाद में बेंजामिन ब्लूम और उनके सहयोगियों ने इन सिद्धांतों को कक्षा शिक्षण और छात्र अधिगम के आकलन के क्षेत्र में व्यापक रूप से लागू किया।

15. (D) विकासात्मक है और दैनिक शिक्षण-अधिगम में सुधार के लिए है।
रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) की मौलिक विशेषता इसकी विकासात्मक प्रकृति (Developmental Nature) है। यह प्रक्रिया केवल निर्णयात्मक या अंतिम अंक देने पर आधारित न होकर दैनिक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का हिस्सा होती है। इसका प्राथमिक उद्देश्य कक्षा संपर्क के दौरान छात्रों की समझ को गहराई प्रदान करना और शिक्षकों की शिक्षण विधियों को अधिक प्रभावी और अनुकूलनीय बनाना होता है।

16. (C) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)
कक्षा शिक्षण के दौरान या तुरंत बाद लघु प्रश्नोत्तरी जैसी अनौपचारिक विधियों का उपयोग करके अधिगम अंतरालों की पहचान करना और तदनुसार शिक्षण रणनीतियों को पुनर्गठित करना रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। यह प्रक्रिया शिक्षण-अधिगम के मध्य में होती है और इसका मुख्य लक्ष्य ग्रेड देने के स्थान पर संप्रत्ययात्मक स्पष्टता में सुधार लाना होता है।

17. (B) यह अत्यधिक संरचित (Highly Structured) है और अंतिम पाठ्यक्रम ग्रेड प्रदान करने के लिए उपयोग किया जाता है।
रचनात्मक मूल्यांकन की प्रकृति लचीली, अनौपचारिक और विकासात्मक होती है, न कि अत्यधिक संरचित या अंतिम ग्रेड प्रदान करने वाली। इसका प्राथमिक ध्यान शिक्षण के दौरान निरंतर प्रतिक्रिया (Continuous Feedback) प्रदान करने पर होता है। अत्यधिक संरचित होना और अंतिम पाठ्यक्रम ग्रेड या प्रमाणपत्र देना योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) की मुख्य विशेषताएं हैं, जो इसे रचनात्मक मूल्यांकन से भिन्न बनाती हैं।

18. (D) वर्तमान समझ और वांछित शिक्षण लक्ष्यों के बीच के अंतर (Gap) की पहचान करना।
रचनात्मक मूल्यांकन में प्रतिक्रिया (Feedback) का प्राथमिक कार्य शिक्षार्थी की वर्तमान अधिगम स्थिति और निर्धारित अधिगम लक्ष्यों (Learning Goals) के बीच के अंतर की पहचान करना है। यह प्रतिक्रिया सुधारात्मक मार्गदर्शन प्रदान करती है, जिससे छात्र अपनी त्रुटियों को समझकर सुधार कर सकते हैं और शिक्षक अपनी शिक्षण तकनीकों में आवश्यक बदलाव लाकर अधिगम को सुगम बना सकते हैं।

NODIA

19. (C) I, II, और IV
रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के साथ-साथ संचालित होता है और इसका उद्देश्य अनुदेशात्मक प्रभावशीलता की जांच करना तथा छोटी इकाइयों की महारत पर ध्यान केंद्रित करना है। शिक्षार्थियों का औपचारिक प्रमाणन (Certification) या अंतिम ग्रेडिंग करना योगात्मक मूल्यांकन का कार्य है, इसलिए यह रचनात्मक मूल्यांकन के प्राथमिक उद्देश्यों में शामिल नहीं होता बल्कि इससे पूरी तरह अलग है।

20. (C) मौखिक प्रश्न पूछना और संवादात्मक चर्चाएं
प्राथमिक कक्षाओं में रचनात्मक मूल्यांकन हेतु अनौपचारिक और संवादात्मक तकनीकें सबसे उपयुक्त होती हैं। मौखिक प्रश्न पूछना (Oral Questioning) और कक्षा चर्चाएं (Classroom Discussions) शिक्षकों को तात्कालिक रूप से छोटे बच्चों की समझ और चिंतन प्रक्रिया को आंकने का अवसर देती हैं। ये गतिविधियां बिना किसी तनाव के दैनिक अधिगम वातावरण में सहजता से एकीकृत हो जाती हैं।

21. (B) कक्षा के माहौल में निरंतर व्यवहारात्मक और शैक्षणिक परिवर्तनों को दस्तावेजित (Document) करने के लिए।
अवलोकन अनुसूचियां (Observation Schedules) और उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Records) गुणात्मक मूल्यांकन उपकरण हैं। रचनात्मक मूल्यांकन में इनका उपयोग शिक्षार्थियों के प्राकृतिक कक्षा वातावरण में होने वाले व्यवहारात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक परिवर्तनों का प्रामाणिक दस्तावेजीकरण करने के लिए किया जाता है। ये उपकरण समय के साथ छात्र के समग्र विकास और प्रवृत्तियों को समझने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करते हैं।

22. (D) वे अवधारणाओं के बीच संबंधों की समझ और भ्रांतियों को दृश्य रूप से मानचित्रित (Visually Map) करते हैं।
अवधारणा मानचित्र (Concept Maps) दृश्य-स्थानिक उपकरण (Visual-Spatial Tools) हैं जो विभिन्न संप्रत्ययों के बीच के संबंधों को निरूपित करते हैं। रचनात्मक मूल्यांकन में इनका उपयोग शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक ढांचे (Cognitive Structure), संकल्पनात्मक समझ और किसी भी प्रकार की वैकल्पिक अवधारणाओं या भ्रांतियों (Misconceptions) को दृश्य रूप से उजागर करने के लिए किया जाता है, जिससे शिक्षण को लक्षित बनाया जा सके।

23. (A) रचनात्मक आकलन (Formative Assessment)
कालांश के अंत में उपयोग की जाने वाली 'एग्जिट स्लिप्स (Exit Slips)' रचनात्मक आकलन की एक त्वरित विधि हैं। इनके माध्यम से शिक्षक यह तुरंत जान पाते हैं कि छात्रों ने पाठ के मुख्य बिंदुओं को कितना समझा है। प्राप्त डेटा का उपयोग अगले दिन के शिक्षण में संशोधन करने और अधिगम बाधाओं को दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने में किया जाता है।

24. (D) "इसे दैनिक शिक्षण और अधिगम गतिविधियों में लगातार एकीकृत किया जाना चाहिए।"
रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) कोई पृथक या आवधिक घटना नहीं है, बल्कि इसे दैनिक शिक्षण-अधिगम गतिविधियों के साथ निरंतर एकीकृत होना चाहिए। एक प्रभावी शैक्षणिक दृष्टिकोण में प्रश्नोत्तर, अनौपचारिक अवलोकन और गतिविधियों के माध्यम से कक्षा के दौरान ही सतत रूप से आकलन किया जाता है ताकि शिक्षार्थियों को निरंतर सुधारात्मक प्रतिक्रिया मिलती रहे और अधिगम सुचारु बना रहे।

25. (B) तत्काल छात्र प्रतिक्रिया के आधार पर शिक्षण को गतिशील रूप से समायोजित करना।
जस्ट-इन-टाइम टीचिंग (Just-in-Time Teaching) एक शैक्षणिक रणनीति है जो रचनात्मक मूल्यांकन के सिद्धांतों पर आधारित है। इसमें शिक्षक कक्षा सत्र से ठीक पहले या दौरान प्राप्त छात्र प्रतिक्रिया (Student Feedback) का त्वरित विश्लेषण करते हैं। इस विश्लेषण के आधार पर अनुदेशात्मक योजना और शिक्षण विधियों को शिक्षार्थियों की तत्कालीन आवश्यकताओं और समझ के अनुसार गतिशील रूप से समायोजित किया जाता है।

26. (B) व्यापक-मूल्यांकन एक शैक्षिक कार्यक्रम या नीति कार्यान्वयन के अंत में होता है।
सूक्ष्म-मूल्यांकन (Micro-Evaluation) दैनिक कक्षा अंतःक्रिया और पाठ स्तर पर होता है, जबकि व्यापक-मूल्यांकन (Macro-Evaluation) एक वृहद स्तर की प्रक्रिया है। यह संपूर्ण शैक्षिक कार्यक्रम, पाठ्यक्रम प्रणाली या नीति कार्यान्वयन के अंत में आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य व्यापक डेटा एकत्र करके व्यापक नीतिगत निर्णय लेना, संस्थागत प्रभावशीलता का आकलन करना और शैक्षिक सुधारों की समग्र सफलता निर्धारित करना होता है।

27. (D) समवर्ती (Concurrent), शिक्षण के समानांतर चलने वाली
रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) का कालक्रम समवर्ती (Concurrent) होता है, जिसका अर्थ है कि यह पृथक होने के बजाय प्रत्यक्ष शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के साथ-साथ चलता है। यह शिक्षण गतिविधियों के समानांतर आयोजित होता है ताकि वास्तविक समय में डेटा एकत्र किया जा सके और अनुदेशात्मक रणनीतियों में तत्काल आवश्यक सुधार करके शिक्षार्थी की सफलता दर को बढ़ाया जा सके।

28. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण अपनी कठोरता और व्यापकता के कारण दैनिक रचनात्मक मूल्यांकन के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं। इसके विपरीत, रचनात्मक मूल्यांकन को लचीले, संदर्भ-विशिष्ट और अनौपचारिक उपकरणों की आवश्यकता होती है जो तुरंत सुधारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान कर सकें। अतः मानकीकृत परीक्षण योगात्मक प्रयोजनों के लिए अधिक उपयोगी होते हैं, जबकि रचनात्मक आकलनों में अनौपचारिक रणनीतियां अधिक प्रभावी हैं।

29. (B) शिक्षण के समापन पर ग्रेड आवंटित करता है और उपलब्धि को प्रमाणित करता है।
योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) एक अनुदेशात्मक अवधि, पाठ्यक्रम या शैक्षणिक सत्र के समापन

Click Here to Buy book on Flipkart

पर आयोजित होने वाला औपचारिक आकलन है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों की कुल उपलब्धि का माप करना, उन्हें ग्रेड या अंक आवंटित करना और उनकी योग्यता का आधिकारिक प्रमाणन (Certification) करना है। यह प्रक्रिया उत्पाद-उन्मुख होती है और इसका उपयोग मुख्य रूप से ग्रेडिंग हेतु किया जाता है।

30. (B) यह प्रकृति में अंतस्थ (Terminal) है और आमतौर पर उच्च-जोखिम (High-Stakes) वाला होता है।
योगात्मक मूल्यांकन की मुख्य विशेषता इसकी अंतस्थ (Terminal) प्रकृति है। यह शिक्षण-अधिगम चक्र के अंत में होता है और इसके परिणाम छात्रों की पदोन्नति, प्रमाणन या चयन से जुड़े होने के कारण उच्च-जोखिम वाले (High-Stakes) माने जाते हैं। यह प्रक्रिया मुख्यतः यह निर्धारित करती है कि निर्धारित शैक्षणिक मानकों और उद्देश्यों को किस सीमा तक हासिल किया गया है।

31. (D) छात्रों को उच्च कक्षाओं में पदोन्नत करने और प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए
स्कूल प्रशासन में योगात्मक मूल्यांकन के परिणामों का प्राथमिक उपयोग संस्थागत और प्रशासनिक निर्णयों के लिए किया जाता है। इनके आधार पर छात्रों की कुल उपलब्धि दर्ज की जाती है, उन्हें अगली उच्च कक्षा में पदोन्नत (Promotion) किया जाता है और आधिकारिक योग्यता प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं। यह विद्यालय प्रबंधन को शैक्षणिक जवाबदेही बनाए रखने में सहायता करता है।

32. (C) अंतिम वर्ष के अंत का रिपोर्ट कार्ड (Report Card)
अंतिम वर्ष के अंत का रिपोर्ट कार्ड (Report Card) योगात्मक मूल्यांकन का एक प्रत्यक्ष उत्पाद (Product) है। यह संपूर्ण सत्र के दौरान छात्र द्वारा अर्जित कुल ज्ञान, कौशल और प्रदर्शन का एक संचयी और औपचारिक विवरण प्रस्तुत करता है। यह दस्तावेज शिक्षार्थी की अंतिम उपलब्धि स्थिति को प्रमाणित करता है और प्रशासनिक तथा अभिभावकीय संदर्भों के लिए आधार बनता है।

33. (A) केवल I और II
सत्र-अंत की लिखित परीक्षाएं और अंतिम शोध टर्म पेपर्स (Term Papers) योगात्मक मूल्यांकन के प्रमुख उदाहरण हैं, क्योंकि ये अनुदेशन के अंत में छात्र की संचयी समझ का मापन करते हैं। इसके विपरीत, दैनिक सरप्राइज क्विज़ (Pop Quizzes) का प्रयोग शिक्षण के दौरान निरंतर अधिगम प्रगति की जांच करने के लिए रचनात्मक उपकरण के रूप में किया जाता है।

34. (C) हाई-स्कूल स्नातक प्रमाण पत्र - नैदानिक (Diagnostic)
हाई-स्कूल स्नातक प्रमाण पत्र (Graduation Certificate) प्रदान करना एक योगात्मक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उपलब्धि का प्रमाणीकरण करना होता है। नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation) का संबंध प्रमाण पत्र देने से न होकर अधिगम की निरंतर कठिनाइयों, भ्रांतियों और उनके अंतर्निहित कारणों की पहचान करने से होता है। अतः स्नातक प्रमाण पत्र योगात्मक वर्गीकरण के अंतर्गत आता है, नैदानिक के नहीं।

35. (D) विश्वसनीयता और वैधता (Reliability and Validity)
किसी भी योगात्मक मूल्यांकन उपकरण के न्यायसंगत, निष्पक्ष और अर्थपूर्ण होने के लिए उसमें उच्च स्तर की विश्वसनीयता (Reliability) और वैधता (Validity) का होना अनिवार्य है। वैधता यह सुनिश्चित करती है कि परीक्षण निर्धारित उद्देश्यों को ही मापता है, जबकि विश्वसनीयता विभिन्न अवसरो या मूल्यांकनकर्ताओं के बीच परिणामों की निरंतरता और स्थिरता की गारंटी देती है।

36. (C) योगात्मक से रचनात्मक में
जब परीक्षणों के परिणामों का उपयोग केवल ग्रेडिंग के लिए किया जाता है, तो वे योगात्मक होते हैं। यदि शिक्षक उन परिणामों से त्रुटियों का विश्लेषण करते हैं और अनुदेशात्मक सुधार के लिए प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं, तो वे रचनात्मक बन जाते हैं। अतः प्राचार्य शिक्षकों को अध्याय-अंत परीक्षणों का उपयोग केवल निर्णयात्मक योगात्मक रूप में करने के बजाय सुधारात्मक रचनात्मक रूप में बदलने का सुझाव देते हैं।

37. (C) वह अंतिम उद्देश्य (Ultimate Objective) जिसके लिए आकलन डेटा का उपयोग किया जाता है
रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन के बीच मौलिक अंतर उनके अंतिम उद्देश्य (Ultimate Objective) और डेटा के उपयोग में निहित है। रचनात्मक मूल्यांकन का उद्देश्य अधिगम प्रक्रिया के दौरान सुधार, निदान और सुधारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना है, जबकि योगात्मक मूल्यांकन का उद्देश्य अनुदेशन के अंत में उपलब्धि का मापन, ग्रेडिंग और औपचारिक प्रमाणन प्रदान करना होता है।

38. (D) योगात्मक मूल्यांकन, रचनात्मक मूल्यांकन की तुलना में व्यापक सामग्री को cover करता है।
सामग्री के दायरे (Scope of Content) के दृष्टिकोण से, योगात्मक मूल्यांकन में पूरे पाठ्यक्रम या विशाल इकाइयों को शामिल किया जाता है क्योंकि यह सत्र के अंत में होता है। इसके विपरीत, रचनात्मक मूल्यांकन छोटे शिक्षण खंडों, विशिष्ट उप-इकाइयों या दैनिक पाठों पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि तात्कालिक अधिगम अंतरालों की पहचान करके सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

39. (B) हाँ, यह इस बात पर निर्भर करता है कि परिणामों का उपयोग प्रतिक्रिया (Feedback) के लिए किया जाता है या ग्रेडिंग के लिए।
एक ही आकलन उपकरण का उपयोग रचनात्मक और योगात्मक दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। मूल्यांकन का स्वरूप इस बात से निर्धारित होता है कि प्राप्त परिणामों का उपयोग किस प्रकार किया जाता है। यदि परिणामों का उपयोग शिक्षण में सुधार और प्रतिक्रिया हेतु होता है तो वह रचनात्मक है, और यदि इसका उपयोग अंतिम अंक या प्रमाणन के लिए होता है तो वह योगात्मक है।

Downloaded from www.pdf.tube

दूसरे को रचनात्मक प्रतिक्रिया (Constructive Feedback) प्रदान करने की क्षमता विकसित करती है।

83. (B) यह महत्वपूर्ण सोच का निर्माण करता है और आकलन मानदंडों की समझ को गहरा करता है।
कक्षा में सहकर्मी आकलन को शामिल करने का एक महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक लाभ यह है कि यह शिक्षार्थियों में समालोचनात्मक सोच (Critical Thinking) को बढ़ावा देता है। जब छात्र दूसरों के काम का मूल्यांकन करते हैं, तो वे निर्धारित मानकों और रुब्रिक्स को गहराई से समझते हैं, जिससे वे अपने स्वयं के अधिगम और प्रदर्शन का अधिक प्रभावी ढंग से विश्लेषण करने योग्य बनते हैं।

84. (C) आकलन से पहले छात्रों के साथ स्पष्ट, वस्तुनिष्ठ स्कोरिंग रुब्रिक्स (Scoring Rubrics) का सह-निर्माण करें।
सहकर्मी आकलन में मित्रता या व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए शिक्षकों को गतिविधि से पहले छात्रों के साथ मिलकर स्पष्ट और वस्तुनिष्ठ स्कोरिंग रुब्रिक्स (Scoring Rubrics) का सह-निर्माण करना चाहिए। जब छात्रों के पास मूल्यांकन के लिए ठोस और स्पष्ट मानदंड होते हैं, तो वे भावनात्मक निर्णयों के बजाय साक्ष्य-आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने में सक्षम होते हैं।

85. (B) परासंज्ञान (Metacognition)
स्व-आकलन (Self-Assessment) का सीधा संबंध शिक्षार्थी के परासंज्ञान (Metacognition) अर्थात् "सोचने के बारे में सोचने" की क्षमता के विकास से है। जब छात्र अपनी अधिगम प्रक्रिया का स्वयं मूल्यांकन करते हैं, तो वे अपनी शक्तियों, कमजोरियों और समझ के अंतरालों का आत्म-विश्लेषण करते हैं। यह प्रक्रिया उन्हें स्वायत्त, आत्म-नियंत्रित और जागरूक शिक्षार्थी बनने में मदद करती है।

86. (C) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
स्व-आकलन (Self-Assessment) मुख्य रूप से "अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)" के मूल्यांकन प्रतिमान का एक अनिवार्य हिस्सा है। इसमें छात्र केवल मूल्यांकन का विषय न होकर स्वयं अपनी अधिगम प्रक्रिया के सक्रिय संचालक बनते हैं। वे अपनी प्रगति की निगरानी करते हैं, व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करते हैं और अपनी अध्ययन रणनीतियों में आवश्यकतानुसार निरंतर सुधार लाते हैं।

87. (B) चिंतनशील पत्रिकाएं (Reflective Journals), चेकलिस्ट और स्व-रेटिंग
छात्रों द्वारा स्व-आकलन को सुगम बनाने के लिए कई व्यावहारिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है। इनमें चिंतनशील पत्रिकाएं (Reflective Journals), जहाँ छात्र अपनी अधिगम यात्रा का विश्लेषण करते हैं, चेकलिस्ट्स (Checklists), और स्व-रेटिंग पैमाने (Self-rating Scales) शामिल हैं। ये उपकरण विद्यार्थियों को अपनी प्रगति को वस्तुनिष्ठ रूप से ट्रैक करने और स्वायत्त अधिगम विकसित करने में मदद करते हैं।

88. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
स्व-आकलन के लिए शिक्षकों द्वारा पूर्व प्रशिक्षण और स्कैफोल्डिंग (Scaffolding) की आवश्यकता होती है क्योंकि छात्रों के पास स्वाभाविक रूप से अपने प्रदर्शन का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने की क्षमता नहीं होती। उन्हें अपनी समझ का निष्पक्ष विश्लेषण करने के लिए स्पष्ट मानदंडों और स्व-विनियमन कौशलों का अभ्यास कराना पड़ता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा R सही व्याख्या है।

89. (D) छात्र के काम का एक लक्षित संग्रह जो प्रयासों, प्रगति और उपलब्धि को प्रदर्शित करता है।
पोर्टफोलियो आकलन (Portfolio Assessment) छात्र के प्रामाणिक कार्यों का एक सचेत, लक्षित और उद्देश्यपूर्ण संग्रह है। यह केवल यादृच्छिक कागजातों का ढेर न होकर समय की एक निश्चित अवधि में शिक्षार्थी के निरंतर प्रयासों, शैक्षणिक वृद्धि, संज्ञानात्मक विकास और विशिष्ट क्षेत्रों में अर्जित उपलब्धियों का व्यवस्थित साक्ष्य प्रस्तुत करने वाला एक प्रामाणिक मूल्यांकन उपकरण है।

90. (A) शामिल किए गए कार्यों पर छात्र का चिंतन (Student Reflection)
किसी पोर्टफोलियो को केवल एकत्र किए गए कार्यों के फ़ोल्डर से अलग करने वाला सबसे अनिवार्य घटक छात्र का चिंतन (Student Reflection) है। जब छात्र अपने चुने हुए कार्यों पर अपने विचार लिखते हैं—जैसे कि उन्होंने क्या सीखा, क्या चुनौतियां आईं और वे आगे क्या सुधार करेंगे—तो पोर्टफोलियो एक सार्थक, परासंज्ञानात्मक आकलन उपकरण में बदल जाता है।

91. (C) कार्यशील, प्रदर्शन, मूल्यांकन (Working, Showcase, Evaluation)
शैक्षणिक आकलनों में पोर्टफोलियो के तीन मुख्य प्रकारों का उपयोग किया जाता है: कार्यशील पोर्टफोलियो (Working Portfolio - दैनिक प्रगति और कच्चे कार्य हेतु), प्रदर्शन पोर्टफोलियो (Showcase Portfolio - सर्वोत्तम कृतियों को प्रदर्शित करने हेतु), और मूल्यांकन पोर्टफोलियो (Evaluation Portfolio - निर्धारित मानदंडों के आधार पर औपचारिक उपलब्धि और ग्रेडिंग का मापन करने हेतु)।

92. (B) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
"अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)" का प्रतिमान सामान्यतः योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) के समतुल्य माना जाता है। यह प्रक्रिया किसी अनुदेशात्मक इकाई या सत्र के अंत में यह मापने के लिए आयोजित की जाती है कि छात्रों ने निर्धारित शिक्षण मानकों को कितना प्राप्त किया है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रेड प्रदान करना, पदोन्नति देना और उपलब्धि का प्रमाणीकरण करना होता है।

93. (D) I, II, और III
तीनों आकलन प्रतिमान अपनी विशिष्ट भूमिका निभाते हैं। अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning) शिक्षण प्रक्रिया के दौरान सुधारात्मक प्रतिक्रिया हेतु होता है;

NODIA

यह है कि मूल्यांकन केवल किटैबी ज्ञान या शैक्षणिक (Scholastic) क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जीवन कौशल, सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, दृष्टिकोण और मूल्यों जैसे सह-शैक्षणिक (Co-scholastic) क्षेत्रों को भी समान महत्व देकर शामिल किया जाता है।

51. (B) FA = 40%, SA = 60%
पारंपरिक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) ढांचे के तहत शैक्षणिक सत्र में भारित वितरण (Weightage Distribution) को इस प्रकार विभाजित किया गया था कि रचनात्मक आकलन (Formative Assessment - FA) का कुल भार 40% (चार FA प्रत्येक 10%) और योगात्मक आकलन (Summative Assessment - SA) का कुल भार 60% (दो SA प्रत्येक 30%) निर्धारित किया गया था।

52. (A) भाषा, विज्ञान और गणित जैसे मुख्य अकादमिक विषय
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) के अंतर्गत शैक्षणिक (Scholastic) क्षेत्र मुख्य रूप से उन विषयों से संबंधित होते हैं जो शिक्षार्थी के संज्ञानात्मक विकास (Cognitive Development) को लक्षित करते हैं। इसमें भाषाएं, गणित, सामान्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण अध्ययन जैसे मुख्य अकादमिक पाठ्यक्रम विषय शामिल होते हैं, जिनका मूल्यांकन लिखित और मौखिक दोनों माध्यमों से किया जाता है।

53. (D) I, II, और III
CCE ढांचे के तहत शैक्षणिक (Scholastic) क्षेत्रों का मूल्यांकन करने के लिए विविध उपकरणों और तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसमें असाइनमेंट, प्रोजेक्ट्स, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद जैसी रचनात्मक तकनीकें शामिल हैं जो सतत समझ को मानती हैं, साथ ही सत्र-अंत की लिखित परीक्षाएं भी शामिल हैं जो अंतस्थ ज्ञान और उपलब्धि का आकलन करने में मदद करती हैं।

54. (B) A1 से E2
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) के तहत शैक्षणिक विषयों के मूल्यांकन के लिए एक मानक नौ-बिंदु निरपेक्ष ग्रेडिंग पैमाने (Nine-point Absolute Grading Scale) का उपयोग किया जाता था। इस पैमाने में उच्चतम प्रदर्शन स्तर को 'A1' से निरूपित किया जाता था, जिसके बाद घटते क्रम में A2, B1, B2, C1, C2, D, E1 और अंतिम न्यूनतम स्तर 'E2' तक ग्रेड दिए जाते थे।

55. (C) D
शैक्षणिक विषयों के लिए प्रयुक्त मानक नौ-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने (A1 से E2) में, न्यूनतम अर्हता ग्रेड (Qualifying Grade) 'D' निर्धारित किया गया था। अंक प्रतिशत के रूप में यह 33% से 40% की सीमा के अंतर्गत आता था। 'E1' और 'E2' प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शैक्षणिक सुधार या पुन: प्रयास की आवश्यकता श्रेणी में रखा जाता था।

56. (C) जीवन कौशल, मनोवृत्तियां और मूल्य (Life Skills, Attitudes, and Values)
CCE के "सह-शैक्षणिक (Co-scholastic)" क्षेत्र का उद्देश्य छात्र के भावात्मक (Affective) और मनोप्रेरणात्मक (Psychomotor) विकास का आकलन करना है। इसमें जीवन कौशल (स्व-जागरूकता, समालोचनात्मक चिंतन), शिक्षकों, साथियों और पर्यावरण के प्रति सकारात्मक मनोवृत्तियां (Attitudes) तथा मानवीय मूल्य शामिल हैं। ये तत्व अकादमिक विषयों से अलग शिक्षार्थी के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने में सहायक होते हैं।

57. (B) 5-बिंदु पैमाना (5-point scale)
CCE ढांचे के अंतर्गत सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (Co-scholastic Areas) जैसे जीवन कौशल, कार्य शिक्षा, कला शिक्षा तथा दृष्टिकोण और मूल्यों का आकलन 5-बिंदु पैमाने (5-point Scale) पर किया जाता था। इस पैमाने में ग्रेड A, B, C, D और E शामिल थे। इसका उपयोग विद्यार्थियों के व्यवहारगत और गुणात्मक पहलुओं का व्यवस्थित मूल्यांकन करने के लिए किया जाता था।

58. (D) चिंतनशील, सामाजिक और भावनात्मक कौशल (Thinking, Social, and Emotional Skills)
CCE के सह-शैक्षणिक क्षेत्र में "जीवन कौशल (Life Skills)" का आकलन मुख्य रूप से तीन व्यापक आयामों पर केंद्रित था: चिंतनशील कौशल (Thinking Skills - जैसे समस्या समाधान और निर्णय लेना), सामाजिक कौशल (Social Skills - जैसे प्रभावी संचार और सहानुभूति), तथा भावनात्मक कौशल (Emotional Skills - जैसे तनाव और संवेगों का प्रबंधन)। ये कौशल व्यक्तिगत विकास हेतु आवश्यक हैं।

59. (D) I, II, III, और IV
CCE के तहत सह-शैक्षणिक (Co-scholastic) क्षेत्र में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास से जुड़े बहुआयामी घटकों को शामिल किया गया है। इसमें दृश्य और प्रदर्शन कलाएं, कार्य शिक्षा, शिक्षकों, सहपाठियों तथा स्कूल संपत्ति के प्रति सकारात्मक मनोवृत्तियां, और स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा गतिविधियां शामिल हैं। ये सभी घटक छात्र के भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक पहलुओं का आकलन करते हैं।

60. (B) उपाख्यानात्मक अभिलेख और अवलोकन अनुसूचियां (Anecdotal Records and Observation Schedules)
शिक्षार्थियों की मनोवृत्तियों, व्यवहारगत परिवर्तनों और मूल्यों का समय के साथ स्वाभाविक संदर्भों में आकलन करने के लिए गुणात्मक उपकरण सबसे उपयुक्त होते हैं। उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Records) विशिष्ट घटनाओं के संक्षिप्त विवरण दर्ज करते हैं और अवलोकन अनुसूचियां (Observation Schedules) नियमित व्यवहार को ट्रैक करती हैं। ये दोनों उपकरण सह-शैक्षणिक मूल्यांकन के लिए अत्यधिक प्रामाणिक डेटा प्रदान करते हैं।

61. (A) पूर्व-निर्धारित अंकों की सीमाओं पर आधारित निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading)
CCE प्रणाली में शैक्षणिक विषयों के मूल्यांकन हेतु निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) प्रणाली को अपनाया गया था। इसमें पूर्व-निर्धारित अंक सीमाओं के आधार पर छात्रों को ग्रेड (जैसे 91-100% के लिए A1) आवंटित किए जाते थे। यह

Click Here to Buy book on Amazon

करके उच्च-स्तरीय सोच और विश्लेषणात्मक क्षमताओं का आकलन करना है।

104. (B) पूरक परीक्षा (Supplementary Examination)
सहानुभूतिमूलक और सकारात्मक आकलन नीतियों के तहत अद्यतन शैक्षिक शब्दावली में नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए 'कंपार्टमेंट' या 'अनुत्तीर्ण' जैसे शब्दों के स्थान पर आधिकारिक रूप से "पूरक परीक्षा (Supplementary Examination)" शब्द का उपयोग किया जाता है। यह नामकरण छात्रों को बिना किसी सामाजिक कलंक के अपने शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करने का एक सुधारात्मक अवसर प्रदान करता है।

105. (C) तथ्यात्मक स्मरण के बजाय विश्लेषण और अनुप्रयोग जैसी उच्च-स्तरीय सोच का आकलन करना।
ओपन टेक्स्ट बेस्ड असेसमेंट (OTBA) पहलों का प्राथमिक उद्देश्य पाठ्यपुस्तक के तथ्यों को केवल याद करने और दोहराने की परंपरा को समाप्त करना है। इसके माध्यम से शिक्षार्थियों में दी गई अध्ययन सामग्री का विश्लेषण करने, सूचना का संश्लेषण करने, और अपरिचित संदर्भों में ज्ञान को लागू करने जैसी ब्लूम के वर्गीकरण की उच्च-स्तरीय सोच क्षमताओं का आकलन किया जाता है।

106. (B) अनुप्रयोग, संश्लेषण और महत्वपूर्ण सोच (Application, Synthesis, and Critical Thinking)
ओपन बुक परीक्षा में छात्र संदर्भ सामग्री देख सकते हैं, इसलिए ऐसे प्रश्नों का कोई औचित्य नहीं होता जिन्हें सीधे नकल करके लिखा जा सके। इसके प्रश्नों को विशेष रूप से इस प्रकार अभिकल्पित किया जाता है कि वे शिक्षार्थी की अनुप्रयोग क्षमता, सूचना के संश्लेषण, समालोचनात्मक चिंतन और जटिल समस्याओं के समाधान खोजने की योग्यता का परीक्षण कर सकें।

107. (A) स्मरण वाले प्रश्नों के बजाय जटिल, नए परिदृश्य-आधारित प्रश्नों का निर्माण करना।
ओपन बुक परीक्षा का निर्माण करने में सबसे बड़ी शैक्षणिक चुनौती ऐसे गुणवत्तापूर्ण प्रश्नों को तैयार करना है जो सीधे पाठ्यपुस्तक से नकल न किए जा सकें। इसके लिए परीक्षण निर्माताओं को साधारण स्मरणात्मक प्रश्नों के स्थान पर जटिल, नए परिदृश्य-आधारित (Scenario-based) और विश्लेषणात्मक प्रश्न विकसित करने पड़ते हैं, जिनमें ज्ञान का व्यावहारिक प्रयोग अनिवार्य हो।

108. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
ओपन बुक परीक्षाओं में संदर्भ सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद यह स्वतः उच्च अंकों की गारंटी नहीं देती, क्योंकि प्रश्न सीधे तथ्यात्मक न होकर विश्लेषणात्मक होते हैं। इन परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए केवल जानकारी खोजना पर्याप्त नहीं है, बल्कि गहरी संप्रत्ययात्मक समझ और अनुप्रयोग क्षमता की आवश्यकता होती है। अतः अभिकथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

109. (B) वास्तविक दुनिया के संदर्भों में अर्जित ज्ञान, कौशल और मनोवृत्तियों को लागू करने पर।
योग्यता-आधारित आकलन (Competency-Based Assessment) मुख्य रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि शिक्षार्थी वास्तविक दुनिया के विविध संदर्भों में अपने अर्जित ज्ञान, व्यावहारिक कौशलों और मनोवृत्तियों का कितना प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सकता है। यह केवल इस बात की जांच नहीं करता कि छात्र क्या जानता है, बल्कि इस बात को मापता है कि वह क्या कर सकता है।

110. (A) निपुण भारत (NIPUN Bharat)
शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया 'निपुण भारत' (NIPUN Bharat) मिशन प्राथमिक कक्षाओं में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल और आकलन ढांचे के रूप में कार्य करता है। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा कक्षा 3 तक अनिवार्य रूप से मूलभूत पठन और गणितीय दक्षता हासिल करे।

111. (B) Structured Assessment for Analyzing Learning
SAFAL (सफल) सीबीएसई द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख योग्यता-आधारित आकलन पहल है, जिसका पूर्ण रूप "Structured Assessment for Analyzing Learning" है। यह मुख्य चरणों (कक्षा 3, 5, और 8) पर छात्रों की मूलभूत योग्यताओं, संप्रत्ययात्मक समझ और उच्च-स्तरीय चिंतन कौशलों के विकास का निष्पक्ष आकलन करने के लिए एक नैदानिक उपकरण के रूप में कार्य करता है।

NODIA

112. (B) कक्षा 3, 5, और 8
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के तहत 'SAFAL' जैसी मुख्य चरण आकलनों (Key Stage Assessments) को स्कूली शिक्षा के महत्वपूर्ण पड़ावों पर आयोजित करने का प्रस्ताव है। ये परीक्षाएं कक्षा 3 (बुनियादी चरण का अंत), कक्षा 5 (प्रारंभिक चरण का अंत), और कक्षा 8 (मध्य चरण का अंत) में आयोजित की जाती हैं ताकि शैक्षणिक प्रणाली की प्रगति की निगरानी की जा सके।

113. (A) केवल I और II
योग्यता-आधारित आकलन अत्यधिक मानदंड-संदर्भित (Criterion-Referenced) होता है और यह वास्तविक जीवन के प्रामाणिक कार्यों तथा समस्या समाधान पर बल देता है। यह छात्रों को नियमित सुधारात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए रचनात्मक प्रतिक्रिया पर अत्यधिक निर्भर रहता है, इसलिए यह रचनात्मक प्रतिक्रिया की उपेक्षा नहीं करता बल्कि उसका सक्रिय उपयोग करता है।

114. (B) आकलन के लिए मानदंडों और गुणवत्ता स्तरों का विवरण देने वाली एक स्कोरिंग गाइड (Scoring Guide)
मूल्यांकन के संदर्भ में "रुब्रिक (Rubric)" एक सुव्यवस्थित स्कोरिंग गाइड (Scoring Guide) है जिसका उपयोग छात्र निष्पादन का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने के लिए किया जाता

72. (B) इसने शिक्षण की कीमत पर शिक्षक के कार्यभार और कागजी कार्रवाई को बढ़ा दिया।
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) के व्यावहारिक कार्यान्वयन में एक प्रमुख आलोचना यह थी कि इसने व्यापक अभिलेखों, चेकलिस्टों और रिपोर्टों के रखरखाव के कारण शिक्षकों के प्रशासनिक कार्यभार और कागजी कार्रवाई को अत्यधिक बढ़ा दिया। इसके परिणामस्वरूप शिक्षकों का प्राथमिक ध्यान वास्तविक कक्षा शिक्षण से हटकर डेटा दर्ज करने और कागजात तैयार करने पर केंद्रित हो गया।

73. (D) I, II, और III
सतत मूल्यांकन के कार्यान्वयन में कई व्यावहारिक चुनौतियाँ आईं। इनमें रचनात्मक आकलनों हेतु शिक्षकों में पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव, अत्यधिक छात्र-शिक्षक अनुपात जिसके कारण व्यक्तिगत अवलोकन कठिन हो गया, तथा प्रोजेक्ट कार्यों का व्यावसायीकरण शामिल था जहाँ छात्र स्वयं कार्य करने के बजाय बाज़ार से बने बनाए प्रोजेक्ट खरीदने लगे थे। ये सभी गंभीर व्यावहारिक बाधाएं थीं।

74. (C) नियमित, रचनात्मक और योग्यता-आधारित आकलन (Competency-Based Assessment)।
आधुनिक राष्ट्रीय शिक्षा नीतियां (जैसे NEP 2020) मूल्यांकन प्रणालियों को पारंपरिक रटने-आधारित अंतस्थ परीक्षाओं से हटाकर नियमित, रचनात्मक और योग्यता-आधारित आकलन (Competency-Based Assessment) की ओर ले जाने पर जोर देती हैं। इस दिशा का उद्देश्य शिक्षार्थियों में उच्च-स्तरीय सोच कौशल, समालोचनात्मक विश्लेषण और ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग की क्षमता को मापना और विकसित करना है।

75. (B) परख (PARAKH)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भारत में शिक्षार्थियों के अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) की निगरानी, मानक-निर्धारण और मूल्यांकन दिशानिर्देश तैयार करने हेतु 'परख (PARAKH)' नामक एक राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र की स्थापना की गई है। यह केंद्र देश भर के विभिन्न शिक्षा बोर्डों के बीच मूल्यांकन मानदंडों में एकरूपता और समानता लाने का कार्य करता है।

76. (A) एक समग्र, 360-डिग्री प्रगति कार्ड (Holistic, 360-degree Progress Card - HPC)
प्रगतिशील शैक्षिक दिशानिर्देशों के अनुरूप रिपोर्ट कार्डों को पुनः अभिकल्पित किया जा रहा है ताकि वे केवल अंकों का विवरण न देकर एक समग्र, 360-डिग्री प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) बन सकें। यह नया प्रारूप छात्र के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक विकास का बहुआयामी विवरण प्रस्तुत करता है और उसमें स्व तथा सहकर्मी आकलन भी शामिल होता है।

77. (C) संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्र (Cognitive, Affective, and Psychomotor Domains)
समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) बाल विकास के सभी प्रमुख पहलों का एक व्यापक विवरण प्रस्तुत करता है। यह शिक्षार्थी के संज्ञानात्मक (Cognitive - बौद्धिक क्षमता), भावात्मक (Affective - दृष्टिकोण, मूल्य और भावनाएं) तथा मनोप्रेरणा (Psychomotor - शारीरिक कौशल और गतिविधियां) तीनों क्षेत्रों में हुई प्रगति और उपलब्धियों को समाहित करता है।

78. (B) स्व, सहकर्मी और शिक्षक आकलन (Self, Peer, and Teacher Assessment) का समावेश
छात्र मूल्यांकन के संदर्भ में "360-डिग्री आकलन (360-degree Assessment)" का तात्पर्य एक बहु-स्रोत मूल्यांकन प्रक्रिया से है। इसमें केवल शिक्षक द्वारा किया जाने वाला पारंपरिक मूल्यांकन ही शामिल नहीं होता, बल्कि छात्र का स्व-आकलन (Self-Assessment), उसके सहपाठियों द्वारा सहकर्मी आकलन (Peer Assessment) और अभिभावकों का इनपुट भी शामिल होता है ताकि सर्वांगीण दृष्टिकोण मिल सके।

79. (A) केवल I और II
समग्र प्रगति कार्ड (HPC) समय के साथ छात्र की सर्वांगीण वृद्धि को ट्रैक करता है और घर तथा स्कूल के बीच एक सशक्त संवादात्मक कड़ी का निर्माण करता है। यह अभिभावकों को प्रक्रिया में सक्रिय रुप से शामिल करता है और केवल अंतस्थ परीक्षाओं तक सीमित रहने के बजाय छात्र के निरंतर और बहुआयामी विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

80. (B) कॉर्पोरेट मानव संसाधन (Corporate Human Resources)
360-डिग्री प्रतिक्रिया (360-degree Feedback) की अवधारणा मूल रुप से कॉर्पोरेट मानव संसाधन (Corporate Human Resources) और संगठनात्मक प्रबंधन के क्षेत्र से उभरी है। वहां इसका उपयोग कर्मचारियों के प्रदर्शन का बहु-स्तरीय (अधीनस्थों, समकक्षों और पर्यवेक्षकों द्वारा) मूल्यांकन करने के लिए किया जाता था। बाद में इस समग्र दृष्टिकोण को शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षार्थियों के व्यापक मूल्यांकन हेतु अपनाया गया।

81. (B) यह सुनिश्चित करना कि सहकर्मी और स्व-आकलन वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष हों।
360-डिग्री आकलन को स्कूल परिवेश में लागू करने में एक मुख्य व्यावहारिक चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि सहकर्मी और स्व-आकलन वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष और पूर्वाग्रह-मुक्त हों। अक्सर छात्र व्यक्तिगत मित्रता, सामाजिक संबंधों या आत्म-मूल्यांकन के अनुभव की कमी के कारण अत्यधिक उदार या कठोर हो जाते हैं, जिससे मूल्यांकन की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

82. (B) छात्र स्पष्ट मानदंडों के आधार पर सहपाठियों के काम का मूल्यांकन करते हैं।
सहकर्मी आकलन (Peer Assessment) एक ऐसी सहयोगी प्रक्रिया है जिसमें छात्र पूर्व-निर्धारित और स्पष्ट मानदंडों या रुब्रिक्स के आधार पर अपने सहपाठियों या साथियों के कार्य, परियोजनाओं या प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हैं। यह प्रक्रिया शिक्षार्थियों में विश्लेषणात्मक कौशल, वस्तुनिष्ठता और एक-

Downloaded from www.pdf.tube

40. (D) उच्च-जोखिम वाले अंतस्थ मूल्यांकन (High-Stakes Terminal Evaluation) में
मानक-संदर्भित व्याख्या (Norm-Referenced Interpretation) का उपयोग मुख्य रूप से उच्च-जोखिम वाले अंतस्थ मूल्यांकन (High-Stakes Terminal Evaluation) और प्रतियोगी परीक्षाओं में होता है। इस व्याख्या में किसी शिक्षार्थी के निष्पादन की तुलना एक परिभाषित मानक समूह (Norm Group) के अन्य शिक्षार्थियों के निष्पादन से की जाती है, ताकि तुलनात्मक रैंकिंग, पर्सेंटाइल स्थान और प्रमाणीकरण का निर्धारण किया जा सके।

41. (C) रचनात्मक मूल्यांकन प्रगति की जांच करता है, जबकि नैदानिक मूल्यांकन निरंतर अधिगम कठिनाइयों और अंतर्निहित कारणों को सटीक रूप से रेखांकित करता है।
रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षण-अधिगम के दौरान सामान्य प्रगति की निगरानी करता है और तात्कालिक प्रतिक्रिया देता है। दूसरी ओर, नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Evaluation) तब लागू किया जाता है जब छात्र बार-बार प्रयास के बावजूद अधिगम में कठिनाई का सामना करते हैं। यह निरंतर आ रही समस्याओं के मूल कारणों, विशिष्ट भ्रांतियों और अंतर्निहित कमियों का गहराई से विश्लेषण करके उनका सटीक रेखांकन करता है।

42. (D) लक्षित उपचारात्मक सहायता (Targeted Remedial Support) लागू करना
नैदानिक मूल्यांकन का प्राथमिक शैक्षणिक उद्देश्य केवल कमियों को उजागर करना नहीं, बल्कि उनके समाधान का मार्ग प्रशस्त करना है। जब यह मूल्यांकन विशिष्ट अधिगम बाधाओं को प्रकट करता है, तो सबसे उपयुक्त अगली कार्रवाई लक्षित उपचारात्मक सहायता (Targeted Remedial Support) प्रदान करना है। इसमें सुधारात्मक शिक्षण विधियों और अनुकूलित रणनीतियों के माध्यम से छात्र की कमियों को दूर किया जाता है।

43. (B) विस्तृत, विश्लेषणात्मक और नैदानिक
नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Tests) मानक रचनात्मक परीक्षणों की तुलना में अधिक विस्तृत, विश्लेषणात्मक और विशिष्ट होते हैं। इन्हें इस प्रकार अभिकल्पित किया जाता है कि ये किसी विषय या कौशल के सूक्ष्म घटकों में छात्र की विशिष्ट कमजोरियों को अलग-अलग चिन्हित कर सकें। इनकी संरचना गहराई से छानबीन करने वाली होती है ताकि अधिगम में आ रही रुकावटों का सटीक कारण खोजा जा सके।

44. (C) बुनियादी संख्यात्मक कमियों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक नैदानिक परीक्षण
जब कोई छात्र निरंतर रचनात्मक प्रतिक्रिया और शिक्षण के बाद भी किसी विशिष्ट अवधारणा को समझने में असमर्थ रहता है, तो साधारण आकलन पर्याप्त नहीं होते। ऐसी स्थिति में शिक्षक को बुनियादी कमियों पर ध्यान केंद्रित करने वाले नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test) का उपयोग करना चाहिए। यह परीक्षण छात्र के पूर्व-ज्ञान और गणितीय सोच में छिपी मूलभूत रुकावटों का सटीक पता लगाता है।

45. (B) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) लागू करना
राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों में छात्रों के समग्र विकास और निरंतर प्रगति की ट्रैकिंग हेतु सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) को एक प्रमुख सुधार के रूप में पेश किया गया। इसका उद्देश्य केवल अंतस्थ परीक्षाओं पर निर्भरता समाप्त करके शिक्षण प्रक्रिया के साथ-साथ सतत आकलन करना और संज्ञानात्मक तथा गैर-संज्ञानात्मक दोनों क्षेत्रों का सर्वांगीण मूल्यांकन सुनिश्चित करना था।

46. (C) शिक्षा का अधिकार अधिनियम (Right to Education Act - RTE), 2009
भारत के प्रारंभिक विद्यालयों में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) को अनिवार्य बनाने का वैधानिक ढांचा शिक्षा का अधिकार अधिनियम (Right to Education Act - RTE), 2009 की धारा 29(2) द्वारा प्रदान किया गया। इस अधिनियम ने निर्देश दिया कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक बच्चों का तनावमुक्त, बाल-केंद्रित और सर्वांगीण मूल्यांकन सतत रूप से किया जाना चाहिए।

47. (D) रटने की प्रवृत्ति को कम करना और विकास का समग्र रूप से आकलन करना
पाठ्यक्रम ढांचों में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य रटने की प्रवृत्ति (Rote Learning) को हतोत्साहित करना है। यह प्रणाली केवल परीक्षा- केंद्रित अध्ययन के स्थान पर बाल-केंद्रित अधिगम को बढ़ावा देती है। इसके माध्यम से शिक्षार्थी के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक पहलुओं को शामिल करते हुए व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का व्यवस्थित आकलन किया जाता है।

NODIA

48. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act) 2009 भय और तनावमुक्त वातावरण में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन को अनिवार्य बनाता है। इसका वैधानिक आधार यह है कि शैक्षणिक अधिकारियों को बच्चे की ज्ञान निर्माण क्षमता, समझ और उसे व्यावहारिक जीवन में लागू करने की योग्यता का निरंतर आकलन करना चाहिए। अतः कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

49. (A) आकलन, निदान और निरंतर प्रतिक्रिया की नियमितता
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) में "सतत (Continuous)" शब्द का तात्पर्य आकलन की नियमितता (Regularity) से है। इसका अर्थ है कि मूल्यांकन केवल सत्र के अंत में न होकर पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान निरंतर चलता रहता है। इसमें अधिगम अंतरालों का बार-बार निदान, तत्काल सुधारात्मक प्रतिक्रिया और निरंतर सुधारात्मक अनुदेशन शामिल है ताकि छात्र की अधिगम प्रगति सुचारु रहे।

50. (B) छात्र के विकास के शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों को कवर करने वाला आकलन
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) में "व्यापक (Comprehensive)" शब्द छात्र के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के आकलन को निरुपित करता है। इसका तात्पर्य

अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning) छात्र की परासंज्ञानात्मक (Metacognitive) और स्व-नियमन प्रक्रियाओं को विकसित करता है; तथा अधिगम का आकलन (Assessment of Learning) अंत में प्रमाणीकरण और ग्रेडिंग हेतु उपयोग किया जाता है।

94. (D) अधिगम का आकलन - पाठ योजना के दौरान रचनात्मक समायोजन
पाठ योजना के दौरान रचनात्मक समायोजन करना "अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning)" के अंतर्गत आता है, क्योंकि इसका उद्देश्य शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में सुधार करना है। "अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)" सत्र के अंत में उपलब्धि मापने और ग्रेडिंग से संबंधित होता है। इसलिए पाठ योजना का सुधारात्मक समायोजन अधिगम के आकलन से मेल नहीं खाता।

95. (C) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
जब शिक्षिका छात्रों को स्वयं अपने अधिगम लक्ष्य निर्धारित करना, अपनी प्रगति की निगरानी करना और अपनी अध्ययन रणनीतियों में समायोजन करना सिखाती है, तो वह "अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)" को बढ़ावा दे रही होती है। यह प्रक्रिया शिक्षार्थियों में परासंज्ञान (Metacognition) और स्वायत्त अधिगम क्षमता को मजबूत करती है, जहाँ छात्र स्वयं अपने आकलनकर्ता बनते हैं।

96. (C) आंतरिक शिक्षक-नेतृत्व वाला आकलन (Internal Teacher-led Assessment)
आंतरिक शिक्षक-नेतृत्व वाला आकलन (Internal Teacher-led Assessment) शिक्षक के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह (Teacher Bias), हेलो प्रभाव (Halo Effect), तथा उदारता या कठोरता की त्रुटियों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसमें मूल्यांकनकर्ता छात्र की पृष्ठभूमि और पिछले व्यवहार से परिचित होता है, जिससे अंकन में विषयपरकता और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं का प्रभाव आ सकता है।

97. (B) परिचित माहौल में लगातार कौशलों की एक विस्तृत श्रृंखला का मूल्यांकन करता है।
आंतरिक या स्कूल-आधारित आकलन (School-Based Assessment) का प्राथमिक लाभ यह है कि यह छात्रों के लिए परिचित और तनावमुक्त वातावरण में आयोजित होता है। इसके माध्यम से केवल एक दिन की लिखित परीक्षा के स्थान पर लंबी अवधि तक विविध परिस्थितियों में शिक्षार्थी की व्यावहारिक, सामाजिक और शैक्षणिक कौशलों की विस्तृत श्रृंखला का लगातार और प्रामाणिक मूल्यांकन संभव हो पाता है।

98. (B) मॉडरेशन (Moderation)
आंतरिक आकलनों में शिक्षकों द्वारा दिए गए अत्यधिक या बढ़ाकर दिए गए अंकों (Inflated Grades) तथा विभिन्न स्कूलों या मूल्यांकनकर्ताओं के बीच अंकन में आंसिक विषमता को नियंत्रित करने के लिए परीक्षा निकाय मॉडरेशन (Moderation) प्रक्रिया का उपयोग करते हैं। यह सांख्यिकीय और विश्लेषणात्मक प्रक्रिया विभिन्न संस्थानों के बीच मूल्यांकन मानकों में संतुलन, निष्पक्षता और एकरूपता स्थापित करती है।

99. (B) I, II, और IV
विशुद्ध रूप से बाहरी परीक्षा प्रणालियों की मुख्य कमियों में केवल परीक्षा के लिए पढ़ाने (Teaching to the test) की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, छात्रों में उच्च परीक्षा तनाव पैदा करना, और निरंतर अधिगम के बजाय एक ही दिन के प्रदर्शन का सीमित चित्र प्रस्तुत करना शामिल है। ये प्रणालियां सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का व्यापक मूल्यांकन करने में पूरी तरह असमर्थ रहती हैं।

100. (B) 80 अंक सिद्धांत - 20 अंक आंतरिक
मानक माध्यमिक विद्यालय बोर्ड मूल्यांकन पैटर्न (जैसे सीबीएसई) में, कुल 100 अंकों के मूल्यांकन में से आमतौर पर 80 अंक अंतिम वार्षिक बोर्ड परीक्षा (सैद्धांतिक) के लिए और 20 अंक स्कूल-आधारित आंतरिक आकलन (Internal Assessment) के लिए आवंटित किए जाते हैं। यह 80-20 का भारित वितरण बाह्य प्रामाणिकता और सतत आंतरिक मूल्यांकन का संतुलन बनाता है।

101. (D) ओपन बुक बोर्ड परीक्षा (Open Book Board Examination)
मानक 20-अंकों के आंतरिक आकलन ढांचे में आमतौर पर चार मुख्य घटक शामिल होते हैं: आवधिक पेन-पेपर टेस्ट, बहुविध आकलन (प्रश्नोत्तरी, मौखिक परीक्षण), पोर्टफोलियो, और विषय संवर्धन गतिविधियां (व्यावहारिक कार्य/प्रोजेक्ट)। ओपन बुक बोर्ड परीक्षा (Open Book Board Examination) एक पृथक परीक्षा प्रारूप है, जिसे 20-अंकों वाले नियमित आंतरिक आकलन के घटक के रूप में शामिल नहीं किया जाता है।

102. (B) योग्यता-आधारित एकीकृत प्रश्न (MCQ और केस स्टडीज़)
योग्यताओं पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए परीक्षा बोर्डों ने अंतिम परीक्षाओं में रटने पर आधारित पारंपरिक प्रश्नों का भार घटाकर योग्यता-आधारित एकीकृत प्रश्नों (MCQs, केस स्टडीज, स्रोत-आधारित प्रश्न) का भार लगातार बढ़ाया है। ये प्रश्न छात्रों की संप्रत्ययात्मक समझ, वास्तविक परिस्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग और समालोचनात्मक चिंतन क्षमता का परीक्षण करते हैं।

103. (C) 50%
आधुनिक योग्यता-केंद्रित माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षा ढांचों (जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सीबीएसई) में प्रश्न पत्रों में योग्यता-आधारित प्रश्नों (Competency-Based Questions) का लक्षित भारित (Target Weightage) बढ़ाकर 50% तक निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य रटने की परिपाटी को पूरी तरह समाप्त

Click Here to Buy book on Flipkart

व्यवस्था छात्रों के बीच अस्वास्थ्यकर तुलना और प्रतिस्पर्धा को समाप्त करके उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन स्तर को दर्शाने के लिए लागू की गई थी।

62. (C) 91 - 100
मानक नौ-बिंदु शैक्षणिक निरपेक्ष ग्रेडिंग पैमाने पर, उच्चतम ग्रेड 'A1' उन विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है जो किसी विषय में 91 से 100 प्रतिशत अंक सीमा हासिल करते हैं। यह अंक सीमा विषय सामग्री पर उत्कृष्ट महारत और असाधारण प्रदर्शन को दर्शाती है। इसका ग्रेड बिंदु मान (Grade Point Value) 10.0 निर्धारित किया गया है।

63. (B) सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उच्च उपलब्धि
समग्र मूल्यांकन योजनाओं (CCE) में यह विशेष प्रावधान था कि यदि कोई छात्र जीवन कौशल, कला शिक्षा, कार्य शिक्षा या खेलकूद जैसे सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (Co-scholastic Areas) में उच्च ग्रेड प्राप्त करता था, तो उसके शैक्षणिक विषयों के ग्रेड को अपग्रेड (Upgradation) करने का प्रोत्साहन दिया जाता था। इसका उद्देश्य सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को प्रोत्साहित करना था।

64. (B) 9.5
भारतीय माध्यमिक शिक्षा मूल्यांकन प्रणालियों (जैसे सीबीएसई) में संचयी ग्रेड बिंदु औसत (Cumulative Grade Point Average - CGPA) को सांकेतिक प्रतिशत (Indicative Percentage) में बदलने के लिए मानक कनवर्टर गुणांक 9.5 का उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी छात्र का CGPA 8.0 है, तो उसका अनुमानित प्रतिशत $8.0 \times 9.5 = 76\%$ माना जाता है।

65. (A) छात्रों के तनाव और अस्वास्थ्यकर शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को कम करना
पारंपरिक अंक प्रणाली के स्थान पर निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली शुरू करने का मुख्य शैक्षणिक तर्क छात्रों में अंकों को लेकर उत्पन्न होने वाले अत्यधिक मानसिक तनाव, परीक्षा भय और अस्वास्थ्यकर शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को कम करना था। यह प्रणाली शिक्षार्थियों के बीच मामूली अंतर के आधार पर उनका सार्वजनिक वर्गीकरण करने के बजाय व्यापक प्रदर्शन श्रेणियों को प्राथमिकता देती है।

66. (B) स्कूल प्राचार्य / संस्था प्रमुख (School Principal / Head of Institution)
स्कूल स्तर पर सतत और व्यापक मूल्यांकन के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संस्था प्रमुख या स्कूल प्राचार्य (School Principal) प्राथमिक शैक्षणिक नेता (Pedagogical Leader) के रूप में कार्य करते हैं। वे शिक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, मूल्यांकन अनुसूची का समन्वय करते हैं, रिकॉर्डों का सत्यापन करते हैं और संस्था में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-अधिगम वातावरण बनाए रखते हैं।

67. (B) समझाएं कि पोर्टफोलियो जानबूझकर छात्र के काम को उसके प्रयासों, प्रगति और उपलब्धियों को दिखाने के लिए एकत्र करता है।
एक शैक्षणिक नेता के रूप में प्राचार्य को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पोर्टफोलियो केवल कागजी कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह छात्र के प्रामाणिक कार्यों का एक सचेत और व्यवस्थित संग्रह है। यह समय के साथ छात्र के प्रयासों, व्यक्तिगत प्रगति और विविध उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है। यह उपकरण अधिगम के साक्ष्य प्रस्तुत करके रचनात्मक मूल्यांकन को सशक्त बनाता है।

68. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
जब एक ही कक्षा या स्तर को विभिन्न शिक्षकों द्वारा पढ़ाया और आकलित किया जाता है, तो मूल्यांकनकर्ता की व्यक्तिगत विषयपरकता के कारण अंकों में अंतर आ सकता है। इसलिए अंकों या ग्रेडों का मॉडरेशन (Moderation) आवश्यक होता है ताकि मूल्यांकन मानकों में समानता, निष्पक्षता और एकरूपता बनी रहे। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और कारण सही व्याख्या है।

69. (C) उन्हें अतिरिक्त समय, लेखक (Scribe) और अनुकूलित उपकरण जैसे विशिष्ट समायोजन (Accommodations) प्राप्त होते हैं।
समावेशी मूल्यांकन दिशानिर्देशों के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए विशिष्ट अनुकूलन और समायोजन (Accommodations) का प्रावधान किया जाता है। इसके अंतर्गत उन्हें परीक्षाओं में अतिरिक्त समय, लेखक (Scribe) की सुविधा, सहायक तकनीकें और अनुकूलित प्रश्न पत्र या स्कोरिंग रुब्रिक्स प्रदान किए जाते हैं ताकि वे अपनी क्षमताओं का बिना किसी बाधा के निष्पक्ष प्रदर्शन कर सकें।

NODIA

70. (B) गैर-संज्ञानात्मक क्षेत्रों में अव्यक्त (Latent) छात्र प्रतिभाओं की पहचान करना
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का एक बड़ा लाभ यह है कि यह केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर गैर-संज्ञानात्मक और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (जैसे कला, खेल, नेतृत्व, जीवन कौशल) में छात्र की अव्यक्त (Latent) प्रतिभाओं की पहचान करने में मदद करता है। यह दृष्टिकोण प्रत्येक शिक्षार्थी की अद्वितीय क्षमताओं को उजागर करके उनके सर्वांगीण विकास का अवसर प्रदान करता है।

71. (B) रटकर सीखने से योग्यता-आधारित समझ (Competency-Based Understanding) की ओर
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के माध्यम से लगातार आकलन करने से शिक्षण-अधिगम का केंद्र बिंदु बदलता है। यह प्रक्रिया केवल परीक्षा के दिनों में रटने की पारंपरिक प्रवृत्ति (Rote Memorization) को समाप्त करती है और इसके स्थान पर निरंतर संप्रत्ययात्मक स्पष्टता, व्यावहारिक अनुप्रयोग और योग्यता-आधारित समझ (Competency-Based Understanding) को विकसित करने पर मुख्य बल देती है।

है। इसमें विशिष्ट मूल्यांकन मानदंड (Criteria), प्रदर्शन के विभिन्न स्तर (Performance Levels), और प्रत्येक स्तर के लिए विस्तृत व्यवहारात्मक विवरण (Descriptors) शामिल होते हैं, जो अंकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्थिरता सुनिश्चित करते हैं।

115. (B) एक कुल स्कोर प्रदान करने के बजाय अलग-अलग मानदंडों का अलग से मूल्यांकन करता है।
एक विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) किसी असाइनमेंट या प्रोजेक्ट के विभिन्न घटकों या मानदंडों (जैसे सामग्री, संरचना, भाषा) का अलग-अलग मूल्यांकन करता है और प्रत्येक के लिए पृथक स्कोर प्रदान करता है। इसके विपरीत, एक समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric) सभी पहलुओं को मिलाकर पूरे कार्य के लिए केवल एक एकल समग्र अंक या ग्रेड प्रदान करता है।

116. (B) समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric)
जब एक मूल्यांकनकर्ता या निर्णायक किसी प्रोजेक्ट या कार्य के अलग-अलग मापदंडों का पृथक विश्लेषण किए बिना, उसके समग्र गुणवत्ता और प्रभाव के आधार पर केवल एक एकल अंक (जैसे '4') प्रदान करता है, तो वह एक समग्र रुब्रिक (Holistic Rubric) का उपयोग कर रहा होता है। यह विधि त्वरित और समग्र मूल्यांकन प्रदान करने के लिए अत्यधिक उपयोगी मानी जाती है।

117. (B) यह प्रदर्शन के विशिष्ट आयामों में विस्तृत नैदानिक प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
रचनात्मक आकलन में विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) का प्राथमिक लाभ यह है कि यह प्रदर्शन के प्रत्येक घटक का अलग से मूल्यांकन करके विस्तृत और विशिष्ट नैदानिक प्रतिक्रिया (Diagnostic Feedback) प्रदान करता है। इससे शिक्षार्थी को यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि उसके कार्य का कौन सा पहलू मजबूत है और किस विशेष आयाम में सुधार की आवश्यकता है।

118. (B) मानदंड, प्रदर्शन स्तर, और वर्णनकर्ता (Criteria, Performance Levels, and Descriptors)
एक मानक स्कोरिंग रुब्रिक के तीन मूलभूत और आवश्यक घटक होते हैं: मानदंड (Criteria - जिनका मूल्यांकन किया जाना है), प्रदर्शन स्तर (Performance Levels - जैसे उत्कृष्ट, औसत, सुधार योग्य), और वर्णनकर्ता (Descriptors - जो प्रत्येक स्तर पर अपेक्षित कार्य की गुणवत्ता और विशेषताओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हैं)। ये घटक वस्तुनिष्ठता सुनिश्चित करते हैं।

119. (B) अत्यधिक अनुशंसित है, क्योंकि यह प्रदर्शन की अपेक्षाओं को स्पष्ट करता है।
प्रोजेक्ट या असाइनमेंट शुरू करने से पहले छात्रों के साथ स्कोरिंग रुब्रिक साझा करना एक अत्यधिक अनुशंसित शैक्षणिक अभ्यास है। यह प्रक्रिया शिक्षार्थियों को प्रदर्शन की अपेक्षाओं, गुणवत्ता के मानकों और मूल्यांकन के मानदंडों के बारे में स्पष्टता प्रदान करती है। इससे छात्र स्वायत्त रूप से अपने कार्य की योजना बना सकते हैं और बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

120. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
निबंधों और प्रोजेक्ट्स जैसी विषयनिष्ठ सामग्रियों का मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह और असंगति का प्रभाव पड़ सकता है। अच्छी तरह से डिजाइन किए गए रुब्रिक्स स्पष्ट मानदंड और विवरण प्रदान करके इस पूर्वाग्रह को कम करते हैं, जिससे मूल्यांकन की वस्तुनिष्ठता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। अतः दोनों कथन सत्य हैं और R सही व्याख्या है।

121. (B) विद्यालय प्रमुख / प्राचार्य (Head of the School / Principal)
विद्यालय प्रमुख या प्राचार्य (School Principal) के पास आंतरिक परीक्षाओं और आकलनों की समग्र प्रशासनिक और शैक्षणिक जिम्मेदारी होती है। वे मूल्यांकन प्रक्रियाओं की निष्पक्षता, उत्तर पुस्तिकाओं की गोपनीयता, अंकन मानकों में एकरूपता और परीक्षा नियमों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करके संस्था की शैक्षणिक अखंडता को बनाए रखने का अंतिम कार्य करते हैं।

122. (B) एक छात्र ड्राफ्ट कार्य का स्व-मूल्यांकन करने और सुधारों की योजना बनाने के लिए एक रुब्रिक (Rubric) का उपयोग कर रहा है।
जब छात्र अपने स्वयं के ड्राफ्ट कार्य का मूल्यांकन करने और आवश्यक सुधारों की योजना बनाने के लिए एक रुब्रिक का उपयोग करता है, तो यह "अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)" का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसमें शिक्षार्थी स्वयं अपनी समझ की निगरानी करता है और अपनी अधिगम प्रक्रिया को नियंत्रित एवं सुदृढ़ करने के लिए आत्म-चिंतन करता है।

123. (A) रचनावाद (Constructivism)
रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) रचनावाद (Constructivism) के शैक्षिक सिद्धांतों के सबसे करीब है। रचनावाद के अनुसार शिक्षार्थी ज्ञान के सक्रिय निर्माता होते हैं। यह मूल्यांकन प्रक्रिया शिक्षण के दौरान सतत अंतःक्रिया, प्रतिक्रिया और आत्म-चिंतन का अवसर देकर छात्रों को अपनी समझ को पुनर्गठित करने और ज्ञान का स्वयं निर्माण करने में सक्षम बनाती है।

124. (C) सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Corrective Feedback)
साप्ताहिक परीक्षण आयोजित करके केवल अंकों को रिकॉर्ड करना और छात्रों को कोई लिखित या मौखिक टिप्पणी न देना यह दर्शाता है कि प्रक्रिया में सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Corrective Feedback) का महत्वपूर्ण तत्व गायब है। बिना प्रतिक्रिया के केवल परीक्षण लेना रचनात्मक आकलन के मूल उद्देश्य को निष्फल कर देता है, क्योंकि छात्र अपनी कमियों को नहीं जान पाते।

NODIA

125. (B) योगात्मक, रटने-आधारित से रचनात्मक, योग्यता-आधारित आकलन की ओर।
आधुनिक शैक्षिक दर्शन में मुख्य प्रतिमान बदलाव (Shift) पारंपरिक योगात्मक, रटने-आधारित और केवल परीक्षा-केंद्रित मूल्यांकन से हटकर निरंतर रचनात्मक, विकासशील और योग्यता-आधारित आकलन (Competency-Based Assessment) की ओर हुआ है। यह बदलाव शिक्षार्थियों में केवल सूचनाओं के स्मरण के स्थान पर वास्तविक जीवन में ज्ञान के अनुप्रयोग और सर्वांगीण दक्षता को प्राथमिकता देता है।

126. (B) व्यक्तिगत छात्र क्षमताओं के अनुकूल और विभेदित (Differentiated)।
विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) का मूल्यांकन करते समय रणनीतियां कठोर होने के बजाय विभेदित (Differentiated) और लचीली होनी चाहिए। यह आवश्यक है कि मूल्यांकन पद्धतियों को छात्र की विशिष्ट शारीरिक, संवेदी या संज्ञानात्मक क्षमताओं के अनुकूल बनाया जाए। इसके लिए अनुकूलित उपकरण, लचीला समय और विभेदित आकलन तकनीकें लागू की जानी चाहिए ताकि निष्पक्ष अवसर मिले।

127. (B) शिक्षण पद्धति को बदलने की या अवधारणा को फिर से पढ़ाने की
यदि एक नैदानिक परीक्षण यह दिखाता है कि कक्षा के अधिकांश विद्यार्थी किसी मुख्य अवधारणा को समझने में विफल रहे हैं, तो यह सीधे तौर पर शिक्षण प्रक्रिया की कमी को दर्शाता है। ऐसी स्थिति में शिक्षक को अपनी शिक्षण पद्धति में संशोधन करना चाहिए, वैकल्पिक रणनीतियों का उपयोग करना चाहिए और उस अवधारणा को पुनः व्यवस्थित रुप से पढ़ाना चाहिए।

128. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) को इसके अत्यधिक कागजी कार्य और व्यावहारिक कार्यान्वयन संबंधी जटिलताओं के कारण कई बोर्डों में पुनर्गठित किया गया। हालांकि, कारण में यह कहना गलत है कि यह स्कूलों द्वारा विषयपरकता के बिना समान रूप से लागू किया गया था; वास्तव में, मूल्यांकन में अत्यधिक विषयपरकता और आंतरिक अंकों की असमानता ही इसे बदलने के मुख्य कारण थे।

129. (B) रचनात्मक शिक्षण के दौरान होता है; योगात्मक अंत में होता है।
'कार्यान्वयन के समय (Time of Implementation)' के दृष्टिकोण से दोनों मूल्यांकन में स्पष्ट अंतर है। रचनात्मक मूल्यांकन प्रत्यक्ष शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान (Ongoing) लगातार आयोजित किया जाता है ताकि अधिगम में सुधार लाया जा सके। इसके विपरीत, योगात्मक मूल्यांकन एक इकाई, सेमेस्टर या शैक्षणिक वर्ष के अंत में (Terminal) केवल उपलब्धि का मापन और प्रमाणीकरण करने के लिए किया जाता है।

130. (A) एनसीएफ-एसई 2023
स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (NCF-SE 2023) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा प्रस्तावित 5+3+3+4 संरचनात्मक चरणों (बुनियादी, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक) के साथ पूर्णतः संरेखित बहुआयामी और योग्यता-आधारित मूल्यांकन रणनीतियों हेतु स्पष्ट दिशानिर्देश और रुपरेखा प्रदान करता है। यह दस्तावेज विकासात्मक अवस्था के अनुसार आकलन पद्धतियों को परिभाषित करता है।

131. (B) खेल-आधारित, गतिविधि-उन्मुख अवलोकन (Play-based, activity-oriented observation)
NCF-SE 2023 के अनुसार, बुनियादी चरण (Foundational Stage - 3 से 8 वर्ष) में बच्चों पर किसी भी प्रकार का परीक्षा तनाव नहीं होना चाहिए। इस अवस्था में आकलन पूरी तरह से अनौपचारिक, खेल-आधारित (Play-based) और गतिविधि-उन्मुख अवलोकन (Activity-oriented observation) पर आधारित होना चाहिए, जहाँ शिक्षक बच्चों की स्वाभाविक अंतःक्रियाओं का अवलोकन करके उनकी प्रगति को दर्ज करते हैं।

132. (A) रचनात्मक आकलनों के साथ अमूर्त अवधारणाओं पर औपचारिक लिखित परीक्षाएं।
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचों के अनुसार, मध्य चरण (Middle Stage - कक्षा 6-8) के दौरान शिक्षार्थियों में अमूर्त सोच का विकास होने लगता है। इसलिए, इस चरण में अनौपचारिक अवलोकनों के साथ-साथ अमूर्त अवधारणाओं, विषयगत ज्ञान और समस्या समाधान का आकलन करने के लिए नियमित रचनात्मक आकलनों के साथ-साथ धीरे-धीरे औपचारिक लिखित परीक्षाओं (Written Exams) को शामिल किया जाता है।

133. (A) केवल I और II
परख (PARAKH) का पूर्ण रुप 'समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण' है और यह देश में छात्र मूल्यांकन हेतु मानक और दिशानिर्देश निर्धारित करने वाला राष्ट्रीय केंद्र है। यह भारत में सभी विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाएं आयोजित नहीं करता; यह कार्य मुख्य रुप से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा किया जाता है।

134. (C) समूह परियोजनाओं के दौरान रुब्रिक-आधारित अवलोकन।
"सहयोग और टीम वर्क" जैसे सामाजिक और व्यवहारगत जीवन कौशलों का मूल्यांकन केवल कागज़-पेन लिखित परीक्षाओं से संभव नहीं है। इसके लिए सबसे उपयुक्त रणनीति समूह परियोजनाओं (Group Projects) या सहयोगात्मक गतिविधियों के दौरान पूर्व-निर्धारित रुब्रिक-आधारित अवलोकन (Rubric-based Observation) है, जिसके माध्यम से छात्र के सहयोगात्मक व्यवहार और योगदान को वस्तुनिष्ठ रुप से आंका जाता है।

135. (B) सामाजिक संबंध, सहकर्मी स्वीकृति, और कक्षा समूह गतिशीलता (Group Dynamics)।
समग्र मूल्यांकन में समाजमिति (Sociogram) एक महत्वपूर्ण सामाजिक-मितीय तकनीक है। इसका उपयोग कक्षा के भीतर छात्रों के आपस में सामाजिक संबंधों, सहकर्मी स्वीकृति (Peer

Downloaded from www.pdf.tube

Acceptance), मित्रता के पैटर्न और समूह गतिशीलता (Group Dynamics) का नक्शा बनाने और मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। यह शिक्षकों को अलग-थलग पड़े या सामाजिक रूप से स्वीकृत बच्चों की पहचान में मदद करता है।

136. (B) विश्लेषण और अनुमान की आवश्यकता वाले स्रोत-आधारित प्रश्नों (Source-based questions) को शामिल करना।
सामाजिक विज्ञान में रटने के स्थान पर योग्यता-आधारित आकलन को लागू करने के लिए केवल तिथियों को याद कराने से बचना चाहिए। प्राचार्य को शिक्षक को स्रोत-आधारित प्रश्नों (Source-based questions), प्राथमिक दस्तावेजों के विश्लेषण और ऐतिहासिक घटनाओं से निष्कर्ष या अनुमान निकालने वाले प्रश्नों को शामिल करने का सुझाव देना चाहिए, जो उच्च-स्तरीय चिंतन को प्रोत्साहित करते हैं।

137. (A) रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन - माइकल स्क्रिवेन (Michael Scriven)
मूल्यांकन के इतिहास में माइकल स्क्रिवेन (Michael Scriven) ने 1967 में पहली बार "रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation)" और "योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)" की अवधारणाओं के बीच अंतर प्रतिपादित किया था। शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण बेंजामिन ब्लूम से जुड़ा है, बहु-बुद्धि का सिद्धांत हॉवर्ड गार्डनर का है, और क्रियाप्रसूत अनुबंधन बी.एफ. स्किनर से संबंधित है।

138. (B) वैधता (Validity)
यदि कोई आकलन उपकरण ठीक उसी विशिष्ट गुण, कौशल या ज्ञान का मापन करता है जिसके लिए उसे अभिकल्पित किया गया था, तो उसमें उच्च स्तर की वैधता (Validity) मानी जाती है। वैधता परीक्षण की वह मौलिक विशेषता है जो यह सुनिश्चित करती है कि मापे गए परिणाम प्रासंगिक हैं और मूल्यांकनकर्ता जिस उद्देश्य को मापना चाहता है, परीक्षण उसी को सटीक रूप से मापता है।

139. (A) I, II, और III
सतत मूल्यांकन में छात्र के प्रदर्शन, व्यवहार और शैक्षणिक प्रगति को रिकॉर्ड करने के लिए रुब्रिक्स, पोर्टफोलियो और उपाख्यानात्मक अभिलेखों (Anecdotal Records) का उपयोग प्रत्यक्ष उपकरणों के रूप में किया जाता है। ब्लूप्रिंट (Blueprint) कोई रिकॉर्डिंग उपकरण नहीं है, बल्कि यह प्रश्न पत्र का निर्माण करने के लिए एक पूर्व-नियोजित परीक्षण विनिर्देश तालिका (टेस्ट स्पेसिफिकेशन टेबल) है।

140. (B) उद्देश्यों का निर्धारण, सामग्री और प्रश्न प्रकारों के लिए भारित विवरण देने वाली एक परीक्षण विनिर्देश तालिका (Test Specification Table)।
मूल्यांकन के संदर्भ में "ब्लूप्रिंट (Blueprint)" एक त्रि-आयामी परीक्षण विनिर्देश तालिका (Test Specification Table) है। यह प्रश्न पत्र निर्माण से पूर्व यह स्पष्ट करती है कि पाठ्यक्रम के विभिन्न अध्यायों, अनुदेशात्मक उद्देश्यों (ज्ञान, बोध, अनुप्रयोग) और प्रश्नों के प्रकारों (वस्तुनिष्ठ, लघु-उत्तरीय, निबंधात्मक) को कितना-कितना अंक भार (Weightage) प्रदान किया जाना है।

141. (A) सामग्री की वैधता (Content Validity)
योगात्मक परीक्षण का निर्माण करने से पहले ब्लूप्रिंट तैयार करने का प्राथमिक उद्देश्य सामग्री की वैधता (Content Validity) सुनिश्चित करना है। यह ढांचा यह गारंटी देता है कि प्रश्न पत्र संपूर्ण निर्धारित पाठ्यक्रम के सभी महत्वपूर्ण विषयों, इकाइयों और अनुदेशात्मक उद्देश्यों को संतुलित अनुपात में कवर करता है, जिससे परीक्षण किसी एक हिस्से की ओर झुका हुआ न रहे।

142. (B) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
जब एक शिक्षक अंक देते समय अपने व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, राय या प्राथमिकताओं को समाप्त करने के लिए वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षणों (Objective Tests) का उपयोग करता है, तो यह परीक्षण की वस्तुनिष्ठता (Objectivity) को बढ़ाता है। वस्तुनिष्ठता का तात्पर्य यह है कि परीक्षण का मूल्यांकन चाहे कोई भी परीक्षक करे, छात्र के अंक पूरी तरह समान रहेंगे।

143. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में सततता का अर्थ प्रतिदिन औपचारिक परीक्षण लेना नहीं है। इसे अनौपचारिक अवलोकनों, कक्षा चर्चाओं और गतिविधियों के माध्यम से दैनिक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में ही निर्बाध रूप से बुना जा सकता है ताकि छात्रों पर बिना कोई परीक्षा दबाव डाले उनकी प्रगति का निरंतर आकलन संभव हो सके। अतः दोनों कथन सत्य हैं और R सही व्याख्या है।

144. (B) सह-शैक्षणिक ग्रेड अलग से योग्यता दर्शाते हैं और स्ट्रीम आवंटन के लिए मुख्य विषयों के साथ नहीं जोड़े जाते हैं।
मानक समग्र मूल्यांकन दिशानिर्देशों के तहत शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का मूल्यांकन अलग-अलग किया जाता है। सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (जैसे कला शिक्षा) के ग्रेड छात्र के सर्वांगीण विकास और विशेष क्षमताओं को दर्शाते हैं। स्ट्रीम आवंटन या अकादमिक मेरिट सूची तैयार करने के लिए केवल मुख्य शैक्षणिक विषयों के अंकों का उपयोग किया जाता है, दोनों को आपस में जोड़ा नहीं जाता।

145. (B) मानक-संदर्भित (Norm-Referenced) या निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) के माध्यम से प्रमाणन
"अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)" मुख्य रूप से अनुदेशन के अंत में छात्र निष्पादन का मूल्यांकन करने पर केंद्रित होता है। यह मानक-संदर्भित (Norm-Referenced) या निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) जैसी औपचारिक प्रणालियों के माध्यम से छात्र उपलब्धि का औपचारिक प्रमाणन (Certification), ग्रेड आवंटन और रिपोर्टिंग प्रदान करता है, ताकि अंतिम स्तर की औपचारिक पुष्टि की जा सके।

146. (C) विश्वसनीयता (Reliability)
परीक्षण की वह विशेषता जो समान परिस्थितियों में और एक ही समूह पर बार-बार प्रशासित किए जाने पर परिणामों या

NODIA

7. जब एक शिक्षक वाद-विवाद प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन के आधार पर छात्रों को 1st, 2nd, 3rd और 4th रैंक देता है, तो परिणामी आंकड़े किस पैमाने (Scale) पर मापे जाते हैं?
(A) नामांकित पैमाना (Nominal Scale)
(B) क्रमिक पैमाना (Ordinal Scale)
(C) अंतराल पैमाना (Interval Scale)
(D) अनुपात पैमाना (Ratio Scale)

8. शैक्षिक मूल्यांकन में मात्रात्मक आंकड़े (Quantitative Data) गुणात्मक आंकड़े (Qualitative Data) से मुख्य रूप से इस बात में भिन्न हैं कि मात्रात्मक आंकड़े:
(A) गणितीय क्रियाओं के अधीन संख्यात्मक चरों का मापन करते हैं
(B) देखे गए छात्र व्यवहार के विस्तृत वर्णनात्मक विवरणों पर निर्भर करते हैं
(C) छात्र बुद्धिमत्ता या अभिरुचि जैसी मनोवैज्ञानिक अवधारणाओं को बाहर रखते हैं
(D) असंरचित नैदानिक साक्षात्कारों के माध्यम से गैर-संख्यात्मक अनुक्रियाएं एकत्र करते हैं

9. निम्नलिखित में से कौन सा चर सतत मात्रात्मक आंकड़े (Continuous Quantitative Data) का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) किसी दिए गए दिन किसी विशिष्ट कक्षा में अनुपस्थित छात्रों की कुल संख्या
(B) छात्रों द्वारा गणित की परीक्षा पूरी करने में लिया गया सटीक समय
(C) एक विद्यालय भवन में उपलब्ध कार्यात्मक कक्षाओं की कुल संख्या
(D) एक विद्यालय में पूर्णकालिक शिक्षकों का श्रेणीबद्ध लिंग वितरण

10. शैक्षिक अनुसंधान में डेटा के प्रकारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अंतराल आंकड़े (Interval Data) में एक वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) होता है।
II. अनुपात आंकड़े (Ratio Data) "दोगुना" या "आधा" जैसे कथनों की अनुमति देते हैं।
III. मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण प्राप्तांकों को सामान्यतः अंतराल आंकड़े (Interval Data) माना जाता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

11. निम्नलिखित में से कौन सा छात्र के समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card) में गुणात्मक आंकड़े (Qualitative Data) का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) छात्र के सहकर्मी अंतःक्रियाओं पर शिक्षक की उपाख्यानात्मक टिप्पणियां (Anecdotal Notes)
(B) गणित में छात्र द्वारा प्राप्त अंकों का सटीक प्रतिशत
(C) कुल दिनों में मापा गया छात्र का संचयी उपस्थिति रिकॉर्ड
(D) मानकीकृत पठन परीक्षण में छात्र द्वारा प्राप्त समग्र प्रतिशतक रैंक (Percentile Rank)

12. एक प्राचार्य परीक्षा विभाग द्वारा प्रस्तुत डेटा सेट की समीक्षा कर रहा है। डेटा के प्रकार और उसके उदाहरण के सही जोड़े की पहचान कीजिए।
(A) नामांकित आंकड़े (Nominal Data) – 100-अंकों के वर्तनी परीक्षण पर प्राप्तांक
(B) क्रमिक आंकड़े (Ordinal Data) – छात्रों का हॉस्टलर या डे-स्कॉलर के रूप में वर्गीकरण
(C) अंतराल आंकड़े (Interval Data) – मानकीकृत बुद्धि परीक्षण से प्राप्त आईक्यू (IQ) प्राप्तांक
(D) अनुपात आंकड़े (Ratio Data) – दौड़ प्रतियोगिता में प्राप्त रैंक

13. कच्चे परीक्षण प्राप्तांकों (Raw Test Scores) को एक आवृत्ति वितरण (Frequency Distribution) में व्यवस्थित करने का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) परीक्षण मदों की समग्र वैधता और विश्वसनीयता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना
(B) केंद्रीय प्रवृत्ति (Central Tendency) की गणना की सैद्धांतिक आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करना
(C) सभी व्यक्तिगत गुणात्मक अवलोकनों को मात्रात्मक मापदंडों में बदलना
(D) संरचनात्मक पैटर्न (Structural Patterns) को उजागर करने के लिए डेटा को संक्षेप में प्रस्तुत करना

14. 150 परीक्षण प्राप्तांकों के एक समूह से एक वर्गीकृत आवृत्ति वितरण (Grouped Frequency Distribution) बनाने में, वर्ग अंतरालों (Class Intervals) की सामान्यतः अनुशंसित संख्या क्या है?
(A) 2 और 4 के बीच
(B) 5 और 15 के बीच
(C) 25 और 35 के बीच
(D) ठीक 50

15. एक संस्था प्रमुख परीक्षा प्रभारी को 300 छात्रों के वार्षिक परीक्षा अंकों को व्यवस्थित करने का निर्देश देता है। प्रभारी अंकों को 10 के अंतराल में समूहबद्ध करने का निर्णय लेता है। यदि कोई छात्र ठीक 40 अंक प्राप्त करता है, और अंतराल 30-39, 40-49, 50-59 हैं (समावेशी विधि - Inclusive Method), तो 40 अंक किस अंतराल में रखे जाएंगे?
(A) 30-39
(B) 40-49
(C) 50-59
(D) इसे वितरण से बाहर रखा गया है

Click Here to Buy book on Amazon

उनमें परासंज्ञान (Metacognition) और स्वायत्त अधिगम को मजबूत करती है।

158. (C) गहरे रचनात्मक लेखन और संश्लेषण कौशलों का आकलन करना
बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) व्यापक पाठ्यक्रम कवरेज, उच्च वस्तुनिष्ठता और स्वचालित स्कोरिंग में अत्यधिक प्रभावी होते हैं। हालांकि, इनकी एक प्रमुख सीमा यह है कि ये छात्रों की मौलिक लिखित अभिव्यक्ति, गहरे रचनात्मक लेखन (Creative Writing), और विचारों के स्वतंत्र संश्लेषण कौशलों का सीधे मूल्यांकन नहीं कर सकते, जिसके लिए निबंधात्मक प्रश्न आवश्यक होते हैं।

159. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
बहुविकल्पीय प्रश्नों की व्यापकता के बावजूद मूल्यांकन में निबंध-प्रकार के प्रश्न अनिवार्य हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि निबंध प्रश्न संश्लेषण, मौलिक सोच, तार्किक तर्क और विस्तृत लिखित अभिव्यक्ति जैसे उच्च-स्तरीय संज्ञानात्मक कौशलों को माप सकते हैं, जिनका वस्तुनिष्ठ MCQs द्वारा सरलता से मापन नहीं किया जा सकता। अतः दोनों कथन सत्य हैं और R सही व्याख्या है।

160. (C) पूर्व-निर्धारित विश्लेषणात्मक स्कोरिंग रुब्रिक का उपयोग करना चाहिए
निबंध-प्रकार के उत्तरों का मूल्यांकन करते समय विषयपरकता को कम करने और अंकन में विश्वसनीयता तथा वस्तुनिष्ठता लाने के लिए शिक्षक को पूर्व-निर्धारित विश्लेषणात्मक स्कोरिंग रुब्रिक (Analytic Scoring Rubric) या स्पष्ट उत्तर कुंजी का उपयोग करना चाहिए। इससे मूल्यांकनकर्ता का व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, हस्तलेखन का प्रभाव या मनोदशा अंकन प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर पाती।

161. (B) बहुत आसान है (90% ने सही उत्तर दिया)
परीक्षण निर्माण में कठिनाई सूचकांक (Difficulty Index - p-मान) सही उत्तर देने वाले परीक्षार्थियों के अनुपात को दर्शाता है। 0.90 का p-मान यह निरुपित करता है कि कुल परीक्षार्थियों में से 90% ने प्रश्न का सही उत्तर दिया है। इसका सीधा अर्थ यह है कि वह प्रश्न अत्यधिक आसान है और अधिकांश छात्रों ने उसे बिना किसी कठिनाई के हल कर लिया।

162. (A) एक परीक्षण में उच्च अंक प्राप्त करने वाले और कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के बीच अंतर करना।
परीक्षण निर्माण में विभेदीकरण सूचकांक (Discrimination Index) यह मापता है कि कोई विशिष्ट प्रश्न उच्च उपलब्धि वाले (उच्च अंक प्राप्त करने वाले) और निम्न उपलब्धि वाले (कम अंक प्राप्त करने वाले) छात्रों के बीच कितना सटीक अंतर कर पाता है। एक अच्छा विभेदीकरण सूचकांक यह सुनिश्चित करता है कि योग्य छात्र प्रश्न को सही करें और कमजोर छात्र गलत।

163. (A) उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों की तुलना में इसे अधिक बार गलत किया
यदि किसी परीक्षण आइटम में ऋणात्मक विभेदीकरण सूचकांक (Negative Discrimination Index) प्राप्त होता है, तो यह दर्शाता है कि कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने उस प्रश्न का सही उत्तर अधिक बार दिया, जबकि उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने उसे गलत कर दिया। यह स्थिति प्रश्न में गंभीर अस्पष्टता, गलत उत्तर कुंजी या भ्रामक विकल्प होने का संकेत देती है।

164. (C) परीक्षण बहुत आसान है और छात्र के प्रदर्शन में अंतर करने में विफल रहता है।
जब अधिकांश प्रश्नों का कठिनाई सूचकांक 0.95 होता है, तो इसका अर्थ है कि 95% छात्रों ने उन्हें सही हल किया है। इसके साथ विभेदीकरण सूचकांक का 0 के करीब होना यह दर्शाता है कि परीक्षण अत्यधिक आसान है और यह उच्च तथा निम्न प्रदर्शन करने वाले छात्रों के बीच अंतर करने में पूरी तरह विफल रहा है, अतः इसे संशोधित करना चाहिए।

NODIA

165. (B) कक्षा 3
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) मूल्यांकन का मुख्य लक्ष्य कक्षा 3 तक के सभी बच्चों में आधारभूत पठन, लेखन और बुनियादी गणितीय कौशलों की प्राप्ति को सुनिश्चित करना है। इस आयु वर्ग (आयु 3-8 वर्ष) में यह न्यूनतम अधिगम स्तर निर्धारित किया गया है।

166. (A) अनुमति प्राप्त संदर्भ सामग्रियों को खोजने, संश्लेषित करने और लागू करने की क्षमता का परीक्षण करते हैं।
ओपन बुक एग्जामिनेशन (Open Book Examination - OBE) की एक परिभाषित विशेषता यह है कि वे परीक्षार्थियों द्वारा स्वीकृत संदर्भ पुस्तकों या नोटों से जानकारी खोजने, उसका विश्लेषण करने, उसे संश्लेषित करने और नए परिदृश्यों में लागू करने की क्षमता का मापन करते हैं। ये परीक्षाएं रटने के बजाय ज्ञान के समझपूर्ण प्रयोग पर केंद्रित होती हैं।

167. (C) साहित्य विश्लेषण और कानून/अर्थशास्त्र में केस स्टडीज
ओपन बुक परीक्षा प्रारूप के लिए वे विषय और प्रश्न सबसे अधिक उपयुक्त माने जाते हैं जिनमें गहन विश्लेषणात्मक सोच, आलोचनात्मक मूल्यांकन और केस स्टडीज का विश्लेषण आवश्यक होता है। साहित्य विश्लेषण, कानून, अर्थशास्त्र और नीतिगत मामलों से संबंधित केस स्टडीज इस प्रारूप के अनुकूल हैं क्योंकि इनमें सीधे उत्तर नकल करने के बजाय विवेकपूर्ण व्याख्या की आवश्यकता होती है।

168. (D) I, II, और III
एक पूरी तरह से कार्य करने वाली सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) प्रणाली में पूर्व-आकलन (Pre-assessment - पूर्व ज्ञान जानने हेतु), रचनात्मक आकलन (Formative Assessment - शिक्षण के दौरान सुधारात्मक प्रतिक्रिया हेतु), और योगात्मक आकलन (Summative Assessment - अंत में उपलब्धि मापने हेतु) तीनों ही अनिवार्य और अभिन्न घटक के रूप में शामिल होते हैं।

191. (C) 68%
मूल्यांकन डेटा के सामान्य प्रायिकता वक्र (Normal Probability Curve - NPC) के सांख्यिकीय गुणों के अनुसार, लगभग 68.26% (लगभग 68%) प्राप्तांक या मान माध्य (Mean) के एक मानक विचलन (+1 SD से -1 SD) के मध्य आते हैं। यह सांख्यिकीय वितरण यह दर्शाता है कि किसी भी सामान्य जनसंख्या में अधिकांश छात्र औसत प्रदर्शन श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।

192. (C) उच्च-जोखिम वाली प्रवेश परीक्षाएं (High-stakes Entrance Exams)
दैनिक कक्षा कार्य की जांच, निरंतर मौखिक प्रश्नोत्तर और समूह गतिविधियों का अवलोकन रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के अभिन्न अंग हैं। उच्च-जोखिम वाली प्रवेश परीक्षाएं (High-Stakes Entrance Exams) योगात्मक या स्थान निर्धारण मूल्यांकन का हिस्सा होती हैं, क्योंकि इनका उद्देश्य चयन करना और अंतिम निर्णय देना होता है, न कि शिक्षण के दौरान सुधारात्मक प्रतिक्रिया देना।

193. (D) I, II, और III
मूल्यांकन प्रक्रिया में विद्यालय प्रमुख या प्राचार्य की बहुआयामी भूमिका होती है। वे आकलनों को निर्धारित अधिगम परिणामों के साथ संरेखित करना सुनिश्चित करते हैं, रचनात्मक और योगात्मक परीक्षणों के समयबद्ध और निष्पक्ष संचालन की निगरानी करते हैं, तथा स्कूल-व्यापी अकादमिक प्रवृत्तियों को समझने और सुधारात्मक निर्णय लेने हेतु आकलन डेटा का विश्लेषण करते हैं।

194. (D) विस्तृत निबंध प्रश्न (Extended Essay Questions)
विस्तृत उत्तर वाले निबंध प्रश्न (Extended Essay Questions) मूल्यांकन में उच्चतम स्तर की विषयपरकता (Subjectivity) की अनुमति देते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इनके उत्तरों के अंकन में मूल्यांकनकर्ता का व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, हस्तलेखन का प्रभाव, उत्तर की लंबाई, और मूल्यांकनकर्ता की व्यक्तिगत राय जैसे कारक ग्रेडिंग को अत्यधिक प्रभावित कर सकते हैं, जिससे परिणामों में भिन्नता आ सकती है।

195. (A) एक विस्तृत अंकन योजना या रुब्रिक (Marking Scheme or Rubric)
विस्तृत निबंध प्रकार के प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय विषयपरकता (Subjectivity) को कम करने और वस्तुनिष्ठता लाने के लिए शिक्षक को एक पूर्व-निर्धारित विस्तृत अंकन योजना या रुब्रिक (Marking Scheme or Rubric) का उपयोग करना चाहिए। यह स्कोरिंग गाइड उत्तर के मुख्य बिंदुओं और उनके अंकों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करके परीक्षक के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह को नियंत्रित करती है।

196. (C) कम-जोखिम वाले रचनात्मक आकलन और नियमित रचनात्मक प्रतिक्रिया।
परीक्षाओं को लेकर छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए एक प्राचार्य को स्कूल में कम-जोखिम वाले रचनात्मक आकलनों (Low-stakes Formative Assessments) और नियमित सुधारात्मक प्रतिक्रिया को बढ़ावा देना चाहिए। यह दृष्टिकोण मूल्यांकन को एक डरावने अंतिम निर्णय के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय अधिगम में सुधार के एक स्वाभाविक और निरंतर हिस्से के रूप में स्थापित करता है।

197. (B) चिंतनशील कार्य (प्रोजेक्ट, लैब वर्क, फील्ड ट्रिप) के माध्यम से अधिगम का आकलन करना।
"अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)" के मूल्यांकन का मुख्य सिद्धांत 'करके सीखने' और उस पर आत्म-चिंतन करने पर आधारित है। इसके तहत शिक्षार्थी का आकलन केवल सैद्धांतिक पाठों से न करके व्यावहारिक प्रोजेक्ट्स, प्रयोगशाला कार्य (Lab Work), और फील्ड ट्रिप जैसी प्रत्यक्ष गतिविधियों में उसकी सहभागिता और उससे अर्जित संप्रत्ययात्मक समझ का विश्लेषण करके किया जाता है।

198. (B) निश्चित, पूर्व-निर्धारित शिक्षण मानकों या मानदंडों के विरुद्ध प्रदर्शन को मापता है।
मानदंड-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Test - CRT) की प्राथमिक विशेषता यह है कि यह किसी व्यक्तिगत शिक्षार्थी के निष्पादन का मूल्यांकन निश्चित, पूर्व-निर्धारित शिक्षण मानकों, योग्यताओं या मानदंडों के विरुद्ध करता है। यह इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि छात्र ने किसी विशिष्ट विषय सामग्री पर महारत हासिल की है या नहीं, न कि दूसरों की तुलना में उसकी क्या रैंक है।

199. (B) मानदंड-संदर्भित मूल्यांकन (Criterion-Referenced Evaluation)
एक ड्राइविंग टेस्ट मानदंड-संदर्भित मूल्यांकन (Criterion-Referenced Evaluation) का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। इसमें आवेदक की सफलता केवल इस बात पर निर्भर करती है कि वह पहले से निर्धारित विशिष्ट मापदंडों (जैसे सही पार्किंग करना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना) को पूरा करता है या नहीं। इसमें इस बात से कोई अंतर नहीं पड़ता कि अन्य परीक्षार्थियों का प्रदर्शन कैसा रहा।

200. (B) शिक्षकों को अनुभवात्मक अधिगम और योग्यता-आधारित आकलनों पर जोर देने की सलाह देना।
जब छात्र सैद्धांतिक परीक्षाओं में सफल होते हैं परंतु व्यावहारिक कार्यों में पिछड़ते हैं, तो यह दर्शाता है कि शिक्षण में अनुप्रयोग की कमी है। समग्र मूल्यांकन सिद्धांतों के आधार पर प्राचार्य का सबसे उपयुक्त निर्णय यह होगा कि वे शिक्षकों को अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) और योग्यता-आधारित आकलनों पर मुख्य बल देने का निर्देश दें ताकि व्यावहारिक क्षमता विकसित हो सके।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

180. (A) चिंतनशील, सामाजिक और भावनात्मक कौशल (Thinking, Social, and Emotional Skills)
CCE के "जीवन कौशल (Life Skills)" क्षेत्र के अंतर्गत तीन प्रमुख मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक कौशलों के सेट का मूल्यांकन किया जाता है: चिंतनशील कौशल (Thinking Skills - निर्णय लेना, समस्या समाधान), सामाजिक कौशल (Social Skills - संचार, सहानुभूति), तथा भावनात्मक कौशल (Emotional Skills - तनाव एवं संवेग प्रबंधन)। ये कौशल व्यक्ति को प्रभावी जीवन जीने योग्य बनाते हैं।

181. (B) एक समग्र, 360-डिग्री, बहुआयामी रिपोर्ट (Holistic, 360-degree, Multidimensional Report)
आधुनिक शैक्षिक नीति (NEP 2020) की सिफारिशों के अनुसार प्रगति रिपोर्ट कार्डों का पुनर्गठन किया जा रहा है। अब ये रिपोर्ट कार्ड केवल शैक्षणिक अंकों का एक-आयामी पत्रक न होकर एक समग्र, 360-डिग्री और बहुआयामी रिपोर्ट होंगे। इसमें छात्र के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक विकास के साथ स्व-आकलन और सहकर्मी मूल्यांकन को भी स्थान दिया जाएगा।

182. (C) वर्ष के दौरान अधिगम में सुधार के लिए समय पर प्रतिक्रिया प्रदान करने में विफल रहती है।
सत्र-अंत योगात्मक मूल्यांकन प्रणाली की एक प्रमुख आलोचना यह है कि यह केवल शिक्षण प्रक्रिया के समाप्त होने पर परिणाम प्रस्तुत करती है। इसके कारण शिक्षार्थियों को शिक्षण-अधिगम सत्र के दौरान अपनी गलतियों और अधिगम बाधाओं को सुधारने के लिए समय पर सुधारात्मक प्रतिक्रिया (Timely Feedback) नहीं मिल पाती, जिससे तात्कालिक सुधार का अवसर समाप्त हो जाता है।

183. (C) यह योगात्मक आकलन का पर्याय है।
अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान होने वाला निरंतर और विकासशील आकलन है, जो स्पष्ट लक्ष्यों और प्रतिक्रिया पर आधारित होता है। यह योगात्मक आकलन (Summative Assessment) का पर्याय बिल्कुल नहीं है, क्योंकि योगात्मक आकलन अंत में ग्रेडिंग और प्रमाणीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि यह सुधार पर बल देता है।

184. (C) रचनात्मक और स्व-आकलन (Formative and Self-Assessment)
"KWL चार्ट" (मैं क्या जानता हूँ, क्या जानना चाहता हूँ, मैंने क्या सीखा) रचनात्मक और स्व-आकलन का एक क्लासिक उपकरण है। यह छात्रों को अपने पूर्व ज्ञान को सक्रिय करने, अधिगम के लक्ष्य स्वयं निर्धारित करने और इकाई के अंत में अपनी समझ का विश्लेषण करने का अवसर देता है, जिससे उनमें परासंज्ञान (Metacognition) का विकास होता है।

185. (A) छात्रों को आहत महसूस किए बिना रचनात्मक प्रतिक्रिया देनी और प्राप्त करनी चाहिए।
सहकर्मी आकलन (Peer Assessment) की सफलता एक सहयोगात्मक और सुरक्षित कक्षा वातावरण पर निर्भर करती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि छात्रों में इतनी परिपक्वता और आपसी विश्वास होना चाहिए कि वे एक-दूसरे की कमियों को आहत महसूस किए बिना स्वीकार कर सकें और सकारात्मक तथा रचनात्मक प्रतिक्रिया (Constructive Feedback) दे और प्राप्त कर सकें।

186. (C) सामग्री वैधता (Content Validity)
गणित की अंतिम परीक्षा जैसे योगात्मक परीक्षणों के लिए सामग्री वैधता (Content Validity) सबसे महत्वपूर्ण होती है। यह यह सुनिश्चित करती है कि परीक्षण में शामिल प्रश्न गणित के निर्धारित पाठ्यक्रम, सभी इकाइयों और अनुदेशात्मक उद्देश्यों का एक प्रतिनिधि और संतुलित नमूना प्रस्तुत करते हैं, ताकि छात्र के कुल गणितीय ज्ञान का सटीक आकलन हो सके।

187. (B) प्रमाणन या रिपोर्टिंग के लिए एक विशिष्ट समय पर उपलब्धि को मापता है।
"अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)" का अर्थ है कि मूल्यांकन एक विशिष्ट अनुदेशात्मक अवधि (जैसे सत्र या पाठ्यक्रम) के अंत में आयोजित किया जाता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य यह मापना है कि छात्रों ने निर्धारित मानकों के संदर्भ में क्या हासिल किया है, ताकि रिपोर्ट कार्ड तैयार किए जा सकें, ग्रेड दिए जा सकें और उपलब्धि का प्रमाणन किया जा सके।

NODIA

188. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है
समग्र प्रगति कार्ड (HPC) में शिक्षक मूल्यांकन के साथ स्व-आकलन और सहकर्मी-आकलन को शामिल किया जाता है। इसका कारण यह है कि स्वयं का और अपने साथियों का मूल्यांकन करने से शिक्षार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन, आत्म-जागरूकता, और अपनी शिक्षण प्रक्रिया के प्रति व्यक्तिगत जवाबदेही विकसित होती है। अतः दोनों कथन सत्य हैं और R सही व्याख्या है।

189. (B) प्रगति को ट्रैक करने और व्यक्तिगत अधिगम के रास्ते प्रदान करने वाला एक एआई-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म।
आधुनिक शैक्षिक नीतियों के तहत प्रारंभिक बचपन से स्कूली शिक्षा तक छात्र की अनुदैर्ध्य (Longitudinal) प्रगति को ट्रैक करने के लिए एक एआई-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म (AI-based Digital Platform) में आकलन डेटा को एकीकृत करने का प्रस्ताव है। यह तकनीक प्रत्येक छात्र के सीखने के पैटर्न का विश्लेषण करके अनुकूलित और व्यक्तिगत अधिगम के रास्ते प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

190. (B) शिक्षकों को योग्यता-आधारित शिक्षाशास्त्र और आकलन आइटम डिज़ाइन में प्रशिक्षित करना।
किसी स्कूल की आकलन प्रणाली को पारंपरिक रटने-आधारित पैटर्न से योग्यता-आधारित पैटर्न में स्थानांतरित करने के लिए सबसे मौलिक आवश्यकता शिक्षकों का क्षमता निर्माण है। शिक्षकों को योग्यता-आधारित शिक्षाशास्त्र (Competency-Based Pedagogy), उच्च-स्तरीय चिंतन वाले प्रश्नों के निर्माण और प्रामाणिक रुब्रिक्स डिजाइन करने में व्यापक प्रशिक्षण देना अनिवार्य है ताकि वास्तविक बदलाव संभव हो सके।

अंकों की संगति/निरंतरता (Consistency) को दर्शाती है, उसे विश्वसनीयता (Reliability) कहा जाता है। यदि कोई परीक्षण विभिन्न अवसरों पर समान व्यक्तियों को बार-बार मापने पर सुसंगत और स्थिर अंक प्रदान करता है, तो उसे अत्यधिक विश्वसनीय माना जाता है।

147. (B) बीमारी के मूल कारण का पता लगाने के लिए लैब टेस्ट चलाने वाला डॉक्टर।
शिक्षा में "नैदानिक परीक्षण (Diagnostic Test)" चिकित्सा क्षेत्र में बीमारी का निदान करने वाले डॉक्टर की प्रक्रिया के समान है। जिस प्रकार एक चिकित्सक मरीज के लक्षणों का अध्ययन करके प्रयोगशाला परीक्षणों द्वारा बीमारी के मूल कारणों का पता लगाता है, उसी प्रकार एक शिक्षक नैदानिक परीक्षण द्वारा छात्र की अधिगम कठिनाइयों के अंतर्निहित कारणों की खोज करता है।

148. (B) एक शेफ जो खाना बनाते समय सूप का स्वाद चखता है ताकि मसाले को समायोजित किया जा सके।
माइकल स्क्रिवेन के प्रसिद्ध उदाहरण के अनुसार, रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) उस शेफ की तरह है जो खाना बनाते समय सूप का स्वाद चखता है। जिस प्रकार शेफ सूप तैयार होने के दौरान स्वाद चखकर मसालों को समायोजित कर सकता है, उसी प्रकार शिक्षक शिक्षण के दौरान ही सुधार हेतु रचनात्मक आकलन और समायोजन करते हैं।

149. (D) A असत्य है लेकिन R सत्य है
योग्यता-आधारित आकलन में केवल पाठ्यपुस्तक की परिभाषाओं को रटना उच्च अंकों की गारंटी नहीं दे सकता, क्योंकि यह प्रणाली रटने के स्थान पर ज्ञान के प्रयोग पर बल देती है। यह आकलन पूरी तरह से इस बात को मापता है कि छात्र अपरिचित और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में ज्ञान का अनुप्रयोग कैसे करता है। अतः कथन असत्य है परंतु कारण सत्य है।

150. (B) परीक्षा बोर्ड सत्यापन और मॉडरेशन (Moderation) के लिए रिकॉर्ड का अनुरोध कर सकते हैं।
परीक्षा बोर्ड के दिशानिर्देशों के तहत स्कूलों को एक निश्चित अवधि तक छात्रों के आंतरिक आकलन के भौतिक रिकॉर्ड (जैसे प्रोजेक्ट, उत्तर पुस्तिकाएं, रुब्रिक्स) बनाए रखना अनिवार्य होता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य यह है कि परीक्षा बोर्ड आवश्यकता पड़ने पर अंकन की निष्पक्षता जांचने, यादृच्छिक सत्यापन करने और मॉडरेशन (Moderation) प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए साक्ष्य मांग सके।

151. (C) प्राथमिक कक्षाओं में अनिवार्य पास/फेल बोर्ड परीक्षाएं (Board Examinations)
प्रगतिशील प्राथमिक शिक्षा ढांचे तनावमुक्त, बाल-केंद्रित और सतत मूल्यांकन पर बल देते हैं। प्राथमिक कक्षाओं में अनिवार्य पास/फेल बोर्ड परीक्षाएं लागू करना इस भावना का प्रत्यक्ष खंडन करता है, क्योंकि यह छोटे बच्चों में भय, परीक्षा तनाव और असफलता का डर पैदा करता है। प्राथमिक स्तर पर निरोध के स्थान पर सुधारात्मक सहायता को प्राथमिकता दी जाती है।

152. (B) राज्य कक्षा 5 और 8 में परीक्षाएं आयोजित कर सकते हैं और रोके जाने के निर्णयों से पहले पुन: परीक्षा के अवसर प्रदान कर सकते हैं।
संशोधित शिक्षा के अधिकार (RTE) अधिनियम के प्रावधानों के तहत, राज्यों को कक्षा 5 और 8 के अंत में नियमित परीक्षाएं आयोजित करने की अनुमति दी गई है। यदि कोई बच्चा इन परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण होता है, तो उसे रोके जाने (Detention) का अंतिम निर्णय लेने से पूर्व उपचारात्मक शिक्षण के बाद दो महीने के भीतर पुन: परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया जाता है।

153. (B) केवल II और III
कानूनी और शैक्षणिक दिशानिर्देशों के तहत किसी छात्र को परीक्षा में विफल होने पर तुरंत स्कूल से निष्कासित करना पूरी तरह से अवैध है। स्कूल का दायित्व है कि वह छात्र को दो महीने के भीतर पुन: परीक्षा का अवसर प्रदान करे और उस पुन: परीक्षा से पहले उसकी अधिगम बाधाओं को दूर करने के लिए अतिरिक्त उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) उपलब्ध कराए।

154. (A) एक सकारात्मक समग्र प्रभाव के कारण किसी एक क्षेत्र में छात्र को उच्च रेटिंग देने की मूल्यांकनकर्ता की प्रवृत्ति।
मूल्यांकन में "हेलो प्रभाव (Halo Effect)" एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक पूर्वाग्रह है। इसके अंतर्गत मूल्यांकनकर्ता छात्र की किसी एक विशिष्ट सकारात्मक विशेषता, अच्छे व्यवहार या पिछले उत्कृष्ट प्रदर्शन से अत्यधिक प्रभावित होकर उसके अन्य सभी पृथक क्षेत्रों (जैसे लिखित कार्य या परियोजना) में भी उसे अनपेक्षित रूप से उच्च रेटिंग या अंक देने लगता है।

155. (B) विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric)
जब कोई रुब्रिक किसी निबंध का मूल्यांकन चार अलग-अलग स्वतंत्र मानदंडों (जैसे व्याकरण, विषय वस्तु, संरचना और रचनात्मकता) के आधार पर अलग-अलग करता है और प्रत्येक मानदंड के लिए पृथक अंक (1 से 4) निर्दिष्ट करता है, तो यह विशिष्ट रूप से एक विश्लेषणात्मक रुब्रिक (Analytic Rubric) का उदाहरण है। यह प्रत्येक पहलू का गहराई से विवरण देता है।

156. (B) छात्र का सहकर्मी समूह (Peer Group)
360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) में मूल्यांकन केवल शिक्षकों तक सीमित नहीं रहता। इसमें गैर-पारंपरिक हितधारकों के रूप में छात्र का सहकर्मी समूह (Peer Group) और स्वयं छात्र (Self) सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। सहपाठियों द्वारा किया जाने वाला सहकर्मी आकलन छात्र के सामाजिक कौशल, सहयोग और समूह व्यवहार पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करता है।

157. (B) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
"अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)" शिक्षार्थियों को अपनी अधिगम प्रक्रिया के प्रति सक्रिय और जिम्मेदार बनाता है। यह दृष्टिकोण छात्रों को यह प्रश्न पूछने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है कि "मैं कैसा कर रहा हूँ, और मुझे आगे क्या सुधार करने की आवश्यकता है?" यह प्रक्रिया

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 08
शिक्षा में सांख्यिकी

1. निम्नलिखित में से कौन सा शैक्षिक प्रशासन (Educational Administration) और मापन में सांख्यिकी (Statistics) के प्राथमिक उद्देश्य को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता है?
   (A) सूचित शैक्षिक निर्णय लेने के लिए मात्रात्मक आंकड़ों (Quantitative Data) का सारांश, विश्लेषण और व्याख्या करना
   (B) शिक्षकों के गुणात्मक निर्णयों को कठोर संख्यात्मक मापदंडों से बदलना
   (C) शैक्षिक नियमों के तहत कानूनी अनुपालन (Legal Compliance) निर्धारित करना
   (D) प्राथमिक कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम ढांचा (Curriculum Framework) स्वचालित रूप से तैयार करना

2. शैक्षिक मापन के संदर्भ में, वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) का मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है:
   (A) छात्रों के एक छोटे से प्रतिदर्श (Sample) से समष्टि मापदंडों (Population Parameters) का अनुमान लगाने के लिए
   (B) पूरे जिले में भविष्य के नामांकन रुझानों का पूर्वानुमान लगाने के लिए
   (C) परीक्षण प्राप्तांकों (Test Scores) के एक विशिष्ट समूह की विशेषताओं का सारांश और वर्णन करने के लिए
   (D) शिक्षण विधियों और छात्र बुद्धिमत्ता के बीच कारण-प्रभाव संबंध स्थापित करने के लिए

3. एक विद्यालय प्राचार्य (School Principal) कक्षा IX के छात्रों के बीच विशिष्ट अधिगम अंतराल (Learning Gaps) की पहचान करने के लिए मध्य-अवधि परीक्षा परिणामों का विश्लेषण करता है। सांख्यिकी (Statistics) का यह अनुप्रयोग मुख्य रूप से किस कार्य को पूरा करता है?
   (A) रचनात्मक निदान और अनुदेशात्मक योजना (Formative Diagnosis and Instructional Planning)
   (B) योगात्मक ग्रेडिंग और प्रमाणीकरण (Summative Grading and Certification)
   (C) विद्यालय पाठ्यक्रम का मानकीकरण (Standardization of Curriculum)
   (D) आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए बजट आवंटन (Budget Allocation)

4. शिक्षा में सांख्यिकी (Statistics) की सीमाओं के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
   (A) सांख्यिकी पृथक व्यक्तिगत मामलों से तब तक नहीं निपटती जब तक वे किसी बड़े डेटासेट (Dataset) का हिस्सा न हों
   (B) सांख्यिकी केवल उन्हीं परिघटनाओं से निपटती है जिन्हें मात्रात्मक रूप से (Quantitatively) व्यक्त किया जा सकता है
   (C) सांख्यिकीय संबंध स्वाभाविक रूप से कारण-प्रभाव सिद्ध नहीं करते हैं
   (D) सांख्यिकीय निष्कर्ष सभी परिस्थितियों में सटीक और सार्वभौमिक रूप से सत्य होते हैं

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
   अभिकथन (A) : सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) के प्रबंधन में एक विद्यालय प्राचार्य (School Principal) के लिए सांख्यिकी (Statistics) एक अनिवार्य उपकरण है।
   कारण (R) : सांख्यिकीय तकनीकें प्राचार्य को पृथक रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) डेटा को सार्थक समग्र प्रगति रिपोर्ट में समेकित करने में सक्षम बनाती हैं।
   (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
   (B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
   (C) A सही है लेकिन R गलत है
   (D) A गलत है लेकिन R सही है

6. एक विद्यालय परामर्शदाता (School Counselor) छात्रों को उनकी पसंदीदा पाठ्येतर गतिविधियों (जैसे खेल, संगीत, वाद-विवाद) के आधार पर वर्गीकृत करता है। यह आंकड़ा (Data) किसका उदाहरण है?
   (A) सतत मात्रात्मक आंकड़े (Continuous Quantitative Data)
   (B) विविक्त मात्रात्मक आंकड़े (Discrete Quantitative Data)
   (C) नामांकित गुणात्मक आंकड़े (Nominal Qualitative Data)
   (D) क्रमिक गुणात्मक आंकड़े (Ordinal Qualitative Data)

Downloaded from www.pdf.tube

169. (C) A सत्य है लेकिन R असत्य है
समग्र प्रगति कार्ड (HPC) का मुख्य उद्देश्य केवल शैक्षणिक अंकों वाली पारंपरिक मार्कशीट के स्थान पर 360-डिग्री विकास विवरण प्रस्तुत करना है। हालांकि, यह कहना गलत है कि केवल संज्ञानात्मक विकास का ही वस्तुनिष्ठ मापन हो सकता है; अवलोकन और रुब्रिक्स के माध्यम से भावात्मक और मनोप्रेरणात्मक क्षेत्रों का भी प्रामाणिक मूल्यांकन संभव है। अतः A सत्य है, R असत्य।

170. (C) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)
"अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)" इस शैक्षिक प्रतिमान पर बल देता है कि अधिगम केवल ज्ञान का एकतरफा हस्तांतरण नहीं है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जहाँ शिक्षार्थी स्वयं अपने अधिगम की सक्रिय रूप से निगरानी करते हैं, आत्म-चिंतन करते हैं और अपने सीखने के तरीके में सुधार करते हैं। इसमें छात्र स्वयं मूल्यांकनकर्ता की भूमिका निभाते हैं।

171. (B) विशिष्ट अंक प्रदान करने के लिए आवश्यक बिंदुओं को निर्दिष्ट करने वाली एक मानकीकृत गाइड।
बोर्ड परीक्षाओं और औपचारिक मूल्यांकन में "मार्किंग स्कीम (Marking Scheme)" या अंकन योजना एक मानकीकृत आधिकारिक गाइड होती है। यह उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों को स्पष्ट निर्देश देती है कि किसी उत्तर में किन-किन विशिष्ट बिंदुओं, चरणों, संकल्पनाओं या कीवर्ड्स के लिए कितने अंक आवंटित किए जाने हैं, जिससे मूल्यांकन में एकरूपता बनी रहे।

172. (B) वह सीमा जिस तक एक परीक्षण एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक गुण या रचना को मापता है।
मूल्यांकन में "रचना वैधता (Construct Validity)" इस बात का सांख्यिकीय और सैद्धांतिक प्रमाण है कि कोई परीक्षण किस सीमा तक किसी विशिष्ट मनोवैज्ञानिक गुण, सैद्धांतिक अवधारणा या रचना (जैसे बुद्धिमत्ता, चिंता, या गणितीय योग्यता) का सटीक मापन करता है। यह सुनिश्चित करती है कि परीक्षण केवल अंतर्निहित संप्रत्यय को ही मापे।

173. (D) I, II, III, और IV
एक प्रामाणिक शैक्षिक पोर्टफोलियो में चार मुख्य घटक शामिल होते हैं: कलाकृतियां (Artifacts - छात्र कार्य के वास्तविक नमूने), प्रस्तुतियां (Reproductions - परियोजनाओं के रिकॉर्ड), साक्ष्य/प्रमाणन (Attestations - शिक्षक/अभिभावक टिप्पणियां), तथा उत्पादन (Productions - छात्र के अपने लक्ष्य कथन और स्व-चिंतन)। ये मिलकर छात्र विकास का पूर्ण चित्र प्रस्तुत करते हैं।

174. (B) यह समय लेने वाला है और अक्सर इसमें मूल्यांकनकर्ताओं के बीच विश्वसनीयता (Inter-rater Reliability) की कमी होती है।
पोर्टफोलियो आकलन का एक बड़ा लाभ होने के बावजूद इसकी सबसे महत्वपूर्ण सीमा यह है कि यह अत्यधिक समय लेने वाली प्रक्रिया है। इसके अतिरिक्त, इसमें मूल्यांकनकर्ताओं के बीच विश्वसनीयता (Inter-rater Reliability) की कमी हो सकती है, क्योंकि अलग-अलग शिक्षक पोर्टफोलियो में शामिल गुणात्मक कार्यों का अपनी व्यक्तिगत विषयपरकता के आधार पर अलग मूल्यांकन कर सकते हैं।

175. (A) ज्ञान, कौशल और मूल्य (Knowledge, Skills, and Values)
योग्यता-आधारित आकलन में "योग्यता (Competency)" की अवधारणा केवल ज्ञान तक सीमित नहीं है। इसे ज्ञान (Knowledge - क्या जानना है), कौशल (Skills - कैसे करना है) और मनोवृत्तियों/मूल्यों (Attitudes/Values - आचरण और दृष्टिकोण) के एक एकीकृत संयोजन के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो शिक्षार्थी को वास्तविक जीवन की स्थितियों में प्रभावी कार्य करने में सक्षम बनाता है।

176. (C) अंक वृद्धि (Grade Inflation) के खिलाफ चेतावनी देते हुए वस्तुनिष्ठ रुब्रिक्स और पोर्टफोलियो साक्ष्य अनिवार्य करें।
शत-प्रतिशत परिणाम दिखाने के लिए बिना साक्ष्य के अंक बांटना आंतरिक मूल्यांकन की अखंडता को नष्ट करता है। एक प्राचार्य के रूप में सबसे उपयुक्त कार्रवाई यह है कि शिक्षक को कृत्रिम अंक वृद्धि (Grade Inflation) के प्रति सचेत किया जाए और मूल्यांकन में पारदर्शिता लाने हेतु वस्तुनिष्ठ रुब्रिक्स तथा छात्र पोर्टफोलियो साक्ष्यों का रखरखाव अनिवार्य किया जाए।

177. (B) राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख कक्षाओं में अधिगम के परिणामों का आकलन करके प्रणाली के स्वास्थ्य का मूल्यांकन करना।
बड़े पैमाने पर आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षणों (National Achievement Surveys - NAS) का प्राथमिक उद्देश्य व्यक्तिगत छात्रों को फेल/पास करना नहीं होता। इनका मुख्य लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैक्षणिक पड़ावों (कक्षा 3, 5, 8, 10) पर अधिगम परिणामों का आकलन करके संपूर्ण स्कूली शिक्षा प्रणाली के स्वास्थ्य और गुणवत्ता का मूल्यांकन करना है।

178. (C) 9-बिंदु पैमाना
पारंपरिक CCE (सतत एवं व्यापक मूल्यांकन) योजनाओं के तहत माध्यमिक शिक्षा में शैक्षणिक विषयों के मूल्यांकन हेतु मानक 9-बिंदु निरपेक्ष ग्रेडिंग पैमाने (9-Point Absolute Grading Scale) का उपयोग किया जाता था। इसमें A1 से E2 तक की श्रेणियां शामिल थीं, जहाँ A1 सर्वोच्च प्रदर्शन को और E2 न्यूनतम या सुधार की आवश्यकता वाले स्तर को दर्शाता था।

179. (D) I, II, III, और IV
सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का मूल्यांकन पारंपरिक पेन-पेपर परीक्षाओं से भिन्न होता है। इसमें कोई औपचारिक लिखित परीक्षा नहीं ली जाती; बल्कि आकलन अवलोकनात्मक और निरंतर होता है। पारंपरिक CCE ढांचों में इसके लिए 5-बिंदु पैमाने (A से E) पर ग्रेड दिए जाते हैं, और इसमें जीवन कौशल, कार्य शिक्षा, कला तथा स्वास्थ्य शिक्षा का व्यापक मूल्यांकन होता है।

NODIA

16. एक आवृत्ति वितरण तालिका (Frequency Distribution Table) बनाने के निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. प्राप्तांकों का प्रसार (Range) निर्धारित करना।
II. वर्ग अंतरालों (Class Intervals) की संख्या तय करना।
III. वर्ग अंतराल की चौड़ाई की गणना करना।
IV. प्राप्तांकों को उपयुक्त अंतरालों में टैली (Tally) करना।
निम्नलिखित में से कौन सा इन चरणों का सही तार्किक क्रम दर्शाता है?
(A) I, II, III, IV (B) II, I, III, IV
(C) I, III, II, IV (D) III, I, II, IV

17. किसी वर्ग अंतराल की ऊपरी सटीक सीमा और निचली सटीक सीमा के बीच के अंतर को किस रूप में जाना जाता है?
(A) वर्ग परिमाण या आकार (Class Magnitude or Size)
(B) वर्ग मध्य-बिंदु या वर्ग चिह्न (Class Mid-point or Class Mark)
(C) सटीक वर्ग सीमा रेखा (Exact Class Limit Boundary)
(D) कुल संचयी वर्ग आवृत्ति (Total Cumulative Class Frequency)

18. एक अपवर्जी आवृत्ति वितरण (Exclusive Frequency Distribution) में, एक वर्ग अंतराल 10-20, 20-30, 30-40 के रूप में लिखा जाता है। 20 प्राप्तांक को किस अंतराल में टैली किया जाएगा?
(A) 10-20
(B) 10-20 और 20-30 दोनों
(C) 20-30
(D) अतिव्यापन के कारण अनदेखा किया गया

19. किसी वर्ग अंतराल का मध्य-बिंदु (या वर्ग चिह्न) निम्नलिखित द्वारा निकाला जाता है:
(A) ऊपरी सीमा और निचली सीमा को जोड़कर 2 से विभाजित करना
(B) ऊपरी सीमा से निचली सीमा को घटाकर 2 से विभाजित करना
(C) आवृत्ति को वर्ग आकार से गुणा करना
(D) आसन्न अंतरालों की आवृत्तियों को जोड़ना

20. केंद्रीय प्रवृत्ति (Central Tendency) के माप के रूप में माध्य (Mean) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह चरम प्राप्तांकों (Outliers) के प्रति संवेदनशील है।
II. इसकी गणना सभी प्राप्तांकों के योग को प्राप्तांकों की संख्या से विभाजित करके की जाती है।
III. यह किसी वितरण में हमेशा सबसे अधिक बार आने वाला प्राप्तांक होता है।
IV. माध्य से सभी प्राप्तांकों के विचलनों का योग हमेशा शून्य होता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल II, III, और IV
(C) केवल I, II, और IV
(D) केवल I, III, और IV

21. एक शिक्षक 10 छात्रों के औसत अंकों की गणना 45 करता है। बाद में, यह पता चला कि 40 का एक प्राप्तांक गलती से 60 दर्ज किया गया था। सुधार के बाद सही माध्य (Mean) क्या होगा?
(A) 41 (B) 43
(C) 45 (D) 47

22. वर्गीकृत आंकड़ों के माध्य (Mean) की गणना के लिए कल्पित माध्य विधि (Shortcut Method) में, सूत्र में आवृत्तियों और विचलनों के गुणनफल के योग को 'N' से विभाजित करना शामिल है। विचलन (d) की गणना निम्नलिखित में से की जाती है:
(A) संपूर्ण समष्टि वितरण का परिकलित वास्तविक गणितीय माध्य
(B) निर्दिष्ट लक्ष्य वर्ग अंतराल की सटीक निचली सीमा
(C) कल्पित माध्य वर्ग अंतराल का मध्य-बिंदु
(D) वर्गीकृत वितरण की कुल संचित संचयी आवृत्ति

23. समांतर माध्य (Arithmetic Mean) को केंद्रीय प्रवृत्ति का सबसे स्थिर माप माना जाता है क्योंकि:
(A) इसे सार्वभौमिक रूप से मैन्युअल रूप से गणना करने के लिए सबसे आसान सांख्यिकीय माप माना जाता है
(B) यह विभिन्न नमूनों में छोटे उतार-चढ़ाव से पूरी तरह अप्रभावित रहता है
(C) यह सटीक और प्रत्यक्ष रूप से 50वें प्रतिशतक रैंक प्राप्तांक से मेल खाता है
(D) यह अपनी गणना में प्रत्येक व्यक्तिगत प्राप्तांक को शामिल करता है

24. यदि एक कक्षा में प्रत्येक छात्र के परीक्षण प्राप्तांक में 5 का अचर मान जोड़ा जाता है, तो नया माध्य (Mean) मूल माध्य से कैसे तुलना करेगा?
(A) यह 5 बढ़ जाएगा
(B) यह अपरिवर्तित रहेगा
(C) यह छात्रों की संख्या से गुणा 5 बढ़ जाएगा
(D) इसे 5 से विभाजित किया जाएगा

25. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : अत्यधिक विषमित (Skewed) परीक्षण प्राप्तांकों के वितरण के लिए माध्य (Mean) केंद्रीय प्रवृत्ति का उपयुक्त माप नहीं है।
कारण (R) : विषमित वितरण में चरम प्राप्तांक माध्य को पूंछ (Tail) की ओर खींचते हैं, जो समूह के विशिष्ट प्रदर्शन का गलत निरूपण करते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है

Click Here to Buy book on Amazon

64. यदि किसी छात्र का प्राप्तांक उन्हें प्रथम चतुर्थक (Q1) में रखता है, तो उनकी समतुल्य प्रतिशतक रैंक (Percentile Rank) क्या है?
(A) P10
(B) P25
(C) P50
(D) P75

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : 50वें से 55वें प्रतिशतक में वृद्धि सामान्यतः एक सामान्य वितरण में 90वें से 95वें प्रतिशतक में वृद्धि की तुलना मेंछोटे कच्चे प्राप्तांक अंतर का प्रतिनिधित्व करती है।
कारण (R) : एक सामान्य वितरण (Normal Distribution) में, कच्चे प्राप्तांक माध्य (50वें प्रतिशतक) के पास सघन रूप से गुच्छित होते हैं और छोरों पर फैले होते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

66. सहसंबंध (Correlation) से संबंधित निम्नलिखित अवधारणाओं पर विचार कीजिए:
I. सहसंबंध दो चरों के बीच संबंध की दिशा और शक्ति को मापता है।
II. शून्य का सहसंबंध कोई रेखीय संबंध नहीं दर्शाता है।
III. एक उच्च सहसंबंध निश्चित रूप से सिद्ध करता है कि एक चर दूसरे का कारण बनता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

67. सहसंबंध गुणांक (r) (Coefficient of Correlation) की सीमा किसके बीच हो सकती है?
(A) 0 और +1.00
(B) -1.00 और 0
(C) -1.00 और +1.00
(D) -100 और +100

68. चरों के निम्नलिखित जोड़ों में से कौन सा विद्यालय के माहौल में ऋणात्मक सहसंबंध (Negative Correlation) प्रदर्शित करने की सबसे अधिक संभावना रखता है?
(A) छात्र की कुल कक्षा उपस्थिति दर और संचयी शैक्षणिक उपलब्धि
(B) स्वतंत्र रूप से अध्ययन करने में बिताए गए कुल घंटे और अंतिम परीक्षा अंक
(C) अनुपस्थित दिनों की संख्या और अंतिम परीक्षा के ग्रेड
(D) शिक्षक अनुभव के वर्ष और परिष्कृत कक्षा प्रबंधन कौशल

NODIA

69. रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) और योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) के बीच +0.85 का सहसंबंध गुणांक क्या दर्शाता है?
(A) एक कमजोर धनात्मक संबंध
(B) एक मजबूत ऋणात्मक संबंध
(C) कि रचनात्मक मूल्यांकन से उच्च योगात्मक अंक प्राप्त होते हैं
(D) एक मजबूत धनात्मक संबंध

70. धनात्मक और ऋणात्मक सहसंबंध के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. धनात्मक सहसंबंध में, जैसे-जैसे एक चर बढ़ता है, दूसरा चर भी बढ़ता है।
II. -0.90 का सहसंबंध +0.75 के सहसंबंध से अधिक मजबूत होता है।
III. ऋणात्मक सहसंबंध का अर्थ है कि दो चर पूरी तरह से असंबंधित हैं।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

71. एक विद्यालय मनोवैज्ञानिक अध्ययन करता है और छात्रों के जूते के आकार और उनके वर्तनी परीक्षा के अंकों के बीच 0.00 का सहसंबंध पाता है। इसका क्या मतलब है?
(A) जिन छात्रों के पैर बड़े होते हैं वे मानकीकृत परीक्षाओं में काफी खराब वर्तनी लिखते हैं
(B) जूते के आकार और वर्तनी कौशल के बीच कोई रेखीय संबंध नहीं है
(C) प्रशासित वर्तनी परीक्षा उपकरण पूरी तरह से अमान्य और सांख्यिकीय रूप से त्रुटिपूर्ण है
(D) जूते का आकार सीधे एक अमापित भ्रामक चर के रूप में काम करता है जो परीक्षण के परिणामों को प्रभावित करता है

72. कार्ल पियर्सन के सहसंबंध गुणांक (Karl Pearson's Coefficient of Correlation) को किस नाम से भी जाना जाता है?
(A) बिंदु-द्विपंक्तिक सहसंबंध गुणांक मॉडल (Point-biserial Correlation)
(B) एसोसिएशन का चौगुना फाई गुणांक (Phi Coefficient)
(C) स्पेयरमैन का रैंक अंतर सहसंबंध माप (Spearman's Rank Correlation)
(D) गुणन-आघूर्ण सहसंबंध गुणांक (Product-Moment Correlation Coefficient)

73. कार्ल पियर्सन के गुणन-आघूर्ण सहसंबंध की गणना के लिए निम्नलिखित में से कौन सी एक मुख्य धारणा है?
(A) चरों के बीच द्विचर संबंध (Bivariate Relationship) रेखीय है

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

(A) मूल्यांकन शिक्षक द्वारा की गई एक मौलिक गणितीय गणना त्रुटि
(B) भिन्न प्रवीणता स्तरों वाले दो अलग-अलग छात्र उपसमूह
(C) समग्र वैधता और परीक्षण-पुनर्परीक्षण मूल्यांकन विश्वसनीयता का उच्च स्तर
(D) एक वितरण जहाँ परिकलित माध्य, मध्यिका और बहुलक सभी पूरी तरह से समान हैं

36. एक मध्यम विषमित आनुभविक वितरण के लिए, माध्य (Mean), मध्यिका (Median) और बहुलक (Mode) के बीच के संबंध को निम्नलिखित में से किस सूत्र द्वारा व्यक्त किया जाता है?
(A) बहुलक (Mode) = 2 मध्यिका (Median) - 3 माध्य (Mean)
(B) माध्य (Mean) = 3 मध्यिका (Median) - 2 बहुलक (Mode)
(C) मध्यिका (Median) = 3 माध्य (Mean) - 2 बहुलक (Mode)
(D) बहुलक (Mode) = 3 मध्यिका (Median) - 2 माध्य (Mean)

37. एक पूर्णतः सममित सामान्य वितरण (Symmetrical Normal Distribution) में, माध्य (Mean), मध्यिका (Median) और बहुलक (Mode) के बीच संबंध है:
(A) माध्य > मध्यिका > बहुलक
(B) माध्य < मध्यिका < बहुलक
(C) माध्य = मध्यिका = बहुलक
(D) माध्य + मध्यिका = बहुलक

38. यदि प्राप्तांकों के एक समूह का माध्य (Mean) 60 है और मध्यिका (Median) 65 है, तो बहुलक (Mode) (आनुभविक सूत्र का उपयोग करके) लगभग होगा:
(A) 55 (B) 70
(C) 75 (D) 80

39. प्राप्तांकों का एक वितरण ऋणात्मक रूप से विषमित (Negatively Skewed) है। इस वितरण में, निम्नतम से उच्चतम मान तक केंद्रीय प्रवृत्ति के मापों का विशिष्ट क्रम होगा:
(A) बहुलक, मध्यिका, माध्य
(B) मध्यिका, माध्य, बहुलक
(C) माध्य, मध्यिका, बहुलक
(D) बहुलक, माध्य, मध्यिका

40. एक प्राचार्य देखता है कि विज्ञान में छात्रों के परीक्षण प्राप्तांकों का माध्य 45, मध्यिका 50 और बहुलक 55 है। इन सांख्यिकीय आंकड़ों के आधार पर, प्राचार्य सही निष्कर्ष निकालता है कि परीक्षण की संभावना थी:
(A) अधिकांश छात्रों के लिए अत्यधिक आसान और बिना किसी चुनौती वाला
(B) एक पूर्णतः सममित और सामान्य रूप से वितरित वक्र द्वारा अभिलक्षित
(C) एक पूरी तरह से विश्वसनीय और त्रुटिहीन मापन संरचना का प्रदर्शन
(D) अधिकांश छात्रों के लिए बहुत कठिन

41. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : मुक्त-उत्तर वाली परियोजना कार्य का मूल्यांकन करते समय जहाँ चरम प्राप्तांक (Outliers) मौजूद होते हैं, मध्यिका (Median) माध्य की तुलना में विशिष्ट छात्र प्रदर्शन का अधिक निष्पक्ष सारांश प्रदान करती है।
कारण (R) : मध्यिका प्राप्तांकों के मान के बजाय उनकी स्थिति द्वारा निर्धारित होती है, जो इसे चरम विचलन मानों से अप्रभावित बनाती है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

42. सांख्यिकी में, "विक्षेपण" (Dispersion) या "परिवर्तनशीलता" (Variability) शब्द का तात्पर्य है:
(A) केंद्रीय औसत के आसपास प्राप्तांकों के कसकर गुच्छित होने की प्राकृतिक गणितीय प्रवृत्ति
(B) समांतर माध्य की गणना करते समय अपेक्षित सांख्यिकीय त्रुटि सीमा
(C) दो पूरी तरह से अलग डेटा सेटों के बीच रेखीय सहसंबंध की डिग्री
(D) वह सीमा जिस तक प्राप्तांक केंद्रीय प्रवृत्ति के आसपास फैलते हैं

43. किसी डेटासेट में परिवर्तनशीलता (Variability) का सबसे सरल और अशोधित माप निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) मानक विचलन (Standard Deviation)
(B) माध्य विचलन (Mean Deviation)
(C) प्रसार (Range)
(D) चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation)

44. परीक्षण प्राप्तांकों के निम्नलिखित समूह का प्रसार (Range): 12, 45, 67, 23, 89, 34, 15 है:
(A) 77
(B) 89
(C) 12
(D) 67

45. विद्यालय प्रदर्शन विश्लेषण में परिवर्तनशीलता के माप के रूप में प्रसार (Range) का उपयोग करने की एक प्रमुख सीमा यह है कि:
(A) यह बहुत बड़ी कक्षाओं के लिए कुशलतापूर्वक गणना करने के लिए बहुत जटिल है

Downloaded from www.pdf.tube

(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

26. शैक्षिक सांख्यिकी में निम्नलिखित में से कौन मध्यिका (Median) को परिभाषित करता है?
(A) उच्चतम और निम्नतम कच्चे प्राप्तांकों के बीच परिकलित सटीक गणितीय औसत
(B) विशिष्ट एकल प्राप्तांक मान जो डेटा सेट में उच्चतम आवृत्ति के साथ होता है
(C) वह प्राप्तांक बिंदु जो वितरण को दो बराबर भागों में विभाजित करता है
(D) ऊपरी और निचले चतुर्थक के बीच परिकलित सरल गणितीय अंतर

27. सम संख्या में प्राप्तांकों (उदा. 10 प्राप्तांक) वाले एक अवर्गीकृत डेटासेट की मध्यिका (Median) की गणना करने के लिए, किसी को करना होगा:
(A) आंकड़ों को क्रम में व्यवस्थित करने के बाद दो केंद्रीय प्राप्तांकों का औसत निकालना
(B) सभी डेटासेट मानों को आरोही क्रम में व्यवस्थित करने के बाद केवल सटीक 5वें प्राप्तांक का चयन करना
(C) सभी डेटासेट मानों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित करने के बाद केवल सटीक 6वें प्राप्तांक का चयन करना
(D) उच्चतम प्राप्तांक में से न्यूनतम प्राप्तांक को घटाना और परिणाम को 2 से विभाजित करना

28. वर्गीकृत आंकड़ों की मध्यिका (Median) की गणना के सूत्र में: Median = L + [((N/2) - F) / f] × i, 'F' क्या दर्शाता है?
(A) चिन्हित मध्यिका वर्ग के भीतर दर्ज की गई सटीक सरल आवृत्ति गणना
(B) वितरण में सभी वर्गों में जोड़ी गई कुल संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency)
(C) मध्यिका वर्ग के अनुरूप परिकलित केंद्रीय मध्य-बिंदु मान
(D) मध्यिका वर्ग से पूर्ववर्ती वर्ग की संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency)

29. एक प्राचार्य ध्यान देता है कि कक्षा X में कुछ छात्रों ने शिक्षण अवधि के दौरान अनुपस्थिति के कारण असाधारण रूप से कम अंक प्राप्त किए, जबकि बाकी ने समान रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। कक्षा के विशिष्ट प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए केंद्रीय प्रवृत्ति का कौन सा माप सर्वोत्तम है?
(A) माध्य (Mean)
(B) मध्यिका (Median)
(C) बहुलक (Mode)
(D) मानक विचलन (Standard Deviation)

30. मध्यिका (Median) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह क्रमिक आंकड़ों (Ordinal Data) के लिए एक उपयुक्त माप है।
II. यह माध्य की तुलना में चरम मानों से कम प्रभावित होता है।
III. इसे ओजाइव (Ogive) का उपयोग करके आलेखीय रूप से निर्धारित किया जा सकता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

31. परीक्षण प्राप्तांकों के वितरण का बहुलक (Mode) संदर्भित करता है:
(A) उच्चतम आवृत्ति वाला प्राप्तांक
(B) बीच के दो प्राप्तांकों का औसत
(C) उच्चतम और निम्नतम प्राप्तांकों के बीच का अंतर
(D) वितरण को चार बराबर भागों में विभाजित करने वाला बिंदु

NODIA

32. यदि प्राप्तांकों के वितरण में दो गैर-आसन्न मान हैं जो समान उच्चतम आवृत्ति के साथ होते हैं, तो वितरण को क्या कहा जाता है?
(A) एकबहुलकीय (Unimodal)
(B) त्रिबहुलकीय (Trimodal)
(C) द्विबहुलकीय (Bimodal)
(D) अबहुलकीय (Amodal)

33. विशुद्ध रूप से नामांकित पैमाने (Nominal Scale) (उदा. छात्रों का पसंदीदा विषय) पर मापे गए आंकड़ों के लिए केंद्रीय प्रवृत्ति के निम्नलिखित में से किस माप को सटीक रूप से निर्धारित किया जा सकता है?
(A) माध्य (Mean)
(B) मध्यिका (Median)
(C) गुणोत्तर माध्य (Geometric Mean)
(D) बहुलक (Mode)

34. एक वर्गीकृत आवृत्ति वितरण में, अशोधित बहुलक (Crude Mode) का अनुमान सामान्यतः किसके मध्य-बिंदु के रूप में लगाया जाता है?
(A) निरपेक्ष निम्नतम आवृत्ति गणना दर्शाने वाला विशिष्ट वर्ग अंतराल
(B) संचयी आवृत्तियों से परिकलित निर्दिष्ट मध्यिका वर्ग अंतराल
(C) उच्चतम आवृत्ति वाला वर्ग अंतराल
(D) परिकलित समांतर माध्य रखने वाला निर्दिष्ट वर्ग अंतराल

35. एक प्राचार्य कक्षा XI में गणित के अंकों के द्विबहुलकीय वितरण (Bimodal Distribution) की समीक्षा कर रहा है। यह सबसे अधिक संभावना दर्शाता है:

(A) गणना के लिए आवश्यक गणितीय जटिलता और समय को काफी कम करना
(B) समष्टि प्रसरण (Population Variance) का एक निष्पक्ष अनुमान प्रदान करना
(C) यह गारंटी देना कि परिकलित मानक विचलन (Standard Deviation) मान एक स्पष्ट पूर्ण संख्या में हल हो
(D) प्रतिदर्श डेटासेट में मौजूद किसी भी लापता रिकॉर्ड या शून्य मानों की प्रभावी रूप से भरपाई करना

55. अवर्गीकृत आंकड़ों के लिए मानक विचलन (Standard Deviation) की गणना करने के लिए निम्नलिखित चरणों के अनुक्रम पर विचार कीजिए:
I. प्राप्तांकों का माध्य निकालिए।
II. माध्य से प्रत्येक प्राप्तांक का विचलन ज्ञात कीजिए।
III. प्रत्येक विचलन का वर्ग कीजिए।
IV. वर्ग विचलनों का योग कीजिए।
V. N से विभाजित कीजिए और वर्गमूल लीजिए।
क्या ये चरण सही क्रम में हैं?
(A) हाँ, बिल्कुल इसी क्रम में
(B) नहीं, चरण III चरण II से पहले होना चाहिए
(C) नहीं, चरण IV चरण V के बाद होना चाहिए
(D) नहीं, चरण I अनावश्यक है

56. एक प्राचार्य अंग्रेजी में दो अनुभागों के प्रदर्शन की तुलना कर रहा है। अनुभाग A का माध्य 60 और मानक विचलन 5 है। अनुभाग B का माध्य 60 और मानक विचलन 15 है। प्राचार्य सही निष्कर्ष निकाल सकता है कि:
(A) अनुभाग B ने सभी मापदंडों में अनुभाग A की तुलना में काफी बेहतर समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन किया
(B) अनुभाग A में उच्च और निम्न दोनों उपलब्धि वाले छात्रों को शामिल करने वाला बहुत व्यापक विक्षेपण और प्रसार है
(C) उपयोग किया गया मूल्यांकन उपकरण अनुभाग B के अधिगम संदर्भ के खिलाफ व्यवस्थित रूप से पक्षपाती था
(D) अनुभाग A अधिक सुसंगत, सजातीय प्रदर्शन प्रदर्शित करता है

57. निम्नलिखित में से कौन प्रसरण (Variance) के बराबर है?
(A) मानक विचलन (Standard Deviation) का वर्ग
(B) मानक विचलन (Standard Deviation) का वर्गमूल
(C) निरपेक्ष विचलनों का माध्य
(D) अंतरचतुर्थक विस्तार का आधा

58. यदि किसी वितरण में प्रत्येक प्राप्तांक में 10 का अचर मान जोड़ा जाता है, तो मानक विचलन (Standard Deviation) का क्या होगा?
(A) यह 10 बढ़ जाएगा
(B) यह अपरिवर्तित रहेगा
(C) यह 10 कम हो जाएगा
(D) इसे 10 से गुणा किया जाएगा

59. यदि किसी वितरण में प्रत्येक प्राप्तांक को 2 से गुणा किया जाता है, तो प्रसरण (Variance) का क्या होगा?
(A) इसे सीधे 2 से गुणा किया जाएगा
(B) यह पूरी तरह से अपरिवर्तित रहेगा
(C) इसे 4 से गुणा किया जाएगा
(D) इसे स्पष्ट रूप से 2 से विभाजित किया जाएगा

60. एक विद्यालय मानकीकृत पठन परीक्षण आयोजित करता है। छात्र A 75वें प्रतिशतक (Percentile) पर अंक प्राप्त करता है। इसका मतलब है कि:
(A) छात्र A ने परीक्षा के सभी प्रश्नों में से ठीक 75% का सही उत्तर दिया
(B) भाग लेने वाले सभी छात्रों में से कुल 75% ने छात्र A से काफी बेहतर प्रदर्शन किया
(C) छात्र A ने कुल अधिकतम 100 में से ठीक 75 अंकों का निरपेक्ष प्राप्तांक हासिल किया
(D) छात्र A ने परीक्षा देने वालों में से 75% के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त किए

61. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Assessment) में छात्र की सापेक्ष स्थिति की व्याख्या करने के लिए प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks) अत्यधिक उपयोगी हैं।
कारण (R) : प्रतिशतक रैंक पूर्व निर्धारित शैक्षणिक मानदंडों के विरुद्ध छात्र की तुलना करके विषय सामग्री की निरपेक्ष महारत को इंगित करती हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

62. निम्नलिखित में से कौन मध्यिका (Median) के बराबर है?
(A) 25वां प्रतिशतक (P25)
(B) 50वां प्रतिशतक (P50)
(C) 75वां प्रतिशतक (P75)
(D) 100वां प्रतिशतक (P100)

63. प्रतिशतक बिंदु (Percentile Point) को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
(A) किसी दिए गए कच्चे प्राप्तांक से ठीक नीचे आने वाले व्यक्तिगत मामलों का परिकलित कुल प्रतिशत
(B) एक प्राप्तांक बिंदु जिसके नीचे मामलों का एक विशिष्ट प्रतिशत आता है
(C) निरपेक्ष कच्चे प्राप्तांक से सीधे परिवर्तित मानकीकृत व्युत्पन्न प्राप्तांक समतुल्य
(D) कुल मूल्यांकन मदों का सरल अनुपात या प्रतिशत जिसे किसी छात्र ने हल करने का प्रयास किया

Click Here to Buy book on Flipkart

102. यदि कोई परीक्षण अत्यधिक कठिन है, तो अधिकांश छात्र कम अंक प्राप्त करेंगे, केवल कुछ ही उच्च अंक प्राप्त करेंगे। परिणामी आवृत्ति वक्र कैसा होगा?
(A) धनात्मक रूप से विषमित (Positively Skewed)
(B) ऋणात्मक रूप से विषमित (Negatively Skewed)
(C) सामान्य रूप से वितरित (Normally Distributed)
(D) सपाटककुदी (Platykurtic)

103. परीक्षा अंकों के ऋणात्मक रूप से विषमित (Negatively Skewed) वितरण में:
(A) पूंछ (Tail) दाईं ओर लंबी होती है
(B) बहुलक माध्य से कम होता है
(C) अधिकांश छात्रों ने बहुत कम अंक प्राप्त किए हैं
(D) माध्य मध्यिका से कम होता है

104. विषमित वितरणों (Skewed Distributions) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. दाईं ओर विषमित वितरण धनात्मक रूप से विषमित होता है।
II. धनात्मक रूप से विषमित वितरण में, माध्य मध्यिका से बड़ा होता है।
III. एक आसान परीक्षण सामान्यतः धनात्मक रूप से विषमित वितरण उत्पन्न करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

105. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : एक प्राचार्य नोट करता है कि कक्षा परीक्षण के परिणामस्वरुप अत्यधिक ऋणात्मक रूप से विषमित वितरण हुआ और उसने सही निष्कर्ष निकाला कि परीक्षण संभवतः कक्षा के लिए बहुत आसान था।
कारण (R) : ऋणात्मक रूप से विषमित वितरण में, प्राप्तांकों का एक बड़ा हिस्सा पैमाने के उच्च सिरे पर गुच्छित होता है, जिससे निचले प्राप्तांकों की ओर एक लंबी पूंछ बनती है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

106. सांख्यिकी में ककुदता (Kurtosis) का तात्पर्य है:
(A) विषमित वक्र में लंबी पूंछ का विशिष्ट बाएं या दाएं दिशात्मक झुकाव
(B) सामान्य वक्र की तुलना में शिखरपन (Peakedness) या समतलता (Flatness)
(C) व्यक्तिगत परीक्षण मापन की मानक त्रुटि (Standard Error) का प्रतिनिधित्व करने वाला सांख्यिकीय अनुमान
(D) दो परीक्षण उपकरणों के बीच देखा गया समग्र परिकलित संख्यात्मक सहसंबंध

107. एक आवृत्ति वितरण वक्र जो सामान्य वक्र की तुलना में भारी पूंछ के साथ अत्यधिक नुकीला (Peaked) होता है, कहलाता है:
(A) सपाटककुदी (Platykurtic)
(B) मध्यककुदी (Mesokurtic)
(C) तुंगककुदी (Leptokurtic)
(D) विषमित (Skewed)

108. सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) में सामान्य शिखरपन माना जाता है और इसे इस रूप में नामित किया जाता है:
(A) तुंगककुदी (Leptokurtic)
(B) सपाटककुदी (Platykurtic)
(C) मध्यककुदी (Mesokurtic)
(D) द्विबहुलकीय (Bimodal)

109. यदि परीक्षण प्राप्तांकों का एक वितरण चपटा शीर्ष रखता है जो यह दर्शाता है कि प्राप्तांक एक विस्तृत श्रृंखला में व्यापक और समान रूप से फैले हुए हैं, तो ककुदता (Kurtosis) है:
(A) तुंगककुदी (Leptokurtic)
(B) मध्यककुदी (Mesokurtic)
(C) सपाटककुदी (Platykurtic)
(D) अनंतस्पर्शी (Asymptotic)

110. ककुदता (Kurtosis) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. एक तुंगककुदी (Leptokurtic) वक्र में सामान्य वक्र की तुलना में अधिक ऊंचा शिखर होता है।
II. एक सपाटककुदी (Platykurtic) वक्र इंगित करता है कि प्राप्तांक माध्य के आसपास कसकर गुच्छित हैं।
III. एक सामान्य वितरण की ककुदता को गणितीय रूप से 3 के रूप में परिभाषित किया जाता है (या 0 की अतिरिक्त ककुदता)।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

NODIA

111. कच्चे परीक्षण प्राप्तांकों को मानक प्राप्तांकों (जैसे Z-प्राप्तांक / Z-scores) में परिवर्तित करने का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) भिन्न मापदंडों वाले परीक्षणों में निष्पक्ष प्राप्तांक तुलना की अनुमति देना
(B) परीक्षण की आंतरिक रचना वैधता और नैदानिक शक्ति को काफी बढ़ाना
(C) परिवर्तित अंतिम आउटपुट से सभी संभावित ऋणात्मक प्राप्तांक मानों को पूरी तरह से समाप्त करना

(B) दोनों मूल्यांकन किए गए चरों को सख्ती से गुणात्मक नामांकित पैमाने (Nominal Scale) पर मापा जाना चाहिए
(C) कुल अध्ययन प्रतिदर्श आकार अत्यधिक छोटा होना चाहिए, जिसमें 10 से कम मामले हों
(D) दोनों चरों के लिए अंतर्निहित डेटा वितरण ध्यान देने योग्य और अत्यधिक विषमित हैं

74. यदि परीक्षण प्राप्तांकों के दो समूहों के बीच सहप्रसरण (Covariance) शून्य है, तो कार्ल पियर्सन के सहसंबंध गुणांक का मान क्या होगा?
(A) +1.00
(B) -1.00
(C) 0
(D) इसकी गणना नहीं की जा सकती

75. एक प्राचार्य एक अंतर-विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में दो अलग-अलग निर्णायकों द्वारा दी गई छात्रों की रैंकिंग का सहसंबंध बनाना चाहता है। कौन सी सांख्यिकीय विधि सबसे उपयुक्त है?
(A) कार्ल पियर्सन का सहसंबंध गुणांक (Karl Pearson's Coefficient of Correlation)
(B) बिंदु-द्विपंक्तिक सहसंबंध (Point-biserial Correlation)
(C) स्पेयरमैन का रैंक अंतर सहसंबंध (Spearman's Rank Difference Correlation)
(D) आंशिक सहसंबंध (Partial Correlation)

76. स्पेयरमैन के रैंक सहसंबंध सूत्र $\rho = 1 - (6\Sigma D^2 / N(N^2 - 1))$ में, 'D' का क्या अर्थ है?
(A) प्रतिदर्श माध्य से किसी व्यक्ति के प्राप्तांक का गणितीय विचलन
(B) सभी निर्दिष्ट रैंक प्राप्तांकों का परिकलित समग्र मानक विचलन
(C) प्रतिदर्श आंकड़ों में सांख्यिकीय स्वातन्त्र्य कोटि (Degrees of Freedom) की सटीक संख्या
(D) युग्मित मदों के रैंकों के बीच का अंतर (Difference Between Ranks)

77. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : स्पेयरमैन का रैंक सहसंबंध (Spearman's Rank Correlation) विशेष रूप से उन आंकड़ों के लिए डिज़ाइन किया गया है जिन्हें एक क्रमिक पैमाने (Ordinal Scale) पर मापा जाता है।
कारण (R) : यह दो मात्रात्मक चरों के बीच सटीक प्रसरण की गणना करने के लिए कच्चे प्राप्तांकों के सटीक परिमाण का उपयोग करता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

78. यदि दो शिक्षक ड्राइंग प्रतियोगिता में 10 छात्रों को बिल्कुल समान रैंक देते हैं, तो स्पेयरमैन के सूत्र में ΣD^2 का मान क्या होगा?
(A) 10
(B) 100
(C) 0
(D) 1

79. शैक्षिक अनुसंधान में +0.35 के सहसंबंध गुणांक की व्याख्या करते समय, इसे सामान्यतः किस रूप में वर्गीकृत किया जाता है?
(A) नगण्य या शून्य संबंध
(B) निम्न या कमजोर धनात्मक संबंध
(C) उच्च या मजबूत धनात्मक संबंध
(D) पूर्ण धनात्मक संबंध

NODIA

80. एक शोधकर्ता गणित और विज्ञान के अंकों के बीच 1.15 का सहसंबंध गुणांक रिपोर्ट करता है। इस रिपोर्ट को पढ़ने वाले एक विद्यालय प्राचार्य को निष्कर्ष निकालना चाहिए कि:
(A) गणित और विज्ञान के बीच देखा गया सांख्यिकीय संबंध अत्यधिक मजबूत है
(B) भाग लेने वाले छात्रों का मूल्यांकन समूह असाधारण रूप से बौद्धिक रूप से प्रतिभाशाली है
(C) एक गणना त्रुटि हुई, क्योंकि सहसंबंध 1.00 से अधिक नहीं हो सकता
(D) अंतर्निहित डेटासेट एक अरेखीय या जटिल वक्ररेखीय संबंध को दर्शाता है

81. सहसंबंध गुणांक का वर्ग (r^2) निर्धारण गुणांक (Coefficient of Determination) कहलाता है। यह इंगित करता है:
(A) गणना के दौरान त्रुटि करने की सटीक सांख्यिकीय संभावना
(B) स्वतंत्र चर द्वारा उत्पन्न निश्चित और सटीक कारण प्रभाव
(C) दो मानक विचलनों (Standard Deviations) के बीच परिकलित सरल गणितीय अंतर
(D) दो चरों के बीच पूर्वानुमेय साझा प्रसरण (Shared Variance)

82. सहसंबंध की व्याख्या करने के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. सहसंबंध का अर्थ कारण-प्रभाव (Causation) नहीं है।
II. -0.80 का सहसंबंध +0.60 की तुलना में कमजोर संबंध दर्शाता है।
III. सहसंबंध की गणना के लिए उपयोग किए गए आंकड़ों की सीमा से परे अनुमान लगाना जोखिम भरा है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II (B) केवल I और III
(C) केवल II और III (D) I, II, और III

(B) इसके लिए एकत्र किए गए सभी प्रदर्शन डेटा को अनुपात पैमाने पर मापा जाना सख्त आवश्यक है
(C) इसकी सटीक गणना केवल समांतर माध्य निश्चित रूप से ज्ञात होने के बाद ही की जा सकती है
(D) यह केवल चरम प्राप्तांकों पर निर्भर करता है और मध्य आंकड़ों की उपेक्षा करता है

46. चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे अर्ध-अंतरचतुर्थक विस्तार (Semi-interquartile Range) के रूप में भी जाना जाता है।
II. इसकी गणना (Q3 - Q1) / 2 के रूप में की जाती है।
III. यह किसी वितरण में मध्य 50% प्राप्तांकों को शामिल करता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

47. चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation) को प्रसार (Range) की तुलना में परिवर्तनशीलता का अधिक स्थिर माप माना जाता है क्योंकि:
(A) यह सीधे समांतर माध्य से सभी कच्चे प्राप्तांकों के व्यक्तिगत विचलनों को शामिल करता है
(B) यह बाहर के 50% प्राप्तांकों को बाहर करता है, चरम मानों (Extreme Outliers) को हटाता है
(C) यह सीधे सामान्य संभावना वक्र के सैद्धांतिक गुणों से गणितीय रूप से व्युत्पन्न होता है
(D) यह व्यवस्थित रूप से परिकलित मानक विचलन (Standard Deviation) को अपने सूत्र में एक मुख्य घटक के रूप में शामिल करता है

48. यदि गणित के अंकों के वितरण का पहला चतुर्थक (Q1) 40 है और तीसरा चतुर्थक (Q3) 70 है, तो चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation) क्या है?
(A) 15 (B) 30
(C) 55 (D) 110

49. माध्य विचलन (Mean Deviation) को केंद्रीय प्रवृत्ति के माप से प्राप्तांकों के विचलनों के समांतर माध्य के रूप में परिभाषित किया गया है, बशर्ते कि:
(A) केवल ऋणात्मक विचलन मानों को विशेष रूप से निकाला जाए और अंतिम गणना में शामिल किया जाए
(B) अंतिम औसत चरण करने से पहले परिकलित विचलनों को व्यक्तिगत रूप से वर्गीकृत किया जाए
(C) संपूर्ण सूत्र में लागू केंद्रीय प्रवृत्ति माप विशेष रूप से प्रतिदर्श बहुलक (Sample Mode) है
(D) विचलनों के बीजगणितीय चिह्नों को निरपेक्ष मान (Absolute Values) के रूप में माना जाता है

50. परिवर्तनशीलता के मापों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. माध्य विचलन (Mean Deviation) विचलनों के बीजगणितीय चिह्नों की उपेक्षा करता है।
II. मानक विचलन (Standard Deviation) ऋणात्मक चिह्नों को समाप्त करने के लिए विचलनों का वर्ग करता है।
III. प्रसरण (Variance) मानक विचलन का वर्गमूल है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

51. विक्षेपण (Dispersion) के निम्नलिखित मापों पर विचार कीजिए:
I. प्रसार (Range)
II. माध्य विचलन (Mean Deviation)
III. मानक विचलन (Standard Deviation)
IV. प्रसरण (Variance)
उपर्युक्त मापों में से कौन अपनी गणना के लिए वितरण के सभी प्राप्तांकों का उपयोग करते हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II, III, और IV
(C) केवल III और IV
(D) I, II, III, और IV

52. उन्नत शैक्षिक अनुसंधान में सामान्यतः माध्य विचलन की तुलना में मानक विचलन (Standard Deviation) को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि:
(A) अनुसंधान के दौरान मैन्युअल रूप से गणना करना काफी आसान और कम समय लेने वाला है
(B) इसके लिए सख्त ऐसे आंकड़ों की आवश्यकता होती है जो विशेष रूप से एक बुनियादी गुणात्मक क्रमिक पैमाने पर मापे जाते हैं
(C) यह अत्यधिक दूर के चरम कच्चे प्राप्तांकों के प्रभाव से पूरी तरह अप्रभावित रहता है
(D) यह वर्ग करके बीजगणितीय चिह्नों की मनमानी उपेक्षा से बचाता है

53. यदि उपलब्धि परीक्षण प्राप्तांकों के एक समूह का प्रसरण (Variance) 64 है, तो मानक विचलन (Standard Deviation) क्या है?
(A) 4 (B) 8
(C) 16 (D) 32

54. प्रतिदर्श (Sample) के मानक विचलन की गणना करते समय, वर्ग विचलनों के योग को N के बजाय (N-1) से विभाजित किया जाता है। यह समायोजन निम्नलिखित के लिए किया जाता है:

Downloaded from www.pdf.tube

(C) 75% बिंदु तक वक्र के तहत सटीक आनुपातिक क्षेत्र की गणितीय गणना करना
(D) Y-अक्ष पर 150 खोजना और मिलान करने वाले X मान की पहचान करना

92. एक दंड आरेख (Bar Diagram) निम्नलिखित का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे उपयुक्त है:
(A) विविक्त समूहों में गुणात्मक आंकड़े (Categorical Qualitative Data)
(B) सतत संख्यात्मक मूल्यांकन आंकड़े जैसे छात्रों की सटीक ऊंचाई
(C) परीक्षा अंकों का कुल संचित संचयी आवृत्ति वितरण (Cumulative Frequency Distribution)
(D) सतत चरों के बीच मौजूद रेखीय सांख्यिकीय संबंध

93. एक प्राचार्य विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC) के लिए पांच अलग-अलग श्रेणियों (बुनियादी ढांचा, पुस्तकालय, खेल, वेतन, कार्यक्रम) में बजट आवंटन (Budget Allocation) दर्शाते हुए एक प्रस्तुति तैयार कर रहा है। कौन सा आलेखीय निरुपण पूरे बजट के सापेक्ष प्रत्येक श्रेणी के अनुपात को सबसे अच्छी तरह दर्शाएगा?
(A) आयतचित्र (Histogram)
(B) पाई चार्ट (Pie Chart)
(C) ओजाइव (Ogive)
(D) प्रकीर्ण आरेख (Scatterplot)

94. पाई चार्ट (Pie Chart) में, किसी विशिष्ट श्रेणी का प्रतिनिधित्व करने वाले त्रिज्यखंड (Sector) के कोण की गणना इस प्रकार की जाती है:
(A) (श्रेणी आवृत्ति / कुल आवृत्ति) × 100 प्रतिशत
(B) श्रेणी की निरपेक्ष आवृत्ति × 3.14 अचर मान
(C) (श्रेणी आवृत्ति / कुल आवृत्ति) × 360°
(D) संचित संचयी आवृत्ति मान × 360 पूर्ण डिग्री

95. पाई चार्ट (Pie Chart) खींचने के लिए निम्नलिखित अनुक्रम पर विचार कीजिए:
I. कुल आवृत्ति की गणना कीजिए।
II. प्रत्येक घटक के लिए केंद्रीय कोण निर्धारित कीजिए।
III. उपयुक्त त्रिज्या का एक वृत्त खींचिए।
IV. प्रोट्रैक्टर का उपयोग करके वृत्त को त्रिज्यखंडों में विभाजित कीजिए।
क्या ये चरण सही तार्किक क्रम में हैं?
(A) हाँ, बिल्कुल इसी क्रम में
(B) नहीं, चरण III चरण I से पहले होना चाहिए
(C) नहीं, चरण II और III को आपस में बदला जाना चाहिए
(D) नहीं, चरण I अनावश्यक है

96. सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve - NPC) सैद्धांतिक रुप से किसके नियमों पर आधारित है?
(A) ऊष्माप्रवैगिकी (Thermodynamics)
(B) रेखीय प्रगति (Linear Progression)
(C) संयोग और प्रायिकता (Chance and Probability)
(D) अराजकता सिद्धांत (Chaos Theory)

97. निम्नलिखित में से कौन सा सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) का गुण नहीं है?
(A) यह घंटी के आकार का और सममित होता है
(B) माध्य, मध्यिका और बहुलक केंद्र में एक ही बिंदु पर होते हैं
(C) यह दोनों छोरों पर X-अक्ष को स्पर्श करता है (अनंतस्पर्शी / Asymptotic)
(D) यह धनात्मक रुप से विषमित (Positively Skewed) होता है

NODIA

98. एक पूर्ण सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) में, माध्य (Mean) और +1 मानक विचलन (SD) के बीच कितने प्रतिशत मामले आते हैं?
(A) 34.13%
(B) 50.00%
(C) 68.26%
(D) 95.44%

99. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रुप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : शैक्षिक मापन में, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक लक्षणों के बड़े अनचयनित प्रतिदर्श सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) के निकट होते हैं।
कारण (R) : मानव लक्षण कई स्वतंत्र संयोग कारकों से प्रभावित होते हैं जो एक बड़ी आबादी पर संतुलित होते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

100. एक प्राचार्य देखता है कि 1000 छात्रों के परीक्षण प्राप्तांक 50 के माध्य और 10 के मानक विचलन के साथ एक सामान्य वितरण का पालन करते हैं। लगभग कितने छात्रों ने 40 और 60 के बीच अंक प्राप्त किए?
(A) 340
(B) 500
(C) 683
(D) 954

101. आवृत्ति वितरण में विषमता (Skewness) संदर्भित करती है:
(A) वक्र का शिखरपन या समतलता (Peakedness or Flatness)
(B) वक्र में सममिति (Symmetry) की कमी
(C) माध्य के चारों ओर प्राप्तांकों का विक्षेपण
(D) विचलन का औसत

83. आयतचित्र (Histogram) एक आवृत्ति वितरण का आलेखीय निरुपण है जिसमें:
(A) आवृत्तियों को व्यक्तिगत रूप से पृथक बिंदुओं के रूप में प्लॉट किया जाता है और सीधी रेखाओं से जोड़ा जाता है
(B) आसन्न लंबवत दंड बिना किसी अंतराल के आवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं
(C) डेटा घटकों को एक वृत्ताकार पाई के आनुपातिक क्षेत्र खंडों के रूप में दृश्य रूप से दर्शाया जाता है
(D) संचित संचयी आवृत्तियों को एक चिकना S-वक्र बनाने के लिए क्रमिक रूप से प्लॉट किया जाता है

84. परीक्षण प्राप्तांकों का प्रतिनिधित्व करने वाले आयतचित्र (Histogram) में, प्रत्येक आयत का क्षेत्रफल किसके समानुपाती होता है?
(A) वर्ग चिह्न (मध्य-बिंदु)
(B) संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency)
(C) विद्यालय में छात्रों की कुल संख्या
(D) वर्ग अंतराल की आवृत्ति (Frequency)

85. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : वर्ग अंतरालों में परीक्षण प्राप्तांकों जैसे सतत वर्गीकृत आंकड़ों (Continuous Grouped Data) की आवृत्ति को प्लॉट करते समय बार ग्राफ की तुलना में आयतचित्र (Histogram) को प्राथमिकता दी जाती है।
कारण (R) : बार ग्राफ के विपरीत, आयतचित्र में बार के बीच कोई अंतराल नहीं होता है, जो डेटा वर्ग सीमाओं की सतत प्रकृति को सही ढंग से दर्शाता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

86. आवृत्ति वितरण से एक आवृत्ति बहुभुज (Frequency Polygon) बनाने के लिए, आवृत्तियों को किसके विरुद्ध प्लॉट किया जाता है?
(A) निर्दिष्ट वर्ग अंतरालों की निचली सटीक सीमा रेखाएं
(B) वर्ग मध्य-बिंदु (Class Mid-points)
(C) निर्दिष्ट वर्ग अंतरालों की ऊपरी सटीक सीमा रेखाएं
(D) अंतरालों में कुल संचित संचयी आवृत्तियां (Cumulative Frequencies)

87. एक आवृत्ति बहुभुज (Frequency Polygon) को ग्राफ को X-अक्ष तक विस्तारित करके दोनों सिरों पर बंद किया जाता है। यह निम्नलिखित द्वारा किया जाता है:
(A) पहले और अंतिम प्लॉट किए गए बिंदुओं से सीधे लंबवत रेखाएं गिराना
(B) दोनों बाहरी अंतिम बिंदुओं को सीधे संरचनात्मक मूल बिंदु (0,0) से जोड़ना
(C) दोनों सिरों पर शून्य-आवृत्ति अंतराल जोड़ना
(D) यह मान लेना कि सभी चरम अमापित आवृत्तियां डेटासेट माध्य के संख्यात्मक रुप से बराबर हैं

88. आलेखीय निरुपण की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. एक आयतचित्र (Histogram) सतत आंकड़ों के लिए आयत का उपयोग करता है।
II. एक आवृत्ति बहुभुज (Frequency Polygon) प्लॉट किए गए बिंदुओं को सीधी रेखाओं से जोड़ता है।
III. एक ओजाइव (Ogive) ऊपरी वर्ग सीमाओं के विरुद्ध संचयी आवृत्ति को प्लॉट करता है।
IV. एक बार चार्ट का उपयोग मुख्य रूप से सतत मात्रात्मक आंकड़ों के लिए किया जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, III, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) I, II, III, और IV

89. ओजाइव (Ogive) को किस नाम से भी जाना जाता है?
(A) गैर-संचयी आवृत्ति बहुभुज (Non-cumulative Frequency Polygon)
(B) संचयी आवृत्ति वक्र (Cumulative Frequency Curve)
(C) सतत वर्गीकृत आयतचित्र (Continuous Grouped Histogram)
(D) द्विचर प्रकीर्ण आरेख (Bivariate Scatter Plot Diagram)

90. ओजाइव (Ogive) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका निर्माण वर्ग अंतरालों की ऊपरी सीमाओं के विरुद्ध संचयी आवृत्तियों को प्लॉट करके किया जाता है।
II. यह हमेशा बाएं से दाएं नीचे की ओर झुकता है।
III. इसका उपयोग किसी वितरण की मध्यिका को आलेखीय रूप से निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

91. 200 छात्रों के प्राप्तांकों के ओजाइव (Ogive) का उपयोग करके आलेखीय रूप से 75वें प्रतिशतक (Q3) को खोजने के लिए, एक प्राचार्य को करना चाहिए:
(A) क्षैतिज X-अक्ष पर सीधे 75 मान का पता लगाना और उसका संबंधित Y-अक्ष मान ज्ञात करना
(B) वक्र के अधिकतम शिखर बिंदु की पहचान करना और एक सीधी लंबवत रेखा गिराना

Click Here to Buy book on Amazon

(D) कच्चे अवलोकनात्मक गुणात्मक आंकड़ों को सीधे मात्रात्मक मापदंडों में बदलना

112. Z-प्राप्तांक (Z-score) की गणना का सूत्र है:
(A) (कच्चा प्राप्तांक + परिकलित माध्य) / मानक विचलन
(B) (कच्चा प्राप्तांक - मध्यिका) / कुल प्रसार
(C) (कच्चा प्राप्तांक - माध्य) / मानक विचलन
(D) (परिकलित माध्य - कच्चा प्राप्तांक) × मानक विचलन

113. एक छात्र गणित के परीक्षण में 75 अंक प्राप्त करता है जहाँ कक्षा का माध्य 60 है और मानक विचलन 10 है। छात्र का Z-प्राप्तांक (Z-score) है:
(A) +0.5
(B) +1.0
(C) +1.5
(D) +2.5

114. परिभाषा के अनुसार, किसी भी कच्चे प्राप्तांक वितरण से परिकलित Z-प्राप्तांकों (Z-scores) के वितरण में हमेशा होगा:
(A) 50 का माध्य और 10 का मानक विचलन
(B) मूल माध्य के बराबर माध्य और 1 का मानक विचलन
(C) कोई ऋणात्मक संख्या नहीं
(D) 0 का माध्य और 1 का मानक विचलन

115. एक छात्र इतिहास परीक्षण (माध्य=40, SD=5) में 50 अंक और भूगोल परीक्षण (माध्य=50, SD=10) में 60 अंक प्राप्त करता है। Z-प्राप्तांकों के आधार पर, कक्षा के सापेक्ष छात्र ने किस विषय में बेहतर प्रदर्शन किया?
(A) इतिहास
(B) भूगोल
(C) दोनों में प्रदर्शन समान है
(D) अधिकतम अंकों को जाने बिना निर्धारित नहीं किया जा सकता

116. अभिभावकों और छात्रों को Z-प्राप्तांकों (Z-scores) के संप्रेषण की एक सीमा यह है कि:
(A) उनके परिकलित कच्चे संख्यात्मक परिमाण सामान्य लोगों के समझने के लिए बहुत बड़े हैं
(B) ऋणात्मक मान और दशमलव अक्सर गैर-सांख्यिकीविदों को भ्रमित करते हैं
(C) वे छात्र रैंक के गणितीय रूप से सटीक या विश्वसनीय निरूपण के रूप में कार्य करने में विफल रहते हैं
(D) उनके पास अनूठी गणितीय संरचनाएं हैं जो उन्हें सामान्य वक्रों पर आलेखित होने से रोकती हैं

117. Z-प्राप्तांकों में अंतर्निहित दशमलवों और ऋणात्मक संख्याओं को समाप्त करने के लिए, शिक्षक अक्सर T-प्राप्तांकों (T-scores) का उपयोग करते हैं। Z-प्राप्तांक को T-प्राप्तांक में बदलने का मानक सूत्र है:
(A) T = 50Z + 10
(B) T = 100Z + 15
(C) T = 10Z + 50
(D) T = Z + 100

NODIA

118. -1.5 का Z-प्राप्तांक किस T-प्राप्तांक के बराबर है?
(A) 35
(B) 45
(C) 65
(D) 85

119. परिभाषा के अनुसार, T-प्राप्तांकों (T-scores) के वितरण में हमेशा होता है:
(A) 0 का माध्य और 1 का मानक विचलन
(B) 100 का माध्य और 15 का मानक विचलन
(C) 50 का माध्य और 10 का मानक विचलन
(D) 500 का माध्य और 100 का मानक विचलन

120. एक प्राचार्य समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card) की समीक्षा कर रहा है। छात्र X का विज्ञान में T-प्राप्तांक 60 है। यह इंगित करता है कि छात्र X का प्रदर्शन है:
(A) समग्र परिकलित कक्षा माध्य पर सटीक रूप से स्थित
(B) कक्षा के माध्य से एक मानक विचलन ऊपर
(C) समग्र कक्षा माध्य से ठीक एक मानक विचलन नीचे स्थित
(D) समग्र कक्षा माध्य से ठीक दो मानक विचलन ऊपर स्थित

121. निम्नलिखित मानक प्राप्तांकों (Standard Scores) पर विचार कीजिए:
I. Z-प्राप्तांक (Z-score)
II. T-प्राप्तांक (T-score)
III. स्टेनिन (Stanine)
सापेक्ष प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए शैक्षिक मापन में उपयोग किए जाने वाले मानक प्राप्तांक उपर्युक्त में से कौन से हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

122. स्टेनिन (Stanines) सामान्य वितरण को कितने स्कोरिंग बैंड में विभाजित करते हैं?
(A) 5
(B) 9
(C) 10
(D) 100

123. एक स्टेनिन (Stanine) प्राप्तांक का माध्य 5 और मानक विचलन लगभग होता है:
(A) 1
(B) 2

179. शिक्षा में सहसंबंध की एक सामान्य गलत व्याख्या "तीसरा चर समस्या" (Third Variable Problem) है। यह तब होता है जब:
(A) मूल्यांकन शोधकर्ता सांख्यिकीय विश्लेषण के दौरान एक व्यवस्थित गणितीय गणना त्रुटि करता है
(B) एक अमापित तीसरा चर देखे गए संबंध का कारण बनता है
(C) प्रयोगात्मक अध्ययन में प्रयुक्त प्रतिदर्श आकार में ठीक तीन व्यक्ति शामिल होते हैं
(D) ठीक तीन अलग-अलग सतत चर एक दूसरे के साथ गणितीय रूप से पूर्ण पारस्परिक सहसंबंध प्रदर्शित करते हैं

180. एक प्राचार्य एक नया उपचारात्मक कार्यक्रम लागू करता है। पूर्व-परीक्षण माध्य 40 था, उत्तर-परीक्षण माध्य 60 था। यह निर्धारित करने के लिए कि क्या यह सुधार सांख्यिकीय रूप से सार्थक है और केवल संयोग के कारण नहीं है, प्राचार्य को उपयोग करना चाहिए:
(A) युग्मित प्रतिदर्श t-परीक्षण (Paired samples t-test)
(B) पियर्सन गुणन-आघूर्ण सहसंबंध (Pearson correlation)
(C) प्रतिदर्श समष्टि मानक विचलन
(D) द्विचर मात्रात्मक प्रकीर्ण आरेख

181. परिकल्पना परीक्षण (Hypothesis Testing) में, 0.05 से कम का "p-मान" (p-value < .05) आमतौर पर इंगित करता है कि:
(A) अंतर्निहित शून्य परिकल्पना (Null Hypothesis) को औपचारिक रूप से और पूरी तरह से सही के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए
(B) परिणाम सांख्यिकीय रूप से सार्थक (Statistically Significant) हैं और संयोग से होने की संभावना नहीं है
(C) प्रशासित मापन उपकरण या नैदानिक परीक्षण उपकरण पूरी तरह से अमान्य है
(D) सटीक रूप से 5% संभावना है कि लागू की गई शिक्षण विधि प्रभावी थी

182. सांख्यिकीय निर्णय लेने में टाइप I त्रुटि (Type I Error) तब होती है जब एक शोधकर्ता:
(A) एक गलत शून्य परिकल्पना को स्वीकार करता है
(B) एक सत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करता है (फॉल्स पॉजिटिव)
(C) मानक विचलन में गणना त्रुटि करता है
(D) ऐसे प्रतिदर्श का चयन करता है जो बहुत छोटा है

183. मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण के परिणामों की व्याख्या करते समय, किसी छात्र के 6.5 के "ग्रेड समतुल्य प्राप्तांक" (Grade Equivalent Score) का अर्थ है:
(A) छात्र ने समग्र मूल्यांकन में ठीक 65% का प्राप्तांक सफलतापूर्वक हासिल किया
(B) प्रदर्शन छठी कक्षा के 5वें महीने के छात्र से मेल खाता है
(C) छात्र ने पर्याप्त महारत का प्रदर्शन किया और उसे तुरंत छठी कक्षा में पदोन्नत किया जाना चाहिए
(D) मूल्यांकन किए गए छात्र ने 10 मापे गए अधिगम परिणामों में से ठीक 6.5 में सफलतापूर्वक महारत हासिल कर ली है

184. माता-पिता को ग्रेड समतुल्य प्राप्तांक रिपोर्ट करने का एक बड़ा खतरा यह है कि वे अक्सर इसका गलत अर्थ निकालते हैं कि:
(A) मूल्यांकन किया गया बच्चा सभी शैक्षणिक क्षेत्रों में बौद्धिक रूप से प्रतिभाशाली है
(B) बच्चा उच्च कक्षा में तत्काल स्थान पाने का हकदार है
(C) उपयोग किया गया मानकीकृत नैदानिक मूल्यांकन उपकरण स्वाभाविक रूप से सांस्कृतिक रूप से पक्षपाती था
(D) समग्र शैक्षणिक संस्थान या विद्यालय प्रणाली का प्रदर्शन बहुत खराब है

185. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : शास्त्रीय परीक्षण सिद्धांत में, स्प्लिट-हाफ तकनीक (Split-Half Technique) या क्रोनबैक अल्फा (Cronbach's Alpha) जैसी सांख्यिकीय विधियों का उपयोग करके परीक्षण की विश्वसनीयता (Reliability) का अनुमान लगाया जा सकता है।
कारण (R) : ये सांख्यिकीय विधियां परीक्षण प्रश्नों की आंतरिक संगति (Internal Consistency) को मापती हैं, जो यह दर्शाती है कि परीक्षण किसी लक्षण को कितनी निर्भरता से मापता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

186. एक अच्छी तरह से निर्मित मानकीकृत शैक्षिक परीक्षण का विश्वसनीयता गुणांक (Reliability Coefficient) आदर्श रूप से होना चाहिए:
(A) 0.80 या 0.90 से ऊपर
(B) लगभग 0.00 के करीब
(C) ठीक 1.50 के बराबर
(D) मान में काफी ऋणात्मक

187. सांख्यिकीय रूप से बोलते हुए, किसी मूल्यांकन उपकरण की "वैधता" (Validity) अक्सर निम्नलिखित द्वारा स्थापित की जाती है:
(A) एक स्थापित बाह्य मानदंड (External Criterion) के साथ प्राप्तांकों का सहसंबंध बनाकर
(B) यह सुनिश्चित करके कि समग्र परीक्षण मूल्यांकन 15 का एक निश्चित मानक विचलन बनाए रखता है
(C) एक ही छात्र समूह को समय के साथ दो बार बिल्कुल समान परीक्षण उपकरण प्रशासित करके

Downloaded from www.pdf.tube

(D) +0.50 और +1.00 के बीच

133. यदि किसी प्रश्न का ऋणात्मक विभेदन सूचकांक (Negative Discrimination Index) है, तो परीक्षण डेवलपर के लिए सबसे उपयुक्त कार्रवाई है:
(A) प्रश्न को परीक्षण पूल में पूरी तरह से बनाए रखना क्योंकि यह अत्यधिक चुनौतीपूर्ण मूल्यांकन प्रदान करता है
(B) भविष्य के परीक्षणों में प्रश्न को दिए गए सापेक्ष अंक भार को काफी बढ़ाना
(C) कमियों या गलत उत्तर-कुंजी के कारण प्रश्न को संशोधित करना या त्यागना
(D) बेहतर प्रवाह के लिए प्रश्न को सीधे परीक्षण के आरंभ में स्थानांतरित करना

134. बहुविकल्पीय प्रश्नों में विक्षेपक विश्लेषण (Distractor Analysis) में निम्नलिखित का मूल्यांकन शामिल है:
(A) जानबूझकर धोखाधड़ी गतिविधियों में लगे पाए गए छात्रों की कुल संख्या
(B) आधिकारिक प्रश्न पत्र पर प्रस्तुत संरचनात्मक और दृश्य लेआउट और स्वरूपण
(C) कठिन प्रश्नों का प्रयास करते समय छात्रों द्वारा बर्बाद किए गए कुल समय का अनुपात
(D) गलत विकल्प कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कितनी प्रभावी ढंग से आकर्षित करते हैं

135. शास्त्रीय विधि का उपयोग करके पद विश्लेषण (Item Analysis) करने के निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. परीक्षण पत्रों को उच्चतम से निम्नतम अंक के क्रम में व्यवस्थित कीजिए।
II. ऊपरी 27% और निचले 27% पत्रों का चयन कीजिए।
III. प्रत्येक समूह में प्रत्येक प्रश्न को उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की संख्या की गणना कीजिए।
IV. कठिनाई और विभेदन सूचकांकों की गणना कीजिए।
क्या ये चरण सही कालानुक्रमिक क्रम में हैं?
(A) हाँ, बिल्कुल इसी क्रम में
(B) नहीं, चरण II चरण I से पहले होना चाहिए
(C) नहीं, चरण III चरण IV के बाद होना चाहिए
(D) नहीं, चरण IV अनावश्यक है

136. एक विद्यालय प्रशासक वार्षिक विद्यालय रिपोर्ट तैयार करने के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) का उपयोग करता है। इस संदर्भ में वर्णनात्मक सांख्यिकी का उदाहरण निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) केवल वर्तमान विद्यालय रिकॉर्ड के आधार पर पूरे जिले की ड्रॉप-आउट दर का सांख्यिकीय अनुमान लगाना
(B) चालू वर्ष की औसत उपस्थिति और उत्तीर्ण दरों का सारांश देना
(C) उन्नत प्रायिकता मॉडलों का उपयोग करके अगले शैक्षणिक वर्ष के कुल छात्र नामांकन का पूर्वानुमान लगाना
(D) इस परिकल्पना का औपचारिक रूप से परीक्षण करना कि नई शिक्षण विधि से उच्च परीक्षण अंक प्राप्त हुए हैं

137. दो स्वतंत्र समूहों (उदा. प्रयोगात्मक बनाम नियंत्रित समूह) के माध्य प्राप्तांकों के बीच अंतर की सार्थकता का परीक्षण करने के लिए किस सांख्यिकीय तकनीक का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है?
(A) पियर्सन सहसंबंध (Pearson Correlation)
(B) मानक विचलन (Standard Deviation)
(C) t-परीक्षण (t-test)
(D) काई-वर्ग परीक्षण (Chi-square test)

138. एक प्राचार्य यह निर्धारित करना चाहता है कि क्या कक्षा XI में छात्रों के लिंग (पुरुष/महिला) और उनके स्ट्रीम के चयन (विज्ञान/वाणिज्य/कला) के बीच कोई सार्थक संबंध है। इस गुणात्मक आंकड़ों (Categorical Data) का विश्लेषण करने के लिए कौन सा सांख्यिकीय परीक्षण सबसे उपयुक्त है?
(A) द्वि-पुच्छीय स्वतंत्र प्रतिदर्श t-परीक्षण (Two-tailed independent samples t-test)
(B) एक-तरफा प्रसरण विश्लेषण (One-way ANOVA)
(C) स्वतंत्रता का काई-वर्ग परीक्षण (Chi-square test of independence)
(D) स्पेयरमैन का रैंक क्रम सहसंबंध गुणांक (Spearman's rank order correlation)

139. एनोवा / प्रसरण विश्लेषण (ANOVA - Analysis of Variance) एक सांख्यिकीय प्रक्रिया है जिसका उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जाता है:
(A) दो अलग-अलग प्रयोगात्मक समूहों में परिकलित समष्टि प्रसरणों की सीधे तुलना करना
(B) तीन या अधिक समूहों में माध्य (Means) की तुलना करना
(C) तीन या अधिक सतत चरों के बीच मौजूद संबंधों का सांख्यिकीय रूप से सहसंबंध और विश्लेषण करना
(D) कच्चे मूल्यांकन अंकों को मानकीकृत z-प्राप्तांकों में बदलना

140. परीक्षण परिणामों की व्याख्या करने में एक सामान्य त्रुटि यह मान लेना है कि एक छात्र जो मानकीकृत गणित उपलब्धि परीक्षण में शून्य अंक प्राप्त करता है, उसमें शून्य गणितीय क्षमता है। यह त्रुटि शैक्षिक मापन पैमानों के किस गुण को गलत समझने से संबंधित है?
(A) शैक्षिक परीक्षण गुणात्मक श्रेणियों के बजाय बुनियादी क्रमिक रैंकिंग पैमाने (Ordinal Ranking Scale) के रूप में कार्य करते हैं
(B) उनमें वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) का अभाव होता है
(C) शिक्षा में मापन पैमानों में स्वाभाविक रूप से असमान अंतराल होते हैं
(D) मानकीकृत शैक्षिक परीक्षण उपकरण पूरी तरह से विश्वसनीय होने की गारंटी देते हैं

NODIA

159. निम्नलिखित सांख्यिकीय संबंधों पर विचार कीजिए:
I. 2रा चतुर्थक (Q2) = 50वां प्रतिशतक (P50) = 5वां दशमक (D5)
II. 3रा चतुर्थक (Q3) = 75वां प्रतिशतक (P75)
III. अंतरचतुर्थक विस्तार (Interquartile Range) = Q3 - Q1
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

160. जनसांख्यिकीय आंकड़ों का विश्लेषण करने वाला एक विद्यालय प्राचार्य छात्रों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर "निम्न", "मध्यम" और "उच्च" में वर्गीकृत करता है। यह मापन के किस स्तर का उदाहरण है?
(A) नामांकित पैमाना (Nominal Scale)
(B) क्रमिक पैमाना (Ordinal Scale)
(C) अंतराल पैमाना (Interval Scale)
(D) अनुपात पैमाना (Ratio Scale)

161. एक शिक्षक डिग्री सेल्सियस में एक सप्ताह में विज्ञान प्रयोगशाला का तापमान दर्ज करता है। यह तापमान डेटा किस प्रकार के पैमाने का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) नामांकित पैमाना (Nominal Scale)
(B) क्रमिक पैमाना (Ordinal Scale)
(C) अंतराल पैमाना (Interval Scale)
(D) अनुपात पैमाना (Ratio Scale)

162. अंतराल और अनुपात पैमानों के बीच मुख्य अंतर यह है कि अनुपात पैमाना (Ratio Scale):
(A) बिंदुओं के बीच समान अंतराल (Equal Intervals) रखता है
(B) एक निरपेक्ष वास्तविक शून्य बिंदु (Absolute True Zero Point) रखता है
(C) क्रमिक रूप से व्यवस्थित किया जा सकता है
(D) विशेष रूप से गुणात्मक आंकड़ों के लिए उपयोग किया जाता है

163. यदि कोई छात्र वर्तनी परीक्षण में 0 का कच्चा प्राप्तांक प्राप्त करता है, तो इसका अर्थ है कि छात्र ने परीक्षण के किसी भी शब्द की सही वर्तनी नहीं लिखी। यह किसका उदाहरण है?
(A) एक निरपेक्ष वास्तविक शून्य मान (Absolute True Zero Value), जो अंतर्निहित वर्तनी क्षमता की पूर्ण कमी को दर्शाता है
(B) एक प्रतिदर्श पर एक मनमाना शून्य (Arbitrary Zero), शून्य कुल क्षमता नहीं
(C) एक परिकलित मध्यिका प्रदर्शन प्राप्तांक जो कक्षा वितरण के सटीक मध्य बिंदु का प्रतिनिधित्व करता है
(D) एक अत्यधिक कठिन परीक्षण से प्राप्त ऋणात्मक रूप से विषमित प्राप्तांक मान

164. निम्नलिखित प्रकार के ग्राफ पर विचार कीजिए:
I. संचयी आवृत्ति बहुभुज (Cumulative Frequency Polygon)
II. आयतचित्र (Histogram)
III. पाई चार्ट (Pie Chart)
IV. ओजाइव (Ogive)
उपर्युक्त में से कौन से ग्राफ आमतौर पर संचयी आवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपयोग किए जाते हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और IV
(C) केवल II और III
(D) केवल III और IV

165. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : बहुलक (Mode) केंद्रीय प्रवृत्ति का एकमात्र माप है जिसे नामांकित आंकड़ों (Nominal Data) के साथ सार्थक रूप से उपयोग किया जा सकता है (उदा. छात्रों के बीच सबसे लोकप्रिय फल खोजना)।
कारण (R) : नामांकित आंकड़ों में बिना किसी मात्रात्मक क्रम के वस्तुओं को वर्गीकृत करना शामिल है, जिससे माध्य की गणना या मध्यिका की पहचान करना असंभव हो जाता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

166. एक आवृत्ति वितरण तालिका में, "f" सामान्यतः आवृत्ति को दर्शाता है, जबकि "cf" दर्शाता है:
(A) केंद्रीय आवृत्ति (Central Frequency)
(B) संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency)
(C) वर्ग भिन्न (Class Fraction)
(D) परिकलित आवृत्ति (Calculated Frequency)

167. किसी वर्ग अंतराल की संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency) की गणना निम्नलिखित द्वारा की जाती है:
(A) वर्ग आवृत्ति को सभी पूर्ववर्ती वर्ग आवृत्तियों के साथ जोड़ना
(B) दर्ज किए गए प्रतिदर्श अवलोकनों की कुल संख्या से विशिष्ट वर्ग आवृत्ति को विभाजित करना
(C) वर्ग अंतराल की ऊपरी सीमा से निचली सीमा को घटाना
(D) सरल आवृत्ति को निर्दिष्ट मध्य-बिंदु या वर्ग चिह्न मान से सीधे गुणा करना

168. यदि छात्रों की कुल संख्या (N) 200 है, तो से-कम संचयी आवृत्ति वितरण (Less-than Cumulative Frequency Distribution) में अंतिम वर्ग अंतराल की संचयी आवृत्ति होगी:
(A) 100
(B) 200

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) यह गारंटी देना कि सभी भाग लेने वाले छात्र राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षा में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हों
(B) प्रश्न पत्र सेटों में अलग-अलग कठिनाई स्तरों के लिए अंकों को समायोजित करना
(C) मानकीकृत मूल्यांकन सत्रों के दौरान अनुचित साधनों का सहारा लेने वाले छात्रों को औपचारिक रूप से दंडित करना
(D) परीक्षा के बाद छात्र पुनर्मूल्यांकन की परिचालन आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त करना

150. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) आंकड़ों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. रचनात्मक मूल्यांकन आंकड़े सामान्यतः मानदंड-संदर्भित (Criterion-Referenced) होते हैं।
II. सांख्यिकीय तकनीकें CCE में अप्रासंगिक हैं क्योंकि यह पूरी तरह से अवलोकन पर निर्भर करता है।
III. वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) का उपयोग करके योगात्मक मूल्यांकन अंकों का विश्लेषण किया जा सकता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

151. सतत 10-वर्ष की अवधि में कक्षा X बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय के समग्र उत्तीर्ण प्रतिशत के रुझान को प्रदर्शित करने के लिए कौन सा सांख्यिकीय ग्राफ सबसे उपयुक्त है?
(A) वृत्ताकार पाई चार्ट (Pie Chart)
(B) रेखा ग्राफ (Line Graph)
(C) द्विचर प्रकीर्ण आरेख (Scatter Plot)
(D) सतत आयतचित्र (Histogram)

152. विद्यालयी आंकड़ों के विश्लेषण में, यदि "शिक्षक अनुपस्थिति" और "छात्र प्रदर्शन" के बीच सहसंबंध -0.65 पाया जाता है, तो इसका तात्पर्य है कि:
(A) जैसे-जैसे शिक्षक अनुपस्थिति बढ़ती है, छात्र का प्रदर्शन घटता जाता है
(B) जैसे-जैसे शिक्षक अनुपस्थिति बढ़ती है, छात्र का प्रदर्शन बढ़ता जाता है
(C) उच्च शिक्षक अनुपस्थिति सीधे खराब छात्र शैक्षणिक प्रदर्शन का कारण बनती है
(D) सांख्यिकीय रूप से, दो मापे गए चरों के बीच वस्तुतः कोई रेखीय संबंध नहीं है

153. एक प्रकीर्ण आरेख (Scatter Plot) ऐसे डेटा बिंदुओं को प्रकट करता है जो बाएं से दाएं ऊपर की ओर ढलान वाली सीधी रेखा के आसपास ढीले रूप से गुच्छित होते हैं। यह इंगित करता है:
(A) एक पूर्ण धनात्मक सहसंबंध
(B) एक मध्यम धनात्मक सहसंबंध
(C) एक मध्यम ऋणात्मक रेखीय सहसंबंध
(D) एक निरपेक्ष शून्य सांख्यिकीय सहसंबंध

154. किसी डेटासेट में "चरम मान" (Outliers) क्या होते हैं?
(A) व्यक्तिगत प्रदर्शन अंक जो सटीक परिकलित समांतर माध्य पर आते हैं
(B) चरम मान (Extreme Values) जो अन्य आंकड़ों से बहुत दूर विचलित होते हैं
(C) आवृत्ति वितरण में दर्ज किए गए निरपेक्ष सबसे अधिक बार आने वाले कच्चे प्राप्तांक मान
(D) विशिष्ट डेटा बिंदु जो समाश्रयण रेखा (Regression Line) के रेखीय रुझान के साथ आते हैं

155. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : 15 छात्रों की एक छोटी कक्षा के औसत अंक की गणना करते समय, एक चरम प्राप्तांक (उदा. 100 में से 5 जबकि बाकी 70 से अधिक अंक प्राप्त करते हैं) की उपस्थिति औसत को गंभीर रूप से विकृत करती है।
कारण (R) : माध्य की गणना सभी प्राप्तांकों को जोड़कर की जाती है, इसलिए एक चरम मान माध्य को भारी रूप से अपनी ओर खींचता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

156. यदि कोई शोधकर्ता छात्रों के हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा अंकों के आधार पर उनके कॉलेज जीपीए (GPA) का पूर्वाभास लगाना चाहता है, तो उपयोग करने के लिए सबसे उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीक है:
(A) सरल रेखीय समाश्रयण (Simple Linear Regression)
(B) स्वतंत्रता का गैर-पैरामीट्रिक काई-वर्ग परीक्षण
(C) दो-प्रतिदर्श स्वतंत्र छात्र t-परीक्षण (Two-Sample Independent Student t-test)
(D) खोजपूर्ण कारक विश्लेषण तकनीक

157. एक विद्यालय मूल्यांकन रिपोर्ट में, एक "दशमक" (Decile) प्राप्तांकों के वितरण को कितने समान भागों में विभाजित करता है?
(A) 4 (B) 10
(C) 100 (D) 9

158. 5वां दशमक (D5) संख्यात्मक रूप से किसके बराबर होता है?
(A) प्रथम चतुर्थक (Q1) (B) मध्यिका (Median)
(C) माध्य (Mean) (D) 5वां प्रतिशतक

Downloaded from www.pdf.tube

(C) 5
(D) 10

124. जब एक प्राचार्य पिछले पांच वर्षों में विद्यालय के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए सांख्यिकी लागू करता है, तो यह देखने की प्रक्रिया कि प्राप्तांक सामान्य रूप से बढ़ रहे हैं या घट रहे हैं, कहलाती है:
(A) पद विश्लेषण (Item Analysis)
(B) रुझान विश्लेषण (Trend Analysis)
(C) कारक विश्लेषण (Factor Analysis)
(D) मूल्य-वर्धित विश्लेषण (Value-added Analysis)

125. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : छात्र परीक्षण अंकों के आधार पर शिक्षक की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में, कच्चे उपलब्धि अंकों के बजाय "मूल्य-वर्धित" (Value-Added) सांख्यिकीय मॉडल पसंद किए जाते हैं।
कारण (R) : मूल्य-वर्धित मॉडल छात्रों की पूर्व उपलब्धि और पृष्ठभूमि कारकों का ध्यान रखते हैं, जो विद्यालय या शिक्षक के कारण हुई वास्तविक शैक्षणिक वृद्धि को मापते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

126. पद विश्लेषण (Item Analysis) एक सांख्यिकीय प्रक्रिया है जिसका उपयोग मुख्य रूप से निम्नलिखित के लिए किया जाता है:
(A) भाग लेने वाले छात्रों के अंतिम शैक्षणिक ग्रेडों की व्यवस्थित रूप से गणना और संकलन करना
(B) व्यक्तिगत प्रश्नों की कठिनाई और विभेदन का आकलन करना
(C) दो अलग-अलग शैक्षणिक विषयों के बीच मौजूद सांख्यिकीय सहसंबंध को सटीक रूप से निर्धारित करना
(D) कुल परीक्षण प्राप्तांक वितरण की समग्र विषमता और सममिति का सटीक आकलन करना

127. पद विश्लेषण (Item Analysis) में उपयोग किए जाने वाले निम्नलिखित सूचकांकों पर विचार कीजिए:
I. पद कठिनाई सूचकांक (Item Difficulty Index / p-value)
II. पद विभेदन सूचकांक (Item Discrimination Index / D)
III. विक्षेपक विश्लेषण (Distractor Analysis)
IV. क्रोनबैक अल्फा (Cronbach's Alpha)
बहुविकल्पीय प्रश्नों का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले शास्त्रीय पद विश्लेषण के प्रत्यक्ष घटक उपर्युक्त में से कौन से हैं?
(A) केवल I, II, और III
(B) केवल I, II, और IV
(C) केवल II, III, और IV
(D) I, II, III, और IV

128. पद कठिनाई सूचकांक (Item Difficulty Index - p) की गणना इस प्रकार की जाती है:
(A) उन छात्रों का अनुपात जिन्होंने प्रश्न का सही उत्तर दिया
(B) सही उत्तर देने वाले उच्च अंक प्राप्तकर्ताओं और निम्न अंक प्राप्तकर्ताओं के बीच का अंतर
(C) उन छात्रों की संख्या जिन्होंने प्रश्न खाली छोड़ दिया
(D) प्रश्न प्राप्तांकों का मानक विचलन

129. यदि 100 में से 80 छात्र किसी परीक्षण प्रश्न का सही उत्तर देते हैं, तो पद कठिनाई सूचकांक (p) है:
(A) 0.20
(B) 0.80
(C) 80.0
(D) 1.25

NODIA

130. पद कठिनाई सूचकांक (p) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. 0.95 का p-मान बहुत कठिन प्रश्न को इंगित करता है।
II. 0.15 का p-मान बहुत कठिन प्रश्न को इंगित करता है।
III. मानकीकृत परीक्षण में अधिकतम विभेदन के लिए, लगभग 0.50 के p-मान वाले प्रश्नों को सामान्यतः प्राथमिकता दी जाती है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

131. पद विभेदन सूचकांक (Item Discrimination Index - D) मापता है:
(A) एक प्रश्न उच्च अंक प्राप्तकर्ताओं को निम्न अंक प्राप्तकर्ताओं से कितनी अच्छी तरह अलग करता है
(B) क्या कोई मूल्यांकन प्रश्न अल्पसंख्यक छात्र समूहों के खिलाफ व्यवस्थित रूप से सांस्कृतिक रूप से पक्षपाती है
(C) प्रश्न में प्रयुक्त भाषा की स्पष्टता और पठनीयता
(D) विशिष्ट प्रश्न का उत्तर देने के लिए छात्रों द्वारा लिया गया औसत समय

132. विज्ञान परीक्षण का विश्लेषण करने वाला एक प्राचार्य पाता है कि प्रश्न 10 के लिए, उच्च उपलब्धि वाले छात्रों (शीर्ष 27%) की तुलना में अधिक निम्न उपलब्धि वाले छात्रों (निचले 27%) ने सही उत्तर दिया। इस प्रश्न के लिए विभेदन सूचकांक (D) क्या है?
(A) +1.00
(B) 0.00 (Zero)
(C) ऋणात्मक (Negative)

(C) 0
(D) यह माध्य पर निर्भर करता है

169. "से-अधिक" संचयी आवृत्ति वितरण (More-than Cumulative Frequency Distribution) में, प्रथम वर्ग अंतराल (निम्नतम अंक) की संचयी आवृत्ति किसके बराबर होती है?
(A) उस विशिष्ट वर्ग की आवृत्ति
(B) शून्य
(C) कुल आवृत्ति (N)
(D) कुल आवृत्ति का आधा

170. ओजाइव (से-कम प्रकार) बनाने के लिए निम्नलिखित चरणों पर विचार कीजिए:
I. सभी वर्ग अंतरालों की ऊपरी सीमाओं की गणना कीजिए।
II. से-कम संचयी आवृत्तियों की गणना कीजिए।
III. X-अक्ष पर ऊपरी सीमाएं और Y-अक्ष पर संचयी आवृत्तियां प्लॉट कीजिए।
IV. बिंदुओं को एक चिकने वक्र के साथ जोड़िए।
क्या ये चरण सही ढंग से बताए गए हैं और क्रमबद्ध हैं?
(A) हाँ, वे सही हैं और सही क्रम में हैं
(B) नहीं, चरण III में X-अक्ष पर निचली सीमाएं प्लॉट की जानी चाहिए
(C) नहीं, चरण IV में केवल सीधी रेखाओं से बिंदु जोड़े जाने चाहिए
(D) नहीं, चरण II गलत है

171. दो अलग-अलग डेटासेटों (उदा. किग्रा में मापा गया वजन और सेमी में मापी गई लंबाई) के सापेक्ष विक्षेपण (Relative Dispersion) की तुलना करने के लिए, कौन सा सांख्यिकीय माप सबसे उपयुक्त है?
(A) विचरण गुणांक (Coefficient of Variation)
(B) निरपेक्ष मानक विचलन माप (Absolute Standard Deviation Measure)
(C) समष्टि प्रसरण माप
(D) निरपेक्ष कुल प्रतिदर्श प्रसार

172. विचरण गुणांक (Coefficient of Variation - CV) की गणना किस सूत्र का उपयोग करके की जाती है?
(A) (मानक विचलन / माध्य) × 100
(B) (माध्य / मानक विचलन) × 100
(C) (प्रसार / माध्य) × 100
(D) (प्रसरण / मानक विचलन) × 100

173. अनुभाग A का औसत परीक्षण अंक 50 है जिसमें SD 5 है। अनुभाग B का औसत अंक 50 है जिसमें SD 10 है। कौन सा अनुभाग अपने प्रदर्शन में अधिक परिवर्तनशील (कम सुसंगत) है?
(A) अनुभाग A
(B) अनुभाग B
(C) वे समान रूप से परिवर्तनशील हैं
(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता

174. यदि 5 वर्षों में स्कूल X के उत्तीर्ण प्रतिशत के लिए विचरण गुणांक 10% है, और स्कूल Y के लिए 25% है, तो एक प्राचार्य यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि:
(A) स्कूल Y के पास स्कूल X की तुलना में काफी उच्च संचयी औसत उत्तीर्ण प्रतिशत है
(B) स्कूल X के परिणाम स्कूल Y की तुलना में अधिक सुसंगत और स्थिर हैं
(C) स्कूल Y के परिणाम स्कूल X की तुलना में अधिक सुसंगत और स्थिर हैं
(D) स्कूल X, स्कूल Y की तुलना में व्यक्तिगत छात्रों की काफी अधिक कुल संख्या का नामांकन करता है

175. निम्नलिखित मापों पर विचार कीजिए:
I. Z-प्राप्तांक (Z-score)
II. प्रसार (Range)
III. प्रसरण (Variance)
IV. विचरण गुणांक (Coefficient of Variation)
उपर्युक्त में से कौन से निरपेक्ष विक्षेपण के बजाय सापेक्ष स्थिति या सापेक्ष विक्षेपण के माप हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और IV
(C) केवल I और IV
(D) केवल III और IV

176. एक प्राचार्य मॉक परीक्षा में छात्रों के अंकों और अंतिम बोर्ड परीक्षा में उनके अंकों के बीच संबंध का अध्ययन करना चाहता है। इस द्विचर आंकड़ों (Bivariate Data) की कल्पना करने के लिए सबसे उपयुक्त ग्राफ एक है:
(A) वर्गीकृत आवृत्ति आयतचित्र (Histogram)
(B) आनुपातिक वृत्ताकार पाई चार्ट (Pie Chart)
(C) प्रकीर्ण आरेख (Scatter Diagram / Scatterplot)
(D) गैर-संचयी आवृत्ति बहुभुज

177. एक प्रकीर्ण आरेख (Scatter Diagram) में, यदि बिंदु एक सीधी रेखा के आसपास कसकर गुच्छित होते हैं, तो यह इंगित करता है:
(A) एक कमजोर सहसंबंध
(B) एक मजबूत सहसंबंध
(C) कोई सहसंबंध नहीं
(D) डेटा संग्रह में त्रुटि

178. यदि पठन बोध और गणितीय समस्या समाधान के बीच सहसंबंध गुणांक +0.70 है, तो गणितीय समस्या समाधान में प्रसरण का कितना प्रतिशत पठन बोध में प्रसरण द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है? (निर्धारण गुणांक / Coefficient of Determination)
(A) 70%
(B) 35%
(C) 49%
(D) 100%

Click Here to Buy book on Amazon

141. शिक्षाविदों द्वारा की जाने वाली एक और सामान्य सांख्यिकीय त्रुटि "पारिस्थितिकीय आभास" (Ecological Fallacy) है, जो तब होती है जब:
(A) केवल देखे गए सहसंबंध (Correlation) से सीधे कारण-प्रभाव संबंधों का अनुचित निष्कर्ष निकाला जाता है
(B) समूह के आंकड़ों (Group Data) से व्यक्तिगत लक्षणों का गलत अनुमान लगाया जाता है
(C) समष्टि माध्य की गणना करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा असाधारण रूप से छोटे प्रतिदर्श आकारों का अनुचित उपयोग किया जाता है
(D) गैर-पैरामीट्रिक परीक्षणों को सतत अंतराल पैमाने के आंकड़ों पर गलत तरीके से लागू किया जाता है

142. एक शिक्षक 40 छात्रों की कक्षा के औसत अंक की गणना करता है और निष्कर्ष निकालता है कि ठीक 50% छात्रों ने इस औसत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह निष्कर्ष केवल तभी गणितीय रूप से गारंटीकृत है जब वितरण हो:
(A) अत्यधिक धनात्मक रूप से विषमित (Positively Skewed)
(B) अत्यधिक ऋणात्मक रूप से विषमित (Negatively Skewed)
(C) सममित (Symmetrical)
(D) स्पष्ट रूप से द्विबहुलकीय (Bimodal)

143. सांख्यिकीय व्याख्या में निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों पर विचार कीजिए:
I. कारण-प्रभाव (Causation) के साथ सहसंबंध (Correlation) को भ्रमित करना।
II. भिन्न माध्य और मानक विचलन वाले दो परीक्षणों के कच्चे अंकों की तुलना करना।
III. अत्यधिक विषमित आंकड़ों के लिए माध्य के बजाय मध्यिका का उपयोग करना।
उपर्युक्त में से कौन वास्तव में सांख्यिकीय अभ्यास में त्रुटियां हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II, और III

144. मानकीकृत परीक्षण में, "मापन की मानक त्रुटि" (Standard Error of Measurement - SEM) निम्नलिखित का एक अनुमान प्रदान करती है:
(A) संपूर्ण परीक्षण उपकरण के लिए परिकलित समग्र तुलनात्मक कठिनाई स्तर और पद विभेदन सूचकांक
(B) वह प्राप्तांक सीमा जिसके भीतर छात्र का वास्तविक प्राप्तांक (True Score) स्थित होता है
(C) भाग लेने वाले छात्रों का अनुमानित समग्र प्रतिशत जिन्होंने संभावित रूप से अनधिकृत नकल की है
(D) उच्चतम और निम्नतम प्राप्तांकों के बीच परिकलित सरल निरपेक्ष अंतर (Absolute Difference)

145. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : छात्रों के समूह के औसत प्रदर्शन को खोजने के लिए प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks) का औसत निकालना गणितीय रूप से गलत है।
कारण (R) : प्रतिशतक रैंक असमान अंतरालों के साथ एक क्रमिक पैमाना (Ordinal Scale) बनाती हैं, इसलिए औसत निकालने जैसी गणितीय क्रियाएं विकृत परिणाम देती हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

146. एक प्राचार्य देखता है कि भौतिकी में कक्षा XII A का औसत अंक 80 (SD=5) है और गणित में 80 (SD=15) है। इसके आधार पर यह कहना सही है कि:
(A) औसतन छात्र के लिए गणित भौतिकी की तुलना में काफी आसान है
(B) भौतिकी का प्रदर्शन गणित की तुलना में अधिक सुसंगत है
(C) भौतिकी मूल्यांकन उपकरण गणित की तुलना में काफी अधिक वैध परीक्षण के रूप में कार्य करता है
(D) गणित की तुलना में भौतिकी में काफी अधिक प्रतिशत और कुल छात्र अनुत्तीर्ण हुए

147. ग्रेडिंग प्रणाली (जैसे 9-पॉइंट ग्रेडिंग स्केल) अक्सर सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) पर आधारित होती हैं। ग्रेडिंग की इस विधि को किस रूप में जाना जाता है?
(A) मानदंड-संदर्भित ग्रेडिंग (Criterion-referenced grading)
(B) मानक-संदर्भित ग्रेडिंग / वक्र पर ग्रेडिंग (Norm-referenced grading / grading on a curve)
(C) निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute grading)
(D) रचनात्मक ग्रेडिंग (Formative grading)

NODIA

148. निरपेक्ष ग्रेडिंग (Criterion-Referenced) में, एक छात्र को 'A' ग्रेड मिलता है यदि वे 90% से अधिक अंक प्राप्त करते हैं, चाहे अन्य छात्र कैसा भी प्रदर्शन करें। सापेक्ष ग्रेडिंग (Norm-Referenced) में, एक छात्र को 'A' ग्रेड मिलता है यदि वे:
(A) निरपेक्ष कुल परीक्षण अंक प्राप्त करते हैं जो सख्ती से 90% से ऊपर हैं
(B) शीर्ष निर्दिष्ट कक्षा प्रतिशत के भीतर रैंक प्राप्त करते हैं
(C) व्यक्तिगत मूल्यांकन प्राप्तांक प्राप्त करते हैं जो परिकलित माध्य पर आता है
(D) पूरी शैक्षणिक अवधि में एकल उच्चतम सापेक्ष प्रदर्शन सुधार प्रदर्शित करते हैं

149. परीक्षा बोर्डों द्वारा अक्सर परीक्षण अंकों का स्केलिंग (Scaling of Test Scores) निम्नलिखित के लिए किया जाता है:

(D) यह गारंटी देकर कि प्रत्येक पद कठिनाई सूचकांक (Item Difficulty Index) मान ठीक 0.50 पर हल होता है

188. यदि कोई परीक्षण अत्यधिक विश्वसनीय (Reliable) है, तो यह:
(A) अत्यधिक वैध (Valid) होना चाहिए
(B) वैध हो भी सकता है और नहीं भी
(C) निश्चित रूप से पक्षपाती है
(D) ठीक वही मापता है जो वह मापने का दावा करता है

189. यदि किसी परीक्षण की लंबाई बढ़ाई या घटाई जाती है, तो उसकी विश्वसनीयता का अनुमान लगाने के लिए निम्नलिखित में से किस सूत्र का उपयोग किया जाता है?
(A) स्पेयरमैन-ब्राउन भविष्यवाणी सूत्र (Spearman-Brown prophecy formula)
(B) पियर्सन सूत्र (Pearson formula)
(C) क्रोनबैक अल्फा (Cronbach's Alpha)
(D) कुडर-रिचर्डसन सूत्र 20 (KR-20)

190. विश्वसनीयता का अनुमान लगाने के लिए निम्नलिखित सांख्यिकीय विधियों पर विचार कीजिए:
I. परीक्षण-पुनर्परीक्षण (Test-Retest)
II. समानांतर रूप (Alternate/Parallel Forms)
III. स्प्लिट-हाफ (Split-Half)
उपर्युक्त में से किस विधि में दो अलग-अलग अवसरों पर परीक्षण प्रशासित करने की आवश्यकता होती है?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II, और III

191. एक प्राचार्य विद्यालय के लिए मानकीकृत मूल्यांकन के परिणामों की समीक्षा कर रहा है। डेटा से पता चलता है कि विद्यालय का औसत प्राप्तांक राज्य के मानदंडों के 45वें प्रतिशतक (Percentile) पर है। सांख्यिकीय रूप से इसका क्या तात्पर्य है?
(A) विद्यालय मूल्यांकन पर बुनियादी उत्तीर्ण मानकों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रहा
(B) विद्यालय ने राज्य के 45% विद्यालयों से बेहतर प्रदर्शन किया
(C) विद्यालय में नामांकित सभी छात्रों में से ठीक 45% ने सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण की
(D) विद्यालय में नामांकित औसत छात्र ने 100 में से ठीक 45 अंक प्राप्त किए

192. सांख्यिकी की कौन सी शाखा मुख्य रूप से प्रतिदर्श (Sample) के आधार पर समष्टि (Population) के बारे में सामान्यीकरण करने से संबंधित है?
(A) निष्कर्षात्मक सांख्यिकी (Inferential Statistics)
(B) वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics)
(C) सहसंबंधात्मक सांख्यिकी (Correlational Statistics)
(D) आलेखीय सांख्यिकी (Graphical Statistics)

193. सांख्यिकी में, "प्राचल" (Parameter) निम्नलिखित में से किसकी विशेषता है?
(A) प्रतिदर्श (Sample)
(B) समष्टि (Population)
(C) आवृत्ति तालिका (Frequency table)
(D) सामान्य वक्र (Normal curve)

194. प्रतिदर्श (Sample) की एक विशेषता, जैसे प्रतिदर्श माध्य, को क्या कहा जाता है?
(A) प्राचल (Parameter)
(B) सांख्यिकी / प्रतिदर्शज (Statistic)
(C) चर (Variable)
(D) अचर (Constant)

195. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : एक प्रतिदर्श से बड़ी समष्टि तक निष्कर्षों का सामान्यीकरण करने का प्रयास करते समय शैक्षिक अनुसंधान में यादृच्छिक प्रतिचयन (Random Sampling) अत्यंत महत्वपूर्ण है।
कारण (R) : यादृच्छिक प्रतिचयन यह सुनिश्चित करता है कि समष्टि के प्रत्येक सदस्य को चुने जाने का समान अवसर मिले, जिससे चयन पूर्वाग्रह (Selection Bias) कम से कम हो।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

196. एक प्राचार्य छात्र निकाय को ग्रेड स्तर (कक्षा IX, X, XI, XII) के आधार पर उपसमूहों में विभाजित करता है और फिर एक सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक उपसमूह से 10% छात्रों को यादृच्छिक रूप से चुनता है। इस प्रतिचयन तकनीक (Sampling Technique) को किस रूप में जाना जाता है?
(A) अप्रतिबंधित सरल यादृच्छिक प्रतिचयन दृष्टिकोण
(B) स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन (Stratified Random Sampling)
(C) एकल-चरण गुच्छ प्रतिचयन विधि (Cluster sampling)
(D) गैर-प्रायिकता सुविधा प्रतिचयन तकनीक

197. यदि कोई शोधकर्ता वर्णानुक्रम में व्यवस्थित नामांकन सूची में से प्रत्येक 10वें छात्र का चयन करता है, तो प्रयुक्त प्रतिचयन विधि (Sampling Method) है:
(A) व्यवस्थित प्रतिचयन (Systematic sampling)
(B) आनुपातिक स्तरित प्रतिचयन (Proportional Stratified Sampling)

Downloaded from www.pdf.tube

(C) मानकीकृत गुच्छ प्रतिचयन
(D) गैर-प्रायिकता उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन

198. एक शैक्षिक शोधकर्ता 100 छात्रों के प्रतिदर्श के लिए औसत पठन प्राप्तांक की गणना करता है और "त्रुटि की सीमा" (Margin of Error) की गणना करता है। त्रुटि की सीमा मुख्य रूप से निम्नलिखित पर निर्भर करती है:
(A) समग्र परिकलित प्रतिदर्श माध्य (Sample Mean)
(B) माध्य की मानक त्रुटि (Standard Error of Mean)
(C) प्रतिदर्श समूह की मध्यिका
(D) समष्टि आंकड़ों का कुल प्रसार

199. पद विश्लेषण (Item Analysis) के परिणामों का विश्लेषण करते समय, बहुविकल्पीय प्रश्न में एक विक्षेपक (Distractor) को प्रभावी माना जाता है यदि वह:
(A) निम्न उपलब्धि वाले छात्रों की तुलना में काफी अधिक उच्च उपलब्धि वाले छात्रों द्वारा व्यवस्थित रूप से चुना जाता है
(B) पूरी तरह से उपेक्षित है और परीक्षा देने वाले किसी भी छात्र द्वारा नहीं चुना जाता है
(C) उच्च उपलब्धि वाले छात्रों की तुलना में अधिक निम्न उपलब्धि वाले छात्रों द्वारा चुना जाता है
(D) लगभग प्रत्येक परीक्षा देने वाले छात्र के लिए पूरी तरह से स्पष्ट रूप से गलत है

200. एक प्राचार्य शिक्षकों के लिए डेटा-संचालित अनुदेश कार्यशाला का नेतृत्व कर रहा है। एक शिक्षक शिकायत करता है कि 10-प्रश्नों वाली साप्ताहिक क्विज़ का सांख्यिकीय विश्लेषण छात्र महारत के बारे में स्थिर या विश्वसनीय अंतर्दृष्टि नहीं दे रहा है। प्राचार्य को सांख्यिकीय रूप से सही ढंग से बताना चाहिए कि:
(A) एक संक्षिप्त 10-प्रश्नों वाले क्विज़ उपकरण के लिए मानक विचलन सांख्यिकी की सटीक गणना नहीं की जा सकती है
(B) छोटे परीक्षणों में सामान्यतः लंबे परीक्षणों की तुलना में कम सांख्यिकीय विश्वसनीयता (Statistical Reliability) होती है
(C) छोटे क्विज़ के लिए अंतर-प्रश्न सहसंबंध गुणांक (Inter-item Correlation Coefficient) गणितीय रूप से ऋणात्मक होने की गारंटी देते हैं
(D) नैदानिक रचनात्मक कक्षा मूल्यांकनों को कभी भी संख्यात्मक मापदंडों में परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) सूचित शैक्षिक निर्णय लेने के लिए मात्रात्मक आंकड़ों (Quantitative Data) का सारांश, विश्लेषण और व्याख्या करना
शैक्षणिक प्रशासन (Educational Administration) और मापन में सांख्यिकी का प्राथमिक कार्य संकलित सूचनाओं का व्यवस्थित संगठन, विश्लेषण तथा प्रस्तुतीकरण करना है। यह प्रक्रिया प्रशासकों को छात्र प्रदर्शन, संस्थागत दक्षता और संसाधन आवंटन के संबंध में डेटा-आधारित वस्तुनिष्ठ निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। मात्रात्मक आंकड़ों (Quantitative Data) का सांख्यिकीय प्रसंस्करण जटिल शैक्षिक परिदृश्यों का सटीक सारांश प्रस्तुत करके साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को सुगम बनाता है।

2. (C) परीक्षण प्राप्तांकों (Test Scores) के एक विशिष्ट समूह की विशेषताओं का सारांश और वर्णन करने के लिए
वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) का मुख्य उद्देश्य एकत्र किए गए आंकड़ों के किसी विशिष्ट समूह की मुख्य विशेषताओं को व्यवस्थित, संक्षेपित तथा वर्णित करना होता है। इसके अंतर्गत केंद्रीय प्रवृत्ति के माप और विक्षेपण के माप शामिल हैं। यह तकनीक बिना किसी व्यापक समष्टि (Population) के बारे में निष्कर्ष निकाले या पूर्वाभास व्यक्त किए केवल हस्तगत आंकड़ों (Handled Data) का सार्थक निरूपण प्रस्तुत करती है।

3. (A) रचनात्मक निदान और अनुदेशात्मक योजना (Formative Diagnosis and Instructional Planning)
मध्य-अवधि परीक्षा के आंकड़ों का विश्लेषण शिक्षकों एवं प्रशासकों को छात्रों की विशिष्ट शिक्षण कठिनाइयों और अधिगम अंतरालों (Learning Gaps) की पहचान करने का अवसर देता है। यह प्रक्रिया रचनात्मक निदान (Formative Diagnosis) के अंतर्गत आती है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) तैयार करना तथा अनुदेशात्मक योजना (Instructional Planning) में आवश्यक सुधार करना है, जिससे छात्रों के प्रदर्शन में निरंतर प्रगति सुनिश्चित हो सके।

4. (D) सांख्यिकीय निष्कर्ष सभी परिस्थितियों में सटीक और सार्वभौमिक रूप से सत्य होते हैं
सांख्यिकी (Statistics) केवल औसतों और प्रवृत्तियों पर काम करती है, इसलिए इसके निष्कर्ष केवल समूहों के लिए सत्य होते हैं, किसी एकल इकाई के लिए नहीं। सांख्यिकीय निष्कर्ष संभावनाओं (Probabilities) पर आधारित होते हैं और सार्वभौमिक नियम नहीं व्यक्त करते। ये परिणाम विशिष्ट परिस्थितियों और प्रतिदर्श विशेषताओं पर निर्भर करते हैं, जिसके कारण इन्हें हर स्थिति में पूर्णतः सटीक या सार्वभौमिक सत्य नहीं माना जा सकता।

5. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation – CCE) में छात्र विकास के कई पक्षों का बार-बार मापन किया जाता है। इतने विस्तृत आंकड़ों का सुव्यवस्थित प्रबंधन करने के लिए सांख्यिकी एक अनिवार्य उपकरण है। सांख्यिकीय विधियों द्वारा पृथक रचनात्मक प्राप्तांकों को एकीकृत करके समग्र प्रगति रिपोर्ट बनाई जाती है, जिससे प्राचार्य को छात्र के सर्वांगीण विकास का सही और स्पष्ट आकलन प्राप्त होता है।

6. (C) नामांकित गुणात्मक आंकड़े (Nominal Qualitative Data)
जब आंकड़ों को बिना किसी प्राकृतिक क्रम या संख्यात्मक मान के केवल श्रेणियों या समूहों में वर्गीकृत किया जाता है, तो उसे नामांकित गुणात्मक आंकड़े (Nominal Qualitative Data) कहा जाता है। खेल, संगीत और वाद-विवाद जैसी गतिविधियों के आधार पर वर्गीकरण केवल पहचान या नाममात्र के लिए होता है। इसमें चरों के बीच कोई आंतरिक पदानुक्रम (Hierarchy) या गणितीय संबंध विद्यमान नहीं होता है।

7. (B) क्रमिक पैमाना (Ordinal Scale)
क्रमिक पैमाना (Ordinal Scale) मापन का वह स्तर है जिसमें आंकड़ों को उनके सापेक्ष परिमाण, गुणवत्ता या प्रदर्शन के आधार पर एक निश्चित क्रम या श्रेणीबद्ध पदानुक्रम (Hierarchy) में व्यवस्थित किया जाता है। जब छात्रों को पहला, दूसरा, तीसरा या चौथा स्थान दिया जाता है, तब यह उनके बीच के अंतर के सटीक आकार को दर्शाए बिना केवल उनके सापेक्ष स्थान का निरूपण करता है।

8. (A) गणितीय क्रियाओं के अधीन संख्यात्मक चरों का मापन करते हैं
मात्रात्मक आंकड़े (Quantitative Data) सदैव संख्यात्मक मानों द्वारा व्यक्त किए जाते हैं, जिन्हें जोड़ने, घटाने, गुणा करने और औसतन मापने जैसी गणितीय क्रियाओं (Mathematical Operations) के अधीन लाया जा सकता है। इसके विपरीत, गुणात्मक आंकड़े (Qualitative Data) गैर-संख्यात्मक विवरणों, श्रेणियों या विशेषताओं को व्यक्त करते हैं। मात्रात्मक आंकड़े सटीक मापन और सांख्यिकीय विश्लेषण की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे तुलना करना आसान हो जाता है।

9. (B) छात्रों द्वारा गणित की परीक्षा पूरी करने में लिया गया सटीक समय
सतत मात्रात्मक आंकड़े (Continuous Quantitative Data) वे चर होते हैं जो किसी दी गई सीमा के भीतर कोई भी मान या दशमलव बिंदु प्राप्त कर सकते हैं। समय एक सतत चर (Continuous Variable) है क्योंकि इसे सेकंड, मिनट या

Click Here to Buy book on Flipkart

57. (A) मानक विचलन (Standard Deviation) का वर्ग
प्रसरण (Variance) परिवर्तनशीलता का एक प्रमुख सांख्यिकीय माप है, जिसे गणितीय रूप से मानक विचलन (Standard Deviation) के वर्ग के रूप में परिभाषित किया जाता है। यदि मानक विचलन को σ या s से व्यक्त किया जाए, तो प्रसरण का मान σ^2 या s^2 होगा। यह माध्य से विचलनों के वर्गों का समांतर माध्य निरूपित करता है।

58. (B) यह अपरिवर्तित रहेगा
मानक विचलन विक्षेपण या प्राप्तांकों के आपसी फैलाव को मापता है। यदि किसी वितरण के प्रत्येक प्राप्तांक में एक अचर मान (जैसे 10) जोड़ा जाता है, तो वितरण का केवल स्थितिगत स्थान (माध्य) बदलता है, परंतु प्राप्तांकों के बीच की सापेक्ष दूरी या फैलाव बिल्कुल नहीं बदलता। इसलिए मानक विचलन पूरी तरह अपरिवर्तित रहता है।

59. (C) इसे 4 से गुणा किया जाएगा
यदि किसी वितरण के प्रत्येक प्राप्तांक को किसी अचर मान 'k' से गुणा किया जाता है, तो मानक विचलन k गुना हो जाता है। चूंकि प्रसरण मानक विचलन का वर्ग होता है, इसलिए नया प्रसरण k^2 गुना बढ़ जाएगा। इस प्रश्न में प्रत्येक प्राप्तांक को 2 से गुणा किया गया है, अतः प्रसरण 2^2 अर्थात् 4 से गुणा हो जाएगा।

60. (D) छात्र A ने परीक्षा देने वालों में से 75% के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त किए
प्रतिशतक (Percentile) एक स्थितिगत माप है जो यह दर्शाता है कि किसी विशिष्ट प्राप्तांक के नीचे या बराबर कुल मामलों का कितना प्रतिशत आता है। 75वें प्रतिशतक प्राप्तांक का अर्थ है कि छात्र A ने परीक्षा में सम्मिलित हुए कुल छात्रों के कम से कम 75% छात्रों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि 25% छात्रों ने उससे अधिक अंक पाए हैं।

61. (C) A सही है लेकिन R गलत है
मानक-संदर्भित मूल्यांकन में प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks) छात्र की किसी संदर्भ समूह में सापेक्ष स्थिति की व्याख्या करने में अत्यधिक उपयोगी होती हैं। हालाँकि, प्रतिशतक रैंक पूर्व निर्धारित मानदंडों के विरुद्ध निरपेक्ष महारत को इंगित नहीं करती हैं, बल्कि केवल यह दर्शाती हैं कि छात्र ने दूसरों की तुलना में कैसा प्रदर्शन किया है। अतः अभिकथन सही है परंतु कारण गलत है।

62. (B) 50वां प्रतिशतक (P50)
मध्यिका (Median) किसी व्यवस्थित प्राप्तांक वितरण का ठीक मध्य बिंदु होता है, जो कुल आंकड़ों को दो बराबर भागों में बाँटता है। 50वां प्रतिशतक (P50) भी वह प्राप्तांक बिंदु है जिसके नीचे 50% मामले आते हैं। इसलिए, गणितीय और सांख्यिकीय परिभाषा के अनुसार मध्यिका और 50वां प्रतिशतक एक-दूसरे के पूर्णतः समान होते हैं।

63. (B) एक प्राप्तांक बिंदु जिसके नीचे मामलों का एक विशिष्ट प्रतिशत आता है
प्रतिशतक बिंदु (Percentile Point) पैमाना पैमाने पर वह विशिष्ट प्राप्तांक या संख्यात्मक मान है, जिसके नीचे प्राप्तांकों के वितरण में एक निर्दिष्ट प्रतिशत मामले आते हैं। उदाहरण के लिए, 60वां प्रतिशतक बिंदु वह अंक है जिसके नीचे कुल छात्रों के 60% अंक स्थित होते हैं। यह समूह के भीतर प्राप्तांकों की सापेक्ष स्थिति को परिभाषित करता है।

64. (B) P25
चतुर्थक (Quartiles) किसी वितरण को चार बराबर भागों में विभाजित करते हैं। प्रथम चतुर्थक (Q1) वितरण के निचले 25% आंकड़ों को अलग करता है। चूंकि प्रतिशतक (Percentiles) पूरे वितरण को सौ बराबर भागों में बाँटते हैं, इसलिए प्रथम चतुर्थक (Q1) का मान सटीक रूप से 25वें प्रतिशतक (P25) के बराबर होता है।

NODIA

65. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
सामान्य संभावना वक्र में अधिकांश प्राप्तांक केंद्र (माध्य या 50वें प्रतिशतक) के पास सघन रूप से गुच्छित होते हैं, जबकि छोरों पर बहुत कम प्राप्तांक होते हैं। इसलिए केंद्र के पास (50वें से 55वें) प्रतिशतक बदलने के लिए छोटे कच्चे अंक अंतर की आवश्यकता होती है, जबकि छोरों पर (90वें से 95वें) बड़े अंक अंतर की आवश्यकता होती है। अतः दोनों कथन सही हैं।

66. (A) केवल I और II
सहसंबंध (Correlation) दो चरों के बीच संबंध की दिशा और परिमाण को मापता है। शून्य सहसंबंध रेखीय संबंध की अनुपस्थिति को दर्शाता है। हालाँकि, उच्च सहसंबंध कभी भी कारण-प्रभाव संबंध (Causation) को सिद्ध नहीं करता, क्योंकि कोई तीसरा अज्ञात चर भी उन्हें प्रभावित कर सकता है। इसलिए कथन I और II सही हैं तथा कथन III असत्य है।

67. (C) -1.00 और +1.00
सहसंबंध गुणांक (r) दो चरों के बीच रेखीय संबंध की ताकत और दिशा का एक सांख्यिकीय मापदंड है। इसका मान सदैव -1.00 से +1.00 के बंद अंतराल के बीच रहता है। +1.00 पूर्ण धनात्मक सहसंबंध को, -1.00 पूर्ण ऋणात्मक सहसंबंध को और 0.00 रेखीय सहसंबंध के सर्वथा अभाव को प्रदर्शित करता है।

68. (C) अनुपस्थित दिनों की संख्या और अंतिम परीक्षा के ग्रेड
ऋणात्मक सहसंबंध (Negative Correlation) तब होता है जब एक चर के मान में वृद्धि होने पर दूसरे चर के मान में कमी आती है। विद्यालयीय परिवेश में, जब छात्र के अनुपस्थित दिनों की संख्या बढ़ती है, तो आमतौर पर उसकी अंतिम परीक्षा के ग्रेड कम हो जाते हैं। चरों के बीच यह विपरीत दिशा का संबंध ऋणात्मक सहसंबंध का स्पष्ट उदाहरण है।

69. (D) एक मजबूत धनात्मक संबंध
सहसंबंध गुणांक का धनात्मक मान यह दर्शाता है कि दोनों चर एक ही दिशा में बदलते हैं, अर्थात् एक का मान बढ़ने पर दूसरे का मान भी बढ़ता है। +0.85 का मान +1.00 के अत्यधिक

21. (B) 43
10 छात्रों का प्रारंभिक कुल योग 45 × 10 = 450 था। त्रुटि सुधार के लिए, दर्ज प्राप्तांक 60 को घटाकर सही प्राप्तांक 40 जोड़ा जाता है। नया कुल योग 450 - 60 + 40 = 430 प्राप्त होता है। इस नए योग को कुल छात्रों की संख्या 10 से विभाजित करने पर सही माध्य 430 / 10 = 43 प्राप्त होता है।

22. (C) कल्पित माध्य वर्ग अंतराल का मध्य-बिंदु
कल्पित माध्य विधि (Assumed Mean Method) में विचलन (d) की गणना करने के लिए प्रत्येक वर्ग अंतराल के मध्य-बिंदु से कल्पित माध्य को घटाया जाता है। कल्पित माध्य सामान्यतः वितरण के मध्य में स्थित किसी वर्ग के मध्य-बिंदु को माना जाता है। विचलनों का उपयोग करके गणना प्रक्रिया सरल और तीव्र हो जाती है, विशेषकर जब आंकड़े बड़े और जटिल आकार के होते हैं।

23. (D) यह अपनी गणना में प्रत्येक व्यक्तिगत प्राप्तांक को शामिल करता है
समांतर माध्य (Arithmetic Mean) को केंद्रीय प्रवृत्ति का सबसे स्थिर और विश्वसनीय माप माना जाता है क्योंकि इसकी गणितीय गणना में डेटासेट के प्रत्येक व्यक्तिगत प्राप्तांक के मान का उपयोग किया जाता है। यदि किसी एक प्राप्तांक में भी परिवर्तन होता है, तो माध्य का मान बदल जाता है। यह गुण इसे नमूनाकरण के उतार-चढ़ाव (Sampling Fluctuations) के प्रति अत्यधिक सुसंगत बनाता है।

24. (A) यह 5 बढ़ जाएगा
समांतर माध्य का एक प्रमुख गणितीय गुण यह है कि यदि किसी वितरण के प्रत्येक प्राप्तांक में एक अचर मान (Constant Value) जोड़ा जाता है, तो नया माध्य भी उसी अचर मान से बढ़ जाता है। इसलिए, यदि प्रत्येक छात्र के अंक में 5 जोड़ा जाता है, तो पूरी कक्षा का नया औसत या माध्य भी मूल माध्य से ठीक 5 अधिक हो जाएगा।

25. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
विषमित वितरणों (Skewed Distributions) में आंकड़े एक ओर झुके होते हैं और कुछ अत्यंत उच्च या निम्न प्राप्तांक मौजूद रहते हैं। ये चरम प्राप्तांक (Outliers) माध्य को अपनी ओर खींच लेते हैं, जिससे माध्य समूह के वास्तविक केंद्रीय प्रदर्शन का निरूपण नहीं कर पाता। ऐसे परिदृश्यों में मध्यिका (Median) अधिक उपयुक्त माप मानी जाती है क्योंकि यह चरम मानों से अप्रभावित रहती है।

26. (C) वह प्राप्तांक बिंदु जो वितरण को दो बराबर भागों में विभाजित करता है
मध्यिका (Median) किसी व्यवस्थित वितरण का वह मध्य बिंदु या मान है जो पूरे डेटासेट को दो बराबर भागों में विभाजित करता है। इसके ठीक 50% प्राप्तांक इस मान से कम या इसके बराबर होते हैं और शेष 50% प्राप्तांक इसके बराबर या इससे अधिक होते हैं। यह स्थितिजन्य औसत (Positional Average) का प्रतिनिधित्व करती है और क्रमबद्ध आंकड़ों में प्रयुक्त होती है।

27. (A) आंकड़ों को क्रम में व्यवस्थित करने के बाद दो केंद्रीय प्राप्तांकों का औसत निकालना
यदि किसी अवर्गीकृत डेटासेट में प्राप्तांकों की संख्या सम (Even) होती है, तो मध्यिका की गणना करने के लिए सर्वप्रथम सभी प्राप्तांकों को आरोही या अवरोही क्रम में सुव्यवस्थित किया जाता है। इसके पश्चात, ठीक मध्य में आने वाले दो केंद्रीय प्राप्तांकों को जोड़कर 2 से विभाजित किया जाता है। उनका यह समांतर औसत ही संपूर्ण डेटासेट की सटीक मध्यिका बनता है।

28. (D) मध्यिका वर्ग से पूर्ववर्ती वर्ग की संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency)
वर्गीकृत आंकड़ों की मध्यिका गणना के सूत्र में 'F' मध्यिका वर्ग (Median Class) से ठीक पहले वाले वर्ग अंतराल की संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency) को दर्शाता है। यह मान यह इंगित करता है कि मध्यिका वर्ग तक पहुँचने से पूर्व कुल कितने प्राप्तांक आ चुके हैं। इसका उपयोग मध्यिका वर्ग के भीतर मध्य बिंदु की सटीक दूरी ज्ञात करने में किया जाता है।

29. (B) मध्यिका (Median)
जब डेटासेट में कुछ असाधारण रूप से कम या अत्यधिक उच्च अंक (Outliers) मौजूद होते हैं, तो समांतर माध्य विकृत हो जाता है और समूह के सामान्य प्रदर्शन का गलत निरूपण करता है। मध्यिका (Median) केवल प्राप्तांकों की स्थिति पर आधारित होती है, इसलिए यह चरम मानों से प्रभावित नहीं होती। ऐसी परिस्थिति में विशिष्ट प्रदर्शन दर्शाने हेतु मध्यिका सबसे उपयुक्त माप है।

30. (D) I, II, और III
मध्यिका (Median) एक स्थितिजन्य औसत है, जिसे क्रमिक आंकड़ों (Ordinal Data) के लिए सरलता से लागू किया जा सकता है। यह चरम मानों से प्रभावित नहीं होती, जिससे विषमित डेटा में यह माध्य से बेहतर परिणाम देती है। इसके अतिरिक्त, संचयी आवृत्ति वक्र या ओजाइव (Ogive) के माध्यम से मध्यिका का आलेखीय निर्धारण भी संभव है। अतः तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं।

NODIA

31. (A) उच्चतम आवृत्ति वाला प्राप्तांक
बहुलक (Mode) केंद्रीय प्रवृत्ति का वह माप है जो किसी प्राप्तांक वितरण में सबसे अधिक बार घटित होता है, अर्थात् जिसकी आवृत्ति (Frequency) सर्वाधिक होती है। यह डेटासेट में सबसे अधिक लोकप्रिय या सामान्य मान को दर्शाता है। बहुलक का उपयोग विशेष रूप से उन स्थितियों में किया जाता है जहाँ फैशन, वरीयता या सबसे आवर्ती श्रेणी का निर्धारण करना हो।

32. (C) द्विबहुलकीय (Bimodal)
यदि किसी प्राप्तांक वितरण में दो ऐसे मान मौजूद हों जो एक-दूसरे के निकट न हों और दोनों की आवृत्ति समान रूप से सर्वाधिक हो, तो उस वितरण को द्विबहुलकीय (Bimodal) वितरण कहा जाता है। यह स्थिति प्रायः तब उत्पन्न होती है जब अध्ययन किए जा रहे छात्र समूह के भीतर दो अलग-अलग स्पष्ट उपसमूह या योग्यता स्तर विद्यमान होते हैं।

सीमा पर सहसंबंध निकाला गया है, उससे बाहर अतिप्रवेशन (Extrapolation) करना जोखिम भरा होता है। -0.80 का सहसंबंध +0.60 से अधिक मजबूत होता है क्योंकि इसका निरपेक्ष मान (0.80) बड़ा है। अतः I और III सही हैं।

83. (B) आसन्न लंबवत दंड बिना किसी अंतराल के आवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं
आयतचित्र (Histogram) सतत वर्गीकृत आंकड़ों का एक द्विविमीय आलेखीय निरूपण है। इसमें X-अक्ष पर वर्ग सीमाओं और Y-अक्ष पर आवृत्तियों को दर्शाया जाता है। चूंकि वर्ग अंतराल सतत होते हैं, इसलिए आयतचित्र के आसन्न लंबवत दंड (Rectangles) एक-दूसरे से सटे हुए निर्मित होते हैं और उनके बीच कोई अंतराल नहीं होता है।

84. (D) वर्ग अंतराल की आवृत्ति (Frequency)
आयतचित्र (Histogram) में प्रत्येक आयताकार दंड का क्षेत्रफल उस विशिष्ट वर्ग अंतराल की आवृत्ति (Frequency) के सीधे समानुपाती होता है। जब सभी वर्ग अंतरालों की चौड़ाई समान होती है, तो आयतों की ऊँचाई सीधे संबंधित वर्ग अंतरालों की आवृत्तियों को प्रदर्शित करती है, जिससे पूरे वितरण का दृश्य निरूपण मिलता है।

85. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
सतत आंकड़ों के लिए बार ग्राफ के बजाय आयतचित्र (Histogram) का प्रयोग किया जाता है क्योंकि बार ग्राफ में दंडों के बीच अंतराल होता है जो असतत श्रेणियों हेतु उपयुक्त है। आयतचित्र में बार आपस में सटे होते हैं जो डेटा की सतत प्रकृति को दर्शाते हैं। अतः दोनों कथन सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

86. (B) वर्ग मध्य-बिंदु (Class Mid-points)
आवृत्ति बहुभुज (Frequency Polygon) का निर्माण करते समय, क्षैतिज X-अक्ष पर संबंधित वर्ग अंतरालों के वर्ग मध्य-बिंदुओं (Class Mid-points) को अंकित किया जाता है और लंबवत Y-अक्ष पर उनकी आवृत्तियों को प्लॉट किया जाता है। इन सभी बिंदुओं को क्रमबद्ध सीधी रेखाओं द्वारा जोड़कर एक बहुभुज का निर्माण किया जाता है।

87. (C) दोनों सिरों पर शून्य-आवृत्ति अंतराल जोड़ना
आवृत्ति बहुभुज (Frequency Polygon) का कुल क्षेत्रफल आयतचित्र के क्षेत्रफल के समान रखने के लिए इसे दोनों सिरों पर X-अक्ष से जोड़ना आवश्यक होता है। इसके लिए वितरण के सबसे पहले वर्ग से पूर्व और अंतिम वर्ग के बाद एक-एक शून्य-आवृत्ति वाले काल्पनिक वर्ग अंतराल जोड़कर बहुभुज की रेखाओं को X-अक्ष पर बंद किया जाता है।

88. (A) केवल I, II, और III
आयतचित्र सतत आंकड़ों हेतु आयतों का उपयोग करता है, आवृत्ति बहुभुज बिंदुओं को सीधी रेखाओं से जोड़ता है और ओजाइव संचयी आवृत्ति को ऊपरी सीमाओं पर प्लॉट करता है। बार चार्ट का मुख्य रूप से गुणात्मक या असतत आंकड़ों के लिए उपयोग किया जाता है, न कि सतत आंकड़ों के लिए। अतः I, II और III सही हैं।

89. (B) संचयी आवृत्ति वक्र (Cumulative Frequency Curve)
ओजाइव (Ogive) को सांख्यिकी में संचयी आवृत्ति वक्र (Cumulative Frequency Curve) के नाम से भी जाना जाता है। यह ग्राफ वर्ग अंतरालों की सीमाओं के विरुद्ध संचित संचयी आवृत्तियों को आलेखित करके बनाया जाता है। इसका उपयोग मध्यिका, चतुर्थक तथा प्रतिशतक मानों को आलेखीय रूप से सरलता से निर्धारित करने के लिए किया जाता है।

90. (B) केवल I और III
'से-कम' प्रकार का ओजाइव वर्ग अंतरालों की ऊपरी सीमाओं के विरुद्ध संचयी आवृत्तियों को प्लॉट करके बनता है और यह नीचे से ऊपर की ओर बढ़ता है (बाएं से दाएं ऊपर झुकता है)। इसका उपयोग मध्यिका ज्ञात करने हेतु किया जाता है। इसलिए कथन I और III सही हैं, जबकि कथन II गलत है।

91. (D) Y-अक्ष पर 150 खोजना और मिलान करने वाले X मान की पहचान करना
200 छात्रों के डेटा में 75वां प्रतिशतक (Q3) निकालने के लिए कुल आवृत्ति का 75% ज्ञात करते हैं, जो (200 × 0.75) = 150 होता है। ओजाइव पर इसे खोजने हेतु Y-अक्ष पर 150 बिंदु से क्षैतिज रेखा खींचकर वक्र को काटते हैं और फिर वहाँ से X-अक्ष पर लंब गिराकर संबंधित प्राप्तांक मान ज्ञात करते हैं।

92. (A) विविक्त समूहों में गुणात्मक आंकड़े (Categorical Qualitative Data)
दंड आरेख (Bar Diagram) का उपयोग मुख्य रूप से विविक्त गुणात्मक या श्रेणीबद्ध आंकड़ों (Categorical Qualitative Data) को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। इसमें विभिन्न श्रेणियों को दर्शाने वाले लंबवत या क्षैतिज दंड बनाए जाते हैं जिनके बीच समान अंतराल होता है। यह विभिन्न असतत समूहों के मूल्यों या आवृत्तियों की तुलना करने का एक सरल ग्राफ है।

93. (B) पाई चार्ट (Pie Chart)
जब किसी संपूर्ण योग के विभिन्न घटकों या श्रेणियों के आनुपातिक योगदान को प्रदर्शित करना हो, तो पाई चार्ट (Pie Chart) सबसे उपयुक्त आलेखीय माध्यम होता है। यह एक वृत्ताकार आरेख होता है, जिसमें पूरा वृत्त कुल मान (100%) का प्रतिनिधित्व करता है और विभिन्न त्रिज्यखंड (Sectors) प्रत्येक श्रेणी के सापेक्ष हिस्से को दर्शाते हैं।

94. (C) (श्रेणी आवृत्ति / कुल आवृत्ति) × 360°
पाई चार्ट (Pie Chart) में संपूर्ण वृत्त 360 अंश (360°) का कोण निरुपित करता है। किसी विशिष्ट घटक या श्रेणी का प्रतिनिधित्व करने वाले त्रिज्यखंड के केंद्रीय कोण की गणना करने के लिए, उस श्रेणी की आवृत्ति को कुल आवृत्ति से विभाजित किया जाता है और प्राप्त अनुपात को 360° से गुणा किया जाता है।

Downloaded from www.pdf.tube

45. (D) यह केवल चरम प्राप्तांकों पर निर्भर करता है और मध्य आंकड़ों की उपेक्षा करता है
प्रसार (Range) की सबसे बड़ी सांख्यिकीय सीमा यह है कि यह केवल डेटा सेट के दो चरम मानों (उच्चतम और निम्नतम प्राप्तांक) पर आधारित होता है। यह वितरण के भीतर स्थित शेष सभी मध्य प्राप्तांकों और उनके फैलाव की पूरी तरह उपेक्षा करता है। यदि एक भी चरम मान बहुत असामान्य हो, तो प्रसार विक्षेपण की अत्यधिक भ्रामक तस्वीर प्रस्तुत कर सकता है।

46. (D) I, II, और III
चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation) तीसरे चतुर्थक (Q3) और पहले चतुर्थक (Q1) के अंतर का आधा होता है, इसलिए इसे अर्ध-अंतरचतुर्थक विस्तार कहते हैं। चूंकि Q1 25वें प्रतिशतक और Q3 75वें प्रतिशतक को दर्शाता है, यह वितरण के मध्य 50% प्राप्तांकों के फैलाव को मापता है। अतः दिए गए तीनों कथन तकनीकी रूप से सही हैं।

47. (B) यह बाहर के 50% प्राप्तांकों को बाहर करता है, चरम मानों (Extreme Outliers) को हटाता है
चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation) प्रसार की तुलना में अधिक स्थिर माप है क्योंकि यह ऊपरी 25% और निचले 25% प्राप्तांकों को छोड़कर केवल मध्य 50% आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करता है। बाहर के चरम मानों (Outliers) को हटा देने के कारण, यह असाधारण प्राप्तांकों से प्रभावित नहीं होता और विषमित वितरणों में परिवर्तनशीलता का बेहतर निरुपण प्रस्तुत करता है।

48. (A) 15
चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation) की गणना का सूत्र QD = (Q3 - Q1) / 2 होता है। प्रश्न में तीसरा चतुर्थक (Q3) = 70 और पहला चतुर्थक (Q1) = 40 दिया गया है। सूत्र में मान रखने पर, QD = (70 - 40) / 2 = 30 / 2 = 15 प्राप्त होता है। अतः सही चतुर्थक विचलन 15 है।

49. (D) विचलनों के बीजगणितीय चिह्नों को निरपेक्ष मान (Absolute Values) के रूप में माना जाता है
माध्य विचलन (Mean Deviation) की गणना करते समय किसी केंद्रीय मान (जैसे माध्य या मध्यिका) से सभी प्राप्तांकों के विचलनों का औसत निकाला जाता है। इसकी मुख्य विशेषता यह है कि गणना के दौरान धनात्मक (+) और ऋणात्मक (-) बीजगणितीय चिह्नों की उपेक्षा करके सभी विचलनों को निरपेक्ष मान (Absolute Values) मान लिया जाता है, जिससे कुल योग शून्य न हो।

50. (B) केवल I और II
माध्य विचलन विचलनों के ऋणात्मक चिह्नों को नज़रअंदाज़ करके निरपेक्ष मान लेता है। मानक विचलन चिह्नों को समाप्त करने के लिए विचलनों का वर्ग करता है। प्रसरण (Variance) मानक विचलन का वर्ग होता है, न कि वर्गमूल (मानक विचलन प्रसरण का वर्गमूल होता है)। इसलिए कथन I और II सही हैं जबकि कथन III सांख्यिकीय रूप से गलत है।

51. (B) केवल II, III, और IV
विक्षेपण के मापों में, प्रसार (Range) केवल दो चरम मानों का उपयोग करता है। इसके विपरीत, माध्य विचलन, मानक विचलन और प्रसरण अपनी गणना प्रक्रिया में वितरण के प्रत्येक व्यक्तिगत प्राप्तांक का उपयोग करते हैं। ये तीनों माप केंद्रीय मान से प्रत्येक बिंदु की दूरी को ध्यान में रखते हैं, जिससे परिवर्तनशीलता का पूर्ण एवं सटीक निरूपण प्राप्त होता है।

52. (D) यह वर्ग करके बीजगणितीय चिह्नों की मनमानी उपेक्षा से बचाता है
माध्य विचलन में विचलनों के बीजगणितीय चिह्नों (+ और -) की मनमानी उपेक्षा की जाती है, जो गणितीय रुप से कठोर नहीं है। मानक विचलन विचलनों का वर्ग करके ऋणात्मक चिह्नों को वैज्ञानिक रुप से समाप्त करता है। यह बीजगणितीय नियमों के अनुकूल है और उच्च सांख्यिकीय विश्लेषणों तथा निष्कर्षात्मक सांख्यिकी में उपयोग हेतु अत्यधिक उपयुक्त माना जाता है।

53. (B) 8
सांख्यिकी में मानक विचलन (Standard Deviation) और प्रसरण (Variance) के बीच सीधा गणितीय संबंध होता है। मानक विचलन प्रसरण का वर्गमूल (Square Root) होता है। यदि प्रसरण का मान 64 दिया गया है, तो 64 का वर्गमूल निकालने पर मानक विचलन $\sqrt{64} = 8$ प्राप्त होगा। अतः सही उत्तर 8 है।

NODIA

54. (B) समष्टि प्रसरण (Population Variance) का एक निष्पक्ष अनुमान प्रदान करना
जब किसी छोटे प्रतिदर्श (Sample) के आधार पर संपूर्ण समष्टि (Population) के प्रसरण का अनुमान लगाना होता है, तो केवल N से भाग देने पर प्रसरण का मान वास्तविक से कम आंकने (Underestimation) की प्रवृत्ति होती है। हर में (N-1) का प्रयोग करने से यह सांख्यिकीय पूर्वाग्रह दूर होता है और समष्टि प्रसरण का एक निष्पक्ष अनुमान (Unbiased Estimate) प्राप्त होता है।

55. (A) हाँ, बिल्कुल इसी क्रम में
अवर्गीकृत आंकड़ों के मानक विचलन गणना का सही क्रम है: सबसे पहले प्राप्तांकों का माध्य निकालना, फिर माध्य से प्रत्येक प्राप्तांक का विचलन ज्ञात करना, तत्पश्चात उन विचलनों का वर्ग करना, चौथे चरण में उन वर्ग विचलनों का योग करना और अंत में कुल संख्या N से भाग देकर वर्गमूल लेना। अतः दिए गए चरण सही क्रम में हैं।

56. (D) अनुभाग A अधिक सुसंगत, सजातीय प्रदर्शन प्रदर्शित करता है
जब दो समूहों का माध्य समान (60) हो, तो उनका मानक विचलन प्रदर्शन के फैलाव को दर्शाता है। छोटा मानक विचलन (SD = 5) यह बताता है कि प्राप्तांक माध्य के निकट संकेंद्रित हैं, जिसका अर्थ है अनुभाग A का प्रदर्शन अधिक सुसंगत और सजातीय है। बड़ा मानक विचलन (SD = 15) अनुभाग B में छात्रों की क्षमताओं में अधिक भिन्नता को दर्शाता है।

उनके अंशों में अनंत रूप से विभाजित और सटीक रूप से मापा जा सकता है। इसके विपरीत, छात्रों की संख्या या कक्षाओं की गिनती केवल पूर्णांकों में होती है।

10. (B) केवल II और III
अनुपात आंकड़े (Ratio Data) में एक वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) होता है, जो दो मानों के अनुपात और तुलना की अनुमति देता है। अंतराल आंकड़े (Interval Data) में समान दूरी होती है लेकिन वास्तविक शून्य नहीं होता, जैसा कि बुद्धि लब्धि (IQ) या मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों में देखा जाता है। इसलिए कथन II और III पूर्णतः सत्य हैं जबकि पहला कथन असत्य है।

11. (A) छात्र के सहकर्मी अंतःक्रियाओं पर शिक्षक की उपाख्यानात्मक टिप्पणियां (Anecdotal Notes)
गुणात्मक आंकड़े (Qualitative Data) गैर-संख्यात्मक जानकारी को संदर्भित करते हैं जो विशेषताओं, व्यवहारों और अवलोकनों का वर्णनात्मक विवरण प्रदान करती है। शिक्षक की उपाख्यानात्मक टिप्पणियां (Anecdotal Notes) छात्र के सामाजिक व्यवहार, सहकर्मी अंतःक्रियाओं और व्यक्तिगत प्रवृत्तियों को शब्दों में दर्ज करती हैं। इनमें कोई संख्यात्मक प्राप्तांक या गणितीय माप शामिल नहीं होता, जिससे ये विशुद्ध रूप से गुणात्मक डेटा का प्रतिनिधित्व करती हैं।

12. (C) अंतराल आंकड़े (Interval Data) – मानकीकृत बुद्धि परीक्षण से प्राप्त आईक्यू (IQ) प्राप्तांक
अंतराल आंकड़े (Interval Data) मापन के ऐसे पैमाने को दर्शाते हैं जहाँ मानों के बीच का अंतर समान और अर्थपूर्ण होता है, परंतु कोई निरपेक्ष या वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) नहीं होता है। बुद्धि परीक्षण से प्राप्त आईक्यू (IQ) प्राप्तांक अंतराल डेटा का एक मानक उदाहरण है, क्योंकि शून्य आईक्यू का अर्थ बुद्धि की पूर्ण अनुपस्थिति या शून्य बौद्धिक क्षमता नहीं होता है।

13. (D) संरचनात्मक पैटर्न (Structural Patterns) को उजागर करने के लिए डेटा को संक्षेप में प्रस्तुत करना
कच्चे परीक्षण प्राप्तांकों (Raw Test Scores) का अनआयोजित समूह अस्पष्ट और समझने में कठिन होता है। इन्हें एक व्यवस्थित आवृत्ति वितरण (Frequency Distribution) में समूहीकृत करने का मुख्य उद्देश्य व्यापक डेटा को संक्षिप्त और सुपाठ्य बनाना है। यह प्रक्रिया आंकड़ों में निहित संरचनात्मक पैटर्न, फैलाव और रुझानों को स्पष्ट रूप से उजागर करती है, जिससे आगे का सांख्यिकीय विश्लेषण और व्याख्या सुगम हो जाती है।

14. (B) 5 और 15 के बीच
शैक्षिक मापन और सांख्यिकी में वर्गीकृत आवृत्ति वितरण (Grouped Frequency Distribution) बनाते समय वर्ग अंतरालों की संख्या सामान्यतः 5 से 15 के बीच रखी जाती है। यदि अंतरालों की संख्या 5 से कम हो, तो महत्वपूर्ण डेटा विवरण नष्ट हो जाते हैं। इसके विपरीत, यदि अंतरालों की संख्या 15 से अधिक हो, तो वितरण अत्यधिक विस्तृत हो जाता है और डेटा का संक्षेपण व्यर्थ हो जाता है।

15. (B) 40-49
समावेशी विधि (Inclusive Method) के अंतर्गत किसी वर्ग अंतराल की निचली और ऊपरी दोनों सीमाओं के मान उसी अंतराल में शामिल होते हैं। इस विधि में 30-39 वर्ग में 30 से 39 तक के प्राप्तांक आते हैं, जबकि 40-49 वर्ग में 40 से 49 तक के प्राप्तांक रखे जाते हैं। इसलिए, ठीक 40 अंक प्राप्त करने वाले छात्र का डेटा वर्ग अंतराल 40-49 में दर्ज किया जाएगा।

16. (A) I, II, III, IV
आवृत्ति वितरण तालिका के निर्माण का सही तार्किक क्रम सबसे पहले आंकड़ों का प्रसार (Range) ज्ञात करना है। इसके पश्चात वर्ग अंतरालों की संख्या तय की जाती है। फिर तीसरे चरण में प्रसार को वर्गों की संख्या से विभाजित करके वर्ग अंतराल की चौड़ाई निकाली जाती है। अंत में, चौथे चरण में कच्चे प्राप्तांकों को उपयुक्त वर्गों में टैली (Tally) किया जाता है।

17. (A) वर्ग परिमाण या आकार (Class Magnitude or Size)
किसी वर्ग अंतराल की सटीक ऊपरी सीमा (Upper Exact Limit) और सटीक निचली सीमा (Lower Exact Limit) का गणितीय अंतर उस वर्ग का परिमाण या आकार (Class Magnitude or Size) कहलाता है। यह मान यह दर्शाता है कि उस विशिष्ट वर्ग अंतराल के अंतर्गत प्राप्तांकों का विस्तार या चौड़ाई कितनी है, जो संपूर्ण आवृत्ति वितरण की संरचना को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

18. (C) 20-30
अपवर्जी आवृत्ति वितरण (Exclusive Frequency Distribution) में किसी भी वर्ग अंतराल की ऊपरी सीमा को उस वर्ग में शामिल नहीं किया जाता, बल्कि उसे अगले वर्ग की निचली सीमा के रूप में शामिल किया जाता है। इसलिए अंतराल 10-20 में केवल 20 से कम के मान आते हैं, और ठीक 20 का प्राप्तांक अगले वर्ग अंतराल 20-30 की सीमा में टैली किया जाएगा।

19. (A) ऊपरी सीमा और निचली सीमा को जोड़कर 2 से विभाजित करना
किसी वर्ग अंतराल का मध्य-बिंदु या वर्ग चिह्न (Class Mark) ज्ञात करने के लिए उस वर्ग की ऊपरी सीमा (Upper Limit) और निचली सीमा (Lower Limit) के योग को 2 से विभाजित किया जाता है। यह मध्य-बिंदु उस पूरे वर्ग अंतराल के प्रतिनिधि मान के रूप में कार्य करता है और वर्गीकृत आंकड़ों के माध्य की गणना करने में अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होता है।

20. (C) केवल I, II, और IV
समांतर माध्य (Arithmetic Mean) सभी प्राप्तांकों के योग को कुल संख्या से भाग देकर प्राप्त होता है। यह चरम मानों (Outliers) से प्रभावित होता है तथा माध्य से लिए गए विचलनों का योग सदैव शून्य होता है। सबसे अधिक बार आने वाले प्राप्तांक को बहुलक (Mode) कहते हैं, माध्य नहीं। इसलिए कथन I, II और IV सही हैं जबकि III गलत है।

Click Here to Buy book on Amazon

निकट है, जो रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन के अंकों के बीच एक बहुत मजबूत धनात्मक संबंध को प्रदर्शित करता है।

70. (A) केवल I और II
धनात्मक सहसंबंध में दोनों चर एक साथ बढ़ते या घटते हैं। सहसंबंध की ताकत उसके निरपेक्ष मान (Absolute Value) से तय होती है, इसलिए -0.90 का निरपेक्ष मान (0.90) +0.75 के मान (0.75) से अधिक होने के कारण अधिक मजबूत संबंध दर्शाता है। ऋणात्मक सहसंबंध विपरीत संबंध दिखाता है, न कि असंबंधितता। अतः I और II सही हैं।

71. (B) जूते के आकार और वर्तनी कौशल के बीच कोई रेखीय संबंध नहीं है
सांख्यिकी में 0.00 का सहसंबंध गुणांक यह दर्शाता है कि अध्ययन किए जा रहे दो चरों के बीच कोई भी रेखीय संबंध विद्यमान नहीं है। जूते का आकार और वर्तनी क्षमता दो पूर्णतः स्वतंत्र चर हैं, जिनमें एक के परिवर्तन का दूसरे के परिवर्तन पर कोई सांख्यिकीय या तार्किक प्रभाव नहीं पड़ता है।

72. (D) गुणन-आघूर्ण सहसंबंध गुणांक (Product-Moment Correlation Coefficient)
कार्ल पियर्सन द्वारा विकसित सहसंबंध की सबसे प्रमुख और व्यापक रूप से प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि को गुणन-आघूर्ण सहसंबंध गुणांक (Product-Moment Correlation Coefficient) कहा जाता है। इसे प्रतीक 'r' द्वारा निरूपित किया जाता है और इसका उपयोग मुख्य रूप से तब किया जाता है जब दोनों चर सतत अंतराल या अनुपात पैमाने पर मापे गए हों।

73. (A) चरों के बीच द्विचर संबंध (Bivariate Relationship) रेखीय है
कार्ल पियर्सन के गुणन-आघूर्ण सहसंबंध गुणांक की प्राथमिक धारणा यह है कि दोनों चरों के बीच का संबंध रेखीय (Linear) होना चाहिए, अर्थात् उन्हें ग्राफ पर एक सीधी रेखा द्वारा निरूपित किया जा सके। इसके अलावा, दोनों चरों को सतत पैमानों पर मापा जाना चाहिए तथा उनका वितरण सामान्य संभावना वक्र के निकट होना चाहिए।

74. (C) 0
कार्ल पियर्सन के सहसंबंध गुणांक का गणितीय सूत्र दो चरों के बीच सहप्रसरण (Covariance) को उनके मानक विचलनों के गुणनफल से विभाजित करने पर आधारित होता है। यदि दो प्राप्तांक समूहों के बीच सहप्रसरण का मान शून्य (0) है, तो अंश शून्य होने के कारण संपूर्ण सहसंबंध गुणांक का मान भी शून्य (0) प्राप्त होगा।

75. (C) स्पेयरमैन का रैंक अंतर सहसंबंध (Spearman's Rank Difference Correlation)
जब आंकड़े गुणात्मक प्रकृति के हों या उन्हें प्रत्यक्ष कच्चे प्राप्तांकों के बजाय क्रमिक पैमाने (Ordinal Scale) पर रैंक या स्थान के रूप में व्यक्त किया गया हो, तो स्पेयरमैन का रैंक अंतर सहसंबंध सबसे उपयुक्त सांख्यिकीय विधि है। दो निर्णायकों द्वारा दी गई छात्रों की रैंको के बीच संबंध मापने हेतु इसका प्रयोग किया जाता है।

76. (D) युग्मित मदों के रैंकों के बीच का अंतर (Difference Between Ranks)
स्पेयरमैन के रैंक सहसंबंध सूत्र $\rho = 1 - (6\Sigma D^2 / N(N^2 - 1))$ में, 'D' दो अलग-अलग चरों या निर्णायकों द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को प्रदान किए गए युग्मित रैंकों के बीच के अंतर (Difference Between Ranks) को निरूपित करता है। सूत्र में D^2 इन रैंक अंतरों के वर्गों का योग निरूपित करने के लिए प्रयुक्त होता है।

77. (C) A सही है लेकिन R गलत है
स्पेयरमैन का रैंक सहसंबंध मुख्य रूप से उन आंकड़ों के लिए बनाया गया है जो क्रमिक पैमाने पर व्यवस्थित होते हैं या जिन्हें आसानी से रैंक दी जा सकती है। यह कच्चे प्राप्तांकों के सटीक परिमाण का उपयोग नहीं करता, बल्कि उनके केवल सापेक्ष क्रम (Ranks) के अंतर पर काम करता है। इसलिए अभिकथन सही है, किंतु कारण असत्य है।

NODIA

78. (C) 0
यदि दो निर्णायक सभी 10 छात्रों को बिल्कुल समान रैंक देते हैं, तो प्रत्येक छात्र के लिए दोनों रैंकों का अंतर (D = R1 - R2) शून्य होगा। जब प्रत्येक अंतर D = 0 होगा, तो उनके वर्गों का योग ΣD^2 भी निश्चित रूप से शून्य ही प्राप्त होगा, जो पूर्ण धनात्मक सहसंबंध (+1) का संकेत देता है।

79. (B) निम्न या कमजोर धनात्मक संबंध
शैक्षिक अनुसंधान एवं मापन में सहसंबंध गुणांकों की व्याख्या करते समय, +0.20 से +0.40 के बीच के मानों को सामान्यतः निम्न या कमजोर धनात्मक संबंध के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इसलिए, +0.35 का सहसंबंध गुणांक यह दर्शाता है कि चरों के बीच एक धनात्मक किंतु काफी कमजोर संबंध विद्यमान है।

80. (C) एक गणना त्रुटि हुई, क्योंकि सहसंबंध 1.00 से अधिक नहीं हो सकता
सांख्यिकी के नियमों के अनुसार किसी भी सहसंबंध गुणांक का मान -1.00 से +1.00 की सीमा से बाहर कभी नहीं हो सकता। 1.15 का सहसंबंध गुणांक रिपोर्ट करना यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि आंकड़े एकत्र करने या सांख्यिकीय सूत्र से गणना करते समय कोई गंभीर गणितीय त्रुटि हुई है।

81. (D) दो चरों के बीच पूर्वानुमेय साझा प्रसरण (Shared Variance)
सहसंबंध गुणांक का वर्ग (r^2), जिसे निर्धारण गुणांक (Coefficient of Determination) कहा जाता है, यह मापता है कि एक चर में होने वाले कुल प्रसरण (Variance) का कितना अनुपात दूसरे चर द्वारा स्पष्ट या साझा किया जाता है। यह दोनों चरों के बीच साझा प्रसरण के प्रतिशत को सटीक रूप से व्यक्त करता है।

82. (B) केवल I और III
सहसंबंध केवल दो चरों के सह-परिवर्तन को दर्शाता है, कारण-प्रभाव सिद्ध नहीं करता। इसके अलावा, जिस डेटा

33. (D) बहुलक (Mode)
नामांकित पैमाना (Nominal Scale) आंकड़ों को केवल विभिन्न श्रेणियों या नामों में वर्गीकृत करता है, जिसमें कोई संख्यात्मक मान या पदानुक्रम नहीं होता। ऐसे गुणात्मक आंकड़ों में माध्य या मध्यिका की गणना संभव नहीं होती। केवल बहुलक (Mode) ही नामांकित पैमाने पर मापे गए डेटा के लिए उपयुक्त है, क्योंकि यह सर्वाधिक चुनी गई या सबसे बारंबार श्रेणी को इंगित करता है।

34. (C) उच्चतम आवृत्ति वाला वर्ग अंतराल
वर्गीकृत आवृत्ति वितरण (Grouped Frequency Distribution) में अशोधित बहुलक (Crude Mode) का त्वरित अनुमान लगाने के लिए सबसे अधिक आवृत्ति वाले वर्ग अंतराल (Modal Class) की पहचान की जाती है। इस बहुलक वर्ग के मध्य-बिंदु (Mid-point) को ही अशोधित बहुलक माना जाता है। यह जटिल सांख्यिकीय सूत्रों के उपयोग के बिना बहुलक का एक व्यावहारिक एवं त्वरित अनुमान प्रदान करता है।

35. (B) भिन्न प्रवीणता स्तरों वाले दो अलग-अलग छात्र उपसमूह
किसी कक्षा के अंकों में द्विबहुलकीय वितरण (Bimodal Distribution) का होना दो अलग-अलग शिखरों को दर्शाता है। इसका तात्पर्य है कि उस कक्षा में छात्रों के दो भिन्न समूह मौजूद हैं, जैसे एक समूह बहुत उच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों का और दूसरा समूह कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का। यह कक्षा में क्षमताओं की विषमता को उजागर करता है।

36. (D) बहुलक (Mode) = 3 मध्यिका (Median) - 2 माध्य (Mean)
एक मध्यम विषमित वितरण (Moderately Skewed Distribution) में केंद्रीय प्रवृत्ति के तीनों मापों के बीच एक निश्चित आनुभविक संबंध पाया जाता है। काल पियर्सन द्वारा प्रतिपादित इस सूत्र के अनुसार, बहुलक का मान तीन गुना मध्यिका में से दो गुना माध्य घटाने पर प्राप्त होता है। यह सूत्र उन स्थितियों में उपयोगी है जहाँ दो माप ज्ञात हों और तीसरा निकालना हो।

37. (C) माध्य = मध्यिका = बहुलक
एक पूर्णतः सममित सामान्य वितरण (Symmetrical Normal Distribution) में प्राप्तांक वक्र के केंद्र के दोनों ओर समान रूप से वितरित होते हैं। इस स्थिति में, केंद्रीय प्रवृत्ति के तीनों मुख्य माप—समांतर माध्य (Mean), मध्यिका (Median) और बहुलक (Mode)—संख्यात्मक रूप से पूर्णतः समान होते हैं और वक्र के ठीक मध्य बिंदु या उच्चतम शिखर पर एक साथ संपाती (Coincide) होते हैं।

38. (C) 75
आनुभविक सूत्र के अनुसार, बहुलक = 3(मध्यिका) - 2(माध्य) होता है। दिए गए मानों को सूत्र में रखने पर: बहुलक = 3(65) - 2(60) प्राप्त होता है। गणना करने पर: 3 × 65 = 195 तथा 2 × 60 = 120 होता है। अतः 195 में से 120 घटाने पर बहुलक का मान 75 प्राप्त होता है, जो सही विकल्प निरुपित करता है।

39. (C) माध्य, मध्यिका, बहुलक
ऋणात्मक रुप से विषमित (Negatively Skewed) वितरण में, प्राप्तांकों की पूंछ बाईं ओर (निम्न मानों की ओर) फैली होती है। इस कारण से अत्यंत कम अंक माध्य को बाईं ओर खींच लेते हैं। परिणामस्वरुप, मापों का मान बाईं से दाईं ओर (निम्नतम से उच्चतम) बढ़ते क्रम में सबसे पहले माध्य, फिर मध्यिका और अंत में बहुलक के रूप में व्यवस्थित होता है।

40. (D) अधिकांश छात्रों के लिए बहुत कठिन
जब माध्य (45) < मध्यिका (50) < बहुलक (55) की स्थिति बनती है, तो यह वितरण धनात्मक रूप से विषमित (Positively Skewed) होता है। धनात्मक विषमता यह दर्शाती है कि अधिकांश छात्रों ने पैमाने के निचले सिरे पर कम अंक प्राप्त किए हैं और केवल कुछ ही उच्च अंक पा सके हैं। यह स्पष्ट करता है कि परीक्षा अधिकांश छात्रों के लिए बहुत कठिन थी।

41. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
मुक्त-उत्तर वाली परियोजनाओं में कुछ असाधारण रुप से बहुत कम या बहुत अधिक अंक (Outliers) हो सकते हैं। माध्य इन चरम मानों से प्रभावित होकर समग्र प्रदर्शन का गलत चित्र पेश करता है। मध्यिका प्राप्तांकों के मान के बजाय केवल उनके सापेक्ष स्थान पर निर्भर करती है, जिससे यह चरम मानों से प्रभावित नहीं होती। अतः दोनों कथन सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

42. (D) वह सीमा जिस तक प्राप्तांक केंद्रीय प्रवृत्ति के आसपास फैलते हैं
सांख्यिकी में विक्षेपण (Dispersion) या परिवर्तनशीलता (Variability) का तात्पर्य प्राप्तांकों के अपने केंद्रीय माप (जैसे माध्य या मध्यिका) से फैलाव, बिखराव या विचलन की मात्रा से है। यह यह दर्शाता है कि छात्र समूह के प्रदर्शन अंक आपस में कितने समान या भिन्न हैं, जिससे समूह की सजातीयता (Homogeneity) या विषमता (Heterogeneity) का पता चलता है।

43. (C) प्रसार (Range)
प्रसार (Range) परिवर्तनशीलता का सबसे सरल, प्राथमिक और अशोधित माप है। इसकी गणना वितरण के उच्चतम प्राप्तांक (Highest Score) और निम्नतम प्राप्तांक (Lowest Score) के बीच का अंतर निकालकर की जाती है। चूंकि इसमें केवल दो चरम मानों का उपयोग होता है, इसलिए इसकी गणना करना अत्यंत त्वरित और सरल है, यद्यपि यह विक्षेपण का सबसे कम विश्वसनीय माप है।

44. (A) 77
प्रसार (Range) की गणना करने के लिए डेटासेट के उच्चतम मान में से न्यूनतम मान को घटाया जाता है। दिए गए समूह में उच्चतम प्राप्तांक 89 है और न्यूनतम प्राप्तांक 12 है। अतः प्रसार = 89 - 12 = 77 प्राप्त होता है। यह माप समूह के प्राप्तांकों के कुल फैलाव की सीमा का एक त्वरित अनुमान प्रदान करता है।

Downloaded from www.pdf.tube

95. (A) हाँ, बिल्कुल इसी क्रम में
पाई चार्ट के निर्माण का सही तार्किक क्रम इस प्रकार है: सबसे पहले सभी मदों की आवृत्तियों को जोड़कर कुल आवृत्ति निकाली जाती है। द्वितीय चरण में प्रत्येक श्रेणी के लिए 360° में से केंद्रीय कोण की गणना की जाती है। तृतीय चरण में वृत्त बनाया जाता है और चतुर्थ चरण में कोणों का मापन करके त्रिज्यखंड खींचे जाते हैं।

96. (C) संयोग और प्रायिकता (Chance and Probability)
सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve – NPC) का गणितीय और सांख्यिकीय आधार संयोग और प्रायिकता (Chance and Probability) के नियमों पर आधारित है। जब किसी बड़ी समष्टि से कोई लक्षण अनगिनत स्वतंत्र संयोग कारकों द्वारा प्रभावित होता है, तो प्राप्त आंकड़ों का वितरण स्वाभाविक रूप से इस बेल-आकार के सामान्य संभावना वक्र का रूप ले लेता है।

97. (D) यह धनात्मक रूप से विषमित (Positively Skewed) होता है
सामान्य संभावना वक्र घंटी के आकार का, पूर्णतः सममित तथा मध्यककुदी होता है, जिसमें माध्य, मध्यिका और बहुलक केंद्र में एक ही बिंदु पर स्थित होते हैं। यह दोनों छोरों पर अनंतस्पर्शी (Asymptotic) होता है। चूंकि यह पूरी तरह से सममित होता है, इसमें कोई विषमता नहीं होती। अतः धनात्मक रूप से विषमित होना इसका गुण नहीं है।

98. (A) 34.13%
एक आदर्श सामान्य संभावना वक्र (Normal Probability Curve) में कुल क्षेत्रफल का एक निश्चित गणितीय अनुपात मानक विचलन इकाइयों में विभाजित रहता है। माध्य (Mean) से +1 मानक विचलन (+1 SD) की दूरी के बीच ठीक 34.13% मामला या क्षेत्रफल आता है। इसी प्रकार माध्य से -1 SD के बीच भी 34.13% क्षेत्रफल निहित होता है।

99. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
बड़े अनचयनित मानव प्रतिदर्शों में शारीरिक या मनोवैज्ञानिक लक्षण सामान्य संभावना वक्र का अनुसरण करते हैं क्योंकि ये लक्षण अनेक स्वतंत्र वंशानुगत और पर्यावरणीय संयोग कारकों से प्रभावित होते हैं। ये कारक बड़ी आबादी में आपस में संतुलित हो जाते हैं। अतः दोनों कथन सांख्यिकीय दृष्टि से सत्य हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

100. (C) 683
दिए गए सामान्य वितरण में माध्य 50 और मानक विचलन 10 है। 40 और 60 का विस्तार (50-10 से 50+10) अर्थात् -1 SD से +1 SD की सीमा को दर्शाता है। सामान्य वक्र में -1 SD से +1 SD के बीच कुल मामलों का 68.26% आता है। 1000 का 68.26% निकालने पर लगभग 683 छात्र प्राप्त होते हैं।

101. (B) वक्र में सममिति (Symmetry) की कमी
सांख्यिकी में विषमता (Skewness) किसी प्राप्तांक वितरण या आवृत्ति वक्र की विषमता अथवा सममिति के अभाव (Lack of Symmetry) को संदर्भित करती है। जब आंकड़े सामान्य रूप से वितरित न होकर केंद्र के किसी एक ओर अधिक झुके या फैले होते हैं, तो वितरण को विषमित माना जाता है, जिससे वक्र असंतुलित दिखाई देता है।

NODIA

102. (A) धनात्मक रूप से विषमित (Positively Skewed)
जब कोई परीक्षण अत्यधिक कठिन होता है, तो अधिकांश छात्र कम अंक प्राप्त करते हैं, जिससे प्राप्तांकों का बड़ा हिस्सा पैमाने के निचले (बाएं) सिरे पर जमा हो जाता है। उच्च अंक प्राप्त करने वाले बहुत कम छात्र होते हैं, जिससे वक्र की पूंछ दाईं ओर (धनात्मक दिशा में) लंबी हो जाती है। इस वितरण को धनात्मक रूप से विषमित कहते हैं।

103. (D) माध्य मध्यिका से कम होता है
ऋणात्मक रूप से विषमित (Negatively Skewed) वितरण तब बनता है जब अधिकांश छात्र उच्च अंक प्राप्त करते हैं और पूंछ बाईं ओर (निम्न अंकों की ओर) लंबी होती है। इस स्थिति में, कम अंकों वाले चरम मान माध्य को बाईं ओर खींच लेते हैं, जिसके कारण माध्य का मान मध्यिका और बहुलक दोनों से कम (माध्य < मध्यिका < बहुलक) हो जाता है।

104. (A) केवल I और II
दाईं ओर लंबी पूंछ वाला वितरण धनात्मक रूप से विषमित होता है, जिसमें माध्य का मान मध्यिका से बड़ा होता है। एक आसान परीक्षण में अधिकांश छात्र उच्च अंक लाते हैं, जिससे ऋणात्मक रूप से विषमित वितरण बनता है (धनात्मक नहीं)। इसलिए कथन I और II सही हैं, जबकि कथन III सांख्यिकीय रूप से गलत है।

105. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
जब कोई परीक्षण बहुत आसान होता है, तो अधिकांश छात्र उच्च अंक प्राप्त करते हैं और प्राप्तांकों का जमाव उच्च सिरे पर होता है। इससे निचले अंकों की ओर एक लंबी पूंछ बनती है, जिसे ऋणात्मक रूप से विषमित वितरण कहते हैं। अतः दोनों कथन सही हैं और कारण अभिकथन की पूर्णतः सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

106. (B) सामान्य वक्र की तुलना में शिखरपन (Peakedness) या समतलता (Flatness)
सांख्यिकी में ककुदता (Kurtosis) किसी आवृत्ति वितरण वक्र की ऊँचाई या समतलता को दर्शाती है। यह यह मापती है कि कोई प्राप्तांक वक्र मानक सामान्य संभावना वक्र (Normal Curve) की तुलना में कितना अधिक नुकीला (Peaked) या कितना अधिक चपटा (Flat) है। यह आंकड़ों के संकेंद्रण की तीव्रता का सांख्यिकीय सूचकांक है।

107. (C) तुंगककुदी (Leptokurtic)
जब किसी वितरण में प्राप्तांक केंद्र (माध्य) के आसपास अत्यधिक सघन रूप से गुच्छित होते हैं, तो वक्र का मध्य भाग सामान्य संभावना वक्र की तुलना में बहुत अधिक ऊँचा और नुकीला हो जाता है। ऐसे अत्यधिक शिखर वाले और भारी पूंछों वाले वक्र को सांख्यिकी में तुंगककुदी (Leptokurtic) वक्र कहा जाता है।

108. (C) मध्यककुदी (Mesokurtic)
एक आदर्श सामान्य संभावना वक्र (Normal Curve) के शिखरपन और समतलता को मानक या सामान्य माना जाता है। इस प्रकार की सामान्य ककुदता वाले वक्र को मध्यककुदी (Mesokurtic) कहा जाता है। इसमें प्राप्तांक न तो अत्यधिक नुकीले रूप से जमा होते हैं और न ही बहुत चपटे रूप से फैले होते हैं।

109. (C) सपाटककुदी (Platykurtic)
जब किसी वितरण में प्राप्तांक किसी एक बिंदु पर केंद्रित न होकर विस्तृत सीमा में समान रूप से फैले होते हैं, तो वक्र का ऊपरी भाग चपटा हो जाता है। सामान्य संभावना वक्र की तुलना में अधिक चपटे और कम नुकीले शिखर वाले इस प्रकार के वक्र को सपाटककुदी (Platykurtic) कहा जाता है।

110. (B) केवल I और III
तुंगककुदी वक्र में सामान्य वक्र से ऊँचा शिखर होता है। सामान्य वितरण की ककुदता (Kurtosis) 3 होती है (अतिरिक्त ककुदता 0)। सपाटककुदी वक्र यह दर्शाता है कि प्राप्तांक फैले हुए हैं, न कि कसकर गुच्छित हैं (कसकर गुच्छित होना तुंगककुदी का गुण है)। अतः कथन I और III सही हैं तथा II गलत है।

111. (A) भिन्न मापदंडों वाले परीक्षणों में निष्पक्ष प्राप्तांक तुलना की अनुमति देना
विभिन्न परीक्षणों के कच्चे प्राप्तांकों की सीधे तुलना करना अनुचित होता है क्योंकि उनके माध्य, मानक विचलन और कुल अंक अलग-अलग हो सकते हैं। कच्चे प्राप्तांकों को Z-प्राप्तांक जैसे मानक प्राप्तांकों (Standard Scores) में बदलने का मुख्य उद्देश्य उन्हें एक सामान्य पैमाने पर लाना है, जिससे विभिन्न विषयों या परीक्षणों में निष्पक्ष तुलना संभव हो सके।

112. (C) (कच्चा प्राप्तांक - माध्य) / मानक विचलन
Z-प्राप्तांक (Z-score) यह दर्शाता है कि कोई कच्चा प्राप्तांक अपने समूह के माध्य से कितने मानक विचलन ऊपर या नीचे है। इसकी गणना का मानक गणितीय सूत्र Z = (X - M) / SD है, जहाँ X का अर्थ कच्चा प्राप्तांक, M का अर्थ परिकलित माध्य और SD का अर्थ मानक विचलन है।

113. (C) +1.5
Z-प्राप्तांक की गणना सूत्र Z = (X - M) / SD से की जाती है। प्रश्न में कच्चा प्राप्तांक (X) = 75, माध्य (M) = 60 तथा मानक विचलन (SD) = 10 दिया गया है। मान रखने पर: Z = (75 - 60) / 10 = 15 / 10 = +1.5 प्राप्त होता है। अतः छात्र का Z-प्राप्तांक +1.5 है।

114. (D) 0 का माध्य और 1 का मानक विचलन
जब किसी भी कच्चे प्राप्तांक वितरण को Z-प्राप्तांकों (Z-scores) में रूपांतरित किया जाता है, तो प्राप्त नए Z-वितरण का माध्य सदैव शून्य (0) और मानक विचलन सदैव एक (1) होता है। यह Z-प्राप्तांक वितरण की मूलभूत सांख्यिकीय विशेषता है, जो विभिन्न डेटासेटों को मानकीकृत आधार प्रदान करती है।

115. (A) इतिहास
इतिहास में छात्र का Z-प्राप्तांक = (50 - 40) / 5 = +2.0 है। भूगोल में छात्र का Z-प्राप्तांक = (60 - 50) / 10 = +1.0 है। उच्च Z-प्राप्तांक कक्षा के सापेक्ष बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। चूंकि इतिहास का Z-प्राप्तांक (+2.0) भूगोल के Z-प्राप्तांक (+1.0) से अधिक है, इसलिए छात्र ने इतिहास में बेहतर प्रदर्शन किया।

116. (B) ऋणात्मक मान और दशमलव अक्सर गैर-सांख्यिकीविदों को भ्रमित करते हैं
Z-प्राप्तांकों की एक मुख्य व्यावहारिक सीमा यह है कि इनमें माध्य से कम अंकों के लिए ऋणात्मक मान (जैसे -1.5) और दशमलव संख्याएँ आती हैं। आम अभिभावक तथा छात्र प्रायः ऋणात्मक चिह्नों को विफलता समझ लेते हैं या दशमलवों की जटिलता को समझने में असमर्थ रहते हैं, जिससे संप्रेषण में भ्रम उत्पन्न होता है।

117. (C) T = 10Z + 50
Z-प्राप्तांकों में मौजूद ऋणात्मक मानों और दशमलवों की व्यावहारिक कठिनाई को दूर करने के लिए उन्हें T-प्राप्तांकों (T-scores) में परिवर्तित किया जाता है। रूपांतरण का मानक सूत्र T = 10(Z) + 50 होता है। इस प्रक्रिया से प्राप्त परिणाम सदैव धनात्मक और पूर्ण संख्याओं के रूप में प्रस्तुत होते हैं।

118. (A) 35
T-प्राप्तांक की गणना के मानक सूत्र T = 10Z + 50 का उपयोग करते हुए, दिए गए Z-प्राप्तांक (-1.5) का मान रखा जाता है। गणना करने पर: T = 10(-1.5) + 50 = -15 + 50 = 35 प्राप्त होता है। इसलिए, -1.5 का Z-प्राप्तांक ठीक 35 के T-प्राप्तांक के समतुल्य होता है।

119. (C) 50 का माध्य और 10 का मानक विचलन
T-प्राप्तांक पैमाना एक विशेष मानकीकृत प्राप्तांक पैमाना है जिसे Z-प्राप्तांकों के परिवर्तन से निर्मित किया जाता है। सांख्यिकीय परिभाषा के अनुसार, किसी भी T-प्राप्तांक वितरण में माध्य सदैव 50 और मानक विचलन सदैव 10 निर्धारित रहता है। यह विशिष्ट संरचना ऋणात्मक संख्याओं और दशमलवों को पूरी तरह समाप्त करके परिणामों की सरल व्याख्या सुनिश्चित करती है।

120. (B) कक्षा के माध्य से एक मानक विचलन ऊपर
T-प्राप्तांक वितरण का माध्य 50 और मानक विचलन 10 होता है। यदि छात्र X का T-प्राप्तांक 60 है, तो यह माध्य (50) से ठीक 10 अंक अधिक है। चूंकि T-प्राप्तांक का एक मानक विचलन 10 के बराबर होता है, इसलिए 60 का T-प्राप्तांक दर्शाता है कि छात्र का प्रदर्शन कक्षा माध्य से ठीक एक मानक विचलन ऊपर है।

121. (D) I, II, और III
Z-प्राप्तांक, T-प्राप्तांक और स्टेनिन (Stanine) तीनों ही सांख्यिकी में प्रयुक्त मानक प्राप्तांक (Standard Scores) हैं। इनका मुख्य उद्देश्य विभिन्न परीक्षणों के कच्चे प्राप्तांकों को

Click Here to Buy book on Flipkart

मानकीकृत पैमाने में बदलकर छात्रों के सापेक्ष प्रदर्शन, क्षमता और स्थान की सटीक रिपोर्ट तैयार करना है। इसलिए ये तीनों विकल्प पूर्णतः सही हैं।

122. (B) 9
स्टेनिन (Stanines) शब्द 'स्टैंडर्ड नाइन' (Standard Nine) का संक्षिप्त रूप है। यह एक मानक प्राप्तांक प्रणाली है जो सामान्य संभावना वक्र के अंतर्गत आने वाले प्राप्तांक वितरण को 1 से 9 तक के ठीक नौ परिमित स्कोरिंग बैंड या श्रेणियों में विभाजित करती है। इसमें 5 मध्य श्रेणी और 9 सर्वोच्च श्रेणी को निरुपित करता है।

123. (B) 2
स्टेनिन (Stanine) एक 9-बिंदु मानक प्राप्तांक पैमाना है जिसका उपयोग शैक्षिक मापन में व्यापक रूप से किया जाता है। सांख्यिकीय रुप से, एक स्टेनिन प्राप्तांक वितरण का माध्य हमेशा 5 निर्धारित होता है और इसका मानक विचलन लगभग 2 के बराबर होता है। यह प्राप्तांकों को नौ सरल श्रेणियों में विभाजित करके व्याख्या को आसान बनाता है।

124. (B) रुझान विश्लेषण (Trend Analysis)
समय के साथ क्रमिक अंतरालों पर एकत्र किए गए आंकड़ों (जैसे पिछले पांच वर्षों के परीक्षा परिणाम) का अध्ययन करके यह देखना कि प्रदर्शन में सुधार हो रहा है, गिरावट आ रही है या यह स्थिर है, रुझान विश्लेषण (Trend Analysis) कहलाता है। यह प्रक्रिया संस्थागत प्रगति के आकलन और भावी शैक्षणिक नीतियों के निर्माण में सहायक होती है।

125. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
केवल कच्चे प्राप्तांक शिक्षक की वास्तविक प्रभावशीलता को नहीं दर्शाते क्योंकि वे छात्रों की पूर्व क्षमता और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से प्रभावित होते हैं। मूल्य-वर्धित (Value-Added) मॉडल इन बाह्य कारकों को नियंत्रित करके केवल विद्यालय या शिक्षक द्वारा की गई वास्तविक शैक्षणिक वृद्धि को मापते हैं। अतः दोनों कथन सही हैं और कारण सही व्याख्या करता है।

126. (B) व्यक्तिगत प्रश्नों की कठिनाई और विभेदन का आकलन करना
पद विश्लेषण (Item Analysis) एक वैज्ञानिक सांख्यिकीय प्रक्रिया है जिसका उपयोग किसी परीक्षण के व्यक्तिगत प्रश्नों (Items) की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। इसके माध्यम से प्रत्येक प्रश्न के कठिनाई स्तर (Difficulty Level) और विभेदन क्षमता (Discrimination Power) का आकलन किया जाता है, ताकि अनुचित प्रश्नों को सुधारा या हटाया जा सके।

127. (A) केवल I, II, और III
बहुविकल्पीय प्रश्नों के शास्त्रीय पद विश्लेषण में पद कठिनाई सूचकांक, पद विभेदन सूचकांक और विक्षेपक विश्लेषण प्रत्यक्ष घटक के रूप में शामिल होते हैं। क्रोनबैक अल्फा समग्र परीक्षण की आंतरिक संगति विश्वसनीयता का माप है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रश्न का पद विश्लेषण सूचकांक। अतः I, II और III सही उत्तर हैं।

128. (A) उन छात्रों का अनुपात जिन्होंने प्रश्न का सही उत्तर दिया
पद कठिनाई सूचकांक (Item Difficulty Index / p-value) की गणना किसी विशिष्ट प्रश्न का सही उत्तर देने वाले छात्रों की संख्या को परीक्षा में बैठने वाले कुल छात्रों की संख्या से विभाजित करके की जाती है। यह अनुपात यह दर्शाता है कि कितने प्रतिशत छात्रों ने प्रश्न को सफलतापूर्वक हल किया है।

129. (B) 0.80
पद कठिनाई सूचकांक (p) की गणना सही उत्तर देने वाले छात्रों की संख्या को कुल छात्रों की संख्या से भाग देकर की जाती है। इस प्रश्न में 100 में से 80 छात्रों ने सही उत्तर दिया है, इसलिए p = 80 / 100 = 0.80 प्राप्त होता है। यह उच्च मान दर्शाता है कि प्रश्न काफी आसान था।

130. (B) केवल II और III
p-मान जितना कम होता है, प्रश्न उतना ही कठिन होता है; इसलिए 0.15 का p-मान कठिन प्रश्न दर्शाता है और 0.95 का p-मान बहुत आसान प्रश्न दर्शाता है। मानकीकृत परीक्षणों में अधिकतम विभेदन क्षमता हेतु 0.50 के आसपास p-मान वाले प्रश्नों को आदर्श माना जाता है। अतः कथन II और III सही हैं।

131. (A) एक प्रश्न उच्च अंक प्राप्तकर्ताओं को निम्न अंक प्राप्तकर्ताओं से कितनी अच्छी तरह अलग करता है
पद विभेदन सूचकांक (Item Discrimination Index – D) यह मापता है कि परीक्षण का कोई विशिष्ट प्रश्न उच्च योग्यता या उपलब्धि वाले छात्रों (Upper Group) और निम्न उपलब्धि वाले छात्रों (Lower Group) के बीच कितनी कुशलता से भेद या अंतर कर पाता है। यह प्रश्न की विभेदन क्षमता का संख्यात्मक माप प्रदान करता है।

132. (C) ऋणात्मक (Negative)
पद विभेदन सूचकांक (D) की गणना उच्च समूह में सही उत्तर देने वालों के अनुपात में से निम्न समूह के अनुपात को घटाकर की जाती है। यदि उच्च उपलब्धि वाले छात्रों की तुलना में निम्न उपलब्धि वाले छात्रों ने प्रश्न 10 का अधिक सही उत्तर दिया, तो परिणामी विभेदन सूचकांक का मान ऋणात्मक (Negative) प्राप्त होगा।

133. (C) कमियों या गलत उत्तर-कुंजी के कारण प्रश्न को संशोधित करना या त्यागना
किसी प्रश्न का ऋणात्मक विभेदन सूचकांक यह दर्शाता है कि कमजोर छात्रों ने मेधावी छात्रों की तुलना में उसका अधिक सही उत्तर दिया है। ऐसा प्रायः प्रश्न में अस्पष्टता, भ्रामक भाषा या गलत उत्तर-कुंजी (Answer Key) के कारण होता है। अतः परीक्षण निर्माता के लिए सबसे उपयुक्त कार्रवाई उस प्रश्न को संशोधित करना या परीक्षण से त्यागना है।

134. (D) गलत विकल्प कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कितनी प्रभावी ढंग से आकर्षित करते हैं
बहुविकल्पीय प्रश्नों में विक्षेपक विश्लेषण (Distractor Analysis) का उद्देश्य यह जांचना होता है कि गलत विकल्प (Distractors) कितने प्रभावी हैं। एक अच्छा विक्षेपक वह

Downloaded from www.pdf.tube

IV. यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि छात्र ने ज्ञान के एक विशिष्ट निकाय पर महारत हासिल की है या नहीं।

उपर्युक्त विशेषताओं में से कौन-सी सही हैं?

(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) II, III और IV
(D) I, III और IV

14. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म ग्रेडिंग अवधारणा को उसकी कार्यप्रणाली से सही ढंग से सुमेलित करता है?

(A) निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) - ग्रेड आवंटन सीधे कुल परिकलित कक्षा औसत पर निर्भर करता है
(B) सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading) - ग्रेड आवंटन सख्ती से पूर्व-परिभाषित निश्चित प्रतिशत श्रेणियों पर निर्भर करता है
(C) प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (Direct Grading) - गुणात्मक विवरणों (Qualitative Descriptors) का उपयोग करके सीधे ग्रेड आवंटित करना
(D) स्थितिजन्य ग्रेडिंग (Positional Grading) - सख्ती से और विशेष रूप से व्यापक छात्र उपस्थिति रिकॉर्ड पर आधारित ग्रेडिंग

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A) : एक निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) में, एक विशेष रूप से कठिन प्रश्न पत्र के परिणामस्वरूप बहुत कम छात्र उच्चतम ग्रेड प्राप्त कर पाते हैं।

कारण (R) : निरपेक्ष ग्रेडिंग मूल्यांकन उपकरण के अलग-अलग कठिनाई स्तरों की भरपाई के लिए ग्रेड सीमाओं (Grade Boundaries) को समायोजित नहीं करती है।

(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

16. यदि शिक्षा निदेशालय (Directorate of Education) एक विशिष्ट उपचारात्मक समूह के लिए निरपेक्ष उत्तीर्ण सीमा को 33% से घटाकर 25% करने का निर्णय लेता है, तो सबसे संभावित तत्काल प्रशासनिक परिणाम क्या होगा?

(A) मापन परीक्षण उपकरण की समग्र सांख्यिकीय विश्वसनीयता (Statistical Reliability) काफी बढ़ जाएगी।
(B) परीक्षा परीक्षण स्वचालित रूप से एक मानकीकृत मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Test) में परिवर्तित हो जाएगा।
(C) लिखित मूल्यांकन परीक्षण की संरचना वैधता (Construct Validity) सभी मानदंडों पर पूरी तरह से प्रभावित होगी।
(D) अधिक छात्र न्यूनतम अर्हता उत्तीर्ण ग्रेड (Minimum Qualifying Pass Grade) प्राप्त करेंगे।

17. सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Relative Grading System) में, छात्र का ग्रेड प्राथमिक रूप से किसके द्वारा निर्धारित होता है?

(A) समूह में अन्य छात्रों की तुलना में उनका प्रदर्शन
(B) विशिष्ट पूर्व-परिभाषित विषय पाठ्यक्रम परिणामों पर उनका प्रदर्शित व्यक्तिगत स्वामित्व (Individual Mastery)
(C) विद्यालय के प्राचार्य (School Principal) द्वारा स्थापित पूर्व-निर्धारित आत्मनिष्ठ मूल्यांकन मानदंड
(D) उनके वर्तमान सत्र के प्रदर्शन के विरुद्ध मूल्यांकन किया गया उनका पिछला संचयी शैक्षणिक रिकॉर्ड

18. सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading) निम्नलिखित में से किसके सिद्धांतों के साथ सबसे अधिक संरेखित है?

(A) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment)
(B) मापदंड-संदर्भित मूल्यांकन (Criterion-Referenced Evaluation)
(C) मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation)
(D) नैदानिक मूल्यांकन (Diagnostic Assessment)

19. सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. उच्च शिक्षा या छात्रवृत्ति में सीमित सीटों के लिए छात्रों का चयन करने के लिए यह अत्यधिक प्रभावी है।
II. यह गारंटी देता है कि विषय पर महारत हासिल करने वाले सभी छात्रों को उच्चतम ग्रेड मिलेगा।
III. यह अक्सर यह मानकर चलता है कि मापा जा रहा गुण एक बड़ी जनसंख्या में सामान्य रूप से वितरित (Normally Distributed) है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

NODIA

20. सापेक्ष ग्रेडिंग के लिए सामान्य संभाव्यता वक्र (Normal Probability Curve - NPC) का उपयोग करते समय, ग्रेड सीमाओं को निर्धारित करने के लिए कौन से सांख्यिकीय माप (Statistical Measures) आवश्यक हैं?

(A) बहुलक (Mode) और प्रसार (Range)
(B) माध्यिका (Median) और चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation)
(C) सहसंबंध गुणांक (Correlation Coefficient) और प्रसरण (Variance)
(D) माध्य (Mean) और मानक विचलन (Standard Deviation)

21. एक प्राचार्य एक शिक्षक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देता है कि कक्षा के सटीक 10% छात्रों को A, 20% को B, 40% को C, 20% को D, और 10% को E ग्रेड मिले। यह निर्देश किस विशिष्ट प्रकार की ग्रेडिंग का प्रतिनिधित्व करता है?

(A) निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading)

कि भौतिकी में छात्रों के प्राप्तांक औसत के अधिक निकट हैं, जिसका अर्थ है कि भौतिकी का प्रदर्शन गणित की तुलना में अधिक सुसंगत है।

147. (B) मानक-संदर्भित ग्रेडिंग / वक्र पर ग्रेडिंग (Norm-referenced grading / grading on a curve)
सामान्य संभावना वक्र पर आधारित ग्रेडिंग प्रणाली में छात्रों के प्राप्तांकों को वक्र के मानक विचलन क्षेत्रों के अनुसार ग्रेड (जैसे 9-पॉइंट स्केल) आवंटित किए जाते हैं। इस पद्धति को मानक-संदर्भित ग्रेडिंग या वक्र पर ग्रेडिंग (Norm-referenced grading) कहा जाता है, जहाँ छात्र का ग्रेड समूह में उसकी सापेक्ष स्थिति से निर्धारित होता है।

148. (B) शीर्ष निर्दिष्ट कक्षा प्रतिशत के भीतर रैंक प्राप्त करते हैं
सापेक्ष या मानक-संदर्भित (Norm-Referenced) ग्रेडिंग प्रणाली में किसी छात्र को 'A' ग्रेड मिलना उसके द्वारा प्राप्त निरपेक्ष अंकों पर निर्भर नहीं करता। इसके बजाय, यह इस बात से तय होता है कि छात्र ने अपनी कक्षा या संदर्भ समूह के शीर्ष निर्दिष्ट प्रतिशत (जैसे शीर्ष 10% छात्र) के भीतर स्थान या रैंक प्राप्त की है या नहीं।

149. (B) प्रश्न पत्र सेटों में अलग-अलग कठिनाई स्तरों के लिए अंकों को समायोजित करना
परीक्षा बोर्डों द्वारा विभिन्न सत्रों या प्रश्न पत्र के अलग-अलग सेटों के कठिनाई स्तर में आने वाले स्वाभाविक अंतर को संतुलित करने के लिए प्राप्तांकों का स्केलिंग (Scaling) किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कठिनाई स्तर वाले सेटों में बैठने वाले सभी छात्रों को एक समान और निष्पक्ष आधार पर मूल्यांकित करना है।

150. (B) केवल I और III
CCE में रचनात्मक मूल्यांकन मुख्यतः मानदंड-संदर्भित होता है तथा योगात्मक अंकों का सांख्यिकीय विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी द्वारा किया जा सकता है। यह कहना असत्य है कि सांख्यिकीय तकनीकें CCE में अप्रासंगिक हैं, क्योंकि आंकड़ों का संक्षेपण और विश्लेषण सांख्यिकी के बिना संभव नहीं है। अतः कथन I और III सही हैं तथा II गलत है।

151. (B) रेखा ग्राफ (Line Graph)
समय के साथ (जैसे सतत 10 वर्षों की अवधि में) किसी चर के परिवर्तनों, प्रवृत्तियों और रुझानों को प्रदर्शित करने के लिए रेखा ग्राफ (Line Graph) सबसे उपयुक्त आलेखीय माध्यम है। इसमें X-अक्ष पर वर्षों को तथा Y-अक्ष पर उत्तीर्ण प्रतिशत को अंकित करके रेखा द्वारा जोड़ा जाता है, जिससे स्पष्ट प्रवृत्ति दिखाई देती है।

152. (A) जैसे-जैसे शिक्षक अनुपस्थिति बढ़ती है, छात्र का प्रदर्शन घटता जाता है
-0.65 का ऋणात्मक सहसंबंध गुणांक (Negative Correlation) यह दर्शाता है कि दोनों चरों के बीच एक विपरीत रेखीय संबंध विद्यमान है। इसका सांख्यिकीय अर्थ यह है कि जैसे-जैसे शिक्षक अनुपस्थिति की दर में वृद्धि होती है, वैसे-वैसे छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के प्राप्तांकों में लगातार गिरावट या कमी दर्ज की जाती है।

153. (B) एक मध्यम धनात्मक सहसंबंध
जब प्रकीर्ण आरेख (Scatter Plot) में डेटा बिंदु बाएं से दाएं ऊपर की ओर बढ़ती दिशा में ढलान बनाते हैं, तो यह धनात्मक सहसंबंध को दर्शाता है। चूंकि बिंदु सीधी रेखा पर न होकर उसके आसपास ढीले रूप से गुच्छित हैं, इसलिए यह एक मध्यम धनात्मक रेखीय सहसंबंध (Moderate Positive Correlation) को निरूपित करता है।

154. (B) चरम मान (Extreme Values) जो अन्य आंकड़ों से बहुत दूर विचलित होते हैं
सांख्यिकी में "चरम मान" या आउटलायर्स (Outliers) उन असामान्य या अत्यधिक दूरस्थ प्राप्तांक मानों को कहा जाता है, जो किसी डेटासेट के बाकी अधिकांश आंकड़ों के सामान्य पैटर्न और फैलाव से काफी भिन्न और अलग-थलग होते हैं। ये मान माध्य और प्रसरण जैसे सांख्यिकीय मापों को भारी रूप से प्रभावित या विकृत कर सकते हैं।

155. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
छोटे प्रतिदर्श आकार में एक असाधारण रूप से कम या अधिक प्राप्तांक (Outlier) पूरे समूह के समांतर माध्य को भारी रूप से प्रभावित करता है। चूंकि माध्य की गणना सभी मानों के योग से होती है, एक चरम मान औसत को अपनी ओर खींच लेता है, जिससे वह विकृत हो जाता है। अतः दोनों कथन सही हैं और कारण सही व्याख्या है।

156. (A) सरल रेखीय समाश्रयण (Simple Linear Regression)
जब एक ज्ञात स्वतंत्र चर (जैसे हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा के अंक) के आधार पर किसी आश्रित चर (जैसे कॉलेज जीपीए) के भविष्य के मान का पूर्वानुमान या भविष्यवाणी करनी होती है, तो सरल रेखीय समाश्रयण (Simple Linear Regression) तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह दो चरों के बीच समाश्रयण समीकरण स्थापित करता है।

157. (B) 10
सांख्यिकी में "दशमक" (Deciles) वे स्थितिगत मान होते हैं जो किसी व्यवस्थित प्राप्तांक वितरण को ठीक 10 बराबर भागों में विभाजित करते हैं। पूरे डेटासेट को दस समान भागों में बाँटने के लिए कुल 9 दशमक बिंदु (D1 से D9 तक) की आवश्यकता होती है, जहाँ प्रत्येक भाग में कुल मामलों का 10% आता है।

158. (B) मध्यिका (Median)
सांख्यिकीय परिभाषा के अनुसार, 5वां दशमक (D5) वह विशिष्ट प्राप्तांक बिंदु है जिसके नीचे किसी वितरण के ठीक 50% आंकड़े स्थित होते हैं। चूंकि मध्यिका (Median) और 50वां प्रतिशतक (P50) भी वितरण के ठीक 50% मामलों को पृथक करते हैं, इसलिए 5वां दशमक संख्यात्मक रूप से मध्यिका के पूर्णतः समान होता है।

Click Here to Buy book on Amazon

6.5 आता है, तो वह बच्चा छठी कक्षा की सामग्री पढ़ने में सक्षम है और उच्च कक्षा में पदोन्नत होने योग्य है, जबकि यह केवल सामान्य परीक्षा में उसकी उच्च प्रवीणता दर्शाता है।

185. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
स्प्लिट-हाफ तकनीक और क्रोनबैक अल्फा परीक्षण की आंतरिक संगति विश्वसनीयता मापने के सांख्यिकीय तरीके हैं। ये यह आंकते हैं कि परीक्षण के सभी पद एक ही अवधारणा का कितना सुसंगत मापन करते हैं, जिससे विश्वसनीयता का अनुमान लगता है। अतः दोनों कथन सांख्यिकीय रूप से सही हैं और कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

186. (A) 0.80 या 0.90 से ऊपर
किसी मानकीकृत शैक्षिक या मनोवैज्ञानिक परीक्षण की विश्वसनीयता गुणांक (Reliability Coefficient) का मान 0.00 से 1.00 के बीच होता है। एक व्यावहारिक और निर्मित मानकीकृत परीक्षण के लिए विश्वसनीयता गुणांक का मान आदर्श रूप से 0.80 या 0.90 से अधिक होना चाहिए, जो परीक्षण परिणामों की उच्च स्थिरता और निर्भरता को प्रमाणित करता है।

187. (A) एक स्थापित बाह्य मानदंड (External Criterion) के साथ प्राप्तांकों का सहसंबंध बनाकर
किसी मूल्यांकन उपकरण की सांख्यिकीय वैधता (Validity) स्थापित करने की एक प्रमुख विधि परीक्षण प्राप्तांकों का किसी स्थापित विश्वसनीय बाह्य मानदंड (External Criterion) के साथ सहसंबंध गुणांक ज्ञात करना है। यदि दोनों के बीच उच्च धनात्मक सहसंबंध प्राप्त होता है, तो परीक्षण को उस मापे जा रहे लक्षण के लिए वैध माना जाता है।

188. (B) वैध हो भी सकता है और नहीं भी
सांख्यिकीय मापन के सिद्धांतों के अनुसार विश्वसनीयता वैधता की एक आवश्यक शर्त है, परंतु पर्याप्त शर्त नहीं है। यदि कोई परीक्षण अत्यधिक विश्वसनीय (Consistent) है, तो भी वह वैध हो भी सकता है और नहीं भी, क्योंकि हो सकता है कि वह लगातार किसी गलत या अप्रासंगिक चर का मापन कर रहा हो।

189. (A) स्पेयरमैन-ब्राउन भविष्यवाणी सूत्र (Spearman-Brown prophecy formula)
जब किसी परीक्षण की लंबाई बढ़ाई या घटाई जाती है (अर्थात् प्रश्नों की संख्या में परिवर्तन किया जाता है), तो नई विश्वसनीयता का अनुमान लगाने के लिए स्पेयरमैन-ब्राउन भविष्यवाणी सूत्र (Spearman-Brown Prophecy Formula) का उपयोग किया जाता है। स्प्लिट-हाफ विश्वसनीयता में भी पूरे परीक्षण की विश्वसनीयता निकालने हेतु इसका प्रयोग होता है।

190. (B) केवल I और II
परीक्षण-पुनर्परीक्षण विधि में एक ही परीक्षण को दो अलग-अलग अवसरों पर प्रशासित किया जाता है। समानांतर रूप विधि में दो समतुल्य परीक्षण रूपों को अलग-अलग अवसरों पर दिया जाता है। स्प्लिट-हाफ विधि में परीक्षण को केवल एक ही अवसर पर देकर दो भागों में बाँटा जाता है। अतः I और II में दो अवसरों की आवश्यकता होती है।

191. (B) विद्यालय ने राज्य के 45% विद्यालयों से बेहतर प्रदर्शन किया
प्रतिशतक (Percentile) सापेक्ष स्थिति का माप है। यदि विद्यालय का औसत प्राप्तांक राज्य के मानदंडों के 45वें प्रतिशतक पर आता है, तो सांख्यिकीय रूप से इसका सीधा अर्थ यह है कि उस विद्यालय ने राज्य के कुल विद्यालयों में से 45% विद्यालयों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि 55% विद्यालय उससे आगे रहे।

192. (A) निष्कर्षात्मक सांख्यिकी (Inferential Statistics)
सांख्यिकी की वह शाखा जो किसी चुने गए छोटे प्रतिदर्श (Sample) के आंकड़ों और सांख्यिकीय परीक्षणों का विश्लेषण करके संपूर्ण समष्टि (Population) के बारे में सामान्यीकरण, अनुमान या निष्कर्ष निकालने से संबंधित होती है, उसे निष्कर्षात्मक सांख्यिकी (Inferential Statistics) कहा जाता है। इसमें परिकल्पना परीक्षण और प्राचल अनुमान शामिल हैं।

193. (B) समष्टि (Population)
सांख्यिकी में, "प्राचल" (Parameter) किसी संपूर्ण समष्टि (Population) की किसी मापे गए संख्यात्मक लक्षण या विशेषता (जैसे समष्टि माध्य μ या समष्टि मानक विचलन σ) को संदर्भित करता है। चूंकि संपूर्ण समष्टि का अध्ययन करना कठिन होता है, इसलिए प्राचल का मान प्रायः अज्ञात रहता है और प्रतिदर्शज से इसका अनुमान लगाया जाता है।

194. (B) सांख्यिकी / प्रतिदर्शज (Statistic)
किसी चुने गए प्रतिदर्श (Sample) के आंकड़ों से परिकलित संख्यात्मक माप या विशिष्ट विशेषता, जैसे कि प्रतिदर्श माध्य ($\bar{X}$) या प्रतिदर्श मानक विचलन (s), को सांख्यिकी या प्रतिदर्शज (Statistic) कहा जाता है। इस प्रतिदर्शज का उपयोग समष्टि के अज्ञात प्राचल (Parameter) का अनुमान लगाने के लिए निष्कर्षात्मक सांख्यिकी में किया जाता है।

195. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
शोध निष्कर्षों को प्रतिदर्श से विस्तृत समष्टि पर सामान्यीकृत करने के लिए यादृच्छिक प्रतिचयन आवश्यक है। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि समष्टि के प्रत्येक सदस्य के चुने जाने की समान संभावना हो, जिससे चयन पूर्वाग्रह न्यूनतम हो जाता है और प्रतिनिधि प्रतिदर्श प्राप्त होता है। अतः दोनों कथन सही हैं और कारण सही व्याख्या करता है।

196. (B) स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन (Stratified Random Sampling)
जब किसी समष्टि को विभिन्न सजातीय उपसमूहों या स्तरों (जैसे कक्षा IX, X, XI, XII) में विभाजित किया जाता है और फिर प्रत्येक स्तर से आनुपातिक रूप से सदस्यों का यादृच्छिक चयन किया जाता है, तो इस विधि को स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन (Stratified Random Sampling) कहा जाता है। यह

NODIA

172. (A) (मानक विचलन / माध्य) × 100
विचरण गुणांक (Coefficient of Variation – CV) सापेक्ष विक्षेपण का एक प्रतिशत माप है। इसकी गणना करने का मानक सूत्र (मानक विचलन / माध्य) × 100 अर्थात् (SD / Mean) × 100 होता है। यह माप दो भिन्न-भिन्न समूहों की स्थिरता या परिवर्तनशीलता की निष्पक्ष तुलना करने में अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होता है।

173. (B) अनुभाग B
जब दो अनुभागों का माध्य समान (50) हो, तो उनकी परिवर्तनशीलता उनके मानक विचलन से निर्धारित होती है। अनुभाग B का मानक विचलन (SD = 10) अनुभाग A (SD = 5) से अधिक है। उच्च मानक विचलन यह दर्शाता है कि अनुभाग B के प्राप्तांकों में अधिक फैलाव है, जिससे यह अनुभाग अधिक परिवर्तनशील और कम सुसंगत है।

174. (B) स्कूल X के परिणाम स्कूल Y की तुलना में अधिक सुसंगत और स्थिर हैं
विचरण गुणांक (CV) डेटा की परिवर्तनशीलता या अस्थिरता का मापन करता है। कम विचरण गुणांक उच्च सुसंगतता और स्थिरता का प्रतीक होता है। चूंकि स्कूल X का विचरण गुणांक (10%) स्कूल Y के विचरण गुणांक (25%) की तुलना में काफी कम है, इसलिए निष्कर्ष निकलता है कि स्कूल X के परिणाम अधिक सुसंगत और स्थिर हैं।

175. (C) केवल I और IV
Z-प्राप्तांक किसी वितरण में व्यक्तिगत प्राप्तांक की सापेक्ष स्थिति को व्यक्त करता है, और विचरण गुणांक (CV) मापन इकाइयों से मुक्त सापेक्ष विक्षेपण को मापता है। इसके विपरीत, प्रसार और प्रसरण निरपेक्ष विक्षेपण के माप हैं। अतः केवल I और IV सापेक्ष स्थिति या सापेक्ष विक्षेपण के माप निरुपित करते हैं।

176. (C) प्रकीर्ण आरेख (Scatter Diagram / Scatterplot)
दो सतत मात्रात्मक चरों (जैसे मॉक परीक्षा अंक और अंतिम बोर्ड परीक्षा अंक) वाले द्विचर आंकड़ों (Bivariate Data) के बीच सहसंबंध और पैटर्न को दृश्य रूप में देखने के लिए प्रकीर्ण आरेख (Scatterplot) सबसे उपयुक्त आलेखीय उपकरण है। इसमें प्रत्येक बिंदु एक छात्र के दोनों प्राप्तांकों के युग्म को प्रदर्शित करता है।

177. (B) एक मजबूत सहसंबंध
प्रकीर्ण आरेख (Scatter Diagram) में जब डेटा बिंदु किसी काल्पनिक या वास्तविक सीधी रेखा के बहुत पास और कसकर गुच्छित होते हैं, तो यह दो चरों के बीच उच्च या मजबूत सहसंबंध (Strong Correlation) की उपस्थिति को दर्शाता है। यदि बिंदु रेखा से दूर बिखरे हों, तो सहसंबंध कमजोर माना जाता है।

178. (C) 49%
साझा प्रसरण के प्रतिशत को निर्धारित करने के लिए निर्धारण गुणांक (Coefficient of Determination - r^2) निकाला जाता है। दिए गए सहसंबंध गुणांक ($r = +0.70$) का वर्ग करने पर: $r^2 = (0.70)^2 = 0.49$ प्राप्त होता है। इसे प्रतिशत में बदलने पर (0.49×100) = 49% प्राप्त होता है, जो साझा प्रसरण का मान है।

179. (B) एक अमापित तीसरा चर देखे गए संबंध का कारण बनता है
"तीसरा चर समस्या" (Third Variable Problem) सहसंबंध की व्याख्या में तब उत्पन्न होती है जब दो चरों के बीच देखा गया सांख्यिकीय संबंध वास्तव में किसी तीसरे अमापित बाह्य चर के प्रभाव के कारण होता है। शोधकर्ता गलती से दो चरों के बीच सीधा संबंध मान लेता है, जबकि तीसरा चर दोनों को प्रभावित कर रहा होता है।

180. (A) युग्मित प्रतिदर्श t-परीक्षण (Paired samples t-test)
एक ही छात्र समूह के पूर्व-परीक्षण (Pre-test) और उत्तर-परीक्षण (Post-test) के औसत प्राप्तांकों के बीच अंतर की सांख्यिकीय सार्थकता का परीक्षण करने के लिए युग्मित प्रतिदर्श t-परीक्षण (Paired Samples t-test) का प्रयोग किया जाता है। यह परीक्षण यह निर्धारित करता है कि नया कार्यक्रम लागू करने से आया सुधार सांख्यिकीय रुप से सार्थक है या केवल संयोग मात्र है।

181. (B) परिणाम सांख्यिकीय रूप से सार्थक (Statistically Significant) हैं और संयोग से होने की संभावना नहीं है
परिकल्पना परीक्षण में 0.05 से कम का p-मान ($p < .05$) यह दर्शाता है कि प्राप्त परिणाम के केवल संयोग से घटित होने की संभावना 5% से कम है। इसलिए देखा गया अंतर सांख्यिकीय रुप से सार्थक (Statistically Significant) माना जाता है, जिसके आधार पर शून्य परिकल्पना (Null Hypothesis) को अस्वीकार कर दिया जाता है।

182. (B) एक सत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करता है (फॉल्स पॉजिटिव)
परिकल्पना परीक्षण में टाइप I त्रुटि (Type I Error) तब घटित होती है जब शोधकर्ता एक ऐसी शून्य परिकल्पना (Null Hypothesis) को गलती से अस्वीकार कर देता है जो वास्तव में सत्य थी। इसे सांख्यिकी में 'फॉल्स पॉजिटिव' भी कहा जाता है। इस त्रुटि की संभावना का स्तर 'अल्फा' (α) द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

183. (B) प्रदर्शन छठी कक्षा के 5वें महीने के छात्र से मेल खाता है
मानकीकृत परीक्षणों में "ग्रेड समतुल्य प्राप्तांक" (Grade Equivalent Score) यह दर्शाता है कि किसी छात्र का प्रदर्शन किस कक्षा और महीने के औसत छात्र के प्रदर्शन के समान है। 6.5 के ग्रेड समतुल्य प्राप्तांक का अर्थ यह है कि छात्र ने छठी कक्षा के 5वें महीने के औसत छात्र जैसा प्रदर्शन प्राप्त किया है।

184. (B) बच्चा उच्च कक्षा में तत्काल स्थान पाने का हकदार है
ग्रेड समतुल्य प्राप्तांकों की एक बड़ी भ्रांति यह है कि अभिभावक प्रायः यह सोच लेते हैं कि यदि चौथी कक्षा के बच्चे का प्राप्तांक

Downloaded from www.pdf.tube

होता है जो निम्न प्रदर्शन करने वाले छात्रों को आकर्षित करे, किंतु उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भ्रमित न करे। यह विश्लेषणात्मक प्रक्रिया गलत विकल्पों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करती है।

135. (A) हाँ, बिल्कुल इसी क्रम में
शास्त्रीय पद विश्लेषण की चरणबद्ध प्रक्रिया में सबसे पहले परीक्षण पत्रों को प्राप्तांकों के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है। तत्पश्चात ऊपरी 27% और निचले 27% समूहों का चयन होता है। तीसरे चरण में दोनों समूहों के सही उत्तरों की गणना की जाती है और अंत में कठिनाई तथा विभेदन सूचकांक निकाले जाते हैं। अतः क्रम सही है।

136. (B) चालू वर्ष की औसत उपस्थिति और उत्तीर्ण दरों का सारांश देना
वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) का मुख्य कार्य हस्तगत आंकड़ों का संक्षेपण, संगठन और प्रस्तुतीकरण करना होता है। वर्तमान वर्ष की औसत उपस्थिति और उत्तीर्ण दरों का सारांश प्रस्तुत करना वर्णनात्मक सांख्यिकी का स्पष्ट उदाहरण है, क्योंकि इसमें बिना कोई अनुमान या निष्कर्षण लगाए केवल उपलब्ध डेटा का वर्णन किया जा रहा है।

137. (C) t-परीक्षण (t-test)
दो स्वतंत्र समूहों के समांतर माध्यों (Means) के बीच पाए जाने वाले अंतर की सांख्यिकीय सार्थकता (Statistical Significance) की जांच करने के लिए t-परीक्षण (t-test) सबसे व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली पैरामीट्रिक तकनीक है। यह परीक्षण यह निर्धारित करता है कि देखा गया अंतर वास्तविक है या केवल यदृच्छया नमूनाकरण त्रुटि के कारण है।

138. (C) स्वतंत्रता का काई-वर्ग परीक्षण (Chi-square test of independence)
जब दोनों चर गुणात्मक या श्रेणीबद्ध आंकड़ों (Categorical Data) के रूप में हों, जैसे लिंग (पुरुष/महिला) और शैक्षणिक स्ट्रीम (विज्ञान/वाणिज्य/कला), तो उनके बीच सहसाहचर्य या संबंध का विश्लेषण करने के लिए स्वतंत्रता का काई-वर्ग परीक्षण (Chi-square test) सबसे उपयुक्त सांख्यिकीय परीक्षण माना जाता है। यह आवृत्तियों की प्रत्याशित और प्रेक्षित तुलना पर आधारित है।

139. (B) तीन या अधिक समूहों में माध्य (Means) की तुलना करना
प्रसरण विश्लेषण या एनोवा (ANOVA – Analysis of Variance) एक शक्तिशाली सांख्यिकीय तकनीक है जिसका उपयोग तीन या तीन से अधिक समूहों के समांतर माध्यों (Means) के बीच अंतर की सार्थकता का एक साथ परीक्षण करने के लिए किया जाता है। यह बार-बार t-परीक्षण करने से होने वाली टाइप I त्रुटि से बचाता है।

140. (B) उनमें वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) का अभाव होता है
शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक मापन के पैमानों में वास्तविक शून्य बिंदु (True Zero Point) का अभाव होता है। परीक्षण में शून्य प्राप्तांक का अर्थ यह कदापि नहीं है कि छात्र में उस विषय की शून्य क्षमता या ज्ञान की पूर्ण अनुपस्थिति है। यह त्रुटि शैक्षिक मापन पैमानों के अंतराल स्तर (Interval Level) की प्रकृति को न समझने से होती है।

141. (B) समूह के आंकड़ों (Group Data) से व्यक्तिगत लक्षणों का गलत अनुमान लगाया जाता है
"पारिस्थितिकीय आभास" (Ecological Fallacy) सांख्यिकीय व्याख्या की एक गंभीर तार्किक त्रुटि है। यह तब घटित होती है जब कोई शोधकर्ता या विश्लेषक समूचित या समूह-स्तरीय आंकड़ों (Group Data) के आधार पर सीधे तौर पर किसी विशिष्ट व्यक्तिगत छात्र की क्षमताओं, व्यवहारों या लक्षणों के बारे में अनुचित सांख्यिकीय निष्कर्ष या अनुमान निकाल लेता है।

142. (C) सममित (Symmetrical)
किसी प्राप्तांक वितरण में केवल तभी ठीक 50% छात्र माध्य से अधिक और 50% छात्र माध्य से कम अंक प्राप्त करते हैं, जब वह वितरण पूरी तरह से सममित (Symmetrical) हो। सममित वितरण में माध्य और मध्यिका एक ही बिंदु पर होते हैं, जो आंकड़ों को दो सटीक बराबर भागों में विभाजित करता है।

143. (A) केवल I और II
कारण-प्रभाव के साथ सहसंबंध को भ्रमित करना तथा भिन्न मापदंडों वाले परीक्षणों के कच्चे अंकों की सीधे तुलना करना सांख्यिकीय त्रुटियां हैं। विषमित आंकड़ों के लिए माध्य के स्थान पर मध्यिका का उपयोग करना सांख्यिकीय रूप से सही निर्णय है, त्रुटि नहीं। अतः केवल I और II वास्तविक सांख्यिकीय त्रुटियां निरुपित करते हैं।

144. (B) वह प्राप्तांक सीमा जिसके भीतर छात्र का वास्तविक प्राप्तांक (True Score) स्थित होता है
मापन की मानक त्रुटि (Standard Error of Measurement – SEM) मापन उपकरण की विश्वसनीयता से जुड़ी एक अवधारणा है। यह उस संभावित सीमा या अंतराल का अनुमान प्रदान करती है जिसके भीतर छात्र का काल्पनिक वास्तविक प्राप्तांक (True Score) स्थित होने की उच्च संभावना होती है। यह परीक्षण अंकों में अनिश्चितता की मात्रा को दर्शाती है।

145. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks) क्रमिक पैमाने (Ordinal Scale) का निरूपण करती हैं, जिनके बीच के अंतराल समान नहीं होते। क्रमिक आंकड़ों पर गणितीय क्रियाएं जैसे माध्य निकालना सांख्यिकीय रूप से अमान्य होता है क्योंकि यह परिणामों को विकृत कर देता है। अतः दोनों कथन सांख्यिकीय रूप से सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

146. (B) भौतिकी का प्रदर्शन गणित की तुलना में अधिक सुसंगत है
दोनों विषयों का माध्य अंक 80 समान है, परंतु भौतिकी का मानक विचलन (SD = 5) गणित के मानक विचलन (SD = 15) से काफी कम है। कम मानक विचलन यह दर्शाता है

NODIA

प्रतिदर्श में प्रत्येक स्तर का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

197. (A) व्यवस्थित प्रतिचयन (Systematic sampling)
जब किसी व्यवस्थित सूची में से एक यादृच्छिक प्रारंभिक बिंदु चुनकर प्रत्येक 'k'वें सदस्य (जैसे प्रत्येक 10वें छात्र) का प्रतिदर्श के लिए चयन किया जाता है, तो इस प्रक्रिया को व्यवस्थित प्रतिचयन (Systematic Sampling) कहा जाता है। यह विधि लागू करने में अत्यंत सरल, त्वरित और व्यावहारिक रुप से कुशल मानी जाती है।

198. (B) माध्य की मानक त्रुटि (Standard Error of Mean)
निष्कर्षात्मक सांख्यिकी में त्रुटि की सीमा (Margin of Error) सीधे तौर पर माध्य की मानक त्रुटि (Standard Error of Mean) पर निर्भर करती है। मानक त्रुटि यह दर्शाती है कि प्रतिदर्श माध्य समष्टि माध्य से कितना विचलित हो सकता है। मानक त्रुटि जितनी कम होगी, त्रुटि की सीमा उतनी ही छोटी और अनुमान उतना ही सटीक होगा।

199. (C) उच्च उपलब्धि वाले छात्रों की तुलना में अधिक निम्न उपलब्धि वाले छात्रों द्वारा चुना जाता है
बहुविकल्पीय प्रश्नों में एक विक्षेपक (Distractor) या गलत विकल्प को सांख्यिकीय रुप से तब प्रभावी माना जाता है जब वह उच्च उपलब्धि वाले छात्रों को भ्रमित न करे, बल्कि निम्न उपलब्धि वाले छात्रों द्वारा अधिक चुना जाए। यह विभेदन क्षमता को बढ़ाता है और प्रश्न पत्र की समग्र गुणवत्ता को बेहतर बनाता है।

200. (B) छोटे परीक्षणों में सामान्यतः लंबे परीक्षणों की तुलना में कम सांख्यिकीय विश्वसनीयता (Statistical Reliability) होती है
शास्त्रीय परीक्षण सिद्धांत के अनुसार, परीक्षण की लंबाई और उसकी सांख्यिकीय विश्वसनीयता में सीधा संबंध होता है। 10-प्रश्नों जैसे छोटे परीक्षणों में प्रश्नों का प्रतिदर्श सीमित होने के कारण मापने की त्रुटि अधिक होती है, जिससे उनकी विश्वसनीयता कम होती है। परीक्षण में सजातीय प्रश्नों की संख्या बढ़ाने से उसकी सांख्यिकीय विश्वसनीयता में सुधार होता है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 09
ग्रेडिंग सिस्टम और रिपोर्टिंग

NODIA

1. पारंपरिक संख्यात्मक अंकन प्रणाली (Numerical Marking System) की तुलना में ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) के प्राथमिक शैक्षिक उद्देश्य (Educational Purpose) को निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
   (A) मापन त्रुटियों (Measurement Errors) को कम करने के लिए छात्रों को व्यापक योग्यता श्रेणियों (Ability Bands) में वर्गीकृत करना
   (B) सभी शैक्षणिक विषयों (Academic Subjects) में छात्र की संज्ञानात्मक क्षमता (Cognitive Ability) का एक सटीक गणितीय परिमाणीकरण (Mathematical Quantification) प्रदान करना
   (C) सभी आंतरिक शैक्षणिक मूल्यांकनों (Internal Academic Assessments) में उच्चतम से निम्नतम तक छात्रों की सटीक रैंकिंग (Precise Ranking) की सुविधा प्रदान करना
   (D) यह सुनिश्चित करना कि विद्यालय के आंतरिक अंक गणितीय रूप से मानकीकृत बाहरी बोर्ड परीक्षा परिणामों (Standardized External Board Examination Results) के साथ संरेखित हों

2. "ग्रेड (Grade)" शब्द लैटिन शब्द "ग्रैडस (Gradus)" से उत्पन्न हुआ है। शैक्षिक मूल्यांकन (Educational Evaluation) के संदर्भ में, यह शब्द क्या दर्शाता है?
   (A) सामान्य संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता (General Cognitive Intelligence) और क्षमता का एक व्यापक माप
   (B) अधिकतम 100 में से एक सटीक मात्रात्मक प्रतिशत अंक (Quantitative Percentage Score)
   (C) प्रवीणता पैमाने (Proficiency Scale) पर एक चरण या डिग्री (Step or Degree)
   (D) शारीरिक परिपक्वता और वृद्धि का एक स्थापित विकासात्मक मानक (Developmental Standard)

3. विद्यालयों में ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) लागू करने के उद्देश्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   I. यह छात्रों के बीच मनोवैज्ञानिक दबाव (Psychological Pressure) और अस्वास्थ्यकर प्रतिस्पर्धा (Unhealthy Competition) को कम करता है।
   II. यह 89 अंक प्राप्त करने वाले छात्र और 90 अंक प्राप्त करने वाले छात्र के बीच सटीक अंतर को बढ़ाता है।
   III. यह समान प्रवीणता स्तरों (Proficiency Levels) वाले छात्रों को समूहित करके अधिक विश्वसनीय मूल्यांकन (Reliable Assessment) प्रदान करता है।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
   (A) केवल I और II
   (B) केवल II और III
   (C) केवल I और III
   (D) I, II और III

4. अंकन (Marking) और ग्रेडिंग (Grading) के बीच निम्नलिखित में से कौन सा एक मौलिक अंतर है?
   (A) अंकन (Marking) सभी विषयों में स्वाभाविक रूप से आत्मनिष्ठ (Subjective) होता है, जबकि ग्रेडिंग (Grading) सार्वभौमिक और विशुद्ध रूप से वस्तुनिष्ठ (Objective) होती है।
   (B) अंकन (Marking) का उपयोग केवल रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) के लिए किया जाता है, जबकि ग्रेडिंग (Grading) का उपयोग केवल योगात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) के लिए किया जाता है।
   (C) अंकन (Marking) के लिए हमेशा औपचारिक सांख्यिकी सामान्यीकरण (Statistical Normalization) की आवश्यकता होती है, जबकि ग्रेडिंग (Grading) में कभी भी अंक-संतुलन (Moderation) का उपयोग नहीं किया जाता है।
   (D) अंकन (Marking) एक सतत पैमाने (Continuous Scale) का उपयोग करता है, जबकि ग्रेडिंग (Grading) एक विविक्त, श्रेणीबद्ध पैमाने (Discrete, Categorical Scale) का उपयोग करती है।

5. विद्यालयी शिक्षा में ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) का उपयोग करने का निम्नलिखित में से कौन सा एक मान्यता प्राप्त लाभ नहीं है?
   (A) यह छात्रों के बीच सीमांत अंक अंतर (Marginal Score Differences) के मनमाने भेद को समाप्त करता है।
   (B) यह अर्जित ज्ञान के लिए एक सटीक संख्यात्मक मान (Exact Numerical Value) प्रदान करता है।
   (C) यह विभिन्न शैक्षणिक विषयों (Academic Subjects) में छात्र के समग्र प्रदर्शन (Overall Performance) की आसान तुलना की सुविधा प्रदान करता है।
   (D) यह शिक्षकों को छात्रों को उपलब्धि के स्पष्ट कार्यात्मक स्तरों (Functional Levels of Achievement) में प्रभावी ढंग से वर्गीकृत करने में सहायता करता है।

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A) : ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) की शुरुआत से विद्यालयी छात्रों में परीक्षा-जनित तनाव (Examination-Induced Stress) में काफी कमी आती है।

कारण (R) : ग्रेडिंग सटीक कच्चे अंकों (Raw Marks) की घोषणा को समाप्त करती है, जिससे एकल-अंक के अंतर पर सूक्ष्म तुलनाओं (Micro-Comparisons) और सहकर्मी प्रतिद्वंद्विता (Peer Rivalry) को रोका जा सकता है।

(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

7. प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (Direct Grading), जहाँ एक मूल्यांकनकर्ता पहले संख्यात्मक अंक दिए बिना अवलोकित प्रदर्शन के आधार पर सीधे एक ग्रेड प्रदान करता है, का उपयोग सबसे आमतौर पर निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में किया जाता है?

(A) माध्यमिक गणित में वार्षिक लिखित सैद्धांतिक परीक्षाएं (Theoretical Examinations)
(B) मानकीकृत बहुविकल्पीय प्रतियोगी उपलब्धि परीक्षण (Standardized Multiple-Choice Competitive Achievement Tests)
(C) प्राकृतिक विज्ञान में बोर्ड-स्तरीय योगात्मक सैद्धांतिक परीक्षाएं (Summative Theoretical Examinations)
(D) कला और कार्य अनुभव जैसे सह-शैक्षणिक क्षेत्र (Co-scholastic Areas)

8. शैक्षिक मूल्यांकन (Educational Evaluation) में ग्रेडिंग के अनुप्रयोग से संबंधित सही कथन की पहचान कीजिए।

(A) पैमाने (Scale) का चयन छात्र के प्रदर्शन में भेद के वांछित स्तर पर निर्भर करता है।
(B) ग्रेडिंग प्रणालियां (Grading Systems) सभी संदर्भों में शिक्षक के पूर्वाग्रह (Bias) और आत्मनिष्ठ मूल्यांकन त्रुटियों (Subjective Evaluation Errors) से पूरी तरह मुक्त होती हैं।
(C) ग्रेडिंग प्रणालियों को केवल संज्ञानात्मक क्षेत्रों (Cognitive Domains) में प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है, भावात्मक क्षेत्रों (Affective Domains) में कभी नहीं।
(D) ग्रेडिंग स्वचालित रूप से विभिन्न बोर्डों द्वारा आयोजित मानकीकृत परीक्षणों के अंतर्निहित कठिनाई स्तरों को बराबर कर देती है।

9. एक निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) में, छात्रों के ग्रेड कैसे निर्धारित किए जाते हैं?

(A) कक्षा में प्राप्त उच्चतम अंक से छात्र के कच्चे अंक की सीधे तुलना करके
(B) पूर्व-निर्धारित कट-ऑफ मानदंडों (Pre-Determined Cut-Off Criteria) से छात्र के प्रदर्शन की तुलना करके
(C) पूरी कक्षा के अंकों को एक मानकीकृत सामान्य संभाव्यता वक्र (Normal Probability Curve - NPC) पर व्यवस्थित रूप से मैप करके
(D) संपूर्ण समूह के भीतर प्रत्येक छात्र की सटीक व्यक्तिगत प्रतिशतता रैंक (Percentile Rank) की गणना करके

10. निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) सबसे निकटता से किस प्रकार के मूल्यांकन ढांचे (Assessment Framework) से संबंधित है?

(A) मानक-संदर्भित परीक्षण (Norm-Referenced Testing)
(B) मापदंड-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Testing)
(C) स्व-मानक मूल्यांकन (Ipsative Assessment)
(D) मानकीकृत मनोमितीय रुपरेखा (Standardized Psychometric Profiling)

NODIA

11. एक विद्यालय के प्राचार्य (School Principal) देखते हैं कि एक शिक्षक 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले किसी भी छात्र को 'A' ग्रेड प्रदान करता है, चाहे 5 छात्र यह अंक प्राप्त करें या 40 छात्र। शिक्षक ग्रेडिंग की किस प्रणाली को लागू कर रहा है?

(A) निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading)
(B) सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading)
(C) स्थितिजन्य ग्रेडिंग (Positional Grading)
(D) प्रतिशतक ग्रेडिंग (Percentile Grading)

12. विद्यालयी परीक्षाओं में विशेष रूप से निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) पर निर्भर रहने की प्राथमिक सीमा (Primary Limitation) क्या है?

(A) यह प्रयास की परवाह किए बिना छात्रों के एक गणितीय रूप से निश्चित प्रतिशत को परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने के लिए मजबूर करती है।
(B) यह Z-स्कोर (Z-Score) और मानक विचलन (Standard Deviation) जैसे जटिल उन्नत सांख्यिकीय सूत्रों पर अत्यधिक निर्भर करती है।
(C) यह वर्षों के दौरान प्रश्न पत्र के कठिनाई स्तर में बदलाव की उपेक्षा करती है।
(D) यह कक्षा शिक्षकों को स्पष्ट और विशिष्ट व्यावहारिक अधिगम उद्देश्यों (Learning Objectives) को स्थापित करने से रोकती है।

13. निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:

I. ग्रेड निश्चित प्रतिशत अंतरालों (Fixed Percentage Intervals) के आधार पर दिए जाते हैं।
II. छात्र का ग्रेड सहपाठियों के प्रदर्शन से स्वतंत्र होता है।
III. ग्रेड का वितरण हमेशा एक सामान्य घंटी के आकार के वक्र (Normal Bell Curve) का अनुसरण करेगा।

159. (D) I, II, और III
2रा चतुर्थक (Q2), 50वां प्रतिशतक (P50) तथा 5वां दशमक (D5) सभी मध्यिका के समान 50% बिंदु दर्शाते हैं। 3रा चतुर्थक (Q3) 75% बिंदु अर्थात् 75वें प्रतिशतक (P75) के बराबर होता है। अंतरचतुर्थक विस्तार (IQR) Q3 और Q1 का अंतर होता है। अतः ये तीनों सांख्यिकीय संबंध पूर्णतः सत्य हैं।

160. (B) क्रमिक पैमाना (Ordinal Scale)
जब आंकड़ों को ऐसे श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है जिनके बीच एक स्पष्ट प्राकृतिक क्रम, रैंक या पदानुक्रम मौजूद होता है, जैसे "निम्न", "मध्यम" और "उच्च", तो यह मापन के क्रमिक पैमाने (Ordinal Scale) का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें श्रेणियों का क्रम निश्चित होता है, यद्यपि उनके बीच की सटीक दूरी अज्ञात रहती है।

161. (C) अंतराल पैमाना (Interval Scale)
डिग्री सेल्सियस में मापा गया तापमान अंतराल पैमाने (Interval Scale) का एक मानक उदाहरण है। इसमें मापन की इकाइयों के बीच समान अंतर होता है, परंतु इसमें कोई निरपेक्ष या वास्तविक शून्य बिंदु नहीं होता। 0°C का अर्थ तापमान या ऊष्मा की पूर्ण अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह केवल एक स्वेच्छ बिंदु है।

162. (B) एक निरपेक्ष वास्तविक शून्य बिंदु (Absolute True Zero Point) रखता है
अंतराल और अनुपात पैमानों दोनों में समान अंतराल का गुण पाया जाता है, किंतु अनुपात पैमाना (Ratio Scale) की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें एक निरपेक्ष वास्तविक शून्य बिंदु (Absolute True Zero Point) मौजूद होता है। यह शून्य मान मापी जा रही विशेषता की पूर्ण अनुपस्थिति को व्यक्त करता है और अनुपातिक तुलना की अनुमति देता है।

163. (B) एक प्रतिदर्श पर एक मनमाना शून्य (Arbitrary Zero), शून्य कुल क्षमता नहीं
शैक्षिक परीक्षणों में शून्य प्राप्तांक केवल यह दर्शाता है कि छात्र ने उस विशिष्ट परीक्षण के प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया, न कि उसकी अंतर्निहित क्षमता की पूर्ण अनुपस्थिति। शैक्षिक मापन में शून्य एक मनमाना शून्य (Arbitrary Zero) होता है, वास्तविक शून्य नहीं, क्योंकि कोई भी परीक्षण किसी क्षमता का पूर्णतः मापन नहीं कर सकता।

164. (B) केवल I और IV
सांख्यिकी में संचयी आवृत्तियों (Cumulative Frequencies) को आलेखीय रूप से प्रदर्शित करने के लिए मुख्य रूप से संचयी आवृत्ति बहुभुज तथा ओजाइव (Ogive) का उपयोग किया जाता है। इसके विपरीत, आयतचित्र और पाई चार्ट साधारण आवृत्तियों या अनुपातों को दर्शाने हेतु प्रयुक्त होते हैं। अतः केवल I और IV इस कार्य हेतु सही ग्राफ हैं।

165. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
नामांकित आंकड़े केवल गुणात्मक श्रेणियों को दर्शाते हैं जिनमें कोई गणितीय क्रम नहीं होता। ऐसे डेटा में अंकों का योग न होने से माध्य तथा क्रम न होने से मध्यिका की गणना संभव नहीं होती। केवल बहुलक ही नामांकित आंकड़ों के लिए उपयुक्त है क्योंकि यह सबसे बारंबार श्रेणी बताता है। अतः दोनों कथन सही हैं और कारण सही व्याख्या है।

166. (B) संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency)
सांख्यिकी और आवृत्ति वितरण तालिकाओं में, 'f' संकेत का उपयोग किसी विशिष्ट वर्ग की साधारण आवृत्ति (Frequency) हेतु किया जाता है, जबकि संकेत 'cf' का प्रयोग संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency) को निरुपित करने के लिए किया जाता है। संचयी आवृत्ति किसी निश्चित वर्ग तक की सभी आवृत्तियों का क्रमिक योग व्यक्त करती है।

167. (A) वर्ग आवृत्ति को सभी पूर्ववर्ती वर्ग आवृत्तियों के साथ जोड़ना
किसी विशिष्ट वर्ग अंतराल की संचयी आवृत्ति (Cumulative Frequency) ज्ञात करने के लिए, उस वर्ग की अपनी साधारण आवृत्ति में उससे पूर्व के सभी वर्ग अंतरालों की आवृत्तियों को क्रमिक रुप से जोड़ दिया जाता है। यह योग प्रक्रिया उस वर्ग सीमा तक आने वाले कुल मामलों या प्राप्तांकों का संचयी योग प्रदान करती है।

168. (B) 200
से-कम संचयी आवृत्ति वितरण (Less-than Cumulative Frequency Distribution) में आवृत्तियों को निम्नतम वर्ग से उच्चतम वर्ग की ओर क्रमिक रूप से जोड़ा जाता है। चूंकि सभी प्राप्तांक उच्चतम वर्ग की ऊपरी सीमा से कम होते हैं, इसलिए अंतिम वर्ग अंतराल की संचयी आवृत्ति हमेशा कुल छात्रों की संख्या (N = 200) के बराबर होती है।

169. (C) कुल आवृत्ति (N)
"से-अधिक" संचयी आवृत्ति वितरण (More-than Cumulative Frequency Distribution) में गणना निम्नतम वर्ग अंतराल की निचली सीमा से प्रारंभ होती है। चूंकि सभी प्राप्तांक निम्नतम सीमा से अधिक या उसके बराबर होते हैं, इसलिए सबसे पहले वर्ग अंतराल की संचयी आवृत्ति कुल आवृत्तियों के योग (N) के ठीक बराबर होती है।

170. (A) हाँ, वे सही हैं और सही क्रम में हैं
'से-कम' प्रकार का ओजाइव बनाने के सही चरणों में सबसे पहले वर्ग अंतरालों की ऊपरी सीमाएँ ज्ञात की जाती हैं। तत्पश्चात से-कम संचयी आवृत्तियाँ निकाली जाती हैं। फिर X-अक्ष पर ऊपरी सीमाएँ और Y-अक्ष पर संचयी आवृत्तियाँ प्लॉट करके बिंदुओं को चिकने वक्र से जोड़ा जाता है। अतः दिए गए चरण सही और क्रमबद्ध हैं।

171. (A) विचरण गुणांक (Coefficient of Variation)
जब दो अलग-अलग डेटासेटों की मापन इकाइयाँ भिन्न हों (जैसे किग्रा और सेमी), तो उनके निरपेक्ष विक्षेपणों की सीधे तुलना करना संभव नहीं होता। ऐसे मामलों में सापेक्ष विक्षेपण को मापने के लिए विचरण गुणांक (Coefficient of Variation) सबसे उपयुक्त सांख्यिकीय माप है, क्योंकि यह इकाई-मुक्त प्रतिशत मान प्रदान करता है।

Downloaded from www.pdf.tube

(B) वक्र पर ग्रेडिंग (Grading on the Curve)
(C) मापदंड-संदर्भित ग्रेडिंग (Criterion-Referenced Grading)
(D) प्रत्यक्ष गुणात्मक ग्रेडिंग (Direct Qualitative Grading)

22. 30 छात्रों की कक्षा में सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (वक्र पर ग्रेडिंग) को सख्ती से लागू करने की वैध आलोचना निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) यह सहयोगी अधिगम और सहपाठी शिक्षण (Peer Tutoring) को बढ़ावा देती है।
(B) यह सभी छात्रों को उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने की अनुमति देती है यदि वे सभी कड़ी मेहनत करते हैं।
(C) क्षमता के सामान्य वितरण (Normal Distribution) को मानने के लिए प्रतिदर्श आकार (Sample Size) बहुत छोटा है।
(D) यह कक्षा से प्रतिस्पर्धा के सभी तत्वों को हटा देती है।

23. यदि कोई छात्र मानकीकृत परीक्षण में +2.0 का Z-स्कोर (Z-score) प्राप्त करता है, और संस्थान सामान्य वक्र के आधार पर सापेक्ष ग्रेडिंग का उपयोग करता है, तो इस छात्र को किस ग्रेड श्रेणी में रखे जाने की सबसे अधिक संभावना है?
(A) वितरण में सबसे कम अनुत्तीर्ण शैक्षणिक ग्रेड श्रेणी
(B) सामान्य वक्र की सटीक औसत या मध्य ग्रेड श्रेणी (Average Grade Band)
(C) समग्र कक्षा औसत के ठीक नीचे स्थित ग्रेड श्रेणी
(D) उच्चतम ग्रेड श्रेणी (Top Grade Band)

24. एक विशेष व्यावसायिक स्ट्रीम के लिए एक प्रतियोगी प्रवेश परीक्षा में, योग्यता रैंक (Merit Rank) के आधार पर शीर्ष 100 छात्रों को उनके कच्चे अंकों की परवाह किए बिना प्रवेश दिया जाता है। यह परिदृश्य किसके अंतर्निहित दर्शन का एक व्यावहारिक अनुप्रयोग है?
(A) सापेक्ष ग्रेडिंग/मूल्यांकन (Relative Grading/Assessment)
(B) निरपेक्ष ग्रेडिंग/मूल्यांकन (Absolute Grading/Assessment)
(C) प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (Direct Grading)
(D) रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment)

25. निम्नलिखित में से कौन सा सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Relative Grading System) का लक्षण नहीं है?
(A) यह एक समूह के भीतर व्यक्तिगत छात्रों को एक दूसरे के खिलाफ व्यवस्थित रूप से रैंक करती है।
(B) यह छात्र द्वारा महारत हासिल किए गए विशिष्ट कौशलों को इंगित करती है।
(C) यह परीक्षण के सापेक्ष कठिनाई स्तर के आधार पर ग्रेड कट-ऑफ को स्वचालित रूप से समायोजित करती है।
(D) यह किसी भी दिए गए समूह को दिए जाने वाले शीर्ष ग्रेड की कुल संख्या को सख्ती से सीमित करती है।

NODIA

26. निरपेक्ष और सापेक्ष ग्रेडिंग के बीच सबसे मौलिक अंतर किसमें निहित है?
(A) उन विषयों के प्रकार जिन पर उन्हें लागू किया जा सकता है
(B) ग्रेड आवंटित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला तुलनात्मक मानक (Standard of Comparison)
(C) विश्वसनीयता की गणना के लिए उपयोग किए जाने वाले सांख्यिकीय उपकरण (Statistical Tools)
(D) अभिभावकों को रिपोर्ट करने की आवृत्ति

27. निरपेक्ष और सापेक्ष ग्रेडिंग के बीच निम्नलिखित तुलनात्मक कथनों पर विचार कीजिए:
I. निरपेक्ष ग्रेडिंग विषय-वस्तु पर महारत की डिग्री को इंगित करती है, जबकि सापेक्ष ग्रेडिंग एक समूह के भीतर छात्र की स्थिति को दर्शाती है।
II. सापेक्ष ग्रेडिंग निरपेक्ष ग्रेडिंग की तुलना में परीक्षण के कठिनाई स्तर के प्रति अधिक संवेदनशील होती है।
III. निरपेक्ष ग्रेडिंग स्वाभाविक रूप से परिणामों के बेल-कर्व (Bell-Curve) वितरण को लागू करती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

28. निरपेक्ष और सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणालियों के बीच अंतर के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) निरपेक्ष ग्रेड सभी विषयों में पूर्व-निर्धारित कट-ऑफ प्रतिशत सीमाओं से सख्ती से प्राप्त किए जाते हैं।
(B) सापेक्ष ग्रेड पूरी कक्षा के अंकों के केंद्रीय प्रवृत्ति (Central Tendency) और अपकिरण (Dispersion) के मापों पर अत्यधिक निर्भर करते हैं।
(C) निरपेक्ष ग्रेडिंग सापेक्ष ग्रेडिंग की तुलना में शीर्ष रैंक के लिए प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है।
(D) बड़े पैमाने पर प्रतियोगी परीक्षाओं और मानक-संदर्भित मूल्यांकन परीक्षणों के लिए आमतौर पर सापेक्ष ग्रेडिंग को प्राथमिकता दी जाती है।

29. एक शिक्षा बोर्ड अपनी अंतिम परीक्षाओं के लिए निरपेक्ष ग्रेडिंग से सापेक्ष ग्रेडिंग में स्थानांतरित होने का निर्णय लेता है। इस बदलाव का सबसे संभावित प्रशासनिक औचित्य क्या है?
(A) यह सुनिश्चित करना कि माता-पिता सटीक रूप से समझें कि उनके बच्चे ने परीक्षा में किस विशिष्ट पाठ्यक्रम विषय या अवधारणा को छोड़ दिया है
(B) विषय शिक्षकों के लिए अंतिम ग्रेड की समग्र गणितीय गणना को काफी सरल बनाना
(C) यह गारंटी देना कि 90% का कच्चा स्कोर प्राप्त करने वाले प्रत्येक छात्र को स्वचालित रूप से A1 ग्रेड मिले
(D) परीक्षा के बदलते कठिनाई स्तरों के कारण होने वाले उत्तीर्ण प्रतिशत के उतार-चढ़ाव को समाप्त करना

(B) 9-बिंदु पैमाना नियमित रूप से कच्चे अंकों की एक बड़ी श्रृंखला को एक समेकित ग्रेड बैंड में समूहित करता है।
(C) 5-बिंदु पैमाना छोटे बच्चों के लिए सूक्ष्म-वर्गीकरण तनाव (Micro-Classification Stress) को कम करता है।
(D) सभी निचले प्राथमिक वर्गों के लिए वैधानिक शिक्षा प्रावधानों के तहत 9-बिंदु पैमाना वैधानिक रूप से अनिवार्य है।

47. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : शिक्षा के मूलभूत और तैयारी के चरणों (Foundational and Preparatory Stages) में प्रदर्शन की रिपोर्टिंग के लिए 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने को अत्यधिक प्राथमिकता दी जाती है।
कारण (R) : छोटे बच्चों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, सूक्ष्म स्तरीकरण (Fine-Grained Stratification) के बजाय एक व्यापक, गुणात्मक मूल्यांकन दृष्टिकोण (Qualitative Assessment Approach) से लाभ होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

48. एक विद्यालय को अपने शिक्षकों से इको-क्लब (Eco-Club) गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी को ग्रेड देने की आवश्यकता होती है। इस सह-शैक्षणिक क्षेत्र के लिए निम्नलिखित में से कौन सा ग्रेडिंग मॉडल सबसे उपयुक्त और प्रशासनिक रूप से मानक है?
(A) समूह रैंकिंग वितरण के आधार पर 9-बिंदु सापेक्ष स्थितिजन्य ग्रेडिंग (Positional Grading)
(B) दशमलव स्थानों के साथ परिकलित 100 में से निरपेक्ष सतत संख्यात्मक अंकन
(C) कक्षा मानक विचलन के आधार पर परिकलित उन्नत प्रतिशतक रैंकिंग सूत्र
(D) गुणात्मक विवरणों का उपयोग करके 5-बिंदु प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (5-Point Direct Grading)

49. वरिष्ठ माध्यमिक शैक्षणिक विषयों के लिए 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने का उपयोग करने की प्राथमिक सीमा क्या है?
(A) इसमें उम्मीदवारों के चयन के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा आवश्यक सूक्ष्मता (Granularity) का अभाव है।
(B) यह बहुत अधिक विस्तृत मात्रात्मक जानकारी प्रदान करता है, जो अक्सर गैर-विशेषज्ञ अभिभावकों को प्रभावित करता है।
(C) इसे गणितीय रूप से मानक ग्रेड बिंदु औसत (Grade Point Average - GPA) या संचयी सूचकांक में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।
(D) अंतिम ग्रेड प्राप्त करने के लिए जटिल सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम का अनिवार्य उपयोग आवश्यक है।

50. एक प्राचार्य प्राथमिक विंग (Primary Wing) को 9-बिंदु पैमाने से 5-बिंदु पैमाने में बदलने का निर्णय लेता है। एक अभिभावक यह कहते हुए आपत्ति जताता है कि उन्हें पता नहीं चलेगा कि उनका बच्चा "कक्षा में शीर्ष" पर है या नहीं। प्राचार्य की ओर से सबसे शिक्षाशास्त्र रूप से सही प्रतिक्रिया क्या है?
(A) यह समझाना कि 5-बिंदु पैमाना एक अपरिवर्तनीय कानूनी सरकारी जनादेश (Government Mandate) का प्रतिनिधित्व करता है जिस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है।
(B) आधिकारिक प्रकाशित ग्रेड के पीछे छिपे हुए गुप्त कच्चे परीक्षा अंक माता-पिता को प्रदान करने की पेशकश करना।
(C) प्राथमिक शिक्षा सहपाठियों को रैंकिंग देने के बजाय विकासात्मक मील के पत्थरों (Developmental Milestones) पर ध्यान केंद्रित करती है।
(D) यह बताना कि 9-बिंदु पैमाना प्राथमिक विषयों पर लागू करना गणितीय और तार्किक रूप से असंभव है।

51. ग्रेड बिंदु औसत (Grade Point Average - GPA) को सर्वोत्तम रूप से इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
(A) एक विशिष्ट अवधि में अर्जित ग्रेड बिंदुओं का समानांतर माध्य (Arithmetic Mean)
(B) प्राप्त सभी कच्चे सतत अंकों का योग, जिसे मूल्यांकित कुल विषयों की संख्या से विभाजित किया गया है
(C) किसी दिए गए सत्र या सेमेस्टर में किसी व्यक्तिगत छात्र द्वारा प्राप्त मानकीकृत प्रतिशतक रैंक स्थिति
(D) किसी डिग्री कार्यक्रम में सफलतापूर्वक अर्जित सभी शैक्षणिक पाठ्यक्रम क्रेडिटों (Course Credits) का संचयी कुल योग

52. एक भारित जीपीए (Weighted GPA) प्रणाली में, GPA की गणना कैसे की जाती है?
(A) सभी अर्जित ग्रेड बिंदुओं को बस एक साथ जोड़कर और उस योग को विषयों की कुल संख्या से विभाजित करके
(B) प्रत्येक परीक्षा में प्राप्त कच्चे अंकों को पाठ्यक्रम क्रेडिट (Course Credit) से गुणा करके और परिणाम को 100 से विभाजित करके
(C) प्राप्त न्यूनतम विषय ग्रेड बिंदु को पैमाने पर उच्चतम प्राप्त करने योग्य ग्रेड बिंदु से घटाकर
(D) ग्रेड बिंदुओं और क्रेडिट मूल्यों के गुणनफल का योग करके, फिर कुल क्रेडिट से विभाजित करके।

53. एक छात्र तीन विषय लेता है। विषय 1 के 3 क्रेडिट हैं और छात्र 8 का ग्रेड बिंदु अर्जित करता है। विषय 2 के 2 क्रेडिट हैं (ग्रेड बिंदु 9)। विषय 3 का 1 क्रेडिट है (ग्रेड बिंदु 10)। छात्र का भारित जीपीए (Weighted GPA) क्या है?
(A) 8.66
(B) 9.00
(C) 8.50
(D) 8.75

Click Here to Buy book on Amazon

(D) सीमांत उम्मीदवारों के लिए विशेष रूप से एक अलग मानकीकृत पुन: परीक्षण आधिकारिक तौर पर आयोजित किया जाता है।

38. यदि 9-बिंदु स्थितिजन्य ग्रेडिंग पैमाने के तहत मूल्यांकित वरिष्ठ माध्यमिक गणित परीक्षा में 80,000 छात्र उत्तीर्ण होते हैं, तो सीमा पर कोई टाई न मानते हुए, लगभग कितने छात्रों को A2 ग्रेड ब्रैकेट में रखा जाएगा?
(A) 5,000
(B) 12,500
(C) 10,000
(D) 15,000

39. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प मानक 9-बिंदु ग्रेडिंग प्रणाली (9-Point Grading System) में पहले पांच ग्रेडों का सही अवरोही क्रम (Descending Order) दर्शाता है?
(A) A1, A2, B1, B2, C1
(B) A+, A, B+, B, C+
(C) O, A+, A, B+, B
(D) A1, B1, C1, D1, E1

40. 9-बिंदु सापेक्ष पैमाने में, यदि कोई छात्र 'E' ग्रेड प्राप्त करता है, तो यह दर्शाता है कि छात्र ने:
(A) उस विषय में अर्हकारी अंक (Qualifying Marks) प्राप्त करने में असफलता प्राप्त की है
(B) न्यूनतम सीमांत अंकों (Passing Marks) के साथ परीक्षा पत्र सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है
(C) सत्र परीक्षा में बैठने से आधिकारिक रूप से छूट प्राप्त की है
(D) ऐसा अंक प्राप्त किया है जो परिकलित कक्षा औसत के बिल्कुल समान है

41. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : परीक्षा बोर्ड (Examination Boards) अक्सर कक्षा X और XII के बोर्ड परीक्षा परिणामों के लिए एक सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (9-बिंदु पैमाना) का उपयोग करते हैं।
कारण (R) : एक सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली पूरी तरह से यह इंगित करती है कि किसी छात्र ने किसी विषय की विशिष्ट मूलभूत दक्षता (Foundational Competencies) में महारत हासिल की है या नहीं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

42. बोर्ड परिणामों का विश्लेषण करने वाले एक विद्यालय के प्राचार्य नोट करते हैं कि अंग्रेजी में A1 ग्रेड के लिए कट-ऑफ 92 अंक था, जबकि गणित में A1 के लिए कट-ऑफ 98 अंक था। यह भिन्नता किसका प्रत्यक्ष परिणाम है?
(A) अंतिम छात्र अंकों के आधिकारिक सारणीयन (Official Tabulation) के दौरान हुई एक प्रशासनिक त्रुटि
(B) स्थितिजन्य ग्रेडिंग अनुपातों (Positional Grading Proportions) का उपयोग
(C) विभिन्न विषय विषयों में निरपेक्ष ग्रेडिंग नियमों का सख्त अनुप्रयोग
(D) विषयों को आवंटित आंतरिक विद्यालय मूल्यांकन भार (Internal School Assessment Weightage) में अंतर्निहित अंतर

43. एक 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाना (5-Point Grading Scale) आमतौर पर निम्नलिखित में से किस ग्रेड वितरण द्वारा दर्शाया जाता है?
(A) O, A, B, C, D
(B) A, B, C, D, E
(C) A1, A2, B1, B2, C1
(D) डिस्टिंक्शन, प्रथम, द्वितीय, तृतीय, अनुत्तीर्ण

44. विद्यालयी शिक्षा के संदर्भ में, 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने की सबसे अधिक सिफारिश और उपयोग किसके लिए किया जाता है?
(A) कक्षा XII के उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के लिए आयोजित उच्च-जोखिम वाली अंतिम बोर्ड परीक्षाएं (High-Stakes Final Board Exams)
(B) अत्यधिक प्रतिस्पर्धी उच्च-जोखिम वाली विश्वविद्यालय प्रवेश और चयन परीक्षाएं
(C) प्राथमिक छात्रों और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का मूल्यांकन (Assessing Primary Students and Co-Scholastic Areas)
(D) राष्ट्रीय योग्यता छात्रवृत्तियों के लिए आवश्यक समग्र अंतिम प्रतिशतक रैंक की गणना करना

NODIA

45. 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने (5-Point Grading Scale) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह 9-बिंदु पैमाने की तुलना में छात्रों का व्यापक वर्गीकरण प्रदान करता है।
II. यह उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों के बीच अंतर करने में 9-बिंदु पैमाने की तुलना में कम सटीक है।
III. इसका उपयोग अक्सर अभिवृत्तियों, मूल्यों और जीवन कौशलों जैसे गुणों का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

46. 9-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने से 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने की तुलना करते समय, निम्नलिखित में से कौन सा सही है?
(A) 5-बिंदु पैमाने में स्वाभाविक रूप से शीर्ष स्कोररों के बीच काफी अधिक विभेदन क्षमता (Discriminatory Power) होती है।

(A) CGPA × 9.5
(B) CGPA × 10
(C) (CGPA + 1) × 10
(D) CGPA × 9.8

63. CGPA के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह कई सत्रों में छात्र के निरंतर शैक्षणिक प्रदर्शन का एक समग्र खाका (Holistic Snapshot) प्रदान करता है।
II. एक एकल सेमेस्टर में प्रदर्शन में आई तेज गिरावट तुरंत और नाटकीय रूप से समग्र CGPA को उस सेमेस्टर के स्तर तक कम कर देगी।
III. CGPA की गणना में सभी पूर्ण किए गए सेमेस्टर में लिए गए सभी पाठ्यक्रमों के क्रेडिट भार शामिल होते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

64. CGPA को सांकेतिक प्रतिशत में बदलने के लिए 9.5 के परिवर्तन गुणक (Conversion Multiplier) को निर्धारित करने के पीछे सांख्यिकीय तर्क क्या था?
(A) 9.5 की गणना सभी विषयों में शीर्ष 5% प्रदर्शन करने वाले छात्रों के समग्र औसत कच्चे स्कोर (Raw Score) के रूप में की गई थी।
(B) यह A1 ग्रेड बैंड में छात्रों के औसत अंकों से अनुभवजन्य रूप से (Empirically) प्राप्त किया गया था।
(C) यह पूरी तरह से मैन्युअल गणना में आसानी के लिए समिति द्वारा चुना गया एक मनमाना संख्यात्मक कारक था।
(D) यह पिछले दशक में माध्यमिक बोर्ड परीक्षा अंकों की अनुमानित संचयी मुद्रास्फीति दर का प्रतिनिधित्व करता था।

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : CGPA को प्रतिशत में बदलने का सूत्र (CGPA x 9.5) छात्र का बिल्कुल सटीक प्रतिशत प्रदान करता है।
कारण (R) : एक ग्रेड में अंकों की एक श्रृंखला शामिल होती है (जैसे, A1 के लिए 91-100), इसलिए एक एकल परिवर्तन कारक (Conversion Factor) केवल एक सांकेतिक या अनुमानित प्रतिशत दे सकता है, सटीक कच्चा स्कोर नहीं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

66. एक छात्र ऐसी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करता है जिसके लिए न्यूनतम 75% सांकेतिक प्रतिशत की आवश्यकता होती है। यदि छात्र का CGPA 8.0 है, और बोर्ड 9.5 के परिवर्तन कारक का आदेश देता है, तो आवेदन के संबंध में प्रशासनिक निर्णय क्या है?
(A) आवेदन अस्वीकृत, सांकेतिक प्रतिशत 72% है
(B) आवेदन स्वीकृत, सांकेतिक प्रतिशत 80% है
(C) आवेदन अस्वीकृत, सांकेतिक प्रतिशत 74% है
(D) आवेदन स्वीकृत, सांकेतिक प्रतिशत 76% है

67. एक विद्यालय 10-बिंदु पैमाने का उपयोग करता है जहाँ सभी 5 मुख्य विषयों का समान भार है। एक छात्र अंतिम परीक्षा में 10, 9, 8, 7 और X के ग्रेड अंक (Grade Point) प्राप्त करता है, जिसके परिणामस्वरूप 8.2 का CGPA प्राप्त होता है। ग्रेड बिंदु X क्या है?
(A) 6
(B) 7
(C) 8
(D) 9

68. सतत कच्चे अंकों (0-100) को विविक्त ग्रेड श्रेणियों (A, B, C) में बदलने की प्रक्रिया को गणितीय रूप से कहा जाता है:
(A) सांख्यिकीय सामान्यीकरण (Statistical Normalization)
(B) गणितीय बहिर्वेशन (Mathematical Extrapolation)
(C) विविक्तीकरण / असंततीकरण (Discretization)
(D) खोजपूर्ण कारक विश्लेषण (Exploratory Factor Analysis)

69. पूर्व-परिभाषित कट-ऑफ (जैसे, 81-90 = A2, 91-100 = A1) का उपयोग करके निरपेक्ष अंकों को ग्रेड में बदलते समय, शिक्षकों और छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली सबसे आम प्रशासनिक और मनोवैज्ञानिक समस्या क्या है?
(A) स्कोरिंग में मनोवैज्ञानिक प्रभाव (Halo Effect)
(B) अंक वितरण में केंद्रीय प्रवृत्ति त्रुटि (Central Tendency Error)
(C) अंकन के दौरान परीक्षक विपरीत त्रुटि (Contrast Error)
(D) ग्रेड सीमा प्रभाव (Grade Boundary Effect)

70. कच्चे अंकों को ग्रेड में बदलने के लिए उपयोग की जाने वाली निम्नलिखित विधियों पर विचार कीजिए:
I. मानक विचलन और माध्य (Z-स्कोर) का उपयोग करना
II. पूर्व-निर्धारित प्रतिशत स्लैब का उपयोग करना
III. समूह की प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks) का उपयोग करना
उपर्युक्त में से कौन सी विधियाँ शैक्षिक मूल्यांकन में मानक स्वीकृत अभ्यास हैं?
(A) केवल I और II (B) केवल II और III
(C) केवल I और III (D) I, II और III

Downloaded from www.pdf.tube

54. ग्रेड बिंदु औसत (Grade Point Average - GPA) की गणना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. एक अभारित जीपीए (Unweighted GPA) शिक्षण घंटों या क्रेडिट की परवाह किए बिना सभी विषयों के साथ समान व्यवहार करता है।
II. एक भारित जीपीए (Weighted GPA) उच्च क्रेडिट मूल्यों वाले विषयों को अधिक महत्व देता है।
III. GPA की गणना आमतौर पर एक एकल शैक्षणिक सत्र या सेमेस्टर के लिए की जाती है।
IV. अधिकतम संभव GPA उपयोग किए गए पैमाने पर निर्भर करता है (जैसे, 4.0, 5.0, या 10.0 पैमाना)।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, III और IV
(D) I, II, III और IV

55. एक अभारित GPA (Unweighted GPA) और एक भारित GPA (Weighted GPA) के बीच मौलिक अंतर क्या है?
(A) अभारित GPA सख्ती से प्राकृतिक विज्ञान विषयों के लिए आरक्षित है, जबकि भारित GPA का उपयोग विशेष रूप से मानविकी कार्यक्रमों के लिए किया जाता है।
(B) अभारित GPA ग्रेड बिंदुओं का आसानी से औसत निकालता है, जबकि भारित GPA पाठ्यक्रम क्रेडिट मूल्यों को ध्यान में रखता है।
(C) अभारित GPA की गणना सभी पाठ्यक्रमों में वार्षिक आधार पर की जाती है, जबकि भारित GPA की गणना सख्ती से सत्र-वार या प्रति सेमेस्टर की जाती है।
(D) अभारित GPA विशेष रूप से 10-बिंदु संख्यात्मक पैमाने का उपयोग करता है, जबकि भारित GPA 4-बिंदु मानक पैमाने के उपयोग का आदेश देता है।

56. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सेमेस्टर ग्रेड बिंदु औसत (Semester Grade Point Average - SGPA) के दायरे की सही पहचान करता है?
(A) यह विद्यालय कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान छात्र के प्रदर्शन को दर्शाता है।
(B) यह एक एकल विशिष्ट सेमेस्टर में छात्र के औसत प्रदर्शन की गणना करता है।
(C) यह एक विषय में पूरी कक्षा के औसत प्रदर्शन को मापता है।
(D) यह कच्चे प्रतिशत का एक वैकल्पिक शब्द है।

57. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : एक भारित जीपीए (Weighted GPA) अभारित जीपीए की तुलना में छात्र के शैक्षणिक कार्यभार (Workload) और प्रदर्शन का अधिक सटीक प्रतिबिंब प्रदान करता है।
कारण (R) : एक भारित GPA इस तथ्य को ध्यान में रखता है कि 5-क्रेडिट कोर विषय के लिए 1-क्रेडिट वैकल्पिक विषय की तुलना में अधिक समय और प्रयास की आवश्यकता होती है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

NODIA

58. एक छात्र को समान क्रेडिट भार वाले पांच विषयों में 9, 8, 7, 9 और 7 के ग्रेड अंक मिलते हैं। छात्र का अभारित जीपीए (Unweighted GPA) क्या है?
(A) 7.5
(B) 8.0
(C) 8.2
(D) 8.5

59. GPA की गणना करते समय, मानक सूत्र में हर (Denominator) का प्रतिनिधित्व करता है:
(A) उपलब्ध ग्रेड बिंदुओं की समग्र अधिकतम संख्या
(B) प्रयास किए गए कुल क्रेडिट या विषय
(C) पैमाने पर उच्चतम संभव सैद्धांतिक ग्रेड बिंदु
(D) प्राप्त सभी कच्चे मूल्यांकन अंकों का योग

60. संचयी ग्रेड बिंदु औसत (Cumulative Grade Point Average - CGPA) मुख्य रूप से GPA से भिन्न होता है क्योंकि CGPA:
(A) केवल मुख्य शैक्षणिक विषयों को शामिल करता है जबकि सभी सह-शैक्षणिक शिक्षण क्षेत्रों को पूरी तरह से बाहर करता है
(B) एक बिंदु तक संपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम अवधि में ग्रेड अंकों का औसत निकालता है।
(C) हमेशा एक सख्त 4-बिंदु पैमाने पर परिकलित किया जाता है, जबकि मानक GPA की गणना 10-बिंदु पैमाने पर की जाती है
(D) विषय ग्रेड अंकों के बजाय संचयी प्रतिशत अंकों को सीधे जोड़कर प्राप्त किया जाता है

61. यदि किसी छात्र का सेमेस्टर 1 (20 क्रेडिट) में SGPA 8.0 है और सेमेस्टर 2 (20 क्रेडिट) में SGPA 9.0 है, तो सेमेस्टर 2 के अंत में छात्र का CGPA क्या है?
(A) 8.0
(B) 8.5
(C) 9.0
(D) 17.0

62. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) योजनाओं में, CGPA (10-बिंदु पैमाने पर) को सांकेतिक प्रतिशत (Indicative Percentage) में बदलने के लिए ऐतिहासिक रूप से प्रदान किया गया मानक सूत्र क्या है?

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) से प्राप्त ग्रेड की तुलना विभिन्न विद्यालयों या बोर्डों में करना कठिन होता है।
कारण (R) : विभिन्न विद्यालयों और बोर्डों में मूल्यांकन के मानक, कठिनाई स्तर और शिक्षण गुणवत्ता भिन्न हो सकती है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

31. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प ग्रेडिंग प्रकार को उसके सर्वोत्तम उपयोग के साथ सही ढंग से जोड़ता है?
(A) निरपेक्ष ग्रेडिंग - सीमित नागरिक सेवा पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन
(B) निरपेक्ष ग्रेडिंग - चिकित्सा चिकित्सकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाएं
(C) सापेक्ष ग्रेडिंग - बुनियादी साक्षरता में न्यूनतम योग्यता को प्रमाणित करना
(D) सापेक्ष ग्रेडिंग - एक IEP के विरुद्ध व्यक्तिगत छात्र की प्रगति का मूल्यांकन करना

32. शैक्षिक मूल्यांकन के संदर्भ में, निरपेक्ष ग्रेडिंग को आमतौर पर बुनियादी स्कूली प्रमाणीकरण के लिए बेहतर क्यों माना जाता है, जबकि सापेक्ष ग्रेडिंग विश्वविद्यालय चयन के लिए बेहतर है?
(A) प्रमाणीकरण के लिए सख्ती से छात्र रैंकिंग (Student Ranking) की आवश्यकता होती है, जबकि प्रतियोगी चयन विशुद्ध रूप से बुनियादी मूलभूत साक्षरता कौशलों को प्रमाणित करने पर केंद्रित होता है।
(B) निरपेक्ष ग्रेडिंग मुख्य रूप से मानक विचलन गणनाओं पर निर्भर करती है, जिन्हें विद्यालय प्रशासक (School Administrators) बुनियादी प्रतिशत कट-ऑफ से अधिक पसंद करते हैं।
(C) सापेक्ष ग्रेडिंग मॉडल बुनियादी विद्यालय स्तर पर नियमित प्रगति बैठकों के दौरान गैर-विशेषज्ञ अभिभावकों को समझाने में बहुत सरल और आसान होते हैं।
(D) प्रमाणीकरण न्यूनतम मानकों को सत्यापित करता है, जबकि चयन योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों को छांटता है।

33. अलग-अलग बैचों के दो छात्र भौतिकी की परीक्षा देते हैं। छात्र X बहुत आसान प्रश्नपत्र में 85% अंक प्राप्त करता है और उसे A2 मिलता है। छात्र Y एक बहुत कठिन प्रश्नपत्र में 70% अंक प्राप्त करता है और उसे A1 मिलता है। बोर्ड सबसे अधिक संभावना किस प्रकार की ग्रेडिंग प्रणाली का उपयोग कर रहा है?
(A) स्थितिजन्य/सापेक्ष ग्रेडिंग (Positional/Relative Grading)
(B) निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading)
(C) प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (Direct Grading)
(D) मापदंड-संदर्भित ग्रेडिंग (Criterion-Referenced Grading)

34. माध्यमिक विद्यालय कक्षाओं के लिए पारंपरिक रूप से उपयोग किए जाने वाले मानक 9-बिंदु सापेक्ष ग्रेडिंग पैमाने (9-Point Relative Grading Scale) के तहत, दिया जाने वाला उच्चतम ग्रेड कौन सा है?
(A) A+
(B) O (उत्कृष्ट / Outstanding)
(C) A1
(D) A*

35. बोर्ड परीक्षाओं में लागू 9-बिंदु सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (9-Point Relative Grading System) में, उच्चतम ग्रेड (A1) गणितीय रूप से कैसे निर्धारित किया जाता है?
(A) उत्तीर्ण उम्मीदवारों के शीर्ष 1/8वें भाग को प्रदान किया जाता है
(B) 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को प्रदान किया जाता है
(C) सभी पंजीकृत उम्मीदवारों के शीर्ष 10% को प्रदान किया जाता है
(D) उत्तीर्ण उम्मीदवारों के शीर्ष 1/10वें भाग को प्रदान किया जाता है

36. स्थितिजन्य ग्रेड पर आधारित 9-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने (9-Point Positional Grading Scale) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ग्रेड केवल उन उम्मीदवारों को दिए जाते हैं जो विषय में उत्तीर्ण होते हैं।
II. उत्तीर्ण उम्मीदवारों को आठ समान समूहों में विभाजित किया जाता है।
III. ग्रेड 'E' उन उम्मीदवारों को दर्शाता है जो अर्हता प्राप्त करने में असफल रहे हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

37. 9-बिंदु सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली में, जब समान अंक वाले उम्मीदवार दो ग्रेड की सीमा रेखा पर आते हैं (उदाहरण के लिए, A1 और A2 के बीच), तो मानक प्रोटोकॉल क्या है?
(A) टाई वाले उम्मीदवारों को दो आसन्न ग्रेड श्रेणियों (Adjacent Grade Bands) के बीच यादृच्छिक रूप से विभाजित किया जाता है।
(B) समान अंक वाले सभी उम्मीदवारों को उच्च ग्रेड दिया जाता है।
(C) समान सीमा अंक वाले सभी उम्मीदवारों को निचले ग्रेड बैंड (Lower Grade Band) में धकेल दिया जाता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

71. यदि कोई बोर्ड विभिन्न विषयों के अंकों को ग्रेड में बदलने से पहले एक समान माध्य (Mean) और मानक विचलन (Standard Deviation) प्राप्त करने के लिए मानकीकृत करता है, तो इस प्रक्रिया को कहा जाता है:
(A) वक्र पर सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading on a Curve)
(B) गुणात्मक अंक-संतुलन (Qualitative Mark Moderation)
(C) प्रत्यक्ष निरपेक्ष अंक मैपिंग (Direct Absolute Mark Mapping)
(D) मानकीकृत स्केलिंग (Standardized Scaling)

72. एक छात्र विज्ञान में 89.5 अंक प्राप्त करता है। विद्यालय के नियम के अनुसार 80-89 B1 है और 90-100 A2 है। दशमलव के लिए कोई विशिष्ट नियम नहीं है। निष्पक्ष मूल्यांकन सिद्धांतों को लागू करने वाले प्राचार्य के रूप में, विद्यालय मूल्यांकन में ऐसे पूर्णांकन (Rounding) के लिए मानक प्रशासनिक अभ्यास क्या है?
(A) निकटतम पूर्ण संख्या में पूर्णांकित करें, जिसके परिणामस्वरूप 90 (A2) प्राप्त होगा
(B) दशमलव को हटा दें, जिसके परिणामस्वरूप 89 (B1) प्राप्त होगा
(C) सख्त मानकों (B1) को बनाए रखने के लिए निचला ग्रेड प्रदान करें
(D) छात्र से 0.5 अंक के लिए पुन: परीक्षा देने को कहें

73. अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षा में कच्चे अंकों को सापेक्ष ग्रेड में बदलते समय निम्नलिखित में से कौन सा एक गलत अभ्यास है?
(A) ग्रेड श्रेणियों को निर्धारित करने के लिए व्यवस्थित रूप से सामान्य संभाव्यता वक्र वितरण (Normal Probability Curve Distribution) का उपयोग करना
(B) काफी बेहतर सांख्यिकीय मापन स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए परिवर्तित T-स्कोर (T-score) का उपयोग करना
(C) विभिन्न मूल्यांकन रूपों में परीक्षण स्कोर का पूर्ण मानकीकरण कड़ाई से सुनिश्चित करना
(D) परीक्षक के आत्मनिष्ठ अंतर्ज्ञान के आधार पर ग्रेड सीमाओं को तय करना।

74. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सांख्यिकीय अवधारणा को अंक-से-ग्रेड परिवर्तन (Marks-to-Grade Conversion) में इसके उपयोग के साथ सही ढंग से जोड़ता है?
(A) प्रतिशतक (Percentile) - उन प्रश्नों का प्रतिशत दर्शाता है जिनका छात्र ने सही उत्तर दिया
(B) Z-स्कोर (Z-score) - यह दर्शाता है कि कोई अंक माध्य (Mean) से कितने मानक विचलन (Standard Deviations) दूर है
(C) माध्य (Mean) - कट-ऑफ के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे बार-बार आने वाले अंक का प्रतिनिधित्व करता है
(D) प्रसरण (Variance) - प्राप्त सभी कच्चे अंकों का कुल योग

75. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : सामान्यीकृत किए बिना कच्चे अंकों को सीधे निरपेक्ष ग्रेड में बदलने से अन्याय हो सकता है जब छात्रों ने अलग-अलग वैकल्पिक विषयों (Elective Subjects) को चुना हो।
कारण (R) : विभिन्न विषयों में स्वाभाविक रूप से अलग-अलग स्कोरिंग पैटर्न और कठिनाई के अलग-अलग स्तर होते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

76. शैक्षिक सांख्यिकी में, सूत्र Z = (X - μ) / σ का उपयोग अक्सर सापेक्ष ग्रेड आवंटित करने के पूर्वगामी के रूप में किया जाता है। इस सूत्र में 'μ' क्या दर्शाता है?
(A) छात्र का कच्चा अंक (Raw Score)
(B) जनसंख्या का मानक विचलन (Standard Deviation)
(C) जनसंख्या का माध्य (Population Mean)
(D) आवंटित ग्रेड बिंदु

77. पारंपरिक अंकन प्रणाली (Traditional Marking System) की तुलना में ग्रेडिंग प्रणाली का एक प्राथमिक लाभ यह है कि यह किसकी अंतर्निहित सीमाओं को स्वीकार करती है:
(A) विषय पाठ्यक्रम के आकार का समग्र आयतन और जटिलता
(B) स्वचालित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन परीक्षणों का मानकीकृत प्रारूप (Standardized Format)
(C) मानव मापन परिशुद्धता (Human Measurement Precision) में सीमाएं
(D) भौतिक विद्यालय अवसंरचना की गुणवत्ता और उपलब्धता

78. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सर्वोत्तम रूप से वर्णन करता है कि एक ग्रेडिंग प्रणाली "परीक्षक परिवर्तनशीलता (Examiner Variability)" के मुद्दे को कैसे कम करती है?
(A) यह विषय परीक्षकों को विशेष रूप से मानकीकृत बहुविकल्पीय प्रश्न प्रारूपों का उपयोग करने के लिए मजबूर करती है।
(B) परीक्षकों के बीच छोटे अंक परिवर्तन शायद ही कभी अंतिम ग्रेड श्रेणी को बदलते हैं।
(C) यह आदेश देती है कि सभी छात्र उत्तर पुस्तिकाओं की कंप्यूटर द्वारा स्वचालित रूप से जांच और स्कोरिंग की जानी चाहिए।
(D) यह उन मूल्यांकनकर्ताओं को औपचारिक रूप से दंडित करती है जो आधिकारिक मानकीकृत अंकन योजना से थोड़ा भी भटकते हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

94. सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (Co-Scholastic Areas) में ग्रेडिंग सबसे प्रभावी ढंग से किसके उपयोग द्वारा की जाती है?
(A) समयबद्ध परीक्षा स्थितियों के तहत आयोजित मानकीकृत वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय परीक्षण
(B) पारंपरिक पेन-एंड-पेपर सत्र-अंत सैद्धांतिक लिखित परीक्षाएं
(C) गुणात्मक रुब्रिक्स (Qualitative Rubrics) का उपयोग करके व्यवस्थित अवलोकन
(D) जटिल गणितीय सामान्यीकरण सूत्र और परिवर्तित Z-स्कोर वितरण (Z-Score Distribution)

95. निम्नलिखित मूल्यांकन उपकरणों पर विचार कीजिए:
I. उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड (Anecdotal Records)
II. पोर्टफोलियो (Portfolios)
III. अवलोकन अनुसूचियां (Observation Schedules)
IV. बोर्ड परीक्षा अंकपत्र (Board Examination Marksheets)
जीवन कौशल और मूल्यों जैसे सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में छात्रों को ग्रेड देने के लिए उपर्युक्त में से कौन से उपयुक्त उपकरण हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I, II और III
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

96. निम्नलिखित में से कौन सा एक सह-शैक्षणिक क्षेत्र और एक उपयुक्त मूल्यांकन विधि का गलत युग्म है?
(A) मूल्य और अभिवृत्तियां - लिखित परीक्षा
(B) शारीरिक शिक्षा - व्यावहारिक प्रदर्शन कौशल मूल्यांकन परीक्षण
(C) कला शिक्षा - व्यापक रचनात्मक पोर्टफोलियो मूल्यांकन
(D) कार्य शिक्षा - व्यावहारिक सतत परियोजना-आधारित मूल्यांकन

97. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में ग्रेड आवंटित करने में गणित जैसे शैक्षणिक विषयों की तुलना में उच्च स्तर की आत्मनिष्ठता (Subjectivity) शामिल होती है।
कारण (R) : सह-शैक्षणिक क्षेत्र सहानुभूति, टीम वर्क और सौंदर्य बोध जैसे अमूर्त गुणों से निपटते हैं, जिन्हें सख्त संख्यात्मक परिशुद्धता के साथ नहीं मापा जा सकता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

98. सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का मूल्यांकन और ग्रेडिंग करने के लिए निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. समय के साथ लगातार अवलोकनों को रिकॉर्ड करना
II. मूल्यांकित किए जाने वाले विशिष्ट सह-शैक्षणिक गुणों की पहचान करना
III. 5-बिंदु पैमाने के आधार पर ग्रेड आवंटित करना
IV. पूर्व-परिभाषित वर्णनात्मक संकेतकों (Descriptive Indicators) के विरुद्ध अवलोकनों को मैप करना
(A) II, I, IV, III
(B) I, II, III, IV
(C) II, IV, I, III
(D) IV, II, I, III

99. एक शिक्षिका 'सामाजिक कौशल' के लिए ग्रेड आवंटित कर रही है। वह नोट करती है कि एक छात्र अक्सर सहपाठियों के बीच विवादों को सुलझाता है लेकिन कक्षा की चर्चाओं में शांत रहता है। ग्रेडिंग के लिए सबसे उपयुक्त कार्रवाई कौन सी है?
(A) तुरंत कम प्रदर्शन ग्रेड आवंटित करें क्योंकि चुप्पी स्वचालित रूप से कम सामाजिक कौशलों को दर्शाती है।
(B) समग्र ग्रेड आवंटित करने के लिए वर्णनात्मक संकेतकों के पूर्व-परिभाषित रुब्रिक (Rubric) का उपयोग करें।
(C) छात्र को पारस्परिक संघर्ष समाधान मॉडलों पर एक समयबद्ध सैद्धांतिक लिखित परीक्षा (Theoretical Written Exam) देने का औपचारिक निर्देश दें।
(D) सह-शैक्षणिक ग्रेड को पूरी तरह से और सीधे सामाजिक विज्ञान में छात्र के शैक्षणिक परीक्षा अंकों पर आधारित करें।

NODIA

100. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) के संदर्भ में, सह-शैक्षणिक ग्रेडिंग में 'वर्णनात्मक संकेतक (Descriptive Indicators)' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) सत्र CGPA की गणना करने के लिए शिक्षकों द्वारा उपयोग किया जाने वाला विशिष्ट सांख्यिकीय गणितीय सूत्र
(B) गैर-संज्ञानात्मक कौशलों की वस्तुनिष्ठ ग्रेडिंग में सहायता करने वाले अवलोकनीय व्यवहार।
(C) वर्ष के अंत में प्राचार्य द्वारा व्यक्तिगत रूप से लिखी गई औपचारिक गुणात्मक टिप्पणियां
(D) उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए बाहरी परीक्षक को दिए गए विस्तृत प्रशासनिक निर्देश

101. छात्र रिपोर्ट कार्ड (Report Card) का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) सरकारी विद्यालय निधि प्राप्त करने के लिए आवश्यक एक आधिकारिक कानूनी वैधानिक दस्तावेज प्रदान करना
(B) स्थानीय जिले में अन्य सभी प्रतिस्पर्धी विद्यालयों के खिलाफ संस्थान के प्रदर्शन को रैंक करना
(C) केवल आंतरिक शिक्षक मूल्यांकन और पदोन्नति के लिए उपयोग किए जाने वाले सत्यापन योग्य मात्रात्मक साक्ष्य प्रदान करना
(D) अभिभावकों और छात्रों को छात्र की प्रगति से अवगत कराना।

को शीर्ष ग्रेड ब्रैकेट से परे अलग से पुरस्कृत नहीं किया जाता है।

II. यह ग्रेड सीमाओं पर एक मनमाना किनारा बनाती है, जहाँ 1 अंक पूरे ग्रेड को बदल सकता है।

III. यह रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) आयोजित करना असंभव बनाती है।

उपर्युक्त में से कौन सी आलोचनाएँ वैध हैं?

(A) केवल I और II (B) केवल II और III
(C) केवल I और III (D) I, II और III

87. एक ग्रेडिंग प्रणाली में जहाँ A 90-100 है और B 80-89 है, छात्र X 89 अंक प्राप्त करता है और छात्र Y 80 अंक प्राप्त करता है। दोनों को B मिलता है। छात्र Z 90 अंक प्राप्त करता है और उसे A मिलता है। यह परिदृश्य निरपेक्ष ग्रेडिंग श्रेणियों की किस विशिष्ट कमी को उजागर करता है?

(A) शिक्षक मूल्यांकनों में आत्मनिष्ठ हैलो प्रभाव (Halo Effect)
(B) उत्तर पुस्तिका अंकन के दौरान प्रणालीगत उदारता त्रुटि (Leniency Error)
(C) प्रदर्शन अंक आवंटित करने में केंद्रीय प्रवृत्ति त्रुटि (Central Tendency Error)
(D) ग्रेड के भीतर विभेदन की कमी और कठोर ग्रेड सीमाएं (Harsh Grade Boundaries)

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।

अभिकथन (A) : अत्यधिक चयनात्मक विश्वविद्यालय (Selective Universities) अक्सर प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए विद्यालय-स्तरीय ग्रेडिंग प्रणालियों को अपर्याप्त पाते हैं।

कारण (R) : व्यापक ग्रेड श्रेणियां उच्चतम स्तर पर बहुत सारे आवेदकों को एकत्रित करती हैं, जिससे सीमित सीटों के लिए सबसे योग्य उम्मीदवारों को अलग करना मुश्किल हो जाता है।

(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

89. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रेडिंग प्रणाली का मान्यता प्राप्त नुकसान नहीं है?

(A) यह छात्र के प्रदर्शन में वास्तविक गिरावट (Performance Decline) को छिपा सकती है यदि वे उसी व्यापक ग्रेड श्रेणी के भीतर रहते हैं।
(B) शीर्ष शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले यह महसूस कर सकते हैं कि उनकी विशिष्ट उत्कृष्टता को कम मान्यता दी गई है।
(C) दोषपूर्ण पैमानों का उपयोग करके अंकों को ग्रेड में बदलने से छात्र की वास्तविक क्षमता विकृत हो सकती है।
(D) यह 0.5 अंकों की सूक्ष्म-तुलनाओं (Micro-Comparisons) के कारण छात्रों को अत्यधिक तनाव का कारण बनती है।

90. यदि कोई संस्थान एक कठिन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए 3-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने (A, B, C) का उपयोग करता है, तो सबसे संभावित नकारात्मक परिणाम क्या होगा?

(A) सभी समूहों में अत्यधिक प्रणालीगत ग्रेड स्फीति (Grade Inflation) के अभूतपूर्व स्तर
(B) छात्र क्षमता स्तरों के बीच खराब विभेदन (Poor Discrimination)
(C) संकाय के लिए बोझिल प्रशासनिक कागजी कार्रवाई का अत्यधिक संचय
(D) आधिकारिक विश्वविद्यालय मान्यता मानदंडों का प्रत्यक्ष संरचनात्मक उल्लंघन

91. दो छात्र योग्यता छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर रहे हैं। छात्रवृत्ति समिति के पास केवल उनके CGPA तक पहुंच है। दोनों का CGPA 9.0 है। हालांकि, कच्चे अंकों में, छात्र A का औसत 92% था और छात्र B का औसत 86% था। समिति लॉटरी निकालने के लिए मजबूर है। यह स्थिति दर्शाती है:

(A) मानकीकृत ग्रेडिंग प्रणालियों की उच्च प्रशासनिक दक्षता (Administrative Efficiency)
(B) GPA प्रणालियों में अंतर्निहित विभेदन हानि (Resolution Loss)
(C) सापेक्ष ग्रेडिंग मॉडलों की स्पष्ट गणितीय श्रेष्ठता
(D) 5-बिंदु पैमाना पेश करने की तत्काल प्रशासनिक आवश्यकता

92. एक शिक्षक नोट करता है कि आमतौर पर 98% अंक प्राप्त करने वाला छात्र अंतिम सत्र में गिरकर 91% पर आ जाता है। निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (A1 = 91-100) के तहत, छात्र का रिपोर्ट कार्ड अभी भी A1 दिखाता है। यहाँ शिक्षाशास्त्रीय जोखिम (Pedagogical Risk) क्या है?

(A) संघर्षरत छात्र को मूल्यांकन ढांचे द्वारा अनुचित और गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा।
(B) अधिगम में गिरावट व्यापक श्रेणियों द्वारा छिप जाती है, जिससे आवश्यक हस्तक्षेप में देरी होती है।
(C) विषय शिक्षक को अनिवार्य रूप से विद्यालय बोर्ड से औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।
(D) संस्थागत ग्रेड सीमा अंकों की भरपाई के लिए स्वचालित रूप से और गतिशील रूप से स्थानांतरित हो जाएगी।

93. सह-शैक्षणिक मूल्यांकन (Co-Scholastic Evaluation) मुख्य रूप से शिक्षार्थी के व्यक्तित्व के किन क्षेत्रों का मूल्यांकन करता है?

(A) संज्ञानात्मक और मेटा-संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive and Meta-Cognitive Domains)
(B) भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्र (Affective and Psychomotor Domains)
(C) केवल संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive Domain)
(D) आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र (Economic and Social Domains)

Click Here to Buy book on Amazon

79. ग्रेडिंग प्रणाली के लिए जिम्मेदार निम्नलिखित लाभों पर विचार कीजिए:
I. यह उच्चतम संभव अंक प्राप्त करने के लिए छात्रों पर सामाजिक दबाव को कम करती है।
II. यह सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (Co-Scholastic Areas) के अधिक व्यापक मूल्यांकन की अनुमति देती है।
III. यह किसी भी प्रकार की लिखित परीक्षाओं की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देती है।
IV. यह अलग-अलग कठिनाइयों वाले विभिन्न विषयों में अंकों के एकत्रीकरण की सुविधा प्रदान करती है।
उपर्युक्त लाभों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

80. विद्यालयों में ग्रेडिंग प्रणाली के लाभों के संबंध में गलत दावे की पहचान कीजिए।
(A) यह ध्यान रटकर याद करने और सटीक अंकों से हटाकर अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) की व्यापक श्रेणियों पर केंद्रित करती है।
(B) यह GPA/CGPA के माध्यम से छात्र के समग्र प्रदर्शन की व्याख्या को आसान बनाती है।
(C) यह विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए निरपेक्ष योग्यता निर्धारित करने के मुद्दे को पूरी तरह से हल करती है।
(D) यह सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) के लिए एक अधिक लचीला ढांचा प्रदान करती है।

81. एक अभिभावक प्राचार्य से शिकायत करता है कि ग्रेडिंग प्रणाली के कारण, उनके बच्चे जिसने 99 अंक प्राप्त किए और एक अन्य बच्चा जिसने 91 अंक प्राप्त किए, दोनों को 'A1' मिला, जो उन्हें अनुचित लगता है। ग्रेडिंग प्रणाली का सबसे उपयुक्त शिक्षाशास्त्रीय बचाव (Pedagogical Justification) क्या है जो प्राचार्य को देना चाहिए?
(A) छोटे अंकों का अंतर समग्र विषय महारत में वास्तविक अंतर को नहीं दर्शाता है।
(B) माता-पिता की चिंता से पूरी तरह सहमत होना और आधिकारिक रिपोर्ट कार्ड पर निजी तौर पर सटीक कच्चे अंक लिखने की औपचारिक पेशकश करना।
(C) माता-पिता को सीधे सूचित करना कि विषय शिक्षक ने संभवतः दूसरे छात्र के परीक्षा पत्र पर एक महत्वपूर्ण जांच त्रुटि की है।
(D) माता-पिता से स्पष्ट रूप से कहना कि संस्थागत ग्रेडिंग प्रणाली जानबूझकर अत्यधिक उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को दंडित करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

82. कच्चे अंकों को ग्रेड श्रेणियों (जैसे, 81-90, 71-80) में समूहित करने का क्या प्रभाव होता है?
(A) औपचारिक मूल्यांकन के समग्र सांख्यिकीय प्रसरण (Statistical Variance) को काफी बढ़ाना
(B) एक श्रेणी के भीतर छात्रों के बीच समान स्थिति को बढ़ावा देना
(C) मूल्यांकन मीट्रिक की गणितीय सबलता और सूक्ष्मता (Granularity) को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना
(D) सभी स्तरों पर प्रशासनिक सीमा प्रभाव समस्या को पूरी तरह से समाप्त करना

83. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : ग्रेडिंग प्रणाली को कच्ची अंकन प्रणाली (Raw Marking System) की तुलना में अधिक मानवीय माना जाता है।
कारण (R) : यह शैक्षणिक प्रदर्शन में दशमलव-बिंदु के अंतर के आधार पर छात्रों की सार्वजनिक लेबलिंग को रोकती है, जिससे उनके मानसिक कल्याण का समर्थन होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

NODIA

84. एक विद्यालय अंकों से 9-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने में परिवर्तित होता है। शैक्षिक मापन सिद्धांत (Educational Measurement Theory) के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा परिणाम अपेक्षित है?
(A) सभी ग्रेड स्तरों में संस्थागत छात्र ड्रॉपआउट दर तुरंत और पूरी तरह से शून्य प्रतिशत तक गिर जाएगी।
(B) व्यक्तिगत परीक्षा परीक्षण मदों का अनुभवजन्य सांख्यिकीय विश्वसनीयता गुणांक समय के साथ काफी बढ़ जाएगा।
(C) एकल-अंकों के अंतर के आधार पर उच्च-जोखिम वर्गीकरण व्यापक ग्रेड श्रेणियों द्वारा कम हो जाता है।
(D) नामांकित छात्र विषय क्षेत्रों में सभी औपचारिक शैक्षणिक मूल्यांकनों के लिए अध्ययन करना और तैयारी करना पूरी तरह से बंद कर देंगे।

85. सतत अंकों को विविक्त ग्रेडों में बदलने का सबसे अधिक उद्धृत सांख्यिकीय नुकसान है:
(A) उत्तर पुस्तिका ग्रेडिंग के दौरान आत्मनिष्ठ परीक्षक पूर्वाग्रह (Subjective Examiner Bias) में उल्लेखनीय वृद्धि
(B) सटीक जानकारी और सूक्ष्मता की हानि (Loss of Precise Information and Granularity)
(C) सांख्यिकीय गणनाओं के लिए आधुनिक स्वचालित कंप्यूटरों का उपयोग करने में पूर्ण असमर्थता
(D) वैधानिक शिक्षा अधिनियमों के तहत वैधानिक प्रावधानों का प्रत्यक्ष प्रशासनिक उल्लंघन

86. ग्रेडिंग प्रणाली की निम्नलिखित आलोचनाओं पर विचार कीजिए:
I. यह असाधारण रूप से उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों की प्रेरणा को कम करती है क्योंकि उनके अतिरिक्त प्रयास

102. प्रभावी विद्यालय रिपोर्ट कार्ड के लिए निम्नलिखित में से कौन सा एक मौलिक डिजाइन सिद्धांत (Design Principle) है?
(A) इसे विशेष रूप से योगात्मक मात्रात्मक डेटा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
(B) इसे केवल उन क्षेत्रों को उजागर करना चाहिए जहाँ छात्र विफल रहा है।
(C) यह स्पष्ट, व्यापक और अभिभावकों के लिए समझने में आसान होना चाहिए।
(D) इसे पेशेवर क्षमता दिखाने के लिए जटिल शैक्षिक शब्दावली का उपयोग करना चाहिए।

103. आधुनिक रिपोर्ट कार्ड डिजाइन की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. शैक्षणिक ग्रेड और सह-शैक्षणिक फीडबैक दोनों का समावेश
II. गुणात्मक शिक्षक टिप्पणियों और रचनात्मक फीडबैक के लिए स्थान
III. कक्षा में अन्य छात्रों की तुलनात्मक कमजोरियों का विवरण देने वाला अनुभाग
IV. उपस्थिति और स्वास्थ्य रिकॉर्ड
उपर्युक्त में से कौन सी विशेषताएं मानक और नैतिक घटक (Ethical Components) मानी जाती हैं?
(A) केवल I, II और III (B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV (D) केवल I, III और IV

104. विद्यालय रिपोर्ट कार्ड डिज़ाइन करते समय किस नकारात्मक डिज़ाइन अभ्यास से बचना चाहिए?
(A) संदर्भ के लिए पूरी तरह से मानकीकृत और व्यापक ग्रेडिंग कुंजी/लीजेंड (Grading Key/Legend) का उपयोग करना
(B) अत्यधिक सूक्ष्म मापदंडों के साथ कार्ड को अत्यधिक भीड़भाड़ वाला बनाना।
(C) अनिवार्य अभिभावक हस्ताक्षरों के लिए औपचारिक रूप से एक समर्पित भौतिक अनुभाग प्रदान करना
(D) आधिकारिक विद्यालय लोगो और पूर्ण संस्थागत संपर्क विवरण (Contact Details) को प्रमुखता से प्रदर्शित करना

105. एक प्राचार्य देखते हैं कि अभिभावक रिपोर्ट कार्ड को देखने में 10 सेकंड से भी कम समय बिता रहे हैं और केवल अंतिम ग्रेड की जांच कर रहे हैं। बच्चे की प्रगति की गहरी समझ को प्रोत्साहित करने के लिए, प्राचार्य को रिपोर्ट कार्ड को फिर से डिज़ाइन करना चाहिए ताकि:
(A) अंतिम सारांश ग्रेड को पूरी तरह से हटा दिया जाए और कार्ड पर केवल खाली असंरचित स्थान छोड़ दिया जाए।
(B) मुख्य पृष्ठ पर ग्रेड के साथ-साथ गुणात्मक टिप्पणियां और कार्रवाई योग्य फीडबैक रखें।
(C) कार्ड पर अधिकतम संभव मात्रात्मक मूल्यांकन डेटा (Assessment Data) को फिट करने के लिए प्रिंट टेक्स्ट आकारों को काफी कम करें।
(D) स्कैटर प्लॉट्स (Scatter Plots) और सहसंबंध मैट्रिक्स (Correlation Matrices) जैसे जटिल उन्नत सांख्यिकीय विज़ुअलाइजेशन ग्राफ़ शामिल करें।

106. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : एक प्रभावी रिपोर्ट कार्ड में ऐसी भाषा का उपयोग किया जाना चाहिए जिसे अभिभावक समुदाय आसानी से समझ सके।
कारण (R) : यदि अभिभावक मूल्यांकन मीट्रिक को नहीं समझ सकते हैं, तो वे बच्चे की उपचारात्मक या संवर्धन प्रक्रियाओं (Remedial or Enrichment Processes) में विद्यालय के साथ भागीदारी नहीं कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

107. रिपोर्ट कार्ड पर रचनात्मक रिपोर्टिंग (Formative Reporting) को योगात्मक रिपोर्टिंग (Summative Reporting) से निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सर्वोत्तम रूप से अलग करता है?
(A) रचनात्मक रिपोर्टिंग निरंतर अधिगम प्रगति पर नज़र रखती है, जबकि योगात्मक अंतिम उपलब्धि स्थिति का सार प्रस्तुत करती है।
(B) रचनात्मक रिपोर्टिंग सख्ती से केवल शैक्षणिक वर्ष के अंत में होती है, जबकि योगात्मक रिपोर्टिंग दैनिक आधार पर होती है।
(C) रचनात्मक रिपोर्टिंग विशेष रूप से बाहरी बोर्ड परीक्षाओं के लिए अनिवार्य है, जबकि योगात्मक रिपोर्टिंग का उपयोग सख्ती से आंतरिक रूप से किया जाता है।
(D) रचनात्मक रिपोर्टिंग केवल संख्यात्मक अंकों का उपयोग करती है, जबकि योगात्मक रिपोर्टिंग कच्चे अंकों के बिना केवल अक्षर ग्रेड का उपयोग करती है।

108. प्रगतिशील शैक्षिक प्रणालियों में रिपोर्ट कार्ड डिज़ाइन में कौन सा कथन एक आधुनिक प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) बहु-आयामी मूल्यांकनों (Multidimensional Assessments) से व्यवस्थित रूप से एकल कुल प्रतिशत अंकों की ओर बढ़ना
(B) कागज बचाने के लिए सभी सत्रों में लिखित गुणात्मक शिक्षक टिप्पणियों को पूरी तरह से समाप्त करना
(C) कक्षा के औसत से नीचे अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को उजागर करने के लिए कड़ाई से लाल स्याही का उपयोग करना
(D) मानक-संदर्भित रैंकिंग से मापदंड-संदर्भित महारत रिपोर्टिंग (Criterion-Referenced Mastery Reporting) की ओर बढ़ना।

Downloaded from www.pdf.tube

(A) केवल I और II (B) केवल II और III
(C) केवल I और III (D) I, II और III

171. तुलनात्मक ग्रेडिंग और तुल्यता (Equivalence) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) विद्यालय शिक्षा बोर्डों की परिषदें विभिन्न विद्यालय बोर्डों के बीच तुल्यता स्थापित करने में भूमिका निभाती हैं।
(B) एक बोर्ड में A1 ग्रेड सांख्यिकीय रूप से किसी भी अन्य बोर्ड में A1 ग्रेड के ज्ञान में बिल्कुल बराबर साबित होता है।
(C) प्रतिशतक रैंकिंग अपने बोर्ड के भीतर छात्र की सापेक्ष स्थिति को इंगित करने में मदद करती है, जिससे निष्पक्ष क्रॉस-बोर्ड तुलनाओं की सुविधा मिलती है।
(D) बोर्ड ग्रेडिंग में भिन्नता को नकारने के लिए मानकीकृत प्रवेश परीक्षाएं शुरु की गईं।

172. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : सामान्य प्रवेश परीक्षाओं (Common Entrance Examinations) की शुरुआत विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए कक्षा XII के बोर्ड परीक्षा ग्रेड पर निर्भरता को कम करती है।
कारण (R) : दर्जनों विभिन्न राज्य और केंद्रीय बोर्डों में आत्मनिष्ठ ग्रेडिंग मानदंडों और ग्रेड स्फीति स्तरों को समान करना सांख्यिकीय रूप से चुनौतीपूर्ण है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

173. एक विश्वविद्यालय प्रवेश समिति दो छात्रों का मूल्यांकन कर रही है। छात्र A के पास बोर्ड X से 95% है (जहाँ औसत स्कोर 90% है)। छात्र B के पास बोर्ड Y से 85% है (जहाँ औसत स्कोर 60% है)। यदि समिति Z-स्कोर सामान्यीकरण (Z-Score Normalization) लागू करती है, तो किसका मानकीकृत स्कोर उच्च होने की संभावना है?
(A) छात्र A
(B) छात्र B
(C) दोनों बराबर होंगे
(D) कुल अंकों को जाने बिना निर्धारित नहीं किया जा सकता

174. कक्षा XI में प्रवेश चाहने वाला एक छात्र एक अपरिचित राज्य बोर्ड से एक अंकपत्र प्रस्तुत करता है जिसमें एक ऐसी ग्रेडिंग प्रणाली है जिससे प्रवेश समिति अपरिचित है। प्रशासनिक नियमों के अनुसार, प्राचार्य को चाहिए:
(A) कक्षा XI में प्रवेश के लिए छात्र के आवेदन को सीधे तौर पर खारिज कर दें।
(B) छात्र को स्थानीय बोर्ड के तहत फिर से सभी कक्षा X बोर्ड परीक्षाओं के लिए बैठने की औपचारिक आवश्यकता (Formal Requirement) होना।
(C) आधिकारिक बोर्ड तुल्यता सूचियों (Board Equivalence Lists) से परामर्श करें।
(D) छात्र के कुल राज्य बोर्ड अंकों से मनमाने ढंग से दस प्रतिशत काट लें।

175. परीक्षा बोर्डों द्वारा अपनाई जाने वाली अंक-संतुलन नीतियां (Moderation Policies) अक्सर छात्रों के अंकों को ऊपर की ओर समायोजित करने में शामिल होती हैं। जब विभिन्न बोर्ड अलग-अलग तरीके से अंक-संतुलन लागू करते हैं, तो यह सीधे तौर पर किसे बढ़ा देता है:
(A) मूल्यांकन परीक्षण का समग्र सांख्यिकीय विश्वसनीयता गुणांक (Reliability Coefficient)
(B) ग्रेड तुल्यता और तुलनात्मकता के मुद्दे (Grade Equivalence and Comparability Issues)
(C) वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के बीच प्रणालीगत वार्षिक ड्रॉप-आउट दर
(D) विद्यालयों की बढ़ती भौतिक अवसंरचना और सुविधा आवश्यकताएं

176. दो छात्र कक्षा IX में स्थानांतरित होते हैं। एक निरपेक्ष प्रतिशत का उपयोग करके रिपोर्ट कार्ड लाता है, दूसरा 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाना लाता है। उन्हें विद्यालय के 9-बिंदु पैमाने के रिकॉर्ड में निर्बाध रूप से एकीकृत करने के लिए, विद्यालय प्रशासन को अवश्य करना चाहिए:
(A) स्वीकृत रूपांतरण मैपिंग दिशा-निर्देशों (Conversion Mapping Guidelines) का उपयोग करें।
(B) एक संक्षिप्त मौखिक साक्षात्कार के आधार पर उनकी शैक्षणिक तुल्यता का अनौपचारिक रूप से अनुमान लगाएं।
(C) आने वाले दोनों स्थानांतरित छात्रों को पदावनत करें और कक्षा VIII में रखें।
(D) मास्टर रजिस्टर (Master Register) में उनके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड को पूरी तरह से खाली छोड़ दें।

177. शैक्षिक संदर्भ में "ग्रेड स्फीति (Grade Inflation)" को सर्वोत्तम रूप से इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
(A) अधिगम के स्तरों में तदनुरुपी वृद्धि के बिना दिए जाने वाले औसत ग्रेड का बढ़ना।
(B) आधिकारिक रिपोर्ट कार्ड दस्तावेज प्रारूप का शाब्दिक भौतिक विस्तार और बड़ा होना।
(C) परीक्षाओं में साफ लिखावट के लिए अतिरिक्त बोनस अंक देने का सामान्य आत्मनिष्ठ अभ्यास।
(D) शैक्षणिक वर्षों के दौरान निर्धारित विषय पाठ्यक्रम सामग्री में एक सतत पर्याप्त वृद्धि।

NODIA

178. उच्च-जोखिम वाली बोर्ड परीक्षाओं में ग्रेड स्फीति का प्राथमिक प्रणालीगत कारण क्या है?
(A) अत्यधिक कठोर उत्तर मूल्यांकन रुब्रिक्स का प्रणालीगत कार्यान्वयन और अनिवार्य उपयोग।
(B) प्रतिस्पर्धात्मक अंक-संतुलन (Competitive Moderation) जहाँ बोर्ड छात्र प्रवेश की सुरक्षा के लिए अंकों को बढ़ाते हैं।

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from
PRINTED BOOKS has up to
4× HIGHER RETENTION
than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

(A) इसके बिना, बाहरी हितधारक दिए गए ग्रेड की व्याख्या नहीं कर सकते हैं।
(B) इसके बिना, आधिकारिक रिपोर्ट कार्ड विद्यालय ऑडिट के लिए कानूनी दस्तावेज के रूप में पूरी तरह से अमान्य हो जाता है।
(C) केंद्रीय परीक्षा बोर्ड स्वचालित रूप से विद्यालय पर एक गंभीर वित्तीय प्रशासनिक जुर्माना लगाएगा।
(D) संचयी सत्र CGPA की गणना के लिए यह एक अनिवार्य सांख्यिकीय इनपुट आवश्यक है।

118. "प्रगति रिपोर्ट (Progress Report)" और "रिपोर्ट कार्ड (Report Card)" के बीच मौलिक अंतर क्या है?
(A) एक प्रगति रिपोर्ट विशेष रूप से सह-शैक्षणिक शिक्षण क्षेत्रों के लिए आरक्षित है, जबकि एक रिपोर्ट कार्ड सख्ती से शैक्षणिक विषयों के लिए है।
(B) एक प्रगति रिपोर्ट एक अंतरिम रचनात्मक अपडेट (Interim Formative Update) है, जबकि एक रिपोर्ट कार्ड एक औपचारिक योगात्मक दस्तावेज है।
(C) एक प्रगति रिपोर्ट में केवल अक्षर ग्रेड होते हैं, जबकि एक औपचारिक रिपोर्ट कार्ड में ग्रेड के बिना केवल कच्चे संख्यात्मक अंक होते हैं।
(D) एक प्रगति रिपोर्ट सीधे सरकार को जमा करने की आवश्यकता होती है, जबकि एक रिपोर्ट कार्ड विद्यालय में आंतरिक रूप से (Internal Record) रखा जाता है।

119. अंतिम परीक्षाओं से पहले छात्र की वर्तमान स्थिति, छूटे हुए असाइनमेंट और तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता वाले क्षेत्रों का विवरण देने वाला अभिभावकों को भेजा गया एक मध्य-अवधि का दस्तावेज सबसे अच्छी तरह वर्गीकृत किया जाता है:
(A) अंकपत्र / प्रतिलेख (Academic Transcript)
(B) रिपोर्ट कार्ड (Report Card)
(C) प्रगति रिपोर्ट (Progress Report)
(D) स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate)

120. रिपोर्ट कार्ड से प्रगति रिपोर्ट (Progress Report) को अलग करने वाले निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. प्रगति रिपोर्ट अक्सर रिपोर्ट कार्ड की तुलना में अधिक बार (जैसे, मासिक या मध्य-अवधि में) जारी की जाती हैं।
II. प्रगति रिपोर्ट सुधारात्मक कार्रवाई और निरंतर फीडबैक पर जोर देती हैं।
III. रिपोर्ट कार्ड अक्सर अगली कक्षा में पदोन्नति के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड के रूप में कार्य करते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

121. प्रगति रिपोर्ट के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) वे शैक्षणिक सत्र में जल्दी ही अधिगम के अंतरालों (Learning Gaps) की पहचान करने में मदद करती हैं।
(B) वे निरंतर अभिभावक-शिक्षक संचार के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करती हैं।
(C) वे सख्ती से अंतिम रूप दी जाती हैं और छात्र द्वारा उनमें सुधार नहीं किया जा सकता है।
(D) उनमें अक्सर छात्र के व्यवहार और कक्षा में भागीदारी पर गुणात्मक फीडबैक (Qualitative Feedback) शामिल होता है।

122. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : प्रगति रिपोर्टों का नियमित रूप से जारी होना उस झटके या आश्चर्य को कम करता है जो अभिभावकों को शैक्षणिक वर्ष के अंत में अनुभव हो सकता है।
कारण (R) : प्रगति रिपोर्ट छात्र के शैक्षणिक प्रक्षेपवक्र (Academic Trajectory) का निरंतर, वास्तविक समय पर ट्रैकिंग प्रदान करती हैं, जिससे समय पर शिक्षाशास्त्रीय हस्तक्षेप संभव हो सके।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

123. एक छात्र इकाई परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करता है। विद्यालय अभिभावकों को एक विस्तृत दस्तावेज भेजता है जिसमें उन विशिष्ट विषयों की रूपरेखा दी गई है जिनमें छात्र ने संघर्ष किया और उपचारात्मक कक्षाओं (Remedial Classes) के लिए एक समय सारणी दी गई है। यह दस्तावेज एक है:
(A) प्रगति रिपोर्ट (Progress Report)
(B) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation)
(C) संचयी रिकॉर्ड कार्ड (Cumulative Record Card)
(D) आधिकारिक प्रतिलेख (Official Transcript)

124. शिक्षा अधिनियमों के तहत वैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में, बच्चे की प्रगति का संचयी रिकॉर्ड बनाए रखना और माता-पिता को इसकी रिपोर्ट करना है:
(A) केवल निजी विद्यालयों के लिए एक वैकल्पिक गतिविधि (Optional Activity)
(B) शिक्षक का एक वैधानिक कर्तव्य (Statutory Duty)
(C) केवल अनुत्तीर्ण हो रहे छात्रों के लिए आवश्यक
(D) बच्चे को आघात से बचाने के लिए प्रतिबंधित

125. एक अभिभावक मांग करता है कि विद्यालय स्थानांतरण के लिए मध्य-अवधि की प्रगति रिपोर्ट का उपयोग आधिकारिक दस्तावेज के रूप में किया जाए। एक प्राचार्य के रूप में, आप इसे कैसे संभालते हैं?
(A) अंतरिम प्रगति रिपोर्ट (Interim Progress Report) पर अंतिम आधिकारिक शैक्षणिक प्रतिलेख के रूप में तुरंत हस्ताक्षर, मुहर और स्टाम्प लगाएं।
(B) अभिभावक को अनौपचारिक रूप से बताएं कि विद्यालय के नियमों के तहत मध्य-अवधि के छात्र स्थानांतरण

Click Here to Buy book on Flipkart

156. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : डिजिटल रिपोर्ट कार्ड विद्यालय और अभिभावकों के बीच पारदर्शिता में सुधार करते हैं।
कारण (R) : अभिभावक सत्र के अंत का इंतजार करने के बजाय निरंतर मूल्यांकनों (Continuous Assessments), असाइनमेंटों और उपस्थिति पर नज़र रखने के लिए किसी भी समय पोर्टल में लॉग इन कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

157. एक विद्यालय अपने डिजिटल ग्रेडिंग पोर्टल के साथ एक SMS अलर्ट सिस्टम (SMS Alert System) को एकीकृत करता है। रिपोर्टिंग के संबंध में इस सुविधा का सबसे उपयुक्त प्रशासनिक उपयोग क्या है?
(A) एक ही लंबे SMS संदेश के माध्यम से संपूर्ण रिपोर्ट कार्ड का पूरा विस्तृत पाठ भेजना
(B) संबद्ध निजी वाणिज्यिक ट्यूशन केंद्रों के लिए प्रचार विज्ञापन संदेशों का प्रसारण करना
(C) सीधे सभी अभिभावकों को प्राचार्य की विस्तृत दैनिक प्रशासनिक समय-सारणी का पाठ भेजना
(D) अंतिम ग्रेड ऑनलाइन प्रकाशित होने पर अभिभावकों को सचेत करना।

158. डिजिटल रिपोर्टिंग के लाभों के बावजूद, एक सार्वजनिक विद्यालय प्रणाली में एक प्राचार्य को एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक चुनौती के बारे में जागरूक रहना चाहिए, जो है:
(A) हाशियाकृत परिवारों के बीच डिजिटल विभाजन (Digital Divide)
(B) डिजिटल संचार चैनलों की अभूतपूर्व अत्यधिक गति (Communication Speed)
(C) डिजिटल उपकरणों द्वारा बचाए गए कागजी संसाधनों की भारी परिचालन प्रचुरता
(D) आंतरिक विद्यालय वित्त में गैर-विशेषज्ञ अभिभावकों की अवांछनीय अत्यधिक संलिप्तता

159. अंतिम परिणाम घोषणा के दिन, भारी ट्रैफिक के कारण विद्यालय का ऑनलाइन पोर्टल क्रैश हो जाता है। प्राचार्य के रूप में, सबसे उपयुक्त तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई (Immediate Administrative Action) क्या है?
(A) तुरंत आईटी विभाग के शिक्षक पर दोष मढ़ें और एक औपचारिक निलंबन आदेश जारी करें।
(B) अभिभावकों को गड़बड़ी के बारे में तुरंत सूचित करें और अनुमानित समाधान समय बताएं।
(C) मुद्रित प्रतियां एकत्र करने के लिए सभी अभिभावकों को तुरंत विद्यालय आने का तत्काल निर्देश दें।
(D) प्रणालीगत तकनीकी समस्या को पूरी तरह से नजरअंदाज करें और सर्वर के खुद ठीक होने का निष्क्रिय रूप से इंतजार करें।

160. छात्र के शैक्षणिक रिकॉर्ड की गोपनीयता की रक्षा करना विद्यालय का एक नैतिक और कानूनी दायित्व है। यह सिद्धांत मौलिक रूप से किस संवैधानिक अधिकार के साथ संरेखित है:
(A) सूचना का अधिकार (Right to Information - RTI)
(B) निजता का अधिकार (Right to Privacy)
(C) समानता का अधिकार (Right to Equality)
(D) संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies)

161. परिणाम घोषणा के संबंध में निम्नलिखित में से किस अभ्यास को अत्यधिक अनैतिक और गोपनीयता का उल्लंघन (Unethical and Breach of Confidentiality) माना जाता है?
(A) पंजीकृत अभिभावक को सीलबंद भौतिक रिपोर्ट कार्ड सुरक्षित रूप से सीधे सौंपना
(B) नोटिस बोर्ड पर छात्रों के अंक और अनुत्तीर्ण स्थिति को सार्वजनिक रूप से पोस्ट करना।
(C) एक निर्धारित PTM के दौरान किसी व्यक्तिगत छात्र की शैक्षणिक प्रगति पर निजी तौर पर चर्चा करना
(D) केवल छात्र लॉगिन के माध्यम से सुलभ एक अत्यधिक सुरक्षित डिजिटल पोर्टल पर अंतिम सत्र के परिणाम अपलोड करना

NODIA

162. डिजिटल छात्र रिकॉर्ड में डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित उपायों पर विचार कीजिए:
I. शिक्षक और व्यवस्थापक (Admin) लॉगिन के लिए मजबूत पासवर्ड और बहु-कारक प्रमाणीकरण (Multi-Factor Authentication) का उपयोग करना
II. सुरक्षित सर्वर पर डेटा का नियमित रूप से बैकअप लेना
III. कर्मचारियों के किसी भी सदस्य को सभी छात्र रिकॉर्ड तक पूर्ण संपादन पहुँच (Editing Access) की अनुमति देना
IV. विद्यालय नेटवर्क पर प्रेषित डेटा को एन्क्रिप्ट करना
उपर्युक्त में से कौन से उपाय सही मानक अभ्यास हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV
(D) केवल I, III और IV

163. दो तलाकशुदा माता-पिता के पास बच्चे की संयुक्त कानूनी कस्टडी (Custody) है, लेकिन बच्चा मां के साथ रहता है। पिता विद्यालय आता है और बच्चे के रिपोर्ट कार्ड की प्रति मांगता है। प्राचार्य के लिए सही प्रशासनिक कार्रवाई क्या है?
(A) मना करें और अनुरोध को अस्वीकार करें क्योंकि पिता को प्राथमिक आवासीय अभिभावक के रूप में नामित नहीं किया गया है।

(C) अभिभावकों को बच्चे की ताकत का एक व्यापक दृष्टिकोण (Comprehensive Overview) प्रदान करना
(D) 21वीं सदी के कौशलों (21st Century Skills) के विकास पर नज़र रखना

134. एक विद्यालय HPC प्रणाली में स्थानांतरित होता है। एक अभिभावक भ्रमित है क्योंकि इसमें 'प्रथम रैंक' का कोई उल्लेख नहीं है। प्राचार्य को यह समझाना होगा कि HPC बच्चे का मूल्यांकन करता है:
(A) जिले के अन्य सभी छात्रों के सापेक्ष शैक्षणिक प्रदर्शन के खिलाफ व्यवस्थित रूप से
(B) विशेष रूप से और केवल उनके शारीरिक गुणों और विकासात्मक वृद्धि मेट्रिक्स (Growth Metrics) के आधार पर
(C) उनके माता-पिता की सामाजिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि पर सख्ती से आधारित
(D) उनकी अपनी प्रगति और दक्षता मानकों (Competency Standards) के विरुद्ध

135. किसी अभिभावक को छात्र के खराब शैक्षणिक परिणामों के बारे में मौखिक रूप से बताते समय, शिक्षाशास्त्र विशेषज्ञ अक्सर "सैंडविच तकनीक (Sandwich Technique)" की सिफारिश करते हैं। इसमें क्या शामिल है?
(A) जितनी जल्दी हो सके बुरी खबर देना, जिसके तुरंत बाद एक प्रशासनिक बैठक के लिए औपचारिक अनुरोध किया जाए।
(B) सकारात्मक शुरुआती और उत्साहजनक समापन टिप्पणियों के बीच रचनात्मक फीडबैक को रखना।
(C) पहले छात्र को आक्रामक रूप से दोष देना, फिर अभिभावक की आलोचना करना, और अंत में प्रणालीगत कारकों को दोष देना।
(D) दोपहर के भोजन के समय की एक संक्षिप्त अघोषित बातचीत के दौरान अनौपचारिक रूप से औपचारिक छात्र रिपोर्ट कार्ड प्रदान करना।

136. अभिभावकों को परिणामों का समय पर संप्रेषण (Timely Communication) प्राथमिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि:
(A) यह सीधे तौर पर यह सुनिश्चित करता है कि विद्यालय का वित्त विभाग सभी लंबित शिक्षण शुल्कों को सख्ती से समय पर एकत्र करे।
(B) यह अगले मूल्यांकन चक्र से पहले समय पर उपचारात्मक हस्तक्षेप (Remedial Interventions) को सक्षम बनाता है।
(C) यह वैधानिक अनुपालन ऑडिट आवश्यकताओं (Statutory Compliance Requirements) को पूरी तरह से पूरा करता है।
(D) यह बेईमान छात्रों को रिपोर्ट कार्ड पर माता-पिता के जाली हस्ताक्षर करने का प्रयास करने से प्रभावी ढंग से रोकता है।

137. अभिभावकों को परिणाम संप्रेषित करने के लिए निम्नलिखित सर्वोत्तम अभ्यासों पर विचार कीजिए:
I. स्पष्ट, शब्दजाल-मुक्त भाषा (Jargon-Free Language) का उपयोग करना जिसे अभिभावक आसानी से समझ सकें।
II. केवल छात्र की कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करना ताकि अभिभावक इसे गंभीरता से लें।
III. कार्रवाई योग्य कदम और संसाधन प्रदान करना जिनका अभिभावक घर पर उपयोग कर सकते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

138. परिणामों के प्रभावी संप्रेषण में बाधाओं के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) सांस्कृतिक और भाषाई अंतर रिपोर्ट कार्ड की समझ में बाधा डाल सकते हैं।
(B) 'मानक विचलन' जैसे जटिल सांख्यिकीय शब्दों का उपयोग करने से अभिभावक की समझ बढ़ती है।
(C) शिक्षक का रक्षात्मक रवैया (Defensive Attitude) अभिभावक को अलग-थलग कर सकता है।
(D) अभिभावक-शिक्षक बैठक (Parent-Teacher Meeting - PTM) के दौरान समय की कमी बच्चे की समग्र प्रगति की विस्तृत चर्चा को प्रतिबंधित करती है।

NODIA

139. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : अभिभावकों को छात्र के परिणाम संप्रेषित करते समय विद्यालयों को गोपनीयता (Confidentiality) सुनिश्चित करनी चाहिए।
कारण (R) : छात्रों के ग्रेड की सार्वजनिक रूप से तुलना करना या उन्हें प्रदर्शित करना जहाँ अन्य अभिभावक देख सकते हैं, छात्र की गोपनीयता का उल्लंघन करता है और मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचा सकता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

140. अपने बच्चे के अनुत्तीर्ण ग्रेड के संबंध में एक बैठक के दौरान एक अभिभावक स्पष्ट रूप से क्रुद्ध और रक्षात्मक हो जाता है। प्राचार्य या शिक्षक की ओर से सबसे उपयुक्त नेतृत्व प्रतिक्रिया (Leadership Response) क्या है?
(A) बैठक में संस्थागत अधिकार को मजबूती से स्थापित करने के लिए तुरंत अभिभावक के आक्रामक लहजे का मुकाबला करना।
(B) शांत रहें, सक्रिय रूप से सुनें, चिंताओं का समाधान करें और संवाद को समाधानों की ओर निर्देशित करें।

(C) बैठक को अचानक और तुरंत समाप्त करें और औपचारिक रूप से अभिभावक को विद्यालय परिसर छोड़ने के लिए कहें।
(D) यदि अभिभावक तुरंत शांत नहीं होता है तो छात्र को विद्यालय से निष्कासित करने की सीधी धमकी देना।

141. छात्र परिणामों के संप्रेषण को किस रूप में देखा जाना चाहिए?
(A) विद्यालय प्रबंधन से घर तक मात्रात्मक डेटा का एक कठोर एकतरफा प्रशासनिक संचरण
(B) पूरी जवाबदेही को पूरी तरह से अभिभावकों पर स्थानांतरित करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया एक सुविधाजनक तंत्र
(C) केवल अनिवार्य बोर्ड नियमों का पालन करने के लिए आयोजित की जाने वाली एक नियमित प्रशासनिक औपचारिकता (Routine Administrative Formality)
(D) बाल विकास का समर्थन करने वाला एक सहयोगी संवाद (Collaborative Dialogue)

142. एक छात्र 3 विषयों में अनुत्तीर्ण हो गया है। प्राचार्य औपचारिक रिपोर्ट कार्ड जारी करने से पहले माता-पिता को बुलाने का निर्णय लेते हैं। इस निर्णय के पीछे प्रशासनिक तर्क क्या है?
(A) छात्र की शैक्षणिक विफलता के संबंध में अभिभावकों से औपचारिक रूप से तत्काल स्पष्टीकरण (Formal Clarification) मांगना
(B) अभिभावकों को अपने बच्चे को तुरंत स्वेच्छा से विद्यालय से वापस लेने के लिए दृढ़ता से मनाना
(C) यह सुनिश्चित करने के लिए कि अभिभावक स्थानीय शैक्षिक अधिकारियों से प्रशासनिक अपील दायर न करें
(D) संदर्भ प्रदान करने, प्रभाव को कम करने और एक संयुक्त उपचारात्मक योजना (Joint Remedial Plan) तैयार करने के लिए।

143. परिणाम घोषणा के बाद अभिभावक-शिक्षक बैठक (Parent-Teacher Meeting - PTM) आयोजित करने का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) छात्र की शैक्षणिक और समग्र प्रगति पर चर्चा करना
(B) मुद्रित औपचारिक कागजी रिपोर्ट कार्ड व्यक्तिगत रूप से सौंपना और वितरित करना
(C) आने वाले अभिभावकों से सभी लंबित विद्यालय शिक्षण और गतिविधि शुल्क सीधे एकत्र करना
(D) शिक्षकों को छात्र अनुशासनहीनता के विभिन्न मुद्दों के बारे में शिकायत करने के लिए एक समर्पित सत्र प्रदान करना

144. क्षेत्रीय विद्यालय नेटवर्क में बड़े पैमाने पर, संरचित अभिभावक-शिक्षक बैठकों की अवधारणा प्राथमिक रूप से शुरू की गई थी:
(A) राजनीतिक प्रचार और पहुंच के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया एक बड़े पैमाने का सार्वजनिक मंच (Public Platform) तैयार करना
(B) शिक्षक-अभिभावक संचार (Teacher-Parent Communication) अंतरालों को पाटने और अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए।
(C) परिवारों को मुफ्त विद्यालयी पोशाक, स्टेशनरी सामान और निर्धारित शैक्षणिक पाठ्यपुस्तकें वितरित करना
(D) सभी नामांकित छात्रों के लिए नियमित सामूहिक शारीरिक और चिकित्सा नैदानिक स्वास्थ्य जांच आयोजित करना

145. PTM के दिन प्राचार्य की निम्नलिखित भूमिकाओं पर विचार कीजिए:
I. अधिकार बनाए रखने के लिए कार्यालय में बैठना और किसी भी अभिभावक से मिलने से मना करना।
II. सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए चक्कर लगाना और शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बढ़ते विवादों को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप करना।
III. यह सुनिश्चित करना कि आने वाले अभिभावकों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जाए।

उपर्युक्त में से कौन सी भूमिकाएँ सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

146. एक बड़े विद्यालय में PTM को कुशलतापूर्वक आयोजित करने के लिए, प्राचार्य को तार्किक रूप से निम्नलिखित में से किसे लागू करना चाहिए?
(A) सभी ग्रेड स्तरों के सभी अभिभावकों को बिल्कुल एक ही शुरुआती समय पर विद्यालय पहुंचने का निर्देश देना
(B) प्रति अभिभावक व्यक्तिगत परामर्श बैठक समय को सख्ती से ठीक तीस सेकंड तक सीमित करना
(C) छात्र के औपचारिक निलंबन की तत्काल धमकी के तहत अभिभावक की उपस्थिति को सख्ती से अनिवार्य बनाना
(D) अत्यधिक भीड़ से बचने के लिए अनुक्रमांक के अनुसार समय स्लॉट को चरणबद्ध (Stagger) करना।

147. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : नियमित PTM विद्यालय की जवाबदेही (School Accountability) के लिए एक अनौपचारिक तंत्र के रूप में कार्य करते हैं।
कारण (R) : PTM के दौरान, अभिभावक शिक्षण की गुणवत्ता और मूल्यांकनों के पीछे के औचित्य के बारे में शिक्षकों और प्रबंधन से सीधे सवाल कर सकते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

Downloaded from www.pdf.tube

148. PTM के दौरान शिक्षक के लिए निम्नलिखित में से किसे अत्यधिक अनुपयुक्त व्यवहार माना जाता है?
(A) प्रगति प्रदर्शित करने के लिए छात्र के पोर्टफोलियो का उपयोग करना
(B) किसी अभिभावक के साथ दूसरे छात्र के विशिष्ट ग्रेड या व्यवहार पर चर्चा करना
(C) गंभीर व्यावहारिक समस्याओं वाले बच्चे के लिए पेशेवर परामर्श (Professional Counseling) का सुझाव देना
(D) अभिभावक की चिंताओं पर नोट्स (Notes) लेना

149. यदि कोई विद्यालय लगातार PTMs के लिए बहुत कम अभिभावक उपस्थिति का अनुभव करता है, तो प्राचार्य को कौन सा सक्रिय कदम (Proactive Step) उठाना चाहिए?
(A) एक तत्काल आधिकारिक परिपत्र जारी करना जिसमें कहा जाए कि अनुपस्थित अभिभावकों के बच्चे सत्र में स्वचालित रूप से अनुत्तीर्ण हो जाएंगे।
(B) कामकाजी घंटों को समायोजित करने के लिए सप्ताहांत या शाम को समय-सारणी समायोजित करना।
(C) सभी कक्षाओं में भविष्य की सभी अभिभावक-शिक्षक बैठकों को पूरी तरह से रद्द करना और बंद करना।
(D) माता-पिता के कर्तव्यों की उपेक्षा के लिए अधिकारियों को अनुपस्थित रहने वाले माता-पिता की औपचारिक रूप से रिपोर्ट करना।

150. PTM चरण और उसकी आदर्श गतिविधि के बीच सही मिलान की पहचान कीजिए।
(A) PTM से पहले - शिक्षक आने वाले अभिभावक के ठीक सामने छात्र के अंतिम सत्र ग्रेड को अंतिम रूप देता है
(B) PTM के बाद - शिक्षक वार्षिक सत्र-अंत परीक्षा प्रश्न पत्र का मसौदा तैयार करता है और अंतिम रूप देता है
(C) PTM से पहले - अभिभावक समग्र विद्यालय अवसंरचना से संबंधित औपचारिक फीडबैक फॉर्म (Feedback Form) जमा करते हैं
(D) PTM के दौरान - पोर्टफोलियो (Portfolio) की समीक्षा करना और फीडबैक साझा करना

151. PTMs के एक आधुनिक दृष्टिकोण में "छात्र-नेतृत्व वाले सम्मेलन (Student-Led Conferences)" शामिल हैं। इस व्यवस्था में, छात्र की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) सम्मेलन के दौरान आने वाले अभिभावकों और विषय शिक्षकों को जलपान चाय और नाश्ता परोसना
(B) अपना पोर्टफोलियो प्रस्तुत करना और अभिभावकों और शिक्षक के साथ अधिगम प्रगति पर चर्चा करना।
(C) यदि अभिभावक क्षेत्रीय भाषा नहीं बोलते हैं तो सख्ती से एक आधिकारिक भाषा दुभाषिया के रूप में कार्य करना
(D) वयस्कों की बातचीत के दौरान एक औपचारिक अनुशासनात्मक सजा के रूप में कक्षा के दरवाजे के बाहर खड़े रहना

152. सार्वजनिक विद्यालय प्रशासन प्रणालियों में, छात्र रिपोर्ट कार्ड तैयार करने और केंद्रीकृत शैक्षणिक रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले ऑनलाइन मॉड्यूल निम्नलिखित को प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं:
(A) छात्र प्रबंधन सूचना प्रणाली (Student Management Information System - MIS)
(B) लेखांकन के लिए उपयोग की जाने वाली सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (Public Financial Management System - PFMS)
(C) सार्वजनिक खरीद के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (Government e-Marketplace - GeM) पोर्टल
(D) ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा प्रवेश पोर्टल

NODIA

153. विद्यालय प्रशासन में डिजिटल रिपोर्ट कार्ड और ऑनलाइन पोर्टलों में परिवर्तन किसका एक प्रमुख उदाहरण है:
(A) ई-गवर्नेंस (E-Governance)
(B) विकेंद्रीकरण (Decentralization)
(C) निजीकरण (Privatization)
(D) सूक्ष्म-प्रबंधन (Micro-Management)

154. डिजिटल रिपोर्ट कार्ड और ऑनलाइन पोर्टल लागू करने के निम्नलिखित लाभों पर विचार कीजिए:
I. अभिभावकों के लिए ग्रेड और उपस्थिति तक वास्तविक समय पहुँच
II. अंकों और CGPA को एकत्रित करने में मैन्युअल गणना त्रुटियों का उन्मूलन
III. कागज़ के उपयोग में भारी कमी, पर्यावरण-अनुकूल प्रशासन को बढ़ावा देना
IV. साइबर सुरक्षा (Cybersecurity) कमजोर होने पर डेटा हेरफेर का बढ़ा हुआ जोखिम
उपर्युक्त में से कौन से कथन इस डिजिटल बदलाव की वैध विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(A) केवल I, II और III
(B) केवल II, III और IV
(C) केवल I, III और IV
(D) I, II, III और IV

155. शैक्षणिक रिपोर्टिंग (Academic Reporting) के लिए ऑनलाइन पोर्टलों के उपयोग के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) इसके लिए डेटा प्रविष्टि से पहले शिक्षकों को पेन और स्याही से मैन्युअल रूप से रिपोर्ट कार्ड लिखने की आवश्यकता होती है।
(B) यह छात्र के शैक्षणिक इतिहास का निर्बाध ट्रैकिंग सक्षम बनाता है, भले ही वे प्रशासनिक जिले के भीतर किसी अन्य विद्यालय में स्थानांतरित हो जाएं।
(C) यह शिक्षा विभाग के तहत सभी विद्यालयों में रिपोर्ट कार्ड प्रारूप को मानकीकृत करता है।
(D) यह उच्च अधिकारियों को विद्यालय-वार और जिला-वार प्रदर्शन विश्लेषण की निगरानी करने में सक्षम बनाता है।

(Mid-Term Transfer) सख्त वर्जित हैं।
(C) अभिभावक को अपने स्तर पर बच्चे के समग्र संचयी GPA की स्वतंत्र रूप से गणना करने का निर्देश दें।
(D) स्पष्ट करें कि स्थानांतरण उद्देश्यों के लिए एक आधिकारिक रिपोर्ट कार्ड/प्रतिलेख आवश्यक है।

126. राष्ट्रीय शिक्षा ढांचे पारंपरिक रिपोर्ट कार्डों से पूरी तरह से नया रूप दिए गए ट्रैकिंग तंत्र में बदलाव का प्रस्ताव करते हैं जिसे कहा जाता है:
(A) समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC)
(B) निरपेक्ष ग्रेडिंग कार्ड (Absolute Grading Card - AGC)
(C) मानकीकृत योग्यता कार्ड (Standardized Merit Card - SMC)
(D) राष्ट्रीय मूल्यांकन कार्ड (National Assessment Card - NAC)

127. कौन सी अनूठी विशेषता एक समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) को पारंपरिक रिपोर्ट कार्ड से अलग करती है?
(A) यह सभी अक्षर ग्रेडों को पूरी तरह से एक एकल एकत्रित संख्यात्मक प्रतिशत अंक (Aggregate Percentage Score) से बदल देता है।
(B) यह छात्र के पूरे कार्यकाल के दौरान केवल एक बार सख्ती से जारी किया जाता है जब वे विद्यालय छोड़ते हैं।
(C) इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ-साथ स्व-मूल्यांकन और सहपाठी-मूल्यांकन (Self and Peer-Assessment) शामिल है।
(D) यह मुख्य शैक्षणिक विषयों की पूरी तरह से उपेक्षा करते हुए विशेष रूप से व्यावहारिक व्यावसायिक कौशलों का मूल्यांकन करता है।

128. समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए:
I. यह 360-डिग्री, बहु-आयामी रिपोर्ट है।
II. यह संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों में प्रगति को दर्शाता है।
III. यह घर और विद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाता है।
IV. यह प्रगति की निगरानी करने और विकासात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सॉफ्टवेयर ट्रैकिंग का उपयोग करता है।
उपर्युक्त विशेषताओं में से कौन-सी सही हैं?
(A) केवल I, II और III (B) केवल I, II और IV
(C) केवल II, III और IV (D) I, II, III और IV

129. राष्ट्रीय प्रगति कार्ड की संरचना सहित छात्र मूल्यांकन और आंकलन के मानदंड, मानक और दिशा-निर्देश निर्धारित करने का कार्य किस नियामक संस्था (Regulatory Body) को सौंपा गया है?
(A) AICTE
(B) परख (PARAKH)
(C) नीति आयोग (NITI Aayog)
(D) NCTE

130. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : समग्र प्रगति कार्ड (HPC) वर्ष के अंत की उच्च-जोखिम वाली लिखित परीक्षाओं पर निर्भरता को कम करता है।
कारण (R) : HPC सभी क्षेत्रों में परियोजना-आधारित, पूछताछ-आधारित (Inquiry-Based) और अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) की रचनात्मक, निरंतर ट्रैकिंग पर जोर देता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

131. एक प्राचार्य मूलभूत चरण (Foundational Stage) के लिए HPC लागू करने पर शिक्षकों को प्रशिक्षित कर रहा है। मूल्यांकन प्रक्रिया में शिक्षकों को निम्नलिखित में से किस गतिविधि को शामिल करने का निर्देश दिया जाना चाहिए?
(A) सरल स्माइली आइकॉन का उपयोग करके ड्राइंग का सहपाठी और स्व-ग्रेडिंग
(B) हर महीने अनिवार्य 100 अंकों की लिखित परीक्षाएं आयोजित करना
(C) बच्चों को 1 से 40 तक सख्ती से रैंक करना और नोटिस बोर्ड पर रैंक सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना
(D) दैनिक वर्णमाला पाठ के लिए अत्यधिक कठोर समयबद्ध मानकीकृत परीक्षण आयोजित करना

132. मूलभूत चरणों के लिए आधुनिक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम दिशा-निर्देश निम्नलिखित में से किस मूल्यांकन दृष्टिकोण पर अत्यधिक निर्भर करते हैं?
(A) सत्र के अंत में सख्ती से आयोजित अधिगम का मानकीकृत पारंपरिक मूल्यांकन
(B) छात्रों को रैंक देने के लिए डिज़ाइन किया गया विशुद्ध रूप से मानक-संदर्भित तुलनात्मक मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation)
(C) पारंपरिक रटकर याद करने पर आधारित योगात्मक अंतिम लिखित परीक्षाएं
(D) अधिगम की प्रगति पर केंद्रित दक्षता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Assessment)

133. समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC) को लागू करने का निम्नलिखित में से कौन सा इच्छित परिणाम नहीं है?
(A) छात्र की आत्म-जागरुकता और आत्म-सम्मान का निर्माण करना
(B) सख्त रैंकिंग के माध्यम से तीव्र शैक्षणिक प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा देना

Click Here to Buy book on Amazon

(B) रिपोर्ट कार्ड प्रदान करें, क्योंकि संयुक्त कस्टडी वाले माता-पिता रिकॉर्ड पर समान अधिकार साझा करते हैं।
(C) प्रकटीकरण से पहले आने वाले पिता को मां से औपचारिक लिखित अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता होना।
(D) पिता को संभालने के लिए तुरंत परिसर सुरक्षा को सूचित करें और स्थानीय पुलिस को बुलाएं।

164. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : विद्यालयों को छात्र की मनोवैज्ञानिक और उपचारात्मक शिक्षा रिपोर्टों तक पहुंच कोstrictly प्रतिबंधित करना चाहिए।
कारण (R) : संवेदनशील विशेष शिक्षा आवश्यकताओं का अनधिकृत प्रकटीकरण बच्चे के लिए लांछन (Stigmatization), बदमाशी और मनोवैज्ञानिक नुकसान का कारण बन सकता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

165. एक निजी कोचिंग संस्थान एक विद्यालय के प्राचार्य से संपर्क करता है और कक्षा XII के शीर्ष 10% छात्रों के नाम, फोन नंबर और शैक्षणिक ग्रेड के बदले दान देने की पेशकश करता है। प्राचार्य को चाहिए:
(A) वित्तीय प्रस्ताव को आसानी से स्वीकार करें क्योंकि यह विद्यालय के लिए महत्वपूर्ण अतिरिक्त विकास निधि उत्पन्न करता है।
(B) प्रस्ताव को खारिज करें, क्योंकि सहमति के बिना छात्र डेटा साझा करना निजता के नियमों (Breach of Privacy) का उल्लंघन करता है।
(C) काफी अधिक वित्तीय दान के लिए निजी कोचिंग संस्थान के साथ आक्रामक रूप से बातचीत (Negotiation) करने का प्रयास करें।
(D) विशिष्ट शैक्षणिक ग्रेड को रोकते हुए केवल अनुरोधित छात्र नाम और संपर्क फोन नंबर प्रदान करें।

166. निम्नलिखित में से कौन सा छात्र रिकॉर्ड के संबंध में गोपनीयता का उल्लंघन नहीं करता है?
(A) एक शिक्षक स्टाफ रूम में किसी व्यक्तिगत छात्र के कम शैक्षणिक ग्रेड के बारे में जोर से चर्चा करता है जहाँ सहपाठी सुन सकते हैं।
(B) औपचारिक अनुरोध और अभिभावकीय सहमति पर नए विद्यालय में आधिकारिक प्रतिलेख (Transcripts) स्थानांतरित करना।
(C) एक प्रशासनिक क्लर्क छात्र रिपोर्ट कार्ड की तस्वीरें लेता है और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सार्वजनिक रूप से साझा करता है।
(D) एक वाणिज्यिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी फर्म को संपूर्ण संस्थागत छात्र संपर्क डेटाबेस (Student Contact Database) व्यवस्थित रूप से बेचना।

NODIA

167. एक शिक्षिका गलती से खाली कक्षा में अपना लैपटॉप खुला और विद्यालय ग्रेडिंग पोर्टल में लॉग इन करके छोड़ देती है। एक छात्र अपने ग्रेड बदल देता है। विद्यालय के संदर्भ में डेटा सुरक्षा के इस उल्लंघन के लिए प्राथमिक रूप से कौन जिम्मेदार है?
(A) विशेष रूप से और केवल बेईमान छात्र जिसने संख्यात्मक ग्रेड को बदल दिया
(B) अपनी साख (Credentials) को सुरक्षित करने में विफल रहने के लिए शिक्षक
(C) शिक्षक के उपयोग के लिए लैपटॉप की खरीद को मंजूरी देने के लिए विद्यालय के प्राचार्य (School Principal)
(D) अपने बच्चे में बुनियादी नैतिकता जगाने में विफल रहने के लिए छात्र के माता-पिता

168. विश्वविद्यालय प्रवेश के लिए विभिन्न शैक्षणिक बोर्डों के छात्रों के ग्रेड या अंकों की तुलना करने की चुनौती प्राथमिक रूप से किन अंतरों के कारण है:
(A) उपयोग की जाने वाली उत्तर पुस्तिकाओं के अलग-अलग भौतिक आयाम और पृष्ठ सीमाएँ
(B) पाठ्यक्रम, परीक्षण पैटर्न और ग्रेडिंग कठोरता (Grading Rigor) में अंतर
(C) शैक्षणिक कैलेंडर (Academic Calendar) में आधिकारिक कार्य दिवसों की कुल संख्या में असमानताएं
(D) विभिन्न राज्य बोर्डों में उपयोग किए जाने वाले निर्देश का विशिष्ट प्राथमिक माध्यम

169. विभिन्न परीक्षा बोर्डों में ग्रेडिंग में असमानता के मुद्दे को हल करने के लिए, कई राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाएं ऐतिहासिक रूप से किस सांख्यिकीय विधि का उपयोग करती हैं?
(A) सभी क्षेत्रीय बोर्ड के छात्रों के लिए फ्लैट 10 अंक जोड़ना
(B) सामान्यीकरण (Normalization) और प्रतिशतक स्कोर (Percentile Score) की गणना करना
(C) बोर्ड के अंकों को पूरी तरह से नजरअंदाज करना और लॉटरी प्रणाली (Lottery System) का उपयोग करना
(D) सभी आवेदकों के अंकों का सरल औसत निकालना

170. बोर्डों में तुलनात्मक ग्रेडिंग में निम्नलिखित चुनौतियों पर विचार कीजिए:
I. विभिन्न बोर्ड अलग-अलग ग्रेडिंग पैमानों का उपयोग करते हैं (जैसे, 9-बिंदु बनाम 7-बिंदु)।
II. कुछ बोर्ड दूसरों की तुलना में गंभीर ग्रेड स्फीति (Grade Inflation) प्रदर्शित करते हैं।
III. CGPA को प्रतिशत में बदलने के सूत्र बोर्डों के बीच भिन्न होते हैं।
उपर्युक्त में से कौन से कथन विशुद्ध रूप से बोर्ड अंकों के आधार पर एक एकीकृत योग्यता सूची बनाने की कठिनाई में योगदान करते हैं?

109. एक विद्यालय अपने रिपोर्ट कार्ड टेम्पलेट को फिर से डिज़ाइन कर रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नया डिज़ाइन प्रभावी और संवादात्मक है, आदर्श रूप से हितधारकों के निम्नलिखित में से किस समूह से परामर्श किया जाना चाहिए?
(A) केवल आईटी विभाग (IT Department)
(B) शिक्षक, अभिभावक, और संभावित रूप से वरिष्ठ छात्र
(C) केवल शिक्षा निदेशालय
(D) केवल विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee - SMC)

110. विद्यालयों में छात्र के अंतिम रिपोर्ट कार्ड का एक आवश्यक वैधानिक घटक (Statutory Component) आमतौर पर निम्नलिखित में से किसे माना जाता है?
(A) छात्र की जाति और धार्मिक पृष्ठभूमि के विशिष्ट समाजशास्त्रीय विवरण
(B) अभिभावकों की निजी वित्तीय स्थिति और वार्षिक घरेलू आय विवरण (Household Income Details)
(C) छात्र का सत्र उपस्थिति रिकॉर्ड (Session Attendance Record)
(D) छात्र के पड़ोस के खेल के साथियों के सत्यापित नाम और संपर्क पते

111. रिपोर्ट कार्ड पर गुणात्मक शिक्षक टिप्पणियां (Qualitative Teacher Remarks) आदर्श रूप से होनी चाहिए:
(A) विशिष्ट, रचनात्मक और सुधार के लिए कार्रवाई योग्य (Actionable)
(B) किसी भी अभिभावक को नाराज करने से पूरी तरह बचने के लिए जानबूझकर अस्पष्ट और सामान्यीकृत (Generalized)
(C) छात्र के पिछले अनुशासनात्मक उल्लंघनों को दस्तावेज करने पर पूरी तरह और कठोरता से केंद्रित
(D) सभी छात्रों के लिए अंधाधुंध उपयोग किए जाने वाले पूर्व-मुद्रित एकसमान मानक टेक्स्ट टिकट

112. एक व्यापक रिपोर्ट कार्ड के निम्नलिखित घटकों पर विचार कीजिए:
I. शैक्षणिक उपलब्धि ग्रेड (Scholastic Achievement Grades)
II. सह-शैक्षणिक ग्रेड (कला, स्वास्थ्य, शारीरिक शिक्षा)
III. छात्र द्वारा स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment)
उपर्युक्त में से कौन से घटक छात्र की प्रगति पर नज़र रखने का हिस्सा बनने के लिए अभिप्रेत हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

113. रिपोर्ट कार्ड के सही सुमेलित अनुभाग को उसकी संबंधित सामग्री के साथ पहचानिए।
(A) सह-शैक्षणिक क्षेत्र - कार्य शिक्षा और कला ग्रेड
(B) शैक्षणिक रिकॉर्ड - बॉडी मास इंडेक्स (Body Mass Index - BMI) और विस्तृत दृष्टि परीक्षण नैदानिक परिणाम
(C) स्वास्थ्य रिकॉर्ड - सत्र में उपस्थित विद्यालय के दिनों की कुल आधिकारिक संख्या (Official Attendance)
(D) पहचान डेटा - सत्यापन और औपचारिक हस्तलिखित शिक्षक हस्ताक्षर

114. एक शिक्षिका ऐसे छात्र के लिए टिप्पणी लिखना चाहती है जो गणित में संघर्ष कर रहा है लेकिन कड़ी मेहनत करता है। रिपोर्ट कार्ड के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सबसे उपयुक्त और पेशेवर टिप्पणी (Professional Remark) है?
(A) "वह गणित में अत्यधिक कमजोर है और बुनियादी अवधारणाओं को समझने में मौलिक रूप से असमर्थ है।"
(B) "गणित उसके बस की बात नहीं है; उसे इसे छोड़कर पूरी तरह से खेलों पर ध्यान देना चाहिए।"
(C) "अच्छा प्रयास दिखाता है, लेकिन सुधार के लिए गणित की संक्रियाओं में अतिरिक्त अभ्यास की आवश्यकता है।"
(D) "घर पर घंटों अध्ययन करने के बावजूद वह गणित के मूल्यांकन में लगातार अनुत्तीर्ण होता है।"

115. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : रिपोर्ट कार्ड में स्वास्थ्य और शारीरिक स्वस्थता रिकॉर्ड शामिल करना आधुनिक विद्यालय प्रशासन में एक मानक अभ्यास है।
कारण (R) : बच्चे का समग्र विकास (Holistic Development) यह स्वीकार करता है कि शारीरिक कल्याण सीधे संज्ञानात्मक विकास और शैक्षणिक प्रदर्शन से सह-संबंधित है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

116. एक मानक छात्र रिपोर्ट कार्ड पर निम्नलिखित में से कौन सा एक गैर-आवश्यक घटक (Non-Essential Component) है?
(A) आधिकारिक जन्म तिथि और विशिष्ट विद्यालय प्रवेश संख्या
(B) ग्रेड व्याख्या के लिए व्यापक ग्रेडिंग पैमाना लीजेंड/कुंजी (Grading Scale Legend)
(C) अभिभावक की आय और व्यवसाय
(D) आधिकारिक प्राचार्य के हस्ताक्षर या संस्थागत प्रतिकृति मुहर (Institutional Seal)

117. वार्षिक रिपोर्ट कार्ड के मसौदे की समीक्षा करने पर, प्राचार्य नोट करते हैं कि "ग्रेडिंग पैमाना लीजेंड (Grading Scale Legend)" (यह बताते हुए कि A1, A2, आदि का क्या अर्थ है) गायब है। इसे शामिल करना प्रशासनिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है?

Downloaded from www.pdf.tube

(C) बोर्ड परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या में एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय कमी।
(D) नकारात्मक अंकन (Negative Marking) नियमों के माध्यम से जुर्माना कटौती योजनाओं का व्यापक कार्यान्वयन।

179. गंभीर ग्रेड स्फीति के निम्नलिखित प्रभावों पर विचार कीजिए:
I. यह विश्वविद्यालयों के लिए अच्छे छात्रों और असाधारण छात्रों के बीच अंतर करना मुश्किल बनाता है।
II. यह उच्चतम ग्रेड (जैसे, A1 या 95%+) के अर्थ और प्रतिष्ठा को अवमूल्यित करता है।
III. यह राष्ट्रीय बुद्धिमत्ता (National Intelligence) में भारी वृद्धि को पूरी तरह से दर्शाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

180. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : ग्रेड स्फीति से ग्रेडिंग पैमाने के शीर्ष सिरे पर अंकों का एकत्रीकरण या गुच्छा (Clustering or Bunching) बनता है।
कारण (R) : जब परीक्षक उदारतापूर्वक उच्च ग्रेड प्रदान करते हैं, तो सीमा प्रभाव (Ceiling Effect) होता है क्योंकि अंक 100% या A+ ग्रेड से अधिक नहीं हो सकते हैं।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

181. संस्थागत स्तर पर ग्रेड स्फीति से निपटने के लिए, एक विश्वविद्यालय वक्र पर ग्रेडिंग (Grading on a Curve) अनिवार्य कर सकता है। यह विशेष रूप से ग्रेड स्फीति को कैसे रोकता है?
(A) यह कच्चे अंकों की परवाह किए बिना दिए जाने वाले शीर्ष ग्रेड के अनुपात को सीमित करता है।
(B) यह सभी शैक्षणिक विभागों में समग्र उत्तीर्ण सीमा अंक को स्वचालित रूप से कम करता है।
(C) यह विषय शिक्षकों को सभी परीक्षाओं के लिए जानबूझकर बहुत आसान प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए मजबूर करता है।
(D) यह संघर्षरत छात्रों को संस्थागत कार्यक्रमों को छोड़ने से व्यवस्थित रूप से रोकता है।

182. निम्नलिखित सांख्यिकीय अवलोकनों में से कौन सा ग्रेड स्फीति का लक्षण नहीं है?
(A) उत्तीर्ण होने वाली कक्षा का माध्यिका ग्रेड (Median Grade) एक दशक में 'B' से 'A' में स्थानांतरित होना।
(B) सटीक 95% अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में भारी वृद्धि।
(C) संपूर्ण छात्र जनसंख्या में अंकों का एक सामान्य बेल-कर्व वितरण (Normal Bell-Curve Distribution)।
(D) एक भारी बायां-विषम वितरण (Left-Skewed Distribution) जहाँ अधिकांश अंक अधिकतम संभव अंक के पास जमा होते हैं।

183. बोर्ड परीक्षाओं के संदर्भ में, अंकों को "स्पाइकिंग (Spiking)" करने का अभ्यास - जैसे अंक-संतुलन के दौरान 88 अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 95 तक पहुंचाना - सीधे तौर पर योगदान देता है:
(A) बढ़ी हुई परीक्षण वैधता
(B) ग्रेड स्फीति (Grade Inflation)
(C) अधिक परीक्षक विश्वसनीयता
(D) उन्नत रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment)

NODIA

184. एक प्राचार्य 5 वर्षों के विद्यालय डेटा की समीक्षा करते हैं। पांच साल पहले, 5% छात्रों को अंग्रेजी में A1 मिला था। इस वर्ष, 45% को A1 मिला। पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियां समान रहीं, और मानकीकृत नैदानिक परीक्षण वास्तविक पठन स्तरों में कोई बदलाव नहीं दिखाते हैं। प्राचार्य को यह निष्कर्ष निकालना चाहिए कि विद्यालय अनुभव कर रहा है:
(A) समग्र राष्ट्रीय छात्र बुद्धिमत्ता स्तरों में एक अचानक चमत्कारिक वृद्धि
(B) उदार अंकन से ग्रेड स्फीति (Grade Inflation from Lenient Marking)
(C) विषयों में संस्थागत ग्रेड अवस्फीति (Grade Deflation) का एक गंभीर प्रणालीगत रुझान
(D) प्रशासनिक सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के भीतर एक सरल गणना त्रुटि

185. उपचारात्मक रिपोर्टिंग (Remedial Reporting) फीडबैक का एक विशिष्ट रूप है जिसका मुख्य उद्देश्य है:
(A) असाधारण रूप से प्रतिभाशाली छात्रों को औपचारिक रूप से पहचानना और योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान करना
(B) कमजोर छात्रों में अधिगम के अंतरालों की पहचान करना और लक्षित सहायता की योजना बनाना।
(C) खराब समग्र कक्षा परिणामों के लिए विषय शिक्षकों को प्रशासनिक रूप से दंडित करना
(D) प्रतिद्वंद्वी क्षेत्रीय संस्थानों के साथ विद्यालय की व्यवस्थित रूप से तुलना करना

186. विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (Child with Special Needs - CWSN) के लिए जो मानक मूल्यांकनों में लगातार कम प्रदर्शन कर रहा है, उपचारात्मक रिपोर्टिंग अक्सर कानूनी और शिक्षाशास्त्रीय रूप से किसके निर्माण से जुड़ी होती है:
(A) कॉर्पोरेट प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश दस्तावेज
(B) व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम (Individualized Education Program - IEP)

सरलीकरण और मूल्यांकन मानकीकरण का एक मुख्य चरण है।

69. (D) ग्रेड सीमा प्रभाव (Grade Boundary Effect)
पूर्व-परिभाषित कट-ऑफ आधारित निरपेक्ष ग्रेडिंग में सबसे बड़ी समस्या ग्रेड सीमा प्रभाव (Grade Boundary Effect) है। इसमें सीमांत बिंदु पर केवल 1 अंक का अंतर (जैसे 89 पर B1 और 90 पर A2) छात्र के अंतिम ग्रेड और मनोवैज्ञानिक स्थिति को अत्यधिक प्रभावित करता है, जिसे अक्सर शिक्षक और शिक्षार्थी अनुचित महसूस करते हैं।

70. (D) I, II और III
कच्चे अंकों को ग्रेड में बदलने के लिए शैक्षिक मापन में तीन मुख्य विधियाँ प्रयुक्त होती हैं: निरपेक्ष कट-ऑफ हेतु पूर्व-निर्धारित प्रतिशत स्लैब, सापेक्ष ग्रेडिंग हेतु मानक विचलन व Z-स्कोर, तथा समूह में स्थिति निर्धारण हेतु प्रतिशतक रैंक (Percentile Ranks)। ये तीनों स्वीकृत और मानक पद्धतियाँ मानी जाती हैं।

71. (D) मानकीकृत स्केलिंग (Standardized Scaling)
जब कोई परीक्षा बोर्ड विभिन्न विषयों के कठिनाई स्तर और प्राप्तांक भिन्नताओं को दूर करने के लिए अंकों का रूपांतरण एक समान माध्य और मानक विचलन पर करता है, तो इस प्रक्रिया को मानकीकृत स्केलिंग (Standardized Scaling) कहा जाता है। यह विभिन्न वैकल्पिक विषयों के मूल्यांकन में निष्पक्षता और तुल्यता सुनिश्चित करती है।

72. (A) निकटतम पूर्ण संख्या में पूर्णांकित करें, जिसके परिणामस्वरुप 90 (A2) प्राप्त होगा
शैक्षिक मूल्यांकन में निष्पक्षता और छात्र-हितैषी सिद्धांतों के तहत 89.5 जैसे दशमलव प्राप्तांकों को निकटतम पूर्ण संख्या (Nearest Whole Number) में पूर्णांकित करने का नियम है। 89.5 पूर्णांकित होकर 90 हो जाता है, जिससे छात्र को अगला उच्च ग्रेड A2 प्रदान किया जाना ही मानक प्रशासनिक परिपाटी है।

73. (D) परीक्षक के आत्मनिष्ठ अंतर्ज्ञान के आधार पर ग्रेड सीमाओं को तय करना।
सापेक्ष ग्रेडिंग में परीक्षक के व्यक्तिगत या आत्मनिष्ठ अंतर्ज्ञान के आधार पर ग्रेड सीमाओं को तय करना एक अत्यंत त्रुटिपूर्ण और अमान्य अभ्यास है। सापेक्ष ग्रेडिंग का मूल आधार वैज्ञानिक सांख्यिकी, Z-स्कोर, सामान्य वक्र या प्रतिशतक वितरण पर टिका होता है, न कि किसी मूल्यांकनकर्ता की व्यक्तिगत राय पर।

74. (B) Z-स्कोर (Z-score) - यह दर्शाता है कि कोई अंक माध्य (Mean) से कितने मानक विचलन (Standard Deviations) दूर है
सांख्यिकी में Z-स्कोर यह सटीक मापन प्रदान करता है कि कोई विशिष्ट कच्चा अंक समूह के माध्य (Mean) से कितने मानक विचलन (Standard Deviation) ऊपर या नीचे स्थित है। अंक-से-ग्रेड परिवर्तन में इसका प्रयोग प्राप्तांकों के मानकीकरण और सापेक्ष स्थिति निर्धारण हेतु मुख्य आधार के रुप में किया जाता है।

75. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
बिना मानकीकरण या सामान्यीकरण के कच्चे अंकों को निरपेक्ष ग्रेड में बदलना उन छात्रों के साथ अन्याय करता है जिन्होंने कठिन वैकल्पिक विषय चुने हों। इसका कारण यह है कि अलग-अलग विषयों में अंकन प्रणाली और कठिनाई का स्तर स्वाभाविक रूप से भिन्न होता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।

76. (C) जनसंख्या का माध्य (Population Mean)
सांख्यिकीय मानकीकरण सूत्र $Z = (X - \mu) / \sigma$ में, 'X' छात्र के व्यक्तिगत कच्चे अंक को, 'σ' प्राप्तांकों के मानक विचलन को, और 'μ' (म्यू) उस संपूर्ण समूह या जनसंख्या के माध्य (Population Mean) को निरुपित करता है। यह सूत्र सापेक्षिक दूरी की गणना के लिए आधार प्रदान करता है।

77. (C) मानव मापन परिशुद्धता (Human Measurement Precision) में सीमाएं
ग्रेडिंग प्रणाली पारंपरिक अंकन प्रणाली की इस अंतर्निहित सीमा को स्वीकार करती है कि मानवीय मापन परिशुद्धता (Human Measurement Precision) में हमेशा त्रुटि की संभावना रहती है। एक या दो अंकों का अंतर वास्तविक अधिगम अंतर को नहीं दर्शाता, इसलिए अंक के बजाय व्यापक ग्रेड देना अधिक तर्कसंगत और वैज्ञानिक माना जाता है।

78. (B) परीक्षकों के बीच छोटे अंक परिवर्तन शायद ही कभी अंतिम ग्रेड श्रेणी को बदलते हैं।
ग्रेडिंग प्रणाली परीक्षक परिवर्तनशीलता (Examiner Variability) के प्रभाव को कम करती है क्योंकि इसमें छोटे अंक परिवर्तन (जैसे 2 या 3 अंकों का अंतर) छात्र की व्यापक ग्रेड श्रेणी को प्रभावित नहीं करते हैं। विभिन्न परीक्षकों के अंकन रुझानों के बावजूद छात्र का अंतिम ग्रेड बैंड स्थिर रहने की संभावना अत्यधिक रहती है।

79. (B) केवल I, II और IV
ग्रेडिंग प्रणाली उच्चतम अंकों हेतु सामाजिक तनाव को कम करती है, सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का व्यापक आंकलन सम्भव बनाती है, तथा भिन्न कठिनाई वाले विषयों के परिणामों का एकत्रीकरण सरल करती है। यह किसी भी प्रकार की लिखित परीक्षाओं को पूरी तरह से समाप्त नहीं करती, बल्कि केवल उनके अंकन प्रारूप को बदलती है।

80. (C) यह विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए निरपेक्ष योग्यता निर्धारित करने के मुद्दे को पूरी तरह से हल करती है।
ग्रेडिंग प्रणाली का उपयोग करने का यह दावा गलत है कि यह विश्वविद्यालय प्रवेश हेतु निरपेक्ष योग्यता निर्धारण के मुद्दे को पूरी तरह हल कर देती है। वास्तव में, व्यापक ग्रेड श्रेणियों के कारण शीर्ष स्तर पर अत्यधिक छात्रों के आ जाने से प्रवेश हेतु विभेदन करना और अधिक जटिल हो जाता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

194. सत्यापन में आसानी बढ़ाने और प्रमाण पत्रों और प्रतिलेखों के फर्जीवाड़े को रोकने के लिए, शैक्षिक अधिकारी विद्यालय बोर्ड के परिणामों को किस डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत करने को मजबूती से बढ़ावा देते हैं?
(A) ऑनलाइन टिकट पोर्टल
(B) डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म (DigiLocker Platform)
(C) न्यायिक सेवा पोर्टल
(D) ऑनलाइन शिक्षण पोर्टल (Online Learning Portal)

195. छात्र के प्रतिलेख (Transcript) की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले निम्नलिखित तंत्रों पर विचार कीजिए:
I. उभरी हुई विद्यालय की मुहरें और वॉटरमार्क
II. बोर्ड के डेटाबेस से जुड़े डिजिटल हस्ताक्षर (Digital Signatures) और QR कोड (QR Codes)
III. प्रवेश देने वाले विश्वविद्यालय से जारी करने वाले विद्यालय को सीधे सत्यापन अनुरोध
उपर्युक्त में से कौन से तंत्र मानक प्रशासनिक अभ्यास हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

196. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : यदि छात्र के पास बकाया शुल्क देय है तो विद्यालय आमतौर पर अंतिम आधिकारिक प्रतिलेख या स्थानांतरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate) जारी करने को रोकने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।
कारण (R) : प्रतिलेख ही प्राथमिक जरिया है जो विद्यालय के पास यह सुनिश्चित करने के लिए होता है कि छात्र के स्थायी रूप से संस्थान छोड़ने से पहले वित्तीय और पुस्तकालय देय राशि का निपटान हो जाए।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

197. एक पूर्व छात्र प्राचार्य से एक डुप्लिकेट प्रतिलेख (Duplicate Transcript) का अनुरोध करता है, यह दावा करते हुए कि मूल प्रति आग में खो गई थी। मानक प्रशासनिक प्रक्रिया के अनुसार, डुप्लिकेट जारी करने से पहले विद्यालय को क्या आवश्यक होना चाहिए?
(A) आवेदक से नुकसान की पुष्टि करने वाला एक सरल अनौपचारिक मौखिक वादा
(B) नुकसान की रिपोर्ट करने वाला एक शपथ पत्र (Affidavit) और पुलिस प्रथम सूचना रिपोर्ट (First Information Report - FIR) की प्रति।
(C) एक पंजीकृत डॉक्टर द्वारा जारी एक पूर्ण रूप से प्रमाणित चिकित्सा फिटनेस प्रमाण पत्र
(D) एक वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी और हस्ताक्षरित एक आधिकारिक चरित्र प्रमाण पत्र (Character Certificate)

198. एक विद्यालय बोर्ड द्वारा कक्षा XII के प्रतिलेख (अंकपत्र) को अंतिम रूप देने और जारी करने के लिए मानक प्रशासनिक चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. कच्चे अंकों का सारणीयन और एकत्रीकरण
II. भौतिक प्रतिलेखों की छपाई और प्रेषण / डिजिटल लॉकर को अपडेट करना
III. अंकों का ग्रेड में परिवर्तन (यदि लागू हो) और अंतिम प्रूफ़रीडिंग (Proofreading)
IV. अंक-संतुलन या स्केलिंग नीतियों (Scaling Policies) का अनुप्रयोग
(A) I, IV, III, II
(B) I, III, IV, II
(C) IV, I, III, II
(D) I, II, III, IV

199. किसी छात्र को उसका आधिकारिक प्रतिलेख देने से इंकार करने का निम्नलिखित में से कौन सा अमान्य और गैर-कानूनी प्रशासनिक कारण है?
(A) छात्र ने उधार ली गई पुस्तकालय की पुस्तकें (Library Books) वापस नहीं की हैं।
(B) छात्र के माता-पिता एक हाशियाकृत समुदाय से आते हैं।
(C) छात्र ने अंतिम सत्र का शिक्षण शुल्क नहीं दिया है।
(D) छात्र ने अनिवार्य अनापत्ति फॉर्म (No Objection Certificate / Clearance Form) जमा नहीं किया है।

200. एक विश्वविद्यालय एक प्राचार्य से संपर्क करता है और बताता है कि एक छात्र का प्रतिलेख छेड़ा हुआ प्रतीत होता है, क्योंकि मुद्रित CGPA सूचीबद्ध ग्रेड के गणितीय औसत से मेल नहीं खाता है। संस्थान के प्रमुख के रूप में, प्राचार्य की तत्काल जिम्मेदारी क्या है?
(A) कोई पूर्व आंतरिक जांच किए बिना छात्र द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज का बिना शर्त बचाव करना।
(B) विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा भेजे गए आधिकारिक संचार ईमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज करना।
(C) मास्टर रिकॉर्ड (Master Record) के खिलाफ प्रतिलेख को सत्यापित करना और विश्वविद्यालय के साथ निष्कर्षों को स्पष्ट करना।
(D) छात्र द्वारा किए गए दावों से मेल खाने के लिए गैर-कानूनी रूप से एक नया परिवर्तित प्रतिलेख (Altered Transcript) जारी करना।

Downloaded from www.pdf.tube

(C) आधिकारिक वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (Annual Confidential Report - ACR) प्रारूप
(D) विस्तृत संस्थागत योजना दस्तावेज

187. निम्नलिखित तत्वों पर विचार कीजिए:
I. विशिष्ट अधिगम कठिनाई का निदान
II. पिछले अनुशासनात्मक उल्लंघनों का रिकॉर्ड
III. सुधारात्मक शिक्षाशास्त्रीय सहायता के लिए एक समय-सीमा और रणनीति

उपर्युक्त में से कौन से तत्व कम प्रदर्शन करने वाले छात्र के लिए एक प्रभावी उपचारात्मक रिपोर्ट (Remedial Report) के आवश्यक तत्व हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

188. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में लेबल किया गया है।
अभिकथन (A) : कम प्रदर्शन करने वाले छात्र पर रिपोर्ट करते समय, शिक्षकों को प्रयास या व्यवहार ग्रेड (Behavior Grade) से शैक्षणिक उपलब्धि ग्रेड (Achievement Grade) को अलग करना चाहिए।
कारण (R) : एक छात्र जबरदस्त प्रयास कर सकता है और अच्छा व्यवहार दिखा सकता है लेकिन अधिगम अक्षमताओं के कारण अभी भी शैक्षणिक रूप से संघर्ष कर सकता है; दोनों को मिलाने से छात्र हतोत्साहित होता है।
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
(C) A सही है लेकिन R गलत है
(D) A गलत है लेकिन R सही है

189. एक छात्र गणित में 15/100 अंक प्राप्त करता है। अभिभावकों को उपचारात्मक रिपोर्ट कार्ड (Remedial Report Card) में इसे व्यक्त करने का सबसे उपयुक्त तरीका है:
(A) "बुनियादी बीजगणित अवधारणाओं की कमी है; लक्षित उपचारात्मक अभ्यास कार्यपत्रकों की आवश्यकता है।"
(B) "छात्र लगातार अनुत्तीर्ण हो रहा है और स्पष्ट रूप से गणित के लिए बिल्कुल भी योग्यता प्रदर्शित नहीं करता है।"
(C) "इस बच्चे के लिए गणित सीखना पूरी तरह से निराशाजनक है, और आगे का प्रयास व्यर्थ है।"
(D) "कृपया तुरंत बाहरी निजी ट्यूशन की व्यवस्था करें क्योंकि विद्यालय का अमला इस छात्र की मदद नहीं कर सकता है।"

190. उपचारात्मक रिपोर्ट में कार्रवाई योग्य फीडबैक (Actionable Feedback) का अर्थ है कि रिपोर्ट:
(A) केवल प्राप्त अंतिम पाठ्यक्रम ग्रेड की एक स्थिर संक्षिप्त सूची प्रस्तुत करती है।
(B) छात्र और अभिभावक के लिए ग्रेड में सुधार करने के लिए ठोस, कार्रवाई योग्य कदम निर्दिष्ट करती है।
(C) संघर्षरत छात्र को तत्काल अनुशासनात्मक निष्कासन की औपचारिक धमकी देती है।
(D) अत्यधिक अमूर्त और जटिल मनोवैज्ञानिक शब्दावली का उपयोग करती है जो अभिभावकों को भ्रमित करती है।

191. उपचारात्मक रिपोर्टिंग के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) इसके लिए मूल्यांकन के नैदानिक दृष्टिकोण (Diagnostic Approach) की आवश्यकता होती है।
(B) इसका प्राथमिक लक्ष्य छात्र की बुद्धि पर अंतिम, अपरिवर्तनीय निर्णय देना है।
(C) यह अत्यधिक गोपनीय होनी चाहिए और संवेदनशीलता के साथ संभाली जानी चाहिए।
(D) इसमें अक्सर विषय शिक्षक, विशेष शिक्षक और अभिभावकों के बीच सहयोग (Collaboration) शामिल होता है।

192. कक्षा VIII का एक छात्र विज्ञान में बार-बार 'E' ग्रेड प्राप्त करता है। प्राचार्य नोट करते हैं कि रिपोर्ट कार्ड में हर सत्र में केवल "खराब प्रदर्शन" लिखा होता है। प्राचार्य को शिक्षक को क्या प्रशासनिक निर्देश देना चाहिए?
(A) संस्थागत औसतों को बनाए रखने के लिए विषय शिक्षक को छात्र को कृत्रिम रूप से उत्तीर्ण करने का निर्देश देना।
(B) नैदानिक अंतरालों (Diagnostic Gaps) और हस्तक्षेप योजनाओं को निर्दिष्ट करने वाली एक विस्तृत उपचारात्मक रिपोर्ट प्रदान करना।
(C) विषय शिक्षक को रिपोर्ट कार्ड पर गुणात्मक टिप्पणियां (Qualitative Remarks) लिखना पूरी तरह से बंद करने का स्पष्ट निर्देश देना।
(D) दृश्य जोर देने के लिए शिक्षक से औपचारिक रूप से सभी नकारात्मक टिप्पणियों को चमकीली लाल स्याही में लिखने का अनुरोध करना।

193. विद्यालय प्रशासन के संदर्भ में, एक सामान्य "प्रमाण पत्र (Certificate)" (जैसे उत्तीर्ण प्रमाण पत्र) और एक "शैक्षणिक प्रतिलेख (Academic Transcript)" के बीच प्राथमिक अंतर क्या है?
(A) एक प्रमाण पत्र सख्ती से शारीरिक उपस्थिति साबित करता है, जबकि एक आधिकारिक प्रतिलेख छात्र के नैतिक चरित्र को साबित करता है।
(B) प्रमाण पत्र कार्यक्रम पूरा होने की पुष्टि करते हैं, जबकि प्रतिलेख सभी विषयों और ग्रेड का विवरण देते हैं।
(C) एक प्रमाण पत्र सीधे विद्यालय द्वारा जारी किया जाता है, जबकि एक आधिकारिक प्रतिलेख स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा जारी किया जाना चाहिए।
(D) उनके बीच बिल्कुल कोई कानूनी या प्रशासनिक अंतर नहीं है; दोनों शब्द शिक्षा में पूरी तरह से समानार्थी हैं।

NODIA

निष्पादन मानकों से की जाती है। इस प्रणाली में छात्र का प्राप्त ग्रेड कक्षा के अन्य सहपाठियों के प्राप्तांकों से पूरी तरह स्वतंत्र होता है, जिससे व्यक्तिगत उपलब्धि का निष्पक्ष एवं निरपेक्ष मूल्यांकन सम्भव हो पाता है।

10. (B) मापदंड-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Testing)
निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) का वैचारिक आधार मापदंड-संदर्भित परीक्षण (Criterion-Referenced Testing) पर टिका हुआ है। इसमें शिक्षार्थी की उपलब्धि का आंकलन पहले से तय किए गए अधिगम मापदंडों या विषयगत दक्षता मानकों के आधार पर किया जाता है। इसमें समूह निष्पादन की तुलना के बिना यह देखा जाता है कि छात्र ने निर्धारित पाठ्यक्रम सामग्री पर किस सीमा तक प्रभुत्व प्राप्त किया है।

11. (A) निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading)
जब कोई शिक्षक पूर्व-निर्धारित प्रतिशत सीमाओं या निश्चित अंक अंतरालों के आधार पर ग्रेड आवंटित करता है, तो इसे निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) कहा जाता है। इसमें विद्यार्थियों की संख्या या सहपाठियों के प्रदर्शन से कोई प्रभाव नहीं पड़ता; 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाला प्रत्येक छात्र 'A' ग्रेड प्राप्त करने का समान रूप से हकदार होता है।

12. (C) यह वर्षों के दौरान प्रश्न पत्र के कठिनाई स्तर में बदलाव की उपेक्षा करती है।
निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) की प्राथमिक सीमा यह है कि यह विभिन्न वर्षों के प्रश्न पत्रों के कठिनाई स्तर में होने वाले परिवर्तनों की उपेक्षा करती है। यदि प्रश्न पत्र अत्यधिक कठिन या सरल हो, तो निश्चित कट-ऑफ अंक प्रणाली के कारण छात्रों के ग्रेड प्रभावित होते हैं, जिससे विभिन्न सत्रों के परिणामों की सीधी तुलना करना कठिन हो जाता है।

13. (B) I, II और IV
निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) में निश्चित प्रतिशत अंतरालों का उपयोग किया जाता है और छात्र का ग्रेड अन्य सहपाठियों के प्रदर्शन से स्वतंत्र होता है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि शिक्षार्थी ने विशिष्ट विषय सामग्री पर महारत प्राप्त की है या नहीं। इसमें परिणामों का सामान्य घंटी के आकार के वक्र (Normal Bell Curve) का अनुसरण करना अनिवार्य नहीं होता है।

14. (C) प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (Direct Grading) - गुणात्मक विवरणों (Qualitative Descriptors) का उपयोग करके सीधे ग्रेड आवंटित करना
प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (Direct Grading) की प्रक्रिया में मूल्यांकनकर्ता बिना किसी मध्यवर्ती संख्यात्मक अंकन के सीधे अवलोकित छात्र निष्पादन को गुणात्मक विवरणों (Qualitative Descriptors) और निपुणता स्तरों के आधार पर अक्षर ग्रेड आवंटित करता है। यह विधि मुख्य रूप से सह-शैक्षणिक कौशलों, व्यावहारिक प्रदर्शनों और गुणात्मक अभिवृत्तियों के मूल्यांकन में अत्यधिक प्रभावी और प्रामाणिक मानी जाती है।

15. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) में कठिन प्रश्न पत्र होने पर बहुत कम छात्र उच्चतम ग्रेड प्राप्त कर पाते हैं। इसका कारण यह है कि यह प्रणाली मूल्यांकन उपकरण के कठिनाई स्तर के अनुसार अपनी ग्रेड सीमाओं (Grade Boundaries) या कट-ऑफ अंकों को स्वतः समायोजित नहीं करती है। अतः अभिकथन तथा कारण दोनों सही हैं और सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।

16. (D) अधिक छात्र न्यूनतम अर्हता उत्तीर्ण ग्रेड (Minimum Qualifying Pass Grade) प्राप्त करेंगे।
निरपेक्ष उत्तीर्ण सीमा को 33% से घटाकर 25% करने के प्रशासनिक निर्णय से उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम अर्हता सीमा कम हो जाती है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप अधिक संख्या में छात्र न्यूनतम अर्हता उत्तीर्ण ग्रेड (Minimum Qualifying Pass Grade) प्राप्त करने में सफल होंगे। यह परिवर्तन मानक-संदर्भित मापन में बदलाव किए बिना केवल निरपेक्ष मापदंड की सीमा रेखा को शिथिल करता है।

17. (A) समूह में अन्य छात्रों की तुलना में उनका प्रदर्शन
सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Relative Grading System) में किसी छात्र का ग्रेड व्यक्तिगत कच्चे अंकों के बजाय उसी समूह या कक्षा के अन्य छात्रों के सापेक्ष प्रदर्शन (Relative Performance) द्वारा निर्धारित होता है। इसमें सहपाठियों के प्राप्तांकों के वितरण और समूह औसत के संदर्भ में छात्र की सापेक्षिक स्थिति का सांख्यिकीय आंकलन करके ग्रेड प्रदान किया जाता है।

18. (C) मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation)
सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading) पूरी तरह से मानक-संदर्भित मूल्यांकन (Norm-Referenced Evaluation) के सिद्धांतों पर आधारित है। इस प्रणाली में छात्र की उपलब्धि का मानकीकरण एक संदर्भ समूह (Norm Group) के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। इसमें छात्र की व्यक्तिगत योग्यता का आंकलन यह देखकर होता है कि वह अपने समकक्ष समूह में सांख्यिकीय रूप से कहाँ स्थित है।

19. (C) केवल I और III
सापेक्ष ग्रेडिंग (Relative Grading) प्रतियोगी चयन तथा उच्च शिक्षा में सीमित सीटों हेतु अभ्यर्थियों की सापेक्ष स्थिति निर्धारण में अत्यधिक उपयोगी है। यह यह मानकर चलती है कि मापे जा रहे गुण एक बड़े समूह में सामान्य रूप से वितरित (Normally Distributed) होते हैं। यह यह गारंटी नहीं देती कि विषय पर महारत हासिल करने वाले सभी छात्रों को शीर्ष ग्रेड मिले।

20. (D) माध्य (Mean) और मानक विचलन (Standard Deviation)
सापेक्ष ग्रेडिंग में सामान्य संभाव्यता वक्र (Normal Probability Curve - NPC) का प्रयोग करते समय ग्रेड सीमाओं का निर्धारण सांख्यिकीय मापों द्वारा किया जाता

Click Here to Buy book on Amazon

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) मापन त्रुटियों (Measurement Errors) को कम करने के लिए छात्रों को व्यापक योग्यता श्रेणियों (Ability Bands) में वर्गीकृत करना
ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक अंकन की सीमाओं को दूर करना है। यह मापन त्रुटियों (Measurement Errors) के प्रभाव को कम करने के लिए शिक्षार्थियों को उनकी प्रदर्शन क्षमता के अनुसार व्यापक योग्यता श्रेणियों (Ability Bands) में विभाजित करती है। इससे सूक्ष्म अंक अंतर के आधार पर होने वाले अवांछित वर्गीकरण को रोका जा सकता है तथा एक अधिक विश्वसनीय मूल्यांकन ढाँचा सम्भव होता है।

2. (C) प्रवीणता पैमाने (Proficiency Scale) पर एक चरण या डिग्री (Step or Degree)
लैटिन भाषा के शब्द ग्रैडस का शाब्दिक अर्थ एक पदक्रम या चरण होता है। शैक्षणिक मापन (Academic Measurement) के संदर्भ में यह शब्द प्रवीणता पैमाने (Proficiency Scale) पर किसी शिक्षार्थी द्वारा प्राप्त विशिष्ट निष्पादन स्तर, चरण या डिग्री (Step or Degree) को निरुपित करता है। यह छात्र के समग्र शैक्षणिक निष्पादन का एक प्रामाणिक निरुपण करता है जो निश्चित मानकों पर आधारित गुणात्मक आंकलन को दर्शाता है।

3. (C) केवल I और III
विद्यालयी शिक्षा में ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) लागू करने से शिक्षार्थियों के मध्य अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं मनोवैज्ञानिक दबाव (Psychological Pressure) में प्रभावी कमी आती है। इसके अतिरिक्त यह समान दक्षता वाले विद्यार्थियों को एक समूह में रखकर अधिक विश्वसनीय मूल्यांकन (Reliable Assessment) ढाँचा प्रदान करती है। यह प्रणाली एक-दो अंकों के सूक्ष्म अंतर के बजाय व्यापक अधिगम स्तरों को प्राथमिकता प्रदान करती है।

4. (D) अंकन (Marking) एक सतत पैमाने (Continuous Scale) का उपयोग करता है, जबकि ग्रेडिंग (Grading) एक विविक्त, श्रेणीबद्ध पैमाने (Discrete, Categorical Scale) का उपयोग करती है।
अंकन प्रक्रिया (Marking Process) शून्य से सौ के मध्य एक सतत पैमाने (Continuous Scale) का उपयोग करके कच्चे अंक प्रदान करती है। इसके विपरीत, ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) एक विविक्त एवं श्रेणीबद्ध पैमाने (Discrete, Categorical Scale) पर आधारित होती है, जहाँ अंकों के निश्चित अंतरालों को विशिष्ट वर्णमाला श्रेणियों में समूहित किया जाता है। यह उपागम मूल्यांकन में मानवीय त्रुटि और आत्मनिष्ठता को न्यूनतम करता है।

5. (B) यह अर्जित ज्ञान के लिए एक सटीक संख्यात्मक मान (Exact Numerical Value) प्रदान करता है।
ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) अर्जित ज्ञान के लिए कोई सटीक संख्यात्मक मान (Exact Numerical Value) प्रदान नहीं करती, बल्कि यह व्यापक श्रेणियों का उपयोग करती है। इसका मुख्य लाभ यह है कि यह सीमांत अंक अंतरों के आधार पर होने वाले अवांछित भेदभाव को समाप्त करती है तथा विभिन्न विषयों में छात्र निष्पादन की तुलना और उनके कार्यात्मक वर्गीकरण (Functional Classification) को सरल बनाती है।

6. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) लागू होने से शिक्षार्थियों में परीक्षा-जनित तनाव (Examination-Induced Stress) में कमी आती है। इसका मुख्य कारण यह है कि ग्रेडिंग में कच्चे अंक सार्वजनिक नहीं किए जाते, जिससे एक-एक अंक के सूक्ष्म अंतर पर होने वाली अनावश्यक तुलनाएँ और सहकर्मी प्रतिद्वंद्विता (Peer Rivalry) स्वतः समाप्त हो जाती हैं। अतः अभिकथन तथा कारण दोनों सही हैं और सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।

7. (D) कला और कार्य अनुभव जैसे सह-शैक्षणिक क्षेत्र (Co-scholastic Areas)
प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (Direct Grading) में मूल्यांकनकर्ता बिना किसी संख्यात्मक अंक आवंटन के सीधे अवलोकित छात्र निष्पादन के आधार पर ग्रेड प्रदान करता है। इस उपागम का उपयोग मुख्य रुप से कला, कार्य अनुभव, शारीरिक शिक्षा और नैतिक मूल्यों जैसे सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (Co-scholastic Areas) में किया जाता है, जहाँ प्रदर्शन का मापन विशुद्ध रुप से संख्यात्मक या मात्रात्मक रुप में करना सम्भव नहीं होता है।

NODIA

8. (A) पैमाने (Scale) का चयन छात्र के प्रदर्शन में भेद के वांछित स्तर पर निर्भर करता है।
शैक्षिक मूल्यांकन (Educational Evaluation) में उपयुक्त ग्रेडिंग पैमाने (Grading Scale) का चयन इस बात पर निर्भर करता है कि मूल्यांकनकर्ता छात्रों के निष्पादन स्तरों में किस सीमा तक विभेदन करना चाहता है। 5-बिंदु, 7-बिंदु या 9-बिंदु पैमाने का उपयोग विभेदन क्षमता (Discriminatory Power) की आवश्यकता के अनुसार निर्धारित होता है, ताकि अधिगम परिणामों का सही प्रकटीकरण सम्भव हो सके।

9. (B) पूर्व-निर्धारित कट-ऑफ मानदंडों (Pre-Determined Cut-Off Criteria) से छात्र के प्रदर्शन की तुलना करके
निरपेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Absolute Grading System) में प्रत्येक छात्र के प्रदर्शन की तुलना पूर्व-निर्धारित कट-ऑफ मानदंडों (Pre-Determined Cut-Off Criteria) एवं

32. (D) प्रमाणीकरण न्यूनतम मानकों को सत्यापित करता है, जबकि चयन योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों को छांटता है। स्कूली प्रमाणीकरण का उद्देश्य यह सत्यापित करना है कि छात्र ने बुनियादी न्यूनतम अधिगम मानकों को प्राप्त कर लिया है, जिसके लिए निरपेक्ष ग्रेडिंग उपयुक्त है। इसके विपरीत, विश्वविद्यालय चयन की प्रक्रिया में सीमित सीटों के लिए उम्मीदवारों की छंटनी और सापेक्ष योग्यता रैंकिंग की आवश्यकता होती है, जिसके लिए सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली सर्वाधिक उपयुक्त और निष्पक्ष मानी जाती है।

33. (A) स्थितिजन्य/सापेक्ष ग्रेडिंग (Positional/Relative Grading)
जब किसी कठिन प्रश्न पत्र में कम अंक पाने वाले को उच्च ग्रेड और आसान प्रश्न पत्र में अधिक अंक पाने वाले को निचला ग्रेड मिलता है, तो यह स्थितिजन्य/सापेक्ष ग्रेडिंग (Positional/ Relative Grading) को दर्शाता है। यह प्रणाली कच्चे अंकों के बजाय प्रश्न पत्र की कठिनाई और सहपाठियों के सापेक्ष छात्र के स्थान के आधार पर ग्रेड निर्धारित करती है।

34. (C) A1
माध्यमिक शिक्षा बोर्डों द्वारा अपनाई जाने वाली मानक 9-बिंदु सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (9-Point Relative Grading Scale) में उच्चतम शैक्षणिक निष्पादन को दर्शाने के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च ग्रेड A1 होता है। यह ग्रेड विषय में उत्तीर्ण होने वाले कुल विद्यार्थियों के शीर्ष प्रतिशतक भाग को उनके उत्कृष्ट सापेक्ष प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया जाता है।

35. (A) उत्तीर्ण उम्मीदवारों के शीर्ष 1/8वें भाग को प्रदान किया जाता है
बोर्ड परीक्षाओं में प्रयुक्त 9-बिंदु स्थितिजन्य सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली के अंतर्गत, किसी विषय में उत्तीर्ण होने वाले कुल परीक्षार्थियों के शीर्ष 1/8वें भाग (शीर्ष 12.5%) को A1 ग्रेड आवंटित किया जाता है। यह गणना केवल उत्तीर्ण छात्रों के समूह पर लागू होती है, जिससे उच्चतम श्रेणी में केवल उत्कृष्ट सापेक्ष निष्पादन वाले अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित होता है।

36. (D) I, II और III
9-बिंदु स्थितिजन्य ग्रेडिंग पैमाने में ग्रेड केवल उन्हीं उम्मीदवारों को दिए जाते हैं जो विषय में उत्तीर्ण होते हैं। उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को आठ समान अनुपातिक समूहों में विभाजित करके A1 से D2 तक के ग्रेड दिए जाते हैं, जबकि ग्रेड 'E' उन छात्रों को दर्शाता है जो अर्हता प्राप्त करने में असफल रहे हैं। अतः सभी तीनों कथन सही हैं।

37. (B) समान अंक वाले सभी उम्मीदवारों को उच्च ग्रेड दिया जाता है।
9-बिंदु सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली में यदि दो या अधिक उम्मीदवार ग्रेड की सीमा रेखा (जैसे A1 और A2 के मध्य) पर समान अंक प्राप्त करते हैं, तो मानक प्रशासनिक नियम के अनुसार उन सभी समान अंक वाले उम्मीदवारों को उच्च ग्रेड (A1) आवंटित कर दिया जाता है। इससे अगले निचले ग्रेड बैंड का आकार तदनुसार समायोजित हो जाता है।

38. (B) 12,500
9-बिंदु स्थितिजन्य सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली के अंतर्गत, यदि उत्तीर्ण छात्रों की संख्या के आधार पर आनुपातिक विभाजन किया जाए, तो A2 ग्रेड श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का निश्चित प्रतिशत निर्धारित होता है। यह गणना स्थितिजन्य वितरण तालिकाओं के अनुसार लगभग 12,500 छात्रों का चयन करती है, जिससे सांख्यिकीय संतुलन बना रहता है।

39. (A) A1, A2, B1, B2, C1
मानक 9-बिंदु स्थितिजन्य ग्रेडिंग प्रणाली में शैक्षणिक उपलब्धि के स्तरों को दर्शाने वाले पहले पाँच ग्रेडों का सही अवरोही क्रम (Descending Order) क्रमशः A1, A2, B1, B2 और C1 होता है। इसके पश्चात C2, D1, D2 और अंत में अनुत्तीर्ण श्रेणी के लिए E ग्रेड का प्रावधान निर्धारित किया गया है।

40. (A) उस विषय में अर्हकारी अंक (Qualifying Marks) प्राप्त करने में असफलता प्राप्त की है
9-बिंदु सापेक्ष पैमाने के तहत 'E' ग्रेड यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि छात्र संबंधित विषय में न्यूनतम अर्हकारी अंक (Qualifying Marks) या उत्तीर्ण सीमा प्राप्त करने में असफलता प्राप्त कर चुका है। ऐसे छात्रों को प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सुधार परीक्षा या पुनः परीक्षा में सम्मिलित होकर दक्षता साबित करनी होती है।

41. (C) A सही है लेकिन R गलत है
परीक्षा बोर्ड कक्षा X और XII के परिणामों के लिए 9-बिंदु सापेक्ष ग्रेडिंग का उपयोग करते हैं ताकि विभिन्न विषयों और वर्षों के कठिनाई स्तरों को संतुलित किया जा सके। हालाँकि, यह प्रणाली यह नहीं दर्शाती कि छात्र ने विशिष्ट मूलभूत क्षमताओं पर निरपेक्ष स्वामित्व प्राप्त किया है या नहीं, क्योंकि यह केवल सापेक्ष स्थिति बताती है।

42. (B) स्थितिजन्य ग्रेडिंग अनुपातों (Positional Grading Proportions) का उपयोग
विभिन्न विषयों में A1 ग्रेड का कट-ऑफ अंक भिन्न होना स्थितिजन्य ग्रेडिंग अनुपातों (Positional Grading Proportions) के अनुप्रयोग का प्रत्यक्ष परिणाम है। चूंकि A1 ग्रेड केवल उत्तीर्ण छात्रों के शीर्ष 1/8वें भाग को मिलता है, इसलिए अंग्रेजी और गणित में अंक वितरण तथा प्रश्न पत्र के कठिनाई स्तर के अनुसार यह कट-ऑफ स्वतः अलग-अलग निर्धारित होता है।

43. (B) A, B, C, D, E
शैक्षणिक सम्प्रत्ययन में मानक 5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाना (5-Point Grading Scale) आमतौर पर पाँच मुख्य अक्षर श्रेणियों A, B, C, D और E द्वारा दर्शाया जाता है। इसमें 'A' सर्वोच्च निष्पादन स्तर को निरूपित करता है, जबकि 'E' न्यूनतम या असंतोषजनक स्तर का प्रतिनिधित्व करता है, जो प्राथमिक एवं सह-शैक्षणिक मूल्यांकनों में व्यापक रूप से प्रयुक्त होता है।

Downloaded from www.pdf.tube

44. (C) प्राथमिक छात्रों और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों का मूल्यांकन (Assessing Primary Students and Co-Scholastic Areas)
5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाने की सिफारिश मुख्य रूप से प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों और सह-शैक्षणिक क्षेत्रों (Co-scholastic Areas) जैसे कला, खेल एवं जीवन कौशलों के मूल्यांकन के लिए की जाती है। यह छोटे बच्चों पर सूक्ष्म स्तरीकरण के तनाव को कम करता है और सर्वांगीण विकास का व्यापक गुणात्मक आंकलन प्रस्तुत करने में सहायक होता है।

45. (D) I, II और III
5-बिंदु ग्रेडिंग पैमाना 9-बिंदु पैमाने की तुलना में छात्रों का अधिक व्यापक वर्गीकरण करता है, जिसके कारण यह उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों में सूक्ष्म अंतर करने में कम सटीक होता है। इसका व्यापक उपयोग अभिवृत्तियों, नैतिक मूल्यों, जीवन कौशलों और प्राथमिक स्तर की गतिविधियों का आंकलन करने के लिए अधिक उपयुक्त माना जाता है।

46. (C) 5-बिंदु पैमाना छोटे बच्चों के लिए सूक्ष्म-वर्गीकरण तनाव (Micro-Classification Stress) को कम करता है।
5-बिंदु पैमाना छोटे विद्यार्थियों में सूक्ष्म-वर्गीकरण तनाव (Micro-Classification Stress) और अस्वास्थ्यकर तुलनाओं को काफी हद तक कम करता है। 9-बिंदु पैमाने की तुलना में यह व्यापक श्रेणियाँ प्रदान करता है, जिससे बच्चों में असफलता का भय कम होता है और एक सकारात्मक अधिगम वातावरण का निर्माण सम्भव हो पाता है।

47. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
मूलभूत और तैयारी के चरणों (Foundational and Preparatory Stages) में 5-बिंदु ग्रेडिंग को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि छोटे बालकों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वर्गीकरण के बजाय एक व्यापक गुणात्मक मूल्यांकन दृष्टिकोण से लाभ मिलता है। यह बच्चों के मानसिक विकास एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहन देता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं।

48. (D) गुणात्मक विवरणों का उपयोग करके 5-बिंदु प्रत्यक्ष ग्रेडिंग (5-Point Direct Grading)
इको-क्लब जैसी सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी का मूल्यांकन करने के लिए गुणात्मक विवरणों (Qualitative Descriptors) पर आधारित 5-बिंदु प्रत्यक्ष ग्रेडिंग सबसे उपयुक्त मानक मॉडल है। इसमें छात्र के व्यवहार, पर्यावरण जागरूकता और सहयोगात्मक भागीदारी का अवलोकन करके बिना अंक दिए सीधे A से E तक के गुणात्मक ग्रेड आवंटित किए जाते हैं।

49. (A) इसमें उम्मीदवारों के चयन के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा आवश्यक सूक्ष्मता (Granularity) का अभाव है।
वरिष्ठ माध्यमिक विषयों हेतु 5-बिंदु पैमाने की प्राथमिक सीमा यह है कि इसमें उच्च शिक्षा संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों द्वारा विभेदन और चयन हेतु आवश्यक सूक्ष्मता (Granularity) का अभाव होता है। यह व्यापक श्रेणियों के कारण अति-मेधावी छात्रों और औसत छात्रों के बीच सूक्ष्म अंतर करने में असमर्थ रहता है, जिससे चयन जटिल हो जाता है।

NODIA

50. (C) प्राथमिक शिक्षा सहपाठियों को रैंकिंग देने के बजाय विकासात्मक मील के पत्थरों (Developmental Milestones) पर ध्यान केंद्रित करती है।
प्राथमिक शिक्षा का मूल उद्देश्य बच्चों को एक-दूसरे के खिलाफ रैंक देना नहीं, बल्कि उनके व्यक्तिगत विकासात्मक मील के पत्थरों (Developmental Milestones) को प्राप्त करने में सहायता करना है। 5-बिंदु पैमाना बाल-केंद्रित शिक्षाशास्त्र के अनुरुप है, जो अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर बच्चों की स्वाभाविक अधिगम क्षमता एवं सर्वांगीण संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करता है।

51. (A) एक विशिष्ट अवधि में अर्जित ग्रेड बिंदुओं का समानांतर माध्य (Arithmetic Mean)
ग्रेड बिंदु औसत (Grade Point Average - GPA) को किसी विशिष्ट शैक्षणिक अवधि या सेमेस्टर में छात्र द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में अर्जित ग्रेड अंकों के समानांतर माध्य (Arithmetic Mean) के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह छात्र के उस विशेष सत्र के समग्र शैक्षणिक निष्पादन का एक संक्षिप्त और मानक मापक अंक प्रदान करता है।

52. (D) ग्रेड बिंदुओं और क्रेडिट मूल्यों के गुणनफल का योग करके, फिर कुल क्रेडिट से विभाजित करके।
भारित जीपीए (Weighted GPA) की गणना करने के लिए प्रत्येक विषय में प्राप्त ग्रेड बिंदु को उस विषय के निर्दिष्ट पाठ्यक्रम क्रेडिट (Course Credit) से गुणा किया जाता है। तत्पश्चात सभी विषयों के इन गुणनफलों के योग को कुल पाठ्यक्रम क्रेडिटों की संख्या से विभाजित किया जाता है, जिससे क्रेडिट भार के अनुरुप सटीक औसत प्राप्त होता है।

53. (A) 8.66
भारित जीपीए की गणना हेतु कुल अंक-क्रेडिट गुणनफल निकाला जाता है: $(3 \times 8) + (2 \times 9) + (1 \times 10) = 24 + 18 + 10 = 52$। इसके बाद कुल क्रेडिटों का योग $(3 + 2 + 1 = 6)$ निकाला जाता है। अंततः 52 को 6 से विभाजित करने पर परिणामी GPA 8.66 प्राप्त होता है।

54. (D) I, II, III और IV
अभारित GPA सभी विषयों को समान महत्व देता है, जबकि भारित GPA क्रेडिट भार के अनुसार गणना करता है। GPA सामान्यतः एक विशेष सत्र या सेमेस्टर के लिए निकाला जाता है और इसका अधिकतम मान उपयोग किए गए पैमाने (जैसे 4.0 या 10.0) पर निर्भर करता है। अतः दिए गए सभी चारों कथन सत्य हैं।

55. (B) अभारित GPA ग्रेड बिंदुओं का आसानी से औसत निकालता है, जबकि भारित GPA पाठ्यक्रम क्रेडिट मूल्यों को ध्यान में रखता है।
अभारित और भारित GPA के बीच मौलिक अंतर यह है कि अभारित GPA पाठ्यक्रम के महत्व या शिक्षण घंटों की उपेक्षा

करते हुए सीधे ग्रेड अंकों का सरल औसत निकालता है। इसके विपरीत, भारित GPA प्रत्येक पाठ्यक्रम को आवंटित क्रेडिट अंकों या कठिनाई स्तर के भार को गणना में शामिल करता है।

56. (B) यह एक एकल विशिष्ट सेमेस्टर में छात्र के औसत प्रदर्शन की गणना करता है।
सेमेस्टर ग्रेड बिंदु औसत (Semester Grade Point Average - SGPA) का दायरा एक एकल विशिष्ट सेमेस्टर तक सीमित होता है। यह केवल उस विशिष्ट सेमेस्टर में पंजीकृत और मूल्यांकित पाठ्यक्रमों में छात्र द्वारा अर्जित कुल क्रेडिट अंकों एवं ग्रेड बिंदुओं के आधार पर उसके औसत निष्पादन को सटीक रूप से मापता है।

57. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
भारित GPA अभारित GPA की तुलना में छात्र के वास्तविक कार्यभार (Workload) और शैक्षणिक प्रयास का अधिक सटीक प्रतिनिधित्व करता है। इसका कारण यह है कि भारित GPA उच्च क्रेडिट वाले कठिन या मुख्य विषयों को अधिक सांख्यिकीय भार प्रदान करता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं और सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।

58. (B) 8.0
समान क्रेडिट वाले पाँच विषयों में अभारित GPA निकालने के लिए सभी प्राप्त ग्रेड अंकों का योग किया जाता है: 9 + 8 + 7 + 9 + 7 = 40। इसके पश्चात इस योग को कुल विषयों की संख्या (5) से विभाजित करने पर परिणाम 8.0 प्राप्त होता है, जो छात्र का अभारित GPA है।

59. (B) प्रयास किए गए कुल क्रेडिट या विषय
GPA गणना के मानक सांख्यिकीय सूत्र में अंश (Numerator) कुल अर्जित ग्रेड अंकों और क्रेडिटों के गुणनफल का योग होता है, जबकि हर (Denominator) छात्र द्वारा उस सत्र में प्रयास किए गए कुल क्रेडिटों या विषयों की संख्या का प्रतिनिधित्व करता है। यह विभाजन प्रति क्रेडिट औसतन निष्पादन दर निर्धारित करता है।

60. (B) एक बिंदु तक संपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम अवधि में ग्रेड अंकों का औसत निकालता है।
संचयी ग्रेड बिंदु औसत (CGPA) मानक GPA से भिन्न है क्योंकि GPA केवल एक सत्र या सेमेस्टर का मापन करता है, जबकि CGPA शैक्षणिक कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर वर्तमान समय तक के सभी पूर्ण किए गए सेमेस्टरों में छात्र के समग्र प्रदर्शन और संचयी ग्रेड अंकों का औसत व्यक्त करता है।

61. (B) 8.5
दोनों सेमेस्टरों में समान क्रेडिट (20-20 क्रेडिट) होने के कारण, सेमेस्टर 2 के अंत में CGPA की गणना दोनों सेमेस्टरों के SGPA के सरल औसत द्वारा की जा सकती है। अतः (8.0 + 9.0) / 2 = 8.5 छात्र का अंतिम संचयी ग्रेड बिंदु औसत (CGPA) निर्धारित होता है।

62. (A) CGPA × 9.5
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) रुपरेखा के अंतर्गत 10-बिंदु पैमाने पर प्राप्त CGPA को सांकेतिक प्रतिशत (Indicative Percentage) में बदलने के लिए सीबीएसई द्वारा निर्धारित आधिकारिक मानक सूत्र 'CGPA × 9.5' है। इस परिवर्तन गुणक का उपयोग शैक्षणिक अभिलेखों में अनुमानित प्रतिशत दर्शाने हेतु सार्वभौमिक रूप से किया जाता रहा है।

63. (B) केवल I और III
CGPA कई सेमेस्टरों में छात्र के निरंतर शैक्षणिक प्रदर्शन का एक समग्र चित्र प्रस्तुत करता है और इसमें सभी पूर्ण किए गए पाठ्यक्रमों का क्रेडिट भार शामिल होता है। एक एकल सेमेस्टर में गिरावट से कुल CGPA में आनुपातिक कमी आती है, लेकिन यह सीधे उसी सेमेस्टर के स्तर तक अचानक नहीं गिरता।

64. (B) यह A1 ग्रेड बैंड में छात्रों के औसत अंकों से अनुभवजन्य रूप से (Empirically) प्राप्त किया गया था।
9.5 के परिवर्तन गुणक (Conversion Multiplier) का निर्धारण बोर्ड द्वारा पिछले बोर्ड परिणामों के अनुभवजन्य अध्ययन (Empirical Study) के आधार पर किया गया था। A1 ग्रेड बैंड (91-100 अंक) प्राप्त करने वाले छात्रों के औसत प्राप्तांक लगभग 95% के आसपास पाए गए, जिसे 10-बिंदु पैमाने के सापेक्ष समायोजित कर 9.5 स्थिर किया गया।

65. (D) A गलत है लेकिन R सही है
'CGPA × 9.5' का सूत्र छात्र का बिल्कुल सटीक प्रतिशत नहीं देता, बल्कि केवल एक सांकेतिक प्रतिशत प्रदान करता है। इसका कारण यह है कि प्रत्येक ग्रेड में अंकों का एक विस्तृत दायरा शामिल होता है, जिससे वास्तविक कच्चे अंकों की सटीक जानकारी नहीं मिल सकती। अतः अभिकथन असत्य है परंतु कारण पूरी तरह सत्य है।

66. (D) आवेदन स्वीकृत, सांकेतिक प्रतिशत 76% है
बोर्ड के मानक रूपांतरण सूत्र के अनुसार, 8.0 के CGPA को सांकेतिक प्रतिशत में बदलने के लिए 8.0 को 9.5 से गुणा किया जाता है: 8.0 × 9.5 = 76%। चूंकि छात्र का परिकलित सांकेतिक प्रतिशत 76% है, जो न्यूनतम आवश्यक 75% से अधिक है, इसलिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वीकृत कर लिया जाएगा।

67. (B) 7
5 विषयों के समान भार वाले 10-बिंदु पैमाने पर CGPA = (ग्रेड अंकों का योग) / 5। यहाँ 8.2 = (10 + 9 + 8 + 7 + X) / 5, जिससे 41 = 34 + X प्राप्त होता है। समीकरण को हल करने पर अज्ञात ग्रेड बिंदु X = 7 प्राप्त होता है।

68. (C) विविक्तीकरण / असंततीकरण (Discretization)
0 से 100 के सतत संख्यात्मक अंकों (Continuous Scores) को निश्चित और अलग-अलग विविक्त ग्रेड श्रेणियों (Discrete Grade Categories) जैसे A, B, C में रूपांतरित करने की सांख्यिकीय एवं गणितीय प्रक्रिया को विविक्तीकरण या असंततीकरण (Discretization) कहा जाता है। यह डेटा

Click Here to Buy book on Flipkart

है। इसके लिए केंद्रीय प्रवृत्ति के रूप में माध्य (Mean) तथा अपकिरण के रूप में मानक विचलन (Standard Deviation) अनिवार्य चर हैं। इनके आधार पर प्राप्तांकों का Z-स्कोर में रूपांतरण करके निष्पक्ष ग्रेड आवंटित किए जाते हैं।

21. (B) वक्र पर ग्रेडिंग (Grading on the Curve)
जब किसी कक्षा में पूर्व-निर्धारित सांख्यिकीय प्रतिशत अनुपातों के आधार पर छात्रों को विभिन्न ग्रेड श्रेणियों में बाँटा जाता है, तो इसे वक्र पर ग्रेडिंग (Grading on the Curve) कहते हैं। यह सापेक्ष ग्रेडिंग का एक विशिष्ट रूप है जहाँ समूह के शीर्ष, औसत और निम्न प्रदर्शनकर्ताओं का अनुपात पहले से ही सामान्य वक्र के अनुसार निश्चित कर दिया जाता है।

22. (C) क्षमता के सामान्य वितरण (Normal Distribution) को मानने के लिए प्रतिदर्श आकार (Sample Size) बहुत छोटा है।
केवल 30 विद्यार्थियों की छोटी कक्षा में सापेक्ष ग्रेडिंग का कड़ाई से प्रयोग करना सांख्यिकीय रूप से त्रुटिपूर्ण है। सांख्यिकी सिद्धांत के अनुसार क्षमता के सामान्य वितरण (Normal Distribution) की धारणा केवल बड़े प्रतिदर्श आकार (Sample Size) पर लागू होती है। छोटे समूहों में प्रतिदर्श भिन्नता के कारण परिणाम विकृत हो सकते हैं और निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है।

23. (D) उच्चतम ग्रेड श्रेणी (Top Grade Band)
सामान्य संभाव्यता वक्र पर +2.0 का Z-स्कोर यह दर्शाता है कि छात्र का अंक कक्षा माध्य से दो मानक विचलन ऊपर है। यह स्थिति वितरण के शीर्ष लगभग 2.5% प्रदर्शनकर्ताओं में आती है। अतः सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली के तहत ऐसे उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता छात्र को उच्चतम ग्रेड श्रेणी (Top Grade Band) में वर्गीकृत किया जाता है।

24. (A) सापेक्ष ग्रेडिंग/मूल्यांकन (Relative Grading/ Assessment)
प्रतियोगी परीक्षाओं में कच्चे अंकों की परवाह किए बिना शीर्ष अभ्यर्थियों को योग्यता रैंक के आधार पर चुनना सापेक्ष मूल्यांकन (Relative Assessment) के दर्शन पर आधारित है। यहाँ चयन पूरी तरह से उम्मीदवारों की एक-दूसरे के प्रति सापेक्षिक स्थिति पर निर्भर करता है, न कि किसी निरपेक्ष प्राप्तांक या कट-ऑफ मानक पर। यह सीमित अवसरों में सर्वोत्तम प्रतिभा का चयन सुनिश्चित करता है।

25. (B) यह छात्र द्वारा महारत हासिल किए गए विशिष्ट कौशलों को इंगित करती है।
सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली (Relative Grading System) केवल समूह के भीतर छात्र की सापेक्षिक स्थिति और रैंकिंग को दर्शाती है, यह छात्र द्वारा महारत हासिल किए गए विशिष्ट कौशलों को इंगित नहीं करती। विशिष्ट कौशलों का प्रकटीकरण मापदंड-संदर्भित या निरपेक्ष मूल्यांकन की विशेषता है, जबकि सापेक्ष प्रणाली केवल अंतःसमूह तुलनात्मक स्थान का निर्धारण करने तक सीमित रहती है।

26. (B) ग्रेड आवंटित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला तुलनात्मक मानक (Standard of Comparison)
निरपेक्ष और सापेक्ष ग्रेडिंग के मध्य मौलिक अंतर तुलनात्मक मानक (Standard of Comparison) में निहित है। निरपेक्ष ग्रेडिंग में छात्र के प्रदर्शन की तुलना पूर्व-निर्धारित बाहरी मानकों या मापदंडों से की जाती है, जबकि सापेक्ष ग्रेडिंग में छात्र के निष्पादन की तुलना उसी समूह या कक्षा के अन्य सहपाठियों के सापेक्षिक प्रदर्शन से की जाती है।

27. (A) केवल I और II
निरपेक्ष ग्रेडिंग विषय-वस्तु पर महारत की डिग्री को दर्शाती है, जबकि सापेक्ष ग्रेडिंग समूह के भीतर छात्र की स्थिति को इंगित करती है। इसके अलावा, सापेक्ष ग्रेडिंग परीक्षा के कठिनाई स्तर के प्रति अधिक संवेदनशील होती है क्योंकि यह अंक वितरण को स्वतः समायोजित करती है। निरपेक्ष ग्रेडिंग परिणामों पर बेल-कर्व लागू नहीं करती है।

28. (C) निरपेक्ष ग्रेडिंग सापेक्ष ग्रेडिंग की तुलना में शीर्ष रैंक के लिए प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है।
सापेक्ष ग्रेडिंग प्रणाली सीमित शीर्ष स्थानों के लिए छात्रों के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है क्योंकि इसमें ग्रेड सहपाठियों के सापेक्ष प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। इसके विपरीत, निरपेक्ष ग्रेडिंग में सभी छात्र निर्धारित मानक प्राप्त करके शीर्ष ग्रेड पा सकते हैं, जिससे आपसी प्रतिस्पर्धा के स्थान पर व्यक्तिगत महारत को प्रोत्साहन मिलता है।

29. (D) परीक्षा के बदलते कठिनाई स्तरों के कारण होने वाले उत्तीर्ण प्रतिशत के उतार-चढ़ाव को समाप्त करना
निरपेक्ष से सापेक्ष ग्रेडिंग में स्थानांतरित होने का प्राथमिक प्रशासनिक औचित्य यह है कि इससे विभिन्न वर्षों में परीक्षा के प्रश्न पत्रों के बदलते कठिनाई स्तरों के कारण उत्तीर्ण प्रतिशत और ग्रेड वितरण में होने वाले अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जा सके। यह प्रणाली वार्षिक आधार पर सांख्यिकीय तुल्यता और स्थिरता बनाए रखने में मदद करती है।

30. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
विभिन्न विद्यालयों या बोर्डों के निरपेक्ष ग्रेडों की सीधी तुलना करना कठिन होता है क्योंकि प्रत्येक संस्था के शिक्षण मानक, प्रश्न पत्रों का कठिनाई स्तर और मूल्यांकन की कठोरता भिन्न होती है। निरपेक्ष प्रणाली इन संस्थागत भिन्नताओं को समायोजित नहीं कर पाती है। अतः अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

31. (B) निरपेक्ष ग्रेडिंग - चिकित्सा चिकित्सकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाएं
चिकित्सा चिकित्सकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं में निरपेक्ष ग्रेडिंग (Absolute Grading) सबसे उपयुक्त होती है क्योंकि यहाँ एक सुरक्षात्मक न्यूनतम दक्षता मानक तय करना अनिवार्य होता है। इसमें उम्मीदवारों की परस्पर तुलना करने के बजाय यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रत्येक अभ्यर्थी ने चिकित्सा क्षेत्र के आवश्यक ज्ञान और कौशलों पर पूर्ण निरपेक्ष महारत हासिल कर ली है।

NODIA

81. (A) छोटे अंकों का अंतर समग्र विषय महारत में वास्तविक अंतर को नहीं दर्शाता है।
शैक्षिक मापन सिद्धांत के अनुसार, 99 और 91 अंकों के बीच का छोटा अंतर परीक्षक की आत्मनिष्ठता या मापन त्रुटि के कारण हो सकता है और यह विषय पर वास्तविक महारत में किसी मौलिक अंतर को सिद्ध नहीं करता। इसलिए दोनों को एक ही ग्रेड (A1) में रखना शिक्षाशास्त्र की दृष्टि से पूर्णतः न्यायसंगत है।

82. (B) एक श्रेणी के भीतर छात्रों के बीच समान स्थिति को बढ़ावा देना
कच्चे अंकों को विस्तृत ग्रेड श्रेणियों (जैसे 81-90) में समूहित करने का प्राथमिक प्रभाव यह होता है कि यह उस श्रेणी में आने वाले सभी छात्रों के मध्य एक समान स्थिति और समानता को बढ़ावा देता है। यह सूक्ष्म अंक अंतरों के आधार पर होने वाली अस्वस्थ तुलनाओं और हीनभावना को समाप्त करता है।

83. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
ग्रेडिंग प्रणाली को पारंपरिक अंकन की तुलना में अधिक मानवीय माना जाता है क्योंकि यह दशमलव अंकों या 1 अंक के अंतर पर छात्रों की सार्वजनिक ब्रांडिंग और लेबलिंग को रोकती है। इससे शिक्षार्थियों का तनाव कम होता है तथा उनके मानसिक कल्याण और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को संबल मिलता है। अतः दोनों कथन सही हैं।

84. (C) एकल-अंकों के अंतर के आधार पर उच्च-जोखिम वर्गीकरण व्यापक ग्रेड श्रेणियों द्वारा कम हो जाता है।
9-बिंदु ग्रेडिंग प्रणाली अपनाने से शैक्षिक मापन सिद्धांत के अनुसार सबसे मुख्य अपेक्षित परिणाम यह होता है कि 1-2 अंकों के अंतर पर आधारित अति-संवेदनशील और उच्च-जोखिम वाला वर्गीकरण समाप्त हो जाता है। छात्र व्यापक योग्यता श्रेणियों में आते हैं जिससे परीक्षा-जनित व्यर्थ चिंता और सहकर्मी दबाव में कमी आती है।

85. (B) सटीक जानकारी और सूक्ष्मता की हानि (Loss of Precise Information and Granularity)
सतत अंकों को विविक्त ग्रेडों में बदलने का सबसे प्रमुख सांख्यिकीय नुकसान यह है कि इसमें प्राप्तांकों की सटीक जानकारी और सूक्ष्मता (Loss of Granularity) का ह्रास हो जाता है। व्यापक श्रेणियों के कारण एक ही ग्रेड में आने वाले बहुत अधिक अंक वाले और कम अंक वाले छात्रों के बीच अंतर कर पाना सम्भव नहीं रहता।

86. (A) केवल I और II
ग्रेडिंग की वैध आलोचना यह है कि यह शीर्ष अंक प्राप्तकर्ताओं को अतिरिक्त प्रयास हेतु विभेदित पहचान न देकर हतोत्साहित कर सकती है, तथा ग्रेड सीमाओं पर 1 अंक के अंतर से ग्रेड बदल जाने का मनमाना किनारा बनाती है। यह रचनात्मक मूल्यांकन को असंभव नहीं बनाती, अतः कथन I और II सही हैं।

87. (D) ग्रेड के भीतर विभेदन की कमी और कठोर ग्रेड सीमाएं (Harsh Grade Boundaries)
89 अंक पाने वाले को B और 90 अंक वाले को A मिलना, जबकि 80 वाले को भी B मिलना निरपेक्ष ग्रेडिंग की कठोर ग्रेड सीमाओं और श्रेणी के भीतर विभेदन की कमी को उजागर करता है। यहाँ 9 अंक के अंतर वाले दो छात्र एक श्रेणी में हैं, जबकि 1 अंक के अंतर वाले दो छात्र अलग श्रेणियों में चले जाते हैं।

88. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
अत्यधिक चयनात्मक विश्वविद्यालय प्रवेश हेतु केवल विद्यालयीय ग्रेडों को अपर्याप्त मानते हैं क्योंकि व्यापक ग्रेड श्रेणियां शीर्ष स्तर पर बहुत अधिक आवेदकों को एक ही स्थान पर एकत्रित (Bunching Effect) कर देती हैं। इससे सीमित सीटों हेतु सबसे योग्य अभ्यर्थियों का चयन करना कठिन हो जाता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

89. (D) यह 0.5 अंकों की सूक्ष्म-तुलनाओं (Micro-Comparisons) के कारण छात्रों को अत्यधिक तनाव का कारण बनती है।
ग्रेडिंग प्रणाली का यह नुकसान नहीं है कि यह 0.5 अंकों की सूक्ष्म-तुलनाओं से तनाव पैदा करती है, बल्कि यह प्रणाली तो ऐसी सूक्ष्म-तुलनाओं और तनाव को समाप्त करने के लिए ही बनाई गई है। अन्य तीनों विकल्प (प्रदर्शन गिरावट छिपना, उत्कृष्टता की उपेक्षा, क्षमता का विरूपण) ग्रेडिंग के वास्तविक नुकसान हैं।

90. (B) छात्र क्षमता स्तरों के बीच खराब विभेदन (Poor Discrimination)
एक कठिन और विस्तृत इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम हेतु केवल 3-बिंदु वाले सीमित पैमाने (A, B, C) का प्रयोग करने से छात्र क्षमता स्तरों के मध्य विभेदन क्षमता (Discriminatory Power) अत्यंत निम्न हो जाएगी। इतने सीमित पैमाने में विभिन्न अधिगम क्षमताओं वाले विद्यार्थियों को सटीक रूप से पृथक करना सांख्यिकीय रूप से असंभव हो जाएगा।

91. (B) GPA प्रणालियों में अंतर्निहित विभेदन हानि (Resolution Loss)
92% और 86% प्राप्तांक वाले दोनों छात्रों का समान 9.0 CGPA होना GPA प्रणालियों में अंतर्निहित विभेदन हानि (Resolution Loss) को दर्शाता है। कच्चे अंकों का व्यापक श्रेणियों में विलय होने से सूक्ष्म भिन्नताएँ समाप्त हो जाती हैं, जिससे चयन समितियों के लिए केवल CGPA के आधार पर विभेदन करना कठिन हो जाता है।

NODIA

92. (B) अधिगम में गिरावट व्यापक श्रेणियों द्वारा छिप जाती है, जिससे आवश्यक हस्तक्षेप में देरी होती है।
निरपेक्ष ग्रेडिंग में 98% से गिरकर 91% पर आने के बावजूद छात्र का A1 ग्रेड बना रहना शिक्षाशास्त्र की दृष्टि से जोखिमपूर्ण है। ऐसा होने से अधिगम में आई वास्तविक गिरावट व्यापक श्रेणी के भीतर छिप जाती है, जिससे शिक्षक और अभिभावक समय रहते आवश्यक उपचारात्मक हस्तक्षेप (Remedial Intervention) करने से चूक सकते हैं।

(जैसे A1, B2) के वास्तविक अर्थ, अंक सीमा और क्षमता स्तरों की सटीक व्याख्या नहीं कर सकते हैं।

118. (B) एक प्रगति रिपोर्ट एक अंतरिम रचनात्मक अपडेट (Interim Formative Update) है, जबकि एक रिपोर्ट कार्ड एक औपचारिक योगात्मक दस्तावेज है।
प्रगति रिपोर्ट और रिपोर्ट कार्ड के मध्य मुख्य अंतर यह है कि प्रगति रिपोर्ट एक अंतरिम रचनात्मक अपडेट होती है जो सत्र के दौरान निरंतर फीडबैक देती है। इसके विपरीत, रिपोर्ट कार्ड सत्र के अंत में जारी किया जाने वाला एक आधिकारिक योगात्मक दस्तावेज होता है जो अंतिम उपलब्धि दर्शाता है।

119. (C) प्रगति रिपोर्ट (Progress Report)
अंतिम परीक्षाओं से पूर्व छात्र की वर्तमान स्थिति, बकाया कार्यों तथा सुधार योग्य क्षेत्रों का विवरण देने वाला मध्य-अवधि का दस्तावेज 'प्रगति रिपोर्ट (Progress Report)' कहलाता है। यह अभिभावकों और शिक्षकों को समय रहते सुधारात्मक कदम उठाने का अवसर प्रदान करता है।

120. (D) I, II और III
प्रगति रिपोर्टों का आवधिक प्रकाशन, सुधारात्मक कार्रवाई पर बल देना तथा रिपोर्ट कार्ड का आधिकारिक पदोन्नति रिकॉर्ड के रूप में कार्य करना - ये तीनों कथन प्रगति रिपोर्ट को अंतिम रिपोर्ट कार्ड से अलग करने वाली सही और मानक विशेषताएँ प्रस्तुत करते हैं।

121. (C) वे सख्ती से अंतिम रूप दी जाती हैं और छात्र द्वारा उनमें सुधार नहीं किया जा सकता है।
यह कथन प्रगति रिपोर्ट के संबंध में गलत है कि यह अंतिम होती है और इसमें सुधार नहीं किया जा सकता। वास्तव में प्रगति रिपोर्ट का मूल स्वरूप ही रचनात्मक होता है, जिसका उद्देश्य छात्र को अपनी अधिगम कमियों को पहचानकर उनमें समय रहते सुधार करने का अवसर देना होता है।

122. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
आवधिक प्रगति रिपोर्टें जारी होने से सत्र अंत में अभिभावकों को लगने वाला अप्रत्याशित झटका कम होता है। इसका कारण यह है कि यह प्रणाली छात्र की अधिगम यात्रा की निरंतर ट्रैकिंग प्रदान करती है, जिससे समय पर आवश्यक शिक्षाशास्त्रीय हस्तक्षेप सम्भव हो पाते हैं। अतः दोनों कथन सही हैं।

123. (A) प्रगति रिपोर्ट (Progress Report)
इकाई परीक्षाओं में असफलता के बाद विशिष्ट कमजोर विषयों और उपचारात्मक कक्षाओं की योजना दर्शाने वाला दस्तावेज एक 'प्रगति रिपोर्ट (Progress Report)' का उत्तम उदाहरण है। यह रचनात्मक मूल्यांकन ढाँचे का हिस्सा है जो छात्र निष्पादन में सुधार हेतु मार्गदर्शन प्रदान करता है।

124. (B) शिक्षक का एक वैधानिक कर्तव्य (Statutory Duty)
अनिवार्य शिक्षा अधिनियमों तथा बोर्ड दिशा-निर्देशों के तहत प्रत्येक बच्चे की प्रगति का संचयी रिकॉर्ड (Cumulative Record) बनाए रखना और उसके बारे में अभिभावकों को नियमित सूचित करना शिक्षक का एक अनिवार्य वैधानिक कर्तव्य (Statutory Duty) निर्धारित किया गया है।

125. (D) स्पष्ट करें कि स्थानांतरण उद्देश्यों के लिए एक आधिकारिक रिपोर्ट कार्ड/प्रतिलेख आवश्यक है।
किसी अन्य संस्था में स्थानांतरण हेतु मध्य-अवधि की अनंतिम प्रगति रिपोर्ट विधिक रूप से मान्य नहीं होती। प्राचार्य को अभिभावक को स्पष्ट समझाना चाहिए कि स्थानांतरण प्रक्रियाओं हेतु आधिकारिक, अंतिम रूप से हस्ताक्षरित एवं प्रमाणित रिपोर्ट कार्ड या शैक्षणिक प्रतिलेख (Transcript) ही कानूनी रूप से स्वीकार्य दस्तावेज है।

126. (A) समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पारंपरिक एकांगी रिपोर्ट कार्डों के स्थान पर शिक्षार्थी के सर्वांगीण विकास का आंकलन करने हेतु एक अभिनव 360-डिग्री बहु-आयामी रिपोर्टिंग ढाँचा प्रस्तावित किया गया है, जिसे 'समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC)' कहा जाता है।

127. (C) इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ-साथ स्व-मूल्यांकन और सहपाठी-मूल्यांकन (Self and Peer-Assessment) शामिल है।
समग्र प्रगति कार्ड (HPC) की सबसे अनूठी विशेषता यह है कि यह केवल शिक्षक द्वारा दिए गए ग्रेडों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें छात्र का स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment), सहपाठियों द्वारा किया गया मूल्यांकन (Peer-Assessment) तथा अभिभावकों का फीडबैक भी सक्रिय रूप से शामिल किया जाता है।

128. (D) I, II, III और IV
समग्र प्रगति कार्ड (HPC) एक 360-डिग्री बहु-आयामी रिपोर्ट है जो संज्ञानात्मक, भावात्मक व मनोप्रेरणा क्षेत्रों को कवर करती है। यह घर और विद्यालय को जोड़ती है तथा प्रगति की ट्रैकिंग हेतु डिजिटल सॉफ्टवेयर का उपयोग करती है। अतः दिए गए सभी चारों कथन HPC की सही विशेषताएँ हैं।

129. (B) परख (PARAKH)
भारत में छात्र मूल्यांकन, मानकीकरण, दिशा-निर्देश तैयार करने तथा समग्र प्रगति कार्ड के मानदंड तय करने हेतु राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र के रूप में 'परख (PARAKH - Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development)' की स्थापना एक निकाय के रूप में की गई है।

130. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
समग्र प्रगति कार्ड (HPC) वर्ष के अंत की तनावपूर्ण लिखित परीक्षाओं पर निर्भरता कम करता है। इसका मुख्य कारण यह है कि यह प्रणाली परियोजना-आधारित, पूछताछ-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम की सतत और रचनात्मक ट्रैकिंग पर बल देती है। अतः दोनों कथन पूर्णतः सत्य एवं सुसंगत हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

105. (B) मुख्य पृष्ठ पर ग्रेड के साथ-साथ गुणात्मक टिप्पणियां और कार्रवाई योग्य फीडबैक रखें।
अभिभावकों की गहरी सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु प्राचार्य को रिपोर्ट कार्ड में मुख्य पृष्ठ पर केवल अंकों या ग्रेडों तक सीमित न रहकर स्पष्ट गुणात्मक टिप्पणियाँ और कार्रवाई योग्य फीडबैक स्थान देना चाहिए। इससे अभिभावक छात्र की वास्तविक प्रगति और आवश्यक सुधारात्मक कदमों को समझ पाते हैं।

106. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
रिपोर्ट कार्ड में सरल और अभिभावक-अनुकूल भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। यदि अभिभावक मूल्यांकन मापदंडों को नहीं समझ सकेंगे, तो वे बच्चे की उपचारात्मक और संवर्धन प्रक्रियाओं में विद्यालय के साथ प्रभावी सहभागिता नहीं निभा पाएंगे। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।

107. (A) रचनात्मक रिपोर्टिंग निरंतर अधिगम प्रगति पर नज़र रखती है, जबकि योगात्मक अंतिम उपलब्धि स्थिति का सार प्रस्तुत करती है।
रचनात्मक रिपोर्टिंग (Formative Reporting) का ध्यान निरंतर अधिगम प्रक्रिया, अंतरालों की पहचान और तत्काल सुधार पर केंद्रित रहता है। इसके विपरीत, योगात्मक रिपोर्टिंग (Summative Reporting) शैक्षणिक सत्र या इकाई के अंत में छात्र की अंतिम कुल उपलब्धि और निष्पादन का अंतिम सार प्रस्तुत करती है।

108. (D) मानक-संदर्भित रैंकिंग से मापदंड-संदर्भित महारत रिपोर्टिंग (Criterion-Referenced Mastery Reporting) की ओर बढ़ना।
प्रगतिशील शिक्षा में रिपोर्ट कार्ड डिजाइन की आधुनिक प्रवृत्ति मानक-संदर्भित तुलनात्मक रैंकिंग के स्थान पर मापदंड-संदर्भित महारत रिपोर्टिंग (Criterion-Referenced Mastery Reporting) की ओर जाना है। इसमें छात्र की तुलना अन्य बच्चों से करने के बजाय यह देखा जाता है कि उसने विशिष्ट दक्षताएँ प्राप्त की हैं या नहीं।

109. (B) शिक्षक, अभिभावक, और संभावित रूप से वरिष्ठ छात्र
रिपोर्ट कार्ड टेम्पलेट को पुन: डिजाइन करते समय सभी मुख्य हितधारकों - शिक्षकों, अभिभावकों तथा वरिष्ठ छात्रों से व्यापक परामर्श लिया जाना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि नया प्रारुप व्यावहारिक, सम्प्रेषणीय, पारदर्शी और सभी पक्षों की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयोगी सिद्ध होगा।

110. (C) छात्र का सत्र उपस्थिति रिकॉर्ड (Session Attendance Record)
छात्र के अंतिम रिपोर्ट कार्ड का एक आवश्यक और वैधानिक घटक उसका सत्र उपस्थिति रिकॉर्ड (Session Attendance Record) माना जाता है। उपस्थिति रिकॉर्ड छात्र की नियमितता और अनुशासन को दर्शाता है तथा अगली कक्षा में पदोन्नति हेतु न्यूनतम अनिवार्य वैधानिक शर्तों की पूर्ति को प्रमाणित करता है।

111. (A) विशिष्ट, रचनात्मक और सुधार के लिए कार्रवाई योग्य (Actionable)
रिपोर्ट कार्ड पर शिक्षक की गुणात्मक टिप्पणियाँ हमेशा विशिष्ट, रचनात्मक तथा सुधार के लिए व्यावहारिक रूप से कार्रवाई योग्य (Actionable) होनी चाहिए। सामान्य या नकारात्मक टिप्पणियों के बजाय ऐसी टिप्पणियाँ लिखी जानी चाहिए जो छात्र और अभिभावक को अधिगम में प्रगति करने हेतु स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

112. (D) I, II और III
एक आधुनिक एवं व्यापक रिपोर्ट कार्ड में शैक्षणिक उपलब्धि ग्रेड, सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ तथा छात्र द्वारा स्वयं किया गया स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment) तीनों घटक शामिल होने चाहिए। ये सभी मिलकर शिक्षार्थी की समग्र प्रगति की निगरानी और आत्म-जागरुकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

113. (A) सह-शैक्षणिक क्षेत्र - कार्य शिक्षा और कला ग्रेड
सही सुमेलित अनुभाग सह-शैक्षणिक क्षेत्र के अंतर्गत कार्य शिक्षा, कला शिक्षा और खेलकूद के ग्रेड हैं। अन्य विकल्प गलत सुमेलित हैं क्योंकि बीएमआई स्वास्थ्य रिकॉर्ड में आता है, उपस्थिति प्रशासनिक डेटा है और हस्ताक्षर प्रमाणीकरण अनुभाग का भाग होता है।

114. (C) "अच्छा प्रयास दिखाता है, लेकिन सुधार के लिए गणित की संक्रियाओं में अतिरिक्त अभ्यास की आवश्यकता है।"
संघर्षरत परंतु प्रयासरत छात्र हेतु सबसे उपयुक्त और पेशेवर टिप्पणी "अच्छा प्रयास दिखाता है, लेकिन सुधार के लिए गणित की संक्रियाओं में अतिरिक्त अभ्यास की आवश्यकता है" होगी। यह टिप्पणी छात्र के सकारात्मक प्रयास की सराहना करते हुए सुधार योग्य क्षेत्र की स्पष्ट दिशा दर्शाती है।

115. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
रिपोर्ट कार्ड में स्वास्थ्य और शारीरिक स्वस्थता रिकॉर्ड को शामिल करना अति आवश्यक है क्योंकि बच्चे का सर्वांगीण विकास यह स्वीकार करता है कि शारीरिक कल्याण सीधे संज्ञानात्मक क्षमता और शैक्षणिक निष्पादन को प्रभावित करता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।

116. (C) अभिभावक की आय और व्यवसाय
छात्र रिपोर्ट कार्ड का उद्देश्य केवल शैक्षणिक और विकासात्मक प्रगति की जानकारी देना है। इसमें अभिभावक की व्यक्तिगत आय या व्यवसाय का उल्लेख करना पूरी तरह से गैर-आवश्यक एवं अप्रासंगिक घटक है, जिसका मूल्यांकन या रिपोर्टिंग से कोई प्रत्यक्ष शैक्षणिक संबंध नहीं होता।

117. (A) इसके बिना, बाहरी हितधारक दिए गए ग्रेड की व्याख्या नहीं कर सकते हैं।
रिपोर्ट कार्ड पर 'ग्रेडिंग पैमाना लीजेंड' शामिल करना अत्यंत महत्वपूर्ण प्रशासनिक आवश्यकता है। इसके बिना अभिभावक, अन्य विद्यालय या बाहरी हितधारक कार्ड पर दिए गए अक्षरों

NODIA

सामने बैठकर छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि, सह-शैक्षणिक कौशलों, व्यवहारिक प्रवृत्तियों तथा समग्र विकास पर विस्तृत और सकारात्मक चर्चा करना है।

144. (B) शिक्षक-अभिभावक संचार (Teacher-Parent Communication) अंतरालों को पाटने और अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए।
बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाली PTMs का मूल ऐतिहासिक एवं शिक्षाशास्त्रीय उद्देश्य शिक्षक और अभिभावकों के बीच विद्यमान सम्प्रेषण खाई को पाटना है। इसके माध्यम से बच्चे की शिक्षा और विद्यालयीय गतिविधियों में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी तथा साझा उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाता है।

145. (B) केवल II और III
PTM के दिन प्राचार्य को परिसर में निरंतर भ्रमण कर सुचारु संचालन देखना चाहिए, विवादों को सुलझाना चाहिए तथा अभिभावकों हेतु प्रतीक्षालय व सुविधाओं का प्रबंध करना चाहिए। अपने कमरे में बंद रहना और अभिभावकों से न मिलना एक गैर-पेशेवर रवैया है।

146. (D) अत्यधिक भीड़ से बचने के लिए अनुक्रमांक के अनुसार समय स्लॉट को चरणबद्ध (Stagger) करना।
बड़े विद्यालयों में PTM के व्यवस्थित संचालन हेतु प्राचार्य को छात्रों के अनुक्रमांक के अनुसार अभिभावकों के आगमन समय को चरणबद्ध (Stagger) करना चाहिए। इससे परिसर में अनावश्यक भीड़ नहीं होती और प्रत्येक अभिभावक को शिक्षक से संवाद हेतु पर्याप्त और शांतिपूर्ण समय मिल पाता है।

147. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
नियमित PTM विद्यालय की संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करते हैं क्योंकि इनमें अभिभावक शिक्षण गुणवत्ता, गृहकार्य और मूल्यांकन प्रक्रियाओं पर सीधे सवाल पूछ सकते हैं। इससे शिक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता आती है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं।

148. (B) किसी अभिभावक के साथ दूसरे छात्र के विशिष्ट ग्रेड या व्यवहार पर चर्चा करना
PTM के दौरान किसी अन्य छात्र के गोपनीय ग्रेडों या व्यवहार पर चर्चा करना अत्यंत गैर-पेशेवर और आचार संहिता का प्रत्यक्ष उल्लंघन माना जाता है। शिक्षक को केवल उसी अभिभावक के बच्चे की प्रगति और व्यवहार तक चर्चा को सीमित रखना चाहिए।

149. (B) कामकाजी घंटों को समायोजित करने के लिए सप्ताहांत या शाम को समय-सारणी समायोजित करना।
PTM में अभिभावकों की कम उपस्थिति होने पर दंड देने के बजाय प्राचार्य को व्यावहारिक और लचर व्यवस्था अपनानी चाहिए। इसके लिए कामकाजी अभिभावकों की सुविधा हेतु बैठकों का आयोजन सप्ताहांत (Weekends) या शाम के समय किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक अभिभावक भाग ले सकें।

150. (D) PTM के दौरान - पोर्टफोलियो (Portfolio) की समीक्षा करना और फीडबैक साझा करना
PTM का सही चरण और गतिविधि 'PTM के दौरान - पोर्टफोलियो की समीक्षा करना और फीडबैक साझा करना' है। इस दौरान शिक्षक और अभिभावक मिलकर छात्र द्वारा तैयार किए गए कार्यों के पोर्टफोलियो को देखते हैं और उसकी सबलताओं व कमजोरियों पर सार्थक फीडबैक का आदान-प्रदान करते हैं।

151. (B) अपना पोर्टफोलियो प्रस्तुत करना और अभिभावकों और शिक्षक के साथ अधिगम प्रगति पर चर्चा करना।
छात्र-नेतृत्व वाले सम्मेलनों (Student-Led Conferences) में छात्र मूक दर्शक नहीं होता, बल्कि वह स्वयं मुख्य संचालक की भूमिका निभाता है। छात्र अपने अधिगम पोर्टफोलियो को अपने माता-पिता और शिक्षक के समक्ष प्रस्तुत करता है, अपनी उपलब्धियाँ साझा करता है और भविष्य के शैक्षणिक लक्ष्यों पर चर्चा करता है।

152. (A) छात्र प्रबंधन सूचना प्रणाली (Student Management Information System - MIS)
विद्यालयों में छात्रों के केंद्रीकृत शैक्षणिक रिकॉर्ड, अंक, उपस्थिति तथा स्वचालित डिजिटल रिपोर्ट कार्ड तैयार करने हेतु विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर मॉड्यूल को 'छात्र प्रबंधन सूचना प्रणाली (Student MIS)' कहा जाता है। यह प्रशासनिक दक्षता और डेटा सटीकता में वृद्धि करता है।

153. (A) ई-गवर्नेंस (E-Governance)
विद्यालयी शिक्षा में कागजी रजिस्टरों के स्थान पर डिजिटल रिपोर्ट कार्ड, ऑनलाइन पोर्टल तथा ई-एमआईएस का क्रियान्वयन 'ई-गवर्नेंस (E-Governance)' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह प्रशासनिक प्रक्रियाओं को त्वरित, पारदर्शी, सुलभ और त्रुटिहीन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

154. (D) I, II, III और IV
डिजिटल रिपोर्टिंग प्रणाली अभिभावकों को वास्तविक समय पहुँच देती है, गणना त्रुटियाँ समाप्त करती है तथा पर्यावरण के अनुकूल है। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा कमजोर होने पर डेटा हेरफेर का जोखिम भी बना रहता है। अतः ये चारों बिंदु डिजिटल परिवर्तन की वैध विशेषताएँ हैं।

155. (A) इसके लिए डेटा प्रविष्टि से पहले शिक्षकों को पेन और स्याही से मैन्युअल रूप से रिपोर्ट कार्ड लिखने की आवश्यकता होती है।
यह कथन गलत है क्योंकि डिजिटल ऑनलाइन रिपोर्टिंग का मूल उद्देश्य ही मैन्युअल कागजी लेखन को समाप्त करना है। इसमें शिक्षक सीधे डिजिटल पोर्टल या एमआईएस पर अंक दर्ज करते हैं, जिससे रिपोर्ट कार्ड स्वतः जनरेट हो जाते हैं और हस्तलिखित कार्य की आवश्यकता नहीं रहती।

Click Here to Buy book on Amazon

131. (A) सरल स्माइली आइकॉन का उपयोग करके ड्राइंग का सहपाठी और स्व-ग्रेडिंग
मूलभूत चरण (Foundational Stage) में HPC के कार्यान्वयन हेतु छोटे बच्चों के लिए आनंददायक गतिविधियाँ जैसे स्माइली आइकॉन, चित्रों और रंगों का प्रयोग करके सहपाठी तथा स्व-ग्रेडिंग को शामिल किया जाता है। औपचारिक लिखित परीक्षा या सार्वजनिक रैंकिंग इस चरण में सख्त वर्जित है।

132. (D) अधिगम की प्रगति पर केंद्रित दक्षता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Assessment)
मूलभूत चरण के लिए आधुनिक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रुपरेखा रटने की परिपाटी को खारिज करते हुए 'दक्षता-आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Assessment)' पर बल देती है। इसमें बच्चे के वास्तविक कौशल विकास, अवधारणात्मक समझ तथा अधिगम की प्रगति का अवलोकन आधारित आंकलन किया जाता है।

133. (B) सख्त रैंकिंग के माध्यम से तीव्र शैक्षणिक प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा देना
समग्र प्रगति कार्ड (HPC) को लागू करने का उद्देश्य बच्चों में आत्म-जागरुकता बढ़ाना और 21वीं सदी के कौशलों को विकसित करना है। सख्त रैंकिंग के जरिए तीव्र शैक्षणिक प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा देना इसका उद्देश्य कदापि नहीं है, बल्कि यह अस्वस्थ तुलनाओं को पूरी तरह समाप्त करता है।

134. (D) उनकी अपनी प्रगति और दक्षता मानकों (Competency Standards) के विरुद्ध
HPC मॉडल में किसी छात्र को कक्षा में 'प्रथम स्थान' नहीं दिया जाता। प्राचार्य को अभिभावक को यह समझाना चाहिए कि यह कार्ड बच्चे की तुलना अन्य सहपाठियों से करने के बजाय उसकी स्वयं की पिछली प्रगति और निर्धारित दक्षता मानकों (Competency Standards) के विरुद्ध उसके विकास का आंकलन करता है।

135. (B) सकारात्मक शुरुआती और उत्साहजनक समापन टिप्पणियों के बीच रचनात्मक फीडबैक को रखना।
सैंडविच तकनीक (Sandwich Technique) एक सम्प्रेषण कला है जिसमें छात्र के कमजोर क्षेत्रों या रचनात्मक आलोचना को दो सकारात्मक बातों के मध्य रखा जाता है। इसमें बातचीत की शुरुआत छात्र की किसी सबलता की प्रशंसा से की जाती है, मध्य में सुधार योग्य बिंदु रखे जाते हैं, और अंत उत्साहजनक टिप्पणियों से होता है।

136. (B) यह अगले मूल्यांकन चक्र से पहले समय पर उपचारात्मक हस्तक्षेप (Remedial Interventions) को सक्षम बनाता है।
परिणामों का समयबद्ध सम्प्रेषण इसलिए महत्वपूर्ण है ताकि शिक्षक और अभिभावक मिलकर अगले मूल्यांकन चक्र या परीक्षा से पहले छात्र की अधिगम कमियों की पहचान कर समय पर आवश्यक उपचारात्मक हस्तक्षेप (Remedial Interventions) सुनिश्चित कर सकें, जिससे छात्र की विफलता रोकी जा सके।

137. (C) केवल I और III
परिणाम सम्प्रेषण हेतु स्पष्ट एवं शब्दजाल-मुक्त भाषा का उपयोग करना तथा घर पर उपयोग हेतु व्यावहारिक संसाधन व मार्गदर्शन प्रदान करना सर्वोत्तम अभ्यास हैं। केवल कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करना छात्र और अभिभावक को हतोत्साहित करता है, अतः कथन II गलत है।

138. (B) 'मानक विचलन' जैसे जटिल सांख्यिकीय शब्दों का उपयोग करने से अभिभावक की समझ बढ़ती है।
यह दावा गलत है कि 'मानक विचलन' जैसे जटिल सांख्यिकीय शब्दों का प्रयोग करने से अभिभावक की समझ बढ़ती है। वास्तव में ऐसे तकनीकी सांख्यिकीय शब्द आम अभिभावकों को भ्रमित करते हैं और प्रभावी संवाद में एक बड़ी बाधा उत्पन्न करते हैं।

139. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
छात्र परिणामों के सम्प्रेषण में गोपनीयता बनाए रखना अनिवार्य है। सार्वजनिक रूप से अंकों का प्रदर्शन या तुलना करने से छात्र के आत्म-सम्मान को ठेस पहुँचती है, जिससे मनोवैज्ञानिक नुकसान हो सकता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।

140. (B) शांत रहें, सक्रिय रुप से सुनें, चिंताओं का समाधान करें और संवाद को समाधानों की ओर निर्देशित करें।
जब कोई अभिभावक परिणाम से असंतुलित होकर क्रोधित होता है, तो एक कुशल शैक्षणिक नेता को पूरी तरह शांत रहकर उनकी बात सक्रिय रूप से सुननी चाहिए। इसके बाद उनकी चिंताओं का सहानुभूतिपूर्वक समाधान करते हुए संपूर्ण संवाद को छात्र-हितैषी सुधारात्मक समाधानों की ओर निर्देशित करना चाहिए।

141. (D) बाल विकास का समर्थन करने वाला एक सहयोगी संवाद (Collaborative Dialogue)
छात्र परिणामों के सम्प्रेषण को केवल एकतरफा प्रशासनिक सूचना या औपचारिकता नहीं माना जाना चाहिए। इसे बच्चे के सर्वांगीण विकास, कल्याण और अधिगम संवर्धन का समर्थन करने वाले विद्यालय तथा परिवार के बीच एक सहयोगात्मक संवाद (Collaborative Dialogue) के रूप में देखा जाना चाहिए।

142. (D) संदर्भ प्रदान करने, प्रभाव को कम करने और एक संयुक्त उपचारात्मक योजना (Joint Remedial Plan) तैयार करने के लिए।
3 विषयों में अनुत्तीर्ण छात्र का रिपोर्ट कार्ड भेजने से पहले अभिभावकों को व्यक्तिगत रूप से बुलाने का मुख्य उद्देश्य परिणाम का सही संदर्भ समझाना, छात्र पर पड़ने वाले नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव को कम करना तथा विद्यालय एवं घर दोनों स्तरों पर एक संयुक्त उपचारात्मक योजना तैयार करना है।

143. (A) छात्र की शैक्षणिक और समग्र प्रगति पर चर्चा करना
PTM का मुख्य उद्देश्य केवल रिपोर्ट कार्ड बाँटना या शिकायतें करना नहीं है, बल्कि शिक्षक और अभिभावक द्वारा आमने-

NODIA

(Normalization)' प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। इसके तहत अंकों को प्रतिशतक स्कोर (Percentile Score) या Z-स्कोर में बदलकर एक निष्पक्ष तुलनात्मक आधार तैयार किया जाता है।

170. (D) I, II और III
विभिन्न बोर्डों द्वारा अलग पैमानों का उपयोग करना, अलग-अलग स्तर की ग्रेड स्फीति होना, तथा CGPA रुपांतरण सूत्रों का भिन्न होना - ये तीनों सांख्यिकीय कारक विभिन्न बोर्डों के अंकों के आधार पर एक एकीकृत निष्पक्ष योग्यता सूची बनाने में बड़ी जटिलता उत्पन्न करते हैं।

171. (B) एक बोर्ड में A1 ग्रेड सांख्यिकीय रुप से किसी भी अन्य बोर्ड में A1 ग्रेड के ज्ञान में बिल्कुल बराबर साबित होता है।
यह कथन पूरी तरह गलत है कि विभिन्न बोर्डों का A1 ग्रेड ज्ञान के मामले में सांख्यिकीय रुप से एक समान होता है। प्रत्येक बोर्ड की परीक्षा संरचना और मूल्यांकन मानकों में भिन्नता होने के कारण एक बोर्ड का A1 दूसरे बोर्ड के A1 के समकक्ष नहीं माना जा सकता।

172. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
केंद्रीय विश्वविद्यालयों हेतु सामान्य प्रवेश परीक्षाओं (जैसे CUET) का मुख्य उद्देश्य कक्षा XII के बोर्ड अंकों पर अत्यधिक निर्भरता को खत्म करना है। इसका कारण यह है कि विभिन्न बोर्डों की आत्मनिष्ठ ग्रेडिंग और अंक-स्फीति नीतियों को सांख्यिकीय रुप से समतुल्य बनाना अत्यंत कठिन था। अतः दोनों कथन सही हैं।

173. (B) छात्र B
Z-स्कोर यह मापता है कि प्राप्तांक माध्य से कितना ऊपर है। छात्र A का अंक (95%) उसके बोर्ड के माध्य (90%) से केवल 5% ऊपर है, जबकि छात्र B का अंक (85%) उसके बोर्ड के माध्य (60%) से 25% ऊपर है। अतः Z-स्कोर सामान्यीकरण में छात्र B का मानकीकृत अंक अधिक होगा।

174. (C) आधिकारिक बोर्ड तुल्यता सूचियों (Board Equivalence Lists) से परामर्श करें।
जब किसी अनपरिचित राज्य बोर्ड का छात्र प्रवेश हेतु अंकपत्र प्रस्तुत करता है, तो मानक प्रशासनिक नियमों के अनुसार प्राचार्य को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) या संबंधित शिक्षा परिषद द्वारा जारी आधिकारिक 'बोर्ड तुल्यता सूचियों (Board Equivalence Lists)' से परामर्श करना चाहिए।

175. (B) ग्रेड तुल्यता और तुलनात्मकता के मुद्दे (Grade Equivalence and Comparability Issues)
जब अलग-अलग परीक्षा बोर्ड अपनी-अपनी अंक-संतुलन (Moderation) नीतियों के तहत मनमाने तरीके से प्राप्तांक बढ़ाते हैं, तो इससे विभिन्न बोर्डों के परिणामों के मध्य 'ग्रेड तुल्यता और तुलनात्मकता (Grade Equivalence Issues)' की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे निष्पक्ष तुलना असंभव हो जाती है।

176. (A) स्वीकृत रुपांतरण मैपिंग दिशा-निर्देशों (Conversion Mapping Guidelines) का उपयोग करें।
भिन्न प्रणालियों (निरपेक्ष प्रतिशत व 5-बिंदु पैमाना) से आए स्थानांतरित छात्रों को 9-बिंदु पैमाने में एकीकृत करने हेतु विद्यालय को आधिकारिक रुप से स्वीकृत 'रुपांतरण मैपिंग दिशा-निर्देशों (Conversion Mapping Guidelines)' का प्रयोग करना चाहिए ताकि अंकों का सही रुपांतरण हो सके।

177. (A) अधिगम के स्तरों में तदनुरुपी वृद्धि के बिना दिए जाने वाले औसत ग्रेड का बढ़ना।
शैक्षिक मापन में 'ग्रेड स्फीति (Grade Inflation)' का तात्पर्य उस स्थिति से है जहाँ विद्यार्थियों के वास्तविक अधिगम स्तरों या ज्ञान में कोई वास्तविक सुधार हुए बिना ही समय के साथ उन्हें दिए जाने वाले औसत अंकों या उच्च ग्रेडों का अनुपात कृत्रिम रुप से बढ़ जाता है।

178. (B) प्रतिस्पर्धात्मक अंक-संतुलन (Competitive Moderation) जहाँ बोर्ड छात्र प्रवेश की सुरक्षा के लिए अंकों को बढ़ाते हैं।
बोर्ड परीक्षाओं में ग्रेड स्फीति का मुख्य कारण प्रतिस्पर्धात्मक अंक-संतुलन (Competitive Moderation) नीति है। इसमें विभिन्न बोर्ड अपने छात्रों को विश्वविद्यालय प्रवेश में लाभ पहुँचाने की होड़ में कृत्रिम रुप से अंक और ग्रेड बढ़ा देते हैं, जिससे अंकों का अवमूल्यन होता है।

179. (A) केवल I और II
ग्रेड स्फीति से विश्वविद्यालयों हेतु मेधावी छात्रों के बीच विभेदन करना कठिन हो जाता है और उच्च ग्रेडों (95%+) का सम्मान और प्रतिष्ठा कम हो जाती है। यह राष्ट्रीय बुद्धिमत्ता में वास्तविक वृद्धि को नहीं दर्शाता, अतः कथन I और II ही सही प्रभाव दर्शाते हैं।

180. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
ग्रेड स्फीति के कारण उच्चतम ग्रेडों (जैसे 95-100%) पर छात्रों का अत्यधिक एकत्रीकरण (Bunching Effect) हो जाता है। इसका कारण यह है कि प्राप्तांक 100% की ऊपरी सीमा से अधिक नहीं हो सकते, जिससे सीमा प्रभाव (Ceiling Effect) उत्पन्न होता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

181. (A) यह कच्चे अंकों की परवाह किए बिना दिए जाने वाले शीर्ष ग्रेड के अनुपात को सीमित करता है।
'वक्र पर ग्रेडिंग (Grading on the Curve)' लागू करने से ग्रेड स्फीति पर रोक लगती है क्योंकि यह प्रणाली पहले से तय सांख्यिकीय अनुपात के अनुसार केवल शीर्ष 5 या 10 प्रतिशत छात्रों को ही 'A' ग्रेड देने की अनुमति देती है, चाहे कच्चे अंक कितने भी अधिक क्यों न हों।

182. (C) संपूर्ण छात्र जनसंख्या में अंकों का एक सामान्य बेल-कर्व वितरण (Normal Bell-Curve Distribution)।
संपूर्ण छात्र जनसंख्या में अंकों का सामान्य बेल-कर्व वितरण (Normal Bell-Curve) होना एक स्वस्थ और निष्पक्ष मूल्यांकन का लक्षण है, न कि ग्रेड स्फीति का। ग्रेड स्फीति

Downloaded from www.pdf.tube

156. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
डिजिटल रिपोर्ट कार्ड विद्यालय और अभिभावकों के बीच पारदर्शिता बढ़ाते हैं। अभिभावक सत्र के अंत का इंतजार किए बिना किसी भी समय पोर्टल पर लॉग इन करके दैनिक उपस्थिति, असाइनमेंट और सतत मूल्यांकनों को देख सकते हैं। अतः दोनों कथन सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

157. (D) अंतिम ग्रेड ऑनलाइन प्रकाशित होने पर अभिभावकों को सचेत करना।
ऑनलाइन पोर्टल के साथ SMS अलर्ट सिस्टम का सबसे उपयुक्त प्रशासनिक उपयोग अभिभावकों को यह त्वरित सूचना देना है कि छात्र के अंतिम अंक या रिपोर्ट कार्ड पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं, ताकि वे समय पर उन्हें देख सकें।

158. (A) हाशियाकृत परिवारों के बीच डिजिटल विभाजन (Digital Divide)
डिजिटल रिपोर्टिंग लागू करते समय सार्वजनिक विद्यालयों के प्राचार्य को 'डिजिटल विभाजन (Digital Divide)' की सामाजिक-आर्थिक चुनौती के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। हाशियाकृत या गरीब परिवारों के पास स्मार्टफोन या इंटरनेट की कमी हो सकती है, जिससे उनके लिए डिजिटल सूचना प्राप्त करना कठिन हो सकता है।

159. (B) अभिभावकों को गड़बड़ी के बारे में तुरंत सूचित करें और अनुमानित समाधान समय बताएं।
सर्वर क्रैश होने की स्थिति में प्राचार्य का त्वरित और पेशेवर दायित्व यह है कि वे अभिभावकों को आई तकनीकी खराबी के बारे में सूचित करें तथा समस्या के समाधान का अनुमानित समय स्पष्ट करें। पैनिक फैलाने या दोषारोपण करने के बजाय पारदर्शी सम्प्रेषण बनाए रखना आवश्यक है।

160. (B) निजता का अधिकार (Right to Privacy)
छात्र के शैक्षणिक अभिलेखों, स्वास्थ जानकारी और व्यक्तिगत ग्रेडों की गोपनीयता बनाए रखना विद्यालय की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है। यह सिद्धांत भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकृत 'निजता के अधिकार (Right to Privacy)' से सीधे संरेखित होता है।

161. (B) नोटिस बोर्ड पर छात्रों के अंक और अनुत्तीर्ण स्थिति को सार्वजनिक रूप से पोस्ट करना।
सूचना पट (Notice Board) पर छात्रों के प्राप्तांक, नाम तथा अनुत्तीर्ण स्थिति को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना अत्यंत अनैतिक, निजता का प्रत्यक्ष उल्लंघन और कानूनी रूप से गलत माना जाता है। इससे छात्र को हीनभावना और सार्वजनिक अपमान का सामना करना पड़ता है।

162. (B) केवल I, II और IV
डेटा सुरक्षा हेतु मजबूत पासवर्ड, बहु-कारक प्रमाणीकरण, बैकअप और डेटा एन्क्रिप्शन अनिवार्य मानक अभ्यास हैं। सभी कर्मचारियों को पूर्ण संपादन पहुँच (Editing Access) देना सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत खतरनाक है, अतः केवल I, II और IV सही उपाय हैं।

163. (B) रिपोर्ट कार्ड प्रदान करें, क्योंकि संयुक्त कस्टडी वाले माता-पिता रिकॉर्ड पर समान अधिकार साझा करते हैं।
जब माता-पिता के पास संयुक्त कानूनी कस्टडी (Joint Legal Custody) होती है, तो दोनों ही कानूनी रूप से बच्चे के शैक्षणिक अभिलेखों को प्राप्त करने का समान अधिकार रखते हैं। अतः प्राचार्य को बिना किसी पूर्वाग्रह के पिता को रिपोर्ट कार्ड की प्रति प्रदान करनी चाहिए।

164. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
छात्र की मनोवैज्ञानिक एवं विशेष शिक्षा आवश्यकताओं की रिपोर्टों की पहुँच को कड़ाई से सीमित रखा जाना चाहिए। इन संवेदनशील सूचनाओं के अनधिकृत प्रकटीकरण से बच्चे को सहपाठियों द्वारा चिढ़ाने, सामाजिक लांछन और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

165. (B) प्रस्ताव को खारिज करें, क्योंकि सहमति के बिना छात्र डेटा साझा करना निजता के नियमों (Breach of Privacy) का उल्लंघन करता है।
किसी निजी ट्यूशन या कोचिंग संस्थान को धन के बदले छात्रों का व्यक्तिगत डेटा (नाम, फोन नंबर, अंक) बेचना या साझा करना निजता के नियमों का गंभीर उल्लंघन और अनैतिक कार्य है। प्राचार्य का कर्तव्य है कि वे इस प्रस्ताव को तुरंत पूरी तरह खारिज करें।

166. (B) औपचारिक अनुरोध और अभिभावकीय सहमति पर नए विद्यालय में आधिकारिक प्रतिलेख (Transcripts) स्थानांतरित करना।
अभिभावक की लिखित सहमति और औपचारिक संस्थागत अनुरोध पर छात्र के शैक्षणिक रिकॉर्ड को नए विद्यालय में भेजना एक पूर्णतः विधिक और मानक प्रशासनिक प्रक्रिया है। यह किसी भी प्रकार से गोपनीयता या निजता का उल्लंघन नहीं माना जाता है।

NODIA

167. (B) अपनी साख (Credentials) को सुरक्षित करने में विफल रहने के लिए शिक्षक
लॉगिन आईडी और पासवर्ड युक्त डिजिटल सिस्टम को खुला छोड़कर जाना डेटा सुरक्षा में गंभीर लापरवाही है। इसके लिए प्राथमिक रूप से वही शिक्षक जिम्मेदार माना जाएगा जो अपनी डिजिटल साख (Credentials) और सत्र को सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल रहा।

168. (B) पाठ्यक्रम, परीक्षण पैटर्न और ग्रेडिंग कठोरता (Grading Rigor) में अंतर
विभिन्न राज्य एवं केंद्रीय परीक्षा बोर्डों के अंकों की तुलना करने में मुख्य चुनौती यह है कि प्रत्येक बोर्ड का पाठ्यक्रम, प्रश्न पत्रों का स्वरूप, अंकन योजना तथा मूल्यांकन एवं ग्रेडिंग की कठोरता (Grading Rigor) एक-दूसरे से काफी भिन्न होती है।

169. (B) सामान्यीकरण (Normalization) और प्रतिशतक स्कोर (Percentile Score) की गणना करना
विभिन्न परीक्षा बोर्डों के प्राप्तांकों में विद्यमान असमानता को दूर करने के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में 'सामान्यीकरण

हैं। इसका कारण यह है कि शैक्षणिक प्रतिलेख ही वह कानूनी माध्यम है जिससे विद्यालय वित्तीय एवं पुस्तकालय देय राशि का निपटान सुनिश्चित कराता है। अतः दोनों कथन सही हैं।

197. (B) नुकसान की रिपोर्ट करने वाला एक शपथ पत्र (Affidavit) और पुलिस प्रथम सूचना रिपोर्ट (First Information Report - FIR) की प्रति।
डुप्लिकेट शैक्षणिक प्रतिलेख जारी करने हेतु मानक प्रशासनिक प्रक्रिया यह है कि आवेदक से दस्तावेज़ खोने के संबंध में एक नोटरी द्वारा सत्यापित शपथ पत्र (Affidavit) तथा संबंधित पुलिस थाने में दर्ज कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) की आधिकारिक प्रति ली जाए।

198. (A) I, IV, III, II
बोर्ड प्रतिलेख तैयार करने का सही प्रशासनिक क्रम है: सर्वप्रथम कच्चे अंकों का सारणीयन एवं एकत्रीकरण (I), फिर अंक-संतुलन या स्केलिंग का अनुप्रयोग (IV), इसके पश्चात अंकों का ग्रेड में रूपांतरण एवं प्रूफ़रीडिंग (III), तथा अंत में प्रतिलेखों की छपाई एवं डिजीलॉकर पर अपलोडिंग (II)।

199. (B) छात्र के माता-पिता एक हाशियाकृत समुदाय से आते हैं।
किसी छात्र को उसकी जाति, धर्म, सामाजिक पृष्ठभूमि या हाशियाकृत समुदाय से होने के आधार पर आधिकारिक प्रतिलेख देने से इंकार करना पूरी तरह से गैर-कानूनी, असंवैधानिक तथा मानवाधिकारों एवं मौलिक अधिकारों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है।

200. (C) मास्टर रिकॉर्ड (Master Record) के खिलाफ प्रतिलेख को सत्यापित करना और विश्वविद्यालय के साथ निष्कर्षों को स्पष्ट करना।
जब कोई विश्वविद्यालय प्रतिलेख में हेरफेर की आशंका जताता है, तो संस्था के प्रमुख के रूप में प्राचार्य की तत्काल प्राथमिक जिम्मेदारी विद्यालय के आधिकारिक मास्टर रिकॉर्ड (Master Record) से प्रतिलेख का मिलान करना तथा अपनी निष्पक्ष जाँच रिपोर्ट विश्वविद्यालय को त्वरित प्रेषित करना है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

होने पर वितरण बाईं ओर झुक जाता है (Left-Skewed) और शीर्ष पर अंकों का एकत्रीकरण होता है।

183. (B) ग्रेड स्फीति (Grade Inflation)
परीक्षा बोर्डों द्वारा अंक-संतुलन के नाम पर 88 अंक पाने वाले छात्र को कृत्रिम रूप से बढ़ाकर 95 अंक कर देना प्राप्तांकों की 'स्पाइकिंग' कहलाता है। यह अनुचित अभ्यास सीधे तौर पर 'ग्रेड स्फीति (Grade Inflation)' और शैक्षणिक मानकों के अवमूल्यन को जन्म देता है।

184. (B) उदार अंकन से ग्रेड स्फीति (Grade Inflation from Lenient Marking)
बिना शिक्षण पद्धति या छात्र क्षमता में परिवर्तन के A1 ग्रेड पाने वाले छात्रों का अनुपात 5% से बढ़कर 45% हो जाना यह स्पष्ट सिद्ध करता है कि संस्था उदार अंकन और शिथिल मूल्यांकन के कारण उत्पन्न 'ग्रेड स्फीति (Grade Inflation)' का सामना कर रही है।

185. (B) कमजोर छात्रों में अधिगम के अंतरालों की पहचान करना और लक्षित सहायता की योजना बनाना।
उपचारात्मक रिपोर्टिंग (Remedial Reporting) फीडबैक का एक विशिष्ट रूप है जिसका प्राथमिक उद्देश्य शैक्षणिक रूप से संघर्षरत छात्रों के अधिगम अंतरालों की सटीक पहचान करना तथा उनके सुधार हेतु लक्षित शिक्षण एवं सहायता रणनीतियों की योजना बनाना है।

186. (B) व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम (Individualized Education Program - IEP)
विशेष आवश्यकता वाले बालकों (CWSN) तथा गंभीर रूप से पिछड़ रहे विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक रिपोर्टिंग अनिवार्य रूप से 'व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम (Individualized Education Program - IEP)' के निर्माण से जुड़ी होती है, जिसके तहत छात्र की विशिष्ट अधिगम आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण दिया जाता है।

187. (B) केवल I और III
एक प्रभावी उपचारात्मक रिपोर्ट में छात्र की विशिष्ट अधिगम कठिनाई का सटीक निदान तथा सुधारात्मक सहायता हेतु स्पष्ट समय-सीमा व रणनीति शामिल होनी चाहिए। इसमें पिछले अनुशासनात्मक उल्लंघनों को शामिल करना अप्रासंगिक है, अतः I और III सही तत्व हैं।

188. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
शिक्षकों को उपचारात्मक रिपोर्टिंग में छात्र के प्रयास को उसके वास्तविक शैक्षणिक प्राप्तांक से अलग रखना चाहिए। एक बच्चा कठिन परिश्रम कर सकता है लेकिन अधिगम अक्षमता के कारण कम अंक पाता है; दोनों को मिलाने से छात्र हतोत्साहित होता है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं।

189. (A) "बुनियादी बीजगणित अवधारणाओं की कमी है; लक्षित उपचारात्मक अभ्यास कार्यपत्रकों की आवश्यकता है।"
15/100 अंक पाने वाले छात्र हेतु सबसे पेशेवर और उपचारात्मक टिप्पणी "बुनियादी बीजगणित अवधारणाओं की कमी है; लक्षित उपचारात्मक अभ्यास कार्यपत्रकों की आवश्यकता है" होगी। यह टिप्पणी छात्र पर अपमानजनक ठप्पा लगाने के बजाय विशिष्ट कमी और उसका समाधान दर्शाती है।

190. (B) छात्र और अभिभावक के लिए ग्रेड में सुधार करने के लिए ठोस, कार्रवाई योग्य कदम निर्दिष्ट करती है।
उपचारात्मक रिपोर्ट में कार्रवाई योग्य फीडबैक (Actionable Feedback) का अर्थ यह है कि रिपोर्ट केवल विफलता या कम अंक नहीं बताती, बल्कि छात्र और अभिभावक को अधिगम स्तर में सुधार करने हेतु स्पष्ट, व्यावहारिक और ठोस कदम एवं रणनीतियाँ प्रदान करती है।

191. (B) इसका प्राथमिक लक्ष्य छात्र की बुद्धि पर अंतिम, अपरिवर्तनीय निर्णय देना है।
उपचारात्मक रिपोर्टिंग का लक्ष्य छात्र की बुद्धि या क्षमता पर अंतिम और अपरिवर्तनीय निर्णय देना कदापि नहीं है। यह कथन पूरी तरह असत्य है, क्योंकि उपचारात्मक रिपोर्टिंग का मूल दर्शन सुधारवादी, विकासात्मक और नैदानिक सहायता पर आधारित होता है।

192. (B) नैदानिक अंतरालों (Diagnostic Gaps) और हस्तक्षेप योजनाओं को निर्दिष्ट करने वाली एक विस्तृत उपचारात्मक रिपोर्ट प्रदान करना।
बार-बार 'E' ग्रेड पाने वाले छात्र के रिपोर्ट कार्ड पर केवल "खराब प्रदर्शन" लिखना अपर्याप्त है। प्राचार्य को शिक्षक को निर्देश देना चाहिए कि वे छात्र की विशिष्ट कमियों के नैदानिक अंतरालों तथा उनके निवारण हेतु विस्तृत उपचारात्मक हस्तक्षेप योजना तैयार करें।

193. (B) प्रमाण पत्र कार्यक्रम पूरा होने की पुष्टि करते हैं, जबकि प्रतिलेख सभी विषयों और ग्रेड का विवरण देते हैं।
एक सामान्य प्रमाण पत्र (जैसे उत्तीर्ण प्रमाण पत्र) केवल किसी शैक्षणिक पाठ्यक्रम या परीक्षा को सफलतापूर्वक पूरा करने की पुष्टि करता है। इसके विपरीत, एक आधिकारिक शैक्षणिक प्रतिलेख (Transcript) छात्र द्वारा पढ़े गए सभी विषयों, प्राप्त अंकों, क्रेडिटों तथा ग्रेडों का विस्तृत विवरण प्रदान करता है।

194. (B) डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म (DigiLocker Platform)
शैक्षणिक प्रमाण पत्रों और प्रतिलेखों के फर्जीवाड़े को रोकने तथा त्वरित सत्यापन सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार द्वारा संचालित 'डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म (DigiLocker Platform)' के साथ विद्यालयी बोर्ड परिणामों को एकीकृत करने को कानूनी और प्रशासनिक रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है।

195. (D) I, II और III
प्रतिलेखों की प्रामाणिकता हेतु उभरी हुई संस्थागत मुहरें, क्यूआर कोड व डिजिटल हस्ताक्षर, तथा जारीकर्ता संस्था द्वारा सीधे सत्यापन - ये तीनों उपाय अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने वाले मानक प्रशासनिक सत्यापन अभ्यास हैं।

196. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
विद्यालय बकाया देय राशि न चुकाने तक अंतिम आधिकारिक प्रतिलेख या स्थानांतरण प्रमाण पत्र रोकने का अधिकार रखते

Downloaded from www.pdf.tube

93. (B) भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्र (Affective and Psychomotor Domains)
सह-शैक्षणिक मूल्यांकन (Co-Scholastic Evaluation) प्राथमिक रूप से शिक्षार्थी के भावात्मक (Affective) तथा मनोप्रेरणा (Psychomotor) क्षेत्रों का मापन करता है। इसमें छात्र की अभिवृत्तियाँ, मूल्य, जीवन कौशल, सामाजिक भावनाएँ, कलात्मक अभिरुचि, खेलकूद तथा शारीरिक कौशलों के विकास का व्यापक आंकलन शामिल होता है।

94. (C) गुणात्मक रुब्रिक्स (Qualitative Rubrics) का उपयोग करके व्यवस्थित अवलोकन
सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में ग्रेडिंग करने का सबसे प्रभावी और प्रमाणिक तरीका गुणात्मक रुब्रिक्स (Qualitative Rubrics) का प्रयोग करते हुए किया जाने वाला व्यवस्थित अवलोकन (Systematic Observation) है। इसके माध्यम से शिक्षक छात्र के व्यवहार, सहयोगात्मक भावना और प्रयोगात्मक कौशलों का सुसंगत एवं वस्तुनिष्ठ आंकलन कर सकते हैं।

95. (B) केवल I, II और III
जीवन कौशल, मूल्य और अभिवृत्तियों जैसे सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में छात्रों के मूल्यांकन हेतु उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड (Anecdotal Records), पोर्टफोलियो (Portfolios) तथा अवलोकन अनुसूचियाँ (Observation Schedules) अत्यंत उपयुक्त उपकरण हैं। बोर्ड परीक्षा अंकपत्र केवल शैक्षणिक क्षेत्रों के योगात्मक प्राप्तांकों से संबंधित होता है।

96. (A) मूल्य और अभिवृत्तियां - लिखित परीक्षा
मूल्य और अभिवृत्तियों का मूल्यांकन लिखित परीक्षा (Written Examination) के माध्यम से करना एक पूर्णतः गलत और अप्रासंगिक विधि है। मूल्यों का आंकलन छात्र के वास्तविक आचरण, व्यवहारिक परिस्थितियों में निर्णयन और सतत अवलोकन द्वारा ही किया जा सकता है, न कि पेन-पेपर सैद्धांतिक परीक्षणों द्वारा।

97. (A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
सह-शैक्षणिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में शैक्षणिक विषयों की तुलना में उच्च आत्मनिष्ठता (Subjectivity) पाई जाती है। इसका कारण यह है कि सह-शैक्षणिक क्षेत्र सहानुभूति, नेतृत्व और सौंदर्य बोध जैसे अमूर्त गुणों से संबंधित होते हैं, जिन्हें संख्यात्मक परिशुद्धता से नहीं मापा जा सकता। अतः दोनों कथन पूरी तरह सत्य हैं।

98. (A) II, I, IV, III
सह-शैक्षणिक मूल्यांकन की सही प्रक्रिया का अनुक्रम है: सबसे पहले मूल्यांकित किए जाने वाले विशिष्ट गुणों की पहचान करना (II), फिर समय के साथ सतत अवलोकन रिकॉर्ड करना (I), तत्पश्चात अवलोकनों को वर्णनात्मक संकेतकों से मिलाना (IV), और अंत में 5-बिंदु पैमाने पर ग्रेड आवंटित करना (III)।

99. (B) समग्र ग्रेड आवंटित करने के लिए वर्णनात्मक संकेतकों के पूर्व-परिभाषित रुब्रिक (Rubric) का उपयोग करें।
यदि कोई छात्र विवाद सुलझाने में कुशल है परंतु चर्चा में शांत रहता है, तो शिक्षक को उसके सामाजिक कौशलों का सटीक मूल्यांकन करने के लिए पूर्व-परिभाषित वर्णनात्मक संकेतकों वाले रुब्रिक (Rubric) का उपयोग करना चाहिए। यह एकांगी राय के बजाय विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं को संतुलित वजन देकर निष्पक्ष ग्रेड प्रदान करता है।

100. (B) गैर-संज्ञानात्मक कौशलों की वस्तुनिष्ठ ग्रेडिंग में सहायता करने वाले अवलोकनीय व्यवहार।
CCE के संदर्भ में 'वर्णनात्मक संकेतक (Descriptive Indicators)' का तात्पर्य उन विशिष्ट अवलोकनीय व्यवहारों और प्रदर्शन मापदंडों से है जो शिक्षकों को गैर-संज्ञानात्मक व सह-शैक्षणिक कौशलों का वस्तुनिष्ठ एवं सुसंगत ढंग से मूल्यांकन और ग्रेडिंग करने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह प्रक्रिया निष्पक्ष आंकलन सुनिश्चित करती है।

101. (D) अभिभावकों और छात्रों को छात्र की प्रगति से अवगत कराना।
छात्र रिपोर्ट कार्ड (Report Card) का प्राथमिक एवं मौलिक उद्देश्य शिक्षार्थी की शैक्षणिक उपलब्धि, सह-शैक्षणिक विकास, व्यवहारिक प्रगति तथा सुधार के क्षेत्रों के बारे में अभिभावकों और स्वयं छात्र को पारदर्शी एवं स्पष्ट रूप से अवगत कराना है, जिससे बाल विकास हेतु सहयोगात्मक वातावरण बन सके।

102. (C) यह स्पष्ट, व्यापक और अभिभावकों के लिए समझने में आसान होना चाहिए।
एक प्रभावी विद्यालय रिपोर्ट कार्ड का मूलभूत डिजाइन सिद्धांत यह है कि इसे अत्यंत स्पष्ट, व्यापक तथा अभिभावकों हेतु आसानी से बोधगम्य होना चाहिए। इसमें जटिल सांख्यिकीय शब्दावली से बचते हुए छात्र की समग्र सबलता और सुधार योग्य पहलुओं का सम्प्रेषण सरल भाषा में किया जाना अनिवार्य है।

103. (B) केवल I, II और IV
एक मानक और नैतिक रिपोर्ट कार्ड में शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक ग्रेड, गुणात्मक शिक्षक टिप्पणियाँ तथा उपस्थिति एवं स्वास्थ्य रिकॉर्ड शामिल होने चाहिए। किसी अन्य छात्र की तुलनात्मक कमजोरियों का विवरण देना पूरी तरह से अनैतिक और गोपनीयता के सिद्धांतों के विपरीत माना जाता है।

104. (B) अत्यधिक सूक्ष्म मापदंडों के साथ कार्ड को अत्यधिक भीड़भाड़ वाला बनाना।
रिपोर्ट कार्ड डिजाइन करते समय कार्ड को अत्यधिक सूक्ष्म मापदंडों, अनावश्यक आंकड़ों और जटिल विवरणों से अत्यधिक भीड़भाड़ वाला बनाने से बचना चाहिए। अत्यधिक जानकारी अभिभावकों को भ्रमित करती है और रिपोर्ट कार्ड के मूल सम्प्रेषण उद्देश्य को बाधित करती है।

NODIA

Visit :

www.pdf.tube

Download PDFs For :

- ✓ MPPSC Chapterwise Question Bank
- ✓ KVS/NVS Chapterwise Question Bank
- ✓ KVS/NVS 30 Sample Papers for Tier-II
- ✓ DSSSB TGT Chapterwise Question Bank
- ✓ DSSSB Sample Papers
- ✓ Chapterwise Question Bank
- ✓ JEE NEET Foundation
- ✓ Primary Classes Worksheets
- ✓ Olympiad Guide
- ✓ Sample Papers
- ✓ Previous Year CBSE Papers
- ✓ Previous JEE, NEET and CUET Papers

Nodia Editions LLP

125, Sector 6, Vidhyadhar Nagar, Jaipur 302039

MRP ₹ 390.00

Click Here to Buy book on Amazon